

बृहद् धातु-शब्दरूपसंग्रहः



संग्रहकर्ता
डॉ. रामकिशोर शर्मा



बृहद्-धातु-शब्द-रूप-संग्रह

Brihaddhatu-Rupa-Sangrah

by Ram Kishore Sharma

आदि पत्र आदि पत्र आदि

॥ श्रीः ॥
चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला

400



बृहद् धातु - शब्दरूपसङ्ग्रहः

संग्रहकर्ता
डॉ. रामकिशोर शर्मा

उपाचार्यचरः संस्कृतविभागस्य
एन. ए. एस. महाविद्यालय, मेरठ (३०५०)



चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
वाराणसी

© सर्वाधिकार सुरक्षित । इस प्रकाशन के किसी भी अंश का किसी भी रूप में पुनर्मुद्रण या किसी भी विधि (जैसे- इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो-प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या कोई अन्य विधि) से प्रयोग या किसी ऐसे यंत्र में भंडारण, जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो, प्रकाशक की पूर्वलिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है।

बृहद् धातु-शब्दरूपसंग्रहः - डॉ. रामकिशोर शर्मा

ISBN : 978-93-85005-55-8

प्रकाशक :

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

(भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के प्रकाशक तथा वितरक)

के 37/117 गोपाल मन्दिर लेन, पोस्ट बॉक्स न. 1129

वाराणसी 221001

दूरभाष : (0542) 2335263

e-mail : csp_naveen@yahoo.co.in

website : www.chaukhamba.co.in

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

संस्करण : 2016

₹ 300

वितरक :

चौखम्बा पब्लिशिंग हाउस

4697/2 ग्राउण्ड फ्लोर, गली न. 21-ए

अंसारी रोड़, दरियागंज

नई दिल्ली 110002

दूरभाष : (011) 32996391, टेलीफैक्स : 23286537

e-mail : chaukhambapublishinghouse@gmail.com

*

अन्य प्राप्तिस्थान :

चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान

38 यू. ए. बंगलो रोड़, जवाहर नगर

पोस्ट बॉक्स न. 2113

दिल्ली 110007

*

चौखम्बा विद्याभवन

चौक (बैंक ऑफ बड़ोदा भवन के पीछे)

पोस्ट बॉक्स न. 1069

वाराणसी 221001

मुद्रक :

डीलक्स ऑफसेट प्रिंटरस, दिल्ली,

पुरोवाक्

मानव जीवन में शुद्ध भाषा के प्रयोग की सर्वाधिक महत्ता है। विशुद्ध भाषा का मूल आधार वस्तुतः व्याकरण है। व्याकरण की व्युत्पत्ति है - व्याक्रियन्ते व्युत्पाद्यन्ते शब्दा अनेन। पस्पशाह्निक में महाभाष्यकार ने “लक्ष्य-लक्षणे व्याकरणम्” इस कात्यायन-प्रणीत वार्त्तिक को स्पष्ट करते हुए शब्द (लक्ष्य) तथा लक्षण (सूत्र) दोनों के सम्मिलित रूप को व्याकरण कहा है। महाभाष्य के उद्योत-टीकाकार ने असाधु शब्दों से अलग करके साधुशब्दों की व्याख्या करने वाले को व्याकरण माना है।

अनुशिष्यन्ते साधुशब्देभ्यो विविक्तं ज्ञायतेऽनेन, को आधार मानकर पाणिनि ने शब्दों का अनुशासन किया है और अनुशासन का अर्थ माना है - शिष्टस्य शासनम् अनुशासनम् अर्थात् सिद्धशब्द का नियम करना।

हेमचन्द्र के टीकाकारों ने व्याकरण के प्रयोजन बताते हुए प्रकृति-प्रत्यय के ज्ञापन के साथ संज्ञा, परिभाषा आदि दशविध सूत्रों के द्वारा शब्दों का अनुशासन करने वाला ही व्याकरण का स्वरूप माना है।

इस व्याकरण को वेदपुरुष का मुख माना गया है। पतञ्जलि ने इसीलिए व्यवस्था दी है कि ब्राह्मण को अकारण ही (स्वाभाविक रूप से) षडङ्ग वेद का अध्ययन करना चाहिए। षडङ्ग में व्याकरण की प्रमुखता है। वस्तुतः व्याकरण के ज्ञान के बिना शब्दों का उचित प्रयोग नहीं किया जा सकता और अनुचित - अशुद्ध प्रयोग से अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

पाणिनि ने इसीलिए इसको विशेष महत्त्व देते हुए विविध नियमों का सूत्र रूप में निर्माण किया है। इसमें मुख्य रूप से धातु एवं शब्दों के रूपों का निर्माण भाषा को व्यवस्थित बनाता है।

प्राच्य कक्षाओं के अध्ययन के अवसर पर रूप-निर्माण के नियमों की जिज्ञासा थी। यही धारणा अध्यापन के अवसर पर बलवती होती चली गई। विशेषतः मुझे प्रक्रियाओं के रूपों के मनोरम प्रयोग ने आकर्षित किया। रूप-निर्माण सम्बन्धी अनेक ग्रन्थों का अवलोकन किया। कतिपय ग्रन्थ एवं कार्य देखने में आए किन्तु अनेक रचनाओं में न तो पूर्ण रूप ही उपलब्ध हुए और न ही उनका व्यवस्थित रूप। फलतः मैंने ऐसे कार्य की योजना बनाई जिसमें

सिद्धान्त-कौमुदी के नियमों के अनुरूप क्रमिक ढंग से धातु एवं रूपों का अधिक से अधिक संग्रह हो सके।

परिणामस्वरूप “बृहद्-धातु-शब्द-रूप-संग्रह” वर्तमान रूप में प्रस्तुत है। यद्यपि इसमें भी पूर्णता कहना उचित नहीं प्रतीत होता क्योंकि कृदन्तादि रूपों का इसमें सम्यक् समावेश नहीं हो पाया है। भविष्य में स्वस्थ रहने पर इस इच्छा की भी सम्पूर्ति का संकल्प है।

ग्रन्थ के सम्पादन में मैंने विविध पुस्तकालयों एवं विद्वानों से यथासमय परामर्श किए उन अधिकारियों एवं विद्वानों का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। ग्रन्थ के प्रकाशन में चौखम्बा-संस्कृत-प्रतिष्ठान, दिल्ली के व्यवस्थापक श्रीमान् वल्लभदास गुप्त जी ने मेरा उत्साहवर्धन किया तदर्थ उनका भी मैं आभारी हूँ।

मेरठ

रामकिशोर शर्मा

अक्षयतृतीया

11.05.05

प्रकरण-सूची

पृष्ठ

भाग-1

1.	तिङन्ते भवादि प्रकरण	1-99
2.	तिङन्तेऽदादि प्रकरण	99-161
3.	तिङन्ते जुहोत्यादि प्रकरण	161-184
4.	तिङन्ते दिवादि प्रकरण	184-241
5.	तिङन्ते स्वादि प्रकरण	241-258
6.	तिङन्ते तुदादि प्रकरण	258-307
7.	तिङन्ते रूधादि प्रकरण	308-337
8.	तिङन्ते तनादि प्रकरण	338-351
9.	क्रयादि प्रकरण	351-384
10.	चुरादि प्रकरण	384-395
11.	ण्यन्त प्रकरण	396-426
12.	सन्नन्त प्रकरण	427-464
13.	यङन्त प्रकरण	465-503
14.	यङ् लुगन्त प्रकरण	503-524
15.	नामधातु प्रकरण	524-540
16.	कण्ड्वादि प्रकरण	540-542
17.	आत्मनेपद प्रकरण	543-561
18.	परस्मैपद प्रकरण	561-563
19.	भावकर्म प्रकरण	563-581
	धात्वनुक्रमणिका	582-619

भाग-2

1.	अजन्तपुँल्लिङ्ग प्रकरण	620-636
2.	अजन्तस्त्रीलिङ्ग प्रकरण	636-645
3.	अजन्तनपुसंकलिङ्ग प्रकरण	645-650
4.	हलन्तपुँल्लिङ्ग प्रकरण	651-674
5.	हलन्तस्त्रीलिङ्ग प्रकरण	674-679
6.	हलन्तनपुसंकलिङ्ग प्रकरण	680-687
	शब्दरूपानुक्रमणिका	688-691

प्रथम प्रकाशित विस्तृत हिन्दी व्याख्या

ॐ वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी ॐ

श्रीधरमुखोल्लासिनी हिन्दी व्याख्या

(प्रत्येक सूत्रों में पदप्रदर्शन, समास, अनुवृत्तिक्रम, सूत्रार्थ, भाष्य-मनोरमा-शेखर के अनुसार विस्तृत एवं सुगम व्याख्या, प्रयोगसिद्धि, सभी धातुओं के प्रत्येक लकारों के रूप, क्लिष्ट रूपों की सिद्धि एवं धातुपाठ सहित धातुप्रकरण का विशिष्ट विवेचन)

व्याख्याकार-गोविन्दाचार्यः

(चतुर्थ भाग-भ्वादि से चुरादि तक दशगणी)

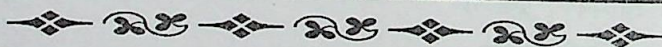
(प्रथम संस्करण 2010)

(सम्पूर्ण सात खण्डों में)

ॐ तर्कसंग्रहः ॐ

स्वोपज्ञतर्कसंग्रहदीपिका-
गोवर्द्धनमिश्रकृतन्यायबोधिनी-चन्द्रजसिंहकृतपदकृत्य-
गोविन्दाचार्यकृतश्रीनिवासमुखोल्लासिनी संस्कृत'
श्रीधरमुखोल्लासिनी हिन्दी व्याख्यासंवलितः
कारिकावली-न्यायपदार्थकोश-लघुत्तरीयप्रश्नोत्तर-
वस्तुनिष्ठप्रश्नात्मकपरिशिष्टसमलङ्कृतञ्च

व्याख्याकार-गोविन्दाचार्यः

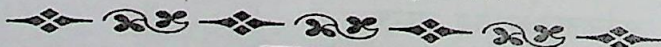


श्रीमद्भगवत्पतञ्जलिविरचितं

व्याकरणमहाभाष्यम्

ॐ मूलमात्रम् ॐ

सम्पादक-आत्मदेवमिश्रः



प्राप्ति स्थान

चौखाम्बा पब्लिशिंग हाऊस
4697/2, 21-ए, अंसारी रोड़,
दरियागंज नई दिल्ली - 110002
दूरभाष : (011) 23286537

चौखाम्बा सुरभारती प्रकाशन
के - 37/117 गोपाल मंदिर लेन
वाराणसी-221001
दूरभाष : (0542) 2335263

भ्वादिप्रकरणम्

1. भू सत्तायाम् (होना) अकर्मकः (सेट्) परस्मैपदी।

वर्तमाने लट्

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन	पुरुष
भवति	भवतः	भवन्ति	प्र०
भवसि	भवथः	भवथ	म०
भवामि	भवावः	भवामः	उ०

परोक्षे लिट्

बभूव	बभूवतुः	बभूवुः	प्र०
बभूविथ	बभूवथुः	बभूव	म०
बभूव	बभूविव	बभूविम	उ०

अनद्यतने लृट्

भविता	भवितारौ	भवितारः	प्र०
भवितासि	भवितास्थः	भवितास्थ	म०
भवितास्मि	भवितास्वः	भवितास्मः	उ०

भविष्यति लृट्

भविष्यति	भविष्यतः	भविष्यन्ति	प्र०
भविष्यसि	भविष्यथः	भविष्यथ	म०
भविष्यामि	भविष्यावः	भविष्यामः	उ०

विध्यादौ लोट्

भवतु-भवतात्	भवताम्	भवन्तु	प्र०
भव-भवतात्	भवतम्	भवत	म०
भवानि	भवाव	भवाम	उ०

अनद्यतनभूत लङ्

अभवत्	अभवताम्	अभवन्	प्र०
अभवः	अभवतम्	अभवत	म०
अभवम्	अभवाव	अभवाम	उ०

विध्यादौ लिङ्

भवेत्	भवेताम्	भवेयुः	प्र०
भवेः	भवेतम्	भवेत	म०
भवेयम्	भवेव	भवेम	उ०

आशिष् लिङ्

भूयात्	भूयास्ताम्	भूयासुः	प्र०
भूयाः	भूयास्तम्	भूयास्त	म०
भूयासम्	भूयास्व	भूयास्म	उ०

लुङ्

अभृत्	अभूताम्	अभूवन्	प्र०
अभूः	अभूतम्	अभूत	म०
अभूवम्	अभूव	अभूम	उ०

भविष्यति क्रियातिपत्तौ लृङ्

अभविष्यत्	अभविष्यताम्	अभविष्यन्	प्र०
अभविष्यः	अभविष्यतम्	अभविष्यत	म०
अभविष्यम्	अभविष्याव	अभविष्याम	उ०

2. कथ्यन्ता : षट् त्रिंशदनुदात्तेतः

एध वृद्धौ (बढ़ना) अकर्मक। सेट्। आत्मनेपदी।

लट्	एधते	एधेते	एधन्ते	प्र०
	एधसे	एधेथे	एधध्वे	म०
	एधे	एधावहे	एधामहे	उ०
लिट्	एधांचक्रे	एधांचक्राते	एधांचक्रिरे	प्र०
	एधांचकृषे	एधांचक्राथे	एधांचकृद्वे	म०
	एधांचक्रे	एधांचकृवहे	एधांचकृमहे	उ०

नोट— भू का अनुप्रयोग पूर्व के समान होने पर पूर्ववत् रूप चलते हैं।

एधाम्बभूव	एधाम्बभूवतुः	एधाम्बभूवुः	प्र०
एधाम्बभूविथ	एधाम्बभूवथुः	एधाम्बभूव	म०
एधाम्बभूव	एधाम्बभूविथ	एधाम्बभूविम	उ०

इसी प्रकार अस् धातु के साथ भी रूप चलते हैं—

लुट्	एधिता	एधितारौ	एधितारः	प्र०
	एधितासे	एधितासाथे	एधिताध्वे	म०
	एधिताहे	एधितास्वहे	एधितास्महे	उ०

लृट्	एधिष्यते	एधिष्येते	एधिष्यन्ते	प्र०
	एधिष्यसे	एधिष्येथे	एधिष्यध्वे	म०
	एधिष्ये	एधिष्यावहे	एधिष्यामहे	उ०
लोट्	एधताम्	एधेताम्	एधन्ताम्	प्र०
	एधस्व	एधेथाम्	एधध्वम्	म०
	एधै	एधावहै	एधामहै	उ०
लङ्	एधत	एधेताम्	एधन्त	प्र०
	एधथाः	एधेथाम्	एधध्वम्	म०
	एधे	एधावहि	एधामहि	उ०
विधि-लङ्	एधेत	एधेयाताम्	एधेरन्	प्र०
	एधेथाः	एधेयाथाम्	एधध्वम्	म०
	एधेय	एधेवहि	एधेमहि	उ०
आशिप् लिङ्	एधिषीष्ट	एधिषीयास्ताम्	एधिषीरन्	प्र०
	एधिषीष्ठाः	एधिषीयास्थाम्	एधिषीध्वम्	म०
	एधिषीय	एधिषीवहि	एधिषीमहि	उ०
लुङ्	ऐधिष्ट	ऐधिषाताम्	ऐधिषत	प्र०
	ऐधिष्ठाः	ऐधिषाथाम्	ऐधिध्वम्	म०
	ऐधिषियत	ऐधिष्वहि	ऐधिष्महि	उ०
लृङ्	ऐधिष्यत	ऐधिष्येताम्	ऐधिष्यन्त	प्र०
	ऐधिष्यथाः	ऐधिष्येथाम्	ऐधिष्यध्वम्	म०
	ऐधिष्ये	ऐधिष्यावहि	ऐधिष्यामहि	उ०

3. स्पृद्धं सङ्घर्षे (अकर्मक) (सेट) आत्मनेपदी

लट्	स्पृद्धते	स्पृद्धेते	स्पृद्धन्ते	प्र०
	स्पृद्धसे	स्पृद्धेथे	स्पृद्धध्वे	म०
	स्पृद्धे	स्पृद्धावहे	स्पृद्धामहे	उ०
लिट्	पस्पृद्धे	पस्पृद्धाते	पस्पृद्धिरे	प्र०
	पस्पृद्धिषे	पस्पृद्धाथे	पस्पृद्धिध्वे	म०
	पस्पृद्धे	पस्पृद्धिवहे	पस्पृद्धिमहे	उ०
लुट्	स्पृद्धिता	स्पृद्धितारौ	स्पृद्धितारः	प्र०
	स्पृद्धितासे	स्पृद्धितासाथे	स्पृद्धिताध्वे	म०
	स्पृद्धिताहे	स्पृद्धितास्वहे	स्पृद्धितास्महे	उ०

लृट्	स्पद्धिष्यते	स्पद्धिष्येते	स्पद्धिष्यन्ते	प्र०
	स्पद्धिष्यसे	स्पद्धिष्येथे	स्पद्धिष्यध्वे	म०
	स्पद्धिष्ये	स्पद्धिष्यावहे	स्पद्धिष्यामहे	उ०
लोट्	स्पद्धताम्	स्पद्धताम्	स्पद्धन्ताम्	प्र०
	स्पद्धस्व	स्पद्धेथाम्	स्पद्धध्वम्	म०
	स्पद्धे	स्पद्धविहे	स्पद्धामेहे	उ०
लङ्	अस्पद्धत	अस्पद्धताम्	अस्पद्धन्त	प्र०
	अस्पद्धथाः	अस्पद्धेथाम्	अस्पद्धध्वम्	म०
	अस्पद्धे	अस्पद्धविहि	अस्पद्धामहि	उ०
विधि-लिङ्	स्पद्धेत	स्पद्धेयाताम्	स्पद्धेरन्	प्र०
	स्पद्धेथाः	स्पद्धेयाथाम्	स्पद्धेध्वम्	म०
	स्पद्धेय	स्पद्धेवहि	स्पद्धेमहि	उ०
आशिष् लिङ्	स्पद्धिषीष्ट	स्पद्धिषीयास्ताम्	स्पद्धिषीरन्	प्र०
	स्पद्धिषीष्ठाः	स्पद्धिषीयास्थाम्	स्पद्धिषीध्वम्	म०
	स्पद्धिषीय	स्पद्धिषीवहि	स्पद्धिषीमहि	उ०
लृङ्	अस्पद्धिष्ट	अस्पद्धिषाताम्	अस्पद्धिषत	प्र०
	अस्पद्धिष्ठाः	अस्पद्धिषाथाम्	अस्पद्धिध्वम्	म०
	अस्पद्धिषि	अस्पद्धिष्वहि	अस्पद्धिष्वमहि	उ०
लृङ्	अस्पद्धिष्यत	अस्पद्धिष्येताम्	अस्पद्धिष्यन्त	प्र०
	अस्पद्धिष्यथाः	अस्पद्धिष्येथाम्	अस्पद्धिष्यध्वम्	म०
	अस्पद्धिष्ये	अस्पद्धिष्यावहि	अस्पद्धिष्यामहि	उ०

4. गाधृ प्रतिष्ठालिप्स्योर्ग्रन्थे च (सत्कार प्राप्त होने की इच्छा, गांठना) (सकर्मक्) सेट। आत्मनेपदी

लट्	गाधते	गाधेते	गाधन्ते	प्र०
	गाधसे	गाधेथे	गाधध्वे	म०
	गाधे	गाधावहे	गाधामहे	उ०
लिट्	जगाधे	जगाधाते	जगाधिरे	प्र०
	जगाधिषे	जगाधाथे	जगाधिध्वे	म०
	जगाधे	जगाधिवहे	जगाधिमहे	उ०

लृट्	गाधिता	गाधितारौ	गाधितारः	प्र०
	गाधितासे	गाधितासाथे	गाधिताध्वे	म०
	गाधिताहे	गाधितास्वहे	गाधितास्महे	उ०
लृट्	गाधिष्यते	गाधिष्येते	गाधिष्यन्ते	प्र०
	गाधिष्यसे	गाधिष्येथे	गाधिष्यध्वे	म०
	गाधिष्ये	गाधिष्यावहे	गाधिष्यामहे	उ०
लोट्	गाधताम्	गाधेताम्	गाधन्ताम्	प्र०
	गाधस्व	गाधेथाम्	गाधध्वम्	म०
	गाधै	गाधावहे	गाधामहै	उ०
लङ्	अगाधत	अगाधेताम्	अगाधन्त	प्र०
	अगाधथाः	अगाधेथाम्	अगाधध्वम्	म०
	अगाधे	अगाधावहि	अगाधामहि	उ०
विधि-लिट्	गाधेत	गाधेयाताम्	गाधेरन्	प्र०
	गाधेथाः	गाधेयाथाम्	गाधेध्वम्	म०
	गाधेय	गाधेवहि	गाधेमहि	उ०
आशिष् लिट्	गाधिषीष्ट	गाधिषीयास्ताम्	गाधिषीरन्	प्र०
	गाधिषीष्ठाः	गाधिषीयास्थाम्	गाधिषीध्वम्	म०
	गाधिषीय	गाधिषीवहि	गाधिषीमहि	उ०
लुङ्	अगाधिष्ट	अगाधिषाताम्	अगाधिषत	प्र०
	अगाधिष्ठाः	अगाधिषाथाम्	अगाधिध्वम्	म०
	अगाधिषि	अगाधिष्वहि	अगाधिष्महि	उ०
लृङ्	अगाधिष्यत	अगाधिष्येताम्	अगाधिष्यन्त	प्र०
	अगाधिष्यथाः	अगाधिष्येथाम्	अगाधिष्यध्वम्	म०
	अगाधिष्ये	अगाधिष्यावहि	अगाधिष्यामहि	उ०

5. बाधृ विलोडने (हटा देना) लोडनम् प्रतिघातः (सकर्मक) सेट्। आत्मनेपदी

लट्	बाधते	बाधेते	बाधन्ते	प्र०
	बाधसे	बाधेथे	बाधध्वे	म०
	बाधे	बाधावहे	बाधामहे	उ०
लिट्	बबाधे	बबाधाते	बबाधिरे	प्र०
	बबाधिषे	बबाधाथे	बबाधिध्वे	म०
	बबाधे	बबाधिवहे	बबाधिमहे	उ०

लृट्	बाधिता	बाधितारौ	बाधितारः	प्र०
	बाधितासे	बाधितासाथे	बाधिताध्वे	म०
	बाधिताहे	बाधितास्वहे	बाधितास्महे	उ०
लृट्	बाधिष्यते	बाधिष्येते	बाधिष्यन्ते	प्र०
	बाधिष्यसे	बाधिष्येथे	बाधिष्यध्वे	म०
	बाधिष्ये	बाधिष्यावहे	बाधिष्यामहे	उ०
लोट्	बाधताम्	बाधेताम्	बाधन्ताम्	प्र०
	बाधस्व	बाधेथाम्	बाधध्वम्	म०
	बाधै	बाधावहे	बाधामहै	उ०
लङ्	अबाधत	अबाधेताम्	अबाधन्त	प्र०
	अबाधथाः	अबाधेथाम्	अबाधध्वम्	म०
	अबाधे	अबाधावहि	अबाधामहि	उ०
विधि-लिङ्	बाधेत	बाधेयाताम्	बाधेरन्	प्र०
	बाधेथाः	बाधेयाथाम्	बाधेध्वम्	म०
	बाधेय	बाधेवहि	बाधेमहि	उ०
आशिष् लिङ्	बाधिषीष्ट	बाधिषीयास्ताम्	बाधिषीरन्	प्र०
	बाधिषीष्ठाः	बाधिषीयास्थाम्	बाधिषीध्वम्	म०
	बाधिषीय	बाधिषीवहि	बाधिषीमहि	उ०
लुङ्	अबाधिष्ट	अबाधिषाताम्	अबाधिषत	प्र०
	अबाधिष्ठाः	अबाधिषाथाम्	अबाधिषध्वम्	म०
	अबाधिषि	अबाधिष्वहि	अबाधिष्महि	उ०
लृङ्	अबाधिष्यत	अबाधिष्येताम्	अबाधिष्यन्त	प्र०
	अबाधिष्यथाः	अबाधिष्येथाम्	अबाधिष्यध्वम्	म०
	अबाधिष्ये	अबाधिष्यावहि	अबाधिष्यामहि	उ०

6-7. नाथृ, नाथृ- याच्चोपतापैश्वर्याशीः पु (उभयपदी)

(याच्)-मांगना, उपताप, पीडा, ऐश्वर्य, उत्तम पदार्थ, आशी : इच्छा)

लट्	नाथते	नाथेते	नाथन्ते	प्र०
(आत्मनेपद)	नाथसे	नाथेथे	नाथध्वे	म०
	नाथे	नाथावहे	नाथामहे	उ०

लट्	नाथति	नाथतः	नाथन्ति	प्र०
(परस्मैपद)	नाथसि	नाथथः	नाथथ	म०
	नाथामि	नाथावः	नाथामः	उ०

टिप्पणी— क) अश्याशिष्येवात्मनेपद स्यात् आशीर्वाद अर्थ में ही नाथ धातु आत्मनेपदी है शेष अर्थों में परस्मैपदी है जैसे—सर्पिषो नाथते, अन्यत्र नाथति।

ख) अन्य सभी लकारों में इसके रूप पूर्ववत् हैं।

8. दध धारणे

लट्	दधते	दधेते	दधन्ते	प्र०
	दधसे	दधेथे	दधध्वे	म०
	दधे	दधावहे	दधामहे	उ०
लिट्	देधे	देधाते	देधिरे	प्र०
	देधिपे	देधाथे	देधिध्वे	म०
	देधे	देधिवहे	देधिमहे	उ०
लुट्	दधिता	दधितारौ	दधितारः	प्र०
	दधितासे	दधितासाथे	दधिताध्वे	म०
	दधिताहे	दधितास्वहे	दधितास्महे	उ०
लृट्	दधिष्यते	दधिष्येते	दधिष्यन्ते	प्र०
	दधिष्यसे	दधिष्येथे	दधिष्यध्वे	म०
	दधिष्ये	दधिष्यावहे	दधिष्यामहे	उ०
लोट्	दधताम्	दधेताम्	दधन्ताम्	प्र०
	दधस्व	दधेथाम्	दधध्वम्	म०
	दधै	दधावहै	दधामहै	उ०
लङ्	अदधत	अदधेताम्	अदधन्त	प्र०
	अदधथाः	अदधेथाम्	अदधध्वम्	म०
	अदधे	अदधावहि	अदधामहि	उ०
विधि-लिङ्	दधेत	दधेयाताम्	दधेरन्	प्र०
	दधेथाः	दधेयाशाम्	दधेध्वम्	म०
	दधेय	दधेवहि	दधेमहि	उ०

आशिष्-लिङ्	दधिषीष्ट	दधिषीयास्ताम्	दधिषीरन्	प्र०
	दधिषीष्ठाः	दधिषीयास्थाम्	दधिषीध्वम्	म०
	दधिषीय	दधिषीवहि	दधिषीमहि	उ०
लुङ्	अदधिष्ट	अदधिषाताम्	अदधिषत	प्र०
	अदधिष्ठाः	अदधिषाथाम्	अदधिध्वम्	म०
	अदधिषि	अदधिष्वहि	अदधिष्महि	उ०
लृङ्	अदधिष्यत	अदधिष्येताम्	अदधिष्यन्त	प्र०
	अदधिष्यथाः	अदधिष्येथाम्	अदधिष्यध्वम्	म०
	अदधिष्ये	अदधिष्यावहि	अदधिष्यामहि	उ०

9. स्कुदि आप्रवणे (कूदना) आप्रवणमुत्प्लनमुद्धरणं च (अकर्मकः)

लट्	स्कुन्दते	स्कुन्देते	स्कुन्दन्ते	प्र०
	स्कुन्दसे	स्कुन्देथे	स्कुन्दध्वे	म०
	स्कुन्दे	स्कुन्दावहे	स्कुन्दामहे	उ०
लिट्	चुस्कुन्दे	चुस्कुन्दाते	चुस्कुन्दिरे	प्र०
	चुस्कुन्दिषे	चुस्कुन्दाथे	चुस्कुन्दिध्वे	म०
	चुस्कुन्दे	चुस्कुन्दिवहे	चुस्कुन्दिमहे	उ०
लुट्	स्कुन्दिता	स्कुन्दितारौ	स्कुन्दितारः	प्र०
	स्कुन्दितासे	स्कुन्दितासाथे	स्कुन्दिताध्वे	म०
	स्कुन्दिताहे	स्कुन्दितास्वहे	स्कुन्दितास्महे	उ०
लृट्	स्कुन्दिष्यते	स्कुन्दिष्येते	स्कुन्दिष्यन्ते	प्र०
	स्कुन्दिष्यसे	स्कुन्दिष्येथे	स्कुन्दिष्यध्वे	म०
	स्कुन्दिष्ये	स्कुन्दिष्यावहे	स्कुन्दिष्यामहे	उ०
लोट्	स्कुन्दताम्	स्कुन्देताम्	स्कुन्दन्ताम्	प्र०
	स्कुन्दस्व	स्कुन्देथाम्	स्कुन्दध्वम्	म०
	स्कुन्दै	स्कुन्दावहै	स्कुन्दामहै	उ०
लङ्	अस्कुन्दत	अस्कुन्देताम्	अस्कुन्दन्त	प्र०
	अस्कुन्दथाः	अस्कुन्देथाम्	अस्कुन्दध्वम्	म०
	अस्कुन्दे	अस्कुन्दावहि	अस्कुन्दामहि	उ०

विधि-लिङ्	स्कुन्देत	स्कुन्देयाताम्	स्कुन्देरन्	प्र०
	स्कुन्देथाः	स्कुन्देयाथाम्	स्कुन्देध्वम्	म०
	स्कुन्देय	स्कुन्देवहि	स्कुन्देमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	स्कुन्दिषीष्ट	स्कुन्दिषीयास्ताम्	स्कुन्दिषीरन्	प्र०
	स्कुन्दिषीष्ठाः	स्कुन्दिषीयास्थाम्	स्कुन्दिषीध्वम्	म०
	स्कुन्दिषीय	स्कुन्दिषीवहि	स्कुन्दिषीमहि	उ०
लृङ्	अस्कुन्दिष्ट	अस्कुन्दिषाताम्	अस्कुन्दिषत	प्र०
	अस्कुन्दिष्ठाः	अस्कुन्दिषाथाम्	अस्कुन्दिध्वम्	म०
	अस्कुन्दिषि	अस्कुन्दिष्वहि	अस्कुन्दिष्महि	उ०
लृङ्	अस्कुन्दिष्यत	अस्कुन्दिष्येताम्	अस्कुन्दिष्यन्त	प्र०
	अस्कुन्दिष्यथा	अस्कुन्दिष्येथाम्	अस्कुन्दिष्यध्वम्	म०
	अस्कुन्दिष्ये	अस्कुन्दिष्यावहि	अस्कुन्दिष्यामहि	उ०

10. शिवदि- श्वैत्थे (श्वेत होना) अकर्मक :

लट्	शिवन्दते	शिवन्देते	शिवन्दन्ते	प्र०
	शिवन्दसे	शिवन्देथे	शिवन्दध्वे	म०
	शिवन्दे	शिवन्दावहे	शिवन्दामहे	उ०
लिट्	शिशिवन्दे	शिशिवन्दाते	शिशिवन्दिरे	प्र०
	शिशिवन्दषे	शिशिवन्दाथे	शिशिवन्दिध्वे	म०
	शिशिवन्दे	शिशिवन्दिवहे	शिशिवन्दिमहे	उ०
लृट्	शिवन्दिता	शिवन्दितारौ	शिवन्दितारः	प्र०
	शिवन्दितासे	शिवन्दितासाथे	शिवन्दिताध्वे	म०
	शिवन्दिताहे	शिवन्दितास्वहे	शिवन्दितास्महे	उ०
लृट्	शिवन्दिष्यते	शिवन्दिष्येते	शिवन्दिष्यन्ते	प्र०
	शिवन्दिष्यसे	शिवन्दिष्येथे	शिवन्दिष्यध्वे	म०
	शिवन्दिष्ये	शिवन्दिष्यावहे	शिवन्दिष्यामहे	उ०
लोट्	शिवन्दताम्	शिवन्देताम्	शिवन्दन्ताम्	प्र०
	शिवन्दस्व	शिवन्देथाम्	शिवन्दध्वम्	म०
	शिवन्दै	शिवन्दावहै	शिवन्दामहै	उ०
लङ्	अशिवन्दत	अशिवन्देताम्	अशिवन्दन्त	प्र०
	अशिवन्दथाः	अशिवन्देथाम्	अशिवन्दध्वम्	म०
	अशिवन्दे	अशिवन्दावहि	अशिवन्दामहि	उ०

विधि-लिङ्	शिवन्देत	शिवन्देयाताम्	शिवन्देरन्	प्र०
	शिवन्देथाः	शिवन्देयाथाम्	शिवन्देध्वम्	म०
	शिवन्देय	शिवन्देवहि	शिवन्देमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	शिवन्दिषीष्ट	शिवन्दिषीयास्ताम्	शिवन्दिषीरन्	प्र०
	शिवन्दिषीष्ठाः	शिवन्दिषीयास्थाम्	शिवन्दिषीध्वम्	म०
	शिवन्दिषीय	शिवन्दिषीवहि	शिवन्दिषीमहि	उ०
लुङ्	अशिवन्दिष्ट	अशिवन्दिषाताम्	अशिवन्दिषत	प्र०
	अशिवन्दिष्ठाः	अशिवन्दिषाथाम्	अशिवन्दिध्वम्	म०
	अशिवन्दिषि	अशिवन्दिष्वहि	अशिवन्दिष्वमहि	उ०
लृङ्	अशिवन्दिष्यत	अशिवन्दिष्येताम्	अशिवन्दिष्यन्त	प्र०
	अशिवन्दिष्यथाः	अशिवन्दिष्येथाम्	अशिवन्दिष्यध्वम्	म०
	अशिवन्दिष्ये	अशिवन्दिष्यावहि	अशिवन्दिष्यामहि	उ०

11. वदि अभिवादनस्तुत्योः (नमस्कार और प्रशंसा (अकर्मकः))

लट्	वन्दते	वन्दते	वन्दन्ते	प्र०
	वन्दसे	वन्दथे	वन्दध्वे	म०
	वन्दे	वन्दावहे	वन्दामहे	उ०
लिट्	ववन्दे	ववन्दाते	ववन्दिरे	प्र०
	ववन्दिषे	ववन्दाथे	ववन्दिध्वे	म०
	ववन्दे	ववन्दिवहे	ववन्दिमहे	उ०
लुट्	वन्दिता	वन्दितारौ	वन्दितारः	प्र०
	वन्दितासे	वन्दतासाथे	वन्दिताध्वे	म०
	वन्दिताहे	वन्दितास्वहे	वन्दितामहे	उ०
लृट्	वन्दिष्यते	वन्दिष्येते	वन्दिष्यन्ते	प्र०
	वन्दिष्यसे	वन्दिष्येथे	वन्दिष्यध्वे	म०
	वन्दिष्ये	वन्दिष्यावहे	वन्दिष्यामहे	उ०
लोट्	वन्दताम्	वन्देताम्	वन्दन्ताम्	प्र०
	वन्दस्व	वन्देथाम्	वन्दध्वम्	म०
	वन्दै	वन्दावहै	वन्दामहै	उ०
लङ्	अवन्दत	अवन्देताम्	अवन्दन्त	प्र०
	अवन्दथाः	अवन्देथाम्	अवन्दध्वम्	म०
	अवन्दे	अवन्दावहि	अवन्दामहि	उ०

विधि-लिङ्	वन्देत	वन्देयाताम्	वन्देरन्	प्र०
	वन्देथाः	वन्देयाथाम्	वन्देध्वम्	म०
	वन्देय	वन्देवहि	वन्देमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	वन्दिषीष्ट	वन्दिषीयास्ताम् वन्दिषीरन्		प्र०
	वन्दिषीष्ठाः	वन्दिषीयास्थाम्	वन्दिषीध्वम्	म०
	वन्दिषीय	वन्दिषीवहि	वन्दिषीमहि	उ०
लुङ्	अवन्दिष्ट	अवन्दिषाताम्	अवन्दिषत	प्र०
	अवन्दिष्ठाः	अवन्दिषाथाम्	अवन्दिध्वम्	म०
	अवन्दिषि	अवन्दिष्वहि	अवन्दिष्वमहि	उ०
लृङ्	अवन्दिष्यत	अवन्दिष्येताम्	अवन्दिष्यन्त	प्र०
	अवन्दिष्यथाः	अवन्दिष्येथाम्	अवन्दिष्यध्वम्	म०
	अवन्दिष्ये	अवन्दिष्यावहि	अवन्दिष्यामहि	उ०

12. भदि कल्याणे सुखे च - (शुभ गुणों को प्राप्त होना और सुखी होना)

लट्	भन्दते	भन्देते	भन्दन्ते	प्र०
	भन्दसे	भन्देथे	भन्दध्वे	म०
	भन्दे	भन्दावहे	भन्दामहे	उ०
लिट्	बभन्दे	बभन्दाते	बभन्दिरे	प्र०
	बभन्दिषे	बभन्दाथे	बभन्दिध्वे	म०
	बभन्दे	बभन्दिवहे	बभन्दिमहे	उ०
लुट्	भन्दिता	भन्दितारौ	भन्दितारः	प्र०
	भन्दितासे	भन्दितासाथे	भन्दिताध्वे	म०
	भन्दिताहे	भन्दितास्वहे	भन्दितामहे	उ०
लृट्	भन्दिष्यते	भन्दिष्येते	भन्दिष्यन्ते	प्र०
	भन्दिष्यसे	भन्दिष्येथे	भन्दिष्यध्वे	म०
	भन्दिष्ये	भन्दिष्यावहे	भन्दिष्यामहे	उ०
लोट्	भन्दताम्	भन्देताम्	भन्दन्ताम्	प्र०
	भन्दस्व	भन्देथाम्	भन्दध्वम्	म०
	भन्दै	भन्दावहै	भन्दामहै	उ०
लङ्	अभन्दत	अभन्देताम्	अभन्दन्त	प्र०
	अभन्दथाः	अभन्देथाम्	अभन्दध्वम्	म०
	अभन्दे	अभन्दावहि	अभन्दामहि	उ०

विधि-लिङ्	भन्देत	भन्देयाताम्	भन्देरन्	प्र०
	भन्देथाः	भन्देयाथाम्	भन्देध्वम्	म०
	भन्देय	भन्देवहि	भन्देमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	भन्दिषीष्ट	भन्दिषीयास्ताम्	भन्दिषीरन्	प्र०
	भन्दिषीष्ठाः	भन्दिषीयास्थाम्	भन्दिषीध्वम्	म०
	भन्दिषीय	भन्दिषीवहि	भन्दिषीमहि	उ०
लुङ्	अभन्दिष्ट	अभन्दिषाताम्	अभन्दिषत	प्र०
	अभन्दिष्ठाः	अभन्दिषाथाम्	अभन्दिध्वम्	म०
	अभन्दिषि	अभन्दिष्वहि	अभन्दिष्महि	उ०
लृङ्	अभन्दिष्यत	अभन्दिष्येताम्	अभन्दिष्यन्त	प्र०
	अभन्दिष्यथाः	अभन्दिष्येथाम्	अभन्दिष्यध्वम्	म०
	अभन्दिष्ये	अभन्दिष्यावहि	अभन्दिष्यामहि	उ०

13. मदि स्तुतिमोदमदस्वप्नकान्तिगतिषु— (प्रशंसा करना, मोद-हर्ष होना, मद-अभिमान, स्वप्न-सोना, कान्ति-कामना करना, गति-ज्ञान, गमन, प्राप्ति) भदि के समान रूप चलेंगे।

14. स्पदि किञ्चिच्चलने— (मन्द मन्द चलना)

15. क्लिदिपरिदेवने— (दुःखी होना) परिदेवनशब्दं व्याचष्टे — शोक इति। स्मृत्वा क्लेशः शोकः। (सकर्मक) —रूप पूर्ववत्

16. मुद हर्षे— (आनन्द होना) (अकर्मक सेट्) आत्मनेपदी

लट्	मोदते	मोदेते	मोदन्ते	प्र०
	मोदसे	मोदेथे	मोदध्वे	म०
	मोदे	मोदावहे	मोदामहे	उ०
लिट्	मुमुदे	मुमुदाते	मुमुदिरे	प्र०
	मुमुदिषे	मुमुदाथे	मुमुदिध्वे	म०
	मुमुदे	मुमुदिवहे	मुमुदिमहे	उ०
लृट्	मोदिता	मोदितारौ	मोदितारः	प्र०
	मोदितासे	मोदितासाथे	मोदिताध्वे	म०
	मोदिताहे	मोदितास्वहे	मोदितास्महे	उ०

लृट्	मोदिष्यते	मोदिष्येते	मोदिष्यन्ते	प्र०
	मोदिष्यसे	मोदिष्येथे	मोदिष्यध्वे	म०
	मोदिष्ये	मोदिष्यावहे	मोदिष्यामहे	उ०
लोट्	मोदताम्	मोदेताम्	मोदन्ताम्	प्र०
	मोदस्व	मोदेथाम्	मोदध्वम्	म०
	मोदै	मोदावहै	मोदामहै	उ०
लङ्	अमोदत	अमोदेताम्	अमोदन्त	प्र०
	अमोदथाः	अमोदेथाम्	अमोदध्वम्	म०
	अमोदे	अमोदावहि	अमोदामहि	उ०
विधि-लिङ्	मोदेत	मोदेयाताम्	मोदेरन्	प्र०
	मोदेथाः	मोदेयाथाम्	मोदेध्वम्	म०
	मोदेय	मोदेवहि	मोदेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	मोदिषीष्ट	मोदिषीयास्ताम्	मोदिषीरन्	प्र०
	मोदिषीष्ठाः	मोदिषीयास्थाम्	मोदिषीध्वम्	म०
	मोदिषीय	मोदिषीवहि	मोदिषीमहि	उ०
लुङ्	अमोदिष्ट	अमोदिषाताम्	अमोदिषत	प्र०
	अमोदिष्ठाः	अमोदिषाथाम्	अमोदिध्वम्	म०
	अमोदिषि	अमोदिष्वहि	अमोदिष्महि	उ०
लृङ्	अमोदिष्यत	अमोदिष्येताम्	अमोदिष्यन्त	प्र०
	अमोदिष्यथाः	अमोदिष्येथाम्	अमोदिष्यध्वम्	म०
	अमोदिष्ये	अमोदिष्यावहि	अमोदिष्यामहि	उ०

17. दद दाने (न ममेति त्यागो दानम्, न तु द्रव्यत्यागः) (देना) सकर्मक (से०आ०)

लट्	ददते	ददेते	ददन्ते	प्र०
	ददसे	ददेथे	ददध्वे	म०
	ददे	ददावहे	ददामहे	उ०
लिट्	दददे	दददाते	दददिरे	प्र०
	दददिषे	दददाथे	दददिध्वे	म०
	दददे	दददिवहे	दददिमहे	उ०
लुट्	ददिता	ददितारौ	ददितारः	प्र०
	ददितासे	ददितासाथे	ददिताध्वे	म०
	ददिताहे	ददितास्वहे	ददितास्महे	उ०

लृट्	ददिष्यते	ददिष्येते	ददिष्यन्ते	प्र०
	ददिष्यसे	ददिष्येथे	ददिष्यध्वे	म०
	ददिष्ये	ददिष्यावहे	ददिष्यामहे	उ०
लोट्	ददताम्	ददेताम्	ददन्ताम्	प्र०
	ददस्व	ददेथाम्	ददध्वम्	म०
	ददै	ददावहै	ददामहै	उ०
लङ्	अददत	अददेताम्	अददन्त	प्र०
	अददथाः	अददेथाम्	अददध्वम्	म०
	अददे	अददावहि	अददामहि	उ०
विधि-लिङ्	ददेत	ददेयाताम्	ददेरन्	प्र०
	ददेथाः	ददेयाथाम्	ददेध्वम्	म०
	ददेय	ददेवहि	ददेमहि	उ०
आशिप्-लिङ्	ददिषीष्ट	ददिषीयास्ताम्	ददिषीरन्	प्र०
	ददिषीष्ठाः	ददिषीयास्थाम्	ददिषीध्वम्	म०
	ददिषीय	ददिषीवहि	ददिषीमहि	उ०
लुङ्	अददिष्ट	अददिषाताम्	अददिषत	प्र०
	अददिष्ठाः	अददिषाथाम्	अददिध्वम्	म०
	अददिषि	अददिष्वहि	अददिष्महि	उ०
लृङ्	अददिष्यत	अददिष्येताम्	अददिष्यन्त	प्र०
	अददिष्यथाः	अददिष्येथाम्	अददिष्यध्वम्	म०
	अददिष्ये	अददिष्यावहि	अददिष्यामहि	उ०

18. ष्वद आस्वादने- स्वाद लेन। आस्वादनम् अनुभवः। प्रतिविषयीभावात्मिका रुचिर्वा।

लट्	स्वदते	स्वदेते	स्वदन्ते	प्र०
	स्वदसे	स्वदेथे	स्वदध्वे	म०
	स्वदे	स्वदावहे	स्वदामहे	उ०
लिट्	सस्वदे	सस्वदाते	सस्वदिरे	प्र०
	सस्वदिषे	सस्वदाथे	सस्वदिध्वे	म०
	सस्वदे	सस्वदिवहे	सस्वदिमहे	उ०

लुट्	स्वदिता	स्वदितारौ	स्वदितारः	प्र०
	स्वदितासे	स्वदितासाथे	स्वदिताध्वे	म०
	स्वदिताहे	स्वदितास्वहे	स्वदितास्महे	उ०
लृट्	स्वदिष्यते	स्वदिष्येते	स्वदिष्यन्ते	प्र०
	स्वदिष्यसे	स्वदिष्येथे	स्वदिष्यध्वे	म०
	स्वदिष्ये	स्वदिष्यावहे	स्वदिष्यामहे	उ०
लोट्	स्वदताम्	स्वदेताम्	स्वदन्ताम्	प्र०
	स्वदस्व	स्वदेथाम्	स्वदध्वम्	म०
	स्वदै	स्वदावहै	स्वदामहै	उ०
लङ्	अस्वदत	अस्वदेताम्	अस्वदन्त	प्र०
	अस्वदथाः	अस्वदेथाम्	अस्वदध्वम्	म०
	अस्वदे	अस्वदावहि	अस्वदामहि	उ०
विधि-लिङ्	स्वदेत	स्वदेयाताम्	स्वदेरन्	प्र०
	स्वदेथाः	स्वदेयाथाम्	स्वदेध्वम्	म०
	स्वदेय	स्वदेवहि	स्वदेमहि	उ०
आशिप्-लिङ्	स्वदिषीष्ट	स्वदिषीयास्ताम्	स्वदिषीरन्	प्र०
	स्वदिषीष्ठाः	स्वदिषीयास्थाम्	स्वदिषीध्वम्	म०
	स्वदिषीय	स्वदिषीवहि	स्वदिषीमहि	उ०
लुङ्	अस्वदिष्ट	अस्वदिषाताम्	अस्वदिषत	प्र०
	अस्वदिष्ठाः	अस्वदिषाथाम्	अस्वदिध्वम्	म०
	अस्वदिषि	अस्वदिष्वहि	अस्वदिष्महि	उ०
लृङ्	अस्वदिष्यत	अस्वदिष्येताम्	अस्वदिष्यन्त	प्र०
	अस्वदिष्यथाः	अस्वदिष्येथाम्	अस्वदिध्वम्	म०
	अस्वदिष्ये	अस्वदिष्यावहि	अस्वदिष्यामहि	उ०

19. स्वर्य - टिप्पणी- स्वर्य के भी इसी के समान रूप होंगे।

- | | | | |
|--|--------------------|--------------------------|-----------|
| 20. उर्द माने क्रीडायां च | 21. कुर्द | 22. खुर्द | 23. गुर्द |
| 24. गुद क्रीडायामेव | 25. षूद शरणे | 26. ह्राद अव्यक्ते शब्दे | |
| 27. ह्रादी सुखे च चादव्यक्ते शब्दे। | 28. स्वाद आस्वादने | | |
| 29. पर्द कुत्सिते शब्दे आत्मनेपदी - रूप पूर्ववत् | | | |
| 30. यती प्रयत्ने - (पुरुषार्थ करना) | | | |

लट्	यतते	यतेते	यतन्ते	प्र०
	यतसे	यतेथे	यतध्वे	म०
	यते	यतावहे	यतामहे	उ०
लिट्	दयेते	येताते	येतिरे	प्र०
	येतिषे	येताथे	येतिध्वे	म०
	येते	येतिवहे	येतिमहे	उ०
लुट्	यतिता	यतितारौ	यतितारः	प्र०
	यतितासे	यतितासाथे	यतिताध्वे	म०
	यतिताहे	यतितास्वहे	यतितास्महे	उ०
लृट्	यतिष्यते	यतिष्येते	यतिष्यन्ते	प्र०
	यतिष्यसे	यतिष्येथे	यतिष्यध्वे	म०
	यतिष्ये	यतिष्यावहे	यतिष्यामहे	उ०
लोट्	यतताम्	यतेताम्	यतन्ताम्	प्र०
	यतस्व	यतेथाम्	यतध्वम्	म०
	यतै	यतावहै	यतामहै	उ०
लङ्	अयतत	अयतेताम्	अयतन्त	प्र०
	अयतथाः	अयताथाम्	अयतध्वम्	म०
	अयते	अयतावहि	अयततामहि	उ०
विधि-लिट्	यतेत	यतेयाताम्	यतेरन्	प्र०
	यतेथाः	यतेयाथाम्	यतेध्वम्	म०
	यतेय	यतेवहि	यतेमहि	उ०
आशिप्-लिट्	यतिषीष्ट	यतिषीयास्ताम्	यतिषीरन्	प्र०
	यतिषीष्ठाः	यतिषीयास्थाम्	यतिषीध्वम्	म०
	यतिषीय	यतिषीवहि	यतिषीमहि	उ०
लुङ्	अयतिष्ट	अयतिषाताम्	अयतिषत	प्र०
	अयतिष्ठाः	अयतिषाथाम्	अयतिध्वम्	म०
	अयतिषि	अयतिष्वहि	अयतिष्महि	उ०
लृङ्	अयतिष्यत	अयतिष्येताम्	अयतिष्यन्त	प्र०
	अयतिष्यथाः	अयतिष्येथाम्	अयतिष्यध्वम्	म०
	अयतिष्ये	अयतिष्यावहि	अयतिष्यामहि	उ०

31. युत् 32. जुत् भासने 33. विथ्
 34. वेथ् याचने 35. श्रथि शैथिल्ये 36. ग्रथि कौटिल्ये
 37. क्त्य श्लाघायाम् - आत्मनेपदी रूप पूर्ववत् - स्थादयो नुदातेतो गताः

‘ अथाष्टात्रिंशतवर्गीयान्ताः परस्मैपदिना

38. अत सातत्यगमने - (निरन्तर चलना) सकर्मक, सेट्, परस्मैपदी

लट्	अतति	अततः	अतन्ति	प्र०
	अतसि	अतथः	अतथ	म०
	अतामि	अतावः	अतामः	उ०
लिट्	आत	आततुः	आतुः	प्र०
	अतिथ	आतथुः	आत	म०
	आत	अतिव	अतिम	उ०
लुट्	अतिता	अतितारौ	अतितारः	प्र०
	अतितासि	अतितास्थः	अतितास्थ	म०
	अतितास्मि	अतितास्वः	अतितास्मः	उ०
लृट्	अतिष्यति	अतिष्यतः	अतिष्यन्ति	प्र०
	अतिष्यसि	अतिष्यथः	अतिष्यथ	म०
	अतिष्यामि	अतिष्यावः	अतिष्यामः	उ०
लोट्	अततु-अततात्	अतताम्	अतन्तु	प्र०
	अत-अततात्	अततम्	अतत	म०
	अतानि	अताव	अताम	उ०
लङ्	आतत्	आतताम्	आतन्	प्र०
	आतः	आततम्	आतत	म०
	आतम्	आताव	आतताम	उ०
विधि-लिङ्	अतेत्	अतेताम्	अतेयुः	प्र०
	अतेः	अतेतम्	अतेत	म०
	अतेयम्	अतेव	अतेम	उ०
आशिप्-लिङ्	अत्यात्	अत्यास्ताम्	अत्यासुः	प्र०
	अत्याः	अत्यास्तम्	अत्यास्त	म०
	अत्यासम्	अत्यास्व	अत्यास्म	उ०

लृङ्	आतीत्	आतिष्ठाम्	आतिष्ठुः	प्र०
	आतीः	आतिष्ठम्	आतिष्ठ	म०
	आतिष्ठम्	आतिष्ठ्व	आतिष्ठम्	उ०
लृङ्	आतिष्ठ्यत्	आतिष्ठ्यताम्	आतिष्ठ्यन्	प्र०
	आतिष्ठ्यः	आतिष्ठ्यतम्	आतिष्ठ्यत	म०
	आतिष्ठ्यम्	आतिष्ठ्याव	आतिष्ठ्याम	उ०
39. चितीसंज्ञाने – ठीक ठीक जानना (अकर्मक) सेट्, परस्मैपदी				
लट्	चेतति	चेततः	चेतन्ति	प्र०
	चेतसि	चेतथः	चेतथ	म०
	चेतामि	चेतावः	चेतामः	उ०
लिट्	चिचेत	चिचिततुः	चिचितुः	प्र०
	चिचेतिथ	चिचितथुः	चिचित	म०
	चिचेत	चिचितिव	चिचितिम	उ०
लुट्	चेतिता	चेतितारौ	चेतितारः	प्र०
	चेतितासि	चेतितास्थः	चेतितास्थ	म०
	चेतितास्मि	चेतितास्वः	चेतितास्म	उ०
लृट्	चेतिष्यति	चेतिष्यतः	चेतिष्यन्ति	प्र०
	चेतिष्यसि	चेतिष्यथः	चेतिष्यथ	म०
	चेतिष्यामि	चेतिष्यावः	चेतिष्यामः	उ०
लोट्	चेततु-तात्	चेतताम्	चेतन्तु	प्र०
	चेत-तात्	चेततम्	चेतत	म०
	चेतानि	चेताव	चेताम	उ०
लङ्	अचेतत्	अचेतताम्	अचेतन्	प्र०
	अचेतः	अचेतम्	अचेतत	म०
	अचेतम्	अचेताव	अचेताम	उ०
विधि-लिट्	चेतेत्	चेतेताम्	चेतेयुः	प्र०
	चेतेः	चेतेतम्	चेतेत	म०
	चेतेयम्	चेतेव	चेतेम	उ०
आशिष्-लिट्	चित्यात्	चित्यास्ताम्	चित्यासुः	प्र०
	चित्याः	चित्यास्तम	चित्यास्त	म०
	चित्यासम	चित्यास्व	चित्यास्म	उ०

लुङ्	अचेतीत्	अचेतिष्टाम्	अचेतिषुः	प्र०
	अचेतीः	अचेतिष्टम्	अचेतिष्ट	म०
	अचेतिषम्	अचेतिष्व	अचेतिष्व	उ०
लृङ्	अचेतिष्यत्	अचेतिष्यताम्	अचेतिष्यन्	प्र०
	अचेतिष्यः	अचेतिष्यतम्	अचेतिष्यत	म०
	अचेतिष्यम्	अचेतिष्याव	अचेतिष्याम	उ०

40. च्युतिर् आसेचने - सेचनमार्त्रीकरणं आङ्षदर्थेऽभिव्याप्तौ च

41. श्च्युतिर् क्षरणे - रूपपूर्ववत्

42. मन्थ विलोडने-विलोडनं प्रतिघातः - (सकर्मक) सेट् परस्मैपदी

लट्	मन्थति	मन्थतः	मन्थन्ति	प्र०
	मन्थसि	मन्थथः	मन्थथ	म०
	मन्थामि	मन्थावः	मन्थामः	उ०
लिट्	ममन्थ	ममन्थतुः	ममन्थुः	प्र०
	ममन्थिथ	ममन्थथुः	ममन्थ	म०
	ममन्थ	ममन्थिव	ममन्थिम	उ०
लुट्	मन्थिता	मन्थितारौ	मन्थितारः	प्र०
	मन्थितासि	मन्थितास्थः	मन्थितास्थ	म०
	मन्थितास्मि	मन्थितास्वः	मन्थितास्मः	उ०
लृट्	मन्थिष्यति	मन्थिष्यतः	मन्थिष्यन्ति	प्र०
	मन्थिष्यसि	मन्थिष्यथः	मन्थिष्यथ	म०
	मन्थिष्यामि	मन्थिष्यावः	मन्थिष्यामः	उ०
लोट्	मन्थतु-तात्	मन्थताम्	मन्थन्तु	प्र०
	मन्थ-तात्	मन्थतम्	मन्थत	म०
	मन्थानि	मन्थाव	मन्थाम	उ०
लङ्	अमन्थत्	अमन्थताम्	अमन्थन्	प्र०
	अमन्थः	अमन्थतम्	अमन्थत	म०
	अमन्थम्	अमन्थाव	अमन्थाम	उ०
विधि-लिट्	मन्थेत्	मन्थेताम्	मन्थेयुः	प्र०
	मन्थेः	मन्थेतम्	मन्थेत	म०
	मन्थेयम्	मन्थेव	मन्थेम	उ०

आशिष्-लिङ्	मथ्यात्	मथ्यास्ताम्	मथ्यासुः	प्र०
	मथ्याः	मथ्यास्तम्	मथ्यास्त	म०
	मथ्यासम्	मथ्यास्व	मथ्यास्म	उ०
लुङ्	अमन्थीत्	अमन्थिष्ठाम्	अमन्थिषुः	प्र०
	अमन्थीः	अमन्थिष्ठम्	अमन्थिष्ठ	म०
	अमन्थिषम्	अमन्थिष्व	अमन्थिष्म	उ०
लृङ्	अमन्थिष्यत्	अमन्थिष्यताम्	अमन्थिष्यन्	प्र०
	अमन्थिष्यः	अमन्थिष्यतम्	अमन्थिष्यत	म०
	अमन्थिष्यम्	अमन्थिष्याव	अमन्थिष्याम	उ०

43. कुथि 44. पुथि 45. लुथि 46. मथि-हिंसा संक्लेशनयोः रूप पूर्ववत्
47. विध गत्याम् — जाना (सकर्मक) सेट् परस्मैपदी

लट्	सेधति	सेधतः	सेधन्ति	प्र०
	सेधसि	सेधथः	सेधथ	म०
	सेधामि	सेधावः	सेधामः	उ०
लिट्	सिषेध	सिषिधतुः	सिविधुः	प्र०
	सिषिधथ	सिषिधथुः	सिषिध	म०
	सिषेध	सिषिधिव	सिषिधिम	उ०
लुट्	सेधिता	सेधितारौ	सेधितारः	प्र०
	सेधितासि	सेधितास्थः	सेधितास्थ	म०
	सेधितास्मि	सेधितास्वः	सेधितास्मः	उ०
लृट्	सेधिष्यति	सेधिष्यतः	सेधिष्यन्ति	प्र०
	सेधिष्यसि	सेधिष्यथः	सेधिष्यथ	म०
	सेधिष्यामि	सेधिष्यावः	सेधिष्यामः	उ०
लोट्	सेधतु-सेधतात्	सेधताम्	सेधन्तु	प्र०
	सेध-सेधतात्	सेधतम्	सेधत	म०
	सेधानि	सेधाव	सेधाम	उ०
लङ्	असेधत्	असेधताम्	असेधन्	प्र०
	असेधः	असेधतम्	असेधत	म०
	असेधम्	असेधाव	असेधाम	उ०

विधि-लिङ्	सेधेत्	सेधेताम्	सेधेयुः	प्र०
	सेधेः	सेधेतम्	सेधेत	म०
	सेधेयम्	सेधेव	सेधेम	उ०
आशिष्-लिङ्	सिध्यात्	सिध्यास्ताम्	सिध्यासुः	प्र०
	सिध्याः	सिध्यास्तम्	सिध्यास्त	म०
	सिध्यासम्	सिध्यास्व	सिध्यास्म	उ०
लुङ्	असेधीत्	असेधिष्टाम्	असेधिषुः	प्र०
	असेधीः	असेधिष्टम्	असेधिष्ट	म०
	असेधिषम्	असेधिष्व	असेधिष्म	उ०
लृङ्	असेधिष्यत्	असेधिष्यताम्	असेधिष्यन्	प्र०
	असेधिष्यः	असेधिष्यतम्	असेधिष्यत	म०
	असेधिष्यम्	असेधिष्याव	असेधिष्याम	उ०

लुङ् में पक्ष में दूसरे रूप इस प्रकार हैं—

असैत्सीत	असैद्धाम्	असैत्सुः	प्र०
असैत्सीः	असैद्धम्	असैद्ध	म०
असैत्सम्	असैत्स्व	असैत्स्म	उ०

48. विधु - शास्त्रे माङ्गल्ये च - शास्त्रं शासनम् माङ्गल्यम् तु शुभकर्म - रूप पूर्ववत्।

49. खाद् भक्षणे - सकर्मक, सेट्, परस्मैपदी

लट्	खादति	खादतः	खादन्ति	प्र०
	खादसि	खादथः	खादथ	म०
	खादामि	खादावः	खादामः	उ०
लिट्	चखाद	चखादतुः	चखादुः	प्र०
	चखादथि	चखादथुः	चखाद	म०
	चखाद	चखादिव	चखादिम	उ०
लुट्	खादिता	खादितारौ	खादितारः	प्र०
	खादितासि	खादितास्थः	खादितास्थ	म०
	खादितास्मि	खादितास्वः	खादितास्मः	उ०
लृट्	खादिष्यति	खादिष्यतः	खादिष्यन्ति	प्र०
	खादिष्यसि	खादिष्यथः	खादिष्यथ	म०
	खादिष्यामि	खादिष्यावः	खादिष्यामः	उ०

लोट्	खादतु	खादताम्	खादन्तु	प्र०
	खाद	खादतम्	खादत	म०
	खादानि	खादाव	खादाम	उ०
लङ्	अखादत्	अखादताम्	अखादन्	प्र०
	अखादः	अखादतम्	अखादत	म०
	अखादम्	अखादाव	अखादाम	उ०
विधि-लिङ्	खादेत्	खादेताम्	खादेयुः	प्र०
	खादेः	खादेतम्	खादेत	म०
	खादेयम्	खादेव	खादेम	उ०
आशिष्-लिङ्	खाद्यात्	खाद्यास्ताम्	खाद्यासुः	प्र०
	खाद्याः	खाद्यास्तम्	खाद्यास्त	म०
	खाद्यासम्	खाद्यास्व	खाद्यास्म	उ०
लुङ्	अखादीत्	अखादिष्टाम्	अखादिषुः	प्र०
	अखादीः	अखादिष्टम्	अखादिष्ट	म०
	अखादिषम्	अखादिष्व	अखादिष्म	उ०
लृङ्	अखादिष्यत्	अखादिष्यताम्	अखादिष्यन्	प्र०
	अखादिष्यः	अखादिष्यतम्	अखादिष्यत	म०
	अखादिष्यम्	अखादिष्याव	अखादिष्याम	उ०

50. खद - स्थैर्ये हिंसायाम् च 51. वद स्थैर्ये - रूप पूर्ववत्

52. गद व्यक्तायां वाचि (स्पष्ट बोलना) सकर्मक, सेट् - परस्मैपदी

लट्	गदति	गदतः	गदन्ति	प्र०
	गदसि	गदथः	गदथ	म०
	गदामि	गदावः	गदामः	उ०
लिट्	जगाद	जगदतुः	जगदुः	प्र०
	जगदिथ	जगदथुः	जगद	म०
	जगाद-जगद	जगदिव	जगदिम	उ०
लुट्	गदिता	गदितारौ	गदितारः	प्र०
	गदितासि	गदितास्थः	गदितास्थ	म०
	गदितास्मि	गदितास्वः	गदितास्मः	उ०

लृट्	गदिष्यति	गदिष्यतः	गदिष्यन्ति	प्र०
	गदिष्यसि	गदिष्यथः	गदिष्यथ	म०
	गदिताष्यामि	गदिष्यावः	गदिष्यामः	उ०
लोट्	गदतु-तात्	गदताम्	गदन्तु	प्र०
	गद-तात्	गदतम्	गदत	म०
	गदानि	गदाव	गदाम	उ०
लङ्	अगदत्	अगदताम्	अगदन्	प्र०
	अगदः	अगदतम्	अगदत	म०
	अगदम्	अगदाव	अगदाम	उ०
विधि-लिङ्	गदेत्	गदेताम्	गदेयुः	प्र०
	गदेः	गदेतम्	गदेत	म०
	गदेयम्	गदेव	गदेम	उ०
आशिष्-लिङ्	गद्यात्	गद्यास्ताम्	गद्यासुः	प्र०
	गद्याः	गद्यास्तम	गद्यास्त	म०
	गद्यासम्	गद्यास्व	गद्यास्म	उ०
लुङ्	अगादीत्	अगादिष्टाम्	अगादिषुः	प्र०
	अगादीः	अगादिष्टम्	अगादिष्टम	म०
	अगादिषम्	अगादिष्व	अगादिष्म	उ०

अतो हलादेलघोः इति वृद्धिविकल्पपक्षे-

	अगदीत्	अगादिष्टाम्	अगादिषुः	प्र०
	अगदीः	अगादिष्टम्	अगादिष्ट	म०
	अगादिषम्	अगादिष्व	अगादिष्म	उ०
लृङ्	अगदिष्यत्	अगदिष्यताम्	अगदिष्यन्	प्र०
	अगदिष्यः	अगदिष्यतम्	अगदिष्यत	म०
	अगदिष्यम्	अगदिष्याव	अगदिष्याम	उ०

53. रद् विलेखने - विलेखनं भेदनम् - रूप पूर्ववत्

54. णद (नद) अव्यक्ते शब्दे (अस्फुट बोलना) अकर्मक, सेट्, परस्मैपदी

लट्	नदति	नदतः	नदन्ति	प्र०
	नदसि	नदथः	नदथ	म०
	नदामि	नदावः	नदामः	उ०

लिट्	ननाद	नेदतुः	नेदुः	प्र०
	नेदिथ	नेदधुः	नेद	म०
	ननाद, ननद	नेदिव	नेदिम	उ०
लुट्	नदिता	नदितारौ	नदितारः	प्र०
	नदितासि	नदितास्थः	नदितास्थ	म०
	नदितास्मि	नदितास्वः	नदितास्मः	उ०
लृट्	नदिष्यति	नदिष्यतः	नदिष्यन्ति	प्र०
	नदिष्यसि	नदिष्यथः	नदिष्यथ	म०
	नदिष्यामि	नदिष्यावः	नदिष्यामः	उ०
लोट्	नदतु-तात्	नदताम्	नदन्तु	प्र०
	नद-तात्	नदतम्	नदत	म०
	नदानि	नदाव	नदाम	उ०
लङ्	अनदत्	अनदताम्	अनदन्	प्र०
	अनदः	अनदतम्	अनदत	म०
	अनदम्	अनदाव	अनदाम	उ०
विधि-लिङ्	नदेत्	नदेताम्	नदेयुः	प्र०
	नदेः	नदेतम्	नदेत	म०
	नदेयम्	नदेव	नदेम	उ०
आशिष्-लिङ्	नद्यात्	नद्यास्ताम्	नद्यासुः	प्र०
	नद्याः	नद्यास्तम	नद्यास्त	म०
	नद्यासम्	नद्यास्व	नद्यास्म	उ०
लुङ्	अनादीत्	अनादिष्टाम्	अनादिषुः	प्र०
	अनादीः	अनादिष्टम्	अनादिष्ट	म०
	अनादिषम्	अनादिष्व	अनादिष्म	उ०
अतो हलादेरिति वृद्धभावपक्षे-				
	अनदीत्	अनदिष्टाम्	अनदिषुः	प्र०
	अनदीः	अनदिष्टम्	अनदिष्ट	म०
	अनदिषम्	अनदिष्व	अनदिष्म	उ०
लृङ्	अनदिष्यत्	अनदिष्यताम्	अनदिष्यन्	प्र०
	अनदिष्यः	अनदिष्यतम्	अनदिष्यत	म०
	अनदिष्यम्	अनदिष्याव	अनदिष्याम	उ०

55. अर्द-गतौ-याचने च - (मांगना)

लट्	अर्दति	अर्दतः	अर्दन्ति	प्र०
	अर्दसि	अर्दथः	अर्दथ	म०
	अर्दामि	अर्दावः	अर्दामः	उ०
लिट्	आनर्द	आनर्दतुः	आनर्दुः	प्र०
	आनर्दथ	आनर्दथुः	आनर्द	म०
	आनर्द	आनर्दिव	आनर्दिम	उ०
लुट्	अर्दिता	अर्दितारौ	अर्दितारः	प्र०
	अर्दितासि	अर्दितास्थः	अर्दितास्थ	म०
	अर्दितास्मि	अर्दितास्वः	अर्दितास्मः	उ०
लृट्	अर्दिष्यति	अर्दिष्यतः	अर्दिष्यन्ति	प्र०
	अर्दिष्यसि	अर्दिष्यथः	अर्दिष्यथि	म०
	अर्दिष्यामि	अर्दिष्यावः	अर्दिष्यामः	उ०
लोट्	अर्दतु	अर्दताम्	अर्दन्तु	प्र०
	अर्द	अर्दतम्	अर्दत	म०
	अर्दानि	अर्दाव	अर्दाम	उ०
लङ्	आर्दत्	आर्दताम्	आर्दन्	प्र०
	आर्दः	आर्दतम्	आर्दत	म०
	आर्दम्	आर्दाव	आर्दाम	उ०
विधि-लिट्	अर्देत्	अर्देताम्	अर्देयुः	प्र०
	अर्देः	अर्देतम्	अर्देत	म०
	अर्देयम्	अर्देव	अर्देम	उ०
आशिप्-लिट्	अर्द्यात्	अर्द्यास्ताम्	अर्द्यासुः	प्र०
	अर्द्याः	अर्द्यास्तम्	अर्द्यास्त	म०
	अर्द्यासम्	अर्द्यास्व	अर्द्यास्म	उ०
लुङ्	आर्दीत्	आर्दिष्टाम्	आर्दिषुः	प्र०
	आर्दीः	आर्दिष्टम्	आर्दिष्ट	म०
	आर्दिषम्	आर्दिष्व	आर्दिष्व	उ०
लृङ्	आर्दिष्यत्	आर्दिष्यताम्	आर्दिष्यन्	प्र०
	आर्दिष्यः	आर्दिष्यतम्	आर्दिष्यत	म०
	आर्दिष्यम्	आर्दिष्याव	आर्दिष्याम	उ०

56. नर्द 57. गर्द - शब्दे 58. तर्द - हिंसायाम् 59. कर्द कुत्सिते शब्दे
 60. खर्द - दन्दशूके दंशन हिंसादि रूपायाम् दन्दशूक क्रियायामित्यर्थः
 61. अति 62. अदि - बन्धने 63. इति परमेश्वर्ये
 64. बिदि - अवयवे (भिदि इति पाठान्तरम्) 65. गडि-वदनेकदेशे
 66. णिदि - कुत्सायाम् - पूर्ववत्
 67. टुनदि - समृद्धौ (खुश होना) अकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लट्	नन्दति	नन्दतः	नन्दन्ति	प्र०
	नन्दसि	नन्दथः	नन्दथ	म०
	नन्दामि	नन्दावः	नन्दामः	उ०
लिट्	ननन्द	ननन्दतुः	ननन्दुः	प्र०
	ननन्दिथ	ननन्दथुः	ननन्द	म०
	ननन्द	ननन्दिव	ननन्दिम	उ०
लुट्	नन्दिता	नन्दितारौ	नन्दितारः	प्र०
	नन्दितासि	नन्दितास्थः	नन्दितास्थ	म०
	नन्दितास्मि	नन्दितास्वः	नन्दितास्मः	उ०
लृट्	नन्दिष्यति	नन्दिष्यतः	नन्दिष्यन्ति	प्र०
	नन्दिष्यसि	नन्दिष्यथः	नन्दिष्यथ	म०
	नन्दिष्यामि	नन्दिष्यावः	नन्दिष्यामः	उ०
लोट्	नन्दतु-तात्	नन्दताम्	नन्दन्तु	प्र०
	नन्द-तात्	नन्दतम्	नन्दत	म०
	नन्दानि	नन्दाव	नन्दाम	उ०
लङ्	अनन्दत्	अनन्दताम्	अनन्दन्	प्र०
	अनन्दः	अनन्दतम्	अनन्दत	म०
	अनन्दम्	अनन्दाव	अनन्दाम	उ०
विधि-लिङ्	नन्देत्	नन्देताम्	नन्देयुः	प्र०
	नन्देः	नन्देतम्	नन्देत	म०
	नन्देयम्	नन्देव	नन्देम	उ०
आशिष्-लिङ्	नन्द्यात्	नन्द्यास्ताम्	नन्द्यासुः	प्र०
	नन्द्याः	नन्द्यास्तम्	नन्द्यास्त	म०
	नन्द्यासम्	नन्द्यास्व	नन्द्यास्म	उ०

लुङ्	अनन्दीत्	अनन्दिष्टाम्	अनन्दिषुः	प्र०
	अनन्दीः	अनन्दिष्टम्	अनन्दिष्ट	म०
	अनन्दिषम्	अनन्दिष्व	अनन्दिष्म	उ०
लृङ्	अनन्दिष्यत्	अनन्दिष्यताम्	अनन्दिष्यन्	प्र०
	अनन्दिष्यः	अनन्दिष्यतम्	अनन्दिष्यत	म०
	अनन्दिष्यम्	अनन्दिष्याव	अनन्दिष्याम	उ०

एवमेव—

68. चदि-आह्लादे 69. त्रदि-चेष्टायाम् 70. कदि 71. क्रवि
 72. क्लदि - आह्लाते रोदने च 73. क्लिदि परिदेवने
 74. शुन्ध-शुद्धौ अथ कवर्गीयान्ता अनुदात्तेतो द्विचत्कारिंशत्
 (आत्मनेपदी)
 75. शीकृ - सेचने 76. लोकृ, दर्शने
 77. श्लोकृसंघाते (संघातो ग्रन्थः)। स चेह ग्रथ्यमानस्य व्यापारो
 ग्रन्थितर्वा। आद्ये कर्मको द्वितीये सकर्मकः।
 78. द्रेकृ 79. ध्रेकृ-शब्दोत्साहयोः उत्साहो वृद्धिरोद्धत्यं च
 80. रेकृ - शङ् कायाम् 81. सेकृ 82. सेकृ
 83. श्रेकि 84. श्रेकि 85. श्लकि गतौ - त्रयो दन्त्यादयः द्वौ तालव्यादौ।
 86. शकि शङ् कायाम् 87. अकि लक्षणे 88. वकि कौटिल्ये
 89. मकि मण्डने 90. कक लौल्ये - लौल्यं गर्वश्चापल्यं च
 91. कुकु 92. वृक - आदाने 93. चक्र - तु प्तौ प्रतिघाते च
 94. ककि 95. वकि 96. श्वकि 97. त्रकि
 98. ढौकृ 99. त्रौकृ 100. ष्वष्क 101. वस्क
 102. मस्क 103. टिकृ 104. टीकृ 105. तिकृ
 106. तीकृ 107. रधि 108. लधि गत्यर्था 109. आधि
 110. वधि 111. मधि - गत्याक्षेप 112. राधृ
 113. लाधृ 114. द्राधृ - सामर्थ्ये
 115. श्लाघृ कथ्यने - अथ परस्मैपदिन : प चाशत्
 116. फक्क नीचैर्गतौ - नीचैर्गतिमन्दगमनमसद्व्यवहारश्च।
 117. तक - हसने 118. तकि - कृच्च जीवने
 119. बुक्क भषणे - भषणं श्वरवः 120. कख हसने, 121. ओखृ

122. राख् 123. लाख् 124. द्राख्
 125. ध्राख् - शोषणालमर्थयोः 126. शाख्
 127. श्लाख - व्याप्तौ 128. उख 129. उखि
 130. वख 131. वखि 132. मख 133. मखि
 134. णख 135. णखि 136. रख 137. रखि
 138. लख 139. लखि 140. इख 141. इखि
 142. ईखि 143. वल्ग 144. रगि 145. लगि
 146. अगि 147. वगि 148. मगि 149. तगि
 150. त्वगि 151. श्रगि 152. श्लगि 153. इगि
 154. रगि 155. लिगि-गत्यर्थाः 156. युगि 157. जुगि
 158. वुगि-वर्जने 159. घघ 160. मघि-मण्डने
 161. शिघि-आघ्राणे अथ चवर्गीयान्ताः, तत्रानुदातेत - स्त्रिनवतिः - आत्मनेपदी
 162. वर्च दीप्तौ 163. षच सेचने सेवने च 164. लोच् दर्शने
 165. शच व्यक्तायां वाचि 166. श्वच 167. श्वचि गतौ
 168. कच बन्धने 169. कचि 170. काचि दीप्ति बन्धनयोः
 171. मच 172. मुचि कल्कने-कल्कनं दम्भा शाठ्यं च
 173. मचि धारणोच्छायपूजनेषु 174. पचि व्यक्तीकरणे
 175. ष्टुच प्रसादे 176. ऋज गतिस्थानार्जनोपाजनेषु 177. ऋजि
 178. भृजोभजने 179. एजृ 180. भ्रेजृ 181. भ्राजृ दीप्तौ
 182. ईज गतिकुत्सनयोः अथ द्विसप्ततिर्वज्यन्ताः परस्मैपदिनः
 183. शुच शोके

लट्	शोचति	शोचतः	शोचन्ति	प्र०
	शोचसि	शोचथः	शोचथ	म०
	शोचामि	शोचावः	शोचामः	उ०
लिट्	शुशोच	शुशुचतुः	शुशुचुः	प्र०
	शुशोचिथ	शुशुचथुः	शुशुच	म०
	शुशोच	शुशुचिव	शुशुचिम	उ०
लुट्	शोचिता	शोचितारौ	शोचितारः	प्र०
	शोचितासि	शोचितास्थः	शोचितास्थ	म०
	शोचितास्मि	शोचितास्वः	शोचितास्मः	उ०

लृट्	शोचिष्यति	शोचिष्यतः	शोचिष्यन्ति	प्र०
	शोचिष्यसि	शोचिष्यथः	शोचिष्यथ	म०
	शोचिष्यामि	शोचिष्यावः	शोचिष्यामः	उ०
लोट्	शोचतु-तात्	शोचताम्	शोचन्तु	प्र०
	शोच-तात्	शोचतम्	शोचत	म०
	शोचानि	शोचाव	शोचाम	उ०
लङ्	अशोचत्	अशोचताम्	अशोचन्	प्र०
	अशोचः	अशोचतम्	अशोचत	म०
	अशोचम्	अशोचाव	अशोचाम	उ०
विधि-लिङ्	शोचेत्	शोचेताम्	शोचेयुः	प्र०
	शोचेः	शोचेतम्	शोचेत	म०
	शोचेयम्	शोचेव	शोचेम	उ०
आशिष्-लिङ्	शुच्यात्	शुच्यास्ताम्	शुच्यासुः	प्र०
	शुच्याः	शुच्यास्तम्	शुच्यास्त	म०
	शुच्यासम्	शुच्यास्व	शुच्यास्म	उ०
लुङ्	अशोचीत्	अशोचिष्टाम्	अशोचिषुः	प्र०
	अशोचीः	अशोचिष्टम्	अशोचिष्ट	म०
	अशोचिषम्	अशोचिष्व	अशोचिष्म	उ०
लृङ्	अशोचिष्यत्	अशोचिष्यताम्	अशोचिष्यन्	प्र०
	अशोचिष्यः	अशोचिष्यतम्	अशोचिष्यत	म०
	अशोचिष्यम्	अशोचिष्याव	अशोचिष्याम	उ०

184. कुच शब्दे तारे 185. कु च 186. कु च कौटिल्यात्मीभावयोः

187. लु च अपनयने 188. अ चु गतिपूजनयो 189. व चु

190. च चु 191. त चु 192. त्व चु 193. म्र चु

194. म्लु चु 195. म्रचु 196. म्लुचु गत्यर्थाः

197. ग्रचु 198. ग्लुचु 199. कुजु 200. खुजु स्तयकरणे

201. ग्लु चु 202. षस्ज गतौ 203. गुजि अव्यक्ते शब्दे

204. अर्च पूजायाम्

लट्	अर्चति	अर्चतः	अर्चन्ति	प्र०
	अर्चसि	अर्चथः	अर्चथ	म०
	अर्चामि	अर्चावः	अर्चामः	उ०

लिट्	आनर्च	आनर्चतुः	आनर्चुः	प्र०
	आनर्चिथ	आनर्चथुः	आनर्च	म०
	आनर्च	आनर्चिव	आनर्चिम	उ०
लुट्	अर्चिता	अर्चितारौ	अर्चितारः	प्र०
	अर्चितासि	अर्चितास्थः	अर्चितास्थ	म०
	अर्चितास्मि	अर्चितास्वः	अर्चितास्मः	उ०
लृट्	अर्चिष्यति	अर्चिष्यतः	अर्चिष्यन्ति	प्र०
	अर्चिष्यसि	अर्चिष्यथः	अर्चिष्यथ	म०
	अर्चिष्यामि	अर्चिष्यावः	अर्चिष्याम	उ०
लोट्	अर्चतु-तात्	अर्चताम्	अर्चन्तु	प्र०
	अर्च-तात्	अर्चतम्	अर्चत	म०
	अर्चानि	अर्चाव	अर्चाम	उ०
लङ्	आर्चत्	आर्चताम्	आर्चन्	प्र०
	आर्चः	आर्चतम्	आर्चत	म०
	आर्चम्	आर्चाव	आर्चाम	उ०
विधि-लिङ्	अर्चेत्	अर्चेताम्	अर्चेयुः	प्र०
	अर्चेः	अर्चेतम	अर्चेत	म०
	अर्चेयम्	अर्चेव	अर्चेम	उ०
आशिष्-लिङ्	अर्च्यात्	अर्च्यास्ताम्	अर्च्यासुः	प्र०
	अर्च्याः	अर्च्यास्तम	अर्च्यास्त	म०
	अर्च्यासम्	अर्च्यास्व	अर्च्यास्म	उ०
लुङ्	आर्चीत्	आर्चिष्टाम्	आर्चिषुः	प्र०
	आर्चीः	आर्चिष्टम्	आर्चिष्ट	म०
	आर्चिषम्	आर्चिष्व	आर्चिष्व	उ०
लृङ्	आर्चिष्यत्	आर्चिष्यताम्	आर्चिष्यन्	प्र०
	आर्चिष्यः	आर्चिष्यतम्	आर्चिष्यत	म०
	आर्चिष्यम्	आर्चिष्याव	आर्चिष्याम	उ०

205. म्लेच्छ अव्यक्ते शब्दे 206. लट् 207. लाङ्लि लक्षणे
 208. वाङ्लि इच्छायाम् 209. आदि आयामे 210. हीङ्लि लज्जायाम्
 211. हुङ्लि कौटिल्ये 212. मूङ्लि मोहसमुच्छाययोः

213. स्फुर्छा विस्तृतौ 214. युच्छ प्रमादे 215. उछि उच्छे
 216. उछी विवासे, विवासः समाप्तिः 217. धृज
 218. धृजि 219. ध्रज 220. ध्रजि
 221. ध्वज 222. ध्वजि गतौ 223. कूज अव्यक्ते शब्दे
 224. अर्ज 225. षर्ज अर्जने 226. गर्ज शब्दे
 227. तर्ज भर्त्सने 228. कर्ज व्यथने 229. खर्ज पूजने च
 230. अज गति क्षेपणयोः 231. तेज पालने 232. खज मन्थे
 233. खजि गति वैकल्ये 234. स्जृ कम्पने 235. टुओ स्फूर्जा वज्रनिर्घोषे
 236. क्षि क्षये (नष्ट होना) अकर्मक (अनिट) परस्मैपदी

लट्	क्षयति	क्षयतः	क्षयन्ति	प्र०
	क्षयसि	क्षयथः	क्षयथ	म०
	क्षयामि	क्षयावः	क्षयामः	उ०
लिट्	चिक्षाय	चिक्षियतुः	चिक्षियुः	प्र०
	चिक्षयिथ-चिक्षेथ	चिक्षियथुः	चिक्षिय	म०
	चिक्षाय-चिक्षय	चिक्षियिव	चिक्षियिम	उ०
लुट्	क्षेता	क्षेतारौ	क्षेतारः	प्र०
	क्षेतासि	क्षेतास्थः	क्षेतास्थ	म०
	क्षेतास्मि	क्षेतास्वः	क्षेतास्मः	उ०
लृट्	क्षेप्यति	क्षेप्यतः	क्षेप्यन्ति	प्र०
	क्षेप्यसि	क्षेप्यथः	क्षेप्यथ	म०
	क्षेप्यामि	क्षेप्यावः	क्षेप्यामः	उ०
लोट्	क्षयतु-तात्	क्षयताम्	क्षयन्तु	प्र०
	क्षय-तात्	क्षयतम्	क्षयत	म०
	क्षयानि	क्षयाव	क्षयाम	उ०
लङ्	अक्षयत्	अक्षयताम्	अक्षयन्	प्र०
	अक्षयः	अक्षयतम्	अक्षयत	म०
	अक्षयम्	अक्षयाव	अक्षयाम	उ०
विधि-लिट्	क्षयेत्	क्षयेताम्	क्षयेयुः	प्र०
	क्षयेः	क्षयेतम्	क्षयेत	म०
	क्षयेयम्	क्षयेव	क्षयेम	उ०

आशिष्-लिङ्	क्षीयात्	क्षीयास्ताम्	क्षीयासुः	प्र०
	क्षीयाः	क्षीयास्तम्	क्षीयास्त	म०
	क्षीयासम्	क्षीयास्व	क्षीयास्म	उ०
लुङ्	अक्षैषीत्	अक्षैष्टाम्	अक्षैषुः	प्र०
	अक्षैषीः	अक्षैष्टम्	अक्षैष्ट	म०
	अक्षैषम्	अक्षैष्वा	अक्षैष्म	उ०
लृङ्	अक्षेप्यत्	अक्षेप्यताम्	अक्षेप्यन्	प्र०
	अक्षेप्यः	अक्षेप्यतम्	अक्षेप्यत	म०
	अक्षेप्यम्	अक्षेप्याव	अक्षेप्याम	उ०

237. क्षीज अव्यक्ते शब्दे 238. लज 239. लजि भर्त्सने 240. लाज
 241. लाजि भर्जने च 242. जज 243. लजि युद्धे 244. तुज हिंसायाम्
 245. तुजि पालने 246. गज 247. गजे 248. गृज
 249. गृजि 250. मुज 251. मुज शब्दार्थाः 252. वज

253. व्रज गतौ (जाना) सकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लट्	व्रजति	व्रजतः	व्रजन्ति	प्र०
	व्रजसि	व्रजथः	व्रजथ	म०
	व्रजामि	व्रजावः	व्रजामः	उ०
लिट्	वव्राज	वव्रजतुः	वव्रजुः	प्र०
	वव्रजिथ	वव्रजथुः	वव्रज	म०
	वव्राज-वव्रज	वव्रजिव	वव्रजिम	उ०
लुट्	व्रजिता	व्रजितारौ	व्रजितारः	प्र०
	व्रजितासि	व्रजितास्थः	व्रजितास्थ	म०
	व्रजितास्मि	व्रजितास्वः	व्रजितास्मः	उ०
लृट्	व्रजिष्यति	व्रजिष्येतः	व्रजिष्यन्ति	प्र०
	व्रजिष्यसि	व्रजिष्यथः	व्रजिष्यथ	म०
	व्रजिष्यामि	व्रजिष्यावः	व्रजिष्यामः	उ०
लोट्	व्रजतु-तात्	व्रजताम्	व्रजन्तु	प्र०
	व्रज-तात्	व्रजतम्	व्रजत	म०
	व्रजानि	व्रजाव	व्रजाम	उ०

लङ्	अब्रजत्	अब्रजताम्	अब्रजन्	प्र०
	अब्रजः	अब्रजतम्	अब्रजत	म०
	अब्रजम्	अब्रजाव	अब्रजाम	उ०
विधि-लिट्	ब्रजेत्	ब्रजेताम्	ब्रजेयुः	प्र०
	ब्रजेः	ब्रजेतम्	ब्रजेत	म०
	ब्रजेयम्	ब्रजेव	ब्रजेम	उ०
आशिष्-लिट्	ब्रज्यात्	ब्रज्यास्ताम्	ब्रज्यासुः	प्र०
	ब्रज्याः	ब्रज्यास्तम्	ब्रज्यास्त	म०
	ब्रज्यासम्	ब्रज्यास्व	ब्रज्यास्म	उ०
लुङ्	अब्राजीत्	अब्राजिष्टाम्	अब्राजिषुः	प्र०
	अब्राजीः	अब्राजिष्टम्	अब्राजिष्ट	म०
	अब्राजिषम्	अब्राजिष्व	अब्राजिष्म	उ०
लृङ्	अब्रजिष्यत्	अब्रजिष्यताम्	अब्रजिष्यन्	प्र०
	अब्रजिष्यः	अब्रजिष्यतम्	अब्रजिष्यत	म०
	अब्रजिष्यम्	अब्रजिष्याव	अब्रजिष्याम	उ०

अथ टवर्गीयान्ताः शाङ्गान्ता अनुदात्तेतः षट्त्रिंशत् — आत्मनेपदी

- | | | |
|--------------------------|--|------------------------|
| 254. अट्ट अतिक्रमहिंसयोः | 255. वेष्ट वेष्टने | 256. चेत्यट चेष्टायाम् |
| 257. गोष्ट | 258. लोष्ट संघाते | 259. घट्ट चलने |
| 260. स्फुट विकसने | 261. अठि गतौ | 262. वठि एकचर्यायाम् |
| 263. मठि | 264. कठि शोके शोक इह आध्याना | |
| 265. मुठि पालने | 266. हेठ विबाधायाम् (विवाधा शाट्यम्) | |
| 267. एठ च | 268. हिडि गत्यनादरयोः | |
| 269. हुडि सङ् घात | 270. कुडि दाहे | 271. वडि विभाजने |
| 272. मडि च | 273. भडि परिभाषणे | |
| 274. पिडि सङ् घात | 275. मुडिमार्जने मार्जनं शुद्धिर्न्यग्भावश्च | |
| 276. तुडि तोडने | 277. हुडि वरणे - वरणं स्वीकारः, हरणे इत्येके | |
| 278. चडि कोपे | 279. शडि खजायां सङ् घाते च | |
| 280. तडि ताडने | 281. पडि गतौ | 282. कडि मदे |
| 283. खडि मन्थे | 284. हेड् | 285. होड् अनादरे |
| 286. बाड् आप्लाव्ये | 287. द्राड | 288. ध्राड् विशारणे |

289. शाङ् श्लाघायाम् - रूपाणि पूर्ववत् अथ गडयन्ताः परस्मैपदिनः

290. शौट् गर्वे 291. यौट् बन्धे 292. म्लेष्ट् 293. म्रेष्ट् उन्मादे

294. कटे वर्षावरणयोः (बरसना ढांकना) सकर्मक (सेट्), परस्मैपदी

लट्	कटति	कटंतः	कटन्ति	प्र०
	कटसि	कटथः	कटथ	म०
	कटामि	कटावः	कटामः	उ०
लिट्	चकाट	चकटतुः	चकटुः	प्र०
	चकटिथ	चकटथुः	चकट	म०
	चकाट-चकट	चकटिव	चकटिम	उ०
लुट्	कटिता	कटितारौ	कटितारः	प्र०
	कटितासि	कटितास्थः	कटितास्थ	म०
	कटितास्मि	कटितास्वः	कटितास्मः	उ०
लृट्	कटिष्यति	कटिष्यतः	कटिष्यन्ति	प्र०
	कटिष्यसि	कटिष्यथः	कटिष्यथ	म०
	कटिष्यामि	कटिष्यावः	कटिष्यामः	उ०
लोट्	कटतु-तात्	कटताम्	कटन्तु	प्र०
	कट-तात्	कटतम्	कटत	म०
	कटानि	कटाव	कटाम	उ०
लङ्	अकटत्	अकटताम्	अकटन्	प्र०
	अकटः	अकटतम्	अकटत	म०
	अकटम्	अकटाव	अकटाम	उ०
विधि-लिङ्	कटेत्	कटेताम्	कटेयुः	प्र०
	कटेः	कटेतम	कटेत	म०
	कटेयम्	कटेव	कटेम	उ०
आशिष्-लिङ्	कट्यात्	कट्यास्ताम्	कट्यासुः	प्र०
	कट्याः	कट्यास्तम	कट्यास्त	म०
	कट्यासम्	कट्यास्व	कट्यास्म	उ०
लुङ्	अकटीत्	अकटिष्ठाम्	अकटिषुः	प्र०
	अकटीः	अकटिष्ठम्	अकटिष्ट	म०
	अकटिषम्	अकटिष्व	अकटिष्म	उ०

लृङ्	अकटिष्यत्	अकटिष्यताम्	अकटिष्यन्	प्र०
	अकटिष्यः	अकटिष्यतम्	अकटिष्यत	म०
	अकटिष्यम्	अकटिष्याव	अकटिष्याम	उ०

295. अट् गतौ

लट्	अटति	अटतः	अटन्ति	प्र०
	अटसि	अटथः	अटथ	म०
	अटामि	अटावः	अटामः	उ०
लिट्	आट	आटतुः	आटुः	प्र०
	आटिथ	आटथुः	आट	म०
	आट	आटिव	आटिव	उ०
लुट्	अटिता	अटितारौ	अटितारः	प्र०
	अटितासि	अटितास्थः	अटितास्थ	म०
	अटितास्मि	अटितास्वः	अटितास्मः	उ०
लृट्	अटिष्यति	अटिष्यतः	अटिष्यन्ति	प्र०
	अटिष्यसि	अटिष्यथः	अटिष्यथ	म०
	अटिष्यामि	अटिष्यावः	अटिष्यामः	उ०
लोट्	अटतु-तात्	अटताम्	अटन्तु	प्र०
	अट-तात्	अटतम्	अटत	म०
	अटानि	अटाव	अटाम	उ०
लङ्	आटत्	आटताम्	आटन्	प्र०
	आटः	आटतम्	आटत	म०
	आटम्	आटाव	आटाम	उ०
विधि-लिङ्	अटेत्	अटेताम्	अटेयुः	प्र०
	अटेः	अटेतम	अटेत	म०
	अटेयम्	अटेव	अटेम	उ०
आशिष्-लिङ्	अट्यात्	अट्यास्ताम्	अट्यासुः	प्र०
	अट्याः	अट्यास्तम	अट्यास्त	म०
	अट्यासम्	अट्यास्व	अट्यास्म	उ०
लुङ्	आटीत्-अटीत्	आटिष्टाम्	आटिषुः	प्र०
	आटीः	आटिष्टम्	आटिष्ट	म०
	आटिषम्	आटिष्व	आटिष्व	उ०

लृङ्	आटिष्यत्	आटिष्यताम्	आटिष्यन्	प्र०
	आटिष्यः	आटिष्यतम्	आटिष्यत	म०
	आटिष्यम्	आटिष्याव	आटिष्याम	उ०
296. पट गतौ रूप पूर्ववत्	297. रट परिभाषणे	298. लट बाल्ये		
299. शट रूजाविशरणगत्यवसादनेषु	300. वट वेष्टने	301. कटि		
302. खिट त्रासे	303. शिट	304. षिटअनादरे	305. जट	
306. झट सङ् घाते	307. भट भृतौ	308. तट उच्छ्रये	309. खट काङ् क्षायाम्	
310. णट नृतौ	311. पिट शब्द सङ् घातयोः	312. हट दीप्तौ		
313. षट अवयवे	314. लुट विलोडने	315. चिर परप्रेष्ये	316. विट शब्दे	
317. विट आक्रोशे	318. इट	319. कटि	320. कटि गतौ	
321. मडि भूषयाम्	322. कुडि वैकल्ये	323. मुड	324. पुडि मर्दने	
325. चुडि अल्पीभावे	326. मुडि खण्डने	पुडि च		
327. रुटि	328. लुडि स्तये	329. स्फुटि विशरणे		

330. पठ व्यक्तायां वाचि

लट्	पठति	पठतः	पठन्ति	प्र०
	पठसि	पठथः	पठथ	म०
	पठामि	पठावः	पठामः	उ०
लिट्	पपाठ	पेठतुः	पेठुः	प्र०
	पेठिथ	पेठथुः	पेठ	म०
	पपाठ, पपठ	पेठिव	पेठिम	उ०
लुट्	पठिता	पठितारौ	पठितारः	प्र०
	पठितासि	पठितास्थः	पठितास्थ	म०
	पठितास्मि	पठितास्वः	पठितास्मः	उ०
लृट्	पठिष्यति	पठिष्यतः	पठिष्यन्ति	प्र०
	पठिष्यसि	पठिष्यथः	पठिष्यथ	म०
	पठिष्यामि	पठिष्यावः	पठिष्यामः	उ०
लोट्	पठतु-तात्	पठताम्	पठन्तु	प्र०
	पठ-तात्	पठतम्	पठत	म०
	पठानि	पठाव	पठाम	उ०

लङ्	अपठत्	अपठताम्	अपठन्	प्र०
	अपठः	अपठतम्	अपठत	म०
	अपठम्	अपठाव	अपठाम	उ०
विधि-लिङ्	पठेत्	पठेताम्	पठेयुः	प्र०
	पठेः	पठेतम्	पठेत	म०
	पठेयम्	पठेव	पठेम	उ०
आशिष्-लिङ्	पठयात्	पठयास्ताम्	पठयासुः	प्र०
	पठयाः	पठयास्तम्	पठयास्त	म०
	पठयासम्	पठयास्व	पठयास्म	उ०
लुङ्	अपाठीत्	अपाठिष्टाम्	अपाठिषुः	प्र०
	अपाठीः	अपाठिष्टम्	अपाठिष्ट	म०
	अपाठिषम्	अपाठिष्व	अपाठिष्म	उ०
वृद्धयभाव पक्ष	अपठीत्	अपठिष्टाम्	अपठिषुः	प्र०
	अपठीः	अपठिष्टम्	अपठिष्ट	म०
	अपठिषम्	अपठिष्व	अपठिष्म	उ०
लृङ्	अपठिष्यत्	अपठिप्ताम्	अपठिष्यन्	प्र०
	अपठिष्यः	अपठिष्टतम्	अपठिष्यत	म०
	अपठिष्यम्	अपठिष्याव	अपठिष्याम	उ०

331. वठ स्थौल्ये 332. मठ मदनवासयोः 333. कठकृच्छ्रजीवने
 334. रट परिभाषणे, रठ इत्येके
 335. हठ प्लुतिशठत्वयो, बलात्कारे इत्येके 336. रुठ
 337. लुठ 338. उठ उपघाते 339. पिठ हिंसासङ् क्लेशनयोः
 340. शठ कैतवे च 341. शुठि प्रतिघाते 342. कुठि च
 343. लुठि आलस्ये प्रतिघाते च 344. शुठि शोषणे
 345. रूठि 346. लुठि गतौ
 347. चुङ् भावकरणे, भावकरणमभिप्रायसूचनम् 348. अङ्-अभियोगे
 349. कङ् कार्कश्ये 350. क्रीङ् विहारे 351. तुङ् तोडने
 352. हृङ् 353. हूङ् 354. होङ् गतौ
 355. रौङ् अनादरे 356. रोङ् 357. लोङ् उन्मादे
 358. अङ् उद्यम 359. लङ् विलासे 360. कङ् मदे

361. गडि वदनैकदेशे इति टवर्गीयान्ताः।

अथ पवर्गीयान्ताः तत्रानुदातेताः आत्मनेपदी

362. तिप्	363. तेप्	364. णिप्
365. ष्टेप् शरणार्थाः	366. ग्लेप् दैन्ये	367. टुवेप् कम्पने
368. केप्	369. गेप्	370. ग्लेप् च कम्पने गतौ च
371. मेप्	372. रेप्	373. लेप् गतौ

374. त्रपूष्-लज्जायाम्

लट्	त्रपते	त्रपेते	त्रपन्ते	प्र०
	त्रपसे	त्रपेथे	त्रपध्वे	म०
	त्रपे	त्रपावहे	त्रपामहे	उ०
लिट्	त्रेपे	त्रेपाते	त्रेपिरे	प्र०
	त्रेपिषे-त्रेप्से	त्रेपाथे	त्रेपिध्वे-त्रेब्ध्वे	म०
	त्रेपे	त्रेपिवहे-त्रेप्वहे	त्रेपिमहे-त्रेप्महे	उ०
लुट्	त्रेपिता	त्रेपितारौ	त्रेपितारः	प्र०
	त्रेपितासे	त्रेपितासाथे	त्रेपिताध्वे	म०
	त्रेपिताहे	त्रेपितास्वहे	त्रेपितास्महे	उ०
लृ०आ०	त्रप्ता	त्रप्तारौ	त्रप्तारः	प्र०
	त्रप्तासे	त्रप्तासाथे	त्रप्ताध्वे	म०
	त्रप्ताहे	त्रप्तास्वहे	त्रप्तास्महे	उ०
लृट्	त्रपिष्यते	त्रपिष्येते	त्रपिष्यन्ते	प्र०
	त्रपिष्यसे	त्रपिष्येथे	त्रपिष्यध्वे	म०
	त्रपिष्ये	त्रपिष्यावहे	त्रपिष्यामहे	उ०
लृ०आ०	त्रप्स्यते	त्रप्स्येते	त्रप्स्यन्ते	प्र०
	त्रप्स्यसे	त्रप्स्येथे	त्रप्स्यध्वे	म०
	त्रप्स्ये	त्रप्स्यावहे	त्रप्स्यामहे	उ०
लोट्	त्रपताम्	त्रपेताम्	त्रपन्ताम्	प्र०
	त्रपस्व	त्रपेथाम्	त्रपध्वम्	म०
	त्रपै	त्रपावहै	त्रपामहै	उ०
लङ्	अत्रपत	अत्रपेताम्	अत्रपन्त	प्र०
	अत्रपथाः	अत्रपेथाम्	अत्रपध्वम्	म०
	अत्रपे	अत्रपावहि	अत्रपामहि	उ०

विधि-लिङ्	त्रपेत	त्रपेयाताम्	त्रपेरन्	प्र०
	त्रपेथाः	त्रपेयाथाम्	त्रपेध्वम्	म०
	त्रपेय	त्रपेवहि	त्रपेमहि	उ०
आशिप्-लिङ्	त्रपिषीष्ट	त्रपिषीयास्ताम्	त्रपिषीरन्	प्र०
	त्रपिषीष्ठाः	त्रपिषीयास्थाम्	त्रपिषीध्वम्	म०
	त्रपिषीय	त्रपिषीवहि	त्रपिषीमहि	उ०
आ०	त्रप्सीष्ट	त्रप्सीयास्ताम्	त्रप्सीरन्	प्र०
	त्रप्सीष्ठाः	त्रप्सीयास्थाम्	त्रप्सीध्वम्	म०
	त्रप्सीय	त्रप्सीवहि	त्रप्सीमहि	उ०
लुङ्	अत्रपिष्ट	अत्रपिषाताम्	अत्रपिषत	प्र०
	अत्रपिष्ठाः	अत्रपिषीथाम्	अत्रपिध्वम्	म०
	अत्रपिषि	अत्रपिष्वहि	अत्रपिष्महि	उ०
लु०आ०	अत्रप्त	अत्रप्साताम्	अत्रप्सत	प्र०
	अत्रप्थाः	अत्रप्साथाम्	अत्रप्ध्वम्	म०
	अत्रप्सि	अत्रप्स्वहि	अत्रप्स्महि	उ०
लृङ्	अत्रपिष्य	अत्रपिष्येताम्	अत्रपिष्यन्त	प्र०
	अत्रपिष्यथाः	अत्रपिष्येथाम्	अत्रपिष्यध्वम्	म०
	अत्रपिष्ये	अत्रपिष्यावहि	अत्रपिष्यामहि	उ०
लु०आ०	अत्रप्स्यत	अत्रप्स्येताम्	अत्रप्स्यन्त	प्र०
	अत्रप्स्यथाः	अत्रप्स्येथाम्	अत्रप्स्यध्वम्	म०
	अत्रप्स्ये	अत्रप्स्यावहि	अत्रप्स्यामहि	उ०

375. कपि चलने 376. रवि 377. लवि 378. अवि शब्दे
 379. लवि अवस्त्रंसने च 380. कबृ वर्णे 381. क्लीवृ अधाष्टथे
 382. क्षीवृ मदे 383. शीभृ कत्थने 384. चीभृ च 385. रेभृ शब्दे
 386. ष्ठि 387. स्कभि प्रतिबन्धे 388. जभी 389. जृभि गात्रविनामे
 390. शल्भ कत्थने 391. वल्भ भोजने 392. गल्भ धाष्टर्ये 393. श्रम्भु प्रमादे
 394. ष्ठु स्तम्भे अथ परस्मैपदिनः

395. गुपू रक्षणे (रक्षा करना) सकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लट्	गोपायति	गोपायतः	गोपायन्ति	प्र०
	गोपायसि	गोपायथः	गोपायथ	म०
	गोपायामि	गोपायावः	गोपायामः	उ०

लिट्	गोपायाञ्चकार	गोपायाञ्चक्रतुः	गोपायाञ्चक्रुः	प्र०
	गोपायाञ्चकर्थ	गोपायाञ्चक्रथुः	गोपायाञ्चक्र	म०
	गोपायाञ्चकार-	गोपायाञ्चकृव	गोपायाञ्चकृम	उ०

गोपायाचकर एवं - गोपायामास-गोपायाम्बभूव इत्यादि।

आयप्रत्ययाभावे-

	जुगोप	जुगुपतुः	जुगुपुः	प्र०
	जगोपिथ-जगोपथ	जुगपथुः	जुगुप	म०
	जुगोप,	जुगुपिव-जुगुप्व	जुगुपिम-जुगुप्म	उ०
लुट्	गोपायिता	गोपायितारौ	गोपायितारः	प्र०
	गोपिता	गोपितारौ	गोपितारः	
	गोप्ता	गोप्तारौ	गोप्तारः	
	गोपायितासि	गोपायितास्थः	गोपायितास्थ	म०
	गोपितासि	गोपितास्थः	गोपिस्तास्थ	
	गोप्तासि	गोप्तास्थः	गोप्तास्थ	
	गोपायितास्मि	गोपायितास्वः	गोपायितास्मः	उ०
	गोपितास्मि	गोपितास्वः	गोपितास्मः	
	गोप्तास्मि	गोप्तास्वः	गोप्तास्मः	
लृट्	गोपायिष्यति	गोपायिष्यतः	गोपायिष्यन्ति	प्र०
	गोपिष्यति	गोपिष्यतः	गोपिष्यन्ति	
	गोप्स्यति	गोप्स्यतः	गोप्स्यन्ति	
	गोपायिष्यसि	गोपायिष्यथः	गोपायिष्यथ	म०
	गोपिष्यसि	गोपिष्यथः	गोपिष्यथ	
	गोप्स्यसि	गोप्स्यथः	गोपिष्यथ	
	गोपायिष्यामि	गोपायिष्यावः	गोपायिष्यामः	उ०
	गोपिष्यामि	गोपिष्यावः	गोपिष्यामः	
	गोप्स्यामि	गोप्स्यावः	गोप्स्यामः	
लोट्	गोपायतु-तात्	गोपायताम्	गोपायन्तु	प्र०
	गोपाय-तात्	गोपायतम्	गोपायत	
	गोपायानि	गोपायाव	गोपायाम	

लङ्	अगोपायत्	अगोपायताम्	अगोपायन्	प्र०
	अगोपायः	अगोपायतम्	अगोपायत	म०
	अगोपायम्	अगोपायाव	अगोपायाम	उ०
विधि-लिट्	गोपायेत्	गोपायेताम्	गोपायेयुः	प्र०
	गोपायेः	गोपायेतम्	गोपायेत	म०
	गोपायेयम्	गोपायेव	गोपायेम	उ०
आशिप्-लिट्	गोपाय्यात्	गोपायाय्यास्ताम्	गोपाय्यासुः	प्र०
	गुप्यात्	गुप्यास्ताम्	गुप्यासुः	
	गोपाय्याः	गोपाय्यास्तम्	गोपाय्यास्त	म०
	गुप्याः	गुप्यास्तम्	गुप्यास्त	
	गोपाय्यासम्	गोपाय्यास्व	गोपाय्यास्म	उ०
	गुप्यासम्	गुप्यास्व	गुप्यास्म	
लुङ्	अगोपायीत्	अगोपायिष्टाम्	अगोपायिषुः	प्र०
	अपोपीत्	अगोपिष्टाम्	अगोपिषुः	
	अगौप्सीत्	अगौप्ताम्	अगौप्सुः	
	अगोपायीः	अगोपायिष्टम्	अगोपायिष्ट	म०
	अगोपीः	अगोपिष्टम्	अगोपिष्ट	
	अगौप्सीः	अगौप्ताम्	अगौप्ता	
	अगोपायिषम्	अगोपायिष्व	अगोपायिष्व	उ०
	अगोपिषम्	अगोपिष्व	अगोपिष्व	
	अगौप्सम्	अगौप्स्व	अगौप्स्म	
लृङ्	अगोपायिष्यत्	अगोपायिष्यताम्	अगोपायिष्यन्	प्र०
	अगोपिष्यत्	अगोपिष्यताम्	अगोपिष्यन्	
	अगोप्स्यत्	अगोप्स्यताम्	अगोप्स्यन्	
	अगोपायिष्यः	अगोपायिष्यतम्	अगोपायिष्यत	म०
	अगोपिष्यः	अगोपिष्यतम्	अगोपिष्यत	
	अगोप्स्यः	अगोप्स्यतम्	अगोप्स्यत	
	अगोपायिष्यम्	अगोपायिष्याव	अगोपायिष्याम	उ०
	अगोपिष्यम्	अगोपिष्याव	अगोपिष्याम	
	अगोप्स्यम्	अगोप्स्याव	अगोप्स्याम	

स्वमेव

396 धूप सन्तापे

397. जप व्यक्तायां वाचि

लट्	जपति	जपतः	जपन्ति	प्र०
	जपसि	जपथः	जपथ	म०
	जपामि	जपावः	जपामः	उ०
लिट्	जजाप	जेपतुः	जेपुः	प्र०
	जेपिथ	जेपथुः	जेप	म०
	जजाप, जजप	जेपिव	जेपिम	उ०
लुट्	जपिता	जपितारौ	जपितारः	प्र०
	जपितासि	जपितास्थः	जपितास्थ	म०
	जपितास्मि	जपितास्वः	जपितास्मः	उ०
लृट्	जपिष्यति	जपिष्यतः	जपिष्यन्ति	प्र०
	जपिष्यसि	जपिष्यथः	जपिष्यथ	म०
	जपिष्यामि	जपिष्यावः	जपिष्यामः	उ०
लोट्	जपतु-तात्	जपताम्	जपन्तु	प्र०
	जप-तात्	जपतम्	जपत	म०
	जपानि	जपाव	जपाम	उ०
लङ्	अजपत्	अजपताम्	अजपन्	प्र०
	अजपः	अजपतम्	अजपत	म०
	अजपम्	अजपाव	अजपाम	उ०
विधि-लिट्	जपेत्	जपेताम्	जपेयुः	प्र०
	जपेः	जपेतम्	जपेत	म०
	जपेयम्	जपेव	जपेम	उ०
आशिष्-लिट्	जप्यात्	जप्यास्ताम्	जप्यासुः	प्र०
	जप्याः	जप्यास्तम्	जप्यास्त	म०
	जप्यासम्	जप्यास्व	जप्यास्म	उ०
लुङ्	अजापीत्	अजापिष्टाम्	अजापिषुः	प्र०
	अजपीत्	अजपिष्टम्	अजपिष्ट	म०
	अजापीषम्	अजापिष्व	अजापिष्व	उ०

लृङ्	अजपिष्यत्	अजपिष्याम्	अजपिष्यन्	प्र०
	अजपिष्यः	अजपिष्यतम्	अजपिष्यत	म०
	अजपिष्यम्	अजपिष्याव	अजपिष्याम	उ०

स्वमेव

398. जल्प व्यक्तायां वाचि, जप् मानसे च 399. चप सान्त्वने
 400. षप् समवाये सम्वायेसम्बन्धः सम्यगवबोधोवा 401. रप
 402. लप व्यक्तायां वाचि 403. चृप मन्दयां गतौ 404. तुप 405. तुम्प
 406. त्रुप 407. त्रुम्प 408. तुफ 409. तुम्फ 410. त्रुफ
 411. त्रुम्प हिंसार्थः 412. पर्प 413. रफ 414. रफि
 415. अर्ब 416. पर्ब 417. लर्ब 418. बर्ब 419. मर्ब
 420. कर्ब 421. खर्ब 422. गर्ब 423. शर्ब 424. षर्ब
 425. चर्ब गतौ 426. कुत्रि आच्छादने 427. लुबि 428. तुबि अर्दने
 429. चुबि वक्त्रसंयोगे 430. षृभु 431. षृम्भु हिंसाथौ
 432. शुभ 433. शुम्भ भाषण, भासने इत्येके

अथानुनासिकान्ता : तत्र कम्प्यन्ता अनुदातेतो दश आत्मनेपदी

434. घिणि 435. घुणि 436. घृणि ग्रहणे 437. घुण 438. घूर्ण भ्रमणे
 439. पण व्यवहारे स्तुतौ च 440. पन च 441. भाम क्रोधे
 442. क्षमूष सहने
 443. कमु कान्तौ

लट्	कामयते	कामयेते	कामयन्ते	प्र०
	कामयसे	कामयेथे	कामयध्वे	म०
	कामये	कामयावहे	कामयामहे	उ०
लिट्	कामयाञ्चक्रे	कामयाञ्चक्राते	कामयाञ्चक्रिरे	प्र०
	चकमे	चकमाते	चकमिरे	
	कामयाञ्चक्रषे	कामयाञ्चक्राथे	कामयाञ्चकृद्वे	म०
	चकमिथे	चकमाथे	चकमिध्वे	
	कामयाञ्चक्रे	कामयाञ्चकृवहे	कामयाञ्चकृमहे	उ०
	चकमे	चकमिवहे	चकमिमहे	
लुट्	कामयिता	कामयितारौ	कामयितारः	प्र०
	कमिता	कमितारौ	कमितारः	

	कामयितासे	कामयितासाथे	कामयिताध्वे	म०
	कमितासे	कमितासाथे	कमिताध्वे	
	कामयिताहे	कामयितास्वहे	कामयितास्महे	उ०
	कमिताहे	कमितास्वहे	कमितास्महे	
लृट्	कामयिष्यते	कामयिष्येते	कामयिष्यन्ते	प्र०
	कमिष्यते	कमिष्येते	कमिष्यन्ते	
	कामिष्यसे	कामिष्येथे	कामिष्यध्वे	म०
	कमिष्यसे	कमिष्येथे	कमिष्यध्वे	
	कामयिष्ये	कामयिष्यावहे	कामयिष्यामहे	उ०
	कमिष्ये	कमिष्यावहे	कमिष्यामहे	
लोट्	कामयताम्	कामयेताम्	कामयन्ताम्	प्र०
	कामयस्व	कामयेथाम्	कामयध्वम्	म०
	कामयै	कामयावहै	कामयामहै	उ०
लङ्	अकामयत	अकामयेताम्	अकामयन्त	प्र०
	अकामयथाः	अकामयेथाम्	अकामयध्वम्	म०
	अकामये	अकामयावहि	अकामयामहि	उ०
विधि-लिट्	कामयेत	कामयेयाताम्	कामयेरन्	प्र०
	कामयेथाः	कामयेयाथाम्	कामयेध्वम्	म०
	कामयेय	कामयेवहि	कामयेमहि	उ०
आशिप्-लिट्	कामयिषीष्ट	कामयिषीयास्ताम्	कामयिषीरन्	प्र०
	कमिषीष्ट	कमिषीयास्ताम्	कमिषीरन्	
	कामयिषीष्ठाः	कामयिषीयास्थाम्	कामयिषीध्वम्	म०
	कमिषीष्ठाः	कमिषीयास्थाम्	कमिषीध्वम्	
	कामयिषीय	कामयिषीवहि	कामयिषीमहि	उ०
	कमिषीय	कमिषीवहि	कमिषीमहि	
लुङ्	अचीकमत	अचीकमेताम्	अचीकमन्त	प्र०
	अचकमत	अचकमेताम्	अचकमन्त	
	अचीकमथाः	अचीकमेथाम्	अचीकमध्वम्	म०
	अचकमथाः	अचकमथाम्	अचकमध्वम्	
	अचीकमे	अचीकमावहि	अचीकमामहि	उ०
	अचकमे	अचकमावहि	अचकमामहि	

लृङ्	अकामयिष्यत	अकामयिष्येताम्	अकामयिष्यन्त	प्र०
	अकमिष्यत	अकमिष्येताम्	अकमिष्यन्त	
	अकामयिष्यथाः	अकामयिष्येथाम्	अकामयिष्यध्वम्	म०
	अकमिष्यथाः	अकमिष्येथाम्	अकमिष्यध्वम्	
	अकामयिष्ये	अकामयिष्यावहि	अकामयिष्यामहि	उ०
	अकमिष्ये	अकमिष्यावहि	अकमिष्यामहि	

अथ क्रम्यन्तत्रिंशत्परस्मैपदिनः

444. अण 445. रण 446. वण 447. भण 448. मण 449. कण
 450. क्वण 451. व्रण 452. भ्रण 453. ध्वण शब्दार्थाः
 454. ओणृ अपनयने 455. शोणू वर्णगत्योः 456. श्रोणृ संघाते
 457. श्लोणृ च 458. पैणृ गतिप्रेरणश्लेषणेषु 459. ध्रण शब्दे
 460. कनी दीप्तिकान्तिगतिषु 461. ष्टन 462. वन शब्दे
 463. वन 464. षण सम्भक्तो 465. अम गत्थादिषु- 466. द्रम
 467. हम्म 468. मीमृ गतौ 469. चमु 470. छमु 471. जमु
 472. झमु अदने

473. क्रमु पादविक्षेपे

लट्	क्राम्यति	क्राम्यतः	क्राम्यन्ति	प्र०
	क्रामति	क्रामतः	क्रामन्ति	
	क्राम्यसि	क्राम्यथः	क्राम्यथ	म०
	क्रामसि	क्रामथः	क्रामथ	
	क्राम्यामि	क्राम्यावः	क्राम्यामः	उ०
	क्रामामि	क्रामावः	क्रामामः	
लिट्	चक्राम	चक्रमतुः	चक्रमुः	प्र०
	चक्रमिथ	चक्रमथुः	चक्रम	म०
	चक्राम, चक्रम	चक्रमिव	चक्रमिम	उ०
लुट्	क्रमिता	क्रमितारौ	क्रमितारः	प्र०
	क्रमितासि	क्रमितास्थः	क्रमितास्थं	म०
	क्रमितास्मि	क्रमितास्वः	क्रमितास्मः	उ०

लृट्	क्रमिष्यति	क्रमिष्यतः	क्रमिष्यन्ति	प्र०
	क्रमिष्यसि	क्रमिष्यथः	क्रमिष्यथ	म०
	क्रमिष्यामि	क्रमिष्यावः	क्रमिष्यामः	उ०
लोट्	क्राम्यतु-तात्	क्राम्यताम्	क्राम्यन्तु	प्र०
	क्रामतु-तात्	क्राम्ताम्	क्रामन्तु	
	क्राम्य-तात्	क्रामयतम्	क्राम्यत	म०
	क्राम-तात्	क्रामतम्	क्रामत	
	क्राम्याणि	क्राम्याव	क्राम्याम	उ०
	क्रामाणि	क्रामाव	क्रामाम	
लङ्	अक्राम्यत्	अक्राम्यताम्	अक्राम्य न्	प्र०
	अक्रामत्	अक्रामताम्	अक्रामन	
	अक्राम्यः	अक्राम्यतम्	अक्राम्यत	म०
	अक्रामः	अक्रामतम्	अक्रामत	
	अक्राम्यम्	अक्राम्याव	अक्राम्याम	उ०
	अक्रामम्	अक्रामाव	अक्रामाम	
विधि-लिङ्	क्राम्येत्	क्राम्येताम्	क्राम्येयुः	प्र०
	क्रामेत्	क्रामेताम्	क्रामेयुः	
	क्राम्येः	क्राम्येतम्	क्राम्येत	म०
	क्रामेः	क्रामेतम्	क्रामेत	
	क्राम्येयम्	क्राम्येव	क्राम्येम	उ०
	क्रामेयम्	क्रामेव	क्रामेम	
आशिष्-लिङ्	क्रम्यात्	क्रम्यास्ताम्	क्रम्यासुः	प्र०
	क्रम्याः	क्रम्यास्तम्	क्रम्यास्त	म०
	क्रम्यासम्	क्रम्यास्व	क्रम्यास्म	उ०
लुङ्	अक्रमीत्	अक्रमिष्टाम्	अक्रमिषुः	प्र०
	अक्रमीः	अक्रमिष्टम्	अक्रमिष्ट	म०
	अक्रमिषम्	क्रमिष्व	अक्रमिष्म	उ०
लृङ्	अक्रमिष्यत्	अक्रमिष्यताम्	अक्रमिष्यन्	प्र०
	अक्रमिष्यः	अक्रमिष्यतम्	अक्रमिष्यत	म०
	अक्रमिष्यम्	अक्रमिष्याव	अक्रमिष्याम	उ०

अथ रेवत्यन्ता अनुदात्तेतः अय गतौ (जाना) सकर्मक (सेट्) आत्मनेपदी

लट्	अयेते	अयेते	अयन्ते	प्र०
	अयसे	अयेथे	अयध्वे	म०
	अये	अयावहे	अयामहे	उ०
लिट्	अयाञ्चक्रे	अयाञ्चक्राते	अयाञ्चक्रिरे	प्र०
	अयाञ्चकृषे	अयाञ्चक्राथे	अयाञ्चकृद्वे	म०
	अयाञ्चक्रे	अयाञ्चकृवहे	अयाञ्चकृमहे	उ०
लृट्	अयिता	अयितारौ	अयितारः	प्र०
	अयितासे	अयितासाथे	अयिताध्वे	म०
	अयिताहे	अयितास्वहे	अयितास्महे	उ०
लृट्	अयिष्यते	अयिष्येते	अयिष्यन्ते	प्र०
	अयिष्यसे	अयिष्येथे	अयिष्यध्वे	म०
	अयिष्ये	अयिष्यावहे	अयिष्यामहे	उ०
लोट्	अयताम्	अयेताम्	अयन्ताम्	प्र०
	अयस्व	अयेथाम्	अयध्वम्	म०
	अयै	अयावहै	अयामहै	उ०
लङ्	आयत	आयेताम्	आयन्त	प्र०
	आयथाः	आयेथाम्	आयध्वम्	म०
	आये	आयावहि	आयामहि	उ०
विधि-लङ्	अयेत	अयेयाताम्	अयेरन्	प्र०
	अयेथाः	अयेयाथाम्	अयेध्वम्	म०
	अयेय	अयेवहि	अयेमहि	उ०
आशिष्-लङ्	अयिषीष्ट	अयिषीयास्ताम्	अयिषीरन्	प्र०
	अयिषीष्ठाः	अयिषीयास्थाम्	अयिषीध्वम्	म०
	अयिषीय	अयिषीवहि	अयिषीमहि	उ०
लुङ्	आयिष्ट	आयिषाताम्	आयिषत	प्र०
	आयिष्ठाः	आयिषाथाम्	आयिद्वम्	म०
	आयिषि	आयिष्वहि	आयिष्ममहि	उ०
लृङ्	आयिष्यत	आयिष्येताम्	आयिष्यन्त	प्र०
	आयिष्यथाः	आयिष्येथाम्	आयिष्यध्वम्	म०
	आयिष्ये	आयिष्यावहि	आयिष्यामहि	उ०

475. वय 476. पय 477. मय 478. चय 479. तय
 480. णय गतौ 481. दय दानगतिरक्षणहिंसादानेषु - आदानं गृहणम्
 482. रय गतौ 483. ऊयी तन्तुसन्ताने 484. पूयी विशरणे दुर्गन्धे च
 485. क्मूयी शब्दे उन्दने च 486. क्षमायी विधूने 487. रफायी
 488. ओप्यायी वृद्धौ 489. तायृ - सन्तान पालनयोः
 490. शल चलनसंवरणयोः 491. वल 492. वल्ल संवरणे स चरणे च
 493. मल 494. मल्लधारणे 495. भल 496. मल्ल परिभाषणहिंसादानेषु
 497. कल शब्द संख्यानयोः 498. कल्ल अव्यक्ते शब्दे 499. तेवृ
 500. देवृदेवने 501. षेवृ 502. गेवृ 503. ग्लेवृ 504. पेवृ
 505. मेवृ 506. म्लेवृ सेवने 507. रेवृ प्लवगतौ

अथवत्यन्ताः परस्मैपदिनः

508. मव्य बन्धने 509. सूक्ष्य 510. ईक्ष्य 511. ईर्ष्य ईर्ष्यार्था
 512. हय गतौ 513. शुच्य अभिषवे 514. हय गतिकान्त्योः
 515. अल भूषणपर्याप्तिवारणेषु च 516. फिला विशरणे
 517. मील 518. श्मील 519. स्मील
 520. क्ष्मील निमेषणे - निमेषणं संकोचः 521. पील प्रतिष्टमी
 522. णील वर्णे 523. शील समाधत्ते 524. कील बन्धने
 525. कूल आवरणे 526. शूल रुजायां संघोषे च
 527. तूल निष्कर्षे 528. पूल संघाते 529. मूल प्रतिष्ठायामे
 530. फल निष्पत्तौ
 531. चुल्ल भावकरणे - भावकरणं अभिप्रायाविष्कारः
 532. फुल्ल विकसने 533. चिल्लशैथिल्ये भावकरणे च 534. तिल गतौ
 535. वेल् 536. चेल् 537. केल् 538. खेल् 539. क्ष्वेल्
 540. वेल्ल चलने 541. पेल् 542. फेल् 543. शेल् गतौ, षेल् इत्येके
 544. स्खल स चलने 545. खल स चये 546. गल अदने 547. षल गतौ
 548. दल विशरणे 549. श्वल 550. श्वल्लाशुगमने
 551. खोलृ 552. खोर्त्त गति प्रतिघाते 553. धोर्त्त गतिचातुर्ये
 554. त्सर छद्म गता 555. क्मर हुर्छने 556. अभ्र 557. वभ्र
 558. मभ्र 559. चरण गत्यर्थाः 560. षिवु निरसने
 561. जिजये 562. जीवप्राणधारणे 563. पीव 564. मीव

565. तीव 566. णीव स्थौल्ये 567. क्षीवु 568. क्षेवु निरसने
 569. उर्वी 570. तुर्वी 571. थुर्वी 572. दुर्वी
 573. धुर्वी हिंसार्थाः 574. गुर्वी उद्यमने 575. मुर्वी बन्धने
 576. पूर्व 577. पर्व 578. मर्व 579. चर्व अदने
 580. भर्व हिंसायाम् 581. कर्व 582. खर्व 583. गर्व दर्पे
 584. अर्व 585. शर्व 586. षर्व हिंसायाम्
 587. इवि व्यापतो 588. पिवि 589. मिवि 590. णिवि सेचने
 591. हिवि 592. दिवि 593. धिवि 594. जिवि प्रीणनार्थाः
 595. रिवि 596. रवि 597. धवि गत्यर्थाः 598. कृवि हिंसाकरणयोश्च
 599. मव बन्धने

600. अव रक्षणगतिकान्तिप्रीतितृप्त्यवगम प्रवेश श्रवणस्वाम्यर्थयाचन
 क्रियेच्छादीप्त्यवाप्त्यालिङ् गहिंसादानभाववृद्धिषु।

601. धावु गतिशुद्धयोः अथोष्मान्ता आत्मनेपदिनः 602. धुक्ष

603. धिक्ष सन्दीपनक्लेशनजीवनेषु 604. वृक्ष वरणे

605. शिक्षविद्योपादाने सकर्मक (सेट्) आत्मनेपदी

लट्	शिक्षते	शिक्षते	शिक्षन्ते	प्र०
	शिक्षसे	शिक्षथे	शिक्षध्वे	म०
	शिक्षे	शिक्षावहे	शिक्षामहे	उ०
लिट्	शिक्षाञ्चक्रे	शिक्षाञ्चक्राते	अयाञ्चक्रिरे	प्र०
	शिक्षाञ्चकृषे	शिक्षाञ्चक्राथे	शिक्षाञ्चकृध्वे-द्ध्वे	म०
	शिक्षाञ्चक्रे	शिक्षाञ्चकृवहे	शिक्षाञ्चकृमहे	उ०
	शिशिक्षे	शिशिक्षाते	शिशिक्षिरे	प्र०
	शिशिक्षे	शिशिक्षाथे	शिशिक्षध्वे	म०
	शिशिक्षे	शिशिक्षिवहे	शिशिक्षिमहे	उ०
लुट्	शिक्षिता	शिक्षितारौ	शिक्षितारः	प्र०
	शिक्षितासे	शिक्षितासाथे	शिक्षिताध्वे	म०
	शिक्षिताहे	शिक्षितास्वहे	शिक्षितास्महे	उ०
लृट्	शिक्षिष्यते	शिक्षिष्येते	शिक्षिष्यन्ते	प्र०
	शिक्षिष्यसे	शिक्षिष्येथे	शिक्षिष्यध्वे	म०
	शिक्षिष्ये	शिक्षिष्यावहे	शिक्षिष्यामहे	उ०

लोट्	शिक्षताम्	शिक्षेताम्	शिक्षन्ताम्	प्र०
	शिक्षस्व	शिक्षेथाम्	शिक्षध्वम्	म०
	शिक्षै	शिक्षावहै	शिक्षामहै	उ०
लङ्	अशिक्षत	अशिक्षेताम्	अशिक्षन्त	प्र०
	अशिक्षथाः	अशिक्षेथाम्	अशिक्षध्वम्	म०
	अशिक्षे	अशिक्षावहि	अशिक्षामहि	उ०
विधि-लिङ्	शिक्षेत	शिक्षेयाताम्	शिक्षेरन्	प्र०
	शिक्षेथाः	शिक्षेयाथाम्	शिक्षेध्वम्	म०
	शिक्षेय	शिक्षेवहि	शिक्षेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	शिक्षिषीष्ट	शिक्षिषीयास्ताम्	शिक्षिषीरन्	प्र०
	शिक्षिषीष्ठाः	शिक्षिषीयास्थाम्	शिक्षिषीध्वम्	म०
	शिक्षिषीय	शिक्षिषीवहि	शिक्षिषीमहि	उ०
लुङ्	शैक्षिष्ट	शैक्षिषाताम्	शैक्षिषत	प्र०
	शैक्षिष्ठाः	शैक्षिषाथाम्	शैक्षिध्वम्	म०
	शैक्षिषि	शैक्षिष्वहि	शैक्षिष्महि	उ०
लृङ्	शैक्षिष्यत	शैक्षिष्येताम्	शैक्षिष्यन्त	प्र०
	शैक्षिष्यथाः	शैक्षिष्येथाम्	शैक्षिष्यध्वम्	म०
	शैक्षिष्ये	शैक्षिष्यावहि	शैक्षिष्यामहि	उ०

606. भिक्ष भिक्षायामलाभे लाभे च 607. क्लेश अव्यक्तायां वाचि
 608. दक्ष वृद्धौ शीघ्राथे च 609. दीक्ष मौण्डयेज्योपनयननियमव्रता देशेषु
 610. ईक्ष दर्शने 611. ईष गतिहिंसादर्शनेषु 612. भाष व्यक्तायां वाचि
 613. वर्ष स्नेहन 614. गेषु अन्वच्छायाम् ग्लेषु इत्येके 615. पेष्ट प्रयत्न
 616. जेषु 617. णेषु 618. एषु 619. प्रेषु गतौ
 620. रेष्ट 621. हेष्ट
 622. ह्वेषु अव्यक्ते शब्दे-आद्यो वृक्षशब्दे ततो द्वौ अश्वशब्दे
 623. कासृ शब्दकुत्सायाम् 624. भासृ दीप्तौ 625. णासृ
 626. रासृ शब्दे 627. णस कौटिल्ये 628. भ्यस भये
 629. आङ् शसि इच्छायाम् 630. प्रसु 631. ग्लसु अदने
 632. ईह चेष्टायाम् 633. वहि 634. महि वृद्धौ 635. अहि गतौ
 636. गर्ह 637. गल्हकृत्सायाम् 638. बह

639. बल्ह प्राधान्ये 640. वर्ह 641. वल्ह परिभाषाहिंसाच्छादनेषु
 642. प्लिह गतौ 643. वे 644. जेह 645. वाह प्रयत्ने
 646. द्राह निद्राक्षये 647. का 2१ दीप्तौ 648. ऊह वितर्के
 649. गाहू विलोडने 650. गृहू ग्रहणे 651. ग्वह च 652. धुषि कान्तिकरणे

अथार्हत्यन्ताः परस्मैपदिनः

653. धुषिर अविशब्दने 654. अक्ष व्यापतो 655. तक्ष
 656. त्वक्षू तनूकरणे 657. उक्ष सेचने 658. रक्ष पालने 659. णिक्ष चुम्बने
 660. त्रक्ष 661. घ्राक्ष 662. णक्ष गतौ
 663. वक्ष रोषे संघाते इत्येके 664. मृक्ष संघाते 665. तक्ष त्वचने
 666. सूक्ष आदरे 667. काक्षि 668. वाक्षि 669. माक्षि काङ् क्षायाम्
 670. द्राक्षि 671. ध्राक्षि 672. ध्वाक्षि घोरवाशिते च
 673. चूष पाने 674. तूष तुष्टौ 675. पूष वृद्धौ 676. मूष स्तेये
 677. लूष 678. रुष भूषायाम् 679. शूष प्रसव
 680. यूष हिंसायाम् 681. जूष च 682. भूष अलंकारे
 683. ऊष खजायाम् 684. ईष उ छे 685. कष 686. खष
 687. शिष 688. जष 689. झष 690. शष
 691. वष 692. मष 693. रूष 694. रिष हिंसार्थाः
 695. भष भर्त्सने 696. उष दाहे 697. जिषु 698. विषु
 699. मिषु सेचने 700. पुष्ट पुष्टौ 701. श्रिषु 702. मिषु सेचने
 703. पृषु 704. प्लुषु दाहे 705. पृषु 706. वृषु
 707. मृषु सेचने, मृषु सहने च 708. धृषु संघर्षे 709. हृषु अलीके
 710. तुस 711. हस 712. हलस 713. रस शब्दे
 714. लस श्लेषणक्रीड् नयोः 715. घस्लृ अदने 716. जर्ज
 717. चर्च 718. झभ परिभाषणहिंसातर्जनेषु 719. पिस्
 720. पेस् गतौ 721. हसे हसने 722. पिश समाधौ
 723. मिश 724. मश शब्दे रोषकृते च 725. शव गतौ
 726. शश प्लुतगतौ 727. शसु हिंसायाम् 728. शंसु स्तुतौ
 729. यह परिकल्पने 730. मह पूजायाम् 731. रह त्यागे
 732. रहि गतौ 733. दृह 734. दृहि 735. वृह
 736. बृहिवृद्धौ 737. तुहिर् 738. दुहिर् 739. उहिर अर्दने

740. अर्ह पूजायाम् अथ कृपूपर्यन्ताः अनुदात्तेतः आत्मनेपदी

लट्	द्योतते	द्योतेते	द्योतन्ते	प्र०
	द्योतसे	द्योतेथे	द्योतध्वे	म०
	द्योते	द्योतावहे	द्योतामहे	उ०
लिट्	दिद्युते	दिद्युताते	दिद्युतिरे	प्र०
	दिद्युतिषे	दिद्युताथे	दिद्युतिध्वे	म०
	दिद्युते	दिद्युतिवहे	दिद्युतिमहे	उ०
लुट्	द्योतिता	द्योतितारौ	द्योतितारः	प्र०
	द्योतितासे	द्योतितासाथे	द्योतिताध्वे	म०
	द्योतिताहे	द्योतितास्वहे	द्योतितास्महे	उ०
लृट्	द्योतिष्यते	द्योतिष्येते	द्योतिष्यन्ते	प्र०
	द्योतिष्यसे	द्योतिष्येथे	द्योतिष्यध्वे	म०
	द्योतिष्ये	द्योतिष्यावहे	द्योतिष्यामहे	उ०
लाट्	द्योतताम्	द्योतेताम्	द्योतन्ताम्	प्र०
	द्योतस्व	द्योतेथाम्	द्योतध्वम्	म०
	द्योतै	द्योतावहै	द्योतामहि	उ०
लङ्	अद्योतत	अद्योतेताम्	अद्योतन्त	प्र०
	अद्योतथाः	अद्योतेथाम्	अद्योतध्वम्	म०
	अद्योते	अद्योतावहि	अद्योतामहि	उ०
विधि-लिट्	द्योतेत	द्योतेयाताम्	द्योतेरन्	प्र०
	द्योतेथाः	द्योतेयाथाम्	द्योतेध्वम्	म०
	द्योतेय	द्योतेवहि	द्योतेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	द्योतिषीष्ट	द्योतिषीयास्ताम्	द्योतिषीरन्	प्र०
	द्योतिषीष्ठाः	द्योतिषीयास्थाम्	द्योतिषीध्वम्	म०
	द्योतिषीय	द्योतिष्वहि	द्योतिष्महि	उ०
लुङ्	अद्युतत्	अद्युतताम्	अद्युतन्	प्र०
	अद्युतः	अद्युततम्	अद्युतत	म०
	अद्युतम्	अद्युताव	अद्युताम	उ०
“द्यद्भयो लुङि” इत्यनेन परस्मैपदविकल्प पक्षे—				
	अद्योतिष्ट	अद्योतिषाताम्	अद्योतिषत	प्र०

	अद्योतिष्ठाः	अद्योतिषाथाम्	अद्योतिद्वम्	म०
	अद्योतिषि	अद्योतिष्वहि	अद्योतिष्वहि	उ०
लृङ्	अद्योतिष्यत	अद्योतिष्येताम्	अद्योतिष्यन्त	प्र०
	अद्योतिष्यथाः	अद्योतिष्येथाम्	अद्योतिष्यध्वम्	म०
	अद्योतिष्ये	अद्योतिष्यावहि	अद्योतिष्यामहि	उ०

742. शिवता वर्णे (सफेद होना) अकर्मक (सेट्) आत्मनेपदी

लट्	श्वेतते	श्वेतते	श्वेतन्ते	प्र०
	श्वेतसे	श्वेतथे	श्वेतध्वे	म०
	श्वेते	श्वेतावहे	श्वेतामहे	उ०
लिट्	शिशिवते	शिशिवताते	शिशिवतिरे	प्र०
	शिशिवतिषे	शिशिवताथे	शिशिवतिध्वे	म०
	शिशिवते	शिशिवतिवहे	शिशिवतिमहे	उ०
लुट्	श्वेतिता	श्वेतितारौ	श्वेतितारः	प्र०
	श्वेतितासे	श्वेतितासाथे	श्वेतिताध्वे	म०
	श्वेतिताहे	श्वेतितास्वहे	श्वेतितास्महे	उ०
लृट्	श्वेतिष्यते	श्वेतिष्येते	श्वेतिष्यन्ते	प्र०
	श्वेतिष्यसे	श्वेतिष्येथे	श्वेतिष्यध्वे	म०
	श्वेतिष्ये	श्वेतिष्यावहे	श्वेतिष्यामहे	उ०
लोट्	श्वेतताम्	श्वेतेताम्	श्वेतन्ताम्	प्र०
	श्वेतस्व	श्वेतेथाम्	श्वेतध्वम्	म०
	श्वेतै	श्वेतावहै	श्वेतामहै	उ०
लङ्	अश्वेतत	अश्वेतेताम्	अश्वेतन्त	प्र०
	अश्वेतथाः	अश्वेतेथाम्	अश्वेतध्वम्	म०
	अश्वेते	अश्वेतावहि	अश्वेतामहि	उ०
विधि-लिङ्	श्वेतेत	श्वेतेयाताम्	श्वेतेरन्	प्र०
	श्वेतेथाः	श्वेतेयाथाम्	श्वेतेध्वम्	म०
	श्वेतेय	श्वेतेवहि	श्वेतेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	श्वेतिषीष्ट	श्वेतिषीयास्ताम्	श्वेतिषीरन्	प्र०
	श्वेतिषीष्ठाः	श्वेतिषीयास्थाम्	श्वेतिषीध्वम्	म०
	श्वेतिषीय	श्वेतिषीवहि	श्वेतिषीमहि	उ०

लुङ्	अश्वितत्	अश्वितताम्	अश्वितन्	प्र०
	अश्वितः	अश्विततम्	अश्वितत	म०
	अश्वितम्	अश्विताव	अश्विताम	उ०

“द्यद्भ्यो लुङि” इति विकल्पपक्षे—

	अश्वेतिष्ट	अश्वेतिषाताम्	अश्वेतिषत	प्र०
	अश्वेतिष्ठाः	अश्वेतिषाथाम्	अश्वेतिद्वम्	म०
	अश्वेतिषि	अश्वेतिष्वहि	अश्वेतिष्महि	उ०
लृङ्	अश्वेतिष्यत	अश्वेतिष्येताम्	अश्वेतिष्यन्त	प्र०
	अश्वेतिष्यथाः	अश्वेतिष्येथाम्	अश्वेतिष्यध्वम्	म०
	अश्वेतिष्ये	अश्वेतिष्यावहि	अश्वेतिष्यामहि	उ०

743. जिमिदा स्नेहने - पूर्ववत्

744. निष्विदा स्नेहनमोचनयोः

745. रूच दीप्तावभि प्रीतौ च (चमकना और रचना) अकर्मक (सेट्) स०

लट्	रोचते	रोचते	रोचन्ते	प्र०
	रोचसे	रोचथे	रोचध्वे	म०
	रोचे	रोचावहे	रोचामहे	उ०
लिट्	रुरुचे	रुरुचाते	रुरुचिरे	प्र०
	रुरुचिषे	रुरुचाथे	रुरुचिध्वे	म०
	रुरुचे	रुरुचिवहे	रुरुचिमहे	उ०
लुट्	रोचिता	रोचितारौ	रोचितारः	प्र०
	रोचितासे	रोचितासाथे	रोचिताध्वे	म०
	रोचिताहे	रोचितास्वहे	रोचितास्महे	उ०
लृट्	रोचिष्यते	रोचिष्येते	रोचिष्यन्ते	प्र०
	रोचिष्यसे	रोचिष्येथे	रोचिष्यध्वे	म०
	रोचिष्ये	रोचिष्यावहे	रोचिष्यामहे	उ०
लोट्	रोचताम्	रोचेताम्	रोचन्ताम्	प्र०
	रोचस्व	रोचेथाम्	रोचध्वम्	म०
	रोचै	रोचावहै	रोचामहै	उ०
लङ्	अरोचत	अरोचेताम्	अरोचन्त	प्र०
	अरोचथाः	अरोचेथाम्	अरोचध्वम्	म०
	अरोचे	अरोचावहि	अरोचामहि	उ०

विधि-लिङ्	रोचेत्	रोचेयाताम्	रोचेरन्	प्र०
	रोचेथाः	रोचेयाथाम्	रोचेध्वम्	म०
	रोचेय	रोचेवहि	रोचेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	रोचिषीष्ट	रोचिषीयास्ताम्	रोचिषीरन्	प्र०
	रोचिषीष्ठाः	रोचिषीयास्थाम्	रोचिषीध्वम्	म०
	रोचिषीय	रोचिषीवहि	रोचिषीमहि	उ०
लुङ्	अरोचत्	अरोचताम्	अरोचन्	प्र०
	अरोचः	अरोचतम्	अरोचत	म०
	अरोचम्	अरोचाव	अरोचाम	उ०

“द्यद्भ्यो लुङि” इति विकल्पपक्षे—

	अरोचिष्ट	अरोचिषाताम्	अरोचिषत	प्र०
	अरोचिष्ठाः	अरोचिषाथाम्	अरोचिद्वम्	म०
	अरोचिषि	अरोचिष्वहि	अरोचिष्महि	उ०
लृङ्	अरोचिष्यत	अरोचिष्येताम्	अरोचिष्यन्त	प्र०
	अरोचिष्यथाः	अरोचिष्येथाम्	अरोचिष्यध्वम्	म०
	अरोचिष्ये	अरोचिष्यावहि	अरोचिष्यामहि	उ०

746. घुट परिवर्तने (भंग आदि को घोटना) सकर्मक (सेट्) आत्मनेपदी

लट्	घोटते	घोटेते	घोटन्ते	प्र०
	घोटसे	घोटेथे	घोटध्वे	म०
	घोटे	घोटावहे	घोटामहे	उ०
लिट्	जुघुटे	जुघुटाते	जुघुटिरे	प्र०
	जुघुटिषे	जुघुटाथे	जुघुटिध्वे	म०
	जुघुटे	जुघुटिवहे	जुघुटिमहे	उ०
लुट्	घोटिता	घोटितारौ	घोटितारः	प्र०
	घोटितासे	घोटितासाथे	घोटिताध्वे	म०
	घोटिताहे	घोटितास्वहे	घोटितास्महे	उ०
लृट्	घोटिष्यते	घोटिष्येते	घोटिष्यन्ते	प्र०
	घोटिष्यसे	घोटिष्येथे	घोटिष्यध्वे	म०
	घोटिष्ये	घोटिष्यावहे	घोटिष्यामहे	उ०

लोट्	घोटताम्	घोटेताम्	घोटन्ताम्	प्र०
	घोटस्व	घोटेथाम्	घोटध्वम्	म०
	घोटै	घोटावहै	घोटामहै	उ०
लङ्	अघोटत	अघोटेताम्	अघोटन्त	प्र०
	अघोटथाः	अघोटेथाम्	अघोटध्वम्	म०
	अघोटे	अघोटावहि	अघोटामहि	उ०
विधि-लिङ्	घोटेत	घोटेयाताम्	घोटेरन्	प्र०
	घोटेथाः	घोटेयाथाम्	घोटेध्वम्	म०
	घोटेय	घोटेवहि	घोटेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	घोटिषीष्ट	घोटिषीयास्ताम्	घोटिषीरन्	प्र०
	घोटिषीष्ठाः	घोटिषीयास्थाम्	घोटिषीध्वम्	म०
	घोटिषीय	घोटिषीवहि	घोटिषीमहि	उ०
लुङ्	अघुटत्	अघुटताम्	अघुटन्	प्र०
	अघुटतः	अघुटतम्	अघुटत	म०
	अघुटम्	अघुटाव	अघुटाम	उ०
“द्युद्भ्यो लुङि” इति विकल्पपक्षे-				
	अघोटिष्ट	अघोटिषाताम्	अघोटिषत	प्र०
	अघोटिष्ठाः	अघोटिषाथाम्	अघोटिद्ध्वम्	म०
	अघोटिषि	अघोटिष्वहि	अघोटिष्महि	उ०
लृङ्	अघोटिष्यत	अघोटिष्येताम्	अघोटिष्यन्त	प्र०
	अघोटिष्यथाः	अघोटिष्येथाम्	अघोटिष्यध्वम्	म०
	अघोटिष्ये	अघोटिष्यावहि	अघोटिष्यामहि	उ०

स्वमेव-

747. रुट् 748. लुट् 749. लुठ प्रतिघाते 750. शुभ दीप्तौ
 751. शुभ स चलने 752. णभ (नभ) - तुम हिंसायाम् 753. तुभ हिंसायाम्
 753. स्त्रंसु - अवस्त्रंसने (अधःपतन होना) अकर्मक (सेट्) आत्मनेपदी

लट्	स्त्रंसते	स्त्रंसेते	स्त्रंसन्ते	प्र०
	स्त्रंससे	स्त्रंसेथे	स्त्रंसध्वे	म०
	स्त्रंसे	स्त्रंसावहे	स्त्रंसामहे	उ०

लिट्	सस्त्रंसे	सस्त्रंसाते	सस्त्रंसिरे	प्र०
	सस्त्रंसिषे	सस्त्रंसाथे	सस्त्रंसिध्वे	म०
	सस्त्रंसे	सस्त्रंषिवहे	सस्त्रंसिमहे	उ०
लुट्	स्त्रंसिता	स्त्रंसितारौ	स्त्रंसितारः	प्र०
	स्त्रंसितासे	स्त्रंसितासाथे	स्त्रंसिताध्वे	म०
	स्त्रंसिताहे	स्त्रंसितास्वहे	स्त्रंसितास्महे	उ०
लृट्	स्त्रंसिष्यते	स्त्रंसिष्येते	स्त्रंसिष्यन्ते	प्र०
	स्त्रंसिष्यथे	स्त्रंसिष्येथे	स्त्रंसिष्यध्वे	म०
	स्त्रंसिष्ये	स्त्रंसिष्यावहे	स्त्रंसिष्यामहे	उ०
लोट्	स्त्रंसताम्	स्त्रंसेताम्	स्त्रंसन्ताम्	प्र०
	स्त्रंसस्व	स्त्रंसेथाम्	स्त्रंसध्वम्	म०
	स्त्रंसै	स्त्रंसावहै	स्त्रंसामहै	उ०
लङ्	अस्त्रंसत	अस्त्रंसेताम्	अस्त्रंसन्त	प्र०
	अस्त्रंसथाः	अस्त्रंसेथाम्	अस्त्रंसध्वम्	म०
	अस्त्रंसे	अस्त्रंसेवहि	अस्त्रंसेमहि	उ०
विधि-लिङ्	स्त्रंसेत	स्त्रंसेयाताम्	स्त्रंसेरन्	प्र०
	स्त्रंसेथाः	स्त्रंसेयाथाम्	स्त्रंसेध्वम्	म०
	स्त्रंसेय	स्त्रंसेवहि	स्त्रंसेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	स्त्रंसिषीष्ट	स्त्रंसिषीयास्ताम्	स्त्रंसिषीरन्	प्र०
	स्त्रंसिषीष्ठाः	स्त्रंसिषीयास्थाम्	स्त्रंसिषीध्वम्	म०
	स्त्रंसिषीय	स्त्रंसिषीवहि	स्त्रंसिषीमहि	उ०
लुङ्	अस्त्रंसत्	अस्त्रंसताम्	अस्त्रंषन्	प्र०
	अस्त्रंसः	अस्त्रंसतम्	अस्त्रंसत	म०
	अस्त्रंसम्	अस्त्रंसाव	अस्त्रंसाम	उ०
“द्युद्भ्यो लुङि” इति विकल्पपक्षे-				
	अस्त्रंसिष्ट	अस्त्रंसिषाताम्	अस्त्रंसिषत	प्र०
	अस्त्रंसिष्ठाः	अस्त्रंसिषाथाम्	अस्त्रंसिध्वम्	म०
	अस्त्रंसिषि	अस्त्रंसिष्वहि	अस्त्रंसिष्महि	उ०
लृङ्	अस्त्रंसिष्यत	अस्त्रंसिष्येताम्	अस्त्रंसिष्यन्त	प्र०
	अस्त्रंसिष्यथाः	अस्त्रंसिष्येथाम्	अस्त्रंसिष्यध्वम्	म०
	अस्त्रंसिष्ये	अस्त्रंसिष्यावहि	अस्त्रंसिष्यामहि	उ०

स्वमेव—	755. ध्वंसु	756. भ्रंसु	757. स्त्रम्भुविश्वासे	
758. वृत् वृत्ते (रहना) अकर्मक (सेट्) आत्मनेपदी				
लट्	वर्तते	वर्तेते	वर्तन्ते	प्र०
	वर्तसे	वर्तेथे	वर्तध्वे	म०
	वर्ते	वर्तावहे	वर्तामहे	उ०
लिट्	ववृते	ववृताते	ववृतिरे	प्र०
	ववृतिषे	ववृताथे	ववृतिध्वे	म०
	ववृते	ववृतिवहे	ववृतिमहे	उ०
लृट्	वर्तिता	वर्तितारौ	वर्तितारः	प्र०
	वर्तितासे	वर्तितासाथे	वर्तिताध्वे	म०
	वर्तिताहे	वर्तितास्वहे	वर्तितास्महे	उ०
लृट्	वत्स्यति	वत्स्यतः	वत्स्यन्ति	प्र०
	वत्स्यसि	वत्स्यथः	वत्स्यथ	म०
	वत्स्यामि	वत्स्यावः	वत्स्यामः	उ०
“वृद्भ्यः स्यसनोः” इति परस्मैपद विकल्पपक्षे—				
	वर्तिष्यते	वर्तिष्येते	वर्तिष्यन्ते	प्र०
	वर्तिष्यसे	वर्तिष्येथे	वर्तिष्यध्वे	म०
	वर्तिष्ये	वर्तिष्यावहे	वर्तिष्यामहे	उ०
लोट्	वर्तताम्	वर्तेताम्	वर्तन्ताम्	प्र०
	वर्तस्व	वर्तेथाम्	वर्तध्वम्	म०
	वर्ते	वर्तावहै	वर्तामहै	उ०
लङ्	अवर्तत	अवर्तेताम्	अवर्तन्त	प्र०
	अवर्तथाः	अवर्तेथाम्	अवर्तध्वम्	म०
	अवर्ते	अवर्तावहि	अवर्तामहि	उ०
विधि-लिट्	वर्तेत	वर्तेयाताम्	वर्तेरन्	प्र०
	वर्तेथाः	वर्तेयाथाम्	वर्तेध्वम्	म०
	वर्तेय	वर्तेवहि	वर्तेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	वर्तिषीष्ट	वर्तिषीयास्ताम्	वर्तिषीरन्	प्र०
	वर्तिषीष्ठाः	वर्तिषीयास्थाम्	वर्तिषीध्वम्	म०
	वर्तिषीय	वर्तिषीवहि	वर्तिषीमहि	उ०

लुङ् (पक्षे)	अवृतत्	अवृतताम्	अवृतन्	प्र०
	अवृतः	अवृततम्	अवृतत	म०
	अवृतम्	अवृताव	अवृताम	उ०
	अवृतिष्ठ	अवृतिष्ठाताम्	अवृतिषत	प्र०
	अवृतिष्ठाः	अवृतिष्ठाथाम्	अवृतिद्धवम्	म०
	अवृतिषि	अवृतिष्वहि	अवृतिष्महि	उ०
लृङ् (पक्षे)	अवत्स्यत्	अवत्स्यताम्	अवत्स्यन्	प्र०
	अवत्स्यः	अवत्स्यतम्	अवत्स्यत	म०
	अवत्स्यम्	अवत्स्याव	अवत्स्याम	उ०
	अवर्तिष्यत	अवर्तिष्येताम्	अवर्तिष्यन्त	प्र०
	अवर्तिष्यथाः	अवर्तिष्येथाम्	अवर्तिष्यध्वम्	म०
	अवर्तिष्ये	अवर्तिष्यावहि	अवर्तिष्यामहि	उ०

759. वृधु वृद्धौ 760. श्रुधुशब्दकुत्सायाम् - इमौ वृतुवत् 761. स्यन्दू प्रस्रवणे
762. कृपू सामर्थ्ये

अथ स्वरत्यन्तास्त्रोयोदशानुदात्तेतः षितश्च - आत्मनेपदिनः

763. घट चेष्टायाम् 764. व्यथ भयसं चलनयोः 765. प्रथ प्रख्याने
766. प्रस विस्तारे 767. म्रद मर्दने 768. स्खद स्खदने स्खदनम् विद्रा वणम्
769. क्षजि गतिदानयोः 770. दक्ष गतिहिंसनयोः
771. क्रप कृपायां गतौ 772. कदि 773. क्रवि
774. क्लदि वैक्लव्ये, वैक्ल्ये इत्येके 775. त्विरा सम्भ्रमे

अथ फणान्ताः परस्मैपदिनः

776. ज्वर रोग 777. गड सेचने 778. हेड वेष्टने 779. वट
780. भट परिभाषणे 781. णट नृतौ 782. ष्टक प्रतिघाते 783. चक तृप्तौ
784. कखे हसने 785. रगे शङ् कायाम् 786. लगे सङ्गे 787. हगे
788. हलगे 789. षगे 790. ष्टगे संवरणे 791. कगे नोच्यते
792. अक 793. अग कुटिलायां गतौ 794. कण
795. रण गतौ 796. चण 797. शण
798. षण दाने च, शण गतौ इत्यन्ये 799. श्रथ 800. श्लथ
801. क्रथ 802. क्लथ हिंसार्थाः 803. वन च 804. ज्वल दीप्तौ

805. हल 806. ह्रस्व चलने 807. स्मृ आध्याने 808. दृभये
 809. नृ नये 810. श्रा पाके 811. ज्ञा निशामनं चासुषज्ञानम्
 812. चलिः चल कम्पने 813. छविः ऊर्जने
 814. लडिः लडविलासे
 815. मदी हर्षक्षलेपनयो - ग्लेपनम् दैन्यम् 816. ध्वन शब्दे
 817. स्वन अवतंसने 818. शमो दर्शने 819. यमो अपरिवेषणे
 820. स्वन अवतंसने 821. फण गतौ 822. राजृ दीप्तौ 823. टु भ्राजृ
 824. ट् भ्राशृ 825. टु भ्लाशृ दीप्तौ 826. स्यमु 827. स्वन
 828. ध्वन शब्दे 829. षम 830. ष्टम अवैकल्ये 831. ज्वल दीप्तौ
 832. चल कम्पने 833. जल घातने, घातनं तैक्षण्यम् 834. टल
 835. ट्वल वैकल्ये 836. ष्टल स्थाने 837. हल विलेखने
 838. णल गन्धे, बन्धने इत्येके 839. पल गतौ
 840. वल प्राणने, धान्यावरोधने च 841. पुल महत्वे
 842. कुल संस्थाने, बन्धुषु च संस्त्यानां संघातः बन्धुशब्देन तदव्यापारो गृह्यते
 843. शल 844. हुल 845. प्लृ गतौ 846. क्वथे निष्पाके
 847. पथे गतौ 848. मथे विलोडने 849. टुवम् उद्दिगरणे 850. भ्रमु चलने
 851. क्षर स चलने रूपाणि पर्ववत अथ द्वावनुदात्तेतौ आत्मनेपदी 852. षह मर्षणे
 853. रम क्रीडायाम् अथ कस्तन्ताः परस्मैपदिनः
 854. षट्लृ विशरणगत्यवसादनेषु सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	सीदति	सीदतः	सीदन्ति	प्र०
	सीदसि	सीदथः	सीदथ	म०
	सीदामि	सीदावः	सीदामः	उ०
लिट्	ससाद	सेदतुः	सेदुः	प्र०
	सेदिथ-ससत्थ	सेदथुः	सेद	म०
	ससाद, ससद	सेदिव	सेदिम	उ०
लुट्	सत्ता	सत्तारौ	सत्तारः	प्र०
	सत्तासि	सत्तास्थः	सत्तास्थ	म०
	सत्तास्मि	सत्तास्वः	सत्तास्मः	उ०
लृट्	सत्स्यति	सत्स्यतः	सत्स्यन्ति	प्र०
	सत्स्यसि	सत्स्यथः	सत्स्यथ	म०
	सत्स्यामि	सत्स्यावः	सत्स्यामः	उ०

लोट्	सीदतु-तात्	सीदताम्	सीदन्तु	प्र०
	सीद	सीदतम्	सीदत	म०
	सीदानि	सीदाव	सीदाम	उ०
लङ्	असीदत्	असीदताम्	असीदन्	प्र०
	असीदः	असीदतम्	असीदत्	म०
	असीदम्	असीदाव	असीदाम	उ०
विधि-लिङ्	सीदेत्	सीदेताम्	सीदेयुः	प्र०
	सीदेः	सीदेतम्	सीदेत	म०
	सीदेयम्	सीदेव	सीदेम	उ०
आशिष्-लिङ्	सद्यात्	सद्यास्ताम्	सद्यासुः	प्र०
	सद्याः	सद्यास्तम्	सद्यास्त	म०
	सद्यासम्	सद्यास्व	सद्यास्म	उ०
लुङ्	असदत्	असदताम्	असदन्	प्र०
	असदः	असदतम्	असदत	म०
	असदम्	असदाव	असदाम	उ०
लृङ्	असत्स्यत्	असत्स्यताम्	असत्स्यन्	प्र०
	असत्स्यः	असत्स्यतम्	असत्स्यत	म०
	असत्स्यम्	असत्स्याव	असत्स्याम	उ०

855. शद्लृ शातने

857. कुच सम्पर्चनकौटिल्यप्रविष्टम्भ विलेखनेषु

859. रूह बीजजन्मनि प्रादुर्भावे च

860. कस गतौ अथ गूहत्यन्ताः स्वरितेतः

862. अ चु गतौ याचने च

863. टु याचृ याघ्रायाम् (मांगना) उभयपदी

856. कुश आह्वाने रोदने च

858. बुध अवगमने

861. हिक्क अव्यक्ते शब्द

लट्	याचते	याचेते	याचन्ते	प्र०
आत्मनेपदी	याचसे	याचेथे	याचध्वे	म०
	याचे	याचावहे	याचामहे	उ०
परस्मैपदी	याचति	याचतः	याचन्ति	प्र०
	याचसि	याचथः	याचथ	म०
	याचामि	याचावः	याचामः	उ०

लिट्	ययाचे	ययाचाते	ययाचिरे	प्र०
	ययाचिषे	ययाचाथे	ययाचिध्वे	म०
	ययाचे	ययाचिवहे	ययाचिमहे	उ०
लिट्	ययाच	ययाचतुः	ययाचुः	प्र०
	ययाचिथ	ययाचथुः	ययाच	म०
	ययाच	ययाचिव	ययाचिम	उ०
लुट्	याचिता	याचितारौ	याचितारः	प्र०
आत्मनेपदी	याचितासे	याचितासाथे	याचिताध्वे	म०
	याचिताहे	याचितास्वहे	याचितास्महे	उ०
परस्मैपदी	याचिता	याचितारौ	याचितारः	प्र०
	याचितासि	याचितास्थः	याचितास्थ	म०
	याचितास्मि	याचितास्वः	याचितास्म	उ०
लृट् (आ०)	याचिष्यते	याचिष्येते	याचिष्यन्ते	प्र०
	याचिष्यसे	याचिष्येथे	याचिष्यध्वे	म०
	याचिष्ये	याचिष्यावहे	याचिष्यामहे	उ०
(पर०)	याचताम्	याचेताम्	याचन्ताम्	प्र०
	याचस्व	याचेथाम्	याचध्वम्	म०
	याचै	याचावहै	याचामहै	उ०
लोट् (आ०)	याचताम्	याचेताम्	याचन्ताम्	प्र०
	याचस्व	याचेथाम्	याचध्वम्	म०
	याचै	याचावहै	याचामहै	उ०
(पर०)	याचतु-तात्	याचताम	याचन्तु	प्र०
	याच	याचतम्	याचत	म०
	याचामि	याचाव	याचाम	उ०
लङ् (आ०)	अयाचत	अयाचेताम्	अयाचन्त	प्र०
	अयाचथाः	अयांचेथाम्	अयाचध्वम्	म०
	अयाचे	अयाचावहि	अयाचामहि	उ०
(पर०)	अयाचत्	अयाचताम्	अयाचन्	प्र०
	अयाचः	अयाचतम्	अयाचत	म०
	अयाचम्	अयाचाव	अयाचाम	उ०
विधि-लिङ्	याचेत	याचेयाताम्	याचेरन्	प्र०

(आ०)	याचेथाः	याचेयाथाम्	याचेध्वम्	म०
	याचेय	याचेवहि	याचेमहि	उ०
(पर०)	याचेत्	याचेताम	याचेयुः	प्र०
	याचेः	याचेतम्	याचेत	म०
	याचेयम्	याचेव	याचेम	उ०
आशिष्-लिङ्	याचिषीष्ट	याचिषीयास्ताम्	याचिषीरन्	प्र०
(आ०)	याचिषीष्ठाः	याचिषीयास्थाम्	याचिषीध्वम्	म०
	याचिषीय	याचिषीवहि	याचिषीमहि	उ०
(पर०)	याच्यात्	याच्यास्ताम्	याच्यासुः	प्र०
	याच्याः	याच्यास्तम्	याच्यास्त	म०
	याच्यासम्	याच्यास्व	याच्यास्म	उ०
लुङ् (आ०)	अयाचिष्ट	अयाचिषाताम्	अयाचिषत	प्र०
	अयाचिष्ठाः	अयाचिषाथाम्	अयाचिध्वम्	म०
	अयाचिषि	अयाचिष्वहि	अयाचिष्महि	उ०
(पर०)	अयाचीत्	अयाचिष्टाम्	अयाचिषुः	प्र०
	अयाचीः	अयाचिष्टम्	अयाचिष्ट	म०
	अयाचिषम्	अयाचिष्व	अयाचिष्म	उ०
लृङ् (आ०)	अयाचिष्यत	अयाचिष्येताम्	अयाचिष्यन्त	प्र०
	अयाचिष्यथाः	अयाचिष्येथाम्	अयाचिष्यध्वम्	म०
	अयाचिष्ये	अयाचिष्यावहि	अयाचिष्यामहि	उ०
(पर०)	अयाचिष्यत्	अयाचिष्यताम्	अयाचिष्यन्	प्र०
	अयाचिष्यः	अयाचिष्यतम्	अयाचिष्यत	म०
	अयाचिष्यम्	अयाचिष्याव	अयाचिष्याम	उ०

864. रेट् परिभाषणे

865. चते

866. चदे याचने च

867. प्रोष्ठ पर्याप्तो

868. मिट्

869. मेट् मेघाहिंसानयोः

870. मेधु सङ् गमे च

871. णिट्

872. णेट् कुत्सासन्निकर्षयोः

873. वृध्

874. मृधु उन्दने

875. बुधिर अवबोधने

876. उबुन्दिर निशामने

877. वेणु गतिज्ञानचिन्तानिशासनवावित्रग्रहणेषु

878. खनु अवदारणे

879. चीवृ आदानसंवरणयोः

880. चापृ पूजानिशासनयोः

881. व्यय गतौ

882. दाश्रु दाने

883. भेषु भये, गतौ इत्येके

884. भ्रेषु

885. भ्लेषु गतौ

886. अस गतिदीप्त्यादानेषु 887. स्पश बाधनस्पर्शनयोः 888. लष गतौ
 889. चष भक्षणे 890. छष हिंसायाम् 891. झष आदानसंवरणयोः
 892. भ्रक्ष 893. भ्लक्ष अदने, भक्ष इति मैत्रेयः 894. दाश्रु दाने
 895. माह माने 896. गुहू संवरणे अथाजन्ता उभयपदिनः

897. श्रिञ् सेवायाम् (सेवा करना) सकर्मक (सेट्) उभयपदी

लट् (पर०)	श्रयति	श्रयतः	श्रयन्ति	प्र०
	श्रयसि	श्रयथः	श्रयथ	म०
	श्रयामि	श्रयावः	श्रयामः	उ०
(आ०)	श्रयते	श्रयेते	श्रयन्ते	प्र०
	श्रयसे	श्रयेथे	श्रयध्वे	म०
	श्रये	श्रयावहे	श्रयामहे	उ०
लिट् (पर०)	शिश्राय	शिश्रियतुः	शिश्रियुः	प्र०
	शिश्रयिथ- शिश्रय	शिश्रियथुः	शिश्रिय	म०
	शिश्राय-शिश्रय	शिश्रियिव	शिश्रियिम	उ०
(आ०)	शिश्रिये	शिश्रियाते	शिश्रियिरे	प्र०
	शिश्रियिषे	शिश्रियाथे	शिश्रियिध्वे-द्ध्वे	म०
	शिश्रिये	शिश्रियिवहे	शिश्रियिमहे	उ०
लृट् (पर०)	श्रयिता	श्रयितारौ	श्रयितारः	प्र०
	श्रयितासि	श्रयितास्थः	श्रयितास्थ	म०
	श्रयितास्मि	श्रयितास्वः	श्रयितास्मः	उ०
(आ०)	श्रयिता	श्रयितारौ	श्रयितारः	प्र०
	श्रयितासे	श्रयितासाथे	श्रयिताध्वे	म०
	श्रयिताहे	श्रयितास्वहे	श्रयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	श्रयिष्यति	श्रयिष्यतः	श्रयिष्यन्ति	प्र०
	श्रयिष्यसि	श्रयिष्यथः	श्रयिष्यथ	म०
	श्रयिष्यामि	श्रयिष्यावः	श्रयिष्यामः	उ०
(आ०)	श्रयिष्यते	श्रयिष्येते	श्रयिष्यन्ते	प्र०
	श्रयिष्यसे	श्रयिष्येथे	श्रयिष्यध्वे	म०
	श्रयिष्ये	श्रयिष्यावहे	श्रयिष्यामहे	उ०

लोट् (पर०)	श्रयतु-तात्	श्रयताम्	श्रयन्तु	प्र०
	श्रय-तात्	श्रयताम्	श्रयत	म०
	श्रयाणि	श्रयाव	श्रयाम	उ०
(आ०)	श्रयताम्	श्रयेताम्	श्रयन्ताम्	प्र०
	श्रयस्व	श्रयेथाम्	श्रयध्वम्	म०
	श्रयै	श्रयावहै	श्रयामहै	उ०
लङ् (पर०)	अश्रयत्	अश्रयताम्	अश्रयन्	प्र०
	अश्रयः	अश्रयतम्	अश्रयत	म०
	अश्रयम्	अश्रयाव	अश्रयाव	उ०
(आ०)	अश्रयत	अश्रयेताम्	अश्रयन्त	प्र०
	अश्रयथाः	अश्रयेथाम्	अश्रयध्वम्	म०
	अश्रये	अश्रयावहि	अश्रयामहि	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	श्रयेत	श्रयेताम्	श्रयेयुः	प्र०
	श्रयेः	श्रयेतम्	श्रयेत	म०
	श्रयेयम्	श्रयेव	श्रयेम	उ०
(आ०)	श्रयेत	श्रयेयाताम्	श्रयेरन्	प्र०
	श्रयेथाः	श्रयेयाथाम्	श्रयेध्वम्	म०
	श्रयेय	श्रयेवहि	श्रयेमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	श्रीयात्	श्रीयास्ताम्	श्रीयासुः	प्र०
	श्रीयाः	श्रीयास्तम्	श्रीयास्त	म०
	श्रीयासम्	श्रीयास्व	श्रीयास्म	उ०
(आ०)	श्रयिषीष्ट	श्रयिषीस्ताम्	श्रयिषीरन्	प्र०
	श्रयिषीष्ठाः	श्रयिषीयास्थाम्	श्रयिषीध्वम्-द्वम्	म०
	श्रयिषीय	श्रयिषीवहि	श्रयिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अशिश्नयत्	अशिश्नयताम्	अशिश्नयन्	प्र०
	अशिश्नयः	अशिश्नयतम्	अशिश्नयत	म०
	अशिश्नयम्	अशिश्नयाव	अशिश्नयाम	उ०
(आ०)	अशिश्नयत	अशिश्नयेताम्	अशिश्नयन्त	प्र०
	अशिश्नयथाः	अशिश्नयेथाम्	अशिश्नयध्वम्	म०
	अशिश्नये	अशिश्नयावहि	अशिश्नयामहि	उ०

लृङ् (पर०)	अश्रयिष्यत्	अश्रयिष्यताम्	अश्रयिष्यन्	प्र०
	अश्रयिष्यः	अश्रयिष्यतम्	अश्रयिष्यत	म०
	अश्रयिष्यम्	अश्रयिष्याव	अश्रयिष्याम	उ०
(आ०)	अश्रयिष्यत	अश्रयिष्येताम्	अश्रयिष्यन्त	प्र०
	अश्रयिष्यथाः	अश्रयिष्येथाम्	अश्रयिष्यध्वम्	म०
	अश्रयिष्ये	अश्रयिष्यावहि	अश्रयिष्यामहि	उ०

898. भृज् भरणे (पालन करना) सकर्मक (अ०)उ०

लट् (पर०)	भरति	भरतः	भरन्ति	प्र०
	भरसि	भरथः	भरथ	म०
	भरामि	भरावः	भरामः	उ०
(आ०)	भरते	भरेते	भरन्ते	प्र०
	भरसे	भरेथे	भरध्वे	म०
	भरे	भरावहे	भरामहे	उ०
लिट् (पर०)	वभार	वभ्रतुः	वभ्रुः	प्र०
	वभर्थ	वभ्रथुः	वभ्र	म०
	वभार-वभर	वभृव	वभृम	उ०
(आ०)	वभ्रे	वभ्राते	वभ्रिरे	प्र०
	वभृषे	वभ्राथे	वभृद्भवे	म०
	वभ्रे	वभृवहे	वभृमहे	उ०
लुट् (पर०)	भर्ता	भर्तारौ	भर्तारः	प्र०
	भर्तासि	भर्तास्थः	भर्तास्थ	म०
	भर्तास्मि	भर्तास्वः	भर्तास्मः	उ०
(आ०)	भर्ता	भर्तारौ	भर्तारः	प्र०
	भर्तासे	भर्तासाथे	भर्ताध्वे	म०
	भर्ताहे	भर्तास्वहे	भर्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	भरिष्यति	भरिष्यतः	भरिष्यन्ति	प्र०
	भरिष्यसि	भरिष्यथः	भरिष्यथ	म०
	भरिष्यामि	भरिष्यावः	भरिष्यामः	उ०
(आ०)	भरिष्यते	भरिष्येते	भरिष्यन्ते	प्र०
	भरिष्यसे	भरिष्येथे	भरिष्यध्वे	म०
	भरिष्ये	भरिष्यावहे	भरिष्यामहे	उ०

लोट् (पर०)	भरतु-तात्	भरताम्	भरन्तु	प्र०
	भर-तात्	भरतम्	भरत	म०
	भराणि	भराव	भराम	उ०
(आ०)	भरताम्	भरेताम्	भरन्ताम्	प्र०
	भरस्व	भरेथाम्	भरध्वम्	म०
	भरै	भरावहै	भरामहै	उ०
लङ् (पर०)	अभरत्	अभरताम्	अभरन्	प्र०
	अभरः	अभरतम्	अभरत	म०
	अभरम्	अभराव	अभराव	उ०
(आ०)	अभरत	अभरेताम्	अभरन्त	प्र०
	अभरथाः	अभरेथाम्	अभरध्वम्	म०
	अभरे	अभरावहि	अभरामहि	उ०
विधि-लिङ्	भरेत्	भरेताम्	भरेयुः	प्र०
(पर०)	भरेः	भरेतम्	भरेत	म०
	भरेयम्	भरेव	भरेम	उ०
(आ०)	भरेत	भरेयाताम्	भरेरन्	प्र०
	भरेथाः	भरेयाथाम्	भरेध्वम्	म०
	भरेय	भरेवहि	भरेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	भ्रियात्	भ्रियास्ताम्	भ्रियासुः	प्र०
(पर०)	भ्रियाः	भ्रियास्तम्	भ्रियास्त	म०
	भ्रियासम्	भ्रियास्व	भ्रियास्म	उ०
(आ०)	भृषीष्ट	भृषीयास्ताम्	भृषीरन्	प्र०
	भृषीष्ठाः	भृषीयास्थाम्	भृषीद्वम्	म०
	भृषीय	भृषीवहि	भृषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अभार्षीत्	अभार्षीम्	अभार्षुः	प्र०
	अभार्षीः	अभार्ष्टम्	अभार्ष्ट	म०
	अभार्षम्	अभार्ष्व	अभार्ष्म	उ०
(आ०)	अभृत्	अभृषाताम्	अभृषत्	प्र०
	अभृथाः	अभृषाथाम्	अभृद्वम्	म०
	अभृषि	अभृष्वहि	अभृष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अभरिष्यत्	अभरिष्यताम्	अभरिष्यन्	प्र०
	अभरिष्यः	अभरिष्यतम्	अभरिष्यत	म०
	अभरिष्यम्	अभरिष्याव	अभरिष्याम	उ०
(आ०)	अभरिष्यत	अभरिष्येताम्	अभरिष्यन्त	प्र०
	अभरिष्यथाः	अभरिष्येथाम्	अभरिष्यध्वम्	म०
	अभरिष्ये	अभरिष्यावहि	अभरिष्यामहि	उ०

899. हञ् हरणे (चोरी करना) द्विकर्मक (अनि०) उभय०प०

लट् (पर०)	हरति	हरतः	हरन्ति	प्र०
	हरसि	हरथः	हरथ	म०
	हरामि	हरावः	हरामः	उ०
(आ०)	हरते	हरेते	हरन्ते	प्र०
	हरसे	हरेथे	हरध्वे	म०
	हरे	हरावहे	हरामहे	उ०
लिट् (पर०)	जहार	जहतुः	जहुः	प्र०
	जहर्थ	जहथुः	जर्ह	म०
	जहार-जहर	जहिव	जहिम	उ०
(आ०)	जहे	जहाते	जहिरे	प्र०
	जहपे	जहाथे	जह ध्वे-द्वे	म०
	जहे	जहवहे	जहमहे	उ०
लुट् (पर०)	हर्ता	हर्तारौ	हर्तारः	प्र०
	हर्तासि	हर्तास्थः	हर्तास्थ	म०
	हर्तास्मि	हर्तास्वः	हर्तास्मः	उ०
(आ०)	हर्ता	हर्तारौ	हर्तारः	प्र०
	हर्तासे	हर्तासाथे	हर्ताध्वे	म०
	हर्ताहे	हर्तास्वहे	हर्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	हरिष्यति	हरिष्यतः	हरिष्यन्ति	प्र०
	हरिष्यसि	हरिष्यथः	हरिष्यथ	म०
	हरिष्यामि	हरिष्यावः	हरिष्यामः	उ०
(आ०)	हरिष्यते	हरिष्येते	हरिष्यन्ते	प्र०
	हरिष्यसे	हरिष्येथे	हरिष्यध्वे	म०
	हरिष्ये	हरिष्यावहे	हरिष्यामहे	उ०

लोट् (पर०)	हरतु-तात्	हरताम्	हरन्तु	प्र०
	हर-तात्	हरतम्	हरत	म०
	हराणि	हराव	हराम	उ०
(आ०)	हरताम्	हरेताम्	हरन्ताम्	प्र०
	हरस्य	हरेथाम्	हरध्वम्	म०
	हरै	हरावहै	हरामहै	उ०
लङ् (पर०)	अहरत्	अहरताम्	अहरन्	प्र०
	अहरः	अहरतम्	अहरत	म०
	अहरम्	अहराव	अहराव	उ०
(आ०)	अहरत	अहरेताम्	अहरन्त	प्र०
	अहरथाः	अहरेथाम्	अहरध्वम्	म०
	अहरे	अहरावहि	अहरामहि	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	हरेत्	हरेताम्	हरेयुः	प्र०
	हरेः	हरेतम्	हरेत	म०
	हरेयम्	हरेव	हरेम	उ०
(आ०)	हरेत	हरेयाताम्	हरेरन्	प्र०
	हरेथाः	हरेयाथाम्	हरेध्वम्	म०
	हरेय	हरेवहि	हरेमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	हियात्	हियास्ताम्	हियासुः	प्र०
	हियाः	हियास्तम्	हियास्त	म०
	हियासम्	हियास्व	हियास्म	उ०
(आ०)	हपीष्ट	हपीयास्ताम्	हपीरन्	प्र०
	हपीष्ठाः	हपीयास्थाम्	हपीद्वम्	म०
	हपीय	हपीवहि	हपीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अहार्षीत्	अहार्ष्टाम्	अहार्षुः	प्र०
	अहार्षीः	अहार्ष्टम्	अहार्ष्ट	म०
	अहार्षम्	अहार्ष्व	अहार्ष्म	उ०
(आ०)	अहत	अहृषाताम्	अहृषत्त	प्र०
	अहृथाः	अहृषाथाम्	अहृद्वम्	म०
	अहृषि	अहृष्वहि	अहृष्वमहि	उ०

लृङ् (पर०)	अहरिष्यत्	अहरिष्यताम्	अहरिष्यन्	प्र०
	अहरिष्यः	अहरिष्यतम्	अहरिष्यत	म०
	अहरिष्यम्	अहरिष्याव	अहरिष्याम	उ०
(आ०)	अहरिष्यत	अहरिष्येताम्	अहरिष्यन्त	प्र०
	अहरिष्यथाः	अहरिष्येथाम्	अहरिष्यध्वम्	म०
	अहरिष्ये	अहरिष्यावहि	अहरिष्यामहि	उ०

१००. धृञ् धारणे (पकड़ना) सकर्मक (अनि०) उभय०प०

लट् (पर०)	धरति	धरतः	धरन्ति	प्र०
	धरसि	धरथः	धरथ	म०
	धरामि	धरावः	धरामः	उ०
(आ०)	धरते	धरेते	धरन्ते	प्र०
	धरसे	धरेथे	धरध्वे	म०
	धरे	धरावहे	धरामहे	उ०
लिट् (पर०)	दधार	दध्रतुः	दध्रुः	प्र०
	दधर्थ	दध्रथुः	दध्र	म०
	दधार-दधर	दध्रिव	दध्रिम	उ०
(आ०)	दध्रे	दध्राते	दध्रिरे	प्र०
	दधृषे	दध्राथे	दधृद्वे	म०
	दध्रे	दधृवहे	दधृमहे	उ०
लुट् (पर०)	धर्ता	धर्तारौ	धर्तारः	प्र०
	धर्तासि	धर्तास्थः	धर्तास्थ	म०
	धर्तास्मि	धर्तास्वः	धर्तास्मः	उ०
(आ०)	धर्ता	धर्तारौ	धर्तारः	प्र०
	धर्तासे	धर्तासाथे	धर्ताध्वे	म०
	धर्ताहे	धर्तास्वहे	धर्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	धरिष्यति	धरिष्यतः	धरिष्यन्ति	प्र०
	धरिष्यसि	धरिष्यथः	धरिष्यथ	म०
	धरिष्यामि	धरिष्यावः	धरिष्यामः	उ०
(आ०)	धरिष्यते	धरिष्येते	धरिष्यन्ते	प्र०
	धरिष्यसे	धरिष्येथे	धरिष्यध्वे	म०
	धरिष्ये	धरिष्यावहे	धरिष्यामहे	उ०

लोट् (पर०)	धरतु-तात्	धरताम्	धरन्तु	प्र०
	धर-तात्	धरतम्	धरत	म०
	धराणि	धराव	धराम	उ०
(आ०)	धरताम्	धरेताम्	धरन्ताम्	प्र०
	धरस्व	धरेथाम्	धरध्वम्	म०
	धरै	धरावहै	धरामहै	उ०
लङ् (पर०)	अधरत्	अधरताम्	अधरन्	प्र०
	अधरः	अधरतम्	अधरत	म०
	अधरम्	अधराव	अधराम	उ०
(आ०)	अधरत	अधरेताम्	अधरन्त	प्र०
	अधरथाः	अधरेथाम्	अधरध्वम्	म०
	अधरे	अधरावहि	अधरामहि	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	धरेत्	धरेताम्	धरेयुः	प्र०
	धरेः	धरेतम्	धरेत	म०
	धरेयम्	धरेव	धरेम	उ०
आशिप्-लिङ् (पर०)	धरेत	धरेयाताम्	धरेरन्	प्र०
	धरेथाः	धरेयाथाम्	धरेध्वम्	म०
	धरेय	धरेवहि	धरेमहि	उ०
(आ०)	ध्रियात्	ध्रियास्ताम्	ध्रियासुः	प्र०
	ध्रियाः	ध्रियास्तम्	ध्रियास्त	म०
	ध्रियासम्	ध्रियास्व	ध्रियास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अधार्षीत्	अधार्षात्	अधार्षुः	प्र०
	अधार्षीः	अधार्ष्टम्	अधार्ष्ट	म०
	अधार्षम्	अधार्ष्व	अधार्ष्व	उ०
(आ०)	अधृत	अधृषाताम्	अधृषत्	प्र०
	अधृथाः	अधृषाथाम्	अधृद्वम्	म०
	अधृषि	अधृष्वहि	अधृष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अधरिष्यत्	अधरिष्यताम्	अधरिष्यन्	प्र०
	अधरिष्यः	अधरिष्यतम्	अधरिष्यत	म०
	अधरिष्यम्	अधरिष्याव	अधरिष्याम	उ०

(आ०)	अधरिष्यत	अधरिष्येताम्	अधरिष्यन्त	प्र०
	अधरिष्यथाः	अधरिष्येथाम्	अधरिष्यध्वम्	म०
	अधरिष्ये	अधरिष्यावहि	अधरिष्यामहि	उ०
901. णीञ् प्रापणे (ले जाना) द्विकर्मक (अनि०) उभय०म०				
लट् (पर०)	नयति	नयतः	नयन्ति	प्र०
	नयसि	नयथः	नयथ	म०
	नयामि	नयावः	नयामः	उ०
(आ०)	नयते	नयेते	नयन्ते	प्र०
	नयसे	नयेथे	नयध्वे	म०
	नये	नयावहे	नयामहे	उ०
लिट् (पर०)	निनाय	निन्यतुः	निन्युः	प्र०
	निनयिथ-निनेथ	निन्यथुः	निन्य	म०
	निनाय-निनय	निन्यिव	निन्यिम	उ०
(आ०)	निन्ये	निन्याते	निन्यिरे	प्र०
	निन्यिषे	निन्याथे	निन्यिध्वे-द्ध्वे	म०
	निन्ये	निन्यिवहे	निन्यिमहे	उ०
लुट् (पर०)	नेता	नेतारौ	नेतारः	प्र०
	नेतासि	नेतास्थः	नेतास्थ	म०
	नेतास्मि	नेतास्वः	नेतास्मः	उ०
(आ०)	नेता	नेतारौ	नेतारः	प्र०
	नेतासे	नेतासाथे	नेताध्वे	म०
	नेताहे	नेतास्वहे	नेतास्महे	उ०
लृट् (पर०)	नेष्यति	नेष्यतः	नेष्यन्ति	प्र०
	नेष्यसि	नेष्यथः	नेष्यथ	म०
	नेष्यामि	नेष्यावः	नेष्यामः	उ०
(आ०)	नेष्यते	नेष्येते	नेष्यन्ते	प्र०
	नेष्यसे	नेष्येथे	नेष्यध्वे	म०
	नेष्ये	नेष्यावहे	नेष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	नयतु-तात्	नयताम्	नयन्तु	प्र०
	नय-तात्	नयतम्	नयत	म०
	नयाणि	नयाव	नयाम	उ०

(आ०)	नयताम्	नयेताम्	नयन्ताम्	प्र०
	नयस्व	नयेथाम्	नयध्वम्	म०
	नयै	नयावहै	नयामहै	उ०
लङ् (पर०)	अनयत्	अनयताम्	अनयन्	प्र०
	अनयः	अनयतम्	अनयत	म०
	अनयम्	अनयाव	अनयाम	उ०
(आ०)	अनयत	अनयेताम्	अनयन्त	प्र०
	अनयथाः	अनयेथाम्	अनयध्वम्	म०
	अनये	अनयावहि	अनयामहि	उ०
विधि-लिङ्	नयेत	नयेताम्	नयेयुः	प्र०
(पर०)	नयेः	नयेतम्	नयेत	म०
	नयेयम्	नयेव	नयेम्	उ०
(आ०)	नयेत	नयेयाताम्	नयेरन्	प्र०
	नयेथाः	नयेयाथाम्	नयेध्वम्	म०
	नयेय	नयेवहि	नयेमहि	उ०
आशिप्-लिङ्	नीयात्	नीयास्ताम्	नीयासुः	प्र०
(पर०)	नीयाः	नीयास्तम्	नीयास्त	म०
	नीयासम्	नीयास्व	नीयास्म	उ०
(आ०)	नेषीष्ट	नेषीयाताम्	नेषीरन्	प्र०
	नेषीष्ठाः	नेषीयाथाम्	नेषीध्वम्	म०
	नेषीय	नेषीवहि	नेषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अनैषीत्	अनैष्टाम्	अनैषुः	प्र०
	अनैषीः	अनैष्टम्	अनैष्ट	म०
	अनैषम्	अनैष्व	अनैष्म	उ०
(आ०)	अनेष्ट	अनेषाताम्	अनेषत	प्र०
	अनेष्ठाः	अनेषाथाम्	अनेद्वम्	म०
	अनेषि	अनेष्वहि	अनेष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अनेष्यत्	अनेष्यताम्	अनेष्यन्	प्र०
	अनेष्यः	अनेष्यतम्	अनेष्यत	म०
	अनेष्यम्	अनेष्याव	अनेष्याम	उ०

(आ०)	अनेष्यत	अनेष्येताम्	अनेष्यन्त	प्र०
	अनेष्यथाः	अनेष्येथाम्	अनेष्यध्वम्	म०
	अनेष्ये	अनेष्यावहि	अनेष्यामहि	उ०

अथाजन्ताः परस्मैपदिनः

902. धेट् पाने

लट्	धयति	धयतः	धयन्ति	प्र०
	धयसि	धयथः	धयथ	म०
	धयामि	धयावः	धयामः	उ०
लिट्	दधौ	दधतुः	दधुः	प्र०
	दधिथ-दधाथ	दधथुः	दध	म०
	दधौ	दधिव	दधिम	उ०
लुट्	धाता	धातारौ	धातारः	प्र०
	धातासि	धातास्थः	धातास्थ	म०
	धातास्मि	धातास्वः	धातास्मः	उ०
लृट्	धास्यति	धास्यतः	धास्यन्ति	प्र०
	धास्यसि	धास्यथः	धास्यथ	म०
	धास्यामि	धास्यावः	धास्यामः	उ०
लोट्	धयतु-तात्	धयताम्	धयन्तु	प्र०
	धय-तात्	धयतम्	धयत	म०
	धयानि	धयाव	धयाम	उ०
लङ्	अधयत्	अधयताम्	अधयन्	प्र०
	अधयः	अधयतम्	अधयत	म०
	अधयम्	अधयाव	अधयाम	उ०
विधि-लिङ्	धयेत्	धयेताम्	धयेयुः	प्र०
	धयेः	धयेतम्	धयेत	म०
	धयेयम्	धयेव	धयेम	उ०
आशिष्-लिङ्	धेयात्	धेयास्ताम्	धेयासुः	प्र०
	धेयाः	धेयास्तम्	धेयास्त	म०
	धेयासम्	धेयास्व	धेयास्म	उ०

लुङ्	अदधत्	अदधताम्	अदधन्	प्र०
	अदधः	अदधतम्	अदधत	म०
	अदधम्	अदधाव	अदधाम	उ०
चङ् भावे	अधात्	अधाताम्	अधुः	प्र०
	अधाः	अधातम्	अधात	म०
	अधाम्	अधाव	अधाम	उ०
सिच्लुक पक्षे	अधासीत्	अधासिष्टम्	अधासिषुः	प्र०
	अधासीः	अधासिष्टम्	अधासिष्ट	म०
	अधासिषम्	अधासिष्व	अधासिष्व	उ०
लृङ्	अधास्यत्	अधास्यताम्	अधास्यन्	प्र०
	अधास्यः	अधास्यतम्	अधास्यत	म०
	अधास्यम्	अधास्याव	अध्यास्याम्	उ०
१०३. ग्लै - अकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी				
लट्	ग्लायति	ग्लायतः	ग्लायन्ति	प्र०
	ग्लायसि	ग्लायथः	ग्लायथ	म०
	ग्लायामि	ग्लायामः	ग्लायामः	उ०
लिट्	जग्लौ	जग्लुः	जग्लुः	प्र०
	जग्लिथ-जग्लाथ	जग्लथुः	जग्ल	म०
	जग्लौ	जग्लिव	जग्लिम	उ०
लुट्	ग्लाता	ग्लातारौ	ग्लातारः	प्र०
	ग्लातासि	ग्लातास्थः	ग्लातास्थ	म०
	ग्लातास्मि	ग्लातास्वः	ग्लातास्मः	उ०
लृट्	ग्लास्यति	ग्लास्यतः	ग्लास्यन्ति	प्र०
	ग्लास्यसि	ग्लास्यथः	ग्लास्यथ	म०
	ग्लास्यामि	ग्लास्यावः	ग्लास्यामः	उ०
लोट्	ग्लायतु-तात्	ग्लायताम्	ग्लायन्तु	प्र०
	ग्लाय-तात्	ग्लायतम्	ग्लायत	म०
	ग्लायानि	ग्लायामः	ग्लायामः	उ०
लङ्	अग्लायत्	अग्लायताम्	अग्लायन्	प्र०
	अग्लायः	अग्लायतम्	अग्लायत	म०
	अग्लायम्	अग्लायाम	अग्लायाम	उ०

विधि-लिङ्	ग्लायेत्	ग्लायेताम्	ग्लायेयुः	प्र०
	ग्लायेः	ग्लायेतम्	ग्लायेत	म०
	ग्लायेयम्	ग्लायेव	ग्लायेम	उ०
आशिष्-लिङ्	ग्लेयात्	ग्लेयास्ताम्	ग्लेयासुः	प्र०
	ग्लयात्	ग्लयास्ताम्	ग्लयासुः	
	ग्लेयाः	ग्लेयास्तम्	ग्लेयास्त	म०
	ग्लयाः	ग्लयास्तम्	ग्लयास्त	
	ग्लेयासम्	ग्लेयास्व	ग्लेयास्म	उ०
	ग्लयासम्	ग्लयास्व	ग्लयास्म	
लुङ्	अग्लासीत्	अग्लासिष्टाम्	अग्लासिषुः	प्र०
	अग्लासीः	अग्लासिष्टम्	अग्लासिष्ट	म०
	अग्लासिषम्	अग्लासिष्व	अग्लासिष्म	उ०
लृङ्	अग्लास्यत्	अग्लास्यताम्	अग्लास्यन्	प्र०
	अग्लास्यः	अग्लास्यतम्	अग्लास्यत	म०
	अग्लास्यम्	अग्लास्याव	अग्लास्याम	उ०

स्वमेव-

904. म्लै हर्षक्षेप 905. द्रै न्यक्करणे - न्यक्करणं तिरस्कारः
 906. द्रै स्वप्ने 907. द्रै तृप्तौ 908. ध्यै चिन्तायाम् 909. रै शब्दे
 910. स्त्यै 911. छ्यै श व्दसंघातयोः 912. खै खदने
 913. क्षै 914. जै 915. षैक्षये 916. कै
 917. गै शब्दे 918. शै 919. श्रैपाके 920. पै
 921. ओवै शोषणे 922. छैवेष्टने 923. ञ्णै वेष्टने 924. दैप् शोधने
 925. पा पाने (पीना) सकर्मक (अनिट्) प०

लट्	पिबति	पिबतः	पिबन्ति	प्र०
	पिबसि	पिबथः	पिबथ	म०
	पिबामि	पिबावः	पिबामः	उ०
लिट्	पपौ	पपतुः	पपुः	प्र०
	पपिथ-पपाथ	पपथुः	पप	म०
	पपौ	पपिव	पपिम	उ०

लृट्	पाता	पातारौ	पातारः	प्र०
	पातासि	पातास्थः	पातास्थ	म०
	पातास्मि	पातास्वः	पातास्मः	उ०
लृट्	पास्यति	पास्यतः	पास्यन्ति	प्र०
	पास्यसि	पास्यथः	पास्यथ	म०
	पास्यामि	पास्यावः	पास्यामः	उ०
लोट्	पिवतु-तात्	पिवताम्	पिवन्तु	प्र०
	पिव-तात्	पिवतम	पिवत	म०
	पिवानि	पिबाव	पिबाम	उ०
लङ्	अपिवत्	अपिवताम्	अपिवन्	प्र०
	अपिवः	अपिबतम्	अपिबत	म०
	अपिबम्	अपिबाव	अपिबाम	उ०
विधि-लङ्	पिबेत्	पिबेताम्	पिबेयुः	प्र०
	पिबेः	पिबेतम्	पिबेत	म०
	पिबेयम्	पिबेव	पिबेम	उ०
आशिप्-लङ्	पेयात्	पेयास्ताम्	पेयासुः	प्र०
	पेयाः	पेयास्तम	पेयास्त	म०
	पेयासम्	पेयास्व	पेयास्म	उ०
लृङ्	अपात्	अपाताम्	अपुः	प्र०
	अपाः	अपातम्	अपात	म०
	अपाम्	अपाव	अपाम	उ०
लङ्	अपास्यत्	अपास्यताम्	अपास्यन्	प्र०
	अपास्यः	अपास्यतम्	अपास्यत	म०
	अपास्यम्	अपास्याव	अपास्याम	उ०

926. घ्रा गन्धोपादाने

927. ध्मा शब्दाग्निसंयोगयोः

928. घ्रा गतिनिवृत्तौ

लट्	तिष्ठति	तिष्ठतः	तिष्ठन्ति	प्र०
	तिष्ठसि	तिष्ठथः	तिष्ठथ	म०
	तिष्ठामि	तिष्ठावः	तिष्ठामः	उ०

लिट्	तस्थौ	तस्थतुः	तस्थुः	प्र०
	तस्थिथ-तस्थाथ	तस्थथुः	तस्थ	म०
	तस्थौ	तस्थिव	तस्थिम	उ०
लुट्	स्थाता	स्थातारौ	स्थातारः	प्र०
	स्थातासि	स्थातास्थः	स्थातास्थ	म०
	स्थातास्मि	स्थातास्व	स्थातास्म	उ०
लृट्	स्थास्यति	स्थास्यतः	स्थास्यन्ति	प्र०
	स्थास्यसि	स्थास्यथ	स्थास्यथ	म०
	स्थास्यामि	स्थास्यावः	स्थास्यामः	उ०
लोट्	तिष्ठतु	तिष्ठताम्	तिष्ठन्तु	प्र०
	तिष्ठ	तिष्ठतम्	तिष्ठत	म०
	तिष्ठानि	तिष्ठाव	तिष्ठाम	उ०
लङ्	अतिष्ठत्	अतिष्ठताम्	अतिष्ठन्	प्र०
	अतिष्ठः	अतिष्ठतम्	अतिष्ठत	म०
	अतिष्ठम्	अतिष्ठाव	अतिष्ठाम	उ०
विधि-लिट्	तिष्ठेत्	तिष्ठेताम्	तिष्ठेयुः	प्र०
	तिष्ठेः	तिष्ठेतम्	तिष्ठेत	म०
	तिष्ठेयम्	तिष्ठेव	तिष्ठेम	उ०
आशिप्-लिट्	स्थेयात्	स्थेयास्ताम्	स्थेयासुः	प्र०
	स्थेयाः	स्थेयास्तम	स्थेयास्त	म०
	स्थेयासम्	स्थेयास्व	स्थेयास्म	उ०
लुङ्	अस्थात्	अस्थाताम्	अस्थुः	प्र०
	अस्थाः	अस्थातम्	अस्थात	म०
	अस्थाम्	अस्थाव	अस्थाम	उ०
लङ्	अस्थास्यत्	अस्थास्यताम्	अस्थास्यन्	प्र०
	अस्थास्यः	अस्थास्यतम्	अस्थास्यत	म०
	अस्थास्यम्	अस्थास्याव	अस्थास्याम	उ०

929. ज्ञा अभ्यासे 930. दाणु दाने

लट्	यच्छति	यच्छतः	यच्छन्ति	प्र०
	यच्छसि	यच्छथः	यच्छथ	म०
	यच्छामि	यच्छावः	यच्छामः	उ०

लिट्	ददौ	ददतुः	ददुः	प्र०
	ददिथ-ददाथ	ददथुः	दद	म०
	ददौ	ददिव	ददिम	उ०
लुट्	दाता	दातारौ	दातारः	प्र०
	दातासि	दातास्थः	दातास्थ	म०
	दातास्मि	दातास्वः	दातास्मः	उ०
लृट्	दास्यति	दास्यतः	दास्यन्ति	प्र०
	दास्यसि	दास्यथः	दास्यथ	म०
	दास्यामि	दास्यावः	दास्यामः	उ०
लोट्	यच्छतु	यच्छताम्	यच्छन्तु	प्र०
	यच्छ	यच्छतम्	यच्छत	म०
	यच्छानि	यच्छावः	यच्छाम	उ०
लङ्	अयच्छत्	अयच्छताम्	अयच्छन्	प्र०
	अयच्छः	अयच्छतम्	अयच्छत	म०
	अयच्छम्	अयच्छाव	अयच्छाम	उ०
विधि-लिङ्	यच्छेत्	यच्छेताम्	यच्छेयुः	प्र०
	यच्छेः	यच्छेतम्	यच्छेत	म०
	यच्छेयम्	यच्छेव	यच्छेम	उ०
आशिष्-लिङ्	देयात्	देयास्ताम्	देयासुः	प्र०
	देयाः	देयास्तम्	देयास्त	म०
	देयासम्	देयास्व	देयास्म	उ०
लुङ्	अदात्	अदाताम्	अदुः	प्र०
	अदाः	अदातम्	अदात	म०
	अदाम्	अदाव	अदाम	उ०
लृङ्	अदास्यत्	अदास्यताम्	अदास्यन्	प्र०
	अदास्यः	अदास्यतम्	अदास्यत	म०
	अदास्यम्	अदास्याव	अदास्याम	उ०

931. ह्वृ कौटिल्ये (कुटिलता करना) अकर्मक (अनि०) पर०

लट्	ह्वरति	ह्वरतः	ह्वरन्ति	प्र०
	ह्वरसि	ह्वरथः	ह्वरथ	म०
	ह्वरामि	ह्वरावः	ह्वरामः	उ०

लिट्	जह्वार	जह्वरतुः	जवरुः	प्र०
	जह्वर्थ	जह्वरथुः	जह्वर	म०
	जह्वार-जह्वर	जह्वरिव	जह्वरिम	उ०
लुट्	ह्वर्ता	ह्वर्तारौ	ह्वर्तारिः	प्र०
	ह्वर्तासि	ह्वर्तास्थः	ह्वर्तास्थ	म०
	ह्वर्तास्मि	ह्वर्तास्वः	ह्वर्तास्मः	उ०
लृट्	ह्वरिष्यति	ह्वरिष्यतः	ह्वरिष्यन्ति	प्र०
	ह्वरिष्यसि	ह्वरिष्यथः	ह्वरिष्यथ	म०
	ह्वरिष्यामि	ह्वरिष्यावः	ह्वरिष्यामः	उ०
लोट्	ह्वरतु-तात्	ह्वरताम्	ह्वरन्तु	प्र०
	ह्वर-तात्	ह्वरतम	ह्वरत	म०
	ह्वराणि	ह्वरावः	ह्वराम	उ०
लङ्	अह्वरत्	अह्वरताम्	अह्वरन्	प्र०
	अह्वरः	अह्वरतम्	अह्वरत	म०
	अह्वरम्	अह्वराव	अह्वराम	उ०
विधि-लिङ्	ह्वरेत्	ह्वरेताम्	ह्वरेयुः	प्र०
	ह्वरेः	ह्वरेतम्	ह्वरेत	म०
	ह्वरेयम्	ह्वरेव	ह्वरेम	उ०
आशिष्-लिङ्	ह्वर्यात्	ह्वर्यास्ताम्	ह्वर्यासुः	प्र०
	ह्वर्याः	ह्वर्यास्तम्	ह्वर्यास्त	म०
	ह्वर्यासम्	ह्वर्यास्व	ह्वर्यास्म	उ०
लुङ्	अह्वार्षीत्	अह्वार्ष्टाम्	अह्वार्षुः	प्र०
	अह्वार्षीः	अह्वार्ष्टम्	अह्वार्ष्ट	म०
	अह्वार्षम्	अह्वार्ष्व	अह्वार्ष्व	उ०
लृङ्	अह्वरिष्यत्	अह्वरिष्यताम्	अह्वरिष्यन्	प्र०
	अह्वरिष्यः	अह्वरिष्यतम्	अह्वरिष्यत	म०
	अह्वरिष्यम्	अह्वरिष्याव	अह्वरिष्याम	उ०

932. स्वं शब्दोपतापयोः

933. स्मृ चिन्तायाम् सकर्मक (अनि०) पर०प०

लट्	स्मरति	स्मरतः	स्मरन्ति	प्र०
	स्मरसि	स्मरथः	स्मरथ	म०
	स्मरामि	स्मरावः	स्मरामः	उ०

लिट्	सस्मार	सस्मरतुः	सस्मरुः	प्र०
	सस्मरिथ-सस्मर्थ	सस्मरथुः	सस्मर	म०
	सस्मार-सस्मार	सस्मरिव	सस्मरिम	उ०
लुट्	स्मर्ता	स्मर्तारौ	स्मर्तारः	प्र०
	स्मर्तासि	स्मर्तास्थः	स्मर्तास्थ	म०
	स्मर्तास्मि	स्मर्तास्वः	स्मर्तास्मः	उ०
लृट्	स्मरिष्यति	स्मरिष्यतः	स्मरिष्यन्ति	प्र०
	स्मरिष्यसि	स्मरिष्यथः	स्मरिष्यथ	म०
	स्मरिष्यामि	स्मरिष्यावः	स्मरिष्यामः	उ०
विधि-लिङ्	स्मरेत्	स्मरेताम्	स्मरेयुः	प्र०
	स्मरेः	स्मरेतम्	स्मरेत	म०
	स्मरेयम्	स्मरेव	स्मरेम	उ०
आशिष्-लिङ्	स्मर्यात्	स्मर्यास्ताम्	स्मर्यासुः	प्र०
	स्मर्याः	स्मर्यास्तम्	स्मर्यास्त	म०
	स्मर्यासम्	स्मर्यास्व	स्मर्यास्म	उ०
लुङ्	अस्मार्षीत्	अस्मार्ष्टाम्	अस्मार्षुः	प्र०
	अस्मार्षीः	अस्मार्ष्टम्	अस्मार्ष्ट	म०
	अस्मार्षम्	अस्मार्ष्व	अस्मार्ष्व	उ०
लृङ्	अस्मरिष्यत्	अस्मरिष्यताम्	अस्मरिष्यन्	प्र०
	अस्मरिष्यः	अस्मरिष्यतम्	अस्मरिष्यत	म०
	अस्मरिष्यम्	अस्मरिष्याव	अस्मरिष्याम	उ०

934. हवृ संवरणे

935. श्रु गतौ

936. ऋ गतिप्रापणयोः

937. गृ

938. घृ सेचने

939. ध्वृ हूर्च्छने

940. स्तुगुतौ

941. घु प्रसवैश्वर्ययोः

942. श्रु श्रवणे (सुनना) सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	शृणोति	शृणुतः	शृण्वन्ति	प्र०
	शृणोषि	शृणुथः	शृणुथ	म०
	शृणोमि	शृणुवः-शृण्वः	शृणुमः-शृण्वः	उ०
लिट्	शुश्राव	शुश्रुवतुः	शुश्रुवुः	प्र०
	शुश्रुविथ	शुश्रुवथुः	शुश्रुव	म०
	शुश्राव-शुश्रव	शुश्रुव	शुश्रुम	उ०

लृट्	श्रोता	श्रोतारौ	श्रोतारः	प्र०
	श्रोतासि	श्रोतास्थः	श्रोतास्थ	म०
	श्रोतास्मि	श्रोतास्वः	श्रोतास्मः	उ०
लृट्	श्रोष्यति	श्रोष्यतः	श्रोष्यन्ति	प्र०
	श्रोष्यसि	श्रोष्यथः	श्रोष्यथ	म०
	श्रोष्यामि	श्रोष्यावः	श्रोष्यामः	उ०
लोट्	शृणोतु-शृणुतात्	शृणुताम्	शृण्वन्तु	प्र०
	शृणु-तात्	शृणुतम्	शृणुत	म०
	शृण्वानि	शृणवाव	शृणवाम	उ०
लङ्	अशृणोत्	अशृणुताम्	अशृण्वन्	प्र०
	अशृणोः	अशृणुतम्	अशृणुत	म०
	अशृण्वम्	अशृणुव-अशृण्व	अशृणुम-अशृण्व	उ०
विधि-लिट्	शृणुयात्	शृणुयाताम्	शृणुयुः	प्र०
	शृणुयाः	शृणुयातम्	शृणुयात	म०
	शृणुयाम्	शृणुयाव	शृणुयाम	उ०
आशिष्-लिट्	श्रूयात्	श्रूयास्ताम्	श्रूयासु	प्र०
	श्रूयाः	श्रूयास्तम्	श्रूयास्त	म०
	श्रूयासम्	श्रूयास्व	श्रूयास्म	उ०
लुङ्	अश्रौषीत्	अश्रौष्टाम्	अश्रौषुः	प्र०
	अश्रौषीः	अश्रौष्टम्	अश्रौष्ट	म०
	अश्रौषम्	अश्रौष्व	अश्रौष्म	उ०
लृङ्	अश्रोष्यत्	अश्रोष्यताम्	अश्रोष्यन्	प्र०
	अश्रोष्यः	अश्रोष्यतम्	अश्रोष्यत	म०
	अश्रोष्यम्	अश्रोष्याव	अश्रोष्याम	उ०

943. ध्रु स्थैर्ये 944. दु 945. द्रु गतौ 946. जि 947. ज्रि अभिभवे

अथ डीङ्ता दितः - आत्मनेपदिनः

948. ष्मिङ् ईषद्भसने 949. गुङ् अव्यक्त शब्दे 950. गाङ् गतौ
 951. कुङ् 952. घुङ् 953. उङ् 954. डुङ् शब्दे
 955. च्युङ् 956. ज्युङ् 957. प्रङ् 958. प्लुङ् गतौ, क्लुङ् इत्येकं
 959. रुङ् गतिरेषणयो रेष्णमहिंसा 960. धृङ् अवध्वसने

961. मेङ् प्रणिदाने, प्रणिदानम विनिमय प्रत्यर्पण च 962. देङ् रक्षणे
 963. श्यैङ् गतौ 964. प्यैङ् वृद्धज्ञे 965. त्रैङ् पालने
 966. पूङ् पवने 967. मूङ् बन्धने 968. डीङ् विहायसा गतौ

969. तृ प्लवनतरणयोः

लट्	तरति	तरतः	तरन्ति	प्र०
	तरसि	तरथः	तरथ	म०
	तरामि	तरावः	तरामः	उ०
लिट्	ततार	तेरुतुः	तेरुः	प्र०
	तेरिथ	तेरथुः	तेर	म०
	ततार-ततर	तेरिख	तेरिम	उ०
लुट्	तरिता-	तरितारौ-	तरितारः-	प्र०
	तरीता	तरीतारौ	तरितारः	
	तरितासि-	तरितास्थः	तरितास्थ	म०
	तरीतासि	तरीतास्थः		
	तरितास्मि-	तरीतास्वः	तरीतास्मः	उ०
	तरीतास्मि			
लृट्	तरिष्यति-	तरिष्यतः	तरिष्यन्ति-	प्र०
	तरीष्यति		तरीष्यन्ति	
	तरिष्यसि-	तरिष्यथः-	तरिष्यथ-	म०
	तरीष्यसि	तरीष्यथः	तरीष्यथ	
	तरिष्यामि-	तरिष्यावः-	तरिष्यामः-	उ०
	तरीष्यामि	तरीष्यावः	तरीष्यामः	
लोट्	तरतु-तात्	तरताम्	तरन्तु	प्र०
	तर-तात्	तरतम्	तरत	म०
	तराणि	तराव	तराम	उ०
लङ्	अतरत्	अतरताम्	अतरन्	प्र०
	अतरः	अतरतम्	अतरत	म०
	अतरम्	अतराव	अतराम	उ०
विधि-लिङ्	तरेत्	तरेताम्	तरेयुः	प्र०
	तरेः	तरेतम्	तरेत	म०
	तरेयम्	तरेव	तरेम	उ०

आशिप्-लिङ्	तीर्यात्	तीर्यास्ताम्	तीर्यासुः	प्र०
	तीर्याः	तीर्यास्तम्	तीर्यास्त	म०
	तीर्यासम्	तीर्यास्व	तीर्यास्म	उ०
लुङ्	अतारीत्	अतारिष्टाम्	अतारिषुः	प्र०
	अतारीः	अतारिष्टम्	अतारिष्ट	म०
	अतारिषम्	अतारिष्व	अतारिष्व	उ०
लृङ्	अतरिष्यत्	अतरिष्यताम्	अतरिष्यन्	प्र०
	अतरीष्यत्	अतरीष्यताम्	अतरिष्यन्	
	अतरिष्यः	अतरिष्यतम्	अतरिष्यत	म०
	अतरीष्यः	अतरीष्यतम्	अतरीष्यत	
	अतरिष्यम्	अतरिष्याव	अतरिष्याम	उ०
	अतरीष्यम्	अतरीष्याव	अतरीष्याम	

अथाष्टावनुदात्तेतः

970. गुप गोपने	971. तिज निशाने	972. मान पूजायाम्
973. बध बन्धने	974. रभ राभस्ये	975. डुलभष् प्राप्तौ
976. प्व भ परिष्वङ्गे	977. हद पुरीषोत्सर्गे-रूपाणि पूर्ववत्	

अथ परस्मैपदिनः

978. जिष्विदा अव्यक्ते शब्दे	979. स्कन्दिर गतिशोषणयोः	980. यम मैथुने
981. णम प्रहत्वे शब्दे च		
982. गम्लृ गतौ (जाना) सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी		

लट्	गच्छति	गच्छतः	गच्छन्ति	प्र०
	गच्छसि	गच्छथः	गच्छथ	म०
	गच्छामि	गच्छावः	गच्छामः	उ०
लिट्	जगाम	जग्मतुः	जग्मुः	प्र०
	जगमिथ-जगन्थ	जग्मथुः	जग्म	म०
	जगाम-जगम	जग्मिव	जग्मिम	उ०
लुट्	गन्ता	गन्तारौ	गन्तारः	प्र०
	गन्तासि	गन्तास्थः	गन्तास्थ	म०
	गन्तास्मि	गन्तास्वः	गन्तास्मः	उ०

लृट्	गमिष्यति	गमिष्यतः	गमिष्यन्ति	प्र०
	गमिष्यसि	गमिष्यथः	गमिष्यथ	म०
	गमिष्यामि	गमिष्यावः	गमिष्यामः	उ०
लोट्	गच्छतु-तात्	गच्छताम्	गच्छन्तु	प्र०
	गच्छ-तात्	गच्छतम्	गच्छत	म०
	गच्छानि	गच्छाव	गच्छाम	उ०
लङ्	अगच्छत्	अगच्छताम्	अगच्छन्	प्र०
	अगच्छः	अगच्छतम्	अगच्छत	म०
	अगच्छम्	अगच्छाव	अगच्छाम	उ०
विधि-लिङ्	गच्छेत्	गच्छेताम्	गच्छेयुः	प्र०
	गच्छेः	गच्छेतम्	गच्छेत	म०
	गच्छेयम्	गच्छेव	गच्छेम	उ०
आशिष्-लिङ्	गम्यात्	गम्यास्ताम्	गम्यासुः	प्र०
	गम्याः	गम्यास्तम्	गम्यास्त	म०
	गम्यासम्	गम्यास्व	गम्यास्म	उ०
लुङ्	अगमत्	अगमताम्	अगमन्	प्र०
	अगमः	अगमतम्	अगमत	म०
	अगमम्	अगमाव	अगमाम	उ०
लृङ्	अगमिष्यत्	अगमिष्यताम्	अगमिष्यन्	प्र०
	अगमिष्यः	अगमिष्यतम्	अगमिष्यत	म०
	अगमिष्यम्	अगमिष्याव	अगमिष्याम	उ०

983. सृप्लृ गतौ

984. यम उपरमे

985. तप सन्तापे (दुःखी होना) अकर्मक (अनिट्), परस्मैपदी

लट्	तपति	तपतः	तपन्ति	प्र०
	तपसि	तपथः	तपथ	म०
	तपामि	तपावः	तपामः	उ०
लिट्	तताप	तेपतुः	तेपुः	प्र०
	तेपिथ	तेपथुः	तेप	म०
	तताप-ततप	तेपिव	तेपिम	उ०

लुट्	तप्ता	तप्तारौ	तप्तारः	प्र०
	तप्तासि	तप्तास्थः	तप्तास्थ	म०
	तप्तास्मि	तप्तास्वः	तप्तास्मः	उ०
लृट्	तप्स्यति	तप्स्यतः	तप्स्यन्ति	प्र०
	तप्स्यसि	तप्स्यथः	तप्स्यथ	म०
	तप्स्यामि	तप्स्यावः	तप्स्यामः	उ०
लोट्	तपतु-तात्	तपताम्	तपन्तु	प्र०
	तप-तात्	तपतम्	तपत	म०
	तपानि	तपाव	तपाम	उ०
लङ्	अतपत्	अतपताम्	अतपन्	प्र०
	अतपः	अतपतम्	अतपत	म०
	अतपम्	अतपाव	अतपाम	उ०
विधि-लिङ्	तपेत्	तपेताम्	तपेयुः	प्र०
	तपेः	तपेतम्	तपेत	म०
	तपेयम्	तपेव	तपेम	उ०
आशिष्-लिङ्	तप्यात्	तप्यास्ताम्	तप्यासुः	प्र०
	तप्याः	तप्यास्तम्	तप्यास्त	म०
	तप्यासम्	तप्यास्व	तप्यास्म	उ०
लुङ्	अताप्सीत्	अताप्ताम्	अताप्सुः	प्र०
	अताप्सीः	अताप्तम्	अताप्त	म०
	अताप्सम्	अताप्स्व	अताप्स्म	उ०
लृङ्	अतप्स्यत्	अतप्स्यताम्	अतप्स्यन्	प्र०
	अतप्स्यः	अतप्स्यतम्	अतप्स्यत	म०
	अतप्स्यम्	अतप्स्याव	अतप्स्याम	उ०

986. त्यज हानौ

लट्	त्यजति	त्यजतः	त्यजन्ति	प्र०
	त्यजसि	त्यजथः	त्यजथ	म०
	त्यजामि	त्यजावः	त्यजामः	उ०
लिट्	तत्याज	तत्यजतुः	तत्यजुः	प्र०
	तत्यजिथ-तत्यक्थ	तत्यजथुः	तत्यज	म०
	तत्याज	तत्यजिव	तत्यजिम	उ०

लुट्	त्यक्ता	त्यक्तारौ	त्यक्तारः	प्र०
	त्यक्तासि	त्यक्तास्थः	त्यक्तास्थ	म०
	त्यक्तास्मि	त्यक्तास्वः	त्यक्तास्मः	उ०
लृट्	त्यक्ष्यति	त्यक्ष्यतः	त्यक्ष्यन्ति	प्र०
	त्यक्ष्यसि	त्यक्ष्यथः	त्यक्ष्यथ	म०
	त्यक्ष्यामि	त्यक्ष्यावः	त्यक्ष्यामः	उ०
लोट्	त्यजतु	त्यजताम्	त्यजन्तु	प्र०
	त्यज	त्यजतम	त्यजत	म०
	त्यजानि	त्यजाव	त्यजाम	उ०
लङ्	अत्यजत्	अत्यजताम्	अत्यजन्	प्र०
	अत्यजः	अत्यजतम	अत्यजत	म०
	अत्यजम	अत्यजाव	अत्यजाम	उ०
विधि-लिट्	त्यजेत्	त्यजेताम्	त्यजेयुः	प्र०
	त्यजेः	त्यजेतम्	त्यजेत	म०
	त्यजेयम्	त्यजेव	त्यजेम	उ०
आशिष्-लिट्	त्यज्यात्	त्यज्यास्ताम्	त्यज्यासुः	प्र०
	त्यज्याः	त्यज्यास्तम्	त्यज्यास्त	म०
	त्यज्यासम्	त्यज्यास्व	त्यज्यास्म	उ०
लुङ्	अत्याक्षीत्	अत्याक्ताम्	अत्याक्षुः	प्र०
	अत्याक्षीः	अत्याक्तम्	अत्याक्त	म०
	अत्याक्षम्	अत्याक्ष्व	अत्याक्ष्म	उ०
लृङ्	अत्यक्ष्यत्	अत्यक्ष्यताम्	अत्यक्ष्यन्	प्र०
	अत्यक्ष्यः	अत्यक्ष्यतम्	अत्यक्ष्यत	म०
	अत्यक्ष्यम्	अत्यक्ष्याव	अत्यक्ष्याम	उ०

987. शञ्ज सङ्गे - पूर्ववत्

988. दृशिर् प्रेक्षणे सकर्मक (अनिट्) पर०

लट्	पश्यति	पश्यतः	पश्यन्ति	प्र०
	पश्यसि	पश्यथः	पश्यथ	म०
	पश्यामि	पश्यावः	पश्यामः	उ०
लिट्	ददर्श	ददृशतुः	ददृशुः	प्र०
	ददर्शित-दद्रष्ट	ददृशथुः	ददृश	म०
	ददर्श	ददृशिव	ददृशिम	उ०

लृट्	द्रष्टा	द्रष्टारौ	द्रष्टारः	प्र०
	द्रष्टासि	द्रष्टास्थः	द्रष्टास्थ	म०
	द्रष्टास्मि	द्रष्टास्वः	द्रष्टास्मः	उ०
लृट्	द्रक्ष्यति	द्रक्ष्यतः	द्रक्ष्यन्ति	प्र०
	द्रक्ष्यसि	द्रक्ष्यथः	द्रक्ष्यथ	म०
	द्रक्ष्यामि	द्रक्ष्यावः	द्रक्ष्यामः	उ०
लोट्	पश्यतु	पश्यताम्	पश्यन्तु	प्र०
	पश्य	पश्यतम्	पश्यत	म०
	पश्यानि	पश्याव	पश्याम	उ०
लङ्	अपश्यत्	अपश्यताम्	अपश्यन्	प्र०
	अपश्यः	अपश्यतम्	अपश्यत	म०
	अपश्यम्	अपश्याव	अपश्याम	उ०
विधि-लिङ्	पश्येत्	पश्येताम्	पश्येयुः	प्र०
	पश्येः	पश्येतम्	पश्येत	म०
	पश्येयम्	पश्येव	पश्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	दृश्यात्	दृश्यास्ताम्	दृश्यासुः	प्र०
	दृश्याः	दृश्यास्तम्	दृश्यास्त	म०
	दृश्यासम्	दृश्यास्व	दृश्यास्म	उ०
लुङ्	अदर्शत्	अदर्शताम्	अदर्शन्	प्र०
	अदर्शः	अदर्शतम्	अदर्शत	म०
	अदर्शम्	अदर्शाव	अदर्शामि	उ०
अङ् भावपक्षे	अद्राक्षीत्	अद्राष्टाम्	अद्राक्षुः	प्र०
	अद्राक्षीः	अद्राष्टम्	अद्राष्ट	म०
	अद्राक्षम्	अद्राक्षव	अद्राक्षम	उ०
लृङ्	अद्रक्ष्यत्	अद्रक्ष्यताम्	अद्रक्ष्यन्	प्र०
	अद्रक्ष्यः	अद्रक्ष्यतम्	अद्रक्ष्यत	म०
	अद्रक्ष्यम्	अद्रक्ष्याव	अद्रक्ष्याम	उ०

989. दंश दशने 990. कृष विलेखने 991. दह् भस्मीकरणे
 992. मिह सेचने 993. कित निवासे रोगापनयने च 994. दान खण्डने
 995. शान तेजने

इतो वहत्यन्ताः स्वरितेतः

996. डुपचष् पाके द्विकर्मक (अनिट्) उभय०प०

लट् (पर०)	पचति	पचतः	पचन्ति	प्र०
	पचसि	पचथः	पचथ	म०
	पचामि	पचावः	पचामः	उ०
(आ०)	पचते	पच्येते	पचन्ते	प्र०
	पचसे	पच्येथे	पचध्वे	म०
	पचे	पचावहे	पचामहे	उ०
लिट् (पर०)	पपाच	पेचतुः	पेचुः	प्र०
	पेचिथ-पपक्थ	पेचथुः	पेच	म०
	पपाच-पपच	पेचिव	पेचिम	उ०
(आ०)	पेचे	पेचाते	पेचिरे	प्र०
	पेचिषे	पेचाथे	पेचिध्वे	म०
	पेचे	पेचिवहे	पेचिमहे	उ०
लुट् (पर०)	पक्ता	पक्तारौ	पक्तारः	प्र०
	पक्तासि	पक्तास्थः	पक्तास्थ	म०
	पक्तास्मि	पक्तास्वः	पक्तास्मः	उ०
(आ०)	पक्ता	पक्तारौ	पक्तारः	प्र०
	पक्तासे	पक्तासाथे	पक्ताध्वे	म०
	पक्ताहे	पक्तास्वहे	पक्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	पक्ष्यति	पक्ष्यतः	पक्ष्यन्ति	प्र०
	पक्ष्यसि	पक्ष्यथः	पक्ष्यथ	म०
	पक्ष्यामि	पक्ष्यावः	पक्ष्यामः	उ०
(आ०)	पक्ष्यते	पक्ष्येते	पक्ष्यन्ते	प्र०
	पक्ष्यसे	पक्ष्येथे	पक्ष्यध्वे	म०
	पक्ष्ये	पक्ष्यावहे	पक्ष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	पचतु-तात्	पचताम्	पचन्तु	प्र०
	पच-तात्	पचतम्	पचत	म०
	पचानि	पचाव	पचाम	उ०

(आ०)	पचताम्	पचेताम्	पचन्ताम्	प्र०
	पचस्व	पचेथाम्	पचध्वम्	म०
	पचै	पचावहै	पचामहै	उ०
लङ् (पर०)	अपचत्	अपचताम्	अपचन्	प्र०
	अपचः	अपचतम्	अपचत	म०
	अपचम्	अपचाव	अपचाम	उ०
(आ०)	अपचत	अपचेताम्	अपचन्त	प्र०
	अपचथाः	अपचेथाम्	अपचध्वम्	म०
	अपचे	अपचावहि	अपचामहि	उ०
विधि-लिङ्	पचेत्	पचेताम्	पचेयुः	प्र०
(पर०)	पचेः	पचेतम्	पचेत	म०
	पचेयम्	पचेव	पचेम	उ०
(आ०)	पचेत	पचेयाताम्	पचेरन्	प्र०
	पचेथाः	पचेयाथाम्	पचेध्वम्	म०
	पचेय	पचेवहि	पचेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	पच्यात्	पच्यास्ताम्	पच्यासुः	प्र०
(पर०)	पच्याः	पच्यास्तम्	पच्यास्त	म०
	पच्यासम्	पच्यास्व	पच्यास्म	उ०
(आ०)	पक्षीष्ट	पक्षीयास्ताम्	पक्षीरन्	प्र०
	पक्षीष्ठाः	पक्षीयास्थाम्	पक्षीध्वम्	म०
	पक्षीय	पक्षीवहि	पक्षीमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अपाक्षीत्	अपाक्ताम्	अपाक्षुः	प्र०
	अपाक्षीः	अपाक्तम्	अपाक्त	म०
	अपाक्षम्	अपाक्ष्व	अपाक्षम	उ०
(आ०)	अपक्त	अपक्षाताम्	अपक्षत	प्र०
	अपक्थाः	अपक्षाथाम्	अपगध्वम्	म०
	अपक्षि	अपक्ष्वहि	अपक्षमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अपक्ष्यत्	अपक्ष्यताम्	अपक्ष्यन्	प्र०
	अपक्ष्यः	अपक्ष्यतम्	अपक्ष्यत	म०
	अपक्ष्यम्	अपक्ष्याव	अपक्ष्याम	उ०

(आ०)	अपक्ष्यत	अपक्ष्येताम्	अपक्ष्यन्त	प्र०
	अपक्ष्यथाः	अपक्ष्येथाम्	अपक्ष्यध्वम्	म०
	अपक्ष्ये	अपक्ष्यावहि	अपक्ष्यामहि	उ०

997. षच्च समवाये - पूर्ववदेव

998. भज सेवायाम् (सेवा करना) सकर्मक (अनिट्) उभयपदी

लट् (पर०)	भजति	भजतः	भजन्ति	प्र०
	भजसि	भजथः	भजथ	म०
	भजामि	भजावः	भजामः	उ०
(आ०)	भजते	भजेते	भजन्ते	प्र०
	भजसे	भजेथे	भजध्वे	म०
	भजे	भजावहे	भजामहे	उ०
लिट् (पर०)	बभाज	भेजतुः	भेजुः	प्र०
	भेजिथ-बभक्थ	भेजथुः	भेज	म०
	बभाज-बभज	भेजिव	भेजिम	उ०
(आ०)	भेजे	भेजाते	भेजिरे	प्र०
	भेजिषे	भेजाथे	भेजिध्वे	म०
	भेजे	भेजिवहे	भेजिमहे	उ०
लुट् (पर०)	भक्ता	भक्तारौ	भक्ताः	प्र०
	भक्तासि	भक्तास्थः	भक्तास्थ	म०
	भक्तास्मि	भक्तास्वः	भक्तास्मः	उ०
(आ०)	भक्ता	भक्तारौ	भक्ताः	प्र०
	भक्तासे	भक्तासाथे	भक्ताध्वे	म०
	भक्ताहे	भक्तास्वहे	भक्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	भक्ष्यति	भक्ष्यतः	भक्ष्यन्ति	प्र०
	भक्ष्यसि	भक्ष्यथः	भक्ष्यथ	म०
	भक्ष्यामि	भक्ष्यावः	भक्ष्यामः	उ०
(आ०)	भक्ष्यते	भक्ष्येते	भक्ष्यन्ते	प्र०
	भक्ष्यसे	भक्ष्येथे	भक्ष्यध्वे	म०
	भक्ष्ये	भक्ष्यावहे	भक्ष्यामहे	उ०

लोट् (पर०)	भजतु-तात्	भजताम्	भजन्तु	प्र०
	भज-तात्	भजतम्	भजत	म०
	भजानि	भजाव	भजाम	उ०
(आ०)	भजताम्	भजेताम्	भजन्ताम्	प्र०
	भजस्व	भजेथाम्	भजध्वम्	म०
	भजै	भजावहै	भजामहै	उ०
लङ् (पर०)	अभजत्	अभजताम्	अभजन्	प्र०
	अभजः	अभजतम्	अभजत	म०
	अभजम्	अभजाव	अभजाम	उ०
(आ०)	अभजत	अभजेताम्	अभजन्त	प्र०
	अभजथाः	अभजेथाम्	अभजध्वम्	म०
	अभजे	अभजावहि	अभजामहि	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	भजेत्	भजेताम्	भजेयुः	प्र०
	भजेः	भजेतम्	भजेत	म०
	भजेयम्	भजेव	भजेम	उ०
(आ०)	भजेत	भजेयाताम्	भजेरन्	प्र०
	भजेथाः	भजेयाथाम्	भजेध्वम्	म०
	भजेय	भजेवहि	भजेमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	भज्यात्	भज्यास्ताम्	भज्यासुः	प्र०
	भज्याः	भज्यास्तम्	भज्यास्त	म०
	भज्यासम्	भज्यास्व	भज्यास्म	उ०
(आ०)	भक्षीष्ट	भक्षीयास्ताम्	भक्षीरन्	प्र०
	भक्षीष्ठाः	भक्षीयास्थाम्	भक्षीध्वम्	म०
	भक्षीय	भक्षीवहि	भक्षीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अभाक्षीत्	अभाक्ताम्	अभाक्षुः	प्र०
	अभाक्षीः	अभाक्तम्	अभाक्त	म०
	अभाक्षम्	अभाक्ष्व	अभाक्ष्म	उ०
(आ०)	अभक्त	अभक्षाताम्	अभक्षत	प्र०
	अभक्थाः	अभक्षाथाम्	अभक्ष्वम्	म०
	अभक्षि	अभक्ष्वहि	अभक्ष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अभक्ष्यत्	अभक्ष्यताम्	अभक्ष्यन्	प्र०
	अभक्ष्यः	अभक्ष्यतम्	अभक्ष्यत	म०
	अभक्ष्यम्	अभक्ष्याव	अभक्ष्याम	उ०
(आ०)	अभक्ष्यत	अभक्ष्येताम्	अभक्ष्यन्त	प्र०
	अभक्ष्यथाः	अभक्ष्येथाम्	अभक्ष्यध्वम्	म०
	अभक्ष्ये	अभक्ष्यावहि	अभक्ष्यामहि	उ०

१११. रज्ज रागे

१०००. शप आक्रोशे

१००१. त्विष दीप्तौ

१००२. यज देवपूजासङ्गतिकरणदानेषु (पूजा अथवा याग करना आदि) सकर्मक (अनिट्) उभयपदी

लट् (पर०)	यजति	यजतः	यजन्ति	प्र०
	यजसि	यजथः	यजथ	म०
	यजामि	यजावः	यजामः	उ०
(आ०)	यजते	यजेते	यजन्ते	प्र०
	यजसे	यजेथे	यजध्वे	म०
	यजे	यजावहे	यजामहे	उ०
लिट् (पर०)	इयाज	ईजतुः	ईजुः	प्र०
	इजजिथ-इयष्ठ	ईजथुः	ईज	म०
	इयाज-इयज	ईजिव	ईजिम	उ०
(आ०)	ईजे	ईजाते	ईजिरे	प्र०
	ईजिषे	ईजाथे	ईजिध्वे	म०
	ईजे	ईजिवहे	ईजिमहे	उ०
लुट् (पर०)	यष्टा	यष्टारौ	यष्टारः	प्र०
	यष्टासि	यष्टास्थः	यष्टास्थ	म०
	यष्टास्मि	यष्टास्वः	यष्टास्मः	उ०
(आ०)	यष्टा	यष्टारौ	यष्टारः	प्र०
	यष्टासे	यष्टासाथे	यष्टाध्वे	म०
	यष्टाहे	यष्टास्वहे	यष्टास्महे	उ०
लृट् (पर०)	यक्ष्यति	यक्ष्यतः	यक्ष्यन्ति	प्र०
	यक्ष्यसि	यक्ष्यथः	यक्ष्यथ	म०
	यक्ष्यामि	यक्ष्यावः	यक्ष्यामः	उ०

(आ०)	यक्ष्यते	यक्ष्येते	यक्ष्यन्ते	प्र०
	यक्ष्यसे	यक्ष्येथे	यक्ष्यध्वे	म०
	यक्ष्ये	यक्ष्यावहे	यक्ष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	यजतु-तात्	यजताम्	यजन्तु	प्र०
	यज-तात्	यजतम्	यजत	म०
	यजानि	यजाव	यजाम	उ०
(आ०)	यजताम्	यजेताम्	यजन्ताम्	प्र०
	यजस्व	यजेथाम्	यजध्वम्	म०
	यजै	यजावहै	यजामहै	उ०
लङ् (पर०)	अयजत्	अयजताम्	अयजन्	प्र०
	अयजः	अयजतम्	अयजत	म०
	अयजम्	अयजाव	अयजाम	उ०
(आ०)	अयजत	अयजेताम्	अयजन्त	प्र०
	अयजथाः	अयजेथाम्	अयजध्वम्	म०
	अयजे	अयजावहि	अयजामहि	उ०
विधि-लिट्	यजेत्	यजेताम्	यजेयुः	प्र०
(पर०)	यजेः	यजेतम्	यजेत	म०
	यजेयम्	यजेव	यजेम	उ०
(आ०)	यजेत	यजेयाताम्	यजेरन्	प्र०
	यजेथाः	यजेयाथाम्	यजेध्वम्	म०
	यजेय	यजेवहि	यजेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	इज्यात्	इज्यास्ताम्	इज्यासुः	प्र०
(पर०)	इज्याः	इज्यास्तम्	इज्यास्त	म०
	इज्यासम्	इज्यास्व	इज्यास्व	उ०
(आ०)	यक्षीष्ट	यक्षीयास्ताम्	यक्षीरन्	प्र०
	यक्षीष्ठाः	यक्षीयास्थाम्	यक्षीध्वम्	म०
	यक्षीय	यक्षीवहि	यक्षीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अयाक्षीत्	अयाष्टाम्	अयाक्षुः	प्र०
	अयाक्षीः	अयाष्टम्	अयाष्ट	म०
	अयाक्षम्	अयाक्ष्व	अयाक्ष्म	उ०

(आ०)	अयष्ट	अयक्षाताम्	अयक्षत	प्र०
	अयष्टाः	अयक्षाथाम्	अयङ्द्वम्	म०
	अयक्षि	अयक्ष्वहि	अयक्षमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अयक्ष्यत्	अयक्ष्यताम्	अयक्ष्यन्	प्र०
	अयक्ष्यः	अयक्ष्यतम्	अयक्ष्यत	म०
	अयक्ष्यम्	अयक्ष्याव	अयक्ष्याम	उ०
(आ०)	अयक्ष्यत	अयक्ष्येताम्	अयक्ष्यन्त	प्र०
	अयक्ष्यथाः	अयक्ष्येथाम्	अयक्ष्यध्वम्	म०
	अयक्ष्ये	अयक्ष्यावहि	अयक्ष्यामहि	उ०

1003. डु वप् बीजसन्ताने

1004. वह प्रापणे - सकर्मक (अनेट्) उभयपदी

लट् (पर०)	वहति	वहतः	वहन्ति	प्र०
	वहसि	वहथः	वहथ	म०
	वहामि	वहावः	वहामः	उ०
(आ०)	वहते	वहेते	वहन्ते	प्र०
	वहसे	वहेथे	वहध्वे	म०
	वहे	वहावहे	वहामहे	उ०
लिट् (पर०)	उवाह	ऊहतुः	ऊहुः	प्र०
	ऊवहिथ-उवोढ	ऊहथुः	ऊह	म०
	उवाह-उवह	ऊहिव	ऊहिम	उ०
(आ०)	ऊहे	ऊहाते	ऊहिरे	प्र०
	ऊहिषे	ऊहाथे	ऊहिध्वे-द्वे	म०
	ऊहे	ऊहिवहे	ऊहिमहे	उ०
लुट् (पर०)	वोढा	वोढारौ	वोढारः	प्र०
	वोढासि	वोढास्थः	वोढास्थ	म०
	वोढास्मि	वोढास्वः	वोढास्मः	उ०
(आ०)	वोढा	वोढारौ	वोढारः	प्र०
	वोढासे	वोढासाथे	वोढाध्वे	म०
	वोढाहे	वोढास्वहे	वोढास्महे	उ०

लृट् (पर०)	वक्ष्यति	वक्ष्यतः	वक्ष्यन्ति	प्र०
	वक्ष्यसि	वक्ष्यथः	वक्ष्यथ	म०
	वक्ष्यामि	वक्ष्यावः	वक्ष्यामः	उ०
(आ०)	वक्ष्यते	वक्ष्येते	वक्ष्यन्ते	प्र०
	वक्ष्यसे	वक्ष्यथे	वक्ष्यध्वे	म०
	वक्ष्ये	वक्ष्यावहे	वक्ष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	वहतु-तात्	वहताम्	वहन्तु	प्र०
	वह-तात्	वहतम्	वहत	म०
	वहानि	वहाव	वहाम	उ०
(आ०)	वहताम्	वहेताम्	वहन्ताम्	प्र०
	वहस्व	वहेथाम्	वहध्वम्	म०
	वहै	वहावहै	वहामहै	उ०
लङ् (पर०)	अवहत्	अवहताम्	अवहन्	प्र०
	अवहः	अवहतम्	अवहत	म०
	अवहम्	अवहाव	अवहाम	उ०
(आ०)	अवहत	अवहेताम्	अवहन्त	प्र०
	अवहथाः	अवहेथाम्	अवहध्वम्	म०
	अवहे	अवहावहि	अवहामहि	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	वहेत्	वहेताम्	वहेयुः	प्र०
	वहेः	वहेतम्	वहेत	म०
	वहेयम्	वहेव	वहेम	उ०
(आ०)	वहेत्	वहेयाताम्	वहेरन्	प्र०
	वहेथाः	वहेयाथाम्	वहेध्वम्	म०
	वहेय	वहेवहि	वहेमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	उह्यात्	उह्यास्ताम्	उह्यासुः	प्र०
	उह्याः	उह्यास्तम्	उह्यास्त	म०
	उह्यासम्	उह्यास्व	उह्यास्म	उ०
(आ०)	वक्षीष्ट	वक्षीयास्ताम्	वक्षीरन्	प्र०
	वक्षीष्ठाः	वक्षीयास्थाम्	वक्षीध्वम्	म०
	वक्षीय	वक्षीवहि	वक्षीमहि	उ०

लुङ् (पर०)	अवाक्षीत्	अवोढाम्	अवाक्षुः	प्र०
	अवाक्षीः	अवोढम्	अवोढ	म०
	अवाक्षम्	अवाक्ष्व	अवाक्ष्म	उ०
(आ०)	अवोढ	अवक्षाताम्	अवक्षत	प्र०
	अवोढाः	अवक्षाथाम्	अवोढ्वम्	म०
	अवक्षि	अवक्ष्वहि	अवक्ष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अवक्ष्यत्	अवक्ष्यताम्	अवक्ष्यन्	प्र०
	अवक्ष्यः	अवक्ष्यतम्	अवक्ष्यत	म०
	अवक्ष्यम्	अवक्ष्याव	अवक्ष्याम	उ०
(आ०)	अवक्ष्यत	अवक्ष्येताम्	अवक्ष्यन्त	प्र०
	अवक्ष्यथाः	अवक्ष्येथाम्	अवक्ष्यध्वम्	म०
	अवक्ष्ये	अवक्ष्यावहि	अवक्ष्यामहि	उ०

1005. वस निवासे - अनिट्, परस्मैपदी

लट्	वसति	वसतः	वसन्ति	प्र०
	वससि	वसथः	वसथ	म०
	वसामि	वसावः	वसामः	उ०
लिट्	उवास	ऊषतुः	ऊषुः	प्र०
	उवसिथ-उवस्थ	ऊषथुः	ऊष	म०
	उवास-उवस	ऊषिव	ऊषिम	उ०
लुट्	वस्ता	वस्तारौ	वस्तारः	प्र०
	वस्तासि	वस्तास्थः	वस्तास्थ	म०
	वस्तास्मि	वस्तास्वः	वस्तास्मः	उ०
लृट्	वत्स्यति	वत्स्यतः	वत्स्यन्ति	प्र०
	वत्स्यसि	वत्स्यथः	वत्स्यथ	म०
	वत्स्यामि	वत्स्यावः	वत्स्यामः	उ०
लोट्	वसतु	वसताम्	वसन्तु	प्र०
	वस	वसतम्	वसत	म०
	वसानि	वसाव	वसाम	उ०
लङ्	अवसत्	अवसताम्	अवसन्	प्र०
	अवसः	अवसतम्	अवसत	म०
	अवसम्	अवसाव	अवसाम	उ०

विधि-लिङ्	वसेत्	वसेताम्	वसेयुः	प्र०
	वसेः	वसेतम्	वसेत	म०
	वसेयम्	वसेव	वसेम	उ०
आशिष्-लिङ्	उष्यात्	उष्यास्ताम्	उष्यासुः	प्र०
	उष्याः	उष्यास्तम्	उष्यास्त	म०
	उष्यासम्	उष्यास्व	उष्यास्म	उ०
लुङ्	अवात्सीत्	अवात्ताम्	अवात्सुः	प्र०
	अवात्सीः	अवात्तम्	अवात्त	म०
	अवात्सम्	अवात्स्व	अवात्स्म	उ०
लृङ्	अवत्स्यत्	अवत्स्यताम्	अवत्स्यन्	प्र०
	अवत्स्यः	अवत्स्यतम्	अवत्स्यत	म०
	अवत्स्यम्	अवत्स्याव	अवत्स्याम	उ०

1006. वेञ् तन्तु सन्ताने (उ०) 1007. व्ये संवरणे (उ०)

1008. ह्वे स्पर्धायां शब्दे च (उ०) अथ द्वौ परस्मैपदिनौ

1009. वद व्यक्तानां वाचि (सेट्), परस्मैपदी

लट्	वदति	वदतः	वदन्ति	प्र०
	वदसि	वदथः	वदथ	म०
	वदामि	वदावः	वदामः	उ०
लिट्	उवाद	ऊदतुः	ऊदुः	प्र०
	उवदिथ	ऊदथुः	ऊद	म०
	उवाद-उवद	ऊदिव	ऊदिम	उ०
लुट्	वदिता	वदितारौ	वदितारः	प्र०
	वदितासि	वदितास्थः	वदितास्थ	म०
	वदितास्मि	वदितास्वः	वदितास्मः	उ०
लृट्	वदिष्यति	वदिष्यतः	वदिष्यन्ति	प्र०
	वदिष्यसि	वदिष्यथः	वदिष्यथ	म०
	वदिष्यामि	वदिष्यावः	वदिष्यामः	उ०
लोट्	वदतु	वदताम्	वदन्तु	प्र०
	वद	वदतम्	वदत	म०
	वदानि	वदाव	वदाम	उ०

लङ्	अवदत्	अवदताम्	अवदन्	प्र०
	अवदः	अवदतम्	अवदत	म०
	अवदम्	अवदाव	अवदाम	उ०
विधि-लिङ्	वदेत्	वदेताम्	वदेयुः	प्र०
	वदेः	वदेतम्	वदेत	म०
	वदेयम्	वदेव	वदेम	उ०
आशिष्-लिङ्	उद्यात्	उद्यास्ताम्	उद्यासुः	प्र०
	उद्याः	उद्यास्तम्	उद्यास्त	म०
	उद्यासम्	उद्यास्व	उद्यास्म	उ०
लुङ्	अवादीत्	अवादिष्टाम्	अवादिषुः	प्र०
	अवादीः	अवादिष्टम्	अवादिष्ट	म०
	अवादिषम्	अवादिष्व	अवादिष्म	उ०
लृङ्	अवदिष्यत्	अवदिष्यताम्	अवदिष्यन्	प्र०
	अवदिष्यः	अवदिष्यतम्	अवदिष्यत	म०
	अवदिष्यम्	अवदिष्याव	अवदिष्याम	उ०

1010. टुओशिव गतिवृद्धयोः इति भ्वादयः

अथ तिङन्तेऽदादिप्रकरणम्

1011. अद भक्षणे (द्वौ परस्मैपदिनौ) सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	अत्ति	अत्तः	अदन्ति	प्र०
	अत्सि	अत्थः	अत्थ	म०
	अदिम	अद्वः	अद्वमः	उ०
लिट्	जघास	जक्षतुः	जक्षुः	प्र०
	जघसिथ	जक्षथुः	जक्ष	म०
	जघास-जघस	जक्षिव	जक्षिम	उ०

घस्लृदेशाभावपक्षे

लुट्	आद	आदतुः	आदुः	प्र०
	आदिथ	आदथुः	आद	म०
	आद	आदिव	आदिम	उ०
	अत्ता	अत्तारौ	अत्तारः	प्र०
	अत्तासि	अत्तास्थः	अत्तास्थ	म०
	अत्तास्मि	अत्तास्वः	अत्तास्मः	उ०

लृट्	अत्स्यति	अत्स्यतः	अत्स्यन्ति	प्र०
	अत्स्यसि	अत्स्यथः	अत्स्यथ	म०
	अत्स्यामि	अत्स्यावः	अत्स्यामः	उ०
लोट्	अत्तु-अत्तात्	अत्ताम्	अदन्तु	प्र०
	अद्धि-अत्तात्	अत्तम्	अत्त	म०
	अदानि	अदाव	अदाम	उ०
लङ्	आदत्	आत्ताम्	आदन्	प्र०
	आदः	आत्तम्	आत्त	म०
	आदम्	आद्व	आद्वम	उ०
विधि-लिङ्	अद्यात्	अद्याताम्	अद्युः	प्र०
	अद्याः	अद्यातम्	अद्यात	म०
	अद्याम्	अद्याव	अद्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	अद्यात्	अद्यास्ताम्	अद्यासुः	प्र०
	अद्याः	अद्यास्तम्	अद्यास्त	म०
	अद्यासम्	अद्यास्व	अद्यास्म	उ०
लुङ्	अघसत्	अघसताम्	अघसन्	प्र०
	अघसः	अघसतम्	अघसत	म०
	अघसम्	अघसाव	अघसाम	उ०
लृङ्	आत्स्यत्	आत्स्यताम्	आत्स्यन्	प्र०
	आत्स्यः	आत्स्यतम्	आत्स्यत	म०
	आत्स्यम्	आत्स्याव	आत्स्याम	उ०

1012. हन हिंसागत्योः (वध करना, जाना) सकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लट्	हन्ति	हतः	धन्ति	प्र०
	हंसि	हथः	हथ	म०
	हन्मि	हन्वः	हन्मः	उ०
लिट्	जघान	जघनतुः	जघ्नुः	प्र०
	जघनिथ-जघन्थ	जघन्थुः	जघ्न	म०
	जघान-जघन	जघ्निव	जघ्निम	उ०
लुट्	हन्ता	हन्तारौ	हन्तारः	प्र०
	हन्तासि	हन्तास्थः	हन्तास्थ	म०
	हन्तास्मि	हन्तास्वः	हन्तास्मः	उ०

लृट्	हनिष्यति	हनिष्यतः	हनिष्यन्ति	प्र०
	हनिष्यसि	हनिष्यथः	हनिष्यथ	म०
	हनिष्यामि	हनिष्यावः	हनिष्यामः	उ०
लोट्	हन्तु-हतात्	हताम्	घ्नन्तु	प्र०
	जहि-हतात्	हतम्	हत	म०
	हनानि	हनाव	हनाम	उ०
लङ्	अहन्	अहताम्	अघ्नन्	प्र०
	अहन्	अहतम्	अहत	म०
	अहनम्	अहन्व	अहन्म	उ०
विधि-लिङ्	हन्यात्	हन्याताम्	हन्युः	प्र०
	हन्याः	हन्यातम्	हन्यात	म०
	हन्याम्	हन्याव	हन्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	वध्यात्	वध्यास्ताम्	वध्यासुः	प्र०
	वध्याः	वध्यास्तम्	वध्यास्त	म०
	वध्यासम्	वध्यास्व	वध्यास्म	उ०
लुङ्	अवधीत्	अवधिष्टाम्	अवधिषुः	प्र०
	अवधीः	अवधिष्टम्	अवधिष्ट	म०
	अवधिषम्	अवधिष्व	अवधिष्म	उ०
लृङ्	अहनिष्यत्	अहनिष्यताम्	अहनिष्यन्	प्र०
	अहनिष्यः	अहनिष्यतम्	अहनिष्यत	म०
	अहनिष्यम्	अहनिष्याव	अहनिष्याम	उ०

अथ चत्वारः स्वरितेतः

1013. द्विष अप्रीतौ (अनिट्) उभयपदी

लट् (पर०)	द्वेष्टि	द्विष्टः	द्विषन्ति	प्र०
	द्वेक्षि	द्विष्टः	द्विष्ट	म०
	द्वेष्मि	द्विष्वः	द्विष्मः	उ०
(आ०)	द्विष्ट	द्विषाते	द्विषते	प्र०
	द्विक्षे	द्विषाथे	द्विड्द्वे	म०
	द्विषे	द्विष्वहे	द्विष्महे	उ०

लिट् (पर०)	द्विद्वेष	दिद्विषतुः	दिद्विषुः	प्र०
	द्विद्विषिथ	दिद्विषथुः	दिद्विष	म०
	दिद्वेष	दिद्विषिव	दिद्विषिम	उ०
(आ०)	दिद्विषे	दिद्विषाते	दिद्विषिरे	प्र०
	दिद्विषिथे	दिद्विषाथे	दिद्विषिध्वे	म०
	दिद्विषे	दिद्विषिवहे	दिद्विषिमहे	उ०
लृट् (पर०)	द्वेष्टा	द्वेष्टारौ	द्वेष्टारः	प्र०
	द्वेष्टासि	द्वेष्टास्थः	द्वेष्टास्थ	म०
	द्वेष्टास्मि	द्वेष्टास्वः	द्वेष्टास्मः	उ०
(आ०)	द्वेष्टा	द्वेष्टारौ	द्वेष्टारः	प्र०
	द्वेष्टासे	द्वेष्टासाथे	द्वेष्टाध्वे	म०
	द्वेष्टाहे	द्वेष्टास्वहे	द्वेष्टास्महे	उ०
लृट् (पर०)	द्वेक्ष्यति	द्वेक्ष्यतः	द्वेक्ष्यन्ति	प्र०
	द्वेक्ष्यसि	द्वेक्ष्यथः	द्वेक्ष्यथ	म०
	द्वेक्ष्यामि	द्वेक्ष्यावः	द्वेक्ष्यामः	उ०
(आ०)	द्वेक्ष्यते	द्वेक्ष्येते	द्वेक्ष्यन्ते	प्र०
	द्वेक्ष्यसे	द्वेक्ष्यथे	द्वेक्ष्यध्वे	म०
	द्वेक्ष्ये	द्वेक्ष्यावहे	द्वेक्ष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	द्विष्टु-द्विष्टात्	द्विष्टाम्	द्विष्टन्तु	प्र०
	द्विड्ढि-द्विष्टात्	द्विष्टम्	द्विष्ट	म०
	द्वेषाणि	द्वेषाव	द्वेषाम	उ०
(आ०)	द्विष्टाम्	द्विष्टाताम्	द्विष्टन्ताम	प्र०
	द्विष्ट्व	द्विष्टाथाम्	द्विड्ढम्	म०
	द्वेषै	द्वेषावहै	द्वेषामहै	उ०
लङ् (पर०)	अद्वेष्ट-ड	अद्विष्टाम्	अद्विषुः-अद्विषन्	प्र०
	अद्वेष्ट-ड	अद्विष्टम्	अद्विष्ट	म०
	अद्वेषम्	अद्विष्व	अद्विष्व	उ०
(आ०)	अद्विष्ट	अद्विषाताम	अद्विषत	प्र०
	अद्विष्टाः	अद्विषाथाम्	अद्विड्ढ्वम	म०
	अद्विषि	अद्विष्वहि	अद्विष्वहि	उ०

विधि-लिङ्	द्विष्यात्	द्विष्याताम्	द्विष्युः	प्र०
(पर०)	द्विष्याः	द्विष्यातम्	द्विष्यात	म०
	द्विष्याम्	द्विष्याव	द्विष्याम	उ०
(आ०)	द्विषीत	द्विषीयाताम्	द्विषीरन्	प्र०
	द्विषीथाः	द्विषीयाथाम्	द्विषीध्वम्	म०
	द्विषीय	द्विषीवहि	द्विषीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	द्विष्यात्	द्विष्यास्ताम्	द्विष्यासुः	प्र०
(पर०)	द्विष्याः	द्विष्यास्तम्	द्विष्यास्त	म०
	द्विष्यासम्	द्विष्यास्वः	द्विष्यास्मः	उ०
(आ०)	द्विक्षीष्ट	द्विक्षीयास्ताम्	द्विक्षीरन्	प्र०
	द्विक्षीष्ठाः	द्विक्षीयास्थाम्	द्विक्षीध्वम्	म०
	द्विक्षीय	द्विक्षीवहि	द्विक्षीमहि	उ०
लुङ्	अद्विक्षत्	अद्विक्षाताम्	अद्विक्षन्	प्र०
	अद्विक्षः	अद्विक्षतम्	अद्विक्षत	म०
	अद्विक्षम्	अद्विक्षाव	अद्विक्षाम	उ०
(आ०)	अद्विक्षत	अद्विक्षोताम्	अद्विक्षन्त	प्र०
	अद्विक्षथाः	अद्विक्षाथाम्	अद्विक्षध्वम्	म०
	अद्विक्षि	अद्विक्ष्यावहि	अद्विक्षामहि	उ०
लृङ् (पर०)	अद्वेक्ष्यत	अद्वेक्ष्यताम्	अद्वेक्ष्यन्	प्र०
	अद्वेक्ष्यः	अद्वेक्ष्यतम्	अद्वेक्ष्यत	म०
	अद्वेक्ष्यम्	अद्वेक्ष्याव	अद्वेक्ष्याम्	उ०
(आ०)	अद्वेक्ष्यत	अद्वेक्ष्यताम्	अद्वेक्ष्यन्त	प्र०
	अद्वेक्ष्यथाः	अद्वेक्ष्यथाम्	अद्वेक्ष्यध्वम्	म०
	अद्वेक्ष्ये	अद्वेक्ष्यावहि	अद्वेक्ष्यामहि	उ०

1014. दुह प्रपूरणे, प्रपूरणमपूरणाभावः द्विकर्मक (अनिट्) उभयपदी (तृप्त करना)

लट् (पर०)	दोग्धि	दुग्धः	दुहन्ति	प्र०
	धोक्षि	दुग्धः	दुग्ध	म०
	दोहिम्	दुह्वः	दुह्वः	उ०
(आ०)	दुग्धे	दुहाते	दुहते	प्र०
	दुक्षे	दुहाथे	धुग्ध्वे	म०
	दुहे	दुह्वहे	द्वह्वहे	उ०

लिट् (पर०)	दुदोह	दुदुहतुः	दुदुहः	प्र०
	दुदोहिथ	दुदुहथुः	दुदुह	म०
	दुदोह	दुदुहिव	दुदुहिम	उ०
(आ०)	दुदुहे	दुदुहाते	दुदुहिरे	प्र०
	दुदुहिषे	दुदुहाथे	दुदुहिध्वे-द्वे	म०
	दुदुहे	दुदुहिवहे	दुदुहिमहे	उ०
लुट् (पर०)	दोग्धा	दोग्धारौ	दोग्धारः	प्र०
	दोग्धासि	दोग्धास्थः	दोग्धास्थ	म०
	दोग्धास्मि	दोग्धास्वः	दोग्धास्मः	उ०
(आ०)	दोग्धा	दोग्धारौ	दोग्धारः	प्र०
	दोग्धासे	दोग्धासाथे	दोग्धाध्वे	म०
	दोग्धाहे	दोग्धास्वहे	दोग्धास्महे	उ०
लृट् (पर०)	धोक्ष्यति	धोक्ष्यतः	धोक्ष्यन्ति	प्र०
	धोक्ष्यसि	धोक्ष्यथः	धोक्ष्यथ	म०
	धोक्ष्यामि	धोक्ष्यावः	धोक्ष्यामः	उ०
(आ०)	धोक्ष्यते	धोक्ष्येते	धोक्ष्यन्ते	प्र०
	धोक्ष्यसे	धोक्ष्येथे	धोक्ष्यध्वे	म०
	धोक्ष्ये	धोक्ष्यावहे	धोक्ष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	दोग्धु-दुग्धात्	दुग्धाम्	दुहन्तु	प्र०
	दुग्धि-दुग्धात्	दुग्धम्	दुग्ध	म०
	दोहानि	दोहाव	दोहाम	उ०
(आ०)	दुग्धाम्	दुहाताम्	दुहताम्	प्र०
	धुक्ष्व	दुहाथाम्	धुग्ध्वम्	म०
	दोहै	दोहावहै	दोहामहै	उ०
लङ् (पर०)	अधोक्-अधोग्	अदुग्धाम्	अदुहन्	प्र०
	अधोक्-अधोग्	अदुग्धम्	अदुग्ध	म०
	अदोहम्	अदुह्व	अदुहम्	उ०
(आ०)	अदुग्ध	अदुहाताम्	अदुहत	प्र०
	अदुग्धाः	अदुहाथाम्	अदुग्ध्वम	म०
	अदुहि	अदुह्वहि	अदुह्महि	उ०

विधि-लिङ्	दुह्यात्	दुह्याताम्	दुह्युः	प्र०
(पर०)	दुह्याः	दुह्यातम्	दुह्यात	म०
	दुह्याम्	दुह्याव	दुह्याम	उ०
(आ०)	दुहीत	दुहीयाताम्	दुहीरन्	प्र०
	दुहीथाः	दुहीयातम्	दुहीध्वम्	म०
	दुहीय	दुहीवहि	दुहीमहि	उ०
आशिप्-लिङ्	दुह्यात्	दुह्यास्ताम्	दुह्यासुः	प्र०
(पर०)	दुह्याः	दुह्यास्तम्	दुह्यास्त	म०
	दुह्यासम्	दुह्यास्व	दुह्यास्म	उ०
(आ०)	धुक्षीष्ट	धुक्षीयास्ताम्	धुक्षीरन्	प्र०
	धुक्षीष्ठाः	धुक्षीयास्थाम्	धुक्षीध्वम्	म०
	धुक्षीय	धुक्षीवहि	धुक्षीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अधुक्षत	अधुक्षताम्	अधुक्षन्	प्र०
	अधुक्षः	अधुक्षतम्	अधुक्षत	म०
	अधुक्षम्	अधुक्षाव	अधुक्षाम	उ०
(आ०)	अदुग्ध-अधुक्षत	अधुक्षाताम्	अधुक्षन्त	प्र०
	अदुग्धाः-अधुक्षथाः	अधुक्षाथाम्	अधुग्ध्वम्	म०
	अधुक्षि-अदुह्वहि	अधुक्षावहि	अदुह्वमहि-	उ०
			अधुक्षामहि	
लृङ् (पर०)	अधोक्ष्यत्	अधोक्ष्यताम्	अधोक्ष्यन्	प्र०
	अधोक्ष्यः	अधोक्ष्यतम्	अधोक्ष्यत	म०
	अधोक्ष्यम्	अधोक्ष्याव	अधोक्ष्याम	उ०
(आ०)	अधोक्ष्यत	अधोक्ष्येताम्	अधोक्ष्यन्त	प्र०
	अधोक्ष्यथाः	अधोक्ष्येथाम्	अधोक्ष्यध्वम्	म०
	अधोक्ष्ये	अधोक्ष्यावहि	अधोक्ष्यामहि	उ०

1015. दिह उपचये-उपचयो वृद्धि अकर्मक (अनिट्) उभयपदी

लट् (पर०)	देधि	दिग्धः	दिहन्ति	प्र०
	धेक्षि	दिग्धः	दिग्ध	म०
	देहिम्	दिह्वः	दिह्वः	उ०

(आ०)	दिधे	दिहाते	दिहते	प्र०
	दिक्षे	दिहाथे	धिग्ध्वे	म०
	दिहे	दिह्वहे	दिह्महे	उ०
लिट् (पर०)	दिदेह	दिदिहतुः	दिदिहुः	प्र०
	दिदेहिथ	दिदिहथुः	दिदिह	म०
	दिदेह	दिदिहिव	दिदिहिम	उ०
(आ०)	दिदिहे	दिदिहाते	दिदिहिरे	प्र०
	दिदिहिषे	दिदिहाथे	दिदिहिध्वे-द्वा	म०
	दिदिहे	दिदिहिवहे	दिदिहिमहे	उ०
लुट् (पर०)	देग्धा	देग्धारौ	देग्धारः	प्र०
	देग्धासि	देग्धास्थः	देग्धास्थ	म०
	देग्धास्मि	देग्धास्वः	देग्धास्मः	उ०
(आ०)	देग्धा	देग्धारौ	देग्धारः	प्र०
	देग्धासे	देग्धासाथे	देग्धाध्वे	म०
	देग्धाहे	देग्धास्वहे	देग्धास्महे	उ०
लृट् (पर०)	धेक्ष्यति	धेक्ष्यतः	धेक्ष्यन्ति	प्र०
	धेक्ष्यसि	धेक्ष्यथः	धेक्ष्यथ	म०
	धेक्ष्यामि	धेक्ष्यावः	धेक्ष्यामः	उ०
(आ०)	धेक्ष्यते	धेक्ष्येते	धेक्ष्यन्ते	प्र०
	धेक्ष्यसे	धेक्ष्यथे	धेक्ष्यध्वे	म०
	धेक्ष्ये	धेक्ष्यावहे	धेक्ष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	दिग्धु-दिग्धात्	दिग्धाम्	दिहन्तु	प्र०
	दिग्धि-दिग्धात्	दिग्धम्	दिग्ध	म०
	देहानि	देहाव	देहाम	उ०
(आ०)	दिग्धाम्	दिहाताम्	दिहताम्	प्र०
	धिक्न	दिहाथाम्	धिग्ध्वम्	म०
	देहै	देहावहै	देहामहै	उ०
लङ् (पर०)	अधेक्-ग्	अदिग्धाम्	अदिहन्	प्र०
	अधेक्-ग्	अदिग्धम्	अदिग्ध	म०
	अदेहम्	अदिह्व	अदिह्म	उ०

(आ०)	अदिग्ध	अदिहाताम्	अदिहत	प्र०
	अदिग्धाः	अदिहाताम्	अदिग्ध्वम्	म०
	अदिहि	अदिह्वहि	अदिह्महि	उ०
विधि-लिङ्	दिह्यात्	दिह्याताम्	दिह्युः	प्र०
(पर०)	दिह्याः	दिह्यातम्	दिह्यात	म०
	दिह्याम्	दिह्याव	दिह्याम	उ०
(आ०)	दिहीत	दिहीयाताम्	दिहीरन्	प्र०
	दिहीथाः	दिहीयातम्	दिहीध्वम्	म०
	दिहीय	दिहीवहि	दिहीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	दिह्यात्	दिह्यास्ताम्	दिह्यासुः	प्र०
(पर०)	दिह्याः	दिह्यास्तम्	दिह्यास्त	म०
	दिह्यासम्	दिह्यास्व	दिह्यास्म	उ०
(आ०)	धिक्षीष्ट	धिक्षीयास्ताम्	धिक्षीरन्	प्र०
	धिक्षीष्ठाः	धिक्षीयास्थाम्	धिक्षीध्वम्	म०
	धिक्षीय	धिक्षीवहि	धिक्षीमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अधिक्षत	अधिक्षताम्	अधिक्षन्	प्र०
	अधिक्षः	अधिक्षतम्	अधिक्षत	म०
	अधिक्षम्	अधिक्षाव	अधिक्षाम	उ०
(आ०)	अदिग्ध-अधिक्षत	अधिक्षाताम्	अधिक्षन्त	प्र०
	अदिग्धाः-	अधिक्षाथाम्	अधिग्ध्वम्	म०
	अधिक्षथाः			
	अधिक्षि	अदिह्वहि-	अदिह्महि-	उ०
		अधिक्षावहि	अधिक्षामहि	
लृङ् (पर०)	अधेक्ष्यत्	अधेक्ष्यताम्	अधेक्ष्यन्	प्र०
	अधेक्ष्यः	अधेक्ष्यतम्	अधेक्ष्यत	म०
	अधेक्ष्यम्	अधेक्ष्याव	अधेक्ष्याम	उ०
(आ०)	अधेक्ष्यत	अधेक्ष्येताम्	अधेक्ष्यन्त	प्र०
	अधेक्ष्यथाः	अधेक्ष्येथाम्	अधेक्ष्यध्वम्	म०
	अधेक्ष्ये	अधेक्ष्यावहि	अधेक्ष्यामहि	उ०

1016. लिह आस्वादने सकर्मक (अनिट्) उभयपदी

लट् (पर०)	लेढि	लीढः	लिहन्ति	प्र०
	लेक्षि	लीढः	लीढ	म०
	लेहिम्	लिह्वः	लिहम्:	उ०
(आ०)	लीढे	लिहाते	लिहते	प्र०
	लिक्षे	लिहाथे	लीढ्वे	म०
	लिहे	लिह्वहे	लिह्महे	उ०
लिट् (पर०)	लिलेह	लिलिहतुः	लिलिहुः	प्र०
	लिलेहिथ	लिलिहथुः	लिलिह	म०
	लिलेह	लिलिहिव	लिलिहिम	उ०
(आ०)	लिलिहे	लिलिहाते	लिलिहिरे	प्र०
	लिलिहिषे	लिलिहाथे	लिलिहिध्वे-द्वे	म०
	लिलिहे	लिलिहिवहे	लिलिहिमहे	उ०
लृट् (पर०)	लेढा	लेढारौ	लेढारः	प्र०
	लेढासि	लेढास्थः	लेढास्थ	म०
	लेढास्मि	लेढास्वः	लेढास्मः	उ०
(आ०)	लेढा	लेढारौ	लेढारः	प्र०
	लेढासे	लेढासाथे	लेढाध्वे	म०
	लेढाहे	लेढास्वहे	लेढास्महे	उ०
लृट् (पर०)	लेक्ष्यति	लेक्ष्यतः	लेक्ष्यन्ति	प्र०
	लेक्ष्यसि	लेक्ष्यथः	लेक्ष्यथ	म०
	लेक्ष्याम	लेक्ष्यावः	लेक्ष्यामः	उ०
(आ०)	लेक्ष्यते	लेक्ष्येते	लेक्ष्यन्ते	प्र०
	लेक्ष्यसे	लेक्ष्येथे	लेक्ष्यध्वे	म०
	लेक्ष्ये	लेक्ष्यावहे	लेक्ष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	लेढु-लीढात्	लीढाम	लिहन्तु	प्र०
	लीढि-लीढात्	लीढम्	लीढ	म०
	लेहानि	लेहाव	लेहाम	उ०
(आ०)	लीढाम्	लिहाताम्	लिहताम्	प्र०
	लिक्व	लिहाथाम्	लीढ्वम्	म०
	लेहै	लेहावहै	लेहामहै	उ०

लङ् (पर०)	अलेट्-ङ्	अलीढाम्	अलिहन्	प्र०
	अलेट्-ङ्	अलीढम्	अलीढ	म०
	अलेहम्	अलिह्व	अलिहम्	उ०
(आ०)	अलीढ	अलिहाताम्	अलिहत	प्र०
	अलीढाः	अलिहाथाम्	अलीढ्वम्	म०
	अलिहि	अलिह्वहि	अलिहम्हि	उ०
विधि-लिङ्	लिह्यात्	लिह्याताम्	लिह्युः	प्र०
(पर०)	लिह्याः	लिह्यातम्	लिह्यात्	म०
	लिह्याम्	लिह्याव	लिह्याम्	उ०
(आ०)	लिहीत	लिहीयाताम्	लिहीरन्	प्र०
	लिहीथाः	लिहीयाथाम्	लिहीध्वम्	म०
	लिहीय	लिहीवहि	लिहीमहि	उ०
आशिप् लिङ्	लिह्यात्	लिह्यास्ताम्	लिह्यासुः	प्र०
(पर०)	लिह्याः	लिह्यास्तम्	लिह्यास्त	म०
	लिह्यासम्	लिह्यास्व	लिह्यास्म	उ०
(आ०)	लिक्षीष्ट	लिक्षीयास्ताम्	लिक्षीरन्	प्र०
	लिक्षीष्ठाः	लिक्षीयास्थाम्	लिक्षीध्वम्	म०
	लिक्षीय	लिक्षीवहि	लिक्षीमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अलिक्षत्	अलिक्षताम्	अलिक्षन्	प्र०
	अलिक्षः	अलिक्षतम्	अलिक्षत	म०
	अलिक्षम्	अलिक्षाव	अलिक्षाम	उ०
(आ०)	अलीढ-अलिक्षत	अलिक्षाताम्	अलिक्षन्त	प्र०
	अलिढाः-	अलिक्षाथाम्	अलिक्षध्वम्-	म०
	अलिक्षथाः	अलिह्वहि-	अलिक्षध्वम्	
	अलिक्षि	अलिक्षावहि	अलिक्षामहि	उ०
लृङ् (पर०)	अलेक्ष्यत	अलेक्ष्यताम्	अलेक्ष्यन्	प्र०
	अलेक्ष्यः	अलेक्ष्यतम्	अलेक्ष्यत	म०
	अलेक्ष्यम्	अलेक्ष्याव	अलेक्ष्याम्	उ०
(आ०)	अलेक्ष्यत	अलेक्ष्येताम्	अलेक्ष्यन्त	प्र०
	अलेक्ष्यथाः	अलेक्ष्यथाम्	अलेक्ष्यध्वम्	म०
	अलेक्ष्ये	अलेक्ष्यावहि	अलेक्ष्यामहि	उ०

1017. चक्षिङ् व्यक्तायां वाचि, आत्मनैपदी प्रायेणायमाङ् पूर्वः (अनिट्) सकर्मक

लट्	चष्टे	चक्षाते	चक्षते	प्र०
	चक्षे	चक्षाथे	चङ्द्वे	म०
	चक्षे	चक्ष्वहे	चक्ष्महे	उ०
लिट्	चचक्षे	चचक्षाते	चचक्षिरे	प्र०
	चचक्षिष	चचक्षाथे	चचक्षिध्वे	म०
	चचक्षे	चचक्षिवहे	चचक्षिमहे	उ०
पक्षे ख्यादेशः	चख्ये	चख्याते	चख्यिरे	प्र०
	चख्यिषे	चख्याथे	चख्यिध्वे	म०
	चख्ये	चख्यिवहे	चख्यिमहे	उ०
ख्याञोऽनित्यत्वात् पक्षे परस्मैपदमपि भवति				
	चख्यौ	चख्यतुः	चख्युः	प्र०
	चख्यिथ-चख्याथ	चख्यथुः	चख्य	म०
	चख्यौ	चख्यिव	चख्यिम	उ०
क्शादिरप्ययमिष्यते इति वृत्तौ				
(आ०)	चक्षो	चक्षाते	चक्षिरे	प्र०
	चक्षिषे	चक्साथे	चक्षिध्वे	म०
	चक्षे	चक्षिवहे	चक्षिमहे	उ०
(पर०)	चक्षौ	चक्षतुः	चक्षुः	प्र०
	चक्षिथ	चक्षथुः	चक्श	म०
	चक्षौ	चक्षिव	चक्षिम	उ०
लुट्	ख्याता	ख्यातारौ	ख्यातारः	प्र०
	ख्यातासे	ख्यातासाथे	ख्याताध्वे	म०
	ख्याताहे	ख्यातास्वहे	ख्यातास्महे	उ०
क्शादि पक्ष	क्शाता	क्शातारौ	क्शातारः	प्र०
	क्शातासे	क्शातासाथे	क्शाताध्वे	म०
	क्शाताहे	क्शातास्वहे	क्शातास्महे	उ०
ख्याञोऽनित्यत्वात् पक्षे परस्मैपदी				
	ख्याता	ख्यातारौ	ख्यातारः	प्र०
	ख्यातासि	ख्यातास्थः	ख्यातास्थ	म०
	ख्यातास्मि	ख्यातास्वः	ख्यातास्मः	उ०

कशपक्षे	कशाता	कशातारौ	कशातारः	प्र०
	कशातासि	कशातास्थः	कशातास्थ	म०
	कशातास्मि	कशातास्वः	कशातास्मः	उ०
लृट्	ख्यास्यते	ख्यास्येते	ख्यास्यन्ते	प्र०
	ख्यास्यसे	ख्यास्येथे	ख्यास्यध्वे	म०
	ख्यास्ये	ख्यास्यावहे	ख्यास्यामहे	उ०
कशपक्षे	कशास्यते	कशास्येते	कशास्यन्ते	प्र०
	कशास्यसे	कशास्येथे	कशास्यध्वे	म०
	कशास्ये	कशास्यावहे	कशास्यामहे	उ०
उभयोरपि परस्मैपदे ख्यास्यति	ख्यास्यतः	ख्यास्यन्ति	ख्यास्यन्ति	प्र०
	ख्यास्यसि	ख्यास्यथः	ख्यास्यथ	म०
	ख्यास्यामि	ख्यास्यावहः	ख्यास्यामह	उ०
	कशादिष्यति	कशादिष्यतः	कशादिष्यन्ति	प्र०
	कशादिष्यसि	कशादिष्यथः	कशादिष्यथ	म०
	कशादिष्यामि	कशादिष्यावः	कशादिष्यामः	उ०
लोट्	चक्षाम्	चक्षाताम्	चक्षताम्	प्र०
	चक्ष्व	चक्षाथाम्	चक्षद्वम्	म०
	चक्षै	चक्षावहै	चक्षामहै	उ०
लङ्	अचष्ट	अचक्षताम्	अचक्षत	प्र०
	अचष्टाः	अचक्षाथाम्	अचङ्द्वम्	म०
	अचक्षि	अचक्ष्वहि	अचक्षमहि	उ०
विधि-लिट्	चक्षीत	चक्षीयाताम्	चक्षीरन्	प्र०
	चक्षीथाः	चक्षीयाताम्	चक्षीध्वम्	म०
	चक्षीय	चक्षीवहि	चक्षीमहि	उ०
आशिष्-लिट्	ख्यासीष्ट	ख्यासीयास्ताम्	ख्यासीरन्	प्र०
	ख्यासीष्ठाः	ख्यासीयास्थाम्	ख्यासीध्वम्	म०
	ख्यासीय	ख्यासीवहि	ख्यासीमहि	उ०
ख्यादेश	ख्येयात्	ख्यायास्ताम्	ख्येयासु	प्र०
पक्षे	ख्येयाः	ख्येयास्तम	ख्येयास्त	म०
	ख्येयासम	ख्येयास्व	ख्येयास्म	उ०

एत्वाभावे	ख्यायात्	ख्ययास्ताम	ख्यायासु	प्र०
	ख्यायाः	ख्यायास्तम्	ख्यायास्त	म०
	ख्यायासम	ख्यायास्व	ख्यायास्म	उ०

कशादिपक्षे स्वमेव कशासीष्ट कशासीष्ट कशेयादित्यादि चोदाहार्यम्

लुङ्	अख्यत	अख्येताम्	अख्यन्त	प्र०
	अख्यथाः	अख्येथाम	अख्यध्वम्	म०
	अख्ये	अख्यावहि	अख्यामहि	उ०
	अख्यत्	अख्यताम्	अख्यन्	प्र०
	अख्यः	अख्यतम्	अख्यत	म०
	अख्यम्	अख्याव	अख्याम	उ०

अङ् विधौ ख्यातीति क्वतयत्वाया विकृतेनिदेशादकृतयत्वायाः प्रकृतेन ग्रह इति यदा कशादित्वं, तदा सिजेव

	अकशास्त	अकशासाताम्	अकशासत	प्र०
	अकशास्थाः	अकशास्थाम	अकशाध्वम्	म०
	अकशासि	अकशास्वहि	अकशास्महि	उ०
	अकशासीत्	अकशासिष्टाम	अकशासिषुः	प्र०
	अकशासीः	अकशासिष्टम्	अकशासिष्ट	म०
	अकशासिषम	अकशासिष्व	अकशासिष्म	उ०
लृङ्	अख्यास्यत	अख्यास्येताम्	अख्यास्यन्त	प्र०
	अख्यास्यथाः	अख्यास्येथाम	अख्यास्यध्वम्	म०
	अख्यास्ये	अख्यास्यावहि	अख्यास्यामहि	उ०
	अकशास्यत	अकशास्येताम्	अकशास्यन्त	प्र०
	अकशास्यथाः	अकशास्येथाम्	अकशास्यध्वम्	म०
	अकशास्ये	अकशास्यावहि	अकशास्यामहि	उ०
परस्मैपदे	अख्याष्यत्	अख्याष्यताम्	अख्याष्यन्	प्र०
	अख्याष्यः	अख्याष्यतम्	अख्याष्यत	म०
	अख्याष्यम्	अख्याष्याव	अख्याष्याम	उ०
	अकशाष्यत	अकशाष्यताम्	अकशाष्यन्	प्र०
	अकशाष्यः	अकशाष्यतम्	अकशाष्यत	म०
	अकशाष्यम्	अकशाष्याव	अकशाष्याम	उ०

अथ पृच्यन्ता अनुदात्ततः

1048. ईर गतौ कम्पने च, आत्मनैपदी (सेट्)

लट्	ईर्ते	ईराते	ईरते	प्र०
	ईषे	ईराथे	ईध्वे	म०
	ईरे	ईर्वहे	ईर्महे	उ०
लिट्	इरांचक्रे	इरांचक्राते	इरांचक्रिरे	प्र०
	इरांचक्रषे	इरांचक्राथे	इरांचक्रिध्वे	म०
	इरांचक्रे	इरांचकृवहे	इरांचकृमहे	उ०
स्वमेव	ईरामास	ईराम्बभूव इत्यादि		
लुट्	ईरिता	ईरितारौ	ईरितारः	प्र०
	ईरितासे	ईरितासाथे	ईरिताध्वे	म०
	ईरिताहे	ईरितास्वहे	ईरितास्महे	उ०
लृट्	ईरिष्यते	ईरिष्येते	ईरिष्यन्ते	प्र०
	ईरिष्यसे	ईरिष्येथे	ईरिष्यध्वे	म०
	ईरिष्ये	ईरिष्यावहे	ईरिष्यामहे	उ०
लोट्	ईर्ताम्	ईर्ताम्	ईर्न्ताम्	प्र०
	ईर्ध्वं	ईर्थाम्	ईर्ध्वम्	म०
	ईरै	ईरावहै	ईरामहै	उ०
लङ्	ऐर्त	ऐराताम्	ऐरत	प्र०
	ऐर्थाः	ऐराथाम्	ऐर्ध्वम्	म०
	ऐरि	ऐर्वहि	ऐर्महि	उ०
विधि-लिट्	ईरीत	ईरीयाताम्	ईरीरन्	प्र०
	ईरीथाः	ईरीयाथाम्	ईरीध्वम्	म०
	ईरीय	ईरीवहि	ईरीमहि	उ०
आशिष्-लिट्	ईरीषीष्ट	ईरीषीयास्ताम्	ईरीषीरन्	प्र०
	ईरीषीष्ठाः	ईरीषीयास्थाम्	ईरीषीध्वम्-द्वम्	म०
	ईरीषीय	ईरीषीवहि	ईरीषीमहि	उ०
लुङ्	ऐरिष्ट	ऐरिषाताम्	ऐरिषत	प्र०
	ऐरिष्ठाः	ऐरिषाथाम्	ऐरिध्वम्	म०
	ऐरिषि	ऐरिष्वहि	ऐरिष्महि	उ०

लृङ्	ऐरिष्यत	ऐरिष्येताम्	ऐरिष्यन्त	प्र०
	ऐरिष्यथाः	ऐरिष्येथाम्	ऐरिष्यध्वम्	म०
	ऐरिष्ये	ऐरिष्यावहि	ऐरिष्यामहि	उ०
1019. ईडस्तुतौ सकर्मक (सेट्) आत्मनेपदी				
लट्	ईदटे	ईडाते	ईडते	प्र०
	ईडिषे	ईडाथे	ईडिध्वे	म०
	ईडे	ईड्वहे	ईड्महे	उ०
लिट्	इडांचक्रे	इडांचक्राते	इडांचक्रिये	प्र०
	इडांचकृषे	इडांचक्राथे	इडांचकृद्वे	म०
	इडांचक्रे	इडांचक्रवहे	इडांचकृमहे	उ०
लुट्	ईडिता	ईडितारौ	ईडितारः	प्र०
	ईडितासे	ईडितासाथे	ईडिताध्वे	म०
	ईडिताहे	ईडितास्वहे	ईडितास्महे	उ०
लृट्	ईडिष्यते	ईडिष्येते	ईडिष्यन्ते	प्र०
	ईडिष्यसे	ईडिष्येथे	ईडिष्यध्वे	म०
	ईडिष्ये	ईडिष्यावहे	ईडिष्यामहे	उ०
लाट्	ईट्टाम्	ईडाताम्	ईडन्ताम्	प्र०
	ईडिष्व	ईडाथाम्	ईडिध्वम्	म०
	ईडै	ईडावहै	ईडामहै	उ०
लङ्	ऐडिष्ट	ऐडिषाताम्	ऐडिषत	प्र०
	ऐडिष्ठाः	ऐडिषाथाम्	ऐडिध्वम्	म०
	ऐडिषि	ऐडिष्वहि	ऐडिष्महि	उ०
विधि-लिङ्	ईडीत	ईडीयाताम्	ईडीरन्	प्र०
	ईडीथाः	ईडीयाथाम्	ईडीध्वम्	म०
	ईडीय	ईडीवहि	ईडीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	ईडिषीष्ट	ईडिषीयास्ताम्	ईडिषीरन्	प्र०
	ईडिषीष्ठाः	ईडिषीयास्थाम्	ईडिषीध्वम्	म०
	ईडिषीय	ईडिषीवहि	ईडिषीमहि	उ०
लुङ्	ऐडिष्ट	ऐडिषाताम्	ऐडिषत	प्र०
	ऐडिष्ठाः	ऐडिषाथाम्	ऐडिध्वम्	म०
	ऐडिषि	ऐडिष्वहि	ऐडिष्महि	उ०

लृङ्	ऐडिष्यत	ऐडिष्येताम्	ऐडिष्यन्त	प्र०
	ऐडिष्यथाः	ऐडिष्येथाम्	ऐडिष्यध्वम्	म०
	ऐडिष्ये	ऐडिष्यावहि	ऐडिष्यामहि	उ०

1020 ईश ऐश्वर्ये शस्य ब्रश्चादिना षत्वे घृत्वमिति विशेषः (अनिट्, सेट्)
आत्मनेपदी - रूपाणि पूर्ववत्

लट्	आस्ते	आसाते	आसते	प्र०
	आस्से	आसाते	आध्वे	म०
	आसे	आस्वहे	आस्महे	उ०
लिट्	आसांचक्रे	आसांचक्राते	आसांचक्रिये	प्र०
	आसांचक्रषे	आसांचक्राथे	आसांचक्रिध्वे	म०
	आसांचक्रे	आसांचकृवहे	आसांचकृमहे	उ०
	आसाम्बभूव तथा आसामास पूर्ववत्			
लुट्	आसिता	आसितारौ	आसितारः	प्र०
	आसितासे	आसितासाथे	आसिताध्वे	म०
	आसिताहे	आसितास्वहे	आसितास्महे	उ०
लृट्	आसिष्यते	आसिष्येते	आसिष्यन्ते	प्र०
	आसिष्यसे	आसिष्येथे	आसिष्यध्वे	म०
	आसिष्ये	आसिष्यावहे	आसिष्यामहे	उ०
लोट्	आस्ताम्	आसाताम्	आसताम्	प्र०
	आस्व	आस्वाथाम	आद्वम	म०
	आसै	आसावहै	आसामहि	उ०
लङ्	आस्त	आसाताम्	आसत	प्र०
	आस्थाः	आसाथाम्	आद्वम्	म०
	आसि	आस्वहि	आस्महि	उ०
विधि-लिङ्	आसीत	आसीयास्ताम	आसिषीरन्	प्र०
	आसीथाः	आसीयास्थाम	आसीद्वम	म०
	आसीय	आसीवहि	आसीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	आसिषीष्ट	आसिपीयास्ताम	आसिषीरन्	प्र०
	आसिषीष्ठाः	आसियास्थाम	आसिषीद्वम	म०
	आसिषीय	आसिषीवहि	आसिषीमहि	उ०

लृङ्	आसिष्ट	आसिषाताम्	आसिषत	प्र०
	आसिष्ठाः	आसिषाथाम्	आसिध्वम	म०
	आसिषि	आसिष्वहि	आसिष्महि	उ०
लृङ्	आसिष्यत	आसिष्येताम्	आसिष्यन्त	प्र०
	आसिष्यथाः	आसिष्येथाम्	आसिष्यध्वम्	म०
	आसिष्ये	आसिष्यावहि	आसिष्यामहि	उ०

1022. आङ्शसासु इच्छायाम् - रूपाणि आसवत्

1023. वस आच्छादने - अनिट् (सेट्) आत्मनेपदी

लट्	वस्ते	वसाते	वसते	प्र०
	वस्से	वसाथसे	वध्वे	म०
	वसे	वस्वहे	वस्महे	उ०
लिट्	ववसे	ववसाते	ववसिरे	प्र०
	ववसिषे	ववसाथाते	ववसिध्वे	म०
	ववसे	ववसिवहे	ववसिमहे	उ०
लुट्	वसिता	वसितारौ	वसितारः	प्र०
	वसितासे	वसितासाथे	वसिताद्वे	म०
	वसिताहे	वसिताष्वहे	वसिताष्महे	उ०
लृट्	वसिष्यते	वसिष्येते	वसिष्यन्ते	प्र०
	वसिष्यसे	वसिष्येथे	वसिष्यद्वे	म०
	वसिष्ये	वसिष्यावहे	वसिष्यामहे	उ०
लोट्	वस्ताम्	वसाताम्	वसन्ताम्	प्र०
	वस्सव	वसाथाम्	वध्वम्	म०
	वसै	वसावहै	वसामहि	उ०
लङ्	अवस्त	अवस्ताम्	अवस्यन्	प्र०
	अवस्थाः	अवसाथाम्	अवद्वम	म०
	अवसि	अवस्वहि	अवस्महि	उ०
विधि-लिङ्	वसीत	वसीयास्ताम्	वसिषीरन्	प्र०
	वसीथाः	वसीयास्थाम्	वसीध्वम्	म०
	वसीय	वसीवहि	वसीमहि	उ०

आशिष्-लिङ्	वसिषीष्ट	वसिषीयास्ताम	वसिषीरन्	प्र०
	वसिषीष्ठाः	वसिषीयास्थाम	वसिषीध्वम्	म०
	वसिषीय	वसिषीवहि	वसिषीमहि	उ०
लुङ्	अवसिष्ट	अवसिषाताम्	अवसिषत	प्र०
	अवसिष्ठाः	अवसिषाथाम्	अवसिध्वम	म०
	अवसिष्ट	अवसिष्वहि	अवसिष्महि	उ०
लृङ्	अवसिष्यत	अवसिष्येताम	अवसिष्यन्त	प्र०
	अवसिष्यथाः	अवसिष्येथाम	अवसिष्यध्वम	म०
	अवसिष्ये	अवसिष्यावहि	अवसिष्यामहि	उ०

1024. प्रायः स्वमेव-कसि गति शासनयोः

1025. षिसि चुम्बने

1026. णिजि शुद्धो

1027. शिजि अव्यक्ते शब्दे

1028. पिजि वर्णे

1929. वृजी वर्जने

1030. पृची सम्पर्चने

1031. षूङ् प्राणिगर्भविमोचने

1032. शीङ् स्वप्ने - अकर्मक (सेट्) आत्मनेपदी

लट्	शेते	शयाते	शेरते	प्र०
	शेषे	शयाथे	शेध्वे	म०
	शये	शेवहे	शेमहे	उ०
लिट्	शिश्ये	शिश्याते	शिशियरे	प्र०
	शिशियषे	शिश्याथे	शिशियध्वे-द्ध्वे	म०
	शिश्ये	शिशियवहे	शिशियमहे	उ०
लुट्	शयिता	शयितारौ	शयितारः	प्र०
	शयितासे	शयितासाथे	शयिताद्ध्वे	म०
	शयिताहे	शयिताष्वहे	शयिताष्महे	उ०
लृट्	शयिष्यते	शयिष्येते	शयिष्यन्ते	प्र०
	शयिष्यसे	शयिष्येथे	शयिष्यद्ध्वे	म०
	शयिष्ये	शयिष्यावहे	शयिष्यामहे	उ०
लोट्	शेताम्	शयाताम्	शेरताम्	प्र०
	शेष्व	शयाथाम्	शेध्वम्	म०
	शयै	शयावहै	शयामहै	उ०
लङ्	अशेत	अशेयाताम्	अशेरत	प्र०
	अशेथाः	अशेयाथाम्	अशेध्वम	म०
	अशयि	अशेवहि	अशेमहि	उ०

विधि-लिङ्	शयीत	शयीयास्ताम	शयीरन्	प्र०
	शयीथाः	शयीयास्थाम	शयीध्वम्	म०
	शयीय	शयीवहि	शयीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	शयिषीष्ट	शयिषीयास्ताम	शयिषीरन्	प्र०
	शयिषीष्ठाः	शयिषीयास्थाम	शयिषीध्वम्	म०
	शयिषीय	शयिषीवहि	शयिषीमहि	उ०
लुङ्	अशयिष्ट	अशयिषाताम्	अशयिषत	प्र०
	अशयिष्ठाः	अशयिषाथाम्	अशयिध्वंद्वम्	म०
	अशयिषि	अशयिष्वहि	अशयिष्वमहि	उ०
लृङ्	अशयिष्यत	अशयिष्येताम	अशयिष्यन्त	प्र०
	अशयिष्यथाः	अशयिष्येथाम	अशयिष्यध्वं	म०
	अशयिष्ये	अशयिष्यावहि	अशयिष्यामहि	उ०

अथ स्नौत्यन्ताः परस्मैपदिनः उणुस्तूभयपदी

1033. यु मिश्रणे अमिश्रणे च (मिलाना, पृथक् करना)

सकर्मक (अनिट्)

लट्	यौति	युतः	युवन्ति	प्र०
	यौषि	युथः	युथ	म०
	यौमि	युवः	युमः	उ०
लिट्	युयाव	युयुवतुः	युयुवुः	प्र०
	युवविथ	युयुवथुः	युयुव	म०
	युयाव-युयव	युयुवि	युयुविम	उ०
लुट्	यविता	यवितारौ	यवितारः	प्र०
	यवितासि	यवितास्थः	यवितास्थ	म०
	यवितास्मि	यवितास्वः	यवितास्मः	उ०
लृट्	यविष्यति	यविष्यतः	यविष्यन्ति	प्र०
	यविष्यसि	यविष्यथः	यविष्यथ	म०
	यविष्यामि	यविष्यावः	यविष्यामः	उ०
लोट्	यौतु-युतात्	युताम्	युवन्तु	प्र०
	युहि-युतात्	युतम्	युत	म०
	यवानि	यवाव	यवाम	उ०

लङ्	अयौत्	अयुताम्	अयुवन्	प्र०
	अयौः	अयुतम्	अयुत	म०
	अयुवम्	अयुव	अयुम	उ०
विधि-लिङ्	युयात्	युयाताम्	युयुः	प्र०
	युयाः	युयातम्	युयात	म०
	युयाम्	युयाव	युयाम	उ०
आशिष्-लिङ्	यूयात्	यूयास्ताम्	यूयासुः	प्र०
	यूयाः	यूयास्तम्	यूयास्त	म०
	यूयासम्	यूयास्व	यूयास्म	उ०
लुङ्	अयावीत्	अयाविष्टाम्	अयाविषुः	प्र०
	अयावीः	अयाविष्टम्	अयाविष्ट	म०
	अयाविषम्	अयाविष्व	अयाविष्व	उ०
लृङ्	अयविष्यत्	अयविष्यताम्	अयविष्यन्	प्र०
	अयविष्यः	अयविष्यतम्	अयविष्यत	म०
	अयविष्यम्	अयविष्याव	अयविष्याम	उ०

1034. टुक्षुशब्दे से०(अ०)परि० यौतीत्यादिवत् 1035. ण स्तुतौ से०स०पर० यौतिवत्

1036. क्षणु तेजने - से०(स०)पर०

1039. ऊर्णुञ् आच्छादने - से०(स०)उ०

लट् (पर०)	ऊर्णौति-ऊर्णौति	ऊर्णुतः	ऊर्णुवन्ति	प्र०
	ऊर्णौषि-ऊर्णौषि	ऊर्णुथः	ऊर्णुथ	म०
	ऊर्णौमि-ऊर्णौमि	ऊर्णुवः	ऊर्णुमः	उ०
(आ०)	ऊर्णुते	ऊर्णुवाते	ऊर्णुवते	प्र०
	ऊर्णुषे	ऊर्णुवाथे	ऊर्णुध्वे	म०
	ऊर्णुवे	ऊर्णुवहे	ऊर्णुमहे	उ०
लिट् (पर०)	ऊर्णुनाव	ऊर्णुनुवतुः	ऊर्णुनुवुः	प्र०
	ऊर्णुनुविथ	ऊर्णुनुवथुः	ऊर्णुनुव	म०
	ऊर्णुनाव-ऊर्णुनव	ऊर्णुनुवि	ऊर्णुविम	उ०
(आ०)	ऊर्णुनुवे	ऊर्णुनुवाते	ऊर्णुनुविरे	प्र०
	ऊर्णुनुविषे	ऊर्णुनुवाथे	ऊर्णुनुविध्वे	म०
	ऊर्णुनुवे	ऊर्णुनुविवहे	ऊर्णुनुविमहे	उ०

लृट् (पर०)	उर्णविता	उर्णवितारौ	उर्णवितारः	प्र०
	उर्णवितासि	ऊर्णवितास्थः	उर्णवितास्थ	म०
	उर्णवितास्मि	ऊर्णवितास्वः	उर्णवितास्मः	उ०
डित्व	उर्णुविता	उर्णुवितारौ	उर्णुवितारः	प्र०
	उर्णुवितासि	ऊर्णुवितास्थः	उर्णुवितास्थ	म०
	उर्णुवितास्मि	ऊर्णुवितास्थः	उर्णुवितास्मः	उ०
(आ०)	ऊर्णविता	ऊर्णवितारौ	ऊर्णवितारः	प्र०
	ऊर्णवितासे	उर्णवितासाथे	उर्णविताध्वे	म०
	ऊर्णविताहे	ऊर्णवितास्वहे	ऊर्णवितास्महे	उ०
डित्वे	ऊर्णुविता	ऊर्णुवितारौ	ऊर्णुवितारः	प्र०
	ऊर्णुवितासे	ऊर्णुवितासाथे	ऊर्णुविताध्वे	म०
	ऊर्णुविताहे	ऊर्णुवितास्वहे	ऊर्णुवितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	ऊर्णविष्यति	ऊर्णविष्यतः	ऊर्णविष्यन्ति	प्र०
	ऊर्णविष्यसि	ऊर्णविष्यथः	ऊर्णविष्यथ	म०
	ऊर्णविष्यास्मि	ऊर्णविष्यास्वः	ऊर्णविष्यामः	उ०
डित्वे	ऊर्णुविष्यति	ऊर्णुविष्यतः	ऊर्णुविष्यन्ति	प्र०
	ऊर्णुविष्यसि	ऊर्णुविष्यथः	ऊर्णुविष्यथ	म०
	ऊर्णुविष्यामि	ऊर्णुविष्यावः	ऊर्णुविष्यामः	उ०
(आ०)	ऊर्णविष्यते	ऊर्णविष्येते	ऊर्णविष्यन्ते	प्र०
	ऊर्णविष्यसे	ऊर्णविष्येथे	ऊर्णविष्यध्वे	म०
	ऊर्णविष्याप्ये	ऊर्णविष्यप्यावहे	ऊर्णविष्यामहे	उ०
डित्वे	ऊर्णुविष्यसे	ऊर्णुविष्येते	ऊर्णुविष्यन्ते	प्र०
	ऊर्णुविष्यसे	ऊर्णुविष्येथे	ऊर्णुविष्यध्वे	म०
	ऊर्णविष्ये	ऊर्णुविष्यावहे	ऊर्णुविष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	ऊर्णौतु-ऊर्णोतु	ऊर्णुताम्	ऊर्णुवन्तु	प्र०
	ऊर्णुतात्			
	ऊर्णुहि-ऊर्णुतात्	ऊर्णुतम्	ऊर्णुत	म०
(आ०)	ऊर्णवानि	ऊर्णवाव	ऊर्णवाम	उ०
	ऊर्णुताम्	ऊर्णुवाताम्	ऊर्णुवताम्	प्र०
	ऊर्णुष्व	ऊर्णुवाथाम्	ऊर्णुध्वम्	म०
	ऊर्णवै	ऊर्णवावहै	ऊर्णवामहै	उ०

लङ् (पर०)	और्णोत्	और्णुताम्	और्णुन्	प्र०
	और्णोः	और्णुतम्	और्णुत	म०
	और्णवम्	और्णुव	और्णुम	उ०
(आ०)	और्णुत	और्णुवाताम्	और्णुवत	प्र०
	और्णुथाः	और्णुवाथाम्	और्णुध्वम्	म०
	और्णुवि	और्णुवहि	और्णुमहि	उ०
विधि-लिङ्	ऊर्णुयात्	ऊर्णुयाताम्	ऊर्णुयुः	प्र०
(पर०)	ऊर्णुयाः	ऊर्णुयातम्	ऊर्णुयात	म०
	ऊर्णुयाम्	ऊर्णुयाव	ऊर्णुयाम	उ०
(आ०)	ऊर्णुवीत	ऊर्णुवीयाताम्	ऊर्णुवीरन्	प्र०
	ऊर्णुवीथाः	ऊर्णुवीयाथाम्	ऊर्णुवीध्वम्	म०
	ऊर्णुवीय	ऊर्णुवीवहि	ऊर्णुवीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	ऊर्णूयात्	ऊर्णूयास्ताम्	ऊर्णूयासुः	प्र०
	ऊर्णूयाः	ऊर्णूयास्तम्	ऊर्णूयास्त	म०
	ऊर्णूयासम्	ऊर्णूयास्व	ऊर्णूयास्म	उ०
(आ०)	ऊर्णुविषीष्ट	ऊर्णुविषीयास्ताम्	ऊर्णुविषीरन्	प्र०
	ऊर्णुविषीष्ठाः	ऊर्णुविषीयास्थाम्	ऊर्णुविषीध्वं-द्वम्	म०
	ऊर्णुविषीय	ऊर्णुविषीवहि	ऊर्णुविषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	और्णुवीत्	और्णुविष्टाम्	और्णुविषुः	प्र०
	और्णुवीः	और्णुविष्टम्	और्णुविष्ट	म०
	और्णुविषम्	और्णुविष्व	और्णुविष्व	उ०
(वृद्धौ)	और्णावीत्	और्णाविष्टाम्	और्णाविषुः	प्र०
	और्णावीः	और्णाविष्टम्	और्णाविष्ट	म०
	और्णाविषम्	और्णाविष्व	और्णाविष्व	उ०
(पक्षे गुणः)	और्णवीत्	और्णविष्टाम्	और्णविषुः	प्र०
	और्णवीः	और्णविष्टम्	और्णविष्ट	म०
	और्णविषम्	और्णविष्व	और्णविष्व	उ०
(आ०)	और्णविष्ट	और्णविषाताम्	और्णविषत	प्र०
	और्णविष्ठाः	और्णविषाथाम्	और्णविध्वं-द्वं	म०
	और्णविषि	और्णविष्वहि	और्णविष्वहि	उ०

(ङि त्वे)	और्णुविष्ट	और्णुविषाताम्	और्णुविषत	प्र०
	और्णुविष्टाः	और्णुविषाथाम्	और्णुविध्वं-द्वं	म०
	और्णुविषि	और्णुविष्वहि	और्णुविष्महि	उ०
लृङ्	और्णविष्यत्	और्णविष्यताम्	और्णविष्यन्	प्र०
	और्णविष्यः	और्णविष्यतम्	और्णविष्यत	म०
	और्णविष्यम्	और्णविष्याव	और्णविष्याम	उ०
(ङि त्वे)	और्णुविष्यत्	और्णुविष्यताम्	और्णुविष्यन्	प्र०
	और्णुविष्यः	और्णुविष्यतम्	और्णुविष्यत	म०
	और्णुविष्यम्	और्णुविष्याव	और्णुविष्याम	उ०
(आ०)	और्णविष्यत	और्णविष्येताम्	और्णुविष्यन्त	प्र०
	और्णविष्यथाः	और्णविष्येथाम्	और्णविष्यध्वम्	म०
	और्णविष्ये	और्णविष्यावहि	और्णविष्यामहि	उ०
(ङि त्वे)	और्णुविष्यत	और्णुविष्येताम्	और्णुविष्यन्त	प्र०
	और्णुविष्यथाः	और्णुविष्येथाम्	और्णुविष्यध्वम्	म०
	और्णुविष्ये	और्णुविष्यावहि	और्णुविष्यामहि	उ०

स्वमेव-

1040. द्यु अभिगमने

1041. धु प्रसवैश्वर्ययोः

1042. कु शब्दे

1043. स्तुञ् स्तुतौ (उभय०प०)

1044. ब्रुञ् व्यक्तायां वाचि द्विकर्मक (सेट्)

(वच्यादेशे अनिट्) परस्मैपदी एवं आत्मेपदी (उभ०प०)

लट् (पर०)	ब्रवीति	ब्रूतः	ब्रुवन्ति	प्र०
	ब्रवीषि	ब्रूथः	ब्रूथ	म०
	ब्रवीमि	ब्रूवः	ब्रूमः	उ०
	ब्रुवः पंचानामादित आहो ब्रुवः			
	आह	आहतुः	आहुः	प्र०
	आत्थ	आथुः	आहुः	म०
(आ०)	ब्रूते	ब्रुवाते	ब्रुवते	प्र०
	ब्रुषे	ब्रुवाथे	ब्रुध्वे	म०
	ब्रुवे	ब्रुवहे	ब्रुमहे	उ०
लिट् (पर०)	उवाच	ऊचतुः	ऊचुः	प्र०
	उवचिथ-उवक्थ	ऊचथुः	ऊच	म०
	उवाच-उवच	ऊचिव	ऊचिम	उ०

(आ०)	ऊचे	ऊचाते	ऊचिरे	प्र०
	ऊचिषे	ऊचाथे	ऊचिध्वे	म०
	ऊचे	ऊचिवहे	ऊचिमहे	उ०
लुट् (पर०)	वक्ता	वक्तारौ	वक्ताः	प्र०
	वक्तासि	वक्तास्थः	वक्तास्थ	म०
	वक्तास्मि	वक्तास्वः	वक्तास्मः	उ०
(आ०)	वक्ता	वक्तारौ	वक्ताः	प्र०
	वक्तासे	वक्तासाथे	वक्ताध्वे	म०
	वक्ताहे	वक्तास्वहे	वक्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	वक्ष्यति	वक्ष्यतः	वक्ष्यन्ति	प्र०
	वक्ष्यसि	वक्ष्यथः	वक्ष्यथ	म०
	वक्ष्यामि	वक्ष्यावः	वक्ष्यामः	उ०
(आ०)	वक्ष्यते	वक्ष्येते	वक्ष्यन्ते	प्र०
	वक्ष्यसे	वक्ष्येथे	वक्ष्यध्वे	म०
	वक्ष्ये	वक्ष्यावहे	वक्ष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	ब्रवीतु-ब्रूतात्	ब्रूताम्	ब्रूवन्तु	प्र०
	ब्रुहि-ब्रूतात्	ब्रूतम्	ब्रूत	म०
	ब्रवाणि	ब्रवाव	ब्रवाम	उ०
(आ०)	ब्रूताम्	ब्रूवाताम्	ब्रूवताम्	प्र०
	ब्रूष्व	ब्रूवाथाम्	ब्रूध्वम्	म०
	ब्रवे	ब्रवावहै	ब्रवामहै	उ०
लृङ् (पर०)	अब्रवीत्	अब्रूताम्	अब्रूवन्	प्र०
	अब्रवीः	अब्रूवतम्	अब्रूत	म०
	अब्रवम्	अब्रूव	अब्रूम	उ०
(आ०)	अब्रूत	अब्रूवाताम्	अब्रूवत	प्र०
	अब्रूथाः	अब्रूवाथाम्	अब्रूध्वम्	म०
	अब्रूवि	अब्रूवहि	अब्रूमहि	उ०
विधि-लिङ्	ब्रूयात्	ब्रूयाताम्	ब्रूयुः	प्र०
(पर०)	ब्रूयाः	ब्रूयातम्	ब्रूयात	म०
	ब्रूयाम्	ब्रूयाव	ब्रूयाम	उ०

(आ०)	ब्रुवीत	ब्रुवीयाताम्	ब्रुवीरन्	प्र०
	ब्रुवीथाः	ब्रुवीयाथाम्	ब्रुवीध्वम्	म०
	ब्रुवीय	ब्रुवीवहि	ब्रुवीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	उच्यात्	उच्यास्ताम्	उच्यासुः	प्र०
(पर०)	उच्याः	उच्यास्तम्	उच्यास्त	म०
	उच्यासम्	उच्यास्व	उच्यास्म	उ०
(आ०)	वक्षीष्ट	वक्षीयास्ताम्	वक्षीरन्	प्र०
	वक्षीष्ठाः	वक्षीयास्थाम्	वक्षीध्वम्	म०
	वक्षीय	वक्षीवहि	वक्षीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अवोचत्	अवोचताम्	अवोचन्	प्र०
	अवोचः	अवोचतम्	अवोचत	म०
	अवोचम्	अवोचाव	अवोचाम	उ०
(आ०)	अवोचत	अवोचेताम्	अवोचन्त	प्र०
	अवोचथाः	अवोचेथाम्	अवोचध्वम्	म०
	अवोचे	अवोचावहि	अवोचामहि	उ०
लृङ् (पर०)	अवक्ष्यत्	अवक्ष्यताम्	अवक्ष्यन्	प्र०
	अवक्ष्यः	अवक्ष्यतम्	अवक्ष्यत	म०
	अवक्ष्यम्	अवक्ष्याव	अवक्ष्याम	उ०
(आ०)	अवक्ष्यत	अवक्ष्येताम्	अवक्ष्यन्त	प्र०
	अवक्ष्यथाः	अवक्ष्येथाम्	अवक्ष्यध्वम्	म०
	अवक्ष्ये	अवक्ष्यावहि	अवक्ष्यामहि	उ०

अथ शात्यन्ताः परस्मैपदिनः

1045 इण् गतौ सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	एति	इतः	यन्ति	प्र०
	एषि	इथः	इथः	म०
	एमि	इवः	इमः	उ०
लिट्	इयाय	ईयतुः	ईयुः	प्र०
	इययिथ-इयेथ	ईयथुः	ईय	म०
	इयाय-इयय	ईयिन	ईयिम	उ०

लृट्	एता	एतारौ	एतारः	प्र०
	एतासि	एतास्थः	एतास्थ	म०
	एतास्मि	एतास्वः	एतास्वः	उ०
लृट्	एच्यति	एच्यतः	एच्यन्ति	प्र०
	एष्यसि	एष्यथः	एष्यथ	म०
	एष्यामि	एष्यावः	एष्यामः	उ०
लोट्	एतु-इतात्	इताम्	यन्तु	प्र०
	इहि-इतात्	इतम्	इत	म०
	अयानि	अयाम	अयाम	उ०
लङ्	ऐत्	ऐताम्	आयन्	प्र०
	ऐः	ऐतम्	ऐत	म०
	आयम्	ऐव	ऐम	उ०
विधि-लिङ्	इयात्	इयाताम्	इयुः	प्र०
	इयाः	इयातम्	इयात	म०
	इयाम्	इयाव	इयाम	उ०
आशिप-लिङ्	ईयात्	ईयास्ताम्	ईयासुः	प्र०
	ईयाः	ईयास्तम्	ईयास्त	म०
	ईयासम्	ईयास्व	ईयास्म	उ०
लुङ्	अगात्	अगाताम्	अगुः	प्र०
	अगाः	अगातम्	अगात	म०
	अगाम्	अगाव	अगाम	उ०
लृङ्	ऐष्यत्	ऐष्यताम्	ऐष्यन्	प्र०
	ऐष्यः	ऐष्यतम्	ऐष्यत	म०
	ऐष्यम्	ऐष्याव	ऐष्याम	उ०
1046. इङ् (इ) अध्ययने नित्यमधिपूर्वः सकर्मक				
लट्	अधीते	अधीयाते	अधीयते	प्र०
	अधीषे	अधीयाथे	अधीध्वे	म०
	अधीये	अधीवहे	अधीमहे	उ०
लिट्	अधिजगे	अधिजगाते	अधिजगिरे	प्र०
	अधिजगिषे	अधिजगाथे	अधिजगिध्वे	म०
	अधिजगे	अधिजगिवहे	अधिजगिमहे	उ०

लृट्	अध्येता	अध्येतारौ	अध्येतारः	प्र०
	अध्येतासे	अध्येतासाथे	अध्येताध्वे	म०
	अध्येताहे	अध्येतास्वहे	अध्येतास्महे	उ०
लृट्	अध्येष्यते	अध्येष्येते	अध्येष्यन्ते	प्र०
	अध्येष्यसे	अध्येष्येथे	अध्येष्यध्वे	म०
	अध्येष्ये	अध्येष्यावहे	अध्येष्यामहे	उ०
लोट्	अधीताम्	अधीयाताम्	अधीयताम्	प्र०
	अधीष्व	अधीयाथाम्	अधीध्वम्	म०
	अध्ययै	अध्ययावहै	अध्ययामहै	उ०
लङ्	अध्यैत	अध्यैयाताम्	अध्यैयत	प्र०
	अध्यैथाः	अध्यैयाथाम्	अध्यैध्वम्	म०
	अध्यैयि	अध्यैवहि	अध्यैमहि	उ०
विधि-लिङ्	अधीयीत	अधीयीयाताम्	अधीयीरन्	प्र०
	अधीयीथाः	अधीयीयाथाम्	अधीयीध्वम्	म०
	अधीयीय	अधीयीवहि	अधीयीमहि	उ०
अशिष-लिङ्	अध्येषीष्ट	अध्येषीयास्ताम्	अध्येषीरन्	प्र०
	अध्येषीष्ठाः	अध्येषीयास्थाम्	अध्येषीद्वम्	म०
	अध्येषीय	अध्येषीवहि	अध्येषीमहि	उ०
लुङ्	अध्यगीष्ट	अध्यगीषाताम्	अध्यगीषत	प्र०
	अध्यगीष्ठाः	अध्यगीषाथाम्	अध्यगीद्वम्	म०
	अध्यगीषि	अध्यगीष्वहि	अध्यगीष्महि	उ०
विभाषा लुङ् लृङोः इति विकल्पपक्षे-				
	अध्यैष्ट	अध्यैषाताम्	अध्यैषत	प्र०
	अध्यैष्ठाः	अध्यैषाथाम्	अध्यैद्वम्	म०
	अध्यैषि	अध्यैष्वहि	अध्यैष्महि	उ०
लृङ्	अध्यगीष्यत	अध्यगीष्येताम्	अध्यगीष्यन्त	प्र०
	अध्यगीष्यथाः	अध्यगीष्येथाम्	अध्यगीष्यध्वम्	म०
	अध्यगीष्ये	अध्यगीष्यावहि	अध्यगीष्यामहि	उ०
(पक्षे)	अध्यैष्यत	अध्यैष्येताम्	अध्यैष्यन्त	प्र०
	अध्यैष्यथाः	अध्यैष्येथाम्	अध्यैष्यध्वम्	म०
	अध्यैष्ये	अध्यैष्यावहि	अध्यैष्यामहि	उ०

1047. इक् स्मरणे अयमप्यधिपूर्वः सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	अध्येति	अधीतः	अधियन्ति-अधीयन्ति	प्र०
	अध्येषि	अधीथः	अधीथ	म०
	अध्येमि	अधीवः	अधीमः	उ०
लिट्	अधीयाय	अधीयतुः	अधीयुः	प्र०
	अधीयिथ-अधीयथ	अधीयथुः	अधीय	म०
	अधीयाय-अधीयय	अधीयिव	अधीयिम	उ०
लृट्	अध्येता	अध्यैतारौ	अध्येतारः	प्र०
	अध्येतासि	अध्येतास्थः	अध्येतास्थ	म०
	अध्येतास्मि	अध्येतास्वः	अध्येतास्म	उ०
लृट्	अध्येष्यति	अध्येष्यतः	अध्येष्यन्ति	प्र०
	अध्येष्यसि	अध्येष्यथः	अध्येष्यथ	म०
	अध्येष्यामि	अध्येष्यावः	अध्येष्यामः	उ०
लोट्	अध्येतु-तात्	अधीताम्	अधीयन्तु	प्र०
	अधीहि-तात्	अधीतम्	अधीत	म०
	अध्ययानि	अध्ययाव	अध्ययाम	उ०
लङ्	अध्यैत	अध्यैताम्	अध्यायन्	प्र०
	अध्यैः	अध्यैतम्	अध्यैत	म०
	अध्यायम्	अध्यैव	अध्यैम	उ०
विधि-लिट्	अधीयात्	अधीयाताम्	अधीयुः	प्र०
	अध्ये	अध्येतम्	अध्येत	म०
	अध्येयम्	अध्येयेव	अध्येयेम	उ०
आशिप्-लिट्	अधीयात्	अधीयास्ताम्	अधीयासुः	प्र०
	अधीयाः	अधीयास्तम्	अधीयास्त	म०
	अधीयासम्	अधीयास्व	अधीयास्म	उ०
लुङ्	अध्यगात्	अध्यगाताम्	अध्यगुः	प्र०
	अध्यगाः	अध्यगास्तम्	अध्यगास्त	म०
	अध्यगाम्	अध्यगाव	अध्यगाम	उ०
लृङ्	अध्येस्यत	अध्येष्यताम्	अध्सेष्यन्	प्र०
	अध्येष्यः	अध्येष्यतम्	अध्येष्यत	म०
	अध्येष्यम्	अध्येष्याव	अध्येष्याम	उ०

1048. वी गतिव्याप्तिप्रजनकान्त्यसनखादनेषु (प्रजनं गर्भग्रहणम्) (असनं क्षेपणं)
अनिट् (सकर्मक) परस्मैपदी

लट्	वेति	वीतः	वियन्ति	प्र०
	वेषि	वीथः	वीथ	म०
	वेमि	वीवः	वीमः	उ०
लिट्	विवाय	विव्यतुः	विव्युः	प्र०
	विवयिथ-विवेथ	विव्यथुः	विव्य	म०
	विवाय-विवय	विव्यिव	विव्यिम	उ०
लुट्	वेता	वेतारौ	वेतारः	प्र०
	वेतासि	वेतास्थः	वेतास्थ	म०
	वेतास्मि	वेतास्वः	वेतास्मः	उ०
लृट्	वेष्यति	वेष्यतः	वेष्यन्ति	प्र०
	वेष्यसि	वेष्यथः	वेष्यथ	म०
	वेष्यामि	वेष्यावः	वेष्यामः	उ०
लोट्	वेतु-तात्	वीताम्	वियन्तु	प्र०
	वीहि-तात्	वीतम्	वीत	म०
	वयानि	वयाव	वयाम	उ०
लङ्	अवेत्	अवीताम्	अवियन्-अव्ययन	प्र०
	अवेः	अवेतम्	अवेत	म०
	अवयम्	अवीव	अवीम	उ०
विधि-लिट्	वीयात्	वीयाताम्-ईयाताम्	वीयुः	प्र०
	वीयाः	वीयातम्	वीयात	म०
	वीयाम्	वीयाव	वीयाम	उ०
आशिष-लिट्	वीयात्	वीयास्ताम्-ईयास्ताम्	वीयासुः	प्र०
	वीयाः	वीयास्तम्	वीयास्त	म०
	वीयासम्	वीयास्व	वीयास्म	उ०
लुङ्	अवैषीत्	अवैष्टाम	अवैषुः	प्र०
	अवैषीः	अवैष्टम्	अवैष्ट	म०
	अवैषम्	अवैष्म	अवैष्म	उ०

लृङ्	अवेष्यत्	अवेष्यताम्	अवेष्यन्	प्र०
	अवेष्यः	अवेष्यतम्	अवेष्यत	म०
	अवेष्यम्	अवेष्याव	अवेष्याम	उ०

अत्र इकरसोऽपि धात्वन्तरं प्रश्लिष्यते। तत्र तु लङ्कारानुसारि क्रमशः एति, इयाय, एता, ऐश्यति, ऐतु, ऐत इत्यादि रूपाणि भविष्यन्ति

1049. या प्रापणे - सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	याति	यातः	यान्ति	प्र०
	यासि	याथः	याथ	म०
	यामि	यावः	यामः	उ०
लिट्	ययौ	ययतुः	ययुः	प्र०
	ययिथ-ययाथ	ययथुः	यय	म०
	ययौ	ययिव	ययिम	उ०
लुट्	याता	यातारौ	यातारः	प्र०
	यातासि	यातास्थः	यातास्थ	म०
	यातास्मि	यातास्वः	यातास्मः	उ०
लृट्	यास्यति	यास्यतः	यास्यन्ति	प्र०
	यास्यसि	यास्यथः	यास्यथ	म०
	यास्यामि	यास्यावः	यास्यामः	उ०
लोट्	यातु-यातात्	याताम्	यान्तु	प्र०
	याहि-यातात्	यातम्	यात	म०
	यानि	याव	याम	उ०
लङ्	अयात्	अयाताम्	अयुः-अयान्	प्र०
	अयाः	अयातम्	अयात	म०
	अयाम्	अयाव	अयाम	उ०
विधि-लिट्	यायात्	यायाताम्	यायुः	प्र०
	यायाः	यायातम्	यायात	म०
	यायाम्	यायाव	यायाम	उ०
अशिष-लिट्	यायात्	यायास्ताम्	यायासुः	प्र०
	यायाः	यायास्तम्	यायास्त	म०
	यायासम्	यायास्व	यायास्म	उ०

लृङ्	अयासीत्	अयासिष्टाम्	अयासिषुः	प्र०
	अयासीः	अयासिष्टम्	अयासिष्ट	म०
	अयासिषम्	अयासिष्व	अयासिष्व	उ०
लृङ्	अयास्यत्	अयास्यताम्	अयास्यन्	प्र०
	अयास्यः	अयास्यतम्	अयास्यत	म०
	अयास्यम्	अयास्याव	अयास्याम	उ०
1050. वा गतिगन्धनयोः सकर्मक (अकर्मक) (अनिट्) परस्मैपदी				
लट्	वाति	वातः	वान्ति	प्र०
	वासि	वाथः	वाथ	म०
	वामि	वावः	वामः	उ०
लिट्	ववौ	ववतुः	ववुः	प्र०
	वविथ-ववाथ	ववथुः	वव	म०
	ववौ	वविव	वविम	उ०
लुट्	वाता	वातारौ	वातरः	प्र०
	वातासि	वातास्थः	वातास्थ	म०
	वातास्मि	वातास्वः	वातास्मः	उ०
लृट्	वास्यति	वास्यतः	वास्यन्ति	प्र०
	वास्यसि	वास्यथः	वास्यथ	म०
	वास्यामि	वास्यावः	वास्यामः	उ०
लोट्	वातु-वातात्	वाताम्	वान्तु	प्र०
	वाहि-वातात्	वातम्	वात	म०
	वानि	वाव	वाम	उ०
लङ्	अवात्	अवाताम्	अवुःअवान्	प्र०
	अवाः	अवातम्	अवात	म०
	अवाम्	अवाव	अवाम	उ०
विधि-लिट्	वायात्	वायाताम्	वायुः	प्र०
	वायाः	वायातम्	वायात	म०
	वायाम्	वायाव	वायाम	उ०
आशिष्-लिट्	वायात्	वायास्ताम्	वायासुः	प्र०
	वायाः	वायास्तम्	वायास्त	म०
	वायासम्	वायास्व	वायास्म	उ०

लुङ्	आवासीत्	अवासिष्टाम्	अवासिषुः	प्र०
	आवासीः	अवासिष्टम्	अवासिष्ट	म०
	अवासिषम्	अवासिष्व	अवासिष्व	उ०
लृङ्	अवास्यत्	अवास्यताम्	अवास्यन्	प्र०
	अवास्यः	अवास्यतम्	अवास्यत	म०
	अवास्यम्	अवास्याव	अवास्याम	उ०

1051. भा दीप्तौ - अकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	भाति	भातः	भान्ति	प्र०
	भासि	भाथः	भाथ	म०
	भामि	भावः	भामः	उ०
लिट्	वभौ	वभतुः	वभुः	प्र०
	वभिथ-वभाथ	वभथुः	वभ	म०
	वभौ	वभिव	वभिम	उ०
लुट्	भाता	भातारौ	भातरः	प्र०
	भातासि	भातास्थः	भातास्थ	म०
	भातास्मि	भातास्वः	भातास्मः	उ०
लृट्	भास्यति	भास्यतः	भास्यन्ति	प्र०
	भास्यसि	भास्यथः	भास्यथ	म०
	भास्यामि	भास्यावः	भास्यामः	उ०
लोट्	भातु-भातात्	भाताम्	भान्तु	प्र०
	भाहि-भातात्	भातम्	भात	म०
	भामि	भाव	भाव	उ०
लङ्	अभात्	अभाताम्	अभुः-अभान्	प्र०
	अभाः	अभातम्	अभाव	म०
	अभाम्	अभाव	अभाम	उ०
विधि-लिट्	भायात्	भायाताम्	भायुः	प्र०
	भायाः	भायातम्	भायात	म०
	भायाम्	भायाव	भायाम	उ०
आशिष्-लिट्	भायात्	भायास्ताम्	भायासुः	प्र०
	भायाः	भायास्तम्	भायास्त	म०
	भायासम्	भायास्व	भायास्म	उ०

लुङ्	अभासीत्	अभासिष्टाम्	अभासिषुः	प्र०
	अभासीः	अभासिष्टम्	अभासिष्ट	म०
	अभासिषम्	अभासिष्व	अभासिष्म	उ०
लृङ्	अभास्यत्	अभास्यताम्	अभास्यन्	प्र०
	अभास्यः	अभास्यतम्	अभास्यत	म०
	अभास्यम्	अभास्याव	अभास्याम	उ०

1052. ण्णा शौचे - अकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	स्नाति	स्नातः	स्नान्ति	प्र०
	स्नासि	स्नाथः	स्नाथ	म०
	स्नामि	स्नावः	स्नामः	उ०
लिट्	सस्नौ	सस्नतुः	सस्नुः	प्र०
	सस्निथ-सस्नाथ	सस्नथुः	सस्न	म०
	सस्नौ	सस्निव	सस्निम	उ०
लुट्	स्नाता	स्नातारौ	स्नातारः	प्र०
	स्नातासि	स्नातास्थः	स्नातास्थ	म०
	स्नातास्मि	स्नातास्वः	स्नातास्मः	उ०
लृट्	स्नास्यति	स्नास्यतः	स्नास्यन्ति	प्र०
	स्नास्यसि	स्नास्यथः	स्नास्यथ	म०
	स्नास्यामि	स्नास्यावः	स्नास्यामः	उ०
लोट्	स्नातु-स्नातात्	स्नाताम्	स्नान्तु	प्र०
	स्नाहि-स्नातात्	स्नातम्	स्नात	म०
	स्नानि	स्नाव	स्नाम	उ०
लङ्	अस्नात्	अस्नाताम्	अस्नुः-अस्नात्	प्र०
	अस्नाः	अस्नातम्	अस्नात	म०
	अस्नाम्	अस्नाव	अस्नाम	उ०
विधि-लिट्	स्नायात्	स्नायाताम्	स्नायुः	प्र०
	स्नायाः	स्नायातम्	स्नायात	म०
	स्नायाम्	स्नायाव	स्नायाम	उ०
आशिष-लिट्	स्नेयात्	स्नेयास्ताम्	स्नेयासुः	प्र०
	स्नेयाः	स्नेयास्तम्	स्नेयास्त	म०
	स्नेयासम्	स्नेयास्व	स्नेयास्म	उ०

वान्यस्य संयोगादेः इति एत्वं विकल्पपक्षे

	स्नायात्	स्नायास्ताम्	स्नायासुः	प्र०
	स्नायाः	स्नायास्तम्	स्नायास्त	म०
	स्नायासम्	स्नायास्व	स्नायास्म	उ०
लुङ्	अस्नासीत्	अस्नासिष्ठम्	अस्नासिषुः	प्र०
	अस्नासीः	अस्नासिष्टम्	अस्नासिष्ट	म०
	अस्नासिषम्	अस्नासिष्व	अस्नासिष्व	उ०
लृङ्	अस्नास्यत्	अस्नास्यताम्	अस्नास्यन्	प्र०
	अस्नास्यः	अस्नास्यतम्	अस्नास्यत	म०
	अस्नास्यम्	अस्नास्याव	अस्नास्याम	उ०

1053. श्रा पाके - सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	श्राति	श्रातः	श्रान्ति	प्र०
	श्रासि	श्राथः	श्राथ	म०
	श्रामि	श्रावः	श्रामः	उ०
लिट्	शश्रौ	शश्रुतुः	शश्रुः	प्र०
	शश्रिथ-शश्राथ	शश्रुथुः	शश्र	म०
	शश्रौ	शश्रिव	शश्रिम	उ०
लुट्	श्राता	श्रातारौ	श्रातारः	प्र०
	श्रातासि	श्रातास्थः	श्रातास्थ	म०
	श्रातास्मि	श्रातास्वः	श्रातास्मः	उ०
लृट्	श्रास्यति	श्रास्यतः	श्रास्यन्ति	प्र०
	श्रास्यसि	श्रास्यथः	श्रास्यथ	म०
	श्रास्यामि	श्रास्यावः	श्रास्यामः	उ०
लोट्	श्रातु-श्रातात्	श्राताम्	श्रान्तु	प्र०
	श्राहि-श्रातात्	श्रातम्	श्रात	म०
	श्राणि	श्राव	श्राम	उ०
लङ्	अश्रात्	अश्राताम्	अश्रुः-अश्रान्	प्र०
	अश्राः	अश्रातम्	अश्रात	म०
	अश्राम्	अश्राव	अश्राम	उ०

विधि-लिङ्	श्रायात्	श्रायाताम्	श्रायुः	प्र०
	श्रायाः	श्रायातम्	श्रायात	म०
	श्रायाम्	श्रायाव	श्रायाम	उ०
आशिष्-लिङ्	श्रायात्	श्रायास्ताम्	श्रायासुः	प्र०
	श्रायाः	श्रायास्तम्	श्रायास्त	म०
	श्रायासम्	श्रायास्व	श्रायास्म	उ०
(एत्वपक्षे)	श्रेयात्	श्रेयास्ताम्	श्रेयासुः	प्र०
	श्रेयाः	श्रेयास्तम्	श्रेयास्त	म०
	श्रेयासम्	श्रेयास्व	श्रेयास्म	उ०
लृङ्	अश्रासीत्	अश्रासिष्टाम्	अश्रासिषुः	प्र०
	अश्रासीः	अश्रासिष्टम्	अश्रासिष्ट	म०
	अश्रासिषम्	अश्रासिष्व	अश्रासिष्म	उ०
लृङ्	अश्रास्यत्	अश्रास्यताम्	अश्रास्यन्	प्र०
	अश्रास्यः	अश्रास्यतम्	अश्रास्यत	म०
	अश्रास्यम्	अश्रास्याव	अश्रास्याम	उ०

1054. द्रा कुत्सायां गतौ - अकर्मक (अनिट्)

लट्	द्राति	द्रातः	द्रान्ति	प्र०
	द्रासि	द्राथः	द्राथ	म०
	द्रामि	द्रावः	द्रामः	उ०
लिट्	दद्रौ	दद्रतुः	दद्भुः	प्र०
	दद्रिथ-दद्राथ	दद्रथुः	दद्र	म०
	दद्रौ	दद्रिव	दद्रिम	उ०
लृट्	द्राता	द्रातारौ	द्रातारः	प्र०
	द्रातासि	द्रातास्थः	द्रातास्थ	म०
	द्रातास्मि	द्रातास्वः	द्रातास्मः	उ०
लृट्	द्रास्यति	द्रास्यतः	द्रास्यन्ति	प्र०
	द्रास्यसि	द्रास्यतः	द्रास्यथ	म०
	द्रास्यामि	द्रास्यावः	द्रास्यामः	उ०
लोट्	द्रातु-द्रातात्	द्राताम	द्रान्तु	प्र०
	द्राहि-द्रातात्	द्रातम्	द्रात	म०
	द्राणि	द्राव	द्राम	उ०

लङ्	अद्रात्	अद्राताम्	अद्रुः-अद्रान्	प्र०
	अद्राः	अद्रातम्	अद्रात	म०
	आद्रम	अद्राव	अद्राम	उ०
विधि-लिङ्	द्रायात्	द्रायाताम्	द्रायुः	प्र०
	द्रायाः	द्रायातम्	द्रायात	म०
	द्रायाम्	द्रायाव	द्रायाम	उ०
आशिष्-लिङ्	द्रायात्	द्रायास्ताम्	द्रायासुः	प्र०
	द्रायाः	द्रायास्तम्	द्रायास्त	म०
	द्रायासम्	द्रायास्व	द्रायास्म	उ०
(एत्थे)	द्रेयात्	द्रेयास्ताम्	द्रेयासुः	प्र०
	द्रेयाः	द्रेयास्तम्	द्रेयास्त	म०
	द्रेयासम्	द्रेयास्व	द्रेयास्म	उ०
लृङ्	अद्रासीत्	अद्रासिष्टाम्	अद्रासिषुः	प्र०
	अद्रासीः	अद्रासिष्टम्	अद्रासिष्ट	म०
	अद्रासिषम्	अद्रासिष्व	अद्रासिष्व	उ०
लृङ्	अद्रास्यत्	अद्रास्यताम्	अद्रास्यन्	प्र०
	अद्रास्यः	अद्रास्यतम्	अद्रास्यत	म०
	अद्रास्यम्	अद्रास्याव	अद्रास्याम	उ०

1055. प्सा भक्षणे - सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	प्साति	प्सातः	प्सन्ति	प्र०
	प्सासि	प्साथः	प्साथ	म०
	प्सामि	प्सावः	प्सामः	उ०
लिट्	पप्सौ	पप्सतुः	पप्सुः	प्र०
	पप्सिथ-पप्साथ	पप्सथुः	पप्स	म०
	पप्सौ	पप्सिव	पप्सिम	उ०
लुट्	प्साता	प्सातारौ	प्सातारः	प्र०
	प्सातासि	प्सातास्थः	प्सातास्थ	म०
	प्सातास्मि	प्सातास्वः	प्सातास्मः	उ०
लृट्	प्सास्यति	प्सास्यतः	प्सास्यन्ति	प्र०
	प्सास्यसि	प्सास्यथः	प्सास्यथ	म०
	प्सास्यामि	प्सास्यावः	प्सास्यामः	उ०

लोट्	प्सातु-प्सातात्	प्साताम्	प्सान्तु	प्र०
	प्साहि-प्सातात्	प्सातम्	प्सात	म०
	प्सानि	प्सावं	प्साम	उ०
लृट्	अप्सात्	अप्साताम्	अप्सुः-अप्सान्	प्र०
	अप्साः	अप्सातम्	अप्सात	म०
	अप्साम्	अप्साव	अप्साम	उ०
विधि-लिङ्	प्सायात्	प्सायाताम्	प्सायुः	प्र०
	प्सायाः	प्सायातम्	प्सायात	म०
	प्सायाम्	प्सायाव	प्सायाम	उ०
आशिष्-लिङ्	प्सायात्	प्सायास्ताम्	प्सायासुः	प्र०
	प्सायाः	प्सायास्तम्	प्सायास्त	म०
	प्सायासम्	प्सायास्व	प्सायास्म	उ०
(एत्वे)	प्सेयात्	प्सेयास्ताम्	प्सेयासुः	प्र०
	प्सेयाः	प्सेयास्तम्	प्सेयास्त	म०
	प्सेयासम्	प्सेयास्व	प्सेयास्म	उ०
लुङ्	अप्सासीत्	अप्सासिष्टाम्	अप्सासिषुः	प्र०
	अप्सासीः	अप्सासिष्टम्	अप्सासिष्ट	म०
	अप्सासिषम्	अप्सासिष्व	अप्सासिष्व	उ०
लृङ्	अप्सास्यत्	अप्सास्यताम्	अप्सास्यन्	प्र०
	अप्सास्यः	अप्सास्यतम्	अप्सास्यत	म०
	अप्सास्यम्	अप्सास्याव	अप्सास्याम	उ०

1056. पा रक्षणे - अकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	पाति	पातः	पान्ति	प्र०
	पासि	पाथः	पाथ	म०
	पामि	पावः	पामः	उ०
लिट्	पपौ	पपतुः	पपुः	प्र०
	पपिथ-पपाथ	पपथुः	पप	म०
	पपौ	पपिव	पपिम	उ०
लुट्	पाता	पातारौ	पातारः	प्र०
	पातासि	पातास्थः	पातास्थ	म०
	पातास्मि	पातास्वः	पातास्मः	उ०

लृट्	पास्यति	पास्यतः	पास्यन्ति	प्र०
	पास्यसि	पास्यथः	पास्यथ	म०
	पास्यामि	पास्यावः	पास्यामः	उ०
लोट्	पातु-पातात्	पाताम्	पान्तु	प्र०
	पाहि-पातात्	पातम्	पात	म०
	पानि	पाव	पाम	उ०
लङ्	अपात्	अपाताम्	अपुः-अपान्	प्र०
	अपाः	अपातम्	अपात	म०
	अपाम्	अपाव	अपाम	उ०
विधि-लिट्	पायात्	पायाताम्	पायुः	प्र०
	पायाः	पायातम्	पायात	म०
	पायाम्	पायाव	पायाम	उ०
आशिप्-लिट्	पायात्	पायास्ताम्	पायासुः	प्र०
	पायाः	पायास्तम्	पायास्त	म०
	पायासम्	पायास्व	पायास्म	उ०
लङ्	अपासीत्	अपासिष्टाम्	अपासिषुः	प्र०
	अपासीः	अपासिष्टम्	अपासिष्ट	म०
	अपासिषम्	अपासिष्व	अपासिष्म	उ०
लृङ्	अपास्यत्	अपास्यताम्	अपास्यन्	प्र०
	अपास्यः	अपास्यतम्	अपास्यत	म०
	अपास्यम्	अपास्याव	अपास्याम	उ०
1057. रा दाने - अकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी				
लट्	राति	रातः	रान्ति	प्र०
	रासि	राथः	राथ	म०
	रामि	रावः	रामः	उ०
लिट्	ररौ	ररतुः	ररूः	प्र०
	ररिथ-रराथ	ररथुः	रर	म०
	ररौ	ररिव	ररिम	उ०
लुट्	राता	रातारौ	रातारः	प्र०
	रातासि	रातास्थः	रातास्थ	म०
	रातास्मि	रातास्वः	रातास्मः	उ०

लृट्	रास्यति	रास्यतः	रास्यन्ति	प्र०
	रास्यसि	रास्यथः	रास्यथ	म०
	रास्यामि	रास्यावः	रास्यामः	उ०
लोट्	रातु-रातात्	राताम्	रान्तु	प्र०
	राहि-रातात्	रातम्	रात	म०
	राणि	राव	राम	उ०
लङ्	अरात्	अराताम्	अरुः-अरान्	प्र०
	अराः	अरातम्	अरात	म०
	अराम्	अराव	अराम	उ०
विधि-लिङ्	रायात्	रायाताम्	रायुः	प्र०
	रायाः	रायातम्	रायात	म०
	रायाम्	रायाव	रायाम	उ०
आशिष्-लिङ्	रायात्	रायास्ताम्	रायासुः	प्र०
	रायाः	रायास्तम्	रायास्त	म०
	रायासम्	रायास्व	रायास्म	उ०
लुङ्	अरासीत्	अरासिष्टाम्	अरासिषुः	प्र०
	अरासीः	अरासिष्टम्	अरासिष्ट	म०
	अरासिषम्	अरासिष्व	अरासिष्व	उ०
लृङ्	अरास्यत्	अरास्यताम्	अरास्यन्	प्र०
	अरास्यः	अरास्यतम्	अरास्यत	म०
	अरास्यम्	अरास्याव	अरास्याम	उ०

1058. ला आदाने - सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	लाति	लातः	लान्ति	प्र०
	लासि	लाथः	लाथ	म०
	लामि	लावः	लामः	उ०
लिट्	ललौ	ललतुः	ललुः	प्र०
	ललिथ-ललाथ	ललथुः	लल	म०
	ललौ	ललिवः	ललिमः	उ०
लुट्	लाता	लातारौ	लातारः	प्र०
	लातासि	लातास्थः	लातास्थ	म०
	लातास्मि	लातास्वः	लातास्मः	उ०

लृट्	लास्यति	लास्यतः	लास्यन्ति	प्र०
	लास्यसि	लास्यथः	लास्यथ	म०
	लास्यामि	लास्यावः	लास्यामः	उ०
लोट्	लातु-लातात्	लाताम्	लान्तु	प्र०
	लाहि-लातात्	लातम्	लात	म०
	लानि	लाव	लाम	उ०
लङ्	अलात्	अलाताम्	अलुः-अलान्	प्र०
	अलाः	अलातम्	अलात	म०
	अलाम्	अलाव	अलाम	उ०
विधि-लिङ्	लायात्	लायाताम्	लायुः	प्र०
	लायाः	लायातम्	लायात	म०
	लायाम्	लायाव	लायाम	उ०
आशिष्-लिङ्	लायात्	लायास्ताम्	लायासुः	प्र०
	लायाः	लायास्तम्	लायास्त	म०
	लायासम्	लायास्व	लायास्म	उ०
लुङ्	अलासीत्	अलासिष्टाम्	अलासिषुः	प्र०
	अलासीः	अलासिष्टम्	अअलासिष्ट	म०
	अलासिषम्	अलासिष्व	अलासिष्म	उ०
लृङ्	अलास्यत्	अलास्यताम्	अलास्यन्	प्र०
	अलास्यः	अलास्यतम्	अलास्यत	म०
	अलास्यम्	अलास्याव	अलास्याम	उ०

1059. दाप् लवने - सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	दाति	दातः	दान्ति	प्र०
	दासि	दाथः	दाथ	म०
	दामि	दावः	दामः	उ०
लिट्	ददौ	ददतुः	ददुः	प्र०
	ददिथ-ददाथ	ददथुः	दद	म०
	ददौ	ददिव	ददिम	उ०
लुट्	दाता	दातारौ	दातारः	प्र०
	दातासि	दातास्थः	दातास्थ	म०
	दातास्मि	दातास्वः	दातास्मः	उ०

लृट्	दास्यति	दास्यतः	दास्यन्ति	प्र०
	दास्यसि	दास्यथः	दास्यथ	म०
	दास्यामि	दास्यांवः	दास्यामः	उ०
लोट्	दातु-दातात्	दाताम्	दान्तु	प्र०
	दाहि-दातात्	दातम्	दात	म०
	दानि	दाव	दाम	उ०
लङ्	अदात्	अदाताम्	अदुः-अदान्	प्र०
	अदाः	अदातम्	अदात	म०
	अदाम्	अदाव	अदाम	उ०
विधि-लिङ्	दायात्	दायाताम्	दायुः	प्र०
	दायाः	दायातम्	दायात	म०
	दायाम्	दायाव	दायाम	उ०
आशिष्-लिङ्	दायात्	दायास्ताम्	दायासुः	प्र०
	दायाः	दायास्तम्	दायास्त	म०
	दायासम्	दायास्व	दायास्म	उ०
लुङ्	अदासीत्	अदासिष्टम्	अदासिषुः	प्र०
	अदासीः	अदासिष्टम्	अदासिष्ट	म०
	अदासिषम्	अदासिष्व	अदासिष्व	उ०
लृङ्	अदास्यत्	अदास्यताम्	अदास्यन्	प्र०
	अदास्यः	अदास्यतम्	अदास्यत	म०
	अदास्यम्	अदास्याव	अदास्याम	उ०

1060. ख्या प्रकथने - सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	ख्याति	ख्यातः	ख्यान्ति	प्र०
	ख्यासि	ख्याथः	ख्याथ	म०
	ख्यामि	ख्यावः	ख्यामः	उ०
लिट्	चख्यौ	चख्यतुः	चख्युः	प्र०
	चख्यिथ-चख्याथ	चख्यथुः	चख्य	म०
	चख्यौ	चख्यिव	चख्यिम	उ०
लुट्	ख्याता	ख्यातारौ	ख्यातारः	प्र०
	ख्यातासि	ख्यातास्थः	ख्यातास्थ	म०
	ख्यातास्मि	ख्यातास्वः	ख्यातास्मः	उ०

लुट्	ख्यास्यति	ख्यास्यतः	ख्यास्यन्ति	प्र०
	ख्यास्यसि	ख्यास्यथः	ख्यास्यथ	म०
	ख्यास्यामि	ख्यास्यावः	ख्यास्यामः	उ०
लोट्	ख्यातु-तात्	ख्याताम्	ख्यान्तु	प्र०
	ख्याहि-तात्	ख्यातम्	ख्यात	म०
	ख्यानि	ख्याव	ख्याम	उ०
लङ्	अख्यात्	अख्याताम्	अख्युः-अख्यान्	प्र०
	अख्याः	अख्यातम्	अख्यात	म०
	अख्याम्	अख्याव	अख्याम	उ०
विधि-लिङ्	ख्यायात्	ख्यायाताम्	ख्यायुः	प्र०
	ख्यायाः	ख्यायातम्	ख्यायात	म०
	ख्यायाम्	ख्यायाव	ख्यायाम	उ०
आशिष्-लिङ्	ख्यायात्	ख्यायास्ताम्	ख्यायासुः	प्र०
	ख्यायाः	ख्यायास्तम्	ख्यायास्त	म०
	ख्यायासम्	ख्यायास्व	ख्यायास्म	उ०
लुङ्	अख्यत	अख्याताम्	अख्यन्	प्र०
	अख्यः	अख्यतम्	अख्यत	म०
	अख्यम्	अख्याव	अख्याम	उ०
लृङ्	अख्यास्यत्	अख्यास्यताम्	अख्यास्यन्	प्र०
	अख्यास्यः	अख्यास्तम्	अख्यास्यत	म०
	अख्यास्यम्	अख्यास्यावः	अख्यास्याम	उ०

अत्रेदं बोध्यम् - अयं सार्वधातुकमात्रविषयः संस्थानत्वं नमः ख्यात्रे इति वार्तिकं तद्भाष्यं चेऽलिङ्गाम्। संस्थानां जिह्वामूलीयः। स नेति ख्या देशस्य ख्यादित्वे प्रयोजनमित्यर्थः।

1061. प्रा पूरणे

1062. मा माने - मानमिहान्तभावः अकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी रूपाणि पूर्ववत्।

1063. वच परिभाषणे - द्विकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	वक्ति	वक्त	वचन्ति-अन्ति	प्र०
			प्रयोगो नास्ति	
	वक्षि	वक्थः	वक्थ	म०
	वच्मि	वच्चः	वच्मः	उ०

लिट्	उवाच	ऊचतुः	ऊचुः	प्र०
	उवक्थ-उवचिथ	ऊचथुः	ऊच	म०
	उवाच-उवच	ऊचिव	ऊचिम	उ०
लुट्	वक्ता	वक्तारौ	वक्तारः	प्र०
	वक्तासि	वक्तास्थः	वक्तास्थ	म०
	वक्तास्मि	वक्तास्वः	वक्तास्मः	उ०
लृट्	वक्ष्यति	वक्ष्यतः	वक्ष्यन्ति	प्र०
	वक्ष्यसि	वक्ष्यथः	वक्ष्यथ	म०
	वक्ष्यामि	वक्ष्यावः	वक्ष्यामः	उ०
लोट्	वक्तु-तात्	वक्ताम्	वचन्तु	प्र०
	वग्धि	वचतम्	वचत	म०
	वचानि	वचाव	वचाम	उ०
लङ्	अवक्-ग्	अवक्ताम्	अवचन्	प्र०
	अवक्-ग	अवक्तम्	अवक्त	म०
	अवचम्	अवचव	अवचम	उ०
विधि-लिङ्	वच्यात्	वच्याताम्	वच्युः	प्र०
	वच्याः	वच्यातम्	वच्यात	म०
	वच्याम	वच्याव	वच्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	उच्यात्	उच्यास्ताम्	उच्यासुः	प्र०
	उच्याः	उच्यास्तम्	उच्यास्त	म०
	उच्यासम्	उच्यास्व	उच्यास्म	उ०
लुङ्	अवोचत्	अवोचताम्	अवोचन्	प्र०
	अवोचः	अवोचतम्	अवोचत	म०
	अवोचम्	अवोचाव	अवोचाम	उ०
लृङ्	अवक्ष्यत्	अवक्ष्यताम्	अवक्ष्यन्	प्र०
	अवक्ष्यः	अवक्ष्यतम्	अवक्ष्यत	म०
	अवक्ष्यम्	अवक्ष्याव	अवक्ष्याम	उ०

1064. विद ज्ञाने - सकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लिट्	वेद	विदतुः	वेदुः	प्र०
	वेत्थ	विदथुः	विद	म०
	वेद	विद्व	विद्वम	उ०

विदो लटो वा - इति णलो भावपक्षे -

	वेत्ति	वित्तः	विदन्ति	प्र०
	वेत्सि	वित्थः	वित्थ	म०
	वेद्मि	विद्धः	विद्मः	उ०
लिट्	विदाञ्चकार	विदाञ्चक्रतुः	विदाञ्चक्रुः	प्र०
	विदाञ्चकर्त्तुः	विदाञ्चक्रथुः	विदाञ्चक्र	म०
	विदाञ्चकार-	विदाञ्चकृव	विदाञ्चकृम	उ०
	विदाञ्चकर			
पक्षे	विवेद	विविदतुः	विविदुः	प्र०
	विवेदिथ	विविदथुः	विविद	म०
	विवेद	विविदिव	विविदिम	उ०

स्वमेव - विदाम्बभूव, विदामास इत्यादि

लुट्	वेदिता	वेदितारौ	वेदितारः	प्र०
	वेदितासि	वेदितास्थः	वेदितास्थ	म०
	वेदितास्मि	वेदितास्वः	वेदितास्मः	उ०
लृट्	वेदिष्यति	वेदिष्यतः	वेदिष्यन्ति	प्र०
	वेदिष्यसि	वेदिष्यथः	वेदिष्यथ	म०
	वेदिष्यामि	वेदिष्यावः	वेदिष्यामः	उ०
लोट्	विदाङ् करोतु	विदाङ् कुरुताम्	विदाङ् कुर्वन्तु	प्र०
	विदाङ् कुरुतात्			
	विदाङ् कुर-तात्	विदाङ् कुरुतम्	विदाङ् कुरुत	म०
	विदाङ् करवाणि	विदाङ् करवाव	विदाङ् करवाम	उ०
पक्षे	वेत्तु-वित्तात्	वित्ताम्	विदन्तु	प्र०
	विदिध-तात्	वित्तम्	वित्त	म०
	वेदानि	वेदाव	वेदाम	उ०
लङ्	अवेत्	अवित्ताम्	अविदुः	प्र०
	अवेः-अवेत्	अवित्तम्	अवित्त	म०
	अवेदम्	अविद्व	अविद्वम	उ०
विधि-लिट्	विद्यात्	विद्याताम्	विद्युः	प्र०
	विद्याः	विद्यातम्	विद्यात	म०
	विद्याम्	विद्याव	विद्याम	उ०

आशिप्-लिङ्	विद्यात्	विद्यास्ताम्	विद्यासुः	प्र०
	विद्याः	विद्यास्तम्	विद्यास्त	म०
	विद्यासम्	विद्यास्व	विद्यास्म	उ०
लुङ्	अवेदीत्	अवेदिष्टाम्	अवेदिषुः	प्र०
	अवेदीः	अवेदिष्टम्	अवेदिष्ट	म०
	अवेदिषम्	अवेदिष्व	अवेदिष्व	उ०
लृङ्	अवेदिष्यत्	अवेदिष्यताम्	अवेदिष्यन्	प्र०
	अवेदिष्यः	अवेदिष्यतम्	अवेदिष्यत	म०
	अवेदिष्यम्	अवेदिष्याव	अवेदिष्याम	उ०
पक्षे	अवेत्ष्यत इत्यादि			

1065. अस भुवि - अकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	अस्ति	स्तः	सन्ति	प्र०
	असि	स्थः	स्थ	म०
	अस्मि	स्वः	स्मः	उ०
लिट्	वभूव	वभूवतुः	वभूवुः	प्र०
	वभूविथ	वभूवथुः	वभूव	म०
	वभूव	वभूविव	वभूविम	उ०
लुट्	भविता	भवितारौ	भवितारः	प्र०
	भवितासि	भवितास्थः	भवितास्थ	म०
	भवितास्मि	भवितास्वः	भवितास्मः	उ०
लृट्	भविष्यति	भविष्यतः	भविष्यन्ति	प्र०
	भविष्यसि	भविष्यथः	भविष्यथ	म०
	भविष्यामि	भविष्यावः	भविष्यामः	उ०
लोट्	अस्तु-स्तात्	स्ताम्	सन्तु	प्र०
	एधि-स्तात्	स्तम्	स्त	म०
	असानि	असाव	असाम	उ०
लङ्	आसीत्	आस्ताम्	आसन्	प्र०
	आसीः	आस्तम्	आस्त	म०
	आसम्	आस्व	आस्म	उ०

विधि-लिङ्	स्यात्	स्याताम्	स्युः	प्र०
	स्याः	स्यातम्	स्यात	म०
	स्यू	स्याव	स्याम	उ०
आशिप्-लिङ्	भूयात्	भूयास्ताम्	भूयासुः	प्र०
	भूयाः	भूयास्तम्	भूयास्त	म०
	भूयासम्	भूयास्व	भूयास्म	उ०
लुङ्	अभूत्	अभूताम्	अभूवन्	प्र०
	अभूः	अभूतम्	अभूत	म०
	अभूवम्	अभूव	अभूम	उ०
लङ्	अभविष्यत्	अभविष्यताम्	अभविष्यन्	प्र०
	अभविष्यः	अभविष्यतम्	अभविष्यत	म०
	अभविष्यम्	अभविष्याव	अभविष्याम	उ०

1066. मृजूष् शुद्धौ - सकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लट्	मार्ष्टि	मृष्टः	मृजन्ति-मार्जन्ति	प्र०
	मार्क्षि	मृष्ठः	मृष्ठ	म०
	मार्ज्मि	मृज्वः	मृज्म	उ०
लिट्	ममार्ज	ममार्जतुः-ममृजतुः	ममार्जुः-ममृजु	प्र०
	ममार्जिथ-ममार्ष्ट	ममार्जथुः	मार्ज	म०
	ममार्ज	ममार्जिव-ममृजिव	ममार्जिम	उ०
लुट्	मार्जिता	मार्जितारौ	मार्जितारः	प्र०
	मार्जितासि	मार्जितास्थः	मार्जितास्थ	म०
	मार्जितास्मि	मार्जितास्वः	मार्जितास्म	उ०
पक्षे	मार्ष्टा	मार्ष्टारौ	मार्ष्टारः	प्र०
	मार्ष्टसि	मार्ष्टस्थः	मार्ष्टस्थ	म०
	मार्ष्टस्मि	मार्ष्टस्वः	मार्ष्टस्म	उ०
लृट्	मार्जिष्यति	मार्जिष्यतः	मार्जिष्यन्ति	प्र०
	मार्जिष्यसि	मार्जिष्यथः	मार्जिष्यथ	म०
	मार्जिष्यामि	मार्जिष्यावः	मार्जिष्यामः	उ०
पक्षे	माक्ष्यति	माक्ष्यतः	माक्ष्यन्ति	प्र०
	माक्ष्यसि	माक्ष्यथः	माक्ष्यथ	म०
	माक्ष्यामि	माक्ष्यावः	माक्ष्यामः	उ०

लोट्	मार्ष्टु-मृष्टात्	मृष्टाम्	मृजन्तु-मार्जन्तु	प्र०
	मृडिढ	मृष्टम्	मृष्ट	म०
	मार्जानि	मार्जाव	मार्जाम	उ०
लङ्	अमार्ट्	अमृष्टाम्	अमृजन्-अमार्जन्	प्र०
	अमार्ट	अमृष्टम्	अमृष्ट	म०
	अमार्जम्	अमृज्व	अमृज्म	उ०
विधि-लिङ्	मृज्यात्	मृज्याताम्	मृज्युः	प्र०
	मृज्याः	मृज्यातम्	मृज्यात	म०
	मृज्याम	मृज्याव	मृज्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	मृज्यात्	मृज्यास्ताम्	मृज्यासुः	प्र०
	मृज्याः	मृज्यास्तम्	मृज्यास्त	म०
	मृज्यासम्	मृज्यास्व	मृज्यास्म	उ०
लुङ्	अमार्जीत्	अमार्जिष्टाम्	अमार्जिषुः	प्र०
	अमार्जीः	अमार्जिष्टम्	अमार्जिष्ट	म०
	अमार्जिषम्	अमार्जिष्व	अमार्जिष्म	उ०
अनिट् पक्षे	अमार्शीत्	अमार्ष्टाम्	अमार्शुः	प्र०
	अमार्शीः	अमार्ष्टम्	अमार्ष्ट	म०
	अमार्क्षम्	अमार्क्ष्व	अमार्क्ष्म	उ०
लृङ्	अमार्जिष्यत्	अमार्जिष्यताम्	अमार्जिष्यन्	प्र०
	अमार्जिष्यः	अमार्जिष्यतम्	अमार्जिष्यत	म०
	अमार्जिष्यम्	अमार्जिष्याव	अमार्जिष्याम	उ०
पक्षे	अमार्क्ष्यत्	अमार्क्ष्यताम्	अमार्क्ष्यन्	प्र०
	अमार्क्ष्यः	अमार्क्ष्यतम्	अमार्क्ष्यत	म०
	अमार्क्ष्यम्	अमार्क्ष्याव	अमार्क्ष्याम	उ०

1067. रुदिर् अश्रु विमोचने - अकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लट्	रोदिति	रुदितः	रुदन्ति	प्र०
	रोदिषि	रुदिथः	रुदिथ	म०
	रोदिमि	रुदिवः	रुदिमः	उ०
लिट्	रुरोद	रुरुदतुः	रुरुदुः	प्र०
	रुरोदिथ	रुरुदथुः	रुरुद	म०
	रुरोद-रुरुद	रुरुदिव	रुरुदिम	उ०

लुट्	रोदिता	रोदितारौ	रोदितारः	प्र०
	रोदितासि	रोदितास्थः	रोदितास्ताथ	म०
	रोदितास्मि	रोदितास्वः	रोदितास्म	उ०
लृट्	रोदिष्यति	रोदिष्यतः	रोदिष्यन्ति	प्र०
	रोदिष्यसि	रोदिष्यथः	रोदिष्यथ	म०
	रोदिष्यामि	रोदिष्यावः	रोदिष्यामः	उ०
लोट्	रोदितु-तात्	रुदिताम्	रुदन्तु	प्र०
	रुदिहि-तात्	रुदितम्	रुदित	म०
	रोदानि	रोदाव	रोदाम	उ०
लङ्	अरोदीत्-अरोदत्	अरुदिताम्	अरुदन्	प्र०
	अरोदीः-अरोदः	अरुदितम्	अरुदित	म०
	अरोदम्	अरुदिव	अरुदिम	उ०
विधि-लिङ्	रुद्यात्	रुद्याताम्	रुद्युः	प्र०
	रुद्याः	रुद्यातम्	रुद्यात	म०
	रुद्याम्	रुद्याव	रुद्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	रुद्यात्	रुद्यास्ताम्	रुद्यासुः	प्र०
	रुद्याः	रुद्यास्तम्	रुद्यास्त	म०
	रुद्यासम्	रुद्यास्व	रुद्यास्म	उ०
लुङ्	अरुदत्	अरुदताम्	अरुदन्	प्र०
	अरुदः	अरुदतम्	अरुदत	म०
	अरुदम्	अरुदाव	अरुदाम	उ०
पक्षे	अरोदीत्	अरोदिष्टाम्	अरोदिषुः	प्र०
	अरोदीः	अरोदिष्टम्	अरोदिष्ट	म०
	अरोदिषम्	अरोदिष्व	अरोदिष्म	उ०
लृङ्	अरोदिष्यत्	अरोदिष्यताम्	अरोदिष्यन्	प्र०
	अरोदिष्यः	अरोदिष्यतम्	अरोदिष्यत	म०
	अरोदिष्यम्	अरोदिष्याव	अरोदिष्याम	उ०

1068. जिष्ण्वप् शये - अनिट् (अकर्मक) परस्मैपदी

लट्	स्वपिति	स्वपितः	स्वपन्ति	प्र०
	स्वपिषि	स्वपिथः	स्वपिथ	म०
	स्वपिमि	स्वपिवः	स्वपिमः	उ०

लिट्	सुष्वाप	सुषुपतुः	सुषुपुः	प्र०
	सुष्वापिथ-सुष्वापथ	सुषुपथुः	सुषुप	म०
	सुष्वाप	सुषुपिव	सुषुपिम	उ०
लुट्	स्वप्ता	स्वप्तारौ	स्वप्तारः	प्र०
	स्वप्तासि	स्वप्तास्थः	स्वप्तास्थ	म०
	स्वप्तास्मि	स्वप्तास्वः	स्वप्तास्मः	उ०
लृट्	स्वप्स्यति	स्वप्स्यतः	स्वप्स्यन्ति	प्र०
	स्वप्स्यसि	स्वप्स्यथः	स्वप्स्यथ	म०
	स्वप्स्यामि	स्वप्स्यावः	स्वप्स्यामः	उ०
लोट्	स्वपितु-तात्	स्वपिताम्	स्वपन्तु	प्र०
	स्वपिहि-स्वपितात्	स्वपितम्	स्वपित	म०
	स्वपानि	स्वपाव	स्वपाम	उ०
लृङ्	अस्वपत्-अस्वपीत	अस्वपिताम्	अस्वपन्	प्र०
	अस्वपः-अस्वपीः	अस्वपितम्	अस्वपित	म०
	अस्वपम्	अस्वपिव	अस्वपिम	उ०
विधि-लिङ्	स्वप्यात्	स्वप्याताम्	स्वप्युः	प्र०
	स्वप्याः	स्वप्यातम्	स्वप्यात	म०
	स्वप्यासम्	स्वप्यास्व	स्वप्यास्म	उ०
आशिप्-लिङ्	सुप्यात्	सुप्यास्ताम्	सुप्यासुः	प्र०
	सुप्याः	सुप्यास्तम्	सुप्यास्त	म०
	सुप्यासम्	सुप्यास्व	सुप्यास्म	उ०
लुङ्	अस्वाप्सीत्	अस्वाप्ताम्	अस्वाप्सुः	प्र०
	अस्वाप्सीः	अस्वाप्तम्	अस्वाप्त	म०
	अस्वाप्सम्	अस्वाप्स्व	अस्वाप्स्म	उ०
लृङ्	अस्वस्यत्	अस्वप्स्यताम्	अस्वप्स्यन्	प्र०
	अस्वप्स्यः	अस्वप्स्यतम्	अस्वप्स्यत	म०
	अस्वप्स्यम्	अस्वप्स्याव	अस्वप्स्याम	उ०

1069. श्वस-प्राणने, प्राणनं-जीवनं, श्वासः - अकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लोट्	श्वसिति	श्वसितः	श्वसन्ति	प्र०
	श्वसिषि	श्वसिथः	श्वसिथ	म०
	श्वसिमि	श्वसिवः	श्वसिम	उ०

लिट्	शश्वास	शश्वसतुः	शश्वसुः	प्र०
	शश्वसिथ	शश्वसथुः	शश्वस	म०
	शश्वास-शश्वस	शश्वसिव	शश्वसिम	उ०
लुट्	श्वसिता	श्वसितारौ	श्वसितारः	प्र०
	श्वसितासि	श्वस्तास्थः	श्वसितास्थ	म०
	श्वसितास्मि	श्वसितास्वः	श्वसितास्मः	उ०
लृट्	श्वसिष्यति	श्वसिष्यतः	श्वसिष्यन्ति	प्र०
	श्वसिष्यसि	श्वसिष्यथः	श्वसिष्यथ	म०
	श्वसिष्यामि	श्वसिष्यावः	श्वसिष्यामः	उ०
लोट्	श्वसितु-तात्	श्वसिताम्	श्वसन्तु	प्र०
	श्वसिहि	श्वसितम्	श्वसित	म०
	श्वसानि	श्वसाव	श्वसाम	उ०
लङ्	अश्वसीत अश्वसत्	अश्वसिताम्	अश्वसन्	प्र०
	अश्वसीः-अश्वासः	अश्वसितम्	अश्वसित	म०
	अश्वसम्	अश्वसिव	अश्वसिम	उ०
विधि-लिङ्	श्वष्यात्	श्वष्यास्ताम्	श्वष्यासुः	प्र०
	श्वष्याः	श्वष्यास्तम्	श्वष्यास्त	म०
	श्वष्यासम्	श्वष्यास्व	श्वष्यास्म	उ०
आशिष्-लिङ्	श्वस्यात्	श्वस्यास्ताम्	श्वस्यासुः	प्र०
	श्वस्याः	श्वस्यास्तम्	श्वस्यास्त	म०
	श्वस्यासम्	श्वस्यास्व	श्वस्यास्म	उ०
लुङ्	अश्वसीत	अश्वसिष्टाम्	अश्वसिसुः	प्र०
	अश्वसीः	अश्वसिष्टम्	अश्वसिष्ट	म०
	अश्वसिषम्	अश्वसिष्व	अश्वसिष्म	उ०
लृङ्	अश्वसिष्यत्	अश्वसिष्यताम्	अश्वसिष्यन्	प्र०
	अश्वसिष्यः	अश्वसिष्यतम्	अश्वसिष्यत	म०
	अश्वसिष्यम्	अश्वसिष्याव	अश्वसिष्याम	उ०

1070. अन्, च अस्यापि प्राणनमर्थः (प्रायेणायं प्रपूर्वः) सकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लट्	अनिति	अनितः	अनन्ति	प्र०
	अनिसि	अनिथः	अनिथ	म०
	अनिमि	अनिवः	अनिमः	उ०

लिट्	आन	आनतुः	आनुः	प्र०
	आनिथ	आनथुः	आनथ	म०
	आन	आनिव	आनिम	उ०
लुट्	अनिता	अनितारौ	अनितारः	प्र०
	अनितासि	अनितास्थः	अनिस्तास्थ	म०
	अनितास्मि	अनितास्वः	अनितास्म	उ०
लृट्	अनिष्यति	अनिष्यतः	अनिष्यन्ति	प्र०
	अनिष्यसि	अनिष्यथः	अनिष्यथ	म०
	अनिष्यामि	अनिष्यावः	अनिष्यामः	उ०
लोट्	अनितु-तात्	अनिताम्	अनन्तु	प्र०
	अनिहि	अनितम्	अनित	म०
	अनानि	अनाव	अनाम	उ०
लङ्	आनीत्-आनत्	आनताम्	आनन्	प्र०
	आनीः-आन्	आनिस्तम्	आनित	म०
	आनम्	आनिव	आनिम	उ०
विधि-लिङ्	अन्यात्	अन्याताम्	अन्युः	प्र०
	अन्याः	अन्यातम्	अन्यात	म०
	अन्यासम्	अन्यास्व	अन्यास्म	उ०
आशिष्-लिङ्	अन्यात्	अन्यास्ताम्	अन्यासुः	प्र०
	अन्याः	अन्यास्तम्	अन्यास्त	म०
	अन्यासम्	अन्यास्व	अन्यास्म	उ०
लुङ्	आनीत्	आनिष्टाम्	आनिषुः	प्र०
	आनीः	आनिष्टम्	आनिष्ट	म०
	आनिषम्	आनिष्व	आनिष्म	उ०
लृङ्	आनिष्यत्	आनिष्यताम्	आनिष्यन्	प्र०
	आनिष्यः	आनिष्यतम्	आनिष्यत	म०
	आनिष्यम्	आनिष्यावः	आनिष्याम	उ०
1071. जक्ष भक्षहसनयोः - (सेट्) परस्मैपदी				
लट्	जक्षिति	जक्षितः	जक्षति	प्र०
	जक्षिषि	जक्षिथः	जक्षिथ	म०
	जक्षिमि	जक्षिव	जक्षिम	उ०

लिट्	जजक्ष	जजक्षतुः	जजक्षुः	प्र०
	जजक्षिथ	जजक्षथुः	जजक्ष	म०
	जजक्ष	जजक्षिव	जजक्षिम	उ०
लुट्	जक्षिता	जक्षितारौ	जक्षितारः	प्र०
	जक्षितासि	जक्षितास्थः	जक्षितास्थ	म०
	जक्षितास्मि	जक्षितास्वः	जक्षितास्म	उ०
लृट्	जक्षिष्यति	जक्षिष्यतः	जक्षिष्यन्ति	प्र०
	जक्षिष्यसि	जक्षिष्यथः	जक्षिष्यथ	म०
	जक्षिष्यामि	जक्षिष्यावः	जक्षिष्यामः	उ०
लोट्	जक्षितु-तात्	जक्षिताम्	जक्षतु	प्र०
	जक्षिहि	जक्षितम्	जक्षत	म०
	जक्षाणि	जक्षाव	जक्षाम	उ०
लङ्	अजक्षत्-क्षीत्	अजक्षताम्	अजक्षुः	प्र०
	अजक्षीः-अजक्षः	अजक्षतम्	अजक्षत	म०
	अजक्षम्	अजक्षव	अजक्षम	उ०
विधि-लिङ्	जक्ष्यात्	जक्ष्याताम्	जक्षुः	प्र०
	जक्ष्याः	जक्ष्यातम्	जक्ष्यात	म०
	जक्ष्याम्	जक्ष्याव	जक्ष्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	जक्ष्यात्	जक्ष्यास्ताम्	जक्ष्यासुः	प्र०
	जक्ष्याः	जक्ष्यास्तम्	जक्ष्यास्त	म०
	जक्ष्यासम्	जक्ष्यास्व	जक्ष्यास्म	उ०
लुङ्	अजक्षीत्	अजक्षिष्टाम्	अजक्षिषुः	प्र०
	अजक्षीः	अजक्षिष्टम्	अजक्षिष्ट	म०
	अजक्षिषम्	अजक्षिष्व	अजक्षिष्व	उ०
लृङ्	अजक्षिष्यत्	अजक्षिष्यताम्	अजक्षिष्यन्	प्र०
	अजक्षिष्यः	अजक्षिष्यतम्	अजक्षिष्यत	म०
	अजक्षिष्यम्	अजक्षिष्याव	अजक्षिष्याम	उ०
1072. जागृ-निद्रा क्षये - निद्राक्षयो जागरणम्, अकर्मक (सेट्) परस्मैपदी				
लट्	जागर्ति	जागृतः	जाग्रति	प्र०
	जागर्षि	जागृथः	जागृथ	म०
	जागर्मि	जागृवः	जागृमः	उ०

लिट्	जजागार	जजागरतुः	जजागरुः	प्र०
	जजागरिथ	जजागरथुः	जजागर	म०
	जजागार-जजागर	जजागरिव	जजागरिम	उ०
पक्षे - जागराञ्चकार। जागराम्बभूव। जागरामास इत्यादि।				
लुट्	जागरिता	जागरितारौ	जागरितारः	प्र०
	जागरितासि	जागरितास्थः	जागरितास्थ	म०
	जागरितास्मि	जागरितास्वः	जागरितास्मः	उ०
लृट्	जागरिष्यति	जागरिष्यतः	जागरिष्यन्ति	प्र०
	जागरिष्यसि	जागरिष्यथः	जागरिष्यथ	म०
	जागरिष्यामि	जागरिष्यावः	जागरिष्यामः	उ०
लोट्	जागर्तु-तात्	जागृताम्	जाग्रतु	प्र०
	जागृहि	जागृतम्	जाग्रत	म०
	जागराणि	जागराव	जागराम	उ०
लङ्	अजागत्	अजागृताम्	अजागरुः	प्र०
	अजागः	अजागृतम्	अजागृत	म०
	अजागरम्	अजागृव	अजागृम	उ०
विधि-लिङ्	जागृयात्	जागृयाताम्	जागृयुः	प्र०
	जागृयाः	जागृयातम्	जागृयात	म०
	जागृयाम्	जागृयाव	जाग्रयाम	उ०
आशिप्-लिङ्	जागर्यात्	जागर्यास्ताम्	जागर्यासुः	प्र०
	जागर्याः	जागर्यास्तम्	जागर्यास्त	म०
	जागर्यासम्	जागर्यास्व	जागर्यास्म	उ०
लुङ्	अजागरीत्	अजागरिष्टाम्	अजागरिषुः	प्र०
	अजागरीः	अजागरिष्टम्	अजागरिष्ट	म०
	अजागरिषम्	अजागरिष्व	अजागरिष्व	उ०
लृङ्	अजागरिष्यत्	अजागरिष्यताम्	अजागरिष्यन्	प्र०
	अजागरिष्यः	अजागरिष्यतम्	अजागरिष्यत	म०
	अजागरिष्यम्	अजागरिष्याव	अजागरिष्याम	उ०
1073. दरिद्रा - दुर्गतौ - अकर्मक (सेट्) परस्मैपदी				
लट्	दरिद्राति	दरिद्रितः	दरिद्रति	प्र०
	दरिद्रासि	दरिद्रिथः	दरिद्रिथ	म०
	दरिद्रामि	दरिद्रिवः	दरिद्रिमः	उ०

लिट्	ददरिद्रौ	ददरिद्रतुः	ददरिद्रुः	प्र०
	ददरिद्रथ	ददरिद्रथुः	ददरिद्र	म०
	ददरिद्रौ	ददरिद्रिव	ददरिद्रिम	उ०
पक्षे - दरिद्राञ्चकार। दरिद्राम्बभूव। दरिद्रामास - आदि				
लुट्	दरिद्रिता	दरिद्रितारौ	दरिद्रितारः	प्र०
	दरिद्रितासि	दरिद्रितास्थः	दरिद्रिस्तास्थ	म०
	दरिद्रितास्मि	दरिद्रितास्वः	दरिद्रितास्मः	उ०
लृट्	दरिद्रिष्यति	दरिद्रिष्यतः	दरिद्रिष्यन्ति	प्र०
	दरिद्रिष्यसि	दरिद्रिष्यथः	दरिद्रिष्यथ	म०
	दरिद्रिष्यमि	दरिद्रिष्यावः	दरिद्रिष्यामः	उ०
लोट्	दरिद्रातु-तात्	दरिद्रिताम्	दरिद्रतु	प्र०
	दरिद्रिहि-तात्	दरिद्रितम्	दरिद्रत	म०
	दरिद्राणि	दरिद्राव	दरिद्राम	उ०
लङ्	अदरिद्रात्	अदरिद्रिताम्	अदरिद्रुः	प्र०
	अदरिद्राः	अदरिद्रितम्	अदरिद्रित	म०
	अदरिद्राम्	अदरिद्रिव	अदरिद्रिम	उ०
विधि-लिङ्	दरिद्रयात्	दरिद्रियाताम्	दरिद्रियुः	प्र०
	दरिद्रियाः	दरिद्रियातम्	दरिद्रियात	म०
	दरिद्रियाम्	दरिद्रियाव	दरिद्रियाम	उ०
आशिप्-लिङ्	दरिद्रयात्	दरिद्रयास्ताम्	दरिद्रयासुः	प्र०
	दरिद्रयाः	दरिद्रयास्तम्	दरिद्रयास्त	म०
	दरिद्रयासम्	दरिद्रयास्व	दरिद्रयास्म	उ०
लृङ्	अदरिद्रोत्	अदरिद्रिष्टाम्	अदरिद्रिषुः	प्र०
	अदरिद्रीः	अदरिद्रिष्टम्	अदरिद्रिष्ट	म०
	अदरिद्रिपम्	अदरिद्रिष्व	अदरिद्रिष्म	उ०
पक्षे	अदरिद्रासीत्	अदरिद्रासिष्टाम्	अदरिद्रासिषुः	प्र०
	अदरिद्रासीः	अदरिद्रासिष्टम्	अदरिद्रासिष्ट	म०
	अदरिद्रासिष्टम्-	अदरिद्रासिष्व	अदरिद्रासिष्म	उ०
	अदरिद्रासिषम्			
लृङ्	अदरिद्रिष्यत्	अदरिद्रिष्यताम्	अदरिद्रिष्यन्	प्र०
	अदरिद्रिष्यः	अदरिद्रिष्यतम्	अदरिद्रिष्यत	म०
	अदरिद्रिष्यम्	अदरिद्रिष्याव	अदरिद्रिष्याम	उ०

1074. चकास् दीप्तौ - अकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लट्	चकास्ति	चकास्तः	चकासति	प्र०
	चकास्सि	चकास्थः	चकास्थ	म०
	चकास्मि	चकास्वः	चकास्मः	उ०
लिट्	चकासांचकार। चकासांबभूव। चकासामास - इत्यादि पूर्ववत्			
लुट्	चकासिता	चकासितारौ	चकासितारः	प्र०
	चकासितासि	चकासितास्थः	चकासितास्थ	म०
	चकासितास्मि	चकासितास्वः	चकासितास्मः	उ०
लृट्	चकासिष्यति	चकासिष्यतः	चकासिष्यन्ति	प्र०
	चकासिष्यसि	चकासिष्यथः	चकासिष्यथ	म०
	चकासिष्यामि	चकासिष्यावः	चकासिष्यामः	उ०
लोट्	चकास्तु-तात्	चकास्ताम्	चकास्तु	प्र०
	चकाधि-	चकास्तम्	चकास्त	म०
	चकाहि-तात्			
	चकासानि	चकासाव	चकासाम	उ०
लङ्	अचकात्-द	अचकास्ताम्	अचकासुः	प्र०
	अचकाः-अचकात्	अचकास्तम्	अचकास्त	म०
	अचकासम्	अचकास्व	अचकास्म	उ०
विधि-लिट्	चकास्यात्	चकास्याताम्	चकास्युः	प्र०
	चकास्यः	चकास्यतम्	चकास्यत	म०
	चकास्यम्	चकास्याव	चकास्याम	उ०
आशिष्-लिट्	चकास्यात्	चकास्यास्ताम्	चकास्यासुः	प्र०
	चकास्याः	चकास्यास्तम्	चकास्यास्त	म०
	चकास्यासम्	चकास्यास्व	चकास्यास्म	उ०
लुङ्	अचकासीत्	अचकासिष्टम्	अचकासिषुः	प्र०
	अचकासीः	अचकासिष्टम्	अचकासिष्ट	म०
	अचकासिषम्	अचकासिष्व	अचकासिष्व	उ०
लृङ्	अचकास्यत्	अचकास्यताम्	अचकास्यन्	प्र०
	अचकास्यः	अचकास्यतम्	अचकास्यत	म०
	अचकास्यम्	अचकास्याव	अचकास्याम	उ०

1075. शासु - अनुशिष्टौ - सकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लट्	शास्ति	शिष्टः	शासति	प्र०
	शास्सि	शिष्टः	शिष्ट	म०
	शास्मि	शिष्वः	शिष्वः	उ०
लिट्	शशास	शशासतुः	शशासुः	प्र०
	शशासिथ	शशासथुः	शशास	म०
	शशास	शशासिव	शशासिम	उ०
लुट्	शासिता	शासितारौ	शासितारः	प्र०
	शासितासि	शासितास्थः	शासितास्थ	म०
	शासितास्मि	शासितास्वः	शासितास्म	उ०
लृट्	शासिष्यति	शासिष्यतः	शासिष्यन्ति	प्र०
	शासिष्यसि	शासिष्यथः	शासिष्यथ	म०
	शासिष्यामि	शासिष्यावः	शासिष्यामः	उ०
लोट्	शास्तु-शिष्टात्	शिष्टाम्	शासतु	प्र०
	शाधि	शिष्टम्	शिष्ट	म०
	शासानि	शासाव	शासाम	उ०
लङ्	अशात्	अशिष्टाम्	अशासुः	प्र०
	अशाः-अशात्	अशिष्टम्	अशिष्ट	म०
	अशासम्	अशिस्व	अशिस्म	उ०
विधि-लिङ्	शिष्यात्	शिष्याताम्	शिष्युः	प्र०
	शिष्याः	शिष्यातम्	शिष्यात	म०
	शिष्याम्	शिष्याव	शिष्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	शिष्यात्	शिष्यास्ताम्	शिष्यासुः	प्र०
	शिष्याः	शिष्यास्तम्	शिष्यास्त	म०
	शिष्यासम्	शिष्यास्व	शिष्यास्म	उ०
लुङ्	अशिषत्	अशिषताम्	अशिषन्	प्र०
	अशिषः	अशिषतम्	अशिषत	म०
	अशिषम्	अशिषाव	अशिषाम	उ०
लृङ्	अशासिष्यत्	अशासिष्यताम्	अशासिष्यन्	प्र०
	अशासिष्यः	अशासिष्यतम्	अशासिष्यत	म०
	अशासिष्यम्	अशासिष्याव	अशासिष्याम	उ०

1076. दीधीङ् - दीप्ति देवनयोः - अकर्मक (सेट्) आत्मनेपदी

लट्	दीधीते	दीध्याते	दीध्यते	प्र०
	दीधीषे	दीध्याथे	दीधीध्वे	म०
	दीध्ये	दीधीवहे	दीधीमहे	उ०
लिट्	दीध्याञ्चक्रे	दीध्याञ्चक्राते	दीध्याञ्चक्रिरे	प्र०
	दीध्याञ्चकृषे	दीध्याञ्चक्राथे	दीध्याञ्चकृद्वे	म०
	दीध्याञ्चक्रे	दीध्याञ्चकृवहे	दीध्याञ्चकृमहे	उ०
लुट्	दीधिता	दीधितारौ	दीधितारः	प्र०
	दीधितासे	दीधितासाथे	दीधिताध्वे	म०
	दीधिताहे	दीधितास्वहे	दीधितास्महे	उ०
लोट्	दीधीताम्	दीध्याताम्	दीध्यन्ताम्	प्र०
	दीधीष्व	दीध्याथाम्	दीधीध्वम्	म०
	दीध्यै	दीध्यावहै	दीध्यामहै	उ०
लङ्	अदीधीत	अदीध्याताम्	अदीध्यन्त	प्र०
	अदीधीथाः	अदीध्याथाम्	अदीधीध्वम्	म०
	अदीधि	अदीधावहि	अदीधामहि	उ०
विधि-लिङ्	दीधीत	दीधीयाताम्	दीधीरन्	प्र०
	दीधीथाः	दीधीयाथाम्	दीधीध्वम्	म०
	दीधीय	दीधीवहि	दीधीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	दीधीषीष्ट	दीधीषीयास्ताम्	दीधीषीरन्	प्र०
	दीधीषीष्ठाः	दीधीषीयास्थाम्	दीधीषीध्वम्	म०
	दीधीषीय	दीधीषीवहि	दीधीषीमहि	उ०
लुङ्	अदीधिष्ट	अदीधिषाताम्	अदीधिषत	प्र०
	अदीधिष्ठाः	अदीधिषाथाम्	अदीधिध्वम्	म०
	अदीधिषि	अदीधिष्वहि	अदीधिष्महि	उ०
लृङ्	अदीधिष्यत	अदीधिष्येताम्	अदीधिष्यन्त	प्र०
	अदीधिष्यथाः	अदीधिष्येथाम्	अदीधिष्यध्वम्	म०
	अदीधिष्ये	अदीधिष्यावहि	अदीधिष्यामहि	उ०

1077. वेवीङ् - वेतिना तुल्ये। वी गतीत्यनेन तुल्येऽर्थे वर्तत इत्यर्थः सकर्मक (सेट्) आत्मनेपदी दीधीङ् वदुदाहरणानि (रूपाणि) अथ त्रयः परस्मैपदिनः।

1078. षस स्वप्ने - अकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लट्	सस्ति	सस्तः	ससन्ति	प्र०
	सस्सि	सस्थः	सस्थ	म०
	सस्मि	सस्वः	सस्मः	उ०
लिट्	ससास	सेसतुः	सेसुः	प्र०
	सेसिथ	सेसथुः	सेस	म०
	ससास-ससस	सेसिव	सेसिम	उ०
लुट्	ससिता	ससितारौ	ससितारः	प्र०
	ससितासि	ससितास्थः	ससितास्थ	म०
	ससितास्मि	ससितास्वः	ससितास्मः	उ०
लृट्	ससिष्यति	ससिष्यतः	ससिष्यन्ति	प्र०
	ससिष्यसि	ससिष्यथः	ससिष्यथ	म०
	ससिष्यामि	ससिष्यावः	ससिष्यामः	उ०
लोट्	सस्तु	सस्ताम्	ससन्तु	प्र०
	ससि	सस्तम्	सस्त	म०
	ससानि	ससाव	ससाम	उ०
लङ्	असत्	असस्ताम्	अससन्	प्र०
	असः-असत्	असस्तम्	असस्त	म०
	अससम्	अससाव	अससाम	उ०
विधि-लिङ्	सस्यात्	सस्याताम्	सस्युः	प्र०
	ससेः	ससेतम्	ससेत	म०
	सस्यासम्	ससेव	ससेम	उ०
आशिष्-लिङ्	सस्यात्	सस्यास्ताम्	सस्यासुः	प्र०
	सस्याः	सस्यास्तम्	सस्यास्त	म०
	सस्यासम्	सस्यास्व	सस्यास्म	उ०
लुङ्	असासीत्-अससीत्	असास्ताम्	असासन्	प्र०
	असासीः	असास्तम्	असास्त	म०
	असासम्	असास्व	असास्म	उ०
लृङ्	अससिष्यत्	अससिष्यताम्	अससिष्यन्	प्र०
	अससिष्यः	अससिष्यतम्	अससिष्यत	म०
	अससिष्यम्	अससिष्याव	अससिष्याम	उ०

1079. षस्ति स्वप्ने -

लट्	सस्ति	सस्तः	ससन्ति	प्र०
	सस्तिस्	सस्थः	सस्थ	म०
	सस्मि	सस्वः	सस्मः	उ०

बहूनां समवाये द्वयोः संयोगसंज्ञा नेत्याश्रित्य स्कोः (स 380) इति लोपाभावात् संस्ति संस्तः संस्तन्ति इत्येके

लिट्	ससंस्त	ससंस्तुः	ससंस्तुः	प्र०
	ससंस्तिथ	ससंस्तथुः	ससंस्थ	म०
	ससंस्त	ससंस्तिव	ससंस्तिम	उ०
लुट्	संस्तिता	संस्तितारौ	संस्तितारः	प्र०
	संस्तितासि	संस्तितास्थः	संस्तितास्थ	म०
	संस्तितास्मि	संस्तितास्वः	संस्तितास्मः	उ०
लृट्	संस्तिष्यति	संस्तिष्यतः	संस्तिष्यन्ति	प्र०
	संस्तिष्यसि	संस्तिष्यथः	संस्तिष्यथ	म०
	संस्तिष्यामि	संस्तिष्यावः	संस्तिष्यामः	उ०
लोट्	सन्तु-तात्	सन्ताम्	संस्तन्तु	प्र०
	सन्धि-सन्द्धि-तात्	सन्तम्	सन्त	म०
	संस्तानि	संस्ताव	संस्ताम	उ०
लङ्	असन्	असन्ताम्	असंस्तन्	प्र०
	असन्	असन्तम्	असन्त	म०
	असंस्तम्	असंस्त्व	असंस्त्व	उ०
विधि-लिट्	संस्यात्	संस्याताम्	संस्त्युः	प्र०
	संस्थाः	संस्त्यातम्	संस्त्यात	म०
	संस्तेयम्	संस्तेव	संस्तेम	उ०
आशिष्-लिट्	संस्त्यात्	संस्त्यास्ताम्	संस्त्यासुः	प्र०
	संस्त्याः	संस्त्यास्तम्	संस्त्यास्त	म०
	संस्तयासम्	संस्त्यास्व	संस्त्यास्म	उ०
लुङ्	असंस्तीत्	असंस्ताम्	असंस्तन्	प्र०
	असंस्सीः	असंस्तम्	असंस्त	म०
	असंसम्	असंस्व	असंस्म	उ०

लृङ्	असंस्तिष्यत्	असंस्तिष्यताम्	असंस्तिष्यन्	प्र०
	असंस्तिष्यः	असंस्तिष्यतम्	असंस्तिष्यत	म०
	असंस्तिष्यम्	असंस्तिष्याव	असंस्तिष्याम	उ०

1080. वश कान्तौ। कान्तिरिच्छा - सकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लट्	वष्टि	उष्टः	उशन्ति	प्र०
	वक्षि	उष्ठः	उष्ठ	म०
	वश्मि	उश्वः	उश्मः	उ०
लिट्	उवाश	ऊशतुः	ऊशुः	प्र०
	उवशिथ	ऊशथुः	ऊश	म०
	उवाश	उवशिव	उवशिम	उ०
लुट्	वशिता	वशितारौ	वशितारः	प्र०
	वशितासि	वशितास्थः	वशितास्थ	म०
	वशितास्मि	वशितास्वः	वशितास्मः	उ०
लृट्	वशिष्यति	वशिष्यतः	वशिष्यन्ति	प्र०
	वशिष्यसि	वशिष्यथः	वशिष्यथ	म०
	वशिष्यामि	वशिष्यावः	वशिष्यामः	उ०
लोट्	वष्टु-उष्टात्	उष्टाम्	उशन्तु	प्र०
	उद्विढ	उष्टम्	उष्ट	म०
	वशानि	वशाव	वशाम	उ०
लङ्	अवट्	औष्टाम्	औशान्	प्र०
	अवट्	औष्टम्	औष्ट	म०
	अवशम्	औश्व	औश्म	उ०
विधि-लिट्	उश्यात्	उश्याताम्	उश्युः	प्र०
	उशेः	उशेतम्	उशेत	म०
	उशेयम्	उशेव	उशेम	उ०
आशिष्-लिट्	उश्यात्	उश्यास्ताम्	उश्यासुः	प्र०
	उश्याः	उश्यास्तम्	उश्यास्त	म०
	उश्यासम्	उश्यास्व	उश्यास्म	उ०
लुङ्	अवशीत्- अवाशीत्	अवशताम्	अवशान्	प्र०
	अवशीः	अवशतम्	अवशत	म०
	अवशम्	अवशान	अवशाम	उ०

लृङ्	अवशिष्यत्	अवशिष्यताम्	अवशिष्यन्	प्र०
	अवशिष्यः	अवशिष्यतम्	अवशिष्यत	म०
	अवशिष्यम्	अवशिष्याव	अवशिष्याम	उ०

1081. चर्करीतं च यङ्लुगन्तस्य संज्ञा पूर्वाचार्यसिद्धा

1082. हुङ् अपनयने। अपनयनम् अपहनवः, गोपनं, चौर्यमिति वोपः - अकर्मक (सेट्) आत्मेपदी

लट्	हनुते	हनुवाते	हनुवते	प्र०
	हनुषे	हनुवाथे	हनुध्वे	म०
	हनुवे	हनुवहे	हनुमहे	उ०
लिट्	जुहनुवे	जुहनुवाते	जुहनुविरे	प्र०
	जुहनुविषे	जुहनुवाथे	जुहनुविध्वे	म०
	जुहनुवे	जुहनुविवहे	जुहनुविमहे	उ०
लुट्	हनोता	हनोतारौ	हनोतारः	प्र०
	हनोतासे	हनोतासाथे	हनोताध्वे	म०
	हनोताहे	हनोतास्वहे	हनोतास्महे	उ०
लृट्	हनोष्यते	हनोष्येते	हनोष्यन्ते	प्र०
	हनोष्यसे	हनोष्येथे	हनोष्यध्वे	म०
	हनोष्ये	हनोष्यावहे	हनोष्यामहे	उ०
लोट्	हनुताम्	हनुवाताम्	हनुवताम्	प्र०
	हनुष्व	हनुवाथाम्	हनुध्वम्	म०
	हनुवै	हनुवावहै	हनुवामहै	उ०
लृङ्	अहनुत	अहनुवाताम्	अहनुवत	प्र०
	अहनुथाः	अहनुवाथाम्	अहनुध्वम्	म०
	अहनुवै	अहनुवावहि	अहनुवामहि	उ०
विधि-लिङ्	हनुवीत	हनुवीयाताम्	हनुवीरन्	प्र०
	हनुवीथाः	हनुवीयाथाम्	हनुवीध्वम्	म०
	हनुवीय	हनुवीवहि	हनुवीमहि	उ०
आशिप्-लिङ्	हनोषीष्ट	हनोषीथास्ताम्	हनोषीरन्	प्र०
	हनोषीष्ठाः	हनोषीयाथाम्	हनोषीध्वम्	म०
	हनोषीय	हनोषीवहि	हनोषीमहि	उ०

लृङ्	अहनोष्ट	अहनुषाताम्	अहनुषत	प्र०
	अहनोष्ठाः	अहनोषाथाम्	अहनोद्वम्	म०
	अहनोषि	अहनोवहि	अहनोमहि	उ०
लृङ्	अहनोष्यत	अहनोष्येताम्	अहनोष्यन्त	प्र०
	अहनोष्यथाः	अहनोष्येथाम्	अहनोष्यध्वम्	म०
	अहनोष्ये	अहनोष्यावहे	अहनोष्यामहे	उ०

इति तिङन्तअदादिप्रकरणम्

अथ तिङन्ते जुहोत्यादिप्रकरणम्

1083. हु दानादनयोः। आदाने च इत्येके। प्रीणनेऽपि इति भाष्यम्। दानं चेह प्रक्षेपः। स च वैधे आधारे हविषश्चेति स्वभावाल्लभ्यते - सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	जुहोति	जुहुतः	जुह्वति	प्र०
	जुहोषि	जुहुथः	जुहुथ	म०
	जुहोमि	जुहुवः	जुहुमः	उ०
लिट्	जुह्वाञ्चकार	जुह्वाञ्चक्रतुः	जुह्वाञ्चक्रुः	प्र०
	जुह्वाञ्चकर्थ	जुह्वाञ्चक्रथुः	जुह्वाञ्चक्र	म०
	जुह्वाञ्चक्रार-कर	जुह्वाञ्चकृव	जुह्वाञ्चकृम	उ०

भीहीभृहुवां श्लुवच्च इति विकल्पपक्षे

	जुहाव	जुहुवतुः	जुहुवुः	प्र०
	जुहुवविथ-जुहोथ	जुहुवथुः	जुहुव	म०
	जुहाव- जुहव	जुहुविव	जुहुविम	उ०
लुट्	होता	होतारौ	होतारः	प्र०
	होतासि	होतास्थः	होतास्थ	म०
	होतास्मि	होतास्वः	होतास्मः	उ०
लृट्	होष्यति	होष्यतः	होष्यन्ति	प्र०
	होष्यसि	होष्यथः	होष्यथ	म०
	होष्यामि	होष्यावः	होष्यामः	उ०
लोट्	जुहोतु-जुहुतात्	जुहुताम्	जुह्वतु	प्र०
	जुहुधि-जुहुतात्	जुहुतम्	जुहुत	म०
	जुहवानि	जुहवाव	जुहवाम	उ०

लङ्	अजुहोत्	अजुहुताम्	अजुहवुः	प्र०
	अजुहोः	अजुहुतम्	अजुहुत	म०
	अजुहवम्	अजुहुव	अजुहुम	उ०
विधि-लिङ्	जुहुयात्	जुहुयाताम्	जुहुयुः	प्र०
	जुहुयाः	जुहुयातम्	जुहुयात	म०
	जुहुयाम्	जुहुयाव	जुहुयाम	उ०
आशिष-लिङ्	हूयात्	हूयास्ताम्	हूयासुः	प्र०
	हूयाः	हूयास्तम्	हूयास्त	म०
	हूयासम्	हूयास्व	हूयास्म	उ०
लुङ्	अहौषीत्	अहौष्टाम्	अहौषुः	प्र०
	अहौषीः	अहौष्टम्	अहौष्ट	म०
	अहौषम्	अहौष्व	अहौष्म	उ०
लृङ्	अहोष्यत्	अहोष्यताम्	अहोष्यन्	प्र०
	अहोष्यः	अहोष्यतम्	अहोष्यत	म०
	अहोष्यम्	अहोष्याव	अहोष्याम	उ०

1084. जि भी भये - अकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	बिभेति	बिभितः-बिभीतः	बिभ्यति	प्र०
	बिभेषि	बिभितः-बिभीथः	बिभीथ-बिभीथ	म०
	बिभेमि	बिभिवः-बिभीवः	बिभिमः-बिभीमः	उ०
लिट्	बिभयाञ्चकार	बिभयाञ्चक्रतुः	बिभयाञ्चक्रुः	प्र०
	बिभयाञ्चकर्त्तुः	बिभयाञ्चक्रथुः	बिभयाञ्चक्र	म०
	बिभयाञ्चकार-कर	बिभयाञ्चकृव	बिभयाञ्चकृम	उ०
पक्षे	बिभाय	बिभ्यतुः	बिभ्युः	प्र०
	बिभयिथ-बिमेथ	बिभ्यथुः	बिभ्य	म०
	बिभाय-बिभय	बिभ्यिव	बिभ्यिम	उ०
लुट्	भेता	भेतारौ	भेतारः	प्र०
	भेतासि	भेतास्थः	भेतास्थ	म०
	भेतास्मि	भेतास्वः	भेतास्मः	उ०
लृट्	भेष्यति	भेष्यतः	भेष्यन्ति	प्र०
	भेष्यसि	भेष्यथः	भेष्यथ	म०
	भेष्यामि	भेष्यावः	भेष्यामः	उ०

लोट्	बिभेतु-विभितात्	बिभिताम्-बिभीताम्	बिभ्यतु	प्र०
	बिभिहि-तात्	बिभितम्-बिभीतम्	बिभित-बिभीत	म०
	बिभीतात्			
	बिभयानि	बिभयाव	बिभयाम	उ०
लङ्	अबिभेत्	अबिभिताम्-	अबिभ्युः	प्र०
		अबिभीताम्		
	अबिभेः	अबिभितम्-	अबिभीत	म०
		अबिभीतम्		
विधि-लिङ्	अबिभयम्	अबिभिव-अबिभीव	अबिभिम-अबिभीम	उ०
	बिभियात्	बिभियाताम्	बिभियुः	प्र०
	बिभियाः	बिभियातम्	बिभियात	म०
	बिभियाम्	बिभियाव	बिभियाम	उ०
पक्षे	बिभीयात्	बिभीयाताम्	बिभीयुः	प्र०
	बिभीयाः	बिभीयातम्	बिभीयात	म०
	बिभीयाम्	बिभीयाव	बिभीयाम	उ०
आशिष्-लिङ्	भीयात्	भीयास्ताम्	भीयासुः	प्र०
	भीयाः	भीयास्तम्	भीयास्त	म०
	भीयासम्	भीयास्व	भीयास्म	उ०
लुङ्	अभैषीत्	अभैष्टाम्	अभैषुः	प्र०
	अभैषीः	अभैष्टम्	अभैष्ट	म०
	अभैषम्	अभैष्व	अभैष्व	उ०
लृङ्	अभेष्यत्	अभेष्यताम्	अभेष्यन्	प्र०
	अभेष्यः	अभेष्यतम्	अभेष्यत	म०
	अभेष्यम्	अभेष्याव	अभेष्याम	उ०

1085. ह्री लज्जायाम् - अकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	जिहेति	जिह्नीतः	जिह्नीयति	प्र०
	जिहेषि	जिह्नीथः	जिह्नीथ	म०
	जिहेमि	जिह्नीवः	जिह्नीमः	उ०
लिट्	जिह्याञ्चकार	जिह्याञ्चक्रतुः	जिह्याञ्चक्रुः	प्र०
	जिह्याञ्चकर्थ	जिह्याञ्चक्रथुः	जिह्याञ्चक्र	म०
	जिह्याञ्चकार-कर	जिह्याञ्चकृव	जिह्याञ्चकृम	उ०

पक्षे	जिहाय	जिहियतुः	जिहियुः	प्र०
	जिहयिथ-जिहयेथ	जिहियथुः	जिहिय	म०
	जिहाय-जिहय	जिहियिव	जिहियिम	उ०
लुट्	हेता	हेतारौ	हेतारः	प्र०
	हेतासि	हेतास्थः	हेतास्थ	म०
	हेतास्मि	हेतास्वः	हेतास्मः	उ०
लृट्	हेष्यति	हेष्यतः	हेष्यन्ति	प्र०
	हेष्यसि	हेष्यथः	हेष्यथ	म०
	हेष्यामि	हेष्यावः	हेष्यामः	उ०
लोट्	जिहेतु-जिहीतात्	जिहीताम्	जिहियतु	प्र०
	जिहीहि-तात्	जिहीतम्	जिहीत	म०
	जिहयाणि	जिहयाव	जिहयाम	उ०
लङ्	अजिहेत्	अजिहीताम्	अजिहयुः	प्र०
	अजिहेः	अजिहीतम्	अजिहीत	म०
	अजिहीयम्	अजिहीव	अजिहीम	उ०
विधि-लिङ्	जिहीयात्	जिहीयाताम्	जिहीयुः	प्र०
	जिहीयाः	जिहीयातम्	जिहीयात	म०
	जिहीयाम्	जिहीयाव	जिहीयाम	उ०
आशिप्-लिङ्	हीयात्	हीयास्ताम्	हीयासुः	प्र०
	हीयाः	हीयास्तम्	हीयास्त	म०
	हीयासम्	हीयास्व	हीयास्म	उ०
लुङ्	अहैषीत्	अहैष्टम्	अहैषुः	प्र०
	अहैषीः	अहैष्टम्	अहैष्ट	म०
	अहैषम्	अहैष्व	अहैष्व	उ०
लृङ्	अहेष्यत्	अहेष्यताम्	अहेष्यन्	प्र०
	अहेष्यः	अहेष्यतम्	अहेष्यत	म०
	अहेष्यम्	अहेष्याव	अहेष्याम	उ०

1086. पृ पालनपूरणयोः - (पालन और समाप्ति) सकर्मक (सेट्) परस्मैपदी

लट्	पिपति	पिपूर्तः	पिपूरति	प्र०
	पिपति	पिपूरथः	पिपूरथ	म०
	पिपति	पिपूर्वः	पिपूर्मः	उ०

लिट्	पपार	प्रप्रतुः-पपरतुः	पपुः-पपरुः	प्र०
	पपरिथ	पप्रथुः-पपरथुः	पप्र-पपर	म०
	पपार-पपर	पप्रिव-पपरिव	पप्रिम-पपरिम	उ०
लुट्	परीता	परीतारौ	परीतारः	प्र०
	परीतासि	परीतास्थः	परीतास्थ	म०
	परीतास्मि	परीतास्वः	परीतास्मः	उ०
वृत्तो वा इति दीर्घविकल्पपक्षे				
	परिता	परितारौ	परितारः	प्र०
	परितासि	परितास्थः	परितास्थ	म०
	परितास्मि	परितास्वः	परितास्मः	उ०
लृट्	परिष्यति	परिष्यतः	परिष्यन्ति	प्र०
	परिष्यसि	परिष्यथः	परिष्यथ	म०
	परिष्यामि	परिष्यावः	परिष्यामः	उ०
पक्षे	परीष्यति	परीष्यतः	परीष्यन्ति	प्र०
	परीष्यसि	परीष्यथः	परीष्यथ	म०
	परीष्यामि	परीष्यावः	परीष्यामः	उ०
लोट्	पिपर्तु-पिपूर्तात्	पिपूर्ताम्	पिपुरतु	प्र०
	पिपूधि-पिपूर्तात्	पिपूर्तम्	पिपूर्त	म०
	पिपराणि	पिपराव	पिपराम	उ०
लङ्	अपिपः	अपिपूर्ताम्	अपिपरुः	प्र०
	अपिपः	अपिपूर्तम्	अपिपूर्त	म०
	अपिपरम्	अपिपूर्व	अपिपूर्म	उ०
विधि-लिट्	पिपूर्यात्	पिपूर्याताम्	पिपूर्युः	प्र०
	पिपूर्याः	पिपूर्यातम्	पिपूर्यात	म०
	पिपूर्याम्	पिपूर्याव	पिपूर्याम	उ०
आशिष्-लिट्	पूर्यात्	पूर्यास्ताम्	पूर्यासुः	प्र०
	पूर्याः	पूर्यास्तम्	पूर्यास्त	म०
	पूर्यासम्	पूर्यास्व	पूर्यास्म	उ०
लुङ्	अपारीत्	अपारिष्टाम्	अपारिषुः	प्र०
	अपारीः	अपारिष्टम्	अपारिष्ट	म०
	अपारिषम्	अपारिष्व	अपारिष्म	उ०

लृङ्	अपरीष्यत्	अपरीष्यताम्	अपरीष्यन्	प्र०
	अपरीष्यः	अपरीष्यतम्	अपरीष्यत	म०
	अपरीष्यम्	अपरीष्याव	अपरीष्याम	उ०
पक्षे	अपरिष्यत्	अपरिष्यताम्	अपरिष्यन्	प्र०
	अपरिष्यः	अपरिष्यतम्	अपरिष्यत	म०
	अपरिष्यम्	अपरिष्याव	अपरिष्याम	उ०
1087. डु भृञ् धारण पोषणयोः सकर्मक (अनिट्) उभयपदी				
लट्	विभर्ति	विभृतः	विभ्रति	प्र०
	विभर्षि	विभृथः	विभृथ	म०
	विभर्मि	विभृवः	विभृमः	उ०
लिट्	विभराञ्चकार	विभराञ्चक्रुः	विभराञ्चक्रुः	प्र०
	विभराञ्चकर्त्तुः	विभराञ्चक्रथुः	विभराञ्चक्र	म०
	विभराञ्चकार-कर	विभराञ्चकृव	विभराञ्चकृम	उ०
पक्षे	बभार	बभ्रुतुः	बभ्रुः	प्र०
	बभर्थ	बभ्रथुः	बभ्र	म०
	बभार-बभर	बभृव	बभृम	उ०
लुट्	भर्ता	भर्तारौ	भर्तारः	प्र०
	भर्तासि	भर्तास्थः	भर्तास्थ	म०
	भर्तास्मि	भर्तास्वः	भर्तास्मः	उ०
लृट्	भरिष्यति	भरिष्यतः	भरिष्यन्ति	प्र०
	भरिष्यसि	भरिष्यथः	भरिष्यथ	म०
	भरिष्यामि	भरिष्यावः	भरिष्यामः	उ०
लोट्	बिभर्तु-विभृतात्	बिभृताम्	बिभ्रतु	प्र०
	बिभृहि-विभृतात्	बिभृतम्	बिभृत	म०
	बिभराणि	बिभराव	बिभराम	उ०
लङ्	अबिभः	अबिभृताम्	अबिभरुः	प्र०
	अबिभः	अबिभृतम्	अबिभृत	म०
	अबिभराम्	अबिभृव	अबिभृम	उ०
विधि-लिट्	बिभृयात्	बिभृयाताम्	बिभृयुः	प्र०
	बिभृयाः	बिभृयातम्	बिभृयात	म०
	बिभृयाम्	बिभृयाव	बिभृयाम	उ०

आशिष्-लिङ्	भ्रियात्	भ्रियास्ताम्	भ्रियासुः	प्र०
	भ्रियाः	भ्रियास्तम्	भ्रियास्त	म०
	भ्रियासम्	भ्रियास्व	भ्रियास्म	उ०
लुङ्	अभार्षीत्	अभार्ष्टाम्	अभार्षुः	प्र०
	अभार्षीः	अभार्ष्टम्	अभार्ष्ट	म०
	अभार्षम्	अभार्ष्व	अभार्ष्व	उ०
लृङ्	अभरिष्यत्	अभरिष्यताम्	अभरिष्यन्	प्र०
	अभरिष्यः	अभरिष्यतम्	अभरिष्यत	म०
	अभरिष्यम्	अभरिष्याव	अभरिष्याम	उ०

आत्मनेपदपक्षे

लट्	बिभृते	बिभ्राते	बिभ्रते	प्र०
	बिभृषे	बिभ्राथे	बिभृध्वे	म०
	बिभ्रे	बिभृवहे	बिभृमहे	उ०
लिट्	बिभराञ्चक्रे	बिभराञ्चक्राते	बिभराञ्चक्रिरे	प्र०
	बिभराञ्चकृथे	बिभराञ्चक्राथे	बिभराञ्चकृद्वे	म०
	बिभराञ्चक्रे	बिभराञ्चकृवहे	बिभराञ्चकृमहे	उ०
पक्षे	बभ्रे	बभ्राते	बभ्रिरे	प्र०
	बभृषे	बभ्राथे	बभ्रध्वे-द्वे	म०
	बभ्रे	बभृवहे	बभृमहे	उ०
लुट्	भर्ता	भर्तारौ	भर्तारः	प्र०
	भर्तासे	भर्तासाथे	भर्ताध्वे	म०
	भर्ताहे	भर्तास्वहे	भर्तास्महे	उ०
लृट्	भरिष्यते	भरिष्येते	भरिष्यन्ते	प्र०
	भरिष्यसे	भरिष्येते	भरिष्यध्वे	म०
	भरिष्ये	भरिष्यावहे	भरिष्यामहे	उ०
लोट्	बिभृताम्	बिभ्राताम्	बिभ्रताम्	प्र०
	बिभृष्व	बिभ्राथाम्	बिभृध्वम्	म०
	बिभ्रै	बिभ्रावहै	बिभ्रामहै	उ०
लङ्	अबिभृत	अबिभ्राताम्	अबिभ्रत	प्र०
	अबिभृथाः	अबिभ्राथाम्	अबिभृध्वम्	म०
	अबिभि	अबिभृवहि	अबिभृमहि	उ०

विधि-लिङ्	बिभ्रीत	बिभ्रीयाताम्	बिभ्रीरन्	प्र०
	बिभ्रीथाः	बिभ्रीयाथाम्	बिभ्रीध्वम्	म०
	बिभ्रीय	बिभ्रीवहि	बिभ्रीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	भृषीष्ट	भृषीयाताम्	भृषीरन्	प्र०
	भृषीष्ठाः	भृषीयाथाम्	भृषीध्वम्	म०
	भृषीय	भृषीवहि	भृषीमहि	उ०
लुङ्	अभृत	अभृषाताम्	अभृषत	प्र०
	अभृथाः	अभृषाथाम्	अभृद्वम्	म०
	अभृषि	अभृष्वहि	अभृषमहि	उ०
लृङ्	अभरिष्यत	अभरिष्येताम्	अभरिष्यन्त	प्र०
	अभरिष्यथाः	अभरिष्येथाम्	अभरिष्यध्वम्	म०
	अभरिष्ये	अभरिष्यावहि	अभरिष्यामहि	उ०

1088. माङ् माने शब्दे च - स०अ० (अनिट्) आत्मनेपदी

लट्	मिमिते	मिमाते	मिमते	प्र०
	मिमिषे	मिमाथे	मिमिध्वे	म०
	मिमे	मिमिवहे	मिमिमहे	उ०
लिट्	ममे	ममाते	ममिरे	प्र०
	ममिषे	ममाथे	ममिध्वे	म०
	ममे	ममिवहे	ममिमहे	उ०
लुट्	माता	मातारौ	मातारः	प्र०
	मातासे	मातासाथे	माताध्वे	म०
	माताहे	मातास्वहे	मातास्महे	उ०
लृट्	मास्यते	मास्येते	मास्यन्ते	प्र०
	मास्यसे	मास्येथे	मास्यध्वे	म०
	मास्ये	मास्यावहे	मास्यामहे	उ०
लोट्	मिमिताम्	मिमाताम्	मिमताम्	प्र०
	मिमिष्व	मिमाथाम्	मिमिध्वम्	म०
	मिमै	मिमावहै	मिमामहै	उ०
लृङ्	अमिमीत	अमिमाताम्	अमिमत	प्र०
	अमिमीथाः	अमिमाथाम्	अमिमिध्वम्	म०
	अमिमि	अमिमिवहि	अमिमिमहि	उ०

विधि-लिङ्	मिमीत	मिमीयाताम्	मिमिरन्	प्र०
	मिमीथाः	मिमीयाथाम्	मिमिध्वम्	म०
	मिमीय	मिमीवहि	मिमीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	मासीष्ट	मासीयास्ताम्	मासीरन्	प्र०
	मासीष्ठाः	मासीयास्थाम्	मासीध्वम्	म०
	मासीय	मासीवहि	मासीमहि	उ०
लुङ्	अमास्त	अमासाताम्	अमासत	प्र०
	अमास्थाः	अमासाथाम्	अमाध्वम्	म०
	अमासि	अमास्वहि	अमास्महि	उ०
लृङ्	अमास्यत्	अमास्येताम्	अमास्यन्त	प्र०
	अमास्यथाः	अमास्येथाम्	अमास्यध्वम्	म०
	अमास्ये	अमास्यावहि	अमास्यामहि	उ०
1089. ओ हाङ् गतौ - सकर्मक (अनिट्) आत्मनेपदी				
लट्	जिहीते	जिहाते	जिहते	प्र०
	जिहीषे	जिहाथे	जिहीध्वे	म०
	जिहे	जिहीवहे	जिहीमहे	उ०
लिट्	जहे	जहाते	जहिरे	प्र०
	जहिषे	जहाथे	जहिध्वे-द्वे	म०
	जहे	जहिवहे	जहिमहे	उ०
लुट्	हाता	हातारौ	हातरः	प्र०
	हातासे	हातासाथे	हाताध्वे	म०
	हाताहे	हातास्वहे	हातास्महे	उ०
लृट्	हास्यते	हास्येते	हास्यन्ते	प्र०
	हास्यसे	हास्येथे	हास्यध्वे	म०
	हास्ये	हास्यावहे	हास्यामहे	उ०
लोट्	जिहीताम्	जिहाताम्	जिहीताम्	प्र०
	जिहीष्वा	जिहाथाम्	जिहीध्वम्	म०
	जिहै	जिहावहै	जिहामहै	उ०
लङ्	अजिहीत	अजिहाताम्	अजिहत	प्र०
	अजिहीथाः	अजिहाथाम्	अजिहीध्वम्	म०
	अजिहि	अजिहीवहि	अजिहीमहि	उ०

विधि-लिङ्	जिहीत	जिहीयाताम्	जिहीरन्	प्र०
	जिहीथाः	जिहीयाथाम्	जिहीध्वम्	म०
	जिहीय	जिहीवहि	जिहीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	हासीष्ट	हासीयास्ताम्	हासीरन्	प्र०
	हासीष्ठाः	हासीयास्थाम्	हासीध्वम्	म०
	हासीय	हासीवहि	हासीमहि	उ०
लुङ्	अहास्त	अहासाताम्	अहासत	प्र०
	अहास्थाः	अहासाथाम्	अहाध्वम्	म०
	अहासि	अहास्वहि	अहास्महि	उ०
लृङ्	अहास्यत	अहास्येताम्	अहास्यन्त	प्र०
	अहास्यथाः	अहास्येथाम्	अहास्यध्वम्	म०
	अहास्ये	अहास्यावहि	अहास्यामहि	उ०

1090. ओहाक् - सकर्मक (अनिट्) परस्मैपदी

लट्	जहाति	जहितः-जहीतः	जहति	प्र०
	जहासि	जहितः-जहीथः	जहित-जहीथ	म०
	जहामि	जहितः-जहीवः	जहितः-जहीमः	उ०
लिट्	जहौ	जहतुः	जहुः	प्र०
	जहित-जहाथ	जहतुः	जह	म०
	जहौ	जहित	जहित	उ०
लुट्	हाता	हातारौ	हातारः	प्र०
	हातासि	हातास्थः	हातास्थ	म०
	हातास्मि	हातास्वः	हातास्मः	उ०
लृट्	हास्यति	हास्यतः	हास्यन्ति	प्र०
	हास्यसि	हास्यथः	हास्यथ	म०
	हास्यामि	हास्यावः	हास्यामः	उ०
लोट्	जहातु-जहितात्	जहिताम्-जहीताम्	जहतु	प्र०
	जहीतात्			
	जहाहि-जहिहि	जहितम्	जहित	म०
	जहीहि-जहितात्			
	जहानि	जहाव	जहाम	उ०

लङ्	अजहात्	अजहिताम्-	अजहुः	प्र०
		अजहीताम्		
	अजहाः	अजहितम्-	अजहित-	म०
		अजहीताम्	अजहीत	
	अजहाम्	अजहिव-	अजहिम-	उ०
		अजहीव	अजहीम	
विधि-लिङ्	जह्यात्	जह्याताम्	जह्युः	प्र०
	जह्याः	जह्यातम्	जह्यात	म०
	जह्याम्	जह्याव	जह्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	हेयात्	हेयास्ताम्	हेयासुः	प्र०
	हेयाः	हेयास्तम्	हेयास्त	म०
	हेयासम्	हेयास्व	हेयास्म	उ०
लुङ्	अहासीत्	अहासिष्टाम्	अहासिषुः	प्र०
	अहासीः	अहासिष्टम्	अहासिष्ट	म०
	अहासिषम्	अहासिष्व	अहासिष्व	उ०
लृङ्	अहास्यत्	अहास्यताम्	अहास्यन्	प्र०
	अहास्यः	अहास्यतम्	अहास्यत	म०
	अहास्यम्	अहास्याव	अहास्याम	उ०

1091. डु दाज् दाने - सकर्मक (अनिट्) उभयपदी

लट्	ददाति	दत्तः	ददति	प्र०
	ददासि	दत्थः	दत्थ	म०
	ददामि	दद्वः	दद्वमः	उ०
(आ०)	दत्ते	ददाते	दद्वते	प्र०
	दत्से	ददाथे	दद्वथे	म०
	ददे	दद्वहे	दद्वमहे	उ०
लिट् (पर०)	ददौ	ददतुः	ददुः	प्र०
	ददित्थ-ददाथ	ददथुः	दद	म०
	ददौ	ददिव	ददिम	उ०
(आ०)	ददे	ददाते	ददिरे	प्र०
	ददिषे	ददाथे	ददिध्वे	म०
	ददे	ददिवहे	ददिमहे	उ०

लृट् (पर०)	दाता	दातारौ	दातारः	प्र०
	दातासि	दातास्थः	दातास्थ	म०
	दातास्मि	दातास्वः	दातास्मः	उ०
(आ०)	दाता	दातारौ	दातारः	प्र०
	दातासे	दातासाथे	दाताध्वे	म०
	दाताहे	दातास्वहे	दातास्महे	उ०
लृट् (पर०)	दास्यति	दास्यतः	दास्यन्ति	प्र०
	दास्यसि	दास्यथः	दास्यथ	म०
	दास्यामि	दास्यावः	दास्यामः	उ०
(आ०)	दास्यते	दास्येते	दास्यन्ते	प्र०
	दास्यसे	दास्येथे	दास्यध्वे	म०
	दास्ये	दास्यावहे	दास्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	ददातु-दत्तात्	दत्ताम्	ददतु	प्र०
	देहि-दत्तात्	दत्तम्	दत्त	म०
	ददानि	ददाव	ददाम	उ०
(आ०)	दत्ताम्	ददाताम्	ददताम्	प्र०
	दत्स्व	ददाथाम्	ददध्वम्	म०
	ददै	ददावहै	ददामहै	उ०
लङ् (पर०)	अददत्	अदत्ताम्	अददुः	प्र०
	अददाः	अदत्तम्	अदत्त	म०
	अददाम्	अदद्व	अदम्	उ०
(आ०)	अदत्त	अदाताम्	अददत	प्र०
	अदत्थाः	अददाथाम्	अददध्वम्	म०
	अददि	अदद्वहि	अददमहि	उ०
विधि-लिङ्	दद्यात्	दद्याताम्	दद्युः	प्र०
(पर०)	दद्याः	दद्यातम्	दद्यात	म०
	दद्याम्	दद्याव	दद्याम	उ०
(आ०)	ददीत	ददीयाताम्	ददीरन्	प्र०
	ददीथाः	ददीयाथाम्	ददीध्वम्	म०
	ददीय	ददीवहि	ददीमहि	उ०

आशिष्-लिङ्	देयात्	देयास्ताम्	देयासुः	प्र०
(पर०)	देयाः	देयास्ताम्	देयास्त	म०
	देयासम्	देयास्व	देयास्म	उ०
(आ०)	दासीष्ट	दासीयास्ताम्	दासीरन्	प्र०
	दासीष्ठाः	दासीयास्थाम्	दासीध्वम्	म०
	दासीय	दासीवहि	दासीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अदात्	अदाताम्	अदुः	प्र०
	अदाः	अदातम्	अदात	म०
	अदाम्	अदाव	अदाम	उ०
(आ०)	अदित	अदिषाताम्	अदिषत	प्र०
	अदिथाः	अदिषाथाम्	अदिद्वम्	म०
	अदिषि	अदिष्वहि	अदिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अदास्यत	अदास्यताम्	अदास्यन्	प्र०
	अदास्यथः	अदास्यतम्	अदास्यत	म०
	अदास्यम्	अदास्याव	अदास्याम	उ०
(आ०)	अदास्यत	अदास्येताम्	अदास्यन्त	प्र०
	अदास्यथाः	अदास्येथाम्	अदास्यध्वम्	म०
	अदास्ये	अदास्यावहि	अदास्यामहि	उ०

1092. डु धाज् धारणपोषणयोः। दाने पिवे। सकर्मक (अनिट्) उभयपदी

लट् (पर०)	दधाति	धत्तः	दधति	प्र०
	दधासि	धत्थः	धत्थ	म०
	दधामि	दध्वः	दध्मः	उ०
(आ०)	धत्ते	दधाते	दधते	प्र०
	धत्से	दधाथे	धध्वे	म०
	दधे	दध्वहे	दध्महे	उ०
लिट् (पर०)	दधौ	दधतुः	दधुः	प्र०
	दधिथ-दधाथ	दधथुः	दध	म०
	दधौ	दधिव	दधिम	उ०
(आ०)	दधे	दधाते	दधिरे	प्र०
	दधिषे	दधाथे	दधिध्वे	म०
	दधे	दधिवहे	दधिमहे	उ०

लृट् (पर०)	धाता	धातारौ	धातारः	प्र०
	धातासि	धातास्थः	धातास्थ	म०
	धातास्मि	धातास्वः	धातास्मः	उ०
(आ०)	धाता	धातारौ	धातारः	प्र०
	धातासे	धातासाथे	धाताध्वे	म०
	धाताहे	धातास्वहे	धातास्महे	उ०
लृट् (पर०)	धास्यति	धास्यतः	धास्यन्ति	प्र०
	धास्यसि	धास्यथः	धास्यथ	म०
	धास्यामि	धास्यावः	धास्यामः	उ०
(आ०)	धास्यते	धास्येते	धास्यन्ते	प्र०
	धास्यसे	धास्येथे	धास्यध्वे	म०
	धास्ये	धास्यावहे	धास्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	दधातु-धत्तात्	धत्ताम्	दधतु	प्र०
	धेहि-धंतात्	धत्तम्	धत्त	म०
	दधानि	दधाव	दधाम	उ०
(आ०)	धत्ताम्	दधाताम्	दधताम्	प्र०
	धत्स्व	दधाथाम्	धद्ध्वम्	म०
	दधै	दधावहै	दधामहै	उ०
लङ् (पर०)	अदधात्	अधत्ताम्	अदधुः	प्र०
	अदधाः	अधत्तम्	अधत्त	म०
	अदधाम्	अदध्व	अदध्म	उ०
(आ०)	अधत्त	अदधाताम्	अदधत	प्र०
	अधत्थाः	अदधाथाम्	अधद्ध्वम्	म०
	अदधि	अदध्वहि	अदध्महि	उ०
विधि-लिङ्	दध्यात्	दध्याताम्	दध्युः	प्र०
(पर०)	दध्याः	दध्यातम्	दध्यात	म०
	दध्याम्	दध्याव	दध्याम	उ०
(आ०)	दधीत	दधीयाताम्	दधीरन्	प्र०
	दधीथाः	दधीयाथाम्	दधीध्वम्	म०
	दधीय	दधीवहि	दधीमहि	उ०

आशिष्-लिङ्	धेयात्	धेयास्ताम्	धेयासुः	प्र०
(पर०)	धेयाः	धेयास्ताम्	धेयास्त	म०
	धेयासम्	धेयास्व	धेयास्म	उ०
(आ०)	धासीष्ट	धासीयास्ताम्	धासीरन्	प्र०
	धासीष्ठाः	धासीयास्थाम्	धासीध्वम्	म०
	धासीय	धासीवहि	धासीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अधात्	अधाताम्	अधुः	प्र०
	अधाः	अधातम्	अधात	म०
	अधाम्	अधाव	अधाम	उ०
(आ०)	अधित	अधिषाताम्	अधिषत	प्र०
	अधिथाः	अधिषाथाम्	अधिद्वम्	म०
	अधिषि	अधिष्वहि	अधिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अधास्यत्	अधास्यताम्	अधास्यन्	प्र०
	अधास्यः	अधास्यतम्	अधास्यत	म०
	अधास्यम्	अधास्याव	अधास्याम	उ०
(आ०)	अधास्यत	अधास्येताम्	अधास्यन्त	प्र०
	अधास्यथाः	अधास्येथाम्	अधास्यध्वम्	म०
	अधास्ये	अधास्यावहि	अधास्यामहि	उ०

अथ त्रयः स्वरितेतः

1093. णिजिर् शौचपोषणयोः - स० उभयपदी

लट् (पर०)	नेनेक्ति	नेनित्तः	नेनिजति	प्र०
	नेनेक्षि	नेनिक्थः	नेनिक्थ	म०
	नेनेज्मि	नेनिज्वः	नेनिज्मः	उ०
(आ०)	नेनेक्ते	नेनिजाते	नेनिजते	प्र०
	नेनेक्षे	नेनिजाथे	नेनिध्वे	म०
	नेनेजे	नेनिज्वहे	नेनिज्महे	उ०
लिट् (पर०)	निनेज	निनेजतुः	निनेजुः	प्र०
	निनेजिथ	निनिजथुः	निनिज	म०
	निनेज	निनिजिव	निनिजिम	उ०

(आ०)	निनिजे	निनिजाते	निनिजिरे	प्र०
	निनिजिषे	निनिजाथे	निनिजिध्वे	म०
	निनिजे	निनिजिवहे	निनिजिमहे	उ०
लुट् (पर०)	नेक्ता	नेक्तारौ	नेक्तारः	प्र०
	नेक्तासि	नेक्तास्थः	नेक्तास्थ	म०
	नेक्तास्मि	नेक्तास्वः	नेक्तास्मः	उ०
(आ०)	नेक्ता	नेक्तारौ	नेक्तारः	प्र०
	नेक्तासे	नेक्तासाथे	नेक्ताध्वे	म०
	नेक्ताहे	नेक्तास्वहे	नेक्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	नेक्ष्यति	नेक्ष्यतः	नेक्ष्यन्ति	प्र०
	नेक्ष्यसि	नेक्ष्यथः	नेक्ष्यथ	म०
	नेक्ष्यामि	नेक्ष्यावः	नेक्ष्यामः	उ०
(आ०)	नेक्ष्यते	नेक्ष्येते	नेक्ष्यन्ते	प्र०
	नेक्ष्यसे	नेक्ष्येथे	नेक्ष्यध्वे	म०
	नेक्ष्ये	नेक्ष्यावहे	नेक्ष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	नेनेक्तु-नेनिक्तात्	नेनिक्ताम्	नेनिजतुः	प्र०
	नेनिग्धि-क्तात्	नेनिक्तम्	नेनिक्त	म०
	नेनिजानि	नेनिजाव	नेनिजाम	उ०
(आ०)	नेनिक्ताम्	नेनिजाताम्	नेनिजताम्	प्र०
	नेनिक्ष्व	नेनिजाथाम्	नेनिग्ध्वम्	म०
	नेनिजै	नेनिजावहै	नेनिजामहै	उ०
लङ् (पर०)	अनेनेक्-ग्	अनेनिक्ताम्	अनेनिजुः	प्र०
	अनेनेक्-ग्	अनेनिक्तम्	अनेनिक्त	म०
	अनेनिजम्	अनेनिज्व	अनेनिज्म	उ०
(आ०)	अनेनिक्त	अनेनिजाताम्	अनेनिजत	प्र०
	अनेनिक्थाः	अनेनिजाथाम्	अनेनिग्ध्वम्	म०
	अनेनिजि	अनेनिज्वहि	अनेनिज्महि	उ०
विधि-लिङ्	नेनिज्यात्	नेनिज्याताम्	नेनिज्युः	प्र०
(पर०)	नेनिज्याः	नेनिज्यातम्	नेनिज्यात	म०
	नेनिज्याम्	नेनिज्याव	नेनिज्याम	उ०

(आ०)	नेनिजीत	नेनिजीयाताम्	नेनिजीरन्	प्र०
	नेनिजीथाः	नेनिजीयाथाम्	नेनिजीध्वम्	म०
	नेनिजीय	नेनिजीवहि	नेनिजीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	निज्यात्	निज्यास्ताम्	निज्यासुः	प्र०
(पर०)	निज्याः	निज्यास्तम्	निज्यास्त	म०
	निज्यासम्	निज्यास्व	निज्यास्म	उ०
(आ०)	निक्षीष्ट	निक्षीयास्ताम्	निक्षीरन्	प्र०
	निक्षीष्टाः	निक्षीयास्थाम्	निक्षीध्वम्	म०
	निक्षीय	निक्षीवहि	निक्षीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अनिजत्	अनिजताम्	अनिजन्	प्र०
	अनिजः	अनिजतम्	अनिजत	म०
	अनिजम्	अनिजाव	अनिजाम	उ०
“हरितो वा” इत्यङ्भावपक्षे				
	अनैक्षीत्	अनैक्ताम्	अनैक्षुः	प्र०
	अनैक्षीः	अनैक्तम्	अनैक्त	म०
	अनैक्षम्	अनैक्ष्व	अनैक्ष्म	उ०
(आ०)	अनिक्त	अनिक्षाताम्	अनिक्षत	प्र०
	अनिक्थाः	अनिक्षाथाम्	अनिक्ध्वम्	म०
	अनिक्षि	अनिक्ष्वहि	अनिक्ष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अनेक्ष्यत्	अनेक्ष्यताम्	अनेक्ष्यन्	प्र०
	अनेक्ष्यः	अनेक्ष्यतम्	अनेक्ष्यत	म०
	अनेक्ष्यम्	अनेक्ष्याव	अनेक्ष्याम	उ०
(आ०)	अनेक्ष्यत	अनेक्ष्येताम्	अनेक्ष्यन्त	प्र०
	अनेक्ष्यथाः	अनेक्ष्येथाम्	अनेक्ष्यध्वम्	म०
	अनेक्ष्ये	अनेक्ष्यावहि	अनेक्ष्यामहि	उ०

1094. विजिर् पृथग्भावे - अनि० (अ०) उभयपदी वेवेक्ति इत्यादि निजिर्वत्

1095. विष्लृ व्याप्तौ लृदिद् अनि० (स०) उभयपदी वेवेष्टि, वेविष्टः, वेविषति इत्यादि निजिर्वत् अथ आगणान्तात्परस्मैपदिनश्छान्दसाश्च।

1096. घृक्षरणदीप्त्योः - अनि० (अ०) परस्मैपदी

लट्	जघर्ति-जिघर्ति	जघृतः-जिघृतः	जघ्नति-जिघ्नति	प्र०
	जघर्सि-जिघर्सि	जघर्थः-जिघर्थः	जघर्थ-जिघर्थ	म०
	जघर्मि-जिघर्मि	जघर्वः-जिघर्वः	जघर्म-जिघर्मः	उ०
लिट्	जघार	जघ्नतुः	जघ्नुः	प्र०
	जघर्थ	जघ्नथुः	जघ्न	म०
	जघार-जघर	जघ्निव	जघ्निम	उ०
लुट्	घर्ता	घर्तारौ	घर्तारः	प्र०
	घर्तासि	घर्तास्थः	घर्तास्थ	म०
	घर्तास्मि	घर्तास्वः	घर्तास्मः	उ०
लृट्	घरिष्यति	घरिष्यतः	घरिष्यन्ति	प्र०
	घरिष्यसि	घरिष्यथः	घरिष्यथ	म०
	घरिष्यामि	घरिष्यावः	घरिष्यामः	उ०
लोट्	जघर्तु-जघृतात्	जघृताम्	जघृतु	प्र०
	जिघर्तु-जिघ्रतात्	जिघृताम्	जिघृतु	
	जघृहि-तात्जि	जघृतम्-जि	जघृत-जि	म०
	जघराणि	जघराव	जघराम	उ०
लङ्	अजघृत	अजघृताम्	अजघरुः	प्र०
	अजघः	अजघृतम्	अजघृत	म०
	अजघरम्	अजघृव	अजघृव	उ०
विधि-लिङ्	जघृयात्	जघृयाताम्	जघृयुः	प्र०
	जघृयाः	जघृयातम्	जघृयात	म०
	जघृयाम्	जघृयाव	जघृयाम	उ०
आशिष्-लिङ्	घ्नियात्	घ्नियास्ताम्	घ्नियासुः	प्र०
	घ्नियाः	घ्नियास्तम्	घ्नियास्त	म०
	घ्नियासम्	घ्नियास्व	घ्नियास्म	उ०
लुङ्	अघार्षात्	अघार्ष्टाम्	अघार्षुः	प्र०
	अघार्षाः	अघार्ष्टम्	अघार्ष्ट	म०
	अघार्षम्	अघार्ष्व	अघार्ष्व	उ०
लृङ्	अघरिष्यत्	अघरिष्यताम्	अघरिष्यन्	प्र०
	अघरिष्यः	अघरिष्यतम्	अघरिष्यत	म०
	अघरिष्यम्	अघरिष्याव	अघरिष्याम	उ०

1097. ह प्रसह्यकरणे - घृ घातुवद्रूपाणि।

1098. ऋ गतौ - सकर्मक (परस्मैपदी) सेट्च

लट्	इयति	इयृतः	इयृति	प्र०
	इयर्षि	इयृथः	इयृथ	म०
	इयर्मि	इयृवः	इयृमः	उ०
लिट्	आर	आरतुः	आरुः	प्र०
	आरिथ	आरथुः	आर	म०
	आर	आरिव	आरिम	उ०
लुट्	अर्ता	अर्तारौ	अर्तारः	प्र०
	अर्तासि	अर्तास्थः	अर्तास्थ	म०
	अर्तास्मि	अर्तास्वः	अर्तास्मः	उ०
लृट्	अरिष्यति	अरिष्यतः	अरिष्यन्ति	प्र०
	अरिष्यसि	अरिष्यथः	अरिष्यथ	म०
	अरिष्यामि	अरिष्यावः	अरिष्यामः	उ०
लोट्	इयर्तु-इयृतात्	इयृताम्	इयृतु	प्र०
	इयृहि-इयृतात्	इयृतम्	इयृत	म०
	इयराणि	इयृराव	इयराम	उ०
लङ्	ऐयः	ऐयताम्	ऐयरुः	प्र०
	ऐयः	ऐयृतम्	ऐयृत	म०
	ऐयरम्	ऐयृव	ऐयृम	उ०
विधि-लिट्	इयृयात्	इयृयाताम्	इयृयुः	प्र०
	इयृयाः	इयृयातम्	इयृयात	म०
	इयृयाम्	इयृयाव	इयृयाम	उ०
आशिष्-लिट्	अर्यात्	अर्यास्ताम्	अर्यासुः	प्र०
	अर्याः	अर्यास्तम्	अर्यास्त	म०
	अर्यासम्	अर्यास्व	अर्यास्म	उ०
लुङ्	आरत्	आरताम्	आरन्	प्र०
	आरः	आरतम्	आरत्	म०
	आरम्	आराव	आराम	उ०
लृङ्	आरिष्यत्	आरिष्यताम्	आरिष्यन्	प्र०
	आरिष्यः	आरिष्यतम्	आरिष्यत	म०
	आरिष्यम्	आरिष्याव	आरिष्याम	उ०

1099. सू - गतौ - अ०(स०)प० - रूपाणि पूर्ववत्

1100. भस - भर्त्सनदीप्तयोः -से(स०)पर० - रूपाणि पूर्ववत्

1101. कि ज्ञाने - स०(पर०)अ०

लट्	चिकेति	चिकितः	चिक्यति	प्र०
	चिकेषि	चिकिथः	चिकिथ	म०
	चिकेमि	चिकिवः	चिकिमः	उ०
लिट्	चिकाय	चिक्यतुः	चिक्युः	प्र०
	चिकायिथ-चिकेथ	चिक्यथुः	चिक्य	म०
	चिकाय	चिक्रियव	चिक्रियम	उ०
लुट्	केता	केतारौ	केतारः	प्र०
	केतासि	केतास्थः	केतास्थ	म०
	केतास्मि	केतास्वः	केतास्मः	उ०
लृट्	केष्यति	केष्यतः	केष्यन्ति	प्र०
	केष्यसि	केष्यथः	केष्यथ	म०
	केष्यामि	केष्यावः	केष्यामः	उ०
लोट्	चिकेतु-चिकितात्	चिकिताम्	चिक्यतुः	प्र०
	चिकिहि-तात्	चिकितम्	चिकित	म०
	चिकयानि	चिकयाव	चिकयाम	उ०
लङ्	अचिकेत्	अचिकिताम्	अचिक्युः	प्र०
	अचिके	अचिकतम्	अचिकत	म०
	अचिकयम्	अचिकिव	अचिकिम	उ०
विधि-लिट्	चिकियात्	चिकियाताम्	चिक्युः	प्र०
	चिकियाः	चिकियातम्	चिकियात	म०
	चिकियाम्	चिकियाव	चिकियाम	उ०
आशिष्-लिट्	कीयात्	कीयास्ताम्	कीयासुः	प्र०
	कीयाः	कीयास्तम्	कीयास्त	म०
	कीयासम्	कीयास्व	कीयास्म	उ०
लुङ्	अकैषीत्	अकैसिष्टम्	अकैसिषुः	प्र०
	अकैषीः	अकैसिष्टम्	अकैसिष्ट	म०
	अकैसिषम्	अकैसिष्व	अकैसिष्व	उ०

लृङ्	अकेष्यत्	अकेष्यताम्	अकेष्यन्	प्र०
	अकेष्यः	अकेष्यतम्	अकेष्यत	म०
	अकेष्यम्	अकेष्याव	अकेष्याम	उ०

1102. तुर त्वरणे - से०(अ०)पर०

लट्	तुतोर्ति	तुतूर्तः	तुतुरति	प्र०
	तुतोर्षि	तुतूर्थः	तुतूर्थ	म०
	तुतोर्मि	तुतूर्वः	तुतूर्मः	उ०
लिट्	तुतोर	तुतुरुः	तुतुरुः	प्र०
	तुतुरिथ	तुतुरथुः	तुतुर	म०
	तुतोर	तुतुरिव	तुतुरिम	उ०
लुट्	तोरिता	तोरितारौ	तोरितारः	प्र०
	तोरितासि	तोरितास्थः	तोरितास्थ	म०
	तोरितास्मि	तोरितास्वः	तोरितास्मः	उ०
लृट्	तोरिष्यति	तोरिष्यतः	तोरिष्यन्ति	प्र०
	तोरिष्यसि	तोरिष्यथः	तोरिष्यथ	म०
	तोरिष्यामि	तोरिष्यावः	तोरिष्यामः	उ०
लोट्	तुतोर्तु-तुतर्तात्	तुतूर्ताम्	तुतुरुतु	प्र०
	तुतूर्हि-तात्	तुतूर्तम्	तुतूर्त	म०
	तुतुराणि	तुतुराव	तुतुराम	उ०
लङ्	अतुतोः	अतुतूर्ताम्	अतुतुरुः	प्र०
	अतुतोः	अतुतूर्तम्	अतुतूर्त	म०
	अतुतुरम्	अतुतूर्व	अतुतूर्म	उ०
विधि-लिट्	तुतूर्यात्	तुतूर्याताम्	तुतूर्युः	प्र०
	तुतूर्याः	तुतूर्यातम्	तुतूर्यात	म०
	तुतूर्याम्	तुतूर्याव	तुतूर्याम	उ०
आशिष्-लिट्	तूर्यात्	तूर्यास्ताम्	तूर्यासुः	प्र०
	तूर्याः	तूर्यास्तम्	तूर्यास्त	म०
	तूर्यासम्	तूर्यास्व	तूर्यास्म	उ०
लुङ्	अतोरीत्	अतोरिष्याम्	अतोरिष्यन्	प्र०
	अतोरीः	अतोरिष्टम्	अतोरिष्ट	म०
	अतोरिषम्	अतोरिष्व	अतोरिष्व	उ०

लृङ्	अतोरिष्यत्	अतोरिष्यताम्	अतोरिषुः	प्र०
	अतोरिष्यः	अतोरिष्यतम्	अतोरिष्यत	म०
	अतोरिष्यम्	अतोरिष्याव	अतोरिष्याम	उ०

1103. घिष शब्दे - से०(अ०)पर० - रूपाणि पूर्ववत्

1104. धनधान्ये - से०(अ०)पर०

लट्	दधन्ति	दधन्तः	दधनति	प्र०
	दधन्सि	दधन्थः	दधन्थ	म०
	दधन्मि	दधन्वः	दधन्मः	उ०
लिट्	दधान	दधनतुः	दधनुः	प्र०
	दधनिथ	दधनथुः	दधन	म०
	दधान	दधनिव	दधनिम	उ०
लुट्	धनिता	धनितारौ	धनितारः	प्र०
	धनितासि	धनितास्थः	धनितास्थ	म०
	धनितास्मि	धनितास्वः	धनितास्मः	उ०
लृट्	धनिष्यति	धनिष्यतः	धनिष्यन्ति	प्र०
	धनिष्यसि	धनिष्यथः	धनिष्यथ	म०
	धनिष्यामि	धनिष्यावः	धनिष्यामः	उ०
लोट्	दधन्तु-दधन्तात्	दधन्ताम्	दधन्तु	प्र०
	दधंहि	दधन्तम	दधन्त	म०
	दधनानि	दधनाव	दधनाम	उ०
लङ्	अदधन्	अदधन्ताम्	अदधनुः	प्र०
	अदधन	अदधन्तम्	अदधन्त	म०
	अदधनम्	अदधन्व	अदधन्म	उ०
विधि-लिट्	दधन्यात्	दधन्याताम्	दधन्युः	प्र०
	दधन्याः	दधन्यातम्	दधन्यात	म०
	दधन्याम्	दधन्याव	दधन्याम	उ०
आशिष्-लिट्	धन्यात	धन्यास्ताम	धन्यासुः	प्र०
	धन्याः	धन्यास्तम	धन्यास्त	म०
	धन्यासम्	धन्यास्व	धन्यास्म	उ०

लुङ्	अधानीत-अधनीत्	अधानिष्टाम्	अधानिषुः	प्र०
	अधानी-अधनीः	अधानिष्टम्	अधनिष्ट	म०
	अधानिषम्	अधानिष्व	अधानिष्व	उ०

1105. जन जनने - से०(अ०)पर० रूपाणि धनवत्

1106. गा स्तुतौ - अ०(स०)पर०

लट्	जिगाति	जिगीतः	जिगति	प्र०
	जिगासि	जिगीथः	जिगीथ	म०
	जिगामि	जिगीवः	जिगीमः	उ०
लिट्	जगौ	जगतुः	जगुः	प्र०
	जगिथ-जगाथ	जगथुः	जग	म०
	जगौ	जगिव	जगिम	उ०
लुट्	गाता	गातारौ	गातारः	प्र०
	गातासि	गातास्थः	गातास्थ	म०
	गातास्मि	गातास्वः	गातास्मः	उ०
लृट्	गास्यति	गास्यतः	गास्यन्ति	प्र०
	गास्यसि	गास्यथः	गास्यथ	म०
	गास्यामि	गास्यावः	गास्यामः	उ०
लोट्	जिगातु-जिगीतात्	जिगीताम्	जिगतु	प्र०
	जिगीहि	जिगीतम्	जिगीत	म०
	जिगानि	जिगाव	जिगाम	उ०
लङ्	अजिगात्	अजिगीताम्	अजिगुः	प्र०
	अजिगाः	अजिगीतम्	अजिगीत	म०
	अजिगाम्	अजिगीव	अजिगीम	उ०
विधि-लिट्	जिगीयात्	जिगीयाताम्	जिगीयुः	प्र०
	जिगीयाः	जिगीयातम्	जिगीयात	म०
	जिगीयाम	जिगीयाव	जिगीयाम	उ०
आशिष्-लिट्	गेयात्	गेयास्ताम्	गेयासुः	प्र०
	गेयाः	गेयास्तम्	गेयास्त	म०
	गेयासम्	गेयास्व	गेयास्म	उ०

लुङ्	अगासीत्	अगासिष्टाम्	अगासिषुः	प्र०
	अगासीः	अगासिष्टम्	अगासिष्ट	म०
	अगासिषम	अगासिष्व	अगासिष्व	उ०
लृङ्	अगास्यत्	अगास्यताम्	अगास्यन्	प्र०
	अगास्यः	अगास्यतम्	अगास्यत	म०
	अगास्यम्	अगास्याव	अगास्याम्	उ०

इति तिङन्ते जुहोत्यादिप्रकरणम्

अथ तिङन्ते दिवादिप्रकरणम्

1107. दिवु क्रीडाविजिगीषाव्यवहारद्युतिस्तुतिमोदमदस्वप्नकान्तिगतिषु।

लट्	दीव्यति	दीव्यतः	दीव्यन्ति	प्र०
	दीव्यसि	दीव्यथः	दीव्यथ	म०
	दीव्यामि	दीव्यावः	दीव्यामः	उ०
लिट्	दिदेव	दिदिवतुः	दिदिवुः	प्र०
	दिदेविथ	दिदिवथुः	दिदिव	म०
	दिदेव	दिदिविष	दिदिविम	उ०
लुट्	देविता	देवितारौ	देवितारः	प्र०
	देवितासि	देवितास्थः	देवितास्थ	म०
	देवितास्मि	देवितास्वः	देवितास्मः	उ०
लृट्	देविष्यति	देविष्यतः	देविष्यन्ति	प्र०
	देविष्यसि	देविष्यथः	देविष्यथ	म०
	देविष्यामि	देविष्यावः	देविष्यामः	उ०
लोट्	दीव्यतु-तात्	दीव्यताम्	दीव्यन्तु	प्र०
	दीव्य-तात्	दीव्यतम्	दीव्यत	म०
	दीव्यानि	दीव्याव	दीव्याम्	उ०
लङ्	अदीव्यत्	अदीव्यताम्	अदीव्यन्	प्र०
	अदीव्यः	अदीव्यतम्	अदीव्यत	म०
	अदीव्यम्	अदीव्याव	अदीव्याम्	उ०
विधि-लिङ्	दीव्येत्	दीव्येताम्	दीव्येयुः	प्र०
	दीव्येः	दीव्येतम्	दीव्येत	म०
	दीव्येयम्	दीव्येव	दीव्येम	उ०

आशिष्-लिङ्	दीव्यात्	दीव्यास्ताम्	दीव्यासुः	प्र०
	दीव्याः	दीव्यास्तम्	दीव्यास्त	म०
	दीव्यासम्	दीव्यास्व	दीव्यास्म	उ०
लुङ्	अदेवीत्	अदेविष्टाम्	अदेविषुः	प्र०
	अदेवीः	अदेविष्टम्	अदेविष्ट	म०
	अदेविषम्	अदेविष्व	अदेविष्व	उ०
लृङ्	अदेविष्यत्	अदेविष्यताम्	अदेविष्यन्	प्र०
	अदेविष्यः	अदेविष्यतम्	अदेविष्यत	म०
	अदेविष्यम्	अदेविष्याव	अदेविष्याम	उ०

1108. षिवु तन्तुसन्ताने - अक०(से०)पर०

लट्	सीव्यति	सीव्यतः	सीव्यन्ति	प्र०
	सीव्यसि	सीव्यथः	सीव्यथ	म०
	सीव्यामि	सीव्यावः	सीव्यामः	उ०
लिट्	सिषेव	सिषिवतुः	सिषिवुः	प्र०
	सिषेविथ	सिषिवथुः	सिषिव	म०
	सिषेव	सिषिविव	सिषिविम	उ०
लृट्	सेविता	सेवितारौ	सेवितारः	प्र०
	सेवितासि	सेवितास्थः	सेवितास्थ	म०
	सेवितास्मि	सेवितास्वः	सेवितास्मः	उ०
लृट्	सेविष्यति	सेविष्यतः	सेविष्यन्ति	प्र०
	सेविष्यसि	सेविष्यथः	सेविष्यथ	म०
	सेविष्यामि	सेविष्यावः	सेविष्यामः	उ०
लोट्	सीव्यतु-तात्	सीव्यताम्	सीव्यन्तु	प्र०
	सीव्य-तात्	सीव्यतम्	सीव्यत	म०
	सीव्यानि	सीव्याव	सीव्याम	उ०
लङ्	असीव्यत्	असीव्यताम्	असीव्यन्	प्र०
	असीव्यः	असीव्यतम्	असीव्यत	म०
	असीव्यम्	असीव्याव	असीव्याम	उ०
विधि-लिङ्	सीव्येत्	सीव्येताम्	सीव्येयुः	प्र०
	सीव्येः	सीव्येतम्	सीव्येत	म०
	सीव्येयम्	सीव्येव	सीव्येम	उ०

आशिष्-लिङ्	सीव्यात्	सीव्यास्ताम्	सीव्यासुः	प्र०
	सीव्याः	सीव्यास्तम्	सीव्यास्त	म०
	सीव्यासम्	सीव्यास्व	सीव्यास्म	उ०
लुङ्	असेवीत्	असेविष्टाम्	असेविषुः	प्र०
	असेवीः	असेविष्टम्	असेविष्ट	म०
	असेविषम्	असेविष्व	असेविष्व	उ०
लृङ्	असेविष्यत्	असेविष्यताम्	असेविष्यन्	प्र०
	असेविष्यः	असेविष्यतम्	असेविष्यत	म०
	असेविष्यम्	असेविष्याव	असेविष्याम	उ०

1109. स्त्रिवु गतिशोषणयोः - से० (स०) पर० - सीव्यति इत्यादि दीवयतिवत्।

1110. ष्ठिवु निरसने - से० (स०) पर० - ष्ठीव्यति इत्यादि सीव्यतिवत्।

1111. ण्सु अदने - आदाने इत्येके अदर्शने इत्यपरे - से० (स०) पर०

लट्	स्नुस्यति	स्नुस्यतः	स्नुस्यन्ति	प्र०
	स्नुस्यसि	स्नुस्यथः	स्नुस्यथ	म०
	स्नुस्यामि	स्नुस्यावः	स्नुस्यामः	उ०
लिट्	सुष्णोस	सुष्णुसतुः	सुष्णसुः	प्र०
	सुष्णोसिथ	सुष्णुसथ	सुष्णुथ	म०
	सुष्णुस-सुष्णोस	सुष्णुसिव	सुष्णुसिम	उ०
लुट्	स्नोसिता	स्नोसितारौ	स्नोसितारः	प्र०
	स्नोसितासि	स्नोसितास्थः	स्नोसितास्थ	म०
	स्नोसितास्मि	स्नोसितास्वः	स्नोसितास्मः	उ०
लृट्	स्नोसियति	स्नोसियतः	स्नोसियन्ति	प्र०
	स्नोसियसि	स्नोसियथः	स्नोसियथ	म०
	स्नोसियामि	स्नोसियावः	स्नोसियामः	उ०
लोट्	स्नुस्यतु-तात्	स्नुस्यताम्	स्नुस्यन्तु	प्र०
	स्नुस्य-तात्	स्नुस्यतम्	स्नुस्यत	म०
	स्नुस्यानि	स्नुस्याव	स्नुस्याम	उ०
लङ्	अस्नुस्यत्	अस्नुस्यताम्	अस्नुस्यन्	प्र०
	अस्नुस्यः	अस्नुस्यतम्	अस्नुस्यत	म०
	अस्नुस्यम्	अस्नुस्याव	अस्नुस्याम	उ०

विधि-लिङ्	स्नुस्येत्	स्नुस्येताम्	स्नुस्येयुः	प्र०
	स्नुस्येः	स्नुस्येतम्	स्नुस्येत	म०
	स्नुस्येयम्	स्नुस्येव	स्नुस्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	स्नुस्यात्	स्नुस्याताम्	स्नुस्यासुः	प्र०
	स्नुस्याः	स्नुस्यास्तम्	स्नुस्यास्त	म०
	स्नुस्यासम्	स्नुस्याव	स्नुस्याम	उ०
लुङ्	अस्नौषीत्	अस्नौषिष्याम्	अस्नौषिष्ट	प्र०
	अस्नौषीः	अस्नौष्यम्	अस्नौष्य	म०
	अस्नौषम्	अस्नौस्व	अस्नौस्म	उ०
लृङ्	अस्नोसिष्यत्	अस्नोसिष्यताम्	अस्नोसिष्यन्	प्र०
	अस्नोसिष्यथः	अस्नोसिष्यतम्	अस्नोसिष्यत	म०
	अस्नोसिष्यम्	अस्नोसिष्याव	अस्नोसिष्याम	उ०

1112. ष्णासु निरसने - स्नुस्यतिवत्

1113. क्नासु ह्वरणदीप्योः - से०(अ०)पर०

लिट्	क्नास्यति	क्नास्यतः	क्नास्यन्ति	प्र०
	क्नास्यसि	क्नास्यथः	क्नास्यथ	म०
	क्नास्यामि	क्नास्यावः	क्नास्यामः	उ०
लिट्	क्नास	क्नासतुः	क्नासुः	प्र०
	क्नासिथ	क्नासथुः	क्नासथ	म०
	क्नास	क्नासिव	क्नासिम	उ०
लुट्	क्नासिता	क्नासितारौ	क्नासितारः	प्र०
	क्नासितासि	क्नासितास्थः	क्नासितास्थ	म०
	क्नासितास्मि	क्नासितास्वः	क्नासितास्मः	उ०
लृट्	क्नासिष्यति	क्नासिष्यतः	क्नासिष्यन्ति	प्र०
	क्नासिष्यसि	क्नासिष्यथः	क्नासिष्यथ	म०
	क्नासिष्यामि	क्नासिष्यावः	क्नासिष्यामः	उ०
लोट्	क्नास्यतु-तात्	क्नास्यताम्	क्नास्यन्तु	प्र०
	क्नास्य-तात्	क्नास्यतम्	क्नास्यत	म०
	क्नास्यानि	क्नास्याव	क्नास्याम	उ०

लङ्	अक्नस्यत्	अक्नस्यताम्	अक्नस्यन्	प्र०
	अक्नस्यः	अक्नस्यतम्	अक्नस्यत	म०
	अक्नस्यम्	अक्नस्याव	अक्नस्याम	उ०
विधि-लिङ्	क्नस्येत्	क्नस्येताम्	क्नस्येयुः	प्र०
	क्नस्येः	क्नस्येतम्	क्नस्येत	म०
	क्नस्येयम्	क्नस्येव	क्नस्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	क्नस्यात्	क्नस्याताम्	क्नस्यासुः	प्र०
	क्नस्याः	क्नस्यास्तम्	क्नस्यास्त	म०
	क्नस्यासम्	क्नस्यास्व	क्नस्यास्म	उ०
लुङ्	अक्नासीत्-	अक्नसिष्टाम्	अक्नसिषुः	प्र०
	अक्नसीत्			
	अक्नसीः-	अक्नसिष्टम्	अक्नसिष्ट	म०
	अक्नासीः			
लृङ्	अक्नस्वम्	अक्नस्वाव	अक्नस्वाम	उ०
	अक्नोसष्यत्	अक्नेसष्यताम्	अक्नोसष्यत्	प्र०
	अक्नोसष्यः	अक्नेसष्यतम्	अक्नोसष्यत	म०
	अक्नोसिष्यम्	अक्नोसिष्याव	अक्नोसिष्याम	उ०

1114. व्युष् दाहे - (विभागे च) - से०(स०)पर० क्नस्यतिवत्

1115. प्लुषं च - चकारेण पूर्वोक्तः अर्थ परामृश्यते - से०(स०)पर० पूर्ववत्

1116. नृती गात्रविक्षेपे - से०(अ०)पर०

लट्	नृत्यति	नृत्यतः	नृत्यन्ति	प्र०
	नृत्यसि	नृत्यथः	नृत्यथ	म०
	नृत्यामि	नृत्यावः	नृत्यामः	उ०
लिट्	ननर्त	नृनृतुः	ननृतुः	प्र०
	ननर्तिथ	ननृतथुः	ननृत	म०
	ननर्त	ननृतिव	ननृतिम	उ०
लुट्	नर्तिता	नर्तितारौ	नर्तितारः	प्र०
	नर्तितासि	नर्तितास्थः	नर्तितास्थ	म०
	नर्तितास्मि	नर्तितास्वः	नर्तितास्मः	उ०

लृट्	नर्तिष्यति	नर्तिष्यतः	नर्तिष्यन्ति	प्र०
	नर्तिष्यसि	नर्तिष्यथः	नर्तिष्यथ	म०
	नर्तिष्यामि	नर्तिष्यावः	नर्तिष्यामः	उ०

से सिचि कृत - चृत - छंद - तृद - नृतः इतीङ् विकल्पपक्षे

	नत्स्यति	नत्स्यतः	नत्स्यन्ति	प्र०
	नत्स्यसि	नत्स्यथः	नत्स्यथ	म०
	नत्स्यामि	नत्स्यावः	नत्स्यामः	उ०
लोट्	नृत्यतु-तात्	नृत्यताम्	नृत्यन्तु	प्र०
	नृत्य-तात्	नृत्यतम्	नृत्यत	म०
	नृत्यानि	नृत्याव	नृत्याम	उ०
लङ्	अनृत्यत्	अनृत्यताम्	अनृत्यन्	प्र०
	अनृत्यः	अनृत्यतम्	अनृत्यत	म०
	अनृत्यम्	अनृत्याव	अनृत्याम	उ०
विधि-लिङ्	नृत्येत	नृत्येताम्	नृत्येयुः	प्र०
	नृत्ये	नृत्येतम्	नृत्येत	म०
	नृत्येयम्	नृत्येव	नृत्येम	उ०
आशिप्-लिङ्	नृत्यात्	नृत्यास्ताम्	नृत्यासुः	प्र०
	नृत्याः	नृत्यास्तम्	नृत्यास्त	म०
	नृत्यासम्	नृत्यास्व	नृत्यास्म	उ०
लुङ्	अनर्तीत्	अनर्तिष्ताम्	अनर्तिषुः	प्र०
	अनर्तीः	अनर्तिष्टम्	अनर्तिष्ट	म०
	अनर्तिषम्	अनर्तिष्व	अनर्तिष्म	उ०
लृङ्	अनर्तिष्यत्	अनर्तिष्यताम्	अनर्तिष्यन्	प्र०
	अनर्तिष्यः	अनर्तिष्यतम्	अनर्तिष्यत	म०
	अनर्तिष्यम्	अनर्तिष्याव	अनर्तिष्याम	उ०
पक्षे	अनत्स्यत्	अनत्स्यताम्	अनत्स्यन्	प्र०
	अनत्स्यः	अनत्स्यतम्	अनत्स्यत	म०
	अनत्स्यम्	अनत्स्याव	अनत्स्याम	उ०

1117. त्रसी उद्वेगे - से०(अ०)पर०

लट्	त्रस्यति	त्रस्यतः	त्रस्यन्ति	प्र०
	त्रस्यसि	त्रस्यथः	त्रस्यथ	म०
	त्रस्यामि	त्रस्यावः	त्रस्यामः	उ०
वा भ्राश० इति श्यन् विकल्पपक्षे -				
	त्रसति	त्रसतः	त्रसन्ति	प्र०
	त्रससि	त्रसथः	त्रसथ	म०
	त्रसामि	त्रसावः	त्रसामः	उ०
लिट्	तत्रास	त्रेसतु-तत्रसतुः	त्रेसुः-तत्रसुः	प्र०
	त्रेसिथ-तत्रसिथ	त्रेसथुः-तत्रसथुः	त्रेस-तत्रस	म०
	तत्रास-तत्रस	त्रेसिव-तत्रसिव	त्रेसिम-तत्रसिम	उ०
लुट्	त्रसिता	त्रसितारौ	त्रसितारः	प्र०
	त्रसितासि	त्रसितासि	त्रसितास्थ	म०
	त्रसितास्मि	त्रसितास्वः	त्रसितास्मः	उ०
लृट्	त्रसिष्यत	त्रसिष्यतः	त्रसिष्यन्ति	प्र०
	त्रसिष्यसि	त्रसिष्यथः	त्रसिष्यथ	म०
	त्रसिष्यास्मि	त्रसिष्यास्वः	त्रसिष्यामः	उ०
लोट्	त्रस्यतु-तात्	त्रस्यताम्	त्रस्यन्तु	प्र०
	त्रस्य-तात्	त्रस्यतम्	त्रस्यत	म०
	त्रस्यानि	त्रस्याव	त्रस्याम्	उ०
पक्षे	त्रसतु-तात्	त्रसताम्	त्रसान्तु	प्र०
	त्रस-तात्	त्रसतम्	त्रसत	म०
	त्रसानि	त्रसाव	त्रसाम	उ०
लङ्	अत्रस्यत्	अत्रस्यताम्	अत्रस्यन्	प्र०
	अत्रस्यः	अत्रस्यतम्	अत्रस्यत	म०
	अत्रस्यम्	अत्रस्याव	अत्रस्याम	उ०
पक्षे	अत्रसत्	अत्रसताम्	अत्रसन्	प्र०
	अत्रसः	अत्रसतम्	अत्रसत	म०
	अत्रसम	अत्रसाव	अत्रसाम	उ०
विधि-लिङ्	त्रस्येत्	त्रस्येताम्	त्रस्येयुः	प्र०
	त्रस्वेः	त्रस्येव	त्रस्येत	म०
	त्रस्येयम्	त्रस्येव	त्रस्येम	उ०

पक्षे	त्रसेत्	त्रसेताम्	त्रसेयुः	प्र०
	त्रसेत्	त्रसेतम्	त्रसेत	म०
	त्रसेयम्	त्रसेव	त्रसेम	उ०
आशिष्-लिङ्	त्रस्यात्	त्रस्यास्ताम्	त्रस्यासुः	प्र०
	त्रस्याः	त्रस्यास्तम्	त्रस्यास्त	म०
	त्रस्याम्	त्रस्यास्व	त्रस्यास्म	उ०
लुङ्	अत्रासीत्	अत्रासिष्टाम्	अत्रासिषुः	प्र०
	अत्रासीः	अत्रासिष्टम्	अत्रासिष्ट	म०
	अत्रासिषम्	अत्रासिष्व	अत्रासिष्व	उ०
लृङ्	अत्रसिष्यत्	अत्रसिष्यताम्	अत्रसिष्यन्	प्र०
	अत्रसिष्यः	अत्रसिष्यतम्	अत्रसिष्यत	म०
	अत्रसिष्यम्	अत्रसिष्याव	अत्रसिष्याम	उ०

1118. कुथ पूती भावे - से०(अ०)पर०

लट्	कुथ्यति	कुथ्यतः	कुथ्यन्ति	प्र०
	कुथ्यसि	कुथ्यथः	कुथ्यथ	म०
	कुथ्यामि	कुथ्यावः	कुथ्यामः	उ०
लिट्	चुकोथ	चुकोथतुः	चुकोथुः	प्र०
	चुकोथिथ	चुकोथथुः	चुकोथ	म०
	चुकोथ	चुकोथिव	चुकोथिम	उ०
लृट्	कोथिता	कोथितारौ	कोथितारः	प्र०
	कोथितासि	कोथितास्थः	कोथितास्थ	म०
	कोथितास्मि	कोथितास्वः	कोथितास्म	उ०
लृट्	कोथिष्यति	कोथिष्यतः	कोथिष्यन्ति	प्र०
	कोथिष्यसि	कोथिष्यथः	कोथिष्यथ	म०
	कोथिष्यामि	कोथिष्यावः	कोथिष्यामः	उ०
लोट्	कुथ्यतु-तात्	कुथ्यताम्	कुथ्यन्तु	प्र०
	कुथ्यः	कुथ्यतम्	कुथ्यत	म०
	कुथ्यम्	कुथ्याव	कुथ्याम	उ०
विधि-लिङ्	कुथ्येत्	कुथ्येताम्	कुथ्येयुः	प्र०
	कुथ्येः	कुथ्येतम्	कुथ्येत	म०
	कुथ्यासम्	कुथ्यास्व	कुथ्यास्म	उ०

आशिष्-लिङ्	कुथ्यात्	कुथ्यास्ताम्	कुथ्यासुः	प्र०
	कुथ्याः	कुथ्यास्तम्	कुथ्यास्त	म०
	कुथ्यासम्	कुथ्यास्व	कुथ्यास्म	उ०
लुङ्	अकोथीत्	अकोथिष्टाम्	अकोथिषुः	प्र०
	अकोथीः	अकोथिष्टम्	अकोथिष्ट	म०
	अकोथम्	अकोथाव	अकोथाम्	उ०
लृङ्	अकोथिष्यत्	अकोथिष्यताम्	अकोथिष्यन्	प्र०
	अकोथिष्यः	अकोथिष्यतम्	अकोथिष्यत	म०
	अकोथिष्यम्	अकोथिष्याव	अकोथिष्याम	उ०

1119. पुकुथु हिंसायाम् - से०(स०)पर० - पुथ्यति इत्यादि कुथ्यतिवत्

1120. गुध परिवेष्टने - से०(स०)पर० - गुध्यति इत्यादि कुथ्यतिवत्

1121. क्षिप प्रेरणे - अ०(स०)पर०

लट्	क्षिप्यति	क्षिप्यतः	क्षिप्यन्ति	प्र०
	क्षिप्यसि	क्षिप्यथः	क्षिप्यथ	म०
	क्षिप्यामि	क्षिप्यावः	क्षिप्यामः	उ०
लिट्	चिक्षेप	चिक्षिपतुः	चिक्षपुः	प्र०
	चिक्षेपिथ	चिक्षिपथुः	चिक्षप	म०
	चिक्षेप	चिक्षेपिव	चिक्षेपिम	उ०
लुट्	क्षेप्ता	क्षेप्तारौ	क्षेप्तारः	प्र०
	क्षेप्तासि	क्षेप्तास्थः	क्षेप्तास्थ	म०
	क्षेप्तास्मि	क्षेप्तास्वः	क्षेप्तास्मः	उ०
लृट्	क्षेप्स्यति	क्षेप्स्यतः	क्षेप्स्यन्ति	प्र०
	क्षेप्स्यसि	क्षेप्स्यथः	क्षेप्स्यथ	म०
	क्षेप्स्यामि	क्षेप्स्यावः	क्षेप्स्यामः	उ०
लोट्	क्षिप्यतु-तात्	क्षिप्यताम्	क्षिप्यन्तु	प्र०
	क्षिप्य-तात्	क्षिप्यतम्	क्षिप्यत	म०
	क्षिप्यानि	क्षिप्याव	क्षिप्याम	उ०
लङ्	अक्षिप्यत्	अक्षिप्यताम्	अक्षिप्यन्	प्र०
	अक्षिप्यः	अक्षिप्यतम्	अक्षिप्यत	म०
	अक्षिप्यम्	अक्षिप्याव	अक्षिप्याम	उ०

विधि-लिङ्	क्षिप्येत्	क्षिप्येताम्	क्षिप्येयुः	प्र०
	क्षिप्येः	क्षिप्येतम्	क्षिप्येत	म०
	क्षिप्येयम्	क्षिप्येव	क्षिप्योम	उ०
आशिप्-लिङ्	क्षिप्यात्	क्षिप्यास्ताम्	क्षिप्यासुः	प्र०
	क्षिप्याः	क्षिप्यास्तम्	क्षिप्यास्त	म०
	क्षिप्यासम्	क्षिप्यास्व	क्षिप्यास्म	उ०
लुङ्	अक्षैप्सीत्	अक्षैप्ताम्	अक्षैप्सुः	प्र०
	अक्षैप्सीः	अक्षैप्तम्	अक्षैप्स्त	म०
	अक्षैप्सम्	अक्षैप्साव	अक्षैप्स्यन्	उ०
लृङ्	अक्षेप्स्यत्	अक्षेप्स्यताम्	अक्षेप्स्यत	प्र०
	अक्षेप्स्यः	अक्षेप्स्यतम्	अक्षेप्स्यत	म०
	अक्षेप्स्यम्	अक्षेप्स्याव	अक्षेप्स्याम	उ०

1122. पुष्य विकसने - से०(अ०)पर०

लट्	पुष्यति	पुष्यतः	पुष्यन्ति	प्र०
	पुष्यसि	पुष्यथः	पुष्यथ	म०
	पुष्यामि	पुष्यावः	पुष्यामः	उ०
लिट्	पुपुष्य	पुपुष्यतुः	पुपुष्युः	प्र०
	पुपुष्यिथ	पुपुष्यथुः	पुपुष्य	म०
	पुपुष्य	पुपुष्यिव	पुपुष्यिम	उ०
लुट्	पुष्यिता	पुष्यितारौ	पुष्यितारः	प्र०
	पुष्यितासि	पुष्यितास्थः	पुष्यितास्थ	म०
	पुष्यितास्मि	पुष्यितास्वः	पुष्यितास्मः	उ०
लृट्	पुष्यिष्यति	पुष्यिष्यतः	पुष्यिष्यन्ति	प्र०
	पुष्यिष्यसि	पुष्यिष्यथः	पुष्यिष्यथ	म०
	पुष्यिष्यामि	पुष्यिष्यावः	पुष्यिष्यामः	उ०
लोट्	पुष्यतु-तात्	पुष्यताम्	पुष्यन्तु	प्र०
	पुष्य-तात्	पुष्यतम्	पुष्यत	म०
	पुष्यानि	पुष्याव	पुष्याम	उ०
लङ्	अपुष्यत्	अपुष्यताम्	अपुष्यन्	प्र०
	अपुष्यः	अपुष्यतम्	अपुष्यत	म०
	अपुष्यम्	अपुष्याव	अपुष्याम	उ०

विधि-लिङ्	पुष्येत्	पुष्येताम्	पुष्येयु	प्र०
	पुष्येः	पुष्येतम्	पुष्येत	म०
	पुष्येयम्	पुष्येव	पुष्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	पुष्यात्	पुष्यास्ताम्	पुष्यासु	प्र०
	पुष्याः	पुष्यास्तम्	पुष्यास्त	म०
	पुष्यासम्	पुष्यास्व	पुष्यास्म	उ०
लुङ्	अपुषीत्	अपुषष्टाम्	अपौषिषिः	प्र०
	अपुषीः	अपुष्टाम्	अपौष्ट	म०
	अपुष्टम्	अपुष्टाव	अपुष्टाम	उ०
लृङ्	अपुष्यता	अपुष्यताम्	अपुष्यन्	प्र०
	अपुष्यः	अपुष्यतम्	अपुष्यत	म०
	अपुष्यम्	अपुष्यावः	अपुष्यामः	उ०

1123. तिम-आर्दीभावे - से०(अ०)पर०

लट्	तिम्यति	तिम्यतः	तिम्यन्ति	प्र०
	तिम्यसि	तिम्यथः	तिम्यथ	म०
	तिम्यामि	तिम्यावः	तिम्यामः	उ०
लिट्	तितेम	तितेमतुः	तितेमुः	प्र०
	तितेमिथः	तितेमथुः	तितेम	म०
	तितेम	तितेमिव	तितेमिम	उ०
लुट्	तेमिता	तेमितारौ	तेमितारः	प्र०
	तेमितासि	तेमितास्थः	तेमितास्थ	म०
	तेमितास्मि	तेमितास्वः	तेमितास्मः	उ०
लृट्	तेमिष्यति	तेमिष्यतः	तेमिष्यन्ति	प्र०
	तेमिष्यसि	तेमिष्यथः	तेमिष्यत	म०
	तेमिष्यामि	तेमिष्यावः	तेमिष्यामः	उ०
लोट्	तिम्यतु-तात्	तिम्यताम्	तिम्यन्तु	प्र०
	तिम्य-तात्	तिम्यतम्	तिम्यत	म०
	तिम्यानि	तिम्याव	तिम्याम	उ०
लङ्	अतिम्यत्	अतिम्यताम्	अतिम्यन्	प्र०
	अतिम्यः	अतिम्यतम्	अतिम्यत	म०
	अतिम्यम्	अतिम्याव	अतिम्याम	उ०

विधि-लिङ्	अतिम्येत्	तिम्येताम्	तिम्येयुः	प्र०
	अतिम्येः	तिम्येतम्	तिम्यास्त	म०
	अतिम्येयम्	तिम्येव	तिम्यास्म	उ०
आशिष्-लिङ्	तिम्यात्	तिम्यास्ताम्	तिम्यासुः	प्र०
	तिम्याः	तिम्यास्तम्	तिम्यास्त	म०
	तिम्यासम्	तिम्यास्व	तिम्यास्म	उ०
लुङ्	अतेमीत्	अतेमिष्टाम्	अतेमिषुः	प्र०
	अतेमीः	अतेमिष्टम्	अतेमिष्ट	म०
	अतेमिषम्	अतेमिष्व	अतेमिष्व	उ०
लृङ्	अतेमिष्यत्	अतेमिष्यताम्	अतेमिष्यन्	प्र०
	अतेमिष्यः	अतेमिष्यतम्	अतेमिष्यत	म०
	अतेमिष्यम्	अतेमिष्याव	अतेमिष्याम	उ०

1124. ष्टिम् 1125. ष्टीम आद्रीभावे - रूपाणि तिम्यतिवत्

1126. ब्रीड चोदने लज्जायां च - से०(अ०)पर०

लट्	ब्रीड्यति	ब्रीड्यतः	ब्रीड्यन्ति	प्र०
	ब्रीड्यसि	ब्रीड्यथः	ब्रीड्यथ	म०
	ब्रीड्यामि	ब्रीड्यावः	ब्रीड्यामः	उ०
लिट्	विब्रीड	विब्रीडतुः	विब्रीडुः	प्र०
	विब्रीडिथ	विब्रीड्युः	विब्रीड	म०
	विब्रीड	विब्रीडिव	विब्रीडिम	उ०
लुट्	ब्रीडिता	ब्रीडितारौ	ब्रीडितारः	प्र०
	ब्रीडितासि	ब्रीडितास्थः	ब्रीडितास्थ	म०
	ब्रीडितास्मि	ब्रीडितास्वः	ब्रीडितास्मः	उ०
लृट्	ब्रीडिष्यति	ब्रीडिष्यतः	ब्रीडिष्यन्ति	प्र०
	ब्रीडिष्यसि	ब्रीडिष्यथः	ब्रीडिष्यथ	म०
	ब्रीडिष्यामि	ब्रीडिष्यावः	ब्रीडिष्याम	उ०
लोट्	ब्रीड्यतु-तात्	ब्रीड्यताम्	ब्रीड्यन्तु	प्र०
	ब्रीड्य-तात्	ब्रीड्यतम्	ब्रीड्यत	म०
	ब्रीड्यानि	ब्रीड्यावः	ब्रीड्याम	उ०

लङ्	अब्रीडयत्	अब्रीडयताम्	अब्रीडयन्	प्र०
	अब्रीडयः	अब्रीडयतम्	अब्रीडयत	म०
	अब्रीडयम्	अब्रीडयाव	अब्रीडयाम	उ०
विधि-लिङ्	ब्रीडयेत्	ब्रीडयेताम्	ब्रीडयेयुः	प्र०
	ब्रीडये	ब्रीडयेतम्	ब्रीडयेत	म०
	ब्रीडयेयम्	ब्रीडयेव	ब्रीडयेम	उ०
आशिष्-लिङ्	ब्रीडयात्	ब्रीडयास्ताम्	ब्रीडयासुः	प्र०
	ब्रीडयाः	ब्रीडयास्तम्	ब्रीडयास्त	म०
	ब्रीडयासम	ब्रीडयास्वः	ब्रीडयास्म	उ०
लुङ्	अब्रीडीत्	अब्रीड्ताम्	अब्रीडन्	प्र०
	अब्रीडीः	अब्रीड्तम्	अब्रीडत्	म०
	अब्रीडम्	अब्रीडाव	अब्रीडाम	उ०
लृङ्	अब्रीडिष्यत्	अब्रीडिष्यताम्	अब्रीडिष्यन्	प्र०
	अब्रीडिष्यः	अब्रीडिष्यतम्	अब्रीडिष्यत	म०
	अब्रीडिष्यम्	अब्रीडिष्याव	अब्रीडिष्याम	उ०

1127. इष गतौ - से०(स०)पर०

लट्	इष्यति	इष्यतः	इष्यन्ति	प्र०
	इष्यसि	इष्यथः	इष्यथ	म०
	इष्यामि	इष्यावः	इष्यामः	उ०
लिट्	इयेष	ईषतुः	ईषुः	प्र०
	इयेषिथ	इषथुः	ईश	म०
	इयेष	ईषिव	ईषिम	उ०
लुट्	एषिता	एषितारौ	एषितारः	प्र०
	एषितासि	एषितास्थः	एषितास्थ	म०
	एषितास्मि	एषितास्वः	एषितास्मः	उ०
लृट्	एषिष्यति	एषिष्यतः	एषिष्यन्ति	प्र०
	एषिष्यसि	एषिष्यथः	एषिष्यथ	म०
	एषिष्यामि	एषिष्यावः	एषिष्यामः	उ०
लोट्	इष्यतु	इष्यताम्	इष्यन्तु	प्र०
	इष्य-तात्	इष्यतम्	इष्यत	म०
	इष्याणि	इष्याव	इष्याम	उ०

लंङ्	ऐष्यत्	ऐष्यताम्	ऐष्यन्	प्र०
	ऐष्यः	ऐष्यतम्	ऐष्यत	म०
	ऐष्यम्	ऐष्याव	ऐष्याम	उ०
विधि-लिङ्	इष्येत्	इष्येताम्	इष्येयुः	प्र०
	इष्ये	इष्येतम्	इष्येत	म०
	इष्येयम्	इष्येव	इष्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	इष्यात्	इष्यास्ताम्	इष्यासुः	प्र०
	इष्याः	इष्यास्तम्	इष्यास्त	म०
	इष्यासम्	इष्यास्व	इष्यास्म	उ०
लुङ्	ऐषीत्	ऐष्याम	ऐषुः	प्र०
	ऐषीः	ऐष्यम्	ऐष्य	म०
	ऐष्यम्	ऐष्याव	ऐष्याम	उ०
लृङ्	ऐषिष्यत्	ऐषिष्यताम्	ऐषिष्यन्	प्र०
	ऐषिष्यः	ऐषिष्यतम्	ऐषिष्यत	म०
	ऐषिष्यम्	ऐषिष्याव	ऐषिष्याम	उ०

1128. षह 1129. षुह चक्यर्थे। चक्यर्थस्तृप्तिः - से०(अ०)पर०

1130. जृष वयोहानौ - से०(अ०)पर०

लट्	जीर्यति	जीर्यतः	जीर्यन्ति	प्र०
	जीर्यसि	जीर्यथः	जीर्यथ	म०
	जीर्यामि	जीर्यावः	जीर्यामः	उ०
लिट्	जजार	जजरतुः	जजरुः	प्र०
	जजरिथ	जजरथुः	जजर	म०
	जजार, जजर	जजरिव	जजरिम	उ०
पक्षे	जजार	जेरतुः	जेरुः	प्र०
	जेरिथ	जेरथुः	जेर	म०
	जजार	जेरिव	जेरिम	उ०
लुट्	जरिता	जरितारौ	जरितारः	प्र०
	जरितासि	जरितास्थः	जरितास्थ	म०
	जरितास्मि	जरितास्वः	जरितास्मः	उ०

पक्षे	जरीता	जरीतारौ	जरीतारः	प्र०
	जरीतासि	जरीतास्थः	जरीतास्थ	म०
	जरीतास्मि	जरीतास्व	जरीतास्म	उ०
लृट्	जरिष्यति	जरिष्यतः	जरिष्यन्ति	प्र०
	जरिष्यसि	जरिष्यथः	जरिष्यथ	म०
	जरिष्यामि	जरिष्यावः	जरिष्यामः	उ०
पक्षे	जरीष्यतिइत्यादि।			
लोट्	जीर्यतु-तात्	जीर्यताम्	जीर्यन्तु	प्र०
	जीर्य-तात्	जीर्यतम्	जीर्यत	म०
	जीर्यानि	जीर्याव	जीर्याम	उ०
विधि-लिङ्	जीर्येत्	जीर्येताम्	जीर्येयुः	प्र०
	जीर्येः	जीर्येतम्	जीर्येत	म०
	जीर्येयम्	जीर्येव	जीर्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	जीर्यात्	जीर्यास्ताम	जीर्यासुः	प्र०
	जीर्याः	जीर्यास्तम	जीर्यास्त	म०
	जीर्यासम	जीर्यास्व	जीर्यास्म	उ०
लङ्	अजीर्यत्	अजीर्यताम्	अजीर्यन्	प्र०
	अजीर्यः	अजीर्यतम्	अजीर्यत	म०
	अजीर्यम्	अजीर्याव	अजीर्याम	उ०
लुङ्	अजरत्	अजरताम्	अजरन्	प्र०
	अजरः	अजरतम्	अजरत	म०
	अजरम	अजराव	अजराम	उ०
पक्षे	अजारीत्	अजारिष्ठां	अजारिषुः	प्र०
	अजारीः	अजारिष्टम्	अजारिष्ट	म०
	अजारिष्म्	अजसरिष्व	अजारिष्म	उ०
लृङ्	अजरिष्यत्	अजरिष्यताम्	अजरिष्यन्	प्र०
	अजरिष्यः	अजरिष्यतम्	अजरिष्यत	म०
	अजरिष्यम्	अजरिष्याव	अजरिष्याम	उ०
पक्षे	अजरीष्यत् ...इत्यादि।			

1131. झृष वयोहानौ - रूपाणि जीर्यतिवत्

1132. षूङ् प्राणिप्रसवे - से०(स०)आत्मनेपदिनः

लट्	सूयते	सूयेते	सूयन्ते	प्र०
	सूयसे	सूयेथे	सूयध्वे	म०
	सूये	सूयावहे	सूयामहे	उ०
लिट्	सुषुवे	सुषुवाते	सुषुविरे	प्र०
	सुषुविषे	सुषुवाथे	सुषुविध्वे-द्भवे	म०
	सुषुवे	सुषुविहे	सुषुविमहे	उ०
लुट्	सविता	सवितारौ	सवितारः	प्र०
	सवितासे	सवितासाथे	सविताध्वे	म०
	सविताहे	सवितास्वहे	सवितास्महे	उ०
पक्षे	सोता	सोतारौ	सोतारः	प्र०
	सोतासे	सोतासाथे	सोताध्वे	म०
	सोताहे	सोतास्वहे	सोतास्महे	उ०
लृट्	सविष्यते	सविष्येते	सविष्यन्ते	प्र०
	सविष्यसे	सविष्येथे	सविष्यध्वे	म०
	सविष्ये	सविष्यावहे	सविष्यामहे	उ०
पक्षे	सोष्यते	सोष्येते	सोष्यन्ते	प्र०
	सोष्यसे	सोष्येथे	सोष्यध्वे	म०
	सोष्ये	सोष्यावहे	सोष्यामहे	उ०
लोट्	सूयताम्	सूयेताम्	सूयन्ताम्	प्र०
	सूयस्व	सूयेथाम्	सूयध्वम्	म०
	सूयै	सूयावहै	सूयामहै	उ०
लङ्	असूयत	असूयेताम्	असूयन्त	प्र०
	असूयथाः	असूयेथाम्	असूयध्वम्	म०
	असूय	असूयावहि	असूयामहि	उ०
विधि-लिङ्	सूयेत	सूयेयाताम्	सूयेरन्	प्र०
	सूयेथा	सूयेयाथाम्	सूयेध्वम्	म०
	सूयेष	सूयेवहि	सूयेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	सविषीष्ट	सविषीयास्ताम्	सविषीरन्	प्र०
	सविषीष्ठाः	सविषीयास्थाम्	सविषीद्वन्-ध्वम्	म०
	सविषीय	सविषीवहि	सविषीमहि	उ०

पक्षे	सोषीष्ट	सोषीयास्ताम्	सोषीरन्	प्र०
	सोषीष्ठाः	सोषीयास्थाम्	सोषीद्वम्	म०
	सोषीय	सोषीवहि	सोषीमहि	उ०
लृङ्	असोष्ट	असोषाताम्	असोषत	प्र०
	असोष्ठाः	असोषाथाम्	असोद्वम्	म०
	असोषि	असोष्वहि	असोष्महि	उ०
पक्षे	असविष्ट	असविषाताम्	असविषत	प्र०
	असविष्ठाः	असविषाथाम्	असविद्वं-ध्वं	म०
	असविषि	असविष्वहि	असविष्महि	उ०
लृङ्	असोष्यत	असोष्येताम्	असोष्यन्त	प्र०
	असोष्यथाः	असोष्येथाम्	असोष्यध्वम्	म०
	असोष्ये	असोष्यावहि	असोष्यामहि	उ०
पक्षे	असविष्यत	असविष्येताम्	असविष्यन्त	प्र०
	असविष्यथाः	असविष्येथाम्	असविष्यध्व्	म०
	असविष्ये	असविष्यावहि	असविष्यामहि	उ०

1133. दूङ् परितापे - परितापः खेदः -से०(अ०)आ०

लट्	दूयते	दूयेते	दूयन्ते	प्र०
	दूयसे	दूयेथे	दूयध्वे	म०
	दूये	दूयावहे	दूयामहे	उ०
लिट्	दुदुवे	दुदुवाते	दुदुविरे	प्र०
	दुदुविषे	दुदुवाथे	दुदुविद्वे-ध्वे	म०
	दुदुवे	दुदुविवहे	दुदुविमहे	उ०
लृट्	दविता	दवितारौ	दवितारः	प्र०
	दवितासे	दवितासाथे	दविताध्वे	म०
	दविताहे	दवितास्वहे	दवितास्महे	उ०
लृट्	दविष्यते	दविष्येते	दविष्यन्ते	प्र०
	दविष्यसे	दविष्येथे	दविष्यध्वे	म०
	दविष्ये	दविष्यावहे	दविष्यामहे	उ०
लोट्	दूयताम्	दूयेताम्	दूयन्ताम्	प्र०
	दूयस्व	दूयेथाम्	दूयध्वम्	म०
	दूयै	दूयावहै	दूयामहै	उ०

लङ्	अदूयत	अदूयेताम्	अदूयन्त	प्र०
	अदूयथाः	अदूयेथाम्	अदूयध्वम्	म०
	अदूये	अदूयावहि	अदूयामहि	उ०
विधि-लिङ्	दूयेत	दूयेयाताम्	दूयेरन्	प्र०
	दूयेथाः	दूयेयाथाम्	दूयेध्वम्	म०
	दूयेय	दूयेवहि	दूयेमहि	उ०
आशिप्-लिङ्	दविषीष्ट	दविषीयास्ताम्	दविषीरन्	प्र०
	दविषीष्ठाः	दविषीयास्थाम्	दविषीद्भवं-ध्वं	म०
	दविषीय	दविषीवहि	दविषीमहि	उ०
लुङ्	अदविष्ट	अदविषाताम्	अदविषत	प्र०
	अदविष्ठाः	अदविषाथाम्	अदविद्भवं-ध्वं	म०
	अदविषि	अदविष्वहि	अदविष्महि	उ०
लृङ्	अदविष्यत	अदविष्येताम्	अदविष्यन्त	प्र०
	अदविष्यथाः	अदविष्येथाम्	अदविष्यध्वं	म०
	अदविष्ये	अदविष्यावहि	अदविष्यामहि	उ०

1134. दीङ् क्षये -क्षयो ह्रस्वः नाशो वा - अ०(अ०)आ०

लट्	दीयते	दीयेते	दीयन्ते	प्र०
	दीयसे	दीयेथे	दीयध्वे	म०
	दीये	दीयावहे	दीयामहे	उ०
लिट्	दिदीये	दिदीयाते	दिदीयिरे	प्र०
	दिदीयिषे	दिदीयाथे	दिदीयिद्भवे-ध्वे	म०
	दिदीये	दिदीयिवहे	दिदीयिमहे	उ०
लुट्	दाता	दातारौ	दातारः	प्र०
	दातासे	दातासाथे	दाताध्वे	म०
	दाताहे	दातास्वहे	दातास्महे	उ०
लृट्	दास्यते	दास्येते	दास्यन्ते	प्र०
	दास्यसे	दास्येथे	दास्यध्वे	म०
	दास्ये	दास्यावहे	दास्यामहे	उ०
लोट्	दीयताम्	दीयेताम्	दीयन्ताम्	प्र०
	दीयस्व	दीयेथाम्	दीयध्वम्	म०
	दीयै	दीयावहै	दीयामहै	उ०

लङ्	अदीयत	अदीयेताम्	अदीयन्त	प्र०
	अदीयथाः	अदीयेथाम्	अदीयध्वम्	म०
	अदीये	अदीयावहि	अदीयामहि	उ०
विधि-लिङ्	दीयेत	दीयेयाताम्	दीयेरन्	प्र०
	दीयेथाः	दीयेयाथाम्	दीयेध्वम्	म०
	दीयेय	दीयेवहि	दीयेमहि	उ०
आशिप्-लिङ्	दासीष्ट	दासीयास्ताम्	दासीरन्	प्र०
	दासीष्ठाः	दासीयास्थाम्	दासीध्वम्	म०
	दासीय	दासीवहि	दासीमहि	उ०
लुङ्	अदास्त	अदासाताम्	अदासत	प्र०
	अदास्थाः	अदासाथाम्	अदाध्वम्	म०
	अदासि	अदास्वहि	अदास्महि	उ०
लृङ्	अदास्यत	अदास्यताम्	अदास्यन्त	प्र०
	अदास्यथाः	अदास्येथाम्	अदास्यध्वम्	म०
	अदास्ये	अदास्यावहि	अदास्यामहि	उ०

1135. डीङ् विहायसा गतौ - से०(अ०)आ०

लट्	डीयते	डीयेते	डीयन्ते	प्र०
	डीयसे	डीयेथे	डीयध्वे	म०
	डीये	डीयावहे	डीयामहे	उ०
लिट्	डिङ्ये	डिङ्याते	डिङ्यरे	प्र०
	डिङ्विषे	डिङ्विथे	डिङ्विद्वे-ध्वे	म०
	डिङ्ये	डिङ्विवहे	डिङ्विमहे	उ०
लुट्	डयिता	डयितारौ	डयितारः	प्र०
	डयितासे	डयितासाथे	डयिताध्वे	म०
	डयिताहे	डयितास्वहे	डयितास्महे	उ०
लृट्	डयिष्यते	डयिष्येते	डयिष्यन्ते	प्र०
	डयिष्यसे	डयिष्येथे	डयिष्यध्वे	म०
	डयिष्ये	डयिष्यावहे	डयिष्यामहे	उ०
लोट्	डीयताम्	डीयेताम्	डीयन्ताम्	प्र०
	डीयस्व	डीयेथाम्	डीयध्वम्	म०
	डीयै	डीयावहै	डीयमहै	उ०

लङ्	अडीयत	अडीयेताम्	अडीयन्त	प्र०
	अडीयथाः	अडीयेथाम्	अडीयध्वम्	म०
	अडीये	अडीयावहि	अडीयामहि	उ०
विधि-लिङ्	डीयेत	डीयेयाताम्	डीयेरन्	प्र०
	डीयेथाः	डीयेयाथाम्	डीयेध्वम्	म०
	डीयेय	डीयेवहि	डीयेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	डयिषीष्ट	डयिषीयास्ताम्	डयिषीरन्	प्र०
	डयिषीष्ठाः	डयिषीयास्थाम्	डयिषीद्वं-ध्वम्	म०
	डयिषीय	डयिषीवहि	डयिषीमहि	उ०
लृङ्	अडयिष्ट	अडयिषाताम्	अडयिषत	प्र०
	अडयिष्ठाः	अडयिषाथाम्	अडयिद्वं-ध्वम्	म०
	अडयिषि	अडयिष्वहि	अडयिष्यामहि	उ०
लुङ्	अडयिष्यत	अडयिष्येताम्	अडयिष्यन्त	प्र०
	अडयिष्याः	अडयिष्येथाम्	अडयिष्यध्वम्	म०
	अडयिष्ये	अडयिष्यावहि	अडयिष्यामहि	उ०

1136. धीङ् आधारे (आदाने) - अ०(स०)आ०

लट् धीयते आदि, डीयतेवत्

1137. मीङ् हिंसायाम् -अ०(स०)आ० - मीयते इत्यादि धीङ्वत्

1138. रीङ् श्रवणे - अ०(स०)आ०

लट् रीयते - आदि मीयतेवत्।

1139. लीङ् श्लेषणे -अ०(स०)आ०

लट् लीयते लीयते लीयन्ते - इत्यादि रीयतेवत्।

1140. व्रीङ् वृणोत्यर्थे - अ०(स०)आ० - व्रीयते, विव्रिये, व्रेता इत्यादि लीवत्।

1141. पीङ् पाने - अ०(स०)आ०

लट्	पीयते	पीयेते	पीयन्ते	प्र०
	पीयसे	पीयेथे	पीयध्वे	म०
	पीये	पीयावहे	पीयामहे	उ०
लिट्	पिप्ये	पिप्याते	पिप्यिरे	प्र०
	पिप्यिषे	पिप्याथे	पिप्यिद्वे-ध्वे	म०
	पिप्ये	पिप्यिवहे	पिप्यिमहे	उ०

लुट्	पेता	पेतारौ	पेतारः	प्र०
	पेतासे	पेतासाथे	पेताध्वे	म०
	पेताहे	पेतास्वहे	पेतास्महे	उ०
लृट्	पेष्यते	पेष्येते	पेष्यन्ते	प्र०
	पेष्यसे	पेष्येथे	पेष्यध्वे	म०
	पेष्ये	पेष्यावहे	पेष्यामहे	उ०
लोट्	पीयताम्	पीयेताम्	पीयन्ताम्	प्र०
	पीयस्व	पीयेथाम्	पीयध्वम्	म०
	पीयै	पीयावहै	पीयामहै	उ०
लङ्	अपीयत	अपीयेताम्	अपीयन्त	प्र०
	अपीयथाः	अपीयेथाम्	अपीयध्वम्	म०
	अपीये	अपीयावहि	अपीयामहि	उ०
विधि-लिङ्	पीयेत	पीयेयाताम्	पीयेरन्	प्र०
	पीयेथाः	पीयेयाथाम्	पीयेध्वम्	म०
	पीयेय	पीयेवहि	पीयेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	पेषीष्ट	पेषीयास्ताम्	पेषीरन्	प्र०
	पेषीष्ठाः	पेषीयास्थाम्	पेषीध्वम्	म०
	पेषीय	पेषीवहि	पेषीमहि	उ०
लुङ्	अपेष्ट	अपेष्टाताम्	अपेष्टत	प्र०
	अपेष्टाः	अपेष्टाथाम्	अपेष्ट्वम्	म०
	अपेष्टि	अपेष्ट्वहि	अपेष्टमहि	उ०
लृङ्	अपेष्ट्यत	अपेष्ट्येताम्	अपेष्ट्यन्त	प्र०
	अपेष्ट्यथाः	अपेष्ट्येथाम्	अपेष्ट्यध्वम्	म०
	अपेष्ट्ये	अपेष्ट्यावहि	अपेष्ट्यामहि	उ०

1142. माङ् माने - अ०(स०)आ०

लट्	मायते	मायेते	मायन्ते	प्र०
	मायसे	मायेथे	मायध्वे	म०
	माये	मायावहे	मायामहे	उ०
लिट्	ममे	ममाते	ममिरे	प्र०
	ममिपे	ममाथे	ममिध्वे	म०
	ममे	ममिवहे	ममिमहे	उ०

लुट्	माता	मातारौ	मातारः	प्र०
	मातासे	मातासाथे	माताध्वे	म०
	माताहे	मातास्वहे	मातास्महे	उ०
लृट्	मास्यते	मास्येते	मास्यन्ते	प्र०
	मास्यसे	मास्येथे	मास्यध्वे	म०
	मास्ये	मास्यावहे	मास्यास्महे	उ०
लोट्	मायताम्	मायेताम्	मायन्ताम्	प्र०
	मायस्व	मायेथाम्	मायध्वम्	म०
	मायै	मायावहै	मायामहै	उ०
लङ्	अमायत	अमायेताम्	अमायन्त	प्र०
	अमायथाः	अमायेथाम्	अमायध्वम्	म०
	अमाये	अमायावहि	अमायामहि	उ०
विधि-लिङ्	मायेत	मायेयाताम्	मायेरन्	प्र०
	मायेथाः	मायेयाथाम्	मायेध्वम्	म०
	मायेय	मायेवहि	मायेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	मासीष्ट	मासीयास्ताम्	मासीरन्	प्र०
	मासीष्ठाः	मासीयास्थाम्	मासीध्वम्	म०
	मासीय	मासीवहि	मासीमहि	उ०
लुङ्	अमास्त	अमासाताम्	अमासत	प्र०
	अमायथाः	अमासाथाम्	अमाध्वम्	म०
	अमाये	अमास्वहि	अमास्महि	उ०
लृङ्	अमास्यत	अमास्येताम्	अमास्यन्त	प्र०
	अमास्थाः	अमास्येथाम्	अमास्यध्वम्	म०
	अमास्ये	अमास्यावहि	अमास्यामहि	उ०

1143. ईङ्: गतौ - अ०(स०)आ०

लट्	ईयते	ईयेते	ईयन्ते	प्र०
	ईयसे	ईयेथे	ईयेध्वे	म०
	ईये	ईयावहे	ईयामहे	उ०
लिट्	अयांचक्रे	अयांचक्राते	अयांचक्रिरे	प्र०
	अयांचकृषे	अयांचक्राथे	अयांचकृध्वे	म०
	अयांचक्रये	अयांचकृवहे	अयांचकृमहे	उ०

लुट्	एता	एतारौ	एतारः	प्र०
	एतासे	एतासाथे	एताध्वे	म०
	एताहे	एतास्वहे	एतास्महे	उ०
लृट्	एष्यति	एष्येते	एष्यन्ते	प्र०
	एष्यसे	एष्येथे	एष्यध्वे	म०
	एष्ये	एष्यावहे	एष्यामहे	उ०
लोट्	ईयताम्	ईयेताम्	ईयन्ताम्	प्र०
	ईयष्व	ईयेथाम्	ईयध्वम्	म०
	ईये	ईयावहि	ईयामहि	उ०
लङ्	ऐत	ऐताम्	ऐथन्त	प्र०
	ऐषाः	ऐथाम	ऐध्वम्	म०
	ऐथै	ऐथावहे	ऐथामहे	उ०
विधि-लिङ्	ईयेत	ईयेयाताम्	ईयेरन्	प्र०
	ईयेथाः	ईयेयाथाम्	ईयेध्वम्	म०
	इयेय	इयेवहि	ईयेमहि	उ०
आशिष-लिङ्	एषीष्ट	एषीयास्ताम्	एषीरन्	प्र०
	एषीष्ठाः	एषीयास्थाम्	एषीध्वम्	म०
	एषीय	एषीमहि	एषीमहि	उ०
लुङ्	ऐष्ट	ऐषाताम्	ऐषत	प्र०
	ऐष्ठाः	ऐषाथाम्	ऐषध्वम्	म०
	ऐषि	ऐष्वहि	ऐष्महि	उ०
लृङ्	ऐष्यत	ऐष्येताम्	ऐष्यन्त	प्र०
	ऐष्यथाः	ऐष्येथाम्	ऐष्यध्वम्	म०
	ऐष्ये	ऐष्यावहि	ऐष्यामहि	उ०

1144. प्रीड् प्रीतौ - अ०(स०)आ० - प्रीयते इत्यादि ब्रीड्वत्।

अथ चत्वारः परस्मैपदिनः

1145. शो तनूकरणे - अ०(स०)पर०

लट्	श्यति	श्यतः	श्यन्ति	प्र०
	श्यसि	श्यथः	श्यथः	म०
	श्यामि	श्यावः	श्यामः	उ०

लिट्	शशौ	शशतुः	शशुः	प्र०
	शशिथ-शशाथ	शशथुः	शश	म०
	शशौ	शशिव	शशिम	उ०
लुट्	शाता	शातारौ	शातारः	प्र०
	शातासि	शातास्थः	शातास्थ	म०
	शातास्मि	शातास्वः	शातास्मः	उ०
लृट्	शास्यति	शास्यः	शास्यन्ति	प्र०
	शास्यसि	शास्यथः	शास्यथ	म०
	शास्यामि	शास्यास्वः	शास्यामः	उ०
लोट्	श्यतु-तात्	श्यताम्	श्यन्तु	प्र०
	श्य-तात्	श्यतम्	श्यत	म०
	श्यानि	श्याव	श्याम	उ०
लङ्	अश्यत	अश्यताम्	अश्यन्	प्र०
	अश्यः	अश्यतम्	अश्यत	म०
	अश्यम्	अश्याव	अश्याम	उ०
विधि-लिङ्	श्येत्	श्येताम्	श्येयुः	प्र०
	श्येः	श्येतम्	श्येत	म०
	श्येयम्	श्येव	श्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	शायात्	शायास्ताम्	शायासुः	प्र०
	शायाः	शायास्तम्	शातास्त	म०
	शायासम्	शायास्व	शायास्म	उ०
लुङ्	अशात्	अशाताम्	अशुः	प्र०
	अशाः	अशातम्	अशात	म०
	अशाम्	अशाव	अशाम	उ०
पक्षे	अशासीत्	अशासिष्टाम्	अशासिषुः	प्र०
	अशासीः	अशासिष्टम्	अशासिष्ट	म०
	अशासिषम्	अशासिष्व	अशासिष्म	उ०
लृङ्	अशास्यत्	अशास्यताम्	अशास्यन्	प्र०
	अशास्यः	अशास्यतम्	अशास्यत	म०
	अशास्यम्	अशास्याव	अशास्याम	उ०

एवं शो धातुवत् निम्न धातूनामपि रूपाणि

1146. श्छो छेदने - स०(अ०)प० छयति - इत्यादि

1147. षो अन्तकर्मणि - अन्तकर्म विनाशनम् - अ०(स०)पर० स्यति इत्यादि।

1148. दो अवखण्डने - अ०(स०)पर० - द्यति, ददौ, देपात् अदात् आदि।

अथात्मने पदिनः पंचदश

1149. जनी प्रादुर्भावे - प्रादुर्भावो ह्यसदुत्पत्तिरभिव्यक्तिर्वा - से०(अ०)आ०

लट्	जायते	जायते	जायन्ते	प्र०
	जायसे	जायेथ	जायध्वे	म०
	जाये	जायावहे	जायामहे	उ०
लिट्	जज्ञे	जज्ञाते	जज्ञिरे	प्र०
	जज्ञिषे	जज्ञाथे	जज्ञिध्वे	म०
	जज्ञे	जज्ञिवहे	जज्ञिमहे	उ०
लुट्	जनिता	जनितारौ	जनितारः	प्र०
	जनितासे	जनितासाथे	जनिताध्वे	म०
	जनिताहे	जनितास्वहे	जनितामहे	उ०
लृट्	जनिष्यते	जनिष्येते	जनिष्यन्ते	प्र०
	जनिष्यसे	जनिष्येथे	जनिष्यध्वे	म०
	जनिष्ये	जनिष्यावहे	जनिष्यामहे	उ०
लोट्	जायताम्	जायेताम्	जायन्ताम्	प्र०
	जायस्व	जायेथाम्	जायध्वम्	म०
	जायै	जायावहै	जायामहै	उ०
लङ्	अजायत	अजायेताम्	अजायन्त	प्र०
	अजायथाः	अजायेथाम्	अजायध्वम्	म०
	अजाये	अजायावहि	अजायामहि	उ०
विधि-लिट्	जायेत	जायेयाताम्	जायेरन्	प्र०
	जायेथाः	जायेयाथाम्	जायेध्वम्	म०
	जायेय	जायेवहि	जायेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	जनिषीष्ट	जनिषीयास्ताम्	जनिषीरन्	प्र०
	जनिषीष्ठाः	जनिषीयास्थां	जनिषीध्वम्	म०
	जनिषीय	जनिषीवहि	जनिषीमहि	उ०

लुङ्	अजनि-अजनिष्ट	अजनिषाताम्	अजनिषत	प्र०
	अजनिष्ठाः	अजनिषाथाम्	अजनिद्भवम्	म०
	अजनिषि	अजनिष्वहि	अजनिष्महि	उ०
लृङ्	अजनिष्यत	अजनिष्येताम्	अजनिष्यन्त	प्र०
	अजनिष्यथाः	अजनिष्येथाम्	अजनिष्यध्वम्	म०
	अजनिष्ये	अजनिष्यावहि	अजनिष्यामहि	उ०

1150. दीपी दीप्तौ - अ०(से०)आ०

लट्	दीप्यते	दीप्येते	दीप्यन्ते	प्र०
	दीप्यसे	दीप्येथे	दीप्यध्वे	म०
	दीप्ये	दीप्यावहे	दीप्यामहे	उ०
लिट्	दिदीपे	दिदीपाते	दिदीपिरे	प्र०
	दिदीपिषे	दिदीपाथे	दिदीपीध्वे	म०
	दिदीपे	दिदीपिवहे	दिदीपिमहे	उ०
लुट्	दीपिता	दीपितारौ	दीपितारः	प्र०
	दीपितासे	दीपितासाथे	दीपिताध्वे	म०
	दीपिताह	दीपितास्वहे	दीपितास्महे	उ०
लृट्	दीपिष्यते	दीपिष्येते	दीपिष्यन्ते	प्र०
	दीपिष्यसे	दीपिष्येथे	दीपिष्यध्वे	म०
	दीपिष्ये	दीपिष्यावहे	दीपिष्यामहे	उ०
लोट्	दीप्यताम्	दीप्येताम्	दीप्यन्ताम्	प्र०
	दीप्यस्व	दीप्येथाम्	दीप्यध्वम्	म०
	दीप्ये	दीप्यावहै	दीप्यामहै	उ०
लङ्	अदीप्यत	अदीप्येताम्	अदीप्यन्त	प्र०
	अदीप्यथाः	अदीप्येथाम्	अदीप्यध्वम्	म०
	अदीप्ये	अदीप्यावहि	अदीप्यामहि	उ०
विधि-लिट्	दीप्येत	दीप्येयाताम्	दीप्येरन्	प्र०
	दीप्येथाः	दीप्येथाम्	दीप्येध्वम्	म०
	दीप्येय	दीप्येवहि	दीप्येमहि	उ०
आशिष्-लिट्	दीपिषीष्ट	दीपिषीयास्ताम्	दीपिषीयरन्	प्र०
	दीपिषीष्ठाः	दीपिषीयास्थाम्	दीपिषीध्वम्	म०
	दीपिषीय	दीपिषीवहि	दीपिषीमहि	उ०

लुङ्	अदीपि-अदीपिष्ट	अदीपिषाताम्	अदीपिषत	प्र०
	अदीपिष्ठाः	अदीपिषाथाम्	अदीपिष्वम	म०
	अदीपिषि	अदीपिष्वहि	अदीपिष्वहि	उ०
लृङ्	अदीपिष्यत	अदीपियेताम्	अदीपिष्यन्त	प्र०
	अदीपिष्यथाः	अदीपिष्येथाम्	अदीपिष्यध्वम्	म०
	अदीपिष्ये	अदीपिष्यावहि	अदीपिष्यामहि	उ०

1151. पूरी आप्यायने - आप्यायनं प्रीणनम्-पूरणं वर्द्धनम् - से०(स०)आ०
पूर्यते इत्यादि दीपीवत्

1152. तूरी गतित्वरणहिंसनयोः - से०(स०)आ० - पूरीवत् 1153. धूरी

1154. गूरी हिंसागत्योः - धूर्यते, गूर्यते इत्यादि पूर्ववत्। 1155. धूरी

1156. जूरी हिंसावयोहान्योः 1157. शूरी हिंसास्तम्भनयोः। 1158. चूरी दाहे

1159. तप ऐश्वर्ये वा - अयं धातुरेश्वर्ये वा श्यनं - तङ् च लभते। अन्यदा तु
शब्दिकरणः पारस्मैपदीत्यर्थः। केचितु वाग्रहणं वृत्तुधातोराद्यवयवमिच्छन्ति - तप्यते
आदि रूपाणि पूर्ववत्।

1160. वृत्तु वरणे - से०(स०)आ० - वृत्यते इत्यादि रूपाणि पूर्ववत्।

1161. क्लिश उपतापे - से०(स०)आ०

लट्	क्लिश्यते	क्लिश्येते	क्लिश्यन्ते	प्र०
	क्लिश्यसे	क्लिश्येथे	क्लिश्यध्वे	म०
	क्लिश्ये	क्लिश्यावहे	क्लिश्यामहे	उ०
लिट्	चिक्लिशे	चिक्लिशाते	चिक्लिशिरे	प्र०
	चिक्लिषे	चिक्लिशाथे	चिक्लिशध्वे	म०
	चिक्लिशे	चिक्लिशिवहे	चिक्लिशिमहे	उ०
लुट्	क्लेशिता	क्लेशितारौ	क्लेशितारः	प्र०
	क्लेशितासे	क्लेशितासाथे	क्लेशिताध्वे	म०
	क्लेशिताहे	क्लेशितास्वहे	क्लेशितास्महे	उ०
लृट्	क्लेशिष्यते	क्लेशिष्येते	क्लेशिष्यन्ते	प्र०
	क्लेशिष्यसे	क्लेशिष्येथे	क्लेशिष्यध्वे	म०
	क्लेशिष्ये	क्लेशिष्यास्वहे	क्लेशिष्यामहे	उ०
लोट्	क्लिश्यताम्	क्लिश्येताम्	क्लिश्यन्ताम्	प्र०
	क्लिश्व	क्लिश्याथाम्	क्लिश्यध्वम्	म०
	क्लिश्यै	क्लिश्यावहि	क्लिश्यामहि	उ०

लङ्	अक्लिश्यत	अक्लिश्येताम्	अक्लिश्यन्त	प्र०
	अक्लिश्यथाः	अक्लिश्येथाम्	अक्लिश्यध्वम्	म०
	अक्लिश्ये	अक्लिश्यावहि	अक्लिश्यामहि	उ०
विधि-लिङ्	क्लिश्येत	क्लिश्येयाताम्	क्लिश्येरन्	प्र०
	क्लिश्येथाः	क्लिश्येयाथाम्	क्लिश्येध्वम्	म०
	क्लिश्येय	क्लिश्येवहि	क्लिश्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	क्लेशिषीष्ट	क्लेशिषीयास्ताम्	क्लेशिषीरन्	प्र०
	क्लेशिषीष्ठाः	क्लेशिषीयाथाम्	क्लेशिषीध्वम्	म०
	क्लेशिषीय	क्लेशिषीवहि	क्लेशिषीमहि	उ०
लुङ्	अक्लेशिष्ट	अक्लेशिषाताम्	अक्लेशिषत	प्र०
	अक्लेशिष्ठाः	अक्लेशिषाथाम्	अक्लेशिषध्वम्	म०
	अक्लेशि	अक्लेशिष्वहि	अक्लेशिष्वमहि	उ०
लृङ्	अक्लेशिष्यत	अक्लेशिष्येताम्	अक्लेशिष्यन्त	प्र०
	अक्लेशिष्यथाः	अक्लेशिष्येथाम्	अक्लेशिष्यध्वम्	म०
	अक्लेशिष्ये	अक्लेशिष्यावहि	अक्लेशिष्यामहि	उ०

1162. काशृ दीप्तौ - से०(अ०)आ० काश्यते इत्यादि पूर्ववत्।

1163. वाशृ शब्दे - से०(अ०)आ० वाश्यते इत्यादि पूर्ववत्।

अथ पंच स्वरितेत इति।

1164. मृष तितिक्षयाम् - से०(स०)उभयपदी

लट् (पर०)	मृष्यति	मृष्यतः	मृष्यन्ति	प्र०
	मृष्यसि	मृष्यथः	मृष्यथ	म०
	मृष्यामि	मृष्यावः	मृष्यामः	उ०
(आ०)	मृष्यते	मृष्येते	मृष्यन्ते	प्र०
	मृष्यसे	मृष्येथे	मृष्यध्वे	म०
	मृष्ये	मृष्यावहे	मृष्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	ममर्ष	ममृषतुः	ममृषुः	प्र०
	ममर्षिथ	ममृषथुः	ममृष	म०
	ममृर्ष	ममृषिव	ममृषिम	उ०
(आ०)	ममर्षे	ममृषाते	ममृषिरे	प्र०
	ममर्षि	ममृषाथे	ममृषिध्वे	म०
	ममृषे	ममृषिवहे	ममृषिमहे	उ०

लृट् (पर०)	मर्षिता	मर्षितारौ	मर्षितारः	प्र०
	मर्षितासि	मर्षितास्थः	मर्षितास्थ	म०
	मर्षितास्मि	मर्षिताष्वह	मर्षिताष्मह	उ०
(आ०)	मर्षिता	मर्षितारौ	मर्षितारः	प्र०
	मर्षितासे	मर्षितासाथे	मर्षिताध्वे	म०
	मर्षिताहे	मर्षितास्वहे	मर्षितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	मर्षिष्यति	मर्षिष्यतः	मर्षिष्यन्ति	प्र०
	मर्षिष्यसि	मर्षिस्यथः	मर्षिस्यथ	म०
	मर्षिष्यमि	मर्षिष्यावः	मर्षिस्यामः	उ०
(आ०)	मर्षिष्यते	मर्षिष्येते	मर्षिष्यन्ते	प्र०
	मर्षिष्यसे	मर्षिस्येथे	मर्षिस्यद्भवे	म०
	मर्षिष्ये	मर्षिष्यावहे	मर्षिस्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	मृष्यतु-तात्	मृष्यताम्	मृष्यन्तु	प्र०
	मृष्य-तात्	मृष्यतम्	मृष्यत	म०
	मृष्याणि	मृष्याव	मृष्याम	उ०
(आ०)	मृष्यताम्	मृष्येताम्	मृष्यन्ताम	प्र०
	मृष्यस्य	मृष्येथाम्	मृष्यध्वम्	म०
	मृष्यै	मृष्यावहै	मृष्यामहे	उ०
लङ् (पर०)	अमृष्यत्	अमृष्यताम्	अमृष्यन्	प्र०
	अमृष्यः	अमृष्यतम्	अमृष्यत	म०
	अमृष्यम	अमृष्याव	अमृष्याम	उ०
(आ०)	अमृष्यत	अमृष्येताम्	अमृष्यन्त	प्र०
	अमृष्यथाः	अमृष्येथाम्	अमृष्येध्वम्	म०
	अमृष्ये	अमृष्यावहि	अमृष्यामहि	उ०
विधि-लिङ्	मृष्येत्	मृष्येताम्	मृष्येयुः	प्र०
(पर०)	मृष्येः	मृष्येतम्	मृष्येत	म०
	मृष्येयम्	मृष्येव	मृष्येम	उ०
(आ०)	मृष्येत	मृष्येयाताम्	मृष्येरन्	प्र०
	मृष्येथाः	मृष्येयाथाम्	मृष्येध्वम्	म०
	मृष्ये	मृष्येवहि	मृष्येमहि	उ०

आशिष्-लिङ्	मृष्यात्	मृष्यास्ताम्	मृष्यासुः	प्र०
(पर०)	मृष्याः	मृष्यास्तम्	मृष्यास्त	म०
	मृष्यासम्	मृष्यास्व	मृष्यास्म	उ०
(आ०)	मर्षिषीष्ट	मर्षिषीयास्ताम्	मर्षिषीरन्	प्र०
	मर्षिषीष्ठाः	मर्षिषीयास्थाम्	मर्षिष्ट	म०
	मर्षिषीय	मर्षिषीवहि	मर्षिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अमर्षीत्	अमर्षिष्टाम्	अमर्षिषुः	प्र०
	अमर्षीषम्	अमर्षिष्टम्	अमर्षिष्ट	म०
	अमर्षिषम्	अमर्षिष्व	अमर्षिष्म	उ०
(आ०)	अमर्षिष्टि	अमर्षिषाताम्	अमर्षिषत	प्र०
	अमर्षिष्ठाः	अमर्षिषाथाम्	अमर्षिद्वम्	म०
	अमर्षिष	अमर्षिष्वहि	अमर्षिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अमर्षिष्यत्	अमर्षिष्यताम्	अमर्षिष्यन्	प्र०
	अमर्षिष्यः	अमर्षिष्यतम्	अमर्षिष्यत	म०
	अमर्षिष्यम्	अमर्षिष्याव	अमर्षिष्याम्	उ०
(आ०)	अमर्षिष्यत	अमर्षिष्येताम्	अमर्षिष्यन्त	प्र०
	अमर्षिष्यथाः	अमर्षिष्येथाम्	अमर्षिष्यध्वम्	म०
	अमर्षिष्ये	अमर्षिष्यावहि	अमर्षिष्यामहि	उ०

1165. शुचिर् पृतीभावे - पृतीभावः क्लेदः - से०(अ०)उ०

लट् (पर०)	शुच्यति	शुच्यतः	शुच्यन्ति	प्र०
	शुच्यसि	शुच्यथः	शुच्यथ	म०
	शुच्यामि	शुच्यावः	शुच्यामः	उ०
(आ०)	शुच्यते	शुच्येते	शुच्यन्ते	प्र०
	शुच्यसे	शुच्येथे	शुच्यध्वे	म०
	शुच्ये	शुच्यावहे	शुच्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	शुशोच	शुशुचतुः	शुशुचुः	प्र०
	शुशोचिथ	शुशुचथुः	शुशुच	म०
	शुशोच	शुशुचिव	शुशुचिम	उ०
(आ०)	शुशुचे	शुशुचाते	शुशुचिरे	प्र०
	शुशुचिषे	शुशुचाथे	शुशुचिध्वे	म०
	शुशुचे	शुशुचिवहे	शुशुचिमहे	उ०

लृट् (पर०)	शोचिता	शोचितारौ	शोचितारः	प्र०
	शोचितासि	शोचितास्थः	शोचितास्थ	म०
	शोचितास्मि	शोचितास्वः	शोचितास्मः	उ०
(आ०)	शोचिता	शोचितारौ	शोचितारः	प्र०
	शोचितासे	शोचितासाथे	शोचिताध्वे	म०
	शोचिताहे	शोचितास्वहे	शोचितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	शोचिष्यति	शोचिष्यतः	शोचिष्यन्ति	प्र०
	शोचिष्यसि	शोचिष्यथः	शोचिष्यथ	म०
	शोचिष्यामि	शोचिष्यावहः	शोचिष्यामहः	उ०
(आ०)	शोचिष्यते	शोचिष्येते	शोचिष्यन्ते	प्र०
	शोचिष्यथे	शोचिष्येथे	शोचिष्यध्वे	म०
	शोचिष्ये	शोचिष्यावहे	शोचिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	शोचतु-तात्	शोचताम्	शोचयन्त	प्र०
	शोच-तात्	शोचतम्	शोचत	म०
	शुच्यानि	शुच्याव	शुच्याम	उ०
(आ०)	शुच्यताम्	शुच्येताम्	शुच्यन्ताम्	प्र०
	शुच्यस्व	शुच्येताम्	शुच्येध्वम्	म०
	शुच्यै	शुच्यावहि	शुच्यामहि	उ०
लङ् (पर०)	अशुच्यत्	अशुच्यताम्	अशुच्यन्	प्र०
	अशुच्यः	अशुच्यतम्	अशुच्यत	म०
	अशुच्यम्	अशुच्याव	अशुच्याम	उ०
(आ०)	अशुच्यत	अशुच्येताम्	अशुच्यन्त	प्र०
	अशुच्यथाः	अशुच्येथाम	अशुच्येध्वम्	म०
	अशुच्ये	अशुच्यावहि	अशुच्यामहि	उ०
विधि-लिङ्	शुच्येत्	शुच्येताम्	शुच्येयुः	प्र०
(पर०)	शुच्येः	शुच्येतम्	शुच्येत	म०
	शुच्येयम्	शुच्येव	शुच्येम	उ०
(आ०)	शुच्येत	शुच्येयाताम्	शुच्येरन्	प्र०
	शुच्येथाः	शुच्येयाथाम	शुच्येध्वम्	म०
	शुच्येय	शुच्येवहि	शुच्येमहि	उ०

आशिष्-लिङ्	शुच्यात्	शुच्यास्ताम्	शुच्यासुः	प्र०
(पर०)	शुच्याः	शुच्यास्तम्	शुच्यास्त	म०
	शुच्यासम्	शुच्यास्व	शुच्यास्म	उ०
(आ०)	शोचिशीष्ट	शोचिषीयास्ताम्	शोचिषीरन्	प्र०
	शोचिशीष्टाः	शोचिषीयास्थाम्	शोचिषीध्वम्	म०
	शोचिषीय	शोचिषीवहि	शोचिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अशोचीत्	अशोचिष्टाम्	अशोचिषुः	प्र०
	अशोचीः	अशोचिष्टम्	अशोचिष्ट	म०
	अशोचिषम्	अशोचिष्व	अशोचिष्व	उ०
पक्षे	अशुचत् - इत्यादि।			
(आ०)	अशोचिष्ट	अशोचिषाताम्	अशोचिष्यत	प्र०
	अशोचिष्टाः	अशोचिषाथाम्	अशोचिष्वम्	म०
	अशोचिषि	अशोचिष्वहि	अशोचिष्वमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अशोचिष्यत्	अशोचिष्यताम्	अशोचिष्यन्	प्र०
	अशोचिष्यः	अशोचिष्यतम्	अशोचिष्यत	म०
	अशोचिष्यम्	अशोचिष्याव	अशोचिष्याम्	उ०
(आ०)	अशोचिष्यत	अशोचिष्येताम्	अशोचिष्यन्त	प्र०
	अशोचिष्यथाः	अशोचिष्येथाम्	अशोचिष्यध्वम्	म०
	अशोचिष्ये	अशोचिष्यावहे	अशोचिष्यामहि	उ०

1166. णह् बन्धने - अ०(स०)उ०

लट् (पर०)	नह्यति	नह्यतः	नह्यन्ति	प्र०
	नह्यसि	नह्यथः	नह्यथ	म०
	नह्यामि	नह्यावः	नह्यामः	उ०
(आ०)	नह्यते	नह्येते	नह्यन्ते	प्र०
	नह्यसे	नह्येथे	नह्येध्वे	म०
	नह्ये	नह्यावहे	नह्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	नेहाह	नेहतुः	नेहुः	प्र०
	नेहिथ-ननद्ध	नेहथुः	नेह	म०
	ननाह-ननह	नेहिव	नेहिम	उ०

(आ०)	नेहे	नेहाते	नेहिरे	प्र०
	नेहिषे	नेहाथे	नेहिद्भवे-ध्वे	म०
	नेहे	नेहिवहे	नेहिमहे	उ०
लृट् (पर०)	नद्धा	नद्धारौ	नद्धारः	प्र०
	नद्धासि	नद्धास्थः	नद्धास्थ	म०
	नद्धास्मि	नद्धास्वः	नद्धास्मः	उ०
(आ०)	नद्धा	नद्धारौ	नद्धारः	प्र०
	नद्धासे	नद्धास्थे	नद्धाध्वे	म०
	नद्धाहे	नद्धास्वहे	नद्धास्महे	उ०
लृट् (पर०)	नत्स्यति	नत्स्यतः	नत्स्यन्ति	प्र०
	नत्स्यसि	नत्स्यथः	नत्स्यथ	म०
	नत्स्यामि	नत्स्यावः	नत्स्यामः	उ०
(आ०)	नत्स्यते	नत्स्येते	नत्स्यन्ते	प्र०
	नत्स्यसे	नत्स्यथे	नत्स्यध्वे	म०
	नत्स्ये	नत्स्यावहे	नत्स्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	नह्यतु-तात्	नह्यताम्	नह्यन्तु	प्र०
	नह्य-तात्	नह्यतम्	नह्यत	म०
	नह्यानि	नह्याव	नह्याम	उ०
(आ०)	नह्यताम्	नह्येताम्	नह्यन्ताम्	प्र०
	नह्यस्व	नह्येथाम्	नह्येध्वम्	म०
	नह्यै	नह्यावहै	नह्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अनह्यत्	अनह्यताम्	अनह्यन्	प्र०
	अनह्यः	अनह्यतम्	अनह्यत	म०
	अनह्यम्	अनह्याव	अनह्याम	उ०
(आ०)	अनह्यत	अनह्येताम्	अनह्यन्त	प्र०
	अनह्यथाः	अनह्येथाम्	अनह्यध्वम	म०
	अनह्ये	अनह्यावहि	अनह्यामहि	उ०
विधि-लिङ्	नह्येत्	नह्येताम्	नह्येयुः	प्र०
(पर०)	नह्येः	नह्येतम्	नह्येत	म०
	नह्येयम	नह्येव	नह्येम	उ०

(आ०)	नह्येत	नह्येताम्	नह्येरन्	प्र०
	नह्येथाः	नह्येथाम	नह्येध्वम्	म०
	नह्येयम्	नह्येवहि	नह्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	नह्यात्	नह्यास्ताम्	नह्यासुः	प्र०
(पर०)	नह्यासम्	नह्यास्तम्	नह्यास्त	म०
	नह्येयम्	नह्यास्व	नह्यास्म	उ०
(आ०)	नत्सीष्ट	नत्सीयास्ताम्	नत्सीरन्	प्र०
	नत्सीष्टाः	नत्सीयास्थाम्	नत्सीध्वम्	म०
	नत्सीय	नत्सीवहि	नत्सीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अनात्सीत्	अनाद्धाम्	अनात्सुः	प्र०
	अनात्सीः	अनाद्धम्	अनाद्ध	म०
	अनात्सम्	अनात्स्व	अनात्स्म	उ०
(आ०)	अनद्ध	अनत्साताम्	अनत्सतः	प्र०
	अनद्धाः	अनत्साथाम्	अनद्ध्वम्	म०
	अनत्सि	अनत्स्वहि	अनत्स्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अनत्स्यत्	अनत्स्यताम्	अनत्स्यन्	प्र०
	अनत्स्यः	अनत्स्यतम्	अनत्स्यत	म०
	अनत्स्यम्	अनत्स्याव	अनत्स्याम	उ०
(आ०)	अनत्स्यत	अनत्स्येताम्	अनत्स्यन्त	प्र०
	अनत्स्यथाः	अनत्स्येथाम्	अनत्स्यध्वम्	म०
	अनत्स्ये	अनत्स्यावहि	अनत्स्यामहि	उ०

1167. रन्ज् रागे - अ०(अ०)उ० - रजयूते - रजयति - ररञ्ज - इत्यादि शेषम् भौवाकिवत्।

1168. शप् आक्रोशे - अ०(स०)उ० - शप्यति-शप्यते इत्यादि शेषम् भौवादिवकवत् अथैकादशानुदात्तेतः

1169. पद गतौ - अ०(स०)आ०

लट्	पद्यते	पद्येते	पद्यन्ते	प्र०
	पद्यसे	पद्येथे	पद्यध्वे	म०
	पद्ये	पद्यावहे	पद्यामहे	उ०

लिट्	पेदे	पेदाते	पेदिरे	प्र०
	पेदिषे	पेदाथे	पेदिध्वे	म०
	पेदे	पेदिवहे	पेदिमहे	उ०
लुट्	पत्ता	पत्तारौ	पत्तारः	प्र०
	पत्तासे	पत्तासाथे	पत्ताध्वे	म०
	पत्ताहे	पत्तास्वहे	पत्तास्महे	उ०
लृट्	पत्स्यते	पत्स्येथे	पत्स्यन्ते	प्र०
	पत्स्यसे	पत्स्येथे	पत्स्यध्वे	म०
	पत्स्ये	पत्स्यावहे	पत्स्यामहे	उ०
लोट्	पद्यताम्	पद्येताम्	पद्यन्ताम्	प्र०
	पद्यस्व	पद्येथाम्	पद्यध्वम्	म०
	पद्यै	पद्यावहै	पद्यामहै	उ०
लङ्	अपद्यत	अपद्येताम्	अपद्यन्त	प्र०
	अपद्यथाः	अपद्येथाम्	अपद्यध्वम्	म०
	अपद्ये	अपद्यावहि	अपद्यामहि	उ०
विधि-लिङ्	पद्येत	पद्येयाताम्	पद्येरन्	प्र०
	पद्येथाः	पद्येयाथाम्	पद्येध्वम्	म०
	पद्येय	पद्येवहि	पद्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	पत्सीष्ट	पत्सीयास्ताम्	पत्सीरन्	प्र०
	पत्सीष्ठाः	पत्सीयास्थाम्	पत्सीध्वम्	म०
	पत्सीय	पत्सीवहि	पत्सीमहि	उ०
लुङ्	अपादि	अपत्साताम्	अपत्सत	प्र०
	अपत्थाः	अपत्साथाम्	अपद्ध्वम्	म०
	अपत्तिम	अपत्स्वहि	अपत्स्महि	उ०
लृङ्	अपत्स्यत	अपत्स्येताम्	अपत्स्यन्त	प्र०
	अपत्स्यथाः	अपत्स्येथाम्	अपत्स्यध्वम्	म०
	अपत्स्ये	अपत्स्यावहि	अपत्स्यामहि	उ०

1170. खिद् दैन्ये - अ०(आ०)अ०

लट्	खिद्यते	खिद्येते	खिद्यन्ते	प्र०
	खिद्येसे	खिद्येथे	खिद्यध्वे	म०
	खिद्ये	खिद्यावहे	खिद्यामहे	उ०

लिट्	चिखिदे	चिखिदाते	चिखिदिरे	प्र०
	चिखिदिषे	चिखिदिवहे	चिखिदिध्वे	म०
	चिखिदे	चिखिदिवहे	चिखिदिमहे	उ०
लुट्	खेत्ता	खेत्तारौ	खेत्तारः	प्र०
	खेतासे	खेतासाथे	खेताध्वे	म०
	खेताहे	खेतास्वहे	खेतास्महे	उ०
लृट्	खेत्स्यते	खेत्स्येते	खेत्स्यन्ते	प्र०
	खेत्स्यसे	खेत्स्येथे	खेत्स्यध्वे	म०
	खेदये	खेदयावहे	खेदयामहे	उ०
लोट्	खिदयताम्	खिदयेताम्	खिदयन्ताम्	प्र०
	खिदयस्व	खिदयेथाम्	खिदयेध्वम्	म०
	खिदयै	खिदयावहै	खिदयामहै	उ०
लङ्	अखिदयताम्	अखिदयेताम्	अखिदयन्त	प्र०
	अखिद्यथाः	अखिद्येथाम्	अखिद्यध्वम्	म०
	अखिद्ये	अखिद्यावहि	अखिद्यामहि	उ०
विधि-लिङ्	खिद्येत	खिद्येयाताम्	खिद्येरन्	प्र०
	खिद्येथाः	खिद्येयाथाम्	खिद्येध्वम्	म०
	खिद्येय	खिद्येवहि	खिद्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	खित्सीष्ट	खित्सीयास्ताम्	खित्सीरन्	प्र०
	खित्सीष्ठाः	खित्सीयास्थाम्	खित्सीध्वम्	म०
	खित्सीय	खित्सीवहि	खित्सीमहि	उ०
लुङ्	अखित्त	अखित्साताम्	अखित्सत	प्र०
	अखित्थाः	अखित्साथाम्	अखित्ध्वम्	म०
	अखित्सित	अखित्स्वहि	अखित्महि	उ०
लृङ्	अखित्स्यत	अखित्स्येताम्	अखित्स्यन्त	प्र०
	अखित्स्यसे	अखित्स्येथाम्	अखित्स्यध्वम्	म०
	अखित्स्ये	अखित्स्यावहि	अखित्स्यामहि	उ०

•1171. विद् सत्ताथाम् - अ०(अ०)आ०

लट्	विद्यते	विद्येते	विद्यन्ते	प्र०
	विद्यसे	विद्येथे	विद्यध्वे	म०
	विद्ये	विद्यावहे	विद्यामहे	उ०

लिट्	विविदे	विविदाते	विविदिरे	प्र०
	विविदिषे	विविदाथे	विविदिध्वे	म०
	विविदे	विविदिवहे	विविदिमहे	उ०
लुट्	वेत्ता	वेत्तारौ	वेत्तारः	प्र०
	वेत्तासे	वेत्तासाथे	वेत्ताध्वे	म०
	वेत्ताहे	वेत्तास्वहे	वेतास्महे	उ०
लृट्	वेत्स्यते	वेत्स्येते	वेत्स्यन्ते	प्र०
	वेत्स्यसे	वेत्स्येथे	वेत्स्यध्वे	म०
	वेत्स्ये	वेत्स्यावहे	वेत्स्यामहे	उ०
लोट्	विद्यताम्	विद्येताम्	विद्यन्ताम्	प्र०
	विद्यस्व	विद्येथाम्	विद्यध्वम्	म०
	विद्यै	विद्यावहै	विद्यामहै	उ०
लङ्	अविद्यत	अविद्येताम्	अविद्यन्त	प्र०
	अविद्यथाः	अविद्येथाम्	अविद्यध्वम्	म०
	अविद्ये	अविद्यावहि	अविद्यामहै	उ०
विधि-लिट्	विद्येत	विद्येयाताम्	विद्येरन्	प्र०
	विद्येथाः	विद्येयाथाम्	विद्येध्वम	म०
	विद्येय	विद्येवहि	विद्येमहि	उ०
आशिष्-लिट्	वित्सीष्ट	वित्सीयास्ताम्	वित्सीरन्	प्र०
	वित्सीष्टाः	वित्सीयास्थाम्	वित्सीध्वम्	म०
	वित्सीय	वित्सीवहि	वित्सीमहि	उ०
लुङ्	अवित्त	अवित्साताम्	अवित्सत	प्र०
	अवित्थाः	अवित्साथाम्	अविद्ध्वम्	म०
	अवित्सि	अवित्स्वहि	अवित्स्वमहि	उ०
लृङ्	अवित्स्यत	अवित्स्येताम्	अवित्सन्त	प्र०
	अवित्स्यथाः	अवित्स्येथाम्	अवित्स्यध्वम्	म०
	अवित्स्ये	अवित्स्यावहि	अवित्स्यामहि	उ०

1172. बुध् अवगमने - स०(अ०)आ०

लट्	बुध्यते	बुध्येते	बुध्यन्ते	प्र०
	बुध्यसे	बुध्येथ	बुध्यध्वे	म०
	बुध्ये	बुध्यावहे	बुध्यामहे	उ०

लिट्	बुबुधे	बुबुधाते	बुबुधिरे	प्र०
	बुबुधिषे	बुबुधाथे	बुबुधिध्वे	म०
	बुबुधे	बुबुधिवहे	बुबुधिमहे	उ०
लुट्	बोद्धा	बोद्धारौ	बोद्धारः	प्र०
	बोद्धासे	बोद्धासाथे	बोद्धाध्वे	म०
	बोद्धाहे	बोद्धास्वहे	बोद्धास्महे	उ०
लृट्	भोत्स्यते	भोत्स्येते	भोत्स्यन्ते	प्र०
	भोत्स्यसे	भोत्स्येथे	भोत्स्यध्वे	म०
	भोत्स्ये	भोत्स्यावहे	भोत्स्यामहे	उ०
लोट्	बुध्यताम्	बुध्येताम्	बुध्यन्ताम्	प्र०
	बुध्यस्व	बुध्येथाम्	बुध्यध्वम्	म०
	बुध्यै	बुध्यावहै	बुध्यामहै	उ०
लङ्	अबुध्यत	अबुध्येताम्	अबुध्यन्त	प्र०
	अबुध्यथाः	अबुध्येथाम्	अबुध्यध्वम्	म०
	अबुध्ये	अबुध्यावहि	अबुध्यामहि	उ०
विधि-लिङ्	बुध्येत	बुध्येयाताम्	बुध्येरन्	प्र०
	बुध्येथाः	बुध्येयाथाम्	बुध्येध्वम्	म०
	बुध्येथ	बुध्येवहि	बुध्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	भुत्सीष्ट	भुत्सीयास्ताम्	भुत्सीरन्	प्र०
	भुत्सीष्ठाः	भुत्सीयास्थाम्	भुत्सीध्वम्	म०
	भुत्सीय	भुत्सीवहि	भुत्सीमहि	उ०
लुङ्	अबोधि-अबुद्ध	अभुत्साताम्	अभुत्सत	प्र०
	अबुद्धाः	अभुत्साथाम्	अभुङ्ध्वम्	म०
	अभुत्सि	अभुत्स्वहि	अभुत्स्महि	उ०
लृङ्	अभोत्स्यत	अभोत्स्येताम्	अभोत्स्यन्त	प्र०
	अभोत्स्यथाः	अभोत्स्येथाम्	अभोत्स्यध्वम्	म०
	अभोत्स्ये	अभोत्स्यावहि	अभोत्स्यामहि	उ०

1173. युध् सम्प्रहारे - अ०(अ०)आ०

लट्	युध्यते	युध्येते	युध्यन्ते	प्र०
	युध्यसे	युध्येथे	युध्यध्वे	म०
	युध्ये	युध्यावहे	युध्यामहे	उ०

लिट्	युयुधे	युयुधाते	युयुधिरे	प्र०
	युयुधिषे	युयुधिथे	युयुधिध्वे	म०
	युयुधे	युयुधिवहे	युयुधिमहे	उ०
लुट्	योद्धा	योद्धारौ	योद्धारः	प्र०
	योद्धासे	योद्धासाथे	योद्धाध्वे	म०
	योद्धाहे	योद्धास्वहे	योद्धास्महे	उ०
लृट्	योत्स्यते	योत्स्येते	योत्स्यन्ते	प्र०
	योत्स्यसे	योत्स्येथे	योत्स्यध्वे	म०
	योत्स्ये	योत्स्यावहे	योत्स्यामहे	उ०
लोट्	युध्यताम्	युध्येयाताम्	युध्येरन्	प्र०
	युध्येथाः	युध्येयाथाम्	युध्येध्वम्	म०
	युध्ये	युध्यावहै	युध्यामहै	उ०
लङ्	अयुध्यत	अयुध्येताम्	अयुध्यन्त	प्र०
	अयुध्यथाः	अयुध्येथाम्	अयुध्यध्वम्	म०
	अयुध्ये	अयुध्यावहि	अयुध्यामहि	उ०
विधि-लिङ्	युध्येत	युध्येयाताम्	युध्येरन्	प्र०
	युध्येथाः	युध्येयाथाम्	युध्येध्वम्	म०
	युध्येय	युध्येवहि	युध्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	युत्सीष्ट	युत्सीयास्ताम्	युत्सीरन्	प्र०
	युत्सीष्ठाः	युत्सीयास्थाम्	युत्सीध्वम्	म०
	युत्सीयी	युत्सीवहे	युत्सीमहि	उ०
लुङ्	अयुद्ध	अयुत्साताम्	अयुत्सत	प्र०
	अयुद्धाः	अयुत्साथाम्	अयुद्ध्वम्	म०
	अयुत्सि	अयुत्स्वहि	अयुत्स्महि	उ०
लृङ्	अयोत्स्यत	अयोत्स्येताम्	अयोत्स्यन्त	प्र०
	अयोत्स्यथाः	अयोत्स्येथाम्	अयोत्स्यध्वम्	म०
	अयोत्स्ये	अयोत्स्यावहि	अयोत्स्यामहि	उ०

1174. अनो रुध कामे - अनुपूर्वकस्य रुधधाताः कामार्थेवर्तते।
दिवादित्वमात्मनेपदित्व च। - अ०(स०)आ० - अनुरुध्यते इत्यादि पूर्ववत्।

1175. अण प्राणने, - प्राणनमिह जीवनम् - से०(अ०)आ० - अण्यते इत्यादि पूर्ववत्

1176. मन माने - अ०(स०)आ०

लट्	मन्यते	मन्येते	मन्यन्ते	प्र०
	मन्यसे	मन्येथे	मन्यध्वे	म०
	मन्ये	मन्यावहे	मन्यामहे	उ०
लिट्	मेने	मेनाते	मेनिरे	प्र०
	मेनिषे	मेनाथे	मेनिध्वे	म०
	मेने	मेनिवहे	मेनिमहे	उ०
लुट्	मन्ता	मन्तारौ	मन्तारः	प्र०
	मन्तासे	मन्तासाथे	मन्ताध्वे	म०
	मन्ताहे	मन्तास्वहे	मन्तास्महे	उ०
लृट्	मंस्यते	मंस्येते	मंस्यन्ते	प्र०
	मंस्यसे	मंस्येथे	मंस्यध्वे	म०
	मंस्ये	मंस्यावहे	मंस्यामहे	उ०
लोट्	मन्यताम्	मन्येताम्	मन्यन्ताम्	प्र०
	मन्यस्व	मन्येथाम्	मन्येध्वम्	म०
	मन्यै	मन्यावहै	मन्यामहै	उ०
लङ्	अमन्यत	अमन्येताम्	अमन्यन्त	प्र०
	अमन्यथाः	अमन्येथाम्	अमन्यध्वम्	म०
	अमन्ये	अमन्यावहि	अमन्यामहि	उ०
विधि-लिट्	मन्येत	मन्येयाताम्	मन्येरन्	प्र०
	मन्येथाः	मन्येयाथाम्	मन्येध्वम्	म०
	मन्येय	मन्येवहि	मन्यामहि	उ०
आशिष्-लिट्	मंसीष्ट	मंसीयास्ताम्	मंसीरन्	प्र०
	मंसीष्ठाः	मंसीयास्थाम्	मंसीध्वम्	म०
	मंसीय	मंसीवहि	मंसीमहि	उ०
लुङ्	अमंस्त	अमंसाताम्	अमंसत	प्र०
	अमंस्थाः	अमंसाथाम्	अमंध्वम्	म०
	अमंसि	अमंस्वहि	अमंस्महि	उ०
लृङ्	अमंस्यत	अमंस्येताम्	अमंस्यन्त	प्र०
	अमंस्यथाः	अमंस्येथाम्	अमंस्यध्वम्	म०
	अमंस्ये	अमंस्यावहि	अमंस्यामहि	उ०

1177. युज समाधौ - समाधिश्चितवृत्तिनिरोधः - अ०(अ०)आ०

लट्	युज्यते	युज्येते	युज्यन्ते	प्र०
	युज्यसे	युज्येथे	युज्यध्वे	म०
	युज्ये	युज्यावहे	युज्यामहे	उ०
लिट्	युयुजे	युयुजाते	युयुजिरे	प्र०
	युयुजिषे	युयुजाथे	युयुजिध्वे	म०
	युयुजे	युयुजिवहे	युयुजिमहे	उ०
लुट्	योक्ता	योक्तारौ	योक्ताः	प्र०
	योक्तासे	योक्तासाथे	योक्ताध्वे	म०
	योक्ताहे	योक्तास्वहे	योक्तास्महे	उ०
लृट्	योक्ष्यते	योक्ष्येते	योक्ष्यन्ते	प्र०
	योक्ष्यसे	योक्ष्येथे	योक्ष्यध्वे	म०
	योक्ष्ये	योक्ष्यावहे	योक्ष्यामहे	उ०
लोट्	युज्यताम्	युज्येताम्	युज्यन्ताम्	प्र०
	युज्यस्व	युज्येथाम्	युज्यध्वम्	म०
	युज्यै	युज्यावहि	युज्यामहि	उ०
लङ्	अयुज्यत	अयुज्येताम्	अयुज्यन्त	प्र०
	अयुज्यः	अयुज्यतम्	अयुज्यत	म०
	अयुज्यम्	अयुज्याव	अयुज्याम	उ०
विधि-लिङ्	युज्येत्	युज्येताम्	युज्येयुः	प्र०
	युज्येः	युज्येतम्	युज्येत	म०
	युज्येयम्	युज्येव	युज्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	युक्षीष्ट	युक्षीयास्ताम्	युक्षीरन्	प्र०
	युक्षीष्टाः	युक्षीयास्थाम्	युक्षीध्वम्	म०
	युक्षीयः	युक्षीवहि	युक्षीमहि	उ०
लुङ्	अयुक्त	अयुक्ताताम्	अयोक्ष्यत	प्र०
	अयुक्षाः	अयुक्षाथाम्	अयुक्षध्वम्	म०
	अयुक्षि	अयुक्षस्वहि	अयुक्षस्महि	उ०
लृङ्	अयोक्ष्यत	अयोक्ष्येताम्	अयोक्ष्यन्त	प्र०
	अयोक्ष्यथाः	अयोक्ष्येथाम्	अयोक्ष्यध्वम्	म०
	अयोक्ष्ये	अयोक्ष्यावहि	अयोक्ष्यामहि	उ०

1178. सृज् विसर्गे - अ०(अ०)आ०

लट्	सृज्यते	सृज्येते	सृज्यन्ते	प्र०
	सृज्यसे	सृज्येथे	सृज्यध्वे	म०
	सृज्ये	सृज्यावहे	सृज्यामहे	उ०
लिट्	ससृजे	ससृजाते	ससृजिरे	प्र०
	ससृजिषे	ससृजाथे	ससृजिध्वे	म०
	ससृजे	ससृजिवहे	ससृजिमहे	उ०
लुट्	स्रष्टा	स्रष्टारौ	स्रष्टारः	प्र०
	स्रष्टासे	स्रष्टासाथे	स्रष्टाध्वे	म०
	स्रष्टाहे	स्रष्टास्वहे	स्रष्टास्महे	उ०
लृट्	स्रक्ष्यते	स्रक्ष्येते	स्रक्ष्यन्ते	प्र०
	स्रक्ष्यसे	स्रक्ष्येथे	स्रक्ष्यध्वे	म०
	स्रक्ष्ये	स्रक्ष्यावहे	स्रक्ष्यामहे	उ०
लोट्	सृज्यताम्	सृज्येताम्	सृज्यन्ताम्	प्र०
	सृज्यस्व	सृज्येधाम्	सृज्यध्वम्	म०
	सृज्यै	सृज्यावहै	सृज्यामहै	उ०
लङ्	असृज्यत	असृज्येताम्	असृज्यन्त	प्र०
	असृज्यथाः	असृज्येथाम्	असृज्यध्वम्	म०
	असृज्ये	असृज्यावहि	असृज्यामहि	उ०
विधि-लिट्	सृज्येत	सृज्येयाताम्	सृज्येरन्	प्र०
	सृज्येथाः	सृज्याथाम्	सृज्येध्वम्	म०
	सृज्येय	सृज्येवहि	सृज्येमहि	उ०
आशिप्-लिट्	सृक्षीष्ट	सृक्षीयास्ताम्	सृक्षीरन्	प्र०
	सृक्षीष्ठाः	सृक्षीयास्याम्	सृक्षीध्वम्	म०
	सृक्षीय	सृक्ष्यावहि	सृक्षीमहि	उ०
लुङ्	असृष्ट	असृक्षाताम्	असृक्षत	प्र०
	असृष्ठाः	असृक्षाथाम्	असृक्ष्वम्	म०
	असृक्षि	असृक्ष्वहि	असृक्षमहि	उ०
लृङ्	अस्रक्ष्यत	अस्रक्ष्येताम्	अस्रक्ष्यन्त	प्र०
	अस्रक्ष्यथाः	अस्रक्ष्येथाम्	अस्रक्ष्यध्वम्	म०
	अस्रक्ष्ये	अस्रक्ष्यावहि	अस्रक्ष्यामहि	उ०

1179. लिङ् अत्पीभावे - अ०(अ०)आ० लिङ्यते इत्यादि सृज्यतेवत्।

अथागणान्तात्परस्मैपदिन : राधोऽर्ककादश्द्धावेवेति।

1180. राधा - अ०(अ०)प०।

लट्	राध्यति	राध्यतः	राध्यन्ति	प्र०
	राध्यसि	राध्यथः	राध्यथ	म०
	राध्यामि	राध्यावः	राध्यामः	उ०
लिट्	रराध	रराधतुः	रराधुः	प्र०
	रराधित्थ	रराधथुः	रराध	म०
	रराध	रराधिव	रराधिम	उ०
लुट्	राद्धा	राद्धारौ	राद्धारः	प्र०
	राद्धासि	राद्धास्थः	राद्धास्थ	म०
	राद्धास्मि	राद्धास्वः	राद्धास्मः	उ०
लृट्	रात्स्यति	रात्स्यतः	रात्स्यन्ति	प्र०
	रात्स्यसि	रात्स्यथः	रात्स्यथ	म०
	रात्स्यामि	रात्स्यावः	रात्स्यामः	उ०
लोट्	राध्यतु-तात्	राध्यताम्	राध्यन्तु	प्र०
	राध्य-तात्	राध्यतम्	राध्यत	म०
	राध्यानि	राध्याव	राध्याम	उ०
लङ्	अराध्यत्	अराध्यताम्	अराध्यन्तु	प्र०
	अराध्यः	अराध्यतम्	अराध्यत	म०
	अराध्यन्	अराध्याव	अराध्याम	उ०
विधि-लिट्	राध्येत्	राध्येताम्	राध्येयुः	प्र०
	राध्येः	राध्येतम्	राध्येत	म०
	राध्येयम्	राध्येव	राध्येम	उ०
आशिष्-लिट्	राध्यात्	राध्यास्ताम्	राध्यासुः	प्र०
	राध्याः	राध्यास्तम्	राध्यास्त	म०
	राध्यासम्	राध्यास्व	राध्यास्म	उ०
लुङ्	अरात्सीत्	अराद्धाम्	अरात्सुः	प्र०
	अरात्सीः	अराद्धम्	अराद्ध	म०
	अरात्सम्	अराद्ध्व	अराद्ध्व	उ०

लृङ्	अरात्स्यत्	अरात्स्यताम्	अरात्स्यन्	प्र०
	अरात्स्यः	अरात्स्यतम्	अरात्स्यत	म०
	अरात्स्यम्	अरात्स्याव	अरात्स्याम	उ०
1181. व्यध ताडने - ताडनम्-पीडनम्, वेधनम् - अ०(स०)प०				
लट्	विध्यति	विध्यतः	विध्यन्ति	प्र०
	विध्यसि	विध्यतः	विध्यथ	म०
	विध्यामि	विध्यावः	विध्यामः	उ०
लिट्	विध्याथ	विविधतुः	विविधुः	प्र०
	विध्यधिथ-विव्यद्ध	विविधथुः	विविध	म०
	विध्याध-विव्यध	विविधिव	विविधिम	उ०
लुट्	व्यद्धा	व्यद्धारौ	व्यद्धारः	प्र०
	व्यद्धासि	व्यद्धास्थः	व्यद्धास्थ	म०
	व्यद्धास्मि	व्यद्धास्वः	व्यद्धास्मः	उ०
लृट्	व्यत्स्यति	व्यत्स्यतः	व्यत्स्यन्ति	प्र०
	व्यत्स्यसि	व्यत्स्यथः	व्यत्स्यथ	म०
	व्यत्स्यामि	व्यत्स्यावः	व्यत्स्यामः	उ०
लोट्	विध्यतु-तात्	विध्यताम्	विध्यन्तु	प्र०
	विध्य-तात्	विध्यतम्	विध्यत	म०
	विध्यानि	विध्याव	विध्याम	उ०
लङ्	अविध्यत्	अविध्यताम्	अविध्यन्	प्र०
	अविध्यः	अविध्यतम्	अविध्यत	म०
	अविध्यम्	अविध्याव	अविध्याम	उ०
विधि-लिङ्	विध्येत्	विध्येताम्	विध्येयुः	प्र०
	विध्येः	विध्येतम्	विध्येत	म०
	विध्येयम्	विध्येव	विध्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	विध्यात्	विध्यास्ताम्	विध्यासुः	प्र०
	विध्याः	विध्यास्तम्	विध्यास्त	म०
	विध्यासम्	विध्यास्व	विध्यास्म	उ०
लुङ्	अव्यात्सीत्	अव्याद्धाम्	अव्यात्सुः	प्र०
	अव्यात्सीः	अव्याद्धम्	अव्याद्ध	म०
	अव्यात्सम्	अव्यात्स्व	अव्यात्स्म	उ०

लृङ्	अव्यत्स्यन्	अव्यत्स्यताम्	अव्यत्स्यन्	प्र०
	अव्यत्स्यः	अव्यत्स्यतम्	अव्यत्स्यत	म०
	अव्यत्स्यम्	अव्यत्स्याव	अव्यत्स्याम	उ०
1182. पुष पुष्टौ (तुष्टौ) - अ०(स०)प०				
लट्	पुष्यति	पुष्यतः	पुष्यन्ति	प्र०
	पुष्यसि	पुष्यथः	पुष्यथ	म०
	पुष्यामि	पुष्यावः	पुष्यामः	उ०
लिट्	पुपोष	पुपुषतुः	पुपुषुः	प्र०
	पुषेषिथ	पुपुषथुः	पुपुष	म०
	पुपोष	पुपुषिव	पुपुषिम	उ०
लुट्	पोष्टा	पोष्टारौ	पोष्टारः	प्र०
	पोष्टासि	पोष्टास्थः	पोष्टास्थ	म०
	पोष्टास्मि	पोष्टास्वः	पोष्टास्मः	उ०
लृट्	पोक्ष्यति	पोक्ष्यतः	पोक्ष्यन्ति	प्र०
	पोक्ष्यसि	पोक्ष्यथः	पोक्ष्यथ	म०
	पोक्ष्यामि	पोक्ष्यावः	पोक्ष्यामः	उ०
लोट्	पुष्यतु-तात्	पुष्यताम्	पुष्यन्तु	प्र०
	पुष्य-तात्	पुष्यतम्	पुष्यत	म०
	पुष्याणि	पुष्याव	पुष्याम	उ०
लङ्	अपुष्यत्	अपुष्यताम्	अपुष्यन्	प्र०
	अपुष्यः	अपुष्यतम्	अपुष्यत	म०
	अपुष्यम्	अपुष्याव	अपुष्याम	उ०
विधि-लिङ्	पुष्येत्	पुष्येताम्	पुष्येयुः	प्र०
	पुष्येः	पुष्येतम्	पुष्येत	म०
	पुष्येयम्	पुष्येव	पुष्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	पुष्यात्	पुष्यास्ताम्	पुष्यासुः	प्र०
	पुष्याः	पुष्यास्तम्	पुष्यास्त	म०
	पुष्यासम्	पुष्यास्व	पुष्यास्म	उ०
लुङ्	अपुषत्	अपुषताम्	अपुषन्	प्र०
	अपुषः	अपुषतम्	अपुषत	म०
	अपुषम्	अपुषव	अपुषाम	उ०

लृङ्	अपोक्ष्यत्	अपोक्ष्यताम्	अपोक्ष्यन्	प्र०
	अपोक्ष्यः	अपोक्ष्यतम्	अपोक्ष्यत	म०
	अपोक्ष्यम्	अपोक्ष्याव	अपोक्ष्याम	उ०

1183. शुष् शोषणे - अ०(स०)पर०

लट्	शुष्यति	शुष्यतः	शुष्यन्ति	प्र०
	शुष्यसि	शुष्यथः	शुष्यथ	म०
	शुष्यामि	शुष्याथः	शुष्यामः	उ०
लिट्	शुशोष	शुशुषतुः	शुशुषुः	प्र०
	शुशोषिथ	शुशुषथुः	शुशुष	म०
	शुशोष	शुशुषिव	शुशुषिम	उ०
लुट्	शोष्या	शोष्यारौ	शोष्यारः	प्र०
	शोष्यासि	शोष्यास्थः	शोष्यास्थ	म०
	शोष्यास्मि	शोष्यास्वः	शोष्यास्मः	उ०
लोट्	शुष्यतु-तात्	शुष्यताम्	शुष्यन्तु	प्र०
	शुष्यसि	शुष्यतम्	शुष्यत	म०
	शुष्यानि	शुष्याव	शुष्याम	उ०
लङ्	अशुष्यत्	अशुष्यताम्	अशुष्यन्	प्र०
	अशुष्यः	अशुष्यतम्	अशुष्यत	म०
	अशुष्यम्	अशुष्याव	अशुष्याम	उ०
विधि-लिट्	शुष्येत्	शुष्येताम्	शुष्येयुः	प्र०
	शुष्ये	शुष्येतम्	शुष्येत	म०
	शुष्येयम्	शुष्येव	शुष्येम	उ०
आशिष्-लिट्	शुष्यात्	शुष्यास्ताम्	शुष्यासुः	प्र०
	शुष्याः	शुष्यास्तम्	शुष्यास्त	म०
	शुष्यासम्	शुष्यास्व	शुष्यास्म	उ०
लुङ्	अशुषत्	अशुषताम्	अशुषन्	प्र०
	अशुषः	अशुषतम्	अशुषत	म०
	अशुषम्	अशुषाव	अशुषाम	उ०
लृङ्	अशोक्ष्यत्	अशोक्ष्यताम्	अशोक्ष्यन्	प्र०
	अशोक्ष्यः	अशोक्ष्यतम्	अशोक्ष्यत	म०
	अशोक्ष्यम्	अशोक्ष्याव	अशोक्ष्याम	उ०

1184. तुष प्रीतौ - प्रीतिस्तृप्तिः - अ०(अ०)पर०

लट्	तुष्यति	तुष्यतः	तुष्यन्ति	प्र०
	तुष्यसि	तुष्यथः	तुष्यथ	म०
	तुष्यामि	तुष्यावः	तुष्यामः	उ०
लिट्	तुतोष	तुतुषतुः	तुतुषुः	प्र०
	तुतोषिथ	तुतुषथुः	तुतुष	म०
	तुतोष	तुतुषिव	तुतुषिम	उ०
लुट्	तोष्टा	तोष्टारौ	तोष्टारः	प्र०
	तोष्टासि	तोष्टास्थः	तोष्टास्थ	म०
	तोष्टास्मि	तोष्टास्वः	तोष्टास्मः	उ०
लृट्	तोक्ष्यति	तोक्ष्यतः	तोक्ष्यन्ति	प्र०
	तोक्ष्यसि	तोक्ष्यथः	तोक्ष्यथ	म०
	तोक्ष्यामि	तोक्ष्यावः	तोक्ष्यामः	उ०
लोट्	तुष्यतु-तात्	तुष्यताम्	तुष्यन्तु	प्र०
	तुष्य-तात्	तुष्यतम्	तुष्यत	म०
	तुष्यानि	तुष्याव	तुष्याम	उ०
लङ्	अतुषत्	अतुषताम्	अतुषन्	प्र०
	अतुषः	अतुषतम्	अतुषत	म०
	अतुषम्	अतुषाव	अतुषाम	उ०
विधि-लिट्	तुष्येत्	तुष्येताम्	तुष्येयुः	प्र०
	तुष्येः	तुष्येतम्	तुष्येत	म०
	तुष्येयम्	तुष्येव	तुष्येम	उ०
आशिष्-लिट्	तुष्यात्	तुष्यास्ताम्	तुष्यासुः	प्र०
	तुष्याः	तुष्यास्तम्	तुष्यास्त	म०
	तुष्यासम्	तुष्यास्व	तुष्यास्म	उ०
लुङ्	अतुक्षत्	अतुक्षताम्	अतुक्षन्	प्र०
	अतुक्षः	अतुक्षतम्	अतुक्षत	म०
	अतुक्षम्	अतुक्ष्याव	अतुक्ष्याम	उ०
लृङ्	अतोक्ष्यत्	अतोक्ष्यताम्	अतोक्ष्यन्	प्र०
	अतोक्ष्यः	अतोक्ष्यतम्	अतोक्ष्यत	म०
	अतोक्ष्यम्	अतोक्ष्याव	अतोक्ष्याम	उ०

1185. दुष् वैकृत्ये - अ०(अ०)पर० - दुष्यति इत्यादि पुष्यतिवत्

1186. श्लिष आलिङ्गने - अ०(स०)पर०

लट्	श्लिष्यति	श्लिष्यतः	श्लिष्यन्ति	प्र०
	श्लिष्यसि	श्लिष्यथः	श्लिष्यथ	म०
	श्लिष्यामि	श्लिष्यावः	श्लिष्यामः	उ०
लिट्	श्लिष्ये	श्लिष्येत्	श्लिष्येयुः	प्र०
	श्लिष्येथि	श्लिष्येथुः	श्लिष्येथ	म०
	श्लिष्येव	श्लिष्येवपि	श्लिष्येमपि	उ०
लृट्	श्लिष्ये	श्लिष्येत्	श्लिष्येत्	प्र०
	श्लिष्येसि	श्लिष्येस्थः	श्लिष्येस्थ	म०
	श्लिष्येमि	श्लिष्येवः	श्लिष्येस्मः	उ०
लृट्	श्लिष्यति	श्लिष्यतः	श्लिष्यन्ति	प्र०
	श्लिष्यसि	श्लिष्यथः	श्लिष्यथ	म०
	श्लिष्यामि	श्लिष्यावः	श्लिष्यामः	उ०
लोट्	श्लिष्यतु-तात्	श्लिष्यताम्	श्लिष्यन्तु	प्र०
	श्लिष्य-तात्	श्लिष्यतम्	श्लिष्यत	म०
	श्लिष्यानि	श्लिष्याव	श्लिष्याम	उ०
लङ्	अश्लिष्यत्	अश्लिष्यताम्	अश्लिष्यन्	प्र०
	अश्लिष्यः	अश्लिष्यतम्	अश्लिष्यत	म०
	अश्लिष्यम्	अश्लिष्याव	अश्लिष्याम	उ०
आलिङ् नादन्यभ पुषादित्वादङ् - पक्षे				
	अश्लिषत्	अश्लिषताम्	अश्लिषन्	प्र०
	अश्लिषः	अश्लिषतम्	अश्लिषत	म०
	अश्लिषम्	अश्लिषाव	अश्लिषाम	उ०
विधि-लिट्	श्लिष्येत्	श्लिष्येताम्	श्लिष्येयुः	प्र०
	श्लिष्येः	श्लिष्येत्	श्लिष्येत्	म०
	श्लिष्येम	श्लिष्याव	श्लिष्यास्म	उ०
आशिष्-लिट्	श्लिष्यात्	श्लिष्यास्ताम्	श्लिष्यासुः	प्र०
	श्लिष्याः	श्लिष्यास्तम्	श्लिष्यास्त	म०
	श्लिष्यासम्	श्लिष्यास्व	श्लिष्यास्म	उ०

लृङ्	अश्लिषि	अश्लिक्षाताम्	अश्लिक्षत	प्र०
	अश्लिष्टाः	अश्लिक्षातम्	अश्लिष्वम्	म०
	अश्लिषी	अश्लिषिवहि	अश्लिषिमहि	उ०
लृङ्	अश्लेक्ष्यत्	अश्लेक्ष्यताम्	अश्लेक्ष्यन्	प्र०
	अश्लेक्ष्यः	अश्लेक्ष्यतम्	अश्लेक्ष्यत	म०
	अश्लेक्ष्यम्	अश्लेक्ष्याव	अश्लेक्ष्याम	उ०

1187. शक विभाषितो मर्षणे - अपं मर्षणे दिवादिः विभाषित इत्युभयपदी तभान्तरे प्रसिद्धः अ०(स०)उ० परस्मै शक्यति, शशाक, शक्ता, शक्ष्यति, शक्युतु। अशक्यत्, शक्येत्, शक्यात्, अशकत, अशक्ष्यत्।

आत्मने - शक्यते, शेके, शक्ता, शक्ष्यते, शक्यताम्, अशक्यत, शक्यात्, शक्षीष्ट, अशक्ष्यत आदि।

1188. ध्विदा गात्रप्रक्षरणे - अ०(अ०)पर० पाणि स्वदयति इत्यादि श्लिष्यतिवत्।

1189. क्रुद्ध कोपे - अ०(अ०)पर० - रूपाणि पूर्ववत्।

1190. क्षुध वुभुक्षायाम् - अ०(अ०)पर० - क्षुध्यति इत्यादि पूर्ववत्।

1191. शुध शौचे - अ०(अ०)पर० - शुध्यति इत्यादि पूर्ववत्।

1192. सिधु संराद्धौ - अ०(अ०)पर०

लट्	सिध्यति	सिध्यतः	सिध्यन्	प्र०
	सिध्यसि	सिध्याथः	सिध्यथ	म०
	सिध्यामि	सिध्यावः	सिध्यामः	उ०
लिट्	सिषेध	सिषिधतुः	सिविधुः	प्र०
	सिषिधिथ्	सिषिधथुः	सिषिध	म०
	सिषेध	सिषिधिव	सिषिधिम	उ०
लुट्	सेद्धा	सेद्धारौ	सेद्धारः	प्र०
	सेद्धासि	सेद्धास्थः	सेद्धास्थ	म०
	सेद्धास्मि	सेद्धास्वः	सेद्धास्मः	उ०
लृट्	सेत्स्यति	सेत्स्यतः	सेत्स्यन्ति	प्र०
	सेत्स्यसि	सेत्स्यथः	सेत्स्यथ	म०
	सेत्स्यामि	सेत्स्यावः	सेत्स्यामः	उ०
लोट्	सिध्यतु-तात्	सिध्यताम्	सिध्यन्तु	प्र०
	सिध्य-तात्	सिध्यतम्	सिध्यत	म०
	सिध्यानि	सिध्याव	सिध्याम	उ०

लङ्	असिध्यत्	असिध्यताम्	असिध्यन्	प्र०
	असिध्यः	असिध्यतम्	असिध्यत	म०
	असिध्यम्	असिध्याव	असिध्याम	उ०
विधि-लिङ्	सिध्येत्	सिध्येताम्	सिध्येयुः	प्र०
	सिध्येः	सिध्येतम्	सिध्येत	म०
	सिध्येयम्	सिध्येव	सिध्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	सिध्यात्	सिध्यास्ताम्	सिध्यासुः	प्र०
	सिध्याः	सिध्यास्तम्	सिध्यास्त	म०
	सिध्यासम्	सिध्यास्व	सिध्यास्म	उ०
लुङ्	असिधत्	असिधताम्	असिधन्	प्र०
	असिधः	असिधतम्	असिधत	म०
	असिधम्	असिधाव	असिधाम	उ०
लृङ्	असेत्स्यत्	असेत्स्यताम्	असेत्स्यन्	प्र०
	असेत्स्यः	असेत्स्यतम्	असेत्स्यत	म०
	असेत्स्यम्	असेत्स्याव	असेत्स्याम	उ०

1193. रथ हिंसासंराद्धयोः। संराद्धिर्निष्पत्तिः - स०(पर०)अ०

लट्	रध्यति	रध्यतः	रध्यन्ति	प्र०
	रध्यसि	रध्यथः	रध्यथ	म०
	रध्यामि	रध्याव	रध्याम	उ०
लिट्	ररन्ध	ररन्धतुः	ररन्धुः	प्र०
	ररध-ररन्धिथ	ररन्धथुः	ररन्ध	म०
	ररन्ध	ररन्धिव-रेध्व	ररन्धिम-रेध्म	उ०
लुट्	रधिता	रधितारौ	रधितारः	प्र०
	रधितासि	रधितास्थः	रधितास्थ	म०
	रधितास्मि	रधितास्वः	रधितास्मः	उ०
इङ्-भाव पक्षे	रद्धा	रद्धारौ	रद्धारः	प्र०
	रद्धासि	रद्धास्थः	रद्धास्थ	म०
	रद्धास्मि	रद्धास्वः	रद्धास्मः	उ०
लृट्	रधिष्यति	रधिष्यतः	रधिष्यन्ति	प्र०
	रधिष्यसि	रधिष्यथः	रधिष्यथ	म०
	रधिष्यामि	रधिष्यावः	रधिष्यामः	उ०

पक्षे	रत्स्यति	रत्स्यतः	रत्स्यन्ति	प्र०
	रत्स्यसि	रत्स्यथः	रत्स्यथ	म०
	रत्स्यामि	रत्स्यावः	रत्स्यामः	उ०
लोढ्	रध्यतु-तात्	रध्यताम्	रध्यन्तु	प्र०
	रध्य-तात्	रध्यतम्	रध्यत	म०
	रध्यानि	रध्याव	रध्याम	उ०
लङ्	अरध्यत्	अरध्यताम्	अरध्यन्	प्र०
	अरध्यः	अरध्यतम्	अरध्यत	म०
	अरध्यम्	अरध्याव	अरध्याम	उ०
विधि-लिङ्	रध्येत्-नश्येद्	रध्येताम्	रधेयुः	प्र०
	रध्येः	रध्येतम्	रधेत	म०
	रध्येयम्	रध्येव	रध्येम	उ०
आशिप्-लिङ्	रध्यात्	रध्यास्ताम्	रध्यासुः	प्र०
	रध्याः	रध्यास्तम्	रध्यास्त	म०
	रध्यासम्	रध्यास्व	रध्यास्म	उ०
लुङ्	अरधत्	अरधताम्	अरधन्	प्र०
	अरधः	अरधतम्	अरधत	म०
	अरधम्	अरधाव	अरधाम	उ०
लृङ्	अरधिष्यत्	अरधिष्यताम्	अरधिष्यन्	प्र०
	अरधिष्यः	अरधिष्यतम्	अरधिष्यत	म०
	अरधिष्यम्	अरधिष्याव	अरधिष्याम	उ०

1194. णश अदृर्शने, अदर्शनम् - क्षयाः, मरणम्। अदर्शनम्-तिरोभावः,
लुक्वायनम् वेट् अक, प०

लट्	नश्यति	नश्यतः	नश्यन्ति	प्र०
	नश्यसि	नश्यथः	नश्यथ	म०
	नश्यामि	नश्यावः	नश्यामः	उ०
लिट्	ननाश	नेशतुः	नेशुः	प्र०
	नेशित्-ननंष्ट	नेशिव-नेश्व	नेशिम-नेशम	उ०
लुट्	नशिता	नशितारौ	नशितारः	प्र०
	नशितासि	नशितास्थः	नशितास्य	म०
	नशितास्मि	नशितास्वः	नशितास्मः	उ०

पक्षे	नंष्टा	नंष्टारौ	नंष्टारः	प्र०
	नंष्टासि	नंष्टास्थः	नंष्टास्थ	म०
	नंष्टास्मि	नंष्टास्वः	नंष्टास्मः	उ०
लृट्	नशिष्यति	नशिष्यतः	नशिष्यन्ति	प्र०
	नशिष्यसि	नशिष्यथः	नशिष्यथ	म०
	नशिष्यामि	नशिष्यावः	नशिष्यामः	उ०
पक्षे	नक्ष्यति	नक्ष्यतः	नक्ष्यन्ति	प्र०
	नक्ष्यसि	नक्ष्यथः	नक्ष्यथ	म०
	नक्ष्यामि	नक्ष्यावः	नक्ष्यामः	उ०
लोट्	नश्यतु-तात्	नश्यताम्	नश्यन्तु	प्र०
	नश्य-तात्	नश्यतम्	नश्यत	म०
	नश्यानि	नश्याव	नश्याम	उ०
लङ्	अनश्यत्	अनश्यताम्	अनश्यन्	प्र०
	अनश्यः	अनश्यतम्	अनश्यत	म०
	अनश्यम्	अनश्याव	अनश्याम	उ०
विधि-लिङ्	नश्येत्	नश्येताम्	नश्येयुः	प्र०
	नश्येः	नश्येतम्	नश्येत	म०
	नश्येयम्	नश्येव	नश्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	नश्यात्	नश्यास्ताम्	नश्यासु	प्र०
	नश्याः	नश्यास्तम्	नश्यास्त	म०
	नश्यासम्	नश्यास्व	नश्यास्म	उ०
लुङ्	अनशत्	अनशताम्	अनशन्	प्र०
	अनशः	अनशतम्	अनशत	म०
	अनशम्	अनशाव	अनशाम	उ०
लृङ्	अनशिष्यत्	अनशिष्यताम्	अनशिष्यन्	प्र०
	अनशिष्यः	अनशिष्यतम्	अनशिष्यत	म०
	अनशिष्यम्	अनशिष्याव	अनशिष्याम	उ०
पक्षे	अनक्ष्यत्	अनक्ष्यताम्	अनक्ष्यन्	प्र०
	अनक्ष्यः	अनक्ष्यतम्	अनक्ष्यत	म०
	अनक्ष्यम्	अनक्ष्याव	अनक्ष्याम	उ०

1195. तृप प्रीणने - प्रीणनं तृप्तिस्तर्पणं च। - वेट(स०)पर०

लट्	तृप्यति	तृप्यतः	तृप्यन्ति	प्र०
	तृप्यसि	तृप्यथः	तृप्यथ	म०
	तृप्यामि	तृप्यावः	तृप्यामः	उ०
लिट्	ततर्प	ततृपतुः	ततृपुः	प्र०
	ततर्पिथ-	ततृपथुः	ततृप	म०
	ततर्पथ, तत्रथ			
	ततर्प	ततृपिव	ततृपिम	उ०
लुट्	तर्पिता-	तर्पितारौ	तर्पितारः	प्र०
	तर्प्ता, तृप्ता			
	तर्पितासि	तर्पितास्थः	तर्पितास्थ	म०
	तर्पितास्मि	तर्पितास्वः	तर्पितास्मः	उ०
लट्	तर्पिष्यति	तर्पिष्यतः	तर्पिष्यन्ति	प्र०
	तर्पिष्यति, त्रप्स्यति			
	तर्पिष्यसि	तर्पिष्यथः	तर्पिष्यथ	म०
	तर्पिष्यामि	तर्पिष्यावः	तर्पिष्यामः	उ०
लोट्	तृप्यतु-तात्	तृप्यताम्	तृप्यन्तु	प्र०
	तृप्य-तात्	तृप्यतम्	तृप्यत	म०
	तृप्यानि	तृप्याव	तृप्याम	उ०
लङ्	अतृप्यत्	अतृप्यताम्	अतृप्यन्	प्र०
	अतृप्यः	अतृप्यतम्	अतृप्यत	म०
	अतृप्यम्	अतृप्याव	अतृप्याम	उ०
विधि-लिट्	तृप्येत्	तृप्येताम्	तृप्येयुः	प्र०
	तृप्येः	तृप्येतम्	तृप्येत	म०
	तृप्येयाम्	तृप्येव	तृप्येम	उ०
आशिष्-लिट्	तृप्यात्	तृप्यास्ताम्	तृप्यासुः	प्र०
	तृप्याः	तृप्यास्तम्	तृप्यास्त	म०
	तृप्यासम्	तृप्यास्व	तृप्यास्म	उ०
लुङ्	अतर्पीत्	अतर्पिष्याम्	अतर्पिषुः	प्र०
	अत्राप्सीत्	अत्रापसिष्याम्	अतर्पिषुः	म०
	अताप्सीत्	अतार्पसिष्याम्	अतार्पषुः	उ०

पक्षे	अतृपत्	अतृपताम्	अतृपषुः	प्र०
	अतृपीः	अतर्पिष्टम्	अतर्पिष्ट	म०
	अतर्पिषम्	अतर्पिष्व	अतर्पिष्व	उ०
लृङ्	अतर्पिष्यत्	अतर्पिष्यताम्	अतर्पिष्यन्	प्र०
	अतर्पिष्यः	अतर्पिष्यतम्	अतर्पिष्यत	म०
	अतर्पिष्यम्	अतर्पिष्याव	अतर्पिष्याम	उ०
पक्षे	अत्रप्स्यत			
पक्षे	अतप्स्यत्	इत्यादि		प्र०
1196. दृप् हर्षमोहनयोः मोहनम् गर्वः - दृप्यतीत्यादि पूर्ववत्				
1197. द्रुह जिघांसायाम् हन्तुमिच्छा-जिघांसा - वेट(स०)पर०				
लट्	द्रुहयति	द्रुहयतः	द्रुहयन्ति	प्र०
	द्रुहयसि	द्रुहयथः	द्रुहयथ	म०
	द्रुहयामि	द्रुहयावः	द्रुहयामः	उ०
लिट्	दुद्रोह	दुद्रुहतुः	दुद्रुहुः	प्र०
	दुद्रोहित्-	दुद्रुहथुः	दुद्रुह	म०
	दुद्रोग्ध, दुद्रोढ			
लुट्	दुद्रोह	दुद्रुहिव-दुद्रुह्व	दुद्रुहिम-दुद्रुह्म	उ०
	द्रोहिता-	द्रोहितारौ	द्रोहितारः	प्र०
	द्रोग्धा, द्रोढा			
लृट्	द्रोहितासि	द्रोहितास्थः	द्रोहितास्थ	म०
	द्रोहितास्मि	द्रोहितास्वः	द्रोहितास्मः	उ०
	द्रोहिष्यति-	द्रोहिष्यतः	द्रोहिष्यन्ति	प्र०
लोट्	ध्रोक्षयति			
	द्रोहिष्यसि-	द्रोहिष्यथः	द्रोहिष्यथ	म०
	ध्रोक्षयसि			
लोट्	द्रोहिष्यामि-	द्रोहिष्यावः	द्रोहिष्याम	उ०
	ध्रोक्ष्यामि			
	द्रुहयतु-द्रातात्	द्रुहयताम्	द्रुहयन्तु	प्र०
लोट्	द्रुह्य-द्रातात्	द्रुह्यतम्	द्रुह्यत	म०
	द्रुह्यानि	द्रुह्याव	द्रुह्याम	उ०

लङ्	अद्रुहयत्-अद्रुहत्	अद्रुहताम्	अद्रुहन्	प्र०
	अद्रुहयः-अद्रुहः	अद्रुहयतम्	अद्रुहयत	म०
	अद्रुहयम्-अद्रुहम्	अद्रुहयाव	अद्रुहयाम	उ०
विधि-लिङ्	द्रुहयेत्	द्रुहयेताम्	द्रुहयेयुः	प्र०
	द्रुहयेः	द्रुहयेतम्	द्रुहयेत	म०
	द्रुहयेयम्	द्रुहयेव	द्रुहयेम	उ०
आशिष्-लिङ्	द्रुह्यात्	द्रुह्यास्ताम्	द्रुह्यासुः	प्र०
	द्रुह्याः	द्रुह्यास्तम्	द्रुह्यास्त	म०
	द्रुह्यासम्	द्रुह्यास्व	द्रुह्यास्म	उ०
लुङ्	अद्रुहत्	अद्रुहताम्	अद्रुहन्	प्र०
	अद्रुहः	अद्रुहतम्	अद्रुहत	म०
	अद्रुहम्	अद्रुहाव	अद्रुहाम	उ०
लृङ्	अद्रोहिष्यत्-अद्रोक्ष्यत्	अद्रोहिष्यताम्	अद्रोहिष्यन्	प्र०
	अद्रोहिष्यः	अद्रोहिष्यतम्	अद्रोहिष्यत	म०
	अद्रोहिष्यम्	अद्रोहिष्याव	अद्रोहिष्याम	उ०

1198. मुह वैचित्पे - वैचित्यम् चित्तविकृतिः, अविवेकः, अ०(से०)पर० द्रुहयति इत्यादि

1199. ष्णुह उद्विगरणे - अ०(से०)पर० स्नुहयति

1200. ष्णिह प्रीतौ - अ०(वेट)पर० - स्निहयति

1201. शमु उपशमे - अ०(से०)पर० - शाम्यति - इत्यादि पूर्ववत्

1202. तमु काङ्क्षायाम् - काङ्क्षा - आकाङ्क्षा, ग्लानिरिति गोपदेवः - से०(स०)पर० - ताम्यति इत्यादि।

1203. दमु - उपशाने - उपशय इतिष्यन्तस्य। तेन सकर्मकोऽयम् न तु शयिवदकर्मकः स०(पर०)से० - ताम्यति इत्यादि।

1204. श्रमु - तपसि खेदे च - अ०(अ०)पर० - श्राम्यति इत्यादि पूर्ववत्

1205. भ्रमु - अनवस्थाने - अ०(पर०)से० - भ्राम्यति, भ्रामति इत्यादि

1206. क्षमू - सहने - सहनं मर्षणं, क्षमा शक्तिः - से०(पर०)वे० क्षाम्यति, इत्यादि

1207. क्लमु - ग्लानौ - अ०(पर०)से० - क्लाम्यति, क्लामति इत्यादि

1208. मदी - हर्षे - अ०(पर०)से० - माद्यति इत्यादि

1209. असु-क्षेपणे - स०(पर०)से०

लट्	अस्यति	अस्यतः	अस्यन्ति	प्र०
	अस्यसि	अस्यथः	अस्यथ	म०
	अस्यामि	अस्यावः	अस्यामः	उ०
लिट्	आस	आसतुः	आसुः	प्र०
	आसिथ	आसथुः	आसथ	म०
	आसम्	आसिव	आसिम	उ०
लुट्	असिता	असितारौ	असितारः	प्र०
	असितासि	असितास्थुः	असितास्थ	म०
	असितास्मि	असितास्व	असितास्म	उ०
लृट्	असिष्यति	असिष्यतः	असिष्यन्ति	प्र०
	असिष्यसि	असिष्यथः	असिष्यथ	म०
	असिष्यामि	असिष्यावः	असिष्यामः	उ०
लोट्	अस्यतु-तात्	अस्यताम्	अस्यन्तु	प्र०
	अस्य-तात्	अस्यतम्	अस्यत	म०
	अस्यानि	अस्यावः	अस्याम	उ०
लङ्	आस्यत्	आस्यताम्	आस्यन्	प्र०
	आस्यः	आस्यतम्	आस्यत	म०
	आस्यम्	आस्याव	आस्याम	उ०
विधि-लिट्	अस्येत्	अस्येताम्	अस्येयुः	प्र०
	अस्येः	अस्येतम्	अस्येत	म०
	अस्येयम्	अस्येव	अस्येम	उ०
आशिष्-लिट्	अस्यात्	अस्यास्ताम्	अस्यासुः	प्र०
	अस्याः	अस्यास्तम्	अस्यास्त	म०
	अस्यासम्	अस्यास्व	अस्यास्म	उ०
लुङ्	आस्थत्	आस्थताम्	आस्थन्	प्र०
	आस्थः	आस्थतम्	आस्थस्त	म०
	आस्थम्	आस्थाव	आस्थाम	उ०
लृङ्	आसिष्यत्	आसिष्यताम्	आसिष्यन्	प्र०
	आसिष्यः	आसिष्यतम्	आसिष्यत	म०
	आसिष्यम्	आसिष्याव	आसिष्याम	उ०

उपसर्गपूर्वको यं विभाषया आत्मनेपदी - निरस्यतीत्यादि।

1210. यसु प्रयत्ने - उ०(से०)स० - यस्यति, यसति इत्यादि पूर्ववत्

1211. जसु मोक्षणे - प०(से०)स० - जस्यतीत्यादि

1212. तसु उपक्षये - 1213. दसु च - तस्यति इत्यादि दस्यति

1214. वसु स्तम्भे - से०(अ०)पर० - वस्यति इत्यादि

1215. व्युष विभागे - अयं दाहे पठितः, अर्थमेदेन त्वङ्गर्थं पुनः पठयते। - से०(स०)पर० व्युष्यति इत्यादि। ओष्ठादिर्दन्त्यान्तोऽयम् - व्युस इति केचित्। अयकारः वुस इत्यन्ये।

1216. प्लुष दाहे - से०(स०)पर० प्लुष्यतीत्यादि

1217. विस प्रेरणे - से०(स०)पर० विस्यतीत्यादि

1218. कुस संश्लेषणे - से०(स०)पर० कुस्यति इत्यादि

1219. वुस उत्सर्गे - से०(स०)पर० बुस्यतीत्यादि

1220. मुस खण्डने - से०(स०)पर० मुस्यतीत्यादि

1221. मसी परिमाणे - परिणामे - परिणामो विकारः। समी इत्येके। से०(स०)पर० मस्यति इत्यादि

1222. लुठ विलोडने - से०(अ०)पर० लुठ्यति इत्यादि

1223. उच समवाये - समवायः सङ्गमो मिश्रणम् - से०(अ०)पर० उच्यति आदि

1224. भृशु (उ०)(अ०)प० 1225. भृशु अधःपतने - भृश्यति इत्यादि

1226. वृश वरणे - से०(स०)पर० वृश्यतीत्यादि भृश्यतिवत्

1227. कृश तनूकरणे, (अ०) स० प० कृश्यतीत्यादि भृशिवत्

1228. त्रि तृष, पिपासायाम् - से०(स०)पर० तृष्यतीत्यादि

1229. हृष तुष्टौ - अ०(से०)पर० हृष्यतीत्यादि

1230. रुष, रोषे

1231. रिष हिंसायाम् - से०(अ०)पर० रिष्यतीत्यादि

1232. डिष क्षेपे - से०(स०)पर० डिष्यतीत्यादि

1233. कुप, क्रोधे - से०(अ०)पर० - कुप्यतीत्यादि

1234. गुप व्याकुलत्वे - से०(अ०)पर० - गुप्यतीत्यादि

1235. युप

1236. रुप

1237. लुप विमोहने - सेट(अ०)प० युप्यति रुप्यति, लुप्यति

1238. लुभ गार्ध्ये - गार्ध्यमाकांक्षा - स०(से०)पर० - लुभ्यतीत्यादि

1239. क्षुभ संचलने - से०(स०)पर० - क्षुभ्यति इत्यादि

1240. णभ

1241. तुभ हिंसायाम् - से०(स०)पर० - नभ्यतीत्यादि

1242. क्लिद् आदीभावे - वे०(स०)पर० - क्लिद्यतीत्यादि

1243. जिमिदा, स्नेहने - अ०(से०)पर० - मेद्यति इत्यादि

1244. जिक्ष्वदा स्नेहनमोचनयोः - स०(से०)पर० क्षिद्यतीत्यादि

1245. ऋधु वृद्धौ - अ०(से०)पर० ऋध्यति इत्यादि

1246. गृधु अभिकांक्षायाम् - से०(स०)पर० गृध्यति इत्यादि

पुषादयोदिवादयश्च वृत्ताः। केचित्तु पुषादिसमाप्त्यर्थमेव वृत्करणम्। दिवादस्तु भ्वादिवदाकृतिगणः। तेन क्षीयते मृग्यतीत्यादिसिद्धिरित्याहुः।

इति तिङन्ते दिवादिप्रकरणम्।

अथ तिङन्ते स्वादिप्रकरणम्

1247. षुज् अभिषवे - अभिषवः स्नपनं पीडनं स्नानं सुरासन्धानं च। तत्र स्नाने अकर्मकः।

- अ०(स०)उ० - इत् आरभ्य जित्वादुभयपदिनः।

लट् (पर०)	सुनोति	सुनुतः	सुन्वन्ति	प्र०
	सुनोषि	सुनुथः	सुनुथ	म०
	सुनोमि	सुनुवः-सुन्वः	सुनुमः-सुन्भः	उ०
(आ०)	सुनुते	सुन्वाते	सुन्वते	प्र०
	सुनुषे	सुन्वाथे	सुनुध्वे	म०
	सुन्वे	सुनुवहे-सुन्वहे	सुनुमहे-सुन्महे	उ०
लिट् (पर०)	सुषाव	सुषुवतुः	सुषुवुः	प्र०
	सुषोथ-सुषविथ	सुषुवथुः	सुषुव	म०
	सुषाव-सुषव	सुषुविव	सुषुविम	उ०
(आ०)	सुषुवे	सुषुवाते	सुषुविरे	प्र०
	सुषुविषे	सुषुवाथे	सुषुविद्द्वे-ध्वे	म०
	सुषुवे	सुषुविवहे	सुषुविमहे	उ०
लुट् (पर०)	सोता	सोतारौ	सोतारः	प्र०
	सोतासि	सोतास्थः	सोतास्थ	म०
	सोतास्मि	सोतास्वः	सोतास्मः	उ०

(आ०)	सोता	सौतारौ	सोतारः	प्र०
	सोतासे	सोतासाथे	सोताध्वे	म०
	सोताहे	सोतास्वहे	सोतास्महे	उ०
लृट् (पर०)	सोष्यति	सोष्यतः	सोष्यन्ति	प्र०
	सोष्यसि	सोष्यथः	सोष्यथ	म०
	सोष्यामि	सोष्यावः	सोष्यामः	उ०
(आ०)	सोष्यते	सोष्येते	सोष्यन्ते	प्र०
	सोष्यसे	सोष्येथे	सोष्यध्वे	म०
	सोष्ये	सोष्यावहे	सोष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	सुनोतु-सुनुतात्	सुनुताम्	सुन्वन्तु	प्र०
	सुनु-सुनुतात्	सुनुतम्	सुनुत	म०
	सुनवानि	सुनवाव	सुनवाम	उ०
(आ०)	सुनुताम्	सुन्वाताम्	सुन्वताम्	प्र०
	सुनुष्व	सुन्वाथाम्	सुनुध्वम्	म०
	सुनवै	सुनवावहै	सुनवामहै	उ०
लङ् (पर०)	असुनोत्	असुनुताम्	असुन्वन्	प्र०
	असुनोः	असुनुतम्	असुनुत	म०
	असुनवम्	असुनुव-असुन्व	असुनुम-असुन्म	उ०
(आ०)	असुनुत	असुन्वाताम्	असुन्वत	प्र०
	असुनुथाः	असुन्वाथाम्	असुनुध्वम्	म०
	असुन्वि	असुनवहि-	असुनमहि-	उ०
		असुन्वहि	असुन्महि	
विधि-लिङ्	सुनुयात्	सुनुयाताम्	सुनुयुः	प्र०
(पर०)	सुनुयाः	सुनुयातम्	सुनुयात	म०
	सुनुयाम्	सुनुयाव	सुनुयाम	उ०
(आ०)	सुन्वीत	सुन्वीयाताम्	सुन्वीरन्	प्र०
	सुन्वीथाः	सुन्वीयाथाम्	सुन्वीध्वम्	म०
	सुन्वीय	सुन्वीवहि	सुन्वीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	सूयात्	सूयास्ताम्	सूयासुः	प्र०
(पर०)	सूयाः	सूयास्तम्	सूयास्त	म०
	सूयासम्	सूयास्व	सूयास्म	उ०

(आ०)	सोषीष्ट	सोषीयास्ताम्	सोषीरन्	प्र०
	सोषीष्टाः	सोषीयास्थाम्	सोषीध्वम्	म०
	सोषीय	सोषीवहि	सोषीमहि	उ०
लृङ् (पर०)	असावीत्	असाविष्टाम्	असाविषुः	प्र०
	असावीः	असाविष्टम्	असाविष्ट	म०
	असाविषम्	असाविष्व	असाविष्म	उ०
(आ०)	असोष्ट	असोषाताम्	असोषत	प्र०
	असोष्टाः	असोषाथाम्	असोद्वम्	म०
	असोषि	असोष्वहि	असोष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	असोष्यत	असोष्येताम्	असोष्यन्त	प्र०
	असोष्टाः	असोषाथाम्	असोद्वम्	म०
	असोषि	असोष्वहि	असोष्महि	उ०
(आ०)	असोष्ट	असोषाताम्	असोष्यन्	प्र०
	असोष्यः	असोष्यतम्	असोष्यत	म०
	असोष्यम्	असोष्याव	असोष्याम	उ०

1248. षिञ्बन्धने - अ०(स०)उ०

लट् (पर०)	सिनोति	सिनुतः	सिन्वन्ति	प्र०
	सिनोषि	सिनुथः	सिनुथ	म०
	सिनोमि	सिनुवः-सिन्वः	सिनुमः-सिन्मः	उ०
(आ०)	सिनुते	सुन्वाते	सुन्वते	प्र०
	सिनुषे	सिन्वाथे	सिनुध्वे	म०
	सिन्वे	सिनुवहे-सिन्वहे	सिनुमहे-सिन्महे	उ०
लिट् (पर०)	सिषाय	सिष्यतुः	सिष्पुः	प्र०
	सिषयिथ-सिषेथ	सिष्यथुः	सिष्यिव	म०
	सिषाय-सिषय	सिष्विव	सिष्यिम	उ०
(आ०)	सिष्ये	सिष्याते	सिष्यित्	प्र०
	सिष्यिषे	सिष्याथे	सिष्यिध्वे	म०
	सिष्ये	सिष्यिवहे	सिष्यिमहे	उ०
लुट् (पर०)	सेता	सेतारौ	सेतारः	प्र०
	सेतासि	सेतास्थः	सेतास्थ	म०
	सेतास्मि	सेतास्वः	सेतास्मः	उ०

(आ०)	सेता	सेतारौ	सेतारः	प्र०
	सेतासे	सेतासाथे	सेताध्वे	म०
	सेताहे	सेतास्वहे	सेतास्महे	उ०
लृट् (पर०)	सेष्यति	सेष्यतः	सेष्यन्ति	प्र०
	सेष्यसि	सेष्यथः	सेष्यथ	म०
	सेष्यामि	सेष्यावः	सेष्यामः	उ०
(आ०)	सेष्यते	सेष्येते	सेष्यन्ते	प्र०
	सेष्यसे	सेष्येथे	सेष्यध्वे	म०
	सेष्ये	सेष्यावहे	सेष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	सिनोतु-सिनुतात्	सिनुताम्	सिन्वन्तु	प्र०
	सिनु-सिनुतात्	सिनुतम्	सिनुत	म०
	सिनवानि	सिनवाव	सिनवाम	उ०
(आ०)	सिनुताम्	सिन्वाताम्	सिन्वताम्	प्र०
	सिनुष्व	सिन्वाथाम्	सिनुध्वम्	म०
	सिनवै	सिनवावहै	सिनवामहै	उ०
लङ् (पर०)	असिनोत्	असिनुताम्	असिन्वन्	प्र०
	असिनोः	असिनुतम्	असिनुत	म०
	असिनवम्	असिनुव-असिन्व	असिनुम-असिन्म	उ०
(आ०)	असिनुत	असिन्वाताम्	असिन्वत	प्र०
	असिनुथाः	असिन्वाथाम्	असिनुध्वम्	म०
	असिन्वि	असिनुवहि-	असिनुमहि-	उ०
		असिन्वहि	असिन्महि	
विधि-लिङ्	सिनुयात्	सिनुयाताम्	सिनुयुः	प्र०
(पर०)	सिनुयाः	सिनुयातम्	सिनुयात	म०
	सिनुयाम्	सिनुयाव	सिनुयाम	उ०
(आ०)	सिन्वीत	सिन्वीयाताम्	सिन्वीरन्	प्र०
	सिन्वीथाः	सिन्वीयाथाम्	सिन्वीध्वम्	म०
	सिन्वीय	सिन्वीवहि	सिन्वीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	सीयात्	सीयास्ताम्	सीयासुः	प्र०
(पर०)	सीयाः	सीयास्तम्	सीयास्त	म०
	सीयासम्	सीयास्व	सीयास्म	उ०

(आ०)	सेषीष्ट	सेषीयास्ताम्	सेषीरन्	प्र०
	सेषीष्ठाः	सेषीयास्थाम्	सेषीध्वम्	म०
	सेषीय	सेषीवहि	सेषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	असैषीत्	असैष्टाम्	असैषुः	प्र०
	असैषीः	असैष्टम्	असैष्ट	म०
	असैषम्	असैष्व	असैष्व	उ०
(आ०)	असेष्ट	असेषाताम्	असेषत	प्र०
	असेष्ठाः	असेषाथाम्	असेध्वम्	म०
	असेयष्	असाष्वहि	असेष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	असेष्यत्	असेषाताम्	असेष्यन्	प्र०
	असेष्यः	असेष्यतम्	असेष्यत	म०
	असेष्यम्	असेष्याव	असेष्याम	उ०
(आ०)	असेष्यत	असेष्येताम्	असेष्यन्त	प्र०
	असेष्याः	असेष्येथाम्	असेष्यध्वम्	म०
	असेष्ये	असेष्यावहि	असेष्यामहि	उ०

1249. शिञ् निशाने - निशानं तीक्ष्णीकरणम् - अ०(स०)उ० - शिनोति, शिनुते आदि

1250. डु मिञ् प्रक्षेपणे - अ०(स०)उ० - मिनोति-मिनुते इत्यादि

1251. चिञ् चयने - अ०(स०)उ०

लट् (पर०)	चिनोति	चिनुतः	चिन्वन्ति	प्र०
	चिनोषि	चिनुथः	चिनुथ	म०
	चिनोमि	चिनुवः-चिन्वः	चिनुम-चिन्मः	उ०
(आ०)	चिनुते	चिन्वाते	चिन्वते	प्र०
	चिनुषे	चिन्वाथे	चिनुध्वे	म०
	चिन्वे	चिनुवहे-न्वहे	चिनुमहे-चिन्महे	उ०
लिट् (पर०)	चिकाय	चिक्व्यतुः	चिक्व्युः	प्र०
	चिकथिय-चिकेथ	चिक्व्यथुः	चिक्व्य	म०
	चिकाय-चिकय	चिक्वियव	चिक्वियम	उ०

‘विभाषा चेः’ इति कत्वाभावे

चिचाय	चिच्यतुः	चिच्युः	प्र०
चिचयिश-चिचेथ	चिच्यथुः	चिच्य	म०
चिचाय-चिचाय	चिच्यिव	चिच्यिम	उ०

(आ०)	चिक्ये	चिक्याथे	चिकितरे	प्र०
	चिक्रियुषे	चिक्रियाथे	चिक्रियद्दे-ध्वे	म०
	चिक्ये	चिक्रियाते	चिक्रियमहे	उ०
(पक्षे)	चिच्ये	चिच्य्याथे	चिच्यिरे	प्र०
	चिच्यिषे	चिच्य्याथे	चिच्यिद्दे-ध्वे	म०
	चिच्ये	चिच्य्यावहे	चिच्यिमहे	उ०
लुट् (पर०)	चेता	चेतारौ	चेतारः	प्र०
	चेतासि	चेतास्थः	चेतास्थ	म०
	चेतास्मि	चेतास्वः	चेतास्मः	उ०
(आ०)	चेता	चेतारौ	चेतारः	प्र०
	चेतासे	चेतासाथे	चेताध्वे	म०
	चेताहे	चेतास्वहे	चेतास्महे	उ०
लृट् (पर०)	चेष्यति	चेष्यतः	चेष्यन्ति	प्र०
	चेष्यसि	चेष्यथः	चेष्यथ	म०
	चेष्यामि	चेष्यावः	चेष्यामः	उ०
(आ०)	चेष्यते	चेष्येते	चेष्यन्ते	प्र०
	चेष्यसे	चेष्येथे	चेष्यध्वे	म०
	चेष्ये	चेष्यावहे	चेष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	चिनोतु-तात्	चिनुताम्	चिन्वन्तु	प्र०
	चिनु-तात्	चिनुतम्	चिनुत	म०
	चिनवानि	चिनवाव	चिनवाम	उ०
(आ०)	चिनुताम्	चिन्वाताम्	चिन्वताम्	प्र०
	चिनुष्व	चिन्वाथाम्	चिनुध्वम्	म०
	चिनवे	चिनवावहै	चिनावमहै	उ०
लङ् (पर०)	अचिनोत्	अचिनुताम्	अचिन्वन्	प्र०
	अचिनोः	अचिनुतम्	अचिनुत	म०
	अचिनवम्	अचिनुव-अचिनव	अचिनुम-अचिन्म	उ०
(आ०)	अचिनुत	अचिन्वाताम्	अचिन्वत	प्र०
	अचिनुथाः	अचिन्वाथाम्	अचिनुध्वम्	म०
	अचिन्वि	अचिनुवहि-	अचिनुमहि-	उ०
		अचिन्वहि	अचिन्महि	

विधि-लिङ्	चिनुयात्	चिनुयाताम्	चिनुयुः	प्र०
	चिनुयाः	चिनुयातम्	चिनुयात	म०
	चिनुयाम्	चिनुयाव	चिनुयाम	उ०
(आ०)	चिन्वीत	चिन्वीयाताम्	चिन्वीरन्	प्र०
	चिन्वीथाः	चिन्वीयाथाम्	चिन्वीध्वम्	म०
	चिन्वीय	चिन्वीवहि	चिन्वीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	चीयात्	चीयास्ताम्	चीयासुः	प्र०
(पर०)	चीयाः	चीयास्तम्	चीयास्म	म०
	चीयासम्	चीयास्व	चीयास्म	उ०
(आ०)	चेषीष्ट	चेषीयास्ताम्	चेषीरन्	प्र०
	चेषीष्ठाः	चेषीयास्थाम्	चेषीद्वम्	म०
	चेषीय	चेषीवहि	चेषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अचेपीत्	अचैष्टाम्	अचैषुः	प्र०
	अचैषीः	अचैष्टम्	अचैष्ट	म०
	अचैषम्	अचैष्व	अचैष्म	उ०
(आ०)	अचेष्ट	अचेषाताम्	अचेषत	प्र०
	अचेष्ठाः	अचेषाथाम्	अचेद्वम्	म०
	अचेषि	अचेष्वहि	अचेष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अचेष्यत्	अचेष्यताम्	अचेष्यन्	प्र०
	अचेष्यः	अचेष्यतम्	अचेष्यत	म०
	अचेष्यम्	अचेष्याव	अचेष्याम	उ०
(आ०)	अचेष्यत	अचेष्येताम्	अचेष्यन्त	प्र०
	अचेष्यथाः	अचेष्येथाम्	अचेष्यध्वम्	म०
	अचेष्ये	अचेष्यावहि	अचेष्यामहि	उ०

1152. स्तृज् आच्छादने - अ०(स०)उ०

लट् (पर०)	स्तृणोति	स्तृणुतः	स्तृण्वन्ति	प्र०
	स्तृणोषि	स्तृणुवः	स्तृणुथ	म०
	स्तृणोमि	स्तृणुव-स्तृण्वः	स्तृणुमः-स्तृण्वः	उ०
(आ०)	स्तृणुते	स्तृण्वाते	स्तृण्वते	प्र०
	स्तृणुषे	स्तृण्वाथे	स्तृणुध्वे	म०
	स्तृण्वे	स्तृणुवहे-स्तृण्वहे	स्तृणुमहे-स्तृण्वमहे	उ०

लिट् (पर०)	तस्तार	तस्तरतुः	तस्तरुः	प्र०
	तस्तर्थ	तस्तरथुः	तस्तर	म०
	तस्तार-तस्तर	तस्तरिव	तस्तरिम	उ०
(आ०)	तस्तारे	तस्तराते	तस्तरिरे	प्र०
	तस्तरिषे	तस्तराथे	तस्तरिध्वेद्दे	म०
	तस्तरे	तस्तरिवहे	तस्तरिमहे	उ०
लृट् (पर०)	स्तर्ता	स्तर्तारौ	स्तर्तारः	प्र०
	स्तर्तासि	स्तर्तास्थः	स्तर्तास्थ	म०
	स्तर्तास्मि	स्तर्तास्वः	स्तर्तास्मः	उ०
(आ०)	स्तर्ता	स्तर्तारौ	स्तर्तारः	प्र०
	स्तर्तासे	स्तर्तासाथे	स्तर्ताध्वे	म०
	स्तर्ताहे	स्तर्तास्वहे	स्तर्तास्महे	उ०
लृट् (पर०')	स्तरिष्यति	स्तरिष्यतः	स्तरिष्यन्ति	प्र०
	स्तरिष्यसि	स्तरिष्यथः	स्तरिष्यथ	म०
	स्तरिष्यामि	स्तरिष्यावः	स्तरिष्यामः	उ०
(आ०)	स्तरिष्यसे	स्तरिष्येते	स्तरिष्यन्ते	प्र०
	स्तरिष्यसे	स्तरिष्येथे	स्तरिष्यध्वे	म०
	स्तरिष्ये	स्तरिष्यावहे	स्तरिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	स्तृणोतु-तात्	स्तृणुताम्	स्तृण्वन्तु	प्र०
	स्तृणु, स्तृणुतात्	स्तृणुतम्	स्तृणुत	म०
	स्तृणवानि	स्तृणवाव	स्तृणवाम	उ०
(आ०)	स्तृणुताम्	स्तृण्वाताम्	स्तृण्वताम्	प्र०
	स्तृणुष्व	स्तृण्वाथाम्	स्तृणुध्वम्	म०
	स्तृणवै	स्तृणवावहै	स्तृणवामहै	उ०
लङ् (पर०)	अस्तृणोत्	अस्तृणुताम्	अस्तृण्वन्	प्र०
	अस्तृणोः	अस्तृणुतम्	अस्तृणुत	म०
	अस्तृणवम्	अस्तृणुव-अस्तृण्व	अस्तृणुम-	उ०
			अस्तृण्म	
(आ०)	अस्तृणुत	अस्तृण्वाताम्	अस्तृणुवत्	प्र०
	अस्तृणुथाः	अस्तृण्वाथाम्	अस्तृणुध्वम्	म०
	अस्तृण्वि	अस्तृण्वहि-णुवहि	अस्तृण्महिणुमहि	उ०

विधि-लिङ्	स्तृणुयात्	स्तृणुयाताम्	स्तृणुयुः	प्र०
(पर०)	स्तृणुयाः	स्तृणुयाथ	स्तृणुयाथ	म०
	स्तृणुयाम्	स्तृणुयाव	स्तृणुयाम	उ०
(आ०)	स्तृण्वीत	स्तृण्वीयाताम्	स्तृण्वीरन्	प्र०
	स्तृण्वीथाः	स्तृण्वीयाथाम्	स्तृण्वीध्वम्	म०
	स्तृण्वीय	स्तृण्वीवहि	स्तृण्वीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	स्तर्यात्	स्तर्यास्ताम्	स्तर्यासुः	प्र०
(पर०)	स्तर्याः	स्तर्यास्तम्	स्तर्यास्त	म०
	स्तर्यासम्	स्तर्यास्व	स्तर्यास्म	उ०
(आ०)	स्तरिषीष्ट	स्तरिषीयास्ताम्	स्तरिषीरन्	प्र०
	स्तरिषीष्ठा	स्तरिषीयास्थाम्	स्तरिषीद्वध्वम्	म०
	स्तरिषीय	स्तरिषीयवहि	स्तरिषीमहि	उ०
(पक्षे)	स्तृषीष्ट	स्तृषीयास्ताम्	स्तृषीरन्	प्र०
	स्तृषीष्ठाः	स्तृषीयास्थाम्	स्तृषीद्वम्	म०
	स्तृषीय	स्तृषीवहि	स्तृषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अस्तार्षीत्	अस्तार्षाम्	अस्तार्षुः	प्र०
	अस्तार्षीः	अस्तार्षम्	अस्तार्ष	म०
	अस्तार्षम्	अस्तार्ष्व	अस्तार्ष्व	उ०
(आ०)	अस्तरिष्ट	अस्तरिषाताम्	अस्तरित	प्र०
	अस्तरिष्ठाः	अस्तरिषाथाम्	अस्तरिद्वध्वं	म०
	अस्तरिषि	अस्तरिष्वहि	अस्तरिष्महि	उ०
(पक्षे)	अस्तृषत्	अस्तृषाताम्	अस्तृषत	प्र०
	अस्तृषाः	अस्तृषाथाम्	अस्तृष्वम्	म०
	अस्तृषि	अस्तृष्वहि	अस्तृष्वमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अस्तरिष्यत्	अस्तरिष्यताम्	अस्तरिष्यन्	प्र०
	अस्तरिष्यः	अस्तरिष्यतम्	अस्तरिष्यत	म०
	अस्तरिष्यम्	अस्तरिष्याव	अस्तरिष्याम	उ०
(आ०)	अस्तरिष्यत	अस्तरिष्येताम्	अस्तरिष्यन्त	प्र०
	अस्तरिष्यथाः	अस्तरिष्येथाम्	अस्तरिष्यध्वम्	म०
	अस्तरिष्ये	अस्तरिष्यावहि	अस्तरिष्यामहि	उ०

1253. कृञ् हिंसायाम् - अ०(स०)उ० कृणोति, कृणते इत्यादि पूर्ववत्

1254. वृञ् वाणे - से०(स०)उ०

लट् (पर०)	वृणोति	वृणुतः	वृण्वन्ति	प्र०
	वृणोषि	वृणुथः	वृणुथ	म०
	वृणोमि	वृणुवः-वृण्वः	वृणुमः-वृण्वमः	उ०
(आ०)	वृणुते	वृण्वाते	वृण्वते	प्र०
	वृणुषे	वृण्वाथे	वृणुध्वे	म०
	वृण्वे	वृणुवहे-वृण्वहे	वृणुमहे-वृण्वमहे	उ०
लिट् (पर०)	ववार	वव्रतुः	वव्रुः	प्र०
	ववरिथ	वव्रथुः	वव्र	म०
	ववार-ववर	ववृव	ववृम	उ०
(आ०)	वव्रे	वव्राते	वव्रिरे	प्र०
	ववृषे	ववाथे	ववृध्वे-व्वे	म०
	वव्रे	ववृवहे	ववृमहे	उ०
लुट् (पर०)	वरिता-वरीता	वरितारौ	वरितारः	प्र०
	वरितासि	वरितास्वः	वरितास्व	म०
	वरितास्मि	वरितास्वः	वरितास्मः	उ०
(आ०)	वरिता-वरीता	वरितारौ	वरितारः	प्र०
	वरितासे	वरितासाथे	वरिताध्वे	म०
	वरिताहे	वरितास्वहे	वरितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	वरिष्यति-वरीष्यति	वरिष्यतः	वरिष्यन्ति	प्र०
	वरिष्यसि	वरिष्यथः	वरिष्यथ	म०
	वरिष्यामि	वरिष्यावः	वरिष्यामः	उ०
(आ०)	वरिष्यते-वरीष्यते	वरिष्येते	वरिष्यन्ते	प्र०
	वरिष्यसे	वरिष्येथे	वरिष्यध्वे	म०
	वरिष्ये	वरिष्यावहे	वरिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	वृणोतु-तात्	वृणुताम्	वृणुवन्तु	प्र०
	वृणु-तात्	वृणुतम्	वृणुत	म०
	वृणवानि	वृणुवाव	वृणुवाम्	उ०

(आ०)	वृणुताम्	वृणुवाताम्	वृण्वताम्	प्र०
	वृणुष्व	वृणुवाथाम्	वृणुध्वम्	म०
	वृणवै	वृणवावहै	वृणवामहै	उ०
लङ् (पर०)	अवृणोत्	अवृणुताम्	अवृणुवन्	प्र०
	अवृणोः	अवृणुतम्	अवृणुत	म०
	अवृणवम्	अवृणुव-अवृण्व	अवृणु-अवृण्म	उ०
(आ०)	अवृणुत	अवृण्वाताम्	अवृण्वत	प्र०
	अवृणुथाः	अवृण्वाथाम्	अवृणुध्वम्	म०
	अवृण्वि	अवृणुवहि-	अवृणुमहि-	उ०
		अवृण्वहि	अवृण्महि	
विधि-लिङ्	वृणुयात्	वृणुयाताम्	वृणुयुः	प्र०
(पर०)	वृणुथाः	वृणुयातम्	वृणुयात	म०
	वृणुयाम्	वृणुयाव	वृणुयाम	उ०
(आ०)	वृण्वीत	वृण्वीयाताम्	वृण्वीरन्	प्र०
	वृण्वीथाः	वृण्वीयाथाम्	वृण्वीध्वम्	म०
	वृण्वीय	वृण्वीवहि	वृण्वीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	वृणुयात्	वृणुयास्ताम्	वृणुयासुः	प्र०
(पर०)	वृणुयाः	वृणुयास्तम्	वृणुयास्त	म०
	वृणुयासम्	वृणुयास्व	वृणुयास्म	उ०
(आ०)	वृणुषीष्ट	वृणुषीयास्ताम्	वृणुषीरन्	प्र०
	वृणुषीष्ठाः	वृणुषीयास्थाम्	वृणुषीद्वम्	म०
	वृणुषीयः	वृणुषीवहि	वृणुषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अवारीत	अवारिष्टाम्	अवारिषुः	प्र०
	अवारीष्ठाः	अवारिषाथाम्	अवारिध्वम्	म०
	अवारिषि	अवृष्वहि	अवृष्महि	उ०
(आ०)	अवारिष्ट-अवरीष्ट	अवारिषाताम्	अवारिषत	प्र०
	अवारिष्ठाः	अवारिषाथाम्	अवारिध्वम्	म०
	अवारिषि	अवारिषवहि	अवारिषमहि	उ०
(पक्षे)	अवृत	अवृषाताम्	अवृषत	प्र०
	अवृथाः	अवृषाथाम्	अवृध्वम्-द्वम्	म०
	अवृषि	अवृष्वहि	अवृष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अवरिष्यत्	अवरिष्यताम्	अवरिष्यन्	प्र०
	अवरिष्यः	अवरिष्यतम्	अवरिष्यन्	
	अवरिष्यः	अवरिष्यतम्	अवरिष्यत	म०
	अवरिष्यः	अवरिष्यतम्	अवरिष्यत	
	अवरिष्यम्	अवरिष्य	अवरिष्याम	उ०
	अवरिष्यम्	अवरिष्याव	अवरिष्याम	
(आ०)	अवरिष्यत	अवरिष्येताम्	अवरिष्यन्त	प्र०
	अवरिष्यथाः	अवरिष्येथाम्	अवरिष्यध्वम्	म०
	अवरिष्ये	अवरिष्यावहि	अवरिष्यामहि	उ०
	अवरिष्यत्	इत्यादि		

1255. धुञ् कम्पने - अ०(स०)उ०

लट् (पर०)	धुनोति	धुनुतः	धुन्वन्ति	प्र०
	धुनोषि	धुनुथः	धुनुथ	म०
	धुनोमि	धुनुवः-धुन्वः	धुनुमः-धुन्मः	उ०
	दीर्घान्तोऽप्ययम् - धूनीति इत्यादि			
(आ०)	धुनुते	धुन्वाते	धुन्वते	प्र०
	धुनुषे	धुन्वाथे	धुनुध्वे	म०
	धुन्वे	धुनुवहे-धुन्वहे	धुनुमहे-धुन्महे	उ०
	दीर्घान्त पक्षे - धूनुते इत्यादि			
लिट् (पर०)	दुधाव	दुधुवतुः	दुधुवुः	प्र०
	दुधुविथ- दुधोथ	दुधुवथुः	दुधुव	म०
	दुधाव-दुधव	दुधुविव	दुधुविम	उ०
(आ०)	दुधुवे	दुधुवाते	दुधुविरे	प्र०
	दुधुविषे	दुधुवाथे	दुधुविद्दे-ध्वे	म०
	दुधुवे	दुधुविवहे	दुधुविमहे	उ०
लुट् (पर०)	धविता	धवितारौ	धवितारः	प्र०
	धवितासि	धवितास्थः	धविस्तास्थ	म०
	धवितास्मि	धवितास्वः	धवितास्मः	उ०
(आ०)	धविता	धवितारौ	धवितारः	प्र०
	धवितासे	धवितासाथे	धविस्ताध्वे	म०
	धविताहे	धवितास्वहे	धवितास्महे	उ०

(पक्षे) (पर०)	धोता	धोतारौ	धोतारः	प्र०
	धोतासि	धोतास्थ	धोतास्थ	म०
	धोतास्मि	धोतास्वः	धोतास्मः	उ०
(आ०)	धोता	धोतारौ	धोतारः	प्र०
	धोतासे	धोतासाथे	धोताध्वे	म०
	धोताहे	धोतास्वहे	धोतास्महे	उ०
लृट् (पर०)	धविष्यति	धविष्यतः	धविष्यन्ति	प्र०
	धविष्यसि	धविष्यतः	धविष्यथ	म०
	धविष्यामि	धविष्यावः	धविष्यामः	उ०
(पक्षे)	धोष्यति	धोष्यतः	धोष्यन्ति	प्र०
	धोष्यसि	धोष्यथः	धोष्यथ	म०
	धोष्यामि	धोष्यावः	धोष्यामः	उ०
(आ०)	धविष्यते	धविष्येते	धविष्यन्ते	प्र०
	धविष्यसे	धविष्येथे	धविष्यध्वे	म०
	धविष्ये	धविष्यावहे	धविष्यामहे	उ०
(पक्षे)	धोष्यते	धोष्येते	धोष्यन्ते	प्र०
	धोष्यसे	धोष्येथे	धोष्यध्वे	म०
	धोष्ये	धोष्यावहे	धोष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	धुनोतु-तात्	धुनुताम्	धुन्वन्तु	प्र०
	धुनु-तात्	धुनुतम्	धुनुत	म०
	धुनवानि	धुनवाव	धुनवाम	उ०
(पक्षे)	धूनोतु - इत्यादि			
(आ०)	धुनुताम्	धुन्वाताम्	धुन्वताम्	प्र०
	धुनुष्व	धुन्वाथाम्	धुनुध्वम्	म०
	धुनवे	धुनुवावहै	धुनुवामहै	उ०
(पक्षे)	धुनुताम् - इत्यादि			
लङ् (पर०)	अधुनोत्	अधुनुताम्	अधुन्वन्	प्र०
	अधुनोः	अधुनुतम्	अधुनुत	म०
	अधुनवम्	अधुनुव-अधुन्व	अधुनुम-अधुन्म	उ०
	दीर्घान्ते पक्षे - अधूनोत् इत्यादि			

(आ०)	अधुनुत	अधुन्वाताम्	अधुन्वत	प्र०
	अधुनुथाः	अधुन्वाथाम्	अधुनुध्वम्	म०
	अधुन्वि	अधुनुवहि-	अधुनुमहि-	उ०
		अधुन्वहि	अधुन्महि	
	दीर्घान्ते पक्षे - अधूनुत इत्यादि			
विधि-लिङ्	धुनुयात्	धुनुयाताम्	धुनुयुः	प्र०
(पर०)	धुनुयाः	धुनुयातम्	धुनुयात	म०
	धुनुयाम्	धुनुयाव	धुनुयाम	उ०
(पक्षे)	धूनुयात् - इत्यादि			
(आ०)	धुन्वीत	धुन्वीयाताम्	धुन्वीरन्	प्र०
	धुन्वीथाः	धुन्वीयाथाम्	धुन्वीध्वम्	म०
	धुन्वीय	धुन्वीवहि	धुन्वीमहि	उ०
(पक्षे)	धून्वीत - इत्यादि			
आशिष्-लिङ्	धूयात्	धूयास्ताम्	धूयासुः	प्र०
(पर०)	धूयाः	धूयास्तम्	धूयास्त	म०
	धूयासम्	धूयास्व	धूयास्म	उ०
	पक्षेऽपि एवमेव			
(आ०)	धविषीष्ट	धविषीयास्ताम्	धविषीरन्	प्र०
	धविषीष्ठाः	धविषीयास्थाम्	धविषीद्वं-ध्वम्	म०
	धविषीय	धविषीवहि	धविषीमहि	उ०
(पक्षे)	धोषीष्ट	धोषीयास्ताम्	धोषीरन्	प्र०
	धोषीष्ठाः	धोषीयास्थाम्	धोषीद्वम्	म०
	धोषीय	धोषीवहि	धोषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अधावीत्	अधाविष्टाम्	अधाविषुः	प्र०
	अधावीः	अधाविष्टम्	अधाविष्ट	म०
	अधाविषम्	अधाविष्व	अधाविष्म	उ०
(आ०)	अधविष्ट	अधविषाताम्	अधविषत	प्र०
	अधविष्ठाः	अधविषाथाम्	अधविद्वं-ध्वम्	म०
	अधविषि	अधविष्वहि	अधविष्महि	उ०
(पक्षे)	अधोष्ट	अधोषाताम्	अधोषत	प्र०
	अधोष्ठाः	अधोषाथाम्	अधोद्वम्	म०
	अधोषि	अधोष्वहि	अधोष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अधविष्यत्	अधविष्यताम्	अधविष्यन्	प्र०
	अधविष्यः	अधविष्यतम्	अधविष्यत	म०
	अधविष्यम्	अधविष्याव	अधविष्याम	उ०
(पक्षे)	अधोष्यत्	अधोष्यताम्	अधोष्यन्	प्र०
	अधोष्यः	अधोष्यतम्	अधोष्यत	म०
	अधोष्यम्	अधोष्याव	अधोष्याम	उ०
(आ०)	अधविष्यत	अधविष्येताम्	अधविष्यन्त	प्र०
	अधविष्यथाः	अधविष्येथाम्	अधविष्यध्वम्	म०
	अधविष्ये	अधविष्यावहि	अधविष्यामहि	उ०
(पक्षे)	अधोष्यत	अधोष्येताम्	अधोष्यन्त	प्र०
	अधोष्यथाः	अधोष्येथाम्	अधोष्यध्वम्	म०
	अधोष्ये	अधोष्यावहि	अधोष्यामहि	उ०

अथ परस्मैपदिनः।

1256. टु दु उपतापे - अ०(अ०)पर० दुनोति इत्यादि

1257. हि गतौ वृद्धौ च - अ०(अ०)पर० - हिनोति इत्यादि

1258. पृ प्रीतौ - अ०(अ०)पर० - पृणोति इत्यादि

1259. स्मृ प्रीतिपालनयोः - प्रीतिपालनयोः इत्यन्ये - चलनं जीवनम् इति स्वामी।

स्मृणोतीत्यादि। स्मृ इत्येके। स्मृणोति इत्यादि

1260. आप्लुव्याप्तौ - अ०(स०)पर०

लट्	आप्नोति	आप्नुतः	आप्नुवन्ति	प्र०
	आप्नोषि	आप्नुथः	आप्नुथ	म०
	आप्नोमि	आप्नुवः	आप्नुमः	उ०
लिट्	आप	आपतुः	आपुः	प्र०
	आपिथ	आपथुः	आप	म०
	आप	आपिव	आपिम	उ०
लुट्	आप्ता	आप्तारौ	आप्तारः	प्र०
	आप्तासि	आप्तास्थः	आप्तास्थ	म०
	आप्तास्मि	आप्तास्वः	आप्तास्मः	उ०
लृट्	आप्स्यति	आप्स्यतः	आप्स्यन्ति	प्र०
	आप्स्यसि	आप्स्यथः	आप्स्यथ	म०
	आप्स्यामि	आप्स्यावः	आप्स्यामः	उ०
लोट्	आप्नोतु-आप्नुतात्	आप्नुताम्	आप्नुवन्तु	प्र०

	आप्नुहि-आप्नुतात्	आप्नुतम्	आप्नुत	म०
	आप्नुवामि	आप्नुवाव	आप्नुवाम	उ०
लङ्	आप्नुोत्	आप्नुताम्	आप्नुवन्	प्र०
	आप्नुोः	आप्नुतम्	आप्नुत	म०
	आप्नुवम्	आप्नुवाव	आप्नुवाम	उ०
विधि-लिङ्	आप्नुयात्	आप्नुयाताम्	आप्नुयुः	प्र०
	आप्नुयाः	आप्नुयातम्	आप्नुयात	म०
	आप्नुयाम्	आप्नुयाव	आप्नुयाम	उ०
आशिष्-लिङ्	आप्स्यात्	आप्स्याताम्	आप्स्यासुः	प्र०
	आप्स्याः	आप्स्यास्तम्	आप्स्यास्त	म०
	आप्स्यासम्	आप्स्यास्व	आप्स्यास्म	उ०
लुङ्	आपत्	आपताम्	आपन्	प्र०
	आपः	आपतम्	आपत	म०
	आपम्	आपाव	आपाम	उ०
लृङ्	आप्स्यत्	आप्स्यताम्	आप्स्यन्	प्र०
	आप्स्यः	आप्स्यतम्	आप्स्यत	म०
	आप्स्यम्	आप्स्याव	आप्स्याम	उ०

1261. शक्लृ शक्तौ - अ०(स०)पर० - शक्नोतीत्यादि 1262. राध

1263. साध संसिद्धौ - अ०(अ०)पर० - राध्नोतीत्यादि

अथ द्वावनुदात्तेतौ

1264. अशू व्याप्तौसंघाते च - अ०(वे०)आ०

लट्	अश्नुते	अश्नुवाते	अश्नुवते	प्र०
	अश्नुषे	अश्नुवाथे	अश्नुध्वे	म०
	अश्नुवे	अश्नुवहे	अश्नुमहे	उ०
लिट्	आनशे	आनशाते	आनिशरे	प्र०
	आनशिषे-आनक्षे	आनशाथे	आनशिध्वे-	म०
			आनङ्ढवे	
	आनशे	आनशिवहे-	आनशिमहे-	उ०
		आनश्वहे	आनश्महे	
लुट्	अशिता	अशितारौ	अशितारः	प्र०

	अशितासे	अशितासाथे	अशिताध्वे	म०
	अशिताहे	अशितास्वहे	अशितास्महे	उ०
	पक्षेअष्टा - इत्यादि			
लृट्	अशिष्यते	अशिष्येते	अशिष्यन्ते	प्र०
	अशिष्यसे	अशिष्येथे	अशिष्यध्वे	म०
	अशिष्ये	अशिष्यावहे	अशिष्यामहे	उ०
	पक्षे - अक्ष्यते इत्यादि			
लोट्	अश्नुताम्	अश्न्वाताम्	अश्नुवत्	प्र०
	अश्नुष्व	अश्न्वाथाम्	अश्नुध्वम्	म०
	अश्नुवै	अश्नुवावहि	अश्नुवामहै	उ०
लङ्	आश्नुत	आश्न्वाताम्	आश्नुत	प्र०
	आश्नुथाः	आश्न्वाथाम्	आश्नुध्वम्	म०
	आश्नुवि	आश्नुवहि	आश्नुमहि	उ०
विधि-लिङ्	अश्नुवीत	अश्नुवीयाताम्	अश्नुवीरन्	प्र०
	अश्नुवीथाः	अश्नुवीयाथाम्	अश्नुध्वम्	म०
	अश्नुवि	अश्नुविहि	अश्नुविमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	अशिषीष्ट	अशिषीयास्ताम्	अशिषीरन्	प्र०
	अशिषीष्टाः	अशिषीयास्थाम्	अशिषीढवम्	म०
	अशिषीय	अशिषीवहि	अशिषीमहि	उ०
	पक्षे - अक्षीष्ट इत्यादि			
लुङ्	आशिष्ट	आशिषाताम्	आशिषत	प्र०
	आशिष्टाः	आशिषाथाम्	आशिष्वम्	म०
	आशिषि	आशिष्वहि	आशिष्वमहि	उ०
(पक्षे)	आष्ट	आक्षाताम्	आक्षत	प्र०
	आष्टाः	आक्षाथाम्	आङ्द्वम्	म०
	आक्षि	आक्ष्वहि	आक्ष्वमहि	उ०
लृङ्	आशिष्यत	आशिष्येताम्	आशिष्यन्त	प्र०
	आशिष्यथाः	आशिष्येथाम्	आशिष्यद्वम्	म०
	आशिष्ये	आशिष्यावहि	आशिष्यामहि	उ०
(पक्षे)	आक्ष्यत	आक्ष्येताम्	आक्ष्यन्त	प्र०

आक्षयथाः	आक्षयथाम्	आक्षयद्वम्	म०
आक्षये	आक्षयावहि	आक्षयामहि	उ०

1265. ष्ठिध् आस्कन्दने - से०(स०)आ० - स्तिध्नुते इत्यादि

अथ आ गणनान्तात्परस्मैपदिनः।

1266. तिक 1267. तिग गतौ च चादास्कन्दने - तिकनोति - तिग्नोति इत्यादि

1268. षघ हिंसायाम् - से०(स०)पर० - सघ्नोति इत्यादि

1269. जिधृषा - प्रागल्भ्ये घृष्णोति इत्यादि

1270. दम्भु दम्भने। दम्भनं दम्भः - से०(स०)पर० - दम्भोति इत्यादि

1271. ऋधु वृद्धौ - तृप प्रीणने इत्येके - तृप्नोति इत्यादि

1272. अह व्याप्तौ प्राप्तौ च - से०(अ०)पर० - अहोति इत्यादि

1273. दघ घातने पालने च - से०(स०)पर० - दघ्नोति इत्यादि

1275. चमु भक्षणे - स०(से०)पर० - चमोति इत्यादि

1276. रि 1277. क्षि 1277. चिरि 1278. जिरि 1279. दाश

1280. दृ हिंसायाम् - से०(अ०)(स०)पर० - रिणोति, क्षिणोति, चिरिणोति, रिणोति, दाशणोति, दृणोति इत्यादि

इति स्वादिप्रकरणम्

अथ तिङन्ते तुदादिप्रकरणम्

लट् (पर०)	तुदति	तुदतः	तुदन्ति	प्र०
	तुदसि	तुदथः	तुदथ	म०
	तुदामि	तुदावः	तुदामः	उ०
(आ०)	तुदते	तुदेते	तुदन्ते	प्र०
	तुदसे	तुदेथे	तुदध्वे	म०
	तुदे	तुदावहे	तुदामहे	उ०
लिट् (पर०)	तुतोद	तुतुदतुः	तुतुदुः	प्र०
	तुतोदिथ	तुतुदथुः	तुतुद	म०
	तुतोद	तुतुदिव	तुतुदिम	उ०
(आ०)	तुतुदे	तुतुदाते	तुतुदिरे	प्र०
	तुतुदिषे	तुतुदिषे	तुतुदिध्वे	म०
	तुतुदे	तुतुदे	तुतुदिमहे	उ०

लृट् (पर०)	तोत्ता	तोत्तारौ	तोत्तारः	प्र०
	तोत्तासि	तोत्तास्थः	तोत्तास्थ	म०
	तोत्तास्मि	तोत्तास्वः	तोत्तास्मः	उ०
(आ०)	तोत्ता	तोत्तारौ	तोत्तारः	प्र०
	तोत्तासे	तोत्तासाथे	तोत्ताध्वे	म०
	तोत्ताहे	तोत्तास्वहे	तोत्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	तोत्स्यति	तोत्स्यतः	तोत्स्यन्ति	प्र०
	तोत्स्यसि	तोत्स्यथः	तोत्स्यथ	म०
	तोत्स्यामि	तोत्स्यावः	तोत्स्यामः	उ०
(आ०)	तोत्स्यते	तोत्स्येते	तोत्स्यन्ते	प्र०
	तोत्स्यसे	तोत्स्येथे	तोत्स्यध्वे	म०
	तोत्स्यै	तोत्स्यावहे	तोत्स्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	तुदतु	तुदताम्	तुदन्तु	प्र०
	तुद	तुदतम्	तुदत	म०
	तुदानि	तुदाव	तुदाम	उ०
(आ०)	तुदताम्	तुदेताम्	तुदन्ताम्	प्र०
	तुदस्व	तुदेथाम्	तुदध्वम्	म०
	तुदै	तुदावहै	तुदामहै	उ०
लङ् (पर०)	अतुदत्	अतुदताम्	अतुदन्	प्र०
	अतुदः	अतुदतम्	अतुदत	म०
	अतुदम्	अतुदाव	अतुदाम	उ०
(आ०)	अतुदत	अतुदेताम्	अतुदन्त	प्र०
	अतुदथाः	अतुदेथाम्	अतुदध्वम्	म०
	अतुदे	अतुदावहि	अतुदामहि	उ०
विधि-लिङ्	तुदेत्	तुदेताम्	तुदेयुः	प्र०
(पर०)	तुदेः	तुदेतम्	तुदेत	म०
	तुदेयम्	तुदेव	तुदेम	उ०
(आ०)	तुदेत	तुदेयाताम्	तुदेरन्	प्र०
	तुदेथाः	तुदेयाथाम्	तुदेध्वम्	म०
	तुदेय	तुदेवहि	तुदेमहि	उ०

आशिष्-लिङ्	तुद्यात्	तुद्यास्ताम्	तुद्यासुः	प्र०
(पर०)	तुद्याः	तुद्यास्तम्	तुद्यास्त	म०
	तुद्यासम्	तुद्यास्व	तुद्यास्म	उ०
(आ०)	तुत्सीष्ट	तुत्सीयास्ताम्	तुत्सीरन्	प्र०
	तुत्सीष्ठाः	तुत्सीयास्थाम्	तुत्सीध्वम्	म०
	तुत्सीय	तुत्सीवहि	तुत्सीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अतौत्सीत्	अतौत्ताम्	अतौत्सुः	प्र०
	अतौत्सीः	अतौत्तम्	अत्तौत्त	म०
	अतौत्सम्	अतौत्स्व	अतौत्स्म	उ०
(आ०)	अतुत्त	अतुत्साताम्	अतुत्सत	प्र०
	अतुत्थाः	अतुत्साथाम्	अतुद्ध्वम्	म०
	अतुत्सि	अतुत्स्वहि	अतुत्स्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अतोत्स्यत्	अतोत्स्यताम्	अतोत्स्यन्	प्र०
	अतोत्स्यः	अतोत्स्यतम्	अतोत्स्यत	म०
	अतोत्स्यम्	अतोत्स्याव	अतोत्स्याम	उ०
(आ०)	अतोत्स्यत	अतोत्स्येताम्	अतोत्स्यन्त	प्र०
	अतोत्स्यथाः	अतोत्स्येथाम्	अतोत्स्यन्त	म०
	अतोत्स्ये	अतोत्स्यावहि	अतोत्स्यामहि	उ०

1282. णुद प्रेरणे - (अनि०) उभयपदी

लट् (पर०)	नुदति	नुदतः	नुदन्ति	प्र०
	नुदसि	नुदथः	नुदथ	म०
	नुदामि	नुदावः	नुदामः	उ०
(आ०)	नुदते	नुदेते	नुदन्ते	प्र०
	नुदसे	नुदेथे	नुदध्वे	म०
	नुदे	नुदावहे	नुदामहे	उ०
लिट् (पर०)	नुनोद	नुनुदतुः	नुनुदुः	प्र०
	नुनोदिथ	नुनुदथुः	नुनुद	म०
	नुनोद	नुनुदिव	नुनुदिम	उ०
(आ०)	नुनुदे	नुनुदाते	नुनुदिरे	प्र०
	नुनुदिषे	नुनुदाथे	नुनुदिध्वे	म०
	नुनुद	नुनुदिवहे	नुनुदिमहे	उ०

लुट् (पर०)	नोत्ता	नोत्तारौ	नोत्तारः	प्र०
	नोत्तासि	नोत्तास्थः	नोत्तास्थ	म०
	नोत्तास्मि	नोत्तास्वः	नोत्तास्मः	उ०
(आ०)	नोत्ता	नोत्तारौ	नोत्तारः	प्र०
	नोत्तासे	नोत्तासाथे	नोत्ताध्वे	म०
	नोत्ताहे	नोत्तास्वहे	नोत्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	नोत्स्यति	नोत्स्यतः	नोत्स्यन्ति	प्र०
	नोत्स्यसि	नोत्स्यथः	नोत्स्यथः	म०
	नोत्स्यामि	नोत्स्यावः	नोत्स्यामः	उ०
(आ०)	नोत्स्यते	नोत्स्येते	नोत्स्यन्ते	प्र०
	नोत्स्यसे	नोत्स्येथे	नोत्स्यध्वे	म०
	नोत्स्ये	नोत्स्यावहे	नोत्स्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	नुदतु-तात्	नुदताम्	नुदन्तु	प्र०
	नुद-तात्	नुदतम्	नुदत	म०
	नुदानि	नुदाव	नुदाम	उ०
(आ०)	नुदताम्	नुदेताम्	नुदन्ताम्	प्र०
	नुदस्व	नुदेथाम्	नुदध्वम्	म०
	नुदै	नुदावहै	नुदामहै	उ०
लङ् (पर०)	अनुदत्	अनुदताम्	अनुदन्	प्र०
	अनुदः	अनुदतम्	अनुदत	म०
	अनुदन्	अनुदाव	अनुदाम	उ०
(आ०)	अनुदत	अनुदेताम्	अनुदन्त	प्र०
	अनुदथाः	अनुदेथाम्	अनुदध्वम्	म०
	अनुदे	अनुदावहि	अनुदामहि	उ०
विधि-लिङ्	नुदेत्	नुदेताम्	नुदेयुः	प्र०
(पर०)	नुदे	नुदेतम्	नुदेत	म०
	नुदेयम्	नुदेव	नुदेम	उ०
(आ०)	नुदेत	नुदेयाताम्	नुदेरन्	प्र०
	नुदेधाः	नुदेयाथाम्	नुदेध्वम्	म०
	नुदेय	नुदेवहि	नुदेमहि	उ०

आशिष्-लिङ्	नुद्यात्	नुद्यास्ताम्	नुद्यासुः	प्र०
(पर०)	नुद्याः	नुद्यास्तम्	नुद्यास्त	म०
	नुद्यासम्	नुद्यास्व	नुद्यास्म	उ०
(आ०)	नुत्सीष्ट	नुत्सीयास्ताम्	नुत्सीरन्	प्र०
	नुत्सीष्ठाः	नुत्सीयास्थाम्	नुत्सीध्वम्	म०
	नुत्सीय	नुत्सीवहि	नुत्सीमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अनौत्सीत्	अनौत्ताम्	अनौत्सुः	प्र०
	अनौत्सीः	अनौत्तम्	अनौत	म०
	अनौत्सम्	अनौत्स्व	अनौत्सम	उ०
(आ०)	अनुत्त	अनुत्साताम्	अनुत्सत	प्र०
	अनुत्सीः	अनुत्साथाम्	अनुद्ध्वम्	म०
	अनुत्सि	अनुत्स्वहि	अनुत्समहि	उ०
लृङ् (पर०)	अनोत्स्यत्	अनोत्स्यताम्	अनोत्स्यन्	प्र०
	अनोत्स्यः	अनोत्स्यतम्	अनोत्स्यत	म०
	अनोत्स्यम्	अनोत्स्याव	अनोत्स्याम	उ०
(आ०)	अनोत्स्यत	अनोत्स्येताम्	अनोत्स्यन्त	प्र०
	अनोत्स्यथाः	अनोत्स्येथाम्	अनोत्स्यध्वम्	म०
	अनोत्स्ये	अनोत्स्यावहि	अनोत्स्यामहि	उ०

1283. दिश अतिसर्जने (अतिसर्जनंदानम्) - पूर्ववत्

1284. भ्रस्ज पाके - सक०(अनि०)उभयपदी

लट् (पर०)	भृज्जति	भृज्जतः	भृज्जन्ति	प्र०
	भृज्जसि	भृज्जथः	भृज्जथ	म०
	भृज्जामि	भृज्जावः	भृज्जामः	उ०
(आ०)	भृज्जते	भृज्जेते	भृज्जन्ते	प्र०
	भृज्जसे	भृज्जेथे	भृज्जध्वे	म०
	भृज्जे	भृज्जावहे	भृज्जामहे	उ०
लिट् (पर०)	बभर्ज	बभर्जतुः	बभर्जुः	प्र०
	बभर्जिथ-बर्भष्ठ	बभर्जथुः	बभर्ज	म०
	बभर्ज	बभर्जिव	बभर्जिम	उ०

(पक्षे)	बभ्रज	बभ्रज्जत्	बभ्रज्जुः	प्र०
	बभ्रज्जिथ-बभ्रष्ठ	बभ्रज्जथुः	बभ्रज्ज	म०
	बभ्रज	बभ्रज्जिव	बभ्रज्जिम	उ०
(आ०)	बभ्रज्जे	बभ्रज्जाते	बभ्रज्जिरे	प्र०
	बभ्रज्जिषे	बभ्रज्जाथे	बभ्रज्जिध्वे	म०
	बभ्रजे	बभ्रजिवहे	बभ्रज्जिमहे	उ०
लृट् (पर०)	भर्ष्ठा	भर्ष्ठाऱौ	भर्ष्ठाऱः	प्र०
	भर्ष्ठासि	भर्ष्ठास्थः	भर्ष्ठास्थ	म०
	भर्ष्ठास्मि	भर्ष्ठास्वः	भर्ष्ठास्मः	उ०
(पक्षे)	भ्रष्टा	भ्रष्टाऱौ	भ्रष्टाऱः	प्र०
	भ्रष्टासि	भ्रष्टास्थः	भ्रष्टास्थ	म०
	भ्रष्टास्मि	भ्रष्टास्वः	भ्रष्टास्मः	उ०
(आ०)	भर्ष्ठा	भर्ष्ठाऱौ	भर्ष्ठाऱः	प्र०
	भर्ष्ठासे	भर्ष्ठासाथे	भर्ष्ठाध्वे	म०
	भर्ष्ठाहे	भर्ष्ठास्वहे	भर्ष्ठास्महे	उ०
(पक्षे)	भ्रष्टा	भ्रष्टाऱौ	भ्रष्टाऱः	प्र०
	भ्रष्टासे	भ्रष्टासाथे	भ्रष्टाध्वे	म०
	भ्रष्टाहे	भ्रष्टास्वहे	भ्रष्टास्महे	उ०
लृट् (पर०)	भक्ष्यति	भक्ष्यतः	भक्ष्यन्ति	प्र०
	भक्ष्यसि	भक्ष्यथः	भक्ष्यथ	म०
	भक्ष्यामि	भक्ष्यावः	भक्ष्यामः	उ०
(पक्षे)	भ्रक्ष्यति	भ्रक्ष्यतः	भ्रक्ष्यन्ति	प्र०
	भ्रक्ष्यसि	भ्रक्ष्यथः	भ्रक्ष्यथ	म०
	भ्रक्ष्यामि	भ्रक्ष्यावः	भ्रक्ष्यामः	उ०
(आ०)	भक्ष्यते	भक्ष्येते	भक्ष्यन्ते	प्र०
	भक्ष्यसे	भक्ष्येथे	भक्ष्यध्वे	म०
	भक्ष्ये	भक्ष्यावहे	भक्ष्यामहे	उ०
(पक्षे)	भ्रक्ष्यते	भ्रक्ष्येते	भ्रक्ष्यन्ते	प्र०
	भ्रक्ष्यसे	भ्रक्ष्येथे	भ्रक्ष्यध्वे	म०
	भ्रक्ष्ये	भ्रक्ष्यावहे	भ्रक्ष्यामहे	उ०

लोट् (पर०)	भृज्जतु-तात्	भृज्जताम्	भृज्जन्तु	प्र०
	भृज्ज-तात्	भृज्जतम्	भृज्जत	म०
	भृज्जानि	भृज्जाव	भृज्जाम	उ०
(आ०)	भृज्जताम्	भृज्जेताम्	भृज्जन्ताम्	प्र०
	भृज्जस्व	भृज्जेथाम्	भृज्जध्वम्	म०
	भृज्जै	भृज्जावहै	भृज्जामहै	उ०
लङ् (पर०)	अभृज्जत्	अभृज्जताम्	अभृज्जन्	प्र०
	अभृज्जः	अभृज्जतम्	अभृज्जत	म०
	अभृज्जम्	अभृज्जाव	अभृज्जाम	उ०
(आ०)	अभृज्जत	अभृज्जेताम्	अभृज्जन्त	प्र०
	अभृज्जथाः	अभृज्जेथाम्	अभृज्जध्वम्	म०
	अभृज्जे	अभृज्जावहि	अभृज्जामहि	उ०
विधि-लिङ्	भृज्जेत्	भृज्जेताम्	भृज्जेयुः	प्र०
(पर०)	भृज्जेः	भृज्जेतम्	भृज्जेत	म०
	भृज्जेयम्	भृज्जेव	भृज्जेम	उ०
(आ०)	भृज्जेत	भृज्जेयाताम्	भृज्जेरन्	प्र०
	भृज्जेथाः	भृज्जेयाथाम्	भृज्जेध्वम्	म०
	भृज्जेय	भृज्जेवहि	भृज्जेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	भृज्ज्यात्	भृज्ज्यास्ताम्	भृज्ज्यासुः	प्र०
(पर०)	भृज्ज्याः	भृज्ज्यास्तम्	भृज्ज्यास्त	म०
	भृज्ज्यासम्	भृज्ज्यास्व	भृज्ज्यास्म	उ०
(आ०)	भ्रक्षीष्ट	भ्रक्षीयास्ताम्	भ्रक्षीरन्	प्र०
	भ्रक्षीष्टाः	भ्रक्षीयास्थाम्	भ्रक्षीध्वम्	म०
	भ्रक्षीय	भ्रक्षीवहि	भ्रक्षीमहि	उ०
(पक्षे)	भ्रक्षीष्ट	भ्रक्षीयास्ताम्	भ्रक्षीरन्	प्र०
	भ्रक्षीष्टाः	भ्रक्षीयास्थाम्	भ्रक्षीध्वम्	म०
	भ्रक्षीय	भ्रक्षीवहि	भ्रक्षीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अभार्क्षीत्	अभार्ष्टाम्	अभार्क्षुः	प्र०
	अभार्क्षीः	अभार्ष्टम्	अभार्ष्ट	म०
	अभार्क्षम्	अभार्क्ष्व	अभार्क्ष्म	उ०

(पक्षे)	अभ्राक्षीत्	अभ्राष्टाम्	अभ्राक्षुः	प्र०
	अभ्राक्षीः	अभ्राष्टम्	अभ्राष्ट	म०
	अभ्राक्षम्	अभ्राक्ष्व	अभ्राक्ष्म	उ०
(आ०)	अभर्ष्ट	अभर्क्षताम्	अभर्क्षत	प्र०
	अभर्ष्ठाः	अभर्क्षथाम्	अभर्क्ष्वम्	म०
	अभर्क्षि	अभर्क्ष्वहि	अभर्क्ष्महि	उ०
(पक्षे)	अभ्रष्ट	अभ्रक्षताम्	अभ्रक्षत	प्र०
	अभ्रष्टाः	अभ्रक्षथाम्	अभ्रक्ष्वम्	म०
	अभ्रक्षि	अभ्रक्ष्वहि	अभ्रक्ष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अभर्क्ष्यत्	अभर्क्ष्यताम्	अभर्क्ष्यन्	प्र०
	अभर्क्ष्यः	अभर्क्ष्यतम्	अभर्क्ष्यत	म०
	अभर्क्ष्यम्	अभर्क्ष्याव	अभर्क्ष्याम	उ०
(पक्षे)	अभ्रक्ष्यत्	अभ्रक्ष्यताम्	अभ्रक्ष्यन्	प्र०
	अभ्रक्ष्यः	अभ्रक्ष्यतम्	अभ्रक्ष्यत	म०
	अभ्रक्ष्यम्	अभ्रक्ष्याव	अभ्रक्ष्याम	उ०
(आ०)	अभर्क्ष्यत	अभर्क्ष्यताम्	अभर्क्ष्यन्त	प्र०
	अभर्क्ष्यथाः	अभर्क्ष्यथाम्	अभर्क्ष्यध्वम्	म०
	अभर्क्ष्ये	अभर्क्ष्यावहि	अभर्क्ष्यामहि	उ०
(पक्षे)	अभ्रक्ष्यत	अभ्रक्ष्येताम्	अभ्रक्ष्यन्त	प्र०
	अभ्रक्ष्यथाः	अभ्रक्ष्येथाम्	अभ्रक्ष्यध्वम्	म०
	अभ्रक्ष्ये	अभ्रक्ष्यावहि	अभ्रक्ष्यामहि	उ०

1285. क्षिप प्रेरणे - सक०(अनिट)उभयपदी - पूर्ववत्

1286. कृष विलेखने - सक०(अनिट)उभयपदी

लट् (पर०)	कृषति	कृषतः	कृषन्ति	प्र०
	कृषसि	कृषथः	कृषथ	म०
	कृषामि	कृषावः	कृषामः	उ०
(आ०)	कृषते	कृषेते	कृषन्ते	प्र०
	कृषसे	कृषेथे	कृषध्वे	म०
	कृषे	कृषावहे	कृषामहे	उ०

लिट् (पर०)	चकर्ष	चकृषतुः	चकृषुः	प्र०
	चकर्षिथ	चकृषथुः	चकृष	म०
	चकर्ष	चकृषिव	चकृषिम	उ०
(आ०)	चकृषे	चकृषाते	चकृषिरे	प्र०
	चकृषिषे	चकृषाथे	चकृषिध्वे	म०
	चकृषे	चकृषिवहे	चकृषिमहे	उ०
लुट् (पर०)	क्रष्टा	क्रष्टारौ	क्रष्टारः	प्र०
	क्रष्टासि	क्रष्टास्थः	क्रष्टास्थ	म०
	क्रष्टास्मि	क्रष्टास्वः	क्रष्टास्मः	उ०
(पक्षे)	कर्ष्ठा	कर्ष्ठाः	कर्ष्ठाः	प्र०
	कर्ष्ठासि	कर्ष्ठास्थः	कर्ष्ठास्थ	म०
	कर्ष्ठास्मि	कर्ष्ठास्वः	कर्ष्ठास्मः	उ०
(आ०)	कृष्टा	कृष्टारौ	कृष्टारः	प्र०
	कृष्टासे	कृष्टासाथे	कृष्टाध्वे	म०
	कृष्टाहे	कृष्टास्वहे	कृष्टास्महे	उ०
(पक्षे)	कर्ष्ठा	कर्ष्ठाः	कर्ष्ठाः	प्र०
	कर्ष्ठासे	कर्ष्ठासाथे	कर्ष्ठाध्वे	म०
	कर्ष्ठाहे	कर्ष्ठास्वहे	कर्ष्ठास्महे	उ०
लृट् (पर०)	क्रक्ष्यति	क्रक्ष्यतः	क्रक्ष्यन्ति	प्र०
	क्रक्ष्यसि	क्रक्ष्यथः	क्रक्ष्यथ	म०
	क्रक्ष्यामि	क्रक्ष्यावः	क्रक्ष्यामः	उ०
(पक्षे)	कक्ष्यति	कक्ष्यतः	कक्ष्यन्ति	प्र०
	कक्ष्यसि	कक्ष्यथः	कक्ष्यथः	म०
	कक्ष्यामि	कक्ष्यावः	कक्ष्यामः	उ०
(आ०)	क्रक्ष्यते	क्रक्ष्येते	क्रक्ष्यन्ते	प्र०
	क्रक्ष्यसे	क्रक्ष्येथे	क्रक्ष्यध्वे	म०
	क्रक्ष्ये	क्रक्ष्यावहे	क्रक्ष्यामहे	उ०
(पक्षे)	कक्ष्यते	कक्ष्येते	कक्ष्यन्ते	प्र०
	कक्ष्यसे	कक्ष्येथे	कक्ष्यध्वे	म०
	कक्ष्ये	कक्ष्यावहे	कक्ष्यामहे	उ०

लोट् (पर०)	कृषतु-तात्	कृषताम्	कृषन्तु	प्र०
	कृष-तात्	कृषतम्	कृषत	म०
	कृषाणि	कृषाव	कृषाम	उ०
(आ०)	कृषताम्	कृषेताम्	कृषन्ताम्	प्र०
	कृषस्व	कृषेथाम्	कृषध्वम्	म०
	कृषै	कृषावहै	कृषामहै	उ०
लङ् (पर०)	अकृषत्	अकृषताम्	अकृषन्	प्र०
	अकृषः	अकृषतम्	अकृषत	म०
	अकृषम्	अकृषाव	अकृषाम	उ०
(आ०)	अकृषत	अकृषेताम्	अकृषन्त	प्र०
	अकृषथाः	अकृषेथाम्	अकृषध्वम्	म०
	अकृषे	अकृषावहि	अकृषामहि	उ०
विधि-लिङ्	कृषेत	कृषेताम्	कृषेयुः	प्र०
(पर०)	कृषेः	कृषेतम्	कृषेत	म०
	कृषेयम्	कृषेव	कृषेम	उ०
	कृषेत	कृषेयाताम्	कृषेरन्	प्र०
(आ०)	कृषेथाः	कृषेयाथाम्	कृषेध्वम्	म०
	कृषेय	कृषेवहि	कृषेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	कृष्यात्	कृष्यास्ताम्	कृष्यासुः	प्र०
(पर०)	कृष्याः	कृष्यास्तम्	कृष्यास्त	म०
	कृष्यासम्	कृष्यास्व	कृष्यास्म	उ०
	कृक्षीष्ट	कृक्षीयास्ताम्	कृक्षीरन्	प्र०
(आ०)	कृक्षीष्टाः	कृक्षीयास्थाम्	कृक्षीध्वम्	म०
	कृक्षीय	कृक्षीवहि	कृक्षीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अक्राक्षीत्	अक्राष्टाम्	अक्राक्षुः	प्र०
	अक्राक्षी	अक्राष्टम्	अक्राष्ट	म०
	अक्राक्षम्	अक्राक्ष्व	अक्राक्ष्म	उ०
अ०वि० (पक्षे)	अकाक्षीत्	अकाष्टाम्	अक्राक्षु	प्र०
	अकाक्षीः	अकाष्टम्	अकाष्ट	म०
	अकाक्षम्	अकाक्ष्व	अकाक्ष्म	उ०

(आ०)	अक्रष्ट	अक्रक्षाताम्	अक्रक्षत	प्र०
	अक्रष्टाः	अक्रक्षाथाम्	अक्रक्ष्वम्	म०
	अक्रक्षि	अक्रक्षवहि	अक्रक्षमहि	उ०
(पक्षे)	अकृक्षत	अकृक्षाताम्	अकृक्षन्त	प्र०
	अकृक्षथाः	अकृक्षाथाम्	अकृक्ष्वम्	म०
	अकृक्षि	अकृक्षावहि	अकृक्षामहि	उ०
लृङ् (पर०)	अकृक्ष्यत्	अकृक्ष्यताम्	अकृक्ष्यन्	प्र०
	अकृक्ष्यः	अकृक्ष्यतम्	अकृक्ष्यत	म०
	अकृक्ष्यम्	अकृक्ष्याव	अकृक्ष्याम	उ०
(पक्षे)	अकक्ष्यत्	अकक्ष्यताम्	अकक्ष्यन्	प्र०
	अकक्ष्यः	अकक्ष्यतम्	अकक्ष्यत	म०
	अकक्ष्यम्	अकक्ष्याव	अकक्ष्याम	उ०
(आ०)	अक्रक्ष्यत	अक्रक्ष्येताम्	अक्रक्ष्यन्त	प्र०
	अक्रक्ष्यथाः	अक्रक्ष्येथाम्	अक्रक्ष्यध्वम्	म०
	अक्रक्ष्ये	अक्रक्ष्यावहि	अक्रक्ष्यामहि	उ०
(पक्षे)	अकक्ष्यत	अकक्ष्येताम्	अकक्ष्यन्त	प्र०
	अकक्ष्यथाः	अकक्ष्येथाम्	अकक्ष्यध्वम्	म०
	अकक्ष्ये	अकक्ष्यावहि	अकक्ष्यामहि	उ०

1287. ऋषी गतौ - पर०(सेट्)अक०

1288. जुषी प्रीतिसेवनयोः - से०(स०)आ० आत्मनेपदिनश्चत्वारः

1289. ओ विजी भयचलनयोः - से०(आ०) प्रायेगायमुत्पूर्वः प्रयुज्यते उद्विजते इत्यादि। 1290. ओ लजी

1291. ओ लस्जी व्रीडायाम् - से०(आ०)अ० लजते इत्यादि

अथः परस्मैपदिनः।

1292. ओ व्रश्चु छेदने - वे०(स०)म०

लट्	वृश्चति	वृश्चतः	वृश्चन्ति	प्र०
	वृश्चसि	वृश्चथः	वृश्चथ	म०
	वृश्चामि	वृश्चावः	वृश्चामः	उ०
लिट्	वव्रश्च	वव्रश्चतुः	वव्रश्चुः	प्र०
	वव्रश्चिथ-वव्रष्ट	वव्रश्चथुः	वव्रश्च	म०
	वव्रश्च	वव्रश्चिव	वव्रश्चिम	उ०

लुट् (पक्षे)	ब्रश्चिता	ब्रश्चितारौ	ब्रश्चितारः	प्र०
	ब्रश्चितास्मि	ब्रश्चितास्थः	ब्रश्चितास्थ	म०
	ब्रश्चितामि	ब्रश्चितास्वः	ब्रश्चितास्मः	उ०
	ब्रष्टा	ब्रष्टारौ	ब्रष्टारः	प्र०
	ब्रष्टासि	ब्रष्टास्थः	ब्रष्टास्थ	म०
	ब्रष्टास्मि	ब्रष्टास्वः	ब्रष्टास्मः	उ०
लृट् (पक्षे)	ब्रश्चिष्यति	ब्रश्चिष्यतः	ब्रश्चिष्यन्ति	प्र०
	ब्रश्चिष्यसि	ब्रश्चिष्यथः	ब्रश्चिष्यथ	म०
	ब्रश्चिष्यामि	ब्रश्चिष्यावः	ब्रश्चिष्यामः	उ०
	ब्रक्ष्यति	ब्रक्ष्यतः	ब्रक्ष्यन्ति	प्र०
	ब्रक्ष्यसि	ब्रक्ष्यथः	ब्रक्ष्यथ	म०
	ब्रक्ष्यामि	ब्रक्ष्यावः	ब्रक्ष्यामः	उ०
लोट्	वृश्चतु-तात्	वृश्चताम्	वृश्चन्तु	प्र०
	वृश्च-तात्	वृश्चतम्	वृश्चत	म०
	वृश्चानि	वृश्चाव	वृश्चाम	उ०
लङ्	अवृश्चत्	अवृश्चताम्	अवृश्चन्	प्र०
	अवृश्चः	अवृश्चतम्	अवृश्चत	म०
	अवृश्चम्	अवृश्चाव	अवृश्चाम	उ०
विधि-लिङ्	वृश्चेत्	वृश्चेताम्	वृश्चेयु	प्र०
	वृश्चेः	वृश्चेतम्	वृश्चेत	म०
	वृश्चेयम्	वृश्चेव	वृश्चेम	उ०
आशिष्-लिङ्	वृश्च्यात्	वृश्च्यास्ताम्	वृश्च्यासुः	प्र०
	वृश्च्याः	वृश्च्यस्तम्	वृश्च्यास्त	म०
	वृश्च्यासम्	वृश्च्यास्व	वृश्च्यास्म	उ०
लुङ् (पक्षे)	अब्रश्चीत्	अब्रश्चिष्टाम्	अब्रश्चिषुः	प्र०
	अब्रश्चीः	अब्रश्चिष्टम्	अब्रश्चिष्ट	म०
	अब्रश्चिषम्	अब्रश्चिष्व	अब्रश्चिष्व	उ०
	अब्राक्षीत्	अब्राष्टाम्	अब्राक्षुः	प्र०
	अब्राक्षीः	अब्राष्टम्	अब्राष्ट	म०
	अब्राक्षम्	अब्राक्ष्व	अब्राक्ष्म	उ०

लृङ् (पक्षे)	अब्रश्चिष्यत्	अब्रश्चिष्यताम्	अब्रश्चिष्यन्	प्र०
	अब्रश्चिष्यः	अब्रश्चिष्यतम्	अब्रश्चिष्यत	म०
	अब्रश्चिष्यम्	अब्रश्चिष्याव	अब्रश्चिष्याम	उ०
	अब्रक्ष्यत	अब्रक्ष्यताम्	अब्रक्ष्यन्	प्र०
	अब्रक्ष्यः	अब्रक्ष्यतम्	अब्रक्ष्यत	म०
	अब्रक्ष्यम्	अब्रक्ष्याव	अब्रक्ष्याम्	उ०
1293. व्यच व्याजीकरणे - अ०(से०)प०				
लट्	विचति	विचतः	विचन्ति	प्र०
	विचसि	विचथः	विचथ	म०
	विचामि	विचावः	विचामः	उ०
लिट्	विव्याच	विविचतुः	विविचुः	प्र०
	विव्यचिथ	विविचथुः	विविच	म०
	विव्याच-विव्यच	विविचिव	विविचिम	उ०
लुट्	व्यचिता	व्यचितारौ	व्यचितारः	प्र०
	व्यचितासि	व्यचितास्थः	व्यचितास्व	म०
	व्यचितास्मि	व्यचितास्वः	व्यचितास्मः	उ०
लृट्	व्यचिष्यति	व्यचिष्यतः	व्यचिष्यन्ति	प्र०
	व्यचिष्यसि	व्यचिष्यथः	व्यचिष्यथ	म०
	व्यचिष्यामि	व्यचिष्यावः	व्यचिष्यामः	उ०
लोट्	विचतु-तात्	विचताम्	विचन्तु	प्र०
	विच-तात्	विचतम्	विचत	म०
	विचानि	विचाव	विचाम	उ०
लङ्	अविचत्	अविचताम्	अविचन्	प्र०
	अविचः	अविचतम्	अविचत	म०
	अविचम्	अविचाव	अविचाम	उ०
विधि-लिङ्	विचेत्	विचेताम्	विचेयुः	प्र०
	विचेः	विचेतम्	विचेत	म०
	विचेयम्	विचेव	विचेम	उ०
आशिष्-लिङ्	विच्यात्	विच्यास्ताम्	विच्यासुः	प्र०
	विच्याः	विच्यास्तम्	विच्यास्त	म०
	विच्यासम्	विच्यास्व	विच्यास्म	उ०

(पक्षे)	लृङ्	अव्याचीत्	अव्याचिष्टाम्	अव्याचिषुः	प्र०
		अव्याचीः	अव्याचिष्टम्	अव्याचिष्ट	म०
		अव्याचिषम्	अव्याचिष्व	अव्याचिष्व	उ०
		अव्यचीत्	अव्यचिष्टाम्	अव्यचिषुः	प्र०
		अव्यचीः	अव्यचिष्टम्	अव्यचिष्ट	म०
		अव्यचिषम्	अव्यचिष्व	अव्यचिष्व	उ०
	लृङ्	अव्यचिष्यत्	अव्यचिष्यताम्	अव्यचिष्यन्	प्र०
		अव्यचिष्यः	अव्यचिष्यतम्	अव्यचिष्यत	म०
		अव्यचिष्यम्	अव्यचिष्याव	अव्यचिष्याम	उ०

1294. उछि उच्छे - स०(सेट)प० - उछी विवासे इति भवादौ पठितौ।

इह तयोः पाठस्तु शविकरणार्थः। तेन उच्छति इत्यत्र नुम्विकल्पः सिध्यति।

1295. उछी विवासे अनयो रूपाणि पूर्ववत्।

1296. ऋच्छ गतीन्द्रियप्रलयमूर्तिभावेषु - से०(अ०)प०

लट्	ऋच्छति	ऋच्छतः	ऋच्छन्ति	प्र०
	ऋच्छसि	ऋच्छथः	ऋच्छथ	म०
	ऋच्छामि	ऋच्छावः	ऋच्छामः	उ०
लिट्	आनर्च्छ	आनर्च्छतुः	आनर्च्छुः	प्र०
	आनर्च्छिथ	आनर्च्छथुः	आनर्च्छ	म०
	आनर्च्छ	आनर्च्छिव	आनर्च्छिम	उ०
लुट्	ऋच्छिता	ऋच्छितारौ	ऋच्छितारः	प्र०
	ऋच्छितासि	ऋच्छितास्थः	ऋच्छितास्थ	म०
	ऋच्छास्मि	ऋच्छितास्वः	ऋच्छितास्मः	उ०
लृट्	ऋच्छिष्यति	ऋच्छिष्यतः	ऋच्छिष्यन्ति	प्र०
	ऋच्छिष्यसि	ऋच्छिष्यथः	ऋच्छिष्यथ	म०
	ऋच्छिष्यामि	ऋच्छिष्यावः	ऋच्छिष्यामः	उ०
लोट्	ऋच्छतु-तात्	ऋच्छताम्	ऋच्छन्तु	प्र०
	ऋच्छ-तात्	ऋच्छतम्	ऋच्छत	म०
	ऋच्छानि	ऋच्छाव	ऋच्छाम	उ०
लङ्	आर्च्छत्	आर्च्छताम्	आर्च्छन्	प्र०
	आर्च्छ	आर्च्छतम्	आर्च्छत	म०
	आर्च्छम्	आर्च्छाव	आर्च्छाम	उ०

विधि-लिङ्	ऋच्छेत्	ऋच्छेताम्	ऋच्छेयुः	प्र०
	ऋच्छेः	ऋच्छेतम्	ऋच्छेत	म०
	ऋच्छेयम्	ऋच्छेव	ऋच्छेम	उ०
आशिप्-लिङ्	ऋच्छ्यात्	ऋच्छ्यास्ताम्	ऋच्छ्यासुः	प्र०
	ऋच्छ्याः	ऋच्छ्यास्तम्	ऋच्छ्यास्त	म०
	ऋच्छ्यासम्	ऋच्छ्यास्व	ऋच्छ्यास्म	उ०
लुङ्	आर्च्छीत्	आर्च्छिताम्	आर्च्छिषुः	प्र०
	आर्च्छीः	आर्च्छिष्टम्	आर्च्छिष्ट	म०
	आर्च्छिषम्	आर्च्छिष्व	आर्च्छिष्व	उ०
लृङ्	आर्च्छिष्यत्	आर्च्छिष्यताम्	आर्च्छिष्यन्	प्र०
	आर्च्छिष्यः	आर्च्छिष्यतम्	आर्च्छिष्यत	म०
	आर्च्छिष्यम्	आर्च्छिष्याव	आर्च्छिष्याम	उ०

1297. मिच्छ उत्क्लेशे, उत्क्लेशः=पीडा - से०(अ०)प० - मिच्छति इत्यादि
पूर्ववत् 1298. जर्ज 1299. चर्च

1300. झर्झ परिभाषणभर्त्सनयोः - से०(स०)प०

1301. त्वच संवरणे - से०(स०)प० रूपाणि पूर्ववत्।

1302. ऋच स्तुतौ - से०(स०)प० ऋचति इत्यादि ऋषतिवत्

1303. उब्ज आर्जवे - आर्जवं=सारल्यम् - से०(अ०)प० पूर्ववत्

1304. उज्झ उत्सर्गे - उत्सर्गः - त्यागः - से०(स०)प०

लट्	उज्झति	उज्झतः	उज्झन्ति	प्र०
	उज्झसि	उज्झथः	उज्झथ	म०
	उज्झामि	उज्झावः	उज्झामः	उ०
लिट्	उज्झाञ्चकार	उज्झाञ्चक्रतुः	उज्झाञ्चक्रुः	प्र०
	उज्झाञ्चकर्त्तुः	उज्झाञ्चक्रथुः	उज्झाञ्चक्र	म०
	उज्झाञ्चकार	उज्झाञ्चकृव	उज्झाञ्चकृम	उ०
लुट्	उज्झिता	उज्झितारौ	उज्झितारः	प्र०
	उज्झितासि	उज्झितास्थः	उज्झितास्थ	म०
	उज्झितास्मि	उज्झितास्वः	उज्झितास्मः	उ०
लृट्	उज्झिष्यति	उज्झिष्यथः	उज्झिष्यन्ति	प्र०
	उज्झिष्यसि	उज्झिष्यथः	उज्झिष्यथ	म०
	उज्झिष्यामि	उज्झिष्यावः	उज्झिष्यामः	उ०

लोट्	उज्झतु-तात्	उज्झताम्	उज्झन्तु	प्र०
	उज्झ-तात्	उज्झतम्	उज्झत	म०
	उज्झानि	उज्झाव	उज्झाम	उ०
लङ्	औज्झत्	औज्झताम्	औज्झन्	प्र०
	औज्झः	औज्झतम्	औज्झत	म०
	औज्झम्	औज्झाव	औज्झाम	उ०
विधि-लिङ्	उज्झेत्	उज्जेताम्	उज्जेयुः	प्र०
	उज्जेः	उज्जेतम्	उज्जेत	म०
	उज्जेयम्	उज्जेव	उज्जेम	उ०
आशिष्-लिङ्	उज्झयात्	उज्झयास्ताम्	उज्झयासुः	प्र०
	उज्झयाः	उज्झयास्तम्	उज्झयास्त	म०
	उज्झयासम्	उज्झयास्व	उज्झयास्म	उ०
लुङ्	औज्झीत्	औज्झिष्टाम्	औज्झिषुः	प्र०
	औज्झीः	औज्झिष्टम्	औज्झिष्ट	म०
	औज्झिषम्	औज्झिष्व	औज्झिष्म	उ०
लृङ्	औज्झिष्यत्	औज्झिष्याम्	औज्झिष्यन्	प्र०
	औज्झिष्यः	औज्झिष्यतम्	औज्झिष्यत	म०
	औज्झिष्यम्	औज्झिष्याव	औज्झिष्याम	उ०

1305. लुभ विमोहने - विमोहनमाकुलीकरणम् - स०(से०)प०

लट्	लुभति	लुभतः	लुभन्ति	प्र०
	लुभसि	लुभथः	लुभथ	म०
	लुभामि	लुभावः	लुभामः	उ०
लिट्	लुलोभ	लुलुभतुः	लुलुभुः	प्र०
	लुलोभिथ	लुलुभथुः	लुलुभ	म०
	लुलोभ	लुलुभिव	लुलुभिम	उ०
लोट्	लोभिता	लोभितारौ	लोभितारः	प्र०
	लोभितासि	लोभितास्थः	लोभितास्थ	म०
	लोभितास्मि	लोभितास्वः	लोभितास्मः	उ०
(पक्षे)	लोब्धाता	लोब्धारौ	लोब्धारः	प्र०
	लोब्धासि	लोब्धास्थः	लोब्धास्थ	म०
	लोब्धास्मि	लोब्धास्वः	लोब्धास्मः	उ०

लृट्	लोभिष्यति	लोभिष्यतः	लोभिष्यन्ति	प्र०
	लोभिष्यसि	लोभिष्यथः	लोभिष्यथ	म०
	लोभिष्यामि	लोभिष्यावः	लोभिष्यामः	उ०
लोट्	लुभतु-तात्	लुभताम्	लुभन्तु	प्र०
	लुभ-तात्	लुभतम्	लुभत	म०
	लुभानि	लुभाव	लुभाम	उ०
लङ्	अलुभत्	अलुभताम्	अलुभन्	प्र०
	अलुभः	अलुभतम्	अलुभत	म०
	अलुभम्	अलुभाव	अलुभाम	उ०
विधि-लिङ्	लुभेत्	लुभेताम्	लुभेयुः	प्र०
	लुभेः	लुभेतम्	लुभेत	म०
	लुभेयम्	लुभेव	लुभेम	उ०
आशिप्-लिङ्	लुभ्यात्	लुभ्यास्ताम्	लुभ्यासुः	प्र०
	लुभ्याः	लुभ्यास्तम्	लुभ्यास्त	म०
	लुभ्यासम्	लुभ्यास्व	लुभ्यास्म	उ०
लुङ्	अलोभीत्	अलोभिष्याम्	अलोभिषुः	प्र०
	अलोभीः	अलोभिष्यम्	अलोभिष्य	म०
	अलोभिषम्	अलोभिष्व	अलोभिष्व	उ०
लृङ्	अलोभिष्यत्	अलोभिष्यताम्	अलोभिष्यन्	प्र०
	अलोभिष्यः	अलोभिष्यतम्	अलोभिष्यत	म०
	अलोभिष्यम्	अलोभिष्याव	अलोभिष्याम	उ०

1306. रिफ कथनयुद्धनिन्दाहिंसादानेषु - से०(उ०)प० पूर्ववत्

1307. तृप तृप्तौ - अ०(से०)प०

लट्	तृपति	तृपतः	तृपन्ति	प्र०
	तृपसि	तृपथः	तृपथ	म०
	तृपामि	तृपावः	तृपामः	उ०
लिट्	ततर्प	ततृपतुः	ततृपुः	प्र०
	ततर्पिथ	ततृपथुः	ततृप	म०
	ततर्प	ततृपिव	ततृपिम	उ०
लुट्	तर्पिता	तर्पितारौ	तर्पितारः	प्र०
	तर्पितासि	तर्पितास्थः	तर्पितास्थ	म०
	तर्पितास्मि	तर्पितास्वः	तर्पितास्मः	उ०

लृट्	तर्पिष्यति	तर्पिष्यतः	तर्पिष्यन्ति	प्र०
	तर्पिष्यसि	तर्पिष्यथः	तर्पिष्यथ	म०
	तर्पिष्यामि	तर्पिष्यावः	तर्पिष्यामः	उ०
लोट्	तृपतु-तात्	तृपताम्	तृपन्तु	प्र०
	तृप-तात्	तृपतम्	तृपत	म०
	तृपाणि	तृपाव	तृपाम	उ०
लङ्	अतृपत्	अतृपताम्	अतृपन्	प्र०
	अतृपः	अतृपतम्	अतृपत	म०
	अतृपम्	अतृपाव	अतृपाम	उ०
विधि-लिङ्	तृपेत्	तृपेताम्	तृपेयुः	प्र०
	तृपेः	तृपेतम्	तृपेत	म०
	तृपेयम्	तृपेव	तृपेम	उ०
आशिष्-लिङ्	तृप्यात्	तृप्यास्ताम्	तृप्यासुः	प्र०
	तृप्याः	तृप्यास्तम्	तृप्यास्त	म०
	तृप्यासम्	तृप्यास्व	तृप्यास्म	उ०
लुङ्	अतर्पीत्	अतर्पिष्याम्	अतर्पिषुः	प्र०
	अतर्पीः	अतर्पिष्यम्	अतर्पिष्य	म०
	अतर्पिषम्	अतर्पिष्व	अतर्पिष्व	उ०
लृङ्	अतर्पिष्यत्	अतर्पिष्यताम्	अतर्पिष्यन्	प्र०
	अतर्पिष्यः	अतर्पिष्यतम्	अतर्पिष्यत	म०
	अतर्पिष्यम्	अतर्पिष्याव	अतर्पिष्याम	उ०

1308. तृप् तृप्तौ - पूर्ववत् 1309. तुप 1310. तुम्प 1311. तुफ
 1312. तुम्फ हिंसायाम् 1313. दृप 1314. दृम्फ उत्क्लेशे
 1315. ऋफ 1316. ऋम्फ हिंसायाम् 1317. गुफ
 1318. गुम्फ ग्रन्थे 1319. उभ 1320. उम्भ पूरणे 1321. शुभ
 1322. शुम्भ शोभार्थे 1323. दृभी ग्रन्थे 1324. चृती हिंसाश्रन्थनयोः
 1325. विध विधाने 1326. जुड गतौ - रू० पूर्ववत्
 1327. मृड सुखने - अ०(से०)प०

लट्	मृडति	मृडतः	मृडन्ति	प्र०
	मृडसि	मृडथः	मृडथ	म०
	मृडामि	मृडावः	मृडामः	उ०

लिट्	ममर्ड	ममृडतुः	ममृडुः	प्र०
	ममर्डिथ	ममृडथुः	ममृड	म०
	ममर्ड	ममृडिव	ममृडिम	उ०
लुट्	मर्डिता	मर्डितारौ	मर्डितारः	प्र०
	मर्डितासि	मर्डितास्थः	मर्डितास्थ	म०
	मर्डितास्मि	मर्डितास्व	मर्डितास्म	उ०
लृट्	मर्डिष्यति	मर्डिष्यतः	मर्डिष्यन्ति	प्र०
	मर्डिष्यसि	मर्डिष्यथः	मर्डिष्यथ	म०
	मर्डिष्यामि	मर्डिष्यावः	मर्डिष्यामः	उ०
लोट्	मृडतु-तात्	मृडताम्	मृडन्तु	प्र०
	मृड-तात्	मृडतम्	मृडत	म०
	मृडानि	मृडाव	मृडाम	उ०
लङ्	अमृडत्	अमृडताम्	अमृडन्	प्र०
	अमृडः	अमृडतम्	अमृडत	म०
	अमृडम	अमृडाव	अमृडाम	उ०
विधि-लिङ्	मृडेत्	मृडेताम्	मृडेयुः	प्र०
	मृगडेः	मृडेतम्	मृडेत	म०
	मृडेयम्	मृडेव	मृडेम	उ०
आशिष्-लिङ्	मृड्यात्	मृड्यास्ताम्	मृड्यासु	प्र०
	मृड्याः	मृड्यास्तम्	मृड्यास्त	म०
	मृड्यासम्	मृड्यास्व	मृड्यास्म	उ०
लुङ्	अमर्डीत्	अमर्डिष्टाम्	अमर्डिषुः	प्र०
	अमर्डीः	अमर्डिष्टम्	अमर्डिष्ट	म०
	अमर्डिषम्	अमर्डिष्व	अमर्डिष्म	उ०
लृङ्	अमर्डिष्यत्	अमर्डिष्यताम्	अमर्डिष्यन्	प्र०
	अमर्डिष्यः	अमर्डिष्यतम्	अमर्डिष्यत	म०
	अमर्डिष्यम्	अमर्डिष्याव	अमर्डिष्याम	उ०

1328. पृड सुखने - मृड धातुरिव बोध्यम् 1329. पृण प्रीणने 1330. वृण प्रीणने
 1331. मृण हिंसायाम् 1332. तुण कौटिल्ये 1333. पुण कर्मणि शुभे
 1334. मुण प्रतिज्ञाने 1335. कुण शब्दोपकरणयोः - पूर्ववत्

1336. शुन गतौ - स०(से०)प०

लट्	शुनति	शुनतः	शुनन्ति	प्र०
	शुनसि	शुनथः	शुनथ	म०
	शुनामि	शुनावः	शुनामः	उ०
लिट्	शुशोन	शुशुनतुः	शुशुनुः	प्र०
	शुशोनिथ	शुशुनथुः	शुशुन	म०
	शुशोन	शुशुनिव	शुशुनिम	उ०
लुट्	शोनिता	शोनितारौ	शोनितारः	प्र०
	शोनितासि	शोनितास्थः	शोनितास्थ	म०
	शोनितास्मि	शोनितास्वः	शोनितास्मः	उ०
लृट्	शोनिष्यति	शोनिष्यतः	शोनिष्यन्ति	प्र०
	शोनिष्यसि	शोनिष्यथः	शोनिष्यथ	म०
	शोनिष्यामि	शोनिष्यावः	शोनिष्यामः	उ०
लोट्	शुनतु-तात्	शुनताम्	शुनन्तु	प्र०
	शुन-तात्	शुनतम्	शुनत	म०
	शुनानि	शुनावः	शुनाम	उ०
लङ्	अशुनत्	अशुनताम्	अशुनन्	प्र०
	अशुनः	अशुनतम्	अशुनत	म०
	अशुनम्	अशुनावः	अशुनाम	उ०
विधि-लिट्	शुनेत्	शुनेताम्	शुनेयुः	प्र०
	शुनेः	शुनेतम्	शुनेत	म०
	शुनेयम्	शुनेवः	शुनेम	उ०
आशिष-लिट्	शुन्यात्	शुन्यास्ताम्	शुन्यासुः	प्र०
	शुन्याः	शुन्यास्तम्	शुन्यास्त	म०
	शुन्यासम्	शुन्यास्वः	शुन्यास्मः	उ०
लुङ्	अशोनीत	अशोनिष्टाम्	अशोनिषुः	प्र०
	अशोनीः	अशोनिष्टम्	अशोनिष्ट	म०
	अशोनिषम्	अशोनिष्व	अशोनिष्म	उ०
लृङ्	अशोनिष्यत्	अशोनिष्यताम्	अशोनिष्यन्	प्र०
	अशोनिष्यः	अशोनिष्यतम्	अशोनिष्यत	म०
	अशोनिष्यम्	अशोनिष्याव	अशोनिष्याम	उ०

1337. द्रुण हिंसागतिकौटिल्येषु - से०(स०)प० 1338. घुण
 1339. घूर्ण भ्रमणे - से०(अ०)प० 1340. पुर ऐश्वर्यदीप्योः - से०(अ०)प०
 1341. कुर शब्दे - से०(अ०)प० 1342. खुर छेदने - से०(स०)प०
 1343. मुरसंवेष्टने - से०(स०)प० 1344. क्षुर विलेखने - से०(स०)प०
 1345. घुर भीमार्थशब्दयोः - से०(अ०)प०
 1346. घुर अग्रगमने - से०(स०)प० 1347. बृहू उद्यमने - से०(स०)प०
 1348. तृहू 1349. स्तृहू 1350. तृहृहिंसार्थाः - वे०(स०)प०
 1351. इषु इच्छायाम् - से०(से०)प०

लट्	इच्छति	इच्छतः	इच्छन्ति	प्र०
	इच्छसि	इच्छथः	इच्छथ	म०
	इच्छामि	इच्छावः	इच्छामः	उ०
लिट्	इयेष	ईषतुः	ईषुः	प्र०
	इयेषिथ	ईषथुः	ईष	म०
	इयेष	ईषिव	ईषिम	उ०
लुट्	एषिता	एषितारौ	एषितारः	प्र०
	एषितासि	एषितास्थः	एषितास्थ	म०
	एषितास्मि	एषितास्वः	एषितास्मः	उ०
(पक्षे)	एष्टा इत्यादि			
लृट्	एषिष्यति	एषिष्यतः	एषिष्यन्ति	प्र०
	एषिष्यसि	एषिष्यथः	एषिष्यथ	म०
	एषिष्यामि	एषिष्यावः	एषिष्यामः	उ०
लोट्	इच्छतु-तात्	इच्छताम्	इच्छन्तु	प्र०
	इच्छ-तात्	इच्छतम्	इच्छत	म०
	इच्छानि	इच्छाव	इच्छाम	उ०
लङ्	ऐच्छत्	ऐच्छताम्	ऐच्छन्	प्र०
	ऐच्छः	ऐच्छतम्	ऐच्छत्	म०
	ऐच्छम्	ऐच्छाव	ऐच्छाम	उ०
विधि-लिट्	इच्छेत्	इच्छेताम्	इच्छेयुः	प्र०
	इच्छेः	इच्छेतम्	इच्छेत	म०
	इच्छेयम्	इच्छेव	इच्छेम	उ०

आशिप्-लिङ्	इष्यात्	इष्यास्ताम्	इक्ष्यासुः	प्र०
	इष्याः	इष्यास्तम्	इष्यास्त	म०
	इष्यासम्	इष्यास्व	इष्यास्म	उ०
लुङ्	ऐषीत्	ऐषिष्टाम्	ऐषिषुः	प्र०
	ऐषीः	ऐषिष्टम्	ऐषिष्ट	म०
	ऐषिषम्	ऐषिष्व	ऐषिष्म	उ०
लृङ्	ऐषिष्यत्	ऐषिष्यताम्	ऐषिष्यन्	प्र०
	ऐषिष्यः	ऐषिष्यतम्	ऐषिष्यत	म०
	ऐषिष्यम्	ऐषिष्याव	ऐषिष्याम	उ०

1352. मिष स्पर्धायाम् - से०(अ०)प०
 1353. किल श्वैत्यक्रीडनयोः - से०(अ०)प०
 1354. तिल स्नेहने - से०(अ०)प० 1355. चिल वसने - से०(अ०)प०
 1356. चल विलसने - से०(अ०)प० 1357. इल स्वन्क्षेपणयोः- से०(उ०)प०
 1358. विल संवरणे संवरणमाच्छादनम् - से०(स०)प०
 1359. बिल भेदने - से०(स०)प० 1360. णिल गहने - से०(स०)प०
 1361. हिल भावकरणे-भावकरणमसि प्राय सूचनम् - से०(स०)प०
 1362. शिल 1363. षिल उच्छे
 1364. मिल श्लेषणे - से०(अ०)प०
 1365. लिख अक्षरविन्यासे - से०(अ०)प०
 1366. कुट कौटिल्ये - से०(अ०)प० 1367. पुट संश्लेषणे - से०(अ०)प०
 1368. कुच संकोचने - से०(स०)प०
 1369. भुज शब्दे अव्यक्ते शब्दे इतयात्रेयः - से०(अ०)प०
 1370. भु रक्षायाम् - से०(स०)प० 1371. डिप क्षेपे
 1372. छुर छेदने - से०(स०)प० 1373. स्फुट विकसने - से०(अ०)प०
 1374. भुट आक्षेभिर्दनयो - से०(स०)प०
 1375. व्रुटि छेदने - से०(स०)प० 1376. लुट क्लहकर्मणि - से०(अ०)प०
 1377. चुट 1378. छुट छेदने - से०(स०)प०
 1379. जुड बन्धने - से०(स०)प० 1380. कड मदे - से०(अ०)प०
 1381. लुट संश्लेषणे - से०(अ०)प०
 1382. कृड धनत्वे धनत्वं सान्द्रता - से०(अ०)प०

1383. कुड बाल्ये - से०(अ०)प० 1384. पुड उत्सर्गे - से०(स०)प०
 1385. घुट प्रतिघाते - से०(स०)प०
 1386. तुड तोडने तोडनं भेद - से०(स०)प०
 1387. थुड 1388. स्थुड संवरणे - से०(स०)प०
 1389. स्फुर संचलने
 1390. फुल संचलने - स्फुर स्फुरणे, स्फुल, खुड छुड इत्येके - से०(स०)प०
 1391. स्फुड 1392. चुड
 1393. ब्रुड संवरणे 1394. क्रुड
 1395. मूड निमज्जने - से०(स०)प० - रूपाणि इषुवत्

आत्मनेपदी

1396. गुरी उद्यमाने - से०(अ०)प० गुरते इत्यादि।

परस्मैपदी

1397. णु स्तवने - से०(स०)प० दीर्घान्तः। इतश्चत्वारः परस्मैपदिनः। नुवति
 इत्यादि।
 1398. धू विधूनने - से०(स०)प० 1399. गु पुरीषोत्सर्गे - अनिट(अक०)प०
 1400. ध्रु गतिस्थैर्ययोः। ध्रुव इति पाठान्तरम् - अ०(स०)प० - ध्रुवतीत्यादि।
 1401. कुवशब्दे - अनिट(अ०)प०
 1402. पृड् व्यायामे - प्रायेण अयम् व्याड् पूर्वः - अ०(अक०)आत्मनेपदी

लट्	व्याप्रियते	व्याप्रियेते	व्याप्रियन्ते	प्र०
	व्याप्रियसे	व्याप्रियेथे	व्याप्रियध्वे	म०
	व्याप्रिये	व्याप्रियावहे	व्याप्रियामहे	उ०
लिट्	व्यापप्रे	व्यापप्राते	व्यापप्रिरे	प्र०
	व्यापपृषे	व्यापप्राथे	व्यापप्रद्धवे-ध्वे	म०
	व्यापप्रे	व्यापप्रवहे	व्यापपृमहे	उ०
लुट्	व्यापर्ता	व्यापर्तारौ	व्यापर्तारः	प्र०
	व्यापर्तासे	व्यापर्तासाथे	व्यापर्ताध्वे	म०
	व्यापर्ताहे	व्यापर्तास्वहे	व्यापर्तास्महे	उ०
लृट्	व्यापरिष्यते	व्यापरिष्येते	व्यापरिष्यन्ते	प्र०
	व्यापरिष्यसे	व्यापरिष्येथे	व्यापरिष्यध्वे	म०
	व्यापरिष्ये	व्यापरिष्यावहे	व्यापरिष्यामहे	उ०

लोट्	व्याप्रियताम्	व्याप्रियेताम्	व्यापरियन्ताम्	प्र०
	व्याप्रियस्व	व्याप्रियेथाम्	व्यापरियध्वम्	म०
	व्याप्रियै	व्याप्रियावहै	व्याप्रियामहै	उ०
लङ्	व्याप्रियत	व्याप्रियेताम्	व्याप्रियन्त	प्र०
	व्याप्रियथाः	व्याप्रियेथाम्	व्याप्रियेध्वम्	म०
	व्याप्रिये	व्याप्रियावहि	व्याप्रियामहि	उ०
विधि-लिङ्	व्याप्रियेत	व्याप्रियेताम्	व्याप्रियेरन्	प्र०
	व्याप्रियेथाः	व्याप्रियेथाम्	व्याप्रियेध्वम्	म०
	व्याप्रियेय	व्याप्रियेवहि	व्याप्रियेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	व्यापृषीष्ट	व्यापृषीयास्ताम्	व्यापृषीरन्	प्र०
	व्यापृषीष्ठाः	व्यापृषीयास्थाम्	व्यापृषीध्वम्	म०
	व्यापृषीय	व्यापृषीवहि	व्यापृषीमहि	उ०
लुङ्	व्यापृषत	व्यापृषाताम्	व्यापृषत	प्र०
	व्यापृथाः	व्यापृषाथाम्	व्यापृ ढ्वम्	म०
	व्यापृषि	व्यापृष्वहि	व्यापृष्वमहि	उ०
लृङ्	व्यापरिष्यत	व्यापरिष्येताम्	व्यापरिष्यन्त	प्र०
	व्यापरिष्यथाः	व्यापरिष्येथाम्	व्यापरिष्यध्वम्	म०
	व्यापरिष्ये	व्यापरिष्यावहि	व्यापरिष्यामहि	उ०

1403. मृड् प्राणत्यागे - अक०(अनिट)आत्मनेपदी

लट्	म्रियते	म्रियेते	म्रियन्ते	प्र०
	म्रियसे	म्रियेथे	म्रियध्वे	म०
	म्रिये	म्रियावहे	म्रियामहे	उ०
लिट्	ममार	मम्रतुः	मम्रुः	प्र०
	ममर्थ	मम्रथुः	मम्र	म०
	ममार-ममर	मम्रिव	मम्रिम	उ०
लुट्	मर्ता	मर्तारौ	मर्तारः	प्र०
	मर्तासि	मर्तास्थः	मर्तास्थ	म०
	मर्तास्मि	मर्तास्वः	मर्तास्मः	उ०
लृट्	मरिष्यति	मरिष्यतः	मरिष्यन्ति	प्र०
	मरिष्यसि	मरिष्यथः	मरिष्यथ	म०
	मरिष्यामि	मरिष्यावः	मरिष्यामः	उ०

लोट्	प्रियताम्	प्रियेताम्	प्रियन्ताम्	प्र०
	प्रियस्व	प्रियेथाम्	प्रियध्वम्	म०
	प्रियै	प्रियावहै	प्रियामहै	उ०
लङ्	अप्रियत	अप्रियेताम्	अप्रियन्त	प्र०
	अप्रियथाः	अप्रियेथाम्	अप्रियध्वम्	म०
	अप्रिये	अप्रियावहि	अप्रियामहि	उ०
विधि-लिङ्	प्रियेत	प्रियेयाताम्	प्रियेरन्	प्र०
	प्रियेथाः	प्रियेयाथाम्	प्रियेध्वम्	म०
	प्रियेय	प्रियेवहि	प्रियेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	मृषीष्ट	मृषीयास्ताम्	मृषीरन्	प्र०
	मृषीष्ठाः	मृषीयास्थाम्	मृषीद्वम्	म०
	मृषीय	मृषीवहि	मृषीमहि	उ०
लृङ्	अमृत	अमृषाताम्	अमृषत	प्र०
	अमृथाः	अमृषाथाम्	अमृद्वम्	म०
	अमृषि	अमृष्वहि	अमृष्महि	उ०
लृङ्	अमरिष्यत्	अमरिष्यताम्	अमरिष्यन्	प्र०
	अमरिष्यः	अमरिष्यतम्	अमरिष्यत	म०
	अमरिष्यम्	अमरिष्याव	अमरिष्याम	उ०

अथ परस्मैपदिनः

1404. रि

1405. पि गतौ - अनिट(स०)प० लघूपधगुणादन्तरंगत्वादियङ्

1406. घि धारणे - अ०(स०)प० 1407. क्षिनिवासगत्यौः - अनिट(अ०)प०

1408. षू प्रेरणे - से०(स०)प०

1409. कृ विक्षेपे - से०(सक०)प०

लट्	किरति	किरतः	किरन्ति	प्र०
	किरसि	किरथः	किरथ	म०
	किरामि	किरावः	किरामः	उ०
लिट्	चकार	चकरतुः	चकरुः	प्र०
	चकरिथ	चकरथुः	चकर	म०
	चकार-कर	चकरिव	चकरिम	उ०

लृट् (पक्षे)	करीता	करीतारौ	करीतारः	प्र०
	करीतासि	करीतास्थः	करीतास्थ	म०
	करीतास्मि	करीतास्वः	करीतास्मः	उ०
	करिता	करितारौ	करितारः	प्र०
	करितासि	करितास्थः	करितास्थ	म०
	करितास्मि	करितास्वः	करितास्मः	उ०
लृट् (पक्षे)	करीष्यति	करीष्यतः	करीष्यन्ति	प्र०
	करीष्यसि	करीष्यथः	करीष्यथ	म०
	करीष्यामि	करीष्यावः	करीष्यामः	उ०
	करिष्यति	करिष्यतः	करिष्यन्ति	प्र०
	करिष्यसि	करिष्यथः	करिष्यथ	म०
	करिष्यामि	करिष्यावः	करिष्यामः	उ०
लोट्	किरतु-तात्	किरताम्	किरन्तु	प्र०
	किर-तात्	किरतम्	किरत	म०
	किराणि	किराव	किराम	उ०
लङ्	अकिरत्	अकिरताम्	अकिरन्	प्र०
	अकिरः	अकिरतम्	अकिरत	म०
	अकिरम्	अकिराव	अकिराम	उ०
विधि-लिट्	किरेत्	किरेताम्	किरेयुः	प्र०
	किरेः	किरेतम्	किरेत	म०
	किरेयम्	किरेव	किरोम	उ०
आशिष्-लिट्	कीर्यात्	कीर्यास्ताम्	कीर्यासुः	प्र०
	कीर्याः	कीर्यास्तम्	कीर्यास्त	म०
	कीर्यासम्	कीर्यास्व	कीर्यास्म	उ०
लुङ्	अकारीत्	अकारिष्टाम्	अकारिषुः	प्र०
	अकारीः	अकारिष्टम्	अकारिष्ट	म०
	अकारिषम्	अकारिष्व	अकारिष्म	उ०
लृङ्	अकरीष्यत्	अकरीष्यताम्	अकरीष्यन्	प्र०
	अकरीष्यः	अकरीष्यतम्	अकरीष्यत	म०
	अकरीष्यम्	अकरीष्याव	अकरीष्याम	उ०

(पक्षे)	अकरिष्यत्	अकरिष्यताम्	अकरिष्यन्	प्र०
	अकरिष्यः	अकरिष्यतम्	अकरिष्यत	म०
	अकरिष्यम्	अकरिष्याव	अकरिष्याम	उ०

1410. गृ निगरणे - स०(सेट्)पर०

लट्	गिरति	गिरतः	गिरन्ति	प्र०
	गिरसि	गिरथः	गिरथ	म०
	गिरामि	गिरावः	गिरामः	उ०
(रेफस्य लत्वे	गिलति	गिलतः	गिलन्ति	प्र०
पक्षे)	गिलसि	गिलथः	गिलथ	म०
	गिलामि	गिलावः	गिलामः	उ०
लिट्	जगार	जगरतुः	जगरुः	प्र०
	जगरिथ	जगरथुः	जगर	म०
	जगार-जगर	जगरिव	जगरिम	उ०
(लत्वपक्षे)	जगाल	जगलतुः	जगलुः	प्र०
	जगलिथ	जगलथुः	जगल	म०
	जगाल-जगल	जगलिव	जगलिम	उ०
लुट्	गरीता	गरीतारौ	गरीतारः	प्र०
	गरीतासि	गरीतास्थः	गरीतास्थ	म०
	गरीतास्मि	गरीतास्वः	गरीतास्मः	उ०
(लत्वपक्षे)	गलीता	गलीतारौ	गलितारः	प्र०
	गलीतासि	गलीतास्थः	गलीतास्थ	म०
	गलीतास्मि	गलीतास्वः	गलीतास्मः	उ०

दीर्घाभावपक्षे-गरिता, गलिता इत्यादयः सिध्यन्ति।

लृट्	गरीष्यति	गरीष्यतः	गरीष्यन्ति	प्र०
	गरीष्यसि	गरीष्यथः	गरीष्यथ	म०
	गरीष्यामि	गरीष्यावः	गरीष्यामः	उ०
(लत्वपक्षे)	गलीष्यति	गलीष्यतः	गलीष्यन्ति	प्र०
	गलीष्यसि	गलीष्यथः	गलीष्यथ	म०
	गलीष्यामि	गलीष्यावः	गलीष्यामः	उ०

दीर्घाभावपक्षे-गरिष्यति, गलिष्यति च सिध्यतः।

लोट्	गिरतु-तात्	गिरताम्	गिरन्तु	प्र०
	गिर-तात्	गिरतम्	गिरत	म०
	गिराणि	गिराव	गिराम	उ०
(लत्वपक्षे)	गिलतु-तात्	गिलताम्	गिलन्तु	प्र०
	गिल-तात्	गिलतम्	गिलत	म०
	गिलानि	गिलाव	गिलाम	उ०
लङ्	अगिरत्	अगिरताम्	अगिरन्	प्र०
	अगिरः	अगिरतम्	अगिरत	म०
	अगिरम्	अगिराव	अगिराम	उ०
(लत्वपक्षे)	अगिलत्	अगिलताम्	अगिलन्	प्र०
	अगिलः	अगिलतम्	अगिलत	म०
	अगिलम्	अगिलाव	अगिलाम	उ०
विधि-लिङ्	गिरेत्	गिरेताम्	गिरेयुः	प्र०
	गिरेः	गिरेतम्	गिरेत	म०
	गिरेयम्	गिरेव	गिरेम	उ०
(लत्वपक्षे)	गिलेत्	गिलेताम्	गिलेयुः	प्र०
	गिलेः	गिलेतम्	गिलेत	म०
	गिलेयम्	गिलेव	गिलेम	उ०
आशिष्-लिङ्	गीर्यात्	गीर्यास्ताम्	गीर्यासुः	प्र०
	गीर्याः	गीर्यास्तम्	गीर्यास्त	म०
	गीर्यासम्	गीर्यास्व	गीर्यास्म	उ०
लुङ्	अगारीत्	अगारिष्टाम्	अगारिषुः	प्र०
	अगारीः	अगारिष्टम्	अगारिष्ट	म०
	अगारिषम्	अगारिष्व	अगारिष्व	उ०
(लत्वपक्षे)	अगालीत्	अगालिष्टाम्	अगालिषुः	प्र०
	अगालीः	अगालिष्टम्	अगालिष्ट	म०
	अगालिषम्	अगालिष्व	अगालिष्व	उ०
लृङ्	अगरीष्यत्	अगरीष्यताम्	अगरीष्यन्	प्र०
	अगरीष्यः	अगरीष्यतम्	अगरीष्यत	म०
	अगरीष्यम्	अगरीष्याव	अगरीष्याम	उ०

(लत्वपक्षे)	अगलीष्यत्	अगलीष्यताम्	अगलीष्यन्	प्र०
	अगलीष्यः	अगलीष्यतम्	अगलीष्यत	म०
	अगलीष्यम्	अगलीष्याव	अगलीष्याम	उ०

दीर्घाभाव पक्षे - अगरिष्यत्, अगलिष्यत् चापि भवतः।

अथ आत्मनेपदिनौ

1411. दृङ् आदरे - अयमाङ्पूर्वः - अनिट्(सक०)आ० - आद्रियते, इत्यादि।

1412. धृङ् अवस्थाने - अनिट्(अक०)आत्मनेपदी - ध्रिपते इत्यादि।

अथ परस्मैपदिनः

1413. पृच्छ ज्ञीप्सायाम् - अनिट्(सक०)प०

लट्	पृच्छति	पृच्छतः	पृच्छन्ति	प्र०
	पृच्छसि	पृच्छथः	पृच्छथ	म०
	पृच्छामि	पृच्छावः	पृच्छामः	उ०
लिट्	पप्रच्छ	पप्रच्छतुः	पप्रच्छुः	प्र०
	पप्रच्छिथ-पप्रष्ठ	पप्रच्छथुः	पप्रच्छ	म०
	पप्रच्छ	पप्रच्छिव	पप्रच्छिम	उ०
लुट्	प्रष्टा	प्रष्टारौ	प्रष्टारः	प्र०
	प्रष्टासि	प्रष्टास्थः	प्रष्टास्थ	म०
	प्रष्टास्मि	प्रष्टास्वः	प्रष्टास्मः	उ०
लृट्	प्रक्ष्यति	प्रक्ष्यतः	प्रक्ष्यन्ति	प्र०
	प्रक्ष्यसि	प्रक्ष्यथः	प्रक्ष्यथ	म०
	प्रक्ष्यामि	प्रक्ष्यावः	प्रक्ष्यामः	उ०
लोट्	प्रच्छतु-तात्	प्रच्छताम्	प्रच्छन्तु	प्र०
	प्रच्छ-तात्	प्रच्छतम्	प्रच्छत	म०
	प्रच्छानि	प्रच्छाव	प्रच्छाम	उ०
लङ्	अपृच्छत्	अपृच्छताम्	अपृच्छन्	प्र०
	अपृच्छः	अपृच्छतम्	अपृच्छत	म०
	अपृच्छम्	अपृच्छाव	अपृच्छाम	उ०
विधि-लिट्	पृच्छेत्	पृच्छेताम्	पृच्छेयुः	प्र०
	पृच्छेः	पृच्छेतम्	पृच्छेत	म०
	पृच्छेम्	पृच्छेव	पृच्छेम	उ०

आशिप्-लिङ्	पृच्छयात्	पृच्छयास्ताम्	पृच्छयासुः	प्र०
	पृच्छयाः	पृच्छयास्तम्	पृच्छयास्त	म०
	पृच्छयासम्	पृच्छयास्व	पृच्छयास्म	उ०
लुङ्	अप्राक्षीत्	अप्राष्टाम्	अप्राक्षुः	प्र०
	अप्राक्षीः	अप्राष्टम्	अप्राष्ट	म०
	अप्राक्षम्	अप्राक्ष्व	अप्राक्ष्म	उ०
लृङ्	अप्रक्ष्यत्	अप्रक्ष्यताम्	अप्रक्ष्यन्	प्र०
	अप्रक्ष्यः	अप्रक्ष्यतम्	अप्रक्ष्यत	म०
	अप्रक्ष्यम्	अप्रक्ष्याव	अप्रक्ष्याम	उ०

1414. सृज विसर्गे - विसर्गः, त्यागः, सृष्टि, निर्माणम्, करणम्। -

अनिट्(सक०)पर० सृजति - इत्यादि पृच्छतिवत्।

1415. टु मस्जो शुद्धौ -अनिट्(अक०)पर०

लट्	मज्जति	मज्जतः	मज्जन्ति	प्र०
	मज्जसि	मज्जथः	मज्जथ	म०
	मज्जामि	मज्जावः	मज्जामः	उ०
लिट्	ममज्ज	ममज्जतुः	ममज्जुः	प्र०
	ममज्जिथ-ङ्क्थ	ममज्जथुः	ममज्ज	म०
	ममज्ज	ममज्जिव	ममज्जिम	उ०
लुट्	मङ्क्ता	मङ्क्तारौ	मङ्क्तारः	प्र०
	मङ्क्तासि	मङ्क्तास्थः	मङ्क्तास्थ	म०
	मङ्क्तास्मि	मङ्क्तास्वः	मङ्क्तास्मः	उ०
लृट्	मङ्क्ष्यति	मङ्क्ष्यतः	मङ्क्ष्यन्ति	प्र०
	मङ्क्ष्यसि	मङ्क्ष्यथः	मङ्क्ष्यथ	म०
	मङ्क्ष्यामि	मङ्क्ष्यावः	मङ्क्ष्यामः	उ०
लोट्	मज्जतु-तात्	मज्जताम्	मज्जन्तु	प्र०
	मज्ज-तात्	मज्जतम्	मज्जत	म०
	मज्जानि	मज्जाव	मज्जाम	उ०
लङ्	अमज्जत्	अमज्जताम्	अमज्जन्	प्र०
	अमज्जः	अमज्जतम्	अमज्जत	म०
	अमज्जम्	अमज्जाव	अमज्जाम	उ०

विधि-लिङ्	मज्जेत्	मज्जेताम्	मज्जेयुः	प्र०
	मज्जेः	मज्जेतम्	मज्जेत	म०
	मज्जेयम्	मज्जेव	मज्जेम	उ०
आशिष्-लिङ्	मज्यात	मज्यास्ताम्	मज्यासुः	प्र०
	मज्याः	मज्यास्तम्	मज्यास्त	म०
	मज्यासम्	मज्यास्व	मज्यास्म	उ०
लृङ्	अमाङ्क्षीत्	अमाङ्क्ताम्	अमाङ्क्षुः	प्र०
	अमाङ्क्षीः	अमाङ्क्तम्	अमाङ्क्षक्त	म०
	अमाङ्क्षम्	अमाङ्क्ष्व	अमाङ्क्ष्म	उ०
लृङ्	अमाङ्क्ष्यत्	अमाङ्क्षताम्	अमाङ्क्ष्यन्	प्र०
	अमाङ्क्ष्यः	अमाङ्क्षतम्	अमाङ्क्ष्यत	म०
	अमाङ्क्ष्यम्	अमाङ्क्ष्याव	अमाङ्क्ष्याम	उ०

1416. रुजो भङ्गे - अ०(स०)प०

लट्	रुजति	रुजतः	रुजन्ति	प्र०
	रुजसि	रुजथः	रुजथ	म०
	रुजामि	रुजावः	रुजामः	उ०
लिट्	रुरोज	रुरुजतुः	रुरुजुः	प्र०
	रुरुजिथ	रुरुजथुः	रुरुज	म०
	रुरोज	रुरुजिव	रुरुजिम	उ०
लुट्	रोक्ता	रोक्तारौ	रोक्ताः	प्र०
	रोक्तासि	रोक्तास्थः	रोक्तास्थ	म०
	रोक्तास्मि	रोक्तास्वः	रोक्तास्मः	उ०
लृट्	रोक्ष्यति	रोक्ष्यतः	रोक्ष्यन्ति	प्र०
	रोक्ष्यसि	रोक्ष्यथः	रोक्ष्यथ	म०
	रोक्ष्यामि	रोक्ष्यावः	रोक्ष्यामः	उ०
लोट्	रुजतु-तात्	रुजताम्	रुजन्तु	प्र०
	रुज-तात्	रुजतम्	रुजत	म०
	रुजानि	रुजाव	रुजाम	उ०
लङ्	अरुजत्	अरुजताम्	अरुजन्	प्र०
	अरुजः	अरुजतम्	अरुजत	म०
	अरुजम्	अरुजाव	अरुजाम	उ०

विधि-लिङ्	रुजेत्	रुजेताम्	रुजेयुः	प्र०
	रुजेः	रुजेतम्	रुजेत	म०
	रुजेयम्	रुजेव	रुजेम	उ०
आशिष्-लिङ्	रुज्यात्	रुज्यास्ताम्	रुज्यासुः	प्र०
	रुज्याः	रुज्यास्तम्	रुज्यास्त	म०
	रुज्यासम्	रुज्यास्व	रुज्यास्म	उ०
लृङ्	अरोक्ष्यत्	अरोक्ष्यताम्	अरोक्ष्यन्	प्र०
	अरोक्ष्यः	अरोक्ष्यतम्	अरोक्ष्यत	म०
	अरोक्ष्यम्	अरोक्ष्याव	अरोक्ष्याम	उ०

1417. भुजो कौटिल्यै - अ०(अनिट)पर० भुजति आदि रुजतिवत्।

1418. छुप स्पर्शे - अ०(स०)प० 1419. रुश

1420. रिश हिंसायाम् - अ०(स०)प० 1421. लिश गतौ - अ०(स०)प०

1422. स्पृश संस्पर्शने - अ०(स०)प० 1423. विच्छ गतौ - सेट(स०)प०

1424. विश प्रवेशने - अ०(स०)प०

लट्	विशति	विशतः	विशन्ति	प्र०
	विशसि	विशथः	विशथ	म०
	विशामि	विशावः	विशामः	उ०
लिट्	विवेश	विविशतुः	विविशुः	प्र०
	विविशिथ	विविशथुः	विविश	म०
	विवेश	विविशिव	विविशिम	उ०
लुट्	वेष्टा	वेष्टारौ	वेष्टारः	प्र०
	वेष्टासि	वेष्टास्थः	वेष्टास्म	म०
	वेष्टास्मि	वेष्टास्वः	वेष्टास्मः	उ०
लृट्	वेक्ष्यति	वेक्ष्यतः	वेक्ष्यन्ति	प्र०
	वेक्ष्यसि	वेक्ष्यथः	वेक्ष्यथ	म०
	वेक्ष्यामि	वेक्ष्यावः	वेक्ष्यामः	उ०
लोट्	विशतु-तात्	विशताम्	विशन्तु	प्र०
	विश-तात्	विशतम्	विशत	म०
	विशानि	विशाव	विशाम	उ०

लङ्	अविशत्	अविशताम्	अविशन्	प्र०
	अविशः	अविशतम्	अविशत	म०
	अविशम्	अविशाव	अविशाम	उ०
विधि-लिङ्	विशेत्	विशेताम्	विशेयुः	प्र०
	विशेः	विशेतम्	विशेत	म०
	विशेयम्	विशेव	विशेम	उ०
आशिष्-लिङ्	विश्यात्	विश्यास्ताम्	विश्यासुः	प्र०
	विश्याः	विश्यास्तम्	विश्यास्त	म०
	विश्यासम्	विश्यास्व	विश्यास्म	उ०
लुङ्	अविक्षत्	अविक्षताम्	अविक्षन्	प्र०
	अविक्षः	अविक्षतम्	अविक्षत	म०
	अविक्षम्	अविक्षाव	अविक्षाम	उ०
लृङ्	अवेक्ष्यत्	अवेक्ष्यताम्	अवेक्ष्यन्	प्र०
	अवेक्ष्यः	अवेक्ष्यतम्	अवेक्ष्यत	म०
	अवेक्ष्यम्	अवेक्ष्याव	अवेक्ष्याम	उ०

1425. मृश आमर्शने। आमर्शनं स्पर्शः - सेट(सक०)प०

लट्	मृशति	मृशतः	मृशन्ति	प्र०
	मृशसि	मृशथः	मृशथ	म०
	मृशामि	मृशावः	मृशामः	उ०
लिट्	ममर्श	ममृशतुः	ममृशुः	प्र०
	ममर्शिथ	ममृशथुः	ममृश	म०
	ममर्श	ममृशिव	ममृशिम	उ०
लुट्	म्रष्टा	म्रष्टारौ	म्रष्टारः	प्र०
	म्रष्टासि	म्रष्टास्थः	म्रष्टास्थ	म०
	म्रष्टास्मि	म्रष्टास्वः	म्रष्टास्मः	उ०
(पक्षे)	मर्ष्टा	मर्ष्टारौ	मर्ष्टारः	प्र०
	मर्ष्टासि	मर्ष्टास्थः	मर्ष्टास्थ	म०
	मर्ष्टास्मि	मर्ष्टास्वः	मर्ष्टास्मः	उ०
लृट्	म्रक्ष्यति	म्रक्ष्यतः	म्रक्ष्यन्ति	प्र०
	म्रक्ष्यसि	म्रक्ष्यथः	म्रक्ष्यथ	म०
	म्रक्ष्यामि	म्रक्ष्यावः	म्रक्ष्यामः	उ०

(पक्षे)	मक्ष्यति	मक्ष्यतः	मक्ष्यन्ति	प्र०
	मक्ष्यसि	मक्ष्यथः	मक्ष्यथ	म०
	मक्ष्यामि	मक्ष्यावः	मक्ष्यामः	उ०
लोट्	मृशतु-तात्	मृशताम्	मृशन्तु	प्र०
	मृश-तात्	मृशतम्	मृशत	म०
	मृशानि	मृशाव	मृशाम	उ०
लङ्	अमृशत्	अमृशताम्	अमृशन्	प्र०
	अमृशः	अमृशतम्	अमृशत	म०
	अमृशम्	अमृशाव	अमृशाम	उ०
विधि-लिङ्	मृशेत्	मृशेताम्	मृशेयुः	प्र०
	मृशेः	मृशेतम्	मृशेत	म०
	मृशेयम्	मृशेव	मृशेम	उ०
आशिष्-लिङ्	मृश्यात्	मृश्यास्ताम्	मृश्यासुः	प्र०
	मृश्याः	मृश्यास्तम्	मृश्यास्त	म०
	मृश्यासम्	मृश्यास्व	मृश्यास्म	उ०
लुङ्	अम्राक्षीत्	अम्राष्टाम्	अम्राक्षुः	प्र०
	अम्राक्षीः	अम्राष्टम्	अम्राष्ट	म०
	अम्राक्षम्	अम्राक्ष्व	अम्राक्ष्म	उ०
अनुदात्तस्य चेत्यम्बिकल्प पक्षे				
	अमाक्षीत्	अमाष्टाम्	अमाक्षुः	प्र०
	अमाक्षीः	अमाष्टम्	अमाष्ट	म०
	अमाक्षम्	अमाक्ष्व	अमाक्ष्म	उ०
स्पृशमृशे ति सिजभावे शल इगुपधे ति क्सादेशपक्षे				
	अमृक्षत्	अमृक्षताम्	अमृक्षन्	प्र०
	अमृक्षः	अमृक्षतम्	अमृक्षत	म०
	अमृक्षम्	अमृक्षाव	अमृक्षाम	उ०
लङ्	अम्रक्ष्यत्	अम्रक्ष्यताम्	अम्रक्ष्यन्	प्र०
	अम्रक्ष्यः	अम्रक्ष्यतम्	अम्रक्ष्यत	म०
	अम्रक्ष्यम्	अम्रक्ष्याव	अम्रक्ष्याम	उ०
(पक्षे)	अमक्ष्यत्	अमक्ष्यताम्	अमक्ष्यन्	प्र०
	अमक्ष्यः	अमक्ष्यतम्	अमक्ष्यत	म०
	अमक्ष्यम्	अमक्ष्याव	अमक्ष्याम	उ०

1426. णुद प्रेरणे - कर्त्रभिप्राये क्रियाफले परस्मैपदार्थः पुनःपाठः। अनिट्, सक०, प० । नुदतीत्यादि पूर्ववत्।

1427. षद्लृ, विशरणगत्यवसादनेषु - अनिट्(सक०)प०

लट्	सीदति	सीदतः	सीदन्ति	प्र०
	सीदसि	सीदथः	सीदथ	म०
	सीदामि	सीदावः	सीदामः	उ०
लिट्	ससाद	सेदतुः	सेदुः	प्र०
	सेदिथ-ससत्थ	सेदथुः	सेद	म०
	ससाद-ससद	सेदिव	सेदिम	उ०
लुट्	सत्ता	सत्तारौ	सत्तारः	प्र०
	सत्तासि	सत्तास्थः	सत्तास्थ	म०
	सत्तास्मि	सत्तास्वः	सत्तास्मः	उ०
लृट्	सत्स्यति	सत्स्यतः	सत्स्यन्ति	प्र०
	सत्स्यसि	सत्स्यथः	सत्स्यथ	म०
	सत्स्यामि	सत्स्यावः	सत्स्यामः	उ०
लोट्	सीदतु-तात्	सीदताम्	सीदन्तु	प्र०
	सीद-तात्	सीदतम्	सीदत	म०
	सीदानि	सीदाव	सीदाम	उ०
लङ्	असीदत्	असीदताम्	असीदन्	प्र०
	असीदः	असीदतम्	असीदत	म०
	असीदम्	असीदाव	असीदाम	उ०
विधि-ल्लिङ्	सीदेत्	सीदेताम्	सीदेयु	प्र०
	सीदेः	सीदेतम्	सीदेत	म०
	सीदेयम्	सीदेव	सीदेम	उ०
आशिष्-ल्लिङ्	सद्यात्	सद्यास्ताम्	सद्यासुः	प्र०
	सद्याः	सद्यास्तम्	सद्यास्त	म०
	सद्यासम्	सद्यास्व	सद्यास्म	उ०
लुङ्	असदत्	असदताम्	असदन्	प्र०
	असदः	असदतम्	असदत	म०
	असदम्	असदाव	असदाम	उ०

लृङ्	असत्स्यत्	असत्स्यताम्	असत्स्यन्	प्र०
	असत्स्यः	असत्स्यतम्	असत्स्यत	म०
	असत्स्यम्	असत्स्याव	असत्स्याम	उ०

1428. शदलृ शातने शातनमिह पातनम्। स्वरार्थ एव पुनः पाठः। शता तु नास्ति। शदेः शितः इत्यात्मनेपदोक्तेः - अनिट(सक०)प०

लट्	शीयते	शीयेते	शीयन्ते	प्र०
	शीयसे	शीयेथे	शीयध्वे	म०
	शीये	शीयावहे	शीयामहे	उ०
लिट्	शशाद	शेदतुः	शेदुः	प्र०
	शेदित्थ-शशत्थ	शेदथुः	शेद	म०
	शशद-शशद	शेदिव	शेदिम	उ०
लुट्	शत्ता	शत्तारौ	शत्तारः	प्र०
	शत्तासि	शत्तास्थः	शत्तास्थ	म०
	शत्तास्मि	शत्तास्वः	शत्तास्मः	उ०
लृट्	शत्स्यति	शत्स्यतः	शत्स्यन्ति	प्र०
	शत्स्यसि	शत्स्यथः	शत्स्यथ	म०
	शत्स्यामि	शत्स्यावः	शत्स्यामः	उ०
लोट्	शीयताम्	शीयेताम्	शीयन्ताम्	प्र०
	शीयस्व	शीयेथाम्	शीयेध्वम्	म०
	शीयै	शीयावहै	शीयामहै	उ०
लङ्	अशीयत	अशीयेताम्	अशीयन्त	प्र०
	अशीयथाः	अशीयेथाम्	अशीयध्वम्	म०
	अशीये	अशीयावहि	अशीयामहि	उ०
विधि-लिङ्	शीयेत	शीयेयाताम्	शीयेरन्	प्र०
	शीयेथाः	शीयेयाथाम्	शीयेध्वम्	म०
	शीयेय	शीयेवहि	शीयेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	शद्यात्	शद्यास्ताम्	शद्यासुः	प्र०
	शद्याः	शद्यास्तम्	शद्यास्त	म०
	शद्यासम्	शद्यास्व	शद्यास्म	उ०

लुङ्	अशदत्	अशदताम्	अशदन्	प्र०
	अशदः	अशदतम्	अशदत	म०
	अशदम्	अशदाव	अशदाम	उ०
लृङ्	अशत्स्यत्	अशत्स्यताम्	अशत्स्यन्	प्र०
	अशत्स्यः	अशत्स्यतम्	अशत्स्यत	म०
	अशत्स्यम्	अशत्स्याव	अशत्स्याम	उ०

अथ षट् स्वरितेतः

1429. मिल सङ् गमे। मिल संश्लेषणे इति पठितस्य पुनः पाठः कर्त्रभिप्राये
तडर्थः - सेट्(सक०)उ०

लट् (पर०)	मिलति	मिलतः	मिलन्ति	प्र०
	मिलसि	मिलथः	मिलथ	म०
	मिलामि	मिलावः	मिलामः	उ०
(आ०)	मिलते	मिलेते	मिलन्ते	प्र०
	मिलसे	मिलेथे	मिलध्वे	म०
	मिले	मिलावहे	मिलामहे	उ०
लिट् (पर०)	मिमेल	मिमिलतुः	मिमिलुः	प्र०
	मिमेलिथ	मिमिलथुः	मिमिल	म०
	मिमेल	मिमिलिव	मिमिलिम	उ०
(आ०)	मिमिले	मिमिलाते	मिमिलिरे	प्र०
	मिमिलिषे	मिमिलाथे	मिमिलिद्ध्वे-ध्वे	म०
	मिमिले	मिमिलिवहे	मिमिलिमहे	उ०
लुट् (पर०)	मेलिता	मेलितारौ	मेलितारः	प्र०
	मेलितासि	मेलितास्थः	मेलितास्थ	म०
	मेलितास्मि	मेलितास्वः	मेलितास्मः	उ०
(आ०)	मेलिता	मेलितारौ	मेलितारः	प्र०
	मेलितासे	मेलितासाथे	मेलिताध्वे	म०
	मेलिताहे	मेलितास्वहे	मेलितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	मेलिष्यति	मेलिष्यथः	मेलिष्यन्ति	प्र०
	मेलिष्यसि	मेलिष्यथः	मेलिष्यथ	म०
	मेलिष्यामि	मेलिष्यावः	मेलिष्याम	उ०

(आ०)	मेलिष्यते	मेलिष्येते	मेलिष्यन्ते	प्र०
	मेलिष्यसे	मेलिष्येथे	मेलिष्यध्वे	म०
	मेलिष्ये	मेलिष्यावहे	मेलिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	मिलतु-तात्	मिलताम्	मिलन्तु	प्र०
	मिल-तात्	मिलतम्	मिलत	म०
	मिलानि	मिलाव	मिलाम	उ०
(आ०)	मिलताम्	मिलेताम्	मिलन्ताम्	प्र०
	मिलस्व	मिलेयाम्	मिलध्वम्	म०
	मिलै	मिलावहै	मिलामहै	उ०
लङ् (पर०)	अमिलत्	अमिलताम्	अमिलन्	प्र०
	अमिलः	अमिलतम्	अमिलत	म०
	अमिलम्	अमिलाव	अमिलाम	उ०
(आ०)	अमिलत	अमिलेताम्	अमिलन्त	प्र०
	अमिलथाः	अमिलेतम्	अमिलध्वम्	म०
	अमिले	अमिलावहि	अमिलामहि	उ०
विधि-लिङ्	मिलेत्	मिलेताम्	मिलेयुः	प्र०
(पर०)	मिलेः	मिलेतम्	मिलेत	म०
	मिलेयम्	मिलेव	मिलेम	उ०
(आ०)	मिलेत	मिलेयाताम्	मिलेरन्	प्र०
	मिलेथाः	मिलेयाथाम्	मिलेध्वम्	म०
	मिलेय	मिलेवहि	मिलेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	मिल्यात्	मिल्यास्ताम्	मिल्यासुः	प्र०
(पर०)	मिल्याः	मिल्यास्तम्	मिल्यास्त	म०
	मिल्यासम्	मिल्यास्व	मिल्यास्म	उ०
(आ०)	मेलिषीष्ट	मेलिषीयास्ताम्	मेलिषीरन्	प्र०
	मेलिषीष्ठाः	मेलिषीयाथाम्	मेलिषीद्वध्वम्	म०
	मेलिषीय	मेलिषीवहि	मेलिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अमेलीत्	अमेलिष्टाम्	अमेलिषुः	प्र०
	अमेलीः	अमेलिष्टम्	अमेलिष्ट	म०
	अमेलिषम्	अमेलिष्वः	अमेलिष्व	उ०

(आ०)	अमेलिष्ट	अमेलिषाताम्	अमेलिषत	प्र०
	अमेलिष्ठाः	अमेलिषाथाम्	अमेलिद्वध्वम्	म०
	अमेलिषि	अमेलिष्वहि	अमेलिष्वहि	उ०
लृङ् (पर०)	अमेलिष्यत्	अमेलिषाताम्	अमेलिष्यन्	प्र०
	अमेलिष्यः	अमेलिषाथाम्	अमेलिष्यत	म०
	अमेलिष्यम्	अमेलिष्याव	अमेलिष्याम	उ०
(आ०)	अमेलिष्यत	अमेलिष्येताम्	अमेलिष्यन्त	प्र०
	अमेलिष्यथाः	अमेलिष्येथाम्	अमेलिष्यध्वम्	म०
	अमेलिष्ये	अमेलिष्यावहि	अमेलिष्यामहि	उ०

1430. मुञ्च लृ मोक्षणे - स०(अ०)उभ०

लट् (पर०)	मुञ्चति	मुञ्चतः	मुञ्चन्ति	प्र०
	मुञ्चसि	मुञ्चथः	मुञ्चथ	म०
	मुञ्चामि	मुञ्चावः	मुञ्चामः	उ०
(आ०)	मुञ्चते	मुञ्चते	मुञ्चन्ते	प्र०
	मुञ्चसे	मुञ्चथे	मुञ्चध्वे	म०
	मुञ्चे	मुञ्चावहे	मुञ्चामहे	उ०
लिट् (पर०)	मुमुच	मुमुचतुः	मुमुचुः	प्र०
	मुमुचिथ	मुमुचथुः	मुमुचथ	म०
	मुमुच	मुमुचिव	मुमुचिम	उ०
(आ०)	मुमुचे	मुमुचाते	मुमुचिरे	प्र०
	मुमुचिषे	मुमुचाथे	मुमुचिध्वे	म०
	मुमुचे	मुमुचिवहे	मुमुचिमहे	उ०
लुट् (पर०)	मोक्ता	मोक्तारौ	मोक्ताः	प्र०
	मोक्तासि	मोक्तास्थः	मोक्तास्थ	म०
	मोक्तास्मि	मोक्तास्वः	मोक्तास्मः	उ०
(आ०)	मोक्ता	मोक्तारौ	मोक्ताः	प्र०
	मोक्तासे	मोक्तासाथे	मोक्ताध्वे	म०
	मोक्ताहे	मोक्तास्वहे	मोक्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	मोक्ष्यति	मोक्ष्यतः	मोक्ष्यन्ति	प्र०
	मोक्ष्यसि	मोक्ष्यथः	मोक्ष्यथ	म०
	मोक्ष्यामि	मोक्ष्यावः	मोक्ष्यामः	उ०

(आ०)	मोक्षयते	मोक्षयेते	मोक्षयन्ते	प्र०
	मोक्षयसे	मोक्षयेथे	मोक्षयध्वे	म०
	मोक्षये	मोक्षयावहे	मोक्षयामहे	उ०
लोट् (पर०)	मुञ्चतु-तात्	मुञ्चताम्	मुञ्चन्तु	प्र०
	मुञ्च-तात्	मुञ्चतम्	मुञ्चत	म०
	मुञ्चानि	मुञ्चाव	मुञ्चाम	उ०
(आ०)	मुञ्चताम्	मुञ्चेताम्	मुञ्चन्ताम्	प्र०
	मुञ्चस्व	मुञ्चेयाम्	मुञ्चध्वम्	म०
	मुञ्चै	मुञ्चावहै	मुञ्चामहै	उ०
लङ् (पर०)	अमुञ्चत्	अमुञ्चताम्	अमुञ्चन्	प्र०
	अमुञ्चः	अमुञ्चतम्	अमुञ्चत	म०
	अमुञ्चम्	अमुञ्चाव	अमुञ्चाम	उ०
(आ०)	अमुञ्चत	अमुञ्चेताम्	अमुञ्चन्त	प्र०
	अमुञ्चथाः	अमुञ्चेतम्	अमुञ्चध्वम्	म०
	अमुञ्चे	अमुञ्चावहि	अमुञ्चामहि	उ०
विधि-लिट्	मुञ्चेत्	मुञ्चेताम्	मुञ्चेयुः	प्र०
(पर०)	मुञ्चेः	मुञ्चेतम्	मुञ्चेत	म०
	मुञ्चेयम्	मुञ्चेव	मुञ्चेम	उ०
(आ०)	मुञ्चेत	मुञ्चेयाताम्	मुञ्चेरन्	प्र०
	मुञ्चेथाः	मुञ्चेयाथाम्	मुञ्चेध्वम्	म०
	मुञ्चेय	मुञ्चेवहि	मुञ्चेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	मुच्यात्	मुच्यास्ताम्	मुच्यासुः	प्र०
(पर०)	मुच्याः	मुच्यास्तम्	मुच्यास्त	म०
	मुच्यासम्	मुच्यास्व	मुच्यास्म्	उ०
(आ०)	मुक्षीष्ट	मुक्षीयास्ताम्	मुक्षीरन्	प्र०
	मुक्षीष्ठाः	मुक्षीयाथाम्	मुक्षीध्वम्	म०
	मुक्षीय	मुक्षीवहि	मुक्षीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अमुचत्	अमुचताम्	अमुचन्	प्र०
	अमुचः	अमुचतम्	अमुचत	म०
	अमुचम्	अमुचावः	अमुचाम	उ०

(आ०)	अमुक्त	अमुक्षाताम्	अमुक्षत	प्र०
	अमुक्थाः	अमुक्षाथाम्	अमुग्ध्वम्	म०
	अमुक्षि	अमुक्ष्वहि	अमुक्षमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अमोक्ष्यत्	अमोक्ष्याताम्	अमोक्ष्यन्	प्र०
	अमोक्ष्यः	अमोक्ष्याथाम्	अमोक्ष्यत	म०
	अमोक्ष्यम्	अमोक्ष्याव	अमोक्ष्याम	उ०
(आ०)	अमोक्ष्यत	अमोक्ष्येताम्	अमोक्ष्यन्त	प्र०
	अमोक्ष्यथाः	अमोक्ष्येथाम्	अमोक्ष्यध्वम्	म०
	अमोक्ष्ये	अमोक्ष्यावहि	अमोक्ष्यामहि	उ०

1431. लुप्लृ छेदने - अनिट(स०)उ० लुम्पति इत्यादि मुञ्चतिवत्।

1432. विदलृ लाभे - व्याघ्रभूत्यादिमते विद सेटो यम्। क्लापादिमते - अनिट्।
मतान्तरे वेट्(सक०)उ०

लट् (पर०)	विन्दति	विन्दतः	विन्दन्ति	प्र०
	विन्दसि	विन्दथः	विन्दथ	म०
	विन्दामि	विन्दावः	विन्दामः	उ०
(आ०)	विन्दते	विन्देते	विन्दन्ते	प्र०
	विन्दसे	विन्देथे	विन्दध्वे	म०
	विन्दे	विन्दावहे	विन्दावहे	उ०
लिट् (पर०)	विवेद	विविदतुः	विविदुः	प्र०
	विविदिथ	विविदथुः	विविद	म०
	विवेद	विविदिव	विविदिम	उ०
(आ०)	विवेदे	विविदाते	विविदिरे	प्र०
	विविदिषे	विविदाथे	विविदिध्वे	म०
	विविदे	विविदिवहे	विविदिमहे	उ०

व्याघ्रभूत्यादिमते सेट्कोयम्।

लुट् (पर०)	वेदिता	वेदितारौ	वेदितारः	प्र०
	वेदितासि	वेदितास्थः	वेदितास्थ	म०
	वेदितास्मि	वेदितास्वः	वेदितास्मः	उ०

भाष्यादिमतेऽनिट्कः

(आ०)	वेत्ता	वेत्तारौ	वेत्तारः	प्र०
	वेत्तासे	वेत्तासाथे	वेत्ताध्वे	म०
	वेत्ताहे	वेत्तास्वहे	वेत्तास्महे	उ०

लृट् (पर०)	वेदिष्यति	वेदिष्यतः	वेदिष्यन्ति	प्र०
	वेदिष्यसि	वेदिष्यतः	वेदिष्यथ	म०
	वेदिष्यामि	वेदिष्यावः	वेदिष्यामः	उ०
(आ०)	वेत्स्यते	वेत्स्येते	वेत्स्यन्ते	प्र०
	वेत्स्यसे	वेत्स्येथे	वेत्स्यध्वे	म०
	वेत्स्ये	वेत्स्यावहे	वेत्स्यामहे	उ०
(पक्षे व्याम)	वेदिता	वेदिष्यति	वेत्स्यति, वेदिष्यते इत्यादि।	
लोट् (पर०)	विन्दतु-तात्	विन्दिताम्	विन्दन्तु	प्र०
	विन्द-तात्	विन्दतम्	विन्दत	म०
	विन्दानि	विन्दाव	विन्दाम	उ०
(आ०)	विन्दिताम्	विन्दिताम्	विन्दिताम्	प्र०
	विन्दस्व	विन्देथाम्	विन्दध्वम्	म०
	विन्दै	विन्दावहै	विन्दामहै	उ०
लङ् (पर०)	अविन्दत्	अविन्दिताम्	अविन्दन्	प्र०
	अविन्दः	अविन्दतम्	अविन्दत	म०
	अविन्दम्	अविन्दाव	अविन्दाम	उ०
(आ०)	अविन्दत	अविन्दिताम्	अविन्दन्त	प्र०
	अविन्दथाः	अविन्देतम्	अविन्दध्वम्	म०
	अविन्दे	अविन्दावहि	अविन्दामहि	उ०
विधि-लिङ्	विन्देत्	विन्देताम्	विन्देयुः	प्र०
(पर०)	विन्देः	विन्देतम्	विन्देत	म०
	विन्देयम्	विन्देव	विन्देम	उ०
(आ०)	विन्देत	विन्देयाताम्	विन्देरन्	प्र०
	विन्देथाः	विन्देयाथाम्	विन्देध्वम्	म०
	विन्देय	विन्देवहि	विन्देमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	विद्यात्	विद्यास्ताम्	विद्यासुः	प्र०
(पर०)	विद्याः	विद्यास्तम्	विद्यास्त	म०
	विद्यासम्	विद्यास्व	विद्यास्म	उ०
(आ०)	वित्सीष्ट	वित्सीयास्ताम्	वित्सीरन्	प्र०
	वित्सीष्टाः	वित्सीयाथाम्	वित्सीध्वम्	म०
	वित्सीय	वित्सीवहि	वित्सीमहि	उ०

(व्या, म) वेदिषीष्ट - इत्यादि।

लुङ् (पर०)	अविदत्	अविदताम्	अविदन्	प्र०
	अविदः	अविदतम्	अविदत	म०
	अविदम्	अविदाव	अविदाम	उ०
(आ०)	अवित्त	अवित्साताम्	अवित्सत	प्र०
	अवित्थाः	अवित्साथाम्	अविदध्वम्	म०
	अवित्सि	अवित्स्वहि	अवित्स्महि	उ०

(व्या, म) अवेदिष्यत् - इत्यादि।

लृङ् (पर०)	अवेत्स्यत्	अवेत्स्यताम्	अवेत्स्यन्	प्र०
	अवेत्स्यः	अवेत्स्यतम्	अवेत्स्यत	म०
	अवेत्स्यम्	अवेत्स्याव	अवेत्स्याम	उ०
(आ०)	अवेत्स्यत	अवेत्स्येताम्	अवेत्स्यन्त	प्र०
	अवेत्स्यथाः	अवेत्स्येथाम्	अवेत्स्यध्वम्	म०
	अवेत्स्ये	अवेत्स्यावहि	अवेत्स्यामहि	उ०

(व्या, म) अवेदिष्यत्, अवेदिष्यत - इत्यादि।

1433. लिप उपदेहे उपदेहो - वृद्धिः, उपचयः (उप) - अनिट्(सक०)

लट् (पर०)	लिम्पति	लिम्पतः	लिम्पन्ति	प्र०
	लिम्पसि	लिम्पथः	लिम्पथ	म०
	लिम्पामि	लिम्पावः	लिम्पामः	उ०
(आ०)	लिम्पते	लिम्पेते	लिम्पन्ते	प्र०
	लिम्पसे	लिम्पेथे	लिम्पध्वे	म०
	लिम्पे	लिम्पावहे	लिम्पामहे	उ०
लिट् (पर०)	लिलेप	लिलिपतुः	लिलिपुः	प्र०
	लिलेपिथ	लिलिपथुः	लिलिपिथ	म०
	लिलेप	लिलिपिव	लिलिपिम	उ०
(आ०)	लिलिपे	लिलिपाते	लिलिपिरे	प्र०
	लिलिपिषे	लिलिपाथे	लिलिपिध्वे	म०
	लिलिपे	लिलिपिवहे	लिलिपिमहे	उ०
लुट् (पर०)	लेप्ता	लेप्तारौ	लेप्तारः	प्र०
	लेप्तासि	लेप्तास्थः	लेप्तास्थ	म०
	लेप्तास्मि	लेप्तास्वः	लेप्तास्मः	उ०

(आ०)	लेप्ता	लेप्तारौ	लेप्तारः	प्र०
	लेप्तासे	लेप्तासाथे	लेप्ताध्वे	म०
	लेप्ताहे	लेप्तास्वहे	लेप्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	लेप्स्यति	लेप्स्यतः	लेप्स्यन्ति	प्र०
	लेप्स्यसि	लेप्स्यथः	लेप्स्यथ	म०
	लेप्स्यामि	लेप्स्यावः	लेप्स्यामः	उ०
(आ०)	लेप्स्यते	लेप्स्येते	लेप्स्यन्ते	प्र०
	लेप्स्यसे	लेप्स्येथे	लेप्स्यध्वे	म०
	लेप्स्ये	लेप्स्यावहे	लेप्स्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	लिम्पतु-तात्	लिम्पताम्	लिम्पन्तु	प्र०
	लिम्प-तात्	लिम्पतम्	लिम्पत	म०
	लिम्पानि	लिम्पाव	लिम्पाम	उ०
(आ०)	लिम्पताम्	लिम्पेताम्	लिम्पन्ताम्	प्र०
	लिम्पस्व	लिम्पेथाम	लिम्पध्वम्	म०
	लिम्पै	लिम्पावहै	लिम्पामहै	उ०
लङ् (पर०)	अलिम्पत्	अलिम्पताम्	अलिम्पन्	प्र०
	अलिम्पः	अलिम्पतम्	अलिम्पत	म०
	अलिम्पम्	अलिम्पाव	अलिम्पाम	उ०
(आ०)	अलिम्पत	अलिम्पेताम्	अलिम्पन्त	प्र०
	अलिम्पथाः	अलिम्पेथाम्	अलिम्पध्वम्	म०
	अलिम्पे	अलिम्पावहि	अलिम्पामहि	उ०
विधि-लिङ्	लिम्पेत्	लिम्पेताम्	लिम्पेयुः	प्र०
(पर०)	लिम्पेः	लिम्पेतम्	लिम्पेत	म०
	लिम्पेयम्	लिम्पेव	लिम्पेम	उ०
(आ०)	लिम्पेत	लिम्पेयाताम्	लिम्पेरन्	प्र०
	लिम्पेथाः	लिम्पेयाथाम्	लिम्पेध्वम्	म०
	लिम्पेय	लिम्पेवहि	लिम्पेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	लिप्यात्	लिप्यास्ताम्	लिप्यासुः	प्र०
(पर०)	लिप्याः	लिप्यास्तम्	लिप्यास्त	म०
	लिप्यासम्	लिप्यास्व	लिप्यास्म	उ०

(आ०)	लिप्सीष्ट	लिप्सीयास्ताम्	लिप्सीरन्	प्र०
	लिप्सीष्ठाः	लिप्सीयास्थाम्	लिप्सीध्वम्	म०
	लिप्सीय	लिप्सीवहि	लिप्सीमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अलिपत्	अलिपताम्	अलिपन्	प्र०
	अलिपः	अलिपतम्	अलिपत	म०
	अलिपम्	अलिपाव	अलिपाम्	उ०
(आ०)	अलिपत	अलिपेताम्	अलिपन्त	प्र०
	अलिपथाः	अलिपेथाम्	अलिपध्वम्	म०
	अलिपे	अलिपावहि	अलिपामहि	उ०
लृङ् (पर०)	अलेप्स्यत्	अलेप्स्याताम्	अलेप्स्यन्	प्र०
	अलेप्स्यः	अलेप्स्याथाम्	अलेप्स्यत	म०
	अलेप्स्यम्	अलेप्स्याव	अलेप्स्याम	उ०
(आ०)	अलेप्स्यत	अलेप्स्येताम्	अलेप्स्यन्त	प्र०
	अलेप्स्यथाः	अलेप्स्येथाम्	अलेप्स्यध्वम्	म०
	अलेप्स्ये	अलेप्स्यावहि	अलेप्स्यामहि	उ०

व्याघ्रभृत्यादिमते सेट्कोऽयम् तत्र विदलृ वत्

1434. षिच क्षरणे - स०(अ०)उ०

लट् (पर०)	सिंचति	सिंचतः	सिंचन्ति	प्र०
	सिंचसि	सिंचथः	सिंचथ	म०
	सिंचामि	सिंचावः	सिंचाम	उ०
(आ०)	सिंचते	सिंचेते	सिंचन्ते	प्र०
	सिंचसे	सिंचेथे	सिंचध्वे	म०
	सिंचे	सिंचावहे	सिंचामहे	उ०
लिट् (पर०)	सिषेच	सिषिचतुः	सिसिचुः	प्र०
	सिषेचिथ	सिषिचथुः	सिषिच	म०
	सिषेच	सिषिचिव	सिषिचिम	उ०
(आ०)	सिषिचे	सिषिचाते	सिषिचिरे	प्र०
	सिषिचिषे	सिषिचाथे	सिषिचिध्वे	म०
	सिषिचे	सिषिचिवहे	सिषिचिमहे	उ०

लुट् (पर०)	सेक्ता	सेक्तारौ	सेक्तारः	प्र०
	सेक्तासि	सेक्तास्थः	सेक्तास्थ	म०
	सेक्तास्मि	सेक्तास्वः	सेक्तास्मः	उ०
(आ०)	सेक्ता	सेक्तारौ	सेक्तारः	प्र०
	सेक्तासे	सेक्तासाथे	सेक्ताध्वे	म०
	सेक्ताहे	सेक्तास्वहे	सेक्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	सेक्ष्यति	सेक्ष्यतः	सेक्ष्यन्ति	प्र०
	सेक्ष्यसि	सेक्ष्यथः	सेक्ष्यथ	म०
	सेक्ष्यामि	सेक्ष्यावः	सेक्ष्यामः	उ०
(आ०)	सेक्ष्यते	सेक्ष्येते	सेक्ष्यन्ते	प्र०
	सेक्ष्यसे	सेक्ष्येथे	सेक्ष्यध्वे	म०
	सेक्ष्ये	सेक्ष्यावहे	सेक्ष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	सिंचतु-तात्	सिंचताम्	सिंचन्तु	प्र०
	सिंच-तात्	सिंचतम्	सिंचत	म०
	सिंचानि	सिंचाव	सिंचाम	उ०
(आ०)	सिंचताम्	सिंचेताम्	सिंचन्ताम्	प्र०
	सिंचस्व	सिंचेथाम्	सिंचध्वम्	म०
	सिंचै	सिंचावहै	सिंचामहै	उ०
लङ् (पर०)	असिंचत्	असिंचताम्	असिंचन्	प्र०
	असिंचः	असिंचतम्	असिंचत	म०
	असिंचम्	असिंचाव	असिंचाम	उ०
(आ०)	असिंचत	असिंचेताम्	असिंचन्त	प्र०
	असिंचथाः	असिंचेथाम्	असिंचध्वम्	म०
	असिंचे	असिंचावहि	असिंचामहि	उ०
विधि-लिङ्	सिंचेत्	सिंचेताम्	सिंचेयुः	प्र०
(पर०)	सिंचेः	सिंचेतम्	सिंचेत	म०
	सिंचेयम्	सिंचेव	सिंचेम	उ०
(आ०)	सिंचेत	सिंचेयाताम्	सिंचेरन्	प्र०
	सिंचेथाः	सिंचेयाथाम्	सिंचेध्वम्	म०
	सिंचेय	सिंचेवहि	सिंचेमहि	उ०

आशिष्-लिङ्	सिच्यात्	सिच्यास्ताम्	सिच्यासुः	प्र०
(पर०)	सिच्याः	सिच्यास्तम्	सिच्यास्त	म०
	सिच्यासम्	सिच्यास्व	सिच्यास्म	उ०
(आ०)	सिक्षीष्ट	सिक्षीयास्ताम्	सिक्षीरन्	प्र०
	सिक्षीष्टाः	सिक्षीयास्थाम्	लिसिक्षीध्वम्	म०
	सिक्षीय	सिक्षीवहि	लिसिक्षीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	असिंचत्	असिंचताम्	असिंचन्	प्र०
	असिंचः	असिंचतम्	असिंचत	म०
	असिंचम्	असिंचाव	असिंचाम	उ०
(आ०)	असिंचत	असिंचेताम्	असिंचन्त	प्र०
	असिंचथाः	असिंचेथाम्	असिंचध्वम्	म०
	असिंचे	असिंचावहि	असिंचामहि	उ०
(पक्षे)	असिक्त	असिक्षाताम्	असिक्षत	प्र०
	असिक्त्वाः	असिक्षाथाम्	असिध्वम्	म०
	असिक्षि	असिक्षवहि	असिक्षमहि	उ०
लृङ् (पर०)	असेक्ष्यत्	असेक्ष्यताम्	असेक्ष्यन्	प्र०
	असेक्ष्यः	असेक्ष्यथाम्	असेक्ष्यत	म०
	असेक्ष्यम्	असेक्ष्याव	असेक्ष्याम	उ०
(आ०)	असेक्ष्यत	असेक्ष्येताम्	असेक्ष्यन्त	प्र०
	असेक्ष्यथाः	असेक्ष्येथाम्	असेक्ष्यध्वम्	म०
	असेक्ष्ये	असेक्ष्यावहि	असेक्ष्यामहि	उ०

अथ त्रयः परस्मैपदिनः

1435. कृती छेदने - से०(से०)प०

लट्	कृन्तति	कृन्ततः	कृन्तन्ति	प्र०
	कृन्तसि	कृन्तथः	कृन्तथ	म०
	कृन्तामि	कृन्तावः	कृन्तामः	उ०
लिट्	चकर्त	चकृततुः	चकृतुः	प्र०
	चकर्तिथ	चकृतथुः	चकृत	म०
	चकर्त	चकृतिव	चकृतिम	उ०

लृट्	कर्तिता	कर्तितारौ	कर्तितारः	प्र०
	कर्तितासि	कर्तितास्थः	कर्तितास्थ	म०
	कर्तितास्मि	कर्तितास्वः	कर्तितास्मः	उ०
लृट्	कर्तिष्यति	कर्तिष्यतः	कर्तिष्यन्ति	प्र०
	कर्तिष्यसि	कर्तिष्यथः	कर्तिष्यथ	म०
	कर्तिष्यामि	कर्तिष्यावः	कर्तिष्यामः	उ०

“सेऽसिचिकृतचृतछृदतृदनृतः” इडीति विकल्पपक्षे-

	कर्त्स्यति	कर्त्स्यतः	कर्त्स्यन्ति	प्र०
	कर्त्स्यसि	कर्त्स्यथः	कर्त्स्यथ	म०
	कर्त्स्यामि	कर्त्स्यावः	कर्त्स्यामः	उ०
लोट्	कृन्तु-तात्	कृन्तताम्	कृन्तन्तु	प्र०
	कृन्त-तात्	कृन्ततम्	कृन्तत	म०
	कृन्तानि	कृन्ताव	कृन्ताम	उ०
लङ्	अकृन्तत्	अकृन्तताम्	अकृन्तन्	प्र०
	अकृन्तः	अकृन्ततम्	अकृन्तत	म०
	अकृन्तम्	अकृन्ताव	अकृन्ताम	उ०
विधि-लिङ्	कृन्तेत्	कृन्तेताम्	कृन्तेयुः	प्र०
	कृन्तेः	कृन्तेतम्	कृन्तेत	म०
	कृन्तेयम्	कृन्तेव	कृन्तेम	उ०
आशिप्-लिङ्	कृत्यात्	कृत्यास्ताम्	कृत्यासुः	प्र०
	कृत्याः	कृत्यास्तम्	कृत्यास्त	म०
	कृत्यासम्	कृत्यास्व	कृत्यास्म	उ०
लुङ्	अकर्तीत्	अकर्तिष्याम्	अकर्तिषु	प्र०
	अकर्तीः	अकर्तिष्टम्	अकर्तिष्ट	म०
	अकर्तिषम्	अकर्तिष्व	अकर्तिष्म	उ०
लृङ्	अकर्तिष्यत्	अकर्तिष्यताम्	अकर्तिष्यन्	प्र०
	अकर्तिष्यः	अकर्तिष्यथाम्	अकर्तिष्यत	म०
	अकर्तिष्यम्	अकर्तिष्याव	अकर्तिष्याम	उ०
इट् पक्षे -				
	अकर्त्स्यत्	अकर्त्स्यताम्	अकर्त्स्यन्	प्र०
	अकर्त्स्यः	अकर्त्स्यतम्	अकर्त्स्यत	म०
	अकर्त्स्यम्	अकर्त्स्याव	अकर्त्स्याम	उ०

1436. खिद परिघाते। अयं दैन्ये दिवादौ, रुधादौ च।

लट्	खिन्दति	खिन्दतः	खिन्दन्ति	प्र०
	खिन्दसि	खिन्दथः	खिन्दथ	म०
	खिन्दामि	खिन्दावः	खिन्दामः	उ०
लिट्	चिखेद	चिखिदतुः	चिखिदुः	प्र०
	चिखेदिथ	चिखिदथुः	चिखिद	म०
	चिखेद	चिखिदिव	चिखिदिम	उ०
लुट्	खेत्ता	खेत्तारौ	खेत्तारः	प्र०
	खेत्तासि	खेत्तास्थः	खेत्तास्थ	म०
	खेत्तास्मि	खेत्तास्वः	खेत्तास्मः	उ०
लृट्	खेत्स्यति	खेत्स्यतः	खेत्स्यन्ति	प्र०
	खेत्स्यसि	खेत्स्यथः	खेत्स्यथ	म०
	खेत्स्यामि	खेत्स्यावः	खेत्स्यामः	उ०
लोट्	खिन्दतु-तात्	खिन्दताम्	खिन्दन्तु	प्र०
	खिन्द-तात्	खिन्दतम्	खिन्दत	म०
	खिन्दानि	खिन्दाव	खिन्दाम	उ०
लङ्	अखिन्दत्	अखिन्दताम्	अखिन्दन्	प्र०
	अखिन्दः	अखिन्दतम्	अखिन्दत	म०
	अखिन्दम्	अखिन्दाव	अखिन्दाम	उ०
विधि-लिट्	खिन्देत्	खिन्देताम	खिन्देयुः	प्र०
	खिन्देः	खिन्देतम्	खिन्देत	म०
	खिन्देयम्	खिन्देव	खिन्देम	उ०
आशिष्-लिट्	खिद्यात्	खिद्यास्ताम्	खिद्यासुः	प्र०
	खिद्याः	खिद्यास्तम्	खिद्यास्त	म०
	खिद्यासम्	खिद्यास्व	खिद्यास्म	उ०
लुङ्	अखैत्सीत्	अखैत्ताम्	अखैत्सुः	प्र०
	अखैत्सीः	अखैत्तम्	अखैत्त	म०
	अखैत्सम्	अखैत्स्व	अखैत्स्म	उ०
लृङ्	अखेत्स्यत्	अखेत्स्यताम्	अखेत्स्यन्	प्र०
	अखेत्स्यः	अखेत्स्यथाम्	अखेत्स्यत	म०
	अखेत्स्यम्	अखेत्स्याव	अखेत्स्याम	उ०

1437. पिशि अवयवे - स०(से०)प०

लट्	पिंशति	पिंशतः	पिंशन्ति	प्र०
	पिंशसि	पिंशथः	पिंशथ	म०
	पिंशामि	पिंशावः	पिंशामः	उ०
लिट्	पिपेश	पिपिशतुः	पिपिशुः	प्र०
	पिपेशिथ	पिपिशथुः	पिपिश	म०
	पिपेश	पिपिशिव	पिपिशिम	उ०
लुट्	पेशिता	पेशितारौ	पेशितारः	प्र०
	पेशितासि	पेशितास्थः	पेशितास्थ	म०
	पेशितास्मि	पेशितास्वः	पेशितास्मः	उ०
लृट्	पेशिष्यति	पेशिष्यतः	पेशिष्यन्ति	प्र०
	पेशिष्यसि	पेशिष्यथः	पेशिष्यथ	म०
	पेशिष्यामि	पेशिष्यावः	पेशिष्यामः	उ०
लोट्	पिंशतु-तात्	पिंशताम्	पिंशन्तु	प्र०
	पिंश-तात्	पिंशतम्	पिंशत	म०
	पिंशानि	पिंशाव	पिंशाम	उ०
लङ्	अपिशत्	अपिशताम्	अपिशन्	प्र०
	अपिशः	अपिशतम्	अपिशत	म०
	अपिशाम्	अपिशाव	अपिशाम	उ०
विधि-लिट्	पिशेत्	पिशेताम	पिशेयुः	प्र०
	पिशेः	पिशेतम्	पिशेत	म०
	पिशेयम्	पिशेव	पिशेम	उ०
आशिष्-लिट्	पिश्यात्	पिश्यास्ताम्	पिश्यासुः	प्र०
	पिश्याः	पिश्यास्तम्	पिश्यास्त	म०
	पिश्यासम्	पिश्यास्व	पिश्यास्म	उ०
लुङ्	अपेशीत्	अपेशिष्टाम्	अपेशिषुः	प्र०
	अपेशीः	अपेशिष्टम्	अपेशिष्ट	म०
	अपेशिषम्	अपेशिष्व	अपेशिष्म	उ०
लृङ्	अपेशिष्यत्	अपेशिष्यताम्	अपेशिष्यन्	प्र०
	अपेशिष्यः	अपेशिष्यताम्	अपेशिष्यत	म०
	अपेशिष्यम्	अपेशिष्याव	अपेशिष्याम	उ०

इति तुदादिप्रकरणम्।

अथ तिङन्ते रुधादिप्रकरणम्

1438. रुधिर् आवरणे। नव स्वरितेतः इरितश्च - द्विक०, उभयपदी

लट् (पर०)	रुणद्धि	रुन्छः	रुन्धन्ति	प्र०
	रुणत्सि	रुन्छः	रुन्छ	म०
	रुणध्मि	रुन्ध्वः	रुन्ध्मः	उ०
(आ०)	रुन्धे	रुन्धाते	रुन्धते	प्र०
	रुन्त्से	रुन्धाथे	रुन्ध्वे	म०
	रुन्धे	रुन्ध्वहे	रुन्ध्महे	उ०
लिट् (पर०)	रुरोध	रुरुधतुः	रुरुधुः	प्र०
	रुरोधिथ	रुरुधथु	रुरुध	म०
	रुरोध	रुरुधिव	रुरुधिम	उ०
(आ०)	रुरुधे	रुरुधाते	रुरुधिरे	प्र०
	रुरुधिषे	रुरुधाथे	रुरुधिध्वे	म०
	रुरुधे	रुरुधिवहे	रुरुधिमहे	उ०
लृट् (पर०)	रोद्धा	रोद्धारौ	रोद्धारः	प्र०
	रोद्धासि	रोद्धास्थः	रोद्धास्थ	म०
	रोद्धास्मि	रोद्धास्वः	रोद्धास्मः	उ०
(आ०)	रोद्धा	रोद्धारौ	रोद्धारः	प्र०
	रोद्धासे	रोद्धाआथे	रोद्धाध्वे	म०
	रोद्धाहे	रोद्धास्वे	रोद्धास्महे	उ०
लृट् (पर०)	रोत्स्यति	रोत्स्यतः	रोत्स्यन्ति	प्र०
	रोत्स्यसि	रोत्स्यथः	रोत्स्यथ	म०
	रोत्स्यामि	रोत्स्यावः	रोत्स्यामः	उ०
(आ०)	रोत्स्यते	रोत्स्येते	रोत्स्यन्ते	प्र०
	रोत्स्यसे	रोत्स्येथे	रोत्स्यध्वे	म०
	रोत्स्ये	रोत्स्यावहे	रोत्स्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	रुणद्धु-कन्धात्	रुन्धाम्	रुन्धन्तु	प्र०
	रुन्धि-रुन्धात्	रुन्धम्	रुन्छ	म०
	रुणधानि	रुणधाव	रुणधाम	उ०

(आ०)	रुन्धाम्	रुन्धाताम्	रुन्धताम्	प्र०
	रुन्त्स्व	रुन्धाथाम्	रुन्ध्वम्	म०
	रुणधै	रुणधावहै	रुणधामहै	उ०
लङ् (पर०)	अरुणत्-द्	अरुन्धाम्	अरुन्धन्	प्र०
	अरुणः-रुणत्-द्	अरुन्धम्	अरुन्ध	म०
	अरुणधम्	अरुन्ध्व	अरुन्ध्म	उ०
(आ०)	अरुन्ध	अरुन्धाताम्	अरुन्धन्तचन्त	प्र०
	अरुन्धाः	अरुन्धाथाम्	अरुन्ध्वम्	म०
	अरुन्धि	अरुन्ध्वहि	अरुन्ध्महि	उ०
विधि-लिङ्	रुन्ध्यात्	रुन्ध्याताम्	रुन्ध्युः	प्र०
(पर०)	रुन्ध्याः	रुन्ध्यातम्	रुन्ध्यात	म०
	रुन्ध्याम्	रुन्ध्याव	रुन्ध्याम	उ०
(आ०)	रुन्धीत	रुन्धीयाताम्	रुन्धीरन्	प्र०
	रुन्धीथाः	रुन्धीयाथाम्	रुन्धीध्वम्	म०
	रुन्धीय	रुन्धीवहि	रुन्धीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	रुन्ध्यात्	रुन्ध्यास्ताम्	रुन्ध्यासुः	प्र०
(पर०)	रुन्ध्याः	रुन्ध्यास्तम्	रुन्ध्यास्त	म०
	रुन्ध्यासम्	रुन्ध्यास्व	रुन्ध्यास्म	उ०
(आ०)	रुत्सीष्ट	रुत्सीयास्ताम्	रुत्सीरन्	प्र०
	रुत्सीष्ठाः	रुत्सीयाथाम्	रुत्सीध्वम्	म०
	रुत्सीय	रुत्सीवहि	रुत्सीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अरुधत्	अरुधताम्	अरुधन	प्र०
	अरुधः	अरुधतम्	अरुधत	म०
	अरुधम्	अरुधाव	अरुधाम	उ०
(पक्षे)	अरौत्सीत	अरौद्धाम्	अरौत्सुः	प्र०
	अरौत्सीः	अरौद्धम्	अरौद्ध	म०
	अरौत्सम्	अरौत्स्व	अरौत्स्म	उ०
(आ०)	अरुद्ध	अरुत्साताम्	अरुत्सत	प्र०
	अरुद्धाः	अरुत्साथाम्	अरुद्ध्वम्	म०
	अरुत्सि	अरुत्स्वहि	अरुत्स्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अरोत्स्यत्	अरोत्स्यताम्	अरोत्स्यन्	प्र०
	अरोत्स्यः	अरोत्स्यथाम्	अरोत्स्यत	म०
	अरोत्स्यम्	अरोत्स्याव	अरोत्स्याम	उ०
(आ०)	अरोत्स्यत	अरोत्स्यताम्	अरोत्स्यन्त	प्र०
	अरोत्स्यथाः	अरोत्स्येथाम्	अरोत्स्यध्वम्	म०
	अरोत्स्ये	अरोत्स्यावहि	अरोत्स्यामहि	उ०

1439. भिदिर् विदारणे - सक०(अनि०)उभ०

लट् (पर०)	भिनति	भिन्तः	भिन्दन्ति	प्र०
	भिनत्सि	भिन्थः	भिन्थ	म०
	भिन्दिम्	भिन्द्रः	भिन्द्म	उ०
(आ०)	भिन्ते	भिन्दाते	भिन्दते	प्र०
	भिन्त्से	भिन्दाथे	भिन्ध्वे	म०
	भिन्दे	भिन्द्वाहे	भिन्द्महे	उ०
लिट् (पर०)	बिभेद	बिभिदतुः	बिभिदुः	प्र०
	बिभेदथि	बिभिदथु	बिभिद	म०
	बिभेद	बिभिदिव	बिभिदिम	उ०
(आ०)	बिभिदे	बिभिदाते	बिभिदिरे	प्र०
	बिभिदिषे	बिभिदाथे	बिभिदिध्वे	म०
	बिभिदे	बिभिदिवहे	बिभिदिमहे	उ०
लुट् (पर०)	भेत्ता	भेत्तारौ	भेत्तारः	प्र०
	भेत्तासि	भेत्तास्थः	भेत्तास्थ	म०
	भेत्तास्मि	भेत्तास्वः	भेत्तास्मः	उ०
(आ०)	भेत्ता	भेत्तारौ	भेत्तारः	प्र०
	भेत्तासे	भेत्तासाथे	भेत्ताध्वे	म०
	भेत्ताहे	भेत्तास्वहे	भेत्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	भेत्स्यति	भेत्स्यथः	भेत्स्यन्ति	प्र०
	भेत्स्यसि	भेत्स्यथः	भेत्स्यथ	म०
	भेत्स्यामि	भेत्स्यावः	भेत्स्यामः	उ०
(आ०)	भेत्स्यते	भेत्स्येते	भेत्स्यन्ते	प्र०
	भेत्स्यसे	भेत्स्येथे	भेत्स्यध्वे	म०
	भेत्स्ये	भेत्स्यावहे	भेत्स्यामहे	उ०

लोट् (पर०)	भिनत्तु-भिन्तात्	भिन्ताम्	भिन्दन्तु	प्र०
	भिन्द्धि-भिन्तात्	भिन्तम्	भिन्त	म०
	भिनदानि	भिन्दाव	भिन्दाम	उ०
(आ०)	भिन्ताम्	भिन्दाताम्	भिन्दताम्	प्र०
	भिन्त्स्व	भिन्दाथाम्	भिन्द्ध्वम्	म०
	भिनदै	भिन्दावहै	भिन्दामहै	उ०
लङ् (पर०)	अभिनत्-द	अभिन्ताम्	अभिन्दन्	प्र०
	अभिनः-	अभिन्तम्	अभिन्त	म०
	अभिनत्-द			
(आ०)	अभिनदम्	अभिन्द	अभिन्दम	उ०
	अभिन्त	अभिन्दाताम्	अभिन्दत	प्र०
	अभिन्त्थाः	अभिन्दाथाम्	अभिन्द्ध्वम्	म०
विधि-लिङ् (पर०)	अभिन्दि	अभिन्द्वहि	अभिन्द्वहि	उ०
	भिन्द्यात्	भिन्द्याताम्	भिन्द्युः	प्र०
	भिन्द्याः	भिन्द्यातम्	भिन्द्यात	म०
(आ०)	भिन्द्याम्	भिन्द्याव	भिन्धाम	उ०
	भिन्दीत	भिन्दीयाताम्	भिन्दीरन्	प्र०
	भिन्दीथाः	भिन्दीयाथाम्	भिन्दीध्वम्	म०
आशिष्-लिङ् (पर०)	भिन्दीय	भिन्दीवहि	भिन्दीमहि	उ०
	भिद्यात्	भिद्यास्ताम्	भिद्यासुः	प्र०
	भिद्याः	भिद्यास्तम्	भिद्यास्त	म०
(आ०)	भिद्यासम्	भिद्यास्व	भिद्यास्म	उ०
	भित्सीष्ट	भित्सीयास्ताम्	भित्सीरन्	प्र०
	भित्सीष्ठाः	भित्सीयाथाम्	भित्सीध्वम्	म०
लुङ् (पर०)	भित्सीय	भित्सीवहि	भित्सीमहि	उ०
	अभिदत्	अभिदताम्	अभिदन्	प्र०
	अभिदः	अभिदतम्	अभिदत	म०
(पक्षे)	अभिदम्	अभिदाव	अभिदाम	उ०
	अभैत्सीत्	अभैत्ताम्	अभैत्सुः	प्र०
	अभैत्सीः	अभैत्तम्	अभैत्त	म०
	अभैत्सम्	अभैत्स्व	अभैत्स्म	उ०

(आ०)	अभित्त	अभित्साताम्	अभित्सत	प्र०
	अभित्थाः	अभित्साथाम्	अभिद्ध्वम्	म०
	अभित्सि	अभित्स्वहि	अभित्समहि	उ०
लृङ् (पर०)	अभेत्यत्	अभेत्याताम्	अभेत्यन्	प्र०
	अभेत्यः	अभेत्याथाम्	अभेत्यत	म०
	अभेत्यम्	अभेत्याव	अभेत्याम	उ०
(आ०)	अभेत्यत	अभेत्येताम्	अभेत्यन्त	प्र०
	अभेत्यथाः	अभेत्येथाम्	अभेत्यध्वम्	म०
	अभेत्ये	अभेत्यावहि	अभेत्यामहि	उ०
1440. छिदिर् द्वैधीकणे (विदारणे) - सक०(अनि०)उभ०				
लट् (पर०)	छिनत्ति	छिन्तः	छिन्दन्ति	प्र०
	छिनत्सि	छिन्थः	छिन्थ	म०
	छिन्नदिम्	छिन्वः	छिन्मः	उ०
(आ०)	छिन्ते	छिन्दाते	छिन्दते	प्र०
	छिन्से	छिन्दाथे	छिन्ध्वे	म०
	छिन्दे	छिन्वहे	छिन्महे	उ०
लिट् (पर०)	चिच्छेद	चिच्छिदतुः	चिच्छिदुः	प्र०
	चिच्छेदिथ	चिच्छिदथु	चिच्छिद	म०
	चिच्छेद	चिच्छिदिव	चिच्छिदिम	उ०
(आ०)	चिच्छिदे	चिच्छिदाते	चिच्छिदिरे	प्र०
	चिच्छिदिषे	चिच्छिदाथे	चिच्छिदिध्वे	म०
	चिच्छिदे	चिच्छिदिवहे	चिच्छिदिमहे	उ०
लुट् (पर०)	छेत्ता	छेत्तारौ	छेत्तारः	प्र०
	छेत्तासि	छेत्तास्थः	छेत्तास्थ	म०
	छेत्तास्मि	छेत्तास्वः	छेत्तास्मः	उ०
(आ०)	छेत्ता	छेत्तारौ	छेत्तारः	प्र०
	छेत्तासे	छेत्तासाथे	छेत्ताध्वे	म०
	छेत्ताहे	छेत्तास्वहे	छेत्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	छेत्यति	छेत्यतः	छेत्यन्ति	प्र०
	छेत्यसि	छेत्यथः	छेत्यथ	म०
	छेत्यामि	छेत्यावः	छेत्यामः	उ०

(आ०)	छेत्स्यते	छेत्स्येते	छेत्स्यन्ते	प्र०
	छेत्स्यसे	छेत्स्येथे	छेत्स्यध्वे	म०
	छेत्स्ये	छेत्स्यावहे	छेत्स्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	छिनतु-छिन्तात्	छिन्ताम्	छिन्दन्तु	प्र०
	छिन्धि-छिन्तात्	छिन्तम्	छिन्त	म०
	छिनदानि	छिनदाव	छिनदाम	उ०
(आ०)	छिन्ताम्	छिन्दाताम्	छिन्दताम्	प्र०
	छिन्त्स्व	छिन्दाथाम्	छिन्दध्वम्	म०
	छिन्दै	छिनदावहै	छिनदामहै	उ०
लङ् (पर०)	अच्छिनत्-द	अच्छिन्ताम्	अच्छिन्दन्	प्र०
	अच्छिनः-	अच्छिन्तम्	अच्छिन्त	म०
	अच्छिनद्			
	अच्छिनदम्	अच्छिन्द्व	अच्छिन्द्म	उ०
(आ०)	अच्छिन्त	अच्छिन्दाताम्	अच्छिन्दत	प्र०
	अच्छिन्थाः	अच्छिन्दाथाम्	अच्छिन्दध्वम्	म०
	अच्छिन्दि	अच्छिन्द्वहि	अच्छिन्द्महि	उ०
विधि-लिट्	छिन्धात्	छिन्धाताम्	छिन्धुः	प्र०
(पर०)	छिन्धाः	छिन्धातम्	छिन्धात	म०
	छिन्धाम्	छिन्धाव	छिन्धाम	उ०
(आ०)	छिन्दीत	छिन्दीयाताम्	छिन्दीरन्	प्र०
	छिन्दीथाः	छिन्दीयाथाम्	छिन्दीध्वम्	म०
	छिन्दीय	छिन्दीवहि	छिन्दीमहि	उ०
आशिष्-लिट्	छिद्यात्	छिद्यास्ताम्	छिद्यासुः	प्र०
(पर०)	छिद्याः	छिद्यास्तम्	छिद्यास्त	म०
	छिद्यासम्	छिद्यास्व	छिद्यास्म	उ०
(आ०)	छित्सीष्ट	छित्सीयास्ताम्	छित्सीरन्	प्र०
	छित्सीष्ठाः	छित्सीयाथाम्	छित्सीध्वम्	म०
	छित्सीय	छित्सीवहि	छित्सीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अच्छिदत्	अच्छिदताम्	अच्छिदन्	प्र०
	अच्छिदः	अच्छिदतम्	अच्छिदत	म०
	अच्छिदम्	अच्छिदाव	अच्छिदाम	उ०

(पक्षे)	अच्छैत्सीत्	अच्छैत्ताम्	अच्छैत्सुः	प्र०
	अच्छैत्सीः	अच्छैत्तम्	अच्छैत्त	म०
	अच्छैत्सम्	अच्छैत्स्व	अच्छैत्स्म	उ०
(आ०)	अच्छित	अच्छित्साताम्	अच्छित्सत	प्र०
	अच्छित्थाः	अच्छित्साथाम्	अच्छित्ध्वम्	म०
	अच्छित्सि	अच्छित्स्वहि	अच्छित्स्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अच्छेत्स्यत्	अच्छेत्स्याताम्	अच्छेत्स्यन्	प्र०
	अच्छेत्स्यः	अच्छेत्स्याथाम्	अच्छेत्स्यत	म०
	अच्छेत्स्यम्	अच्छेत्स्याव	अच्छेत्स्याम	उ०
(आ०)	अच्छेत्स्यत	अच्छेत्स्येताम्	अच्छेत्स्यन्त	प्र०
	अच्छेत्स्यथाः	अच्छेत्स्येथाम्	अच्छेत्स्यध्वम्	म०
	अच्छेत्स्ये	अच्छेत्स्यावहि	अच्छेत्स्यामहि	उ०

1441. रिचिर् विरेचने - सक०(अनि०)उभ०

लट् (पर०)	रिणाक्ति	रिङ्कतः	रिचन्ति	प्र०
	रिणाक्षि	रिङ्क्थः	रिङ्क्थ	म०
	रिणाध्मि	रिंचवः	रिचमः	उ०
(आ०)	रिङ्क्ते	रिञ्चाते	रिञ्चते	प्र०
	रिञ्चक्षे	रिञ्चरथे	रिङ्ग्ध्वे	म०
	रिञ्चे	रिञ्च्वहे	रिञ्चमहे	उ०
लिट् (पर०)	रिरेच	रिरिचतुः	रिरिचुः	प्र०
	रिरेक्थ	रिरिचथुः	रिरिच	म०
	रिरेच	रिरिचिव	रिरिचिम	उ०
(आ०)	रिरिचे	रिरिचाते	रिरिचिरे	प्र०
	रिरिचिषे	रिरिचाथे	रिरिचिध्वे	म०
	रिरिचे	रिरिचिवहे	रिरिचिमहे	उ०
लुट् (पर०)	रेक्ता	रेक्तारौ	रेक्ताः	प्र०
	रेक्तासि	रेक्तास्थः	रेक्तास्थ	म०
	रेक्तास्मि	रेक्तास्वः	रेक्तास्मः	उ०
(आ०)	रेक्ता	रेक्तारौ	रेक्ताः	प्र०
	रेक्तासे	रेक्तासाथे	रेक्ताध्वे	म०
	रेक्ताहे	रेक्तास्वहे	रेक्तास्महे	उ०

लृट् (पर०)	रेक्ष्यति	रेक्ष्यतः	रेक्ष्यन्ति	प्र०
	रेक्ष्यसि	रेक्ष्यथः	रेक्ष्यथ	म०
	रेक्ष्यामि	रेक्ष्यावः	रेक्ष्यामः	उ०
(आ०)	रेक्ष्यते	रेक्ष्येते	रेक्ष्यन्ते	प्र०
	रेक्ष्यसे	रेक्ष्येथे	रेक्ष्यध्वे	म०
	रेक्ष्ये	रेक्ष्यावहे	रेक्ष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	रिणक्तु-रिङ्क्तात्	रिङ्क्ताम्	रिञ्चन्तु	प्र०
	रिङ्ग्धि-रिङ्क्तात्	रिङ्क्ताम्	रिङ्क्ता	म०
	रिणचानि	रिणचाव	रिणचाम	उ०
(आ०)	रिङ्क्ताम्	रिञ्चाताम्	रिञ्चताम्	प्र०
	रिङ्क्ष्व	रिञ्चाथाम्	रिङ्गध्वम्	म०
	रिणचै	रिणचावहै	रिणचामहै	उ०
लङ् (पर०)	अरिणक्-ग्	अरिङ्क्ताम्	अरिचन्	प्र०
	अरिणक्-ग्	अरिङ्क्ताम्	अरिङ्क्ता	म०
	अरिणचम्	अरिच्च	अरिच्च	उ०
(आ०)	अरिङ्क्ता	अरिंचाताम्	अरिंचता	प्र०
	अरिङ्क्थाः	अरिंचाथाम्	अरिङ्गध्वम्	म०
	अरिंचि	अरिंच्वहि	अरिंच्महि	उ०
विधि-लिङ्	रिंच्यात्	रिंच्याताम्	रिंच्युः	प्र०
(पर०)	रिंच्याः	रिंच्यातम्	रिंच्यात	म०
	रिंच्याम्	रिंच्याव	रिंच्याम	उ०
(आ०)	रिंचीत	रिंचीयाताम्	रिंचीरन्	प्र०
	रिंचीथाः	रिंचीयाथाम्	रिंचीध्वम्	म०
	रिंचीय	रिंचीवहि	रिंचीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	रिंच्यात्	रिंच्यास्ताम्	रिंच्यासुः	प्र०
(पर०)	रिंच्याः	रिंच्यास्तम्	रिंच्यास्त	म०
	रिंच्यासम्	रिंच्यास्व	रिंच्यास्म	उ०
(आ०)	रिक्षीष्ट	रिक्षीयास्ताम्	रिक्षीरन्	प्र०
	रिक्षीष्ठाः	रिक्षीयास्थाम्	रिक्षीध्वम्	म०
	रिक्षीय	रिक्षीवहि	रिक्षीमहि	उ०

लुङ् (पर०)	अरिचत्	अरिचताम्	अरिचन्	प्र०
	अरिचः	अरिचतम्	अरिचत	म०
	अरिचम्	अरिचाव	अरिचाम	उ०
(आ०)	अरिक्त	अरिक्षाताम्	अरिक्षत	प्र०
	अरिक्थाः	अरिक्षाथाम्	अरिग्ध्वम्	म०
	अरिक्षि	अरिक्ष्वहि	अरिक्षमहि	उ०
लुङ् (पक्षे)	अरैक्षीत्	अरैक्ताम्	अरैक्षुः	प्र०
	अरैक्षीः	अरैक्तम्	अरैक्त	म०
	अरैक्षम्	अरैक्ष्व	अरैक्ष्म	उ०
लृङ् (आ०)	अरेक्ष्यत	अरेक्ष्यताम्	अरेक्ष्यन्त	प्र०
	अरेक्ष्यथाः	अरेक्ष्यथाम्	अरेक्ष्यध्वम्	म०
	अरेक्ष्ये	अरेक्ष्यावहि	अरेक्ष्यामहि	उ०

1442. विचिर् - पृथग्भावे - उभ० ।

लट् (उ०)	विनक्ति	विङ्कतः	विचिन्ति	प्र०
	विनक्षि	विङ्कथः	विङ्कथ	म०
	विनन्मि	विच्वः	विच्वः	उ०
(आ०)	विङ्कते	विचिंते	विचिंते	प्र०
	विङ्कथे	विचिंथे	विङ्गध्वे	म०
	विचिं	विच्वहे	विच्वहे	उ०
लिट् (उ०)	विवेच	विविचतुः	विविचुः	प्र०
	विवेचिथ	विविचथुः	विविच	म०
	विवेच	विविचिव	विविचिम	उ०
(आ०)	विविचे	विविचिंते	विविचिरे	प्र०
	विवेचिथे	विविचिंथे	विविचिध्वे	म०
	विविचे	विविचिवहे	विविचिमहे	उ०
लृट् (उ०)	वेक्ता	वेक्तारौ	वेक्तारः	प्र०
	वेक्तासि	वेक्तास्थः	वेक्तास्थ	म०
	वेक्तास्मि	वेक्तास्वः	वेक्तास्मः	उ०
(आ०)	वेक्ता	वेक्तारौ	वेक्तारः	प्र०
	वेक्तासे	वेक्तासाथे	वेक्ताध्वे	म०
	वेक्ताहे	वेक्तास्वहे	वेक्तास्महे	उ०

लृट् (उ०)	वेक्ष्यति	वेक्ष्यतः	वेक्ष्यन्ति	प्र०
	वेक्ष्यसि	वेक्ष्यथः	वेक्ष्यथ	म०
	वेक्ष्यामि	वेक्ष्यावः	वेक्ष्यामः	उ०
(आ०)	वेक्ष्यते	वेक्ष्येते	वेक्ष्यन्ते	प्र०
	वेक्ष्यसे	वेक्ष्येथे	वेक्ष्यध्वे	म०
	वेक्ष्ये	वेक्ष्यावहे	वेक्ष्यामहे	उ०
लोट् (उ०)	विनक्तु-विङ्क्तात्	विङ्क्ताम्	विंचन्तु	प्र०
	विङ्ग्धि-विङ्क्तात्	विङ्क्तम्	विङ्क्त	म०
	विनचानि	विनचाव	विनचाम	उ०
(आ०)	विङ्ताम्	विंचाताम्	विंचताम्	प्र०
	विङ्क्ष्व	विंचाथाम्	विङ्ग्ध्वम्	म०
	विनचै	विनचावहै	विनचामहै	उ०
लङ् (उ०)	अविनक्-ग्	अविङ्क्ताम्	अविंचन्	प्र०
	अविनक्-ग्	अविङ्क्तम्	अविङ्क्त	म०
	अविनचम्	अविंच्व	अविंच्म	उ०
(आ०)	अविङ्क्त	अविंचाताम्	अविंचत	प्र०
	अविङ्क्थाः	अविंचाथाम्	अविङ्ग्ध्वम्	म०
	अविंचि	अविंच्वहि	अविंच्महि	उ०
विधि-लिङ् (उ०)	विंच्यात्	विंच्याताम्	विंच्युः	प्र०
	विंच्याः	विंच्यातम्	विंच्यात	म०
	विंच्याम्	विंच्याव	विंच्याम	उ०
(आ०)	विक्षीष्ट	विक्षीयास्ताम्	विक्षीरन्	प्र०
	विक्षीष्टाः	विक्षीयास्थाम्	विक्षीध्वम्	म०
	विक्षीय	विक्षीवहि	विक्षीमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (उ०)	विंच्यात्	विंच्यास्ताम्	विंच्यासुः	प्र०
	विंच्याः	विंच्यास्तम्	विंच्यास्त	म०
	विंच्यासम्	विंच्यास्व	विंच्यास्म	उ०
लुङ् (उ०)	अविचत्	अविचताम्	अविचन्	प्र०
	अविचः	अविचतम्	अविचत	म०
	अविचम्	अविचाव	अविचाम	उ०

(पक्ष)	अवैक्षीत्	अवैक्ताम्	अवैक्षुः	प्र०
	अवैक्षीः	अवैक्तम्	अवैक्त	म०
	अवैक्षम्	अवैक्ष्व	अवैक्ष्म	उ०
(आ०)	अविक्त	अविक्षाताम्	अविक्षत	प्र०
	अविक्थाः	अविक्षाथाम्	अविग्ध्वम्	म०
	अविक्षि	अविक्ष्वहि	अविक्षमहि	उ०
लृङ् (उ०)	अवेक्ष्यत्	अवेक्ष्याताम्	अवेक्ष्यन्	प्र०
	अवेक्ष्यः	अवेक्ष्याथाम्	अवेक्ष्यत	म०
	अवेक्ष्यम्	अवेक्ष्याव	अवेक्ष्याम	उ०
(आ०)	अवेक्ष्यत	अवेक्ष्येताम्	अवेक्ष्यन्त	प्र०
	अवेक्ष्यथाः	अवेक्ष्येथाम्	अवेक्ष्यध्वम्	म०
	अवेक्ष्ये	अवेक्ष्यावहि	अवेक्ष्यामहि	उ०

1443. क्षुदिर संपेषणे - सक०(अनि०)उभ०

लट् (पर०)	क्षुणत्ति	क्षुन्तः	क्षुन्दन्ति	प्र०
	क्षुणत्सि	क्षुन्थः	क्षुन्थ	म०
	क्षुणधिम	क्षुन्ध्वः	क्षुन्ध्म	उ०
(आ०)	क्षुन्ते	क्षुन्दाते	क्षुन्दते	प्र०
	क्षुन्दसे	क्षुन्दाथे	क्षुन्ध्वे	म०
	क्षुन्दे	क्षुन्दहे	क्षुन्महे	उ०
लिट् (पर०)	चुक्षोद	चुक्षुदतुः	चुक्षुवुः	प्र०
	चुक्षोदिथ	चुक्षुदथुः	चुक्षुद	म०
	चुक्षोद	चुक्षुदिव	चुक्षुदिम	उ०
(आ०)	चुक्षुदे	चुक्षुदाते	चुक्षुदिरे	प्र०
	चुक्षुदिषे	चुक्षुदाथे	चुक्षुदिध्वे	म०
	चुक्षुदे	चुक्षुदिवहे	चुक्षुदिमहे	उ०
लुट् (पर०)	क्षोत्ता	क्षोत्तारौ	क्षोत्तारः	प्र०
	क्षोत्तासि	क्षोत्तास्थः	क्षोत्तास्थ	म०
	क्षोत्तास्मि	क्षोत्तास्वः	क्षोत्तास्मः	उ०
(आ०)	क्षोत्ता	क्षोत्तारौ	क्षोत्तारः	प्र०
	क्षोत्तासे	क्षोत्तासाथे	क्षोत्ताध्वे	म०
	क्षोत्ताहे	क्षोत्तास्वहे	क्षोत्तास्महे	उ०

लृट् (पर०)	क्षोत्स्यति	क्षोत्स्यतः	क्षोत्स्यन्ति	प्र०
	क्षोत्स्यसि	क्षोत्स्यथः	क्षोत्स्यथ	म०
	क्षोत्स्यामि	क्षोत्स्यावः	क्षोत्स्यामः	उ०
(आ०)	क्षोत्स्यते	क्षोत्स्येते	क्षोत्स्यन्ते	प्र०
	क्षोत्स्यसे	क्षोत्स्येथे	क्षोत्स्यध्वे	म०
	क्षोत्स्ये	क्षोत्स्यावहे	क्षोत्स्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	क्षुणन्तु-क्षुन्तात्	क्षुन्ताम्	क्षुन्दन्तु	प्र०
	क्षुन्द्धि-क्षुन्तात्	क्षुन्तम्	क्षुन्त	म०
	क्षुणदानि	क्षुणदाव	क्षुणदाम	उ०
(आ०)	क्षुन्ताम्	क्षुन्दाताम्	क्षुन्दताम्	प्र०
	क्षुन्त्स्व	क्षुन्दाथाम्	क्षुन्ध्वम्	म०
	क्षुणदै	क्षुणदावहै	क्षुणदामहै	उ०
लङ् (पर०)	अक्षुणत्	अक्षुन्ताम्	अक्षुन्दन्	प्र०
	अक्षुणः-अक्षुणद्	अक्षुन्तम्	अक्षुन्त	म०
	अक्षुणदम्	अक्षुन्ध्व	अक्षुन्ध्व	उ०
(आ०)	अक्षुन्त	अक्षुन्दाताम्	अक्षुन्दत	प्र०
	अक्षुन्थाः	अक्षुन्दाथाम्	अक्षुन्ध्वम्	म०
	अक्षुन्दि	अक्षुन्ध्वहि	अक्षुन्ध्वमहि	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	क्षुन्द्यात्	क्षुन्द्याताम्	क्षुन्द्युः	प्र०
	क्षुन्द्याः	क्षुन्द्यातम्	क्षुन्द्यात	म०
	क्षुन्द्याम्	क्षुन्द्याव	क्षुन्द्याम	उ०
(आ०)	क्षुन्दीत	क्षुन्दीयाताम्	क्षुन्दीरन्	प्र०
	क्षुन्दीथाः	क्षुन्दीयाथाम्	क्षुन्दीध्वम्	म०
	क्षुन्दीय	क्षुन्दीवहि	क्षुन्दीमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	क्षुद्यात्	क्षुद्यास्ताम्	क्षुद्यासुः	प्र०
	क्षुद्याः	क्षुद्यास्तम्	क्षुद्यास्त	म०
	क्षुद्यासम्	क्षुद्यास्व	क्षुद्यास्म	उ०
(आ०)	क्षुत्सीष्ट	क्षुत्सीयास्ताम्	क्षुत्सीरन्	प्र०
	क्षुत्सीष्ठाः	क्षुत्सीयास्थाम्	क्षुत्सीध्वम्	म०
	क्षुत्सीय	क्षुत्सीवहि	क्षुत्सीमहि	उ०

लृङ् (पर०)	अक्षुदत्	अक्षुदताम्	अक्षुदन्	प्र०
	अक्षुदः	अक्षुदतम्	अक्षुदत	म०
	अक्षुदम्	अक्षुदाव	अक्षुदाम	उ०
(पक्षे)	अक्षौत्सीत्	अक्षौताम्	अक्षौत्सुः	प्र०
	अक्षौत्सीः	अक्षौत्तम्	अक्षौत्त	म०
	अक्षौत्सम्	अक्षौत्स्व	अक्षौत्सम	उ०
(आ०)	अक्षुदत	अक्षुत्साताम्	अक्षुत्सत	प्र०
	अक्षुत्थाः	अक्षुत्साथाम्	अक्षुध्वम्	म०
	अक्षुत्सि	अक्षुत्स्वहि	अक्षुत्स्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अक्षोत्स्यत्	अक्षोत्स्याताम्	अक्षोत्स्यन्	प्र०
	अक्षोत्स्यः	अक्षोत्स्याथाम्	अक्षोत्स्यत	म०
	अक्षोत्स्यम्	अक्षोत्स्याव	अक्षोत्स्याम	उ०
(आ०)	अक्षोत्स्यत	अक्षोत्स्येताम्	अक्षोत्स्यन्त	प्र०
	अक्षोत्स्यथाः	अक्षोत्स्येथाम्	अक्षोत्स्यध्वम्	म०
	अक्षोत्स्ये	अक्षोत्स्यावहि	अक्षोत्स्यामहि	उ०

1444. युजिर् योगे - पूर्ववत्।

1445. उच्छृदिर् - दीप्तिदेवनयोः - अक०(वेट्)उभ०

लट् (उ०)	छृणत्ति	छृन्तः	छृन्दन्ति	प्र०
	छृणत्सि	छृन्थः	छृन्थ	म०
	छृणद्मि	छृन्द्रः	छृन्धम	उ०
(आ०)	छृण्ते	छृन्दाते	छृन्दते	प्र०
	छृण्त्से	छृन्दाथे	छृन्ध्वे	म०
	छृन्दे	छृन्द्रहे	छृन्धमहे	उ०
लिट् (उ०)	चच्छर्द	चच्छृदतुः	चच्छृदुः	प्र०
	चच्छर्दिथ	चच्छृदथुः	चच्छृद	म०
	चच्छर्द	चच्छृदिव	चच्छृदिमहे	उ०
(आ०)	चच्छृदे	चच्छृदाते	चच्छृदिरे	प्र०
	चच्छृदिषे-चच्छृत्से	चच्छृदाथे	चच्छृदिध्वे	म०
	चच्छृदे	चच्छृदिवहे	चच्छृदिम	उ०

लुट् (उ०)	छर्दिता	छर्दितारौ	छर्दितारः	प्र०
	छर्दितासि	छर्दितास्थः	छर्दितास्थ	म०
	छर्दितास्मि	छर्दितास्वः	छर्दितास्मः	उ०
(आ०)	छर्दिता	छर्दितारौ	छर्दितारः	प्र०
	छर्दितासे	छर्दितासाथे	छर्दिताध्वे	म०
	छर्दिताहे	छर्दितास्वहे	छर्दितास्महे	उ०
लृट् (उ०)	छर्दिष्यति	छर्दिष्यतः	छर्दिष्यन्ति	प्र०
	छर्दिष्यसि	छर्दिष्यथः	छर्दिष्यथ	म०
	छर्दिष्यामि	छर्दिष्यावः	छर्दिष्यामः	उ०
(पक्षे)	छत्स्यति	छत्स्यतः	छत्स्यन्ति	प्र०
	छत्स्यसि	छत्स्यथः	छत्स्यथ	म०
	छत्स्यामि	छत्स्यावः	छत्स्यामः	उ०
(आ०)	छर्दिष्यते	छर्दिष्येते	छर्दिष्यन्ते	प्र०
	छर्दिष्यसे	छर्दिष्येथे	छर्दिष्यध्वे	म०
	छर्दिष्ये	छर्दिष्यावहे	छर्दिष्यामहे	उ०
(पक्षे)	छत्स्यते	छत्स्येते	छत्स्यन्ते	प्र०
	छत्स्यसे	छत्स्येथे	छत्स्यध्वे	म०
	छत्स्ये	छत्स्यावहे	छत्स्यामहे	उ०
लोट् (उ०)	छृणत्तु-छृन्तात्	छृन्ताम्	छृन्दतु	प्र०
	छृन्धि-छृन्तात्	छृन्तम्	छृन्त	म०
	छृणदानि	छृणदाव	छृणदाम	उ०
(आ०)	छृन्ताम्	छृन्दाताम्	छृन्दताम्	प्र०
	छृन्त्स्व	छृन्दाथाम्	छृन्ध्वम्	म०
	छृणदै	छृणदावहै	छृणदामहै	उ०
लङ् (उ०)	अछृणत्-द्	अछृन्ताम्	अछृन्दन्	प्र०
	अछृणः-	अछृन्तम्	अछृन्त	म०
	अछृणत्-द्			
(आ०)	अछृणदम्	अछृन्द्व	अछृन्ध्व	उ०
	अछृन्त	अछृन्दाताम्	अछृन्दत	प्र०
	अछृन्थाः	अछृन्दाथाम्	अछृन्ध्वम्	म०
	अछृन्दि	अछृन्दिहि	अछृन्धिहि	उ०

विधि-लिङ्	छृन्धात्	छृन्धाताम्	छृन्धुः	प्र०
(उ०)	छृन्धाः	छृन्धातम्	छृन्धात	म०
	छृन्धाम्	छृन्धाव	छृन्धाम	उ०
(आ०)	छृन्दीत	छृन्दीयाताम्	छृन्दीरन्	प्र०
	छृन्दीथाः	छृन्दीयाथाम्	छृन्दीध्वम्	म०
	छृन्दीय	छृन्दीवहि	छृन्दीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	छृद्यात्	छृद्यास्ताम्	छृद्यासुः	प्र०
(उ०)	छृद्याः	छृद्यास्तम्	छृद्यास्त	म०
	छृद्यासम्	छृद्यास्व	छृद्यास्म	उ०
(आ०)	छृत्सीष्ट	छृत्सीयास्ताम्	छृत्सीरन्	प्र०
	छृत्सीष्ठाः	छृत्सीयाथाम्	छृत्सीध्वम्	म०
	छृत्सीय	छृत्सीवहि	छृत्सीमहि	उ०
(पक्षे)	छर्दिषीष्ट	छर्दिषीयास्ताम्	छर्दिषीरन्	प्र०
	छर्दिषीष्ठाः	छर्दिषीयाथाम्	छर्दिषीध्वम्	म०
	छर्दिषीय	छर्दिषीवहि	छर्दिषीमहि	उ०
लुङ् (उ०)	अच्छृदत्	अच्छृदताम्	अच्छृदन्	प्र०
	अच्छृदः	अच्छृदतम्	अच्छृदत	म०
	अच्छृदम्	अच्छृदाव	अच्छृदाम	उ०
(आ०)	अच्छर्दिष्ट	अच्छर्दिषास्ताम्	अच्छर्दिषत	प्र०
	अच्छर्दिष्ठाः	अच्छर्दिषाथाम्	अच्छर्दिष्वम्	म०
	अच्छर्दिषि	अच्छर्दिष्वहि	अच्छर्दिष्वमहि	उ०
(पक्षे)	अच्छर्दीष्ट	अच्छर्दिष्टाम्	अच्छर्दिषुः	प्र०
	अच्छर्दीः	अच्छर्दिष्टम्	अच्छर्दिष्ट	म०
	अच्छर्दिषम्	अच्छर्दिष्व	अच्छर्दिष्व	उ०
लृङ् (उ०)	अच्छर्दिष्यत्	अच्छर्दिष्यताम्	अच्छर्दिष्यन्	प्र०
	अच्छर्दिष्यः	अच्छर्दिष्यतम्	अच्छर्दिष्यत	म०
	अच्छर्दिष्यम्	अच्छर्दिष्याव	अच्छर्दिष्याम	उ०
(पक्षे)	अच्छत्स्यत्	अच्छत्स्यताम्	अच्छत्स्यन्	प्र०
	अच्छत्स्यः	अच्छत्स्यतम्	अच्छत्स्यत	म०
	अच्छत्स्यम्	अच्छत्स्यावहि	अच्छत्स्यामहि	उ०

(आ०)	अच्छर्दिष्यत	अच्छर्दिष्येताम्	अच्छर्दिष्यन्त	प्र०
	अच्छर्दिष्यथाः	अच्छर्दिष्येथाम्	अच्छर्दिष्यध्वं	म०
	अच्छर्दिष्ये	अच्छर्दिष्यावहि	अच्छर्दिष्यामहि	उ०
(पक्षे)	अच्छत्स्यत	अच्छत्स्येताम्	अच्छत्स्यन्त	प्र०
	अच्छत्स्यथाः	अच्छत्स्येथाम्	अच्छत्स्यध्वम्	म०
	अच्छत्स्ये	अच्छत्स्यावहि	अच्छत्स्यामहि	उ०

1446. उत्तृदि - हिंसानादरयोः - सर्क०(उभ०)सेट

लट् (पर०)	तृणत्ति	तृन्तः	तृन्दन्ति	प्र०
	तृणत्सि	तृन्थः	तृन्थ	म०
	तृणध्मि	तृन्धः	तृन्धम्	उ०
(आ०)	तृन्ते	तृन्दाते	तृन्दते	प्र०
	तृन्त्से	तृन्दाथे	तृन्द्धे	म०
	तृन्ते	तृन्द्दहे	तृन्ध्महे	उ०
लिट् (पर०)	ततर्द	ततृदतुः	ततृदुः	प्र०
	ततर्दिथ	ततृदथुः	ततृद	म०
	ततर्द	ततृदिव	ततृदिम	उ०
(आ०)	ततृदे	ततृदाते	ततृदिरे	प्र०
	ततृदिषे, ततृत्से	ततृदाथे	ततृदिध्वे	म०
	ततृदे	ततृदिवहे	ततृदिमहे	उ०
लुट् (पर०)	तर्दिता	तर्दितारौ	तर्दितारः	प्र०
	तर्दितासि	तर्दितास्थः	तर्दितास्थ	म०
	तर्दितास्मि	तर्दितास्वः	तर्दितास्मः	उ०
(आ०)	तर्दिता	तर्दितारौ	तर्दितारः	प्र०
	तर्दितासे	तर्दितासाथे	तर्दिताध्वे	म०
	तर्दिताहे	तर्दितास्वहे	तर्दितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	तर्दिष्यति	तर्दिष्यतः	तर्दिष्यन्ति	प्र०
	तर्दिष्यसि	तर्दिष्यथः	तर्दिष्यथ	म०
	तर्दिष्यामि	तर्दिष्यावः	तर्दिष्यामः	उ०
(पक्षे)	तत्स्यते	तत्स्यतः	तत्स्यन्ति	प्र०
	तत्स्यसे	तत्स्यथः	तत्स्यथ	म०
	तत्स्यामि	तत्स्यावः	तत्स्यामः	उ०

(आ०)	तर्दिष्यते	तर्दिष्येते	तर्दिष्यन्ते	प्र०
	तर्दिष्यसे	तर्दिष्येथे	तर्दिष्यध्वे	म०
	तर्दिष्ये	तर्दिष्यावहे	तर्दिष्यामहे	उ०
(पक्षे)	तत्स्यते	तत्स्येते	तत्स्यन्ते	प्र०
	तत्स्यसे	तत्स्येथे	तत्स्यध्वे	म०
	तत्स्ये	तत्स्यावहे	तत्स्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	तृणन्तु-तृन्तात्	तृन्ताम्	तृन्दन्तु	प्र०
	तृन्धि-तृन्तात्	तृन्तम्	तृन्त	म०
	तृणदानि	तृणदाव	तृणदाम	उ०
(आ०)	तृन्ताम्	तृन्दाताम्	तृन्दताम्	प्र०
	तृन्त्स्व	तृन्दाथाम्	तृन्ध्वम्	म०
	तृणदै	तृणदावहै	तृणदामहै	उ०
लङ् (पर०)	अतृणत्-द्	अतृन्ताम्	अतृन्दन्	प्र०
	अतृणः-	अतृन्तम्	अतृन्त	म०
	अतृणत्-द्			
(आ०)	अतृणदम्	अतृन्दः	अतृन्ध्म	उ०
	अतृन्त	अतृन्दाताम्	अतृन्दत	प्र०
	अतृन्थाः	अतृन्दाथाम्	अतृन्ध्वम्	म०
विधि-लिङ्	अतृन्दि	अतृन्द्वहि	अतृन्ध्महि	उ०
	तृन्धात्	तृन्धाताम्	तृन्धः	प्र०
	(पर०)	तृन्धाः	तृन्धातम्	म०
(आ०)	तृन्धाम्	तृन्धाव	तृन्धाम	उ०
	तृन्दीत	तृन्दीयाताम्	तृन्दीरन्	प्र०
	तृन्दीथाः	तृन्दीयाथाम्	तृन्दीध्वम्	म०
आशिष्-लिङ्	तृन्दीय	तृन्दीवहि	तृन्दीमहि	उ०
	तृद्यात्	तृद्यास्ताम्	तृद्यासुः	प्र०
	(पर०)	तृद्याः	तृद्यास्तम्	म०
(आ०)	तृद्यासम्	तृद्यास्व	तृद्यास्म	उ०
	तर्दिषीष्ट	तर्दिषीयास्ताम्	तर्दिषीरन्	प्र०
	तर्दिषीष्टाः	तर्दिषीयाथाम्	तर्दिषीध्वम्	म०
(आ०)	तर्दिषीय	तर्दिषीवहि	तर्दिषीमहि	उ०

लुङ् (पर०)	अतृदत्	अतृदताम्	अतृदन्	प्र०
	अतृदः	अतृदतम्	अतृदत	म०
	अतृदम्	अतृदाव	अतृदाम	उ०
(पक्षे)	अतदीत्	अतर्दिष्याम्	अतर्दिषुः	प्र०
	अतदीः	अतर्दिष्टम्	अतर्दिष्ट	म०
	अतर्दीषम्	अतर्दिष्व	अतर्दिष्व	उ०
(आ०)	अतर्दिष्ट	अतर्दिषाताम्	अतर्दिषत	प्र०
	अतर्दिष्टाः	अतर्दिषाथाम्	अतर्दिष्वम्	म०
	अतर्दिषि	अतर्दिष्वहि	अतर्दिष्वहि	उ०
लृङ् (पर०)	अतर्दिष्यत्	अतर्दिष्यताम्	अतर्दिष्यन्	प्र०
	अतर्दिष्यः	अतर्दिष्यथाम्	अतर्दिष्यत	म०
	अतर्दिष्यम्	अतर्दिष्याव	अतर्दिष्याम	उ०
(पक्षे)	अतत्स्यत्	अतत्स्यताम्	अतत्स्यन्	प्र०
	अतत्स्यः	अतत्स्यतम्	अतत्स्यत	म०
	अतत्स्यम्	अतत्स्याव	अतत्स्याम	उ०
(आ०)	अतर्दिष्यत	अतर्दिष्येताम्	अतर्दिष्यन्त	प्र०
	अतर्दिष्यथाः	अतर्दिष्येथाम्	अतर्दिष्यध्वम्	म०
	अतर्दिष्ये	अतर्दिष्यावहि	अतर्दिष्यामहि	उ०
(पक्षे)	अतत्स्यत	अतत्स्येताम्	अतत्स्यन्त	प्र०
	अतत्स्यथाः	अतत्स्येथाम्	अतत्स्यध्वम्	म०
	अतत्स्ये	अतत्स्यावहि	अतत्स्यामहि	उ०

1447. कृती वेष्टने - परस्मैपदी

लट् (पर०)	कृणत्ति	कृन्तः	कृन्दन्ति	प्र०
	कृणत्सि	कृन्थः	कृन्थ	म०
	कृणद्मि	कृन्त्वः	कृन्तमः	उ०
लिट् (पर०)	चकर्त	चकृततुः	चकृतुः	प्र०
	चकर्तिथ	चकृतथुः	चकृत	म०
	चकर्त	चकृतिव	चकृतिम	उ०
लुट् (पर०)	कर्तिता	कर्तितारौ	कर्तितारः	प्र०
	कर्तितासि	कर्तितास्थः	कर्तितास्थ	म०
	कर्तितास्मि	कर्तितास्वः	कर्तितास्मः	उ०

लृट् (पर०)	कर्तिष्यति	कर्तिष्यतः	कर्तिष्यन्ति	प्र०
	कर्तिष्यसि	कर्तिष्यथः	कर्तिष्यथ	म०
	कर्तिष्यामि	कर्तिष्यावः	कर्तिष्यामः	उ०
(पक्षे)	कत्स्यति	कत्स्यतः	कत्स्यन्ति	प्र०
	कत्स्यसि	कत्स्यथः	कत्स्यथ	म०
	कत्स्यामि	कत्स्यावः	कत्स्यामः	उ०
लोट् (पर०)	कृणतु-कृन्तात्	कृन्ताम्	कृन्दन्तु	प्र०
	कृन्धि-कृन्तात्	कृन्ताम्	कृन्त	म०
	कृणतानि	कृणताव	कृणताम्	उ०
लङ् (पर०)	अकृणत्-द्	अकृन्ताम्	अकृन्तन्	प्र०
	अकृणः-	अकृन्ताम्	अकृन्त	म०
	अकृणत्-द्			
	अकृणताम्	अकृन्त्व	अकृन्तम्	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	कृन्त्यात्	कृन्त्याताम्	कृन्त्युः	प्र०
	कृन्त्याः	कृन्त्यातम्	कृन्त्यात	म०
	कृन्त्याम्	कृन्त्याव	कृन्त्याम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	कृत्यात्	कृत्यास्ताम्	कृत्यासुः	प्र०
	कृत्याः	कृत्यास्ताम्	कृत्यास्त	म०
	कृत्यासम्	कृत्यास्व	कृत्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अकर्तीत्	अकर्तिष्टाम्	अकर्तिषुः	प्र०
	अकर्तीः	अकर्तिष्टम्	अकर्तिष्ट	म०
	अकर्तिषम्	अकर्तिष्व	अकर्तिष्म	उ०
लृट् (पर०)	अकर्तिष्यत्	अकर्तिष्यताम्	अकर्तिष्यन्	प्र०
	अकर्तिष्यः	अकर्तिष्यथाम्	अकर्तिष्यत	म०
	अकर्तिष्यम्	अकर्तिष्याव	अकर्तिष्याम	उ०
(पक्षे)	अकत्स्यत्	अकत्स्यताम्	अकत्स्यन्	प्र०
	अकत्स्यः	अकत्स्यतम्	अकत्स्यत	म०
	अकत्स्यम्	अकत्स्याव	अकत्स्याम	उ०
(आ०)	अकर्तिष्यत	अकर्तिष्येताम्	अकर्तिष्यन्त	प्र०
	अकर्तिष्यथाः	अकर्तिष्येथाम्	अकर्तिष्यध्वम्	म०
	अकर्तिष्ये	अकर्तिष्यावहि	अकर्तिष्यामहि	उ०

(पक्षे)	अतत्स्यत	अतत्स्येताम्	अतत्स्येन्त	प्र०
	अतत्स्यथाः	अतत्स्येथाम्	अतत्स्येध्वम्	म०
	अतत्स्ये	अतत्स्येवहि	अतत्स्येमहि	उ०

1448. जि इन्धी - दीप्तौ - आ०

लट् (आ०)	इन्धे	इन्धाते	इन्धते	प्र०
	इन्त्से	इन्धाथे	इन्ध्वे	म०
	इन्धे	इन्ध्वहे	इन्ध्महे	उ०
लिट् (आ०)	इन्धांचक्रे	इन्धांचक्राते	इन्धांचक्रिरे	प्र०
	इन्धांचकृषे	इन्धांचक्राथे	इन्धांचकृद्वे	म०
	इन्धांचक्रे	इन्धांचकृवहे	इन्धांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	इन्धिता	इन्धितारौ	इन्धितारः	प्र०
	इन्धितासे	इन्धितासाथे	इन्धिताध्वे	म०
	इन्धिताहे	इन्धितास्वहे	इन्धितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	इन्धिष्यते	इन्धिष्येते	इन्धिष्यन्ते	प्र०
	इन्धिष्यसे	इन्धिष्येथे	इन्धिष्यध्वे	म०
	इन्धिष्ये	इन्धिष्यावहे	इन्धिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	इन्ध्याम्	इन्धाताम्	इन्धताम्	प्र०
	इन्त्स्व	इन्धाथाम्	इन्ध्वम्	म०
	इन्धै	इन्धावहै	इन्धामहै	उ०
लङ् (आ०)	ऐन्ध	ऐन्धाताम्	ऐन्धत	प्र०
	ऐन्धाः	ऐन्धाथाम्	ऐन्ध्वम्	म०
	ऐन्धि	ऐन्ध्वहि	ऐन्ध्महि	उ०
विधि-लिट्	इन्धीत	इन्धीयाताम्	इन्धीरन्	प्र०
(पर०)	इन्धीथाः	इन्धीयाथाम्	इन्धीध्वम्	म०
	इन्धीय	इन्धीवहि	इन्धीमहि	उ०
आशिष्-लिट्	इन्धिषीष्ट	इन्धिषीयास्ताम्	इन्धिषीरन्	प्र०
(पर०)	इन्धिषीष्ठाः	इन्धिषीयास्थाम्	इन्धिषीध्वम्	म०
	इन्धिषीय	इन्धिषीवहि	इन्धिषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	ऐन्धिष्ट	ऐन्धिषाताम्	ऐन्धिषत	प्र०
	ऐन्धिष्ठाः	ऐन्धिषाथाम्	ऐन्धिष्वम्	म०
	ऐन्धिषि	ऐन्धिष्वहि	ऐन्धिष्महि	उ०

लृङ् (आ०)	ऐन्धिष्यत्	ऐन्धिष्येताम्	ऐन्धिष्यन्त	प्र०
	ऐन्धिष्यथाः	ऐन्धिष्येथाम्	ऐन्धिष्यध्वम्	म०
	ऐन्धिष्ये	ऐन्धिष्यावहि	ऐन्धिष्यामहि	उ०

1449. खिद दैन्ये - पूर्ववत्।

1450. विद विचारणे - सक०, आ०

लट् (पर०)	विन्ते	विन्दाते	विन्दते	प्र०
	विन्त्से	विन्दाथे	विन्दध्वे	म०
	विन्दे	विन्द्वहे	विन्ध्महे	उ०
लिट् (पर०)	विविदे	विविदाते	विविदिरे	प्र०
	विविदिषे	विविदाथे	विविदिध्वे	म०
	विविदे	विविदिवहे	विविदिमहे	उ०
लुट् (पर०)	वेत्ता	वेत्तारौ	वेत्तारः	प्र०
	वेत्तासे	वेत्तासाथे	वेत्ताध्वे	म०
	वेत्ताहे	वेत्तास्वहे	वेत्तास्महे	उ०
लृट् (पर०)	वेत्स्यते	वेत्स्येते	वेत्स्यन्ते	प्र०
	वेत्स्यसे	वेत्स्येथे	वेत्स्यध्वे	म०
	वेत्स्ये	वेत्स्यावहे	वेत्स्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	विन्ताम्	विन्दाताम्	विन्दताम्	प्र०
	विन्त्स्व	विन्दाथाम्	विन्ध्वम्	म०
	विनदै	विनदावहै	विनदामहै	उ०
लङ् (पर०)	अविन्त	अविन्दाताम्	अविन्दत	प्र०
	अविन्थाः	अविन्दाथाम्	अविन्ध्वम्	म०
	अविन्दि	अविन्द्वाहि	अविन्ध्महि	उ०
विधि-लिट्	विन्दीत	विन्दीयाताम्	विन्दीरन्	प्र०
(पर०)	विन्दीथाः	विन्दीयाथाम्	विन्दीध्वम्	म०
	विन्दीय	विन्दीवहि	विन्दीमहि	उ०
आशिष्-लिट्	वित्सीष्ट	वित्सीयास्ताम्	वित्सीरन्	प्र०
(पर०)	वित्सीष्ठाः	वित्सीयास्थाम्	वित्सीध्वम्	म०
	वित्सीय	वित्सीवहि	वित्सीमहि	उ०

लृङ् (पर०)	अवित्त	अवित्साताम्	अवित्सत	प्र०
	अवित्थाः	अवित्साथाम्	अविद्ध्वम्	म०
	अवित्सि	अवित्स्वहि	अवित्स्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अवेत्स्यत्	अवेत्स्येताम्	अवेत्स्यन्त	प्र०
	अवेत्स्यथाः	अवेत्स्येथाम्	अवेत्स्यध्वम्	म०
	अवेत्स्ये	अवेत्स्यावहि	अवेत्स्यामहि	उ०

1451. शिष्णु विशेषणे - स०(अ०)प०

लट् (पर०)	शिनष्टि	शिंष्टः	शिंषन्ति	प्र०
	शिनक्षि	शिंष्टः	शिंष्ठ	म०
	शिनष्मि	शिंष्वः	शिंष्मः	उ०
लिट् (पर०)	शिशेष	शिशिषतुः	शिशिषुः	प्र०
	शिशेषिथ	शिशिषथुः	शिशिष	म०
	शिशेष	शिशिषिव	शिशिषिम	उ०
लुट् (पर०)	शेष्टा	शेष्टारौ	शेष्टारः	प्र०
	शेष्टासि	शेष्टास्थः	शेष्टास्थ	म०
	शेष्टास्मि	शेष्टास्वः	शेष्टास्मः	उ०
लृट् (पर०)	शेक्ष्यति	शेक्ष्यतः	शेक्ष्यन्ति	प्र०
	शेक्ष्यसि	शेक्ष्यथः	शेक्ष्यथ	म०
	शेक्ष्यामि	शेक्ष्यावः	शेक्ष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	शिनष्टु-शिंष्टात्	शिंष्टाम्	शिंषन्तु	प्र०
	शिण्डि-शिण्डिङ्-	शिंष्टम्	शिंष्ट	म०
	शिंष्टात्			
लङ् (पर०)	शिनषाणि	शिनषाव	शिनषाम	उ०
	अशिनट्-ङ्	अशिंष्टाम्	अशिंषन्	प्र०
	अशिंष्टासि	अशिंष्टास्थः	अशिंष्ट	म०
विधि-लिट् (पर०)	अशिनषम्	अशिंष्व	अशिंष्म	उ०
	शिंष्यात्	शिंष्याताम्	शिंष्युः	प्र०
	शिंष्याः	शिंष्यातम्	शिंष्यात	म०
	शिंष्याम्	शिंष्याव	शिंष्याम	उ०

आशिष-लिङ्	शिष्यात्	शिष्यास्ताम्	शिष्यासुः	प्र०
(पर०)	शिष्याः	शिष्यास्तम्	शिष्यास्त	म०
	शिष्यासम्	शिष्यास्व	शिष्यास्म	उ०
लृङ् (पर०)	अशिषत्	अशिषताम्	अशिषन्	प्र०
	अशिषः	अशिषतम्	अशिषत	म०
	अशिषम्	अशिषाव	अशिषाम	उ०
लृङ् (पर०)	अशेक्ष्यत्	अशेक्ष्यताम्	अशेक्ष्यन्	प्र०
	अशेक्ष्यः	अशेक्ष्यतम्	अशेक्ष्यत	म०
	अशेक्ष्यम्	अशेक्ष्याव	अशेक्ष्याम	उ०

1452. पिप्प्लु संचूर्णने - पूर्ववत्।

1453. भञ्जो आमर्दने - अ०, अ०

लट् (पर०)	भनक्ति	भङ्कतः	भंजन्ति	प्र०
	भनक्षि	भङ्क्थः	भङ्क्थ	म०
	भनज्मि	भंज्वः	भंज्मः	उ०
लिट् (पर०)	बभंज	बभंजतुः	बभंजुः	प्र०
	बभंजिथ-	बभंजथुः	बभंज	म०
	बभङ्क्थ			
	बभंज	बभंजिव	बभंजिम	उ०
लुट् (पर०)	भङ्क्ता	भङ्क्तारौ	भङ्क्तारः	प्र०
	भङ्क्तासि	भङ्क्तास्थः	भङ्क्तास्थ	म०
	भङ्क्तास्मि	भङ्क्तास्वः	भङ्क्तास्मः	उ०
लृट् (पर०)	भङ्क्ष्यति	भङ्क्ष्यतः	भङ्क्ष्यन्ति	प्र०
	भङ्क्ष्यसि	भङ्क्ष्यथः	भङ्क्ष्यथ	म०
	भङ्क्ष्यामि	भङ्क्ष्यावः	भङ्क्ष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	भनक्तु-भङ्क्तात्	भङ्क्ताम्	भंजन्तु	प्र०
	भङ्ग्धि-भङ्क्तात्	भङ्क्तम्	भङ्क्त	म०
	भनजानि	भनजाव	भनजाम	उ०
लङ् (पर०)	अभनक्-ग्	अभङ्क्ताम्	अभंजन्	प्र०
	अभनक्-ग्	अभङ्क्तम्	अभङ्क्त	म०
	अभंजम्	अभंज्व	अभंजम	उ०

विधि-लिङ्	भञ्यात्	भञ्याताम्	भञ्युः	प्र०
(पर०)	भञ्याः	भञ्यातम्	भञ्यात	म०
	भञ्याम्	भञ्याव	भञ्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	भञ्यात्	भञ्यास्ताम्	भञ्यासुः	प्र०
(पर०)	भञ्याः	भञ्यास्तम्	भञ्यास्त	म०
	भञ्यासम्	भञ्यास्व	भञ्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अभाङ्क्षीत्	अभाङ्क्ताम्	अभाङ्क्षुः	प्र०
	अभाङ्क्षीः	अभाङ्क्षतम्	अभाङ्क्षत	म०
	अभाङ्क्षम्	अभाङ्क्ष्व	अभाङ्क्षम्	उ०
लृङ् (पर०)	अभङ्क्ष्यत्	अभङ्क्ष्यताम्	अभङ्क्ष्यन्	प्र०
	अभङ्क्ष्यः	अभङ्क्ष्यतम्	अभङ्क्ष्यत	म०
	अभङ्क्ष्यम्	अभङ्क्ष्याव	अभङ्क्ष्याम्	उ०

1454. भुज पालनाभ्यवहारयोः - परस्मैपदी।

लट् (पर०)	भुनक्ति	भुङ्क्तः	भुञ्जन्ति	प्र०
	भुनक्षि	भुङ्क्थः	भुङ्क्थ	म०
	भुनज्मि	भुञ्ज्वः	भुञ्ज्मः	उ०
लिट् (पर०)	बुभोज	बुभुजतुः	बुभुजुः	प्र०
	बुभोजिथ	बुभुजथुः	बुभुज	म०
	बुभोज	बुभुजिव	बुभुजिम	उ०
लुट् (पर०)	भोक्ता	भोक्तारौ	भोक्तारः	प्र०
	भोक्तासि	भोक्तास्थः	भोक्तास्थः	म०
	भोक्तास्मि	भोक्तास्वः	भोक्तास्मः	उ०
लृट् (पर०)	भोक्ष्यति	भोक्ष्यतः	भोक्ष्यन्ति	प्र०
	भोक्ष्यसि	भोक्ष्यथः	भोक्ष्यथ	म०
	भोक्ष्यामि	भोक्ष्यावः	भोक्ष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	भुनक्तु-भुङ्क्तात्	भुङ्क्ताम्	भुञ्जन्तु	प्र०
	भुङ्ग्धि-भुङ्क्तात्	भुङ्क्तम्	भुङ्क्त	म०
	भुनजानि	भुनजाव	भुनजाम	उ०
लङ् (पर०)	अभुनक्-ग्	अभुङ्क्ताम्	अभुञ्जन्	प्र०
	अभुनक्-ग्	अभुङ्क्तम्	अभुङ्क्त	म०
	अभुनजम्	अभुञ्ज्व	अभुञ्जम	उ०

विधि-लिङ्	भुञ्यात्	भुञ्याताम्	भुञ्युः	प्र०
(पर०)	भुञ्याः	भुञ्यातम्	भुञ्यात	म०
	भुञ्याम्	भुञ्याव	भुञ्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	भुञ्यात्	भुञ्यास्ताम्	भुञ्यासुः	प्र०
(पर०)	भुञ्याः	भुञ्यास्तम्	भुञ्यास्त	म०
	भुञ्यासम्	भुञ्यास्व	भुञ्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अभौक्षीत्	अभौक्ताम्	अभौक्षुः	प्र०
	अभौक्षीः	अभौक्तम्	अभौक्त	म०
	अभौक्षम्	अभौक्ष्व	अभौक्ष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अभोक्ष्यत्	अभोक्ष्यताम्	अभोक्ष्यन्	प्र०
	अभोक्ष्यः	अभोक्ष्यतम्	अभोक्ष्यत	म०
	अभोक्ष्यम्	अभोक्ष्याव	अभोक्ष्याम	उ०

1455. तृह हिंसायाम् - सक०(से०)पर०

लट् (पर०)	तृणेढि	तृण्डः	तृहन्ति	प्र०
	तृणेक्षि	तृण्डः	तृण्ड	म०
	तृणेहिम	तृह्वः	तृह्मः	उ०
लिट् (पर०)	ततर्ह	ततृहतुः	ततृहुः	प्र०
	ततर्हिथ	ततृहथुः	ततृह	म०
	ततर्ह	ततृहिव	ततृहिम	उ०
लुट् (पर०)	तर्हिता	तर्हितारौ	तर्हितारः	प्र०
	तर्हितासि	तर्हितास्थः	तर्हितास्थः	म०
	तर्हितास्मि	तर्हितास्वः	तर्हितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	तर्हिष्यति	तर्हिष्यतः	तर्हिष्यन्ति	प्र०
	तर्हिष्यसि	तर्हिष्यथः	तर्हिष्यथ	म०
	तर्हिष्यामि	तर्हिष्यावः	तर्हिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	तृणेढु-तृण्डात्	तृण्डाम्	तृहंतु	प्र०
	तृण्डि-तृण्डात्	तृण्डम्	तृण्ड	म०
	तृणहानि	तृणहाव	तृणहाम	उ०
लङ् (पर०)	अतृणेट्-ङ्	अतृण्डाम्	अतृण्ड	प्र०
	अतृणेट्-ङ्	अतृण्डम्	अतृण्ड	म०
	अतृणहम्	अतृह्व	अतृह्म	उ०

विधि-लिङ्	तृह्यात्	तृह्याताम्	तृह्युः	प्र०
(पर०)	तृह्याः	तृह्यातम्	तृह्यात	म०
	तृह्याम्	तृह्याव	तृह्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	तृह्यात्	तृह्यास्ताम्	तृह्यासुः	प्र०
(पर०)	तृह्याः	तृह्यास्तम्	तृह्यास्त	म०
	तृह्यासम्	तृह्यास्व	तृह्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अतर्हीत्	अतर्हिष्याम्	अतर्हिषुः	प्र०
	अतर्हीः	अतर्हिष्यम्	अतर्हिष्य	म०
	अतर्हिषम्	अतर्हिष्व	अतर्हिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अतर्हिष्यत्	अतर्हिष्यताम्	अतर्हिष्यन्	प्र०
	अतर्हिष्यः	अतर्हिष्यतम्	अतर्हिष्यत	म०
	अतर्हिष्यम्	अतर्हिष्याव	अतर्हिष्याम	उ०

1556. हिसि - हिंसायाम् - सक०(सेट्०)पर०

लट् (पर०)	हिनस्ति	हिंस्तः	हिंसन्ति	प्र०
	हिनस्सि	हिंस्थः	हिंस्थ	म०
	हिनस्मि	हिंस्वः	हिंस्मः	उ०
लिट् (पर०)	जिहिंस	जिहिंसतुः	जिहिंसुः	प्र०
	जिहिंसिथ	जिहिंसथुः	जिहिंस	म०
	जिहिंस	जिहिंसिव	जिहिंसिम	उ०
लुट् (पर०)	हिंसिता	हिंसितारौ	हिंसितारः	प्र०
	हिंसितासि	हिंसितास्थः	हिंसितास्थ	म०
	हिंसितास्मि	हिंसितास्वः	हिंसितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	हिंसिष्यति	हिंसिष्यतः	हिंसिष्यन्ति	प्र०
	हिंसिष्यसि	हिंसिष्यथः	हिंसिष्यथ	म०
	हिंसिष्यामि	हिंसिष्यावः	हिंसिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	हिनस्तु-हिंस्तात्	हिंस्ताम्	हिंसन्तु	प्र०
	हिंसि-हिंस्तात्	हिंस्तम्	हिंस्त	म०
	हिनसानि	हिनसाव	हिनसाम्	उ०
लङ् (पर०)	अहिनत्-द	अहिंस्ताम्	अहिंसन्	प्र०
	अहिनः-अहिनत्-द्	अहिंस्तम्	अहिंस्त	म०
	अहिनसम्	अहिंस्व	अहिंस्म	उ०

विधि-लिङ्	हिंस्यात्	हिंस्याताम्	हिंस्युः	प्र०
(पर०)	हिंस्याः	हिंस्यातम्	हिंस्यात	म०
	हिंस्याम्	हिंस्याव	हिंस्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	हिंस्यात्	हिंस्यास्ताम्	हिंस्यासुः	प्र०
(पर०)	हिंस्याः	हिंस्यास्तम्	हिंस्यास्त	म०
	हिंस्यासम्	हिंस्यास्व	हिंस्यास्म	उ०
लृङ् (पर०)	अहिंसीत्	अहिंसिष्टाम्	अहिंसिषुः	प्र०
	अहिंसीः	अहिंसिष्टम्	अहिंसिष्ट	म०
	अहिंसिषम्	अहिंसिष्व	अहिंसिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अहिंसिष्यत्	अहिंसिष्यताम्	अहिंसिष्यन्	प्र०
	अहिंसिष्यः	अहिंसिष्यथाम्	अहिंसिष्यत	म०
	अहिंसिष्यम्	अहिंसिष्याव	अहिंसिष्याम	उ०

1457. उन्दी - क्लेदने - सक०(सेट्)पर०

लट् (पर०)	उन्त्ति	उन्तः	उन्न्ति	प्र०
	उन्त्ति	उन्थः	उन्थ	म०
	उन्धि	उन्धः	उन्ध्मः	उ०
लिट् (पर०)	उन्दांचकार	उन्दांचक्रतुः	उन्दांचक्रुः	प्र०
	उन्दांचकर्थ	उन्दांचक्रथुः	उन्दांचक्र	म०
	उन्दांचकार-	उन्दांचकृव	उन्दांचकृम	उ०
	उन्दांचकर			
लृट् (पर०)	उन्दिता	उन्दितारौ	उन्दितारः	प्र०
	उन्दितासि	उन्दितास्थः	उन्दितास्थ	म०
	उन्दितास्मि	उन्दितास्वः	उन्दितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	उन्दिष्यति	उन्दिष्यतः	उन्दिष्यन्ति	प्र०
	उन्दिष्यसि	उन्दिष्यथः	उन्दिष्यथ	म०
	उन्दिष्यामि	उन्दिष्यावः	उन्दिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	उन्चु-उन्तात्	उन्ताम्	उन्न्तु	प्र०
	उन्द्धि-उन्तात्	उन्तम्	उन्त	म०
	उन्दानि	उन्दाव	उन्दाम	उ०

लङ् (पर०)	औनत्-द्	औन्ताम्	औन्दन्	प्र०
	औनः-औनत्-द्	औन्तम्	औन्त	म०
	औनदम्	औन्द्र	औन्धम्	उ०
विधि-लिङ्	उन्द्यात्	उन्द्याताम्	उन्द्युः	प्र०
(पर०)	उन्द्याः	उन्द्यातम्	उन्द्यात	म०
	उन्द्याम्	उन्द्याव	उन्द्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	उद्यात्	उद्यास्ताम्	उद्यासुः	प्र०
(पर०)	उद्याः	उद्यास्तम्	उद्यास्त	म०
	उद्यासम्	उद्यास्व	उद्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	औन्दीत्	औन्दिष्टाम्	औन्दिषुः	प्र०
	औन्दीः	औन्दिष्टम्	औन्दिष्ट	म०
	औन्दिषम्	औन्दिष्व	औन्दिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	औन्दिष्यत्	औन्दिष्यताम्	औन्दिष्यन्	प्र०
	औन्दिष्यः	औन्दिष्यथाम्	औन्दिष्यत	म०
	औन्दिष्यम्	औन्दिष्याव	औन्दिष्याम	उ०

1458. अंजू - व्यक्तिभ्रक्षणकान्तिगतिषु

लट् (पर०)	अनक्ति	अङ्क्तः	अंजन्ति	प्र०
	अनक्षि	अनङ्क्थः	अङ्क्थ	म०
	अनज्मि	अंज्वः	अंज्मः	उ०
लिट् (पर०)	आनंज	आनंजतुः	आनंजुः	प्र०
	आनजिथ-आनङ्क्थ	आनंजथुः	आनंज	म०
	आनंज	आनंजिव	आनंजिम	उ०
लृट् (पर०)	अंजिता	अंजितारौ	अंजितारः	प्र०
	अंजितासि	अंजितास्थः	अंजितास्थ	म०
	अंजितास्मि	अंजितास्वः	अंजितास्मः	उ०
(पक्षे)	अङ्क्ता	अङ्क्तारौ	अङ्क्तारः	प्र०
	अङ्क्तासि	अङ्क्तास्थः	अङ्क्तास्थ	म०
	अङ्क्तास्मि	अङ्क्तास्वः	अङ्क्तास्मः	उ०
लृट् (पर०)	अंजिष्यति	अंजिष्यतः	अंजिष्यन्ति	प्र०
	अंजिष्यसि	अंजिष्यथः	अंजिष्यथ	म०
	अंजिष्यामि	अंजिष्यावः	अंजिष्यामः	उ०

(पक्षे)	अङ्क्ष्यति	अङ्क्ष्यतः	अङ्क्ष्यन्ति	प्र०
	अङ्क्ष्यसि	अङ्क्ष्यथः	अङ्क्ष्यथ	म०
	अङ्क्ष्यामि	अङ्क्ष्यावः	अङ्क्ष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	अनक्तु-अङ्क्तात्	अङ्क्ताम्	अंजन्तु	प्र०
	अङ्ग्धि-अङ्क्तात्	अङ्क्तम्	अङ्क्त	म०
	अनजानि	अनजाव	अनजाम	उ०
लृङ्	आनक्-ग्	आङ्क्ताम्	आंजन्	प्र०
	आनक्-ग्	आङ्क्तम्	आङ्क्त	म०
	आनजम्	आंज्व	आंज्म	उ०
विधि-लिङ्	अंज्यात्	अंज्याताम्	अंज्युः	प्र०
(पर०)	अंज्याः	अंज्यातम्	अंज्यात	म०
	अंज्याम्	अंज्याव	अंज्याम	उ०
आशिप्-लिङ्	अज्यात्	अज्यास्ताम्	अज्यासुः	प्र०
(पर०)	अज्याः	अज्यास्तम्	अज्यास्त	म०
	अज्यासम्	अज्यास्व	अज्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	आंजीत्	आंजिष्टाम्	आंजिषुः	प्र०
	आंजीः	आंजिष्टम्	आंजिष्ट	म०
	आंजिषम्	आंजिष्व	आंजिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	आंजिष्यत्	आंजिष्यताम्	आंजिष्यन्	प्र०
	आंजिष्यः	आंजिष्यतम्	आंजिष्यत	म०
	आंजिष्यम्	आंजिष्याव	आंजिष्याम	उ०
(पक्षे)	आङ्क्ष्यत्	आङ्क्ष्यताम्	आङ्क्ष्यन्	प्र०
	आङ्क्ष्यः	आङ्क्ष्यतम्	आङ्क्ष्यत	म०
	आङ्क्ष्यम्	आङ्क्ष्यावः	आङ्क्ष्याम	उ०

1459. तंचू सङ्कोचने - पूर्ववत्।

1460 ओविजी भय चलनयो

लट् (पर०)	विनक्ति	विङ्क्तः	विंजन्ति	प्र०
	विनक्षि	विङ्क्थः	विङ्क्थ	म०
	विनज्मि	विंज्वः	विंज्मः	उ०

लिट् (पर०)	विवेज	विविजतुः	विविजुः	प्र०
	विविजिथ	विविजथुः	विविज	म०
	विवेज	विविजिव	विविजिम	उ०
लृट्	विजिता	विजितारौ	विजितारः	प्र०
	विजितासि	विजितास्थः	विजितास्थ	म०
	विजितास्मि	विजितास्वः	विजितास्मः	उ०
लृट्	विजिष्यति	विजिष्यतः	विजिष्यन्ति	प्र०
	विजिष्यसि	विजिष्यथः	विजिष्यथ	म०
	विजिष्यामि	विजिष्यावः	विजिष्यामः	उ०
लोट्	विनक्तु-विङ्क्तात्	विङ्क्ताम्	विंजन्तु	प्र०
	विङ्क्थि-	विङ्क्तम्	विङ्क्त	म०
	विङ्क्तात्			
	विनजानि	विनजाव	विनजाम	उ०
लङ्	अविनक्-ग्	अविङ्क्ताम्	अविंजन्	प्र०
	अविनक्-ग्	अविङ्क्तम्	अविङ्क्त	म०
	अविनजम्	अविंज्व	अविंज्म	उ०
विधि-लिङ्	विंज्यात्	विंज्याताम्	विंज्युः	प्र०
	विंज्याः	विंज्यातम्	विंज्यात	म०
	विंज्याम्	विंज्याव	विंज्याम	उ०
आशिष-लिङ्	विज्यात्	विज्यास्ताम्	विज्यासुः	प्र०
	विज्याः	विज्यास्तम्	विज्यास्त	म०
	विज्यासम्	विज्यास्व	विज्यास्म	उ०
लुङ्	अविजीत्	अविजिष्टाम्	अविजिषुः	प्र०
	अविजीः	अविजिष्टम्	अविजिष्ट	म०
	अविजिषम्	अविजिष्व	अविजिष्व	उ०
लृङ्	अविजिष्यत्	अविजिष्यताम्	अविजिष्यन्	प्र०
	अविजिष्यः	अविजिष्यतम्	अविजिष्यत	म०
	अविजिष्यम्	अविजिष्यावः	अविजिष्याम	उ०

1461. वृजी वर्जने - पूर्ववत्।

1462. पृची सम्पक्ने - पूर्ववत्।

इति तिङन्ते रुधादिप्रकरणम्।

अथ तिङन्ते तनादिप्रकरणम्

1463. तनु विस्तारे - सक०, उभ०

लट् (उ०)	तनोति	तनुतः	तन्वन्ति	प्र०
	तनोषि	तनुथः	तनुथ	म०
	तनोमि	तनुवः-तन्वः	तनुमः-तन्मः	उ०
(आ०)	तनुते	तन्वाते	तन्वते	प्र०
	तनुंषे	तन्वाथे	तनुध्वे	म०
	तन्वे	तनुवहे-तन्वहे	तनुमहे-तन्महे	उ०
लिट् (उ०)	ततान	तेनतुः	तेनुः	प्र०
	तेनिथ	तेनथुः	तेन	म०
	ततान-ततन	तेनिव	तेनिम	उ०
(आ०)	तेने	तेनाते	तेनिरे	प्र०
	तेनिषे	तेनाथे	तेनिध्वे	म०
	तेने	तेनिवहे	तेनिमहे	उ०
लृट् (उ०)	तनिता	तनितारौ	तनितारः	प्र०
	तनितासि	तनितास्थः	तनितास्थ	म०
	तनितास्मि	तनितास्वः	तनितास्मः	उ०
(आ०)	तनिता	तनितारौ	तनितारः	प्र०
	तनितासे	तनितासाथे	तनिताध्वे	म०
	तनिताहे	तनितास्वहे	तनितास्महे	उ०
लृट् (उ०)	तनिष्यति	तनिष्यतः	तनिष्यन्ति	प्र०
	तनिष्यसि	तनिष्यथः	तनिष्यथ	म०
	तनिष्यामि	तनिष्यावः	तनिष्यामः	उ०
(आ०)	तनिष्यते	तनिष्येते	तनिष्यन्ते	प्र०
	तनिष्यसे	तनिष्येथे	तनिष्यध्वे	म०
	तनिष्ये	तनिष्यावहे	तनिष्यामहे	उ०
लोट् (उ०)	तनोतु-तनुतात्	तनुताम्	तन्वन्तु	प्र०
	तनु-तनुतात्	तनुतम्	तनुत	म०
	तनवानि	तनवाव	तनवाम	उ०

(आ०)	तनुताम्	तन्वाताम्	तन्वताम्	प्र०
	तनुष्व	तन्वाथाम्	तनुध्वम्	म०
	तनवै	तनवावहै	तनवामहै	उ०
लङ् (उ०)	अतनोत्	अतनुताम्	अतन्वन्	प्र०
	अतनोः	अतनुतम्	अतनुत	म०
	अतनवम्	अतनुव-अतन्व	अतन्वम	उ०
(आ०)	अतनुत	अतन्वाताम्	अतन्वत	प्र०
	अतनुथाः	अतन्वाथाम्	अतनुध्वम्	म०
	अतन्वि	अतनुवहि-	अतनुमहि-	उ०
		अतन्वहि	अतन्महि	
विधि-लिङ्	तनुयात्	तनुयाताम्	तनुयुः	प्र०
(उ०)	तनुयाः	तनुयातम्	तनुयात	म०
	तनुयाम्	तनुयाव	तनुयाम	उ०
(आ०)	तन्वीत	तन्वीयाताम्	तन्वीरन्	प्र०
	तन्वीथाः	तन्वीयाथाम्	तन्वीध्वम्	म०
	तन्वीय	तन्वीवहि	तन्वीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	तन्यात्	तन्यास्ताम्	तन्यासुः	प्र०
(उ०)	तन्याः	तन्यास्तम्	तन्यास्त	म०
	तन्यासम्	तन्यास्व	तन्यास्म	उ०
(आ०)	तनिषीष्ट	तनिषीयास्ताम्	तनिषीरन्	प्र०
	तनिषीष्ठाः	तनिषीयास्थाम्	तनिषीध्वम्	म०
	तनिषीय	तनिषीवहि	तनिषीमहि	उ०
लुङ् (उ०)	अतानीत्	अतानिष्टाम्	अतानिषुः	प्र०
	अतानीः	अतानिष्टम्	अतानिष्ट	म०
	अतानिषम्	अतानिष्व	अतानिष्म	उ०
(पक्षे)	अतनीत्	अतनिष्टाम्	अतनिषुः	प्र०
	अतनीः	अतनिष्टम्	अतनिष्ट	म०
	अतनिषम्	अतनिष्व	अतनिष्म	उ०
(आ०)	अतत-अतनिष्ट	अतनिषाताम्	अतनिषत	प्र०
	अतथाः-अतनिष्ठाः	अतनिषाथाम्	अतनिद्वम्	म०
	अतनिषि	अतनिष्वहि	अतनिष्महि	उ०

लृङ् (उ०)	अतनिष्यत्	अतनिष्याताम्	अतनिष्यन्	प्र०
	अतनिष्यः	अतनिष्याथाम्	अतनिष्यत	म०
	अतनिष्यम्	अतनिष्याव	अतनिष्याम	उ०
(आ०)	अतनिष्यत	अतनिष्येताम्	अतनिष्यन्त	प्र०
	अतनिष्यथाः	अतनिष्येथाम्	अतनिष्यध्वम्	म०
	अतनिष्ये	अतनिष्यावहि	अतनिष्यामहि	उ०
1464. षणु दाने - सक०, उभयपदी				
लट् (उ०)	सनोति	सनुतः	सन्वन्ति	प्र०
	सनोषि	सनुथः	सनुथ	म०
	सनोमि	सनुवः-सन्वः	सनुमः-सन्मः	उ०
(आ०)	सनुते	सन्वाते	सन्वते	प्र०
	सनुषे	सन्वाथे	सनुध्वे	म०
	सन्वे	सन्वहे-सनुवहे	सन्महे-सनुमहे	उ०
लिट् (उ०)	सेसान	सेनतुः	सेनुः	प्र०
	सेनिथ	सेनथु	सेन	म०
	ससान-ससन	सेनिव	सेनिम	उ०
(आ०)	सेने	सेनाते	सेनिरे	प्र०
	सेनिषे	सेनाथे	सेनिध्वे	म०
	सेने	सेनिवहे	सेनिमहे	उ०
लुट् (उ०)	सनिता	सनितारौ	सनितारः	प्र०
	सनितासि	सनितास्थः	सनितास्थ	म०
	सनितास्मि	सनितास्वः	सनितास्मः	उ०
(आ०)	सनिता	सनितारौ	सनितारः	प्र०
	सनितासे	सनितासाथे	सनिताध्वे	म०
	सनिताहे	सनितास्वहे	सनितास्महे	उ०
लृट् (उ०)	सनिष्यति	सनिष्यतः	सनिष्यन्ति	प्र०
	सनिष्यसि	सनिष्यथः	सनिष्यथ	म०
	सनिष्यामि	सनिष्यावः	सनिष्यामः	उ०
(आ०)	सनिष्यते	सनिष्येते	सनिष्यन्ते	प्र०
	सनिष्यसे	सनिष्येथे	सनिष्यध्वे	म०
	सनिष्ये	सनिष्यावहे	सनिष्यामहे	उ०

लोट् (उ०)	सनोतु-सनुतात्	सनुताम्	सन्वन्तु	प्र०
	सनु-सनुतात्	सनुतम्	सनुत	म०
	सनवानि	सनवाव	सनवाम	उ०
(आ०)	सनुताम्	सन्वाताम्	सन्वताम्	प्र०
	सनुष्व	सन्वाथाम्	सनुध्वम्	म०
	सनवै	सनवावहै	सनवामहै	उ०
लङ् (उ०)	असनोत्	असनुताम्	असन्वन्	प्र०
	असनोः	असनुतम्	असनुत	म०
	असनवम्	असनुव-असन्व	असन्वम-असन्म	उ०
(आ०)	असनुत	असन्वाताम्	असन्वत	प्र०
	असनुथाः	असन्वाथाम्	असनुध्वम्	म०
	असन्वि-	असनुवहि	असनुमहि-	उ०
	असनुवहि		असन्महि	
विधि-लिङ्	सनुयात्	सनुयाताम्	सनुयुः	प्र०
(उ०)	सनुयाः	सनुयातम्	सनुयात	म०
	सनुयाम्	सनुयाव	सनुयाम	उ०
(आ०)	सन्वीत	सन्वीयाताम्	सन्वीरन्	प्र०
	सन्वीथाः	सन्वीयाथाम्	सन्वीध्वम्	म०
	सन्वीय	सन्वीवहि	सन्वीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	सायात्	सायास्ताम्	सायासुः	प्र०
(उ०)	सायाः	सायास्तम्	सायास्त	म०
	सायासम्	सायास्व	सायास्म	उ०
“ये विभाषा” इत्यात्वाभावे-				
	सन्यात्	सन्यास्ताम्	सन्यासुः	प्र०
	सन्याः	सन्यास्तम्	सन्यास्त	म०
	सन्यासम्	सन्यास्व	सन्यास्म	उ०
(आ०)	सनिषीष्ट	सनिषीयास्ताम्	सनिषीरन्	प्र०
	सनिषीष्ठाः	सनिषीयास्थाम्	सनिषीध्वम्	म०
	सनिषीय	सनिषीवहि	सनिषीमहि	उ०
लुङ् (उ०)	असानीत्	असानिष्टाम्	असानिषुः	प्र०
	असानीः	असानिष्टम्	असानिष्ट	म०
	असानिषम्	असानिष्व	असानिष्म	उ०

(पक्षे)	असनीत्	असनिष्टाम्	असनिषुः	प्र०
	असनीः	असनिष्टम्	असनिष्ट	म०
	असनिषम्	असनिष्व	असनिष्म	उ०
(आ०)	असनिष्ट-असात	असनिषाताम्	असनिषत	प्र०
	असाथाः-असनिष्ठा	असनिषाथाम्	असनिद्धवम्	म०
	असनिषि	असनिष्वहि	असनिष्महि	उ०
लृङ् (उ०)	असनिष्यत्	असनिष्याताम्	असनिष्यन्	प्र०
	असनिष्यः	असनिष्याथाम्	असनिष्यत	म०
	असनिष्यम्	असनिष्याव	असनिष्याम	उ०
(आ०)	असनिष्यत	असनिष्येताम्	असनिष्यन्त	प्र०
	असनिष्यथाः	असनिष्येथाम्	असनिष्यध्वम्	म०
	असनिष्ये	असनिष्यावहि	असनिष्यामहि	उ०

1465. क्षणु हिंसायाम् - सक०(सेट्)उभ०

लट् (उ०)	क्षणोति	क्षणुतः	क्षण्वन्ति	प्र०
	क्षणोषि	क्षणुथः	क्षणुथ	म०
	क्षणोमि	क्षणुवः-क्षण्वः	क्षणुमः-क्षण्वः	उ०
(आ०)	क्षणुते	क्षण्वाते	क्षण्वते	प्र०
	क्षणुषे	क्षण्वाथे	क्षणुध्वे	म०
	क्षण्वे	क्षणुवहे-क्षण्वहे	क्षणुमहे-क्षण्वमहे	उ०
लिट् (उ०)	चक्षण	चक्षणतुः	चक्षणुः	प्र०
	चक्षणिथ	चक्षणथुः	चक्षण	म०
	चक्षण-चक्षण	चक्षणिव	चक्षणिम	उ०
(आ०)	चक्षणे	चक्षणाते	चक्षणिरे	प्र०
	चक्षणिषे	चक्षणाथे	चक्षणिध्वे	म०
	चक्षणे	चक्षणिवहे	चक्षणिमहे	उ०
लुट् (उ०)	क्षणिता	क्षणितारौ	क्षणितारः	प्र०
	क्षणितासि	क्षणितास्थः	क्षणितास्थ	म०
	क्षणितास्मि	क्षणितास्वः	क्षणितास्मः	उ०
(आ०)	क्षणिता	क्षणितारौ	क्षणितारः	प्र०
	क्षणितासे	क्षणितासाथे	क्षणिताध्वे	म०
	क्षणिताहे	क्षणितास्वहे	क्षणितास्महे	उ०

लृट् (उ०)	क्षणिष्यति	क्षणिष्यतः	क्षणिष्यन्ति	प्र०
	क्षणिष्यसि	क्षणिष्यथः	क्षणिष्यथ	म०
	क्षणिष्यामि	क्षणिष्यावः	क्षणिष्यामः	उ०
(आ०)	क्षणिष्यते	क्षणिष्येते	क्षणिष्यन्ते	प्र०
	क्षणिष्यसे	क्षणिष्येथे	क्षणिष्यध्वे	म०
	क्षणिष्ये	क्षणिष्यावहे	क्षणिष्यामहे	उ०
लोट् (उ०)	क्षणोतु-क्षणतात्	क्षणताम्	क्षणन्तु	प्र०
	क्षणु-क्षणतात्	क्षणुतम्	क्षणुत	म०
	क्षणवानि	क्षणवाव	क्षणवाम	उ०
(आ०)	क्षणुताम्	क्षणवाताम्	क्षणवताम्	प्र०
	क्षणुष्व	क्षणवाथाम्	क्षणुध्वम्	म०
	क्षणवै	क्षणवावहै	क्षणवामहै	उ०
लङ् (उ०)	अक्षणोत्	अक्षणुताम्	अक्षण्वन्	प्र०
	अक्षणोः	अक्षणुतम्	अक्षणुत	म०
	अक्षणवम्	अक्षणुव-अक्षण्व	अक्षणुम-अक्षण्व	उ०
(आ०)	अक्षणुत	अक्षणवाताम्	अक्षण्वत	प्र०
	अक्षणुथाः	अक्षणवाथाम्	अक्षणुध्वम्	म०
	अक्षण्वि	अक्षणुवहि-	अक्षणुमहि-	उ०
		अक्षण्वहि	अक्षण्वमहि	
विधि-लिङ्	क्षणुयात्	क्षणुयाताम्	क्षणुयुः	प्र०
(उ०)	क्षणुयाः	क्षणुयातम्	क्षणुयात	म०
	क्षणुयाम्	क्षणुयाव	क्षणुयाम	उ०
(आ०)	क्षण्वीत	क्षण्वीयाताम्	क्षण्वीरन्	प्र०
	क्षण्वीथाः	क्षण्वीयाथाम्	क्षण्वीध्वम्	म०
	क्षण्वीय	क्षण्वीवहि	क्षण्वीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	क्षण्यात्	क्षण्यास्ताम्	क्षण्यासुः	प्र०
(उ०)	क्षण्याः	क्षण्यास्तम्	क्षण्यास्त	म०
	क्षण्यासम्	क्षण्यास्व	क्षण्यास्म	उ०
(आ०)	क्षणिषीष्ट	क्षणिषीयास्ताम्	क्षणिषीरन्	प्र०
	क्षणिषीष्ठाः	क्षणिषीयास्थाम्	क्षणिषीध्वम्	म०
	क्षणिषीय	क्षणिषीवहि	क्षणिषीमहि	उ०

लुङ् (उ०)	अक्षणीत्	अक्षणिष्टाम्	अक्षणिषुः	प्र०
	अक्षणीः	अक्षणिष्टम्	अक्षणिष्ट	म०
	अक्षणिषम्	अक्षणिष्व	अक्षणिष्व	उ०
(आ०)	अक्षणिष्ट-अक्षत	अक्षणिषाताम्	अक्षणिषत	प्र०
	अक्षणिष्टाः-अक्षथाः	अक्षणिषाथाम्	अक्षणिढ्वम्	म०
	अक्षणिषि	अक्षणिष्वहि	अक्षणिष्वहि	उ०
लृङ् (उ०)	अक्षणिष्यत्	अक्षणिष्याताम्	अक्षणिष्यन्	प्र०
	अक्षणिष्यः	अक्षणिष्याथाम्	अक्षणिष्यत	म०
	अक्षणिष्यम्	अक्षणिष्याव	अक्षणिष्याम	उ०
(आ०)	अक्षणिष्यत	अक्षणिष्येताम्	अक्षणिष्यन्त	प्र०
	अक्षणिष्यथाः	अक्षणिष्येथाम्	अक्षणिष्यध्वम्	म०
	अक्षणिष्ये	अक्षणिष्यावहि	अक्षणिष्यामहि	उ०

1466. क्षिणु च - पूर्ववत्।

1467. ऋणु गतौ - पूर्ववत्।

1468. तृणु अदने - सक०(सेट)उभ०

लट् (उ०)	तृणोति	तृणुतः	तृण्वन्ति	प्र०
	तृणोषि	तृणुथः	तृणुथ	म०
	तृणोमि	तृणुवः-तृण्वः	तृणुमः- तृण्वमः	उ०
(पक्षे)	तर्णोति	तर्णुतः	तर्णुवन्ति	प्र०
	तर्णोषि	तर्णुथः	तर्णुथ	म०
	तर्णोमि	तर्णुवः	तर्णुमः	उ०
(आ०)	तृणुते	तृण्वाते	तृण्वते	प्र०
	तृणुषे	तृण्वाथे	तृणुध्वे	म०
	तृण्वे	तृण्वहे-तृणुवहे	तृण्वहे-तृणुमहे	उ०
(पक्षे)	तर्णुते	तर्णुवाते	तर्णुवते	प्र०
	तर्णुषे	तर्णुवाथे	तर्णुध्वे	म०
	तर्णुवे	तर्णुवहे	तर्णुमहे	उ०
लिट् (उ०)	ततर्ण	ततृणुतुः	ततृणुः	प्र०
	ततर्णिथ	ततृणुथुः	ततृण	म०
	ततर्ण	ततृणिव	ततृणिम	उ०

(आ०)	तृणो	तृणाते	तृणिरे	प्र०
	तृणिषे	तृणाथे	तृणिध्वे	म०
	तृणं	तृणिवहे	तृणिमहे	उ०
लृट् (उ०)	तर्णिता	तर्णितारौ	तर्णितारः	प्र०
	तर्णितासि	तर्णितास्थः	तर्णितास्थ	म०
	तर्णितास्मि	तर्णितास्वः	तर्णितास्मः	उ०
(आ०)	तर्णिता	तर्णितारौ	तर्णितारः	प्र०
	तर्णितासे	तर्णितासाथे	तर्णिताध्वे	म०
	तर्णिताहे	तर्णितास्वहे	तर्णितास्महे	उ०
लृट् (उ०)	तर्णिष्यति	तर्णिष्यतः	तर्णिष्यन्ति	प्र०
	तर्णिष्यसि	तर्णिष्यथः	तर्णिष्यथ	म०
	तर्णिष्यामि	तर्णिष्यावः	तर्णिष्यामः	उ०
(आ०)	तर्णिष्यते	तर्णिष्येते	तर्णिष्यन्ते	प्र०
	तर्णिष्यसे	तर्णिष्येथे	तर्णिष्यध्वे	म०
	तर्णिष्ये	तर्णिष्यावहे	तर्णिष्यामहे	उ०
लोट् (उ०)	तृणोतु-तृणुतात्	तृणुताम्	तृण्वन्तु	प्र०
	तृणु- तृणुतात्	तृणुतम्	तृणुत	म०
	तृणवानि	तृणवाव	तृणवाम	उ०
(पक्षे)	तर्णोतु-तर्णुतात्	तर्णुताम्	तर्णुवन्तु	प्र०
	तर्णुहि- तर्णुतात्	तर्णुतम्	तर्णुत	म०
	तर्णवानि	तर्णवाव	तर्णवाम्	उ०
(आ०)	तृणुताम्	तृणवाताम्	तृणवताम्	प्र०
	तृणुष्व	तृणवाथाम्	तृणुध्वम्	म०
	तृणवै	तृणवावहै	तृणवामहै	उ०
(पक्षे)	तर्णुताम्	तर्णुवाताम्	तर्णुवताम्	प्र०
	तर्णुष्व	तर्णुवाथाम्	तर्णुध्वम्	म०
	तर्णवै	तर्णवावहै	तर्णवामहै	उ०
लङ् (उ०)	अतृणोत्	अतृणुताम्	अतृणवन्	प्र०
	अतृणोः	अतृणुतम्	अतृणुत	म०
	अतृणवम्	अतृणुव-अतृणव	अतृणुम-अतृणम	उ०

(पक्षे)	अतर्णोत्	अतर्णुताम्	अतर्णुवन्	प्र०
	अतर्णोः	अतर्णुतम्	अतर्णुत	म०
	अतर्णुवम्	अतर्णुव	अतर्णुम्	उ०
(आ०)	अतर्णुत	अतर्णुवाताम्	अतर्णुवत्	प्र०
	अतर्णुथाः	अतर्णुवाथाम्	अतर्णुध्वम्	म०
	अतर्ण्वि	अतर्ण्वहि-	अतर्णुमहि-	उ०
		अतर्णुवहि	अतर्णुमहि	
विधि-लिङ्	तर्णुयात्	तर्णुयाताम्	तर्णुयुः	प्र०
(उ०)	तर्णुयाः	तर्णुयातम्	तर्णुयात	म०
	तर्णुयाम्	तर्णुयाव	तर्णुयाम	उ०
(पक्षे)	तर्णुयात्	तर्णुयाताम्	तर्णुयुः	प्र०
	तर्णुयाः	तर्णुयातम्	तर्णुयात	म०
	तर्णुयाम्	तर्णुयाव	तर्णुयाम	उ०
(आ०)	तर्ण्वीत	तर्ण्वीयाताम्	तर्ण्वीरन्	प्र०
	तर्ण्वीथाः	तर्ण्वीयाथाम्	तर्ण्वीध्वम्	म०
	तर्ण्वीय	तर्ण्वीवहि	तर्ण्वीमहि	उ०
(पक्षे)	तर्ण्वीत	तर्ण्वीयाताम्	तर्ण्वीरन्	प्र०
	तर्ण्वीयाः	तर्ण्वीयाथाम्	तर्ण्वीध्वम्	म०
	तर्ण्वीय	तर्ण्वीवहि	तर्ण्वीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	तर्ण्यात्	तर्ण्यास्ताम्	तर्ण्यासुः	प्र०
(उ०)	तर्ण्याः	तर्ण्यास्तम्	तर्ण्यास्त	म०
	तर्ण्यासम्	तर्ण्यास्व	तर्ण्यास्म	उ०
(आ०)	तर्णिषीष्ट	तर्णिषीयास्ताम्	तर्णिषीरन्	प्र०
	तर्णिषीष्टाः	तर्णिषीयास्थाम्	तर्णिषीध्वम्	म०
	तर्णिषीय	तर्णिषीवहि	तर्णिषीमहि	उ०
लुङ् (उ०)	अतर्णीत्	अतर्णिष्टाम्	अतर्णिषुः	प्र०
	अतर्णीः	अतर्णिष्टम्	अतर्णिष्ट	म०
	अतर्णिषम्	अतर्णिष्व	अतर्णिष्व	उ०
(आ०)	अतर्णिष्ट-अतृत	अतर्णिषाताम्	अतर्णिषत	प्र०
	अतर्णिष्टाः- अतृथाः	अतर्णिषाथाम्	अतर्णिद्वम्	म०
	अतर्णिषि	अतर्णिष्वहि	अतर्णिष्वहि	उ०

लृङ् (उ०)	अतर्णिष्यत्	अतर्णिष्याताम्	अतर्णिष्यन्	प्र०
	अतर्णिष्यः	अतर्णिष्याथाम्	अतर्णिष्यत	म०
	अतर्णिष्यम्	अतर्णिष्याव	अतर्णिष्याम	उ०
(आ०)	अतर्णिष्यत	अतर्णिष्येताम्	अतर्णिष्यन्त	प्र०
	अतर्णिष्यथाः	अतर्णिष्येथाम्	अतर्णिष्यध्वम्	म०
	अतर्णिष्ये	अतर्णिष्यावहि	अतर्णिष्यामहि	उ०

1469. घृणु दीपौ - पूर्ववत्।

1470. वनु याचने - द्विक०(से०)आ०

लट् (आ०)	वनुते	वन्वाते	वन्वते	प्र०
	वनुषे	वन्वाथे	वनुध्वे	म०
	वनवे	वन्वहे-वनुवहे	वन्महे-वनुमहे	उ०
लिट् (आ०)	ववने	ववनाते	ववनिरे	प्र०
	ववनिषे	ववनाथे	ववनिध्वे	म०
	ववने	ववनिवहे	ववनिमहे	उ०
लुट् (आ०)	वनिता	वनितारौ	वनितारः	प्र०
	वनितासि	वनितास्थः	वनितास्थ	म०
	वनितास्मि	वनितास्वः	वनितास्मः	उ०
लृट् (आ०)	वनिष्यते	वनिष्येते	वनिष्यन्ते	प्र०
	वनिष्यसे	वनिष्येथे	वनिष्यध्वे	म०
	वनिष्ये	वनिष्यावहे	वनिष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	वनुताम्	वन्वाताम्	वन्वताम्	प्र०
	वनुष्व	वन्वाथाम्	वनुध्वम्	म०
	वनवै	वनवावहै	वनवामहै	उ०
लङ् (आ०)	अवनुत	अवन्वाताम्	अवन्वत	प्र०
	अवनुथाः	अवन्वाथाम्	अवनुध्वम्	म०
	अवन्वि	अवन्वहि-	अवन्महि-	उ०
		अवनुवहि	अवनुमहि	
विधि-लिट्	वन्वीत	वन्वीयाताम्	वन्वीरन्	प्र०
(आ०)	वन्वीथाः	वन्वीयाथाम्	वन्वीध्वम्	म०
	वन्वीय	वन्वीवहि	वन्वीमहि	उ०

आशिष्-लिङ्	वनिषीष्ट	वनिषीयास्ताम्	वनिषीरन्	प्र०
(आ०)	वनिषीष्ठाः	वनिषीयास्थाम्	वनिषीध्वम्	म०
	वनिषीय	वनिषीवहि	वनिषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अवनिष्ट-अवत	अवनिषाताम्	अवनिषत	प्र०
	अवनिष्ठाः-अवथाः	अवनिषाथाम्	अवनिद्वम्	म०
	अवनिषि	अवनिष्वहि	अवनिष्महि	उ०
लृङ् (आ०)	अवनिष्यत	अवनिष्येताम्	अवनिष्यन्त	प्र०
	अवनिष्यथाः	अवनिष्येथाम्	अवनिष्यध्वम्	म०
	अवनिष्ये	अवनिष्यावहि	अवनिष्यामहि	उ०

1471. मनु अवबोधने - सक०(सेट)आत्म०

लट् (प०)	मनुते	मन्वाते	मन्वते	प्र०
	मनुषे	मन्वाथे	मनुध्वे	म०
	मन्वे	मन्वहे-मनुवहे	मन्महे-मनुमहे	उ०
लिट् (प०)	मेने	मेनाते	मेनिरे	प्र०
	मेनिषे	मेनाथे	मेनिध्वे	म०
	मेने	मेनिवहे	मेनिमहे	उ०
लुट् (प०)	मनिता	मनितारौ	मनितारः	प्र०
	मनितासे	मनितासाथे	मनिताध्वे	म०
	मनिताहे	मनितास्वहे	मनितास्महे	उ०
लृट् (प०)	मनिष्यते	मनिष्येते	मनिष्यन्ते	प्र०
	मनिष्यसे	मनिष्येथे	मनिष्यध्वे	म०
	मनिष्ये	मनिष्यावहे	मनिष्यामहे	उ०
लोट् (प०)	मनुताम्	मन्वाताम्	मन्वताम्	प्र०
	मनुष्व	मन्वाथाम्	मनुध्वम्	म०
	मनवै	मनवावहै	मनवामहै	उ०
लङ् (प०)	अमनुत	अमन्वाताम्	अमन्वत	प्र०
	अमनुथाः	अमन्वाथाम्	अमनुध्वम्	म०
	अमन्वि	अमन्वहि-	अमन्महि-	उ०
		अमनुवहि	अमनुमहि	

विधि-लिङ्	मन्वीत	मन्वीयाताम्	मन्वीरन्	प्र०
(प०)	मन्वीथाः	मन्वीयाथाम्	मन्वीध्वम्	म०
	मन्वीय	मन्वीवहि	मन्वीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	मनिषीष्ट	मनिषीयास्ताम्	मनिषीरन्	प्र०
(प०)	मनिषीष्ठाः	मनिषीयास्थाम्	मनिषीध्वम्	म०
	मनिषीय	मनिषीवहि	मनिषीमहि	उ०
लुङ् (प०)	अमनिष्ट-अमत	अमनिषाताम्	अमनिषत	प्र०
	अमनिष्ठाः-अमथाः	अमनिषाथाम्	अमनिध्वम्	म०
	अमनिषि	अमनिष्वहि	अमनिष्महि	उ०
लृङ् (प०)	अमनिष्यत	अमनिष्येताम्	अमनिष्यन्त	प्र०
	अमनिष्यथाः	अमनिष्येथाम्	अमनिष्यध्वम्	म०
	अमनिष्ये	अमनिष्यावहि	अमनिष्यामहि	उ०

1472. डुकृञ् करणे - सक०(से०)उभ०

लट् (प०)	करोति	कुरुतः	कुर्वन्ति	प्र०
	करोषि	कुरुथः	कुरुथ	म०
	करोमि	कुर्व	कुर्मः	उ०
(आ०)	कुरुते	कुर्वति	कुर्वते	प्र०
	कुरुषे	कुर्वाथे	कुरुध्वे	म०
	कुर्वे	कुर्वहे	कुर्महे	उ०
लिट् (प०)	चकार	चक्रतुः	चक्रुः	प्र०
	चकर्थ	चक्रथु	चक्र	म०
	चकार-चकर	चकृव	चकृम	उ०
(आ०)	चक्रे	चक्राते	चक्रिरे	प्र०
	चकृषे	चक्राथे	चकृध्वे	म०
	चक्रे	चकृवहे	चकृमहे	उ०
लुट् (प०)	कर्ता	कर्तारौ	कर्तारः	प्र०
	कर्तासि	कर्तास्थः	कर्तास्थ	म०
	कर्तास्मि	कर्तास्वः	कर्तास्मः	उ०
(आ०)	कर्ता	कर्तारौ	कर्तारः	प्र०
	कर्तासे	कर्तासाथे	कर्ताध्वे	म०
	कर्ताहे	कर्तास्वहे	कर्तास्महे	उ०

लृट् (प०)	करिष्यति	करिष्यतः	करिष्यन्ति	प्र०
	करिष्यसि	करिष्यथः	करिष्यथ	म०
	करिष्यामि	करिष्यावः	करिष्यामः	उ०
(आ०)	करिष्यते	करिष्येते	करिष्यन्ते	प्र०
	करिष्यसे	करिष्येथे	करिष्यध्वे	म०
	करिष्ये	करिष्यावहे	करिष्यामहे	उ०
लोट् (प०)	करोतु-कुरुतात्	कुरुताम्	कुर्वन्तु	प्र०
	कुरु-कुरुतात्	कुरुतम्	कुरुत	म०
	करवाणि	करवाव	करवाम	उ०
(आ०)	कुरुताम्	कुर्वाताम्	कुर्वताम्	प्र०
	कुरुष्व	कुर्वाथाम्	कुरुध्वम्	म०
	करवै	करवावहै	कुरुवामहै	उ०
लङ् (प०)	अकरोत्	अकुरुताम्	अकुर्वन्	प्र०
	अकरोः	अकुरुतम्	अकुरुत	म०
	अकरवम्	अकुर्व	अकुर्म	उ०
(आ०)	अकुरुत	अकुर्वाताम्	अकुर्वत	प्र०
	अकुरुथाः	अकुर्वाथाम्	अकुरुध्वम्	म०
	अकुर्वि	अकुर्वहि	अकुर्महि	उ०
विधि-लिङ्	कुर्यात्	कुर्याताम्	कुर्युः	प्र०
(प०)	कुर्याः	कुर्यातम्	कुर्यात	म०
	कुर्याम्	कुर्याव	कुर्याम	उ०
(आ०)	कुर्वीत	कुर्वीयाताम्	कुर्वीरन्	प्र०
	कुर्वीथाः	कुर्वीयाथाम्	कुर्वीध्वम्	म०
	कुर्वीय	कुर्वीवहि	कुर्वीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	क्रियात्	क्रियास्ताम्	क्रियासुः	प्र०
(प०)	क्रियाः	क्रियास्तम्	क्रियास्त	म०
	क्रियासम्	क्रियास्व	क्रियास्म	उ०
(आ०)	कृषीष्ट	कृषीयास्ताम्	कृषीरन्	प्र०
	कृषीष्ठाः	कृषीयास्थाम्	कृषीध्वम्	म०
	कृषीय	कृषीवहि	कृषीमहि	उ०

लृङ् (प०)	अकार्षीत्	अकार्षाम्	अकार्षुः	प्र०
	अकार्षीः	अकार्षम्	अकार्ष	म०
	अकार्षम्	अकार्ष्व	अकार्ष्व	उ०
(आ०)	अकृत	अकृषाताम्	अकृषत	प्र०
	अकृथाः	अकृषाथाम्	अकृद्वम्	म०
	अकृषि	अकृष्वहि	अकृष्वहि	उ०
लृङ् (प०)	अकरिष्यत्	अकरिष्यताम्	अकरिष्यन्	प्र०
	अकरिष्यः	अकरिष्यतम्	अकरिष्यत	म०
	अकरिष्यम्	अकरिष्याव	अकरिष्याम	उ०
(आ०)	अकरिष्यत	अकरिष्येताम्	अकरिष्यन्त	प्र०
	अकरिष्यथाः	अकरिष्येथाम्	अकरिष्यध्वम्	म०
	अकरिष्ये	अकरिष्यावहि	अकरिष्यामहि	उ०

इति ङिन्ते तनादिप्रकरणम्।

अथ क्रयादिप्रकरणम्

1473. वृकं द्रव्यविनिमये - सक०(अनि०)उभ०

लट् (पर०)	क्रीणाति	क्रीणीतः	क्रीणन्ति	प्र०
	क्रीणासि	क्रीणीथः	क्रीणीथ	म०
	क्रीणामि	क्रीणीवः	क्रीणीमः	उ०
(आ०)	क्रीणीते	क्रीणाते	क्रीणते	प्र०
	क्रीणीषे	क्रीणाथे	क्रीणीध्वे	म०
	क्रीणे	क्रीणीवहे	क्रीणीमहे	उ०
लिट् (प०)	चिक्राय	चिक्रियतुः	चिक्रियुः	प्र०
	चिक्रियथ-चिक्रेथ	चिक्रियथुः	चिक्रिय	म०
	चिक्राय-चिक्रय	चिक्रियिव	चिक्रियिम	उ०
(आ०)	चिक्रिये	चिक्रियाते	चिक्रियिरे	प्र०
	चिक्रियिषे	चिक्रियाथे	चिक्रियिध्वे	म०
	चिक्रिये	चिक्रियिवहे	चिक्रियिमहे	उ०
लुट् (प०)	क्रेता	क्रेतारौ	क्रेतारः	प्र०
	क्रेतासि	क्रेतास्थः	क्रेतास्थ	म०
	क्रेतास्मि	क्रेतास्वः	क्रेतास्मः	उ०

(आ०)	क्रेता	क्रेतारौ	क्रेतारः	प्र०
	क्रेतासे	क्रेतासाथे	क्रेताध्वे	म०
	क्रेताहे	क्रेतास्वहे	क्रेतास्महे	उ०
लृट् (प०)	क्रेष्यति	क्रेष्यतः	क्रेष्यन्ति	प्र०
	क्रेष्यसि	क्रेष्यथः	क्रेष्यथ	म०
	क्रेष्यामि	क्रेष्यावः	क्रेष्यामः	उ०
(आ०)	क्रेष्यते	क्रेष्येते	क्रेष्यन्ते	प्र०
	क्रेष्यसे	क्रेष्येथे	क्रेष्यध्वे	म०
	क्रेष्ये	क्रेष्यावहे	क्रेष्यामहे	उ०
लोट् (प०)	क्रीणातु-क्रीणीतात्	क्रीणीताम्	क्रीणन्तु	प्र०
	क्रीणीहि-क्रीणीतात्	क्रीणीतम्	क्रीणीत	म०
	क्रीणानि	क्रीणाव	क्रीणाम	उ०
(आ०)	क्रीणीताम्	क्रीणाताम्	क्रीणताम्	प्र०
	क्रीणीष्व	क्रीणाथाम्	क्रीणीध्वम्	म०
	क्रीणै	क्रीणावहै	क्रीणामहै	उ०
लङ् (प०)	अक्रीणीत्	अक्रीणीताम्	अक्रीणन्	प्र०
	अक्रीणाः	अक्रीणीतम्	अक्रीणीत	म०
	अक्रीणाम्	अक्रीणीव	अक्रीणीम	उ०
(आ०)	अक्रीणीत	अक्रीणाताम्	अक्रीणत	प्र०
	अक्रीणीथाः	अक्रीणाथाम्	अक्रीणीध्वम्	म०
	अक्रीणि	अक्रीणीवहि	अक्रीणीमहि	उ०
विधि-लिङ्	क्रीणीयात्	क्रीणीयाताम्	क्रीणीयुः	प्र०
(प०)	क्रीणीयाः	क्रीणीयातम्	क्रीणीयात	म०
	क्रीणीयाम्	क्रीणीयाव	क्रीणीयाम	उ०
(आ०)	क्रीणीत	क्रीणीयाताम्	क्रीणीरन्	प्र०
	क्रीणीथाः	क्रीणीयाथाम्	क्रीणीध्वम्	म०
	क्रीणीय	क्रीणीवहि	क्रीणीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	क्रीयात्	क्रीयास्ताम्	क्रीयासुः	प्र०
(प०)	क्रीयाः	क्रीयास्तम्	क्रीयास्त	म०
	क्रीयासम्	क्रीयास्व	क्रीयास्म	उ०

(आ०)	क्रेषीष्ट	क्रेषीयास्ताम्	क्रेषीरन्	प्र०
	क्रेषीष्ठाः	क्रेषीयास्थाम्	क्रेषीध्वम्	म०
	क्रेषीय	क्रेषीवहि	क्रेषीमहि	उ०
लृङ् (प०)	अक्रैषीत्	अक्रैष्टाम्	अक्रैषुः	प्र०
	अक्रैषीः	अक्रैष्टम्	अक्रैष्ट	म०
	अक्रैषम्	अक्रैष्व	अक्रैष्व	उ०
(आ०)	अक्रेष्ट	अक्रेष्टाताम्	अक्रेष्टत	प्र०
	अक्रेष्ठाः	अक्रेष्टाथाम्	अक्रेष्टवम्	म०
	अक्रेषि	अक्रेष्वहि	अक्रेष्वमहि	उ०
लृङ् (प०)	अक्रेष्यत्	अक्रेष्यताम्	अक्रेष्यन्	प्र०
	अक्रेष्यः	अक्रेष्यतम्	अक्रेष्यत	म०
	अक्रेष्यम्	अक्रेष्याव	अक्रेष्याम	उ०
(आ०)	अक्रेष्यत	अक्रेष्येताम्	अक्रेष्यन्त	प्र०
	अक्रेष्यथाः	अक्रेष्येथाम्	अक्रेष्यध्वम्	म०
	अक्रेष्ये	अक्रेष्यावहि	अक्रेष्यामहि	उ०

1474. प्रीज् - तर्पणे कान्तौ च - उभ०

लट् (पर०)	प्रीणाति	प्रीणीतः	प्रीणन्ति	प्र०
	प्रीणासि	प्रीणीथः	प्रीणीथ	म०
	प्रीणामि	प्रीणीवः	प्रीणीमः	उ०
(आ०)	प्रीणीते	प्रीणाते	प्रीणते	प्र०
	प्रीणीषे	प्रीणाथे	प्रीणीध्वे	म०
	प्रीणे	प्रीणीवहे	प्रीणीमहे	उ०
लिट् (प०)	पिप्राय	पिप्रियतुः	पिप्रियुः	प्र०
	पिप्रियथ-पिप्रेथ	पिप्रियथुः	पिप्रिय	म०
	पिप्राय-पिप्रय	पिप्रियिव	पिप्रियिम	उ०
(आ०)	पिप्रिये	पिप्रियाते	पिप्रियिरे	प्र०
	पिप्रियिषे	पिप्रियाथे	पिप्रियिध्वे	म०
	पिप्रिये	पिप्रियिवहे	पिप्रियिमहे	उ०
लुट् (प०)	प्रेता	प्रेतारौ	प्रेतारः	प्र०
	प्रेतासि	प्रेतास्थः	प्रेतास्थ	म०
	प्रेतास्मि	प्रेतास्वः	प्रेतास्मः	उ०

(आ०)	प्रेता	प्रेतारौ	प्रेतारः	प्र०
	प्रेतासे	प्रेतासाथे	प्रेताध्वे	म०
	प्रेताहे	प्रेतास्वहे	प्रेतास्महे	उ०
लृट् (प०)	प्रेष्यति	प्रेष्यतः	प्रेष्यन्ति	प्र०
	प्रेष्यसि	प्रेष्यथः	प्रेष्यथ	म०
	प्रेष्यामि	प्रेष्यावः	प्रेष्यामः	उ०
(आ०)	प्रेष्यते	प्रेष्येते	प्रेष्यन्ते	प्र०
	प्रेष्यसे	प्रेष्येथे	प्रेष्यध्वे	म०
	प्रेष्ये	प्रेष्यावहे	प्रेष्यामहे	उ०
लोट् (प०)	प्रीणातु-प्रीणीतात्	प्रीणीताम्	प्रीणन्तु	प्र०
	प्रीणीहि-प्रीणीतात्	प्रीणीतम्	प्रीणीत	म०
	प्रीणानि	प्रीणाव	प्रीणाम	उ०
(आ०)	प्रीणीताम्	प्रीणाताम्	प्रीणताम्	प्र०
	प्रीणीष्व	प्रीणाथाम्	प्रीणीध्वम्	म०
	प्रीणै	प्रीणावहै	प्रीणामहै	उ०
लङ् (प०)	अप्रीणात्	अप्रीणीताम्	अप्रीणन्	प्र०
	अप्रीणाः	अप्रीणीतम्	अप्रीणीत	म०
	अप्रीणाम्	अप्रीणीव	अप्रीणीम	उ०
(आ०)	अप्रीणीत	अप्रीणाताम्	अप्रीणत	प्र०
	अप्रीणीथाः	अप्रीणाथाम्	अप्रीणीध्वम्	म०
	अप्रीणि	अप्रीणीवहि	अप्रीणीमहि	उ०
विधि-लिङ्	प्रीणीयात्	प्रीणीयाताम्	प्रीणीयुः	प्र०
(प०)	प्रीणीयाः	प्रीणीयातम्	प्रीणीयात	म०
	प्रीणीयाम्	प्रीणीयाव	प्रीणीयाम	उ०
(आ०)	प्रीणीत	प्रीणीयाताम्	प्रीणीरन्	प्र०
	प्रीणीथाः	प्रीणीयाथाम्	प्रीणीध्वम्	म०
	प्रीणीय	प्रीणीवहि	प्रीणीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	प्रीयात्	प्रीयास्ताम्	प्रीयासुः	प्र०
(प०)	प्रीयाः	प्रीयास्तम्	प्रीयास्त	म०
	प्रीयासम्	प्रीयास्व	प्रीयास्म	उ०

(आ०)	प्रेषीष्ट	प्रेषीयास्ताम्	प्रेषीरन्	प्र०
	प्रेषीष्ठाः	प्रेषीयास्ताम्	प्रेषीद्वम्	म०
	प्रेषीय	प्रेषीवहि	प्रेषीमहि	उ०
लुङ् (प०)	अप्रेषीत्	अप्रेषाम्	अप्रेषुः	प्र०
	अप्रेषीः	अप्रेषम्	अप्रेष	म०
	अप्रेषम्	अप्रेष्व	अप्रेष्व	उ०
(आ०)	अप्रेष्ट	अप्रेषाताम्	अप्रेषत	प्र०
	अप्रेष्ठाः	अप्रेषाताम्	अप्रेद्वम्	म०
	अप्रेषि	अप्रेष्वहि	अप्रेष्वहि	उ०
लृङ् (प०)	अप्रेष्यत्	अप्रेष्यताम्	अप्रेष्यन्	प्र०
	अप्रेष्यः	अप्रेष्यतम्	अप्रेष्यत	म०
	अप्रेष्यम्	अप्रेष्याव	अप्रेष्याम	उ०
(आ०)	अप्रेष्यत	अप्रेष्येताम्	अप्रेष्यन्त	प्र०
	अप्रेष्यथाः	अप्रेष्येताम्	अप्रेष्यध्वम्	म०
	अप्रेष्ये	अप्रेष्यावहि	अप्रेष्यामहि	उ०

1475. श्रीञ् पाके - सक०, उभ०

लट् (पर०)	श्रीणाति	श्रीणीतः	श्रीणन्ति	प्र०
	श्रीणासि	श्रीणीथः	श्रीणीथ	म०
	श्रीणामि	श्रीणीवः	श्रीणीमः	उ०
(आ०)	श्रीणीते	श्रीणाते	श्रीणते	प्र०
	श्रीणीषे	श्रीणाथे	श्रीणीध्वे	म०
	श्रीणे	श्रीणीवहे	श्रीणीमहे	उ०
लिट् (प०)	शिश्राय	शिश्रियतुः	शिश्रियुः	प्र०
	शिश्रियथ-शिश्रेथ	शिश्रियथुः	शिश्रिय	म०
	शिश्राय-शिश्रय	शिश्रियिव	शिश्रियिम	उ०
(आ०)	शिश्रिये	शिश्रियाते	शिश्रियिरे	प्र०
	शिश्रियिषे	शिश्रियाथे	शिश्रियिद्वे-ध्वे	म०
	शिश्रिये	शिश्रियिवहे	शिश्रियिमहे	उ०
लुट् (प०)	श्रेता	श्रेतारौ	श्रेतारः	प्र०
	श्रेतासि	श्रेतास्थः	श्रेतास्थ	म०
	श्रेतास्मि	श्रेतास्वः	श्रेतास्मः	उ०

(आ०)	श्रेता	श्रेतारौ	श्रेतारः	प्र०
	श्रेतासे	श्रेतासाथे	श्रेताध्वे	म०
	श्रेताहे	श्रेतास्वहे	श्रेतास्महे	उ०
लृट् (प०)	श्रेष्यति	श्रेष्यतः	श्रेष्यन्ति	प्र०
	श्रेष्यसि	श्रेष्यथः	श्रेष्यथ	म०
	श्रेष्यामि	श्रेष्यावः	श्रेष्यामः	उ०
(आ०)	श्रेष्यते	श्रेष्येते	श्रेष्यन्ते	प्र०
	श्रेष्यसे	श्रेष्येथे	श्रेष्यध्वे	म०
	श्रेष्ये	श्रेष्यावहे	श्रेष्यामहे	उ०
लोट् (प०)	श्रीणातु-श्रीणीतात्	श्रीणीताम्	श्रीणन्तु	प्र०
	श्रीणीहि-श्रीणीतात्	श्रीणीतम्	श्रीणीत	म०
	श्रीणानि	श्रीणाव	श्रीणाम	उ०
(आ०)	श्रीणीताम्	श्रीणाताम्	श्रीणताम्	प्र०
	श्रीणीष्व	श्रीणाथाम्	श्रीणध्वम्	म०
	श्रीणै	श्रीणावहै	श्रीणामहै	उ०
लङ् (प०)	अश्रीणीत्	अश्रीणीताम्	अश्रीणन्	प्र०
	अश्रीणाः	अश्रीणीतम्	अश्रीणीत	म०
	अश्रीणाम्	अश्रीणीव	अश्रीणीम	उ०
(आ०)	अश्रीणीत	अश्रीणाताम्	अश्रीणत	प्र०
	अश्रीणीथाः	अश्रीणाथाम्	अश्रीणीध्वम्	म०
	अश्रीणि	अश्रीणीवहि	अश्रीणीमहि	उ०
विधि-लिङ्	श्रीणीयात्	श्रीणीयाताम्	श्रीणीयुः	प्र०
(प०)	श्रीणीयाः	श्रीणीयातम्	श्रीणीयात	म०
	श्रीणीयाम्	श्रीणीयाव	श्रीणीयाम	उ०
(आ०)	श्रीणीत	श्रीणीयाताम्	श्रीणीरन्	प्र०
	श्रीणीथाः	श्रीणीयाथाम्	श्रीणीध्वम्	म०
	श्रीणीय	श्रीणीवहि	श्रीणीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	श्रीयात्	श्रीयास्ताम्	श्रीयासुः	प्र०
(प०)	श्रीयाः	श्रीयास्तम्	श्रीयास्त	म०
	श्रीयासम्	श्रीयास्व	श्रीयास्म	उ०

(आ०)	श्रेषीष्ट	श्रेषीयास्ताम्	श्रेषीरन्	प्र०
	श्रेषीष्टाः	श्रेषीयास्थाम्	श्रेषीध्वम्	म०
	श्रेषीय	श्रेषीवहि	श्रेषीमहि	उ०
लुङ् (प०)	अश्रेषीत्	अश्रेष्टाम्	अश्रेषुः	प्र०
	अश्रेषीः	अश्रेष्टम्	अश्रेष्ट	म०
	अश्रेषम्	अश्रेष्ठ	अश्रेष्ठम्	उ०
(आ०)	अश्रेष्ट	अश्रेषाताम्	अश्रेषत	प्र०
	अश्रेष्टाः	अश्रेषाथाम्	अश्रेद्वम्	म०
	अश्रेषि	अश्रेष्ठहि	अश्रेष्ठमहि	उ०
लृङ् (प०)	अश्रेष्यत्	अश्रेष्यताम्	अश्रेष्यन्	प्र०
	अश्रेष्यः	अश्रेष्यतम्	अश्रेष्यत	म०
	अश्रेष्यम्	अश्रेष्याव	अश्रेष्याम	उ०
(आ०)	अश्रेष्यत	अश्रेष्येताम्	अश्रेष्यन्त	प्र०
	अश्रेष्यथाः	अश्रेष्येथाम्	अश्रेष्यध्वम्	म०
	अश्रेष्ये	अश्रेष्यावहि	अश्रेष्यामहि	उ०

1476. मिञ् हिंसायाम् - सक०, उभयपदी

लट् (पर०)	मीनाति	मीनीतः	मीनन्ति	प्र०
	मीनासि	मीनीथः	मीनीथ	म०
	मीनामि	मीनीवः	मीनीमः	उ०
(आ०)	मीनीते	मीनाते	मीनते	प्र०
	मीनीषे	मीनाथे	मीनीध्वे	म०
	मीने	मीनीवहे	मीनीमहे	उ०
लिट् (प०)	ममौ	मिम्यतुः	मिम्युः	प्र०
	ममिथ-ममाथ	मिम्यथुः	मिम्य	म०
	ममौ	मिम्यिव	मिम्यिम	उ०
(आ०)	मिम्ये	मिम्याते	मिम्यिरे	प्र०
	मिम्यिषे	मिम्याथे	मिम्यिद्वे-ध्वे	म०
	मिम्ये	मिम्यिवहे	मिम्यिमहे	उ०
लुट् (प०)	माता	मातारौ	मातारः	प्र०
	मातासि	मातास्थः	मातास्थ	म०
	मातास्मि	मातास्वः	मातास्मः	उ०

(आ०)	माता	मातारौ	मातारः	प्र०
	मातासे	मातासाथे	माताध्वे	म०
	माताहे	मातास्वहे	मातास्महे	उ०
लृट् (प०)	मास्यति	मास्यतः	मास्यन्ति	प्र०
	मास्यसि	मास्यथः	मास्यथ	म०
	मास्यामि	मास्यावः	मास्यामः	उ०
(आ०)	मास्यते	मास्येते	मास्यन्ते	प्र०
	मास्यसे	मास्येथे	मास्यध्वे	म०
	मास्ये	मास्यावहे	मास्यामहे	उ०
लोट् (प०)	मीनातु-मीनीतात्	मीनीताम्	मीनन्तु	प्र०
	मीनीहि-मीनीतात्	मीनीतम्	मीनीत	म०
	मीनानि	मीनाव	मीनाम	उ०
(आ०)	मीनीताम्	मीनाताम्	मीनताम्	प्र०
	मीनीष्व	मीनाथाम्	मीनीध्वम्	म०
	मीनै	मीनावहै	मीनामहै	उ०
लङ् (प०)	अमीनात्	अमीनीताम्	अमीनन्	प्र०
	अमीनाः	अमीनीतम्	अमीनीत	म०
	अमीनाम्	अमीनीव	अमीनीम	उ०
(आ०)	अमीनीत	अमीनाताम्	अमीनत	प्र०
	अमीनीथाः	अमीनाथाम्	अमीनीध्वम्	म०
	अमीनि	अमीनीवहि	अमीनीमहि	उ०
विधि-लिङ्	मीनीयात्	मीनीयाताम्	मीनीयुः	प्र०
(प०)	मीनीयाः	मीनीयातम्	मीनीयात	म०
	मीनीयाम्	मीनीयाव	मीनीयाम	उ०
(आ०)	मीनीत	मीनीयाताम्	मीनीरन्	प्र०
	मीनीथाः	मीनीयाथाम्	मीनीध्वम्	म०
	मीनीय	मीनीवहि	मीनीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	मीयात्	मीयास्ताम्	मीयासुः	प्र०
(प०)	मीयाः	मीयास्तम्	मीयास्त	म०
	मीयासम्	मीयास्व	मीयास्म	उ०

(आ०)	मासीष्ट	मासीयास्ताम्	मासीरन्	प्र०
	मासीष्ठाः	मासीयास्थाम्	मासीध्वम्	म०
	मासीय	मासीवहि	मासीमहि	उ०
लुङ् (प०)	अमासीत्	अमासिष्टाम्	अमासिषुः	प्र०
	अमासीः	अमासिष्टम्	अमासिष्ट	म०
	अमासिषम्	अमासिष्व	अमासिष्व	उ०
(आ०)	अमास्त	अमासाताम्	अमासत	प्र०
	अमास्थाः	अमासाथाम्	अमाध्वम्	म०
	अमासि	अमास्वहि	अमास्महि	उ०
लृङ् (प०)	अमास्यत्	अमास्यताम्	अमास्यन्	प्र०
	अमास्यः	अमास्यतम्	अमास्यत	म०
	अमास्यम्	अमास्याव	अमास्याम	उ०
(आ०)	अमास्यत	अमास्येताम्	अमास्यन्त	प्र०
	अमास्यथाः	अमास्येथाम्	अमास्यध्वम्	म०
	अमास्ये	अमास्यावहि	अमास्यामहि	उ०

1477. षिञ् बन्धने - सक०, उभ०

लट् (पर०)	सीनाति	सीनीतः	सीनन्ति	प्र०
	सीनासि	सीनीथः	सीनीथ	म०
	सीनामि	सीनीवः	सीनीमः	उ०
(आ०)	सीनीते	सीनाते	सीनो	प्र०
	सीनीषे	सीनाथे	सीनीध्वे	म०
	सीने	सीनीवहे	सीनीमहे	उ०
लिट् (पर०)	सिषाय	सिष्यतुः	सिष्युः	प्र०
	सिषयिथ-सिषेथ	सिष्यथुः	सिष्य	म०
	सिषाय-सिषय	सिष्यिव	सिष्यिम	उ०
(आ०)	सिष्ये	सिष्याते	सिष्यिरे	प्र०
	सिष्यिषे	सिष्यिथे	सिष्यिद्वे-ध्वे	म०
	सिष्ये	सिष्यिवहे	सिष्यिमहे	उ०
लुट् (पर०)	सेता	सेतारौ	सेतारः	प्र०
	सेतासि	सेतास्थः	सेतास्थ	म०
	सेतास्मि	सेतास्वः	सेतास्मः	उ०

(आ०)	सेता	सेतारौ	सेतारः	प्र०
	सेतासे	सेतासाथे	सेताध्वे	म०
	सेताहे	सेतास्वहे	सेतास्महे	उ०
लृट् (पर०)	सेस्यति	सेस्यतः	सेष्यन्ति	प्र०
	सेस्यसि	सेस्यथः	सेष्यथ	म०
	सेस्यामि	सेस्यावः	सेष्यामः	उ०
(आ०)	सेस्यते	सेस्येते	सेष्यन्ते	प्र०
	सेस्यसे	सेस्येथे	सेष्यध्वे	म०
	सेस्ये	सेस्यावहे	सेष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	सिनातु-सिनीतात्	सिनीताम्	सिनन्तु	प्र०
	सिनीहि	सिनीतम्	सिनीत	म०
	सिनानि	सिनाव	सिनाम	उ०
(आ०)	सिनीताम्	सिनाताम्	सिनताम्	प्र०
	सिनीष्व	सिनाथाम्	सिनीध्वम्	म०
	सिनै	सिनावहै	सिनामहै	उ०
लङ् (पर०)	असिनात्	असिनीताम्	असिनन्	प्र०
	असिनाः	असिनीतम्	असिनीत	म०
	असिनाम्	असिनीव	असिनीम	उ०
(आ०)	असिनीत	असिनाताम्	असिनत	प्र०
	असिनीथाः	असिनाथाम्	असिनीध्वम्	म०
	असिनि	असिनीवहि	असिनीमहि	उ०
विधि-लिङ्	सिनीयात्	सिनीयाताम्	सिनीयुः	प्र०
(पर०)	सिनीयाः	सिनीयातम्	सिनीयात	म०
	सिनीयाम्	सिनीयाव	सिनीयाम	उ०
(आ०)	सिनीत	सिनीयाताम्	सिनीरन्	प्र०
	सिनीथाः	सिनीयाथाम्	सिनीध्वम्	म०
	सिनीय	सिनीवहि	सिनीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	सीयात्	सीयास्ताम्	सीयासुः	प्र०
(पर०)	सीयाः	सीयास्तम्	सीयास्त	म०
	सीयासम्	सीयास्व	सीयास्म	उ०

(आ०)	सेषीष्ट	सेषीयास्ताम्	सेषीरन्	प्र०
	सेषीष्ठाः	सेषीयास्थाम्	सेषीध्वम्	म०
	सेषीय	सेषीवहि	सेषीमहि	उ०
लृङ् (पर०)	असैषीत्	असैष्याम्	असैषुः	प्र०
	असैषीः	असैष्यम्	असैष्य	म०
	असैषम्	असैष्व	असैष्व	उ०
(आ०)	असेष्ट	असेषाताम्	असेषत	प्र०
	असेष्ठाः	असेषाथाम्	असेद्वम्	म०
	असेषि	असेष्वहि	असेष्वहि	उ०
लृङ् (पर०)	असेष्यत्	असेष्यताम्	असेष्यन्	प्र०
	असेष्यः	असेष्यतम्	असेष्यत	म०
	असेष्यम्	असेष्याव	असेष्याम	उ०
(आ०)	असेष्यत	असेष्येताम्	असेष्यन्त	प्र०
	असेष्यथाः	असेष्येथाम्	असेष्यध्वम्	म०
	असेष्ये	असेष्यावहि	असेष्यामहि	उ०

1478. स्कुङ् आप्लवने - उभय०

लट् (उ०)	स्कुनोति	स्कुनुतः	स्कुन्वन्ति	प्र०
	स्कुनोषि	स्कुनुथः	स्कुनुथ	म०
	स्कुनोमि	स्कुन्वः-स्कुनुवः	स्कुन्मः-स्कुनुमः	उ०
(पक्षे)	स्कुनाति	स्कुनीतः	स्कुनन्ति	प्र०
	स्कुनासि	स्कुनीथः	स्कुनीथ	म०
	स्कुनामि	स्कुनीवः	स्कुनीमः	उ०
(आ०)	स्कुनुते	स्कुन्वाते	स्कुन्वते	प्र०
	स्कुनुषे	स्कुन्वाथे	स्कुनुध्वे	म०
	स्कुन्वे	स्कुन्वहे-स्कुनुवहे	स्कुन्महे-स्कुनुमहे	उ०
(पक्षे)	स्कुनीते	स्कुनाते	स्कुनते	प्र०
	स्कुनीषे	स्कुनाथे	स्कुनीध्वे	म०
	स्कुने	स्कुनीवहे	स्कुनीमहे	उ०
लिट् (उ०)	चुस्काव	चुस्कुवतुः	चुस्कुवुः	प्र०
	चुस्कविथ-चुस्कोथ	चुस्कुवथुः	चुस्कुव	म०
	चुस्काव-चुस्कव	चुस्कुविव	चुस्कुविम	उ०

(आ०)	चुस्कृवे	चुस्कृवाते	चुस्कृविरे	प्र०
	चुस्कृविषे	चुस्कृवाथे	चुस्कृविद्वे-ध्वे	म०
	चुस्कृवे	चुस्कृविबहे	चुस्कृविमहे	उ०
लृट् (उ०)	स्कोता	स्कोतारौ	स्कोतारः इत्यादि	
(आ०)	स्कोता	स्कोतारौ	स्कोतारः इत्यादि	
लृट् (उ०)	स्कोष्यति	स्कोष्यतः	स्कोष्यन्ति इत्यादि	
(आ०)	स्कोष्यते	स्कोष्येते	स्कोष्यन्ते इत्यादि	
लोट् (उ०)	स्कुनोतु-स्कुनुतात्	स्कुनुताम्	स्कुन्वन्तु	प्र०
	स्कुनु-स्कुनुतात्	स्कुनुतम्	स्कुनुत	म०
	स्कुनवानि	स्कुनवाव	स्कुनवाम	उ०
(पक्षे)	स्कुनातु-स्कुनीतात्	स्कुनीताम्	स्कुनन्तु	प्र०
	स्कुनाहि-स्कुनीतात्	स्कुनीतम्	स्कुनीत	म०
	स्कुनानि	स्कुनाव	स्कुनाम	उ०
(आ०)	स्कुनुताम्	स्कुन्वाताम्	स्कुन्वताम्	प्र०
	स्कुनुष्व	स्कुन्वाथाम्	स्कुनुध्वम्	म०
	स्कुनवै	स्कुनवावहै	स्कुनवामहै	उ०
(पक्षे)	स्कुनीताम्	स्कुनाताम्	स्कुनताम्	प्र०
	स्कुनीष्व	स्कुनाथाम्	स्कुनीध्वम्	म०
	स्कुनै	स्कुनावहै	स्कुनामहै	उ०
लङ् (उ०)	अस्कृनोत्	अस्कृनुताम्	अस्कृन्वन्	प्र०
	अस्कृनोः	अस्कृनुतम्	अस्कृनुत	म०
	अस्कृनवम्	अस्कृन्व-अस्कृनुव	अस्कृन्म-अस्कृनुमउ०	
	अस्कृनाः	अस्कृनीतम्	अस्कृनीत	म०
	अस्कृनाम्	अस्कृनीव	अस्कृनीम	उ०
(आ०)	अस्कृनुत्	अस्कृन्वाताम्	अस्कृन्वत	प्र०
	अस्कृनुथाः	अस्कृन्वाथाम्	अस्कृनुध्वम्	म०
	अस्कृन्वि-	अस्कृनवहि	अस्कृन्महि-	उ०
	अस्कृन्वहि		अस्कृनुमहि	
(पक्षे)	अस्कृनीत	अस्कृनाताम्	अस्कृनत	प्र०
	अस्कृनीथाः	अस्कृनाथाम्	अस्कृनीध्वम्	म०
	अस्कृनि	अस्कृनीवहि	अस्कृनीमहि	उ०

विधि-लिङ्	स्कुनुयात्	स्कुनुयाताम्	स्कुनुयुः	प्र०
(उ०)	स्कुनुयाः	स्कुनुयातम्	स्कुनुयात	म०
	स्कुनुयाम्	स्कुनुयाव	स्कुनुयाम	उ०
(पक्षे)	स्कुनीयात्	स्कुनीयाताम्	स्कुनीयुः	प्र०
	स्कुनीयाः	स्कुनीयातम्	स्कुनीयात	म०
	स्कुनीयाम्	स्कुनीयाव	स्कुनीयाम	उ०
(आ०)	स्कुन्वीत	स्कुन्वीयाताम्	स्कुन्वीरन्	प्र०
	स्कुन्वीथाः	स्कुन्वीयाथाम्	स्कुन्वीध्वम्	म०
	स्कुन्वीय	स्कुन्वीवहि	स्कुन्वीमहि	उ०
(पक्षे)	स्कुनीत	स्कुनीयाताम्	स्कुनीरन्	प्र०
	स्कुनीथाः	स्कुनीयाथाम्	स्कुनीध्वम्	म०
	स्कुनीय	स्कुनीवहि	स्कुनीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	स्कूयात्	स्कूयास्ताम्	स्कूयासुः	प्र०
(उ०)	स्कूयाः	स्कूयास्तम्	स्कूयास्त	म०
	स्कूयासम्	स्कूयास्व	स्कूयास्म	उ०
(आ०)	स्कोषीष्ट	स्कोषीयास्ताम्	स्कोषीरन्	प्र०
	स्कोषीष्टाः	स्कोषीयास्थाम्	स्कोषीद्वम्	म०
	स्कोषीय	स्कोषीवहि	स्कोषीमहि	उ०
लुङ् (उ०)	अस्कोषीत्	अस्कोष्टाम्	अस्कोषुः	प्र०
	अस्कोषीः	अस्कोष्टम्	अस्कोष्ट	म०
	अस्कोषम्	अस्कोष्व	अस्कोष्म	उ०
(आ०)	अस्कोष्ट	अस्कोषाताम्	अस्कोषत	प्र०
	अस्कोष्टाः	अस्कोषाथाम्	अस्कोद्वम्	म०
	अस्कोषि	अस्कोष्वहि	अस्कोष्महि	उ०
लृङ् (उ०)	अस्कोष्यत	अस्कोष्यताम्	अस्कोष्यन् इत्यादि	
(आ०)	अस्कोष्यत	अस्कोष्येताम्	अस्कोष्यन्त इत्यादि	

1479. युज् बन्धने - सक०(अनि०)उ०

लट् (पर०)	युनाति	युनीतः	युनन्ति	प्र०
	युनासि	युनीथः	युनीथ	म०
	युनामि	युनीवः	युनीमः	उ०

(आ०)	युनीते	युनाते	युनते	प्र०
	युनीषे	युनाथे	युनीध्वे	म०
	युने	युनीवहे	युनीमहे	उ०
लिट् (पर०)	युयाव	युयुवतुः	युयुवुः	प्र०
	युयुविथ-युवोथ	युयुवथुः	युयुव	म०
	युयाव-युयुव	युयुविव	युयुविम	उ०
(आ०)	युयुवे	युयुवाते	युयुविरे	प्र०
	युयुविषे	युयुवाथे	युयुविद्ध्वे-ध्वे	म०
	युयुवे	युयुविवहे	युयुविमहे	उ०
लृट् (पर०)	योता	योतारौ	योतारः इत्यादि	
(आ०)	योता	योतारौ	योतारः इत्यादि	
लृट् (पर०)	योष्यति	योष्यतः	योष्यन्ति इत्यादि	
(आ०)	योष्यते	योष्येते	योष्यन्ते इत्यादि	
लोट् (पर०)	युनातु-युनीतात्	युनीताम्	युनन्तु	प्र०
	युनीहि	युनीतम्	युनीत	म०
	युनानि	युनाव	युनाम	उ०
(आ०)	युनीताम्	युनाताम्	युनताम्	प्र०
	युनीष्व	युनाथाम्	युनीध्वम्	म०
	युनै	युनावहै	युनामहै	उ०
लङ् (पर०)	अयुनात्	अयुनीताम्	अयुनन्	प्र०
	अयुनाः	अयुनीतम्	अयुनीत	म०
	अयुनाम्	अयुनीव	अयुनीम	उ०
(आ०)	अयुनीत	अयुनाताम्	अयुनत	प्र०
	अयुनीथाः	अयुनाथाम्	अयुनीध्वम्	म०
	अयुनि	अयुनीवहि	अयुनीमहि	उ०
विधि-लिट्	युनीयात्	युनीयाताम्	युनीयुः	प्र०
(पर०)	युनीयाः	युनीयातम्	युनीयात	म०
	युनीयाम्	युनीयाव	युनीयाम	उ०
(आ०)	युनीत	युनीयाताम्	युनीरन्	प्र०
	युनीथाः	युनीयाथाम्	युनीध्वम्	म०
	युनीय	युनीवहि	युनीमहि	उ०

आशिष्-लिङ्	यूयात्	यूयास्ताम्	यूयासुः	प्र०
(पर०)	यूयाः	यूयास्तम्	यूयास्त	म०
	यूयासम्	यूयास्व	यूयास्म	उ०
(आ०)	योषीष्ट	योषीयास्ताम्	योषीरन्	प्र०
	योषीष्ठाः	योषीयास्थाम्	योषीध्वम्	म०
	योषीय	योषीवहि	योषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अयौषीत्	अयौष्टाम्	अयौषुः	प्र०
	अयौषीः	अयौष्टम्	अयौष्ट	म०
	अयौषम्	अयौष्व	अयौष्म	उ०
(आ०)	अयोष्ट	अयोषाताम्	अयोषत	प्र०
	अयोष्ठाः	अयोषाथाम्	अयोद्वम्	म०
	अयोषि	अयोष्वहि	अयोष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अयोष्यत्	अयोष्यताम्	अयोष्यन्	प्र०
(आ०)	अयोष्यत	अयोष्यताम्	अयोष्यन्त	प्र०

1480. क्न् शब्दे - अक०(सेट्)उभ०

लट् (पर०)	क्नूनाति	क्नूनीतः	क्नूनन्ति	प्र०
	क्नूनासि	क्नूनीथः	क्नूनीथ	म०
	क्नूनामि	क्नूनीवः	क्नूनीमः	उ०
(आ०)	क्नूनीते	क्नूनाते	क्नूनते	प्र०
	क्नूनीषे	क्नूनाथे	क्नूनीध्वे	म०
	क्नूने	क्नूनीवहे	क्नूनीमहे	उ०
लिट् (पर०)	चुनकाव	चुन्कुवतुः	चुन्कुवुः	प्र०
	चुन्कविथ	चुन्कुवथुः	चुन्कुव	म०
	चुन्काव-चुन्कव	चुन्कुविव	चुन्कुविम	उ०
(आ०)	चुक्नुवे	चुक्नुवाते	चुक्नुविरे	प्र०
	चुक्नुविषे	चुक्नुवाथे	चुक्नुविद्वे-ध्वे	म०
	चुक्नुवे	चुक्नुविवहे	चुक्नुविमहे	उ०
लुट् (पर०)	क्नविता	क्नवितारौ	क्नवितारः इत्यादि	
(आ०)	क्नविता	क्नवितारौ	क्नवितारः इत्यादि	
लृट् (पर०)	क्नविष्यति	क्नविष्यतः	क्नविष्यन्ति इत्यादि	

(आ०)	क्नविष्यते	क्नविष्येते	क्नविष्यन्ते इत्यादि	
लोट् (पर०)	क्नूनातु-क्नूनीतात्	क्नूनीताम्	क्नूनन्तु	प्र०
	क्नूनीहि-क्नूनीतात्	क्नूनीतम्	क्नूनीत	म०
	क्नूनानि	क्नूनाव	क्नूनाम	उ०
(आ०)	क्नूनीताम्	क्नूनाताम्	क्नूनताम्	प्र०
	क्नूनीष्व	क्नूनाथाम्	क्नूनीध्वम्	म०
	क्नूनै	क्नूनावहै	क्नूनामहै	उ०
लङ् (पर०)	अक्नूनात्	अक्नूनीताम्	अक्नूनन्	प्र०
	अक्नूनाः	अक्नूनीतम्	अक्नूनीत	म०
	अक्नूनाम्	अक्नूनीव	अक्नूनीम	उ०
(आ०)	अक्नूनीत	अक्नूनाताम्	अक्नूनन्त	प्र०
	अक्नूनीथाः	अक्नूनाथाम्	अक्नूनीध्वम्	म०
	अक्नूनि	अक्नूनीवहि	अक्नूनीमहि	उ०
विधि-लिङ्	क्नूनीयात्	क्नूनीयाताम्	क्नूनीयुः	प्र०
(पर०)	क्नूनीयाः	क्नूनीयातम्	क्नूनीयात	म०
	क्नूनीयाम्	क्नूनीयाव	क्नूनीयाम	उ०
(आ०)	क्नूनीत	क्नूनीयाताम्	क्नूनीरन्	प्र०
	क्नूनीथाः	क्नूनीयाथाम्	क्नूनीध्वम्	म०
	क्नूनीय	क्नूनीवहि	क्नूनीमहि	उ०
आशिप्-लिङ्	क्नूयात्	क्नूयास्ताम्	क्नूयासुः	प्र०
(पर०)	क्नूयाः	क्नूयास्तम्	क्नूयास्त	म०
	क्नूयासम्	क्नूयास्व	क्नूयास्म	उ०
(आ०)	क्नविषीष्ट	क्नविषीयास्ताम्	क्नविषीरन्	प्र०
	क्नविषीष्ठाः	क्नविषीयास्थाम्	क्नविषीद्द्वं-ध्वं	म०
	क्नविषीय	क्नविषीवहि	क्नविषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अक्नवीत्	अक्नविष्टाम्	अक्नविषुः	प्र०
	अक्नवीः	अक्नविष्टम्	अक्नविष्ट	म०
	अक्नविषम्	अक्नविष्व	अक्नविष्म	उ०
(आ०)	अक्नविष्ट	अक्नविषाताम्	अक्नविषत	प्र०
	अक्नविष्ठाः	अक्नविषाथाम्	अक्नविद्द्वं-ध्वम्	म०
	अक्नविषि	अक्नविष्वहि	अक्नविष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अक्नविष्यत्	अक्नविष्यताम्	अक्नविष्यन् इत्यादि
(आ०)	अक्नविष्यत	अक्नविष्येताम्	अक्नविष्यन्त इत्यादि

1481. द्रूं हिंसायाम् - पूर्ववत्।

1482. पूं पवने - सक०(सेट)उभ०

लट् (पर०)	पुनाति	पुनीतः	पुनन्ति	प्र०
	पुनासि	पुनीथः	पुनीथ	म०
	पुनामि	पुनीवः	पुनीमः	उ०
(आ०)	पुनीते	पुनाते	पुनते	प्र०
	पुनीषे	पुनाथे	पुनीध्वे	म०
	पुने	पुनीवहे	पुनीमहे	उ०
लिट् (पर०)	पुपाव	पुपुवतुः	पुपुतुः	प्र०
	पुपुविथ	पुपुवथुः	पुपुव	म०
	पुपाव-पुपुव	पुपुविव	पुपुविम	उ०
(आ०)	पुपुवे	पुपुवाते	पुपुविरे	प्र०
	पुपुविषे	पुपुवाथे	पुपुविह्वे-ध्वे	म०
	पुपुवे	पुपुविवहे	पुपुविमहे	उ०
लुट् (पर०)	पविता	पवितारौ	पवितारः इत्यादि	
(आ०)	पविता	पवितारौ	पवितारः इत्यादि	
लृट् (पर०)	पविष्यति	पविष्यतः	पविष्यन्ति इत्यादि	
(आ०)	पविष्यते	पविष्येते	पविष्यन्ते इत्यादि	
लोट् (पर०)	पुनातु-पुनीतात्	पुनीताम्	पुनन्तु	प्र०
	पुनीहि-पुनीतात्	पुनीतम्	पुनीत	म०
	पुनानि	पुनाव	पुनाम	उ०
(आ०)	पुनीताम्	पुनाताम्	पुनताम्	प्र०
	पुनीष्व	पुनाथाम्	पुनीध्वम्	म०
	पुनै	पुनावहै	पुनामहै	उ०
लङ् (पर०)	अपुनात्	अपुनीताम्	अपुनन्	प्र०
	अपुनाः	अपुनीतम्	अपुनीत	म०
	अपुनाम्	अपुनीव	अपुनीम	उ०

(आ०)	अपुनीत	अपुनाताम्	अपुनत	प्र०
	अपुनीथाः	अपुनाथाम्	अपुनीध्वम्	म०
	अपुनि	अपुनीवहि	अपुनीमहि	उ०
विधि-लिङ्	पुनीयात्	पुनीयाताम्	पुनीयुः	प्र०
(पर०)	पुनीयाः	पुनीयातम्	पुनीयात	म०
	पुनीयाम्	पुनीयाव	पुनीयाम	उ०
(आ०)	पुनीत	पुनीयाताम्	पुनीरन्	प्र०
	पुनीथाः	पुनीयाथाम्	पुनीध्वम्	म०
	पुनीय	पुनीवहि	पुनीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	पूयात्	पूयास्ताम्	पूयासुः	प्र०
(पर०)	पूयाः	पूयास्तम्	पूयास्त	म०
	पूयासम्	पूयास्व	पूयास्म	उ०
(आ०)	पविषीष्ट	पविषीयास्ताम्	पविषीरन्	प्र०
	पविषीष्ठाः	पविषीयास्थाम्	पविषीध्वम्	म०
	पविषीय	पविषीवहि	पविषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अपावीत्	अपाविष्टाम्	अपाविषुः	प्र०
	अपावीः	अपाविष्टम्	अपाविष्ट	म०
	अपाविषम्	अपाविष्व	अपाविष्म	उ०
(आ०)	अपविष्ट	अपविषाताम्	अपविषत	प्र०
	अपविष्ठाः	अपविषाथाम्	अपविद्वां-ध्वं	म०
	अपविषि	अपविष्वहि	अपविष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अपविष्यत्	अपविष्यताम्	अपविष्यन् इत्यादि	

1483. लूं छेदने - सक०(सेट)उभ०

लट् (पर०)	लुनाति	लुनीतः	लुनन्ति	प्र०
	लुनासि	लुनीथः	लुनीथ	म०
	लुनामि	लुनीवः	लुनीमः	उ०
(आ०)	लुनीते	लुनाते	लुनते	प्र०
	लुनीषे	लुनाथे	लुनीध्वे	म०
	लुने	लुनीवहे	लुनीमहे	उ०

लिट् (पर०)	लुलाव	लुलुवतुः	लुलुवुः	प्र०
	लुलुविथ	लुलुवथुः	लुलुव	म०
	लुलाव-लुलुव	लुलुविव	लुलुविम	उ०
(आ०)	लुलुवे	लुलुवाते	लुलुविरे	प्र०
	लुलुविषे	लुलुवाथे	लुलुविद्भवे-ध्वे	म०
	लुलुवे	लुलुविवहे	लुलुविमहे	उ०
लृट् (पर०)	लविता	लवितारौ	लवितारः इत्यादि	
(आ०)	लविता	लवितारौ	लवितारः इत्यादि	
लृट् (पर०)	लविष्यति	लविष्यतः	लविष्यन्ति इत्यादि	
(आ०)	लविष्यते	लविष्येते	लविष्यन्ते इत्यादि	
लोट् (पर०)	लुनातु-लुनीतात्	लुनीताम्	लुनन्तु	प्र०
	लुनीहि-लुनीतात्	लुनीतम्	लुनीत	म०
	लुनानि	लुनाव	लुनाम	उ०
(आ०)	लुनीताम्	लुनाताम्	लुनताम्	प्र०
	लुनीष्व	लुनाथाम्	लुनीध्वम्	म०
	लुनै	लुनावहै	लुनामहै	उ०
लङ् (पर०)	अलुनात्	अलुनीताम्	अलुनन्	प्र०
	अलुनाः	अलुनीतम्	अलुनीत	म०
	अलुनाम्	अलुनीव	अलुनीम	उ०
(आ०)	अलुनीत	अलुनाताम्	अलुनत	प्र०
	अलुनीथाः	अलुनाथाम्	अलुनीध्वम्	म०
	अलुनि	अलुनीवहि	अलुनीमहि	उ०
विधि-लिङ्	लुनीयात्	लुनीयाताम्	लुनीयुः	प्र०
(पर०)	लुनीयाः	लुनीयातम्	लुनीयात	म०
	लुनीयाम्	लुनीयाव	लुनीयाम	उ०
(आ०)	लुनीत	लुनीयाताम्	लुनीरन्	प्र०
	लुनीथाः	लुनीयाथाम्	लुनीध्वम्	म०
	लुनीय	लुनीवहि	लुनीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	लूयात्	लूयास्ताम्	लूयासुः	प्र०
(पर०)	लूयाः	लूयास्तम्	लूयास्त	म०
	लूयासम्	लूयास्व	लूयास्म	उ०

(आ०)	लविषीष्ट	लविषीयास्ताम्	लविषीरन्	प्र०
	लविषीष्ठाः	लविषीयास्थाम्	लविषीध्वम्	म०
	लविषीय	लविषीवहि	लविषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अलावीत्	अलाविष्टाम्	अलाविषुः	प्र०
	अलावीः	अलाविष्टम्	अलाविष्ट	म०
	अलाविषम्	अलाविष्व	अलाविष्म	उ०
(आ०)	अलविष्ट	अलविषाताम्	अलविषत	प्र०
	अलविष्ठाः	अलविषाथाम्	अलविद्ध्वं-ध्वं	म०
	अलविषि	अलविष्वहि	अलविष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अलविष्यत्	अलविष्यताम्	अलविष्यन् इत्यादि	
(आ०)	अलविष्यत	अलविष्येताम्	अलविष्यन्त इत्यादि	

1484. स्तृञ् आच्छादने - सक०, उभ०

लट् (पर०)	स्तृणाति	स्तृणीतः	स्तृणन्ति	प्र०
	स्तृणासि	स्तृणीथः	स्तृणीथ	म०
	स्तृणामि	स्तृणीवः	स्तृणीमः	उ०
(आ०)	स्तृणीते	स्तृणाते	स्तृणते	प्र०
	स्तृणीषे	स्तृणाथे	स्तृणीध्वे	म०
	स्तृणे	स्तृणीवहे	स्तृणीमहे	उ०
लिट् (पर०)	तस्तार	तस्तरुः	तस्तरूः	प्र०
	तस्तरिथ	तस्तरथुः	तस्तर	म०
	तस्तार-तस्तर	तस्तरिव	तस्तरिम	उ०
(आ०)	तस्तरे	तस्तराते	तस्तरिरे	प्र०
	तस्तरिषे	तस्तराथे	तस्तरिद्ध्वे-ध्वे	म०
	तस्तरे	तस्तरिवहे	तस्तरिमहे	उ०
लृट् (पर०)	स्तरीता	स्तरीतारौ	स्तरीतारः इत्यादि	
(पक्षे)	स्तरिता	स्तरितारौ	स्तरितारः इत्यादि	
(आ०)	स्तरीतार-स्तरिता	इत्यादि		
लृट् (पर०)	स्तरीष्यति	स्तरीष्यतः	स्तरीष्यन्ति इत्यादि	
(पक्षे)	स्तरिष्यति	स्तरिष्यतः	स्तरिष्यन्ति इत्यादि	
(आ०)	स्तरीष्यते-स्तरिष्यते	इत्यादि		

लोट् (पर०)	स्तृणातु-स्तृणीतात्	स्तृणीताम्	स्तृणन्तु	प्र०
	स्तृणीहि-स्तृणीतात्	स्तृणीतम्	स्तृणीत	म०
	स्तृणानि	स्तृणाव	स्तृणाम	उ०
(आ०)	स्तृणीताम्	स्तृणाताम्	स्तृणताम्	प्र०
	स्तृणीष्व	स्तृणाथाम्	स्तृणीध्वम्	म०
	स्तृणै	स्तृणावहै	स्तृणामहै	उ०
लङ् (पर०)	अस्तृणात्	अस्तृणीताम्	अस्तृणन्	प्र०
	अस्तृणाः	अस्तृणीतम्	अस्तृणीत	म०
	अस्तृणाम्	अस्तृणीव	अस्तृणीम	उ०
(आ०)	अस्तृणीत	अस्तृणाताम्	अस्तृणत	प्र०
	अस्तृणीथाः	अस्तृणाथाम्	अस्तृणीध्वम्	म०
	अस्तृणि	अस्तृणीवहि	अस्तृणीमहि	उ०
विधि-लिङ्	स्तृणीयात्	स्तृणीयाताम्	स्तृणीयुः	प्र०
(पर०)	स्तृणीयाः	स्तृणीयातम्	स्तृणीयात	म०
	स्तृणीयाम्	स्तृणीयाव	स्तृणीयाम्	उ०
	स्तृणीत	स्तृणीयाताम्	स्तृणीरन्	प्र०
(आ०)	स्तृणीथाः	स्तृणीयाथाम्	स्तृणीध्वम्	म०
	स्तृणीय	स्तृणीवहि	स्तृणीमहि	उ०
	आशिष्-लिङ्	स्तीर्यात्	स्तीर्यास्ताम्	स्तीर्यासुः
(पर०)	स्तीर्याः	स्तीर्यास्तम्	स्तीर्यास्त	म०
	स्तीर्यासम्	स्तीर्यास्व	स्तीर्यास्म	उ०
	स्तरीषीष्ट	स्तरीषीयास्ताम्	स्तरीषीरन्	प्र०
(आ०)	स्तरीषीष्ठाः	स्तरीषीयास्थाम्	स्तरीषीद्वं-ध्वं	म०
	स्तरीषीय	स्तरीषीवहि	स्तरीषीमहि	उ०
	(पक्षे)	स्तीर्षीष्ट	स्तीर्षीयास्ताम्	स्तीर्षीरन्
	स्तीर्षीष्ठाः	स्तीर्षीयास्थाम्	स्तीर्षीद्वं-ध्वं	म०
	स्तीर्षीय	स्तीर्षीवहि	स्तीर्षीमहि	उ०
	लुङ् (पर०)	अस्तारीत्	अस्तारिष्याम्	अस्तारिषुः
	अस्तारीः	अस्तारिष्टम्	अस्तारिष्ट	म०
	अस्तारिषम्	अस्तारिष्व	अस्तारिष्व	उ०

(आ०)	अस्तारीष्ट	अस्तारीषाताम्	अस्तारीषत	प्र०
	अस्तारीष्टाः	अस्तारीषाथाम्	अस्तारीद्वं-ध्वं	म०
	अस्तारीषि	अस्तारीष्वहि	अस्तारीष्महि	उ०
(पक्षे)	अस्तरिष्ट	अस्तरिषाताम्	अस्तरिषत	प्र०
	अस्तरिष्टाः	अस्तरिषाथाम्	अस्तरिद्वं-ध्वं	म०
	अस्तरिषि	अस्तरिष्वहि	अस्तरिष्महि	उ०
(पक्षे)	अस्तीर्ष्ट	अस्तीर्षाताम्	अस्तीर्षत	प्र०
	अस्तीर्ष्टाः	अस्तीर्षाथाम्	अस्तीर्द्वम्	म०
	अस्तीर्षि	अस्तीर्ष्वहि	अस्तीर्ष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अस्तरीष्यत्	अस्तरीष्यताम्	अस्तरीष्यन् इत्यादि	
(पक्षे)	अस्तरिष्यत्	अस्तरिष्यताम्	अस्तरिष्यन् इत्यादि	
(आ०)	अस्तरिष्यत-अस्तरिष्यत इत्यादि।			

1485. कृञ् हिंसायाम् - सक०, सेट, उभ०

लट् (पर०)	कृणाति	कृणीतः	कृणन्ति	प्र०
	कृणासि	कृणीथः	कृणीथ	म०
	कृणामि	कृणीवः	कृणीमः	उ०
(आ०)	कृणीते	कृणाते	कृणते	प्र०
	कृणीषे	कृणाथे	कृणीध्वे	म०
	कृणे	कृणीवहे	कृणीमहे	उ०
लिट् (पर०)	चकार	चकरतुः	चकरूः	प्र०
	चकरिथ	चकरथुः	चकर	म०
	चकार-चकर	चकरिव	चकरिम	उ०
(आ०)	चकरे	चकराते	चकरिरे	प्र०
	चकरिषे	चकराथे	चकरिद्वे-ध्वे	म०
	चकरे	चकरिवहे	चकरिमहे	उ०
लुट् (पर०)	करीता	करीतारौ	करितारः इत्यादि	
(पक्षे)	करिता	करतारौ	करितारः इत्यादि	
(आ०)	करीता-करिता इत्यादि			
लृट् (पर०)	करीष्यति	करीष्यतः	करीष्यन्ति इत्यादि	
(पक्षे)	करिष्यति	करिष्यतः	करिष्यन्ति इत्यादि	

(आ०)	करीष्यते-करिष्येते इत्यादि			
लोट् (पर०)	कृणातु-कृणीतात्	कृणीताम्	कृणन्तु	प्र०
	कृणीहि-कृणीतात्	कृणीतम्	कृणीत	म०
	कृणानि	कृणाव	कृणाम	उ०
(आ०)	कृणीताम्	कृणाताम्	कृणताम्	प्र०
	कृणीष्व	कृणाथाम्	कृणीध्वम्	म०
	कृणै	कृणावहै	कृणामहै	उ०
लङ् (पर०)	अकृणात्	अकृणीताम्	अकृणन्	प्र०
	अकृणाः	अकृणीतम्	अकृणीत	म०
	अकृणाम्	अकृणीव	अकृणीम	उ०
(आ०)	अकृणीत	अकृणाताम्	अकृणत	प्र०
	अकृणीथाः	अकृणाथाम्	अकृणीध्वम्	म०
	अकृणि	अकृणीवहि	अकृणीमहि	उ०
विधि-लिट्	कृणीयात्	कृणीयाताम्	कृणीयुः	प्र०
(पर०)	कृणीयाः	कृणीयातम्	कृणीयात	म०
	कृणीयाम्	कृणीयाव	कृणीयाम्	उ०
(आ०)	कृणीत	कृणीयाताम्	कृणीरन्	प्र०
	कृणीथाः	कृणीयाथाम्	कृणीध्वम्	म०
	कृणीय	कृणीवहि	कृणीमहि	उ०
आशिष्-लिट्	कीर्यात्	कीर्यास्ताम्	कीर्यासुः	प्र०
(पर०)	कीर्याः	कीर्यास्तम्	कीर्यास्त	म०
	कीर्यासम्	कीर्यास्व	कीर्यास्म	उ०
(आ०)	करिषीष्ट	करिषीयास्ताम्	करिषीरन्	प्र०
	करिषीष्ठाः	करिषीयास्थाम्	करिषीद्वं-ध्वं	म०
	करिषीय	करिषीवहि	करिषीमहि	उ०
(पक्षे)	कीर्षीष्ट	कीर्षीयास्ताम्	कीर्षीरन्	प्र०
	कीर्षीष्ठाः	कीर्षीयास्थाम्	कीर्षीद्वं-ध्वं	म०
	कीर्षीय	कीर्षीवहि	कीर्षीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अकारीत्	अकारिष्टाम्	अकारिषुः	प्र०
	अकारीः	अकारिष्टम्	अकारिष्ट	म०
	अकारिषम्	अकारिष्व	अकारिष्म	उ०

(आ०)	अकरीष्ट	अकरीषाताम्	अकरीषत	प्र०
	अकरीष्टाः	अकरीषाथाम्	अकरीद्भवं-ध्वं	म०
	अकरीषि	अकरीष्वहि	अकरीष्महि	उ०
(पक्षे)	अकरिष्ट	अकरिषाताम्	अकरिषत	प्र०
	अकरिष्टाः	अकरिषाथाम्	अकरिद्भवं-ध्वं	म०
	अकरिषि	अकरिष्वहि	अकरिष्महि	उ०
(पक्षे)	अकीर्ष्ट	अकीर्षाताम्	अकीर्षत	प्र०
	अकीर्ष्टाः	अकीर्षाथाम्	अकीर्द्भ्वम्	म०
	अकीर्षि	अकीर्ष्वहि	अकीर्ष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अकरीष्यत्	अकरीष्यताम्	अकरीष्यन् इत्यादि	
(पक्षे)	अकरिष्यत्	अकरिष्यताम्	अकरिष्यन् इत्यादि	
(आ०)	अकरीष्यत-अकरिष्यत इत्यादि।			

1486. वृञ् वरणे - उभयपदी।

लट् (पर०)	वृणाति	वृणीतः	वृणन्ति	प्र०
	वृणासि	वृणीथः	वृणीथ	म०
	वृणामि	वृणीवः	वृणीमः	उ०
(आ०)	वृणीते	वृणाते	वृणते	प्र०
	वृणीषे	वृणाथे	वृणीध्वे	म०
	वृणे	वृणीवहे	वृणीमहे	उ०
लिट् (पर०)	ववार	ववरतुः	ववरूः	प्र०
	ववरिथ	ववरथुः	ववर	म०
	ववार-ववर	ववरिव	ववरिम	उ०
(आ०)	ववरे	ववराते	ववरिरे	प्र०
	ववरिषे	ववराथे	ववरिद्भवे-ध्वे	म०
	ववरे	ववरिवहे	ववरिमहे	उ०
लुट् (पर०)	वरीता	वरीतारौ	वरीतारः इत्यादि	
(पक्षे)	वरिता	वरितारौ	वरितारः इत्यादि	
(आ०)	वरीता-वरिता इत्यादि			
लृट् (पर०)	वरीष्यति	वरीष्यतः	वरीष्यन्ति इत्यादि	
(पक्षे)	वरिष्यति	वरिष्यतः	वरिष्यन्ति इत्यादि	

(आ०)	वरीष्यते-वरिष्येते इत्यादि			
लोट् (पर०)	वृणातु-वृणीतात्	वृणीताम्	वृणन्तु	प्र०
	वृणीहि-वृणीतात्	वृणीतम्	वृणीत	म०
	वृणानि	वृणाव	वृणाम	उ०
(आ०)	वृणीताम्	वृणाताम्	वृणताम्	प्र०
	वृणीष्व	वृणाथाम्	वृणीध्वम्	म०
	वृणै	वृणावहै	वृणामहै	उ०
लङ् (पर०)	अवृणात्	अवृणीताम्	अवृणन्	प्र०
	अवृणाः	अवृणीतम्	अवृणीत	म०
	अवृणाम्	अवृणीव	अवृणीम	उ०
(आ०)	अवृणीत	अवृणाताम्	अवृणत	प्र०
	अवृणीथाः	अवृणाथाम्	अवृणीध्वम्	म०
	अवृणि	अवृणीवहि	अवृणीमहि	उ०
विधि-लिङ्	वृणीयात्	वृणीयाताम्	वृणीयुः	प्र०
(पर०)	वृणीयाः	वृणीयातम्	वृणीयात	म०
	वृणीयाम्	वृणीयाव	वृणीयाम्	उ०
(आ०)	वृणीत	वृणीयाताम्	वृणीरन्	प्र०
	वृणीथाः	वृणीयाथाम्	वृणीध्वम्	म०
	वृणीय	वृणीवहि	वृणीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	वूर्यात्	वूर्यास्ताम्	वूर्यासुः	प्र०
(पर०)	वूर्याः	वूर्यास्तम्	वूर्यास्त	म०
	वूर्यासम्	वूर्यास्व	वूर्यास्म	उ०
(आ०)	वरिषीष्ट	वरिषीयास्ताम्	वरिषीरन्	प्र०
	वरिषीष्ठाः	वरिषीयास्थाम्	वरिषीद्वं-ध्वं	म०
	वरिषीय	वरिषीवहि	वरिषीमहि	उ०
(पक्षे)	वूर्षीष्ट	वूर्षीयास्ताम्	वूर्षीरन्	प्र०
	वूर्षीष्ठाः	वूर्षीयास्थाम्	वूर्षीद्वं-ध्वं	म०
	वूर्षीय	वूर्षीवहि	वूर्षीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अवारीत्	अवारिष्टाम्	अवारिषुः	प्र०
	अवारीः	अवारिष्टम्	अवा रेष्ट	म०
	अवारिषम्	अवारिष्व	अवा रेष्म	उ०

(आ०)	अवरीष्ट	अवरीषाताम्	अवरीषत	प्र०
	अवरीष्टाः	अवरीषाथाम्	अवरीद्वम्	म०
	अवरीषि	अवरीष्वहि	अवरीष्महि	उ०
(पक्षे)	अवरिष्ट	अवरिषाताम्	अवरिषत	प्र०
	अवरिष्टाः	अवरिषाथाम्	अवरिद्वं-ध्वं	म०
	अवरिषि	अवरिष्वहि	अवरिष्महि	उ०
(पक्षे)	अवूर्ष्ट	अवूर्षाताम्	अवूर्षत	प्र०
	अवूर्ष्टाः	अवूर्षाथाम्	अवूर्द्वम्	म०
	अवूर्षि	अवूर्ष्वहि	अवूर्ष्महि	उ०

लृङ् (पर०) अवरीष्यत्-अवरिष्यत् इत्यादि

(आ०) अवरीष्यत-अवरिष्यत इत्यादि।

1487. धूज् कम्पने - अक०(अनि०)उभय०

लट् (पर०)	धुनाति	धुनीतः	धुनन्ति	प्र०
	धुनासि	धुनीथः	धुनीथ	म०
	धुनामि	धुनीवः	धुनीमः	उ०
(आ०)	धुनीते	धुनाते	धुनते	प्र०
	धुनीषे	धुनाथे	धुनीध्वे	म०
	धुने	धुनीवहे	धुनीमहे	उ०
लिट् (पर०)	दुधाव	दुधुवतुः	दुधुवुः	प्र०
	दुधविध-दुधोथ	दुधुवथुः	दुधुव	म०
	दुधाव-दुधव	दुधुविव	दुधुविम	उ०
(आ०)	दुधुवे	दुधुवाते	दुधुविरे	प्र०
	दुधुविषे	दुधुवाथे	दुधुविद्वे-ध्वे	म०
	दुधुवे	दुधुविवहे	दुधुविमहे	उ०
लुट् (पर०)	धोता	धोतारौ	धोतारः इत्यादि	
(पक्षे)	धविता	धवितारौ	धवितारः इत्यादि	
(आ०)	धविता-धोता	इत्यादि		
लृट् (पर०)	धोष्यति	धोष्यतः	धोष्यन्ति इत्यादि	
(पक्षे)	धविष्यति	धविष्यतः	धविष्यन्ति इत्यादि	
(आ०)	धविष्यते-धोष्येते	इत्यादि		

लोट् (पर०)	धुनातु-धुनीतात्	धुनीताम्	धुन न्तु	प्र०
	धुनीहि-धुनीतात्	धुनीतम्	धुनीत	म०
	धुनानि	धुनाव	धुनाम	उ०
(आ०)	धुनीताम्	धुनाताम्	धुनताम्	प्र०
	धुनीष्व	धुनाथाम्	धुनीध्वम्	म०
	धुनै	धुनावहै	धुनामहै	उ०
लङ् (पर०)	अधुनात्	अधुनीताम्	अधुनन्	प्र०
	अधुनाः	अधुनीतम्	अधुनीत	म०
	अधुनाम्	अधुनीव	अधुनीम	उ०
(आ०)	अधुनीत	अधुनाताम्	अधुनत	प्र०
	अधुनीथाः	अधुनाथाम्	अधुनीध्वम्	म०
	अधुनि	अधुनीवहि	अधुनीमहि	उ०
विधि-लिट्	धुनीयात्	धुनीयाताम्	धुनीयुः	प्र०
(पर०)	धुनीयाः	धुनीयातम्	धुनीयात	म०
	धुनीयाम्	धुनीयाव	धुनीयाम्	उ०
(आ०)	धुनीत	धुनीयाताम्	धुनीरन्	प्र०
	धुनीथाः	धुनीयाथाम्	धुनीध्वम्	म०
	धुनीय	धुनीवहि	धुनीमहि	उ०
आशिष्-लिट्	धूयात्	धूयास्ताम्	धूयासुः	प्र०
(पर०)	धूयाः	धूयास्तम्	धूयास्त	म०
	धूयासम्	धूयास्व	धूयास्म	उ०
(आ०)	धविषीष्ट	धविषीयास्ताम्	धविषीरन्	प्र०
	धविषीष्ठाः	धविषीयास्थाम्	धविषीद्वं-ध्वं	म०
	धविषीय	धविषीवहि	धविषीमहि	उ०
(पक्षे)	धोषीष्ट	धोषीयास्ताम्	धोषीरन्	प्र०
	धोषीष्ठाः	धोषीयास्थाम्	धोषीद्वं-ध्वं	म०
	धोषीय	धोषीवहि	धोषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अधावीत्	अधाविष्टाम्	अधाविषुः	प्र०
	अधावीः	अधाविष्टम्	अधाविष्ट	म०
	अधाविषम्	अधाविष्व	अधाविष्म	उ०

(आ०)	अधविष्ट	अधविषाताम्	अधविषत	प्र०
	अधविष्टाः	अधविषाथाम्	अधविष्ट्वं-ध्वं	म०
	अधविषि	अधविष्वहि	अधविष्वहि	उ०
(पक्षे)	अधोष्ट	अधोषाताम्	अधोषत	प्र०
	अधोष्टाः	अधोषाथाम्	अधोष्ट्वम्	म०
	अधोषि	अधोष्वहि	अधोष्वहि	उ०
लृङ् (पर०)	अधविष्यत्	अधविष्यताम्	अधविष्यन् इत्यादि	
(पक्षे)	अधोष्यत्	अधोष्यताम्	अधोष्यन् इत्यादि	
(आ०)	अधविष्यत-अधोष्यत इत्यादि			

1488. शृं हिंसायाम् - पूर्ववत्। 1489. पृ पालनपूरणयोः - पूर्ववत्।

1490. वृ वरणे - पूर्ववत्। 1491. भृ भर्त्सने - पूर्ववत्।

1492. मृ हिंसायाम् - पूर्ववत्। 1493. दृ विदारणे - पूर्ववत्।

1494. जृ वयोहानौ - पूर्ववत्। 1495. नृ नेये - पूर्ववत्।

1496. कृ हिंसायाम् - पूर्ववत्। 1497. ऋ गतौ - पूर्ववत्।

1498. गृ शब्दे - पूर्ववत्। 1499. ज्या वयोहानौ - पूर्ववत्।

1500. री गतिरेषणयोः- पूर्ववत्। 1501. ली श्लेषणे - पूर्ववत्।

1502. ब्ली वरणे - पूर्ववत्। 1503. प्ली गतौ - पूर्ववत्।

1504. व्री वरणे - पूर्ववत्। 1505. श्री भये - पूर्ववत्।

1506. क्षीष् हिंसायाम् - पूर्ववत्।

1507. ज्ञा अवबोधने - सक० परस्मैपदी

लट् (पर०)	जानाति	जानीतः	जानन्ति	प्र०
	जानासि	जानीथः	जानीथ	म०
	जानामि	जानीवः	जानीमः	उ०
लिट् (पर०)	जज्ञौ	जज्ञतुः	जज्ञुः	प्र०
	जज्ञिथ-जज्ञाथ	जज्ञथुः	जज्ञ	म०
	जज्ञौ	जज्ञिव	जज्ञिम	उ०
लुट् (पर०)	ज्ञाता	ज्ञातारौ	ज्ञातारः इत्यादि	
लृट् (पर०)	ज्ञास्यति	ज्ञास्यतः	ज्ञास्यन्ति इत्यादि	
लोट् (पर०)	जानातु-जानीतात्	जानीताम्	जानन्तु	प्र०
	जानीहि-जानीतात्	जानीतम्	जानीत	म०
	जानानि	जानाव	जानाम	उ०

लङ् (पर०)	अजानात्	अजानीताम्	अजानन्	प्र०
	अजानाः	अजानीतम्	अजानीत	म०
	अजानाम्	अजानीव	अजानीम	उ०
विधि-लिङ्	जानीयात्	जानीयाताम्	जानीयुः	प्र०
(पर०)	जानीयाः	जानीयातम्	जानीयात	म०
	जानीयाम्	जानीयाव	जानीयाम	उ०
आशिष्-लिङ्	ज्ञायात्	ज्ञायास्ताम्	ज्ञायासुः	इत्यादि
(पर०)				
(पक्षे)	ज्ञेयात्	ज्ञेयास्ताम्	ज्ञेयासुः	इत्यादि
लुङ् (पर०)	अज्ञासीत्	अज्ञासिष्टाम्	अज्ञासिषुः	इत्यादि
लृङ् (पर०)	अज्ञास्यत्	अज्ञास्यताम्	अज्ञास्यन्	इत्यादि

1508. बन्ध बन्धने - पूर्ववत्।

1509. वृङ् संभक्तौ - सक०, आत्मने०

लट् (पर०)	वृणीते	वृणाते	वृणते	प्र०
	वृणीथे	वृणाथे	वृणीध्वे	म०
	वृणे	वृणीवहे	वृणीमहे	उ०
लिट् (पर०)	वव्रे	वव्राते	वव्रिरे	इत्यादि
लुट् (पर०)	वरीता	वरीतारौ	वरीतारः	इत्यादि
(पक्षे)	वरिता	वरितारौ	वरितारः	इत्यादि
लृट् (पर०)	वरीष्यते	वरीष्येते	वरीष्यन्ते	इत्यादि
(पक्षे)	वरिष्यते	वरिष्येते	वरिष्यन्ते	इत्यादि
लोट् (पर०)	वृणीताम्	वृणाताम्	वृणताम्	प्र०
	वृणीध्व	वृणाथाम्	वृणीध्वम्	म०
	वृणै	वृणावहै	वृणामहै	उ०
लङ् (पर०)	अवृणीत्	अवृणाताम्	अवृणत	प्र०
	अवृणीथाः	अवृणाथाम्	अवृणीध्वम्	म०
	अवृणि	अवृणीवहि	अवृणीमहि	उ०
विधि-लिङ् (प०)	वृणीत	वृणीयाताम्	वृणीरन्	इत्यादि
आशिष्-लिङ्	वरिषीष्ट	वरिषीयास्ताम्	वरिषीरन्	इत्यादि
(पर०)				

लुङ् (पर०)	अवरिष्ट	अवरिषाताम्	अवरिषत इत्यादि
(पक्षे)	अवरीष्ट	अवरीषाताम्	अवरीषत इत्यादि
(पक्षे)	अवृत	अवृषाताम्	अवृषत इत्यादि
लृङ् (पर०)	अवरीष्यत	अवरीष्येताम्	अवरीष्यन्त इत्यादि
(पक्षे)	अवरिष्यत	अवरिष्येताम्	अवरिष्यन्त इत्यादि

1510. श्रन्थ विमोचनप्रतिहर्षयोः - पूर्ववत्। 1511. मन्थ विलोडने - पूर्ववत्।

1512. श्रन्थ - पूर्ववत्।

1513. ग्रन्थ सन्दर्भे - पूर्ववत्।

1514. कुन्थ संश्लेषणे - पूर्ववत्।

1515. मृद क्षोदे - पूर्ववत्।

1516. मृड च - पूर्ववत्।

1517. गुध दोषे - पूर्ववत्।

1519. कुष निष्कर्षे - सक०, परस्मैपदी

लट् (पर०)	कुष्णाति	कुष्णीतः	कुष्णन्ति	प्र०
	कुष्णासि	कुष्णीथः	कुष्णीथ	म०
	कुष्णामि	कुष्णीवः	कुष्णीमः	उ०
लिट् (पर०)	चुकोष	चुकुषतुः	चुकुषुः	प्र०
	चुकोषिथ	चुकुषथुः	चुकुष	म०
	चुकोष	चुकुषिव	चुकुषिम	उ०
लुट् (पर०)	कोषिता	कोषितारौ	कोषितारः इत्यादि	
लृट् (पर०)	कोषिष्यति	कोषिष्यतः	कोषिष्यन्ति इत्यादि	
लोट् (पर०)	कुष्णातु-कुष्णीतात्	कुष्णीताम्	कुष्णन्तु	प्र०
	कुषाण-कुष्णीतात्	कुष्णीतम्	कुष्णीत	म०
	कुष्णानि	कुष्णाव	कुष्णाम	उ०
लङ् (पर०)	अकुष्णात्	अकुष्णीताम्	अकुष्णन्	प्र०
	अकुष्णाः	अकुष्णीतम्	अकुष्णीत	म०
	अकुष्णाम्	अकुष्णीव	अकुष्णीम	उ०
विधि-लिट्	कुष्णीयात्	कुष्णीयाताम्	कुष्णीयुः	प्र०
(पर०)	कुष्णीयाः	कुष्णीयातम्	कुष्णीयात	म०
	कुष्णीयाम्	कुष्णीयाव	कुष्णीयाम	उ०
आशिष्-लिट्	कुष्यात्	कुष्यास्ताम्	कुष्यासुः	प्र०
(पर०)	कुष्याः	कुष्यास्तम्	कुष्यास्त	म०
	कुष्यासम्	कुष्यास्व	कुष्यास्म	उ०

लृङ् (पर०)	अकोषीत्	अकोषिष्टाम्	अकोषिषुः	प्र०
	अकोषीः	अकोषिष्टम्	अकोषिष्ट	म०
	अकोषिषम्	अकोषिष्व	अकोषिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अकोषिष्यत्	अकोषिष्यताम्	अकोषिष्यन्	प्र०
	अकोषिष्यः	अकोषिष्यतम्	अकोषिष्यत	म०
	अकोषिष्यम्	अकोषिष्याव	अकोषिष्याम	उ०

1519. क्षुभ संचलने - पूर्ववत्।

1520. णभ - पूर्ववत्।

1521. तुभ हिंसायाम् - पूर्ववत्।

1522. क्लिशू विबाधने - पूर्ववत्।

1523. अश भोजने - सकर्मक, परस्मैपदी

लट् (पर०)	अश्नाति	अश्नीतः	अश्नन्ति	प्र०
	अश्नासि	अश्नीथः	अश्नीथ	म०
	अश्नामि	अश्नीवः	अश्नीमः	उ०
लिट् (पर०)	आश	आशतुः	आशुः	प्र०
	आशिथ	आशथुः	आश	म०
	आश	आशिव	आशिम	उ०
लुट् (पर०)	आशिता	अशितारौ	अशितारः इत्यादि	
लृट् (पर०)	अशिष्यति	अशिष्यतः	अशिष्यन्ति इत्यादि	
लोट् (पर०)	अश्नातु-अश्नीतात्	अश्नीताम्	अश्नन्तु	प्र०
	अशान-अश्नीतात्	अश्नीतम्	अश्नीत	म०
	अशानि	अश्नाव	अश्नाम	उ०
लङ् (पर०)	आश्नात्	आश्नीताम्	आश्नन्	प्र०
	आश्नाः	आश्नीतम्	आश्नीत	म०
	आश्नाम्	आश्नीव	आश्नीम	उ०
विधि-लिट्	अश्नीयात्	अश्नीयाताम्	अश्नीयुः	प्र०
(पर०)	अश्नीयाः	अश्नीयातम्	अश्नीयात	म०
	अश्नीयाम्	अश्नीयाव	अश्नीयाम	उ०
आशिष्-लिट्	अश्यात्	अश्यास्ताम्	अश्यासुः	प्र०
(पर०)	अश्याः	अश्यास्तम्	अश्यास्त	म०
	अश्यासम्	अश्यास्व	अश्यास्म	उ०

लुङ् (पर०)	आशीत्	आशिष्टाम्	आशिषुः	प्र०
	आशीः	आशिष्टम्	आशिष्ट	म०
	आशिषम्	आशिष्व	आशिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	आशिष्यत्	आशिष्यताम्	आशिष्यन् इत्यादि	
1524. उ ध्रस उच्छे - पूर्ववत्।		1525. इष आभीक्ष्ये - पूर्ववत्।		
1526. विष विप्रयोगे - पूर्ववत्।		1527. पुष - पूर्ववत्।		
1528. प्लुष स्नेहनसेवनपुरणेषु - पूर्ववत्।		1529. पुष पुष्टौ - पूर्ववत्।		
1530. मुष स्तेये - सक०, परस्मैपदी				
लट् (पर०)	मुष्णाति	मुष्णीतः	मुष्णन्ति	प्र०
	मुष्णासि	मुष्णीथः	मुष्णीथ	म०
	मुष्णामि	मुष्णीवः	मुष्णीमः	उ०
लिट् (पर०)	मुमोष	मुमुषतुः	मुमुषुः	प्र०
	मुमोषिथ	मुमुषथुः	मुमुष	म०
	मुमोष	मुमुषिव	मुमुषिम	उ०
लुट् (पर०)	मोषिता	मोषितारौ	मोषितारः इत्यादि	
लृट् (पर०)	मोषिष्यति	मोषिष्यतः	मोषिष्यन्ति इत्यादि	
लोट् (पर०)	मुष्णातु-मुष्णीतात्	मुष्णीताम्	मुष्णन्तु	प्र०
	मुषाण-मुष्णीतात्	मुष्णीतम्	मुष्णीत	म०
	मुष्णानि	मुष्णाव	मुष्णाम	उ०
लङ् (पर०)	अमुष्णात्	अमुष्णीताम्	अमुष्णन्	प्र०
	अमुष्णाः	अमुष्णीतम्	अमुष्णीत	म०
	अमुष्णाम्	अमुष्णीव	अमुष्णीम	उ०
विधि-लिट्	मुष्णीयात्	मुष्णीयाताम्	मुष्णीयुः	प्र०
(पर०)	मुष्णीयाः	मुष्णीयातम्	मुष्णीयात	म०
	मुष्णीयाम्	मुष्णीयाव	मुष्णीयाम	उ०
आशिष्-लिट्	मुष्यात्	मुष्यास्ताम्	मुष्यासुः	प्र०
(पर०)	मुष्याः	मुष्यास्ताम्	मुष्यास्त	म०
	मुष्यासम्	मुष्यास्व	मुष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अमोषीत्	अमोषिष्टाम्	अमोषिषुः	प्र०
	अमोषीः	अमोषिष्टम्	अमोषिष्ट	म०
	अमोषिषम्	अमोषिष्व	अमोषिष्व	उ०

लृङ् (पर०)	अमोषिष्यत्	अमोषिष्यताम्	अमोषिष्यन्	प्र०
1531. खच भूतप्रादुर्भावे - पूर्ववत्।				
1532. हेठ च - पूर्ववत्।				
1533. ग्रह उपादाने - सक०, उभय०				
लट् (पर०)	गृह्णाति	गृह्णीतः	गृह्णन्ति	प्र०
	गृह्णासि	गृह्णीथः	गृह्णीथ	म०
	गृह्णामि	गृह्णीवः	गृह्णीमः	उ०
(आ०)	गृह्णीते	गृह्णाते	गृह्णते	प्र०
	गृह्णीथे	गृह्णाथे	गृह्णीध्वे	म०
	गृह्णे	गृह्णीवहे	गृह्णीमहे	उ०
लिट् (पर०)	जग्राह	जगृहतुः	जगृहुः	प्र०
	जगृहिथ	जगृहथुः	जगृह	म०
	जग्राह-जग्रह	जगृहिव	जगृहिम	उ०
(आ०)	जगृहे	जगृहाते	जगृहिरे	प्र०
	जगृहिथे	जगृहाथे	जगृहिद्वे-ध्वे	म०
	जगृहे	जगृहिवहे	जगृहिमहे	उ०
लुट् (पर०)	ग्रहीता	ग्रहीतारौ	ग्रहीतारः इत्यादि	
(आ०)	ग्रहीता	ग्रहीतारौ	ग्रहीतारः इत्यादि	
लृट् (पर०)	ग्रहीष्यति	ग्रहीष्यतः	ग्रहीष्यन्ति इत्यादि	
(आ०)	ग्रहीष्यते	ग्रहीष्येते	ग्रहीष्यन्ते इत्यादि	
लोट् (पर०)	गृह्णातु- गृह्णीतात्	ग्रह्णीताम्	गृह्णन्तु	प्र०
(आ०)	गृहाण-गृह्णीतात्	ग्रह्णीतम्	गृह्णीत	म०
	गृह्णानि	गृह्णाव	गृह्णाम	उ०
(आ०)	गृह्णीताम्	गृह्णाताम्	गृह्णताम्	प्र०
	गृह्णीष्व	गृह्णाथाम्	गृह्णीध्वम्	म०
	गृह्णै	गृह्णावहै	गृह्णीमहै	उ०
विधि-लिट्	अगृह्णात्	अगृह्णीताम्	अगृह्णन्	प्र०
(पर०)	अगृह्णाः	अगृह्णीतम्	अगृह्णीत	म०
	अगृह्णाम्	अगृह्णीव	अगृह्णीम	उ०
(आ०)	गृह्णीयात्	गृह्णीयाताम्	गृह्णीयुः	प्र०
	गृह्णीयाः	गृह्णीयातम्	गृह्णीयात	म०
	गृह्णीयाम्	गृह्णीयाव	गृह्णीयाम	उ०

विधि-लिङ्	गृह्णीयात्	गृह्णीयाताम्	गृह्णीयुः	प्र०
(पर०)	गृह्णीयाः	गृह्णीयातम्	गृह्णीयात	म०
	गृह्णीयाम्	गृह्णीयाव	गृह्णीयाम	उ०
(आ०)	गृह्णीत	गृह्णीयाताम्	गृह्णीरन्	प्र०
	गृह्णीथाः	गृह्णीयाथाम्	गृह्णीध्वम्	म०
	गृह्णीय	गृह्णीवहि	गृह्णीमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	गृह्यात्	गृह्यास्ताम्	गृह्यासुः	प्र०
(पर०)	गृह्याः	गृह्यास्तम्	गृह्यास्त	म०
	गृह्यासम्	गृह्यास्व	गृह्यास्म	उ०
(आ०)	गृहीषीष्ट	गृहीषीयास्ताम्	गृहीषीरन्	प्र०
	गृहीषीष्ठाः	गृहीषीयास्थाम्	गृहीषीद्वं-ध्वं	म०
	गृहीषीय	गृहीषीवहि	गृहीषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अग्रहीत्	अग्रहीष्टाम्	अग्रहीषुः	प्र०
	अग्रहीः	अग्रहीष्टम्	अग्रहीष्ट	म०
	अग्रहीषम्	अग्रहीष्व	अग्रहीष्म	उ०
(आ०)	अग्रहीष्ट	अग्रहीषाताम्	अग्रहीषत	प्र०
	अग्रहीष्ठाः	अग्रहीषाथाम्	अग्रहीद्वं-ध्वं	म०
	अग्रहीषि	अग्रहीष्वहि	अग्रहीष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अग्रहीष्यत्	अग्रहीष्यताम्	अग्रहीष्यन् इत्यादि	
(आ०)	अग्रहीष्यत	अग्रहीष्येताम्	अग्रहीष्यन्त इत्यादि	

इति क्रयादिप्रकरणम्।

अथ चुरादिप्रकरणम्

1534. चुर स्तेये - सक०, उभय०

लट् (पर०)	चोरयति	चोरयतः	चोरयन्ति	प्र०
	चोरयसि	चोरयथः	चोरयथ	म०
	चोरयामि	चोरयावः	चोरयामः	उ०
(आ०)	चोरयते	चोरयेते	चोरयन्ते	प्र०
	चोरयसे	चोरयेथे	चोरयध्वे	म०
	चोरये	चोरयावहे	चोरयामहे	उ०

लिट् (पर०)	चोरयामास	चोरयामासतुः	चोरयामासुः	प्र०
	चोरयामासिथ	चोरयामासथुः	चोरयामात	म०
	चोरयामास	चोरयामासिव	चोरयामासिम	उ०
(आ०)	चोरयांचक्रे	चोरयांचक्राते	चोरयांचक्रिरे	प्र०
	चोरयांचकृषे	चोरयांचक्राथे	चोरयांचकृद्वेध्वे	म०
	चोरयांचक्रे	चोरयांचकृवहे	चोरयांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	चोरयिता	चोरयितारौ	चोरयितारः	प्र०
	चोरयितासि	चोरयितास्थः	चोरयितास्थ	म०
	चोरयितास्मि	चोरयितास्वः	चोरयितास्मः	उ०
(आ०)	चोरयिता	चोरयितारौ	चोरयितारः	प्र०
	चोरयितासे	चोरयितासाथे	चोरयिताध्वे	म०
	चोरयिताहे	चोरयितास्वहे	चोरयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	चोरयिष्यति	चोरयिष्यतः	चोरयिष्यन्ति	प्र०
	चोरयिष्यसि	चोरयिष्यथः	चोरयिष्यथ	म०
	चोरयिष्यामि	चोरयिष्यावः	चोरयिष्यामः	उ०
(आ०)	चोरयिष्यते	चोरयिष्येते	चोरयिष्यन्ते	प्र०
	चोरयिष्यसे	चोरयिष्येथे	चोरयिष्यध्वे	म०
	चोरयिष्ये	चोरयिष्यावहे	चोरयिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	चोरयतु-चोरयतात्	चोरयताम्	चोरयन्तु	प्र०
	चोरय-चोरयतात्	चोरयतम्	चोरयत	म०
	चोरयाणि	चोरयाव	चोरयाम	उ०
(आ०)	चोरयताम्	चोरयेताम्	चोरयन्ताम्	प्र०
	चोरयस्व	चोरयेथाम्	चोरयध्वम्	म०
	चोरयै	चोरयावहै	चोरयामहै	उ०
लङ् (पर०)	अचोरयत्	अचोरयताम्	अचोरयन्	प्र०
	अचोरयः	अचोरयतम्	अचोरयत	म०
	अचोरयम्	अचोरयाव	अचोरयाम	उ०
(आ०)	अचोरयत	अचोरयेताम्	अचोरयन्त	प्र०
	अचोरयथाः	अचोरयेथाम्	अचोरयध्वम्	म०
	अचोरये	अचोरयावहि	अचोरयामहि	उ०

विधि-लिङ्	चोरयेत्	चोरयेताम्	चोरयेयुः	प्र०
(पर०)	चोरयेः	चोरयेतम्	चोरयेत	म०
	चोरयेयम्	चोरयेव	चोरयेम	उ०
(आ०)	चोरयेत	चोरयेयाताम्	चोरयेरन्	प्र०
	चोरयेथाः	चोरयेयाथाम्	चोरयेध्वम्	म०
	चोरयेय	चोरयेवहि	चोरयेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	चोर्यात्	चोर्यास्ताम्	चोर्यासुः	प्र०
(पर०)	चोर्याः	चोर्यास्तम्	चोर्यास्त	म०
	चोर्यासम्	चोर्यास्व	चोर्यास्म	उ०
(आ०)	चोरयिषीष्ट	चोरयिषीयास्तां	चोरयिषीरन्	प्र०
	चोरयिषीष्ठाः	चोरयिषीयास्थां	चोरयिषीध्वम्	म०
	चोरयिषीय	चोरयिषीवहि	चोरयिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अचूचुरत्	अचूचुरताम्	अचूचुरन्	प्र०
	अचूचुरः	अचूचुरतम्	अचूचुरत	म०
	अचूचुरम्	अचूचुराव	अचूचुराम	उ०
(आ०)	अचूचुरत	अचूचुरेताम्	अचूचुरन्त	प्र०
	अचूचुरथाः	अचूचुरेथाम्	अचूचुरध्वम्	म०
	अचूचुरे	अचूचुरावहि	अचूचुरामहि	उ०
लृङ् (पर०)	अचोरयिष्यत्	अचोरयिष्यताम्	अचोरयिष्यन्	प्र०
	अचोरयिष्यः	अचोरयिष्यतम्	अचोरयिष्यत	म०
	अचोरयिष्यम्	अचोरयिष्याव	अचोरयिष्याम	उ०
(आ०)	अचोरयिष्यत	अचोरयिष्येताम्	अचोरयिष्यन्त	प्र०
	अचोरयिष्यथाः	अचोरयिष्येथाम्	अचोरयिष्यध्वम्	म०
	अचोरयिष्ये	अचोरयिष्यावहि	अचोरयिष्यामहि	उ०

1535. चिति स्मृत्याम् - पूर्ववत्।

1537. स्फुडि परिहासे - पूर्ववत्।

1539. कुट्टि अमृतभाषणे - पूर्ववत्।

1541. भिदि स्नेहने - पूर्ववत्।

1543. लज अपवारणे - पूर्ववत्।

1545. नट अवस्पन्दने - पूर्ववत्।

1536. यत्रि संकोचे - पूर्ववत्।

1538. लक्ष दर्शनाअंकनयोः - पूर्ववत्।

1540. लड उपसेवायाम् - पूर्ववत्।

1542. ओ लडि उत्क्षेपणे - पूर्ववत्।

1544. पीड अवगाहने - पूर्ववत्।

1546. श्रथ प्रयत्ने - पूर्ववत्।

1547. बध संघमने - पूर्ववत्। 1548. पृ पूरणे - पूर्ववत्।
 1549. ऊर्ज बलप्रापणयोः - पूर्ववत्। 1550. पक्ष परिग्रहे - पूर्ववत्।
 1551. वर्ण - पूर्ववत्। 1552. चूर्ण प्रेरणे - पूर्ववत्।
 1553. प्रथ प्रख्याने - पूर्ववत्। 1554. पृथ प्रक्षेपे - पूर्ववत्।
 1555. षम्ब सम्बन्धने - पूर्ववत्। 1556. शम्ब च - पूर्ववत्।
 1557. भक्ष अदने - पूर्ववत्। 1558. कुट्ट छेदनमर्त्सनयोः - पूर्ववत्।
 1559. पुट्ट - पूर्ववत्। 1560. चुट्ट अल्पीभावे - पूर्ववत्।
 1561. अट्ट - पूर्ववत्। 1562. पुट्ट अनादरे - पूर्ववत्।
 1563. लुण्ठ स्तेये - पूर्ववत्। 1564. शठ - पूर्ववत्।
 1565. श्वठ असंस्कारगत्योः - पूर्ववत्। 1566. तुजि - पूर्ववत्।
 1567. पिजि - पूर्ववत्। 1568. पिस गतौ - पूर्ववत्।
 1569. धान्व - पूर्ववत्। 1570. श्वल्क - पूर्ववत्।
 1571. वल्क परिभाषणे - पूर्ववत्। 1572. षिह स्नेहने - पूर्ववत्।
 1573. स्मिट अनादरे - पूर्ववत्। 1574. श्लिष श्लेषणे - पूर्ववत्।
 1575. पथि गतौ - पूर्ववत्। 1576. पिच्छ कुट्टने - पूर्ववत्।
 1577. छदि संवरणे - पूर्ववत्। 1578. श्रण दाने - पूर्ववत्।
 1579. तड आघाते - पूर्ववत्। 1580. खड - पूर्ववत्।
 1581. खडि - पूर्ववत्। 1582. कडि भेदने - पूर्ववत्।
 1583. कुडि रक्षणे - पूर्ववत्। 1584. गुडि वेष्टने - पूर्ववत्।
 1585. खुडि खण्डने - पूर्ववत्। 1586. वटि विभाजने - पूर्ववत्।
 1587. मडि भूषायां हर्षे च - पूर्ववत्। 1588. भाड कल्याणे - पूर्ववत्।
 1589. छर्द वमने - पूर्ववत्। 1590. पुस्त - पूर्ववत्।
 1591. बुस्त - आदरानादरयोः पूर्ववत्। 1592. चुद संचोदने - पूर्ववत्।
 1593. नक्क - पूर्ववत्। 1594. धक्क - पूर्ववत्।
 1595. चक्क - पूर्ववत्। 1596. चुक्क - पूर्ववत्।
 1597. क्षल - पूर्ववत्। 1598. तल - प्रतिष्ठायाम् - पूर्ववत्।
 1599. तुल उन्माने - पूर्ववत्। 1600. दुल उत्क्षेपे - पूर्ववत्।
 1601. पुल महत्तवे - पूर्ववत्। 1602. चुल समुच्छ्राये - पूर्ववत्।
 1603. मूल रोहणे - पूर्ववत्। 1604. कल - पूर्ववत्।
 1605. विल क्षेपे - पूर्ववत्। 1606. बिल भेदने - पूर्ववत्।

1607. तिले स्नेहने - पूर्ववत्।
 1609. पाल रक्षणे - पूर्ववत्।
 1611. शुल्क माने - पूर्ववत्।
 1613. चुट छेदने - पूर्ववत्।
 1615. पडि - पूर्ववत्।
 1617. व्रज - पूर्ववत्।
 1619. शुक्ल अतिस्पर्शने - पूर्ववत्।
 1621. क्षपि क्षान्त्याम् - पूर्ववत्।
 1623. श्वर्त - गत्याम् - पूर्ववत्।
 1625. जप मिच्च - पूर्ववत्।
 1627. चह परिकल्पने - पूर्ववत्।
 1629. बल प्राणने - पूर्ववत्।
 1631. घट्ट चलने - पूर्ववत्।
 1633. खट्ट संवरणे - पूर्ववत्।
 1635. स्फिट्ट - पूर्ववत्।
 1637. पुल संघाते - पूर्ववत्।
 1639. टकि बन्धने - पूर्ववत्।
 1640. घूत घूस कान्तिकरणे - पूर्ववत्।
 1642. चूर्ण संकोचने - पूर्ववत्।
 1644. अर्क स्तवने - पूर्ववत्।
 1646. शुठि शोषणे - पूर्ववत्।
 1648. गर्ज - पूर्ववत्।
 1650. मर्च च - पूर्ववत्।
 1652. पचि विस्तारवचने - पूर्ववत्।
 1654. कृत संशब्दने - पूर्ववत्।
 1656. कुबि आच्छादने - पूर्ववत्।
 1658. तुबि - पूर्ववत्।
 1659. पहन व्यक्तायां वाचि - पूर्ववत्।
 1661. एल प्रेरणे - पूर्ववत्।
 1663. म्लेच्छ अव्यक्तायां वाचि - पूर्ववत्।
 1664. बूस् - पूर्ववत्।
 1608. चल भृतौ - पूर्ववत्।
 1610. लूष हिंसायाम् - पूर्ववत्।
 1612. शूर्प च - पूर्ववत्।
 1614. मुट संचूर्णने - पूर्ववत्।
 1616. पसि नाशने - पूर्ववत्।
 1618. मार्ग संस्कारगत्योः - पूर्ववत्।
 1620. चपि गंत्याम् - पूर्ववत्।
 1622. छजि - पूर्ववत्।
 1624. श्रवभ्र च - पूर्ववत्।
 1626. श्वर्त गत्याम् - पूर्ववत्।
 1628. रह त्यागे - पूर्ववत्।
 1630. चिं चयने - पूर्ववत्।
 1632. मुस्त संघाते - पूर्ववत्।
 1634. षट्ट - पूर्ववत्।
 1636. चुबि हिंसायाम् - पूर्ववत्।
 1638. पुंस अभिवर्धने - पूर्ववत्।
 1641. कीट वर्णे - पूर्ववत्।
 1643. पूज पूजायाम् - पूर्ववत्।
 1645. शुठ आलस्ये - पूर्ववत्।
 1647. जुड प्रेरणे - पूर्ववत्।
 1649. मार्ज शब्दार्थो - पूर्ववत्।
 1651. घृ प्रस्त्रवणे - पूर्ववत्।
 1653. तिज निशाने - पूर्ववत्।
 1655. वर्ध छेदनपूरणयोः - पूर्ववत्।
 1657. लुबि - पूर्ववत्।
 1660. चुटि छेदने - पूर्ववत्।
 1662. प्रक्ष म्लेच्छने - पूर्ववत्।
 1665. बर्ह हिंसायाम् - पूर्ववत्।

1666. गुर्दपूर्वनिकेतने - पूर्ववत्। 1667. जसि रक्षणे - पूर्ववत्।
 1668. ईड स्तुतौ - पूर्ववत्। 1669. जसु हिंसायाम् - पूर्ववत्।
 1670. पिडि संघाते - पूर्ववत्। 1671. रूष रोषे - पूर्ववत्।
 1672. ध्वे - पूर्ववत्। 1673. ष्टुप समुच्छ्राये - पूर्ववत्।
 1674. चित्त संचेतने - पूर्ववत्। 1675. दशि दशने - पूर्ववत्।
 1676. दसि दर्शनदंशनयोः - पूर्ववत्। 1677. डप - पूर्ववत्।
 1678. डिप-संघाते - पूर्ववत्। 1679. तत्रि कुटुम्बधारणे - पूर्ववत्।
 1680. मत्रि गुप्तपरिभाषणे - पूर्ववत्।
 1681. स्पर्श ग्रहणसंश्लेषणयोः - पूर्ववत्। 1682. तर्ज - पूर्ववत्।
 1683. भर्त्स तर्जने - पूर्ववत्। 1684. बत - पूर्ववत्।
 1685. गन्ध अर्दने - पूर्ववत्। 1686. विष्क हिंसायाम् - पूर्ववत्।
 1687. निष्क परिमाणे - पूर्ववत्। 1688. लल ईप्सायाम् - पूर्ववत्।
 1689. कूण संकोचे - पूर्ववत्। 1690. तूण पूरणे - पूर्ववत्।
 1691. भ्रूण आशाविशंकयोः - पूर्ववत्। 1692. शठ श्लाघायाम् - पूर्ववत्।
 1693. यक्ष पूजायाम् - पूर्ववत्। 1694. स्यम वितर्के - पूर्ववत्।
 1695. गूर उद्यमने - पूर्ववत्। 1696. शम - पूर्ववत्।
 1697. लक्ष आलोचने - पूर्ववत्। 1698. कुत्स अवक्षेपणे - पूर्ववत्।
 1699. व्रुट छेदने - पूर्ववत्। 1700. गल स्रवणे - पूर्ववत्।
 1701. भल आभण्डने - पूर्ववत्। 1702. कूट आपदाने - पूर्ववत्।
 1703. कुट्ट प्रतापने - पूर्ववत्। 1704. वंचु प्रलम्भने - पूर्ववत्।
 1705. वृषर्शाक्तबन्धने - पूर्ववत्। 1706. मद तृप्तियोगे - पूर्ववत्।
 1707. दिवु परिकूजने - पूर्ववत्। 1708. गृ विज्ञाने - पूर्ववत्।
 1709. विद चेतनाख्याननिवासेषु वेदयते - पूर्ववत्।
 1710. मान स्तम्भे - पूर्ववत्। 1711. यु जुगुप्सायाम् - पूर्ववत्।
 1712. कुस्म नाम्नो वा - पूर्ववत्। 1713. चर्च अध्ययने - पूर्ववत्।
 1714. बुक्क भषणे - पूर्ववत्।
 1715. शब्द उपसर्गादाविष्कारे च - पूर्ववत्।
 1716. कण निमीलने काणयति - पूर्ववत्।
 1717. जभि नाशने - पूर्ववत्। 1718. षूद क्षरणे - पूर्ववत्।
 1719. जसु ताडने - पूर्ववत्। 1720. पश बन्धने - पूर्ववत्।

1721. अम रोगे - पूर्ववत्।
 1722. चट - पूर्ववत्।
 1723. स्फुट भेदने - पूर्ववत्।
 1724. घट् संघाते - पूर्ववत्।
 1725. दिवु मर्दने - पूर्ववत्।
 1726. अर्ज प्रतियत्ने - पूर्ववत्।
 1727. घुषिर विशब्दने - पूर्ववत्।
 1728. आङः क्रन्द सातत्ये - पूर्ववत्।
 1729. लस शिल्पयोगे - पूर्ववत्।
 1730. तसि - पूर्ववत्।
 1731. भूष अलंकरणे - पूर्ववत्।
 1732. अर्ह पूजायाम् - पूर्ववत्।
 1733. ज्ञानियोगे - पूर्ववत्।
 1734. मज विश्राणने - पूर्ववत्।
 1735. श्रुधु प्रसहने - पूर्ववत्।
 1736. यत निकारोपस्कारयोः - पूर्ववत्।
 1737. रक - पूर्ववत्।
 1738. लग आस्वादने - पूर्ववत्।
 1739. अंचु विशेषणे - पूर्ववत्।
 1740. लिगि चित्रीकरणे - पूर्ववत्।
 1741. मुद संसर्गे - पूर्ववत्।
 1742. त्रस धारणे - पूर्ववत्।
 1743. उध्रस उंछे - पूर्ववत्।
 1744. मुच प्रमोचने - पूर्ववत्।
 1745. वस स्नेहच्छेदापहरणेषु - पूर्ववत्।
 1746. चर संशये - पूर्ववत्।
 1747. च्यु सहने - पूर्ववत्।
 1748. भवोअवकल्कने - पूर्ववत्।
 1749. कृपेश्च कल्पयति - पूर्ववत्।
 1750. ग्रस ग्रहणे - पूर्ववत्।
 1751. पुष धारणे - पूर्ववत्।
 1752. दल विदारणे - पूर्ववत्।
 1753. पुट - पूर्ववत्।
 1754. पुट - पूर्ववत्।
 1755. लुट - पूर्ववत्।
 1756. तुजि - पूर्ववत्।
 1757. मिजि - पूर्ववत्।
 1758. पिजि - पूर्ववत्।
 1759. लुजि - पूर्ववत्।
 1760. भजि - पूर्ववत्।
 1761. लधि - पूर्ववत्।
 1762. त्रिसि - पूर्ववत्।
 1763. पिसी - पूर्ववत्।
 1764. कुसि - पूर्ववत्।
 1765. दशि - पूर्ववत्।
 1766. कुशि - पूर्ववत्।
 1767. घट - पूर्ववत्।
 1768. घिटि - पूर्ववत्।
 1769. वृहि - पूर्ववत्।
 1770. बर्ह - पूर्ववत्।
 1771. बल्ह - पूर्ववत्।
 1772. गुप - पूर्ववत्।
 1773. धूप - पूर्ववत्।
 1774. विच्छ - पूर्ववत्।
 1775. चीव - पूर्ववत्।
 1776. पुथ - पूर्ववत्।
 1777. लोकृ - पूर्ववत्।
 1778. लोचृ - पूर्ववत्।
 1779. णद - पूर्ववत्।
 1780. कुप - पूर्ववत्।

- | | |
|---|--------------------------------------|
| 1781. तर्क - पूर्ववत्। | 1782. वृतु - पूर्ववत्। |
| 1783. वृधु भाषार्थः - पूर्ववत्। | 1784. रूट - पूर्ववत्। |
| 1785. लजि - पूर्ववत्। | 1786. अजि - पूर्ववत्। |
| 1787. दसि - पूर्ववत्। | 1788. भृशि - पूर्ववत्। |
| 1789. रूशि - पूर्ववत्। | 1790. शीक - पूर्ववत्। |
| 1791. रूसि - पूर्ववत्। | 1792. नट - पूर्ववत्। |
| 1793. पुटि - पूर्ववत्। | 1794. जि - पूर्ववत्। |
| 1795. चि - पूर्ववत्। | 1796. रधि - पूर्ववत्। |
| 1797. लधि - पूर्ववत्। | 1798. अहि - पूर्ववत्। |
| 1799. रहि - पूर्ववत्। | 1800. महि च - पूर्ववत्। |
| 1801. लडि - पूर्ववत्। | 1802. तड - पूर्ववत्। |
| 1803. नल च - पूर्ववत्। | 1804. पूरी आप्यायने - पूर्ववत्। |
| 1805. रूज हिंसायाम् - पूर्ववत्। | 1806. ष्वद आस्वादाने - पूर्ववत्। |
| 1807. युज - पूर्ववत्। | 1808. पृच संयमने - पूर्ववत्। |
| 1809. अर्च पूजायाम् - पूर्ववत्। | 1810. षह मर्षणे - पूर्ववत्। |
| 1811. ईर क्षेपे - पूर्ववत्। | 1812. ली द्रवीकरणे - पूर्ववत्। |
| 1813. वृजी वर्जने - पूर्ववत्। | 1814. वृ आवरणे - पूर्ववत्। |
| 1815. जृ वयोहानौ - पूर्ववत्। | 1816. ज्रि च - पूर्ववत्। |
| 1817. रिच - वियोजनसम्पर्चनयोः - पूर्ववत्। | |
| 1818. शिष असर्वोपयोगे - पूर्ववत्। | 1819. तप दाहे - पूर्ववत्। |
| 1820. तृप तृप्तौ - पूर्ववत्। | 1821. छृदी संदीपने - पूर्ववत्। |
| 1822. दृभी भये - पूर्ववत्। | 1823. दृभ संदर्भे - पूर्ववत्। |
| 1824. श्रथ मोक्षणे - पूर्ववत्। | 1825. भी गतौ - पूर्ववत्। |
| 1826. ग्रन्थ बन्धने - पूर्ववत्। | 1827. शीक आमर्षणे - पूर्ववत्। |
| 1828. चीक च - पूर्ववत्। | 1829. अर्द हिंसायाम् - पूर्ववत्। |
| 1830. हिंसि हिंसायाम् - पूर्ववत्। | 1831. अर्ह पूजायाम् - पूर्ववत्। |
| 1832. आडः षद पद्यर्थे - पूर्ववत्। | 1833. शुन्थ शौचकर्मणि - पूर्ववत्। |
| 1834. छद अपवारणे - पूर्ववत्। | 1835. जुष परितर्कणे - पूर्ववत्। |
| 1836. धूं कम्पने - पूर्ववत्। | 1837. प्रीञ् तर्पणे - पूर्ववत्। |
| 1838. श्रन्थ - पूर्ववत्। | 1839. ग्रन्थ संदर्भे - पूर्ववत्। |
| 1840. आप्लृ लम्भने - पूर्ववत्। | 1841. तनु श्रद्धोपकरणयोः - पूर्ववत्। |

1842. वद सन्देशवचने - पूर्ववत्। 1843. वच परिभाषणे - पूर्ववत्।
 1844. मान पूजायाम् - पूर्ववत्। 1845. भू प्राप्तावात्मनेपदी - पूर्ववत्।
 1846. गर्ह विनिन्दने - पूर्ववत्। 1847. मार्ग अन्वेषणे - पूर्ववत्।
 1848. कठि शोके - पूर्ववत्। 1849. मृजू शोचालंकारयोः - पूर्ववत्।
 1850. मृष तितिक्षायाम् - पूर्ववत्। 1851. धृष प्रसहने - पूर्ववत्।
 1852. कुथ वाक्यप्रबन्धे - सक०, पर० - अल्लोपस्य स्थानिवद्भावान्नवृद्धिः

लट् (पर०)	कथयति	कथयतः	कथयन्ति	प्र०
	कथयसि	कथयथः	कथयथ	म०
	कथयामि	कथयावः	कथयामः	उ०
लिट् (पर०)	कथयामास	कथयामासतुः	कथयामासुः	प्र०
	कथयामासिथ	कथयामासथुः	कथयामास	म०
	कथयामास	कथयामासिव	कथयामासिम	उ०
लुट् (पर०)	कथयिता	कथयितारौ	कथयितारः	प्र०
	कथयितासि	कथयितास्थः	कथयितास्थ	म०
	कथयितास्मि	कथयितास्वः	कथयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	कथयिष्यति	कथयिष्यतः	कथयिष्यन्ति	प्र०
	कथयिष्यसि	कथयिष्यथः	कथयिष्यथ	म०
	कथयिष्यामि	कथयिष्यावः	कथयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	कथयतु-तात्	कथयताम्	कथयन्तु	प्र०
	कथय-तात्	कथयतम्	कथयत	म०
	कथयानि	कथयाव	कथयाम	उ०
लङ् (पर०)	अकथयत्	अकथयताम्	अकथयन्	प्र०
	अकथयः	अकथयतम्	अकथयत	म०
	अकथयम्	अकथयाव	अकथयाम	उ०
विधि-लिट्	कथयेत्	कथयेताम्	कथयेयुः	प्र०
(पर०)	कथयेः	कथयेतम्	कथयेत	म०
	कथयेयम्	कथयेव	कथयेम	उ०
आशिष्-लिट्	कथ्यात्	कथ्यास्ताम्	कथ्यासुः	प्र०
(पर०)	कथ्याः	कथ्यास्तम्	कथ्यास्त	म०
	कथ्यासम्	कथ्यास्व	कथ्यास्म	उ०

लृङ् (पर०)	अचकथत्	अचकथताम्	अचकथन्	प्र०
	अचकथः	अचकथतम्	अचकथत	म०
	अचकथम्	अचकथाव	अचकथाम	उ०
लृङ् (पर०)	अकथयिष्यत्	अकथयिष्यताम्	अकथयिष्यन्	प्र०
	अकथयिष्यः	अकथयिष्यतम्	अकथयिष्यत	म०
	अकथयिष्यम्	अकथयिष्याव	अकथयिष्याम	उ०

1853. वर ईप्सायाम् - पूर्ववत्।

1854. गण संख्याने - सक०, परस्मैपदी

लट् (पर०)	गणयति	गणयतः	गणयन्ति	प्र०
	गणयसि	गणयथः	गणयथ	म०
	गणयामि	गणयावः	गणयामः	उ०
लिट् (पर०)	गणयामास	गणयामासतुः	गणयामासुः इत्यादि	
लुट् (पर०)	गणयिता	गणयितारौ	गणयितारः	प्र०
	गणयितासि	गणयितास्थः	गणयितास्थ	म०
	गणयितास्मि	गणयितास्वः	गणयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	गणयिष्यति	गणयिष्यतः	गणयिष्यन्ति	प्र०
	गणयिष्यसि	गणयिष्यथः	गणयिष्यथ	म०
	गणयिष्यामि	गणयिष्यावः	गणयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	गणयतु-तात्	गणयताम्	गणयन्तु	प्र०
	गणय-तात्	गणयतम्	गणयत	म०
	गणयानि	गणयाव	गणयाम	उ०
लङ् (पर०)	अगणयत्	अगणयताम्	अगणयन्	प्र०
	अगणयः	अगणयतम्	अगणयत	म०
	अगणयम्	अगणयाव	अगणयाम	उ०
विधि-लिट्	गणयेत्	गणयेताम्	गणयेयुः	प्र०
(पर०)	गणयेः	गणयेतम्	गणयेत	म०
	गणयेयम्	गणयेव	गणयेम	उ०
आशिष्-लिट्	गण्यात्	गण्यास्ताम्	गण्यासुः	प्र०
(पर०)	गण्याः	गण्यास्तम्	गण्यास्त	म०
	गण्यासम्	गण्यास्व	गण्यास्म	उ०

लुङ् (पर०)	अजीगणत्	अजीगणताम्	अजीगणन्	प्र०
	अजीगणः	अजीगणतम्	अजीगणत	म०
	अजीगणम्	अजीगणाव	अजीगणाम	उ०
(पक्षे)	अजगणत्	अजगणताम्	अजगणन्	प्र०
	अजगणः	अजगणतम्	अजगणत	म०
	अजगणम्	अजगणाव	अजगणाम	उ०
लृङ् (पर०)	अगणयिष्यत्	अगणयिष्यताम्	अगणयिष्यन्	प्र०
	अगणयिष्यः	अगणयिष्यतम्	अगणयिष्यत	म०
	अगणयिष्यम्	अगणयिष्याव	अगणयिष्याम	उ०

1855. शठ - पूर्ववत्। 1856. श्वठ सम्यगवभाषणे - पूर्ववत्।
 1857. पठ - पूर्ववत्। 1858. वठ ग्रन्थे - पूर्ववत्।
 1859. रह त्यागे - पूर्ववत्। 1860. स्तन - पूर्ववत्।
 1861. गदी देवशब्दे - पूर्ववत्। 1862. पत गतौ वा - पूर्ववत्।
 1863. पष अनुपसर्गात् - पूर्ववत्। 1864. स्वर आक्षेपे - पूर्ववत्।
 1865. रच प्रतियत्ने - पूर्ववत्। 1866. कल गतौ - पूर्ववत्।
 1867. चह परिकल्कने - पूर्ववत्। 1868. मह पूजायाम् - पूर्ववत्।
 1869. सार - पूर्ववत्। 1870. कृप - पूर्ववत्।
 1871. श्रथ दौर्बल्ये - पूर्ववत्। 1872. स्पृह ईप्सायाम् - पूर्ववत्।
 1873. भाम क्रोधे - पूर्ववत्। 1874. सूच पैशुन्ये - पूर्ववत्।
 1875. खेठ भक्षणे - पूर्ववत्। 1876. क्षोट क्षेपे - पूर्ववत्।
 1877. गोम उपधारणे - पूर्ववत्। 1878. कुमार क्रीडायाम् - पूर्ववत्।
 1879. शील उपधारणे - पूर्ववत्। 1880. साम सान्त्वप्रयोगे - पूर्ववत्।
 1881. वेल कालोपदेशे - पूर्ववत्। 1882. पल्पूल लवनपवनयोः - पूर्ववत्।
 1883. वात सुखसेवनयोः - पूर्ववत्। 1884. गवेष मार्गणे - पूर्ववत्।
 1885. वात उपसेवायाम् - पूर्ववत्। 1886. निवास आच्छादने - पूर्ववत्।
 1887. भाज पृथक्कर्मणि - पूर्ववत्। 1888. सभाज प्रीतिदर्शनयोः - पूर्ववत्।
 1889. ऊन परिहाणे - पूर्ववत्। 1890. ध्वन शब्दे - पूर्ववत्।
 1891. कूट परितापे - पूर्ववत्। 1892. केत - पूर्ववत्।
 1893. ग्राम - पूर्ववत्। 1894. कुण - पूर्ववत्।
 1895. गुण चामन्त्रणे - पूर्ववत्। 1896. कूण संकोचने - पूर्ववत्।

1897. स्तेन चौर्धे - पूर्ववत्। 1898. पद गदौ - पूर्ववत्।
 1899. गृह ग्रहणे - पूर्ववत्। 1900. मृग अन्वेषणे - पूर्ववत्।
 1901. कुह विस्मापने - पूर्ववत्। 1902. शूर - पूर्ववत्।
 1903. वीर विक्रान्तौ - पूर्ववत्। 1904. स्थूल परिबृंहणे - पूर्ववत्।
 1905. अर्थ उपयाच्यायाम् - पूर्ववत्। 1906. सत्र सन्तानक्रियायाम् - पूर्ववत्।
 1907. गर्व माने - पूर्ववत्। 1908. सूत्र वेष्टने - पूर्ववत्।
 1909. मूत्र प्रस्रवणे - पूर्ववत्। 1910. रूक्ष पारूष्ये - पूर्ववत्।
 1911. पार - पूर्ववत्। 1912. तीर कर्मसमाप्तौ - पूर्ववत्।
 1913. पुट संसर्गे - पूर्ववत्। 1914. धेक दर्शने - पूर्ववत्।
 1915. कत्र शैथिल्ये - पूर्ववत्। 1916. वष्क दर्शने - पूर्ववत्।
 1917. चित्र चित्रीकरणे - पूर्ववत्। 1918. अंस समाघाते - पूर्ववत्।
 1919. वट विभाजने - पूर्ववत्। 1920. लज प्रकाशने - पूर्ववत्।
 1921. मिश्र सम्पर्के - पूर्ववत्। 1922. संग्राम युद्धे - पूर्ववत्।
 1923. स्तोम श्लाघायाम् - पूर्ववत्। 1924. छिद्र कर्णभेदने - पूर्ववत्।
 1925. अन्ध दृष्ट्युपधाते - पूर्ववत्। 1926. दण्ड दण्डनिपातने - पूर्ववत्।
 1927. अंक पदे लक्षणे च - पूर्ववत्। 1928. अंग च - पूर्ववत्।
 1929. सुख - पूर्ववत्। 1930. दुःख तत्क्रियायाम् - पूर्ववत्।
 1931. रस आ स्वादनेस्नेहनयोः - पूर्ववत्।
 1932. व्यय वित्तसमुत्सर्गे - पूर्ववत्। 1933. रूप रूपक्रियायाम् - पूर्ववत्।
 1934. छेद द्वैधीकरणे - पूर्ववत्। 1935. छद अपवारणे इत्येके - पूर्ववत्।
 1936. लाभ प्रेरणे - पूर्ववत्। 1937. व्रण मात्रविचूर्णने - पूर्ववत्।
 1938. वर्ण वर्णक्रियाविस्तारगुणवचनेषु - पूर्ववत्।
 1939. पर्ण हरितभावे - पूर्ववत्। 1940. विष्क दर्शने - पूर्ववत्।
 1941. क्षिप प्रेरणे - पूर्ववत्। 1942. वस निवासे - पूर्ववत्।
 1943. तुत्थ आवरणे - पूर्ववत्।
 । इति तिङन्ते चुरादिप्रकरणम् ।

ण्यन्तप्रकरणम्

यहाँ सभी धातुओं एवं लकारों के रूप न लिखकर, मुख्य रूप ही लिखे गए हैं।

1. भू

लट् (पर०)	भावयति	भावयतः	भावयन्ति	प्र०
	भावयसि	भावयथः	भावयथ	म०
	भावयामि	भावयावः	भावयामः	उ०
(आ०)	भावयते	भावयेते	भावयन्ते	प्र०
	भावयते	भावयेथे	भावयध्वे	म०
	भावये	भावयावहे	भावयामहे	उ०
लिट् (पर०)	भावयांचकार	भावयांचक्रतुः	भावयांचक्रुः	प्र०
	भावयांचकर्थ	भावयांचक्रथुः	भावयांचक्र	म०
	भावयांचकार	भावयांचकृव	भावयांचकृम	उ०
एवं	भावयामास	भावयाम्बभूव	इत्यादि	
(आ०)	भावयांचक्रे	भावयांचक्राते	भावयांचक्रिरे	प्र०
	भावयांचकृषे	भावयांचक्राथे	भावयांचकृध्वे	म०
	भावयांचक्रे	भावयांचकृवहे	भावयांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	भावयिता	भावयितारौ	भावयितारः	प्र०
	भावयितासि	भावयितास्थः	भावयितास्थः	म०
	भावयितास्मि	भावयितास्वः	भावयितास्मः	उ०
(आ०)	भावयिता	भावयितारौ	भावयितारः	प्र०
	भावयितासे	भावयितासाथे	भावयिताध्वे	म०
	भावयिताहे	भावयितास्वहे	भावयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	भावयिष्यति	भावयिष्यतः	भावयिष्यन्ति	प्र०
	भावयिष्यसि	भावयिष्यथः	भावयिष्यथ	म०
	भावयिष्यामि	भावयिष्यावः	भावयिष्यामः	उ०
(आ०)	भावयिष्यते	भावयिष्येते	भावयिष्यन्ते	प्र०
	भावयिष्यसे	भावयिष्येथे	भावयिष्यध्वे	म०
	भावयिष्ये	भावयिष्यावहे	भावयिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	भावयतु-तात्	भावयताम्	भावयन्तु	प्र०
	भावय-तात्	भावयतम्	भावयत	म०
	भावयानि	भावयाव	भावयाम	उ०

(आ०)	भावयताम्	भावयेताम्	भावयन्ताम्	प्र०
	भावयस्व	भावयेथाम्	भावयध्वम्	म०
	भावयै	भावयावहै	भावयामहै	उ०
लङ् (पर०)	अभावयत्	अभावयताम्	अभावयन्	प्र०
	अभावयः	अभावयतम्	अभावयत	म०
	अभावयम्	अभावयाव	अभावयाम	उ०
(आ०)	अभावयत	अभावयेताम्	अभावयन्त	प्र०
	अभावयथाः	अभावयेथाम्	अभावयध्वम्	म०
	अभावये	अभावयावहि	अभावयामहि	उ०
विधि-लिट्	भावयेत्	भावयेताम्	भावयेयुः	प्र०
(पर०)	भावयेः	भावयेतम्	भावयेत	म०
	भावयेयम्	भावयेव	भावयेम	उ०
(आ०)	भावयेत	भावयेयाताम्	भावयेरन्	प्र०
	भावयेथाः	भावयेयाथाम्	भावयेध्वम्	म०
	भावयेय	भावयेवहि	भावयेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	भाव्यात्	भाव्यास्ताम्	भाव्यासुः	प्र०
(पर०)	भाव्याः	भाव्यास्तम्	भाव्यास्त	म०
	भाव्यासम्	भाव्यास्व	भाव्यास्म	उ०
(आ०)	भावयिषीष्ट	भावयिषीयास्ताम्	भावयिषीरन्	प्र०
	भावयिषीष्ठाः	भावयिषीयास्थाम्	भावयिषीध्वम्	म०
	भावयिषीय	भावयिषीवहि	भावयिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अबीभवत्	अबीभवताम्	अबीभवन्	प्र०
	अबीभवः	अबीभवतम्	अबीभवत	म०
	अबीभवम्	अबीभवाव	अबीभवाम	उ०
(आ०)	अबीभवत	अबीभवेताम्	अबीभवन्त	प्र०
	अबीभवथाः	अबीभवेथाम्	अबीभवध्वम्	म०
	अबीभवे	अबीभवावहि	अबीभवामहि	उ०
लृङ् (पर०)	अभावयिष्यत्	अभावयिष्यताम्	अभावयिष्यन्	प्र०
	अभावयिष्यः	अभावयिष्यत	अभावयिष्यत	म०
	अभावयिष्यम्	अभावयिष्याव	अभावयिष्याम	उ०

(आ०)	अभावयिष्यत्	अभावयिष्येताम्	अभावयिष्यन्त	प्र०
	अभावयिष्यथाः	अभावयिष्येथाम्	अभावयिष्यध्वम्	म०
	अभावयिष्ये	अभावयिष्यावहि	अभावयिष्यामहि	उ०
2. "पा" धातु				
लट् (पर०)	पाययति	पाययतः	पाययन्ति	प्र०
	पाययसि	पाययथः	पाययथ	म०
	पाययामि	पाययावः	पाययामः	उ०
लिट् (पर०)	पाययामास	पाययामासतुः	पाययामासुः	प्र०
	पाययामासिथ	पाययामासथुः	पाययामास	म०
	पाययामास	पाययामासिव	पाययामासिम	उ०
लुट् (पर०)	पाययिता	पाययितारौ	पाययितारः	प्र०
	पाययितासि	पाययितास्थः	पाययितारः	म०
	पाययितासि	पाययितास्वः	पाययितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	पाययिष्यति	पाययिष्यतः	पाययिष्यन्ति	प्र०
	पाययिष्यसि	पाययिष्यथः	पाययिष्यथ	म०
	पाययिष्यामि	पाययिष्यावः	पाययिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	पाययतु-तात्	पाययताम्	पाययन्तु	प्र०
	पायय-तात्	पाययतम्	पाययत	म०
	पाययानि	पाययाव	पाययाम	उ०
लङ् (पर०)	अपाययत्	अपाययताम्	अपाययन्	प्र०
	अपाययः	अपाययतम्	अपाययत	म०
	अपाययम्	अपाययाव	अपाययाम	उ०
विधि-लिट्	पाययेत्	पाययेताम्	पाययेयुः	प्र०
(पर०)	पाययेः	पाययेतम्	पाययेत	म०
	पाययेयम्	पाययेव	पाययेम	उ०
आशिष्-लिट्	पाययात्	पाययास्ताम्	पाययासुः	प्र०
(पर०)	पाययाः	पाययास्तम्	पाययास्त	म०
	पाययासम्	पाययाव	पाययास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अपीप्यत्	अपीप्यताम्	अपीप्यन्	प्र०
	अपीप्यः	अपीप्यतम्	अपीप्यत्	म०
	अपीप्यम्	अपीप्याव	अपीप्याम	उ०

लृङ् (पर०)	अपाययिष्यत्	अपाययिष्यताम्	अपाययिष्यन्	प्र०
	अपाययिष्यः	अपाययिष्यतम्	अपाययिष्यत	म०
	अपाययिष्यम्	अपाययिष्याव	अपाययिष्याम	उ०
3. "मूङ् बन्धने" धातु				
लट् (पर०)	मावयति	मावयतः	मावयन्ति	प्र०
	मावयसि	मावयथः	मावयथ	म०
	मावयामि	मावयावः	मावयामः	उ०
लिट् (पर०)	मावयामास	मावयामासतुः	मावयामासुः	प्र०
	मावयामासिथ	मावयामासथुः	मावयामास	म०
	मावयामास	मावयामासिव	मावयामासिम	उ०
लुट् (पर०)	मावयिता	मावयितारौ	मावयितारः	प्र०
	मावयितासि	मावयितास्थः	मावयितारः	म०
	मावयितासि	मावयितास्वः	मावयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	मावयिष्यति	मावयिष्यतः	मावयिष्यन्ति	प्र०
	मावयिष्यसि	मावयिष्यथः	मावयिष्यथ	म०
	मावयिष्यामि	मावयिष्यावः	मावयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	मावयतु	मावयताम्	मावयन्तु	प्र०
	मावय	मावयतम्	मावयत	म०
	मावयानि	मावयाव	मावयाम	उ०
लङ् (पर०)	अमावयत्	अमावयताम्	अपाययन्	प्र०
	अमावयः	अमावयतम्	अमावयत	म०
	अमावयम्	अमावयाव	अमावयाम	उ०
विधि-लिट्	मावयेत्	मावयेताम्	मावयेयुः	प्र०
(पर०)	मावयेः	मावयेतम्	मावयेत	म०
	मावयेयम्	मावयेव	मावयेम	उ०
आशिष्-लिट्	मावयात्	मावयास्ताम्	मावयासुः	प्र०
(पर०)	मावयाः	मावयास्तम्	मावयास्त	म०
	मावयासम्	मावयाव	मावयास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अमीमवत्	अमीमवताम्	अमीमवन्	प्र०
	अमीमवः	अमीमवतम्	अमीमवत्	म०
	अमीमवम्	अमीमवाव	अमीमवाम	उ०

लृङ् (पर०)	अमावयिष्यत्	अमावयिष्यताम्	अमावयिष्यन्	प्र०
	अमावयिष्यः	अमावयिष्यतम्	अमावयिष्यत	म०
	अमावयिष्यम्	अमावयिष्याव	अमावयिष्याम	उ०
4. “यु मिश्रणामिश्रणयोः” धातु				
लट् (पर०)	यावयति	यावयतः	यावयन्ति	प्र०
	यावयसि	यावयथः	यावयथ	म०
	यावयामि	यावयावः	यावयामः	उ०
लिट् (पर०)	यावयामास	यावयामासतुः	यावयामासुः	प्र०
	यावयामासिथ	यावयामासथुः	यावयामास	म०
	यावयामास	यावयामासिव	यावयामासिम	उ०
लुट् (पर०)	यावयिता	यावयितारौ	यावयितारः	प्र०
	यावयितासि	यावयितास्थः	यावयितारः	म०
	यावयितासि	यावयितास्वः	यावयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	यावयिष्यति	यावयिष्यतः	यावयिष्यन्ति	प्र०
	यावयिष्यसि	यावयिष्यथः	यावयिष्यथ	म०
	यावयिष्यामि	यावयिष्यावः	यावयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	यावयतु	यावयताम्	यावयन्तु	प्र०
	यावय	यावयतम्	यावयत	म०
	यावयानि	यावयाव	यावयाम	उ०
लङ् (पर०)	अयावयत्	अयावयताम्	अयावयन्	प्र०
	अयावयः	अयावयतम्	अयावयत	म०
	अयावयम्	अयावयाव	अयावयाम	उ०
विधि-लिट्	यावयेत्	यावयेताम्	यावयेयुः	प्र०
(पर०)	यावयेः	यावयेतम्	यावयेत	म०
	यावयेयम्	यावयेव	यावयेम	उ०
आशिष्-लिट्	याव्यात्	याव्यास्ताम्	याव्यासुः	प्र०
(पर०)	याव्याः	याव्यास्तम्	याव्यास्त	म०
	याव्यासम्	याव्यास्व	याव्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अयीयवत्	अयीयवताम्	अयीयवन्	प्र०
	अयीयवः	अयीयवतम्	अयीयवत	म०
	अयीयवम्	अयीयवाव	अयीयवाम	उ०

लृङ् (पर०)	अयावयिष्यत्	अयावयिष्यताम्	अयावयिष्यन्	प्र०
	अयावयिष्यः	अयावयिष्यतम्	अयावयिष्यत	म०
	अयावयिष्यम्	अयावयिष्याव	अयावयिष्याम	उ०
5. "रू शब्दे" धातु				
लट् (पर०)	रावयति	रावयतः	रावयन्ति	प्र०
	रावयसि	रावयथः	रावयथ	म०
	रावयामि	रावयावः	रावयामः	उ०
लिट् (पर०)	रावयामास	रावयामासतुः	रावयामासुः	प्र०
	रावयामासिथ	रावयामासथुः	रावयामास	म०
	रावयामास	रावयामासिव	रावयामासिम	उ०
लुट् (पर०)	रावयिता	रावयितारौ	रावयितारः	प्र०
	रावयितासि	रावयितास्थः	रावयितारः	म०
	रावयितासि	रावयितास्वः	रावयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	रावयिष्यति	रावयिष्यतः	रावयिष्यन्ति	प्र०
	रावयिष्यसि	रावयिष्यथः	रावयिष्यथ	म०
	रावयिष्यामि	रावयिष्यावः	रावयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	रावयतु	रावयताम्	रावयन्तु	प्र०
	रावय	रावयतम्	रावयत्	म०
	रावयानि	रावयावः	रावयामः	उ०
लङ् (पर०)	अरावयत्	अरावयताम्	अरावयन्	प्र०
	अरावयः	अरावयतम्	अरावयत	म०
	अरावयम्	अरावयाव	अरावयाम	उ०
विधि-लिट् (पर०)	रावयेत्	रावयेताम्	रावयेयुः	प्र०
	रावयेः	रावयेतम्	रावयेत	म०
	रावयेयम्	रावयेव	रावयेम	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	राव्यात्	राव्यास्ताम्	राव्यासुः	प्र०
	राव्याः	राव्यास्तम्	राव्यास्त	म०
	राव्यासम्	राव्यास्व	राव्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अरीरवत्	अरीरवताम्	अरीरवन्	प्र०
	अरीरवः	अरीरवतम्	अरीरवत	म०
	अरीरवम्	अरीरवाव	अरीरवाम	उ०

लृङ् (पर०)	अरावयिष्यत्	अरावयिष्यताम्	अरावयिष्यन्	प्र०
	अरावयिष्यः	अरावयिष्यतम्	अरावयिष्यत	म०
	अरावयिष्यम्	अरावयिष्याव	अरावयिष्याम	उ०
6. "लूञ् छेदने" धातु				
लट् (पर०)	लावयति	लावयतः	लावयन्ति	प्र०
	लावयसि	लावयथः	लावयथ	म०
	लावयामि	लावयावः	लावयामः	उ०
लिट् (पर०)	लावयामास	लावयामासतुः	लावयामासुः	प्र०
	लावयामासिथ	लावयामासिथुः	लावयामास	म०
	लावयामास	लावयामासिव	लावयामासिम	उ०
लुट् (पर०)	लावयिता	लावयितारौ	लावयितार	प्र०
	लावयितासि	लावयितास्थः	लावयितास्थः	म०
	लावयितास्मि	लावयितास्वः	लावयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	लावयिष्यति	लावयिष्यतः	लावयिष्यन्ति	प्र०
	लावयिष्यसि	लावयिष्यथः	लावयिष्यथ	म०
	लावयिष्यास्मि	लावयिष्यावः	लावयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	लावयतु	लावयताम्	लावयन्तु	प्र०
	लावय	लावयतम्	लावयत्	म०
	लावयामि	लावयाव	लावयाम	उ०
लङ् (पर०)	अलावयत्	अलावयताम्	अलावयन्	प्र०
	अलावय	अलावयतम्	अलावयत	म०
	अलावयम्	अलावयाव	अलावयाम	उ०
विधि-लिट् (पर०)	लावयेत्	लावयेताम्	लावयेयुः	प्र०
	लावयेः	लावयेतम्	लावयेत	म०
	लावयेयम्	लावयेव	लावयेम	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	लाव्यात्	लाव्यास्ताम्	लाव्यासुः	प्र०
	लाव्याः	लाव्यास्वतम्	लाव्यास्त	म०
	लाव्यासम्	लाव्यास्व	लाव्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अलीलवत्	अलीलवताम्	अलीलवन्	प्र०
	अलीलवः	अलीलवतम्	अलीलवत्	म०
	अलीलवम्	अलीलवाव	अलीलवाम	उ०

लृङ् (पर०)	अलावयिष्यत्	अलावयिष्यताम्	अलावयिष्यन्	प्र०
	अलावयिष्यः	अलावयिष्यतम्	अलावयिष्यत	म०
	अलावयिष्यम	अलावयिष्यावः	अलावयिष्यामः	उ०

7. "जु गतौ" धातु

लट् (पर०)	जावयति	जावयतः	जावयन्ति	प्र०
	जावयसि	जावयथः	जावयथ	म०
	जावयामि	जावयावः	जावयामः	उ०

लिट् (पर०)	जावयामास	जावयामासतुः	जावयामासुः	प्र०
	जावयामासिथ	जावयामासिथुः	जावयामास	म०
	जावयामास	जावयामासिवः	जावयामासिम	उ०

लुट् (पर०)	जावयिता	जावयितारौ	जावयितारः	प्र०
	जावयितासि	जावयितास्थः	जावयितास्थ	म०
	जावयितास्मि	जावयितास्वः	जावयितास्मः	उ०

लृट् (पर०)	जावयिष्यति	जावयिष्यतः	जावयिष्यन्ति	प्र०
	जावयिष्यसि	जावयिष्यथः	जावयिष्यथ	म०
	जावयिष्यामि	जावयिष्यावः	जावयिष्यामः	उ०

लोट् (पर०)	जावयतु	जावयताम्	जावयन्तु	प्र०
	जावये	जावयतम्	जावयत	म०
	जावयामि	जावयावः	जावयाम	उ०

लङ् (पर०)	अजावयत्	अजावयताम्	अजावयन्	प्र०
	अजावयः	अजावयतम्	अजावयत	म०
	अजावयम्	अजावयाव	अजावयाम	उ०

विधि-लिट् (पर०)	जावयेत्	जावयेताम्	जावयेयुः	प्र०
	जावयेः	जावयेतम्	जावयेत	म०
	जावयेयम्	जावयेव	जावयेम	उ०

आशिष्-लिट् (पर०)	जाव्यात्	जाव्यास्ताम्	जाव्यासुः	प्र०
	जाव्याः	जाव्यास्तम्	जाव्यास्त	म०
	जाव्यासम्	जाव्यास्व	जाव्यास्म	उ०

लुङ् (पर०)	अजीजवत्	अजीजवताम्	अजीजवन्	प्र०
	अजीजवः	अजीजतम्	अजीजवत	म०
	अजीजवम्	अजीजवाव	अजीजवाम	उ०

लृङ् (पर०)	अजावयिष्यत्	अजावयिष्यताम्	अजावयिष्यन्	प्र०
	अजावयिष्यः	अजावयिष्यतम्	अजावयिष्यत	म०
	अजावयिष्यम्	अजावयिष्याव	अजावयिष्याम	उ०
8. "सु प्रस्रवजे" धातु				
लट् (पर०)	स्त्रावयति	स्त्रावयतः	स्त्रावयन्ति	प्र०
	स्त्रावयसि	स्त्रावयथः	स्त्रावयथ	म०
	स्त्रावयामि	स्त्रावयावः	स्त्रावयामः	उ०
लिट् (पर०)	स्त्रावयांचकार	स्त्रावयांचक्रतुः	स्त्रावयांचक्रुः	प्र०
	स्त्रावयांचकर्थ	स्त्रावयांचक्रथुः	स्त्रावयांचक्र	म०
	स्त्रावयांचकार	स्त्रावयांचकृव	स्त्रावयांचकृम	उ०
लुट् (पर०)	स्त्रावयिता	स्त्रावयितारौ	स्त्रावयितारः	प्र०
	स्त्रावयितासि	स्त्रावयितास्थः	स्त्रावयितास्थ	म०
	स्त्रावयितास्मि	स्त्रावयितास्वः	स्त्रावयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	स्त्रावयिष्यति	स्त्रावयिष्यतः	स्त्रावयिष्यन्ति	प्र०
	स्त्रावयिष्यसि	स्त्रावयिष्यथः	स्त्रावयिष्यथ	म०
	स्त्रावयिष्यामि	स्त्रावयिष्यावः	स्त्रावयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	स्त्रावयतु	स्त्रावयताम्	स्त्रावयन्तु	प्र०
	स्त्रावय	स्त्रावयतम्	स्त्रावयत	म०
	स्त्रावयामि	स्त्रावयाव	स्त्रावयाम	उ०
लङ् (पर०)	अस्त्रावयत्	अस्त्रावयताम्	अस्त्रावयन्	प्र०
	अस्त्रावयः	अस्त्रावयतम्	अस्त्रावयत	म०
	अस्त्रावयम्	अस्त्रावयाव	अस्त्रावयाम	उ०
विधि-लिट् (पर०)	स्त्रावयेत्	स्त्रावयेताम्	स्त्रावयेयुः	प्र०
	स्त्रावयेः	स्त्रावयेतम्	स्त्रावयेत	म०
	स्त्रावयेयम्	स्त्रावयेव	स्त्रावयेम	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	स्त्राव्यात्	स्त्राव्यास्ताम्	स्त्राव्यासुः	प्र०
	स्त्राव्याः	स्त्राव्यास्तम्	स्त्राव्यास्त	म०
	स्त्राव्यासम्	स्त्राव्यास्व	स्त्राव्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	असिस्त्रवत्	असिस्त्रवताम्	असिस्त्रवन्	प्र०
	असिस्त्रवत्	असिस्त्रताम्	असिस्त्रवन्	म०
	असिस्त्रवः	असिस्त्रवतम्	असिस्त्रवत्	उ०

	असुस्रवः	असुस्रवतम्	असुस्रवत	प्र०
	असिस्रवम्	असिस्रवाव	असिस्रवाम	म०
	असिस्रवम्	असुस्रवाव	असुस्रवाम	उ०
लृङ् (पर०)	अस्त्रावयिष्यत्	अस्त्रावयिष्यताम्	अस्त्रावयिष्यन्	प्र०
	अस्त्रावयिष्यः	अस्त्रावयिष्यतम्	अस्त्रावयिष्यत	म०
	अस्त्रावयिष्यम्	अस्त्रावयिष्याव	अस्त्रावयिष्याम	उ०

एवमेव श्रु, द्रु, प्लु, च्यु तथा ठीकृ गतौ

चकासृ दीप्तौ अदायो पियगन्ते

9. श्रु - श्रवति, शृणोति असि श्रवत् असुश्रवत्

पक्षे - अशिश्नवत् - अशुश्रवत्

10. द्रु - अदिद्रवत्, अदुद्रवत्

11. प्लु - अपिप्रवत्, अपुप्लवत्

12. प्लु - अपिप्लवत्, अपुप्लुवत्

13. च्यु - अचिच्यवत्, अचुच्यवत्

14. ढोकृ गतौ - अडुढौकत्

15. चकासृ दीप्तौ - अचीचकासत्

पक्षे - अचचकासत्

16. "चुर स्तेये" धातु

लट् (पर०)	चोरयति	चोरयतः	चोरयन्ति	प्र०
	चोरयसि	चोरयथः	चोरयथ	म०
	चोरयामि	चोरयावः	चोरयामः	उ०
लिट् (पर०)	चोरयामास	चोरयामासतुः	चोरयामासुः	प्र०
	चोरयामासिथ	चोरयामासथुः	चोरयामास	म०
	चोरयामास	चोरयामासिव	चोरयामासिम	उ०
एवं	चोरयांचकार	चोरयांम्बभूव आदि		
लुट् (पर०)	चोरयिता	चोरयितारौ	चोरयितारः	प्र०
	चोरयितासि	चोरयितास्थः	चोरयितास्थ	म०
	चोरयितास्मि	चोरयितास्वः	चोरयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	चोरयिष्यति	चोरयिष्यतः	चोरयिष्यन्ति	प्र०
	चोरयिष्यसि	चोरयिष्यथः	चोरयिष्यथ	म०
	चोरयिष्यामि	चोरयिष्यावः	चोरयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	चोरयतु	चोरयताम्	चोरयन्तु	प्र०
	चोरय	चोरयतम्	चोरयत	म०
	चोरयाणि	चोरयाव	चोरयाम	उ०

लङ् (पर०)	अचोरयत्	अचोरयताम्	अचोरयन्	प्र०
	अचोरयः	अचोरयतम्	अचोरयत	म०
	अचोरयम्	अचोरयाव	अचोरयाम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	चोरयेत्	चोरयेताम्	चोरयेयुः	प्र०
	चोरयेः	चोरयेतम्	चोरयेत	म०
	चोरयेयम्	चोरयेव	चोरयेम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	चोर्यात्	चोर्यास्ताम्	चोर्यासुः	प्र०
	चोर्याः	चोर्यास्तम्	चोर्यास्त	म०
	चोर्यासम्	चोर्यास्व	चोर्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अचूचुरत्	अचूचुरताम्	अचूचुरन्	प्र०
	अचूचुरः	अचूचुरतम्	अचूचुरत	म०
	अचूचुरम्	अचूचुराव	अचूचुराम	उ०
लृङ् (पर०)	अचोरयिष्यत्	अचोरयिष्यताम्	अचोरयिष्यन्	प्र०
	अचोरयिष्यः	अचोरयिष्यतम्	अचोरयिष्यत	म०
	अचोरयिष्यम्	अचोरयिष्याव	अचोरयिष्याम	उ०

17. कमु - कान्तौ एवमेव

18. "टु ओशिव गति वृद्धयोः" धातु

लट् (पर०)	श्वाययति	श्वाययतः	श्वाययन्ति	प्र०
	श्वाययसि	श्वाययथः	श्वाययथ	म०
	श्वाययामि	श्वाययावः	श्वाययामः	उ०
लिट् (पर०)	श्वाययामास	श्वाययामास्तुः	श्वाययामासुः	प्र०
	श्वाययामासिंथ	श्वाययामासथुः	श्वाययामास	म०
	श्वाययामास	श्वाययामासिव	श्वाययामासिम	उ०
एवं	श्वाययांचकार	श्वाययाम्बभूव		
लुट् (पर०)	श्वाययिता	श्वाययितारौ	श्वाययितारः	प्र०
	श्वाययितासि	श्वाययितास्थः	श्वाययितास्थ	म०
	श्वाययितास्मि	श्वाययितास्वः	श्वाययितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	श्वाययिष्यति	श्वाययिष्यतः	श्वाययिष्यन्ति	प्र०
	श्वाययिष्यसि	श्वाययिष्यथः	श्वाययिष्यथ	म०
	श्वाययिष्यामि	श्वाययिष्यावः	श्वाययिष्यामः	उ०

लोट् (पर०)	श्वाययतु	श्वाययताम्	श्वाययन्तु	प्र०
	श्वायय	श्वाययतम्	श्वाययत	म०
	श्वाययानि	श्वाययाव	श्वाययाम	उ०
लङ् (पर०)	अश्वाययत्	अश्वाययताम्	अश्वाययन्	प्र०
	अश्वाययः	अश्वाययतम्	अश्वाययत	म०
	अश्वाययम्	अश्वाययाव	अश्वाययाम	उ०
विधि-लिट् (पर०)	श्वाययेत्	श्वाययेताम्	श्वाययेयुः	प्र०
	श्वाययेः	श्वाययेतम्	श्वाययेत	म०
	श्वाययेयम्	श्वाययेव	श्वाययेम	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	श्वाय्यात्	श्वाय्यास्ताम्	श्वाय्यासुः	प्र०
	श्वाय्याः	श्वाय्यास्तम्	श्वाय्यास्त	म०
	श्वाय्यासम्	श्वाय्यास्व	श्वाय्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अशूशवत्	अशूशवताम्	अशूशवन्	प्र०
	अशिश्वयत्	अशिश्वयताम्	अशिश्वयन्	
	अशूशवः	अशूशवतम्	अशूशवत	म०
	अशिश्वयः	अशिश्वयतम्	अशिश्वयत	
	अशूशवम्	अशूशवाव	अशूशवाम	उ०
	अशिश्वयम्	अशिश्वयाव	अशिश्वयाम	
लृङ् (पर०)	अश्वाययिष्यत्	अश्वाययिष्यताम्	अश्वाययिष्यन्	प्र०
	अश्वाययिष्यः	अश्वाययिष्यतम्	अश्वाययिष्यत	म०
	अश्वाययिष्यम्	अश्वाययिष्याव	अश्वाययिष्याम	उ०

19. "स्तम्भु रोधने" धातु

लट् (पर०)	स्तम्भयति	स्तम्भयतः	स्तम्भयन्ति	प्र०
	स्तम्भयसि	स्तम्भयथः	स्तम्भयथ	म०
	स्तम्भयामि	स्तम्भयावः	स्तम्भयामः	उ०
लिट् (पर०)	स्तम्भयांचकार	स्तम्भयांचक्रतुः	स्तम्भयांचक्र	प्र०
	स्तम्भंचकर्थ	स्तम्भयांचक्रथुः	स्तम्भयांचक्र	म०
	स्तम्भंचकार	स्तम्भयांचकृव	स्तम्भयांचकृम	उ०
एवं	स्तम्भयामास	स्तम्भयाम्बभूव		

लृट् (पर०)	स्तम्भयिता	स्तम्भयितारौ	स्तम्भयितारः	प्र०
	स्तम्भयितासि	स्तम्भयितास्थः	स्तम्भयितास्थ	म०
	स्तम्भयितास्मि	स्तम्भयितास्वः	स्तम्भयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	स्तम्भयिष्यति	स्तम्भयिष्यतः	स्तम्भयिष्यन्ति	प्र०
	स्तम्भयिष्यसि	स्तम्भयिष्यथः	स्तम्भयिष्यथ	म०
	स्तम्भयिष्यामि	स्तम्भयिष्यावः	स्तम्भयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	स्तम्भयतु	स्तम्भयताम्	स्तम्भयन्तु	प्र०
	स्तम्भय	स्तम्भयतम्	स्तम्भयत	म०
	स्तम्भयानि	स्तम्भयाव	स्तम्भयाम	उ०
लङ् (पर०)	अस्तम्भयत्	अस्तम्भयताम्	अस्तम्भयन्	प्र०
	अस्तम्भयः	अस्तम्भयतम्	अस्तम्भयत	म०
	अस्तम्भयम्	अस्तम्भयाव	अस्तम्भयाम	उ०
विधि-लिट् (पर०)	स्तम्भयेत्	स्तम्भयेताम्	स्तम्भयेयुः	प्र०
	स्तम्भयेः	स्तम्भयेतम्	स्तम्भयेत	म०
	स्तम्भयेयम्	स्तम्भयेव	स्तम्भयेम	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	स्तम्भ्यात्	स्तम्भ्यास्ताम्	स्तम्भ्यासुः	प्र०
	स्तम्भ्याः	स्तम्भ्यास्तम्	स्तम्भ्यास्त	म०
	स्तम्भ्यासम्	स्तम्भ्यास्व	स्तम्भ्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अतस्तम्भत्	अतस्तम्भताम्	अतस्तम्भन्	प्र०
	अतस्तम्भः	अतस्तम्भतम्	अतस्तम्भत	म०
	अतस्तम्भम्	अतस्तम्भाव	अतस्तम्भाम	उ०
लृङ् (पर०)	अस्तम्भयिष्यत्	अस्तम्भयिष्यताम्	अस्तम्भयिष्यन्	प्र०
	अस्तम्भयिष्यः	अस्तम्भयिष्यतम्	अस्तम्भयिष्यत	म०
	अस्तम्भयिष्यम्	अस्तम्भयिष्याव	अस्तम्भयिष्याम	उ०

20. "षिवु तन्नुसन्ताने" धातु

लट् (पर०)	सेवयति	सेवयतः	सेवयन्ति	प्र०
	सेवयसि	सेवयथः	सेवयथ	म०
	सेवयामि	सेवयावः	सेवयामः	उ०
लिट् (पर०)	सेवयांचकार	सेवयांचक्रतुः	सेवयांचक्रुः	प्र०
	सेवयांचकर्थ	सेवयांचक्रथुः	सेवयांचक्र	म०
	सेवयांचकार	सेवयांचकृव	सेवयांचकृम	उ०

लृट् (पर०)	सेवयिता	सेवयितारौ	सेवयितारः	प्र०
	सेवयितासि	सेवयितास्थः	सेवयितास्थ	म०
	सेवयितास्मि	सेवयितास्वः	सेवयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	सेवयिष्यति	सेवयिष्यतः	सेवयिष्यन्ति	प्र०
	सेवयिष्यसि	सेवयिष्यथः	सेवयिष्यथ	म०
	सेवयिष्यामि	सेवयिष्यावः	सेवयिष्यामः	उ०
लाट् (पर०)	सेवयतु	सेवयताम्	सेवयन्तु	प्र०
	सेवय	सेवयतम्	सेवयत	म०
	सेवयानि	सेवयाव	सेवयाम	उ०
लङ् (पर०)	असेवयत्	असेवयताम्	असेवयन्	प्र०
	असेवयः	असेवयतम्	असेवयत	म०
	असेवयम्	असेवयाव	असेवयाम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	सेवयेत्	सेवयेताम्	सेवयेयुः	प्र०
	सेवयेः	सेवयेतम्	सेवयेत	म०
	सेवयेयम्	सेवयेवाव	सेवयेम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	सेव्यात्	सेव्यास्ताम्	सेव्यासुः	प्र०
	सेव्याः	सेव्यास्तम्	सेव्यास्त	म०
	सेव्यासम्	सेव्यास्त	सेव्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	असीषिवत्	असीषिवताम्	असीषिवन्	प्र०
	असीषिवः	असीषिवतम्	असीषिवत	म०
	असीषिवम्	असीषिवाव	असीषिवाम	उ०
लृङ् (पर०)	असेवयिष्यत्	असेवयिष्यताम्	असेवयिष्यन्	प्र०
	असेवयिष्यः	असेवयिष्यतम्	असेवयिष्यत	म०
	असेवयिष्यम्	असेवयिष्याव	असेवयिष्याम	उ०

21. “बह् मर्षणे” धातु

लट् (पर०)	साहयति	साहयतः	साहयन्ति	प्र०
	साहयसि	साहयथः	साहयथ	म०
	साहयामि	साहयावः	साहयामः	उ०
लिट् (पर०)	साहयांचकार	साहयांचक्रतुः	साहयांचक्रुः	प्र०
	साहयांचकर्थ	साहयांचक्रथुः	साहयांचक्र	म०
	साहयांचकार	साहयांचकृव	साहयांचकृम	उ०

एवं	साहयामास,	साहयाम्बभूव		
लृट् (पर०)	साहयिता	साहयितारौ	साहयितारः	प्र०
	साहयितासि	साहयितास्थः	साहयितास्थ	म०
	साहयितास्मि	साहयितास्वः	साहयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	साहयिष्यति	साहयिष्यतः	साहयिष्यन्ति	प्र०
	साहयिष्यसि	साहयिष्यथः	साहयिष्यथ	म०
	साहयिष्यामि	साहयिष्यावः	साहयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	साहयतु	साहयताम्	साहयन्तु	प्र०
	साहय	साहयतम्	साहयत	म०
	साहयानि	साहयाव	साहयाम	उ०
लङ् (पर०)	असाहयत्	असाहयताम्	असाहयन्	प्र०
	असाहयः	असाहयतम्	असाहयत	म०
	असाहयम्	असाहयाव	असाहयाम	उ०
विधि-लिङ्	साहयेत्	साहयेताम्	साहयेयुः	प्र०
(पर०)	साहयेः	साहयेतम्	साहयेत	म०
	साहयेयम्	साहयेव	साहयेम	उ०
आशिष्-लिङ्	साह्यात्	साह्यास्ताम्	साहयासुः	प्र०
(पर०)	साह्याः	साह्यास्तम्	साह्यास्व	म०
	साह्यासम्	साह्यास्व	साह्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	असीषहत्	असीषहताम्	असीषहन्	प्र०
	असीषहः	असीषहतम्	असीषहत	म०
	असीषिहम्	असीषहाव	असीषहाम	उ०
लृङ् (पर०)	असाहयिष्यत्	असाहयिष्यताम्	असाहयिष्यन्	प्र०
	असाहयिष्यः	असाहयिष्यतम्	असाहयिष्यत	म०
	असाहयिष्यम्	असाहयिष्याव	असाहयिष्याम	उ०

प्रायः एवमेव अद, ओणृ अपनयने, उन्दी, अंड्ड धातु, अर्च, उब्ज आर्जवे द्वु गतौ

22. अट्ट आटिटत्

23. ओणृ अपनयने - पूर्ववदेव

24. उन्दी - औन्दिदत्

25. अड्ड धातु - आड्डिडडत्

26. अर्च - आर्चिचत्

27. उब्ज आर्जवे - औब्जिजत्

28. द्वु गतौ - अदिद्रवत्

29. "रम्" - धातु

लट् (पर०)	रम्भयति	रम्भयतः	रम्भयन्ति	प्र०
	रम्भयसि	रम्भयथः	रम्भयथ	म०
	रम्भयामि	रम्भयावः	रम्भयामः	उ०
लिट् (पर०)	रम्भयामास	रम्भयामासतुः	रम्भयामासुः	प्र०
	रम्भयामासिथ	रम्भयामासथुः	रम्भयामास	म०
	रम्भयामास	रम्भयामासिव	रम्भयामासिम	उ०
एवं	रम्भयांचकार,	रम्भयाम्बभूव		
लुट् (पर०)	रम्भयिता	रम्भयितारौ	रम्भयितारः	प्र०
	रम्भयितासि	रम्भयितास्थः	रम्भयितास्थ	म०
	रम्भयितास्मि	रम्भयितास्वः	रम्भयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	रम्भयिष्यति	रम्भयिष्यतः	रम्भयिष्यन्ति	प्र०
	रम्भयिष्यसि	रम्भयिष्यथः	रम्भयिष्यथ	म०
	रम्भयिष्यामि	रम्भयिष्यावः	रम्भयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	रम्भयतु	रम्भयताम्	रम्भयन्तु	प्र०
	रम्भय	रम्भयतम्	रम्भयत	म०
	रम्भयानि	रम्भयाव	रम्भयाम	उ०
लङ् (पर०)	अरम्भयत्	अरम्भयताम्	अरम्भयन्	प्र०
	अरम्भयः	अरम्भयतम्	अरम्भयत	म०
	अरम्भयम्	अरम्भयाव	अरम्भयाम	उ०
विधि-लिट्	रम्भयेत्	रम्भयेताम्	रम्भयेयुः	प्र०
(पर०)	रम्भयेः	रम्भयेतम्	रम्भयेत्	म०
	रम्भयेयम्	रम्भयेव	रम्भयेम	उ०
आशिष्-लिट्	रम्भ्यात्	रम्भ्यास्ताम्	रम्भ्यासुः	प्र०
(पर०)	रम्भ्याः	रम्भ्यास्तम्	रम्भ्यास्त	म०
	रम्भ्यासम्	रम्भ्यास्व	रम्भ्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अररम्भत्	अररम्भताम्	अररम्भन्	प्र०
	अररम्भः	अररम्भतम्	अररम्भष्ट	म०
	अररम्भम्	अररम्भाव	अररम्भाष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अररम्भयिष्यत्	अररम्भयिष्यताम्	अररम्भयिष्यन्	प्र०
	अररम्भयिष्यः	अररम्भयिष्यतम्	अररम्भयिष्यत	म०
	अररम्भयिष्यम्	अररम्भयिष्याव	अररम्भयिष्याम	उ०

30. लभ् - एवमेव

31. हि गतौ वृद्धौ च - अजीहयत्

32. "दृ विदारणे" धातु

लट् (पर०)	दारयति	दारयतः	दारयन्ति	प्र०
	दारयसि	दारयथः	दारयथ	म०
	दारयामि	दारयावः	दारयामः	उ०
लिट् (पर०)	दारयामास	दारयामासतुः	दारयामासुः	प्र०
	दारयामासिथ	दारयामासथुः	दारयामास	म०
	दारयामास	दारयामासिव	दारयामासिम	उ०
एवं	दारयांचकार,	दारयाम्बभूव		
लुट् (पर०)	दारयिता	दारयितारौ	दारयितारः	प्र०
	दारयितासि	दारयितास्थः	दारयितास्थ	म०
	दारयितास्मि	दारयितास्वः	दारयितास्म	उ०
लृट् (पर०)	दारयिष्यति	दारयिष्यतः	दारयिष्यन्ति	प्र०
	दारयिष्यसि	दारयिष्यथः	दारयिष्यथ	म०
	दारयिष्यामि	दारयिष्यावः	दारयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	दारयतु	दारयताम्	दारयन्तु	प्र०
	दारय	दारयतम्	दारयत	म०
	दारयानि	दारयाव	दारयाम	उ०
लङ् (पर०)	अदारयत्	अदारयताम्	अदारयन्	प्र०
	अदारयः	अदारयतम्	अदारयत	म०
	अदारयम्	अदारयाव	अदारयाम	उ०
विधि-लिट्	दारयेत्	दारयेताम्	दारयेयुः	प्र०
(पर०)	दारयेः	दारयेतम्	दारयेत	म०
	दारयेयम्	दारयेव	दारयेम	उ०
आशिष्-लिट्	दार्यात्	दार्यास्ताम्	दार्यासुः	प्र०
(पर०)	दार्याः	दार्यास्तम्	दार्यास्त	म०
	दार्यासम्	दार्यास्व	दार्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अददरत्	अददरताम्	अददरन्	प्र०
	अददरः	अददरतम्	अददरत	म०
	अददरम्	अददराव	अददराम	उ०

लृङ् (पर०)	अदारयिष्यत्	अदारयिष्यताम्	अदारयिष्यन्	प्र०
	अदारयिष्यः	अदारयिष्यतम्	अदारयिष्यत	म०
	अदारयिष्यम्	अदारयिष्याव	अदारयिष्याम	उ०

33. “वेष्टि” धातु

लट् (पर०)	वेष्टयति	वेष्टयतः	वेष्टयन्ति	प्र०
	वेष्टयसि	वेष्टयथः	वेष्टयथ	म०
	वेष्टयामि	वेष्टयावः	वेष्टयामः	उ०
लिट् (पर०)	वेष्टयांचकार	वेष्टयांचक्रतुः	वेष्टयांचक्रुः	प्र०
	वेष्टयांचकर्थ	वेष्टयांचक्रथुः	वेष्टयांचक्र	म०
	वेष्टयांचकार	वेष्टयांचकृव	वेष्टयांचकृम	उ०
लुट् (पर०)	वेष्टयिता	वेष्टयितारौ	वेष्टयितारः	प्र०
	वेष्टयितासि	वेष्टयितास्थः	वेष्टयितास्थ	म०
	वेष्टयितास्मि	वेष्टयितास्वः	वेष्टयितास्म	उ०
लृट् (पर०)	वेष्टयिष्यति	वेष्टयिष्यतः	वेष्टयिष्यन्ति	प्र०
	वेष्टयिष्यसि	वेष्टयिष्यथः	वेष्टयिष्यथ	म०
	वेष्टयिष्यामि	वेष्टयिष्यावः	वेष्टयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	वेष्टयतु	वेष्टयताम्	वेष्टयन्तु	प्र०
	वेष्टय	वेष्टयतम्	वेष्टयत	म०
	वेष्टयानि	वेष्टयाव	वेष्टयाम	उ०
लङ् (पर०)	अवेष्टयत्	अवेष्टयताम्	अवेष्टयन्	प्र०
	अवेष्टयः	अवेष्टयतम्	अवेष्टयत	म०
	अवेष्टयम्	अवेष्टयाव	अवेष्टयाम	उ०
विधि-लिट् (पर०)	वेष्टयेत्	वेष्टयेताम्	वेष्टयेयुः	प्र०
	वेष्टयेः	वेष्टयेतम्	वेष्टयेत	म०
	वेष्टयेयम्	वेष्टयेव	वेष्टयेम	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	वेष्ट्यात्	वेष्ट्यास्ताम्	वेष्ट्यासुः	प्र०
	वेष्ट्याः	वेष्ट्यास्तम्	वेष्ट्यास्त	म०
	वेष्ट्यासम्	वेष्ट्यास्व	वेष्ट्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अववेष्टत्	अविवेष्टताम्	अविवेष्टन्	प्र०
	अविवेष्टत्			

	अविवेष्टः	अविवेष्टतम्	अविवेष्ट	म०
	अविवेष्टम्	अविवेष्टाव	अविवेष्टाम	उ०
लृङ् (पर०)	अवेष्टयिष्यत्	अवेष्टयिष्यताम्	अवेष्टयिष्यन्	प्र०
	अवेष्टयिष्यः	अवेष्टयिष्यतम्	अवेष्टयिष्यत	म०
	अवेष्टयिष्यम्	अवेष्टयिष्याव	अवेष्टयिष्याम	उ०

34. चेष्टि - अचचेष्टत्

पक्षे - अचिचेष्टत्

35. "भ्राज्" धातु

लट् (पर०)	भ्राजयति	भ्राजयतः	भ्राजयन्ति	प्र०
	भ्राजयसि	भ्राजयथः	भ्राजयथ	म०
	भ्राजयामि	भ्राजयावः	भ्राजयामः	उ०
लिट् (पर०)	भ्राजयामास	भ्राजयामासतुः	भ्राजयामासुः	प्र०
	भ्राजयामासिथ	भ्राजयामासथुः	भ्राजयामास	म०
	भ्राजयामास	भ्राजयामासिव	भ्राजयामासिम	उ०
एवं	भ्राजयांचकार,	भ्राजयाम्बभूव		
लुट् (पर०)	भ्राजयिता	भ्राजयितारौ	भ्राजयितारः	प्र०
	भ्राजयितासि	भ्राजयितास्थः	भ्राजयितास्थ	म०
	भ्राजयितास्मि	भ्राजयितास्वः	भ्राजयितास्म	उ०
लृट् (पर०)	भ्राजयिष्यति	भ्राजयिष्यतः	भ्राजयिष्यन्ति	प्र०
	भ्राजयिष्यसि	भ्राजयिष्यथः	भ्राजयिष्यथ	म०
	भ्राजयिष्यामि	भ्राजयिष्यावः	भ्राजयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	भ्राजयतु	भ्राजयताम्	भ्राजयन्तु	प्र०
	भ्राजय	भ्राजयतम्	भ्राजयत	म०
	भ्राजयानि	भ्राजयाव	भ्राजयाम	उ०
लङ् (पर०)	अभ्राजयत्	अभ्राजयताम्	अभ्राजयन्	प्र०
	अभ्राजयः	अभ्राजयतम्	अभ्राजयत	म०
	अभ्राजयम्	अभ्राजयाव	अभ्राजयाम	उ०
विधि-लिट्	भ्राजयेत्	भ्राजयेयाताम्	भ्राजयेयुः	प्र०
(पर०)	भ्राजयेः	भ्राजयेयातम्	भ्राजयेत्	म०
	भ्राजयेयम्	भ्राजयेव	भ्राजयेम	उ०

आशिष्-लिङ् (पर०)	भ्राज्यात् भ्राज्याः भ्राज्यासम्	भ्राज्यास्ताम् भ्राज्यास्तम् भ्राज्यास्व	भ्राज्यासुः भ्राज्यास्त भ्राज्यास्म	प्र० म० उ०
लुङ् (पर०)	अबिभ्रजत् अबिभ्राजत् अबिभ्रजः अबिभ्रजम्	अबिभ्रजताम् अबिभ्रजतम् अबिभ्रजाव अबिभ्रजाम्	अबिभ्रजन् अबिभ्रजत् अबिभ्रजाम अबिभ्रजाम्	प्र० म० उ० प्र०
लृङ् (पर०)	अभ्राजयिष्यत् अभ्राजयिष्यः अभ्राजयिष्यम्	अभ्राजयिष्यताम् अभ्राजयिष्यतम् अभ्राजयिष्याव	अभ्राजयिष्यन् अभ्राजयिष्यत अभ्राजयिष्याम	प्र० म० उ०
36. "गण निमीलने" - अचीकणत्	पक्षे - अचकाणत्			
37. "रज शब्दे" - पूर्ववदेव	38. "ऋण दाने" - पूर्ववदेव			
39. "लुप छेदने" - पूर्ववदेव	40. "हेठ विवाधायाम्" - पूर्ववदेव			
41. "चणदाने" - पूर्ववदेव				
42. "स्वप्" धातु				
लट् (पर०)	स्वापयति स्वापयसि स्वापयामि	स्वापयतः स्वापयथः स्वापयावः	स्वापयन्ति स्वापयथ स्वापयामः	प्र० म० उ०
लिट् (पर०)	स्वापयांचकार स्वापयांचकर्त्तुः स्वापयांचकृत्	स्वापयांचक्रतुः स्वापयांचक्रथुः स्वापयांचकृव	स्वापयांचक्रुः स्वापयांचक्र स्वापयांचकृम	प्र० म० उ०
एवं	स्वापयामास,	स्वापयाम्बभूव		
लुट् (पर०)	स्वापयिता स्वापयितासि स्वापयितास्मि	स्वापयितारौ स्वापयितास्थः स्वापयितास्वः	स्वापयितारः स्वापयितास्थ स्वापयितास्मः	प्र० म० उ०
लृट् (पर०)	स्वापयिष्यति स्वापयिष्यसि स्वापयिष्यामि	स्वापयिष्यतः स्वापयिष्यथः स्वापयिष्यावः	स्वापयिष्यन्ति स्वापयिष्यथ स्वापयिष्यामः	प्र० म० उ०
लोट् (पर०)	स्वापयतु स्वापय स्वापयानि	स्वापयताम् स्वापयतम् स्वापयावः	स्वापयन्तु स्वापयत स्वापयामः	प्र० म० उ०

लङ् (पर०)	अस्वापयत्	अस्वापयताम्	अस्वापयन्	प्र०
	अस्वापयः	अस्वापयतम्	अस्वापयत	म०
	अस्वापयम्	अस्वापयाव	अस्वापयाम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	स्वापयेत्	स्वापयेताम्	स्वापयेयुः	प्र०
	स्वापयेः	स्वापयेतम्	स्वापयेत्	म०
	स्वापयेयम्	स्वापयेव	स्वापयेम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	स्वाप्यात्	स्वाप्यास्ताम्	स्वाप्यासुः	प्र०
	स्वाप्याः	स्वाप्यास्तम्	स्वाप्यास्त	म०
	स्वाप्यासम्	स्वाप्यास्व	स्वाप्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	असूषुपत्	असूषुपताम्	असूषुपन्	प्र०
	असूषुपः	असूषुपतम्	असूषुपत	म०
	असूषुपम्	असूषुपाव	असूषुपाम	उ०
लृङ् (पर०)	अस्वापयिष्यत्	अस्वापयिष्यताम्	अस्वापयिष्यन्	प्र०
	अस्वापयिष्यः	अस्वापयिष्यतम्	अस्वापयिष्यत	म०
	अस्वापयिष्यम्	अस्वापयिष्याव	अस्वापयिष्याम्	उ०

43. “शो तनूकरणे” धातु

लट् (पर०)	शाययति	शाययतः	शाययन्ति	प्र०
	शाययसि	शाययथः	शाययथ	म०
	शाययामि	शाययावः	शाययामः	उ०
लिट् (पर०)	शाययांचकार	शाययांचक्रतुः	शाययांचक्रुः	प्र०
	शाययांचकर्थ	शाययांचक्रथुः	शाययांचक्र	म०
	शाययांचकार	शाययांचकृव	शाययांचकृम	उ०
एवं	शाययामास,	शाययाम्बभूव		
लुट् (पर०)	शाययिता	शाययितारौ	शाययितारः	प्र०
	शाययितासि	शाययितास्थः	शाययितास्थ	म०
	शाययितास्मि	शाययितास्वः	शाययितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	शाययिष्यति	शाययिष्यतः	शाययिष्यन्ति	प्र०
	शाययिष्यसि	शाययिष्यथः	शाययिष्यथ	म०
	शाययिष्यामि	शाययिष्यावः	शाययिष्यामः	उ०

लोट् (पर०)	शाययतु	शाययताम्	शाययन्तु	प्र०
	शायय	शाययतम्	शाययत	म०
	शाययानि	शाययावः	शाययामः	उ०
लङ् (पर०)	अशाययत्	अशाययताम्	अशाययन्	प्र०
	अशाययः	अशाययतम्	अशाययत	म०
	अशाययम्	अशाययाव	अशाययाम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	शाययेत्	शाययेताम्	शाययेयुः	प्र०
	शाययेः	शाययेतम्	शाययेत	म०
	शाययेयम्	शाययेव	शाययेम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	शाय्यात्	शाय्यास्ताम्	शाय्यासुः	प्र०
	शाय्याः	शाय्यास्तम्	शाय्यास्त	म०
	शाय्यासम्	शाय्यास्व	शाय्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अशीशयत्	अशीशयताम्	अशीशयन्	प्र०
	अशीशयः	अशीशयतम्	अशीशयत्	म०
	अशीशयम्	अशीशयाव	अशीशयाम्	उ०
लृङ् (पर०)	अशाययिष्यत्	अशाययिष्यताम्	अशाययिष्यन्	प्र०
	अशाययिष्यः	अशाययिष्यतम्	अशाययिष्यत	म०
	अशाययिष्यम्	अशाययिष्याव	अशाययिष्याम्	उ०

44. "छो छेदने" एवमेव

45. "षोअन्तःकर्मणि" एवमेव

46. "ह्वेज् स्पर्धायां शब्दे च"

47. "व्येज्" - संदरणे

48. "वेज् तन्तु सन्ताने"

49. "पा पाने"

50. "ऋ गतौ"

लट् (पर०)	अर्पयति	अर्पयतः	अर्पयन्ति	प्र०
	अर्पयसि	अर्पयथः	अर्पयथ	म०
	अर्पयामि	अर्पयाव	अर्पयाम	उ०
लिट् (पर०)	अर्पयांचकार	अर्पयांचक्रतुः	अर्पयांचक्रुः	प्र०
	अर्पयांचकर्थ	अर्पयांचक्रथुः	अर्पयांचक्र	म०
	अर्पयांचकार	अर्पयांचकृव	अर्पयांचकृम	उ०
लुट् (पर०)	अर्पयिता	अर्पयितारौ	अर्पयितारः	प्र०
	अर्पयितासि	अर्पयितास्थः	अर्पयितास्थ	म०
	अर्पयितास्मि	अर्पयितास्वः	अर्पयितास्मः	उ०

लृट् (पर०)	अर्पयिष्यति	अर्पयिष्यतः	अर्पयिष्यन्ति	प्र०
	अर्पयिष्यसि	अर्पयिष्यथः	अर्पयिष्यथ	म०
	अर्पयिष्यामि	अर्पयिष्यावः	अर्पयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	अर्पयतु	अर्पयताम्	अर्पयन्तु	प्र०
	अर्पय	अर्पयतम्	अर्पयत	म०
	अर्पयानि	अर्पयाव	अर्पयाम	उ०
लङ् (पर०)	आर्पयत्	आर्पयताम्	आर्पयन्	प्र०
	आर्पयः	आर्पयतम्	आर्पयत	म०
	आर्पयम्	आर्पयाव	आर्पयाम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	अर्पयेत्	अर्पयेताम्	अर्पयेयुः	प्र०
	अर्पयेः	अर्पयेतम्	अर्पयेत	म०
	अर्पयेयम्	अर्पयेव	अर्पयेम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	अर्प्यात्	अर्प्यास्ताम्	अर्प्यासुः	प्र०
	अर्प्याः	अर्प्यास्तम्	अर्प्यास्त	म०
	अर्प्यासम्	अर्प्यास्व	अर्प्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	आर्पिपत्	आर्पिपताम्	आर्पिपन्	प्र०
	आर्पिपः	आर्पिपतम्	आर्पिपत्	म०
	आर्पिपम्	आर्पिपाव	आर्पिपाम्	उ०
लृट् (पर०)	आर्पयिष्यत्	आर्पयिष्यताम्	आर्पयिष्यन्	प्र०
	आर्पयिष्यः	आर्पयिष्यतम्	आर्पयिष्यत	म०
	आर्पयिष्यम्	आर्पयिष्याव	आर्पयिष्याम	उ०

51. “ह्री” - लज्जायाम् हेपयति

52. “ब्ली विशरणे” - ब्लेपयति - अबीब्लीयत्

53. “री क्षमे” - रेपयति

54. “क्नूयी” - क्नोपयति

55. “क्षमायी विधून्ने” - क्षमापयन्ति

56. “स्था” धातु

लट् (पर०)	स्थापयति	स्थापयतः	स्थापयन्ति	प्र०
	स्थापयसि	स्थापयथः	स्थापयथ	म०
	स्थापयामि	स्थापयावः	स्थापयामः	उ०

(आ०)	स्थापयते	स्थापयेते	स्थापयन्ते	प्र०
	स्थापयसे	स्थापयेथे	स्थापयध्वे	म०
	स्थापये	स्थापयावहे	स्थापयामहे	उ०
लिट् (पर०)	स्थापयांचकार	स्थापयांचक्रतुः	स्थापयांचक्रुः	प्र०
	स्थापयांचकर्थं	स्थापयांचक्रथुः	स्थापयांचक्र	म०
	स्थापयांचकार	स्थापयांचकृव	स्थापयांचकृम	उ०
(आ०)	स्थापयांचक्रे	स्थापयांचक्राते	स्थापयांचक्रिरे	प्र०
	स्थापयांचकृषे	स्थापयांचक्राथे	स्थापयांचकृध्वे	म०
	स्थापयांचक्रे	स्थापयांचकृवहे	स्थापयांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	स्थापयिता	स्थापयितारौ	स्थापयितारः	प्र०
	स्थापयितासि	स्थापयितास्थः	स्थापयितास्थ	म०
	स्थापयितास्मि	स्थापयितास्वः	स्थापयितास्मः	उ०
(आ०)	स्थापयिता	स्थापयितारौ	स्थापयितारः	प्र०
	स्थापयितासे	स्थापयितास्थः	स्थापयिताध्वे	म०
	स्थापयिताहे	स्थापयितास्वहे	स्थापयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	स्थापयिष्यति	स्थापयिष्यतः	शाययिष्यन्ति	प्र०
	स्थापयिष्यसि	स्थापयिष्यथः	शाययिष्यथ	म०
	स्थापयिष्यामि	स्थापयिष्यावः	शाययिष्यामः	उ०
(आ०)	स्थापयिष्यते	स्थापयिष्येते	शाययिष्यन्ते	प्र०
	स्थापयिष्यसे	स्थापयिष्याथे	शाययिष्यध्वे	म०
	स्थापयिष्ये	स्थापयिष्यावहे	शाययिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	स्थापयतु	स्थापयताम्	स्थापयन्तु	प्र०
	स्थापय	स्थापयतम्	स्थापयत	म०
	स्थापयानि	स्थापयावः	स्थापयाम	उ०
(आ०)	स्थापयताम्	स्थापयेताम्	स्थापयन्ताम्	प्र०
	स्थापयिष्यसे	स्थापयेथाम्	स्थापयध्वम्	म०
	स्थापयै	स्थापयावहै	स्थापयामहै	उ०
लङ् (पर०)	अस्थापयत्	अस्थापयताम्	अस्थापयन्	प्र०
	अस्थापयः	अस्थापयतम्	अस्थापयत	म०
	अस्थापयम्	अस्थापयाव	अस्थापयाम	उ०

(आ०)	अस्थापयत	अस्थापयेताम्	अस्थापयन्त	प्र०
	अस्थापयथाः	अस्थापयेथाम्	अस्थापयध्वम्	म०
	अस्थापये	अस्थापयावहि	अस्थापयामहि	उ०
विधि-लिङ्	स्थापयेत्	स्थापयेताम्	स्थापयेयुः	प्र०
(पर०)	स्थापयेः	स्थापयेतम्	स्थापयत	म०
	स्थापयेयम्	स्थापयेव	स्थापयेम	उ०
(आ०)	स्थापयेत्	स्थापयेयाताम्	स्थापयेरन्	प्र०
	स्थापयेथाः	स्थापयेयाथाम्	स्थापयेध्वम्	म०
	स्थापयेय	स्थापयेवहि	स्थापयेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	स्थाप्यात्	स्थाप्यास्ताम्	स्थाप्यासुः	प्र०
(पर०)	स्थाप्याः	स्थाप्यास्तम्	स्थाप्यास्त	म०
	स्थाप्यासम्	स्थाप्यास्व	स्थाप्यास्म	उ०
(आ०)	स्थापयिषीष्ट	स्थापयिषीयास्ताम्	स्थापयिषीरन्	प्र०
	स्थापयिषीष्ठाः	स्थापयिषीयास्थाम्	स्थापयिषीध्वम्	म०
	स्थापयिषीय	स्थापयिषीवहि	स्थापयिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अतिष्ठिपत्	अतिष्ठिपताम्	अतिष्ठिपन्	प्र०
	अतिष्ठिपः	अतिष्ठिपतम्	अतिष्ठिपत	म०
	अतिष्ठिपम्	अतिष्ठिपाव	अतिष्ठिपाम	उ०
(आ०)	अतिष्ठिपत	अतिष्ठिपेताम्	अतिष्ठिपन्त	प्र०
	अतिष्ठिपेथाः	अतिष्ठिपेथाम्	अतिष्ठिपध्वम्	म०
	अतिष्ठिपे	अतिष्ठिपावहि	अतिष्ठियामहि	उ०
लृङ् (पर०)	अस्थापयिष्यत्	अस्थापयिष्यताम्	अस्थापयिष्यन्	प्र०
	अस्थापयिष्यः	अस्थापयिष्यतम्	अस्थापयिष्यत	म०
	अस्थापयिष्यम्	अस्थापयिष्याव	अस्थापयिष्याम्	उ०
(आ०)	अस्थापयिष्यत	अस्थापयिष्येताम्	अस्थापयिष्यन्त	प्र०
	अस्थापयिष्यथाः	अस्थापयिष्येथाम्	अस्थापयिष्यध्वम्	म०
	अस्थापयिष्ये	अस्थापयिष्यावहि	अस्थापयिष्यामहि	उ०

57. घ्रा - घ्रापयति, अजिघ्रपत्

58. कृत - अचीकृतत्

59. वृतु वर्तने - अवीवृतत्

पक्षे - अवर्ततत्

60. मृज् - अमीमृजत् - अममार्जत्

61. पाल रक्षणे - वर्तमाने पालय

62. "वो विधूनने" - वाजयति

63. "वे" - वाययति

64. “ली” - श्लेषणे” - इति करणस्य श्लेषणे
 65. “ली” - विलीनयति पक्षे - विलालयति
 66. “ला” - विलापयति
 67. “स्फी” धातु

लट् (पर०)	स्फावयति	स्फावयतः	स्फावयन्ति	प्र०
	स्फावयसि	स्फावयथः	स्फावयथ	म०
	स्फावयामि	स्फावयावः	स्फावयामः	उ०
लिट् (पर०)	स्फावयांचकार	स्फावयांचक्रतुः	स्फावयांचक्रुः	प्र०
	स्फावयांचकर्थ	स्फावयांचक्रथुः	स्फावयांचक्रः	म०
	स्फावयांचकार	स्फावयांचकृव	स्फावयांचकृम	उ०
एवं	स्फावयामास,	स्फावयाम्बभूव		
लुट् (पर०)	स्फावयिता	स्फावयितारौ	स्फावयितारः	प्र०
	स्फावयितासि	स्फावयितास्थः	स्फावयितास्थ	म०
	स्फावयितास्मि	स्फावयितास्वः	स्फावयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	स्फावयिष्यति	स्फावयिष्यतः	स्फावयिष्यन्ति	प्र०
	स्फावयिष्यसि	स्फावयिष्यथः	स्फावयिष्यथ	म०
	स्फावयिष्यामि	स्फावयिष्यावः	स्फावयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	स्फावयतु	स्फावयताम्	स्फावयन्तु	प्र०
	स्फावय	स्फावयतम्	स्फावयत	म०
	स्फावयम्	स्फावयाव	स्फावयाम	उ०
लङ् (पर०)	अस्फावयत्	अस्फावयताम्	अस्फावयन्	प्र०
	अस्फावयः	अस्फावयतम्	अस्फावयत	म०
	अस्फावयम्	अस्फावयाव	अस्फावेयाम	उ०
विधि-लिट्	स्फावयेत्	स्फावयेताम्	स्फावयेयुः	प्र०
(पर०)	स्फावयेवः	स्फावयेतम्	स्फावयेत	म०
	स्फावय	स्फावयेव	स्फावयेम	उ०
आशिष्-लिट्	स्फाव्यात्	स्फाव्यास्ताम्	स्फाव्यासुः	प्र०
(पर०)	स्फाव्याः	स्फाव्यास्तम्	स्फाव्यास्त	म०
	स्फाव्यासम्	स्फाव्यास्व	स्फाव्यास्म	उ०

लुङ् (पर०)	अपिस्फवत्	अपिस्फवताम्	अपिस्फवन्	प्र०
	अपिस्फवः	अपिस्फवतम्	अपिस्फवत	म०
	अपिस्फवम्	अपिस्फवाव	अपिस्फवाम	उ०
लृङ् (पर०)	अस्फावयिष्यत्	अस्फावयिष्यताम्	अस्फावयिष्यन्	प्र०
	अस्फावयिष्यः	अस्फावयिष्यतम्	अस्फावयिष्यत	म०
	अस्फावयिष्यम्	अस्फावयिष्याव	अस्फावयिष्याम	उ०

68. “शदि गतौ” - शातयति

69. “रूहः पोऽन्यतरस्याम्” धातु

लट् (पर०)	रोपयति	रोपयतः	रोपयन्ति	प्र०
	रोपयसि	रोपयथः	रोपयथ	म०
	रोपयामि	रोपयावः	रोपयामः	उ०
लिट् (पर०)	रोपयांचकार	रोपयांचक्रतुः	रोपयांचक्रुः	प्र०
	रोपयांचकर्थ	रोपयांचक्रथुः	रोपयांचक्रः	म०
	रोपयांचकार	रोपयांचकृव	रोपयांचकृम	उ०
लुट् (पर०)	रोपयिता	रोपयितारौ	रोपयितारः	प्र०
	रोपयितासि	रोपयितास्थः	रोपयितास्थ	म०
	रोपयितास्मि	रोपयितास्वः	रोपयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	रोपयिष्यति	रोपयिष्यतः	रोपयिष्यन्ति	प्र०
	रोपयिष्यसि	रोपयिष्यथः	रोपयिष्यथ	म०
	रोपयिष्यामि	रोपयिष्यावः	रोपयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	रोपयतु	रोपयताम्	रोपयन्तु	प्र०
	रोपय	रोपयतम्	रोपयत	म०
	रोपयानि	रोपयाव	रोपयाम	उ०
लङ् (पर०)	अरोपयत्	अरोपयताम्	अरोपयन्	प्र०
	अरोपयः	अरोपयतम्	अरोपयत	म०
	अरोपयम्	अरोपयाव	अरोपयाम	उ०
विधि-लिट्	रोपयेत्	रोपयेयताम्	रोपयेयुः	प्र०
(पर०)	रोपयेः	रोपयेयतम्	रोपयेत	म०
	रोपयेयम्	रोपयेव	रोपयेम	उ०

आशिष्-लिङ् (पर०)	रोष्यात् रोष्याः रोष्यासम्	रोष्यास्ताम् रोष्यास्तम् रोष्यास्व	रोष्यासुः रोष्यास्त रोष्यास्म	प्र० म० उ०
लुङ् (पर०)	अरूरूपत् अरूरूपः अरूरूपम्	अरूरूपताम् अरूरूपतम् अरूरूपाव	अरूरूपन् अरूरूपत अरूरूपाम	प्र० म० उ०
लृङ् (पर०)	अरोपयिष्यत् अरोपयिष्यः अरोपयिष्यम्	अरोपयिष्यताम् अरोपयिष्यतम् अरोपयिष्याव	अरोपयिष्यन् अरोपयिष्यत अरोपयिष्याम	प्र० म० उ०

70. “क्री” धातु

लट् (पर०)	क्रापयति क्रापयसि क्रापयामि	क्रापयतः क्रापयथः क्रापयावः	क्रापयन्ति क्रापयथ क्रापयामः	प्र० म० उ०
लिट् (पर०)	क्रापयामास क्रापयामासिथ क्रापयामास	क्रापयामासतुः क्रापयामासथुः क्रापयामासिव	क्रापयामासुः क्रापयामास क्रापयामासिम	प्र० म० उ०
एवं	क्रापयांचकार,	क्रापयाम्बभूव		
लुट् (पर०)	क्रापयिता क्रापयितासि क्रापयितास्मि	क्रापयितारौ क्रापयितास्थः क्रापयितास्वः	क्रापयितारः क्रापयितास्थ क्रापयितास्म	प्र० म० उ०
लृट् (पर०)	क्रापयिष्यति क्रापयिष्यसि क्रापयिष्यामि	क्रापयिष्यतः क्रापयिष्यथः क्रापयिष्यावः	क्रापयिष्यन्ति क्रापयिष्यथ क्रापयिष्यामः	प्र० म० उ०
लोट् (पर०)	क्रापयतु क्रापय क्रापयानि	क्रापयताम् क्रापयतम् क्रापयाव	क्रापयन्तु क्रापयत क्रापयाम	प्र० म० उ०
लङ् (पर०)	अक्रापयत् अक्रापयः अक्रापयम्	अक्रापयताम् अक्रापयतम् अक्रापयाव	अक्रापयन् अक्रापयत अक्रापयाम	प्र० म० उ०

विधि-लिङ्	क्रापयेत्	क्रापयेताम्	क्रापयेयुः	प्र०
(पर०)	क्रापयेः	क्रापयेतम्	क्रापयेत	म०
	क्रापयेयम्	क्रापयेव	क्रापयेम	उ०
आशिष्-लिङ्	क्राप्यात्	क्राप्यास्ताम्	क्राप्यासुः	प्र०
(पर०)	क्राप्याः	क्राप्यास्तम्	क्राप्यास्त	म०
	क्राप्यासम्	क्राप्यास्व	क्राप्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अचिक्रपत्	अचिक्रपताम्	अचिक्रपन्	प्र०
	अचिक्रपः	अचिक्रपताम्	अचिक्रपत	म०
	अचिक्रयम्	अचिक्रपाव	अचिक्रपाम्	उ०
लृङ् (पर०)	अक्रापयिष्यत्	अक्रापयिष्यताम्	अक्रापयिष्यन्	प्र०
	अक्रापयिष्यः	अक्रापयिष्यतम्	अक्रापयिष्यत	म०
	अक्रापयिष्यम्	अक्रापयिष्याव	अक्रापयिष्याम	उ०

71. "इङ्" धातु

लट् (पर०)	अध्यापयति	अध्यापयतः	अध्यापयन्ति	प्र०
	अध्यापयसि	अध्यापयथः	अध्यापयथ	म०
	अध्यापयामि	अध्यापयावः	अध्यापयामः	उ०
लिट् (पर०)	अध्यापयांचकार	अध्यापयांचक्रतुः	अध्यापयांचक्रुः	प्र०
	अध्यापयांचकर्थ	अध्यापयांचक्रथुः	अध्यापयांचक्र	म०
	अध्यापयांचकार	अध्यापयांचकृव	अध्यापयांचकृम	उ०
एवं	अध्यापयामास	अध्यापयाम्बभूव		
लुट् (पर०)	अध्यापयिता	अध्यापयितारौ	अध्यापयितारः	प्र०
	अध्यापयितासि	अध्यापयितास्थः	अध्यापयितास्थ	म०
	अध्यापयितास्मि	अध्यापयितास्वः	अध्यापयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	अध्यापयिष्यति	अध्यापयिष्यतः	अध्यापयिष्यन्ति	प्र०
	अध्यापयिष्यसि	अध्यापयिष्यथः	अध्यापयिष्यथ	म०
	अध्यापयिष्यामि	अध्यापयिष्यावः	अध्यापयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	अध्यापयतु	अध्यापयताम्	अध्यापयन्तु	प्र०
	अध्यापय	अध्यापयतम्	अध्यापयत	म०
	अध्यापयम्	अध्यापयाव	अध्यापयाम	उ०

लङ् (पर०)	अध्यापयत्	अध्यापयताम्	अध्यापयन्	प्र०
	अध्यापयः	अस्फावयतम्	अस्फावयत	म०
	अध्यापयम्	अध्यापयाव	अध्यापयाम	उ०
विधि-लिङ्	अध्यापयेत्	अध्यापयेताम्	अध्यापयेयुः	प्र०
(पर०)	अध्यापयेः	स्फावयेतम्	स्फावयेत	म०
	अध्यापयेयम्	अध्यापयेव	अध्यापयेम	उ०
आशिष्-लिङ्	अध्याप्यात्	अध्याप्यास्ताम्	अध्याप्यासुः	प्र०
(पर०)	अध्याप्याः	अध्याप्यास्तम्	अध्याप्यास्त	म०
	अध्याप्यासम्	अध्याप्यास्व	अध्याप्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अध्यापिपत्	अध्यापिपताम्	अध्यापिपन्	प्र०
	अध्यापिपः	अध्यापिपतम्	अध्यापिपत	म०
	अध्यापिपम्	अध्यापिपाव	अध्यापिपाम	उ०
लृङ् (पर०)	अध्यापयिष्यत्	अध्यापयिष्यताम्	अध्यापयिष्यन्	प्र०
	अध्यापयिष्यः	अध्यापयिष्यतम्	अध्यापयिष्यत	म०
	अध्यापयिष्यम्	अध्यापयिष्याव	अध्यापयिष्याम	उ०

72. “जि जेये” - जापयति

73. “वी” - वापयति, वाययति

74. “गुहू संवरणे” - गूहयति

75. “दुष वैकृत्ये” - दूषयति - दोषयति

76. “घट” - घटयति

77. “जनी” - जनयति

78. “जूष” - जरयति, जृणातेस्तु, जारयति

79. “रंज रागे” - रजयति मृगान् (मृगरमणे - न लोपः)

पक्षे - रज्जयति

80. “चिर” - चपयति - चपयति

81. “चिज्” - चापयति, चाययति

82. “स्फुर” - स्फारयति, स्फोरयति, अपुस्फुरत्

पक्षे - अपुस्फुरत्

83. “अनप्राणने” - प्राणिणत्

84. “इण” - गमयति

85. “अधि” - पूर्वक

लट् (पर०)	अधिगमयति	अधिगमयतः	अधिगमयन्ति	प्र०
-----------	----------	----------	------------	------

	अधिगमयसि	अधिगमयथः	अधिगमयथ	म०
--	----------	----------	---------	----

	अधिगमयामि	अधिगमयावः	अधिगमयामः	उ०
--	-----------	-----------	-----------	----

लिट् (पर०)	अधिगमयांचकार	अधिगमयांचक्रतुः	अधिगमयांचक्रुः	प्र०
	अधिगमयांचकर्थ	अधिगमयांचक्रथुः	अधिगमयांचक्र	म०
	अधिगमयांचकार	अधिगमयांचकृव	अधिगमयांचकृम	उ०
लुट् (पर०)	अधिगमयिता	अधिगमयितारौ	अधिगमयितारः	प्र०
	अधिगमयितासि	अधिगमयितास्थः	अधिगमयितास्थ	म०
	अधिगमयितास्मि	अधिगमयितास्वः	अधिगमयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	अधिगमयिष्यति	अधिगमयिष्यतः	अधिगमयिष्यन्ति	प्र०
	अधिगमयिष्यसि	अधिगमयिष्यथः	अधिगमयिष्यथ	म०
	अधिगमयिष्यामि	अधिगमयिष्यावः	अधिगमयिष्याम	उ०
लोट् (पर०)	अधिगमयतु	अधिगमयताम्	अधिगमयन्तु	प्र०
	अधिगमय	अधिगमयतम्	अधिगमयत	म०
	अधिगमयम्	अधिगमयाव	अधिगमयाम	उ०
लङ् (पर०)	अध्यगमयत्	अध्यगमयताम्	अध्यगमयन्	प्र०
	अध्यगमयः	अध्यगमयतम्	अध्यगमयत	म०
	अध्यगमयम्	अध्यगमयाव	अध्यगमयाम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	अधिगमयेत्	अधिगमयेताम्	अधिगमयेयुः	प्र०
	अधिगमयेः	अधिगमयेतम्	अधिगमयेत	म०
	अधिगमयेयम्	अधिगमयेव	अधिगमयेम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	अधिगम्यात्	अधिगम्यास्ताम्	अधिगम्यासुः	प्र०
	अधिगम्याः	अधिगम्यातम्	अधिगम्यास्त	म०
	अधिगम्यासम्	अधिगम्यास्व	अधिगम्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अध्यजीगमत्	अध्यजीगमताम्	अध्यजीगमयन्	प्र०
	अध्यजीगमः	अध्यजीगमतम्	अध्यजीगमत	म०
	अध्यजीगमम्	अध्यजीगमाव	अध्यजीगमाम	उ०
लृङ् (पर०)	अध्यगमिष्यत्	अध्यगमिष्यताम्	अध्यगमिष्यन्	प्र०
	अध्यगमिष्यः	अध्यगमिष्यतम्	अध्यगमिष्यत	म०
	अध्यगमिष्यम्	अध्यगमिष्याव	अध्यगमिष्याम	उ०

86. “हन्” - घातयति

87. “ईर्ष्य” - ईर्ष्ययति

सन्नन्तप्रकरणम्

1. "भू" धातु

लट् (पर०)	बुभूषति	बुभूषतः	बुभूषन्ति	प्र०
	बुभूषसि	बुभूषथः	बुभूषथ	म०
	बुभूषामि	बुभूषावः	बुभूषामः	उ०
लिट् (पर०)	बुभूषांचकार	बुभूषांचक्रतुः	बुभूषांचक्रुः	प्र०
	बुभूषांचकर्थ	बुभूषांचक्रथुः	बुभूषांचक्र	म०
	बुभूषांचकार	बुभूषांचकृव	बुभूषांचकृम	उ०
(पक्षे)	बुभूषांवभूव	बुभूषामास इत्यादि		
लुट् (पर०)	बुभूषिता	बुभूषितारौ	बुभूषितारः	प्र०
	बुभूषितासि	बुभूषितास्थः	बुभूषितास्थ	म०
	बुभूषितास्मि	बुभूषितास्वः	बुभूषितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	बुभूषिष्यति	बुभूषिष्यतः	बुभूषिष्यन्ति	प्र०
	बुभूषिष्यसि	बुभूषिष्यथः	बुभूषिष्यथ	म०
	बुभूषिष्यामि	बुभूषिष्यावः	बुभूषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	बुभूषतु-तात्	बुभूषताम्	बुभूषन्तु	प्र०
	बुभूष-तात्	बुभूषतम्	बुभूषत	म०
	बुभूषाणि	बुभूषाव	बुभूषाम	उ०
लङ् (पर०)	अबुभूषत्	अबुभूषताम्	अबुभूषन्	प्र०
	अबुभूषः	अबुभूषतम्	अबुभूषत्	म०
	अबुभूषम्	अबुभूषाव	अबुभूषाम	उ०
विधि-लिट्	बुभूषेत्	बुभूषेताम्	बुभूषेयुः	प्र०
(पर०)	बुभूषेः	बुभूषेतम्	बुभूषेत	म०
	बुभूषेयम्	बुभूषेव	बुभूषेम	उ०
आशिष्-लिट्	बुभूष्यात्	बुभूष्यास्ताम्	बुभूष्यासुः	प्र०
(पर०)	बुभूष्याः	बुभूष्यास्तम्	बुभूष्यास्त	म०
	बुभूष्याम्	बुभूष्यास्व	बुभूष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अबुभूषीत्	अबुभूषिष्टाम्	अबुभूषिषुः	प्र०
	अबुभूषीः	अबुभूषिष्टम्	अबुभूषिष्ट	म०
	अबुभूषिषम्	अबुभूषिष्व	अबुभूषिष्व	उ०

लृङ् (पर०)	अबुभूषिष्यत्	अबुभूषिष्यताम्	अबुभूषिष्यन्	प्र०
	अबुभूषिष्यः	अबुभूषिष्यतम्	अबुभूषिष्यत	म०
	अबुभूषिष्यम्	अबुभूषिष्याव	अबुभूषिष्याम	उ०

2. "पठ" धातु

लट् (पर०)	पिपठिषति	पिपठिषतः	पिपठिषन्ति	प्र०
	पिपठिषसि	पिपठिषथः	पिपठिषथ	म०
	पिपठिषामि	पिपठिषावः	पिपठिषामः	उ०
लिट् (पर०)	पिपठिषांचकार	पिपठिषांचक्रतुः	पिपठिषांचक्रुः	प्र०
	पिपठिषांचकर्त्तुः	पिपठिषांचक्रथुः	पिपठिषांचक्रे	म०
	पिपठिषांचकार	पिपठिषांचकृव	पिपठिषांचकृम	उ०
(पक्षे)	पिपठिषामास	पिपठिषांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	पिपठिषिता	पिपठिषितारौ	पिपठिषितारः	प्र०
	पिपठिषितासि	पिपठिषितास्थ	पिपठिषितास्थ	म०
	पिपठिषितास्मि	पिपठिषितास्वः	पिपठिषितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	पिपठिषिष्यति	पिपठिषिष्यतः	पिपठिषिष्यन्ति	प्र०
	पिपठिषिष्यसि	पिपठिषिष्यथः	पिपठिषिष्यथ	म०
	पिपठिषिष्यामि	पिपठिषिष्यावः	पिपठिषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	पिपठिषतु-तात्	पिपठिषताम्	पिपठिषन्तु	प्र०
	पिपठिष-तात्	पिपठिषतम्	पिपठिषत	म०
	पिपठिषानि	पिपठिषावः	पिपठिषामः	उ०
लङ् (पर०)	अपिपठिषत्	अपिपठिषताम्	अपिपठिषन्	प्र०
	अपिपठिषथः	अपिपठिषतम्	अपिपठिषन्	म०
	अपिपठिषम्	अपिपठिषाव	अपिपठिषाम	उ०
विधि-लिट्	पिपठिषेत्	पिपठिषेताम्	पिपठिषेयुः	प्र०
(पर०)	पिपठिषेः	पिपठिषेतम्	पिपठिषेत	म०
	पिपठिषेयम्	पिपठिषेव	पिपठिषेम	उ०
आशिष्-लिट्	पिपठिष्यात्	पिपठिष्यास्ताम्	पिपठिष्यासुः	प्र०
(पर०)	पिपठिष्याः	पिपठिष्यास्तम्	पिपठिष्यास्त	म०
	पिपठिष्याम्	पिपठिष्यास्व	पिपठिष्यास्म	उ०

लृङ् (पर०)	अपिपठिषीत्	अपिपठिषिष्टाम्	अपिपठिषिषुः	प्र०
	अपिपठिषीः	अपिपठिषिष्टम्	अपिपठिषिष्ट	म०
	अपिपठिषिषम्	अपिपठिषिष्व	अपिपठिषिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अपिपठिषिष्यत्	अपिपठिषिष्यताम्	अपिपठिषिष्यन्	प्र०
	अपिपठिषिष्यः	अपिपठिषिष्यतम्	अपिपठिषिष्यत	म०
	अपिपठिषियाम्	अपिपठिषिष्याव	अपिपठिषिष्याम	उ०

3. “अद् भक्षणे” धातु

लट् (पर०)	जिघत्सति	जिघत्सतः	जिघत्सन्ति	प्र०
	जिघत्ससि	जिघत्सथः	जिघत्सथ	म०
	जिघत्सामि	जिघत्सावः	जिघत्सामः	उ०
लिट् (पर०)	जिघत्सांचकार	जिघत्सांचक्रतुः	जिघत्सांचक्रुः	प्र०
	जिघत्सांचकर्थ	जिघत्सांचक्रथुः	जिघत्सांचक्र	म०
	जिघत्सांचकार	जिघत्सांचकृव	जिघत्सांचकृम	उ०
(पक्षे)	जिघत्सामास	जिघत्सांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	जिघत्सिता	जिघत्सितारौ	जिघत्सितारः	प्र०
	जिघत्सितासि	जिघत्सितास्थः	जिघत्सितास्थ	म०
	जिघत्सितास्मि	जिघत्सितास्वः	जिघत्सितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	जिघत्सिष्यति	जिघत्सिष्यतः	जिघत्सिष्यन्ति	प्र०
	जिघत्सिष्यसि	जिघत्सिष्यथः	जिघत्सिष्यथ	म०
	जिघत्सिष्यामि	जिघत्सिष्यावः	जिघत्सिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	जिघत्सतु-तात्	जिघत्सताम्	जिघत्सन्तु	प्र०
	जिघत्स-तात्	जिघत्सतम्	जिघत्सत	म०
	जिघत्सानि	जिघत्सावः	जिघत्साम	उ०
लङ् (पर०)	अजिघत्सत्	अजिघत्सताम्	अजिघत्सन्	प्र०
	अजिघत्सः	अजिघत्सतम्	अजिघत्सत्	म०
	अजिघत्सम्	अजिघत्साव	अजिघत्साम	उ०
विधि-लिट्	जिघत्सेत्	जिघत्सेताम्	जिघत्सेयुः	प्र०
(पर०)	जिघत्सेः	जिघत्सेतम्	जिघत्सेत	म०
	जिघत्सेयम्	जिघत्सेव	जिघत्सेम	उ०

आशिप्-लिङ्	जिघत्स्यात्	जिघत्स्यास्ताम्	जिघत्स्यासुः	प्र०
(पर०)	जिघत्स्याः	जिघत्स्यास्तम्	जिघत्स्यास्त	म०
	जिघत्स्यासम्	जिघत्स्यास्व	जिघत्स्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अजिघत्सीत्	अजिघत्सिष्टाम्	अजिघत्सिषुः	प्र०
	अजिघत्सीः	अजिघत्सिष्टम्	अजिघत्सिष्ट	म०
	अजिघत्सिषम्	अजिघत्सिष्व	अजिघत्सिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अजिघत्सिष्यत्	अजिघत्सिष्यताम्	अजिघत्सिष्यन्	प्र०
	अजिघत्सिष्यः	अजिघत्सिष्यतम्	अजिघत्सिष्यत	म०
	अजिघत्सिष्यम्	अजिघत्सिष्याव	अजिघत्सिष्याम	उ०

4. “कृ” धातु

लट् (पर०)	चिकीर्षति	चिकीर्षतः	चिकीर्षन्ति	प्र०
	चिकीर्षसि	चिकीर्षथः	चिकीर्षथ	म०
	चिकीर्षामि	चिकीर्षावः	चिकीर्षामः	उ०
लिट् (पर०)	चिकीर्षान्चकार	चिकीर्षान्चक्रतुः	चिकीर्षान्चक्रुः	प्र०
	चिकीर्षान्चकर्थ	चिकीर्षान्चक्रथुः	चिकीर्षान्चक्र	म०
	चिकीर्षान्चकार	चिकीर्षान्चकृव	चिकीर्षान्चकृम	उ०
(पक्षे)	चिकीर्षामास	चिकीर्षान्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	चिकीर्षिता	चिकीर्षितारौ	चिकीर्षितारः	प्र०
	चिकीर्षितासि	चिकीर्षितास्थः	चिकीर्षितास्थ	म०
	चिकीर्षितास्मि	चिकीर्षितास्वः	चिकीर्षितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	चिकीर्षिष्यति	चिकीर्षिष्यतः	चिकीर्षिष्यन्ति	प्र०
	चिकीर्षिष्यसि	चिकीर्षिष्यथः	चिकीर्षिष्यथ	म०
	चिकीर्षिष्यामि	चिकीर्षिष्यावः	चिकीर्षिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	चिकीर्षतु-तात्	चिकीर्षताम्	चिकीर्षन्तु	प्र०
	चिकीर्ष-तात्	चिकीर्षतम्	चिकीर्षत	म०
	चिकीर्षाणि	चिकीर्षाव	चिकीर्षाम	उ०
लङ् (पर०)	अचिकीर्षत्	अचिकीर्षताम्	अचिकीर्षन्	प्र०
	अचिकीर्षः	अचिकीर्षतम्	अचिकीर्षन्	म०
	अचिकीर्षम्	अचिकीर्षाव	अचिकीर्षाम	उ०

विधि-लिङ्	चिकीर्षेत्	चिकीर्षेताम्	चिकीर्षेयुः	प्र०
(पर०)	चिकीर्षेः	चिकीर्षेतम्	चिकीर्षेत	म०
	चिकीर्षेयम्	चिकीर्षेव	चिकीर्षेम	उ०
आशिष्-लिङ्	चिकीर्ष्यात्	चिकीर्ष्यास्ताम्	चिकीर्ष्यासुः	प्र०
(पर०)	चिकीर्ष्याः	चिकीर्ष्यास्तम्	चिकीर्ष्यास्त	म०
	चिकीर्ष्याम्	चिकीर्ष्यास्व	चिकीर्ष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अचिकीर्षत्	अचिकीर्षिष्टाम्	अचिकीर्षिषुः	प्र०
	अचिकीर्षीः	अचिकीर्षिष्टम्	अचिकीर्षिष्ट	म०
	अचिकीर्षिषम्	अचिकीर्षिष्व	अचिकीर्षिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अचिकीर्षिष्यत्	अचिकीर्षिष्यताम्	अचिकीर्षिष्यन्	प्र०
	अचिकीर्षिष्यः	अचिकीर्षिष्यतम्	अचिकीर्षिष्यत	म०
	अचिकीर्षिष्यम्	अचिकीर्षिष्याव	अचिकीर्षिष्याम	उ०

5. “हन्” धातु

लट् (पर०)	जिघांसति	जिघांसतः	जिघांसन्ति	प्र०
	जिघांससि	जिघांसथः	जिघांसथ	म०
	जिघांसामि	जिघांसावः	जिघांसामः	उ०
लिट् (पर०)	जिघांसांचकार	जिघांसांचक्रतुः	जिघांसांचक्रुः	प्र०
	जिघांसांचकर्थ	जिघांसांचक्रथुः	जिघांसांचक्र	म०
	जिघांसांचकार	जिघांसांचकृव	जिघांसांचकृम	उ०
एवं	जिघांसामास	जिघांसाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	जिघांसिता	जिघांसितारौ	जिघांसितारः	प्र०
	जिघांसितासि	जिघांसितास्थ	जिघांसितास्थ	म०
	जिघांसितास्मि	जिघांसितास्वः	जिघांसितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	जिघांसिष्यति	जिघांसिष्यतः	जिघांसिष्यन्ति	प्र०
	जिघांसिष्यसि	जिघांसिष्यथः	जिघांसिष्यथ	म०
	जिघांसिष्यामि	जिघांसिष्यावः	जिघांसिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	जिघांसतु-तात्	जिघांसताम्	जिघांसन्तु	प्र०
	जिघांस-तात्	जिघांसतम्	जिघांसत	म०
	जिघांसानि	जिघांसावः	जिघांसाम	उ०

लङ् (पर०)	अजिघांसत्	अजिघांसताम्	अजिघांसत	प्र०
	अजिघांसः	अजिघांसतम्	अजिघांसन्	म०
	अजिघांसम्	अजिघांसाव	अजिघांसाम	उ०
विधि-लिट्	जिघांसेत्	जिघांसेताम्	जिघांसेयुः	प्र०
(पर०)	जिघांसेः	जिघांसेतम्	जिघांसेत	म०
	जिघांसेयम्	जिघांसेव	जिघांसेम	उ०
आशिष्-लिट्	जिघांस्यात्	जिघांस्यास्ताम्	जिघांस्यासुः	प्र०
(पर०)	जिघांस्याः	जिघांस्यास्तम्	जिघांस्यास्त	म०
	जिघांस्यासम्	जिघांस्यास्व	जिघांस्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अजिघांसीत्	अजिघांसिष्टाम्	अजिघांसिषुः	प्र०
	अजिघांसीः	अजिघांसिष्टम्	अजिघांसिष्ट	म०
	अजिघांसिषम्	अजिघांसिष्व	अजिघांसिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अजिघांसिष्यत्	अजिघांसिष्यताम्	अजिघांसिष्यन्	प्र०
	अजिघांसिष्यः	अजिघांसिष्यतम्	अजिघांसिष्यत	म०
	अजिघांसिष्यम्	अजिघांसिष्याव	अजिघांसिष्याम	उ०

6. “गम्तृ गतौ” धातु

लट् (पर०)	जिगमिषति	जिगमिषतः	जिगमिषन्ति	प्र०
	जिगमिषसि	जिगमिषथः	जिगमिषथ	म०
	जिगमिषामि	जिगमिषावः	जिगमिषामः	उ०
लिट् (पर०)	जिगमिषांचकार	जिगमिषांचक्रतुः	जिगमिषांचक्रुः	प्र०
	जिगमिषांचकर्त्तुः	जिगमिषांचक्रथुः	जिगमिषांचक्र	म०
	जिगमिषांचकार	जिगमिषांचकृव	जिगमिषांचकृम	उ०
एवं	जिगमिषामास	जिगमिषांबभूव इत्यादि		
लृट् (पर०)	जिगमिषिता	जिगमिषितारौ	जिगमिषितारः	प्र०
	जिगमिषितासि	जिगमिषितास्थ	जिगमिषितास्थ	म०
	जिगमिषितास्मि	जिगमिषितास्वः	जिगमिषितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	जिगमिषिष्यति	जिगमिषिष्यतः	जिगमिषिष्यन्ति	प्र०
	जिगमिषिष्यसि	जिगमिषिष्यथः	जिगमिषिष्यथ	म०
	जिगमिषिष्यामि	जिगमिषिष्यावः	जिगमिषिष्यामः	उ०

लोट् (पर०)	जिगमिषतु	जिगमिषताम्	जिगमिषन्तु	प्र०
	जिगमिषः	जिगमिषतम्	जिगमिषत	म०
	जिगमिषानि	जिगमिषावः	जिगमिषाम	उ०
लङ् (पर०)	अजिगमिषत्	अजिगमिषताम्	अजिगमिषन्	प्र०
	अजिगमिषः	अजिगमिषतम्	अजिगमिषत	म०
	अजिगमिषम्	अजिगमिषाव	अजिगमिषाम	उ०
विधि-लिट् (पर०)	जिगमिषेत्	जिगमिषेताम्	जिगमिषेयुः	प्र०
	जिगमिषेः	जिगमिषेतम्	जिगमिषेत	म०
	जिगमिषेयम्	जिगमिषेव	जिगमिषेम	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	जिगमिष्यात्	जिगमिष्यास्ताम्	जिगमिष्यासुः	प्र०
	जिगमिष्याः	जिगमिष्यास्तम्	जिगमिष्यास्त	म०
	जिगमिष्यासम्	जिगमिष्यास्व	जिगमिष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अजिगमिषीत्	अजिगमिषीष्टाम्	अजिगमिषीषुः	प्र०
	अजिगमिषीः	अजिगमिषीष्टम्	अजिगमिषीष्ट	म०
	अजिगमिषीषम्	अजिगमिषीष्व	अजिगमिषीष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अजिगमिषिष्यत्	अजिगमिषिष्यताम्	अजिगमिषिष्यन्	प्र०
	अजिगमिषिष्यः	अजिगमिषिष्यतम्	अजिगमिषिष्यत	म०
	अजिगमिषिष्यम्	अजिगमिषिष्याव	अजिगमिषिष्याम	उ०

7. "इङ् अध्ययने" धातु

लट् (पर०)	अधिजिगांसते	अधिजिगांसते	अधिजिगांसन्ते	प्र०
	अधिजिगांससे	अधिजिगांसथे	अधिजिगांसध्वे	म०
	अधिजिगांसे	अधिजिगांसावहे	अधिजिगांसामहे	उ०
लिट् (पर०)	अधिजिगांसांचक्रे	अधिजिगांसांचक्राते	अधिजिगांसांचक्रिरे	प्र०
	अधिजिगांसांचकृषे	अधिजिगांसांचक्राथे	अधिजिगांसांचकृध्वे	म०
	अधिजिगांसांचक्रे	अधिजिगांसांचकृवहे	अधिजिगांसांचकृमहे	उ०
एवं	अधिजिगांसामासे	अधिजिगांसाबभूवे	इत्यादि	
लुट् (पर०)	अधिजिगांसिता	अधिजिगांसितारौ	अधिजिगांसितारः	प्र०
	अधिजिगांसितासे	अधिजिगांसितासाथे	अधिजिगांसिताध्वे	म०
	अधिजिगांसिताहे	अधिजिगांसितास्वहे	अधिजिगांसितास्मह	उ०

लृट् (पर०)	अधिजिगांसिष्यते	अधिजिगांसिष्येते	अधिजिगांसिष्यन्ते	प्र०
	अधिजिगांसिष्यसे	अधिजिगांसिष्याथे	अधिजिगांसिष्यध्वे	म०
	अधिजिगांसिष्ये	अधिजिगांसिष्यावहे	अधिजिगांसिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	अधिजिगांसताम्	अधिजिगांसेताम्	अधिजिगांसन्ताम्	प्र०
	अधिजिगांसस्व	अधिजिगांसेथाम्	अधिजिगांसध्वम्	म०
	अधिजिगांसै	अधिजिगांसावहै	अधिजिगांसामहै	उ०
लङ् (पर०)	अधिजिगांसत	अधिजिगांसेताम्	अधिजिगांसन्त	प्र०
	अधिजिगांसथाः	अधिजिगांसेथाम्	अधिजिगांसध्वम्	म०
	अधिजिगांसे	अधिजिगांसावहि	अधिजिगांसामहि	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	अधिजिगांसेत	अधिजिगांसेयाताम्	अधिजिगांसेरन्	प्र०
	अधिजिगांसेथाः	अधिजिगांसेयाथाम्	अधिजिगांसेध्वम्	म०
	अधिजिगांसेय	अधिजिगांसेवहि	अधिजिगांसेमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	अधिजिगांसीत्	अधिजिगांसीयास्ताम्	अधिजिगांसीरन्	प्र०
	अधिजिगांसीष्ठाः	अधिजिगांसीयास्थाम्	अधिजिगांसीध्वम्	म०
	अधिजिगांसीय	अधिजिगांसीवहि	अधिजिगांसीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अध्यजिगांसिष्ट	अध्यजिगांसिषाताम्	अध्यजिगांसिषत	प्र०
	अध्यजिगांसिष्ठाः	अध्यजिगांसिषाथाम्	अध्यजिगांसिध्वम्	म०
	अध्यजिगांसिषि	अध्यजिगांसिष्वहि	अध्यजिगांसिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अध्यजिगांसिष्यत्	अध्यजिगांसिष्येताम्	अध्यजिगांसिष्यन्त	प्र०
	अध्यजिगांसिष्यथाः	अध्यजिगांसिष्येथाम्	अध्यजिगांसिष्यध्वम्	म०
	अध्यजिगांसिष्ये	अध्यजिगांसिष्यावहि	अध्यजिगांसिष्यामहि	उ०

8. "रूदिर" धातु

लट् (पर०)	रूरुदिषति	रूरुदिषतः	रूरुदिषन्ति	प्र०
	रूरुदिषसि	रूरुदिषथः	रूरुदिषथ	म०
	रूरुदिषामि	रूरुदिषावः	रूरुदिषामः	उ०
लिट् (पर०)	रूरुदिषांचकार	रूरुदिषांचक्रतुः	रूरुदिषांचक्रुः	प्र०
	रूरुदिषांचकर्थ	रूरुदिषांचक्रथुः	रूरुदिषांचक्र	म०
	रूरुदिषांचकार	रूरुदिषांचकृव	रूरुदिषांचकृम	उ०
एवं	रूरुदिषामास	रूरुदिषांबभूव	इत्यादि	

लृट् (पर०)	रुरुदिषिता	रुरुदिषितारौ	रुरुदिषितारः	प्र०
	रुरुदिषितासि	रुरुदिषितास्थः	रुरुदिषितास्थ	म०
	रुरुदिषितास्मि	रुरुदिषितास्व	रुरुदिषितास्म	उ०
लृट् (पर०)	रुरुदिषिष्यति	रुरुदिषिष्यतः	रुरुदिषिष्यन्ति	प्र०
	रुरुदिषिष्यसि	रुरुदिषिष्यथः	रुरुदिषिष्यथ	म०
	रुरुदिषिष्यामि	रुरुदिषिष्यावः	रुरुदिषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	रुरुदिषतु-तात्	रुरुदिषताम्	रुरुदिषन्तु	प्र०
	रुरुदिष-तात्	रुरुदिषतम्	रुरुदिषत	म०
	रुरुदिषानि	रुरुदिषावः	रुरुदिषाम	उ०
लङ् (पर०)	अरुरुदिषत्	अरुरुदिषताम्	अरुरुदिषन्	प्र०
	अरुरुदिषः	अरुरुदिषतम्	अरुरुदिषत	म०
	अरुरुदिषम्	अरुरुदिषाव	अरुरुदिषाम	उ०
विधि-लिङ्	रुरुदिषेत्	रुरुदिषेताम्	रुरुदिषेयुः	प्र०
(पर०)	रुरुदिषेः	रुरुदिषेतम्	रुरुदिषेत	म०
	रुरुदिषेयम्	रुरुदिषेव	रुरुदिषेम	उ०
आशिष्-लिङ्	रुरुदिष्यात्	रुरुदिष्यास्ताम्	रुरुदिष्यासुः	प्र०
(पर०)	रुरुदिष्याः	रुरुदिष्यास्तम्	रुरुदिष्यास्त	म०
	रुरुदिष्यासम्	रुरुदिष्यास्व	रुरुदिष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अरुरुदिषीत्	अरुरुदिषीष्टाम्	अरुरुदिषीषुः	प्र०
	अरुरुदिषीः	अरुरुदिषीष्टम्	अरुरुदिषीष्ट	म०
	अरुरुदिषीषम्	अरुरुदिषीष्व	अरुरुदिषीष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अरुरुदिषिष्यत्	अरुरुदिषिष्यताम्	अरुरुदिषिष्यन्	प्र०
	अरुरुदिषिष्यः	अरुरुदिषिष्यतम्	अरुरुदिषिष्यत	म०
	अरुरुदिषिष्यम्	अरुरुदिषिष्याव	अरुरुदिषिष्याम	उ०

9. "विद्" धातु

लट् (पर०)	विविदिषति	विविदिषतः	विविदिषन्ति	प्र०
	विविदिषसि	विविदिषथः	विविदिषथ	म०
	विविदिषामि	विविदिषावः	विविदिषामः	उ०
लिट् (पर०)	विविदिषांचकार	विविदिषांचक्रतुः	विविदिषांचक्रुः	प्र०
	विविदिषांचकर्थ	विविदिषांचक्रथुः	विविदिषांचक्र	म०
	विविदिषांचकार	विविदिषांचकृव	विविदिषांचक्रुम	उ०
(पक्षे)	विविदिषामास	विविदिषांबभूव	इत्यादि	

लृट् (पर०)	विविदिषिता	विविदिषितारौ	विविदिषितारः	प्र०
	विविदिषितासि	विविदिषितास्थः	विविदिषितास्थ	म०
	विविदिषितास्मि	विविदिषितास्व	विविदिषितास्म	उ०
लृट् (पर०)	विविदिषिष्यति	विविदिषिष्यतः	विविदिषिष्यन्ति	प्र०
	विविदिषिष्यसि	विविदिषिष्यथः	विविदिषिष्यथ	म०
	विविदिषिष्यामि	विविदिषिष्यावः	विविदिषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	विविदिषतु-तात्	विविदिषताम्	विविदिषन्तु	प्र०
	विविदिष	विविदिषतम्	विविदिषत	म०
	विविदिषानि	विविदिषाव	विविदिषाम	उ०
लङ् (पर०)	अविविदिषत्	अविविदिषताम्	अविविदिषन्	प्र०
	अविविदिषः	अविविदिषतम्	अविविदिषत	म०
	अविविदिषम्	अविविदिषाव	अविविदिषाम	उ०
विधि-लिट्	विविदिषेत्	विविदिषेताम्	विविदिषेयुः	प्र०
(पर०)	विविदिषेः	विविदिषेतम्	विविदिषेत	म०
	विविदिषेयम्	विविदिषेव	विविदिषेम	उ०
आशिष्-लिट्	विविदिष्यात्	विविदिष्यास्ताम्	विविदिष्यासुः	प्र०
(पर०)	विविदिष्याः	विविदिष्यास्तम्	विविदिष्यास्त	म०
	विविदिष्यासम्	विविदिष्यास्व	विविदिष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अविविदिषीत्	अविविदिषिष्याम्	अविविदिषिषुः	प्र०
	अविविदिषिः	अविविदिषिष्टम्	अविविदिषिष्ट	म०
	अविविदिषिषम्	अविविदिषिष्व	अविविदिषिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अविविदिषिष्यत्	अविविदिषिष्यताम्	अविविदिषिष्यन्	प्र०
	अविविदिषिष्यः	अविविदिषिष्यतम्	अविविदिषिष्यत	म०
	अविविदिषिष्यम्	अविविदिषिष्व	अविविदिषिष्म	उ०

10. "मुष स्तेये" धातु

लट् (पर०)	मुमुषिषति	मुमुषिषतः	मुमुषिषन्ति	प्र०
	मुमुषिषसि	मुमुषिषथः	मुमुषिषथ	म०
	मुमुषिषामि	मुमुषिषावः	मुमुषिषामः	उ०
लिट् (पर०)	मुमुषिषांचकार	मुमुषिषांचक्रतुः	मुमुषिषांचक्रुः	प्र०
	मुमुषिषांचकर्थ	मुमुषिषांचक्रथुः	मुमुषिषांचक्र	म०
	मुमुषिषांचकार	मुमुषिषांचकृव	मुमुषिषांचकृम	उ०

(पक्षे)

मुमुषिषामास

मुमुषिषांभव इत्यादि

लृट् (पर०)	मुमुषिषिता	मुमुषिषितारौ	मुमुषिषितारः	प्र०
	मुमुषिषितासि	मुमुषिषितास्थः	मुमुषिषितास्थ	म०
	मुमुषिषितास्मि	मुमुषिषितास्व	मुमुषिषितास्म	उ०
लृट् (पर०)	मुमुषिषिष्यति	मुमुषिषिष्यतः	मुमुषिषिष्यन्ति	प्र०
	मुमुषिषिष्यसि	मुमुषिषिष्यथः	मुमुषिषिष्यथ	म०
	मुमुषिषिष्यामि	मुमुषिषिष्यावः	मुमुषिषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	मुमुषिषतु-तात्	मुमुषिषताम्	मुमुषिषन्तु	प्र०
	मुमुषिषः	मुमुषिषतम्	मुमुषिषत	म०
	मुमुषिषानि	मुमुषिषाव	मुमुषिषाम	उ०
लङ् (पर०)	अमुमुषिषत्	अमुमुषिषताम्	अमुमुषिषन्	प्र०
	अमुमुषिषः	अमुमुषिषतम्	अमुमुषिषत	म०
	अमुमुषिषम्	अमुमुषिषाव	अमुमुषिषाम	उ०
विधि-लिङ्	मुमुषिषेत्	मुमुषिषेताम्	मुमुषिषेयुः	प्र०
(पर०)	मुमुषिषेः	मुमुषिषेतम्	मुमुषिषेत	म०
	मुमुषिषेयम्	मुमुषिषेव	मुमुषिषेम	उ०
आशिष्-लिङ्	मुमुषिष्यात्	मुमुषिष्यास्ताम्	मुमुषिष्यासुः	प्र०
(पर०)	मुमुषिष्याः	मुमुषिष्यास्तम्	मुमुषिष्यास्त	म०
	मुमुषिष्यासम्	मुमुषिष्यास्व	मुमुषिष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अमुमुषिषीत्	अमुमुषिषिष्टाम्	अमुमुषिषिषुः	प्र०
	अमुमुषिषीः	अमुमुषिषिष्टम्	अमुमुषिषिष्ट	म०
	अमुमुषिषम्	अमुमुषिषिष्व	अमुमुषिषिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अमुमुषिष्यत्	अमुमुषिष्यताम्	अमुमुषिष्यन्	प्र०
	अमुमुषिष्यः	अमुमुषिष्यतम्	अमुमुषिष्यत	म०
	अमुमुषिष्यम्	अमुमुषिष्याव	अमुमुषिष्याम	उ०

11. "ग्रह उपादाने" धातु

लट् (पर०)	जिघृक्षति	जिघृक्षतः	जिघृक्षन्ति	प्र०
	जिघृक्षसि	जिघृक्षथः	जिघृक्षथ	म०
	जिघृक्षामि	जिघृक्षावः	जिघृक्षामः	उ०
लिट् (पर०)	जिघृक्षांचकार	जिघृक्षांचक्रतुः	जिघृक्षांचक्रुः	प्र०
	जिघृक्षांचकर्थ	जिघृक्षांचक्रथुः	जिघृक्षांचक्र	म०
	जिघृक्षांचकार	जिघृक्षांचकृव	जिघृक्षांचकृम	उ०
(पक्षे)	जिघृक्षामास	जिघृक्षांबभूव	इत्यादि	

लुट् (पर०)	जिघृक्षिता	जिघृक्षितारौ	जिघृक्षितारः	प्र०
	जिघृक्षितासि	जिघृक्षितास्थः	जिघृक्षितास्थ	म०
	जिघृक्षितास्मि	जिघृक्षितास्वः	जिघृक्षितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	जिघृक्षिष्यति	जिघृक्षिष्यतः	जिघृक्षिष्यन्ति	प्र०
	जिघृक्षिष्यसि	जिघृक्षिष्यथः	जिघृक्षिष्यथ	म०
	जिघृक्षिष्यामि	जिघृक्षिष्यावः	जिघृक्षिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	जिघृक्षतु	जिघृक्षताम्	जिघृक्षन्तु	प्र०
	जिघृक्ष	जिघृक्षतम्	जिघृक्षत	म०
	जिघृक्षाणि	जिघृक्षावः	जिघृक्षामः	उ०
लङ् (पर०)	अजिघृक्षत्	अजिघृक्षताम्	अजिघृक्षन्	प्र०
	अजिघृक्षः	अजिघृक्षतम्	अजिघृक्षत	म०
	अजिघृक्षम्	अजिघृक्षाव	अजिघृक्षाम	उ०
विधि-लिङ्	जिघृक्षेत्	जिघृक्षेताम्	जिघृक्षेयुः	प्र०
(पर०)	जिघृक्षेः	जिघृक्षेतम्	जिघृक्षेत	म०
	जिघृक्षेयम्	जिघृक्षेव	जिघृक्षेम	उ०
आशिष्-लिङ्	जिघृक्ष्यात्	जिघृक्ष्यास्ताम्	जिघृक्ष्यासुः	प्र०
(पर०)	जिघृक्ष्याः	जिघृक्ष्यास्तम्	जिघृक्ष्यास्त	म०
	जिघृक्ष्यासम्	जिघृक्ष्यास्व	जिघृक्ष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अजिघृक्षीत्	अजिघृक्षीषिष्टाम्	अजिघृक्षीषिषुः	प्र०
	अजिघृक्षीः	अजिघृक्षीषिष्टम्	अजिघृक्षीषिष्ट	म०
	अजिघृक्षिषम्	अजिघृक्षिथ	अजिघृक्षिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अजिघृक्षिष्यत्	अजिघृक्षिष्यताम्	अजिघृक्षिष्यन्	प्र०
	अजिघृक्षिष्यः	अजिघृक्षिष्यतम्	अजिघृक्षिष्यत	म०
	अजिघृक्षिषम्	अजिघृक्षिष्व	अजिघृक्षिष्म	उ०

12. "गृह संवरणे" धातु

लट् (पर०)	जुघुक्षति	जुघुक्षतः	जुघुक्षन्ति	प्र०
	जुघुक्षसि	जुघुक्षथः	जुघुक्षथ	म०
	जुघुक्षामि	जुघुक्षावः	जुघुक्षामः	उ०
लिट् (पर०)	जुघुक्षांचकार	जुघुक्षांचक्रतुः	जुघुक्षांचक्रुः	प्र०
	जुघुक्षांचकर्थ	जुघुक्षांचक्रथुः	जुघुक्षांचक्र	म०
	जुघुक्षांचकार	जुघुक्षांचकृव	जुघुक्षांचकृम	उ०
(पक्षे)	जुघुक्षामास	जुघुक्षांबभूव इत्यादि		

लृट् (पर०)	जुघुक्षिता	जुघुक्षितारौ	जुघुक्षितारः	प्र०
	जुघुक्षितासि	जुघुक्षितास्थः	जुघुक्षितास्थ	म०
	जुघुक्षितारिस्मि	जुघुक्षितास्वः	जुघुक्षितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	जुघुक्षिष्यति	जुघुक्षिष्यतः	जुघुक्षिष्यन्ति	प्र०
	जुघुक्षिष्यसि	जुघुक्षिष्यथः	जुघुक्षिष्यथ	म०
	जुघुक्षिष्यामि	जुघुक्षिष्यावः	जुघुक्षिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	जुघुक्षतु	जुघुक्षताम्	जुघुक्षन्तु	प्र०
	जुघुक्ष	जुघुक्षतम्	जुघुक्षत	म०
	जुघुक्षाणि	जुघुक्षाव	जुघुक्षाम	उ०
लङ् (पर०)	अजुघुक्षत्	अजुघुक्षताम्	अजुघुक्षन्	प्र०
	अजुघुक्षः	अजुघुक्षतम्	अजुघुक्षत	म०
	अजुघुक्षम्	अजिघुक्षाव	अजुघुक्षाम	उ०
विधि-लिङ्	जुघुक्षेत्	जुघुक्षेताम्	जुघुक्षेयुः	प्र०
(पर०)	जुघुक्षेः	जुघुक्षेतम्	जुघुक्षेत	म०
	जुघुक्षेयम्	जुघुक्षेव	जुघुक्षेम	उ०
आशिप्-लिङ्	जुघुक्ष्यात्	जुघुक्ष्यास्ताम्	जुघुक्ष्यासुः	प्र०
(पर०)	जुघुक्ष्याः	जुघुक्ष्यास्तम्	जुघुक्ष्यास्त	म०
	जुघुक्ष्यासम्	जुघुक्ष्यास्व	जुघुक्ष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अजुघुक्षीत्	अजुघुक्षीषिष्टाम्	अजुघुक्षीषिषुः	प्र०
	अजुघुक्षीः	अजुघुक्षीष्टम्	अजुघुक्षीषिष्ट	म०
	अजुघुक्षिषम्	अजुघुक्षिष्व	अजुघुक्षिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अजुघुक्षिष्यत्	अजुघुक्षिष्यताम्	अजुघुक्षिष्यन्	प्र०
	अजुघुक्षिष्यः	अजुघुक्षिष्यतम्	अजुघुक्षिष्यत	म०
	अजुघुक्षिष्व	अजुघुक्षिष्व	अजुघुक्षिष्व	उ०
13. "भिद्" धातु				
लट् (पर०)	बिभित्सति	बिभित्सतः	बिभित्सन्ति	प्र०
	बिभित्ससि	बिभित्सथः	बिभित्सथ	म०
	बिभित्सामि	बिभित्सावः	बिभित्सामः	उ०
लिट् (पर०)	बिभित्सांचकार	बिभित्सांचक्रतुः	बिभित्सांचक्रुः	प्र०
	बिभित्सांचकथं	बिभित्सांचक्रथुः	बिभित्सांचक्रे	म०
	बिभित्सांचकार	बिभित्सांचकृव	बिभित्सांचकृम	उ०

(पक्षे)	बिभित्सामास	बिभित्सांबभूव इत्यादि		
लृट् (पर०)	बिभित्सिता	बिभित्सितारौ	बिभित्सितारः	प्र०
	बिभित्सितासि	बिभित्सितास्थ	बिभित्सितास्थ	म०
	बिभित्सितास्मि	बिभित्सितास्वः	बिभित्सितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	बिभित्सिष्यति	बिभित्सिष्यतः	बिभित्सिष्यन्ति	प्र०
	बिभित्सिष्यसि	बिभित्सिष्यथः	बिभित्सिष्यथ	म०
	बिभित्सिष्यामि	बिभित्सिष्यावः	बिभित्सिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	बिभित्सतु	बिभित्सताम्	बिभित्सन्तु	प्र०
	बिभित्स	बिभित्सतम्	बिभित्सत	म०
	बिभित्सानि	बिभित्साव	बिभित्साम	उ०
लङ् (पर०)	अबिभित्सत्	अबिभित्सताम्	अबिभित्सत्	प्र०
	अबिभित्सः	अबिभित्सतम्	अबिभित्सन्	म०
	अबिभित्सम्	अबिभित्साव	अबिभित्साम	उ०
विधि-लिट्	बिभित्सेत्	बिभित्सेताम्	बिभित्सेयुः	प्र०
(पर०)	बिभित्सेः	बिभित्सेतम्	बिभित्सेत	म०
	बिभित्सेयम्	बिभित्सेव	बिभित्सेम	उ०
आशिष्-लिट्	बिभित्स्यात्	बिभित्स्यास्ताम्	बिभित्स्यासुः	प्र०
(पर०)	बिभित्स्याः	बिभित्स्यास्तम्	बिभित्स्यास्त	म०
	बिभित्स्यासम्	बिभित्स्यास्व	बिभित्स्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अबिभित्सीत्	अबिभित्सिष्टाम्	अबिभित्सिषुः	प्र०
	अबिभित्सीः	अबिभित्सिष्टम्	अबिभित्सिष्ट	म०
	अबिभित्सिषम्	अबिभित्सिष्व	अबिभित्सिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अबिभित्स्यत्	अबिभित्स्यताम्	अबिभित्स्यन्	प्र०
	अबिभित्स्यः	अबिभित्स्यतम्	अबिभित्स्यत	म०
	अबिभित्स्यम्	अबिभित्स्याव	अबिभित्स्याम	उ०

14. "जिष्ध्वप् शये" धातु

लट् (पर०)	सुषुप्सति	सुषुप्सतः	सुषुप्सन्ति	प्र०
	सुषुप्ससि	सुषुप्सथः	सुषुप्सथ	म०
	सुषुप्सामि	सुषुप्सावः	सुषुप्सामः	उ०
लिट् (पर०)	सुषुप्सांचकार	सुषुप्सांचक्रतुः	सुषुप्सांचक्रुः	प्र०
	सुषुप्सांचकर्थ	सुषुप्सांचक्रथुः	सुषुप्सांचक्रे	म०
	सुषुप्सांचकार	सुषुप्सांचकृव	सुषुप्सांचकृम	उ०

(पक्षे)	सुषुप्सामास	सुषुप्सांबभूव इत्यादि		
लृट् (पर०)	सुषुप्सिता	सुषुप्सितारौ	सुषुप्सितारः	प्र०
	सुषुप्सितासि	सुषुप्सितास्थ	सुषुप्सितास्थ	म०
	सुषुप्सितास्मि	सुषुप्सितास्वः	सुषुप्सितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	सुषुप्सिष्यति	सुषुप्सिष्यतः	सुषुप्सिष्यन्ति	प्र०
	सुषुप्सिष्यसि	सुषुप्सिष्यथः	सुषुप्सिष्यथ	म०
	सुषुप्सिष्यामि	सुषुप्सिष्यावः	सुषुप्सिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	सुषुप्सतु	सुषुप्सताम्	सुषुप्सन्तु	प्र०
	सुषुप्स	सुषुप्सतम्	सुषुप्सत	म०
	सुषुप्सानि	सुषुप्साव	सुषुप्साम	उ०
लङ् (पर०)	असुषुप्सत्	असुषुप्सताम्	असुषुप्सन्	प्र०
	असुषुप्सः	असुषुप्सतम्	असुषुप्सन्	म०
	असुषुप्सम्	असुषुप्साव	असुषुप्साम	उ०
विधि-लिङ्	सुषुप्सेत्	सुषुप्सेताम्	सुषुप्सेयुः	प्र०
(पर०)	सुषुप्सेः	सुषुप्सेतम्	सुषुप्सेत	म०
	सुषुप्सेयम्	सुषुप्सेव	सुषुप्सेम	उ०
आशिष्-लिङ्	सुषुप्स्यात्	सुषुप्स्यास्ताम्	सुषुप्स्यासुः	प्र०
(पर०)	सुषुप्स्याः	सुषुप्स्यास्तम्	सुषुप्स्यास्त	म०
	सुषुप्स्यासम्	सुषुप्स्यास्व	सुषुप्स्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	असुषुप्सीत्	असुषुप्सिष्टाम्	असुषुप्सिषुः	प्र०
	असुषुप्सीः	असुषुप्सिष्टम्	असुषुप्सिष्ट	म०
	असुषुप्सिषम्	असुषुप्सिष्व	असुषुप्सिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	असुषुप्स्यत्	असुषुप्स्यताम्	असुषुप्स्यन्	प्र०
	असुषुप्स्यः	असुषुप्स्यतम्	असुषुप्स्यत	म०
	असुषुप्स्यम्	असुषुप्स्याव	असुषुप्स्याम	उ०

15. “यज्” धातु

लट् (पर०)	यियक्षते	यियक्षते	यियक्षन्ते	प्र०
	यियक्षसे	यियक्षथे	यियक्षध्वे	म०
	यियक्षे	यियक्षावहे	यियक्षामहे	उ०

लिट् (पर०)	यियक्षांचक्रे	यियक्षांचक्राते	यियक्षांचक्रिरे	प्र०
	यियक्षांचकृषे	यियक्षांचक्राथे	यियक्षांचकृध्वे	म०
	यियक्षांचक्रे	यियक्षांचकृवहे	यियक्षांचकृमहे	उ०
(पक्षे)	यियक्षामासे,	यियक्षाम्बभूवे इत्यादि		
लृट् (पर०)	यियक्षिता	यियक्षितारौ	यियक्षितारः	प्र०
	यियक्षितासे	यियक्षितासाथे	यियक्षिताध्वे	म०
	यियक्षिताहे	यियक्षितास्वहे	यियक्षितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	यियक्षिष्यते	यियक्षिष्येते	यियक्षिष्यन्ते	प्र०
	यियक्षिष्यसे	यियक्षिष्यथे	यियक्षिष्यध्वे	म०
	यियक्षिष्ये	यियक्षिष्यावहे	यियक्षिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	यियक्षताम्	यियक्षेताम्	यियक्षन्ताम्	प्र०
	यियक्षस्व	यियक्षेथाम्	यियक्षध्वम्	म०
	यियक्षै	यियक्षावहै	यियक्षामहै	उ०
लङ् (पर०)	अयियक्षत	अयियक्षेताम्	अयियक्षन्त	प्र०
	अयियक्षथाः	अयियक्षेथाम्	अयियक्षध्वम्	म०
	अयियक्षे	अयियक्षावहि	अयियक्षामहि	उ०
विधि-लिङ्	यियक्षेत	यियक्षेयाताम्	यियक्षेरन्	प्र०
(पर०)	यियक्षेथाः	यियक्षेयाथाम्	यियक्षध्वम्	म०
	यियक्षेय	यियक्षेवहि	यियक्षेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	यियक्षीष्ट	यियक्षिषीयास्ताम्	यियक्षिषीरन्	प्र०
(पर०)	यियक्षीषीष्ठाः	यियक्षिषीयास्तम्	यियक्षिषीध्वम्	म०
	यियक्षीषीय	यियक्षीषीवहि	यियक्षीषीमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अयियक्षीष्ट	अयियक्षीषाताम्	अयियक्षीषत	प्र०
	अयियक्षीषीष्ठाः	अयियक्षीषाथाम्	अयियक्षीध्वम्	म०
	अयियक्षीषि	अयियक्षीष्वहि	अयियक्षीष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अयियक्षिष्यत	अयियक्षिष्यताम्	अयियक्षिष्यन्त	प्र०
	अयियक्षिष्यथाः	अयियक्षिष्यथाम्	अयियक्षिष्यध्वम्	म०
	अयियक्षिष्ये	अयियक्षिष्यावहे	अयियक्षिष्यामहे	उ०

16. “प्रच्छ् ज्ञीप्सायाम्” धातु

लट् (पर०)	पिपृच्छिषति	पिपृच्छिषतः	पिपृच्छिषन्ति	प्र०
	पिपृच्छिषसि	पिपृच्छिषथः	पिपृच्छिषथ	म०
	पिपृच्छिषामि	पिपृच्छिषावः	पिपृच्छिषामः	उ०
लिट् (पर०)	पिपृच्छिषांचकार	पिपृच्छिषांचक्रतुः	पिपृच्छिषांचक्रुः	प्र०
	पिपृच्छिषांचकर्थ	पिपृच्छिषांचक्रथुः	पिपृच्छिषांचक्र	म०
	पिपृच्छिषांचकार	पिपृच्छिषांचकृव	पिपृच्छिषांचकृम	उ०
(पक्षे)	पिपृच्छिषामास	पिपृच्छिषांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	पिपृच्छिषिता	पिपृच्छिषितारौ	पिपृच्छिषितारः	प्र०
	पिपृच्छिषितासि	पिपृच्छिषितास्थः	पिपृच्छिषितास्थ	म०
	पिपृच्छिषितास्मि	पिपृच्छिषितास्व	पिपृच्छिषितास्म	उ०
लृट् (पर०)	पिपृच्छिषिष्यति	पिपृच्छिषिष्यतः	पिपृच्छिषिष्यन्ति	प्र०
	पिपृच्छिषिष्यसि	पिपृच्छिषिष्यथः	पिपृच्छिषिष्यथ	म०
	पिपृच्छिषिष्यामि	पिपृच्छिषिष्यावः	पिपृच्छिषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	पिपृच्छिषतु	पिपृच्छिषताम्	पिपृच्छिषन्तु	प्र०
	पिपृच्छिष	पिपृच्छिषतम्	पिपृच्छिषत	म०
	पिपृच्छिषानि	पिपृच्छिषाव	पिपृच्छिषाम	उ०
लङ् (पर०)	अपिपृच्छिषत्	अपिपृच्छिषताम्	अपिपृच्छिषन्	प्र०
	अपिपृच्छिषः	अपिपृच्छिषतम्	अपिपृच्छिषत	म०
	अपिपृच्छिषम्	अपिपृच्छिषाव	अपिपृच्छिषाम	उ०
विधि-लिट्	पिपृच्छिषेत्	पिपृच्छिषेताम्	पिपृच्छिषेयुः	प्र०
(पर०)	पिपृच्छिषेः	पिपृच्छिषेतम्	पिपृच्छिषेत	म०
	पिपृच्छिषेयम्	पिपृच्छिषेव	पिपृच्छिषेम	उ०
आशिष्-लिट्	पिपृच्छिष्यात्	पिपृच्छिष्यास्ताम्	पिपृच्छिष्यासुः	प्र०
(पर०)	पिपृच्छिष्याः	पिपृच्छिष्यास्तम्	पिपृच्छिष्यास्त	म०
	पिपृच्छिष्यासम्	पिपृच्छिष्यास्व	पिपृच्छिष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अपिपृच्छिषीत्	अपिपृच्छिषिष्टाम्	अपिपृच्छिषिषुः	प्र०
	अपिपृच्छिषीः	अपिपृच्छिषिष्टम्	अपिपृच्छिषिष्ट	म०
	अपिपृच्छिषिषम्	अपिपृच्छिषिष्व	अपिपृच्छिषिष्व	उ०

लृङ् (पर०)	अपिपृच्छिष्यत्	अपिपृच्छिष्यताम्	अपिपृच्छिष्यन्	प्र०
	अपिपृच्छिष्यः	अपिपृच्छिष्यतम्	अपिपृच्छिष्यत	म०
	अपिपृच्छिष्यम्	अपिपृच्छिष्याव	अपिपृच्छिष्याम	उ०

17. "कृ विक्षेपे" धातु

लट् (पर०)	चिकरिषति	चिकरिषतः	चिकरिषन्ति	प्र०
	चिकरिषसि	चिकरिषथः	चिकरिषथ	म०
	चिकरिषामि	चिकरिषावः	चिकरिषामः	उ०
लिट् (पर०)	चिकरिषांचकार	चिकरिषांचक्रतुः	चिकरिषांचक्रुः	प्र०
	चिकरिषांचकर्त्तुं	चिकरिषांचक्रथुः	चिकरिषांचक्र	म०
	चिकरिषांचकार	चिकरिषांचकृव	चिकरिषांचकृम	उ०
(पक्षे)	चिकरिषामास	चिकरिषांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	चिकरिषिता	चिकरिषितारौ	चिकरिषितारः	प्र०
	चिकरिषितासि	चिकरिषितास्थः	चिकरिषितास्थ	म०
	चिकरिषितास्मि	चिकरिषितास्व	चिकरिषितास्म	उ०
लृट् (पर०)	चिकरिषिष्यति	चिकरिषिष्यतः	चिकरिषिष्यन्ति	प्र०
	चिकरिषिष्यसि	चिकरिषिष्यथः	चिकरिषिष्यथ	म०
	चिकरिषिष्यामि	चिकरिषिष्यावः	चिकरिषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	चिकरिषतु-तात्	चिकरिषताम्	चिकरिषन्तु	प्र०
	चिकरिष-तात्	चिकरिषतम्	चिकरिषत	म०
	चिकरिषानि	चिकरिषाव	चिकरिषाम	उ०
लङ् (पर०)	अचिकरिषत्	अचिकरिषताम्	अचिकरिषन्	प्र०
	अचिकरिषः	अचिकरिषतम्	अचिकरिषत	म०
	अचिकरिषम्	अचिकरिषाव	अचिकरिषाम	उ०
विधि-लिट्	चिकरिषेत्	चिकरिषेताम्	चिकरिषेयुः	प्र०
(पर०)	चिकरिषेः	चिकरिषेतम्	चिकरिषेत	म०
	चिकरिषेयम्	चिकरिषेव	चिकरिषेम	उ०
आशिष्-लिट्	चिकरिष्यात्	चिकरिष्यास्ताम्	चिकरिष्यासुः	प्र०
(पर०)	चिकरिष्याः	चिकरिष्यास्तम्	चिकरिष्यास्त	म०
	चिकरिष्यासम्	चिकरिष्यास्व	चिकरिष्यास्म	उ०

लुङ् (पर०)	अचिकरिषीत्	अचिकरिषिष्टाम्	अचिकरिषिषुः	प्र०
	अचिकरिषीः	अचिकरिषिष्टम्	अचिकरिषिष्ट	म०
	अचिकरिषिषम्	अचिकरिषिष्व	अचिकरिषिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अचिकरिषिष्यत्	अचिकरिषिष्यताम्	अचिकरिष्यन्	प्र०
	अचिकरिषिष्यः	अचिकरिषिष्यतम्	अचिकरिषिष्यत्	म०
	अचिकरिषिष्यम्	अचिकरिषिष्याव	अचिकरिषिष्याम्	उ०

18. “गृ निगरणे” धातु

लट् (पर०)	जिगरिषति	जिगरिषतः	जिगरिषन्ति	प्र०
	जिगरिषसि	जिगरिषथः	जिगरिषथ	म०
	जिगरिषामि	जिगरिषावः	जिगरिषामः	उ०
लिट् (पर०)	जिगरिषांचकार	जिगरिषांचक्रतुः	जिगरिषांचक्रुः	प्र०
	जिगरिषांचकर्त्तुः	जिगरिषांचक्रथुः	जिगरिषांचक्र	म०
	जिगरिषांचकार	जिगरिषांचकृव	जिगरिषांचकृम	उ०
(पक्षे)	जिगरिषामास	जिगरिषांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	जिगरिषिता	जिगरिषितारौ	जिगरिषितारः	प्र०
	जिगरिषितासि	जिगरिषितास्थः	जिगरिषितास्थ	म०
	जिगरिषितास्मि	जिगरिषितास्वः	जिगरिषितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	जिगरिषिष्यति	जिगरिषिष्यतः	जिगरिषिष्यन्ति	प्र०
	जिगरिषिष्यसि	जिगरिषिष्यथः	जिगरिषिष्यथ	म०
	जिगरिषिष्यामि	जिगरिषिष्यावः	जिगरिषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	जिगरिषतु-तात्	जिगरिषताम्	जिगरिषन्तु	प्र०
	जिगरिष-तात्	जिगरिषतम्	जिगरिषत	म०
	जिगरिषानि	जिगरिषाव	जिगरिषाम	उ०
लङ् (पर०)	अजिगरिषत्	अजिगरिषताम्	अजिगरिषन्	प्र०
	अजिगरिषः	अजिगरिषतम्	अजिगरिषत	म०
	अजिगरिषम्	अजिगरिषाव	अजिगरिषाम	उ०
विधि-लिट् (पर०)	जिगरिषेत्	जिगरिषेताम्	जिगरिषेयुः	प्र०
	जिगरिषेः	जिगरिषेतम्	जिगरिषेत	म०
	जिगरिषेयम्	जिगरिषेव	जिगरिषेम	उ०

आशिप्-लिङ् (पर०)	जिगरिषिष्यात् जिगरिषिष्याः जिगरिषिष्यासम्	जिगरिषिष्यास्ताम् जिगरिषिष्यास्तम् जिगरिषिष्यास्व	जिगरिषिष्यासुः जिगरिषिष्यास्त जिगरिषिष्यास्म	प्र० म० उ०
लुङ् (पर०)	अजिगरिषीत् अजिगरिषीः अजिगरिषिषम्	अजिगरिषिष्टाम् अजिगरिषिष्टम् अजिगरिषिष्व	अजिगरिषिषुः अजिगरिषिष्ट अजिगरिषिष्व	प्र० म० उ०
लृङ् (पर०)	अजिगरिषिष्यत् अजिगरिषिष्यः अजिगरिषिष्यम्	अजिगरिषिष्यताम् अजिगरिषिष्यतम् अजिगरिषिष्याव	अजिगरिषिष्यन् अजिगरिषिष्यत अजिगरिषिष्याम्	प्र० म० उ०

19. “दृङ् आदरे” धातु

लट् (पर०)	दिदरिषते दिदरिषसे दिदरिषे	दिदरिषेते दिदरिषेथे दिदरिषावहे	दिदरिषन्ते दिदरिषध्वे दिदरिषामहे	प्र० म० उ०
लिट् (पर०)	दिदरिषांचक्रे दिदरिषांचकृषे दिदरिषांचक्रे	दिदरिषांचक्राते दिदरिषांचक्राथे दिदरिषांचकृवहे	दिदरिषांचक्रिरे दिदरिषांचकृध्वे दिदरिषांचकृमहे	प्र० म० उ०
एवं	दिदरिषामासे,	दिदरिषाम्बभूवे इत्यादि		
लुट् (पर०)	दिदरिषिता दिदरिषितासे दिदरिषिताहे	दिदरिषितारौ दिदरिषितासाथे दिदरिषितास्वहे	दिदरिषितारः दिदरिषिताध्वे दिदरिषितास्महे	प्र० म० उ०
लृट् (पर०)	दिदरिषिष्यते दिदरिषिष्यसे दिदरिषिष्ये	दिदरिषिष्येते दिदरिषिष्येथे दिदरिषिष्यावहे	दिदरिषिष्यन्ते दिदरिषिष्यध्वे दिदरिषिष्यामहे	प्र० म० उ०
लोट् (पर०)	दिदरिषताम् दिदरिषस्व दिदरिषै	दिदरिषेताम् दिदरिषेथाम् दिदरिषावहै	दिदरिषन्ताम् दिदरिषध्वम् दिदरिषामहै	प्र० म० उ०
लङ् (पर०)	अदिदरिषत अदिदरिषथाः अदिदरिषे	अदिदरिषाताम् अदिदरिषाथाम् अदिदरिषावहि	अदिदरिषन्त अदिदरिषध्वम् अदिदरिषामहि	प्र० म० उ०

विधि-लिङ्	दिदरिषेत	दिदरिषेयाताम्	दिदरिषेरन्	प्र०
(पर०)	दिदरिषेथाः	दिदरिषेयाथाम्	दिदरिषेध्वम्	म०
	दिदरिषेय	दिदरिषेवहि	दिदरिषेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	दिदरिषिषीष्ट	दिदरिषिषीयास्ताम्	दिदरिषीरन्	प्र०
(पर०)	दिदरिषिषीष्ठाः	दिदरिषीयास्थाम्	दिदरिषीध्वम्	म०
	दिदरिषीय	दिदरिषिषीवहि	दिदरिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अदिदरिषिष्ट	अदिदरिषिषाताम्	अदिदरिषिषत	प्र०
	अदिदरिषिष्ठाः	अदिदरिषिषाथाम्	अदिदरिषिध्वम्	म०
	अदिदरिषि	अदिदरिषिष्वहि	अदिदरिषिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अदिदरिषिष्यत्	अदिदरिष्येताम्	अदिदरिषिष्यन्त	प्र०
	अदिदरिषिष्यथाः	अदिदरिषिष्याथाम्	अदिदरिषिष्यत	म०
	अदिदरिषिष्ये	अदिदरिषिषवहि	अदिदरिषिषमहि	उ०

20. "वृध्" धातु

लट् (पर०)	विवर्धिषते	विवर्धिषेते	विवर्धिषन्ते	प्र०
	विवर्धिषसे	विवर्धिषेथे	विवर्धिषध्वे	म०
	विवर्धिषे	विवर्धिषावहे	विवर्धिषामहे	उ०
लिट् (पर०)	विवर्धिषांचक्रे	विवर्धिषांचक्राते	विवर्धिषांचक्रिरे	प्र०
	विवर्धिषांचकृषे	विवर्धिषांचक्राथे	विवर्धिषांचकृध्वे	म०
	विवर्धिषांचक्रे	विवर्धिषांचकृवहे	विवर्धिषांचकृमहे	उ०
एवं	विवर्धिषामासे,	विवर्धिषाम्बभूवे इत्यादि		
लुट् (पर०)	विवर्धिषता	विवर्धिषितारौ	विवर्धिषितारः	प्र०
	विवर्धिषतासे	विवर्धिषितासाथे	विवर्धिषिताध्वे	म०
	विवर्धिषताहे	विवर्धिषितास्वहे	विवर्धिषितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	विवर्धिषिष्यते	विवर्धिषिष्येते	विवर्धिषिष्यन्ते	प्र०
	विवर्धिषिष्यसे	विवर्धिषिष्येथे	विवर्धिषिष्यध्वे	म०
	विवर्धिषिष्ये	विवर्धिषिष्यावहे	विवर्धिषिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	विवर्धिषताम्	विवर्धिषेताम्	विवर्धिषन्ताम्	प्र०
	विवर्धिषस्व	विवर्धिषेथाम्	विवर्धिषध्वम्	म०
	विवर्धिषै	विवर्धिषावहै	विवर्धिषामहै	उ०

लङ् (पर०)	अविवर्धिषत	अविवर्धिषाताम्	अविवर्धिषन्त	प्र०
	अविवर्धिषथाः	अविवर्धिषाथाम्	अविवर्धिषध्वम्	म०
	अविवर्धिषे	अविवर्धिषावहि	अविवर्धिषामहि	उ०
विधि-लिङ्	विवर्धिषेत	विवर्धिषेयाताम्	विवर्धिषेरन्	प्र०
(पर०)	विवर्धिषेथाः	विवर्धिषेयाथाम्	विवर्धिषेध्वम्	म०
	विवर्धिषेय	विवर्धिषेवहि	विवर्धिषेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	विवर्धिषीष्ट	विवर्धिषीयास्ताम्	विवर्धिषीरन्	प्र०
(पर०)	विवर्धिषीष्ठाः	विवर्धिषीयास्थाम्	विवर्धिषीध्वम्	म०
	विवर्धिषीय	विवर्धिषीवहि	विवर्धिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अविवर्धिषिष्ठाः	अविवर्धिषिषाताम्	अविवर्धिषिषत	प्र०
	अविवर्धिषिष्ठाः	अविवर्धिषिषाथाम्	अविवर्धिषिषध्वम्	म०
	अविवर्धिषि	अविवर्धिष्वहि	अविवर्धिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अविवर्धिषिष्यत्	अविवर्धिषिष्येताम्	अविवर्धिषिष्यन्त	प्र०
	अविवर्धिषिष्यथाः	अविवर्धिषिष्येथाम्	अविवर्धिषिष्यध्वम्	म०
	अविवर्धिषिष्ये	अविवर्धिषिष्यावहि	अविवर्धिषिष्यामहि	उ०

21. “दिवु क्रीडायाम्” धातु

लट् (पर०)	दुद्यूपति	दुद्यूपतः	दुद्यूपन्ति	प्र०
	दुद्यूपसि	दुद्यूपथः	दुद्यूपथ	म०
	दुद्यूपामि	दुद्यूपावः	दुद्यूपामः	उ०
लिट् (पर०)	दुद्यूपांचकार	दुद्यूपांचक्रतुः	दुद्यूपांचक्रुः	प्र०
	दुद्यूपांचकर्त्तुः	दुद्यूपांचक्रथुः	दुद्यूपांचक्र	म०
	दुद्यूपांचकार	दुद्यूपांचकृव	दुद्यूपांचकृम	उ०
(पक्षे)	दुद्यूपामास	दुद्यूपांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	दुद्यूषिता	दुद्यूषितारौ	दुद्यूषितारः	प्र०
	दुद्यूषितासि	दुद्यूषितास्थः	दुद्यूषितास्थ	म०
	दुद्यूषितास्मि	दुद्यूषितास्वः	दुद्यूषितास्म	उ०
लृट् (पर०)	दुद्यूषिष्यति	दुद्यूषिष्यतः	दुद्यूषिष्यन्ति	प्र०
	दुद्यूषिष्यसि	दुद्यूषिष्यथः	दुद्यूषिष्यथ	म०
	दुद्यूषिष्यामि	दुद्यूषिष्यावः	दुद्यूषिष्यामः	उ०

लोट् (पर०)	दुद्यूषतु-तात्	दुद्यूषताम्	दुद्यूषिन्तु	प्र०
	दुद्यूष-तात्	दुद्यूषतम्	दुद्यूषत	म०
	दुद्यूषानि	दुद्यूषाव	दुद्यूषाम	उ०
लङ् (पर०)	अदुद्यूषत्	अदुद्यूषताम्	अदुद्यूषन्	प्र०
	अदुद्यूषः	अदुद्यूषतम्	अदुद्यूषत	म०
	अदुद्यूषम्	अदुद्यूषाव	अदुद्यूषाम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	दुद्यूषेत्	दुद्यूषेताम्	दुद्यूषेयुः	प्र०
	दुद्यूषेः	दुद्यूषेतम्	दुद्यूषेत	म०
	दुद्यूषेयम्	दुद्यूषेव	दुद्यूषेम	उ०
आशिप्-लिङ् (पर०)	दुद्यूषिष्यात्	दुद्यूषिष्यास्ताम्	दुद्यूषिष्यासुः	प्र०
	दुद्यूषिष्याः	दुद्यूषिष्यास्तम्	दुद्यूषिष्यास्त	म०
	दुद्यूषिष्यासम्	दुद्यूषिष्यास्व	दुद्यूषिष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अदुद्यूषीत्	अदुद्यूषिष्टाम्	अदुद्यूषिषुः	प्र०
	अदुद्यूषीः	अदुद्यूषिष्टम्	अदुद्यूषिष्ट	म०
	अदुद्यूषिषम्	अदुद्यूषिष्व	अदुद्यूषिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अदुद्यूषिष्यत्	अदुद्यूषिष्यताम्	अदुद्यूषिष्यन्	प्र०
	अदुद्यूषिष्यः	अदुद्यूषिष्यतम्	अदुद्यूषिष्यत	म०
	अदुद्यूषिष्यम्	अदुद्यूषिष्याव	अदुद्यूषिष्यामम्	उ०

22. "लिख" धातु

लट् (पर०)	लिलिखिषति	लिलिखिषतः	लिलिखिषन्ति	प्र०
	लिलेखिषति	लिलेखिषतः	लिलेखिषन्ति	
	लिलिखिषसि	लिलिखिषथः	लिलिखिषथ	म०
	लिलेखिषसि	लिलेखिषथः	लिलेखिषथ	
	लिलेखिषामि	लिलिखिषावः	लिलिखिषामः	उ०
	लिलेखिषामि	लिलेखिषावः	लिलेखिषामः	
लिट् (पर०)	लिलिखिषांचकार	लिलिखिषांचक्रतुः	लिलिखिषांचक्रुः	प्र०
	लिलेखिषांचकार	लिलेखिषांचक्रतुः	लिलेखिषांचक्रुः	
	लिलिखिषांचकर्थ	लिलिखिषांचक्रथुः	लिलिखिषांचक्र	म०
	लिलेखिषांचकर्थ	लिलेखिषांचक्रथुः	लिलेखिषांचक्र	
	लिलिखिषांचकार	लिलिखिषांचकृव	लिलिखिषांचकृम	उ०
	लिलेखिषांचकार	लिलेखिषांचकृव	लिलेखिषांचकृम	

(पक्षे)	लिलिखिषामास	लिलिखिषांबभूव	इत्यादि	
	लिलेखिषामास	लिलेखिषांबभूव	इत्यादि	
लुट् (पर०)	लिलिखिषिता	लिलिखिषितारौ	लिलिखिषितारः	प्र०
	लिलिखिषितासि	लिलिखितास्थः	लिलिखितास्थ	म०
	लिलिखिषितास्मि	लिलिखितास्वः	लिलिखितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	लिलिखिष्यति	लिलिखिष्यतः	लिलिखिष्यन्ति	प्र०
	लिलिखिष्यसि	लिलिखिष्यथः	लिलिखिष्यथ	म०
	लिलिखिष्यामि	लिलिखिष्यावः	लिलिखिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	लिलिखिषतु	लिलिखिषताम्	लिलिखिषन्तु	प्र०
	लिलिखिष	लिलिखिषतम्	लिलिखिषत	म०
	लिलिखिषाणि	लिलिखिषाव	लिलिखिषाम	उ०

23. "आप्लृ व्याप्तौ" धातु

लट् (पर०)	ईप्सति	ईप्सतः	ईप्सन्ति	प्र०
	ईप्ससि	ईप्सथः	ईप्सथ	म०
	ईप्सामि	ईप्सावः	ईप्सामः	उ०
लिट् (पर०)	ईप्सांचकार	ईप्सांचक्रतुः	ईप्सांचक्रुः	प्र०
	ईप्सांचकर्थ	ईप्सांचक्रथुः	ईप्सांचक्र	म०
	ईप्सांचकार	ईप्सांचकृव	ईप्सांचकृम	उ०
(पक्षे)	ईप्सामास	ईप्सांबभूव	इत्यादि	
लुट् (पर०)	ईप्सिता	ईप्सितारौ	ईप्सितारः	प्र०
	ईप्सितासि	ईप्सितास्थः	ईप्सितास्थ	म०
	ईप्सितास्मि	ईप्सितास्वः	ईप्सितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	ईप्सिष्यति	ईप्सिष्यतः	ईप्सिष्यन्ति	प्र०
	ईप्सिष्यसि	ईप्सिष्यथः	ईप्सिष्यथ	म०
	ईप्सिष्यामि	ईप्सिष्यावः	ईप्सिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	ईप्सतु	ईप्सताम्	ईप्सन्तु	प्र०
	ईप्स	ईप्सतम्	ईप्सत	म०
	ईप्सानि	ईप्साव	ईप्साम	उ०
लङ् (पर०)	ऐप्सत्	ऐप्सताम्	ऐप्सन्	प्र०
	ऐप्सः	ऐप्सतम्	ऐप्सतृ	म०
	ऐप्सम्	ऐप्साव	ऐप्साम	उ०

विधि-लिङ्	ऐप्सेत्	ऐप्सेताम्	ऐप्सेयुः	प्र०
(पर०)	ऐप्सेः	ऐप्सेतम्	ऐप्सेत	म०
	ऐप्सेयम्	ऐप्सेव	ऐप्सेम	उ०
आशिष्-लिङ्	ईप्स्यात्	ईप्स्यास्ताम्	ईप्स्यासुः	प्र०
(पर०)	ईप्स्याः	ईप्स्यास्तम्	ईप्स्यास्त	म०
	ईप्स्यासम्	ईप्स्यास्व	ईप्स्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	ऐप्सीत्	ऐप्सिष्टाम्	ऐप्सिषुः	प्र०
	ऐप्सीः	ऐप्सिष्टम्	ऐप्सिष्ट	म०
	ऐप्सिषम्	ऐप्सिष्व	ऐप्सिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	ऐप्सिष्यत्	ऐप्सिष्यताम्	ऐप्सिष्यन्	प्र०
	ऐप्सिष्यः	ऐप्सिष्यतम्	ऐप्सिष्यत	म०
	ऐप्सिष्यम्	ऐप्सिष्याव	ऐप्सिष्याम्	उ०

24. "षिवु" धातु

लट् (पर०)	सुष्यूषति	सुष्यूषतः	सुष्यूषन्ति	प्र०
	सुष्यूषसि	सुष्यूषथः	सुष्यूषथ	म०
	सुष्यूषामि	सुष्यूषावः	सुष्यूषामः	उ०
लिट् (पर०)	सुष्यूषांचकार	सुष्यूषांचक्रतुः	सुष्यूषांचक्रुः	प्र०
	सुष्यूषांचकर्थ	सुष्यूषांचक्रथुः	सुष्यूषांचक्र	म०
	सुष्यूषांचकार	सुष्यूषांचकृव	सुष्यूषांचकृम	उ०
(पक्षे)	सुष्यूषामास	सुष्यूषांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	सुष्यूषिता	सुष्यूषितारौ	सुष्यूषितारः	प्र०
	सुष्यूषितासि	सुष्यूषितास्थः	सुष्यूषितास्थ	म०
	सुष्यूषितास्मि	सुष्यूषितास्व	सुष्यूषितास्म	उ०
लृट् (पर०)	सुष्यूषिष्यति	सुष्यूषिष्यतः	सुष्यूषिष्यन्ति	प्र०
	सुष्यूषिष्यसि	सुष्यूषिष्यथः	सुष्यूषिष्यथ	म०
	सुष्यूषिष्यामि	सुष्यूषिष्यावः	सुष्यूषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	सुष्यूषतु	सुष्यूषताम्	सुष्यूषन्तु	प्र०
	सुष्यूष	सुष्यूषतम्	सुष्यूषित	म०
	सुष्यूषाणि	सुष्यूषाव	सुष्यूषाम	उ०

लङ् (पर०)	असुष्यूषत्	असुष्यूषताम्	असुष्यूषन्	प्र०
	असुष्यूषः	असुष्यूषतम्	असुष्यूषत	म०
	असुष्यूषम्	असुष्यूषाव	असुष्यूषाम्	उ०
विधि-लिङ्	सुष्यूषेत्	सुष्यूषेताम्	सुष्यूषेयुः	प्र०
(पर०)	सुष्यूषेः	सुष्यूषेतम्	सुष्यूषेत	म०
	सुष्यूषेयम्	सुष्यूषेव	सुष्यूषेम	उ०
आशिष्-लिङ्	सुष्यूष्यात्	सुष्यूष्यास्ताम्	सुष्यूष्यासुः	प्र०
(पर०)	सुष्यूष्याः	सुष्यूष्यास्तम्	सुष्यूष्यास्त	म०
	सुष्यूष्यासम्	सुष्यूष्यास्व	सुष्यूष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	असुष्यूषीत्	असुष्यूषिष्टाम्	असुष्यूषिषुः	प्र०
	असुष्यूषीः	असुष्यूषिष्टम्	असुष्यूषिष्ट	म०
	असुष्यूषिषम्	असुष्यूषिष्व	असुष्यूषिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	असुष्यूषिष्यन्	असुष्यूष्यताम्	असुष्यूष्यन्	प्र०
	असुष्यूषिष्यः	असुष्यूष्यतम्	असुष्यूषत	म०
	असुष्यूषिष्यम्	असुष्यूषिष्याव	असुष्यूषिष्याम्	उ०

25. “ऋधु वृद्धौ” धातु

लट् (पर०)	ईर्त्सति	ईर्त्सतः	ईर्त्सन्ति	प्र०
	ईर्त्ससि	ईर्त्सथः	ईर्त्सथ	म०
	ईर्त्सामि	ईर्त्सावः	ईर्त्सामः	उ०
लिट् (पर०)	ईर्त्साञ्चकार	ईर्त्साञ्चक्रतुः	ईर्त्साञ्चक्रुः	प्र०
	ईर्त्साञ्चकथ	ईर्त्साञ्चक्रथुः	ईर्त्साञ्चक्र	म०
	ईर्त्साञ्चकार	ईर्त्साञ्चकृव	ईर्त्साञ्चकृम	उ०
(पक्षे)	ईर्त्सामास	ईर्त्साञ्चभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	ईर्त्सिता	ईर्त्सितारौ	ईर्त्सितारः	प्र०
	ईर्त्सितासि	ईर्त्सितास्थः	ईर्त्सितास्थ	म०
	ईर्त्सितास्मि	ईर्त्सितास्वः	ईर्त्सितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	ईर्त्सिष्यति	ईर्त्सिष्यतः	ईर्त्सिष्यन्ति	प्र०
	ईर्त्सिष्यसि	ईर्त्सिष्यथः	ईर्त्सिष्यथ	म०
	ईर्त्सिष्यामि	ईर्त्सिष्यावः	ईर्त्सिष्यामः	उ०

लोट् (पर०)	ईत्सु	ईत्सताम्	ईत्सन्तु	प्र०
	ईत्स	ईत्सतम्	ईत्सत	म०
	ईत्सानि	ईत्साव	ईत्साम	उ०
लङ् (पर०)	ऐप्त्ससत्	ऐप्त्ससताम्	ऐप्त्ससन्	प्र०
	ऐप्त्ससः	ऐप्त्ससतम्	ऐप्त्ससत	म०
	ऐप्त्सम्	ऐप्त्ससाव	ऐप्त्ससाम	उ०
विधि-लिङ्	ईत्सेत्	ईत्सेयाताम्	ईत्सेयुः	प्र०
(पर०)	ईत्सेः	ईत्सेयातम्	ईत्सेत	म०
	ईत्सेयम्	ईत्सेव	ईत्सेम	उ०
आशिष्-लिङ्	ईत्स्यात्	ईत्स्यास्ताम्	ईत्स्यासुः	प्र०
(पर०)	ईत्स्याः	ईत्स्यास्तम्	ईत्स्यास्त	म०
	ईत्स्यासम्	ईत्स्यास्व	ईत्स्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	ऐत्सीत्	ऐत्सिष्टाम्	ऐत्सिषुः	प्र०
	ऐत्सीः	ऐत्सिष्टम्	ऐत्सिष्ट	म०
	ऐत्सिषम्	ऐत्सिष्व	ऐत्सिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	ऐत्सिष्यत्	ऐत्सिष्यताम्	ऐत्सिष्यन्	प्र०
	ऐत्सिष्यः	ऐत्सिष्यतम्	ऐत्सिष्यत	म०
	ऐत्सिष्यम्	ऐत्सिष्याव	ऐत्सिष्याम	उ०

26. “भ्रस्पाजाके” धातु

लट् (पर०)	बिभ्रज्जिषति-बिभ्रक्षति	बिभ्रज्जिषतः	बिभ्रज्जिषन्ति	प्र०
	बिभ्रज्जिषसि-बिभ्रक्षसि	बिभ्रज्जिषथः	बिभ्रज्जिषथ	म०
	बिभ्रज्जिषामि	बिभ्रज्जिषावः	बिभ्रज्जिषामः	उ०
लिट् (पर०)	बिभ्रज्जिषांचकार	बिभ्रज्जिषांचक्रतुः	बिभ्रज्जिषांचक्रुः	प्र०
	बिभ्रज्जिषांचकर्थ	बिभ्रज्जिषांचक्रथुः	बिभ्रज्जिषांचक्र	म०
	बिभ्रज्जिषांचकार	बिभ्रज्जिषांचकृव	बिभ्रज्जिषांचकृम	उ०
लुट् (पर०)	बिभ्रज्जिषिता	बिभ्रज्जिषितारौ	बिभ्रज्जिषितारः	प्र०
	बिभ्रज्जिषितासि	बिभ्रज्जिषितास्थः	बिभ्रज्जिषितास्थ	म०
	बिभ्रज्जिषितास्मि	बिभ्रज्जिषितास्वः	बिभ्रज्जिषितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	बिभ्रज्जिष्यति	बिभ्रज्जिष्यतः	बिभ्रज्जिष्यन्ति	प्र०
	बिभ्रज्जिष्यसि	बिभ्रज्जिष्यथः	बिभ्रज्जिष्यथ	म०
	बिभ्रज्जिष्यामि	बिभ्रज्जिष्यावः	बिभ्रज्जिष्यामः	उ०

लोट् (पर०)	बिभ्रज्जिषत्	बिभ्रज्जिषताम्	बिभ्रज्जिषन्तु	प्र०
	बिभ्रज्जिषः	बिभ्रज्जिषतम्	बिभ्रज्जिषत	म०
	बिभ्रज्जिषाणि	बिभ्रज्जिषाव	बिभ्रज्जिषाम	उ०
लङ् (पर०)	अबिभ्रज्जिषत्	अबिभ्रज्जिषताम्	अबिभ्रज्जिषन्	प्र०
	अबिभ्रज्जिषः	अबिभ्रज्जिषतम्	अबिभ्रज्जिषत	म०
	अबिभ्रज्जिषम्	अबिभ्रज्जिषाव	अबिभ्रज्जिषाम	उ०
विधि-लिङ्	बिभ्रज्जिषेत्	बिभ्रज्जिषेयाताम्	बिभ्रज्जिषेयुः	प्र०
(पर०)	बिभ्रज्जिषेः	बिभ्रज्जिषेयातम्	बिभ्रज्जिषेत	म०
	बिभ्रज्जिषेयम्	बिभ्रज्जिषेव	बिभ्रज्जिषेम	उ०
आशिष्-लिङ्	बिभ्रज्जिष्यात्	बिभ्रज्जिष्यास्ताम्	बिभ्रज्जिष्यासुः	प्र०
(पर०)	बिभ्रज्जिष्याः	बिभ्रज्जिष्यास्तम्	बिभ्रज्जिष्यास्त	म०
	बिभ्रज्जिष्यासम्	बिभ्रज्जिष्यास्व	बिभ्रज्जिष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अबिभ्रज्जिषीत्	अबिभ्रज्जिषिष्टाम्	अबिभ्रज्जिषिषुः	प्र०
	अबिभ्रज्जिषीः	अबिभ्रज्जिषिष्टम्	अबिभ्रज्जिषिष्ट	म०
	अबिभ्रज्जिषिषम्	अबिभ्रज्जिषिष्व	अबिभ्रज्जिषिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अबिभ्रज्जिष्यत्	अबिभ्रज्जिष्यताम्	अबिभ्रज्जिष्यन्	प्र०
	अबिभ्रज्जिष्यः	अबिभ्रज्जिष्यतम्	अबिभ्रज्जिष्यत	म०
	अबिभ्रज्जिष्यम्	अबिभ्रज्जिष्याव	अबिभ्रज्जिष्याम	उ०

27. “अरुणुञ् आच्छादने” धातु

लट् (पर०)	रुणुनूषति	अरुणुनूषतः	अरुणुनूषन्ति	प्र०
	रुणुनुविषति			
	रुणुनविषति			
	रुणुनूषसि	अरुणुनूषथः	अरुणुनूषथ	म०
	रुणुनूषामि	अरुणुनूषावः	अरुणुनूषामः	उ०
लिट् (पर०)	रुणुनूषांचकार	अरुणुनूषांचक्रतुः	अरुणुनूषांचक्रुः	प्र०
	रुणुनूषांचकथं	अरुणुनूषांचक्रथुः	अरुणुनूषांचक्र	म०
	रुणुनूषांचकार	अरुणुनूषांचकृव	अरुणुनूषांचकृम	उ०
(पक्षे)	रुणुनूषामास	अरुणुनूषाम्बभूव	इत्यादि	

“अ” के स्थान पर “ऊ” लिखना है—

लृट् (पर०)	ऊर्णुनूषिता	ऊर्णुनूषितारौ	ऊर्णुनूषितारः	प्र०
	ऊर्णुनूषितासि	ऊर्णुनूषितास्थः	ऊर्णुनूषितास्थ	म०
	ऊर्णुनूषितास्मि	ऊर्णुनूषितास्वः	ऊर्णुनूषितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	ऊर्णुनूषिष्यति	ऊर्णुनूषिष्यतः	ऊर्णुनूषिष्यन्ति	प्र०
	ऊर्णुनूषिष्यसि	ऊर्णुनूषिष्यथः	ऊर्णुनूषिष्यथ	म०
	ऊर्णुनूषिष्यामि	ऊर्णुनूषिष्यावः	ऊर्णुनूषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	ऊर्णुनूषतु	ऊर्णुनूषताम्	ऊर्णुनूषन्तु	प्र०
	ऊर्णुनूष	ऊर्णुनूषतम्	ऊर्णुनूषत	म०
	ऊर्णुनूषणि	ऊर्णुनूषाव	ऊर्णुनूषाम	उ०
लङ् (पर०)	और्णुनूषत्	और्णुनूषताम्	और्णुनूषन्	प्र०
	और्णुनूषः	और्णुनूषतम्	और्णुनूषत	म०
	और्णुनूषम्	और्णुनूषाव	और्णुनूषाम	उ०
विधि-लिट् (पर०)	ऊर्णुनूषेत्	ऊर्णुनूषेयाताम्	ऊर्णुनूषेयुः	प्र०
	ऊर्णुनूषेः	ऊर्णुनूषेयातम्	ऊर्णुनूषेत	म०
	ऊर्णुनूषेयम्	ऊर्णुनूषेव	ऊर्णुनूषेम	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	ऊर्णुनूष्यात्	ऊर्णुनूष्यास्ताम्	ऊर्णुनूष्यासुः	प्र०
	ऊर्णुनूष्याः	ऊर्णुनूष्यास्तम्	ऊर्णुनूष्यास्त	म०
	ऊर्णुनूष्यासम्	ऊर्णुनूष्यास्व	ऊर्णुनूष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	और्णुनूषीत्	और्णुनूषिष्याम्	और्णुनूषिषुः	प्र०
	और्णुनूषीः	और्णुनूषिष्यम्	और्णुनूषिष्य	म०
	और्णुनूषिषम्	और्णुनूषिष्व	और्णुनूषिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	और्णुनूषिष्यत्	और्णुनूषिष्यताम्	और्णुनूषिष्यन्	प्र०
	और्णुनूषिष्यः	और्णुनूषिष्यतम्	और्णुनूषिष्यत	म०
	और्णुनूषिष्यम्	और्णुनूषिष्याव	और्णुनूषिष्याम	उ०

28. “डुभृञ् धारण पोषणयोः” धातु

लट् (पर०)	बुभूर्षति	बिभरिषतः	बिभरिषन्ति	प्र०
	बिभरिषति			
	बिभरिषसि	बिभरिषथः	बिभरिषथ	म०
	बिभरिषामि	बिभरिषावः	बिभरिषामः	उ०

लिट् (पर०)	बुभूर्षाञ्चकार	ईत्साञ्चक्रतुः	बुभूर्षाञ्चक्रुः	प्र०
	बुभूर्षाञ्चकथ	बुभूर्षाञ्चक्रथुः	बुभूर्षाञ्चक्र	म०
	बुभूर्षाञ्चकार	बुभूर्षाञ्चकृव	बुभूर्षाञ्चकृम	उ०
(पक्षे)	बुभूर्षामास	बुभूर्षाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	बुभूर्षिता	बुभूर्षितारौ	बुभूर्षितारः	प्र०
	बुभूर्षितासि	बुभूर्षितास्थः	बुभूर्षितास्थ	म०
	बुभूर्षितास्मि	बुभूर्षितास्वः	बुभूर्षितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	बुभूर्षिष्यति	बुभूर्षिष्यतः	बुभूर्षिष्यन्ति	प्र०
	बुभूर्षिष्यसि	बुभूर्षिष्यथः	बुभूर्षिष्यथ	म०
	बुभूर्षिष्यामि	बुभूर्षिष्यावः	बुभूर्षिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	बुभूर्षतु	बुभूर्षताम्	बुभूर्षन्तु	प्र०
	बुभूर्षः	बुभूर्षतम्	बुभूर्षत	म०
	बुभूर्षाणि	बुभूर्षाव	बुभूर्षाम	उ०
लङ् (पर०)	अबुभूर्षत्	अबुभूर्षताम्	अबुभूर्षन्	प्र०
	अबुभूर्षः	अबुभूर्षतम्	अबुभूर्षत	म०
	अबुभूर्षम्	अबुभूर्षाव	अबुभूर्षाम	उ०
विधि-लिङ्	बुभूर्षेत्	बुभूर्षेयाताम्	बुभूर्षेयुः	प्र०
(पर०)	बुभूर्षेः	बुभूर्षेयातम्	बुभूर्षेत	म०
	बुभूर्षेयम्	बुभूर्षेव	बुभूर्षेम	उ०
आशिष्-लिङ्	बुभूर्ष्यात्	बुभूर्ष्यास्ताम्	बुभूर्ष्यासुः	प्र०
(पर०)	बुभूर्ष्याः	बुभूर्ष्यास्तम्	बुभूर्ष्यास्त	म०
	बुभूर्ष्यासम्	बुभूर्ष्यास्व	बुभूर्ष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अबुभूर्षीत्	अबुभूर्षिष्टाम्	अबुभूर्षिषुः	प्र०
	अबुभूर्षीः	अबुभूर्षिष्टम्	अबुभूर्षिष्ट	म०
	अबुभूर्षिषम्	अबुभूर्षिष्व	अबुभूर्षिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अबुभूर्षिष्यत्	अबुभूर्षिष्यताम्	अबुभूर्षिष्यन्	प्र०
	अबुभूर्षिष्यः	अबुभूर्षिष्यतम्	अबुभूर्षिष्यत	म०
	अबुभूर्षिष्यम्	अबुभूर्षिष्याव	अबुभूर्षिष्याम	उ०

29. "ज्ञप् ज्ञाने" धातु

लट् (पर०)	ज्ञीप्सति	ज्ञीप्सतः	ज्ञीप्सन्ति	प्र०
	ज्ञीप्ससि	ज्ञीप्सथः	ज्ञीप्सथ	म०
	ज्ञीप्सामि	ज्ञीप्सावः	ज्ञीप्सामः	उ०

लिट् (पर०)	ज्ञीप्सांचकार	ज्ञीप्सांचक्रतुः	ज्ञीप्सांचक्रुः	प्र०
	ज्ञीप्सांचकर्थं	ज्ञीप्सांचक्रथुः	ज्ञीप्सांचक्र	म०
	ज्ञीप्सांचकार	ज्ञीप्सांचकृव	ज्ञीप्सांचकृम	उ०
(पक्षे)				
लुट् (पर०)	ज्ञीप्सिता	ज्ञीप्सितारौ	ज्ञीप्सितारः	प्र०
	ज्ञीप्सितासि	ज्ञीप्सितास्थः	ज्ञीप्सितास्थ	म०
	ज्ञीप्सितास्मि	ज्ञीप्सितास्वः	ज्ञीप्सितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	ज्ञीप्सिष्यति	ज्ञीप्सिष्यतः	ज्ञीप्सिष्यन्ति	प्र०
	ज्ञीप्सिष्यसि	ज्ञीप्सिष्यथः	ज्ञीप्सिष्यथ	म०
	ज्ञीप्सिष्यामि	ज्ञीप्सिष्यावः	ज्ञीप्सिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	ज्ञीप्सतु	ज्ञीप्सताम्	ज्ञीप्सन्तु	प्र०
	ज्ञीप्स	ज्ञीप्सतम्	ज्ञीप्सत	म०
	ज्ञीप्सानि	ज्ञीप्साव	ज्ञीप्साम	उ०
लङ् (पर०)	अज्ञीप्सत्	अज्ञीप्सताम्	अज्ञीप्सन्	प्र०
	अज्ञीप्सः	अज्ञीप्सतम्	अज्ञीप्सत	म०
	अज्ञीप्सम्	अज्ञीप्साव	अज्ञीप्साम	उ०
विधि-लिङ्	ज्ञीप्सेत्	ज्ञीप्सेताम्	ज्ञीप्सेयुः	प्र०
(पर०)	ज्ञीप्सेः	ज्ञीप्सेतम्	ज्ञीप्सेत	म०
	ज्ञीप्सेयम्	ज्ञीप्सेव	ज्ञीप्सेम	उ०
आशिष्-लिङ्	ज्ञीप्स्यात्	ज्ञीप्स्यास्ताम्	ज्ञीप्स्यासुः	प्र०
(पर०)	ज्ञीप्स्याः	ज्ञीप्स्यास्तम्	ज्ञीप्स्यास्त	म०
	ज्ञीप्स्यासम्	ज्ञीप्स्यास्व	ज्ञीप्स्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अज्ञीप्सीत्	अज्ञीप्सिष्टाम्	अज्ञीप्सिषुः	प्र०
	अज्ञीप्सीः	अज्ञीप्सिष्टम्	अज्ञीप्सिष्ट	म०
	अज्ञीप्सिषम्	अज्ञीप्सिष्व	अज्ञीप्सिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अज्ञीप्सिष्यत्	अज्ञीप्सिष्यताम्	अज्ञीप्सिष्यन्	प्र०
	अज्ञीप्सिष्यः	अज्ञीप्सिष्यतम्	अज्ञीप्सिष्यत	म०
	अज्ञीप्सिष्यम्	अज्ञीप्सिष्याव	अज्ञीप्सिष्याम	उ०

30. “श्रि सेवायाम्” धातु

लट् (पर०)	शिश्रीषति	शिश्रीषतः	शिश्रीषन्ति	प्र०
	शिश्रीषसि	शिश्रीषथः	शिश्रीषथ	म०
	शिश्रीषामि	शिश्रीषावः	शिश्रीषामः	उ०
लिट् (पर०)	शिश्रीषांचकार	शिश्रीषांचक्रतुः	शिश्रीषांचक्रुः	प्र०
	शिश्रीषांचकर्त्तुः	शिश्रीषांचक्रथुः	शिश्रीषांचक्र	म०
	शिश्रीषांचकार	शिश्रीषांचकृव	शिश्रीषांचकृम	उ०
(पक्षे)	शिश्रीषामास	शिश्रीषांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	शिश्रीषिता	शिश्रीषितारौ	शिश्रीषितारः	प्र०
	शिश्रीषितासि	शिश्रीषितास्थः	शिश्रीषितास्थ	म०
	शिश्रीषितास्मि	शिश्रीषितास्वः	शिश्रीषितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	शिश्रीषिष्यति	शिश्रीषिष्यतः	शिश्रीषिष्यन्ति	प्र०
	शिश्रीषिष्यसि	शिश्रीषिष्यथः	शिश्रीषिष्यथ	म०
	शिश्रीषिष्यामि	शिश्रीषिष्यावः	शिश्रीषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	शिश्रीषतु	शिश्रीषताम्	शिश्रीषिन्तु	प्र०
	शिश्रीषः	शिश्रीषतम्	शिश्रीषित	म०
	शिश्रीषाणि	शिश्रीषाव	शिश्रीषाम	उ०
लङ् (पर०)	अशिश्रीषत्	अशिश्रीषताम्	अशिश्रीषन्	प्र०
	अशिश्रीषः	अशिश्रीषतम्	अशिश्रीषत	म०
	अशिश्रीषम्	अशिश्रीषाव	अशिश्रीषाम	उ०
विधि-लिट्	शिश्रीषेत्	शिश्रीषेताम्	शिश्रीषेयुः	प्र०
(पर०)	शिश्रीषेः	शिश्रीषेतम्	शिश्रीषेत	म०
	शिश्रीषेयम्	शिश्रीषेव	शिश्रीषेम	उ०
आशिष्-लिट्	शिश्रीष्यात्	शिश्रीष्यास्ताम्	शिश्रीष्यासुः	प्र०
(पर०)	शिश्रीष्याः	शिश्रीष्यास्तम्	शिश्रीष्यास्त	म०
	शिश्रीष्यासम्	शिश्रीष्यास्व	शिश्रीष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अशिश्रीषीत्	अशिश्रीषिष्टाम्	अशिश्रीषिषुः	प्र०
	अशिश्रीषीः	अशिश्रीषिष्टम्	अशिश्रीषिष्ट	म०
	अशिश्रीषिषम्	अशिश्रीषिष्व	अशिश्रीषिष्व	उ०

लृङ् (पर०)	अशिशीषिष्यत्	अशिशीष्यताम्	अशिशीष्यन्	प्र०
	अशिशीषिष्यः	अशिशीष्यतम्	अशिशीष्यत	म०
	अशिशीषिष्यम्	अशिशीषिष्याव	अशिशीषिष्याम	उ०

31. “तनु विस्तारे” धातु

लट् (पर०)	तितांसति	तितांसतः	तितांसन्ति	प्र०
	तितंसति			
	तितनिषति			
	तितांससि	तितांसथः	तितांसथ	म०
	तितांसामि	तितांसावः	तितांसामः	उ०
लिट् (पर०)	तितांसांचकार	तितांसांचक्रतुः	तितांसांचक्रुः	प्र०
	तितंसांचकार	तितंसांचक्रतुः	तितंसांचक्रुः	
	तितांसांचकर्थ	तितांसांचक्रथुः	तितांसांचक्र	म०
	तितंसांचकर्थ	तितंसांचक्रथुः	तितंसांचक्र	
	तितांसांचकार	तितांसांचकृव	तितांसांचकृम	उ०
	तितंसांचकार	तितंसांचकृव	तितंसांचकृम	
(पक्षे)	तितांसांमास,	तितांसांम्बभूव इत्यादि		
	तितंसामास,	तितंसाम्बभूव		
लुट् (पर०)	तितांसिता-	तितांसितारौ	तितांसितारः	प्र०
	तितंसिता			
	तितांसितासि	तितांसितास्थः	तितांसितास्थ	म०
	तितांसितास्मि	तितांसितास्वः	ततांसितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	तितांसिष्यति-	तितांसिष्यतः	तितांसिष्यन्ति	प्र०
	तितंसिष्यति			
	तितांसिष्यसि	तितांसिष्यथः	तितांसिष्यथ	म०
	तितांसिष्यामि	तितांसिष्यावः	तितांसिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	तितांसतु-तितंसतु	तितांसताम्	तितांसन्तु	प्र०
	तितांस	तितांसतम्	तितांसत	म०
	तितांसानि	तितांसाव	तितांसाम	उ०
लङ् (पर०)	अतितांसत्	अतितांसताम्	अतितांसन्	प्र०
	अतितंसत्			

	अतितांसः	अतितांसतम्	अतितांसत	म०
	अतितांसम्	अतितांसाव	अतितांसाम	उ०
विधि-लिङ्	तितांसेत्-तितंसेत्	तितांसेताम्	तितांसेयुः	प्र०
(पर०)	तितांसेः	तितांसेतम्	तितांसेत	म०
	तितांसेयम्	तितांसेव	तितांसेम	उ०
आशिष्-लिङ्	तितांस्यात्-	तितांस्यास्ताम्	तितांस्यासुः	प्र०
	तितंस्यात्			
(पर०)	तितांस्याः	तितांस्यास्तम्	तितांस्यास्त	म०
	तितांस्यासम्	तितांस्यास्व	तितांस्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अतितांसीत्-	अतितांसिष्टाम्	अतितांसिषुः	प्र०
	अतितंसीत्			
	अतितांसीः	अतितांसिष्टम्	अतितांसिष्ट	म०
	अतितांसिषम्	अतितांसिष्व	अतितांसिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अतितंसिष्यत्-	अतितांसिष्यताम्	अतितांसिष्यन्	प्र०
	अतितांसिष्यत्			
	अतितांसिष्यः	अतितांसिष्यतम्	अतितांसिष्यत	म०
	अतितांसिष्यम्	अतितांसिष्याव	अतितांसिष्याम्	उ०
30. “श्रि सेवायाम्” धातु				
लट् (पर०)	शिश्रीषति	शिश्रीषतः	शिश्रीषन्ति	प्र०
	शिश्रीषसि	शिश्रीषथः	शिश्रीषथ	म०
	शिश्रीषामि	शिश्रीषावः	शिश्रीषामः	उ०
लिट् (पर०)	शिश्रीषांचकार	शिश्रीषांचक्रतुः	शिश्रीषांचक्रुः	प्र०
	शिश्रीषांचकर्थ	शिश्रीषांचक्रथुः	शिश्रीषांचक्र	म०
	शिश्रीषांचकार	शिश्रीषांचकृव	शिश्रीषांचकृम	उ०
(पक्षे)	शिश्रीषामास	शिश्रीषांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	शिश्रीषिता	शिश्रीषितारौ	शिश्रीषितारः	प्र०
	शिश्रीषितासि	शिश्रीषितास्थः	शिश्रीषितास्थ	म०
	शिश्रीषितास्मि	शिश्रीषितास्वः	शिश्रीषितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	शिश्रीषिष्यति	शिश्रीषिष्यतः	शिश्रीषिष्यन्ति	प्र०
	शिश्रीषिष्यसि	शिश्रीषिष्यथः	शिश्रीषिष्यथ	म०
	शिश्रीषिष्यामि	शिश्रीषिष्यावः	शिश्रीषिष्यामः	उ०

लोट् (पर०)	शिश्रीषतु	शिश्रीषताम्	शिश्रीषन्तु	प्र०
	शिश्रीषः	शिश्रीषतम्	शिश्रीषत	म०
	शिश्रीषाणि	शिश्रीषाव	शिश्रीषाम	उ०
लङ् (पर०)	अशिश्रीषत्	अशिश्रीषताम्	अशिश्रीषन्	प्र०
	अशिश्रीषः	अशिश्रीषतम्	अशिश्रीषत	म०
	अशिश्रीषम्	अशिश्रीषाव	अशिश्रीषाम	उ०
विधि-लिट् (पर०)	शिश्रीषेत्	शिश्रीषेताम्	शिश्रीषेयुः	प्र०
	शिश्रीषेः	शिश्रीषेतम्	शिश्रीषेत	म०
	शिश्रीषेयम्	शिश्रीषेव	शिश्रीषेम	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	शिश्रीष्यात्	शिश्रीष्यास्ताम्	शिश्रीष्यासुः	प्र०
	शिश्रीष्याः	शिश्रीष्यास्तम्	शिश्रीष्यास्त	म०
	शिश्रीष्यासम्	शिश्रीष्यास्व	शिश्रीष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अशिश्रीषीत्	अशिश्रीषिष्टात्	अशिश्रीषिषुः	प्र०
	अशिश्रीषीः	अशिश्रीषिष्टम्	अशिश्रीषिष्ट	म०
	अशिश्रीषिषम्	अशिश्रीषिष्व	अशिश्रीषिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अशिश्रीषिष्यत्	अशिश्रीष्यताम्	अशिश्रीष्यन्	प्र०
	अशिश्रीषिष्यः	अशिश्रीष्यतम्	अशिश्रीष्यत	म०
	अशिश्रीषिष्यम्	अशिश्रीषिष्याव	अशिश्रीषिष्याम	उ०

32. “जि-जये” धातु

लट् (पर०)	जिगीषति	जिगीषतः	जिगीषन्ति	प्र०
	जिगीषसि	जिगीषथः	जिगीषथ	म०
	जिगीषामि	जिगीषावः	जिगीषामः	उ०
लिट् (पर०)	जिगीषांचकार	जिगीषांचक्रतुः	जिगीषांचक्रुः	प्र०
	जिगीषांचकर्थ	जिगीषांचक्रथुः	जिगीषांचक्र	म०
	जिगीषांचकार	जिगीषांचकृव	जिगीषांचकृम	उ०
(पक्षे)	जिगीषामास	जिगीषांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	जिगीषिता	जिगीषितारौ	जिगीषितारः	प्र०
	जिगीषितासि	जिगीषितास्थः	जिगीषितास्थ	म०
	जिगीषितास्मि	जिगीषितास्वः	जिगीषितास्मः	उ०

लृट् (पर०)	जिगीषिष्यति	जिगीषिष्यतः	जिगीषिष्यन्ति	प्र०
	जिगीषिष्यसि	जिगीषिष्यथः	जिगीषिष्यथ	म०
	जिगीषिष्यामि	जिगीषिष्यावः	जिगीषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	जिगीषतु	जिगीषताम्	जिगीषन्तु	प्र०
	जिगीषः	जिगीषतम्	जिगीषत	म०
	जिगीषाणि	जिगीषाव	जिगीषाम	उ०
लङ् (पर०)	अजिगीषत्	अजिगीषताम्	अजिगीषन्	प्र०
	अजिगीषः	अजिगीषतम्	अजिगीषत	म०
	अजिगीषम्	अजिगीषाव	अजिगीषाम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	जिगीषेत्	जिगीषेताम्	जिगीषेयुः	प्र०
	जिगीषेः	जिगीषेतम्	जिगीषेत	म०
	जिगीषेयम्	जिगीषेव	जिगीषेम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	जिगीष्यात्	जिगीष्यास्ताम्	जिगीष्यासुः	प्र०
	जिगीष्याः	जिगीष्यास्तम्	जिगीष्यास्त	म०
	जिगीष्यासम्	जिगीष्यास्व	जिगीष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अजिगीषीत्	अजिगीषीष्टाम्	अजिगीषिषुः	प्र०
	अजिगीषीः	अजिगीषीष्टम्	अजिगीषिष्ट	म०
	अजिगीषिषम्	अजिगीषिष्व	अजिगीषिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अजिगीषिष्यत्	अजिगीषिष्यताम्	अजिगीष्यन्	प्र०
	अजिगीषिष्यः	अजिगीषिष्यतम्	अजिगीष्यत	म०
	अजिगीषिष्यम्	अजिगीषिष्याव	अजिगीषिष्याम	उ०

33. “पत्लृ पतने” धातु

लट् (पर०)	पित्सति	पित्सतः	पित्सन्ति	प्र०
	पित्ससि	पित्सथः	पित्सथ	म०
	पित्सामि	पित्सावः	पित्सामः	उ०
लिट् (पर०)	पित्सांचकार	पित्सांचक्रतुः	पित्सांचक्रुः	प्र०
	पित्सांचकर्थ	पित्सांचक्रथुः	पित्सांचक्र	म०
	पित्सांचकार	पित्सांचकृव	पित्सांचकृम	उ०
(पक्षे)	पित्सामास,	पित्साम्बभूव आदि		

लुट् (पर०)	पित्सिता	पित्सितारौ	पित्सितारः	प्र०
	पित्सितासि	पित्सितास्थः	पित्सितास्थ	म०
	पित्सितास्मि	पित्सितास्वः	पित्सितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	पित्सिष्यति	पित्सिष्यतः	पित्सिष्यन्ति	प्र०
	पित्सिष्यसि	पित्सिष्यथः	पित्सिष्यथ	म०
	पित्सिष्यामि	पित्सिष्यावः	पित्सिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	पित्सतु	पित्सताम्	पित्सन्तु	प्र०
	पित्स	पित्सतम्	पित्सत	म०
	पित्सानि	पित्साव	पित्साम	उ०
लङ् (पर०)	अपित्सत्	अपित्साताम्	अपित्सन्	प्र०
	अपित्सः	अपित्सतम्	अपित्सत्	म०
	अपित्सम्	अपित्साव	अपित्साम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	पित्सेत्	पित्सेताम्	पित्सेयुः	प्र०
	पित्सेः	पित्सेतम्	पित्सेत्	म०
	पित्सेयाम्	पित्सेव	पित्सेम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	पित्स्यात्	पित्स्यास्ताम्	पित्स्यासुः	प्र०
	पित्स्याः	पित्स्यास्तम्	पित्स्यास्त	म०
	पित्स्यासम्	पित्स्यास्व	पित्स्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अपित्सीत्	अपित्सिष्टाम्	अपित्सिषुः	प्र०
	अपित्सीः	अपित्सिष्टम्	अपित्सिष्ट	म०
	अपित्सिषम्	अपित्सिष्व	अपित्सिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अपित्सिष्यत्	अपित्सिष्यताम्	अपित्सिष्यन्	प्र०
	अपित्सिष्यः	अपित्सिष्यतम्	अपित्सिष्यत	म०
	अपित्सिष्यम्	अपित्सिष्याव	अपित्सिष्याम्	उ०

34. “इषु” धातु

लट् (पर०)	एषिषिषति	एषिषिषतः	एषिषिषन्ति	प्र०
	एषिषिषसि	एषिषिषथः	एषिषिषथ	म०
	एषिषिषामि	एषिषिषावः	एषिषिषामः	उ०

लिट् (पर०)	एषिषिषांचकार	एषिषिषांचक्रतुः	एषिषिषांचक्रुः	प्र०
	एषिषिषांचकर्त्तृ	एषिषिषांचक्रथुः	एषिषिषांचक्र	म०
	एषिषिषांचकार	एषिषिषांचकृव	एषिषिषांचकृम	उ०
(पक्षे)	एषिषिषामास,	एषिषिषाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	एषिषिषिता	एषिषिषितारौ	एषिषिषितारः	प्र०
	एषिषिषितासि	एषिषिषितास्थः	एषिषिषितास्थ	म०
	एषिषिषितास्मि	एषिषिषितास्वः	एषिषिषितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	एषिषिषिष्यति	एषिषिषिष्यतः	एषिषिषिष्यन्ति	प्र०
	एषिषिषिष्यसि	एषिषिषिष्यथः	एषिषिषिष्यथ	म०
	एषिषिषिष्यामि	एषिषिषिष्यांवः	एषिषिषिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	एषिषिषतु	एषिषिषिताम्	एषिषिषन्तु	प्र०
	एषिषिषः	एषिषिषितम्	एषिषिषित	म०
	एषिषिषाणि	एषिषिषाव	एषिषिषिषाम	उ०
लङ् (पर०)	ऐषिषिषत्	ऐषिषिषताम्	ऐषिषिषन्	प्र०
	ऐषिषिषः	ऐषिषिषतम्	ऐषिषिषत	म०
	ऐषिषिषम्	ऐषिषिषाव	ऐषिषिषाम	उ०
विधि-लिङ्	ऐषिषिषेत्	ऐषिषिषेताम्	ऐषिषिषेयुः	प्र०
(पर०)	ऐषिषिषिषेः	ऐषिषिषेतम्	ऐषिषिषेत	म०
	ऐषिषिषेयाम्	ऐषिषिषेव	ऐषिषिषेम	उ०
आशिष्-लिङ्	एषिषिषिष्यात्	एषिषिषिष्यास्ताम्	एषिषिषिष्यासुः	प्र०
(पर०)	एषिषिषिष्याः	एषिषिषिष्यास्तम्	एषिषिषिष्यास्त	म०
	एषिषिषिष्यासम्	एषिषिषिष्यास्व	एषिषिषिष्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	ऐषिषिषीत्	ऐषिषिषिष्टाम्	ऐषिषिषिषुः	प्र०
	ऐषिषिषीः	ऐषिषिषिष्टम्	ऐषिषिषिष्ट	म०
	ऐषिषिषिषम्	ऐषिषिषिष्व	ऐषिषिषिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	ऐषिषिषिष्यत्	ऐषिषिषिष्यताम्	ऐषिषिषिष्यन्	प्र०
	ऐषिषिषिष्यः	ऐषिषिषिष्यतम्	ऐषिषिषिष्यत	म०
	ऐषिषिषिष्यम्	ऐषिषिषिष्याव	ऐषिषिषिष्याम	उ०

यङन्तप्रक्रिया

1. "व्रज गतौ" धातु

लट् (पर०)	वाव्रज्यते	वाव्रज्येते	वाव्रज्यन्ते	प्र०
	वाव्रज्यसे	वाव्रज्येथे	वाव्रज्यध्वे	म०
	वाव्रज्ये	वाव्रज्यावहे	वाव्रज्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	वाव्रजांचक्रे	वाव्रजांचक्राते	वाव्रजांचक्रिरे	प्र०
	वाव्रजांचकृषे	वाव्रजांचक्राथे	वाव्रजांचकृद्भवे	म०
	वाव्रजांचक्रे	वाव्रजांचकृवहे	वाव्रजांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	वाव्रजिता	वाव्रजितारौ	वाव्रजितारः	प्र०
	वाव्रजितासे	वाव्रजितासाथे	वाव्रजिताध्वे	म०
	वाव्रजिताहे	वाव्रजितास्वहे	वाव्रजितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	वाव्रजिष्यते	वाव्रजिष्येते	वाव्रजिष्यन्ते	प्र०
	वाव्रजिष्यसे	वाव्रजिष्येथे	वाव्रजिष्यध्वे	म०
	वाव्रजिष्ये	वाव्रजिष्यावहे	वाव्रजिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	वाव्रज्यताम्	वाव्रज्येताम्	वाव्रज्यन्ताम्	प्र०
	वाव्रज्यस्व	वाव्रज्येथाम्	वाव्रज्यध्वम्	म०
	वाव्रज्यै	वाव्रज्यावहै	वाव्रज्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अवाव्रज्यत	अवाव्रज्येताम्	अवाव्रज्यन्त	प्र०
	अवाव्रज्यथाः	अवाव्रज्येथाम्	अवाव्रज्यध्वम्	म०
	अवाव्रज्ये	अवाव्रज्यावहि	अवाव्रज्यामहि	उ०
विधि-लिट्	वाव्रज्येत	वाव्रज्येयाताम्	वाव्रज्येरन्	प्र०
(पर०)	वाव्रज्येथाः	वाव्रज्येयाथाम्	वाव्रज्येध्वम्	म०
	वाव्रज्येय	वाव्रज्येवहि	वाव्रज्येमहि	उ०
आशिप्-लिट्	वाव्रजिषीष्ट	वाव्रजिषीयास्ताम्	वाव्रजिषीरन्	प्र०
(पर०)	वाव्रजिषीष्ठाः	वाव्रजिषीयास्थाम्	वाव्रजिषीध्वम्	म०
	वाव्रजिषीय	वाव्रजिषीवहि	वाव्रजिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अवाव्रजिष्टः	अवाव्रजिषाताम्	अवाव्रजिषत	प्र०
	अवाव्रजिष्ठाः	अवाव्रजिषाथाम्	अवाव्रजिध्वम्	म०
	अवाव्रजिषि	अवाव्रजिष्वहि	अवाव्रजिष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अवाव्रजिष्यत्	अवाव्रजिष्येताम्	अवाव्रजिष्यन्त	प्र०
	अवाव्रजिष्यथाः	अवाव्रजिष्येथाम्	अवाव्रजिष्यध्वम्	म०
	अवाव्रजिष्ये	अवाव्रजिष्यावहि	अवाव्रजिष्यामहि	उ०
2. "वृत्तु वर्तने" धातु				
लट् (पर०)	वरीवृत्यते	वरीवृत्येते	वरीवृत्यन्ते	प्र०
	वरीवृत्यसे	वरीवृत्येथे	वरीवृत्यध्वे	म०
	वरीवृत्ये	वरीवृत्यावहे	वरीवृत्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	वरीवृतांचक्रे	वरीवृतांचक्राते	वरीवृतांचक्रिरे	प्र०
	वरीवृतांचकृषे	वरीवृतांचक्राथे	वरीवृतांचकृद्धे	म०
	वरीवृतांचक्रे	वरीवृतांचकृवहे	वरीवृतांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	वरीवर्त्तिता	वरीवर्त्तितारौ	वरीवर्त्तितारः	प्र०
	वरीवर्त्तितासे	वरीवर्त्तितासाथे	वरीवर्त्तिताध्वे	म०
	वरीवर्त्तिताहे	वरीवर्त्तितास्वहे	वरीवर्त्तितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	वरीवर्त्तिष्यते	वरीवर्त्तिष्येते	वरीवर्त्तिष्यन्ते	प्र०
	वरीवर्त्तिष्ये	वरीवर्त्तिष्येथे	वरीवर्त्तिष्यध्वे	म०
	वरीवर्त्तिष्ये	वरीवर्त्तिष्यावहे	वरीवर्त्तिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	वरीवृत्यताम्	वरीवृत्येताम्	वरीवृत्यन्ताम्	प्र०
	वरीवृत्यस्व	वरीवृत्येथाम्	वरीवृत्यध्वम्	म०
	वरीवृत्यै	वरीवृत्यावहै	वरीवृत्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अवरीवृत्यत	अवरीवृत्येताम्	अवरीवृत्यन्ताम्	प्र०
	अवरीवृत्यथाः	अवरीवृत्येथाम्	अवरीवृत्यध्वम्	म०
	अवरीवृत्ये	अवरीवृत्यावहि	अवरीवृत्यामहि	उ०
विधि-लिट्	वरीवृत्येत	वरीवृत्येयाताम्	वरीवृत्येरन्	प्र०
(पर०)	वरीवृत्येथाः	वरीवृत्येयाथाम्	वरीवृत्येध्वम्	म०
	वरीवृत्येय	वरीवृत्येवहि	वरीवृत्येमहि	उ०
आशिष्-लिट्	वरीवृतिषीष्ट	वरीवृतिषीयास्ताम्	वरीवृतिषीरन्	प्र०
(पर०)	वरीवृतिषीष्ठाः	वरीवृतिषीयास्थाम्	वरीवृतिषीध्वम्	म०
	वरीवृतिषीय	वरीवृतिषीवहि	वरीवृतिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अवरीवृतिष्य	अवरीवृतिषाताम्	अवरीवृतिषत	प्र०
	अवरीवृतिष्ठाः	अवरीवृतिषाथाम्	अवरीवृतिष्वम्	म०
	अवरीवृतिषि	अवरीवृतिष्वहि	अवरीवृतिष्वमहि	उ०

लृङ् (पर०)	अवरीवृतिष्यत	अवरीवृतिष्येतम्	अवरीवृतिष्यन्ताम्	प्र०
	अवरीवृतिष्यथाः	अवरीवृतिष्येथाम्	अवरीवृतिष्यध्वम्	म०
	अवरीवृतिष्ये	अवरीवृतिष्यावहि	अवरीवृतिष्यामहि	उ०
3. “डुकृ करणे” धातु				
लट् (पर०)	चेक्रीयते	चेक्रीयेते	चेक्रीयन्ते	प्र०
	चेक्रीयसे	चेक्रीयेथे	चेक्रीयध्वे	म०
	चेक्रीये	चेक्रीयामहे	चेक्रीयामहे	उ०
लिट् (पर०)	चेक्रीयंचक्रे	चेक्रीयंचक्राते	चेक्रीयंचक्रिरे	प्र०
	चेक्रीयंचकृषे	चेक्रीयंचक्राथे	चेक्रीयंचकृद्धे	म०
	चेक्रीयंचक्रे	चेक्रीयंचकृवहे	चेक्रीयंचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	चेक्रीयिता	चेक्रीयितारौ	चेक्रीयितारः	प्र०
	चेक्रीयितासे	चेक्रीयितासाथे	चेक्रीयिताध्वे	म०
	चेक्रीयिताहे	चेक्रीयितास्वहे	चेक्रीयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	चेक्रीयिष्यते	चेक्रीयिष्येते	चेक्रीयिष्यन्ते	प्र०
	चेक्रीयिष्यसे	चेक्रीयिष्येथे	चेक्रीयिष्यध्वे	म०
	चेक्रीयिष्ये	चेक्रीयिष्यावहे	चेक्रीयिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	चेक्रीयताम्	चेक्रीयेताम्	चेक्रीयन्ताम्	प्र०
	चेक्रीयस्व	चेक्रीयेथाम्	चेक्रीयध्वम्	म०
	चेक्रीये	चेक्रीयिवहे	चेक्रीयिमहे	उ०
लङ् (पर०)	अचेक्रीयत	अचेक्रीयेताम्	अचेक्रीयन्ताम्	प्र०
	अचेक्रीयथाः	अचेक्रीयेथाम्	अचेक्रीयध्वम्	म०
	अचेक्रीये	अचेक्रीयामहि	अचेक्रीयमहि	उ०
विधि-लिट् (पर०)	चेक्रीयेत	चेक्रीयेयाताम्	चेक्रीयेरन्	प्र०
	चेक्रीयेथाः	चेक्रीयेयाथाम्	चेक्रीयेध्वम्	म०
	चेक्रीये	चेक्रीयेवहि	चेक्रीयेमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	चेक्रीयिषीष्ट	चेक्रीयिषीयास्ताम्	चेक्रीयिषीरन्	प्र०
	चेक्रीयिषीष्ठाः	चेक्रीयिषीयास्थाम्	चेक्रीयिषीध्वम्	म०
	चेक्रीयिषीय	चेक्रीयिषीवहि	चेक्रीयिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अचेक्रीयिष्ट	अचेक्रीयिषाताम्	अचेक्रीयिषत	प्र०
	अचेक्रीयिष्ठाः	अचेक्रीयिषाथाम्	अचेक्रीयिषध्वम्	म०
	अचेक्रीयिषि	अचेक्रीयिष्वहि	अचेक्रीयिष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अचेक्रीयिष्यत	अचेक्रीयिष्येतम्	अचेक्रीयिष्यन्ताम्	प्र०
	अचेक्रीयिष्यथाः	अचेक्रीयिष्येथाम्	अचेक्रीयिष्यध्वम्	म०
	अचेक्रीयिष्ये	अचेक्रीयिष्यावहि	अचेक्रीयिष्यामहि	उ०
4. “नृतीगात्रविक्षेपे” धातु				
लट् (पर०)	नरीनृत्यते	नरीनृत्येते	नरीनृत्यन्ते	प्र०
	नरीनृत्यसे	नरीनृत्येथे	नरीनृत्यध्वे	म०
	नरीनृत्ये	नरीनृत्यावहे	नरीनृत्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	नरीनृतांचक्रे	नरीनृतांचक्राते	नरीनृतांचक्रिरे	प्र०
	नरीनृतांचकृषे	नरीनृतांचक्राथे	नरीनृतांचकृढवे	म०
	नरीनृतांचक्रे	नरीनृतांचकृवहे	नरीनृतांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	नरीनर्त्तिता	नरीनर्त्तितारौ	नरीनर्त्तितारः	प्र०
	नरीनर्त्तितासे	नरीनर्त्तितासाथे	नरीनर्त्तिताध्वे	म०
	नरीनर्त्तिताहे	नरीनर्त्तितास्वहे	नरीनर्त्तितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	नरीनर्त्तिष्यते	नरीनर्त्तिष्येते	नरीनर्त्तिष्यन्ते	प्र०
	नरीनर्त्तिष्यसे	नरीनर्त्तिष्येथे	नरीनर्त्तिष्यध्वे	म०
	नरीनर्त्तिष्ये	नरीनर्त्तिष्यावहे	नरीनर्त्तिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	नरीनृत्यताम्	नरीनृत्येताम्	नरीनृत्यन्ताम्	प्र०
	नरीनृत्यस्व	नरीनृत्येथाम्	नरीनृत्यध्वम्	म०
	नरीनृत्यै	नरीनृत्यावहै	नरीनृत्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अनरीनृत्यत	अनरीनृत्येताम्	अनरीनृत्यन्त	प्र०
	अनरीनृत्यथाः	अनरीनृत्येथाम्	अनरीनृत्यध्वम्	म०
	अनरीनृत्ये	अनरीनृत्यावहि	अनरीनृत्यामहि	उ०
विधि-लिट्	नरीनृत्येत	नरीनृत्येयाताम्	नरीनृत्येरन्	प्र०
(पर०)	नरीनृत्येथाः	नरीनृत्येयाथाम्	नरीनृत्येध्वम्	म०
	नरीनृत्येय	नरीनृत्येवहि	नरीनृत्येमहि	उ०
आशिष्-लिट्	नरीनृतिषीष्ट	नरीनृतिषीयास्ताम्	नरीनृतिषीरन्	प्र०
(पर०)	नरीनृतिषीष्ठाः	नरीनृतिषीयास्थाम्	नरीनृतिषीध्वम्	म०
	नरीनृतिषीय	नरीनृतिषीवहि	नरीनृतिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अनरीनृतिष्ट	अनरीनृतिषाताम्	अनरीनृतिषत	प्र०
	अनरीनृतिष्ठाः	अनरीनृतिषाथाम्	अनरीनृतिष्वम्	म०
	अनरीनृतिषि	अनरीनृतिष्वहि	अनरीनृतिष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अनरीनृतिष्यत	अनरीनृतिष्येताम्	अनरीनृतिष्यन्ताम्	प्र०
	अनरीनृतिष्यथाः	अनरीनृतिष्येथाम्	अनरीनृतिष्यध्वम्	म०
	अनरीनृतिष्ये	अनरीनृतिष्यावहि	अनरीनृतिष्यामहि	उ०

5. "गृह उपादाने" धातु

लट् (पर०)	जरीगृह्यते	जरीगृह्येते	जरीगृह्यन्ते	प्र०
	जरीगृह्यसे	जरीगृह्येथे	जरीगृह्यध्वे	म०
	जरीगृह्ये	जरीगृह्यावहे	जरीगृह्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	जरीगृहांचक्रे	जरीगृहांचक्राते	जरीगृहांचक्रिरे	प्र०
	जरीगृहांचकृषे	जरीगृहांचक्राथे	जरीगृहांचकृद्वे	म०
	जरीगृहांचक्रे	जरीगृहांचकृवहे	जरीगृहांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	जरीगृहिता	जरीगृहितारौ	जरीगृहितारः	प्र०
	जरीगृहितासे	जरीगृहितासाथे	जरीगृहिताध्वे	म०
	जरीगृहिताहे	जरीगृहितास्वहे	जरीगृहितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	जरीगृहिष्यते	जरीगृहिष्येते	जरीगृहिष्यन्ते	प्र०
	जरीगृहिष्यसे	जरीगृहिष्येथे	जरीगृहिष्यध्वे	म०
	जरीगृहिष्ये	जरीगृहिष्यावहे	जरीगृहिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	जरीगृह्याताम्	जरीगृह्येताम्	जरीगृह्यन्ताम्	प्र०
	जरीगृह्यस्व	जरीगृह्येथाम्	जरीगृह्येध्वम्	म०
	जरीगृह्यै	जरीगृह्यावहै	जरीगृह्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अजरीगृह्यत	अजरीगृह्येताम्	अजरीगृह्यन्त	प्र०
	अजरीगृह्यथाः	अजरीगृह्येथाम्	अजरीगृह्यध्वम्	म०
	अजरीगृह्ये	अजरीगृह्यावहि	अजरीगृह्यामहि	उ०
विधि-लिट् (पर०)	जरीगृह्येत	जरीगृह्येयाताम्	जरीगृह्येरन्	प्र०
	जरीगृह्येथाः	जरीगृह्येयाथाम्	जरीगृह्येध्वम्	म०
	जरीगृह्ये	जरीगृह्येवहि	जरीगृह्येमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	जरीगृहिषीष्ट	जरीगृहिषीयास्ताम्	जरीगृहिषीरन्	प्र०
	जरीगृहिषीष्ठाः	जरीगृहिषीयास्थाम्	जरीगृहिषीध्वम्	म०
	जरीगृहिषीय	जरीगृहिषीवहि	जरीगृहिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अजरीगृहिष्य	अजरीगृहिषाताम्	अजरीगृहिषत	प्र०
	अजरीगृहिष्यः	अजरीगृहिषाथाम्	अजरीगृहिषीध्वम्	म०
	अजरीगृहिषि	अजरीगृहिष्वहि	अजरीगृहिष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अजरीगृहिष्यत	अजरीगृहिष्येताम्	अजरीगृहिषन्त	प्र०
	अजरीगृहिष्टाः	अजरीगृहिष्येथाम्	अजरीगृहिष्वम्	म०
	अजरीगृहिष्ये	अजरीगृहिष्यावहि	अजरीगृहिष्यामहि	उ०

6. "ओब्रश्चू-छेदने" धातु

लट् (पर०)	वरीवृश्च्यते	वरीवृश्च्येते	वरीवृश्च्यन्ते	प्र०
	वरीवृश्च्यसे	वरीवृश्च्येथे	वरीवृश्च्यध्वे	म०
	वरीवृश्च्ये	वरीवृश्च्यावहे	वरीवृश्च्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	वरीवृश्चांचक्रे	वरीवृश्चांचक्राते	वरीवृश्चांचक्रिरे	प्र०
	वरीवृश्चांचकृषे	वरीवृश्चांचक्राथे	वरीवृश्चांचकृद्वे	म०
	वरीवृश्चांचक्रे	वरीवृश्चांचकृवहे	वरीवृश्चांचकृमहे	उ०
	एवं वरीवृश्चामास, वरीवृश्चांबभूव इत्यादि			
लुट् (पर०)	वरीवृश्चिता	वरीवृश्चितारौ	वरीवृश्चितारः	प्र०
	वरीवृश्चितासे	वरीवृश्चितासाथे	वरीवृश्चिताध्वं	म०
	वरीवृश्चिताहे	वरीवृश्चितास्वहे	वरीवृश्चितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	वरीवृश्चिष्यते	वरीवृश्चिष्येते	वरीवृश्चिष्यन्ते	प्र०
	वरीवृश्चिष्यसे	वरीवृश्चिष्येथे	वरीवृश्चिष्यध्वे	म०
	वरीवृश्चिष्ये	वरीवृश्चिष्यावहे	वरीवृश्चिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	वरीवृश्च्यताम्	वरीवृश्च्येताम्	वरीवृश्च्यन्ताम्	प्र०
	वरीवृश्च्यस्व	वरीवृश्च्येथाम्	वरीवृश्च्यध्वम्	म०
	वरीवृश्च्यै	वरीवृश्च्यावहै	वरीवृश्च्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अवरीवृश्च्येत	अवरीवृश्च्येताम्	अवरीवृश्च्यन्त	प्र०
	अवरीवृश्च्यथाः	अवरीवृश्च्येथाम्	अवरीवृश्च्यध्वम्	म०
	अवरीवृश्च्ये	अवरीवृश्च्यावहि	अवरीवृश्च्यामहि	उ०
विधि-लिट् (पर०)	वरीवृश्च्येत	वरीवृश्च्येयाताम्	वरीवृश्च्येरन्	प्र०
	वरीवृश्च्येथाः	वरीवृश्च्येयाथाम्	वरीवृश्च्येध्वम्	म०
	वरीवृश्च्येय	वरीवृश्च्येवहि	वरीवृश्च्येमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	वरीवृश्चिषीष्ट	वरीवृश्चिषीयास्ताम्	वरीवृश्चिषीरन्	प्र०
	वरीवृश्चिषीष्ठाः	वरीवृश्चिषीयास्थाम्	वरीवृश्चिषीध्वम्	म०
	वरीवृश्चिषीय	वरीवृश्चिषीवहि	वरीवृश्चिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अवरीवृश्चिष्यत	अवरीवृश्चिष्यताम्	अवरीवृश्चिष्यन्त	प्र०
	अवरीवृश्चिष्यथाः	अवरीवृश्चिष्यथाम्	अवरीवृश्चिष्यध्वम्	म०
	अवरीवृश्चिषि	अवरीवृश्चिष्यहि	अवरीवृश्चिष्यमहि	उ०

लृङ् (पर०)	अवरीवृश्चिष्यत	अवरीवृश्चिष्येताम्	अवरीवृश्चिषन्त	प्र०
	अवरीवृश्चिष्यथाः	अवरीवृश्चिष्येथाम्	अवरीवृश्चिष्यध्वम्	म०
	अवरीवृश्चिष्ये	अवरीवृश्चिष्यावहि	अवरीवृश्चिष्यामहि	उ०

7. "लुप्लृ छेदने" धातु

लट् (पर०)	लोलुप्यते	लोलुप्येते	लोलुप्यन्ते	प्र०
	लोलुप्यसे	लोलुप्येथे	लोलुप्यध्वे	म०
	लोलुप्ये	लोलुप्यावहे	लोलुप्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	लोलुपांचक्रे	लोलुपांचक्राते	लोलुपांचक्रिरे	प्र०
	लोलुपांचकृषे	लोलुपांचक्राथे	लोलुपांचकृढवे	म०
	लोलुपांचक्रे	लोलुपांचकृवहे	लोलुपांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	लोलुपिता	लोलुपितारौ	लोलुपितारः	प्र०
	लोलुपितासे	लोलुपितासाथे	लोलुपिताध्वे	म०
	लोलुपिताहे	लोलुपितास्वहे	लोलुपितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	लोलुपिष्यते	लोलुपिष्येते	लोलुपिष्यन्ते	प्र०
	लोलुपिष्यसे	लोलुपिष्येथे	लोलुपिष्यध्वे	म०
	लोलुपिष्ये	लोलुपिष्यावहे	लोलुपिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	लोलुप्यताम्	लोलुप्यताम्	लोलुप्यन्ताम्	प्र०
	लोलुप्यस्व	लोलुप्येथाम्	लोलुप्यध्वम्	म०
	लोलुप्यै	लोलुप्यावहै	लोलुप्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अलोलुप्यत	अलोलुप्येताम्	अलोलुप्यन्त	प्र०
	अलोलुप्यथाः	अलोलुप्येथाम्	अलोलुप्यध्वम्	म०
	अलोलुप्ये	अलोलुप्यावहि	अलोलुप्यामहि	उ०
विधि-लिट्	लोलुप्येत	लोलुप्येयाताम्	लोलुप्येरन्	प्र०
(पर०)	लोलुप्येथाः	लोलुप्येयाथाम्	लोलुप्येध्वम्	म०
	लोलुप्येये	लोलुप्येवहि	लोलुप्येमहि	उ०
आशिष्-लिट्	लोलुपिषीष्ट	लोलुपिषीयास्ताम्	लोलुपिषीरन्	प्र०
(पर०)	लोलुपिषीष्ठाः	लोलुपिषीयास्थाम्	लोलुपिषीध्वम्	म०
	लोलुपिषीय	लोलुपिषीवहि	लोलुपिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अलोलुपिष्ट	अलोलुपिषाताम्	अलोलुपिषत	प्र०
	अलोलुपिष्ठाः	अलोलुपिषाथाम्	अलोलुपिषध्वम्	म०
	अलोलुपिषि	अलोलुपिष्वहि	अलोलुपिष्वमहि	उ०

लृङ् (पर०)	अलोलुपिष्यत	अलोलुपिष्येताम्	अलोलुपिष्यन्त	प्र०
	अलोलुपिष्यथाः	अलोलुपिष्येथाम्	अलोलुपिष्यध्वम्	म०
	अलोलुपिष्ये	अलोलुपिष्यावहि	अलोलुपिष्यामहि	उ०

8. “चर-गतिभक्षणयोः” धातु

लट् (पर०)	चंचूर्यते	चंचूर्यते	चंचूर्यन्ते	प्र०
	चंचूर्यसे	चंचूर्यथे	चंचूर्यध्वे	म०
	चंचूर्ये	चंचूर्यावहे	चंचूर्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	चंचुरांचक्रे	चंचुरांचक्राते	चंचुरांचक्रिरे	प्र०
	चंचुरांचकृषे	चंचुरांचक्राथे	चंचुरांचकृध्वे	म०
	चंचुरांचक्रे	चंचुरांचकृवहे	चंचुरांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	चंचुरिता	चंचुरितारौ	चंचुरितारः	प्र०
	चंचुरितासे	चंचुरितासाथे	चंचुरिताध्वे	म०
	चंचुरिताहे	चंचुरितास्वहे	चंचुरितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	चंचुरिष्यते	चंचुरिष्येते	चंचुरिष्यन्ते	प्र०
	चंचुरिष्यसे	चंचुरिष्येथे	चंचुरिष्यध्वे	म०
	चंचुरिष्ये	चंचुरिष्यावहे	चंचुरिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	चंचूर्यताम्	चंचूर्यताम्	चंचूर्यन्ताम्	प्र०
	चंचूर्यस्व	चंचूर्यथाम्	चंचूर्यध्वम्	म०
	चंचूर्ये	चंचूर्यावहै	चंचूर्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अचंचूर्यत	अचंचूर्यताम्	अचंचूर्यन्त	प्र०
	अचंचूर्यथाः	अचंचूर्यथाम्	अचंचूर्यध्वम्	म०
	अचंचूर्ये	अचंचूर्यावहि	अचंचूर्यामहि	उ०
विधि-लिट् (पर०)	चंचूर्येत	चंचूर्येयाताम्	चंचूर्येरन्	प्र०
	चंचूर्येथाः	चंचूर्येयाथाम्	चंचूर्येध्वम्	म०
	चंचूर्ये	चंचूर्येवहि	चंचूर्येमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	चंचुरिषीष्ट	चंचुरिषीयास्ताम्	चंचुरिषीरन्	प्र०
	चंचुरिषीष्ठाः	चंचुरिषीयास्थाम्	चंचुरिषीध्वम्	म०
	चंचुरिषीय	चंचुरिषीवहि	चंचुरिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अचंचुरिष्ट	अचंचुरिषाताम्	अचंचुरिषत	प्र०
	अचंचुरिष्ठाः	अचंचुरिषाथाम्	अचंचुरिषध्वम्	म०
	अचंचुरिषि	अचंचुरिष्वहि	अचंचुरिष्वमहि	उ०

लृङ् (पर०)	अचंचुरिष्यत	अचंचुरिष्येताम्	अचंचुरिष्यन्त	प्र०
	अचंचुरिष्यथाः	अचंचुरिष्येथाम्	अचंचुरिष्यध्वम्	म०
	अचंचुरिष्ये	अचंचुरिष्यावहि	अचंचुरिष्यमहि	उ०
9. "फल-विशरणे" धातु				
लट् (पर०)	पम्फुल्यते	पम्फुल्येते	पम्फुल्यन्ते	प्र०
	पम्फुल्यसे	पम्फुल्येथे	पम्फुल्यध्वे	म०
	पम्फुल्ये	पम्फुल्यावहे	पम्फुल्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	पम्फुलांचक्रे	पम्फुलांचक्राते	पम्फुलांचक्रिरे	प्र०
	पम्फुलांचकृषे	पम्फुलांचक्राथे	पम्फुलांचकृद्वे	म०
	पम्फुलांचक्रे	पम्फुलांचकृवहे	पम्फुलांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	पम्फुलिता	पम्फुलितारौ	पम्फुलितारः	प्र०
	पम्फुलितासे	पम्फुलितासाथे	पम्फुलिताध्वे	म०
	पम्फुलिताहे	पम्फुलितास्वहे	पम्फुलितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	पम्फुलिष्यते	पम्फुलिष्येते	पम्फुलिष्यन्ते	प्र०
	पम्फुलिष्यसे	पम्फुलिष्येथे	पम्फुलिष्यध्वे	म०
	पम्फुलिष्ये	पम्फुलिष्यावहे	पम्फुलिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	पम्फुल्यताम्	पम्फुल्येताम्	पम्फुल्यन्ताम्	प्र०
	पम्फुल्यस्व	पम्फुल्येथाम्	पम्फुल्यध्वम्	म०
	पम्फुल्यै	पम्फुल्यावहै	पम्फुल्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अपम्फुल्यत	अपम्फुल्येताम्	अपम्फुल्यन्त	प्र०
	अपम्फुल्यथाः	अपम्फुल्येथाम्	अपम्फुल्यध्वम्	म०
	अपम्फुल्ये	अपम्फुल्यावहि	अपम्फुल्यामहि	उ०
विधि-लिट् (पर०)	पम्फुल्येत	पम्फुल्येयाताम्	पम्फुल्येरन्	प्र०
	पम्फुल्येथाः	पम्फुल्येयाथाम्	पम्फुल्येध्वम्	म०
	पम्फुल्ये	पम्फुल्येवहि	पम्फुल्येमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	पम्फुलिषीष्ट	पम्फुलिषीयास्ताम्	पम्फुलिषीरन्	प्र०
	पम्फुलिषीष्ठाः	पम्फुलिषीयास्थाम्	पम्फुलिषीध्वम्	म०
	पम्फुलिषीय	पम्फुलिषीवहि	पम्फुलिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अपम्फुलिष्ट	अपम्फुलिषाताम्	अपम्फुलिषत	प्र०
	अपम्फुलिष्ठाः	अपम्फुलिषाथाम्	अपम्फुलिध्वम्	म०
	अपम्फुलिषि	अपम्फुलिष्वहि	अपम्फुलिष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अपम्फुलिष्यत	अपम्फुलिष्येताम्	अपम्फुलिष्यन्त	प्र०
	अपम्फुलिष्यथाः	अपम्फुलिष्येथाम्	अपम्फुलिष्यध्वम्	म०
	अपम्फुलिष्ये	अपम्फुलिष्यावहि	अपम्फुलिष्यामहि	उ०
10. "कुङ् शब्दे" धातु				
लट् (पर०)	कोकूयते	कोकूयेते	कोकूयन्ते	प्र०
	कोकूयसे	कोकूयेथे	कोकूयध्वे	म०
	कोकूये	कोकूयावहे	कोकूयामहे	उ०
लिट् (पर०)	कोकूयांचक्रे	कोकूयांचक्राते	कोकूयांचक्रिरे	प्र०
	कोकूयांचकृषे	कोकूयांचक्राथे	कोकूयांचकृद्वे	म०
	कोकूयांचक्रे	कोकूयांचकृवहे	कोकूयांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	कोकूयिता	कोकूयितारौ	कोकूयितारः	प्र०
	कोकूयितासे	कोकूयितासाथे	कोकूयिताध्वे	म०
	कोकूयिताहे	कोकूयितास्वहे	कोकूयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	कोकूयिष्यते	कोकूयिष्येते	कोकूयिष्यन्ते	प्र०
	कोकूयिष्यसे	कोकूयिष्येथे	कोकूयिष्यध्वे	म०
	कोकूयिष्ये	कोकूयिष्यावहे	कोकूयिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	कोकूयताम्	कोकूयेताम्	कोकूयन्ताम्	प्र०
	कोकूयस्व	कोकूयेथाम्	कोकूयध्वम्	म०
	कोकूयै	कोकूयावहै	कोकूयामहै	उ०
लङ् (पर०)	अकोकूयत	अकोकूयेताम्	अकोकूयन्त	प्र०
	अकोकूयथाः	अकोकूयेथाम्	अकोकूयध्वम्	म०
	अकोकूये	अकोकूयावहि	अकोकूयामहि	उ०
विधि-लिट्	कोकूयेत	कोकूयेयाताम्	कोकूयेरन्	प्र०
(पर०)	कोकूयेथाः	कोकूयेयाथाम्	कोकूयेध्वम्	म०
	कोकूये	कोकूयेवहि	कोकूयेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	कोकूयिषीष्ट	कोकूयिषीयास्ताम्	कोकूयिषीरन्	प्र०
(पर०)	कोकूयिषीष्ठाः	कोकूयिषीयास्थाम्	कोकूयिषीध्वम्	म०
	कोकूयिषीय	कोकूयिषीवहि	कोकूयिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अकोकूयिष्ट	अकोकूयिषाताम्	अकोकूयिषत	प्र०
	अकोकूयिष्ठाः	अकोकूयिषाथाम्	अकोकूयिध्वम्	म०
	अकोकूयिषि	अकोकूयिष्वहि	अकोकूयिष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अकोकूयिष्यत	अकोकूयिष्येतम्	अकोकूयिष्यन्त	प्र०
	अकोकूयिष्यथाः	अकोकूयिष्येथाम्	अकोकूयिष्यध्वम्	म०
	अकोकूयिष्ये	अकोकूयिष्यावहि	अकोकूयिष्यामहि	उ०

11. "जप-व्यक्तायां वाचि" धातु

लट् (पर०)	जंजप्यते	जंजप्येते	जंजप्यन्ते	प्र०
	जंजप्यसे	जंजप्येथे	जंजप्यध्वे	म०
	जंजप्ये	जंजप्यावहे	जंजप्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	जंजपांचक्रे	जंजपांचक्राते	जंजपांचक्रिरे	प्र०
	जंजपांचकृषे	जंजपांचक्राथे	जंजपांचकृढवे	म०
	जंजपांचक्रे	जंजपांचकृवहे	जंजपांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	जंजपिता	जंजपितारौ	जंजपितारः	प्र०
	जंजपितासे	जंजपितासाथे	जंजपिताध्वे	म०
	जंजपिताहे	जंजपितास्वहे	जंजपितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	जंजपिष्यते	जंजपिष्येते	जंजपिष्यन्ते	प्र०
	जंजपिष्यसे	जंजपिष्येथे	जंजपिष्यध्वे	म०
	जंजपिष्ये	जंजपिष्यावहे	जंजपिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	जंजप्यताम्	जंजप्येताम्	जंजप्यन्ताम्	प्र०
	जंजप्यस्व	जंजप्येथाम्	जंजप्यध्वम्	म०
	जंजप्यै	जंजप्यावहै	जंजप्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अजंजप्यत	अजंजप्येताम्	अजंजप्यन्त	प्र०
	अजंजप्यथाः	अजंजप्येथाम्	अजंजप्यध्वम्	म०
	अजंजप्ये	अजंजप्यावहि	अजंजप्यामहि	उ०
विधि-लिट्	जंजप्यते	जंजप्येयाताम्	जंजप्येरन्	प्र०
(पर०)	जंजप्येथाः	जंजप्येयाथाम्	जंजप्येध्वम्	म०
	जंजप्ये	जंजप्येवहि	जंजप्येमहि	उ०
आशिष्-लिट्	जंजपिषीष्ट	जंजपिषीयास्ताम्	जंजपिषीरन्	प्र०
(पर०)	जंजपिषीष्ठाः	जंजपिषीयास्थाम्	जंजपिषीध्वम्	म०
	जंजपिषि	जंजपिषीवहि	जंजपिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अजंजपिष्ट	अजंजपिषाताम्	अजंजपिषत	प्र०
	अजंजपिष्ठाः	अजंजपिषाथाम्	अजंजपिषध्वम्	म०
	अजंजपिषि	अजंजपिष्वहि	अजंजपिष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	अजंजपिष्यत	अजंजपिष्येताम्	अजंजपिष्यन्त	प्र०
	अजंजपिष्ठाः	अजंजपिष्येथाम्	अजंजपिष्यध्वम्	म०
	अजंजपिष्ये	अजंजपिष्यावहि	अजंजपिष्यामहि	उ०
12. "गृ-निगरणे" धातु				
लट् (पर०)	जगिल्यते	जगिल्येते	जगिल्यन्ते	प्र०
	जगिल्यसे	जगिल्येथे	जगिल्यध्वे	म०
	जगिल्ये	जगिल्यावहे	जगिल्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	जगिलांचक्रे	जगिलांचक्राते	जगिलांचक्रिरे	प्र०
	जगिलांचकृषे	जगिलांचक्राथे	जगिलांचकृध्वे	म०
	जगिलांचक्रे	जगिलांचकृवहे	जगिलांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	जगिलिता	जगिलितारौ	जगिलितारः	प्र०
	जगिलितासे	जगिलितासाथे	जगिलिताध्वे	म०
	जगिलिताहे	जगिलितास्वहे	जगिलितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	जगिलिष्यते	जगिलिष्येते	जगिलिष्यन्ते	प्र०
	जगिलिष्यसे	जगिल्येथे	जगिल्यध्वे	म०
	जगिल्ये	जगिल्यावहे	जगिल्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	जगिल्यताम्	जगिल्येताम्	जगिल्यन्ताम्	प्र०
	जगिल्यस्व	जगिल्येथाम्	जगिल्यध्वम्	म०
	जगिल्यै	जगिल्यावहै	जगिल्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अजगिल्यत	अजगिल्येताम्	अजगिल्यन्त	प्र०
	अजगिल्यथाः	अजगिल्येथाम्	अजगिल्यध्वम्	म०
	अजगिल्ये	अजगिल्यावहि	अजगिल्यामहि	उ०
विधि-लिट् (पर०)	जगिल्येत	जगिल्येयाताम्	जगिल्येरन्	प्र०
	जगिल्येथाः	जगिल्येयाथाम्	जगिल्येध्वम्	म०
	जगिल्ये	जगिल्येवहि	जगिल्येमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	जगिलिषीष्ट	जगिलिषीयास्ताम्	जगिलिषीरन्	प्र०
	जगिलिषीष्ठाः	जगिलिषीयास्थाम्	जगिलिषीध्वम्	म०
	जगिलिषि	जगिलिषीवहि	जगिलिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अजगिलिष्ट	अजगिलिषाताम्	अजगिलिषत	प्र०
	अजगिलिष्ठाः	अजगिलिषाथाम्	अजगिलिषध्वम्	म०
	अजगिलिषि	अजगिलिष्वहि	अजगिलिष्वहि	उ०

लृङ् (पर०)	अजेगिलिष्यत	अजेगिलिष्येतम्	अजेगिलिष्यन्त	प्र०
	अजेगिलिष्यथाः	अजेगिलिष्येथाम्	अजेगिलिष्यध्वम्	म०
	अजेगिलिष्ये	अजेगिलिष्यावहि	अजेगिलिष्यामहि	उ०

13. "सुच्-पैशुन्ये" धातु

लट् (पर०)	सोसूच्यते	सोसूच्येते	सोसूच्यन्ते	प्र०
	सोसूच्यसे	सोसूच्येथे	सोसूच्यध्वे	म०
	सोसूच्ये	सोसूच्यावहे	सोसूच्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	सोसूचांचक्रे	सोसूचांचक्राते	सोसूचांचक्रिरे	प्र०
	सोसूचांचकृषे	सोसूचांचक्राथे	सोसूचांचकृध्वे	म०
	सोसूचांचक्रे	सोसूचांचकृवहे	सोसूचांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	सोसूचिता	सोसूचितारौ	सोसूचितारः	प्र०
	सोसूचितासे	सोसूचितासाथे	सोसूचिताध्वे	म०
	सोसूचिताहे	सोसूचितास्वहे	सोसूचितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	सोसूचिष्यते	सोसूचिष्येते	सोसूचिष्यन्ते	प्र०
	सोसूचिष्यसे	सोसूचिष्येथे	सोसूचिष्यध्वे	म०
	सोसूचिष्ये	सोसूचिष्यावहे	सोसूचिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	सोसूच्यताम्	सोसूच्येताम्	सोसूच्यन्ताम्	प्र०
	सोसूच्यस्व	सोसूच्येथाम्	सोसूच्यध्वम्	म०
	सोसूच्यै	सोसूच्यावहै	सोसूच्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	असोसूच्यत	असोसूच्येताम्	असोसूच्यन्त	प्र०
	असोसूच्यथाः	असोसूच्येथाम्	असोसूच्यध्वम्	म०
	असोसूच्ये	असोसूच्यावहि	असोसूच्यामहि	उ०
विधि-लिट् (पर०)	सोसूच्येत	सोसूच्येयाताम्	सोसूच्येरन्	प्र०
	सोसूच्येथाः	सोसूच्येयाथाम्	सोसूच्येध्वम्	म०
	सोसूच्ये	सोसूच्येवहि	सोसूच्येमहि	उ०
आशिप्-लिट् (पर०)	सोसूचिषीष्ट	सोसूचिषीयास्ताम्	सोसूचिषीरन्	प्र०
	सोसूचिषीष्ठाः	सोसूचिषीयास्थाम्	सोसूचिषीध्वम्	म०
	सोसूचिषि	सोसूचिषीवहि	सोसूचिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	असोसूचिष्ट	असोसूचिषाताम्	असोसूचिषत	प्र०
	असोसूचिष्ठाः	असोसूचिषाथाम्	असोसूचिध्वम्	म०
	असोसूचिषि	असोसूचिष्वहि	असोसूचिष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	असोसूचिष्यत	असोसूचिष्येतम्	असोसूचिष्यन्त	प्र०
	असोसूचिष्यथाः	असोसूचिष्येथाम्	असोसूचिष्यध्वम्	म०
	असोसूचिष्ये	असोसूचिष्यावहि	असोसूचिष्यामहि	उ०
14. "सूत्रवेष्टने" धातु				
लट् (पर०)	सोसूत्रयते	सोसूत्रयेते	सोसूत्रयन्ते	प्र०
	सोसूत्रयसे	सोसूत्रयेथे	सोसूत्रयध्वे	म०
	सोसूत्रये	सोसूत्रयावहे	सोसूत्रयामहे	उ०
लिट् (पर०)	सोसूत्रांचक्रे	सोसूत्रांचक्राते	सोसूत्रांचक्रिरे	प्र०
	सोसूत्रांचकृषे	सोसूत्रांचक्राथे	सोसूत्रांचकृध्वे	म०
	सोसूत्रांचक्रे	सोसूत्रांचकृवहे	सोसूत्रांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	सोसूत्रिता	सोसूत्रितारौ	सोसूत्रितारः	प्र०
	सोसूत्रितासे	सोसूत्रितासाथे	सोसूत्रिताध्वे	म०
	सोसूत्रिताहे	सोसूत्रितास्वहे	सोसूत्रितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	सोसूत्रिष्यते	सोसूत्रिष्येते	सोसूत्रिष्यन्ते	प्र०
	सोसूत्रिष्यसे	सोसूत्रिष्येथे	सोसूत्रिष्यध्वे	म०
	सोसूत्रिष्ये	सोसूत्रिष्यावहे	सोसूत्रियामहे	उ०
लोट् (पर०)	सोसूत्रयताम्	सोसूत्रयेताम्	सोसूत्रयन्ताम्	प्र०
	सोसूत्रयस्व	सोसूत्रयेथाम्	सोसूत्रयध्वम्	म०
	सोसूत्रयै	सोसूत्रयावहै	सोसूत्रयामहै	उ०
लङ् (पर०)	असोसूत्रयत	असोसूत्रयेताम्	असोसूत्रयन्त	प्र०
	असोसूत्रयेथाः	असोसूत्रयाथाम्	असोसूत्रयेध्वम्	म०
	असोसूत्रये	असोसूत्रयावहि	असोसूत्रयामहि	उ०
विधि-लिट् (पर०)	सोसूत्रयेत	सोसूत्रयेयाताम्	सोसूत्रयेरन्	प्र०
	सोसूत्रयेथाः	सोसूत्रयेयाथाम्	सोसूत्रयेध्वम्	म०
	सोसूत्रये	सोसूत्रयेवहि	सोसूत्रयेमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	सोसूत्रिषीष्ट	सोसूत्रिषीयास्ताम्	सोसूत्रिषीरन्	प्र०
	सोसूत्रिषीष्ठाः	सोसूत्रिषीयास्थाम्	सोसूत्रिषीध्वम्	म०
	सोसूत्रिषीय	सोसूत्रिषीवहि	सोसूत्रिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	असोसूत्रिष्ट	असोसूत्रिषाताम्	असोसूत्रिषत	प्र०
	असोसूत्रिष्ठाः	असोसूत्रिषाथाम्	असोसूत्रिध्वम्	म०
	असोसूत्रिषि	असोसूत्रिष्वहि	असोसूत्रिष्महि	उ०

लृङ् (पर०)	असोसूत्रिष्यत	असोसूत्रिष्येताम्	असोसूत्रिष्यन्त	प्र०
	असोसूत्रिष्यथाः	असोसूत्रिष्येथाम्	असोसूत्रिष्यध्वम्	म०
	असोसूत्रिष्ये	असोसूत्रिष्यावहि	असोसूत्रिष्यामहि	उ०

15. "मूत्र प्रस्त्रवणे" धातु - पूर्ववदेव

16. "अद् गतौ" धातु

लट् (पर०)	अटाद्यते	अटाद्येते	अटाद्यन्ते	प्र०
	अटाद्यसे	अटाद्येथे	अटाद्यध्वे	म०
	अटाद्ये	अटाद्यावहे	अटाद्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	अटाटांचक्रे	अटाटांचक्राते	अटाटांचक्रिरे	प्र०
	अटाटांचकृषे	अटाटांचक्राथे	अटाटांचकृध्वे	म०
	अटाटांचक्रे	अटाटांचकृवहे	अटाटांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	अटाटिता	अटाटितारौ	अटाटितारः	प्र०
	अटाटितासे	अटाटितासाथे	अटाटिताध्वे	म०
	अटाटिताहे	अटाटितास्वहे	अटाटितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	अटाटिष्यते	अटाटिष्येते	अटाटिष्यन्ते	प्र०
	अटाटिष्यसे	अटाटिष्येथे	अटाटिष्यध्वे	म०
	अटाटिष्ये	अटाटिष्यावहे	अटाटिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	अटाद्यताम्	अटाद्येताम्	अटाद्यन्ताम्	प्र०
	अटाद्यस्व	अटाद्येथाम्	अटाद्यध्वम्	म०
	अटाद्यै	अटाद्यावहै	अटाद्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	आटाद्यत	आटाद्येताम्	आटाद्यन्त	प्र०
	आटाद्यथाः	आटाद्येथाम्	आटाद्यध्वम्	म०
	आटाद्ये	आटाद्यावहि	आटाद्यामहि	उ०
विधि-लिट्	अटाद्येत	अटाद्येयाताम्	अटाद्येरन्	प्र०
(पर०)	अटाद्येथाः	अटाद्येयाथाम्	अटाद्यध्वम्	म०
	अटाद्ये	अटाद्येवहि	अटाद्येमहि	उ०
आशिष्-लिट्	अटाटिषीष्ट	अटाटिषीयास्ताम्	अटाटिषीरन्	प्र०
(पर०)	अटाटिषीष्ठाः	अटाटिषीयास्थाम्	अटाटिषीध्वम्	म०
	अटाटिषीय	अटाटिषीवहि	अटाटिषीमहि	उ०

लुङ् (पर०)	आटाटिष्ट	आटाटिषाताम्	आटाटिषत	प्र०
	आटाटिष्ठाः	आटाटिषाथाम्	आटाटिध्वम्	म०
	आटाटिषि	आटाटिष्वहि	आटाटिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	आटाटिष्यत	आटाटिष्येतम्	आटाटिष्यन्त	प्र०
	आटाटिष्यथाः	आटाटिष्येथाम्	आटाटिष्यध्वम्	म०
	आटाटिष्ये	आटाटिष्यावहि	आटाटिष्यामहि	उ०
17. “ऋ गतौ” धातु				
लट् (पर०)	अरायते	अरायेंते	अरायन्ते	प्र०
	अरायसे	अरायेंथे	अरायध्वे	म०
	अरायें	अरायावहे	अरायामहे	उ०
लिट् (पर०)	अरायांचक्रे	अरायांचक्राते	अरायांचक्रिरे	प्र०
	अरायांचकृषे	अरायांचक्राथे	अरायांचकृध्वे	म०
	अरायांचक्रे	अरायांचकृवहे	अरायांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	अरायिता	अरायितारौ	अरायितारः	प्र०
	अरायितासे	अरायितासाथे	अरायिताध्वे	म०
	अरायिताहे	अरायितास्वहे	अरायितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	अरायिष्यते	अरायिष्येंते	अरायिष्यन्ते	प्र०
	अरायिष्यसे	अरायिष्येंथे	अरायिष्यध्वे	म०
	अरायिष्ये	अरायिष्यावहे	अरायिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	अरायताम्	अरायेंताम्	अरायन्ताम्	प्र०
	अरायस्व	अरायेंथाम्	अरायध्वम्	म०
	अरायें	अरायावहै	अरायामहै	उ०
लङ् (पर०)	अरायत	अरायेंताम्	अरायन्त	प्र०
	अरायेंथाः	अरायेंथाम्	अरायध्वम्	म०
	अरायें	अरायावहि	अरायामहि	उ०
विधि-लिट् (पर०)	अरायेंत	अरायेंयाताम्	अरायेंरन्	प्र०
	अरायेंथाः	अरायेंयाथाम्	अरायेंध्वम्	म०
	अरायें	अरायेंवहि	अरायेंमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	अरायिषीष्ट	अरायिषीयास्ताम्	अरायिषीरन्	प्र०
	अरायिषीष्ठाः	अरायिषीयास्थाम्	अरायिषीध्वम्	म०
	अरायिषीय	अरायिषीवहि	अरायिषीमहि	उ०

लुङ् (पर०)	आरारिष्ट	आरारिषाताम्	आरारिषत	प्र०
	आरारिष्टाः	आरारिषाथाम्	आरारिष्वम्	म०
	आरारिषि	आरारिष्वहि	आरारिष्वहि	उ०
लृङ् (पर०)	आरारिष्यत	आरारिष्येताम्	आरारिष्यन्त	प्र०
	आरारिष्यथाः	आरारिष्येथाम्	आरारिष्यध्वम्	म०
	आरारिष्ये	आरारिष्यावहि	आरारिष्यामहि	उ०
18. "अश् भोजने" धातु				
लट् (पर०)	अशाश्यते	अशाश्येते	अशाश्यन्ते	प्र०
	अशाश्यसे	अशाश्येथे	अशाश्यध्वे	म०
	अशाश्ये	अशास्यावहे	अशास्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	अशाशांचक्रे	अशाशांचक्राते	अशाशांचक्रिरे	प्र०
	अशाशांचकृषे	अशाशांचक्राथे	अशाशांचकृध्वे	म०
	अशाशांचक्रे	अशाशांचकृवहे	अशाशांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	अशाशिता	अशाशितारौ	अशाशितारः	प्र०
	अशाशितासे	अशाशितासाथे	अशाशिताध्वे	म०
	अशाशिताहे	अशाशितास्वहे	अशाशितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	अशाशिष्यते	अशाशिष्येते	अशाशिष्यन्ते	प्र०
	अशाशिष्यसे	अशाशिष्येथे	अशाशिष्यध्वे	म०
	अशाशिष्ये	अशाशिष्यावहे	अशाशिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	अशाश्यताम्	अशाश्येताम्	अशाश्यन्ताम्	प्र०
	अशाश्यस्व	अशाश्येथाम्	अशाश्येध्वम्	म०
	अशाश्यै	अशास्यावहै	अशास्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	आशाशिष्यत	आशाशिष्येताम्	आशाशिष्यन्त	प्र०
	आशाशिष्यथाः	आशाशिष्येथाम्	आशाशिष्यध्वम्	म०
	आशाशिष्ये	आशाशिष्यावहि	आशाशिष्यामहि	उ०
विधि-लिट्	अशाश्येत	अशाश्येयाताम्	अशाश्येरन्	प्र०
(पर०)	अशाश्येथाः	अशाश्येयाथाम्	अशाश्येध्वम्	म०
	अशाश्येय	अशाश्येवहि	अशाश्येमहि	उ०
आशिष्-लिट्	अशाशिषीष्ट	अशाशिषीयास्ताम्	अशाशिषीरन्	प्र०
(पर०)	अशाशिषीष्ठाः	अशाशिषीयास्थाम्	अशाशिषीध्वम्	म०
	अशाशिषीय	अशाशिषीवहि	अशाशिषीमहि	उ०

लुङ् (पर०)	आशाशिष्ट	आशाशिषाताम्	आशाशिषत	प्र०
	आशाशिष्टाः	आशाशिषाथाम्	आशाशिष्वम्	म०
	आशाशिषि	आशाशिष्वहि	आशाशिष्वहि	उ०
लृङ् (पर०)	आशाशिष्यत	आशाशिष्येताम्	आशाशिष्यन्त	प्र०
	आशाशिष्यथाः	आशाशिष्येथाम्	आशाशिष्यध्वम्	म०
	आशाशिष्ये	आशाशिष्यावहि	आशाशिष्यामहि	उ०

19. "ऊर्णु आच्छादने" धातु

लट् (पर०)	ऊर्णोनूयते	ऊर्णोनूयेते	ऊर्णोनूयन्ते	प्र०
	ऊर्णोनूयसे	ऊर्णोनूयेथे	ऊर्णोनूयध्वे	म०
	ऊर्णोनूये	ऊर्णोनूयावहे	ऊर्णोनूयामहे	उ०
लिट् (पर०)	ऊर्णोनूयांचक्रे	ऊर्णोनूयांचक्राते	ऊर्णोनूयांचक्रिरे	प्र०
	ऊर्णोनूयांचकृषे	ऊर्णोनूयांचक्राथे	ऊर्णोनूयांचकृढवे	म०
	ऊर्णोनूयांचक्रे	ऊर्णोनूयांचकृवहे	ऊर्णोनूयांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	ऊर्णोनूयिता	ऊर्णोनूयितारौ	ऊर्णोनूयितारः	प्र०
	ऊर्णोनूयितासे	ऊर्णोनूयितासाथे	ऊर्णोनूयिताध्वे	म०
	ऊर्णोनूयिताहे	ऊर्णोनूयितास्वहे	ऊर्णोनूयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	ऊर्णोनूयिष्यते	ऊर्णोनूयिष्येते	ऊर्णोनूयिष्यन्ते	प्र०
	ऊर्णोनूयिष्यसे	ऊर्णोनूयिष्येथे	ऊर्णोनूयिष्यध्वे	म०
	ऊर्णोनूयिष्ये	ऊर्णोनूयिष्यावहे	ऊर्णोनूयिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	ऊर्णोनूयताम्	ऊर्णोनूयेताम्	ऊर्णोनूयन्ताम्	प्र०
	ऊर्णोनूयस्व	ऊर्णोनूयेथाम्	ऊर्णोनूयेध्वम्	म०
	ऊर्णोनूयै	ऊर्णोनूयावहै	ऊर्णोनूयामहै	उ०
लङ् (पर०)	और्णोनूयत	और्णोनूयेताम्	और्णोनूयन्त	प्र०
	और्णोनूयथाः	और्णोनूयेथाम्	और्णोनूयध्वम्	म०
	और्णोनूये	और्णोनूयावहि	और्णोनूयामहि	उ०
विधि-लिट् (पर०)	ऊर्णोनूयेत	ऊर्णोनूयेयाताम्	ऊर्णोनूयेरन्	प्र०
	ऊर्णोनूयेथाः	ऊर्णोनूयेयाथाम्	ऊर्णोनूयेध्वम्	म०
	ऊर्णोनूयेय	ऊर्णोनूयेवहि	ऊर्णोनूयेमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	ऊर्णोनूयिषीष्ट	ऊर्णोनूयिषीयासताम्	ऊर्णोनूयिषीरन्	प्र०
	ऊर्णोनूयिषीष्ठाः	ऊर्णोनूयिषीयास्थाम्	ऊर्णोनूयिषीध्वम्	म०
	ऊर्णोनूयिषीय	ऊर्णोनूयिषीवहि	ऊर्णोनूयिषीमहि	उ०

लुङ् (पर०)	और्णोन्नीयिष्ट	और्णोन्नीयिषाताम्	और्णोन्नीयिषत	प्र०
	और्णोन्नीयिष्ठाः	और्णोन्नीयिषाथाम्	और्णोन्नीयिषध्वम्	म०
	और्णोन्नीयिषि	और्णोन्नीयिष्वहि	और्णोन्नीयिष्वहि	उ०
लृङ् (पर०)	और्णोन्नीयिष्यत	और्णोन्नीयिष्येताम्	और्णोन्नीयिष्यन्त	प्र०
	और्णोन्नीयिष्यथाः	और्णोन्नीयिष्येथाम्	और्णोन्नीयिष्यध्वम्	म०
	और्णोन्नीयिष्ये	और्णोन्नीयिष्यावहि	और्णोन्नीयिष्यामहि	उ०
20. "सिच्-सेचने" धातु				
लट् (पर०)	सेसिच्यते	सेसिच्येते	सेसिच्यन्ते	प्र०
	सेसिच्यसे	सेसिच्येथे	सेसिच्यध्वे	म०
	सेसिच्ये	सेसिच्यावहे	सेसिच्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	सेसिचांचक्रे	सेसिचांचक्राते	सेसिचांचक्रिरे	प्र०
	सेसिचांचकृषे	सेसिचांचक्राथे	सेसिचांचकृध्वे	म०
	सेसिचांचक्रे	सेसिचांचकृवहे	सेसिचांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	सेसिचिता	सेसिचितारौ	सेसिचितारः	प्र०
	सेसिचितासे	सेसिचितासाथे	सेसिचिताध्वे	म०
	सेसिचिताहे	सेसिचितास्वहे	सेसिचितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	सेसिचिष्यते	सेसिचिष्येते	सेसिचिष्यन्ते	प्र०
	सेसिचिष्यसे	सेसिचिष्येथे	सेसिचिष्यध्वे	म०
	सेसिचिष्ये	सेसिचिष्यावहे	सेसिचिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	सेसिच्यताम्	सेसिच्येताम्	सेसिच्यन्ताम्	प्र०
	सेसिच्यस्व	सेसिच्येथाम्	सेसिच्यध्वम्	म०
	सेसिच्यै	सेसिच्यावहै	सेसिच्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	असेसिच्यत	असेसिच्येताम्	असेसिच्यन्त	प्र०
	असेसिच्यथाः	असेसिच्येथाम्	असेसिच्यध्वम्	म०
	असेसिच्ये	असेसिच्यावहै	असेसिच्यामहै	उ०
विधि-लिट् (पर०)	सेसिच्येत	सेसिच्येयाताम्	सेसिच्येरन्	प्र०
	सेसिच्येथाः	सेसिच्येयाथाम्	सेसिच्येध्वम्	म०
	सेसिच्येय	सेसिच्येवहि	सेसिच्येमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	सेसिचिषीष्ट	सेसिचिषीयास्ताम्	सेसिचिषीरन्	प्र०
	सेसिचिषीष्ठाः	सेसिचिषीयास्थाम्	सेसिचिषीध्वम्	म०
	सेसिचिषीय	सेसिचिषीवहि	सेसिचिषीमहि	उ०

लृङ् (पर०)	असेसिचिष्ट	असेसिचिषाताम्	असेसिचिषत	प्र०
	असेसिचिष्ठाः	असेसिचिषाथाम्	असेसिचिध्वम्	म०
	असेसिचिषि	असेसिचिष्वहि	असेसिचिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	असेसिचिष्यत	असेसिचिष्येताम्	असेसिचिष्यन्त	प्र०
	असेसिचिष्यथाः	असेसिचिष्येथाम्	असेसिचिष्यध्वम्	म०
	असेसिचिष्ये	असेसिचिष्यावहि	असेसिचिष्यामहि	उ०

21. “हन् हिंसायाम्” धातु

लट् (पर०)	जेघ्नीयते	जेघ्नीयेते	जेघ्नीयन्ते	प्र०
	जेघ्नीयसे	जेघ्नीयेथे	जेघ्नीयध्वे	म०
	जेघ्नीये	जेघ्नीयावहे	जेघ्नीयामहे	उ०
लिट् (पर०)	जेघ्नीयांचक्रे	जेघ्नीयांचक्राते	जेघ्नीयांचक्रिरे	प्र०
	जेघ्नीयांचकृषे	जेघ्नीयांचक्राथे	जेघ्नीयांचकृध्वे	म०
	जेघ्नीयांचक्रे	जेघ्नीयांचकृवहे	जेघ्नीयांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	जेघ्नीयिता	जेघ्नीयितारौ	जेघ्नीयितारः	प्र०
	जेघ्नीयितासे	जेघ्नीयितासाथे	जेघ्नीयिताध्वे	म०
	जेघ्नीयिताहे	जेघ्नीयितास्वहे	जेघ्नीयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	जेघ्नीयिष्यते	जेघ्नीयिष्येते	जेघ्नीयिष्यन्ते	प्र०
	जेघ्नीयिष्यसे	जेघ्नीयिष्येथे	जेघ्नीयिष्यध्वे	म०
	जेघ्नीयिष्ये	जेघ्नीयिष्यावहे	जेघ्नीयिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	जेघ्नीयताम्	जेघ्नीयेताम्	जेघ्नीयन्ताम्	प्र०
	जेघ्नीयस्व	जेघ्नीयेथाम्	जेघ्नीयध्वम्	म०
	जेघ्नीयै	जेघ्नीयावहै	जेघ्नीयामहै	उ०
लङ् (पर०)	अजेघ्नीयत	अजेघ्नीयेताम्	अजेघ्नीयन्त	प्र०
	अजेघ्नीयथाः	अजेघ्नीयेथाम्	अजेघ्नीयध्वम्	म०
	अजेघ्नीये	अजेघ्नीयावहै	अजेघ्नीयामहै	उ०
विधि-लिट् (पर०)	जेघ्नीयेत	जेघ्नीयेयाताम्	जेघ्नीयेरन्	प्र०
	जेघ्नीयेथाः	जेघ्नीयेयाथाम्	जेघ्नीयेध्वम्	म०
	जेघ्नीयेय	जेघ्नीयेवहि	जेघ्नीयेमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	जेघ्नीयिषीष्ट	जेघ्नीयिषाताम्	जेघ्नीषीरन्	प्र०
	जेघ्नीषीष्ठाः	जेघ्नीयिषाथाम्	जेघ्नीषीध्वम्	म०
	जेघ्नीषीय	जेघ्नीषीवहि	जेघ्नीषीमहि	उ०

लुङ् (पर०)	अजेघ्नीयिष्ट	अजेघ्नीयिषाताम्	अजेघ्नीयिषत	प्र०
	अजेघ्नीयिष्ठाः	अजेघ्नीयिषाथाम्	अजेघ्नीध्वम्	म०
	अजेघ्नीयि	अजेघ्नीष्वहि	अजेघ्नीष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अजेघ्नीयिष्यत	अजेघ्नीयिष्येतम्	अजेघ्नीयिष्यत	प्र०
	अजेघ्नीयिष्यथाः	अजेघ्नीयिष्येथाम्	अजेघ्नीयिष्यध्वम्	म०
	अजेघ्नीयिष्ये	अजेघ्नीयिष्यावहि	अजेघ्नीयिष्यामहि	उ०

22. “हन् गत्यर्थे” धातु

लट् (पर०)	जङ्घन्यते	जङ्घन्येते	जङ्घन्यन्ते	प्र०
	जङ्घन्यसे	जङ्घन्येथे	जङ्घन्यध्वे	म०
	जङ्घन्ये	जङ्घन्यावहे	जङ्घन्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	जङ्घनांचक्रे	जङ्घनांचक्राते	जङ्घनांचक्रिरे	प्र०
	जङ्घनांचकृषे	जङ्घनांचक्राथे	जङ्घनांचकृध्वे	म०
	जङ्घनांचक्रे	जङ्घनांचकृवहे	जङ्घनांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	जङ्घनिता	जङ्घनितारौ	जङ्घनितारः	प्र०
	जङ्घनितासे	जङ्घनितासाथे	जङ्घनिताध्वे	म०
	जङ्घनिताहे	जङ्घनितास्वहे	जङ्घनितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	जङ्घनिष्यते	जङ्घनिष्येते	जङ्घनिष्यन्ते	प्र०
	जङ्घनिष्यसे	जङ्घनिष्येथे	जङ्घनिष्यध्वे	म०
	जङ्घनिष्ये	जङ्घनिष्यावहे	जङ्घनिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	जङ्घन्यताम्	जङ्घन्येताम्	जङ्घन्यन्ताम्	प्र०
	जङ्घन्यस्व	जङ्घन्येथाम्	जङ्घन्यध्वम्	म०
	जङ्घन्यै	जङ्घन्यावहै	जङ्घन्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अजङ्घन्यत	अजङ्घन्येताम्	अजङ्घन्यन्त	प्र०
	अजङ्घन्यथाः	अजङ्घन्येथाम्	अजङ्घन्यध्वम्	म०
	अजङ्घन्ये	अजङ्घन्यावहै	अजङ्घन्यामहै	उ०
विधि-लिट् (पर०)	जङ्घन्येत	जङ्घन्येयाताम्	जङ्घन्येरन्	प्र०
	जङ्घन्येथाः	जङ्घन्येयाथाम्	जङ्घन्येध्वम्	म०
	जङ्घन्येय	जङ्घन्येवहि	जङ्घन्येमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	जङ्घनिषीष्ट	जङ्घनिषाताम्	जङ्घनिषीरन्	प्र०
	जङ्घनिषीष्ठाः	जङ्घनिषाथाम्	जङ्घनिषीध्वम्	म०
	जङ्घनिषीय	जङ्घनिषीवहि	जङ्घनिषीमहि	उ०

लुङ् (पर०)	अजङ्घनिष्ट	अजङ्घनिषाताम्	अजङ्घनिषत	प्र०
	अजङ्घनिष्ठाः	अजङ्घनिषाथाम्	अजङ्घनिष्वम्	म०
	अजङ्घनि	अजङ्घनिष्वहि	अजङ्घनिष्वमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अजङ्घनिष्यत	अजङ्घनिष्येतम्	अजङ्घनिष्यत	प्र०
	अजङ्घनिष्यथाः	अजङ्घनिष्येथाम्	अजङ्घनिष्यध्वम्	म०
	अजङ्घनिष्ये	अजङ्घनिष्यावहि	अजङ्घनिष्यामहि	उ०
23. "शीङ् स्वप्ने" धातु				
लट् (पर०)	शाशय्यते	शाशय्येते	शाशय्यन्ते	प्र०
	शाशय्यसे	शाशय्येथे	शाशय्यध्वे	म०
	शाशय्ये	शाशय्यावहे	शाशय्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	शाशयांचक्रे	शाशयांचक्राते	शाशयांचक्रिरे	प्र०
	शाशयांचकृषे	शाशयांचक्राथे	शाशयांचकृध्वे	म०
	शाशयांचक्रे	शाशयांचकृवहे	शाशयांचकृमहे	उ०
लृट् (पर०)	शाशयिता	शाशयितारौ	शाशयितारः	प्र०
	शाशयितासे	शाशयितासाथे	शाशयिताध्वे	म०
	शाशयिताहे	शाशयितास्वहे	शाशयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	शाशयिष्यते	शाशयिष्येते	शाशयिष्यन्ते	प्र०
	शाशयिष्यसे	शाशयिष्येथे	शाशयिष्यध्वे	म०
	शाशयिष्ये	शाशयिष्यावहे	शाशयिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	शाशय्यताम्	शाशय्येताम्	शाशय्यन्ताम्	प्र०
	शाशय्यस्व	शाशय्येथाम्	शाशय्यध्वम्	म०
	शाशय्यै	शाशय्यावहै	शाशय्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अशाशय्यत	अशाशय्येताम्	अशाशय्यन्ताम्	प्र०
	अशाशय्यथाः	अशाशय्येथाम्	अशाशय्यध्वम्	म०
	अशाशय्ये	अशाशय्यावहि	अशाशय्यामहि	उ०
विधि-लिट्	शाशय्येत	शाशय्येयाताम्	शाशय्येरन्	प्र०
(पर०)	शाशय्येथाः	शाशय्येयाथाम्	शाशय्येध्वम्	म०
	शाशय्ये	शाशय्येवहि	शाशय्येमहि	उ०
आशिष्-लिट्	शाशयिषीष्ट	शाशयिषीयास्ताम्	शाशयिषीरन्	प्र०
(पर०)	शाशयिषीष्ठाः	शाशयिषीयास्थाम्	शाशयिषीध्वम्	म०
	शाशयिषीय	शाशयिषीवहि	शाशयिषीमहि	उ०

लुङ् (पर०)	अशाशयिष्ट	अशाशयिषाताम्	अशाशयिषन्त	प्र०
	अशाशयिष्ठाः	अशाशयिषाथाम्	अशाशयिष्वम्	म०
	अशाशयिषि	अशाशयिष्वहि	अशाशयिष्वमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अशाशयिष्यत	अशाशयिष्येतम्	अशाशयिष्यत	प्र०
	अशाशयिष्यथाः	अशाशयिष्येथाम्	अशाशयिष्यध्वम्	म०
	अशाशयिष्ये	अशाशयिष्यावहि	अशाशयिष्यामहि	उ०
24. "जिष्ण्व् शये" धातु				
लट् (पर०)	सोषुप्यते	सोषुप्येते	सोषुप्यन्ते	प्र०
	सोषुप्यसे	सोषुप्येथे	सोषुप्यध्वे	म०
	सोषुप्ये	सोषुप्यावहे	सोषुप्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	सोषुपांचक्रे	सोषुपांचक्राते	सोषुपांचक्रिरे	प्र०
	सोषुपांचकृषे	सोषुपांचक्राथे	सोषुपांचकृध्वे	म०
	सोषुपांचक्रे	सोषुपांचकृवहे	सोषुपांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	सोषुपिता	सोषुपितारौ	सोषुपितारः	प्र०
	सोषुपितासे	सोषुपितासाथे	सोषुपिताध्वे	म०
	सोषुपिताहे	सोषुपितास्वहे	सोषुपितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	सोषुपिष्यते	सोषुपिष्येते	सोषुपिष्यन्ते	प्र०
	सोषुपिष्यसे	सोषुपिष्येथे	सोषुपिष्यध्वे	म०
	सोषुपिष्ये	सोषुपिष्यावहे	सोषुपिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	सोषुप्यताम्	सोषुप्येताम्	सोषुप्यन्ताम्	प्र०
	सोषुप्यस्व	सोषुप्येथाम्	सोषुप्यध्वम्	म०
	सोषुप्यै	सोषुप्यावहै	सोषुप्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	असोषुप्यत	असोषुप्येताम्	असोषुप्यन्त	प्र०
	असोषुप्यथाः	असोषुप्येथाम्	असोषुप्यध्वम्	म०
	असोषुप्ये	असोषुप्यावहि	असोषुप्यामहि	उ०
विधि-लिट्	सोषुप्येत	सोषुप्येयाताम्	सोषुप्येरन्	प्र०
(पर०)	सोषुप्येथाः	सोषुप्येयाथाम्	सोषुप्येध्वम्	म०
	सोषुप्ये	सोषुप्येवहि	सोषुप्येमहि	उ०
आशिष्-लिट्	सोषुपिषीष्ट	सोषुपिषीयास्ताम्	सोषुपिषीरन्	प्र०
(पर०)	सोषुपिषीष्ठाः	सोषुपिषीयास्थाम्	सोषुपिषीध्वम्	म०
	सोषुपिषीय	सोषुपिषीवहि	सोषुपिषीमहि	उ०

लृङ् (पर०)	असोषुपिष्ट	असोषुपिषाताम्	असोषुपिषत	प्र०
	असोषुपिष्ठाः	असोषुपिषाथाम्	असोषुपिष्वम्	म०
	असोषुषि	असोषुपिष्वहि	असोषुपिष्वमहि	उ०
लृङ् (पर०)	असोषुपिष्यत	असोषुपिष्येताम्	असोषुपिष्यन्त	प्र०
	असोषुपिष्यथाः	असोषुपिष्येथाम्	असोषुपिष्यध्वम्	म०
	असोषुपिष्ये	असोषुपिष्यावहि	असोषुपिष्यामहि	उ०

25. "स्यमु" धातु

लट् (पर०)	सेसिम्यते	सेसिम्येते	सेसिम्यन्ते	प्र०
	सेसिम्यसे	सेसिम्येथे	सेसिम्यध्वे	म०
	सेसिम्ये	सेसिम्यावहे	सेसिम्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	सेसिमांचक्रे	सेसिमांचक्राते	सेसिमांचक्रिरे	प्र०
	सेसिमांचकृषे	सेसिमांचक्राथे	सेसिमांचकृध्वे	म०
	सेसिमांचक्रे	सेसिमांचकृवहे	सेसिमांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	सेसिमिता	सेसिमितारौ	सेसिमितारः	प्र०
	सेसिमितासे	सेसिमितासाथे	सेसिमिताध्वे	म०
	सेसिमिताहे	सेसिमितास्वहे	सेसिमितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	सेसिमिष्यते	सेसिमिष्येते	सेसिमिष्यन्ते	प्र०
	सेसिमिष्यसे	सेसिमिष्येथे	सेसिमिष्यध्वे	म०
	सेसिमिष्ये	सेसिमिष्यावहे	सेसिमिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	सेसिम्यताम्	सेसिम्येताम्	सेसिम्यन्ताम्	प्र०
	सेसिम्यस्व	सेसिम्येथाम्	सेसिम्यध्वम्	म०
	सेसिम्यै	सेसिम्यावहै	सेसिम्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	असेसिम्यत	असेसिम्येताम्	असेसिम्यन्त	प्र०
	असेसिम्यथाः	असेसिम्येथाम्	असेसिम्यध्वम्	म०
	असेसिम्ये	असेसिम्यावहै	असेसिम्यामहै	उ०
विधि-लिट् (पर०)	सेसिम्येत	सेसिम्येयाताम्	सेसिम्येरन्	प्र०
	सेसिम्येथाः	सेसिम्येयाथाम्	सेसिम्यध्वम्	म०
	सेसिम्ये	सेसिम्येवहि	सेसिम्येमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	सेसिमिषीष्ट	सेसिमिषीयास्ताम्	सेसिमिषीरन्	प्र०
	सेसिमिषीष्ठाः	सेसिमिषीयास्थाम्	सेसिमिषीध्वम्	म०
	सेसिमिषीय	सेसिमिषीवहि	सेसिमिषीमहि	उ०

लुङ् (पर०)	असेसिमिष्य	असेसिमिषाताम्	असेसिमिषत	प्र०
	असेसिमिष्टाः	असेसिमिषाथाम्	असेसिमिष्वम्	म०
	असेसिमिषि	असेसिमिष्वहि	असेसिमिष्वमहि	उ०
लृङ् (पर०)	असेसिमिष्यत	असेसिमिष्येताम्	असेसिमिष्यन्त	प्र०
	असेसिमिष्यथाः	असेसिमिष्येथाम्	असेसिमिष्यध्वम्	म०
	असेसिमिष्ये	असेसिमिष्यावहि	असेसिमिष्यामहि	उ०
26. "वेञ् तन्तुसन्ताने" धातु				
लट् (पर०)	वेवीयते	वेवीयेते	वेवीयन्ते	प्र०
	वेवीयसे	वेवीयेथे	वेवीयध्वे	म०
	वेवीये	वेवीयावहे	वेवीयामहे	उ०
लिट् (पर०)	वेवीयांचक्रे	वेवीयांचक्राते	वेवीयांचक्रिरे	प्र०
	वेवीयांचकृषे	वेवीयांचक्राथे	वेवीयांचकृध्वे	म०
	वेवीयांचक्रे	वेवीयांचकृवहे	वेवीयांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	वेवीयिता	वेवीयितारौ	वेवीयितारः	प्र०
	वेवीयितासे	वेवीयितासाथे	वेवीयिताध्वे	म०
	वेवीयिताहे	वेवीयितास्वहे	वेवीयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	वेवीयिष्यते	वेवीयिष्येते	वेवीयिष्यन्ते	प्र०
	वेवीयिष्यसे	वेवीयिष्येथे	वेवीयिष्यध्वे	म०
	वेवीयिष्ये	वेवीयिष्यावहे	वेवीयिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	वेवीयताम्	वेवीयेताम्	वेवीयन्ताम्	प्र०
	वेवीयस्व	वेवीयेथाम्	वेवीयध्वम्	म०
	वेवीयै	वेवीयावहै	वेवीयामहै	उ०
लङ् (पर०)	अवेवीयत	अवेवीयेताम्	अवेवीयन्त	प्र०
	अवेवीयथाः	अवेवीयेथाम्	अवेवीयध्वम्	म०
	अवेवीये	अवेवीयावहि	अवेवीयामहि	उ०
विधि-लिट् (पर०)	वेवीयेत	वेवीयेयाताम्	वेवीयेरन्	प्र०
	वेवीयेथाः	वेवीयेथाम्	वेवीयेध्वम्	म०
	वेवीये	वेवीयेवहि	वेवीयेमहि	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	वेवीयिषीष्ट	वेवीयिषीयास्ताम्	वेवीयिषीरन्	प्र०
	वेवीयिषीष्टाः	वेवीयिषीयास्थाम्	वेवीयिषीध्वम्	म०
	वेवीयिषीय	वेवीयिषीवहि	वेवीयिषीमहि	उ०

लृङ् (पर०)	अवेवीयिष्ट	अवेवीयिषाताम्	अवेवीयिषत	प्र०
	अवेवीयिष्ठाः	अवेवीयिषाथाम्	अवेवीयिष्वम्	म०
	अवेवीयिषि	अवेवीयिष्वहि	अवेवीयिष्वमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अवेवीयिष्यत	अवेवीयिष्येताम्	अवेवीयिष्यन्त	प्र०
	अवेवीयिष्यथाः	अवेवीयिष्येथाम्	अवेवीयिष्यध्वम्	म०
	अवेवीयिष्ये	अवेवीयिष्यावहि	अवेवीयिष्यामहि	उ०
27. “वश् कान्तौ” धातु				
लट् (पर०)	वावश्यते	वावश्येते	वावश्यन्ते	प्र०
	वावश्यसे	वावश्येथे	वावश्यध्वे	म०
	वावश्ये	वावश्यावहे	वावश्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	वावशांचक्रे	वावशांचक्राते	वावशांचक्रिरे	प्र०
	वावशांचकृषे	वावशांचक्राथे	वावशांचकृध्वे	म०
	वावशांचक्रे	वावशांचकृवहे	वावशांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	वावशिता	वावशितारौ	वावशितारः	प्र०
	वावशितासे	वावशितासाथे	वावशिताध्वे	म०
	वावशिताहे	वावशितास्वहे	वावशितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	वावशिष्यते	वावशिष्येते	वावशिष्यन्ते	प्र०
	वावशिष्यसे	वावशिष्येथे	वावशिष्यध्वे	म०
	वावशिष्ये	वावशिष्यावहे	वावशिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	वावश्यताम्	वावश्येताम्	वावश्यन्ताम्	प्र०
	वावश्यस्व	वावश्येथाम्	वावश्यध्वम्	म०
	वावश्यै	वावश्यावहै	वावश्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अवावश्यत	अवावश्येताम्	अवावश्यन्त	प्र०
	अवावश्यथाः	अवावश्येथाम्	अवावश्यध्वम्	म०
	अवावश्ये	अवावश्यावहि	अवावश्यामहि	उ०
विधि-लिट्	वावश्येत	वावश्येयाताम्	वावश्येरन्	प्र०
(पर०)	वावश्येथाः	वावश्येयाथाम्	वावश्येध्वम्	म०
	वावश्ये	वावश्येवहि	वावश्येमहि	उ०
आशिष्-लिट्	वावशिषीष्ट	वावशिषीयास्ताम्	वावशिषीरन्	प्र०
(पर०)	वावशिषीष्ठाः	वावशिषीयास्थाम्	वावशिषीध्वम्	म०
	वावशिषीय	वावशिषीवहि	वावशिषीमहि	उ०

लुङ् (पर०)	अवावशिष्ट	अवावशिषाताम्	अवावशिषत	प्र०
	अवावशिष्टाः	अवावशिषाथाम्	अवावशिष्वम्	म०
	अवावशिषि	अवावशिष्वहि	अवावशिष्वमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अवावशिष्यत	अवावशिष्येताम्	अवावशिष्यन्त	प्र०
	अवावशिष्यथाः	अवावशिष्येथाम्	अवावशिष्यध्वम्	म०
	अवावशिष्ये	अवावशिष्यावहि	अवावशिष्यामहि	उ०
28. "चायू पूजानिशामने" धातु				
लट् (पर०)	चेकीयते	चेकीयेते	चेकीयन्ते	प्र०
	चेकीयसे	चेकीयेथे	चेकीयध्वे	म०
	चेकीये	चेकीयावहे	चेकीयामहे	उ०
लिट् (पर०)	चेकीयांचक्रे	चेकीयांचक्राते	चेकीयांचक्रिरे	प्र०
	चेकीयांचकृषे	चेकीयांचक्राथे	चेकीयांचकृध्वे	म०
	चेकीयांचक्रे	चेकीयांचकृवहे	चेकीयांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	चेकीयिता	चेकीयितारौ	चेकीयितारः	प्र०
	चेकीयितासे	चेकीयितासाथे	चेकीयिताध्वे	म०
	चेकीयिताहे	चेकीयितास्वहे	चेकीयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	चेकीयिष्यते	चेकीयिष्येते	चेकीयिष्यन्ते	प्र०
	चेकीयिष्यसे	चेकीयिष्येथे	चेकीयिष्यध्वे	म०
	चेकीयिष्ये	चेकीयिष्यावहे	चेकीयिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	चेकीयताम्	चेकीयेताम्	चेकीयन्ताम्	प्र०
	चेकीयस्व	चेकीयेथाम्	चेकीयध्वम्	म०
	चेकीयै	चेकीयावहै	चेकीयामहै	उ०
लङ् (पर०)	अचेकीयत	अचेकीयाताम्	अचेकीयन्त	प्र०
	अचेकीयथाः	अचेकीयाथाम्	अचेकीयध्वम्	म०
	अचेकीये	अचेकीयावहि	अचेकीयामहि	उ०
विधि-लिट्	चेकीयेत	चेकीयेताम्	चेकीयेरन्	प्र०
(पर०)	चेकीयेथाः	चेकीयेथाम्	चेकीयेध्वम्	म०
	चेकीयेय	चेकीयेवहि	चेकीयेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	चेकीयिषीष्ट	चेकीयिषीयास्ताम्	चेकीयिषीरन्	प्र०
(पर०)	चेकीयिषीष्ठाः	चेकीयिषीयास्थाम्	चेकीयिषीध्वम्	म०
	चेकीयिषीय	चेकीयिषीवहि	चेकीयिषीमहि	उ०

लृङ् (पर०)	अचेकीयिष्ट	अचेकीयिषाताम्	अचेकीयिषत	प्र०
	अचेकीयिष्ठाः	अचेकीयिषाथाम्	अचेकीयिष्वम्	म०
	अचेकीयिषि	अचेकीयिष्वहि	अचेकीयिष्वमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अचेकीयिष्यत	अचेकीयिष्येताम्	अचेकीयिष्यन्त	प्र०
	अचेकीयिष्यथाः	अचेकीयिष्येथाम्	अचेकीयिष्यध्वम्	म०
	अचेकीयिष्ये	अचेकीयिष्यावहि	अचेकीयिष्यामहि	उ०

29. “घ्रा” धातु

लट् (पर०)	जेघ्रीयते	जेघ्रीयेते	जेघ्रीयन्ते	प्र०
	जेघ्रीयसे	जेघ्रीयेथे	जेघ्रीयध्वे	म०
	जेघ्रीये	जेघ्रीयावहे	जेघ्रीयामहे	उ०
लिट् (पर०)	जेघ्रीयांचक्रे	जेघ्रीयांचक्राते	जेघ्रीयांचक्रिरे	प्र०
	जेघ्रीयांचकृषे	जेघ्रीयांचक्राथे	जेघ्रीयांचकृध्वे	म०
	जेघ्रीयांचक्रे	जेघ्रीयांचकृवहे	जेघ्रीयांचकृमहे	उ०
(पक्षे)	जेघ्रीयामास,	जेघ्रीयांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	जेघ्रीयिता	जेघ्रीयितारौ	जेघ्रीयितारः	प्र०
	जेघ्रीयितासे	जेघ्रीयितासाथे	जेघ्रीयिताध्वे	म०
	जेघ्रीयिताहे	जेघ्रीयितास्वहे	जेघ्रीयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	जेघ्रीयिष्यते	जेघ्रीयिष्येते	जेघ्रीयिष्यन्ते	प्र०
	जेघ्रीयिष्यसे	जेघ्रीयिष्येथे	जेघ्रीयिष्यध्वे	म०
	जेघ्रीयिष्ये	जेघ्रीयिष्यावहे	जेघ्रीयिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	जेघ्रीयताम्	जेघ्रीयेताम्	जेघ्रीयन्ताम्	प्र०
	जेघ्रीयस्व	जेघ्रीयेथाम्	जेघ्रीयध्वम्	म०
	जेघ्रीये	जेघ्रीयावहै	जेघ्रीयामहै	उ०
लङ् (पर०)	अजेघ्रीयत	अजेघ्रीयेताम्	अजेघ्रीयन्ताम्	प्र०
	अजेघ्रीयथाः	अजेघ्रीयेथाम्	अजेघ्रीयध्वम्	म०
	अजेघ्रीये	अजेघ्रीयावहि	अजेघ्रीयामहि	उ०
विधि-लिट्	जेघ्रीयेत	जेघ्रीयेताम्	जेघ्रीयेरन्	प्र०
(पर०)	जेघ्रीयेथाः	जेघ्रीयेथाम्	जेघ्रीयेध्वम्	म०
	जेघ्रीयेय	जेघ्रीयेवहि	जेघ्रीयेमहि	उ०

आशिष्-लिङ् (पर०)	जेघ्रीयिषीष्ट जेघ्रीयिषीष्ठाः जेघ्रीयिषीय	जेघ्रीयिषीयास्ताम् जेघ्रीयिषीयास्थाम् जेघ्रीयिषीवहि	जेघ्रीयिषीरन् जेघ्रीयिषीध्वम् जेघ्रीयिषीमहि	प्र० म० उ०
लुङ् (पर०)	अजेघ्रीयिष्ट अजेघ्रीयिष्ठाः अजेघ्रीयिषि	अजेघ्रीयिषाताम् अजेघ्रीयिषाथाम् अजेघ्रीयिष्वहि	अजेघ्रीयिषत अजेघ्रीयिध्वम् अजेघ्रीयिष्महि	प्र० म० उ०
लृङ् (पर०)	अजेघ्रीयिष्यत अजेघ्रीयिष्यथाः अजेघ्रीयिष्ये	अजेघ्रीयिष्येताम् अजेघ्रीयिष्येथाम् अजेघ्रीयिष्यावहि	अजेघ्रीयिष्यन्त अजेघ्रीयिष्यध्वम् अजेघ्रीयिष्यामहि	प्र० म० उ०

30. "ध्मा" धातु

लट् (पर०)	देध्मीयते देध्मीयसे देध्मीये	देध्मीयेते देध्मीयेथे देध्मीयावहे	देध्मीयन्ते देध्मीयध्वे देध्मीयामहे	प्र० म० उ०
लिट् (पर०)	देध्मीयांचक्रे देध्मीयांचकृषे देध्मीयांचक्रे	देध्मीयांचक्राते देध्मीयांचक्राथे देध्मीयांचकृवहे	देध्मीयांचक्रिरे देध्मीयांचकृध्वे देध्मीयांचकृमहे	प्र० म० उ०
(पक्षे)	देध्मीयामास,	देध्मीयाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	देध्मीयिता देध्मीयितासे देध्मीयिताहे	देध्मीयितारौ देध्मीयितासाथे देध्मीयितास्वहे	देध्मीयितारः देध्मीयिताध्वे देध्मीयितास्महे	प्र० म० उ०
लृट् (पर०)	देध्मीयिष्यते देध्मीयिष्यसे देध्मीयिष्ये	देध्मीयिष्येते देध्मीयिष्येथे देध्मीयिष्यावहे	देध्मीयिष्यन्ते देध्मीयिष्यध्वे देध्मीयिष्यामहे	प्र० म० उ०
लाट् (पर०)	देध्मीयताम् देध्मीयस्व देध्मीयै	देध्मीयेताम् देध्मीयेथाम् देध्मीयावहै	देध्मीयन्ताम् देध्मीयध्वम् देध्मीयामहै	प्र० म० उ०
लङ् (पर०)	अदेध्मीयत अदेध्मीयथाः अदेध्मीये	अदेध्मीयेताम् अदेध्मीयेथाम् अदेध्मीयावहि	अदेध्मीयन्ताम् अदेध्मीयध्वम् अदेध्मीयामहि	प्र० म० उ०

विधि-लिङ्	देध्मीयेत	देध्मीयेताम्	देध्मीयेरन्	प्र०
(पर०)	देध्मीयेथाः	देध्मीयेथाम्	देध्मीयध्वम्	म०
	देध्मीयेय	देध्मीयेवहि	देध्मीयमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	देध्मीषीष्ट	देध्मीषीयास्ताम्	देध्मीषीरन्	प्र०
(पर०)	देध्मीषीष्ठाः	देध्मीषीयास्थाम्	देध्मीषीध्वम्	म०
	देध्मीषीय	देध्मीषीवहि	देध्मीषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अदेध्मीष्ट	अदेध्मीषाताम्	अदेध्मीषत	प्र०
	अदेध्मीष्ठाः	अदेध्मीषाथाम्	अदेध्मीध्वम्	म०
	अदेध्मीषि	अदेध्मीष्वहि	अदेध्मीष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अदेध्मीयिष्यत	अदेध्मीयिष्येताम्	अदेध्मीयिष्यन्त	प्र०
	अदेध्मीयिष्यथाः	अदेध्मीयिष्येथाम्	अदेध्मीयिष्यध्वम्	म०
	अदेध्मीयिष्ये	अदेध्मीयिष्यावहि	अदेध्मीयिष्यामहि	उ०

31. “वंच गतौ” धातु

लट् (पर०)	वनीवच्यते	वनीवच्येते	वनीवच्यन्ते	प्र०
	वनीवच्यसे	वनीवच्येथे	वनीवच्यध्वे	म०
	वनीवच्ये	वनीवच्यावहे	वनीवच्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	वनीवचांचक्रे	वनीवचांचक्राते	वनीवचांचक्रिरे	प्र०
	वनीवचांचकृषे	वनीवचांचक्राथे	वनीवचांचकृध्वे	म०
	वनीवचांचक्रे	वनीवचांचकृवहे	वनीवचांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	वनीवचिता	वनीवचितारौ	वनीवचितारः	प्र०
	वनीवचितासे	वनीवचितासाथे	वनीवचिताध्वे	म०
	वनीवचिताहे	वनीवचितास्वहे	वनीवचितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	वनीवचिष्यते	वनीवचिष्येते	वनीवचिष्यन्ते	प्र०
	वनीवचिष्यसे	वनीवचिष्येथे	वनीवचिष्यध्वे	म०
	वनीवचिष्ये	वनीवचिष्यावहे	वनीवचिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	वनीवच्यताम्	वनीवच्येताम्	वनीवच्यन्ताम्	प्र०
	वनीवच्यस्व	वनीवच्येथाम्	वनीवच्यध्वम्	म०
	वनीवच्यै	वनीवच्यावहै	वनीवच्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अवनीवच्येत	अवनीवच्येताम्	अवनीवच्यन्त	प्र०
	अवनीवच्यथाः	अवनीवच्येथाम्	अवनीवच्येध्वम्	म०
	अवनीवच्ये	अवनीवच्यावहि	अवनीवच्यामहि	उ०

विधि-लिङ्	वनीवच्येतः	वनीवच्येयाताम्	वनीवच्येरन्	प्र०
(पर०)	वनीवच्येथाः	वनीवच्येयाथाम्	वनीवच्येध्वम्	म०
	वनीवच्ये	वनीवच्येवहि	वनीवच्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	वनीवचिषीष्ट	वनीवचिषीयास्ताम्	वनीवचिषीरन्	प्र०
(पर०)	वनीवचिषीष्ठाः	वनीवचिषीयास्थाम्	वनीवचिषीध्वम्	म०
	वनीवचिषीय	वनीवचिषीवहि	वनीवचिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अवनीवचिष्ट	अवनीवचिषाताम्	अवनीवचिषत	प्र०
	अवनीवचिष्ठाः	अवनीवचिषाथाम्	अवनीवचिध्वम्	म०
	अवनीवचिषि	अवनीवचिष्वहि	अवनीवचिष्वमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अवनीवचिष्यत	अवनीवचिष्येताम्	अवनीवचिष्यन्त	प्र०
	अवनीवचिष्यथाः	अवनीवचिष्येथाम्	अवनीवचिष्यध्वम्	म०
	अवनीवचिष्ये	अवनीवचिष्यावहि	अवनीवचिष्यामहि	उ०

32. "स्त्रसु" धातु

लट् (पर०)	सनीस्त्रस्यते	सनीस्त्रस्येते	सनीस्त्रस्यन्ते	प्र०
	सनीस्त्रस्यसे	सनीस्त्रस्येथे	सनीस्त्रस्यध्वे	म०
	सनीस्त्रस्ये	सनीस्त्रस्यावहे	सनीस्त्रस्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	सनीस्त्रसांचक्रे	सनीस्त्रसांचक्राते	सनीस्त्रसांचक्रिरे	प्र०
	सनीस्त्रसांचकृषे	सनीस्त्रसांचक्राथे	सनीस्त्रसांचकृध्वे	म०
	सनीस्त्रसांचक्रे	सनीस्त्रसांचकृवहे	सनीस्त्रसांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	सनीस्त्रसिता	सनीस्त्रसितारौ	सनीस्त्रसितारः	प्र०
	सनीस्त्रसितासे	सनीस्त्रसितासाथे	सनीस्त्रसिताध्वे	म०
	सनीस्त्रसिताहे	सनीस्त्रसितास्वहे	सनीस्त्रसितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	सनीस्त्रसिष्यते	सनीस्त्रसिष्येते	सनीस्त्रसिष्यन्ते	प्र०
	सनीस्त्रसिष्यसे	सनीस्त्रसिष्येथे	सनीस्त्रसिष्यध्वे	म०
	सनीस्त्रसिष्ये	सनीस्त्रसिष्यावहे	सनीस्त्रसिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	सनीस्त्रस्यताम्	सनीस्त्रस्येताम्	सनीस्त्रस्यन्ताम्	प्र०
	सनीस्त्रस्यस्व	सनीस्त्रस्येथाम्	सनीस्त्रस्यध्वम्	म०
	सनीस्त्रस्यै	सनीस्त्रस्यावहै	सनीस्त्रस्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	असनीस्त्रस्येत	असनीस्त्रस्येताम्	असनीस्त्रस्येरन्	प्र०
	असनीस्त्रस्येथाः	असनीस्त्रस्येथाम्	असनीस्त्रस्येध्वम्	म०
	असनीस्त्रस्ये	असनीस्त्रस्येवहि	असनीस्त्रस्येमहि	उ०

विधि-लिङ्	सनीस्त्रस्येत	सनीस्त्रस्येयाताम्	सनीस्त्रस्येरन्	प्र०
(पर०)	सनीस्त्रस्येथाः	सनीस्त्रस्येयाथाम्	सनीस्त्रस्येध्वम्	म०
	सनीस्त्रस्येय	सनीस्त्रस्येवहि	सनीस्त्रस्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	सनीस्त्रसिषीष्ट	सनीस्त्रसिषीयास्ताम्	सनीस्त्रसिषीरन्	प्र०
(पर०)	सनीस्त्रसिषीष्ठाः	सनीस्त्रसिषीयास्थाम्	सनीस्त्रसिषीध्वम्	म०
	सनीस्त्रसिषीय	सनीस्त्रसिषीवहि	सनीस्त्रसिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	असनीस्त्रसिष्ट	असनीस्त्रसिषाताम्	असनीस्त्रसिषत	प्र०
	असनीस्त्रसिष्ठाः	असनीस्त्रसिषीयाथाम्	असनीस्त्रसिषीध्वम्	म०
	असनीस्त्रसिषि	असनीस्त्रसिष्वहि	असनीस्त्रसिषीमहि	उ०
लृङ् (पर०)	असनीस्त्रस्यत	असनीस्त्रस्येताम्	असनीस्त्रस्यन्त	प्र०
	असनीस्त्रस्येथाः	असनीस्त्रस्येथाम्	असनीस्त्रस्यध्वम्	म०
	असनीस्त्रस्ये	असनीस्त्रस्यावहि	असनीस्त्रस्यामहि	उ०

33. “भिद्” धातु

लट् (पर०)	बेभिद्यते	बेभिद्येते	बेभिद्यन्ते	प्र०
	बेभिद्यसे	बेभिद्येथे	बेभिद्यध्वे	म०
	बेभिद्ये	बेभिद्यावहे	बेभिद्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	बेभिदांचक्रे	बेभिदांचक्राते	बेभिदांचक्रिरे	प्र०
	बेभिदांचकृषे	बेभिदांचक्राथे	बेभिदांचकृध्वे	म०
	बेभिदांचक्रे	बेभिदांचकृवहे	बेभिदांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	बेभिदिता	बेभिदितारौ	बेभिदितारः	प्र०
	बेभिदितासे	बेभिदितासाथे	बेभिदिताध्वे	म०
	बेभिदिताहे	बेभिदितास्वहे	बेभिदितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	बेभिदिष्यते	बेभिदिष्येते	बेभिदिष्यन्ते	प्र०
	बेभिदिष्यसे	बेभिदिष्येथे	बेभिदिष्यध्वे	म०
	बेभिदिष्ये	बेभिदिष्यावहे	बेभिदिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	बेभिद्यताम्	बेभियेताम्	बेभिद्यन्ताम्	प्र०
	बेभिद्यस्व	बेभियेथाम्	बेभिद्यध्वम्	म०
	बेभिद्यै	बेभियावहै	बेभिद्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अबेभिद्येत	अबेभिद्येताम्	अबेभिद्येरत	प्र०
	अबेभिद्येथाः	अबेभिद्येथाम्	अबेभिद्येध्वम्	म०
	अबेभिद्ये	अबेभिद्येवहि	अबेभिद्येमहि	उ०

विधि-लिङ् (पर०)	बेभिद्येत बेभिद्येथाः बेभिद्येय	बेभिद्येयाताम् बेभिद्येयाथाम् बेभिद्येवहि	बेभिद्येरन् बेभिद्येध्वम् बेभिद्येमहि	प्र० म० उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	बेभिदिषीष्ट बेभिदिषीष्ठाः बेभिदिषीय	बेभिदिषीयास्ताम् बेभिदिषीयास्थाम् बेभिदिषीवहि	बेभिदिषीरन् बेभिदिषीध्वम् बेभिदिषीमहि	प्र० म० उ०
लुङ् (पर०)	अबेभिदिष्ट अबेभिदिष्ठाः अबेभिदिषि	अबेभिदिषाताम् अबेभिदिषाथाम् अबेभिदिष्वहि	अबेभिदिषत अबेभिदिध्वम् अबेभिदिष्महि	प्र० म० उ०
लृङ् (पर०)	अबेभिदिष्यत अबेभिदिष्येथाः अबेभिदिष्ये	अबेभिदिष्येताम् अबेभिदिष्येथाम् अबेभिदिष्यावहि	अबेभिदिष्यन्त अबेभिदिष्यध्वम् अबेभिदिष्यामहि	प्र० म० उ०

34. “रूच्” धातु

लट् (पर०)	रोरूच्यते रोरूच्यसे रोरूच्ये	रोरूच्येते रोरूच्येथे रोरूच्यावहे	रोरूच्यन्ते रोरूच्यध्वे रोरूच्यामहे	प्र० म० उ०
लिट् (पर०)	रोरूचांचक्रे रोरूचांचकृषे रोरूचांचक्रे	रोरूचांचक्राते रोरूचांचक्राथे रोरूचांचकृवहे	रोरूचांचक्रिरे रोरूचांचकृध्वे रोरूचांचकृमहे	प्र० म० उ०
एवं	रोरूचामास,	रोरूचाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	रोरूचिता रोरूचितासे रोरूचिताहे	रोरूचितारौ रोरूचितासाथे रोरूचितास्वहे	रोरूचितारः रोरूचिताध्वे रोरूचितास्महे	प्र० म० उ०
लृट् (पर०)	रोरूचिष्यते रोरूचिष्यसे रोरूचिष्ये	रोरूचिष्येते रोरूचिष्येथे रोरूचिष्यावहे	रोरूचिष्यन्ते रोरूचिष्यध्वे रोरूचिष्यामहे	प्र० म० उ०
लोट् (पर०)	रोरूच्यताम् रोरूच्यस्व रोरूच्यै	रोरूच्येताम् रोरूच्येथाम् रोरूच्यावहै	रोरूच्यन्ताम् रोरूच्यध्वम् रोरूच्यामहै	प्र० म० उ०

लङ् (पर०)	अरोरूच्यत	अरोरूच्येताम्	अरोरूच्यन्त	प्र०
	अरोरूच्यथाः	अरोरूच्येथाम्	अरोरूच्याध्वम्	म०
	अरोरूच्ये	अरोरूच्यावहि	अरोरूच्यामहि	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	रोरूच्येत	रोरूच्येयाताम्	रोरूच्येरन्	प्र०
	रोरूच्येथाः	रोरूच्येयाथाम्	रोरूच्येध्वम्	म०
	रोरूच्येय	रोरूच्येवहि	रोरूच्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	रोरूचिषीष्ट	रोरूचिषीयास्ताम्	रोरूचिषीरन्	प्र०
	रोरूचिषीष्ठाः	रोरूचिषीयास्थाम्	रोरूचिषीध्वम्	म०
	रोरूचिषीय	रोरूचिषीवहि	रोरूचिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अरोरूचिष्ट	अरोरूचिषाताम्	अरोरूचिषत	प्र०
	अरोरूचिष्ठाः	अरोरूचिषाथाम्	अरोरूचिध्वम्	म०
	अरोरूचिषि	अरोरूचिष्वहि	अरोरूचिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अरोरूचिष्यत	अरोरूचिष्येताम्	अरोरूचिष्यन्त	प्र०
	अरोरूचिष्येथाः	अरोरूचिष्येथाम्	अरोरूचिष्यध्वम्	म०
	अरोरूचिष्ये	अरोरूचिष्यावहि	अरोरूचिष्यामहि	उ०

35. “दा” धातु

लट् (पर०)	देदीयते	देदीयेते	देदीयन्ते	प्र०
	देदीयसे	देदीयेथे	देदीयध्वे	म०
	देदीये	देदीयावहे	देदीयामहे	उ०
लिट् (पर०)	देदीयांचक्रे	देदीयांचक्राते	देदीयांचक्रिरे	प्र०
	देदीयांचकृषे	देदीयांचक्राथे	देदीयांचकृध्वे	म०
	देदीयांचक्रे	देदीयांचकृवहे	देदीयांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	देदीयिता	देदीयितारौ	देदीयितारः	प्र०
	देदीयितासे	देदीयितासाथे	देदीयिताध्वे	म०
	देदीयिताहे	देदीयितास्वहे	देदीयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	देदीयिष्यते	देदीयिष्येते	देदीयिष्यन्ते	प्र०
	देदीयिष्यसे	देदीयिष्येथे	देदीयिष्यध्वे	म०
	देदीयिष्ये	देदीयिष्यावहे	देदीयिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	देदीयताम्	देदीयेताम्	देदीयन्ताम्	प्र०
	देदीयस्व	देदीयेधाम्	देदीयध्वम्	म०
	देदीयै	देदीयावहै	देदीयामहै	उ०

लङ् (पर०)	अदेदीयत	अदेदीयेताम्	अदेदीयन्त	प्र०
	अदेदीयथाः	अदेदीयेथाम्	अदेदीयध्वम्	म०
	अदेदीये	अदेदीयावहि	अदेदीयामहि	उ०
विधि-लिङ्	देदीयेत	देदीयेयाताम्	देदीयेरन्	प्र०
(पर०)	देदीयेथाः	देदीयेयाथाम्	देदीयेध्वम्	म०
	देदीयेय	देदीयेवहि	देदीयेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	देदीयिषीष्ट	देदीयिषीयास्ताम्	देदीयिषीरन्	प्र०
(पर०)	देदीयिषीष्ठाः	देदीयिषीयास्थाम्	देदीयिषीध्वम्	म०
	देदीयिषीय	देदीयिषीवहि	देदीयिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अदेदीयिष्ट	अदेदीयिषाताम्	अदेदीयिषत	प्र०
	अदेदीयिष्ठाः	अदेदीयिषाथाम्	अदेदीयिध्वम्	म०
	अदेदीयिषि	अदेदीयिष्वहि	अदेदीयिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अदेदीयिष्यत	अदेदीयिष्येताम्	अदेदीयिष्यन्त	प्र०
	अदेदीयिष्यथाः	अदेदीयिष्येथाम्	अदेदीयिष्यध्वम्	म०
	अदेदीयिष्ये	अदेदीयिष्यावहि	अदेदीयिष्यामहि	उ०

36. “सद्” धातु

लट् (पर०)	सासद्यते	सासद्येते	सासद्यन्ते	प्र०
	सासद्यसे	सासद्येथे	सासद्यध्वे	म०
	सासद्ये	सासद्यावहे	सासद्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	सासदांचक्रे	सासदांचक्राते	सासदांचक्रिरे	प्र०
	सासदांचकृषे	सासदांचक्राथे	सासदांचकृध्वे	म०
	सासदांचक्रे	सासदांचकृवहे	सासदांचकृमहे	उ०
(पक्षे)	सासदामासे,	सासदाम्बभूवे इत्यादि		
लुट् (पर०)	सासदिता	सासदितारौ	सासदितारः	प्र०
	सासदितासे	सासदितासाथे	सासदिताध्वे	म०
	सासदिताहे	सासदितास्वहे	सासदितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	सासदिष्यते	सासदिष्येते	सासदिष्यन्ते	प्र०
	सासदिष्यसे	सासदिष्येथे	सासदिष्यध्वे	म०
	सासदिष्ये	सासदिष्यावहे	सासदिष्यामहे	उ०

लोट् (पर०)	सासद्यताम्	सासद्येताम्	सासद्यन्ताम्	प्र०
	सासद्यस्व	सासद्येथाम्	सासद्यध्वम्	म०
	सासद्यै	सासद्यावहै	सासद्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	असासद्यत	असासद्येताम्	असासद्यन्ताम्	प्र०
	असासद्यथाः	असासद्येथाम्	असासद्यध्वम्	म०
	असासद्ये	असासद्यावहे	असासद्यामहे	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	सासद्येत	सासद्येयाताम्	सासद्येरन्	प्र०
	सासद्येथाः	सासद्येयाथाम्	सासद्येध्वम्	म०
	सासद्येय	सासद्येवहि	सासद्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	सासदिषीष्ट	सासदिषीयास्ताम्	सासदिषीरन्	प्र०
	सासदिषीष्ठाः	सासदिषीयास्थाम्	सासदिषीध्वम्	म०
	सासदिषीय	सासदिषीवहि	सासदिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	असासदिष्ट	असासदिषाताम्	असासदिषत	प्र०
	असासदिष्ठाः	असासदिषाथाम्	असासदिध्वम्	म०
	असासदिषि	असासदिष्वहि	असासदिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	असासदिष्यत	असासदिष्येताम्	असासदिष्यन्त	प्र०
	असासदिष्यथाः	असासदिष्येथाम्	असासदिष्यध्वम्	म०
	असासदिष्ये	असासदिष्यावहि	असासदिष्यामहि	उ०

37. "षु" धातु

लट् (पर०)	सोषूयते	सोषूयेते	सोषूयन्ते	प्र०
	सोषूयसे	सोषूयेथे	सोषूयध्वे	म०
	सोषूये	सोषूयावहे	सोषूयामहे	उ०
लिट् (पर०)	सोषूयांचक्रे	सोषूयांचक्राते	सोषूयांचक्रिरे	प्र०
	सोषूयांचकृषे	सोषूयांचक्राथे	सोषूयांचकृध्वे	म०
	सोषूयांचक्रे	सोषूयांचकृवहे	सोषूयांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	सोषूयिता	सोषूयितारौ	सोषूयितारः	प्र०
	सोषूयितासे	सोषूयितासाथे	सोषूयिताध्वे	म०
	सोषूयिताहे	सोषूयितास्वहे	सोषूयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	सोषूयिष्यते	सोषूयिष्येते	सोषूयिष्यन्ते	प्र०
	सोषूयिष्यसे	सोषूयिष्येथे	सोषूयिष्यध्वे	म०
	सोषूयिष्ये	सोषूयिष्यावहे	सोषूयिष्यामहे	उ०

लोट् (पर०)	सोषूयताम्	सोषूयेताम्	सोषूयन्ताम्	प्र०
	सोषूयस्व	सोषूयेथाम्	सोषूयध्वम्	म०
	सोषूयस्यै	सोषूयस्यावहै	सोषूयस्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	असोषूयत	असोषूयेताम्	असोषूयन्त	प्र०
	असोषूयथाः	असोषूयेथाम्	असोषूयध्वम्	म०
	असोषूये	असोषूयेवहि	असोषूयेमहि	उ०
विधि-लिङ्	सोषूयेत	सोषूयेयाताम्	सोषूयेरन्	प्र०
(पर०)	सोषूयेथाः	सोषूयेयाथाम्	सोषूयेध्वम्	म०
	सोषूयेय	सोषूयेवहि	सोषूयेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	सोषूयिषीष्ट	सोषूयिषीयास्ताम्	सोषूयिषीरन्	प्र०
(पर०)	सोषूयिषीष्ठाः	सोषूयिषीयास्थाम्	सोषूयिषीध्वम्	म०
	सोषूयिषीय	सोषूयिषीवहि	सोषूयिषीमहि	उ०
लृङ् (पर०)	असोषूयिषत्	असोषूयिषाताम्	असोषूयिषत	प्र०
	असोषूयिष्ठाः	असोषूयिषाथाम्	असोषूयिध्वम्	म०
	असोषूयिषि	असोषूयिष्वहि	असोषूयिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	असोषूयिष्यत्	असोषूयिष्येताम्	असोषूयिष्यन्त	प्र०
	असोषूयिष्यथाः	असोषूयिष्येथाम्	असोषूयिष्यध्वम्	म०
	असोषूयिष्ये	असोषूयिष्यावहि	असोषूयिष्यामहि	उ०

38. “शुभ्” धातु

लट् (पर०)	शोशुभ्यते	शोशुभ्येते	शोशुभ्यन्ते	प्र०
	शोशुभ्यसे	शोशुभ्येथे	शोशुभ्यध्वे	म०
	शोशुभ्ये	शोशुभ्यावहे	शोशुभ्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	शोशुभांचक्रे	शोशुभांचक्राते	शोशुभांचक्रिरे	प्र०
	शोशुभांचकृषे	शोशुभांचक्राथे	शोशुभांचकृध्वे	म०
	शोशुभांचक्रे	शोशुभांचकृवहे	शोशुभांचकृमहे	उ०
एवं	शोशुभामास,	शोशुभाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	शोशुभिता	शोशुभितारौ	शोशुभितारः	प्र०
	शोशुभितासे	शोशुभितासाथे	शोशुभिताध्वे	म०
	शोशुभिताहे	शोशुभितास्वहे	शोशुभितास्महे	उ०

लृट् (पर०)	शोशुभिष्यते	शोशुभिष्येते	शोशुभिष्यन्ते	प्र०
	शोशुभिष्यसे	शोशुभिष्येथे	शोशुभिष्यध्वे	म०
	शोशुभिष्ये	शोशुभिष्यावहे	शोशुभिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	शोशुभ्यताम्	शोशुभ्येताम्	शोशुभ्यन्ताम्	प्र०
	शोशुभ्यस्व	शोशुभ्येथाम्	शोशुभ्यध्वम्	म०
	शोशुभ्यै	शोशुभ्यावहै	शोशुभ्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	अशोशुभ्यत	अशोशुभ्येताम्	अशोशुभ्यन्त	प्र०
	अशोशुभ्यथाः	अशोशुभ्येथाम्	अशोशुभ्यध्वम्	म०
	अशोशुभ्ये	अशोशुभ्यावहि	अशोशुभ्यामहि	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	शोशुभ्येत	शोशुभ्येयाताम्	शोशुभ्येरन्	प्र०
	शोशुभ्येथाः	शोशुभ्येयाथाम्	शोशुभ्येध्वम्	म०
	शोशुभ्येय	शोशुभ्येवहि	शोशुभ्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	शोशुभिषीष्ट	शोशुभिषीयास्ताम्	शोशुभिषीरन्	प्र०
	शोशुभिषीष्ठाः	शोशुभिषीयास्थाम्	शोशुभिषीध्वम्	म०
	शोशुभिषीय	शोशुभिषीवहि	शोशुभिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अशोशुभिष्ट	अशोशुभिषाताम्	अशोशुभिषत	प्र०
	अशोशुभिष्ठाः	अशोशुभिषाथाम्	अशोशुभिषीध्वम्	म०
	अशोशुभिषि	अशोशुभिष्वहि	अशोशुभिष्वमहि	उ०
लृङ् (पर०)	अशोशुभिष्यत	अशोशुभिष्येताम्	अशोशुभिष्यन्त	प्र०
	अशोशुभिष्यथाः	अशोशुभिष्येथाम्	अशोशुभिष्यध्वम्	म०
	अशोशुभिष्ये	अशोशुभिष्यावहि	अशोशुभिष्यामहि	उ०

39. “स्मृ” धातु

लट् (पर०)	सास्मर्यते	सास्मर्येते	सास्मर्यन्ते	प्र०
	सास्मर्यसे	सास्मर्येथे	सास्मर्यध्वे	म०
	सास्मर्ये	सास्मर्यावहे	सास्मर्यामहे	उ०
लिट् (पर०)	सास्मर्याञ्चक्रे	सास्मर्याञ्चक्राते	सास्मर्याञ्चक्रिरे	प्र०
	सास्मर्याञ्चकृषे	सास्मर्याञ्चक्राथे	सास्मर्याञ्चकृध्वे	म०
	सास्मर्याञ्चक्रे	सास्मर्याञ्चकृवहे	सास्मर्याञ्चकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	सास्मरिता	सास्मरितारौ	सास्मरितारः	प्र०
	सास्मरितासे	सास्मरितासाथे	सास्मरिताध्वे	म०
	सास्मरिताहे	सास्मरितास्वहे	सास्मरितास्महे	उ०

लृट् (पर०)	सास्मरिष्यते	सास्मरिष्येते	सास्मरिष्यन्ते	प्र०
	सास्मरिष्यसे	सास्मरिष्येथे	सास्मरिष्यध्वे	म०
	सास्मरिष्ये	सास्मरिष्यावहे	सास्मरिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	सास्मर्यताम्	सास्मर्येताम्	सास्मर्यन्ताम्	प्र०
	सास्मर्यस्व	सास्मर्येथाम्	सास्मर्यध्वम्	म०
	सास्मर्यै	सास्मर्यावहै	सास्मर्यामहै	उ०
लङ् (पर०)	असास्मर्यत	असास्मर्येताम्	असास्मर्यन्त	प्र०
	असास्मर्यथाः	असास्मर्येथाम्	असास्मर्यध्वम्	म०
	असास्मर्ये	असास्मर्यावहि	असास्मर्यामहि	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	सास्मर्येत	सास्मर्येयाताम्	सास्मर्येयन्	प्र०
	सास्मर्येथाः	सास्मर्येयाथाम्	सास्मर्येयध्वम्	म०
	सास्मर्ये	सास्मर्येवहि	सास्मर्येमहि	उ०
आशिप्-लिङ् (पर०)	सास्मरिषीष्ट	सास्मरिषीयास्ताम्	सास्मरिषीरन्	प्र०
	सास्मरिषीष्ठाः	सास्मरिषीयास्थाम्	सास्मरिषीध्वम्	म०
	सास्मरिषीय	सास्मरिषीवहि	सास्मरिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	असास्मरिष्ट	असास्मरिषाताम्	असास्मरिषत	प्र०
	असास्मरिष्ठाः	असास्मरिषाथाम्	असास्मरिध्वम्	म०
	असास्मरिषि	असास्मरिष्वहि	असास्मरिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	असास्मरिष्यत	असास्मरिष्येताम्	असास्मरिष्यन्त	प्र०
	असास्मरिष्यथाः	असास्मरिष्येथाम्	असास्मरिष्यध्वम्	म०
	असास्मरिष्ये	असास्मरिष्यवहि	असास्मरिष्यमहि	उ०

यङ् लुगन्तप्रक्रिया

1. "भू" धातु

लट् (पर०)	बोभवीति-बोभोति	बोभूतः	बोभुवति	प्र०
	बोभवीषि	बोभूथः	बोभूथ	म०
	बोभवीमि	बोभूवः	बोभूमः	उ०
लिट् (पर०)	बोभवांचकार	बोभवांचक्रतुः	बोभवांचक्रुः	प्र०
	बोभवांचकर्थ	बोभवांचक्रथुः	बोभवांचक्र	म०
	बोभवांचकार	बोभवांचकृव	बोभवांचकृम	उ०

लुट् (पर०)	बोभविता	बोभवितारौ	बोभवितारः	प्र०
	बोभवितासि	बोभवितास्थः	बोभवितास्थ	म०
	बोभवितास्मि	बोभवितास्वः	बोभवितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	बोभविष्यति	बोभविष्यतः	बोभविष्यन्ति	प्र०
	बोभविष्यसि	बोभविष्यथः	बोभविष्यथ	म०
	बोभविष्यामि	बोभविष्यावः	बोभविष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	बोभवीतु	बोभूताम्	बोभुवतु	प्र०
	बोभूहि	बोभूतम्	बोभूत	म०
	बोभवानि	बोभवाव	बोभवाम	उ०
लङ् (पर०)	अबोभवीत्	अबोभूताम्	अबोभवुः	प्र०
	अबोभवीः	अबोभूतम्	अबोभूत	म०
	अबोभवम्	अबोभूव	अबोभूम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	बोभूयात्	बोभूयाताम्	बोभूयुः	प्र०
	बोभूयाः	बोभूयातम्	बोभूयात	म०
	बोभूयाम्	बोभूयाव	बोभूयाम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	बोभूयात्	बोभूयास्ताम्	बोभूयासुः	प्र०
	बोभूयाः	बोभूयास्तम्	बोभूयास्त	म०
	बोभूयासम्	बोभूयास्व	बोभूयास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अबोभूवीत्-अबोभोत्	अबोभूताम्	अबोभवुः	प्र०
	अबोभूवीः, अबोभीः	अबोभूतम्	अबोभूत	म०
	अबोभूवम्	अबोभूव	अबोभूम	उ०
लृङ् (पर०)	अबोभविष्यत्	अबोभविष्यताम्	अबोभविष्यन्	प्र०
	अबोभविष्यः	अबोभविष्यतम्	अबोभविष्यत	म०
	अबोभविष्यम्	अबोभविष्याव	अबोभविष्याम	उ०

2. “स्पर्ध” धातु

लट् (पर०)	पास्पर्धीति	पास्पर्धातिः	पास्पर्धीति	प्र०
	पास्पर्धीषि	पास्पर्धाथः	पास्पर्धाथ	म०
	पास्पर्धीमि	पास्पर्धावः	पास्पर्धामः	उ०
लिट् (पर०)	पास्पर्धाञ्चकार	पास्पर्धाञ्चक्रतुः	पास्पर्धाञ्चक्रुः	प्र०
	पास्पर्धाञ्चकर्थ	पास्पर्धाञ्चक्रथुः	पास्पर्धाञ्चक्र	म०
	पास्पर्धाञ्चकार	पास्पर्धाञ्चकृव	पास्पर्धाञ्चकृम	उ०

(पक्षे)	पास्पर्धामास,	पास्पर्धाम्बभूव		
लुट् (पर०)	पास्पर्धिता	पास्पर्धितारौ	पास्पर्धितारः	प्र०
	पास्पर्धितासि	पास्पर्धितास्थः	पास्पर्धितास्थ	म०
	पास्पर्धितास्मि	पास्पर्धितास्वः	पास्पर्धितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	पास्पर्धिष्यति	पास्पर्धिष्यतः	पास्पर्धिष्यन्ति	प्र०
	पास्पर्धिष्यसि	पास्पर्धिष्यथः	पास्पर्धिष्यथ	म०
	पास्पर्धिष्यामि	पास्पर्धिष्यावः	पास्पर्धिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	पास्पर्धीतु-पास्पर्द्धु	पास्पर्द्धाम्	पास्पर्द्धति	प्र०
	पास्पर्धीः	पास्पर्द्धम्	पास्पर्द्ध	म०
	पास्पर्द्धानि	पास्पर्द्धानि	पास्पर्द्धानि	उ०
लङ् (पर०)	अपास्पर्त	अपास्पर्द्धाम्	अपास्पर्द्धुः	प्र०
	अपास्पर्त	अपास्पर्द्धम्	अपास्पर्ध	म०
	अपास्पर्द्धम्	अपास्पर्ध्व	अपास्पर्ध्व	उ०
विधि-लिङ्	पास्पर्ध्यात्	पास्पर्ध्याताम्	पास्पर्ध्युः	प्र०
(पर०)	पास्पर्ध्याः	पास्पर्ध्यातम्	पास्पर्ध्यात	म०
	पास्पर्ध्यासम्	पास्पर्ध्याव	पास्पर्ध्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	पास्पर्ध्यात्	पास्पर्ध्यास्ताम्	पास्पर्ध्यासुः	प्र०
(पर०)	पास्पर्ध्याः	पास्पर्ध्यास्तम्	पास्पर्ध्यास्त	म०
	पास्पर्ध्यासम्	पास्पर्ध्यास्व	पास्पर्ध्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अपास्पर्धीत्	अपास्पर्धिष्टाम्	अपास्पर्धिषुः	प्र०
	अपास्पर्धीः	अपास्पर्धिष्टम्	अपास्पर्धिष्ट	म०
	अपास्पर्धिषम्	अपास्पर्धिष्व	अपास्पर्धिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अपास्पर्धिष्यत्	अपास्पर्धिष्यताम्	अपास्पर्धिष्यन्	प्र०
	अपास्पर्धिष्यः	अपास्पर्धिष्यतम्	अपास्पर्धिष्यत	म०
	अपास्पर्धिष्यम्	अपास्पर्धिष्याव	अपास्पर्धिष्याम	उ०

3. "खन्" धातु

लट् (पर०)	चङ्खनीति	चङ्खातः	चङ्खनति	प्र०
	चङ्खनीषि	चङ्खाथः	चङ्खाथ	म०
	चङ्खनीमि	चङ्खन्वः	चङ्खन्मः	उ०

लिट् (पर०)	चङ्खनांचकार	चङ्खनांचक्रतुः	चङ्खनांचक्रुः	प्र०
	चङ्खनांचकर्त्तुं	चङ्खनांचक्रथुः	चङ्खनांचक्र	म०
	चङ्खनांचकार	चङ्खनांचकृव	चङ्खनांचकृम	उ०
(पक्षे)	चङ्खनामास	चङ्खनांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	चङ्खनिता	चङ्खनितारौ	चङ्खनितारः	प्र०
	चङ्खनितासि	चङ्खनितास्थः	चङ्खनितास्थ	म०
	चङ्खनितास्मि	चङ्खनितास्वः	चङ्खनितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	चङ्खनिष्यति	चङ्खनिष्यतः	चङ्खनिष्यन्ति	प्र०
	चङ्खनिष्यसि	चङ्खनिष्यथः	चङ्खनिष्यथ	म०
	चङ्खनिष्यामि	चङ्खनिष्यावः	चङ्खनिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	चङ्खनीतु	चङ्खाताम्	चङ्खनतु	प्र०
	चङ्खाहि	चङ्खातम्	चङ्खात	म०
	चङ्खनानि	चङ्खनाव	चङ्खनाम	उ०
लङ् (पर०)	अचङ्खनीत्	अचङ्खाताम्	अचङ्खनुः	प्र०
	अचङ्खनीः	अचङ्खातम्	अचङ्खात	म०
	अचङ्खनम्	अचङ्खन्व	अचङ्खन्म	उ०
विधि-लिट्	चङ्खन्यात्	चङ्खन्याताम्	चङ्खन्युः	प्र०
(पर०)	चङ्खन्याः	चङ्खन्यातम्	चङ्खन्यात	म०
	चङ्खन्याम्	चङ्खन्याव	चङ्खन्याम	उ०
आशिष्-लिट्	चङ्खन्यात्	चङ्खन्यास्ताम्	चङ्खन्यासुः	प्र०
(पर०)	चङ्खन्याः	चङ्खन्यास्तम्	चङ्खन्यास्त	म०
	चङ्खन्यासम्	चङ्खन्यास्व	चङ्खन्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अचङ्खानीत्	अचङ्खानिष्टाम्	अचङ्खानिषुः	प्र०
	अचङ्खानीः	अचङ्खानिष्टम्	अचङ्खानिष्ट	म०
	अचङ्खानिषम्	अचङ्खानिष्व	अचङ्खानिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अचङ्खनिष्यत्	अचङ्खनिष्यताम्	अचङ्खनिष्यन्	प्र०
	अचङ्खनिष्यः	अचङ्खनिष्यतम्	अचङ्खनिष्यत	म०
	अचङ्खनिष्यम्	अचङ्खनिष्याव	अचङ्खनिष्याम	उ०

4. "चर्" धातु

लट् (पर०)	चंचुरीति	चंचूर्तः	चंचुरति	प्र०
	चंचुरीषि	चंचूर्थः	चंचूर्थ	म०
	चंचुरीमि	चंचूर्वः	चंचूर्मः	उ०

लिट् (पर०)	चंचुरांचकार	चंचुरांचक्रतुः	चंचुरांचक्रुः	प्र०
	चंचुरांचकर्त्तृ	चंचुरांचक्रथुः	चंचुरांचक्र	म०
	चंचुरांचकार	चंचुरांचकृव	चंचुरांचकृम	उ०
(पक्षे)	चंचुरामास,	चंचुरांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	चंचुरिता	चंचुरितारौ	चंचुरितारः	प्र०
	चंचुरितासि	चंचुरितास्थः	चंचुरितास्थ	म०
	चंचुरितास्मि	चंचुरितास्वः	चंचुरितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	चंचुरिष्यति	चंचुरिष्यतः	चंचुरिष्यन्ति	प्र०
	चंचुरिष्यसि	चंचुरिष्यथः	चंचुरिष्यथ	म०
	चंचुरिष्यामि	चंचुरिष्यावः	चंचुरिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	चंचुरीतु	चंचूर्ताम्	चंचुरतु	प्र०
	चंचुर्हि	चंचूर्तम्	चंचूर्त	म०
	चंचुराणि	चंचुराव	चंचुराम	उ०
लङ् (पर०)	अचंचुरीत्	अचंचूर्ताम्	अचंचुरुः	प्र०
	अचंचुरीः	अचंचूर्तम्	अचंचूर्त	म०
	अचंचुरम्	अचंचूर्व	अचंचूर्म	उ०
विधि-लिङ्	चंचुर्यात्	चंचुर्याताम्	चंचुर्युः	प्र०
(पर०)	चंचुर्याः	चंचुर्यातम्	चंचुर्यात	म०
	चंचुर्याम्	चंचुर्याव	चंचुर्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	चंचूर्यात्	चंचूर्यास्ताम्	चंचूर्यासुः	प्र०
(पर०)	चंचूर्याः	चंचूर्यास्तम्	चंचूर्यास्त	म०
	चंचूर्यासम्	चंचूर्यास्व	चंचूर्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अचंचुरीत्	अचंचुरिष्टाम्	अचंचुरिषुः	प्र०
	अचंचुरीः	अचंचुरिष्टम्	अचंचुरिष्ट	म०
	अचंचुरिषम्	अचंचुरिष्व	अचंचुरिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अचंचुरिष्यत्	अचंचुरिष्यताम्	अचंचुरिष्यन्	प्र०
	अचंचुरिष्यः	अचंचुरिष्यतम्	अचंचुरिष्यत	म०
	अचंचुरिष्यम्	अचंचुरिष्याव	अचंचुरिष्याम	उ०

5. “दध्” धातु

लट् (पर०)	दादद्धि	दादद्धः	दादद्धति	प्र०
	दादद्धत्सि	दादद्धथः	दादद्धथ	म०
	दादद्धि	दादद्ध्वः	दादद्ध्वः	उ०

लिट् (पर०)	दादधांचकार	दादधांचक्रतुः	दादधांचक्रुः	प्र०
	दादधांचकर्त्तृ	दादधांचक्रथुः	दादधांचक्र	म०
	दादधांचकार	दादधांचकृव	दादधांचकृम	उ०
लुट् (पर०)	दादधिता	दादधितारौ	दादधितारः	प्र०
	दादधितासि	दादधितास्थः	दादधितास्थ	म०
	दादधितास्मि	दादधितास्वः	दादधितास्म	उ०
लृट् (पर०)	दादधिष्यति	दादधिष्यतः	दादधिष्यन्ति	प्र०
	दादधिष्यसि	दादधिष्यथ	दादधिष्यथ	म०
	दादधिष्यामि	दादधिष्यावः	दादधिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	दादद्धु-दादद्धात्	दादद्धाम्	दादद्धतु	प्र०
	दादद्धि	दादद्धम्	दादद्ध	म०
	दादधानि	दादधाव	दादधाम	उ०
लङ् (पर०)	अदाधत्-अदाधद्	अदादद्धाम्	अदादधुः	प्र०
	अदाधाः	अदादद्धम्	अदादद्ध	म०
	अदादधम्	अदादध्व	अदादध्म	उ०
विधि-लिङ्	दादध्यात्	दादध्याताम्	दादध्युः	प्र०
(पर०)	दादध्याः	दादध्यातम्	दादध्यात	म०
	दादध्याम्	दादध्याव	दादध्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	दादध्यात्	दादध्यास्ताम्	दादध्यासुः	प्र०
(पर०)	दादध्याः	दादध्यास्तम्	दादध्यास्त	म०
	दादध्यासम्	दादध्यास्व	दादध्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अदादधीत्	अदादधिष्टाम्	अदादधिषुः	प्र०
	अदादाधीत्	अदादाधिष्टाम्	अदादाधिषुः	
	अदादधीः	अदादधिष्टम्	अदादधिष्ट	म०
	अदादाधीः	अदादाधिष्टम्	अदादाधिष्ट	
	अदादधिषम्	अदादधिष्व	अदादधिष्म	उ०
	अदादाधिषम्	अदादाधिष्व	अदादाधिष्म	
लृङ् (पर०)	अदादधिष्यत्	अदादधिष्यताम्	अदादधिष्यन्	प्र०
	अदादधिष्यः	अदादधिष्यतम्	अदादधिष्यत	म०
	अदादधिष्याम्	अदादधिष्याव	अदादधिष्याम	उ०

6. “मुद्” धातु

लट् (पर०)	मोमुदीति, मोमोत्ति	मोमुतः	मोमुदति	प्र०
	मोमुदीसि-मोमोत्सि	मोमुथः	मोमुथ	म०
	मोमुदीमि-मोमोद्मि	मोमुद्वः	मोमुद्वः	उ०
लिट् (पर०)	मोमोदांचकार	मोमोदांचक्रतुः	मोमोदांचक्रुः	प्र०
	मोमोदांचकर्थ	मोमोदांचक्रथुः	मोमोदांचक्र	म०
	मोमोदांचकार	मोमोदांचकृव	मोमोदांचकृम	उ०
एवं	मोमोदामास,	मोमोदांबभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	मोमोदिता	मोमोदितारौ	मोमोदितारः	प्र०
	मोमोदितासि	मोमोदितास्थः	मोमोदितास्थ	म०
	मोमोदितास्मि	मोमोदितास्वः	मोमोदितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	मोमोदिष्यति	मोमोदिष्यतः	दादधिष्यन्ति	प्र०
	मोमोदिष्यसि	मोमोदिष्यथः	दादधिष्यथ	म०
	मोमोदिष्यामि	मोमोदिष्यावः	दादधिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	मोमुदीतु-मोमोत्तु	मोमुत्ताम्	मोमुदतु	प्र०
	मोमुद्धि	मोमुत्तम्	मोमुत्त	म०
	मोमुदानि	मोमुदाव	मोमुदाम	उ०
लङ् (पर०)	अमोमुदीत्-अमोमोत्	अमोमुत्ताम्	अमोमुदुः	प्र०
	अमोमुदीः-अमोमोत्	अमोमुत्तम्	अमोमुत्त	म०
	अमोमुदम्	अमोमुदाव	अमोमुदाम	उ०
विधि-लिङ्	मोमुयात्	मोमुयाताम्	मोमुयुः	प्र०
(पर०)	मोमुयाः	मोमुयातम्	मोमुयात	म०
	मोमुयाम्	मोमुयाव	मोमुयाम	उ०
आशिष्-लिङ्	मोमुयात्	मोमुयास्ताम्	मोमुयासुः	प्र०
(पर०)	मोमुयाः	मोमुयास्तम्	मोमुयास्त	म०
	मोमुयासम्	मोमुयास्व	मोमुयास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अमोमोदीत्	अमोमोदिष्टाम्	अमोमोदिषुः	प्र०
	अमोमोदीः	अमोमोदिष्टम्	अमोमोदिष्ट	म०
	अमोमोदिषम्	अमोमोदिषव	अमोमोदिषम	उ०

लृङ् (पर०)	अमोमोदिष्यत्	अमोमोदिष्यताम्	अमोमोदिष्यन्	प्र०
	अमोमोदिष्यः	अमोमोदिष्यतम्	अमोमोदिष्यत	म०
	अमोमोदिष्यम्	अमोमोदिष्याव	अमोमोदिष्याम	उ०

7. "कूर्द" धातु

लट् (पर०)	चोकूर्दीति-चोकूर्तिः	चोकूर्तः	चोकूर्दति	प्र०
	चोकूर्दीषि-चोकूर्त्षि	चोकूर्थः	चोकूर्थ	म०
	चोकूर्दीमि-चोकूर्मि	चोकूर्वः	चोकूर्मः	उ०
लिट् (पर०)	चोकूर्दाञ्चकार	चोकूर्दाञ्चक्रतुः	चोकूर्दाञ्चक्रुः	प्र०
	चोकूर्दाञ्चकर्थ	चोकूर्दाञ्चक्रथुः	चोकूर्दाञ्चक्र	म०
	चोकूर्दाञ्चकार	चोकूर्दाञ्चकृव	चोकूर्दाञ्चकृम	उ०
(पक्षे)	चोकूर्दामास,	चोकूर्दाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	चोकूर्दिता	चोकूर्दितारौ	चोकूर्दितारः	प्र०
	चोकूर्दितासि	चोकूर्दितास्थः	चोकूर्दितास्थ	म०
	चोकूर्दितास्मि	चोकूर्दितास्वः	चोकूर्दितास्म	उ०
लृट् (पर०)	चोकूर्दिष्यति	चोकूर्दिष्यतः	चोकूर्दिष्यन्ति	प्र०
	चोकूर्दिष्यसि	चोकूर्दिष्यथः	चोकूर्दिष्यथ	म०
	चोकूर्दिष्यामि	चोकूर्दिष्यावः	चोकूर्दिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	चोकूर्दीतु	चोकूर्ताम्	चोकूर्दतु	प्र०
	चोकूर्द्धि	चोकूर्तम्	चोकूर्त	म०
	चोकूर्दीनि	चोकूर्दाव	चोकूर्दाम	उ०
लङ् (पर०)	अचोकूर्दीत्	अचोकूर्ताम्	अचोकूर्दुः	प्र०
	अचोकूर्दीः	अचोकूर्तम्	अचोकूर्त	म०
	अचोकूर्दम्	अचोकूर्दव	अचोकूर्दम	उ०
विधि-लिङ्	चोकूर्द्यात्	चोकूर्द्याताम्	चोकूर्दयुः	प्र०
(पर०)	चोकूर्द्याः	चोकूर्द्यातम्	चोकूर्द्यात	म०
	चोकूर्द्याम्	चोकूर्द्याव	चोकूर्द्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	चोकूर्द्यात्	चोकूर्द्यास्ताम्	चोकूर्द्यासुः	प्र०
(पर०)	चोकूर्द्याः	चोकूर्द्यास्ताम्	चोकूर्द्यास्व	म०
	चोकूर्द्याम्	चोकूर्द्याव	चोकूर्द्याम	उ०

लुङ् (पर०)	अचोकूर्दीत्	अचोकूर्दिष्टाम्	अचोकूर्दिषुः	प्र०
	अचोकूर्दीः	अचोकूर्दिष्टम्	अचोकूर्दिष्ट	म०
	अचोकूर्दिषम्	अचोकूर्दिष्व	अचोकूर्दिष्म्	उ०
लृङ् (पर०)	अचोकूर्दिष्यत्	अचोकूर्दिष्यताम्	अचोकूर्दिष्यन्	प्र०
	अचोकूर्दिष्यः	अचोकूर्दिष्यतम्	अचोकूर्दिष्यत	म०
	अचोकूर्दिष्यम्	अचोकूर्दिष्याव	अचोकूर्दिष्याम	उ०

8. “वंचुगतौ” धातु

लट् (पर०)	वनीवंचीति	वनीवन्तः	वनीवचति	प्र०
	वनीवंचीषि	वनीवन्थः	वनीवक्थ	म०
	वनीवंचीमि	वनीवन्च्वः	वनीवच्मः	उ०
लिट् (पर०)	वनीवंचांचकार	वनीवंचांचक्रतुः	वनीवंचांचक्रुः	प्र०
	वनीवंचांचकर्थ	वनीवंचांचक्रथुः	वनीवंचांचक्र	म०
	वनीवंचांचकार	वनीवंचांचकृव	वनीवंचांचकृम	उ०
(पक्षे)	वनीवंचामास,	वनीवंचाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	वनीवंचिता	वनीवंचितारौ	वनीवंचितारः	प्र०
	वनीवंचितासि	वनीवंचितास्थः	वनीवंचितास्थ	म०
	वनीवंचितास्मि	वनीवंचितास्व	वनीवंचितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	वनीवंचिष्यति	वनीवंचिष्यतः	वनीवंचिष्यन्ति	प्र०
	वनीवंचिष्यसि	वनीवंचिष्यथः	वनीवंचिष्यथ	म०
	वनीवंचिष्यामि	वनीवंचिष्यावः	वनीवंचिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	वनीवंचीतु	वनीवन्ताम्	वनीवचतु	प्र०
	वनीवग्धि	वनीवक्तम्	वनीवक्त	म०
	वनीवंचानि	वनीवंचावः	वनीवंचामः	उ०
लङ् (पर०)	अवनीवंचीत्	अवनीवन्ताम्	अवनीवंचुः	प्र०
	अवनीवंचीः	अवनीवक्तम्	अवनीवक्त	म०
	अवनीवंचम्	अवनीवन्च्व	अवनीवच्म	उ०
विधि-लिट्	वनीवंच्यात्	वनीवंच्याताम्	वनीवच्युः	प्र०
(पर०)	वनीवंच्याः	वनीवंच्यातम्	वनीवंच्यात	म०
	वनीवंच्याम्	वनीवंच्याव	वनीवंच्याम	उ०

आशिष्-लिङ्	वनीवच्यात्	वनीवच्यास्ताम्	वनीवच्यासुः	प्र०
(पर०)	वनीवच्याः	वनीवच्यास्तम्	वनीवच्यास्त	म०
	वनीवच्यासम्	वनीवच्यास्व	वनीवच्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अवनीवंचीत्	अवनीवंचिष्टाम्	अवनीवंचिषुः	प्र०
	अवनीवंचीः	अवनीवंचिष्टम्	अवनीवंचिष्ट	म०
	अवनीवंचिषम्	अवनीवंचिष्व	अवनीवंचिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अवनीवंचिष्यत्	अवनीवंचिष्यताम्	अवनीवंचिष्यन्	प्र०
	अवनीवंचिष्यः	अवनीवंचिष्यतम्	अवनीवंचिष्यत	म०
	अवनीवंचिष्यम्	अवनीवंचिष्यव	अवनीवंचिष्यम	उ०

9. "स्वप्" धातु

लट् (पर०)	सास्वपीति	सास्वप्तः	सास्वपति	प्र०
	सास्वपीषि	सास्वपथः	सास्वपथ	म०
	सास्वपीमि	सास्वप्वः	सास्वप्मः	उ०
लिट् (पर०)	सास्वपांचकार	सास्वपांचक्रतुः	सास्वपांचक्रुः	प्र०
	सास्वपांचकर्त्तुः	सास्वपांचक्रथुः	सास्वपांचक्र	म०
	सास्वपांचकार	सास्वपांचकृव	सास्वपांचकृम	उ०
(पक्षे)	सास्वपामास,	सास्वपाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	सास्वपिता	सास्वपितारौ	सास्वपितारः	प्र०
	सास्वपितासि	सास्वपितास्थः	सास्वपितास्थ	म०
	सास्वपितास्मि	सास्वपितास्व	सास्वपितास्म	उ०
लृट् (पर०)	सास्वपिष्यति	सास्वपिष्यतः	सास्वपिष्यन्ति	प्र०
	सास्वपिष्यसि	सास्वपिष्यथः	सास्वपिष्यथ	म०
	सास्वपिष्यामि	सास्वपिष्यावः	सास्वपिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	सास्वपीतु	सास्वपताम्	सास्वपतु	प्र०
	सास्वापिहि	सास्वपतम्	सास्वपत	म०
	सास्वपानि	सास्वपाव	सास्वपाम	उ०
लङ् (पर०)	असास्वपीत्	असास्वप्ताम्	असास्वपुः	प्र०
	असास्वपीः	असास्वपाम्	असास्वप्त	म०
	असास्वपम्	असास्वपाव	असास्वपाम	उ०

विधि-लिङ्	सास्वप्यात्	सास्वप्याताम्	सास्वप्युः	प्र०
(पर०)	सास्वप्याः	सास्वप्यातम्	सास्वप्यात	म०
	सास्वप्याम्	सास्वप्याव	सास्वप्याम	उ०
आशिप्-लिङ्	सासुप्यात्	सासुप्यास्ताम्	सासुप्यासुः	प्र०
(पर०)	सासुप्याः	सासुप्यास्तम्	सासुप्यास्त	म०
	सासुप्यासम्	सासुप्यास्व	सासुप्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	असास्वपीत्	असास्वप्ताम्	असास्वपुः	प्र०
	असास्वपीः	असास्वप्तम्	असास्वप्त	म०
	असास्वपम्	असास्वप्व	असास्वप्म	उ०
लृङ् (पर०)	असास्वपिष्यत्	असास्वपिष्यताम्	असास्वपिष्यन्त	प्र०
	असास्वपिष्यः	असास्वपिष्यतम्	असास्वपिष्यत	म०
	असास्वपिष्यम्	असास्वपिष्याव	असास्वपिष्याम	उ०

10. "गम्" धातु

लट् (पर०)	जङ्गमीति	जङ्गतः	जङ्गमति	प्र०
	जङ्गमीपि	जङ्गथः	जङ्गथ	म०
	जङ्गमीमि	जङ्गन्वः	जङ्गन्मः	उ०
लिट् (पर०)	जङ्गमांचक्रार	जङ्गमांचक्रतुः	जङ्गमांचक्रु	प्र०
	जङ्गमांचकृथ	जङ्गमांचक्रथुः	जङ्गमांचक्र	म०
	जङ्गमांचक्रार	जङ्गमांचकृव	जङ्गमांचकृम	उ०
(पक्षे)	जङ्गमासास,	जङ्गमाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	जङ्गमिता	जङ्गमितारौ	जङ्गमितारः	
लृट् (पर०)	जङ्गमिष्यति	जङ्गमिष्यतः	जङ्गमिष्यन्ति	प्र०
	जङ्गमिष्यसि	जङ्गमिष्यथः	जङ्गमिष्यथ	म०
	जङ्गमिष्यामि	जङ्गमिष्यावः	जङ्गमिष्याम	उ०
लोट् (पर०)	जङ्गमीतु	जङ्गमताम्	जङ्गमतु	प्र०
	जङ्गहि	जङ्गतम्	जङ्गत	म०
	जङ्गमानि	जङ्गमाव	जङ्गमाम	उ०
लङ् (पर०)	अजङ्गमीत्	अजङ्गताम्	अजङ्गमुः	प्र०
	अजङ्गमीः	अजङ्गतम्	अजङ्गत	म०
	अजङ्गमम्	अजङ्गमाव	अजङ्गमाम	उ०

विधि-लिङ्	जङ्गम्यात्	जङ्गम्याताम्	जङ्गम्युः	प्र०
(पर०)	जङ्गम्याः	जङ्गम्यातम्	जङ्गम्यात	म०
	जङ्गम्याम्	जङ्गम्यावहि	जङ्गम्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	जङ्गम्यात्	जङ्गम्यास्ताम्	जङ्गम्यासुः	प्र०
(पर०)	जङ्गम्याः	जङ्गम्यास्तम्	जङ्गम्यास्त	म०
	जङ्गम्यासम्	जङ्गम्यास्व	जङ्गम्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अजङ्गमीत्	अजङ्गमिष्टाम्	अजङ्गमीषुः	प्र०
	अजङ्गमीः	अजङ्गमिष्टम्	अजङ्गमिष्ट	म०
	अजङ्गमिषम्	अजङ्गमिष्याव	अजङ्गमिष्याम	उ०
लृङ् (पर०)	अजङ्गमिष्यत्	अजङ्गमिष्यताम्	अजङ्गमिष्यन्	प्र०
	अजङ्गमिष्यः	अजङ्गमिष्यतम्	अजङ्गमिष्यत	म०
	अजङ्गमिष्यम्	अजङ्गमिष्याव	अजङ्गमिष्याम	उ०

11. “डुकृ विक्षेपे” धातु

लट् (पर०)	चर्करीति	चर्कृतः	चर्कृति	प्र०
	चर्कृतिं चरिकर्त्ति			
	चर्करीषि	चर्कृथः	चर्कृथ	म०
	चर्करीमि	चर्कृवः	चर्कृमः	उ०
लिट् (पर०)	चर्करांचकार	चर्करांचक्रतुः	चर्करांचक्रुः	प्र०
	चर्करांचकर्थ	चर्करांचक्रथुः	चर्करांचक्र	म०
	चर्करांचकार	चर्करांचकृव	चर्करांचकृम	उ०
(पक्षे)	चर्करामास,	चर्कराम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	चर्करिता	चर्करितारौ	सास्वपितारः	प्र०
	चर्करितासि	चर्करितास्थः	सास्वपितास्थ	म०
	चर्करितास्मि	चर्करितास्वः	सास्वपितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	चर्करिष्यति	चर्करीष्यतः	चर्करिष्यन्ति	प्र०
	चर्करिष्यसि	चर्करिष्यथः	चर्करिष्यथ	म०
	चर्करिष्यामि	चर्करिष्यावः	चर्करिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	चर्करीतु	चर्करीताम्	चर्करतु	प्र०
	चर्करीहि	चर्करीतम्	चर्करीत	म०
	चर्कराणि	चर्कराव	चर्कराम	उ०

लङ् (पर०)	अचर्करीत्	अचर्करीताम्	अचर्करत	प्र०
	अचर्करीः	अचर्करीतम्	अचर्करीत	म०
	अचर्करवम्	अचर्करव	अचर्करम	उ०
विधि-लिङ्	चर्कृयात्	चर्कृयाताम्	चर्कृयुः	प्र०
(पर०)	चर्कृयाः	चर्कृयातम्	चर्कृयुः	म०
	चर्कृयाम्	चर्कृयाव	चर्कृयाम	उ०
आशिष्-लिङ्	चर्क्रियात्	चर्क्रियास्ताम्	चर्क्रियासुः	प्र०
(पर०)	चर्क्रियाः	चर्क्रियास्तम्	चर्क्रियास्त	म०
	चर्क्रियासम्	चर्क्रियास्व	चर्क्रियास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अचर्करीत्	अचर्कारिष्टाम्	अचर्कारिषुः	प्र०
	अचर्करीः	अचर्कारिष्टम्	अचर्कारिष्ट	म०
	अचर्करिषम्	अचर्कारिष्व	अचर्कारिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अचर्करिष्यत्	अचर्करिष्यताम्	अचर्करिष्यन्त	प्र०
	अचर्करिष्यः	अचर्करिष्यतम्	अचर्करिष्यत	म०
	अचर्करिष्यम्	अचर्करिष्याव	अचर्करिष्याम	उ०

12. “डाङ्” धातु

लट् (पर०)	जाहेति	जाहीतः	जाहति	प्र०
	जाहेषि	जाहीथः	जाहीथ	म०
	जाहेमि	जाहीवः	जाहीमः	उ०
लिट् (पर०)	जाहांचकार	जाहांचक्रतुः	जाहांचक्रुः	प्र०
	जाहांचकर्त्तुः	जाहांचक्रथुः	जाहांचक्र	म०
	जाहांचकार	जाहांचकृव	जाहांचकृम	उ०
एवं	जाहामास,	जाहाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	जाहिता	जाहितारौ	जाहितारः	प्र०
	जाहितासि	जाहितास्थः	जाहितास्थ	म०
	जाहितास्मि	जाहितास्वः	जाहितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	जाहिष्यति	जाहिष्यतः	जाहिष्यन्ति	प्र०
	जाहिष्यासि	जाहिष्यथः	जाहिष्यथ	म०
	जाहिष्यामि	जाहिष्यावः	जाहिष्यामः	उ०

लाट् (पर०)	जाहेतु	जाहीताम्	जाहतु	प्र०
	जाहीहि	जाहीतम्	जाहीत	म०
	जाहानि	जाहाव	जाहाम	उ०
लङ् (पर०)	अजाहेत्	अजाहीताम्	अजाहुः	प्र०
	अजाहेः	अजाहीतम्	अजाहीत	म०
	अजाहाम्	अजाहीव	अजाहीम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	जाहीयात्	जाहीयाताम्	जाहीयुः	प्र०
	जाहीयाः	जाहीयातम्	जाहीयात	म०
	जाहीयाम्	जाहीयाव	जाहीयाम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	जाहेयात्	जाहेयास्ताम्	जाहेयासुः	प्र०
	जाहेयाः	जाहेयास्तम्	जाहेयास्त	म०
	जाहेयासम्	जाहेयास्व	जाहेयास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अजाहासीत्	अजाहासिष्टाम्	अजाहासिषुः	प्र०
	अजाहासीः	अजाहासिष्टम्	अजाहासिष्ट	म०
	अजाहासिषम्	अजाहासिष्व	अजाहासिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अजाहिष्यत्	अजाहिष्यताम्	अजाहिष्यन्	प्र०
	अजाहिष्यः	अजाहिष्यतम्	अजाहिष्यत	म०
	अजाहिष्यम्	अजाहिष्याव	अजाहिष्याम	उ०

13. "वृत्" धातु

लट् (पर०)	ववृतीति	ववृतः	ववृतति	प्र०
	ववृषि	ववृथः	ववृथ	म०
	ववृतीमि	ववृतीवः	ववृतीमः	उ०
लिट् (पर०)	ववृत्तामास	ववृत्तामासतुः	ववृत्तामासुः	प्र०
	ववृत्तामासिथ	ववृत्तामासथुः	ववृत्तामास	म०
	ववृत्तामाये	ववृत्तामासिव	ववृत्तामासिम	उ०
लुट् (पर०)	ववृत्तिता	ववृत्तितासौ	ववृत्तितारः	प्र०
	ववृत्तितासि	ववृत्तितास्थः	ववृत्तितास्थ	म०
	ववृत्तितास्मि	ववृत्तितास्व	ववृत्तितास्म	उ०
लृट् (पर०)	ववृत्तिष्यति	ववृत्तिष्यतः	ववृत्तिष्यन्ति	प्र०
	ववृत्तिष्यासि	ववृत्तिष्यथः	ववृत्तिष्यथः	म०
	ववृत्तिष्यामि	ववृत्तिष्यावः	ववृत्तिष्यामः	उ०

14. "प्रच्छ" धातु

लट् (पर०)	पाप्रच्छीति	पाप्रष्टः	पाप्रच्छति	प्र०
	पाप्रच्छीषि	पाप्रष्टः	पाप्रष्ट	म०
	पाप्रच्छीमि	पाप्रच्छीवः	पाप्रच्छीमः	उ०
लिट् (पर०)	पाप्रच्छांचकार	पाप्रच्छांचक्रतुः	पाप्रच्छांचक्रुः	प्र०
	पाप्रच्छांचकर्त्तुः	पाप्रच्छांचक्रथुः	पाप्रच्छांचक्र	म०
	पाप्रच्छांचकार	पाप्रच्छांचकृव	पाप्रच्छांचकृम	उ०
(पक्षे)	पाप्रच्छामास,	पाप्रच्छाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	पाप्रष्टा	पाप्रष्टारौ	पाप्रष्टारः	प्र०
	पाप्रष्टासि	पाप्रष्टास्थः	पाप्रष्टास्थ	म०
	पाप्रष्टास्मि	पाप्रष्टास्वः	पाप्रष्टास्मः	उ०
लृट् (पर०)	पाप्रक्ष्यति	पाप्रक्ष्यतः	पाप्रक्ष्यन्ति	प्र०
	पाप्रक्ष्यसि	पाप्रक्ष्यथः	पाप्रक्ष्यथ	म०
	पाप्रक्ष्यामि	पाप्रक्ष्यावः	पाप्रक्ष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	पाप्रच्छीतु-पाप्रष्टु	पाप्रष्टाम्	पाप्रच्छतु	प्र०
	पाप्रष्ट्ठि	पाप्रष्टम्	पाप्रष्ट	म०
	पाप्रच्छानि	पाप्रच्छाव	पाप्रच्छाम	उ०
लङ् (पर०)	अपाप्रच्छत्	अपाप्रष्टाम्	अपाप्रच्छुः	प्र०
	अपाप्रच्छीः	अपाप्रष्टम्	अपाप्रष्ट	म०
	अपाप्रच्छम्	अपाप्रच्छाव	अपाप्रच्छाम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	पाप्रच्छेत्	पाप्रच्छेताम्	पाप्रच्छेयुः	प्र०
	पाप्रच्छेः	पाप्रच्छेतम्	पाप्रच्छेत	म०
	पाप्रच्छेयम्	पाप्रच्छेव	पाप्रच्छेयम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	पाप्रच्छ्यात्	पाप्रच्छ्यास्ताम्	पाप्रच्छ्यास्मः	प्र०
	पाप्रच्छ्याः	पाप्रच्छ्यास्तम्	पाप्रच्छ्यास्त	म०
	पाप्रच्छ्यासम्	पाप्रच्छ्यास्व	पाप्रच्छ्यासुः	उ०
लुङ् (पर०)	अपाप्रच्छीत्	अपाप्रच्छताम्	अपाप्रच्छुः	प्र०
	अपाप्रच्छीः	अपाप्रच्छतम्	अपाप्रच्छत	म०
	अपाप्रच्छम्	अपाप्रच्छाव	अपाप्रच्छाम	उ०

लृङ् (पर०)	अपाप्रच्छिष्यत्	अपाप्रच्छिष्यताम्	अपाप्रच्छिष्यन्	प्र०
	अपाप्रच्छिष्यः	अपाप्रच्छिष्यतम्	अपाप्रच्छिष्यत	म०
	अपाप्रच्छिष्यम्	अपाप्रच्छिष्याव	अपाप्रच्छिष्याम	उ०

15. "मूर्च्छ" धातु

लट् (पर०)	मोमूर्च्छीति	मोमूर्ष्टः	मोमूर्च्छति	प्र०
	मोमूर्च्छीषि	मोमूर्ष्टः	मोमूर्ष्ट	म०
	मोमूर्च्छीमि	मोमूर्च्छवः	मोमूर्च्छमः	उ०
लिट् (पर०)	मोमूर्च्छाञ्चकार	मोमूर्च्छाञ्चक्रतुः	मोमूर्च्छाञ्चक्रुः	प्र०
	मोमूर्च्छाञ्चकर्थ	मोमूर्च्छाञ्चक्रथुः	मोमूर्च्छाञ्चक्र	म०
	मोमूर्च्छाञ्चकार	मोमूर्च्छाञ्चकृव	मोमूर्च्छाञ्चकृम	उ०
(पक्षे)	मोमूर्च्छामास,	मोमूर्च्छाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	मोमूर्च्छिता	मोमूर्च्छितारौ	मोमूर्च्छितारः	प्र०
	मोमूर्च्छितासि	मोमूर्च्छितास्थः	मोमूर्च्छितास्थ	म०
	मोमूर्च्छितास्मि	मोमूर्च्छितास्वः	मोमूर्च्छितास्म	उ०
लृट् (पर०)	मोमूर्च्छिष्यति	मोमूर्च्छिष्यतः	मोमूर्च्छिष्यन्ति	प्र०
	मोमूर्च्छिष्यसि	मोमूर्च्छिष्यथः	मोमूर्च्छिष्यथ	म०
	मोमूर्च्छिष्यामि	मोमूर्च्छिष्यावः	मोमूर्च्छिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	मोमूर्च्छीतु	मोमूर्च्छताम्	मोमूर्च्छतु	प्र०
	मोमूर्हि	मोमूर्च्छतम्	मोमूर्च्छत	म०
	मोमूर्च्छानि	मोमूर्च्छाव	मोमूर्च्छाम	उ०
लङ् (पर०)	अमोमूर्च्छीत्	अमोमूर्च्छाम्	अमोमूर्च्छुः	प्र०
	अमोमूः	अमोमूर्च्छतम्	अमोमूर्ष्ट	म०
	अमोमूर्च्छीम्	अमोमूर्ष्ट्व	अमोमूर्ष्ट्रम	उ०
विधि-लिट् (पर०)	मोमूर्च्छ्यात्	मोमूर्च्छ्याताम्	मोमूर्च्छ्यायुः	प्र०
	मोमूर्च्छ्याः	मोमूर्च्छ्यातम्	मोमूर्च्छ्यात	म०
	मोमूर्च्छ्याम्	मोमूर्च्छ्याव	मोमूर्च्छ्याम	उ०
आशिष्-लिट् (पर०)	मोमूर्च्छ्यात्	मोमूर्च्छ्याताम्	मोमूर्च्छ्यासुः	प्र०
	मोमूर्च्छ्याः	मोमूर्च्छ्यातम्	मोमूर्च्छ्यास्त	म०
	मोमूर्च्छ्यासम्	मोमूर्च्छ्यास्व	मोमूर्च्छ्यास्म	उ०

लृङ् (पर०)	अमोमूर्च्छीत्	अमोमूर्च्छिष्टाम्	अमोमूर्च्छिषुः	प्र०
(पर०)	अमोमूर्च्छीः	अमोमूर्च्छिष्टम्	अमोमूर्च्छिष्ट	म०
	अमोमूर्च्छिषम्	अमोमूर्च्छिष्व	अमोमूर्च्छिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अमोमूर्च्छिष्यत्	अमोमूर्च्छिष्यताम्	अमोमूर्च्छिष्यन्	प्र०
	अमोमूर्च्छिष्यः	अमोमूर्च्छिष्यतम्	अमोमूर्च्छिष्यत	म०
	अमोमूर्च्छिष्यम्	अमोमूर्च्छिष्याव	अमोमूर्च्छिष्याम	उ०

16. “ऋ गतौ” धातु

लट् (पर०)	अरति	अर्हतिः	आरतीति	प्र०
	अरपि	अर्हथः	अर्हथ	म०
	अरमि	अर्हवः	अर्हमः	उ०
लिट् (पर०)	अररांचकार	अररांचक्रतुः	अररांचक्रुः	प्र०
	अररांचकर्थ	अररांचक्रथुः	अररांचक्र	म०
	अररांचकार	अररांचकृव	अररांचकृम	उ०
लुट् (पर०)	अररिता	अररितारौ	अररितारः	प्र०
	अररितासि	अररितास्थः	अररितास्थ	म०
	अररितास्मि	अररितास्व	अररितास्म	उ०
लृट् (पर०)	अररिष्यति	अररिष्यतः	अररिष्यन्ति	प्र०
	अररिष्यसि	अररिष्यथः	अररिष्यथ	म०
	अररिष्यामि	अररिष्यावः	अररिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	अरर्तु	अर्हताम्	अररतु	प्र०
	अर्हहि	अर्हतम्	अर्हत	म०
	अरराणि	अरराव	अरराम	उ०
लङ् (पर०)	आरः	आर्हताम्	आररुः	प्र०
	आरः	आर्हताम्	आर्हत	म०
	आररम्	आर्हव	आर्हम	उ०
विधि-लिट्	अर्हयात्	अर्हयाताम्	अर्हयुः	प्र०
(पर०)	अर्हयाः	अर्हयातम्	अर्हयात	म०
	अर्हयाम्	अर्हयाव	अर्हयाम	उ०
आशिष्-लिट्	आरियात्	आरियास्ताम्	आरियासुः	प्र०
(पर०)	आरियाः	आरियास्तम्	आरियास्त	म०
	आरियासम्	आरियास्व	आरियास्म	उ०

लुङ् (पर०)	आरारीत्	आरारिष्टाम्	आरारिषुः	प्र०
	आरारीः	आरारिष्टम्	आरारिष्ट	म०
	आरारिष्म	आरारिष्व	आरारिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	आररिष्यत्	आररिष्यताम्	आररिष्यन्त	प्र०
	आररिष्यः	आररिष्यतम्	आररिष्यत	म०
	आररिष्यम्	आररिष्याव	आररिष्याम	उ०

17. "गृह् ग्राहणे" धातु

लट् (पर०)	जर्गृद्धि	जर्गृढः	जर्गृहति	प्र०
	जर्गृहीषि	जर्गृहीषिः	जर्गृढ	म०
	जर्गृहीमि	जर्गृहवः	जर्गृम्	उ०
लिट् (पर०)	जर्गर्हान्चकार	जरीगर्हान्चक्रतुः	जरीगर्हान्चक्रुः	प्र०
	जर्गर्हान्चक्रथ	जरीगर्हान्चक्रथुः	जरीगर्हान्चक्र	म०
	जर्गर्हान्चकार	जरीगर्हान्चकृव	जरीगर्हान्चकृम	उ०
लुट् (पर०)	जर्गर्हिता	जर्गर्हितारौ	जर्गर्हितारः	प्र०
	जर्गर्हितासि	जर्गर्हितास्थः	जर्गर्हितास्थ	म०
	जर्गर्हितास्मि	जर्गर्हितास्व	जर्गर्हितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	जर्गर्हिष्यति	जर्गर्हिष्यतः	जर्गर्हिष्यन्ति	प्र०
	जर्गर्हिष्यसि	जर्गर्हिष्यथः	जर्गर्हिष्यथ	म०
	जर्गर्हिष्यामि	जर्गर्हिष्यावः	जर्गर्हिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	जर्गृहीतु	जर्गृढाम्	जर्गृहतु	प्र०
	जर्गृढि	जर्गृढतम्	जर्गृहत	म०
	जर्गृहाणि	जर्गृहाव	जर्गृहाम	उ०
लङ् (पर०)	अजर्गृहीत्	अजर्गृढाम्	अजर्गृहुः	प्र०
	अजर्गृहीः	अजर्गृढम्	अजर्गृढ	म०
	अजर्गृहम्	अजर्गृहवः	अजर्गृहमः	उ०
विधि-लिट् (पर०)	जर्गृहयात्	जर्गृहयाताम्	जर्गृहयुः	प्र०
	जर्गृहयाः	जर्गृहयातम्	जर्गृहयात्	म०
	जर्गृहयाम्	जर्गृहयाव	जर्गृहयामः	उ०
आशिप्-लिट् (पर०)	जर्गृहयात्	जर्गृहयास्ताम्	जर्गृहयासुः	प्र०
	जर्गृहयाः	जर्गृहयास्तम्	जर्गृहयास्त	म०
	जर्गृहयासम्	जर्गृहयास्व	जर्गृहयास्म	उ०

लुङ् (पर०)	अजर्गृहीत्	अजर्गृहताम्	अजर्गृहुः	प्र०
(पर०)	अजर्गृहीः	अजर्गृहतम्	अजर्गृहत	म०
	अजर्गृहम्	अजर्गृहाव	अजर्गृहाम	उ०
लृङ् (पर०)	अजर्गर्हिष्यत्	अजर्गर्हिष्यताम्	अजर्गर्हिष्यन्	प्र०
	अजर्गर्हिष्यः	अजर्गर्हिष्यतम्	अजर्गर्हिष्यत	म०
	अजर्गर्हिष्यम्	अजर्गर्हिष्याव	अजर्गर्हिष्याम्	उ०

18. “ग्रह-ग्रहणे” धातु

लट् (पर०)	जाग्रहीति	जागृढः	जाग्रहति	प्र०
	जाग्रहीषि	जागृढः	जागृढ	म०
	जाग्रहीमि	जाग्रह्वः	जाग्रह्मः	उ०
लिट् (पर०)	जाग्रहांचकार	जाग्रहांचक्रतुः	जाग्रहांचक्रुः	प्र०
	जाग्रहांचकर्त्तुं	जाग्रहांचक्रथुः	जाग्रहांचक्र	म०
	जाग्रहांचकार	जाग्रहांचकृव	जाग्रहांचकृम	उ०
(पक्षे)	जाग्रहामास,	जाग्रहाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	जाग्रहिता	जाग्रहितारौ	जाग्रहितारः	प्र०
	जाग्रहितासि	जाग्रहितास्थः	जाग्रहितास्थ	म०
	जाग्रहितास्मि	जाग्रहितास्वः	जाग्रहितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	जाग्रहिष्यति	जाग्रहिष्यतः	जाग्रहिष्यन्ति	प्र०
	जाग्रहिष्यसि	जाग्रहिष्यथः	जाग्रहिष्यथ	म०
	जाग्रहिष्यामि	जाग्रहिष्यावः	जाग्रहिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	जाग्रहीतु	जागृढाम्	जागृहतु	प्र०
	जाग्रढि	जागृढम्	जागृढ	म०
	जाग्रहाणि	जाग्रहाव	जाग्रहाम	उ०
लङ् (पर०)	अजाग्रहीत्	अजागृढाम्	अजागृहुः	प्र०
	अजाग्रहीः	अजागृढम्	अजागृढ	म०
	अजाग्रहम्	अजागृहव	अजागृहम	उ०
विधि-लिट्	जाग्रह्यात्	जाग्रह्याताम्	जाग्रह्युः	प्र०
(पर०)	जाग्रह्याः	जाग्रह्यातम्	जाग्रह्यात	म०
	जाग्रह्याम्	जाग्रह्याव	जाग्रह्यामः	उ०

आशिप्-लिङ् (पर०)	जाग्रह्यात् जाग्रह्याः जाग्रह्यासम्	जाग्रह्यास्ताम् जाग्रह्यास्तम् जाग्रह्यास्व	जाग्रह्यासुः जाग्रह्यास्त जाग्रह्यास्म	प्र० म० उ०
लुङ् (पर०)	अजाग्रहीत् अजाग्रहीः अजाग्रहिषम्	अजाग्रहिष्टाम् अजाग्रहिष्टम् अजाग्रहिष्व	अजाग्रहिषुः अजाग्रहिष्ट अजाग्रहिष्म	प्र० म० उ०
लृङ् (पर०)	अजाग्रहिष्यत् अजाग्रहिष्यः अजाग्रहिष्यम्	अजाग्रहिष्यताम् अजाग्रहिष्यतम् अजाग्रहिष्याव	अजाग्रहिष्यन् अजाग्रहिष्यत अजाग्रहिष्याम	प्र० म० उ०

19. “मव” धातु

लट् (पर०)	मामवीति मामोषि मामोमि	मामूतः मामूथः मामावः	मामवति मामूथ मामूमः	प्र० म० उ०
लिट् (पर०)	मामवांचकार मामवांचकर्थ मामवांचकार	मामवांचक्रतुः मामवांचक्रथुः मामवांचकृव	मामवांचक्रुः मामवांचक्र मामवांचकृम	प्र० म० उ०
(पक्षे)	मामवामास,	मामवाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	मामविता मामवितासि मामवितास्मि	मामवितारौ मामवितास्थः मामवितास्वः	मामवितारः मामवितास्थ मामवितास्मः	प्र० म० उ०
लृट् (पर०)	मामविष्यति मामविष्यसि मामविष्यामि	मामविष्यतः मामविष्यथः मामविष्यावः	मामविष्यन्ति मामविष्यथ मामविष्यामः	प्र० म० उ०
लोट् (पर०)	मामोतु-मामूतात् मामूहि मामवानि	मामूताम् मामूतम् मामावः	मामवतु मामूत मामवामः	प्र० म० उ०
लङ् (पर०)	अमामोत् अमामोः अमामोम	अमामूताम् अमामूतम् अमामूव	अमामूवुः अमामूत अमामूम	प्र० म० उ०

विधि-लिङ्	मामव्यात्	मामव्यास्ताम्	मामव्युः	प्र०
(पर०)	मामव्याः	मामव्यास्तम्	मामव्यात्	म०
	मामव्याम्	मामव्याव	मामव्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	मामव्यात्	मामव्यास्ताम्	मामव्यासुः	प्र०
(पर०)	मामव्याः	मामव्यास्तम्	मामव्यास्त	म०
	मामव्यासम्	मामव्यास्व	मामव्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अमामवीत्	अमामविष्टाम्	अमामविषुः	प्र०
	अमामवीः	अमामविष्टम्	अमामविष्ट	म०
	अमामविषम्	अमामविष्वः	अमामविष्मः	उ०
लृङ् (पर०)	अमामविष्यत्	अमामविष्यताम्	अमामविष्यन्	प्र०
	अमामविष्यः	अमामविष्यतम्	अमामविष्यत	म०
	अमामविष्यम्	अमामविष्याव	अमामविष्याम	उ०

20. “तुर्वी” धातु

लट् (पर०)	तोतूर्वीति	तोतूर्तः	तोतूर्विति	प्र०
	तोतूर्वीषि	तोतूर्थः	तोतूर्थ	म०
	तोतोर्मि	तोतूर्वः	तोतूर्मः	उ०
लिट् (पर०)	तोतूर्वाञ्चकार	तोतूर्वाञ्चक्रतुः	तोतूर्वाञ्चक्रुः	प्र०
	तोतूर्वाञ्चकर्थ	तोतूर्वाञ्चक्रथुः	तोतूर्वाञ्चक्र	म०
	तोतूर्वाञ्चकार	तोतूर्वाञ्चकृव	तोतूर्वाञ्चकृम	उ०
लुट् (पर०)	तोतूर्विता	तोतूर्वितारौ	तोतूर्वितारः	प्र०
	तोतूर्वितासि	तोतूर्वितास्थः	तोतूर्वितास्थ	म०
	तोतूर्वितास्मि	तोतूर्वितास्वः	तोतूर्वितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	तोतूर्विष्यति	तोतूर्विष्यतः	तोतूर्विष्यन्ति	प्र०
	तोतूर्विष्यसि	तोतूर्विष्यथः	तोतूर्विष्यथ	म०
	तोतूर्विष्यामि	तोतूर्विष्यावः	तोतूर्विष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	तोतूर्वीतु	तोतूर्ताम्	तोतूर्वतु	प्र०
	तोतूर्हि	तोतूर्तम्	तोतूर्व	म०
	तोतूर्वाणि	तोतूर्वावः	तोतूर्वामः	उ०
लङ् (पर०)	अतोतूर्वीत्	अतोतूर्ताम्	अतोतूर्वुः	प्र०
	अतातोः	अतोतूर्तम्	अतोतूर्त	म०
	अतोतूर्वम्	अतोतूर्वः	अतोतूर्मः	उ०

विधि-लिङ्	तोतूव्यात्	तोतूव्याताम्	तोतूव्युः	प्र०
(पर०)	तोतूव्याः	तोतूव्यातम्	तोतूव्यात्	म०
	तोतूव्याम्	तोतूव्याव	तोतूव्याम	उ०
आशिप्-लिङ्	तोतूव्यात्	तोतूव्यास्ताम्	तोतूव्यासुः	प्र०
(पर०)	तोतूव्याः	तोतूव्यास्तम्	तोतूव्यास्त	म०
	तोतूव्यासम्	तोतूव्यास्व	तोतूव्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अतोतूवीत्	अतोतूर्विष्टाम्	अतोतूर्विषुः	प्र०
	अतोतूवीः	अतोतूर्विष्टम्	अतोतूर्विष्ट	म०
	अतोतूर्विष्म्	अतोतूर्विष्व	अतोतूर्विषम	उ०
लृङ् (पर०)	अतोतूर्विष्यत्	अतोतूर्विष्यताम्	अतोतूर्विष्यन्	प्र०
	अतोतूर्विष्यः	अतोतूर्विष्यतम्	अतोतूर्विष्यत	म०
	अतोतूर्विष्यम्	अतोतूर्विष्याव	अतोतूर्विष्याम	उ०

नामधातु प्रकरण

1. “पुत्रीय” धातु

लट् (पर०)	पुत्रीयति	पुत्रीयतः	पुत्रीयन्ति	प्र०
	पुत्रीयसि	पुत्रीयथः	पुत्रीयथ	म०
	पुत्रीयामि	पुत्रीयावः	पुत्रीयामः	उ०
लिट् (पर०)	पुत्रीयांचकार	पुत्रीयांचक्रतुः	पुत्रीयांचक्रुः	प्र०
	पुत्रीयांचकर्थ	पुत्रीयांचक्रथुः	पुत्रीयांचक्र	म०
	पुत्रीयांचकार	पुत्रीयांचकृव	पुत्रीयांचकृम	उ०
(पक्षे)	पुत्रीयामास,	पुत्रीयाम्बभूव आदि		
लुट् (पर०)	पुत्रीयिता	पुत्रीयितारौ	पुत्रीयितारः	प्र०
	पुत्रीयितासि	पुत्रीयितास्थः	पुत्रीयितास्थ	म०
	पुत्रीयितास्मि	पुत्रीयितास्वः	पुत्रीयितास्म	उ०
लृट् (पर०)	पुत्रीयिष्यति	पुत्रीयिष्यतः	पुत्रीयिष्यन्ति	प्र०
	पुत्रीयिष्यसि	पुत्रीयिष्यथः	पुत्रीयिष्यथ	म०
	पुत्रीयिष्यामि	पुत्रीयिष्यावः	पुत्रीयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	पुत्रीयतु-तात्	पुत्रीयताम्	पुत्रीयन्तु	प्र०
	पुत्रीय-तात्	पुत्रीयतम्	पुत्रीयत	म०
	पुत्रीयानि	पुत्रीयाव	पुत्रीयाम	उ०

लङ् (पर०)	अपुत्रीयत्	अपुत्रीयताम्	अपुत्रीयन्	प्र०
	अपुत्रीयः	अपुत्रीयतम्	अपुत्रीयत	म०
	अपुत्रीयम्	अपुत्रीयाव	अपुत्रीयाम	उ०
विधि-लिङ्	पुत्रीयेत्	पुत्रीयेताम्	पुत्रीयेयुः	प्र०
(पर०)	पुत्रीयेः	पुत्रीयेतम्	पुत्रीयेत्	म०
	पुत्रीयेयम्	पुत्रीयेव	पुत्रीयेम	उ०
आशिप्-लिङ्	पुत्रीय्यात्	पुत्रीय्यास्ताम्	पुत्रीय्यासुः	प्र०
(पर०)	पुत्रीय्याः	पुत्रीय्यास्तम्	पुत्रीय्यास्त	म०
	पुत्रीय्यासम्	पुत्रीय्यास्व	पुत्रीय्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अपुत्रीयीत्	अपुत्रीयिष्टाम्	अपुत्रीयिषुः	प्र०
	अपुत्रीयीः	अपुत्रीयिष्टम्	अपुत्रीयिष्ट	म०
	अपुत्रीयिषम्	अपुत्रीयिष्व	अपुत्रीयिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अपुत्रीयिष्यत्	अपुत्रीयिष्यताम्	अपुत्रीयिष्यन्	प्र०
	अपुत्रीयिष्यः	अपुत्रीयिष्यतम्	अपुत्रीयिष्यत	म०
	अपुत्रीयिष्यम्	अपुत्रीयिष्याव	अपुत्रीयिष्याम	उ०

2. “राजीय” धातु

लट् (पर०)	राजीयति	राजीयतः	राजीयन्ति	प्र०
	राजीयसि	राजीयथः	राजीयथ	म०
	राजीयामि	राजीयावः	राजीयामः	उ०
लिट् (पर०)	राजीयांचकार	राजीयांचक्रतुः	राजीयांचक्रुः	प्र०
	राजीयांचकर्त्तुः	राजीयांचक्रथुः	राजीयांचक्र	म०
	राजीयांचकार	राजीयांचकृव	राजीयांचकृम	उ०
(पक्षे)	राजीयामास,	राजीयाम्बभूव आदि		
लृट् (पर०)	राजीयिता	राजीयितारौ	राजीयितारः	प्र०
	राजीयितासि	राजीयितास्थः	राजीयितास्थ	म०
	राजीयितास्मि	राजीयितास्वः	राजीयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	राजीयिष्यति	राजीयिष्यतः	राजीयिष्यन्ति	प्र०
	राजीयिष्यसि	राजीयिष्यथः	राजीयिष्यथ	म०
	राजीयिष्यामि	राजीयिष्यावः	राजीयिष्यामः	उ०

लोट् (पर०)	राजीयतु-तात्	राजीयताम्	राजीयन्तु	प्र०
	राजीय-तात्	राजीयतम्	राजीयत	म०
	राजीयानि	राजीयाव	राजीयाम	उ०
लङ् (पर०)	अराजीयत्	अराजीयताम्	अराजीयन्	प्र०
	अराजीयः	अराजीयतम्	अराजीयत	म०
	अराजीयम्	अराजीयाव	अराजीयाम	उ०
विधि-लिट् (पर०)	राजीयेत्	राजीयेताम्	राजीयेयुः	प्र०
	राजीयेः	राजीयेतम्	राजीयेत	म०
	राजीयेयम्	राजीयेव	राजीयेम	उ०
आशिप्-लिट् (पर०)	राजीय्यात्	राजीय्यास्ताम्	राजीय्यासुः	प्र०
	राजीय्याः	राजीय्यास्तम्	राजीय्यास्त	म०
	राजीय्यासम्	राजीय्यास्व	राजीय्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अराजीयीत्	अराजीयिष्टाम्	अराजीयिषुः	प्र०
	अराजीयीः	अराजीयिष्टम्	अराजीयिष्ट	म०
	अराजीयिषम्	अराजीयिष्व	अराजीयिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अराजीयिष्यत	अराजीयिष्यताम्	अराजीयिष्यन्	प्र०
	अराजीयिष्यः	अराजीयिष्यतम्	अराजीयिष्यत	म०
	अराजीयिष्यम्	अराजीयिष्याव	अराजीयिष्याम	उ०

3. "गीर्य" धातु

लट् (पर०)	गीर्यति	गीर्यतः	गीर्यन्ति	प्र०
	गीर्यसि	गीर्यथः	गीर्यथ	म०
	गीर्यामि	गीर्यावः	गीर्यामः	उ०
लिट् (पर०)	गीर्याञ्चकार	गीर्याञ्चक्रतुः	गीर्याञ्चक्रुः	प्र०
	गीर्याञ्चकर्थ	गीर्याञ्चक्रथुः	गीर्याञ्चक्र	म०
	गीर्याञ्चकार	गीर्याञ्चकृव	गीर्याञ्चकृम	उ०
(पक्षे)	गीर्यामास,	गीर्यायाम्बभूव आदि		
लृट् (पर०)	गीरिता	गीरितारौ	गीरितारः	प्र०
	गीरितासि	गीरितास्थः	गीरितास्थ	म०
	गीरितास्मि	गीरितास्वः	गीरितास्मः	उ०

लृट् (पर०)	गीरिष्यति	गीरिष्यतः	गीरिष्यन्ति	प्र०
	गीरिष्यसि	गीरिष्यथः	गीरिष्यथ	म०
	गीरिष्यामि	गीरिष्यावः	गीरिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	गीर्यतु-तात्	गीर्यताम्	गीर्यन्तु	प्र०
	गीर्य-तात्	गीर्यतम्	गीर्यत	म०
	गीर्यानि	गीर्याव	गीर्याम	उ०
लङ् (पर०)	अगीर्यत्	अगीर्यताम्	अगीर्यन्	प्र०
	अगीर्यः	अगीर्यतम्	अगीर्यत	म०
	अगीर्यम्	अगीर्याव	अगीर्याम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	गीर्येत्	गीर्येताम्	गीर्येयुः	प्र०
	गीर्येः	गीर्येतम्	गीर्येत	म०
	गीर्येयम्	गीर्येव	गीर्येम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	गीर्यात्	गीर्यास्ताम्	गीर्यासुः	प्र०
	गीर्याः	गीर्यास्तम्	गीर्यास्त	म०
	गीर्यासम्	गीर्यास्व	गीर्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अगीरीत्	अगीरिष्टाम्	अगीरिषुः	प्र०
	अगीरीः	अगीरिष्टम्	अगीरिष्ट	म०
	अगीरिषम्	अगीरिष्व	अगीरिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अगीरिष्यत्	अगीरिष्यताम्	अगीरिष्यन्	प्र०
	अगीरिष्यः	अगीरिष्यतम्	अगीरिष्यत	म०
	अगीरिष्यम्	अगीरिष्याव	अगीरिष्याम	उ०

4. "पूर्य" धातु

लट् (पर०)	पूर्यति	पूर्यतः	पूर्यन्ति	प्र०
	पूर्यसि	पूर्यथः	पूर्यथ	म०
	पूर्यामि	पूर्यावः	पूर्यामः	उ०
लिट् (पर०)	पूर्याञ्चकार	पूर्याञ्चक्रतुः	पूर्याञ्चक्रुः	प्र०
	पूर्याञ्चकर्थ	पूर्याञ्चक्रथुः	पूर्याञ्चक्र	म०
	पूर्याञ्चकार	पूर्याञ्चकृव	पूर्याञ्चकृम	उ०
(पक्षे)	पूर्यामास,	पूर्याम्बभूव आदि		

लृट् (पर०)	पूरिता	पूरितारौ	पूरितारः	प्र०
	पूरितासि	पूरितास्थः	पूरितास्थ	म०
	पूरितास्मि	पूरितास्वः	पूरितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	पूरिष्यति	पूरिष्यतः	पूरिष्यन्ति	प्र०
	पूरिष्यसि	पूरिष्यथः	पूरिष्यथ	म०
	पूरिष्यामि	पूरिष्यावः	पूरिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	पूर्यतु-तात्	पूर्यताम्	पूर्यन्तु	प्र०
	पूर्य-तात्	पूर्यतम्	पूर्यत	म०
	पूर्याणि	पूर्याव	पूर्याम	उ०
लङ् (पर०)	अपूर्यत्	अपूर्यताम्	अपूर्यन्	प्र०
	अपूर्यः	अपूर्यतम्	अपूर्यत	म०
	अपूर्यम्	अपूर्याव	अपूर्याम	उ०
विधि-लिङ्	पूर्येत्	पूर्यताम्	पूर्येयुः	प्र०
(पर०)	पूर्येः	पूर्येतम्	पूर्येत	म०
	पूर्येयम्	पूर्येव	पूर्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	पूर्यात्	पूर्यास्ताम्	पूर्यासुः	प्र०
(पर०)	पूर्याः	पूर्यास्तम्	पूर्यास्त	म०
	पूर्यासम्	पूर्यास्व	पूर्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अपूरीत्	अपूरिष्टाम्	अपूरिषुः	प्र०
	अपूरीः	अपूरिष्टम्	अपूरिष्ट	म०
	अपूरिषम्	अपूरिष्व	अपूरिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अपूरिष्यत्	अपूरिष्यताम्	अपूरिष्यन्	प्र०
	अपूरिष्यः	अपूरिष्यतम्	अपूरिष्यत	म०
	अपूरिष्यम्	अपूरिष्याव	अपूरिष्याम	उ०

5. “दिव्य” धातु

लट् (पर०)	दिव्यति	दिव्यतः	दिव्यन्ति	प्र०
	दिव्यसि	दिव्यथः	दिव्यथ	म०
	दिव्यामि	दिव्यावः	दिव्यामः	उ०
लिट् (पर०)	दिव्यांचकार	दिव्यांचक्रतुः	दिव्यांचक्रुः	प्र०
	दिव्यांचकर्थ	दिव्यांचक्रथुः	दिव्यांचक्र	म०
	दिव्यांचकार	दिव्यांचकृव	दिव्यांचकृम	उ०

(पक्षे)	दिव्यामास,	दिव्याम्बभूव आदि		
लुट् (पर०)	दिविता	दिवितारौ	दिवितारः	प्र०
	दिवितासि	दिवितास्थः	दिवितास्थ	म०
	दिवितास्मि	दिवितास्वः	दिवितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	दिविष्यति	दिविष्यतः	दिविष्यन्ति	प्र०
	दिविष्यसि	दिविष्यथः	दिविष्यथ	म०
	दिविष्यामि	दिविष्यावः	दिविष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	दिव्यतु-तात्	दिव्यताम्	दिव्यन्तु	प्र०
	दिव्य-तात्	दिव्यतम्	दिव्यत	म०
	दिव्यानि	दिव्याव	दिव्याम	उ०
लङ् (पर०)	अदिव्यत्	अदिव्यताम्	अदिव्यन्	प्र०
	अदिव्यः	अदिव्यतम्	अदिव्यत	म०
	अदिव्यम्	अदिव्याव	अदिव्याम	उ०
विधि-लिङ्	दिव्येत्	दिव्येताम्	दिव्येयुः	प्र०
(पर०)	दिव्येः	दिव्येतम्	दिव्येत	म०
	दिव्येयम्	दिव्येव	दिव्येम	उ०
आशिप्-लिङ्	दिव्यात्	दिव्यास्ताम्	दिव्यासुः	प्र०
(पर०)	दिव्याः	दिव्यास्तम्	दिव्यास्त	म०
	दिव्यासम्	दिव्यास्व	दिव्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अदिवीत्	अदिविष्टाम्	अदिविषुः	प्र०
	अदिवीः	अदिविष्टम्	अदिविष्ट	म०
	अदिविषम्	अदिविष्व	अदिविष्म	उ०
(पक्षे)	अदिव्यीत्,	अदिव्यिष्टाम्,	अदिव्यिषुः इत्यादि	
लृङ् (पर०)	अदिविष्यत्	अदिविष्यताम्	अदिविष्यन्	प्र०
	अदिविष्यः	अदिविष्यतम्	अदिविष्यत	म०
	अदिविष्यम्	अदिविष्याव	अदिविष्याम	उ०
(पक्षे)	अदिविष्यत्,	अदिविष्यताम् इत्यादि		

6. "समिधय" धातु

लट् (पर०)	समिध्यति	समिध्यतः	समिध्यन्ति	प्र०
	समिध्यसि	समिध्यथः	समिध्यथ	म०
	समिध्यामि	समिध्यावः	समिध्यामः	उ०

लिट् (पर०)	समिध्यांचकार	समिध्यांचक्रतुः	समिध्यांचक्रुः	प्र०
	समिध्यांचकर्थ	समिध्यांचक्रथुः	समिध्यांचक्र	म०
	समिध्यांचकार	समिध्यांचकृव	समिध्यांचकृम	उ०
(पक्षे)	समिध्यामास,	समिध्याम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	समिधिता	समिधितारौ	समिधितारः	प्र०
	समिधितासि	समिधितास्थः	समिधितास्थ	म०
	समिधितास्मि	समिधितास्वः	समिधितास्मः	उ०
(पक्षे)	समिध्यता,	समिध्यतारौ,	समिध्यतारः इत्यादि	
लृट् (पर०)	समिधिष्यति	समिधिष्यतः	समिधिष्यन्ति	प्र०
	समिधिष्यसि	समिधिष्यथः	समिधिष्यथ	म०
	समिधिष्यामि	समिधिष्यावः	समिधिष्यामः	उ०
(पक्षे)	समिध्यिष्यति,	समिध्यिष्यतः	समिधिष्यन्ति आदि	
लोट् (पर०)	समिध्यतु-तात्	समिध्यताम्	समिध्यन्तु	प्र०
	समिध्य-तात्	समिध्यतम्	समिध्यत	म०
	समिध्यानि	समिध्याव	समिध्याम	उ०
लङ् (पर०)	असमिध्यत्	असमिध्यताम्	असमिध्यन्	प्र०
	असमिध्यः	असमिध्यतम्	असमिध्यत	म०
	असमिध्यम्	असमिध्याव	असमिध्याम	उ०
विधि-लिङ्	समिध्येत्	समिध्येताम्	समिध्येयुः	प्र०
(पर०)	समिध्येः	समिध्येतम्	समिध्येत	म०
	समिध्येयम्	समिध्येव	समिध्येम	उ०
आशिष्-लिङ्	समिध्यात्	समिध्यास्ताम्	समिध्यासुः	प्र०
(पर०)	समिध्याः	समिध्यास्तम्	समिध्यास्त	म०
	समिध्यासम्	समिध्यास्व	समिध्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	असमिधीत्	असमिधिष्याम्	असमिधिषुः	प्र०
	असमिधीः	असमिधिष्यम्	असमिधिष्य	म०
	असमिधिषम्	असमिधिष्व	असमिधिष्म	उ०
(पक्षे)	असमिधीत्	असमिध्यिष्यताम्	असमिध्यिषुः इत्यादि	
लृङ् (पर०)	असमिधिष्यत्	असमिधिष्यताम्	असमिधिष्यन्	प्र०
	असमिधिष्यः	असमिधिष्यतम्	असमिधिष्यत	म०
	असमिधिष्यम्	असमिधिष्याव	असमिधिष्याम	उ०
(पक्षे)	असमिधिष्यतु,	असमिध्यिष्याम्,	असमिध्यिष्यन् इत्यादि	

7. “पुत्रकाम्य” धातु

लट् (पर०)	पुत्रकाम्यति	पुत्रकाम्यतः	पुत्रकाम्यन्ति	प्र०
	पुत्रकाम्यसि	पुत्रकाम्यथः	पुत्रकाम्यथ	म०
	पुत्रकाम्यामि	पुत्रकाम्यावः	पुत्रकाम्यामः	उ०
लिट् (पर०)	पुत्रकाम्यांचकार	पुत्रकाम्यांचक्रतुः	पुत्रकाम्यांचक्रुः	प्र०
	पुत्रकाम्यांचकर्थ	पुत्रकाम्यांचक्रथुः	पुत्रकाम्यांचक्र	म०
	पुत्रकाम्यांचकार	पुत्रकाम्यांचकृव	पुत्रकाम्यांचकृम	उ०
(पक्षे)	पुत्रकाम्यामास,	पुत्रकाम्याम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	पुत्रकाम्यिता	पुत्रकाम्यितारौ	पुत्रकाम्यितारः	प्र०
	पुत्रकाम्यितासि	पुत्रकाम्यितास्थः	पुत्रकाम्यितास्थ	म०
	पुत्रकाम्यितास्मि	पुत्रकाम्यितास्वः	पुत्रकाम्यितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	पुत्रकाम्यिष्यति	पुत्रकाम्यिष्यतः	पुत्रकाम्यिष्यन्ति	प्र०
	पुत्रकाम्यिष्यसि	पुत्रकाम्यिष्यथः	पुत्रकाम्यिष्यथ	म०
	पुत्रकाम्यिष्यामि	पुत्रकाम्यिष्यावः	पुत्रकाम्यिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	पुत्रकाम्यतु-तात्	पुत्रकाम्यताम्	पुत्रकाम्यन्तु	प्र०
	पुत्रकाम्य-तात्	पुत्रकाम्यतम्	पुत्रकाम्यत	म०
	पुत्रकाम्यानि	पुत्रकाम्याव	पुत्रकाम्याम	उ०
लङ् (पर०)	अपुत्रकाम्यत्	अपुत्रकाम्यताम्	अपुत्रकाम्यन्	प्र०
	अपुत्रकाम्यः	अपुत्रकाम्यतम्	अपुत्रकाम्यत	म०
	अपुत्रकाम्यम्	अपुत्रकाम्याव	अपुत्रकाम्याम	उ०
विधि-लिट्	पुत्रकाम्येत्	पुत्रकाम्येताम्	पुत्रकाम्येयुः	प्र०
(पर०)	पुत्रकाम्येः	पुत्रकाम्येतम्	पुत्रकाम्येत	म०
	पुत्रकाम्येयम्	पुत्रकाम्येव	पुत्रकाम्येम	उ०
आशिष्-लिट्.	पुत्रकाम्यात्	पुत्रकाम्यास्ताम्	पुत्रकाम्यासुः	प्र०
(पर०)	पुत्रकाम्याः	पुत्रकाम्यास्तम्	पुत्रकाम्यास्त	म०
	पुत्रकाम्यासम्	पुत्रकाम्यास्व	पुत्रकाम्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अपुत्रकाम्यीत्	अपुत्रकाम्यिष्टाम्	अपुत्रकाम्यिषुः	प्र०
	अपुत्रकाम्यीः	अपुत्रकाम्यिष्टम्	अपुत्रकाम्यिष्ट	म०
	अपुत्रकाम्यिषम्	अपुत्रकाम्यिष्व	अपुत्रकाम्यिष्व	उ०

लृङ् (पर०)	अपुत्रकाम्यिष्यत्	अपुत्रकाम्यिष्यताम्	अपुत्रकाम्यिष्यन्	प्र०
	अपुत्रकाम्यिष्यः	अपुत्रकाम्यिष्यतम्	अपुत्रकाम्यिष्यत	म०
	अपुत्रकाम्यिष्यम्	अपुत्रकाम्यिष्याव	अपुत्रकाम्यिष्याम	उ०

8. “विष्णूय” धातु

लट् (पर०)	विष्णूयति	विष्णूयतः	विष्णूयन्ति	प्र०
	विष्णूयसि	विष्णूयथः	विष्णूयथ	म०
	विष्णूयामि	विष्णूयावः	विष्णूयामः	उ०
लिट् (पर०)	विष्णूयांचकार	विष्णूयांचक्रतुः	विष्णूयांचक्रुः	प्र०
	विष्णूयांचकर्थ	विष्णूयांचक्रथुः	विष्णूयांचक्र	म०
	विष्णूयांचकार	विष्णूयांचकृव	विष्णूयांचकृम	उ०
(पक्षे)	विष्णूयामास,	विष्णूयाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	विष्णूयिता	विष्णूयितारौ	विष्णूयितारः	प्र०
	विष्णूयितासि	विष्णूयितास्थः	विष्णूयितास्थ	म०
	विष्णूयितास्मि	विष्णूयितास्वः	विष्णूयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	विष्णूयिष्यति	विष्णूयिष्यतः	विष्णूयिष्यन्ति	प्र०
	विष्णूयिष्यसि	विष्णूयिष्यथः	विष्णूयिष्यथ	म०
	विष्णूयिष्यामि	विष्णूयिष्यावः	विष्णूयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	विष्णूयतु-तात्	विष्णूयताम्	विष्णूयन्तु	प्र०
	विष्णूय-तात्	विष्णूयतम्	विष्णूयत	म०
	विष्णूयानि	विष्णूयाव	विष्णूयाम	उ०
लङ् (पर०)	अविष्णूयत्	अविष्णूयताम्	अविष्णूयन्	प्र०
	अविष्णूयः	अविष्णूयतम्	अविष्णूयत	म०
	अविष्णूयम्	अविष्णूयाव	अविष्णूयाम	उ०
विधि-लिट्	विष्णूयेत्	विष्णूयेताम्	विष्णूयेयुः	प्र०
(पर०)	विष्णूयेः	विष्णूयेतम्	विष्णूयेत	म०
	विष्णूयेयम्	विष्णूयेव	विष्णूयेम	उ०
आशिष्-लिट्	विष्णूय्यात्	विष्णूय्यास्ताम्	विष्णूय्यासुः	प्र०
(पर०)	विष्णूय्याः	विष्णूय्यास्तम्	विष्णूय्यास्त	म०
	विष्णूय्यासम्	विष्णूय्यास्व	विष्णूय्यास्म	उ०

लुङ् (पर०)	अविष्णूयीत्	अविष्णूयिष्टाम्	अविष्णूयिषुः	प्र०
	अविष्णूयीः	अविष्णूयिष्टम्	अविष्णूयिष्ट	म०
	अविष्णूयिषम्	अविष्णूयिष्व	अविष्णूयिष्व	उ०
लृङ् (पर०)	अविष्णूयिष्यत्	अविष्णूयिष्यताम्	अविष्णूयिष्यन्	प्र०
	अविष्णूयिष्यः	अविष्णूयिष्यतम्	अविष्णूयिष्यत	म०
	अविष्णूयिष्यम्	अविष्णूयिष्याव	अविष्णूयिष्याम	उ०

9. "कृष्ण" धातु

लट् (पर०)	कृष्णति	कृष्णतः	कृष्णन्ति	प्र०
	कृष्णसि	कृष्णथः	कृष्णथ	म०
	कृष्णामि	कृष्णावः	कृष्णामः	उ०
लिट् (पर०)	कृष्णांचकार	कृष्णांचक्रतुः	कृष्णांचक्रुः	प्र०
	कृष्णांचकर्थ	कृष्णांचक्रथुः	कृष्णांचक्र	म०
	कृष्णांचकार	कृष्णांचकृव	कृष्णांचकृम	उ०
एवं	कृष्णामास,	कृष्णाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	कृष्णिता	कृष्णितारौ	कृष्णितारः	प्र०
	कृष्णितासि	कृष्णितास्थः	कृष्णितास्थ	म०
	कृष्णितास्मि	कृष्णितास्वः	कृष्णितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	कृष्णिष्यति	कृष्णिष्यतः	कृष्णिष्यन्ति	प्र०
	कृष्णिष्यसि	कृष्णिष्यथः	कृष्णिष्यथ	म०
	कृष्णिष्यामि	कृष्णिष्यावः	कृष्णिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	कृष्णतु-तात्	कृष्णताम्	कृष्णन्तु	प्र०
	कृष्ण-तात्	कृष्णतम्	कृष्णत	म०
	कृष्णानि	कृष्णाव	कृष्णाम	उ०
लङ् (पर०)	अकृष्णत्	अकृष्णताम्	अकृष्णन्	प्र०
	अकृष्णः	अकृष्णतम्	अकृष्णत	म०
	अकृष्णम्	अकृष्णाव	अकृष्णाम	उ०
विध्नि-लङ्	कृष्णोत्	कृष्णोताम्	कृष्णोयुः	प्र०
(पर०)	कृष्णोः	कृष्णोतम्	कृष्णोत	म०
	कृष्णोयम्	कृष्णोव	कृष्णोम	उ०

आशिष्-लिङ् (पर०)	कृष्ण्यात् कृष्ण्याः कृष्ण्यासम्	कृष्ण्यास्ताम् कृष्ण्यास्तम् कृष्ण्यास्व	कृष्ण्यासुः कृष्ण्यास्त कृष्ण्यास्म	प्र० म० उ०
लुङ् (पर०)	अकृष्णीत् अकृष्णीः अकृष्णिषम्	अकृष्णिष्टाम् अकृष्णिष्टम् अकृष्णिष्व	अकृष्णिषुः अकृष्णिष्ट अकृष्णिष्म	प्र० म० उ०
लृङ् (पर०)	अकृष्णिष्यत् अकृष्णिष्यः अकृष्णिष्यम्	अकृष्णिष्यताम् अकृष्णिष्यतम् अकृष्णिष्याव	अकृष्णिष्यन् अकृष्णिष्यत अकृष्णिष्याम	प्र० म० उ०
10. "स्व" धातु				
लट् (पर०)	स्वति स्वसि स्वामि	स्वतः स्वथः स्वावः	स्वन्ति स्वथ स्वामः	प्र० म० उ०
लिट् (पर०)	सस्वौ सस्वथ सस्वौ	सस्वतुः सस्वथुः सस्विव	सस्वुः सस्वथ सस्विम	प्र० म० उ०
लुट् (पर०)	स्विता स्वितासि स्वितास्मि	स्वितारौ स्वितास्थः स्वितास्वः	स्वितारः स्वितास्थ स्वितास्मः	प्र० म० उ०
लृट् (पर०)	स्विष्यति स्विष्यसि स्विष्यामि	स्विष्यतः स्विष्यथः स्विष्यावः	स्विष्यन्ति स्विष्यथ स्विष्यामः	प्र० म० उ०
लोट् (पर०)	स्वतु-तात् स्व-तात् स्वानि	स्वताम् स्वतम् स्वाव	स्वन्तु स्वत स्वाम	प्र० म० उ०
लङ् (पर०)	अस्वत् अस्वः अस्वम्	अस्वताम् अस्वतम् अस्वाव	अस्वन् अस्वत अस्वाम	प्र० म० उ०
विधि-लिङ् (पर०)	स्वेत् स्वेः स्वेयम्	स्वेताम् स्वेतम् स्वेव	स्वेयुः स्वेत स्वेम	प्र० म० उ०

आशिष्-लिङ्	स्व्यात्	स्व्यास्ताम्	स्व्यासुः	प्र०
(पर०)	स्व्याः	स्व्यास्तम्	स्व्यास्त	म०
	स्व्यासम्	स्व्यास्व	स्व्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अस्वीत्	अस्विष्टाम्	अस्विषुः	प्र०
	अस्वीः	अस्विष्टम्	अस्विष्ट	म०
	अस्विषम्	अस्विष्व	अस्विष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अस्विष्यत्	अस्विष्यताम्	अस्विष्यन्	प्र०
	अस्विष्यः	अस्विष्यतम्	अस्विष्यत	म०
	अस्विष्यम्	अस्विष्याव	अस्विष्याम	उ०

11. “इदम्” धातु

लट् (पर०)	इदामति	इदामतः	इदामन्ति	प्र०
	इदामसि	इदामथः	इदामथ	म०
	इदामामि	इदामावः	इदामामः	उ०
लिट् (पर०)	इदामांचकार	इदामांचक्रतुः	इदामांचक्रुः	प्र०
	इदामांचकर्थ	इदामांचक्रथुः	इदामांचक्र	म०
	इदामांचकार	इदामांचकृव	इदामांचकृम	उ०
एवं	इदामास,	इदामाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	इदामिता	इदामितारौ	इदामितारः	प्र०
	इदामितासि	इदामितास्थः	इदामितास्थ	म०
	इदामितास्मि	इदामितास्वः	इदामितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	इदामिष्यति	इदामिष्यतः	इदामिष्यन्ति	प्र०
	इदामिष्यसि	इदामिष्यथः	इदामिष्यथ	म०
	इदामिष्यामि	इदामिष्यावः	इदामिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	इदामतु-तात्	इदामताम्	इदामन्तु	प्र०
	इदाम-तात्	इदामतम्	इदामत	म०
	इदामानि	इदामाव	इदामाम	उ०
लङ् (पर०)	ऐदामत्	ऐदामताम्	ऐदामन्	प्र०
	ऐदामः	ऐदामतम्	ऐदामत	म०
	ऐदामम्	ऐदामाव	ऐदा गम	उ०

विधि-लिङ्	इदामेत्	इदामेताम्	इदामेयुः	१०
(पर०)	इदामेः	इदामेतम्	इदामेत	म०
	इदामेयम्	इदामेव	इदामेम	उ०
आशिष्-लिङ्	इदाम्यात्	इदाम्यास्ताम्	इदाम्यासुः	प्र०
(पर०)	इदाम्याः	इदाम्यास्तम्	इदाम्यास्त	म०
	इदाम्यासम्	इदाम्यास्व	इदाम्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	ऐदामीत्	ऐदामिष्टाम्	ऐदामिषुः	प्र०
	ऐदामीः	ऐदामिष्टम्	ऐदामिष्ट	म०
	ऐदामिषम्	ऐदामिष्व	ऐदामिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	ऐदामिष्यत्	ऐदामिष्यताम्	ऐदामिष्यन्	प्र०
	ऐदामिष्यः	ऐदामिष्यतम्	ऐदामिष्यत	म०
	ऐदामिष्यम्	ऐदामिष्याव	ऐदामिष्याम	उ०

12. “राजन्” धातु

लट् (पर०)	राजानति	राजानतः	राजानन्ति	प्र०
	राजानसि	राजानथः	राजानथ	म०
	राजानामि	राजानावः	राजानामः	उ०
लिट् (पर०)	राजानांचकार	राजानांचक्रतुः	राजानांचक्रुः	प्र०
	राजानांचकर्थ	राजानांचक्रथुः	राजानांचक्र	म०
	राजानांचकार	राजानांचकृव	राजानांचकृम	उ०
एवं	राजानामास,	राजानाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	राजानिता	राजानितारौ	राजानितारः	प्र०
	राजानितासि	राजानितास्थः	राजानितास्थ	म०
	राजानितास्मि	राजानितास्वः	राजानितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	राजानिष्यति	राजानिष्यतः	राजानिष्यन्ति	प्र०
	राजानिष्यसि	राजानिष्यथः	राजानिष्यथ	म०
	राजानिष्यामि	राजानिष्यावः	राजानिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	राजानतु-तात्	राजानताम्	राजानन्तु	प्र०
	राजान-तात्	राजानतम्	राजानत	म०
	राजानानि	राजानाव	राजानाम	उ०

लङ् (पर०)	अराजानत्	अराजानताम्	अराजानन्	प्र०
	अराजानः	अराजानतम्	अराजानत	म०
	अराजानम्	अराजानाव	अराजानाम	उ०
विधि-लिङ्	राजानेत्	राजानेताम्	राजानेयुः	प्र०
(पर०)	राजानेः	राजानेतम्	राजानेत	म०
	राजानेयम्	राजानेव	राजानेम	उ०
आशिष्-लिङ्	राजान्यात्	राजान्यास्ताम्	राजान्यासुः	प्र०
(पर०)	राजान्याः	राजान्यास्तम्	राजान्यास्त	म०
	राजान्यासम्	राजान्यास्व	राजान्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अराजानीत्	अराजानिष्टाम्	अराजानिषुः	प्र०
	अराजानीः	अराजानिष्टम्	अराजानिष्ट	म०
	अराजानिषम्	अराजानिष्व	अराजानिष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अराजानिष्यत्	अराजानिष्यताम्	अराजानिष्यन्	प्र०
	अराजानिष्यः	अराजानिष्यतम्	अराजानिष्यत	म०
	अराजानिष्यम्	अराजानिष्याव	अराजानिष्याम	उ०

13. “कष्टाय” धातु

लट् (पर०)	कष्टायते	कष्टायेते	कष्टायन्ते	प्र०
	कष्टायसे	कष्टायेथे	कष्टायध्वे	म०
	कष्टाये	कष्टायावहे	कष्टायामहे	उ०
लिट् (पर०)	कष्टायांचक्रे	कष्टायांचक्राते	कष्टायांचक्रिरे	प्र०
	कष्टायांचकृषे	कष्टायांचक्राथे	कष्टायांचकृध्वे	म०
	कष्टायांचक्रे	कष्टायांचकृवहे	कष्टायांचकृमहे	उ०
एवं	कष्टायामास,	कष्टायाम्बभूव	इत्यादि	
लुट् (पर०)	कष्टायिता	कष्टायितारौ	कष्टायितारः	प्र०
	कष्टायितासे	कष्टायितासाथे	कष्टायिताध्वे	म०
	कष्टायिताहे	कष्टायितास्वहे	कष्टायितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	कष्टायिष्यते	कष्टायिष्येते	कष्टायिष्यन्ते	प्र०
	कष्टायिष्यसे	कष्टायिष्येथे	कष्टायिष्यध्वे	म०
	कष्टायिष्ये	कष्टायिष्यावहे	कष्टायिष्यामहे	उ०

लोट् (पर०)	कष्टायताम्	कष्टायेताम्	कष्टायन्ताम्	प्र०
	कष्टायस्व	कष्टायेथाम्	कष्टायध्वम्	म०
	कष्टायै	कष्टायावहै	कष्टायामहै	उ०
लङ् (पर०)	अकष्टायत	अकष्टायेताम्	अकष्टायन्त	प्र०
	अकष्टायथाः	अकष्टायेथाम्	अकष्टायध्वम्	म०
	अकष्टाये	अकष्टायावहि	अकष्टायामहि	उ०
विधि-लिट्	कष्टायेत	कष्टायेयाताम्	कष्टायेरन्	प्र०
(पर०)	कष्टायेथाः	कष्टायेयाथाम्	कष्टायेध्वम्	म०
	कष्टायेय	कष्टायेवहि	कष्टायेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	कष्टायिषीष्ट	कष्टायिषीयास्ताम्	कष्टायिषीरन्	प्र०
(पर०)	कष्टायिषीष्ठाः	कष्टायिषीयास्थाम्	कष्टायिषीध्वम्	म०
	कष्टायिषीय	कष्टायिषीवहि	कष्टायिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अकष्टायिष्ट	अकष्टायिषाताम्	अकष्टायिषत	प्र०
	अकष्टायिष्ठाः	अकष्टायिषाताम्	अकष्टायिषीध्वम्	म०
	अकष्टायिषि	अकष्टायिष्वहि	अकष्टायिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अकष्टायिष्यत	अकष्टायिष्येताम्	अकष्टायिष्यन्त	प्र०
	अकष्टायिष्यथाः	अकष्टायिष्येथाम्	अकष्टायिष्यध्वम्	म०
	अकष्टायिष्ये	अकष्टायिष्यावहि	अकष्टायिष्यामहि	उ०

14. "शब्दाय" धातु

लट् (पर०)	शब्दायते	शब्दायेते	शब्दायन्ते	प्र०
	शब्दायसे	शब्दायेथे	शब्दायध्वे	म०
	शब्दाये	शब्दायावहे	शब्दायामहे	उ०
लिट् (पर०)	शब्दायांचक्रे	शब्दायांचक्राते	शब्दायांचक्रिरे	प्र०
	शब्दायांचकृषे	शब्दायांचक्राथे	शब्दायांचकृध्वे	म०
	शब्दायांचक्रे	शब्दायांचकृवहे	शब्दायांचकृमहे	उ०
एवं	शब्दायामास,	शब्दायाम्बभूव इत्यादि		
लुट् (पर०)	शब्दायिता	शब्दायितारौ	शब्दायितारः	प्र०
	शब्दायितासे	शब्दायितासाथे	शब्दायिताध्वे	म०
	शब्दायिताहे	शब्दायितास्वहे	शब्दायितास्महे	उ०

लृट् (पर०)	शब्दायिष्यते	शब्दायिष्येते	शब्दायिष्यन्ते	प्र०
	शब्दायिष्यसे	शब्दायिष्येथे	शब्दायिष्यध्वे	म०
	शब्दायिष्ये	शब्दायिष्यावहे	शब्दायिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	शब्दायताम्	शब्दायेताम्	शब्दायन्ताम्	प्र०
	शब्दायस्व	शब्दायेथाम्	शब्दायध्वम्	म०
	शब्दायै	शब्दायावहै	शब्दायामहै	उ०
लङ् (पर०)	अशब्दायत	अशब्दायेताम्	अशब्दायन्त	प्र०
	अशब्दायथाः	अशब्दायेथाम्	अशब्दायध्वम्	म०
	अशब्दाये	अशब्दायावहि	अशब्दायामहि	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	शब्दायेत	शब्दायेयाताम्	शब्दायेरन्	प्र०
	शब्दायेथाः	शब्दायेयाथाम्	शब्दायेध्वम्	म०
	शब्दायेय	शब्दायेवहि	शब्दायेमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	शब्दायिषीष्ट	शब्दायिषीयास्ताम्	शब्दायिषीरन्	प्र०
	शब्दायिषीष्ठाः	शब्दायिषीयास्थाम्	शब्दायिषीध्वम्	म०
	शब्दायिषीय	शब्दायिषीवहि	शब्दायिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अशब्दायिष्ट	अशब्दायिषाताम्	अशब्दायिषत	प्र०
	अशब्दायिष्ठाः	अशब्दायिषाताम्	अशब्दायिषीद्वम्	म०
	अशब्दायिषि	अशब्दायिष्वहि	अशब्दायिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अशब्दायिष्यत	अशब्दायिष्येताम्	अशब्दायिष्यन्त	प्र०
	अशब्दायिष्यथाः	अशब्दायिष्येथाम्	अशब्दायिष्यध्वम्	म०
	अशब्दायिष्ये	अशब्दायिष्यावहि	अशब्दायिष्यामहि	उ०

15. "घटि" धातु

लट् (पर०)	घटयति	घटयतः	घटयन्ति	प्र०
	घटयसि	घटयथः	घटयथ	म०
	घटयामि	घटयावः	घटयामः	उ०
लिट् (पर०)	घटयांचकार	घटयांचक्रतुः	घटयांचक्रुः	प्र०
	घटयांचकर्थं	घटयांचक्रथुः	घटयांचक्र	म०
	घटयांचकार	घटयांचकृव	घटयांचकृम	उ०
(पक्षे)	घटयामास,	घटयाम्बभूव	इत्यादि	

लृट् (पर०)	घटयिता	घटयितारौ	घटयितारः	प्र०
	घटयितासि	घटयितास्थः	घटयितास्थ	म०
	घटयितास्मि	घटयितास्वः	घटयितास्मः	उ०
लृट् (पर०)	घटयिष्यति	घटयिष्यतः	घटयिष्यन्ति	प्र०
	घटयिष्यसि	घटयिष्यथः	घटयिष्यथ	म०
	घटयिष्यामि	घटयिष्यावः	घटयिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	घटयतु-तात्	घटयताम्	घटयन्तु	प्र०
	घटय-तात्	घटयतम्	घटयत	म०
	घटयामि	घटयाव	घटयाम	उ०
लङ् (पर०)	अघटयत्	अघटयताम्	अघटयन्	प्र०
	अघटयः	अघटयतम्	अघटयत	म०
	अघटयम्	अघटयाव	अघटयाम	उ०
विधि-लिङ्	घटयेत्	घटयेताम्	घटयेयुः	प्र०
(पर०)	घटयेः	घटयेतम्	घटयेत	म०
	घटयेयम्	घटयेव	घटयेम	उ०
आशिष्-लिङ्	घट्यात्	घट्यास्ताम्	घट्यासुः	प्र०
(पर०)	घट्याः	घट्यास्तम्	घट्यास्त	म०
	घट्यासम्	घट्यास्व	घट्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अजघटत्	अजघटताम्	अजघटन्	प्र०
	अजघटः	अजघटतम्	अजघटत	म०
	अजघटम्	अजघटाव	अजघटाम	उ०
लृङ् (पर०)	अघटयिष्यत्	अघटयिष्यताम्	अघटयिष्यन्	प्र०
	अघटयिष्यः	अघटयिष्यतम्	अघटयिष्यत	म०
	अघटयिष्यम्	अघटयिष्याव	अघटयिष्याम	उ०

कण्ड्वादिप्रक्रिया

1. “कण्डू” धातु

लट् (पर०)	कण्डूयति	कण्डूयतः	कण्डूयन्ति	प्र०
	कण्डूयसि	कण्डूयथः	कण्डूयथ	म०
	कण्डूयामि	कण्डूयावः	कण्डूयामः	उ०

(आ०)	कण्डूयते	कण्डूयेते	कण्डूयन्ते	प्र०
	कण्डूयसे	कण्डूयेथे	कण्डूयध्वे	म०
	कण्डूये	कण्डूयावहे	कण्डूयामहे	उ०
लिट् (पर०)	कण्डूयांचकार	कण्डूयांचक्रतुः	कण्डूयांचक्रुः	प्र०
	कण्डूयांचकर्थ	कण्डूयांचक्रथुः	कण्डूयांचक्र	म०
	कण्डूयांचकार	कण्डूयांचकृव	कण्डूयांचकृम	उ०
(पक्षे)	कण्डूयामास,	कण्डूयाम्बभूव इत्यादि		
(आ०)	कण्डूयांचक्रे	कण्डूयांचक्राते	कण्डूयांचक्रिरे	प्र०
	कण्डूयांचकृषे	कण्डूयांचक्राथे	कण्डूयांचकृद्वे	म०
	कण्डूयांचक्रे	कण्डूयांचकृवहे	कण्डूयांचकृमहे	उ०
लुट् (पर०)	कण्डूयिता	कण्डूयितारौ	कण्डूयितारः	प्र०
	कण्डूयितासि	कण्डूयितास्थः	कण्डूयितास्थ	म०
	कण्डूयितास्मि	कण्डूयितास्वः	कण्डूयितास्मः	उ०
(आ०)	कण्डूयिता	कण्डूयितारौ	कण्डूयितारः	प्र०
	कण्डूयितासे	कण्डूयितासाथे	कण्डूयिताध्वे	म०
	कण्डूयिताहे	कण्डूयितास्वहे	कण्डूयितास्महे	उ०
लृट् (पर०)	कण्डूयिष्यति	कण्डूयिष्यतः	कण्डूयिष्यन्ति	प्र०
	कण्डूयिष्यसि	कण्डूयिष्यथः	कण्डूयिष्यथ	म०
	कण्डूयिष्यामि	कण्डूयिष्यावः	कण्डूयिष्यामः	उ०
(आ०)	कण्डूयिष्यते	कण्डूयिष्येते	कण्डूयिष्यन्ते	प्र०
	कण्डूयिष्यसे	कण्डूयिष्येथे	कण्डूयिष्यध्वे	म०
	कण्डूयिष्ये	कण्डूयिष्यावहे	कण्डूयिष्यामहे	उ०
लोट् (पर०)	कण्डूयतु-तात्	कण्डूयताम्	कण्डूयन्तु	प्र०
	कण्डूय-तात्	कण्डूयतम्	कण्डूयत	म०
	कण्डूयानि	कण्डूयाव	कण्डूयाम	उ०
(आ०)	कण्डूयताम्	कण्डूयेताम्	कण्डूयन्ताम्	प्र०
	कण्डूयस्व	कण्डूयेथाम्	कण्डूयध्वम्	म०
	कण्डूयै	कण्डूयावहै	कण्डूयामहै	उ०
लङ् (पर०)	अकण्डूयत	अकण्डूयेताम्	अकण्डूयन्त	प्र०
	अकण्डूयथाः	अकण्डूयेथाम्	अकण्डूयध्वम्	म०
	अकण्डूये	अकण्डूयावहि	अकण्डूयामहि	उ०

(आ०)	अकण्डूयत	अकण्डूयेताम्	अकण्डूयन्त	प्र०
	अकण्डूयथाः	अकण्डूयेथाम्	अकण्डूयध्वम्	म०
	अकण्डूये	अकण्डूयावहि	अकण्डूयामहि	उ०
विधि-लिङ्	कण्डूयेत्	कण्डूयेताम्	कण्डूयेयुः	प्र०
(पर०)	कण्डूयेः	कण्डूयेतम्	कण्डूयेत	म०
	कण्डूयेयम्	कण्डूयेव	कण्डूयेम	उ०
(आ०)	कण्डूयेत	कण्डूयेयाताम्	कण्डूयेरन्	प्र०
	कण्डूयेथाः	कण्डूयेयाथाम्	कण्डूयेध्वम्	म०
	कण्डूयेय	कण्डूयेवहि	कण्डूयेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	कण्डूय्यात्	कण्डूय्यास्ताम्	कण्डूय्यासुः	प्र०
(पर०)	कण्डूय्याः	कण्डूय्यास्तम्	कण्डूय्यास्त	म०
	कण्डूय्यासम्	कण्डूय्यास्व	कण्डूय्यास्म	उ०
(आ०)	कण्डूयिषीष्ट	कण्डूयिषीयास्ताम्	कण्डूयिषीरन्	प्र०
	कण्डूयिषीष्ठाः	कण्डूयिषीयास्थाम्	कण्डूयिषीध्वम्	म०
	कण्डूयिषीय	कण्डूयिषीवहि	कण्डूयिषीमहि	उ०
लुङ् (पर०)	अकण्डूयीत्	अकण्डूयिष्टाम्	अकण्डूयिषुः	प्र०
	अकण्डूयीः	अकण्डूयिष्टम्	अकण्डूयिष्ट	म०
	अकण्डूयिषम्	अकण्डूयिष्व	अकण्डूयिष्म	उ०
(आ०)	अकण्डूयिष्ट	अकण्डूयिषाताम्	कण्डूयिषत	प्र०
	अकण्डूयिष्ठाः	अकण्डूयिषाथाम्	अकण्डूयिध्वम्	म०
	अकण्डूयिषि	अकण्डूयिष्वहि	अकण्डूयिष्महि	उ०
लृङ् (पर०)	अकण्डूयिष्यत्	अकण्डूयिष्यताम्	अकण्डूयिष्यन्	प्र०
	अकण्डूयिष्यः	अकण्डूयिष्यतम्	अकण्डूयिष्यत	म०
	अकण्डूयिष्यम्	अकण्डूयिष्याव	अकण्डूयिष्याम	उ०
(आ०)	अकण्डूयिष्यत	अकण्डूयिष्येताम्	अकण्डूयिष्यन्त	प्र०
	अकण्डूयिष्यथाः	अकण्डूयिष्येथाम्	अकण्डूयिष्यध्वम्	म०
	अकण्डूयिष्ये	अकण्डूयिष्यावहि	अकण्डूयिष्यामहि	उ०

“आत्मनेपदप्रकरणम्”

1. “व्यति + लू” धातु

लट् (आ०)	व्यतिलुनीते	व्यतिलुनाते	व्यतिलुनन्ते	प्र०
	व्यतिलुनीषे	व्यतिलुनाथे	व्यतिलुनीध्वे	म०
	व्यतिलुने	व्यतिलुनीवहे	व्यतिलुनीमहे	उ०
लिट् (आ०)	व्यतिलुलुवे	व्यतिलुलुवाते	व्यतिलुलुविरे	प्र०
	व्यतिलुलुविषे	व्यतिलुलुवाथे	व्यतिलुलुविद्भवे	म०
	व्यतिलुलुवे	व्यतिलुलुविवहे	व्यतिलुलुविमहे	उ०
लुट् (आ०)	व्यतिलविता	व्यतिलवितारौ	व्यतिलवितारः	प्र०
	व्यतिलवितासे	व्यतिलवितासाथे	व्यतिलविताध्वे	म०
	व्यतिलविताहे	व्यतिलवितास्वहे	व्यतिलवितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	व्यतिलविष्यते	व्यतिलविष्येते	व्यतिलविष्यन्ते	प्र०
	व्यतिलविष्यसे	व्यतिलविष्येथे	व्यतिलविष्यध्वे	म०
	व्यतिलविष्ये	व्यतिलविष्यावहे	व्यतिलविष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	व्यतिलुनीताम्	व्यतिलुनाताम्	व्यतिलुनताम्	प्र०
	व्यतिलुनीष्व	व्यतिलुनाथाम्	व्यतिलुनीध्वम्	म०
	व्यतिलुनै	व्यतिलुनावहै	व्यतिलुनामहै	उ०
लङ् (आ०)	व्यत्यलुनीत	व्यत्यलुनाताम्	व्यत्यलुनत	प्र०
	व्यत्यलुनीथाः	व्यत्यलुनाथाम्	व्यत्यलुनीध्वम्	म०
	व्यत्यलुने	व्यत्यलुनीवहि	व्यत्यलुनीमहि	उ०
विधि-लिट्	व्यतिलुनीत	व्यतिलुनीयाताम्	व्यतिलुनीरन्	प्र०
(आ०)	व्यतिलुनीथाः	व्यतिलुनीयाथाम्	व्यतिलुनीध्वम्	म०
	व्यतिलुनीय	व्यतिलुनीवहि	व्यतिलुनीमहि	उ०
आशिष्-लिट्	व्यतिलविषीष्ट	व्यतिलविषीयास्ताम्	व्यतिलविषीरन्	प्र०
(आ०)	व्यतिलविषीष्ठाः	व्यतिलविषीयास्थाम्	व्यतिलविषीध्वम्	म०
	व्यतिलविषीय	व्यतिलविषीवहि	व्यतिलविषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	व्यत्यलविष्ट	व्यत्यलविषाताम्	व्यत्यलविषत	प्र०
	व्यत्यलविष्ठाः	व्यत्यलविषाथाम्	व्यत्यलविषध्वम्	म०
	व्यत्यलविषि	व्यत्यलविष्वहि	व्यत्यलविष्वहि	उ०

लृङ् (आ०)	व्यत्यलविष्यत	व्यत्यलविष्येताम्	व्यत्यलविष्यन्त	प्र०
	व्यत्यलविष्यथाः	व्यत्यलविष्येथाम्	व्यत्यलविष्यध्वम्	म०
	व्यत्यलविष्ये	व्यत्यलविष्यावहि	व्यत्यलविष्यामहि	उ०

2. “नि + विश्” धातु

लट् (आ०)	निविशते	निविशेते	निविशन्ते	प्र०
	निविशसे	निविशेथे	निविशध्वे	म०
	निविशे	निविशावहे	निविशामहे	उ०
लिट् (आ०)	निविविशे	निविविशाते	निविविशिरे	प्र०
	निविविशिषे	निविविशाथे	निविविशिध्वे	म०
	निविविशे	निविविशिवहे	निविविशिमहे	उ०
लुट् (आ०)	निवेष्टा	निवेष्टारौ	निवेष्टारः	प्र०
	निवेष्टासे	निवेष्टासाथे	निवेष्टाध्वे	म०
	निवेष्टाहे	निवेष्टास्वहे	निवेष्टास्महे	उ०
लृट् (आ०)	निवेक्ष्यते	निवेक्ष्येते	निवेक्ष्यन्ते	प्र०
	निवेक्ष्यसे	निवेक्ष्येथे	निवेक्ष्यध्वे	म०
	निवेक्ष्ये	निवेक्ष्यावहे	निवेक्ष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	निविशताम्	निविशेताम्	निविशन्ताम्	प्र०
	निविशस्व	निविशेथाम्	निविशध्वम्	म०
	निविशौ	निविशावहै	निविशामहै	उ०
लङ् (आ०)	न्यविशत	न्यविशेताम्	न्यविशन्त	प्र०
	न्यविशथाः	न्यविशेथाम्	न्यविशध्वम्	म०
	न्यविशे	न्यविशावहि	न्यविशामहि	उ०
विधि-लिट् (आ०)	निविशेत	निविशेयाताम्	निविशेरन्	प्र०
	निविशेथाः	निविशेयाथाम्	निविशेध्वम्	म०
	निविशेय	निविशेवहि	निविशेमहि	उ०
आशिष्-लिट् (आ०)	निविक्षीष्ट	निविक्षीयास्ताम्	निविक्षीरन्	प्र०
	निविक्षीष्ठाः	निविक्षीयास्थाम्	निविक्षीध्वम्	म०
	निविक्षीय	निविक्षीवहि	निविक्षीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	न्यविक्षत	न्यविक्षाताम्	न्यविक्षत	प्र०
	न्यविक्षथाः	न्यविक्षाताम्	न्यविक्षध्वम्	म०
	न्यविक्षि	न्यविक्ष्वहि	न्यविक्षमहि	उ०

लृङ् (आ०)	न्यवेक्ष्यत	न्यवेक्ष्यताम्	न्यवेक्ष्यन्त	प्र०
	न्यवेक्ष्यथाः	न्यवेक्ष्यथाम्	न्यवेक्ष्यध्वम्	म०
	न्यवेक्ष्ये	न्यवेक्ष्यावहि	न्यवेक्ष्यामहि	उ०
3. “परि + क्री” धातु				
लट् (आ०)	परिक्रीणीते	परिक्रीणाते	परिक्रीणते	प्र०
	परिक्रीणीषे	परिक्रीणाथे	परिक्रीणीध्वे	म०
	परिक्रीणे	परिक्रीणीवहे	परिक्रीणीमहे	उ०
लिट् (आ०)	परिचिक्रिये	परिचिक्रियाते	परिचिक्रियिरे	प्र०
	परिचिक्रियिषे	परिचिक्रियाथे	परिचिक्रियिध्वे	म०
	परिचिक्रिये	परिचिक्रियिवहे	परिचिक्रियिमहे	उ०
लुट् (आ०)	परिक्रेता	परिक्रेतारौ	परिक्रेतारः	प्र०
	परिक्रेतासे	परिक्रेतासाथे	परिक्रेताध्वे	म०
	परिक्रेताहे	परिक्रेतास्वहे	परिक्रेतास्महे	उ०
लृट् (आ०)	परिक्रेष्यते	परिक्रेष्येते	परिक्रेष्यन्ते	प्र०
	परिक्रेष्यसे	परिक्रेष्येथे	परिक्रेष्यध्वे	म०
	परिक्रेष्ये	परिक्रेष्यावहे	परिक्रेष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	परिक्रीणीताम्	परिक्रीणाताम्	परिक्रीणताम्	प्र०
	परिक्रीणीष्व	परिक्रीणाथाम्	परिक्रीणीध्वम्	म०
	परिक्रीणै	परिक्रीणावहै	परिक्रीणामहै	उ०
लङ् (आ०)	पर्यक्रीणीत	पर्यक्रीणाताम्	पर्यक्रीणत	प्र०
	पर्यक्रीणीथाः	पर्यक्रीणाथाम्	पर्यक्रीणीध्वम्	म०
	पर्यक्रीणि	पर्यक्रीणीवहि	पर्यक्रीणीमहि	उ०
विधि-लिट्	परिक्रीणीत	परिक्रीणीयाताम्	परिक्रीणीरन्	प्र०
(आ०)	परिक्रीणीथाः	परिक्रीणीयाथाम्	परिक्रीणीध्वम्	म०
	परिक्रीणीय	परिक्रीणीवहि	परिक्रीणीमहि	उ०
आशिष्-लिट्	परिक्रेषीष्ट	परिक्रेषीयास्ताम्	परिक्रेषीरन्	प्र०
(आ०)	परिक्रेषीष्ठाः	परिक्रेषीयास्थाम्	परिक्रेषीद्वम्	म०
	परिक्रेषीय	परिक्रेषीवहि	परिक्रेषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	पर्यक्रेष्ट	पर्यक्रेषाताम्	पर्यक्रेषत	प्र०
	पर्यक्रेष्ठाः	पर्यक्रेषाथाम्	पर्यक्रेद्वम्	म०
	पर्यक्रेषि	पर्यक्रेष्वहि	पर्यक्रेषमहि	उ०

लृङ् (आ०)	पर्यक्रेष्यत	पर्यक्रेष्येताम्	पर्यक्रेष्यन्त	प्र०
	पर्यक्रेष्यथाः	पर्यक्रेष्येथाम्	पर्यक्रेष्यध्वम्	म०
	पर्यक्रेष्ये	पर्यक्रेष्यावहि	पर्यक्रेष्यामहि	उ०
4. “वि + क्री” धातु				
लट् (आ०)	विक्रीणीते	विक्रीणाते	विक्रीणते	प्र०
	विक्रीणीषे	विक्रीणाथे	विक्रीणीध्वे	म०
	विक्रीणे	विक्रीणीवहे	विक्रीणीमहे	उ०
लिट् (आ०)	विचिक्रिये	विचिक्रियाते	विचिक्रियिरे	प्र०
	विचिक्रियिषे	विचिक्रियाथे	विचिक्रियिध्वे	म०
	विचिक्रिये	विचिक्रियिवहे	विचिक्रियिमहे	उ०
लुट् (आ०)	विक्रेता	विक्रेतारौ	विक्रेतारः	प्र०
	विक्रेतासे	विक्रेतासाथे	विक्रेताध्वे	म०
	विक्रेताहे	विक्रेतास्वहे	विक्रेतास्महे	उ०
लृट् (आ०)	विक्रेष्यते	विक्रेष्येते	विक्रेष्यन्ते	प्र०
	विक्रेष्यसे	विक्रेष्येथे	विक्रेष्यध्वे	म०
	विक्रेष्ये	विक्रेष्यावहे	विक्रेष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	विक्रीणीताम्	विक्रीणाताम्	विक्रीणताम्	प्र०
	विक्रीणीष्व	विक्रीणाथाम्	विक्रीणीध्वम्	म०
	विक्रीणै	विक्रीणावहै	विक्रीणामहै	उ०
लङ् (आ०)	व्यक्रीणीत	व्यक्रीणाताम्	व्यक्रीणत	प्र०
	व्यक्रीणीथाः	व्यक्रीणाथाम्	व्यक्रीणीध्वम्	म०
	व्यक्रीणि	व्यक्रीणीवहि	व्यक्रीणीमहि	उ०
विधि-लिट् (आ०)	विक्रीणीत	विक्रीणीयाताम्	विक्रीणीरन्	प्र०
	विक्रीणीथाः	विक्रीणीयाथाम्	विक्रीणीध्वम्	म०
	विक्रीणीय	विक्रीणीवहि	विक्रीणीमहि	उ०
आशिष्-लिट् (आ०)	विक्रेषीष्ट	विक्रेषीयास्ताम्	विक्रेषीरन्	प्र०
	विक्रेषीष्ठाः	विक्रेषीयास्थाम्	विक्रेषीद्वम्	म०
	विक्रेषीय	विक्रेषीवहि	विक्रेषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	व्यक्रेष्ट	व्यक्रेषाताम्	व्यक्रेषत	प्र०
	व्यक्रेष्ठाः	व्यक्रेषाथाम्	व्यक्रेद्वम्	म०
	व्यक्रेषि	व्यक्रेष्वहि	व्यक्रेष्महि	उ०

लृङ् (आ०)	व्यक्रेष्यत	व्यक्रेष्येताम्	व्यक्रेष्यन्त	प्र०
	व्यक्रेष्यथाः	व्यक्रेष्येथाम्	व्यक्रेष्यध्वम्	म०
	व्यक्रेष्ये	व्यक्रेष्यावहि	व्यक्रेष्यामहि	उ०
5. "अव + क्री" धातु				
लट् (आ०)	अवक्रीणीते	अवक्रीणाते	अवक्रीणते	प्र०
	अवक्रीणीषे	अवक्रीणाथे	अवक्रीणीध्वे	म०
	अवक्रीणे	अवक्रीणीवहे	अवक्रीणीमहे	उ०
लिट् (आ०)	अवचिक्रिये	विचिक्रियाते	विचिक्रियिरे	प्र०
	अवचिक्रियिषे	विचिक्रियाथे	विचिक्रियिध्वे	म०
	अवचिक्रिये	विचिक्रियिवहे	विचिक्रियिमहे	उ०
लुट् (आ०)	अवक्रेता	अवक्रेतारौ	अवक्रेतारः	प्र०
	अवक्रेतासे	अवक्रेतासाथे	अवक्रेताध्वे	म०
	अवक्रेताहे	अवक्रेतास्वहे	अवक्रेतामहे	उ०
लृट् (आ०)	अवक्रेष्यते	अवक्रेष्येते	अवक्रेष्यन्ते	प्र०
	अवक्रेष्यसे	अवक्रेष्येथे	अवक्रेष्यध्वे	म०
	अवक्रेष्ये	अवक्रेष्यावहे	अवक्रेष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	अवक्रीणीताम्	अवक्रीणाताम्	अवक्रीणताम्	प्र०
	अवक्रीणीष्व	अवक्रीणाथाम्	अवक्रीणीध्वम्	म०
	अवक्रीणै	अवक्रीणावहै	अवक्रीणामहै	उ०
लङ् (आ०)	अवक्रीणीत	अवक्रीणाताम्	अवक्रीणत	प्र०
	अवक्रीणीथाः	अवक्रीणाथाम्	अवक्रीणीध्वम्	म०
	अवक्रीणि	अवक्रीणीवहि	अवक्रीणीमहि	उ०
विधि-लिट्	अवक्रीणीत	विक्रीणीयाताम्	विक्रीणीरन्	प्र०
(आ०)	अवक्रीणीथाः	विक्रीणीयाथाम्	विक्रीणीध्वम्	म०
	अवक्रीणीय	विक्रीणीवहि	विक्रीणीमहि	उ०
आशिष्-लिट्	अवक्रेषीष्ट	अवक्रेषीयास्ताम्	अवक्रेषीरन्	प्र०
(आ०)	अवक्रेषीष्ठाः	अवक्रेषीयास्थाम्	अवक्रेषीध्वम्	म०
	अवक्रेषीय	अवक्रेषीवहि	अवक्रेषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अवक्रेष्ट	अवक्रेषाताम्	अवक्रेषत	प्र०
	अवक्रेष्ठाः	अवक्रेषाथाम्	अवक्रेषध्वम्	म०
	अवक्रेषि	अवक्रेष्वहि	अवक्रेषमहि	उ०

लृङ् (आ०)	अवक्रोष्यत	अवक्रोष्येताम्	अवक्रोष्यन्त	प्र०
	अवक्रोष्यथाः	अवक्रोष्येथाम्	अवक्रोष्यध्वम्	म०
	अवक्रोष्ये	अवक्रोष्यावहि	अवक्रोष्यामहि	उ०
6. “वि + जि” धातु				
लट् (आ०)	विजयते	विजयेते	विजयन्ते	प्र०
	विजयसे	विजयेथे	विजयध्वे	म०
	विजये	विजयावहे	विजयामहे	उ०
लिट् (आ०)	विजिग्ये	विजिग्याते	विजिग्यरे	प्र०
	विजिग्यिषे	विजिग्याथे	विजिग्यिध्वे	म०
	विजिग्ये	विजिग्यिवहे	विजिग्यिमहे	उ०
लुट् (आ०)	विजेता	विजेतारौ	विजेतारः	प्र०
	विजेतासे	विजेतासाथे	विजेताध्वे	म०
	विजेताहे	विजेतास्वहे	विजेतास्महे	उ०
लृट् (आ०)	विजेष्यते	विजेष्येते	विजेष्यन्ते	प्र०
	विजेष्यसे	विजेष्येथे	विजेष्यध्वे	म०
	विजेष्ये	विजेष्यावहे	विजेष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	विजयताम्	विजयेताम्	विजयन्ताम्	प्र०
	विजयस्व	विजयेथाम्	विजयध्वम्	म०
	विजयै	विजयावहै	विजयामहै	उ०
लङ् (आ०)	व्यजयत	व्यजयेताम्	व्यजयन्त	प्र०
	व्यजयथाः	व्यजयेथाम्	व्यजयध्वम्	म०
	व्यजये	व्यजयावहि	व्यजयामहि	उ०
विधि-लिट् (आ०)	विजयेत	विजयेयाताम्	विजयेरन्	प्र०
	विजयेथाः	विजयेयाथाम्	विजयेध्वम्	म०
	विजयेय	विजयेवहि	विजयेमहि	उ०
आशिष्-लिट् (आ०)	विजेषीष्ट	विजेषीयास्ताम्	विजेषीरन्	प्र०
	विजेषीष्ठाः	विजेषीयास्थाम्	विजेषीद्वम्	म०
	विजेषीय	विजेषीवहि	विजेषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	व्यजेष्ट	व्यजेषाताम्	व्यजेषत	प्र०
	व्यजेष्ठाः	व्यजेषाथाम्	व्यजेद्वम्	म०
	व्यजेषि	व्यजेष्वहि	व्यजेष्महि	उ०

लृङ् (आ०)	व्यजेष्यत	व्यजेष्येताम्	व्यजेष्यन्त	प्र०
	व्यजेष्यथाः	व्यजेष्येथाम्	व्यजेष्यध्वम्	म०
	व्यजेष्ये	व्यजेष्यावहि	व्यजेष्यामहि	उ०
7. "परा + जि" धातु				
लट् (आ०)	पराजयते	पराजयेते	पराजयन्ते	प्र०
	पराजयसे	पराजयेथे	पराजयध्वे	म०
	पराजये	पराजयावहे	पराजयामहे	उ०
लिट् (आ०)	पराजिग्ये	पराजिग्याते	पराजिग्यिरे	प्र०
	पराजिग्यिषे	पराजिग्याथे	पराजिग्यिध्वे	म०
	पराजिग्ये	पराजिग्यिवहे	पराजिग्यिमहे	उ०
लुट् (आ०)	पराजेता	पराजेतारौ	पराजेतारः	प्र०
	पराजेतासे	पराजेतासाथे	पराजेताध्वे	म०
	पराजेताहे	पराजेतास्वहे	पराजेतास्महे	उ०
लृट् (आ०)	पराजेष्यते	पराजेष्येते	पराजेष्यन्ते	प्र०
	पराजेष्यसे	पराजेष्येथे	पराजेष्यध्वे	म०
	पराजेष्ये	पराजेष्यावहे	पराजेष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	पराजयताम्	पराजयेताम्	पराजयन्ताम्	प्र०
	पराजयस्व	पराजयेथाम्	पराजयध्वम्	म०
	पराजयैः	पराजयावहै	पराजयामहै	उ०
लङ् (आ०)	पराजयत	पराजयेताम्	पराजयन्त	प्र०
	पराजयथाः	पराजयेथाम्	पराजयध्वम्	म०
	पराजये	पराजयावहि	पराजयामहि	उ०
विधि-लिट्	पराजयेत	पराजयेयाताम्	पराजयेरन्	प्र०
(आ०)	पराजयेथाः	पराजयेयाथाम्	पराजयेध्वम्	म०
	पराजयेय	पराजयेवहि	पराजयेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	पराजेषीष्ट	पराजेषीयास्ताम्	पराजेषीरन्	प्र०
(आ०)	पराजेषीष्ठाः	पराजेषीयास्थाम्	पराजेषीद्वम्	म०
	पराजेषीय	पराजेषीवहि	पराजेषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	पराजेष्ट	पराजेष्टाताम्	पराजेष्टत	प्र०
	पराजेष्ठाः	पराजेष्टाथाम्	पराजेद्वम्	म०
	पराजेषि	पराजेष्वहि	पराजेष्महि	उ०

लृङ् (आ०)	पराजेष्यत	पराजेष्येताम्	पराजेष्यन्त	प्र०
	पराजेष्यथाः	पराजेष्येथाम्	पराजेष्यध्वम्	म०
	पराजेष्ये	पराजेष्यावहि	पराजेष्यामहि	उ०
8. "सम् + स्था" धातु				
लट् (आ०)	सन्तिष्ठते	सन्तिष्ठेते	सन्तिष्ठन्ते	प्र०
	सन्तिष्ठषे	सन्तिष्ठेथे	सन्तिष्ठध्वे	म०
	सन्तिष्ठे	सन्तिष्ठावहे	सन्तिष्ठामहे	उ०
लिट् (आ०)	सन्तस्थे	सन्तस्थाते	सन्तस्थिरे	प्र०
	सन्तस्थिषे	सन्तस्थाथे	सन्तस्थिध्वे	म०
	सन्तस्थे	सन्तस्थिवहे	सन्तस्थिमहे	उ०
लुट् (आ०)	संस्थाता	संस्थातारौ	संस्थातारः	प्र०
	संस्थातासे	संस्थातासाथे	संस्थाताध्वे	म०
	संस्थाताहे	संस्थातास्वहे	संस्थातास्महे	उ०
लृट् (आ०)	संस्थाष्यते	संस्थाष्येते	संस्थाष्यन्ते	प्र०
	संस्थाष्यसे	संस्थाष्येथे	संस्थाष्यध्वे	म०
	संस्थाष्ये	संस्थाष्यावहे	संस्थाष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	सन्तिष्ठताम्	सन्तिष्ठेताम्	सन्तिष्ठन्ताम्	प्र०
	सन्तिष्ठस्व	सन्तिष्ठेथाम्	सन्तिष्ठध्वम्	म०
	सन्तिष्ठै	सन्तिष्ठावहै	सन्तिष्ठामहै	उ०
लङ् (आ०)	समतिष्ठत	समतिष्ठेताम्	समतिष्ठन्त	प्र०
	समतिष्ठथाः	समतिष्ठेथाम्	समतिष्ठध्वम्	म०
	समतिष्ठे	समतिष्ठावहि	समतिष्ठामहि	उ०
विधि-लिट्	सन्तिष्ठेत	सन्तिष्ठेयाताम्	सन्तिष्ठेरन्	प्र०
(आ०)	सन्तिष्ठेथाः	सन्तिष्ठेयाथाम्	सन्तिष्ठेध्वम्	म०
	सन्तिष्ठेय	सन्तिष्ठेवहि	सन्तिष्ठेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	संस्थासीष्ट	संस्थासीयास्ताम्	संस्थासीरन्	प्र०
(आ०)	संस्थासीष्ठाः	संस्थासीयास्थाम्	संस्थासीध्वम्	म०
	संस्थासीय	संस्थासीवहि	संस्थासीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	समस्थित	समस्थिषाताम्	समस्थिषत	प्र०
	समस्थिष्ठाः	समस्थिषाताम्	समस्थिध्वम्	म०
	समस्थिषि	समस्थिष्वहि	समस्थिष्वमहि	उ०

लृङ् (आ०)	समस्थास्यत	समस्थास्येताम्	समस्थास्यन्त	प्र०
	समस्थास्यथाः	समस्थास्येथाम्	समस्थास्यध्वम्	म०
	समस्थास्ये	समस्थास्यावहि	समस्थास्यामहि	उ०
9. "अव + स्था" धातु				
लट् (आ०)	अवतिष्ठते	अवतिष्ठेते	अवतिष्ठन्ते	प्र०
	अवतिष्ठषे	अवतिष्ठेथे	अवतिष्ठध्वे	म०
	अवतिष्ठे	अवतिष्ठावहे	अवतिष्ठामहे	उ०
लिट् (आ०)	अवतस्थे	अवतस्थाते	अवतस्थिरे	प्र०
	अवस्थिषे	अवतस्थाथे	अवतस्थिध्वे	म०
	अवतस्थे	अवस्थिवहे	अवतस्थिमहे	उ०
लुट् (आ०)	अवस्थाता	अवस्थातारौ	अवस्थातारः	प्र०
	अवस्थातासे	अवस्थातासाथे	अवस्थाताध्वे	म०
	अवस्थाताहे	अवस्थातास्वहे	अवस्थातास्महे	उ०
लृट् (आ०)	अवस्थास्यते	अवस्थास्येते	अवस्थास्यन्ते	प्र०
	अवस्थास्यसे	अवस्थास्येथे	अवस्थास्यध्वे	म०
	अवस्थास्ये	अवस्थास्यावहे	अवस्थास्यामहे	उ०
लाट् (आ०)	अवतिष्ठताम्	अवतिष्ठेताम्	अवतिष्ठन्ताम्	प्र०
	अवतिष्ठस्व	अवतिष्ठेथाम्	अवतिष्ठध्वम्	म०
	अवतिष्ठै	अवतिष्ठावहै	अवतिष्ठामहै	उ०
लङ् (आ०)	अवातिष्ठत	अवातिष्ठेताम्	अवातिष्ठन्त	प्र०
	अवातिष्ठथाः	अवातिष्ठेथाम्	अवातिष्ठध्वम्	म०
	अवातिष्ठे	अवातिष्ठावहि	अवातिष्ठामहि	उ०
विधि-लिट्	अवतिष्ठेत	अवतिष्ठेयाताम्	अवतिष्ठेरन्	प्र०
(आ०)	अवतिष्ठेथाः	अवतिष्ठेयाथाम्	अवतिष्ठेध्वम्	म०
	अवतिष्ठेय	अवतिष्ठेवहि	अवतिष्ठेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	अवस्थासीष्ट	अवस्थासीयास्ताम्	अवस्थासीरन्	प्र०
(आ०)	अवस्थासीष्ठाः	अवस्थासीयास्थाम्	अवस्थासीध्वम्	म०
	अवस्थासीय	अवस्थासीवहि	अवस्थासीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अवास्थित	अवास्थिषाताम्	अवास्थिषत	प्र०
	अवास्थिष्ठाः	अवास्थिषाथाम्	अव स्थिद्वम्	म०
	अवास्थिषि	अवास्थिष्वहि	अवास्थिषमहि	उ०

लृङ् (आ०)	अवास्थास्यत	अवास्थास्येताम्	अवास्थास्यन्त	प्र०
	अवास्थास्यथाः	अवास्थास्येथाम्	अवास्थास्यध्वम्	म०
	अवास्थास्ये	अवास्थास्यावहि	अवास्थास्यामहि	उ०
10. “प्र + स्था” धातु				
लट् (आ०)	प्रतिष्ठते	प्रतिष्ठेते	प्रतिष्ठन्ते	प्र०
	प्रतिष्ठषे	प्रतिष्ठेथे	प्रतिष्ठध्वे	म०
	प्रतिष्ठे	प्रतिष्ठावहे	प्रतिष्ठामहे	उ०
लिट् (आ०)	प्रतस्थे	प्रतस्थाते	प्रतस्थिरे	प्र०
	प्रतस्थिषे	प्रतस्थेथे	प्रतस्थिध्वे	म०
	प्रतस्थे	प्रतस्थिवहे	प्रतस्थिमहे	उ०
लुट् (आ०)	प्रस्थाता	प्रस्थातारौ	प्रस्थातारः	प्र०
	प्रस्थातासे	प्रस्थातासाथे	प्रस्थाताध्वे	म०
	प्रस्थाताहे	प्रस्थातास्वहे	प्रस्थातास्महे	उ०
लृट् (आ०)	प्रस्थास्यते	प्रस्थास्येते	प्रस्थास्यन्ते	प्र०
	प्रस्थास्यसे	प्रस्थास्येथे	प्रस्थास्यध्वे	म०
	प्रस्थास्ये	प्रस्थास्यावहे	प्रस्थास्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	प्रतिष्ठताम्	प्रतिष्ठेताम्	प्रतिष्ठन्ताम्	प्र०
	प्रतिष्ठस्व	प्रतिष्ठेथाम्	प्रतिष्ठध्वम्	म०
	प्रतिष्ठै	प्रतिष्ठावहै	प्रतिष्ठामहै	उ०
लङ् (आ०)	प्रातिष्ठत	प्रातिष्ठेताम्	प्रातिष्ठन्त	प्र०
	प्रातिष्ठथाः	प्रातिष्ठेथाम्	प्रातिष्ठध्वम्	म०
	प्रातिष्ठे	प्रातिष्ठावहि	प्रातिष्ठामहि	उ०
विधि-लिट्	प्रतिष्ठेत	प्रतिष्ठेयाताम्	प्रतिष्ठेरन्	प्र०
(आ०)	प्रतिष्ठेथाः	प्रतिष्ठेयाथाम्	प्रतिष्ठेध्वम्	म०
	प्रतिष्ठेय	प्रतिष्ठेवहि	प्रतिष्ठेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	प्रस्थासीष्ट	प्रस्थासीयास्ताम्	प्रस्थासीरन्	प्र०
(आ०)	प्रस्थासीष्ठाः	प्रस्थासीयास्थाम्	प्रस्थासीध्वम्	म०
	प्रस्थासीय	प्रस्थासीवहि	प्रस्थासीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	प्रास्थित	प्रास्थिताताम्	प्रास्थिषत	प्र०
	प्रास्थिष्ठाः	प्रास्थिषाथाम्	प्रास्थिष्वम्	म०
	प्रास्थिषि	प्रास्थिष्वहि	प्रास्थिष्वमहि	उ०

लृङ् (आ०)	प्रास्थास्यत	प्रास्थास्येताम्	प्रास्थास्यन्त	प्र०
	प्रास्थास्यथाः	प्रास्थास्येथाम्	प्रास्थास्यध्वम्	म०
	प्रास्थास्ये	प्रास्थास्यावहि	प्रास्थास्यामहि	उ०

11. “वि + स्था” धातु

लट् (आ०)	वितिष्ठते	वितिष्ठेते	वितिष्ठन्ते	प्र०
	वितिष्ठषे	वितिष्ठेथे	वितिष्ठध्वे	म०
	वितिष्ठे	वितिष्ठावहे	वितिष्ठामहे	उ०
लिट् (आ०)	वितस्थे	वितस्थाते	वितस्थिरे	प्र०
	वितस्थिषे	वितस्थाथे	वितस्थिध्वे	म०
	वितस्थे	वितस्थिवहे	वितस्थिमहे	उ०
लुट् (आ०)	विष्ठाता	विष्ठातारौ	विष्ठातारः	प्र०
	विष्ठातासे	विष्ठातासाथे	विष्ठाताध्वे	म०
	विष्ठाताहे	विष्ठातास्वहे	विष्ठातास्महे	उ०
लृट् (आ०)	विष्ठास्यते	विष्ठास्येते	विष्ठास्यन्ते	प्र०
	विष्ठास्यसे	विष्ठास्येथे	विष्ठास्यध्वे	म०
	विष्ठास्ये	विष्ठास्यावहे	विष्ठास्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	वितिष्ठताम्	वितिष्ठेताम्	वितिष्ठन्ताम्	प्र०
	वितिष्ठस्व	वितिष्ठेथाम्	वितिष्ठध्वम्	म०
	वितिष्ठै	वितिष्ठावहै	वितिष्ठामहै	उ०
लङ् (आ०)	व्यतिष्ठत	व्यतिष्ठेताम्	व्यतिष्ठन्त	प्र०
	व्यतिष्ठथाः	व्यतिष्ठेथाम्	व्यतिष्ठध्वम्	म०
	व्यतिष्ठे	व्यतिष्ठावहि	व्यतिष्ठामहि	उ०
विधि-लिट्	वितिष्ठेत	वितिष्ठेयाताम्	वितिष्ठेरन्	प्र०
(आ०)	वितिष्ठेथाः	वितिष्ठेयाथाम्	वितिष्ठेध्वम्	म०
	वितिष्ठेय	वितिष्ठेवहि	वितिष्ठेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	विष्ठासीष्ट	विष्ठासीयास्ताम्	विष्ठासीरन्	प्र०
(आ०)	विष्ठासीष्ठाः	विष्ठासीयास्थाम्	विष्ठासीध्वम्	म०
	विष्ठासीय	विष्ठासीवहि	विष्ठासीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	व्यस्थित	व्यस्थिषाताम्	व्यस्थिषत	प्र०
	व्यस्थिष्ठाः	व्यस्थिषाथाम्	व्यस्थिध्वम्	म०
	व्यस्थिषि	व्यस्थिष्वहि	व्यस्थिष्वमहि	उ०

लृङ् (आ०)	व्यस्थास्यत	व्यस्थास्येताम्	व्यस्थास्यन्त	प्र०
	व्यस्थास्यथाः	व्यस्थास्येथाम्	व्यस्थास्यध्वम्	म०
	व्यस्थास्ये	व्यस्थास्यावहि	व्यस्थास्यामहि	उ०
12. "अप + ज्ञा" धातु				
लट् (आ०)	अपजानीते	अपजानाते	अपजानते	प्र०
	अपजानीषे	अपजानाथे	अपजानीध्वे	म०
	अपजाने	अपजानीवहे	अपजानीमहे	उ०
लिट् (आ०)	अपजज्ञे	अपजज्ञाते	अपजज्ञिरे	प्र०
	अपजज्ञिषे	अपजज्ञाथे	अपजज्ञिह्वे	म०
	अपजज्ञे	अपजज्ञिवहे	अपजज्ञिमहे	उ०
लुट् (आ०)	अपज्ञाता	अपज्ञातातौ	अपज्ञातारः	प्र०
	अपज्ञातासे	अपज्ञातासाथे	अपज्ञाताध्वे	म०
	अपज्ञाताहे	अपज्ञातास्वहे	अपज्ञातास्महे	उ०
लृट् (आ०)	अपज्ञास्यते	अपज्ञास्येते	अपज्ञास्यन्ते	प्र०
	अपज्ञास्यसे	अपज्ञास्येथे	अपज्ञास्यध्वे	म०
	अपज्ञास्ये	अपज्ञास्यावहे	अपज्ञास्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	अपजानीताम्	अपजानाताम्	अपजानताम्	प्र०
	अपजानीध्व	अपजानाथाम्	अपजानीध्वम्	म०
	अपजानै	अपजानावहै	अपजानामहै	उ०
लङ् (आ०)	अपजानीत	अपजानाताम्	अपजानत	प्र०
	अपजानीथाः	अपजानाथाम्	अपजानीध्वम्	म०
	अपजानि	अपजानीवहि	अपजानीमहि	उ०
विधि-लिट्	अपजानीत	अपजानीयाताम्	अपजानीरन्	प्र०
(आ०)	अपजानीथाः	अपजानीयाथाम्	अपजानीध्वम्	म०
	अपजानीय	अपजानीवहि	अपजानीमहि	उ०
आशिष्-लिट्	अपज्ञासीष्ट	अपज्ञासीयास्ताम्	अपज्ञासीरन्	प्र०
(आ०)	अपज्ञासीष्ठाः	अपज्ञासीयास्थाम्	अपज्ञासीध्वम्	म०
	अपज्ञासीय	अपज्ञासीवहि	अपज्ञासीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अपाज्ञस्त	अपाज्ञासाताम्	अपाज्ञासत	प्र०
	अपाज्ञास्थाः	अपाज्ञासाथाम्	अपाज्ञाध्वम्	म०
	अपाज्ञासि	अपाज्ञास्वहि	अपाज्ञास्महि	उ०

लृङ् (आ०)	अपाज्ञास्यत	अपाज्ञास्येताम्	अपाज्ञास्यन्त	प्र०
	अपाज्ञास्यथाः	अपाज्ञास्येथाम्	अपाज्ञास्यध्वम्	म०
	अपाज्ञास्ये	अपाज्ञास्यावहि	अपाज्ञास्यामहि	उ०
13. “उत् + चर” धातु				
लट् (आ०)	उच्चरते	उच्चरेते	उच्चरन्ते	प्र०
	उच्चरसे	उच्चरेथे	उच्चरध्वे	म०
	उच्चरे	उच्चरावहे	उच्चरामहे	उ०
लिट् (आ०)	उच्चरे	उच्चरेताते	उच्चरिरे	प्र०
	उच्चेरिषे	उच्चेराथे	उच्चेरिध्वे	म०
	उच्चरे	उच्चेरिवहे	उच्चेरिमहे	उ०
लुट् (आ०)	उच्चरिता	उच्चरितारौ	उच्चरितारः	प्र०
	उच्चरितासे	उच्चरितासाथे	उच्चरिताध्वे	म०
	उच्चरिताहे	उच्चरितास्वहे	उच्चरितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	उच्चरिष्यते	उच्चरिष्येते	उच्चरिष्यन्ते	प्र०
	उच्चरिष्यसे	उच्चरिष्येथे	उच्चरिष्यध्वे	म०
	उच्चरिष्ये	उच्चरिष्यावहे	उच्चरिष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	उच्चरताम्	उच्चरेताम्	उच्चरन्ताम्	प्र०
	उच्चरस्व	उच्चरेथाम्	उच्चरध्वम्	म०
	उच्चरै	उच्चरावहै	उच्चरामहै	उ०
लङ् (आ०)	उदचरत	उदचरेताम्	उदचरन्त	प्र०
	उदचरथाः	उदचरेथाम्	उदचरध्वम्	म०
	उदचरे	उदचरावहि	उदचरामहि	उ०
विधि-लिट्	उच्चरेत	उच्चरेयाताम्	उच्चरेरन्	प्र०
(आ०)	उच्चरेथाः	उच्चरेयाथाम्	उच्चरेध्वम्	म०
	उच्चरेय	उच्चरेवहि	उच्चरेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	उच्चरिषीष्ट	उच्चरिषीयास्ताम्	उच्चरिषीरन्	प्र०
(आ०)	उच्चरिषीष्ठाः	उच्चरिषीयास्थाम्	उच्चरिषीध्वम्	म०
	उच्चरिषीय	उच्चरिषीवहि	उच्चरिषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	उदचरिष्ट	उदचरिषाताम्	उदचरिषत	प्र०
	उदचरिष्ठाः	उदचरिषाथाम्	उदचरिद्ध्वम्	म०
	उदचरिषि	उदचरिष्वहि	उदचरिष्महि	उ०

लृङ् (आ०)	उदचरिष्यत	उदचरिष्येताम्	उदचरिष्यन्त	प्र०
	उदचरिष्यथाः	उदचरिष्येथाम्	उदचरिष्यध्वम्	म०
	उदचरिष्ये	उदचरिष्यावहि	उदचरिष्यामहि	उ०
14. “सं + चर” धातु				
लट् (आ०)	संचरेते	संचरेते	उच्चरन्ते	प्र०
	संचरसे	संचरेथे	उच्चरध्वे	म०
	संचरे	संचरावहे	उच्चरामहे	उ०
लिट् (आ०)	संचरे	संचराते	उच्चेरिरे	प्र०
	संचेरिषे	संचेराथे	उच्चेरिध्वे	म०
	संचरे	संचेरिवहे	उच्चेरिमहे	उ०
लुट् (आ०)	संचरिता	संचरितारौ	उच्चरितारः	प्र०
	संचरितासे	संचरितासाथे	उच्चरिताध्वे	म०
	संचरिताहे	संचरितास्वहे	उच्चरितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	संचरिष्यते	संचरिष्येते	उच्चरिष्यन्ते	प्र०
	संचरिष्यसे	संचरिष्येथे	उच्चरिष्यध्वे	म०
	संचरिष्ये	संचरिष्यावहे	उच्चरिष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	संचरताम्	संचरेताम्	उच्चरन्ताम्	प्र०
	संचरस्व	संचरेथाम्	उच्चरध्वम्	म०
	संचरै	संचरावहै	उच्चरामहै	उ०
लङ् (आ०)	समचरत	समचरेताम्	समचरन्त	प्र०
	समचरथाः	समचरेथाम्	समचरध्वम्	म०
	समचरे	समचरावहि	समचरामहि	उ०
विधि-लिट्	संचरेत	संचरेयाताम्	संचरेरन्	प्र०
(आ०)	संचरेथाः	संचरेयाथाम्	संचरेध्वम्	म०
	संचरेय	संचरेवहि	संचरेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	संचरिषीष्ट	संचरिषीयास्ताम्	संचरिषीरन्	प्र०
(आ०)	संचरिषीष्ठाः	संचरिषीयास्थाम्	संचरिषीध्वम्	म०
	संचरिषीय	संचरिषीवहि	संचरिषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	समचरिष्यत	समचरिष्यताम्	समचरिष्यन्त	प्र०
	समचरिष्यथाः	समचरिष्यथाम्	समचरिष्यध्वम्	म०
	समचरिष्ये	समचरिष्यावहि	समचरिष्यामहि	उ०

लृङ् (आ०)	समचरिष्यत	समचरिष्येताम्	समचरिष्यन्त	प्र०
	समचरिष्यथाः	समचरिष्येथाम्	समचरिष्यध्वम्	म०
	समचरिष्ये	समचरिष्यावहि	समचरिष्यामहि	उ०
15. "सम् + दाण्" धातु				
लट् (आ०)	संयच्छते	संयच्छेते	संयच्छन्ते	प्र०
	संयच्छसे	संयच्छेथे	संयच्छध्वे	म०
	संयच्छे	संयच्छावहे	संयच्छामहे	उ०
लिट् (आ०)	सन्ददे	सन्ददाते	सन्ददिरे	प्र०
	सन्ददिषे	सन्ददाथे	सन्ददिध्वे	म०
	सन्ददे	सन्ददिवहे	सन्ददिमहे	उ०
लुट् (आ०)	सन्दाता	सन्दातारौ	सन्दातारः	प्र०
	सन्दातासे	सन्दातासाथे	सन्दाताध्वे	म०
	सन्दाताहे	सन्दातास्वहे	सन्दातास्महे	उ०
लृट् (आ०)	सन्दास्यते	सन्दास्येते	सन्दास्यन्ते	प्र०
	सन्दास्यसे	सन्दास्येथे	सन्दास्यध्वे	म०
	सन्दास्ये	सन्दास्यावहे	सन्दास्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	संयच्छताम्	संयच्छेताम्	संयच्छन्ताम्	प्र०
	संयच्छस्व	संयच्छेथाम्	संयच्छध्वम्	म०
	संयच्छै	संयच्छावहै	संयच्छामहै	उ०
लङ् (आ०)	समयच्छत	समयच्छेताम्	समयच्छन्त	प्र०
	समयच्छथाः	समयच्छेथाम्	समयच्छध्वम्	म०
	समयच्छे	समयच्छावहि	समयच्छामहि	उ०
विधि-लिट्	संयच्छेत	संयच्छेयाताम्	संयच्छेरन्	प्र०
(आ०)	संयच्छेथाः	संयच्छेयाथाम्	संयच्छेध्वम्	म०
	संयच्छेय	संयच्छेवहि	संयच्छेमहि	उ०
आशिष्-लिट्	सन्दासीष्ट	सन्दासीयास्ताम्	सन्दासीरन्	प्र०
(आ०)	सन्दासीष्ठाः	सन्दासीयास्थाम्	सन्दासीध्वम्	म०
	सन्दासीय	सन्दासीवहि	सन्दासीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	समदित	समदिषाताम्	समदिषत	प्र०
	समदिष्ठाः	समदिषाथाम्	समदिद्वम्	म०
	समदिषि	समदिष्वहि	समदिष्महि	उ०

लृङ् (आ०)	समदास्यत	समदास्येताम्	समदास्यन्त	प्र०
	समदास्यथाः	समदास्येथाम्	समदास्यध्वम्	म०
	समदास्ये	समदास्यावहि	समदास्यामहि	उ०

16. “एदिधिष” धातु

लट् (आ०)	एदिधिषते	एदिधिषेते	एदिधिषन्ते	प्र०
	एदिधिषसे	एदिधिषेथे	एदिधिषध्वे	म०
	एदिधिषे	एदिधिषावहे	एदिधिषामहे	उ०
लिट् (आ०)	एदिधिषांचक्रे	एदिधिषांचक्राते	एदिधिषांचक्रिरे	प्र०
	एदिधिषांचकृषे	एदिधिषांचक्राथे	एदिधिषांचकृध्वे	म०
	एदिधिषांचक्रे	एदिधिषांचकृवहे	एदिधिषांचकृमहे	उ०
एवं	एदिधिषामासे,	एदिधिषाम्बभूवे इत्यादि		
लुट् (आ०)	एदिधिषिता	एदिधिषितारौ	एदिधिषितारः	प्र०
	एदिधिषितासे	एदिधिषितासाथे	एदिधिषिताध्वे	म०
	एदिधिषिताहे	एदिधिषितास्वहे	एदिधिषितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	एदिधिषिष्यते	एदिधिषिष्येते	एदिधिषिष्यन्ते	प्र०
	एदिधिषिष्यसे	एदिधिषिष्येथे	एदिधिषिष्यध्वे	म०
	एदिधिषिष्ये	एदिधिषिष्यावहे	एदिधिषिष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	एदिधिषताम्	एदिधिषेताम्	एदिधिषन्ताम्	प्र०
	एदिधिषस्व	एदिधिषेथाम्	एदिधिषध्वम्	म०
	एदिधिषै	एदिधिषावहै	एदिधिषामहै	उ०
लङ् (आ०)	एदिधिषत	एदिधिषेताम्	एदिधिषन्त	प्र०
	एदिधिषथाः	एदिधिषेथाम्	एदिधिषध्वम्	म०
	एदिधिषे	एदिधिषावहि	एदिधिषामहि	उ०
विधि-लिट् (आ०)	एदिधिषेत	एदिधिषेयाताम्	एदिधिषेरन्	प्र०
	एदिधिषेथाः	एदिधिषेयाथाम्	एदिधिषेध्वम्	म०
	एदिधिषेय	एदिधिषेवहि	एदिधिषेमहि	उ०
आशिष्-लिट् (आ०)	एदिधिषीष्ट	एदिधिषीयास्ताम्	एदिधिषीरन्	प्र०
	एदिधिषीष्ठाः	एदिधिषीयास्थाम्	एदिधिषीध्वम्	म०
	एदिधिषीय	एदिधिषीवहि	एदिधिषीमहि	उ०

लुङ् (आ०)	ऐदिधिषिष्ट	ऐदिधिषाताम्	ऐदिधिषत	प्र०
	ऐदिधिषिष्टाः	ऐदिधिषाथाम्	ऐदिधिष्वम्	म०
	ऐदिधिषिषि	ऐदिधिष्वहि	ऐदिधिष्वहि	उ०
लृङ् (आ०)	ऐदिधिषिष्यत्	ऐदिधिषिष्येताम्	ऐदिधिषिष्यन्त	प्र०
	ऐदिधिषिष्यथाः	ऐदिधिषिष्येथाम्	ऐदिधिषिष्यध्वम्	म०
	ऐदिधिषिष्ये	ऐदिधिषिष्यावहि	ऐदिधिषिष्यामहि	उ०

17. “नि + विविक्ष” धातु

लट् (आ०)	निविविक्षते	निविविक्षेते	निविविक्षन्ते	प्र०
	निविविक्षसे	निविविक्षेथे	निविविक्षध्वे	म०
	निविविक्षे	निविविक्षावहे	निविविक्षामहे	उ०
लिट् (आ०)	निविविक्षांचक्रे	निविविक्षांचक्राते	निविविक्षांचक्रिरे	प्र०
	निविविक्षांचकृषे	निविविक्षांचक्राथे	निविविक्षांचकृध्वे	म०
	निविविक्षांचक्रे	निविविक्षांचकृवहे	निविविक्षांचकृमहे	उ०
एवं	निविविक्षामासे,	निविविक्षाम्बभूवे इत्यादि		
लृट् (आ०)	निविविक्षिता	निविविक्षितारौ	निविविक्षितारः	प्र०
	निविविक्षितासे	निविविक्षितासाथे	निविविक्षिताध्वे	म०
	निविविक्षिताहे	निविविक्षितास्वहे	निविविक्षितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	निविविक्षिष्यते	निविविक्षिष्येते	निविविक्षिष्यन्ते	प्र०
	निविविक्षिष्यसे	निविविक्षिष्येथे	निविविक्षिष्यध्वे	म०
	निविविक्षिष्ये	निविविक्षिष्यावहे	निविविक्षिष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	निविविक्षताम्	निविविक्षेताम्	निविविक्षन्ताम्	प्र०
	निविविक्षस्व	निविविक्षेथाम्	निविविक्षेध्वम्	म०
	निविविक्षै	निविविक्षावहै	निविविक्षामहै	उ०
लङ् (आ०)	न्यविविक्षत	न्यविविक्षेताम्	न्यविविक्षन्त	प्र०
	न्यविविक्षथाः	न्यविविक्षेथाम्	न्यविविक्षध्वम्	म०
	न्यविविक्षे	न्यविविक्षावहि	न्यविविक्षामहि	उ०
विधि-लिट्	निविविक्षेत	निविविक्षेयाताम्	निविविक्षेरन्	प्र०
(आ०)	निविविक्षेथाः	निविविक्षेयाथाम्	निविविक्षेध्वम्	म०
	निविविक्षेय	निविविक्षेवहि	निविविक्षेमहि	उ०

आशिप्-लिङ् (आ०)	निविविक्षीष्ट निविविक्षीष्टाः निविविक्षीय	निविविक्षीयास्ताम् निविविक्षीयास्थाम् निविविक्षीवहि	निविविक्षीरन् निविविक्षीध्वम् निविविक्षीमहि	प्र० म० उ०
लुङ् (आ०)	न्यविविक्षीष्ट न्यविविक्षिष्टाः न्यविविक्षिषि	न्यविविक्षिषाताम् न्यविविक्षिषाथाम् न्यविविक्षिष्वहि	न्यविविक्षिषत न्यविविक्षिष्वम् न्यविविक्षिष्वमहि	प्र० म० उ०
लृङ् (आ०)	न्यविविक्षिष्यत् न्यविविक्षिष्यथाः न्यविविक्षिष्ये	न्यविविक्षिष्येताम् न्यविविक्षिष्येथाम् न्यविविक्षिष्यावहि	न्यविविक्षिष्यन्त न्यविविक्षिष्यध्वम् न्यविविक्षिष्यामहि	प्र० म० उ०
18. "उत् + कृ" धातु				
लट् (आ०)	उत्कुरुते उत्कुरुषे उत्कुर्वे	उत्कुर्वाते उत्कुर्वाथे उत्कुर्वहे	उत्कुर्वते उत्कुरुध्वे उत्कुर्महे	प्र० म० उ०
लिट् (आ०)	उच्चक्रे उच्चकृषे उच्चक्रे	उच्चक्राते उच्चक्राथे उच्चकृवहे	उच्चक्रिरे उच्चकृध्वे उच्चकृमहे	प्र० म० उ०
लुट् (आ०)	उत्कर्ता उत्कर्तासे उत्कर्ताहे	उत्कर्तारौ उत्कर्तासाथे उत्कर्तास्वहे	उत्कर्तारिः उत्कर्ताध्वे उत्कर्तास्महे	प्र० म० उ०
लृट् (आ०)	उत्करिष्यते उत्करिष्यसे उत्करिष्ये	उत्करिष्येते उत्करिष्येथे उत्करिष्यावहे	उत्करिष्यन्ते उत्करिष्यध्वे उत्करिष्यामहे	प्र० म० उ०
लोट् (आ०)	उत्कुरुताम् उत्कुरुष्व उत्करवै	उत्कुर्वाताम् उत्कुर्वाथाम् उत्करवावहै	उत्कुर्वताम् उत्कुरुध्वम् उत्करवामहै	प्र० म० उ०
लङ् (आ०)	उदकुरुत उदकुरुथाः उदकुर्वि	उदकुर्वाताम् उदकुर्वाथाम् उदकुर्वहि	उदकुर्वत उदकुरुध्वम् उदकुर्महि	प्र० म० उ०
विधि-लिङ् (आ०)	उत्कुर्वीत उत्कुर्वीथाः उत्कुर्वीय	उत्कुर्वीयाताम् उत्कुर्वीयाथाम् उत्कुर्वीवहि	उत्कुर्वीरन् उत्कुर्वीध्वम् उत्कुर्वीमहि	प्र० म० उ०

आशिप्-लिङ्	उत्कृषीष्ट	उत्कृषीयास्ताम्	उत्कृषीरन्	प्र०
(आ०)	उत्कृषीष्ठाः	उत्कृषीयास्थाम्	उत्कृषीध्वम्	म०
	उत्कृषीय	उत्कृषीवहि	उत्कृषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	उदकृत	उदकृषाताम्	उदकृषत	प्र०
	उदकृथाः	उदकृषाथाम्	उदकृद्ध्वम्	म०
	उदकृषि	उदकृष्वहि	उदकृष्महि	उ०
लृङ् (आ०)	उदकरिष्यत्	उदकरिष्येताम्	उदकरिष्यन्त	प्र०
	उदकरिष्यथाः	उदकरिष्येथाम्	उदकरिष्यध्वम्	म०
	उदकरिष्ये	उदकरिष्यावहि	उदकरिष्यामहि	उ०

अथ परस्मैपदप्रकरणम्

1. “अनुपराभ्यां कृ” धातु

लट् (पर०)	अनुकरोति	अनुकुरुतः	अनुकुर्वन्ति	प्र०
	अनुकरोषि	अनुकुरुथः	अनुकुरुथ	म०
	अनुकरोमि	अनुकुर्वः	अनुकुर्मः	उ०
लिट् (पर०)	अनुचकार	अनुचक्रतुः	अनुचक्रुः	प्र०
	अनुचकर्थ	अनुचक्रथुः	अनुचक्र	म०
	अनुचकार-चकर	अनुचकृव	अनुचकृम	उ०
लुट् (पर०)	अनुकर्ता	अनुकर्तारौ	अनुकर्तारः	प्र०
	अनुकर्तासि	अनुकर्तास्थः	अनुकर्तास्था	म०
	अनुकर्तास्मि	अनुकर्तास्वः	अनुकर्तास्मः	उ०
लृट् (पर०)	अनुकरिष्यति	अनुकरिष्यतः	अनुकरिष्यन्ति	प्र०
	अनुकरिष्यसि	अनुकरिष्यथः	अनुकरिष्यथ	म०
	अनुकरिष्यामि	अनुकरिष्यावः	अनुकरिष्यामः	उ०
लोट् (पर०)	अनुकरोतुकुरुतात्	अनुकुरुताम्	अनुकुर्वन्तु	प्र०
	अनुकुरु-कुरुतात्	अनुकुरुतम्	अनुकुरुत	म०
	अनुकरवाणि	अनुकरवाव	अनुकरवाम	उ०
लङ् (पर०)	अन्वकरोत्	अन्वकुरुताम्	अन्वकुर्वन्	प्र०
	अन्वकरोः	अन्वकुरुतम्	अन्वकुरुत	म०
	अन्वकरवम्	अन्वकुर्व	अन्वकुर्म	उ०

विधि-लिङ्	अनुकुर्यात्	अनुकुर्याताम्	अनुकुर्युः	प्र०
(पर०)	अनुकुर्याः	अनुकुर्यातम्	अनुकुर्यात	म०
	अनुकुर्याम्	अनुकुर्याव	अनुकुर्याम	उ०
आशिष्-लिङ्	अनुक्रियात्	अनुक्रियास्ताम्	अनुक्रियासुः	प्र०
(पर०)	अनुक्रियाः	अनुक्रियास्तम्	अनुक्रियास्त	म०
	अनुक्रियासम्	अनुक्रियास्व	अनुक्रियास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अन्वकार्षीत्	अन्वकार्ष्याम्	अन्वकार्षुः	प्र०
	अन्वकार्षीः	अन्वकार्ष्यम्	अन्वकार्ष्य	म०
	अन्वकार्षम्	अन्वकार्ष्व	अन्वकार्ष्म	उ०
लृङ् (पर०)	अन्वकरिष्यत्	अन्वकरिष्यताम्	अन्वकरिष्यन्	प्र०
	अन्वकरिष्यः	अन्वकरिष्यतम्	अन्वकरिष्यत	म०
	अन्वकरिष्यम्	अन्वकरिष्याव	अन्वकरिष्याम	उ०
एवं	पराकरोति,	पराकुरुतः,	पराकुर्वन्ति इत्यादि	

2. "क्षिप" धातु

लट् (पर०)	अभिक्षिपति	अभिक्षिपतः	अभिक्षिपन्ति	प्र०
	अभिक्षिपसि	अभिक्षिपथः	अभिक्षिपथ	म०
	अभिक्षिपामि	अभिक्षिपावः	अभिक्षिपामः	उ०
लिट् (पर०)	अभिचिक्षेप	अभिचिक्षेपतुः	अभिचिक्षिपुः	प्र०
	अभिचिक्षेपिथ	अभिचिक्षेपथुः	अभिचिक्षिप	म०
	अभिचिक्षेप	अभिचिक्षिपिव	अभिचिक्षिपिम	उ०
लुट् (पर०)	अभिक्षेप्ता	अभिक्षेप्तारौ	अभिक्षेप्तारः	प्र०
	अभिक्षेप्तास्मि	अभिक्षेप्तास्थः	अभिक्षेप्तास्थ	म०
	अभिक्षेप्तास्मि	अभिक्षेप्तास्वः	अभिक्षेप्तास्मः	उ०
लृट् (पर०)	अभिक्षेप्स्यति	अभिक्षेप्स्यतः	अभिक्षेप्स्यन्ति	प्र०
	अभिक्षेप्स्यसि	अभिक्षेप्स्यथः	अभिक्षेप्स्यथ	म०
	अभिक्षेप्स्यामि	अभिक्षेप्स्यावः	अभिक्षेप्स्यामः	उ०
लोट् (पर०)	अभिक्षिपतुकुरुतात्	अभिक्षिपताम्	अभिक्षिपन्तु	प्र०
	अभिक्षिपकुरुतात्	अभिक्षिपतम्	अभिक्षिपत	म०
	अभिक्षिपाणि	अभिक्षिपाव	अभिक्षिपाम	उ०

लङ् (पर०)	अभ्यक्षिपत्	अभ्यक्षिपताम्	अभ्यक्षिपन्	प्र०
	अभ्यक्षिपः	अभ्यक्षिपतम्	अभ्यक्षिपत	म०
	अभ्यक्षिपम्	अभ्यक्षिपाव	अभ्यक्षिपाम	उ०
विधि-लिङ् (पर०)	अभिक्षिपेत्	अभिक्षिपेताम्	अभिक्षिपेयुः	प्र०
	अभिक्षिपेः	अभिक्षिपेतम्	अभिक्षिपेत	म०
	अभिक्षिपेयम्	अभिक्षिपेव	अभिक्षिपेम	उ०
आशिष्-लिङ् (पर०)	अभिक्षिप्यात्	अभिक्षिप्यास्ताम्	अभिक्षिप्यासुः	प्र०
	अभिक्षिप्याः	अभिक्षिप्यास्तम्	अभिक्षिप्यास्त	म०
	अभिक्षिप्यासम्	अभिक्षिप्यास्व	अभिक्षिप्यास्म	उ०
लुङ् (पर०)	अभ्यक्षैप्सीत्	अभ्यक्षैप्ताम्	अभ्यक्षैप्सुः	प्र०
	अभ्यक्षैप्सीः	अभ्यक्षैप्तम्	अभ्यक्षैप्त	म०
	अभ्यक्षैप्सम्	अभ्यक्षैप्स्व	अभ्यक्षैप्स्म	उ०
लृङ् (पर०)	अभ्यक्षेप्स्यत्	अभ्यक्षेप्स्यताम्	अभ्यक्षेप्स्यन्	प्र०
	अभ्यक्षेप्स्यः	अभ्यक्षेप्स्यतम्	अभ्यक्षेप्स्यत	म०
	अभ्यक्षेप्स्यम्	अभ्यक्षेप्स्याव	अभ्यक्षेप्स्याम	उ०

भावकर्म प्रक्रिया

1. "भू" धातु

लट् (आ०)	भूयते	भूयेते	भूयन्ते	प्र०
	भूयसे	भूयेथे	भूयध्वे	म०
	भूये	भूयावहे	भूयामहे	उ०
लिट् (आ०)	बभूवे	बभूवाते	बभूविरे	प्र०
	बभूविषे	बभूवाथे	बभूविध्वे	म०
	बभूवे	बभूविवहे	बभूविमहे	उ०
लुट् (आ०)	भविता	भवितारौ	भवितारः	प्र०
	भाविता	भावितारौ	भावितारः	
	भवितासे	भवितासाथे	भविताध्वे	म०
	भावितासे	भावितासाथे	भाविताध्वे	
	भविताहे	भवितास्वहे	भवितास्महे	उ०
	भाविताहे	भावितास्वहे	भावितास्महे	

लृट् (आ०)	भविष्यते	भविष्येते	भविष्यन्ते	प्र०
	भविष्यसे	भविष्येथे	भविष्यध्वे	म०
	भविष्ये	भविष्यावहे	भविष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	भूयताम्	भूयेताम्	भूयन्ताम्	प्र०
	भूयस्व	भूयेथाम्	भूयध्वम्	म०
	भूयै	भूयावहै	भूयामहै	उ०
लङ् (आ०)	अभूयत	अभूयेताम्	अभूयन्त	प्र०
	अभूयथा	अभूयेथाम्	अभूयध्वम्	म०
	अभूये	अभूयावहि	अभूयामहि	उ०
विधि-लिङ् (आ०)	भूयेत	भूयेयाताम्	भूयेरन्	प्र०
	भूयेथाः	भूयेयाथाम्	भूयेध्वम्	म०
	भूयेय	भूयावहि	भूयामहि	उ०
आशिष्-लिङ् (आ०)	भविषीष्ट	भविषीयास्ताम्	भविषीरन्	प्र०
	भविषीष्ठाः	भविषीयास्थाम्	भविषीध्वम्	म०
	भविषीय	भविषीयावहि	भविषीयामहि	उ०
लुङ् (आ०)	अभावि	अभाविषाताम्	अभाविषत	प्र०
	अभाविष्ठाः	अभाविषाथाम्	अभाविषध्वम्	म०
	अभाविषि	अभाविषीवहि	अभाविषीमहि	उ०
लृङ् (आ०)	अभविष्यत्	अभविष्येताम्	अभविष्यन्त	प्र०
	अभविष्यत्	अभविष्येताम्	अभविष्यन्त	
	अभविष्यथाः	अभविष्येथाम्	अभविष्यध्वम्	म०
	अभविष्यथाः	अभविष्येथाम्	अभविष्येध्वम्	
	अभविष्ये	अभविष्यावहि	अभविष्यामहि	उ०
	अभविष्ये	अभविष्यावहि	अभविष्यामहि	

2. "भावि" धातु

लट् (आ०)	भावयते	भावयेते	भावयन्ते	प्र०
	भावयसे	भावयेथे	भावयध्वे	म०
	भावये	भावयावहे	भावयामहे	उ०
लिट् (आ०)	भावयांचक्रे	भावयांचक्राते	भावयांचक्रिरे	प्र०
	भावयांचकृषे	भावयांचक्राथे	भावयांचकृध्वे	म०
	भापयांचक्रे	भावयांचकृवहे	भावयांचकृमहे	उ०

लृट् (आ०)	भावयामासे	भावयामासाते	भावयामासिरे	प्र०
	भावयामासिषे	भावयामासाथे	भावयामासिध्वे	म०
	भावयामासे	भावयामासिवहे	भावयामासिमहे	उ०
लृट् (आ०)	भावयांबभूवे	भावयांबभूवाते	भावयांबभूविरे	प्र०
	भावयांबभूविषे	भावयांबभूवाथे	भावयांबभूविध्वे	म०
	भावयांबभूवे	भावयांबभूविहे	भावयांबभूविमहे	उ०
लृट् (आ०)	भावयिता	भावयितारौ	भावयितारः	प्र०
	भाविता	भावितारौ	भावितारः	
	भावयितासे	भावयितासाथे	भावयितााध्वे	म०
	भाविताते	भावितासाथे	भाविताध्वे	
	भावयिताहे	भावयितास्वहे	भावयितास्महे	उ०
	भाविताहे	भावितास्वहे	भावितास्महे	
	भावयिष्यते	भावयिष्येते	भावयिष्यन्ते	प्र०
लृट् (आ०)	भाविष्यते	भाविष्येते	भाविष्यन्ते	
	भावयिष्यसे	भावयिष्येथे	भावयिष्यध्वे	म०
	भाविष्यसे	भाविष्येथे	भाविष्यध्वे	
	भावयिष्ये	भावयिष्यावहे	भावयिष्यामहे	उ०
	भाविष्ये	भाविष्यावहे	भाविष्यामहे	
	भावयताम्	भावयेताम्	भावयन्ताम्	प्र०
लोट् (आ०)	भावयस्व	भावयेथाम्	भावयध्वम्	म०
	भावयै	भावयावहै	भावयामहै	उ०
	अभावयत	अभावयेताम्	अभावयन्त	प्र०
लङ् (आ०)	अभावयथाः	अभावयेथाम्	अभावयध्वम्	म०
	अभावये	अभावयावहि	अभावयामहि	उ०
	भावयेत	भावयेयाताम्	भावयेरन्	प्र०
विधि-लिट् (आ०)	भावयेथाः	भावयेयाथाम्	भावयेध्वम्	म०
	भावयेय	भावयेवहि	भावयेमहि	उ०
	भाविषीष्ट	भाविषीयास्ताम्	भाविषीरन्	प्र०
आशिष्-लिट् (आ०)	भविषीष्ट	भविषीयास्ताम्	भविषीरन्	
	भावभिषीष्टाः	भावभिषीयास्थाम्	भावभिषीध्वम्	म०
	भवविषीष्टाः	भवभिषीयास्थाम्	भवविषीध्वम्	

	भावविषीय	भावविषीवहि	भावविषीमहि	उ०
	भवविषीय	भवविषीवहि	भवविषीमहि	
लुङ् (आ०)	अभावि	अभाविषाताम्	अभाविषत	प्र०
	अभावि	अभाविषाताम्	अभावयिषत	
	अभाविष्ठाः	अभावयिषाथाम्	अभावयिषीध्वम्	म०
	अभावयिषि	अभावयिष्वहि	अभावयिष्महि	उ०
	अभाविषि	अभाविष्वहि	अभाविष्महि	
लृङ् (आ०)	अभावयिष्यत्	अभावयिष्येताम्	अभावयिष्यन्त	प्र०
	अभावयिष्यथाः	अभावयिष्येथाम्	अभावयिष्यध्वम्	म०
	अभावयिष्ये	अभावयिष्यावहि	अभावयिष्यामहि	उ०

3. “बुभूष” धातु

लट् (आ०)	बुभूष्यते	बुभूष्येते	बुभूष्यन्ते	प्र०
	बुभूष्यसे	बुभूष्यथे	बुभूष्यध्वे	म०
	बुभूष्ये	बुभूष्यावहे	बुभूष्यामहे	उ०
लिट् (आ०)	बुभूषांचक्रे	बुभूषांचक्राते	बुभूषांचक्रिरे	प्र०
	बुभूषांचकृषे	बुभूषांचक्राथे	बुभूषांचकृध्वे	म०
	बुभूषांचक्रे	बुभूषांचकृवहे	बुभूषांचकृमहे	उ०
लृट् (आ०)	बुभूषिता	बुभूषितारौ	बुभूषितारः	प्र०
	बुभूषितासे	बुभूषितासाथे	बुभूषिताध्वे-द्वे	म०
	बुभूषिताहे	बुभूषितास्वहे	बुभूषितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	बुभूषिष्यते	बुभूषिष्येते	बुभूषिष्यन्ते	प्र०
	बुभूषिष्यसे	बुभूषिष्यथे	बुभूषिष्यध्वे	म०
	बुभूषिष्ये	बुभूषिष्यावहे	बुभूषिष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	बुभूष्यताम्	बुभूष्येताम्	बुभूष्यन्ताम्	प्र०
	बुभूष्यस्व	बुभूष्येथाम्	बुभूष्यध्वम्	म०
	बुभूष्यै	बुभूष्यावहै	बुभूष्यामहै	उ०
लङ् (आ०)	अबुभूष्यत	अबुभूष्यताम्	अबुभूष्यन्त	प्र०
	अबुभूष्यथाः	अबुभूष्येथाम्	अबुभूष्येध्वम्	म०
	अबुभूष्ये	अबुभूष्यावहि	अबुभूष्यामहि	उ०

विधि-लिङ्	बुभूष्येत	बुभूष्येयाताम्	बुभूष्येरन्	प्र०
(आ०)	बुभूष्येथाः	बुभूष्येयाथाम्	बुभूष्यध्वम्	म०
	बुभूष्येय	बुभूष्येवहि	बुभूष्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	बुभूषिषीष्ट	बुभूषीयास्ताम्	बुभूषीरन्	प्र०
(आ०)	बुभूषिषीष्ठाः	बुभूषीयास्थाम्	बुभूषीध्वम्	म०
	बुभूषीय	बुभूषीवहि	बुभूषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अबुभूषिष्ट	अबुभूषिषाताम्	अबुभूषिषत	प्र०
	अबुभूषिष्ठाः	अबुभूषिषाथाम्	अबुभूषिध्वम्	म०
	अबुभूषि	अबुभूषिष्यावहि	अबुभूषिष्यामहि	उ०
लृङ् (आ०)	अबुभूषिष्यत	अबुभूषिष्येताम्	अबुभूषिष्यन्त	प्र०
	अबुभूषिष्यथाः	अबुभूषिष्येथाम्	अबुभूषिध्वम्	म०
	अबुभूषिष्ये	अबुभूषिष्यावहि	अबुभूषिष्यामहि	उ०

4. “बोभूय” धातु

लट् (आ०)	बोभूयते	बोभूयते	बोभूयन्ते	प्र०
	बोभूयसे	बोभूयथे	बोभूयध्वे	म०
	बोभूये	बोभूयावहे	बोभूयामहे	उ०
लिट् (आ०)	बोभूयांचक्रे	बोभूयांचक्राते	बोभूयांचक्रिरे	प्र०
	बोभूयांचकृषे	बोभूयांचक्राथे	बोभूयांचकृध्वे	म०
	बोभूयांचक्रे	बोभूयांचकृवहे	बोभूयांचकृमहे	उ०
(पक्षे)	बोभूयामासे,	बोभूयाम्बभूवे इत्यादि		
लुट् (आ०)	बोभूयिता	बोभूयितारौ	बोभूयितारः	प्र०
	बोभूयितासे	बोभूयितासाथे	बोभूयिताध्वे	म०
	बोभूयिताहे	बोभूयितास्वहे	बोभूयितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	बोभूयिष्यते	बोभूयिष्येते	बोभूयिष्यन्ते	प्र०
	बोभूयिष्यसे	बोभूयिष्येथे	बोभूयिष्यध्वे	म०
	बोभूयिष्ये	बोभूयिष्यावहे	बोभूयिष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	बोभूय्यताम्	बोभूय्येताम्	बोभूय्यन्ताम्	प्र०
	बोभूय्यस्व	बोभूय्येथाम्	बोभूय्यध्वम्	म०
	बोभूय्यै	बोभूय्यावहै	बोभूय्यामहै	उ०

लङ् (आ०)	अबोभूययत	अबोभूययेताम्	अबोभूययन्त	प्र०
	अबोभूययथाः	अबोभूययेथाम्	अबोभूययध्वम्	म०
	अबोभूयये	अबोभूययावहि	अबोभूययामहि	उ०
विधि-लिङ्	बोभूययेत	बोभूययेताम्	बोभूययेरन्	प्र०
(आ०)	बोभूययेथाः	बोभूययेथाम्	बोभूययध्वम्	म०
	बोभूययेय	बोभूययेवहि	बोभूययेमहि	उ०
आशिप्-लिङ्	बोभूयिषीष्ट	बोभूयिषीयास्ताम्	बोभूयिषीरन्	प्र०
(आ०)	बोभूयिषीष्ठाः	बोभूयिषास्थाम्	बोभूयिषीध्वम्	म०
	बोभूयिषीय	बोभूयिषीवहि	बोभूयिषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अबोभूयिष्ट	अबोभूयिषाताम्	अबोभूयिषत	प्र०
	अबोभूयिष्ठाः	अबोभूयिषाथाम्	अबोभूयिध्वम्	म०
	अबोभूयिषि	अबोभूयिष्वहि	अबोभूयिष्महि	उ०
लृङ् (आ०)	अबोभूयिष्यत	अबोभूयिष्येताम्	अबोभूयिष्यन्त	प्र०
	अबोभूयिष्यथाः	अबोभूयिष्येथाम्	अबोभूयिष्यध्वम्	म०
	अबोभूयिष्ये	अबोभूयिष्यावहि	अबोभूयिष्यामहि	उ०

5. “ष्टु स्तुतौ” धातु

लट् (आ०)	स्तूयते	स्तूयेते	स्तूयन्ते	प्र०
	स्तूयसे	स्तूयेथे	स्तूयध्वे	म०
	स्तूये	स्तूयावहे	स्तूयामहे	उ०
लिट् (आ०)	तुष्टुवे	तुष्टुवाते	तुष्टुविरे	प्र०
	तुष्टुविषे	तुष्टुवाथे	तुष्टुविध्वे	म०
	तुष्टुवे	तुष्टुविवहे	तुष्टुविमहे	उ०
लुट् (आ०)	स्ताविता	स्तावितारौ	स्तावितारः	प्र०
	स्तावितासे	स्तावितासाथे	स्ताविताध्वे	म०
	स्ताविताहे	स्तावितास्वहे	स्तावितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	स्तोता	स्तोतारौ	स्तोतारः	प्र०
	स्तोतासे	स्तोतासाथे	स्तोताध्वे	म०
	स्तोताहे	स्तोतास्वहे	स्तोतास्महे	उ०
लृट् (आ०)	स्ताविष्यते	स्ताविष्येते	स्ताविष्यन्ते	प्र०
	स्ताविष्यते	स्ताविष्येते	स्ताविष्यन्ते	म०
	स्ताविष्यसे	स्ताविष्येथे	स्ताविष्यध्वे	म०

	स्तोष्यसे	स्तोष्येथे	स्तोष्यध्वे	
	स्ताविष्ये	स्ताविष्यावहे	स्ताविष्यामहे	उ०
	स्तोष्ये	स्तोष्यावहे	स्तोष्यामहे	
लोट् (आ०)	स्तूयताम्	स्तूयेताम्	स्तूयन्ताम्	प्र०
	स्तूयस्व	स्तूयेथाम्	स्तूयध्वम्	म०
	स्तूयै	स्तूयावहै	स्तूयामहै	उ०
लङ् (आ०)	अस्तूयत	अस्तूयेताम्	अस्तूयन्त	प्र०
	अस्तूयथाः	अस्तूयेथाम्	अस्तूयध्वम्	म०
	अस्तूये	अस्तूयावहि	अस्तूयामहि	उ०
विधि-लिङ्	स्तूयेत	स्तूयेयाताम्	स्तूयेरन्	प्र०
(आ०)	स्तूयेथाः	स्तूयेयाथाम्	स्तूयेध्वम्	म०
	स्तूयेय	स्तूयेवहि	स्तूयेमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	स्ताविषीष्ट	स्ताविषीयास्ताम्	स्ताविषीरन्	प्र०
(आ०)	स्ताविषीष्ठाः	स्ताविषीयास्थाम्	स्ताविषीध्वम्	म०
	स्ताविषीय	स्ताविषीवहि	स्ताविषीमहि	उ०
(आ०)	स्तोषीष्ट	स्तोषीयास्ताम्	स्तोषीरन्	प्र०
	स्तोषीष्ठाः	स्तोषीयास्थाम्	स्तोषीध्वम्	म०
	स्तोषीय	स्तोषीवहि	स्तोषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अस्तावि	अस्ताविषाताम्	अस्ताविषत	प्र०
	अस्ताविष्ठाः	अस्ताविषाथाम्	अस्ताविध्वम्	म०
	अस्ताविषि	अस्ताविष्वहि	अस्ताविष्महि	उ०
(आ०)	अस्तावि	अस्तोषाताम्	अस्तोषत	प्र०
	अस्तोष्ठाः	अस्तोषाथाम्	अस्तोध्वम्	म०
	अस्तोषि	अस्तोष्वहि	अस्तोष्महि	उ०
लृङ् (आ०)	अस्ताविष्यत्	अस्ताविष्येताम्	अस्ताविष्यन्त	प्र०
	अस्ताविष्यथाः	अस्ताविष्येथाम्	अस्ताविष्यध्वम्	म०
	अस्ताविष्ये	अस्ताविष्यावहि	अस्ताविष्यामहि	उ०

6. “ऋ गतौ” धातु

लट् (आ०)	अर्यते	अर्येते	अर्यन्ते	प्र०
	अर्यसे	अर्येथे	अर्यध्वे	म०
	अर्ये	अर्यावहे	अर्यामहे	उ०

लिट् (आ०)	आरे	आराते	आरिरे	प्र०
	आरिषे	आराथे	आरिध्वे	म०
	आरे	आरिवहे	आरिमहे	उ०
लुट् (आ०)	आरिता	आरितारौ	आरितारः	प्र०
	अर्त्ता	अर्त्तारौ	अर्त्तारः	
	आरितासे	आरितासाथे	आरिताध्वे	म०
	अर्त्तासे	अर्त्तासाथे	अर्त्ताध्वे	
	आरिताहे	आरितास्वहे	आरितास्महे	उ०
	अर्त्ताहे	अर्त्तास्वहे	अर्त्तास्महे	
लृट् (आ०)	आरिष्यते	आरिष्येते	आरिष्यन्ते	प्र०
	अरिष्यते	अरिष्येते	अरिष्यन्ते	
	आरिष्यसे	आरिष्येथे	आरिष्यध्वे	म०
	अरिष्यसे	अरिष्येथे	अरिष्यध्वे	
	आरिष्ये	आरिष्यावहे	आरिष्यामहे	उ०
	अरिष्ये	अरिष्यावहे	अरिष्यामहे	
लोट् (आ०)	अर्यताम्	अर्यताम्	अर्यन्ताम्	प्र०
	अर्यस्व	अर्यथाम्	अर्यध्वम्	म०
	अर्यै	अर्यावहै	अर्यामहै	उ०
लङ् (आ०)	अर्यत	अर्यताम्	अर्यन्त	प्र०
	अर्यथाः	अर्यथाम्	अर्यध्वम्	म०
	अर्ये	अर्यावहि	अर्यामहि	उ०
विधि-लिट्	अर्येत	अर्येयाताम्	अर्येरन्	प्र०
(आ०)	अर्येथाः	अर्येयाथाम्	अर्येध्वम्	म०
	अर्येय	अर्येवहि	अर्येमहि	उ०
आशिष्-लिट्	आरिषीष्ट	आरिषीयास्ताम्	आरिषीरन्	प्र०
(आ०)	ऋषीष्ट	ऋषीयास्ताम्	ऋषीरन्	
	आरिषीष्ठाः	आरिषीयास्थाम्	आरिषीध्वम्	म०
	ऋषीष्ठाः	ऋषीयास्थाम्	ऋषीध्वम्	
	आरिषीय	आरिषीवहि	आरिषीमहि	उ०
	ऋषीय	ऋषीवहि	ऋषीमहि	

लृङ् (आ०)	आरि	आरिषाताम्	आरिषत	प्र०
	आरिष्ठाः	आरिषाथाम्	आरिष्वम्	म०
	आरिषि	आरिष्वहि	आरिष्वहि	उ०
	आरि	आर्षाताम्	आर्षत	प्र०
	आरिष्ठाः	आर्षाथाम्	आरिष्वम्	म०
	आरिषि	आरिष्वहि	आरिष्वहि	उ०
लृङ् (आ०)	आरिष्यत्	आरिष्येताम्	आरिष्यन्त	प्र०
	आरिष्यथाः	आरिष्येथाम्	आरिष्यध्वम्	म०
	आरिष्ये	आरिष्यावहि	आरिष्यमहि	उ०
	अरिष्यत	अरिष्येताम्	अरिष्यन्त	प्र०
	अरिष्यथाः	अरिष्येथाम्	अरिष्यध्वम्	म०
	अरिष्ये	अरिष्यावहि	अरिष्यामहि	उ०
7. "स्मृ" धातु				
लट् (आ०)	स्मर्यते	स्मर्येते	स्मर्यन्ते	प्र०
	स्मर्यसे	स्मर्यथे	स्मर्यध्वे	म०
	स्मर्ये	स्मर्यावहे	स्मर्यामहे	उ०
लिट् (आ०)	सस्मरे	सस्मराते	सस्मरिरे	प्र०
	सस्मरिषे	सस्मराथे	सस्मरध्वे	म०
	सस्मरे	सस्मरिवहे	सस्मरिमहे	उ०
लुट् (आ०)	स्मारिता	स्मारितारौ	स्मारितारः	प्र०
	स्मर्ता	स्मर्तारौ	स्मर्तारः	
	स्मारितासे	स्मारितासाथे	स्मारिताध्वे	म०
	स्मर्तासे	स्मर्तासाथे	स्मर्ताध्वे	
	स्मारिताहे	स्मारितास्वहे	स्मारितास्महे	उ०
	स्मर्ताहे	स्मर्तास्वहे	स्मर्तास्महे	
लृट् (आ०)	स्मारिष्यते	स्मारिष्येते	स्मारिष्यन्ते	प्र०
	स्मरिष्यते	स्मरिष्येते	स्मरिष्यन्ते	
	स्मारिष्यसे	स्मारिष्येथे	स्मारिष्यध्वे	म०
	स्मरिष्यसे	स्मरिष्येथे	स्मरिष्यध्वे	
	स्मारिष्ये	स्मारिष्यावहे	स्मारिष्यामहे	उ०
	स्मरिष्ये	स्मरिष्यावहे	स्मरिष्यामहे	

लोट् (आ०)	स्मर्यताम्	स्मर्येताम्	स्मर्यन्ताम्	प्र०
	स्मर्यस्व	स्मर्येथाम्	स्मर्यध्वम्	म०
	स्मर्ये	स्मर्यावहे	स्मर्यामहे	उ०
लङ् (आ०)	अस्मर्यत	अस्मर्येताम्	अस्मर्यन्त	प्र०
	अस्मर्यथाः	अस्मर्येथाम्	अस्मर्यध्वम्	म०
	अस्मर्ये	अस्मर्येवहि	अस्मर्येमहि	उ०
विधि-लिङ् (आ०)	स्मर्येत	स्मर्येताम्	स्मर्येरन्	प्र०
	स्मर्येथाः	स्मर्येथाम्	स्मर्येध्वम्	म०
	स्मर्येय	स्मर्येवहि	स्मर्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (आ०)	स्मारिषीष्ट	स्मारिषीयास्ताम्	स्मारिषीरन्	प्र०
	स्मारिषीष्ट	स्मारिषीयास्ताम्	स्मारिषीरन्	
	स्मारिषीष्टाः	स्मारिषीयास्थाम्	स्मारिषीध्वम्	म०
	स्मारिषीष्टाः	स्मारिषीयास्थाम्	स्मारिषीध्वम्	
	स्मारिषीय	स्मारिषीवहि	स्मारिषीमहि	उ०
	स्मारिषीय	स्मारिषीवहि	स्मारिषीमहि	
	स्मारिषीय	स्मारिषीवहि	स्मारिषीमहि	
लृङ् (आ०)	अस्मारिष्ट	अस्मारिषाताम्	अस्मारिषत	प्र०
	अस्मारि	अस्मार्षाताम्	अस्मार्षत	
	अस्मारिष्टाः	अस्मारिषाथाम्	अस्मारिध्वम्	म०
	अस्मारिषि	अस्मारिष्वहि	अस्मारिष्वमहि	उ०
लृङ् (आ०)	अस्मारिष्यत	अस्मारिष्येताम्	अस्मारिष्यन्त	प्र०
	अस्मारिष्यथाः	अस्मारिष्येथाम्	अस्मारिष्यध्वम्	म०
	अस्मारिष्ये	अस्मारिष्यावहि	अस्मारिष्यामहि	उ०

8. “संसु” धातु

लट् (आ०)	संस्यते	संस्येते	संस्यन्ते	प्र०
	संस्यसे	संस्येथे	संस्यध्वे	म०
	संस्ये	संस्यावहे	संस्यामहे	उ०
लिट् (आ०)	संस्रसे	संस्रसाते	संस्रसिरे	प्र०
	संस्रसिषे	संस्रसाथे	संस्रसिध्वे	म०
	संस्रषे	संस्रषिवहे	संस्रषिमहे	उ०

लुट् (आ०)	संसिता	संसितारौ	संसितारः	प्र०
	संसितासे	संसितासाथे	संसिताध्वे	म०
	संसिताहे	संसितास्वहे	संसितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	संसिष्यते	संसिष्येते	संसिष्यन्ते	प्र०
	संसिष्यसे	संसिष्येथे	संसिष्यध्वे	म०
	संसिष्ये	संसिष्यावहे	संसिष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	स्रस्यताम्	स्रस्येताम्	स्रस्यन्ताम्	प्र०
	स्रस्यस्व	स्रस्येथाम्	स्रस्यध्वम्	म०
	स्रस्यै	स्रस्यावहै	स्रस्यामहै	उ०
लङ् (आ०)	अस्रस्यत	अस्रस्येताम्	अस्रस्यन्त	प्र०
	अस्रस्यथाः	अस्रस्येथाम्	अस्रस्यध्वम्	म०
	अस्रस्ये	अस्रस्यावहि	अस्रस्यामहि	उ०
विधि-लिङ्	स्रस्येत	स्रस्येयाताम्	स्रस्येरन्	प्र०
(आ०)	स्रस्येथाः	स्रस्येयाथाम्	स्रस्येध्वम्	म०
	स्रस्येय	स्रस्येवहि	स्रस्येमहि	उ०
आशिप्-लिङ्	संसिषीष्ट	संसिषीयास्ताम्	संसिषीरन्	प्र०
(आ०)	संसिषीष्ठाः	संसिषीयास्थाम्	संसिषीध्वम्	म०
	संसिषीय	संसिषीवहि	संसिषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अस्रंसि	अस्रंसिषाताम्	अस्रंसिषत	
लृङ् (आ०)	अस्रंसिष्यत	अस्रंसिष्येताम्	अस्रंसिष्यन्त	प्र०
	अस्रंसिष्यथाः	अस्रंसिष्येथाम्	अस्रंसिष्यध्वम्	म०
	अस्रंसिष्ये	अस्रंसिष्यावहि	अस्रंसिष्यामहि	उ०

9. "नदि" धातु

लट् (आ०)	नन्दते	नन्देते	नन्दन्ते	प्र०
	नन्दसे	नन्देथे	नन्दध्वे	म०
	नन्दे	नन्दावहे	नन्दामहे	उ०
लिट् (आ०)	ननन्दे	ननन्दाते	ननन्दिरे	प्र०
	ननन्दिषे	ननन्दाथे	ननन्दिध्वे	म०
	ननन्दे	ननन्दिवहे	ननन्दिमहे	उ०

लृट् (आ०)	नन्दिता	नन्दितारौ	नन्दितारः	प्र०
	नन्दितासे	नन्दितासाथे	नन्दिताध्वे	म०
	नन्दिताहे	नन्दितास्वहे	नन्दितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	नन्दिष्यते	नन्दिष्येते	नन्दिष्यन्ते	प्र०
	नन्दिष्यसे	नन्दिष्येथे	नन्दिष्यध्वे	म०
	नन्दिष्ये	नन्दिष्यावहे	नन्दिष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	नन्द्यताम्	नन्द्येताम्	नन्द्यन्ताम्	प्र०
	नन्द्यस्व	नन्द्येथाम्	नन्द्यध्वम्	म०
	नन्द्यै	नन्द्यावहै	नन्द्यामहै	उ०
लङ् (आ०)	अनन्द्यत	अनन्द्येताम्	अनन्द्यन्त	प्र०
	अनन्द्यथाः	अनन्द्येथाम्	अनन्द्यध्वम्	म०
	अनन्द्ये	अनन्द्यावहि	अनन्द्यामहि	उ०
विधि-लिङ्	नन्द्येत	नन्द्येयाताम्	नन्द्येरन्	प्र०
(आ०)	नन्द्येथाः	नन्द्येयाथाम्	नन्द्येध्वम्	म०
	नन्द्येय	नन्द्येवहि	नन्द्येमहि	उ०
आशिप्-लिङ्	नन्दिषीष्ट	नन्दिषीयास्ताम्	नन्दिषीरन्	प्र०
(आ०)	नन्दिषीष्ठाः	नन्दिषीयास्थाम्	नन्दिषीध्वम्	म०
	नन्दिषीय	नन्दिषीवहि	नन्दिषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अनन्दि	अनन्दिषाताम्	अनन्दिषत	प्र०
	अनन्दिष्ठाः	अनन्दिषाथाम्	अनन्दिध्वम्	म०
	अनन्दिषि	अनन्दिष्वहि	अनन्दिष्महि	उ०
लृङ् (आ०)	अनन्दिष्यत	अनन्दिष्येताम्	अनन्दिष्यन्त	प्र०
	अनन्दिष्यथाः	अनन्दिष्येथाम्	अनन्दिष्यध्वम्	म०
	अनन्दिष्ये	अनन्दिष्यावहि	अनन्दिष्यामहि	उ०

10. “यज्” धातु

लट् (आ०)	इज्यते	इज्येते	इज्यन्ते	प्र०
	इज्यसे	इज्येथे	इज्यध्वे	म०
	इज्ये	इज्यावहे	इज्यामहे	उ०
लिट् (आ०)	ईजे	ईजाते	ईजिरे	प्र०
	ईजिषे	ईजाथे	ईजध्वे	म०
	ईजे	ईजिवहे	ईजिमहे	उ०

लृट् (आ०)	यष्टा	यष्टारौ	यष्टारः	प्र०
	यष्टासे	यष्टासाथे	यष्टाध्वे	म०
	यष्टाहे	यष्टास्वहे	यष्टास्महे	उ०
लृट् (आ०)	यक्ष्यते	यक्ष्येते	यक्ष्यन्ते	प्र०
	यक्ष्यसे	यक्ष्येथे	यक्ष्यध्वे	म०
	यक्ष्ये	यक्ष्यावहे	यक्ष्यामहे	उ०
लृट् (आ०)	इज्यताम्	इज्यताम्	इज्यन्ताम्	प्र०
	इज्यस्व	इज्येथाम्	इज्यध्वम्	म०
	इज्ये	इज्यावहे	इज्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	एज्यताम्	एज्येताम्	एज्यन्ताम्	प्र०
	एज्यस्व	एज्येथाम्	एज्यध्वम्	म०
	एज्यै	एज्यावहै	एज्यामहै	उ०
लङ् (आ०)	एज्यत	एज्येताम्	एज्यन्त	प्र०
	एज्येथाः	एज्येथाम्	एज्यध्वम्	म०
	एज्ये	एज्यावहि	एज्यामहि	उ०
विधि-लिङ्	इज्येत	इज्येयाताम्	इज्येरन्	प्र०
(आ०)	इज्येथाः	इज्येयाथाम्	इज्येध्वम्	म०
	इज्येय	इज्येवहि	इज्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ्	यक्षीष्ट	यक्षीयास्ताम्	यक्षीरन्	प्र०
(आ०)	यक्षीष्ठाः	यक्षीयास्थाम्	यक्षीध्वम्	म०
	यक्षीय	यक्षीवहि	यक्षीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अयष्ट	अयक्षाताम्	अयक्षत	प्र०
	अयष्टाः	अयक्षाथाम्	अयक्षध्वम्	म०
	अयक्षे	अयक्ष्वहि	अयक्षमहि	उ०
लृङ् (आ०)	अयक्ष्यत्	अयक्ष्येताम्	अयक्ष्यन्त	प्र०
	अयक्ष्यथाः	अयक्ष्येथाम्	अयक्ष्यध्वम्	म०
	अयक्ष्ये	अयक्ष्यावहि	अयक्ष्यामहि	उ०

11. "तन्" धातु

लट् (आ०)	तन्यते	तन्येते	तन्यन्ते	प्र०
	तन्यसे	तन्येथे	तन्यध्वे	म०
	तन्ये	तन्यावहे	तन्यामहे	उ०

लिट् (आ०)	तेने	तेनाते	तेनिरे	प्र०
	तेनिषे	तेनाथे	तेनिध्वे	म०
	तेने	तेनिवहे	तेनिमहे	उ०
लुट् (आ०)	तनिता	तनितारौ	तनितारः	प्र०
	तनितासे	तनितासाथे	तनिताध्वे	म०
	तनिताहे	तनितास्वहे	तनितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	तनिष्यते	तनिष्येते	तनिष्यन्ते	प्र०
	तनिष्यसे	तनिष्येथे	तनिष्यध्वे	म०
	तनिष्ये	तनिष्यावहे	तनिष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	तन्यताम्	तन्येताम्	तन्यन्ताम्	प्र०
	तन्यस्व	तन्येथाम्	तन्यध्वम्	म०
	तन्यै	तन्यावहै	तन्यामहै	उ०
लङ् (आ०)	अतन्यत	अतन्येताम्	अतन्यन्त	प्र०
	अतन्यथाः	अतन्येथाम्	अतन्यध्वम्	म०
	अतन्ये	अतन्यावहि	अतन्यामहि	उ०
विधि-लिङ् (आ०)	तन्येत	तन्येयाताम्	तन्येरन्	प्र०
	तन्येथाः	तन्येयाथाम्	तन्येध्वम्	म०
	तन्येय	तन्येवहि	तन्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (आ०)	तनिषीष्ट	तनिषीयास्ताम्	तनिषीरन्	प्र०
	तनिषीष्ठाः	तनिषीयास्थाम्	तनिषीध्वम्	म०
	तनिषीय	तनिषीवहि	तनिषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अतानि	अतानिषाताम्	अतानिषत	प्र०
	अतानिष्ठाः	अतानिषाथाम्	अतानिषिध्वम्	म०
	अतानिषि	अतानिष्वहि	अतानिष्वमहि	उ०
लृङ् (आ०)	अतनिष्यत्	अतनिष्येताम्	अतनिष्यन्त	प्र०
	अतनिष्यथाः	अतनिष्येथाम्	अतनिष्यध्वम्	म०
	अतनिष्ये	अतनिष्यावहि	अतनिष्यामहि	उ०

12. “दा, एवं धा, पा, गा (गै) स्था” धातुओं के रूप समान ही हैं।

लट् (आ०)	दीयते	दीयेते	दीयन्ते	प्र०
	दीयसे	दीयेथे	दीयध्वे	म०
	दीये	दीयावहे	दीयामहे	उ०

लिट् (आ०)	ददे	ददाते	ददिरे	प्र०
	ददिषे	ददाथे	ददिध्वे	म०
	ददे	ददिवहे	ददिमहे	उ०
लुट् (आ०)	दायिता, दाता	दायितारौ	दायितारः	प्र०
	दायितासे	दायितासाथे	दायिताध्वे	म०
	दायिताहे	दायितास्वहे	दायितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	दायिष्यते	दायिष्येते	दायिष्यन्ते	प्र०
	दायिष्यसे	दायिष्येथे	दायिष्यध्वे	म०
	दायिष्ये	दायिष्यावहे	दायिष्यामहे	उ०
लोट् (आ०)	दीयताम्	दीयेताम्	दीयन्ताम्	प्र०
	दीयस्व	दीयेथाम्	दीयध्वम्	म०
	दीयै	दीयावहै	दीयामहै	उ०
लङ् (आ०)	अदीयत	अदीयेताम्	अदीयन्त	प्र०
	अदीयथाः	अदीयेथाम्	अदीयध्वम्	म०
	अदीये	अदीयावहि	अदीयामहि	उ०
विधि-लिङ् (आ०)	दीयेत	दीयेयाताम्	दीयेरन्	प्र०
	दीयेथाः	दीयेयाथाम्	दीयेध्वम्	म०
	दीयेय	दीयेवहि	दीयेमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अदायिष्ट	अदायिषाताम्	अदायिषत	प्र०
	अदायिष्ठाः	अदायिषाथाम्	अदायिध्वम्	म०
	अदायिषि	अदायिष्वहि	अदायिष्महि	उ०
लृङ् (आ०)	अदायिष्यत	अदायिष्येताम्	अदायिष्यन्त	प्र०
	अदायिष्यथाः	अदायिष्येथाम्	अदायिष्यध्वम्	म०
	अदायिष्ये	अदायिष्यावहि	अदायिष्यामहि	उ०

13. “ग्लै” धातु - पूर्ववदेव

लट् (आ०)	ग्लायते
लिट् (आ०)	जग्ले
लुट् (आ०)	ग्लायिता
लृट् (आ०)	ग्लायिष्यते
लोट् (आ०)	ग्लायताम्

लङ् (आ०)	अग्लायत
विधिलिङ् (आ०)	ग्लायेत
आशिष्लिङ् (आ०)	ग्लायिषीष्ट
लुङ् (आ०)	अग्लायि
लृङ् (आ०)	अग्लायिष्यत

14. “हन्” - पूर्ववदेव

लट् (आ०)	हन्यते
लिट् (आ०)	जहने
लुट् (आ०)	हन्ता, घानिता
लृट् (आ०)	हनिष्यते, घानिष्यते
लोट् (आ०)	हन्यताम्
लङ् (आ०)	अहन्यत
विधिलिङ् (आ०)	हन्येत
आशिष्लिङ् (आ०)	घानिषीष्ट, वधिषीष्ट
लुङ् (आ०)	अवधि, अघानि, अघानिषाताम्, अवधिषाताम्, अहंसाताम्
लृङ् (आ०)	अहनिष्यत् - अघानिष्यत्

15. “ग्रह्” धातु

लट् (आ०)	गृह्यते	गृह्येते	गृह्यन्ते	प्र०
	गृह्यसे	गृह्येथे	गृह्यध्वे	म०
	गृह्ये	गृह्यावहे	गृह्यामहे	उ०
लिट् (आ०)	जगृहे	जगृहाते	जगृहिरे	प्र०
	जगृहिषे	जगृहाथे	जगृहिध्वे	म०
	जगृहे	जगृहिवहे	जगृहिमहे	उ०
लुट् (आ०)	ग्रहीता-ग्राहिता	ग्रहीतारौ	गृहीतारः	प्र०
	ग्रहीतासे	ग्रहीतासाथे	गृहीताध्वे	म०
	ग्रहीताहे	ग्रहीतास्वहे	गृहीतास्महे	उ०
लृट् (आ०)	ग्रहीष्यते-ग्राहिष्यते	ग्रहीष्येते	ग्रहीष्यन्ते	प्र०
	ग्रहीष्यसे	ग्रहीष्येथे	ग्रहीष्यध्वे	म०
	ग्रहीष्ये	ग्रहीष्यावहे	ग्रहीष्यामहे	उ०

लोट् (आ०)	गृह्याताम्	गृह्येताम्	गृह्यन्ताम्	प्र०
	गृह्यस्व	गृह्येथाम्	गृह्यध्वम्	म०
	गृह्यै	गृह्यावहै	गृह्यामहै	उ०
लङ् (आ०)	अगृह्यत	अगृह्येताम्	अगृह्यन्त	प्र०
	अगृह्यथाः	अगृह्येथाम्	अगृह्यध्वम्	म०
	अगृह्ये	अगृह्यावहि	अगृह्यामहि	उ०
विधि-लिङ्	गृह्यात			
आशिष्-लिङ्	ग्राहिषीष्ट	ग्राहिषीयास्ताम्	ग्राहिषीरन्	प्र०
(आ०)	ग्रहिषीष्ट	ग्रहिषीयास्ताम्	ग्रहिषीरन्	म०
	ग्राहिषीष्ठाः	ग्राहिषीयास्थाम्	ग्राहिषीध्वम्	
	ग्रहिषीष्ठाः	ग्रहिषीयास्थाम्	ग्रहिषीध्वम्	
	ग्राहिषीय	ग्राहिषीवहि	ग्राहिषीमहि	उ०
	ग्रहिषीय	ग्रहीषीवहि	ग्रहीषिमहि	
लुङ् (आ०)	अग्राहि	अग्राहिषाताम्	अग्राहिषत	प्र०
		अग्रहीषाताम्		
	अग्राहिष्ठाः	अग्राहिषाथाम्	अग्राहिषीध्वम्	म०
		अग्रहीषाथाम्	अग्रहीध्वम्	
	अग्रहिषि	अग्रहिष्वहि	अग्रहिष्वमहि	उ०
लृङ् (आ०)	अग्रहीष्यत	अग्रहीष्येताम्	अग्रहीष्यन्त	प्र०
	अग्रहीष्ठाः	अग्रहीष्येथाम्	अग्रहीष्यध्वम्	म०
	अग्रहीष्ये	अग्रहीष्येवहि	अग्रहीष्यामहि	उ०

15. “दृश्” धातु - पूर्ववदेव

लट् (आ०)	दृश्यते	दृश्येते	दृश्यन्ते	प्र०
	दृश्यसे	दृश्येथे	दृश्यध्वे	म०
	दृश्ये	दृश्यावहे	दृश्यामहे	उ०
लिट् (आ०)	ददृशे			
	ददृशिषे			
	ददृशे			
लुट् (आ०)	दर्शिता, दृष्ट्या			
	दर्शितासे			
	दर्शिताहे			

लृट् (आ०)	दर्शिष्यते			
	द्रक्ष्यते			
लोट् (आ०)	दृश्यताम्			
	दृश्यस्व			
	दृश्यै			
लङ् (आ०)	अदृश्यत			
	अदृश्यथाः			
	अदृश्ये	अदृश्यावहि	अदृश्यामहि	
विधिलिङ् (आ०)	दृश्येत	दृश्येयाताम्	दृश्येरन्	प्र०
	दृश्येथाः	दृश्येयाथाम्	दृश्येध्वम्	म०
	दृश्येय	दृश्येवहि	दृश्येमहि	उ०
आशिष्लिङ् (आ०)	दर्शिषीष्ट, दृक्षीष्ट			
लुङ् (आ०)	अदर्शि	अदर्शिषाताम्	अदृक्षाताम्	
लृङ् (आ०)	अदर्शिष्यत	अदर्शिष्येताम्	अदर्शिष्यन्त	प्र०
	अद्रक्ष्यत	अद्रक्ष्येताम्	अद्रक्ष्यन्त	

16. "गृ" धातु

लट् (आ०)	गीर्यते	गीर्येते	गीर्यन्ते	प्र०
	गीर्यसे	गीर्येथे	गीर्यध्वे	म०
	गीर्ये	गीर्यावहे	गीर्यामहे	उ०
लिट् (आ०)	जगरे	जगराते	जगरिरे	प्र०
	जगरिषे	जगराथे	जगरिध्वे	म०
	जगरे	जगरिवहे	जगरिमहे	उ०
लुट् (आ०)	गरिता	गरितारौ	गरितारः	प्र०
	गरितासे	गरितासाथे	गरिताध्वे	म०
	गरिताहे	गरितास्वहे	गरितास्महे	उ०
लृट् (आ०)	गरिष्यते	गरिष्येते	गरिष्यन्ते	प्र०
	गरीष्यते			
	गारिष्यते			
	गरिष्यसे	गरिष्येथे	गरिष्यध्वे	म०
	गरिष्ये	गरिष्यावहे	गरिष्यामहे	उ०

लोट् (आ०)	गीर्यताम्	गीर्येताम्	गीर्यन्ताम्	प्र०
	गीर्यस्व	गीर्येथाम्	गीर्यध्वम्	म०
	गीर्ये	गीर्यामहे	गीर्यामहे	उ०
लङ् (आ०)	अगीर्यत	अगीर्येताम्	अगीर्यन्त	प्र०
	अगीर्यथाः	अगीर्येथाम्	अगीर्यध्वम्	म०
	अगीर्ये	अगीर्यामहि	अगीर्यामहि	उ०
विधि-लिङ् (आ०)	गीर्येत	गीर्येयाताम्	गीर्येरन्	प्र०
	गीर्येथाः	गीर्येयाथाम्	गीर्येध्वम्	म०
	गीर्ये	गीर्येमहि	गीर्येमहि	उ०
आशिष्-लिङ् (आ०)	गारिषीष्ट	गारिषीयास्ताम्	गारिषीरन्	प्र०
	गारिषीष्ठाः	गारिषीयास्थाम्	गारिषीध्वम्	म०
	गारिषीय	गारिषीमहि	गारिषीमहि	उ०
लुङ् (आ०)	अगरिष्ट	अगरिषाताम्	अगरिषत	प्र०
	अगरीष्ट			
	अगरीष्ट			
	अगरिष्ठाः	अगरिषाथाम्	अगरिध्वम्	म०
	अगरिषि	अगरिष्वहि	अगरिष्वहि	उ०
लृङ् (आ०)	अगरिष्यत	अगरिष्येताम्	अगरिष्यन्त	प्र०
	अगरिष्यथाः	अगरिष्येथाम्	अगरिष्यध्वम्	म०
	अगरिषी	अगरिष्यामहि	अगरिष्यामहि	उ०

धात्वनुक्रमणिका

भ्वादिप्रकरणम्

- | | |
|--|--|
| 1. भू सत्तायाम् | 26. हानाद अव्यक्ते शब्दे |
| 2. एध वृद्धौ | 27. ह्लादी सुखे च, चादव्यक्ते शब्दे |
| 3. स्पर्ध संघर्षे | 28. स्वाद आस्वादाने |
| 4. गाधृ प्रतिष्ठालिप्सयोर्ग्रन्थे च | 29. पर्द कुत्सिते शब्दे |
| 5. बाधृ लोडने | 30. यती प्रयत्ने |
| 6. नाधृ | 31. युतृ |
| 7. नाधृ याचजोपतापेश्वर्याशीःषु | 32. जुतृ भासने |
| 8. दध धारणे | 33. विधृ |
| 9. स्कुदि आप्रवणेआप्रवण-
मुत्पलनमुद्धारणं च | 34. वेधृ वाचने |
| 10. शिवदिश्चैत्ये | 35. श्रथि शैथिल्ये |
| 11. वदि अभिवादनस्तुत्योः | 36. ग्रथि कौटिल्ये |
| 12. भदि कल्याणे सुखे च | 37. कथ श्लाघायाम् |
| 13. मदि स्तुतिमोदमद-
स्वप्नकान्तिगतिषु | 38. अत सातत्यगमने |
| 14. स्पदि किञ्चिलने | 39. चिती संज्ञाने |
| 15. क्लिदि परिदेवने - शोक
इत्यर्कः | 40. च्युतिर आसेचने |
| 16. मुद हर्षे | 41. श्च्युतिर क्षरणे |
| 17. दद दाने ददते | 42. मन्थ विलोडने |
| 18. ष्वद | 43. कुथि |
| 19. स्वर्द आस्वादाने | 44. पुथि |
| 20. उर्द माने क्रीडायां च | 45. लुथि |
| 21. खुर्द | 46. मथि हिसासंक्लेशनयोः |
| 22. बुर्द | 47. विध गत्याम् |
| 23. गुर्द | 48. विधू शास्त्रे मांगल्ये च, शास्त्रं
शासनम् |
| 24. गुद क्रीडायामेव | 49. खादृ भक्षणे |
| 25. षूद क्षरणे | 50. खद स्थैर्ये हिंसायां च,
चादभक्षणे |

- | | |
|---------------------------|-----------------------------|
| 51. वद स्थैर्ये | 78. द्रेकृ |
| 52. गद व्यक्तायां वाचि | 79. ध्रेकृ शब्दोत्साहयोः - |
| 53. रद विलेखने | उत्साहो वृद्धिरौद्धत्यं च |
| 54. णद अव्यक्ते शब्दे | 80. रेकृ शङ्कायाम् |
| 55. अर्द गतौ याचने च | 81. सेकृ |
| 56. नर्द शब्दे | 82. स्नेकृ |
| 57. गर्द शब्दे | 83. स्नेकि |
| 58. तर्द हिंसायाम् | 84. श्रकि |
| 59. कर्द कुत्सिते शब्दे | 85. शलकि गतौ |
| 60. खर्द दन्दशूके | 86. शकि शङ्कायाम् |
| दंशनहिंसादिरूपायां | 87. अकि लक्षणे |
| दन्दशूकक्रियायामित्यर्थः | 88. वकि कौटिल्ये |
| 61. अति बन्धने | 89. मकि मण्डने |
| 62. अदि बन्धने | 90. कक लौल्ये, लौल्यं |
| 63. इदि परमैश्वर्ये | गर्वश्चापल्यं च |
| 64. विदि अवयवे - भिदि इति | 91. कुक |
| पाठात्तरम् | 92. वृक आदाने |
| 65. गडि वदनैकदेशे | 93. चक्र तृप्तौ प्रतिघाते च |
| 66. णिदि कुत्सायाम् | 94. ककि |
| 67. टुनदि समृद्धौ | 95. वकि |
| 68. चदि आह्लादे चन्दनति | 96. श्वकि |
| 69. त्रिदि चेष्टायाम् | 97. त्रकि |
| 70. कदि | 98. ढौकृ |
| 71. क्रदि | 99. त्रौकृ |
| 72. क्लदि आह्वाने रोदने च | 100. ध्वष्क |
| 73. किल्दि परिदेवने | 101. वस्क |
| 74. शुन्ध शुद्धौ | 102. मस्क |
| 75. शीकृ सेचने - | 103. टिकृ |
| 76. लोक् दर्शने | 104. टीकृ |
| 77. श्लोक संघाते - संघातो | 105. तिकृ |
| ग्रन्थः | 106. तोकृ |

107. रधि	138. लख
108. लधि गत्यर्थाः	139. लखि
109. अधि	140. इख
110. वधि	141. इखि
111. मधि गत्याक्षेपे	142. ईखि
112. राधृ	143. वल्ग
113. लाधृ	144. रगि
114. दाधृ सामर्थ्ये	145. लगि
115. श्लाघृ कत्थने	146. अगि
116. फक्क नीचैर्गतौ	147. वगि
117. तक हसने	148. मगि
118. तकि कृच्छ्रजीवने	149. तगि
119. बुक्क भषणे, भषणं श्वरवः	150. त्वगि
120. कख हसने	151. श्रगि
121. ओखृ	152. श्लगि
122. राखृ	153. इगि
123. लाखृ	154. रगि
124. द्राखृ	155. लिगि गत्यर्थाः
125. ध्राखृ	156. युगि
126. शाखृ	157. जुगि
127. श्लाखृ व्याप्तौ	158. वुगि
128. उख	159. घघ हसने
129. उखि	160. मधि मण्डने
130. वख	161. शिधि आम्राणे
131. वखि	162. वर्च दीप्तौ
132. मख	163. षच सेचने, सेवने च
133. मखि	164. लोच दर्शने
134. णख	165. शच व्यक्तायां वाचि
135. णखि	166. श्वच
136. रख	167. श्वचि गतौ
137. रखि	168. कच बन्धने

- | | |
|---------------------------------|--------------------------------|
| 169. कचि - दीप्ति बन्धनयोः | 200. खुजु स्तेयकरणे |
| 170. काचि | 201. ग्लुंचु |
| 171. मच | 202. षस्ज गतौ |
| 172. मुचि कल्कने | 203. गुजि अव्यक्ते शब्दे |
| 173. मचि धारणोच्छ्रायपूजनेषु | 204. अर्चपूजायाम् |
| 174. पचि व्यक्तीकरणे | 205. म्लेच्छ अव्यक्ते शब्दे |
| 175. प्टुच प्रसादे | 206. लछ |
| 176. ऋज गतिस्थानार्जनोपार्जनेषु | 207. लाछि लक्षणे |
| 177. ऋजि | 208. वाछि इच्छायाम् |
| 178. भृजो भर्जने | 209. आछि आयामे |
| 179. एजृ | 210. ह्रीच्छ लज्जायाम् |
| 180. भ्रेजृ | 211. हुर्च्छा कौटिल्ये |
| 181. भाजृ दीप्तौ | 212. मूर्च्छा मोहसमुच्छ्राययोः |
| 182. ईज गतिकुत्सनयोः | 213. स्पर्छा विस्तृतौ |
| 183. शुच शोके | 214. पुच्छ प्रमादे |
| 184. कुच शब्दे तारे | 215. उछि उच्छे |
| 185. कुंच | 216. उछी विवासे - विवासः |
| 186. क्रुंच कौटिल्याल्पीभावयोः | समाप्ति |
| 187. लुंच अवनयने | 217. धृज्ज |
| 188. अंचु गतिपूजनयोः | 218. धृजि |
| 189. वंचु | 219. ध्रज |
| 190. चंचु | 220. ध्रजि |
| 191. तंचु | 221. ध्वज |
| 192. त्वञ्चु | 222. ध्वजि गतौ |
| 193. म्रुञ्चु | 223. कूज अव्यक्ते |
| 194. म्लुंचु | 224. अर्ज |
| 195. म्रुचु | 225. षर्ज अर्जने |
| 196. म्लुचु गत्यर्थाः | 226. गर्ज शब्दे |
| 197. ग्रुचु | 227. तर्ज भर्त्सने |
| 198. ग्लुचु | 228. कर्ज व्यथने |
| 199. कुजु | 229. खर्ज पूजने च |

230. अज गतिक्षेपणयोः
 231. तेज पालने
 232. खंज मन्ये
 233. खजि गति वैकल्ये
 234. एजृ कम्पने
 235. टु ओ स्फूर्जा वज्रनिर्घोषे
 236. क्षि क्षये
 237. क्षीज अव्यक्ते शब्दे
 238. लज
 239. लजि भर्त्सने
 240. लाज
 241. लाजि भर्जने च
 242. जज
 243. जजि युद्धे
 244. तुजि हिंसायाम्
 245. तुज पालने
 246. गज
 247. गजि
 248. गृज
 249. गृजि
 250. मुज
 251. मुजि शब्दार्थाः
 252. वज
 253. वज गतौ
 254. अट्ट अतिक्रमहिंसयोः
 255. वेष्ट वेष्टने
 256. चेष्ट चेष्टायाम्
 257. गोष्ट
 258. लोष्ट संघाते
 259. घट्ट चलने
 260. स्फुट विकसने
 261. अठि गतौ
 262. वठि एकचर्यायाम्
 263. मठि
 264. कठि शोके
 265. मुठि पालने
 266. हेठ विवाधायाम्
 267. एठ च
 268. हिडि गत्यनारदयोः
 269. हुडि संघाते
 270. कुडि दाहे
 271. वडि विभाजने
 272. मडि च
 273. भडि परिभाषणे
 274. पिडि संघाते
 275. मुडि मार्जने
 276. तुडि तोडने
 277. हुडि वरणे
 278. चडि कोपे
 279. शडि रुजायां संघाते च
 280. तडि ताडने
 281. पडि गतौ
 282. कडि मदे
 283. खडि मन्थे
 284. हेड्
 285. होड् अनादरे
 286. बाड् आप्लाव्ये
 287. द्राड्
 288. ध्राड् विशरणे
 289. शाड् श्लाघायाम्
 290. शौहुद गर्वे
 291. यौट्ट बन्धे

- | | |
|-------------------------------|------------------------------|
| 292. म्लेह | 323. मुड |
| 293. म्रेड् उन्मादे | 324. म्रुड मर्दने |
| 294. कटे वर्षावरणयोः | 325. चुडि अल्पीभावे |
| 295. अट | 326. मुडि खण्डने |
| 296. पट गतौ | 327. रुटि |
| 297. रट परिभाषणे | 328. लुटि स्तेये |
| 298. लट बाल्ये | 329. स्फुटिर विशरणे |
| 299. शट रूजाविशरणगत्यवसादनेषु | 330. पठ व्यक्तायां वाचि |
| 300. वट वेष्टने | 331. वठ स्थौल्ये |
| 301. कित | 332. मठ मदनिवासयोः |
| 302. खिट त्रासे | 333. कठ कृच्छ्रजीवने |
| 303. शिट | 334. रट परिभाषणे |
| 304. षिट अनादरे | 335. हठ प्लुतिशठत्वयोः |
| 305. जट | 336. रूठ |
| 306. झट संघाते | 337. लुठ |
| 307. भट भृतौ | 338. उट उपघाते - ऊढ इत्येके |
| 308. तट उच्छ्राये | 339. पिठ हिंसासंक्लेशनयोः |
| 309. खट काङ्क्षायाम् | 340. शठ कैतवे च |
| 310. णट नृतौ | 341. शुठि प्रतिघाते |
| 311. पिट शब्दसंघातयोः | 342. कुठि च |
| 312. हट दीप्तौ | 343. लुठि आलस्ये प्रतिघाते च |
| 313. षट अवयवे | 344. शुठि शोषणे |
| 314. लुट विलोडने | 345. रूठि |
| 315. चिट परप्रेष्ये | 346. लुठि गतौ |
| 316. विट शब्दे | 347. चुडिभावकरणे |
| 317. बिट आक्रोशे | 348. अडिअभियोगे |
| 318. इट | 349. कडि कार्कश्ये |
| 319. कित | 350. क्रीडिविहारे च |
| 320. कटी गतौ | 351. तुड तोडने, तूड इत्येके |
| 321. मडि भूषायाम् | 352. हुडि |
| 322. कुडि वैकल्ये | 353. हूडि |

354. होङ् गतौ
 355. रौङ् अनादरे
 356. रोङ्
 357. लोङ् उन्मादे
 358. अङ् उद्यमे
 359. लङ् विलासे
 360. कङ् मदे
 361. गङ् वदनेक देरो
 362. तिप्
 363. तेप्
 364. छिप्
 365. छेप् क्षरणार्थाः तेप् कम्पने च
 366. ग्लेप् दैन्ये
 367. टु वेप् कम्पने
 368. केप्
 369. गेप्
 370. ग्लेप् च। चात्कम्पने गतौ
 371. मेप्
 372. रेप्
 373. लेप् गतौ
 374. त्रपूष् लज्जायाम्
 375. कपि चलने
 376. रबि
 377. लबि
 378. अबि शब्दे
 379. लबि अवस्त्रंसने च
 380. कबृ वर्णे
 381. क्लीबृ अधाष्टर्थे
 382. क्षीबृ मदे
 383. शीमृ कत्थने
 384. चीभृ च
 385. रेभृ शब्दे
 386. ष्ठभि
 387. स्कभि प्रतिबन्धे
 388. जमी
 389. जृमि मात्रविनामे
 390. शल्भ कत्थने
 391. वल्भ भोजने
 392. गल्भ घाष्टर्थे
 393. श्रम्भु प्रमादे
 394. ष्टुभु स्तम्भे
 395. गुप रक्षणे
 396. धूप सन्तापे
 397. जप
 398. जल्प व्यक्तायां वाचि। जप
 मानसे च
 399. चप सान्त्वने
 400. षप समवाये समवायः
 सम्बन्धः सम्यगवबोधो वा।
 401. रप
 402. लप व्यक्तायां वाचि
 403. चृप मन्दायां गतौ
 404. तुप
 405. तुम्प
 406. त्रुप
 407. त्रुम्प
 408. तुफ
 409. तुम्फ
 410. त्रुफ
 411. त्रुम्फ हिंसार्थाः
 412. पर्प
 413. रफ

- | | |
|---|--------------------------------|
| 414. रफि | 441. भाम क्रोधे |
| 415. अर्ब | 442. क्षमुष् सहने |
| 416. पर्ब | 443. कमुकान्तौ - कान्तिरिच्छा। |
| 417. लर्ब | 444. अण |
| 418. बर्ब | 445. रण |
| 419. मर्ब | 446. वण |
| 420. कर्ब | 447. भण |
| 421. खर्ब | 448. मण |
| 422. गर्ब | 449. कण |
| 423. शर्ब | 450. क्वण |
| 424. षर्ब | 451. व्रण |
| 425. चर्ब गतौ आद्यः प्रथमान्तः
ततो द्वौ द्वितीयान्तौ। तत
एकादश तृतीपानताः | 452. भ्रण |
| 426. कुबि आच्छादने | 453. ध्वण शब्दार्थाः |
| 427. लुबि | 454. ओण् अपनयने |
| 428. तुबि अर्दने | 455. शोण् वर्णगत्योः |
| 429. चुबि वक्त्रसंयोगे | 456. श्रोण् संघाते श्लोण् च |
| 430. षृभु | 457. पैण् गतिप्रेरणश्लेषणेषु |
| 431. षृम्भु हिंसार्थौ | 458. ध्रण शब्दे |
| 432. शुभ | 459. कनी दीप्तिकान्तिगतिषु |
| 433. शुम्भ भाषणे, भासने इत्येके,
हिंसायाम् इत्यन्ये | 460. ष्टन |
| 434. घिणि | 461. वन शब्दे |
| 435. घुणि | 462. वन सम्भक्तौ |
| 436. घृणि ग्रहणे | 463. षण सम्भक्तौ |
| 437. घुण | 464. अम गत्यादिषु |
| 438. घूर्ण भ्रमणे | 465. द्रम |
| 439. पण व्यवहारे स्तुतौ च | 466. मीमृ गतौ |
| 440. पन च स्तुतौ इत्येव सम्बद्धे
प्रथङ्निर्देशात्। | 467. हम्म |
| | 468. चमु |
| | 469. छमु |
| | 470. जमु |
| | 471. झमु अदने |

- | | |
|--------------------------------|--------------------------------|
| 472. क्रमु पादविक्षेपे | 502. ग्लेवृ |
| 473. अय | 503. पेवृ |
| 474. वय | 504. मेवृ |
| 475. पय | 505. म्लेवृट सेवने |
| 476. मय | 506. रेवृ प्लवगतौ |
| 477. चय | 507. मव्य बन्धने |
| 478. तय | 508. सूक्ष्य |
| 479. णय गतौ | 509. ईक्ष्य |
| 480. दय दानगतिरक्षणहिंसादानेषु | 510. ईर्ष्य ईर्ष्यार्थाः |
| 481. रय गतौ | 511. हय गतौ |
| 482. ऊयी तन्तुसन्ताने | 512. शुच्य अभिषवे |
| 483. पूयी विशरणे दुर्गन्धे च | 513. हर्य गति कान्त्योः |
| 484. क्यूयी शब्दे उन्दने च | 514. अल भूषणपर्याप्तित्वारणेषु |
| 485. क्षमायी विधूनने | 515. जिफला विशरणे |
| 486. स्फायी | 516. मील |
| 487. ओप्यायी वृद्धौ | 517. शमील |
| 488. तायृ सन्तानपालनयोः | 518. स्मील |
| 489. शल चलनसंवरणयोः | 519. क्षमील निमेषणे |
| 490. वल | 520. पील प्रतिष्टम्भे - |
| 491. वल्ल संवरणे संचरणे च | प्रतिष्टोरोधनम् |
| 492. मल | 521. नील वर्णे |
| 493. मल्ल धारणे | 522. शील समाधौ |
| 494. भल | 523. कील बन्धने |
| 495. भल्ल - परिभाषण हिंसा | 524. कूल आवरणे |
| दानेषु | 525. चूल रुजायां संघोषे च |
| 496. कल शब्दसंख्यानयोः | 526. तूल निष्कर्षे |
| 497. कल्ल अव्यक्ते शब्दे | 527. पूल संघाते |
| 498. तेवृ | 528. मूल प्रतिष्ठायाम् |
| 499. देवृ देवने | 529. फल निष्पत्तौ |
| 500. षेवृ | 530. चुल्ल भावरकरणे |
| 501. गेवृ | 531. फुल्ल विकसने |

- | | |
|------------------------------------|------------------------|
| 532. चिल्ल शैथिल्ये भावकरणे च | 562. पीव |
| 533. तिल गतौ | 563. मीव |
| 534. वेल् | 564. तीव |
| 535. चेल् | 565. णीव स्थौल्ये |
| 536. केल् | 566. क्षीवु |
| 537. खेल् | 567. क्षेवु - निरसने |
| 538. क्ष्वेल् | 568. उर्वी |
| 539. वेल्ल चलने | 569. तुर्वी |
| 540. पूल् | 570. थुर्वी |
| 541. फेल् | 571. दुर्वी |
| 542. शेल् गतौ | 572. धुर्वी हिंसार्थाः |
| 543. स्खल संचलने | 573. गुर्वी उद्यमने |
| 544. खल संचये | 574. मुर्वी बन्धने |
| 545. गल अदने | 575. पूर्व |
| 546. षल गतौ | 576. पर्व |
| 547. दल विशरणे | 577. मर्व पूरणे |
| 548. श्वल | 578. चर्व अदने |
| 549. श्वल्ल आशुगमने | 579. भर्व हिंसायाम् |
| 550. खोल् | 580. कर्व |
| 551. खोर्त्त गतिप्रतिघाते | 581. खर्व |
| 552. धोर्त्त गतिचातुर्ये | 582. गर्व दर्पे |
| 553. त्सर छद्मगतौ | 583. अर्व |
| 554. क्मर हूर्छने | 584. शर्व |
| 555. अम्र | 585. षर्व हिंसायाम् |
| 556. वम्र | 586. इवि व्याप्तौ |
| 557. मभ्र | 587. पिवि |
| 558. चर गत्यर्थाः। चरतिर्भक्षणेऽपि | 588. मिवि |
| 559. ष्ठिवु निरसने | 589. णिवि सेचने |
| 560. जि जये - जयः उत्कर्षे | 590. हिवि |
| प्राप्तिः | 591. दिवि |
| 561. जीव प्राणधारणे | 592. धिवि |

593. जिवि प्रीणनार्थाः
 594. रिवि
 595. रवि
 596. धवि गत्यर्थाः
 597. कृवि हिंसाकरणयोरच।
 चकाराद्गतौ
 598. मव बन्धने
 599. अव
 रक्षणगतिकान्तिप्रीतितृप्त्यवगमप्र
 वेशश्रवणस्वाम्यर्थयाचन-
 क्रियेच्छादीप्त्यवाप्त्यालिंगन-
 हिंसादानभागवृद्धिषु
 600. धावु गतिशुद्धयोः
 601. धुक्ष
 602. धिक्ष सन्दीपनक्लेशनजीवनेषु
 603. वृक्ष वरणे
 604. शिक्श विद्योपादाने
 605. भिक्ष भिक्षायामलाभे च
 606. क्लेश अव्यक्तायां वाचि
 607. दक्ष वृद्धौ शीघ्रार्थे च
 608. दीक्ष मौण्डयेज्योपनयन-
 नियमव्रतादेशेषु
 609. ईक्ष दर्शने
 610. ईष गतिहिंसादर्शनेषु
 611. भाष व्यक्तायां वाचि,
 बाधनेइति दुर्गः
 612. वर्ष स्नेहने
 613. गेषु अन्विच्छायाम् - ग्लेषु
 इत्येके। अन्विच्छा अन्वेषणम्
 614. पेष्ट प्रयत्ने
 615. जेष्ट
 616. णेषु
 617. एष्ट
 618. प्रेष्ट गतौ
 619. रेष्ट
 620. हेष्ट
 621. हेष्ट अव्यक्तेशब्दे - आद्यो
 वृक् शब्दे, ततो द्वौ अश्वशब्दे
 622. कासृ शब्दकुत्सायाम्
 623. भासृ दीप्तौ
 624. णासृ
 625. रासृ शब्दे
 626. णस कौटिल्ये
 627. भ्यस भये
 628. आसृः शसि इच्छायाम्
 629. ग्रसु
 630. ग्लसु अदने
 631. ईह चेष्टायाम्
 632. बहि
 633. महि वृद्धौ
 634. अहि गतौ
 635. गर्ह
 636. गल्ह कुत्सायाम्
 637. बर्ह
 638. बल्ह प्राधान्ये
 639. वर्ह
 640. वल्ह परिभाषगहिंसाच्छादनेषु
 641. प्लिह गतौ
 642. वेहृ
 643. जेहृ
 644. बाहृ प्रयत्ने

- | | |
|----------------------------------|---------------------|
| 645. द्राह् निद्राक्षये | 674. पूष वृद्धौ |
| 646. काश्च दीप्तौ | 675. मूष स्तेये |
| 647. ऊह विवर्के | 676. लूष |
| 648. गाहू विलोडने | 677. रूष भूषायाम् |
| 649. गृह् ग्रहणे | 678. शूष प्रसवे - |
| 650. ग्लह च | प्रसवोऽभ्यनुज्ञानम् |
| 651. घुषि कान्तिकरणे | 679. यूष हिंसायाम् |
| 652. घुषिर् अविशब्दन | 680. जूष च |
| 653. अक्ष व्याप्तौ | 681. भूष अलंकारे |
| 654. तक्ष | 682. ऊष रूपायाम् |
| 655. त्वक्षू तनूकरणे | 683. ईष उज्जे |
| 656. उक्ष सेचने | 684. कष |
| 657. रक्ष पालने | 685. खत्र |
| 658. णिक्ष चुम्बने | 686. शिष |
| 659. त्रक्ष | 687. जष |
| 660. ष्ट्रक्ष | 688. झष |
| 661. णक्ष गतौ | 689. शष |
| 662. वक्ष रोषे, संघाते इत्येके | 690. वष |
| 663. मृक्ष संघाते, भृक्ष इत्येके | 691. मष |
| 664. तक्ष त्वचने - त्वचनं संवरणं | 692. रूष |
| त्वचे। ग्रहां च। पक्ष परिग्रहे | 693. रिष हिंसार्थाः |
| इत्येके | 694. भष भर्त्सने |
| 665. सूक्ष् आदरे | 695. उष - दाहे |
| 666. काक्षि | 696. जिषु |
| 667. वाक्षि | 697. विषु |
| 668. माक्षिकाङ्क्षायाम् | 698. मिषु सेचने |
| 669. द्राक्षि | 699. पुष्ट पुष्टौ |
| 670. प्राक्षि | 700. श्रिषु |
| 671. ध्वाक्षि घोरवाशिते च | 701. शिलषु |
| 672. चूष पाने | 702. पृषु |
| 673. तूष तुष्टौ | 703. प्लुषु दाहे |

704. पृषु
 705. वृषु
 706. मृषु सेचने - मृषु सहने च,
 इतरौ हिंसा संक्लेशनयोश्च
 707. धृषु संघर्षे
 708. हृषु अलीके
 709. हृस
 710. तुस
 711. हलस
 712. रस शब्दे
 713. लस श्लेषणक्रीडनयोः
 714. घस्लु अदने
 715. जर्ज
 716. चर्च
 717. झझ - परिभाषण हिंसा
 तर्जनेषु
 718. पिसृ
 719. पेसृ गतौ
 720. हसे हसने
 721. णिश समाधौ
 722. मिश
 723. मश शब्दे रोषकृते च
 724. शव गतौ
 725. शश प्लुतगतौ
 726. शसु हिंसायाम्
 727. शंसु स्तुतौ
 728. चह परिकल्कने
 729. मह पूजायाम्
 730. रह त्यागे
 731. रहि गतौ
 732. दृह
 733. दृहि
 734. वृह
 735. बृहि वृद्धौ; बृहि शब्दे च
 736. तुहिर्
 737. दुहिर्
 738. उहिर अर्दने
 739. अर्ह पूजायाम्
 740. द्युत दीप्तौ
 741. श्विता वर्णे
 742. जिमिदा स्नेहने
 743. जिन् ष्विदा स्नेहनमोचनयोः।
 मोहनयोः इत्येके
 744. रूच दीप्तावभिप्रीतौ च
 745. घुट परिवर्तने
 746. रुट
 747. लुट
 748. लुठ प्रतिघाते
 749. शुभ दीप्तौ
 750. क्षुभ संचलने
 751. णभ
 752. तुभ हिंसायाम्
 753. संसु
 754. ध्वंसु
 755. भ्रंसु अवस्रंसने। ध्वंसु गतौ
 च। भ्रंसु इत्यपि केचित्पेटुः
 756. स्रम्भु विश्वासे
 757. वृतु वर्तने
 758. वृधु वृद्धौ
 759. श्रृधु शब्दकुत्सायाम्
 760. स्यन्दु प्रस्रवणे
 761. कृपू सामर्थ्ये

- | | |
|--|--|
| 762. घट चेष्टायाम्, घट सङ्घाते
च। | 790. कगे नोच्यते |
| 763. व्यथ भयसंचलनयोः | 791. अक |
| 764. प्रथ प्रख्याने | 792. अग कुटिलायां गतौ |
| 765. प्रस विस्तारे | 793. कण |
| 766. म्रद मर्दने | 794. रण गतौ |
| 767. स्खद स्खदने। स्खदनं
विद्रावणम् | 795. चण |
| 768. क्षजि गतिदानयोः | 796. शण |
| 769. दक्ष गतिहिंसनयोः | 797. षण दाने च - शण गतौ
इत्यन्ये |
| 770. क्रप कृपायां गतौ | 798. श्रय |
| 771. कदि | 799. श्लथ |
| 772. क्रदि | 800. क्रथ |
| 773. क्लादि वैक्लव्ये - वैकल्पे
इत्येके | 801. क्लथ हिंसार्थाः |
| 774. जित्वरा सम्भ्रमे | 802. वन च - हिंसापामिति शेषः |
| 775. ज्वर रोगे | 803. ज्वल दीप्तौ |
| 776. गड सेचने | 804. ह्वल |
| 777. हेड वेष्टने | 805. ह्मल चलने |
| 778. वट | 806. स्मृ आध्याने |
| 779. भट परिभाषणे | 807. दृभये |
| 780. णट नृत्तौ | 808. नृ नये |
| 781. ष्टक प्रतीघाते | 809. श्रा पाके |
| 782. चकं तृप्तौ | 810. ज्ञा निशामर्न - चाक्षुषज्ञानम्
इतिमाधवः। |
| 783. कखे हसने | 811. चलिः |
| 784. रगे शंकायाम् | 812. छदिः ऊर्जने |
| 785. लगे संगे | 813. लडिः |
| 786. हगे | 814. मदी हर्षग्लेपनयोः |
| 787. हलगे | 815. ध्वन शब्दे |
| 788. षगे | 816. स्वप्न अवतसने |
| 789. ष्टगे संवरणे | 817. शमो दर्शने - शम आलोचने |

818. पमो अपरिवेषणे
 819. स्खदिःअवपरिभ्यां च
 820. फण गतौ
 821. राज् दीप्तौ
 822. टु भ्राज्
 823. टु भ्रा 2
 824. टु भ्ताश्च दीप्तौ
 825. स्यमु
 826. स्वन
 827. ध्वन शब्दे
 828. षम
 829. ष्टम अवैकल्ये
 830. ज्वल दीप्तौ
 831. चल कम्पने
 832. जल घातने
 833. ठल
 834. ट्वल वैकल्ये
 835. ष्टल स्थाने
 836. हल विलेखने
 837. णल गन्धे; बन्धने इत्येके
 838. पल गतौ
 839. बल प्राणने, धान्यावरोधने च
 840. पुल महत्वे
 841. कुल संस्त्याने - बन्धुषु च
 842. शल
 843. हुल
 844. पल्लु गतौ
 845. क्वथे निष्पाके
 846. पथे गतौ
 847. मये विलोडने
 848. टुवम् उद्विगरणे
 849. भ्रमु चलने
 850. क्षर संचलने
 851. षह मर्षणे
 852. रमु क्रीडायाम्
 853. षदलु विशरणगत्यवसादनेषु
 854. शदलु शातने
 855. क्रुश आह्वाने रोदने च
 856. कुच सम्पर्चनकौटिल्य-
 प्रतिष्ठम्भविलेखनेषु
 857. बुध अवगमने
 858. रुह बीजजन्मनि प्रार्दुर्भावे च
 859. कस गतौ
 860. हिक्क अव्यक्ते शब्दे
 861. अंचु गतौ याचने च
 862. टु पाचु याच्ञायाम्
 863. रेट्ट परिभाषणे
 864. चते
 865. चदे याचने
 866. प्रोथु पर्याप्तौ
 867. मिट्ट
 868. मेट्ट मेघाहिंसनयोः
 869. मेधु संगमे च
 870. णिह
 871. णेह कुत्सासन्निकर्षयोः
 872. श्रुधु
 873. मृधु उन्दने
 874. बुधिर् अवबोधने
 875. उबुन्दिर निशामने -
 निशामनं ज्ञानम्
 876. वेणु गतिज्ञानचिन्ता-
 निशामनवादित्रग्रहणेषु

877. खनु अवदारणे
 878. चीवृ आदानसंवरणयोः
 879. चायृ पूजानिशामनयोः
 880. व्यय गतौ
 881. दाश्रु दाने
 882. भेषृ भये - गतौ इत्येके
 883. भ्रेषृ
 884. भ्लेषृ गतौ
 885. अस गतिदीप्त्यादानेषु
 886. स्पश बाधनस्पर्शनयोः
 887. लष कान्तौ
 888. चष भक्षणे
 889. छष हिंसायाम्
 890. झष आदानसंवरणयोः
 891. भ्रक्ष
 892. भ्रलक्ष अदने - भक्ष इति
 मैत्रेयः
 893. दासृ दाने
 894. माहृ माने
 895. गुहृ संवरणे
 896. अवाजन्ता उभयपदिनः
 897. श्रिञ् सेवायाम्
 898. भृञ् भरणे
 899. हञ्, हरणं प्रापणं स्वीकारः
 स्तेपं नाशनं च
 900. धृञ् धारणे
 901. णीञ् प्रापणे
 902. परस्मैपदिनः
 903. धेट् पाने
 904. ग्लै
 905. ग्लै हर्षक्षये - हर्षक्षयो
 धातुक्षयः
 906. छै न्यक्करणे - न्यक्करणं
 तिरस्कारः
 907. द्रै स्वप्ने
 908. छै तृप्तौ
 909. ध्यै चिन्तायाम्
 910. रै शब्दे
 911. स्त्यै
 912. छ्यै - शब्द संघातयोः
 913. खै खदने
 914. क्षै
 915. जै
 916. पै क्षये
 917. कै
 918. गै शब्दे
 919. शै
 920. श्रै पाके
 921. पै
 922. ओवै शोषणे
 923. ष्टैवेष्टने
 924. छौ वेष्टने
 925. दैप् शोधने
 926. पा पाने
 927. घ्रा गन्धोपादाने
 928. ध्मा शब्दाग्निसंयोगयोः
 929. ष्टा गतिनिवृत्तौ
 930. म्ना अभ्यासे
 931. दाणृ दाने
 932. ह्वृ कौटिल्ये
 933. स्वरु शब्दोपतापयोः

934. स्मृ चिन्तायाम्
 935. ह्वृ संवरणं
 936. २॥ गतौ
 937. ऋ गतिप्रापणयोः
 938. गृ
 939. घृ सेचने
 940. ध्वृ हृच्छने
 941. स्तु गतौ
 942. षु प्रसवैश्वर्ययोः
 943. श्रु श्रवणे
 944. ध्रु स्थैर्ये
 945. दु
 946. द्रु गतौ
 947. जि
 948. जि अभिभवे
 949. ष्मिङ् ईषद्धसने
 950. गुङ् अव्यक्ते शब्दे
 951. गाङ् गतौ
 952. कुङ्
 953. घुङ्
 954. उङ्
 955. डुङ् शब्दे
 956. च्युङ्
 957. ज्युङ्
 958. प्रुङ्
 959. प्लुङ् गतौ
 960. रुङ् गतिरेषणयोः - रेषणं
 हिंसा
 961. धृङ् अवध्वंसने
 962. मेङ् प्रणिदाने
 963. देङ् रक्षणे
 964. श्यैङ् गतौ
 965. व्यैङ् वृद्धौ
 966. त्रैङ् पालने
 967. पूङ् पवने
 968. मूङ् बन्धने
 969. डीङ् विहायता गतौ
 970. तृ पलवनतरणयोः
 971. गुप गोपने - गोपनं रक्षणम्।
 972. तिज निशाने
 973. मानपूजायाम्
 974. बध बन्धने
 975. रम राभस्ये - राभस्यं
 शीघ्रीभावः।
 976. डुलभष् प्राप्तौ
 977. ष्वंज परिष्वंगे
 978. हद पुरीषोत्सर्गे
 979. जिष्विदा अव्यक्ते शब्दे
 980. रकन्दिर् गतिशोषणयोः
 981. यम मैथुने
 982. णम प्रह्वत्वे शब्दे च
 983. गम्लृ
 984. सृप्लृ गतौ
 985. यम उपरमे
 986. तप सन्तापे
 987. त्यज हानौ
 988. षंज संगे
 989. दृशिर् प्रेक्षणे
 990. दंश दशने
 991. कृष विलेखने - विलेखनं
 आकर्षणम्।
 992. दह भस्मीकरणे

993. मिह सेचने
 994. कित निवासे रोगापनयने च
 995. दान खण्डने
 996. शान तेजने
 997. डुपचष् पाके
 998. षच समवाये
 999. भज सेवायाम्
 1000. रंज रागे
 1001. शप आक्रोशे
 1002. त्विष दीप्तौ
 1003. यज देवपूजासंगतिकरणदानेषु
 1004. डु वप् बीजसन्ताने
 1005. वह प्रापणे
 1006. वस निवासे - परस्मैपदी
 1007. वेञ् तन्तुसन्ताने
 1008. व्येञ् संवरणे
 1009. ह्वेञ् स्पर्धायां शब्दे च
 1010. वद व्यक्तायां वाचि
 1011. टुओ शिव गतिवृद्धयोः
 1012. इति तिङन्ते भ्वादिप्रकरणम्

अदादिप्रकरणम्

1013. अद भक्षणे
 1014. हनहिंसागत्योः
 1015. द्विष अप्रीतौ
 1016. दुह प्रपूरणे - प्रपूरणं
 पूरणाभावः
 1017. दिह उपचये
 1018. लिह आस्वादाने
 1019. चक्षिङ् व्यक्तायां वाचि

1020. ईर गतौ कम्पने च
 1021. ईड स्तुतौ
 1022. ईश ऐश्वर्ये
 1023. आस उपवेशने
 1024. आङ्शशासु इच्छायाम्
 1025. वस आच्छाने
 1026. कसि गतिशासनयोः
 1027. णिसि चुम्बने
 1028. णिजि शुद्धौ
 1029. शिजि अव्यक्ते शब्दे
 1030. पिजि वर्णे
 1031. वृजी वर्जने
 1032. पृची सम्पर्चने
 1033. पूङ् प्राणिगर्भविमोचने
 1034. शीङ् स्वप्ने
 1035. यु मिश्रणे अमिश्रणे च
 1036. रू शब्दे
 1037. णु स्तुतौ
 1038. टुक्षु शब्दे
 1039. क्षणु तेजने
 1040. षणु प्रस्त्रवणे
 1041. ऊर्णुञ् आच्छादने
 1042. द्यु अभिगमने
 1043. षु प्रसवैश्वर्ययोः
 1044. कु शब्दे
 1045. स्टुञ् स्तुतौ
 1046. ब्रूञ् व्यक्तायां वाचि
 1047. इण् गतौ
 1048. इङ् अध्ययने -
 नित्यमधिपूर्वः

1049. इक् स्मरणे -
अपमप्यधिपूर्णः
1050. वी गतिव्याप्तिप्रजन-
कान्त्यसनखादनेषु - प्रजनं
गर्भग्रहणम् असनं क्षेपणं
1051. या प्रापणे
1052. वा गतिगन्धनयोः - गन्धनं
सूचनम्
1053. भा दीप्तौ
1054. ष्णा शौचे
1055. श्रा पाके
1056. द्रा कुत्सायाम् गतौ
1057. प्सा भक्षणे
1058. पा रक्षणे
1059. रा दाने
1060. ला आदाने
1061. दाप् लवने
1062. ख्या प्रकथने
1063. प्रा पूरणे
1064. मा माने
1065. वच परिभाषणे
1066. विद ज्ञाने
1067. अस भुवि
1068. मृजूष शुद्धौ
1069. रूदिर अश्रुविमोचने
1070. नि ष्वप् शये
1071. श्वस प्राणने
1072. अन च
1073. जक्ष भक्षहसनयोः
1074. जागृ निद्राक्षये
1075. दरिद्रा दुर्गतौ
1076. चक्रासु दीप्तौ
1077. शासु अनशिष्टौ
1078. दीधीङ् दीप्तिदेवनयोः
1079. देवीङ् वेतिना तुल्ये
1080. षस
1081. षस्ति स्वप्ने
1082. वश कान्तौ
1083. चर्करीतं च
1084. हुन्ङ् अपनयने
- जुहोत्याक्षिप्रकरणम्
1085. हु दानादनयोः
1086. ज् भी भये
1087. ही लज्जायाम्
1088. पृ पालनपुरणयोः
1089. डु भृज् धारणपोषणयोः
1090. माङ्माने शब्दे च
1091. ओ हाङ् गतौ
1092. ओ हाक् त्यागे
1093. डु दाज् दाने
1094. डु धाज् धारणपोषणयोः
1095. णिजिर् शौचपोषणयोः
1096. विजिर् पृथग्भावे
1097. विष्लृ व्याप्तौ
1098. धृ क्षरणदीप्त्योः
1099. ह प्रसह्यकरणे
1100. सृ गतौ
1101. भस भर्त्सनदीप्त्योः
1102. कि ज्ञाने
1103. तुर त्वरणे

1104. धिष शब्दे

1105. धन धान्ये

1106. जन जनने

1107. गा स्तुतौ

दिवादिप्रकरणम्

1108. दिवु

ब्रीडाविजिगीषाव्यवहारद्युतिस्तु

तमोदमदस्वप्नकान्तिगतिषु

1109. षिवु तन्तुसन्ताने

1110. स्त्रिवु गतिशोषणयोः

1111. ष्ठिवु निरसने

1112. ष्णुसु अदने

1113. ष्णसु निरसने

1114. क्नुसु हवरणदीप्तयोः

1115. व्युष दाहे

1116. प्लुष च - दाहे

1117. नृती गात्रविक्षेपे

1118. त्रसी उद्वेगे

1119. कुथ पुतीभावे - पूतीभावो

दौर्गन्धयम्।

1120. पुथ हिंसायाम्

1121. गुध परिवेष्टने

1122. क्षिप प्रेरणे

1123. पुष्प विकसने

1124. तिम

1125. ष्टिम्

1126. ष्टीम आद्रीभावे

1127. व्रीड चोदने लज्जायां च

1128. इष गतौ

1129. षह

1130. पुह चक्यर्थे

1131. जृष्

1132. झप् वयोहानौ

1133. पूङ् प्राणिप्रसवे

1134. दूङ् परितापे

1135. दीङ् क्षये

1136. डीङ् विहायसा गतौ

1137. धीङ् आधारे

1138. मीङ् हिसायाम्

1139. रीङ् श्रवणे

1140. लीङ् श्लेषणे

1141. व्रीङ् वृणोत्यर्थे

1142. पीङ् पाने

1143. माङ् माने

1144. ईङ् गतौ

1145. प्रीङ् प्रीतौ

1146. शो तनूकरणे

1147. षो छेदने

1148. षो अन्तकर्मणि

1149. दो अवखण्डने

1150. जनी प्रादुर्भावे

1151. दीपी दीपतौ

1152. पूरी आप्यायने

1153. तूरी गतित्वरणहिंसनयोः

1154. धूरी

1155. गूरी हिंसागत्योः

1156. धूरी

1157. जूरी हिंसावयोहान्योः

1158. शूरी हिंसास्तम्भनयोः

1159. चूरी दाहे

- | | |
|------------------------------|--------------------------|
| 1160. तप एष्वर्ये वा | 1191. क्षुध बुभुक्षायाम् |
| 1161. वृतु वरणे | 1192. शुध शौचे |
| 1162. क्लिश उपतापे | 1193. विधु संराद्धौ |
| 1163. काश्रु दीप्तौ | 1194. रध हिंसासंराद्धयोः |
| 1164. वाश्रु शब्दे | 1195. णश अदर्शने |
| 1165. मृष तितिक्षायाम् | 1196. तृष प्रीपाने |
| 1166. शुचिर् पूतीभावे | 1197. दृष हर्षमोहनयोः |
| 1167. णह बन्धने | 1198. द्रुह जिघांसायाम् |
| 1168. रंज रागे | 1199. मुह वैचित्ये |
| 1169. शप आक्रोशे | 1200. णुह उद्गिरणे |
| 1170. पद गतौ | 1201. ण्हिह प्रीतौ |
| 1171. खिद दैन्ये | 1202. शमु उपशमे |
| 1172. विद सत्तयाम् | 1203. तमु काडाक्षायाम् |
| 1173. बुध अवगमने | 1204. दमु उपशने |
| 1174. युध संग्रहारे | 1205. श्रमु तपसि खेदे च |
| 1175. अनो रूध कामे | 1206. भ्रमु अनवस्थाने |
| 1176. अण प्राणने | 1207. क्षमू सहने |
| 1177. मन ज्ञाने | 1208. क्लमुग्लानौ |
| 1178. युज समाधौ | 1209. मदी हर्षे |
| 1179. सृज विसर्गे | 1210. असु क्षेपणे |
| 1180. लिश अल्पीभावे | 1211. यसु प्रयत्ने |
| 1181. राधोऽकर्मकाद्वृद्धावेव | 1212. जसु मोक्षणे |
| 1182. व्यध ताडने | 1213. तसु उपक्षये |
| 1183. पुषतुष्टौ | 1214. दसु च |
| 1184. शुष शोषणे | 1215. वसु स्तम्भे |
| 1185. तुष प्रीतौ | 1216. व्युष विभागे |
| 1186. दुष वैकृत्ये | 1217. प्लुष दाहे |
| 1187. श्लिष आलिंगने | 1218. विस प्रेरणे |
| 1188. शक विभाषितो मर्षणे | 1219. कुस संश्लेषणे |
| 1189. ध्विदा गात्रप्रक्षरणे | 1220. बस उत्सर्गे |
| 1190. क्रुध क्रोधे | 1221. मुस खण्डने |

1222. मसी परिणामे
 1223. लुठ विलोडने
 1224. उच समवाये
 1225. भृशु
 1226. भ्रंशु अधःपत्ने
 1227. वृश वरणे
 1228. कृश तनूकरणे
 1229. जि तृषा पिपासायाम्
 1230. हृष तुष्टौ
 1231. रूष
 1232. रिष हिंसायाम्
 1233. डिप क्षेपे
 1234. कुप क्रोधे
 1235. गुप व्याकुलत्वे
 1236. युप
 1237. रूप
 1238. लुप विमोहने
 1239. लुभ गाध्यै
 1240. क्षुम संचलने
 1241. णभ
 1242. तुभ हिंसायाम्
 1243. क्लिद् आद्रीभावे
 1244. जि मिदा स्नेहने
 1245. जि क्षिक्वा स्नेहमोचनयोः
 1246. ऋधु वृद्धौ
 1247. गृधु अभिकाङ्क्षायाम्

स्वादिप्रकरणम्

1248. षुञ्-, अभिषवः स्नपनं,
 पीडनं, स्नानं सुरासन्धानं च।
 ता स्नाने अकर्मकः।
 1249. षिञ् बन्धने
 1250. डु मिञ् प्रक्षेपणे
 1251. शिन् निशाने तालव्यादिः
 1252. चिञ् चयने
 1253. स्तञ् आच्छादने
 1254. वृञ् वरणे
 1255. धुञ् कम्पने
 1256. टु दु उतपापे
 1257. हि गतौ वृद्धौ च
 1258. पृ प्रीतौ
 1259. स्पृ प्रीतिपालनयोः
 1260. आलृ व्याप्तौ
 1261. शक्लृ शक्तौ
 1262. राध
 1263. साध संसिद्धौ
 1264. अशू व्याप्तौ
 1265. ष्ठिध आस्कन्दने
 1266. तिक
 1267. तिग गतौ च
 1268. षघ हिंसायाम्
 1269. जि धृषा
 1270. दम्भु दम्भने
 1271. ऋधु वृद्धौ
 1272. अह व्याप्तौ
 1273. दध घातने पालने च
 1274. चमु भक्षणे

1275. रि
 1276. क्षि
 1277. चिरि
 1278. जिरि
 1279. दाश
 1280. दृ हिंसायाम्

अथ तुदादिप्रकरणम्

1281. तुद व्यथने
 1282. णुद प्रेरणे
 1283. दिश अतिसर्जने -
 अतिसर्जनं दानम्
 1284. भ्रस्ज पाके
 1285. क्षिप प्रेरणे
 1286. कृष विलेखने
 1287. ऋषी गतौ
 1288. जुषी प्रीतिसेवनयोः
 1289. ओ विजी भयचलनयोः
 1290. ओ लजी
 1291. ओ व्रश्चू छेदने
 1292. ओ लज्जी व्रीडायाम्
 1293. व्यच व्याजीकरणे
 1294. उछि उच्छे
 1295. उछी विवासे
 1296. ऋच्छ गतोन्द्रियप्रलयमूर्तिभावेषु
 1297. मिच्छ उत्क्लेशो उत्क्लेशः
 पीडा
 1298. जर्ज
 1299. चर्च
 1300. झर्झ परिभाषणगमर्त्सनयोः

1301. त्वच संवरणे
 1302. ऋच स्तुतौ
 1303. उब्ज आर्जवे
 1304. उज्झ उत्सर्गे
 1305. लुभ विमोहने
 1306. रिफ कत्थनयुद्ध-
 निन्दाहिंसादानेषु
 1307. तृप
 1308. तृम्फ तृप्तौ
 1309. तुप
 1310. तुम्प
 1311. तुफ
 1312. तुम्फ हिंसायाम्
 1313. दृप
 1314. दृम्फ उत्क्लेशे
 1315. ऋफ
 1316. ऋम्फ हिंसायाम्
 1317. गुफ
 1318. गुम्फ ग्रन्थे
 1319. उभ
 1320. उम्भ पूरणे
 1321. शुभ
 1322. शुम्भ शोभार्थे
 1323. दृभी ग्रन्थे
 1324. चृती हिंसाश्रन्थनयोः
 1325. विध विधाने
 1326. जुड् गतौ
 1327. मृड सुखने
 1328. पृड च
 1329. पृण प्रीणने
 1330. वृण च

- | | |
|--------------------------------|--------------------------|
| 1331. मृण हिंसायाम् | 1362. शिल |
| 1332. तुण कौटिल्ये | 1363. षिल उच्छे |
| 1333. पुण कर्मणि शुभे | 1364. मिल श्लेषणे |
| 1334. मुण प्रतिज्ञाने | 1365. लिख अक्षरविन्यासे |
| 1335. कुण शब्दोपकरणयोः | 1366. कुट कौटिल्ये |
| 1336. शुन गतौ | 1367. पुट संश्लेषणे |
| 1337. द्रुण हिंसागतिकौटिल्येषु | 1368. कुच संकोचने |
| 1338. घुण | 1369. गुज शब्दे |
| 1339. घूर्ण भ्रमणे | 1370. गुड रक्षायाम् |
| 1340. घुर ऐश्वर्यदीप्त्योः | 1371. डिप क्षेपे |
| 1341. कुर शब्दे | 1372. छुर छेदने |
| 1342. खुर छेदने | 1373. मुट आक्षेपमर्दनयोः |
| 1343. मुरसंवेष्टने | 1374. स्फुट विकसने |
| 1344. क्षुर विलेखने | 1375. त्रुटि छेदने |
| 1345. घुर भमार्थशब्दयोः | 1376. तुट क्लहकर्मणि |
| 1346. पुर अप्रगमने | 1377. जुड बन्धने |
| 1347. बृहू उद्यमने | 1378. चुट |
| 1348. तृहू | 1379. छुट छेदने |
| 1349. स्तृहू | 1380. कड मदे |
| 1350. तृहू हिसार्थाः | 1381. लुट संश्लेषणे |
| 1351. इषु इच्छायाम् | 1382. कूड घनत्वे |
| 1352. मिष स्पर्धायाम् | 1383. कुड बाल्ये |
| 1353. किल श्वैत्यक्रीडनयोः | 1384. पुड उत्सर्गे |
| 1354. तिल स्नेहने | 1385. घुट प्रतिघाते |
| 1355. चिल वसने | 1386. तुड तोडने |
| 1356. चल विलसने | 1387. थुड |
| 1357. इल स्वप्नक्षेपणयोः | 1388. स्थुड संवरणे |
| 1358. बिल संवरणे | 1389. स्फुरं |
| 1359. बिल भेदने | 1390. फुल संचलने |
| 1360. णिल गहने | 1391. स्फुड |
| 1361. हिल भावरकरणे | 1392. चड |

1393. ब्रुड संवरणे
 1394. क्रुड
 1395. मृड निमज्जने
 1396. गुरी उद्यमने
 1397. णृ स्तवने
 1398. धू विधूनने
 1399. गु पुरीषोत्सर्गे
 1400. ध्रु गतिस्थैर्ययोः
 1401. कुव्शब्दे
 1402. पृङ् व्यायामे
 1403. मृङ् प्राणत्योगे
 1404. रि
 1405. पि गतौ
 1406. धि धारणे
 1407. क्षि निवासगत्योः
 1408. षू प्रेरणे
 1409. कृ विक्षेपे
 1410. गृ निगरणे
 1411. दृङ् आदरे
 1412. धृङ् अवस्थाने
 1413. प्रच्छ ज्ञीप्सायाम्
 1414. सृज विसर्गे
 1415. टु मस्जो शुद्धौ
 1416. रुजे भंगे
 1417. भुजो कौटिल्ये
 1418. छुप स्पर्शे
 1419. रूश
 1420. रिश हिंसायाम्
 1421. लिश गतौ
 1422. स्पृश संस्पर्शने
 1423. विच्छ गतौ

1424. विश प्रवेशने
 1425. मृश आमर्शने
 1426. णुद प्रेरणे
 1427. षदलविशरणगत्यवसादनेषु
 1428. शदल् शातने
 1429. मिल संगमे
 1430. मुच्च् मोक्षणे
 1431. लुम्प छेदने
 1432. विदल् लाभे
 1433. लिप उपदेहे
 1434. षिच क्षरणे
 1435. कृती छेदने
 1436. खिद परिघाते
 1437. पिशि अवयवे

रुधादिप्रकरणम्

1438. रूधिर् आवरणे
 1439. भिदिर् विदारणे
 1440. छिदिर् द्वैधीकरणे
 1441. रिचिर् विरेचने
 1442. विचिर् पृथग्भावे
 1443. क्षुदिर् सम्प्रेषणे
 1444. युजिर् योगे
 1445. उच्छृदिर् दीप्तिदेवनयोः
 1446. उत्तृदिर् हिंसानादरयोः
 1447. कृती वेष्टने
 1448. ज् इन्धी दीप्तौ
 1449. खिद दैन्ये
 1450. विद विचारणे

अथ परस्मैपदिनः

1451. शिष्टु विशेषणे
 1452. पिष्टु संचूर्णने
 1453. भंजो आमर्दने
 1454. भुज पालनाभ्यवहारयोः
 1455. तुह
 1456. हिसि हिंसायाम्
 1457. उन्दी क्लेदने
 1458. अंजू व्यक्तिप्रक्षणकान्तिगतिषु
 1459. तंचू संकोचने
 1460. ओविजी भयचलनयोः
 1461. वृजी वर्जने
 1462. पृची सम्पर्के

अथ तनादिप्रकरणम्

1463. तनु विस्तारे
 1464. षणु दाने
 1465. क्षणु हिंसायाम्
 1466. क्षिणु च
 1467. ऋणु गतौ
 1468. तृणु अदने
 1469. घृणु दीप्तौ
 1470. वनु याचने
 1471. मनु अवबोधने
 1472. डु कृञ् करणे

क्रयादिप्रकरणम्

1473. डु क्रीञ् द्रव्यविनिमये
 1474. प्रीञ् तर्पणे कान्तौ च
 1475. श्रीञ् पाके
 1476. मीञ् हिंसायाम्
 1477. षिञ् बन्धने

1478. स्कुञ् आप्रवणे
 1479. युञ् बन्धने
 1480. वनूञ् शब्दे
 1481. द्रूञ् हिंसायाम्
 1482. पूञ् पवने
 1483. लूञ् छेदने
 1484. स्तूञ् आच्छादने
 1485. कृञ् हिंसायाम्
 1486. वृञ् वरणे
 1487. धूञ् कम्पने
 1488. शृ हिंसायाम्
 1489. पृ पालनपूरणयोः
 1490. वृ वरणे। मरणे इत्येके।
 1491. भृ भर्त्सने। भरणेऽप्येके
 1492. मृ हिंसायाम्
 1493. दृ विदारणे
 1494. जृ वयोहानौ - झृ इत्येके।
 धृ इत्यन्ये।
 1495. नृ नये
 1496. कृ हिंसायाम्
 1497. ऋ गतौ
 1498. गृ शब्दे
 1499. ज्या वयोहानौ
 1500. री गतिरेषणयोः - रेषणं
 वृक शब्दः।
 1501. ली श्लेषणे
 1502. ब्ली वरणे
 1503. प्ली गतौ - प्लादपोऽपीत्येके।
 1504. ब्री वरणे
 1505. भी भये। भरणे इत्येके

1506. क्षीष् हिंसायाम्
 1507. झा अवबोधने
 1508. बन्ध बन्धने
 1509. वृड् सम्भवतौ
 1510. श्रन्थ विमोचनप्रतिहर्षयोः
 1511. मन्थ विलोडने
 1512. श्रन्थ
 1513. ग्रन्थ सन्दर्भे
 1514. कुन्थ संश्लेषणे
 1515. मृद क्षोदे
 1516. मृड च
 1517. गुध रोषे
 1518. कुप निष्कर्षे
 1519. क्षुभ संचलने
 1520. णभ - हिंसायाम्
 1521. तुभ हिंसायाम्
 1522. क्लिशू विबाधने
 1523. अश भोजने
 1524. उ ध्रस उच्छे
 1525. इष आभीक्ष्ये - पौनः पुनयं
 भृशार्थो वा - आभीक्ष्यम्।
 1526. विष विप्रयोगे
 1527. पृष
 1528. प्लुष स्नेहनसेवनपूरणेषु
 1529. पुष
 1530. मुष स्तेये
 1531. खच भूतप्रादुर्भावे
 1532. हेठ च
 1533. ग्रह उपादाने
 1534. चुर स्तेये
 1535. चिति स्मृत्याम्
 1536. यत्रि संकोचे
 1537. स्फुडि परिहासे - स्फुटि
 इति पाठान्तरम्
 1538. लक्ष दर्शनांकनयोः
 1539. कुद्रि अनृतभाषणे
 1540. लड उपसेवायाम्
 1541. मिदि स्नेहने
 1542. ओ लडि उत्क्षेपणे
 1543. लज अपवारणे
 1544. पीड अवगाहने
 1545. नट अवस्पन्दने - अवस्पन्दनं
 नाट्यम्
 1546. श्रथ प्रयत्ने - प्रस्थाने इत्येके
 1547. बध संयमने
 1548. पृ - पूरणे
 1549. ऊर्ज बलप्राणनयोः
 1550. पक्ष परिग्रहे
 1551. वर्ण प्रेरणे - वर्णन इत्येके
 1552. चूर्ण प्रेरणे
 1553. प्रथ प्रख्यानं
 1554. पृथ प्रक्षेपे - पथ इत्येके
 1555. षम्ब सम्बन्धने
 1556. शम्ब च - पथ इत्येके
 1557. भक्ष अदने
 1558. कुट्ट छेदनभर्त्सनयोः
 1559. पुट्ट
 1560. चुट्ट अल्पीभावे
 1561. अट्ट
 1562. पुट्ट अनादरे

अथ चुरादिप्रकरणम्

- | | |
|---------------------------------------|---------------------------|
| 1563. चुह अल्पीभावे | 1593. चुद संचोदने |
| 1564. लुण्ठ स्तेये | 1594. नक्क |
| 1565. शठ | 1595. धक्क नाशने |
| 1566. प्वठ असंस्कारगत्योः | 1596. चक्क |
| 1567. तुजि | 1597. चुक्क व्यथने |
| 1568. पिजि हिंसाबलादाननिकेतनेषु | 1598. क्षल शौचकर्मणि |
| 1569. पिसि गतौ | 1599. तल प्रतिष्ठायाम् |
| 1570. षान्त्व सामप्रयोगे | 1600. तुल उन्माने |
| 1571. श्वल्क | 1601. दुल उत्क्षेपे |
| 1572. ब्लक परिभाषणे | 1602. पुल महत्वे |
| 1573. ण्हिह स्नेहने | 1603. चुल समुच्छ्राये |
| 1574. स्मिट अनादरे | 1604. मूल रोहणे |
| 1575. श्लिष श्लेषणे | 1605. कल |
| 1576. पथि गतौ | 1606. बिल क्षेपे |
| 1577. पिच्छ कुहने | 1607. बिल भेदने |
| 1578. छदि संवरणे | 1608. तिल स्नेहने |
| 1579. श्रण दाने - प्रायेणायंवि पूर्वः | 1609. चल भृतौ |
| 1580. तड आघाते | 1610. पाल रक्षणे |
| 1581. खड | 1611. लूष हिंसायाम् |
| 1582. खडि | 1612. शुल्क माने |
| 1583. कडि भेदने | 1613. शूर्प च |
| 1584. कुडि रक्षणे | 1614. चुट छेदने |
| 1585. गुडि वेष्टने | 1615. मुट संचूर्णने |
| 1586. खुडि खण्डने | 1616. पडि |
| 1587. वटि विभाजने - वडि
इत्येके | 1617. पसि नाशने |
| 1588. मडि भूषायां हर्षे च | 1618. ब्रज |
| 1589. भांड कल्याणे | 1619. मार्ग संस्कारगत्योः |
| 1590. छर्द वमने | 1620. शुक्ल अतिस्पर्शने |
| 1591. पुस्त | 1621. चपि गत्याम् |
| 1592. बुस्त आदरानादरयोः | 1622. क्षपि क्षान्त्याम् |
| | 1623. छजि कृच्छ्रजीवने |

1624. श्वर्त गत्याम्
 1625. श्वभ्र च
 1626. ज्ञप मिच्च - अयं ज्ञाने
 ज्ञापने च वर्तते
 1627. यम च परिवेषणे -
 परिवेषणमिह वेष्टनम्। न
 तुभोजना, नापि वेष्टना
 1628. चह परिकल्पने
 1629. रह त्यागे
 1630. बल प्राणने
 1631. चिञ् चयने
 1632. घट्ट चलने
 1633. मुस्त संघाते
 1634. खट्ट संवरणे
 1635. षट्ट
 1636. स्फिट्ट
 1637. चुबि हिंसायाम्
 1638. पुल संघाते
 1639. पुंस अभिवर्धने
 1640. टकि बन्धने
 1641. धूस कान्तिकरणे
 1642. कीट वर्णे
 1643. पूज पूजायाम्
 1644. अर्क स्तवने
 1645. चूर्ण संकोचने
 1646. शुट आलस्ये
 1647. शुठि शोषणे
 1648. जुड प्रेरणे
 1649. गज
 1650. मार्ज शब्दार्थो
 1651. मर्च च
 1652. घृ प्रस्त्रवणे - श्रावणे इत्येके
 1653. पचि विस्तारवचने
 1654. तिज निशाने
 1655. कृत संशब्दने
 1656. वर्धछेदनपूरणयोः
 1657. कुबि आच्छादने
 1658. लुबि
 1659. तुबि अदर्शने
 1660. पहन व्यक्तायां ...वाचि
 1661. चुटि छेदने
 1662. एल प्रेरणे
 1663. प्रक्ष म्लेच्छने
 1664. म्लेच्छ अव्यक्तायां वाचि
 1665. ब्रूस्
 1666. बर्ह हिंसायाम्
 1667. गुर्दपूर्वनिक्तेने
 1668. जसि रक्षणे - मोक्षणे इति
 केचित्
 1669. ईड स्तुतौ
 1670. जसु हिंसायाम्
 1671. पिडि संघाते
 1672. रूष रोषे
 1673. डिप्क्षेपे
 1674. ष्टुप समुच्छ्रये
 1675. चित्त संचेतने
 1676. दशि दशने
 1677. दसि दर्शनदंशनयोः
 1678. डप
 1679. डिप संघाते
 1680. तत्रि कुटुम्बधारणे
 1681. मत्रि गुप्परिभावणे

- | | |
|-------------------------------|--------------------------------|
| 1682. स्पर्श ग्रहणसंश्लेषणयोः | 1712. यु जुगुप्सायाम् |
| 1683. तर्ज | 1713. कुस्म नाम्नो वा |
| 1684. भर्त्स तर्जने | 1714. चर्च अध्ययने |
| 1685. वात | 1715. बुक्क् भषणे |
| 1686. गन्ध अर्दने | 1716. शब्द उपसर्गादाविष्कारे च |
| 1687. विष्क हिंसायाम् | 1717. कण निमोलने काणयति |
| 1688. निष्क परिमाणे | 1718. जभि नाशने |
| 1689. लल ईप्सायाम् | 1719. षूद क्षरणे |
| 1690. कूण संकोचे | 1720. जसु ताडने |
| 1691. तूण पूरणे | 1721. पश बन्धने |
| 1692. भूण आशाविशंकयोः | 1722. अम रोगे |
| 1693. शठ श्लाघायाम् | 1723. चट |
| 1694. यक्ष पूजायाम् | 1724. स्फुट भेदने |
| 1695. स्यम वितर्के | 1725. घट् संघाते |
| 1696. गूर उद्यमने | 1726. दिबु मर्दने |
| 1697. शम | 1727. अर्ज प्रतियत्ने |
| 1698. लक्ष आलोचने | 1728. घुषिर् विशब्दने |
| 1699. कुत्स अवक्षेपणे | 1729. आडः क्रन्द सातत्ये |
| 1700. त्रुट छेदने | 1730. लस शिल्पयोगे |
| 1701. गल स्रवणे | 1731. तसि |
| 1702. भल आमण्डने | 1732. भूष अलंकरणे अवतंसयति |
| 1703. कूट आपदाने | - अवतंसति |
| 1704. कुट्ट प्रतापने | 1733. अर्ह पूजायाम् |
| 1705. वंचु प्रलम्भने | 1734. ज्ञानियोगे |
| 1706. वृषशक्तिबन्धने | 1735. मज विश्राणने |
| 1707. मद तृप्तियोगे | 1736. श्रुधु प्रसहने |
| 1708. दिबु परिकूजने | 1737. यत निकारोपस्कारयोः |
| 1709. गृ विज्ञाने | 1738. रक |
| 1710. विट चेतनाख्याननिवासेधु | 1739. लग आस्वादाने |
| वेदयते | 1740. अंचु विशेषणे |
| 1711. मान स्तम्भे | 1741. लिगि चित्रीकरणे |

1742. मुद संसर्गे	1773. गुप
1743. त्रस धारणे	1774. धूप
1744. उध्रस उच्छे	1775. विच्छ
1745. मुच प्रमोचने मोदने च	1776. चीव
1746. वस स्नेहच्छेदापहरणेषु	1777. पुथ
1747. चर संशये	1778. लोकृ
1748. च्यु सहने	1779. लोचृ
1749. भुवो वल्कने	1780. णद
1750. कृपेक्ष कल्पयति	1781. कुप
1751. ग्रस ग्रहणे	1782. तर्क
1752. पुष धारणे	1783. वृतु
1753. दल विदारणे	1784. वृधु भाषार्याः
1754. पट	1785. रूट
1755. पुट	1786. लजि
1756. लुट	1787. अजि
1757. तुजि	1788. दसि
1758. मिजि	1789. भृशि
1759. पिजि	1790. रूशि
1760. लुजि	1791. शीक
1761. भजि	1792. रूसि
1762. लघि	1793. नट
1763. त्रिसि	1794. पुटि
1764. पिसी	1795. जि
1765. कुसि	1796. चि
1766. दशि	1797. रघि
1767. कुशि	1798. लघि
1768. घट	1799. अहि
1769. घिटि	1800. रहि
1770. वृहि	1801. महि च
1771. बर्ह	1802. लडि
1772. बल्ह	1803. तड

- | | |
|-----------------------------|-----------------------------|
| 1804. नल च | 1835. छद अपवारणे |
| 1805. पूरी आप्यायने | 1836. जुष परितर्कणे |
| 1806. रूज हिंसायाम् | 1837. धून् कम्पने |
| 1807. प्वद आस्वादने | 1838. प्रीन् तर्पणे |
| 1808. युज | 1839. श्रन्थ |
| 1809. पृच संयमने | 1840. ग्रन्थ सन्दर्भे |
| 1810. अर्च पूजायाम् | 1841. आप्लृ लम्भने |
| 1811. षह मर्षणे | 1842. तनु श्रद्धोपकरणयोः |
| 1812. ईर क्षेपे | 1843. वद सन्देशवचने |
| 1813. ली द्रवीकरणे | 1844. वच परिभाषणे |
| 1814. वृजो वर्जने | 1845. मान पूजायाम् |
| 1815. वृन् आवरणे | 1846. भू प्राप्तावात्मनेपदी |
| 1816. जृ वयोहानौ | 1847. गर्ह विनिन्दने |
| 1817. ज्रि च | 1848. मार्ग अन्वेषणे |
| 1818. रिच वियोजनसम्पर्चनयोः | 1849. कठि शोके |
| 1819. शिष असर्वोपयोगे | 1850. मृजू शौचालंकारयोः |
| 1820. तप दाहे | 1851. मृष तितिक्षायाम् |
| 1821. तृप तृप्तौ | 1852. घृष प्रसहने |
| 1822. छूदी संदीपने | 1853. कथ वाक्यप्रबन्धे |
| 1823. दृभी भये | 1854. वर ईप्सायाम् |
| 1824. दृभ संदर्भे | 1855. गण संख्याने |
| 1825. श्रथ मोक्षणे | 1856. शठ |
| 1826. मी गतौ | 1857. श्वठ सम्यगवभाषणे |
| 1827. ग्रन्थ बन्धने | 1858. पठ |
| 1828. शीक आमर्षणे | 1859. वठ ग्रन्थे |
| 1829. इ चीक च | 1860. रह त्यागे |
| 1830. अर्द हिंसायाम् | 1861. स्तन |
| 1831. हिंसि हिंसायाम् | 1862. गदी देवशब्दे |
| 1832. अर्ह पूजायाम् | 1863. पत गतौ वा |
| 1833. आडः षद पद्यर्थे | 1864. पष अनुपसर्गात् |
| 1834. शुन्थ शौचकर्मणि | 1865. स्वर आक्षेपे |

- | | |
|---------------------------|-----------------------------|
| 1866. रच प्रतियत्ने | 1897. कूण संकोचने इति |
| 1867. कल गतौ सङ्ख्याने च | 1898. स्तेन चौर्ये |
| 1868. चह परिकल्कने | 1899. पद गदौ |
| 1869. मह पूजायाम् | 1900. गृह ग्रहणे |
| 1870. सार | 1901. मृग अन्वेषणे |
| 1871. कृप | 1902. कुह विस्मापने |
| 1872. श्रथ दौर्बल्ये | 1903. शूर |
| 1873. स्पृह ईप्सायाम् | 1904. वीर विक्रान्तौ |
| 1874. भाम क्रोधे | 1905. स्थूल परिब्रंहणे |
| 1875. सूच पैशुन्ये | 1906. अर्थ उपायांच्याम् |
| 1876. खेट भक्षणे | 1907. सत्र सन्तानक्रियायाम् |
| 1877. क्षोट क्षेपे | 1908. गर्व माने |
| 1878. गोम उपलेपने | 1909. सूत्र वेष्टने |
| 1879. कुमार क्रीडायाम् | 1910. मूत्र प्रस्रवणे |
| 1880. शील उपधारणे | 1911. रूक्ष पारुष्ये |
| 1881. साम सन्त्वप्रयोगे | 1912. पार |
| 1882. बेल कालोपदेशे | 1913. तीर कर्मसमाप्तौ |
| 1883. पल्यूल लवनपवनयोः | 1914. पुट संसर्गे |
| 1884. वात सुखसेवनयोः | 1915. धेक दर्शने इत्येके |
| 1885. गवेष मार्मणे | 1916. कत्र शैथिल्ये |
| 1886. वात उपसेवायाम् | 1917. वष्क दर्शने |
| 1887. निवास आच्छादने | 1918. चित्र चित्रीकरणे |
| 1888. भाज पृथक्कर्मणि | 1919. अंस समाधाते |
| 1889. समाज प्रीतिदर्शनयोः | 1920. वट विभाजने |
| 1890. ऊन परिहाणे | 1921. लज प्रकाशने |
| 1891. ध्वन शब्दे | 1922. मिश्र सम्पर्के |
| 1892. कूट परितापे | 1923. संग्राम युद्धे |
| 1893. केत | 1924. स्तोम श्लाघायाम् |
| 1894. ग्राम | 1925. छिद्र कर्णभेदने |
| 1895. कुण | 1926. अन्ध दृष्ट्युपधाते |
| 1896. गुण चामन्त्रणे | 1927. दण्ड दण्डनिपातने |

- | | |
|----------------------------------|----------------------------|
| 1928. अंक पदे लक्षणे च | 1936. छद अपवारणे |
| 1929. अंग च | 1937. लाभ प्रेरणे |
| 1930. सुख | 1938. व्रण गात्रविचूर्णने |
| 1931. दुःखतत्क्रियायाम् | 1939. वर्ण |
| 1932. रस आस्वादनस्नेहनयोः | वर्णक्रियाविस्तारगुणवचनेषु |
| 1933. व्यय वित्तसमुत्सर्गे | 1940. पर्ण हरितभावे |
| 1934. रूप रूपक्रियायाम् - रूपस्य | 1941. क्षिप प्रेरणे |
| दर्शनं करणं वा रूपक्रिया। | 1942. वस निवासे |
| 1935. छेद द्वैधीकरणे | 1943. तुत्थ आवरणे |

अथ ण्यन्तप्रकरण

- | | |
|-------------------------|-----------------------|
| 1. भू | 20. पिबु तन्तुसन्ताने |
| 2. पा | 21. षह भर्षणे |
| 3. मूड् "बन्धने" | 22. अट्ट |
| 4. यू "मिश्रणयो" | 23. प्रोणु अपनयने |
| 5. रू | 24. उन्दु |
| 6. लू छेदने | 25. अड्ड |
| 7. जु गतौ | 26. अर्च |
| 8. सु प्रस्रवजे | 27. अब्ज |
| 9. श्रु | 28. द्रु गतौ |
| 10. दु | 29. रुभ् |
| 11. प्र | 30. लभ् |
| 12. प्लु | 31. हि गतौ |
| 13. च्यु | 32. दु विदारणे |
| 14. ढोक्नु गतौ | 33. वेष्टि |
| 15. चकास दीप्तौ | 34. चेष्टि |
| 16. चुर स्तेये | 35. भ्राज् |
| 17. कपु | 36. गण निमीखने |
| 18. दु ओशिव गति वृद्धयो | 37. रज शब्दे |
| 19. स्तम्भु रोधने | 38. ऋण दाने |

39. लुप छेदने
40. हेठ विवाधायास
41. चणदाने
42. स्वान्
43. शो तनुकरणे
44. छो छेदने
45. षो अन्तकर्मणि
46. हेव्ज स्पर्धायां
47. व्येज
48. वेज् तन्तु सन्ताने
49. पा पाने
50. ऋ गतौ
51. ह
52. ब्ली विशरणे
53. री क्षमे
54. क्नुपी
55. क्षमाभी
56. स्था
57. घ्रा
58. वृत
59. व्रतु वर्तने
60. मृज
61. पाल रक्षणे
62. वो विधूनने
63. वै
64. ली
65. ला
66. स्फाप
67. शीद गतौ
68. रूहः पोडन्यतस्याम्

69. क्री
70. इङ्
71. जि जेये
72. वी
73. गुहू संवरणे
74. दुष वैकृत्ये
75. घट
76. जृष
77. रं राभे
78. चिर
79. चिन्
80. स्फुर
81. अनप्राणने
82. अधि
83. हन्
84. ईर्ष्य

तन्तप्रकरण

85. भू
86. पठ
87. अद् भक्षणे
88. कृ
89. हने
90. गम्लु गतौ
91. इङ् अध्ययने
92. रूदिर
93. विद
94. मुष स्तेये
95. ग्रंह उपादाने
96. गुह संवरणे

- | | |
|-----------------------|------------------------|
| 97. भट् | 125. लृम्लृ छेदने |
| 98. च्विप् शपे | 126. चर-गति भक्षणयोः |
| 99. यज् | 127. फल विशरणे |
| 100. प्रच्छ् | 128. कुङ् |
| 101. कृ | 129. जय-व्यकतायां वाचि |
| 102. गृ निगरणे | 130. गृ-निगरणे |
| 103. दृङ् आदरे | 131. सूच-पैशन्ये |
| 104. वृध् | 132. सूत्रवेष्टने |
| 105. दिबु क्रीडायाम् | 133. मूत्र प्रस्रवणे |
| 106. लिख | 134. अट् गतौ |
| 107. आप्लृ | 135. ऋ गतौ |
| 108. पिवु | 136. अश भोजने |
| 109. ऋधु वृद्धौ | 137. अणु आच्छादने |
| 110. भृस्ज दाके | 138. सिच-सेचने |
| 111. अर्णुन् आच्छादने | 139. हन् हिंसायाम् |
| 112. डुभृन | 140. हन् |
| 113. प् ज्ञाने | 141. शीङ् स्वप्ने |
| 114. श्रि सेवायाम् | 142. भिष्वप् |
| 115. तनु विस्तारे | 143. स्यमु |
| 116. जिजये | 144. व्रये |
| 117. पल्लृ पतने | 145. वश् कान्तौ |
| 118. इषू | 146. चाय |
| | 147. घ्रा |
| | 148. ध्मा |
| | 149. वंच गतौ |
| | 150. स्त्रंसु |
| | 151. मिट् |
| | 152. दा |
| | 153. सद् |
| | 154. सु |
- यङन्त प्रकरण**
- | |
|------------------------|
| 119. व्रज गतौ |
| 120. वृतु वर्तने |
| 121. डुकृ |
| 122. नृतीगात्रविक्षेपे |
| 123. गृह उपादाने |
| 124. ओव्रश्चू-छेदने |

155. शुभ्र

156. स्मृ

यङ् लुगन्तप्रकरण

157. भू

158. स्पर्ध

159. खन्

160. चर

161. दध्

162. मुद

163. कूर्द

164. वंचु गतौ

165. स्वप्

166. गम्

167. डुकृ विक्षेपे

168. हाङ्

169. वृत्

170. पृच्छ

171. मूर्च्छ

172. ऋ गतौ

173. गृह्

174. ग्रह-गहणे

175. भव

176. तुर्वी

नामधातुप्रकरण

177. पुत्रीय

178. राजीय

179. गीर्य

180. पूर्य

181. दिव्य

182. समिधय

183. पुत्र काम्य

184. विष्णूय

185. कृष्ण

186. स्व

187. इदम्

188. राजन्

189. कष्टाय

190. शब्दाय

191. घटि

कण्ड्वादिप्रकरण

192. कण्डू

आत्मनेपदप्रकरण

193. व्याति + कृ

194. क्षिप

195. नि + विश

196. परि + क्री

197. वि + क्री

198. अव + क्री

199. वि + जि

200. परा + जि

201. सम् + स्था

202. अव + स्था

203. प्र + स्था

204. वि + त्था

205. अप + ज्ञा

206. उन + चर

207. सं + चर

208. सम् + दाण्

209. एदिधिष

210. नि + विविक्ष

211. उत् + लृ

परस्मैपदप्रकरण

212. अनुपराभ्यां

213. क्षिप

भावकर्म

214. भू

215. भावि

216. बुभूष

217. बोभूय

218. ष्टु स्तुतौ

219. ऋ गतौ

220. स्मृ

221. संसु

222. नदि

223. यज

224. तन्

225. दा

226. गलै

227. ग्ले

228. ग्रह्

229. दृश्

230. गृ

बृहद्-धातु-शब्द-रूप-संग्रह

भाग-2

संस्कृत-शब्द-कोश-प्रारम्भ

१-१०१२

अथ अजन्तपुल्लिङ्ग प्रकरणम्

(1) अकारान्तो रामशब्दः

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन	
कर्ता	रामः	रामौ	रामाः	प्र०
कर्म	रामम्	रामौ	रामान्	द्वि०
करण	रामेण	रामाभ्याम्	रामैः	तृ०
सम्प्र०	रामाय	रामाभ्याम्	रामेभ्यः	च०
अपा०	रामात्-द्	रामाभ्याम्	रामेभ्यः	प०
सम्ब०	रामस्य	रामयोः	रामाणाम्	ष०
अधि०	रामे	रामयोः	रामेषु	स०
सम्बो०	हे राम	हे रामौ	हे रामाः	

एवं कृष्ण-मुकुन्द-माधवादयोऽदन्ताः शब्दा ज्ञेयाः

कर्ता	सर्वः	सर्वौ	सर्वे	प्र०
कर्म	सर्वम्	सर्वौ	सर्वान्	द्वि०
करण	सर्वेण	सर्वाभ्याम्	सर्वैः	तृ०
सम्प्र०	सर्वस्मै	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः	च०
अपा०	सर्वस्मात्-द्	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः	प०
सम्ब०	सर्वस्य	सर्वयोः	सर्वेषाम्	ष०
अधि०	सर्वस्मिन्	सर्वयोः	सर्वेषु	स०
सम्बो०	हे सर्व	हे सर्वौ	हे सर्वे	

(3) अकारान्तः कतरशब्दः

कर्ता	कतरः	कतरौ	कतरे	प्र०
कर्म	कतरम्	कतरौ	कतरान्	द्वि०
करण	कतरेण	कतराभ्याम्	कतरैः	तृ०
सम्प्र०	कतरस्मै	कतराभ्याम्	कतरेभ्यः	च०

अपा०	कतरस्मात्-द्	कतराभ्याम्	कतरेभ्यः	प०
सम्ब०	कतरस्य	कतरयोः	कतरेषाम्	ष०
अधि०	कतरस्मिन्	कतरयोः	कतरेषु	स०
सम्बो०	हे कतर	हे कतरौ	हे कतरे	

(4) अकरान्तः कतमशब्दः

कर्ता	कतमः	कतमौ	कतमे	प्र०
कर्म	कतमम्	कतमौ	कतमान्	द्वि०
करण	कतमेन	कतमाभ्याम्	कतमैः	तृ०
सम्प्र०	कतमस्मै	कतमाभ्याम्	कतमेभ्यः	च०
अपा०	कतमस्मात्-द्	कतमाभ्याम्	कतमेभ्यः	प०
सम्ब०	कतमस्य	कतमयोः	कतमेषाम्	ष०
अधि०	कतमस्मिन्	कतमयोः	कतमेषु	स०
सम्बो०	हे कतम	हे कतमौ	हे कतमे	
सर्वादपश्च		पञ्चत्रिंशत्		एवमेव

विश्व-अन्य-अन्यतर-इतर-त्व-सम-सिन-आदिशब्दानां रूपाणि ज्ञेयानि

(5) उभशब्दो द्वित्वविशिष्टस्य वाचकः

अत एव नित्यं द्विवचनान्तः

प्र०- उभौ द्वि०- उभौ तृ०- उभाभ्याम् च० उभाभ्याम् प०- उभाभ्याम्
प० उभयोः स०- उभयोः सं०- हे उभौ

(6) उभयशब्दस्य द्विवचनं नास्ति, कैपटः। अस्तीति हरदत्तः।

कर्ता	उभयः	उभये	प्र०
कर्म	उभयम्	उभयान्	द्वि०
करण	उभयेन	उभयैः	तृ०
सम्प्र०	उभयस्मै	उभयेभ्यः	च०
अपा०	उभयस्मात्-द्	उभयेभ्यः	प०
सम्ब०	उभयस्य	उभयेषाम्	ष०
अधि०	उभयस्मिन्	उभयेषु	स०
सम्बो०	हे उभय	हे उभये	

(7) नेमशब्दः, अकारान्तः

कर्ता	नेमः	नेमौ	नेमे-नेमाः	प्र०
कर्म	नेमम्	नेमौ	नेमान्	द्वि०
करण	नेमेन	नेमाभ्याम्	नेमैः	तृ०
सम्प्र०	नेमस्मै	नेमाभ्याम्	नेमेभ्यः	च०
अपा०	नेमस्मात्-द्	नेमाभ्याम्	नेमेभ्यः	प०
सम्ब०	नेमस्य	नेमयोः	नेमेषाम्	ष०
अधि०	नेमस्मिन्	नेमयोः	नेमेषु	स०
सम्बो०	हे नेम	हे नेमौ	हे नेमे-नेमाः	

(8) पूर्वशब्दः, अकारान्तः

कर्ता	पूर्वः	पूर्वौ	पूर्वे-पूर्वाः	प्र०
कर्म	पूर्वम्	पूर्वौ	पूर्वान्	द्वि०
करण	पूर्वेण	पूर्वाभ्याम्	पूर्वौ	तृ०
सम्प्र०	पूर्वस्मै	पूर्वाभ्याम्	पूर्वेभ्यः	च०
अपा०	पूर्वस्मात्-पूर्वात्	पूर्वाभ्याम्	पूर्वेभ्यः	प०
सम्ब०	पूर्वस्य	पूर्वयोः	पूर्वेषाम्	ष०
अधि०	पूर्वस्मिन्-पूर्वे	पूर्वयोः	पूर्वेषु	स०
सम्बो०	हे पूर्व	हे पूर्वौ	हे पूर्वे-पूर्वाः	

(9) आत्मीयार्थे स्वशब्दः, अकारान्तः

कर्ता	स्वः	स्वौ	स्वे-स्वाः	प्र०
कर्म	स्वम्	स्वौ	स्वान्	द्वि०
करण	स्वेन	स्वाभ्याम्	स्वैः	तृ०
सम्प्र०	स्वस्मै	स्वाभ्याम्	स्वेभ्यः	च०
अपा०	स्वस्मात्-स्वाद्	स्वाभ्याम्	स्वेभ्यः	प०
सम्ब०	स्वस्य	स्वयोः	स्वेषाम्	ष०
अधि०	स्वस्मिन्	स्वयोः	स्वेषु	स०
सम्बो०	हे स्व	हे स्वौ	हे स्वे-स्वाः	

(10) प्रथमशब्दः, अकारान्तः

कर्ता	प्रथमः	प्रथमौ	प्रथमे-प्रथमाः	प्र०
कर्म	प्रथमम्	प्रथमौ	प्रथमान्	द्वि०
करण	प्रथमेन	प्रथमाभ्याम्	प्रथमैः	तृ०
सम्प्र०	प्रथमाय	प्रथमाभ्याम्	प्रथमेभ्यः	च०
अपा०	प्रथमात्-द्	प्रथमाभ्याम्	प्रथमेभ्यः	प०
सम्ब०	प्रथमस्य	प्रथमयोः	प्रथमानाम्	ष०
अधि०	प्रथमे	प्रथमयोः	प्रथमेषु	स०
सम्बो०	हे प्रथम	हे प्रथमौ	हे प्रथमे-प्रथमाः	

(11) चरमशब्दः, अकारान्तः

कर्ता	चरमः	चरमौ	चरमे-चरमाः	प्र०
कर्म	चरमम्	चरमौ	चरमान्	द्वि०
करण	चरमेण	चरमाभ्याम्	चरमैः	तृ०
सम्प्र०	चरमाय	चरमाभ्याम्	चरमेभ्यः	च०
अपा०	चरमात्-द्	चरमाभ्याम्	चरमेभ्यः	प०
सम्ब०	चरमस्य	चरमयोः	चरमाणाम्	ष०
अधि०	चरमे	चरमयोः	चरमेषु	स०
सम्बो०	हे चरम	हे चरमौ	हे चरमे-चरमा	

एवमेव तयप्रत्ययान्त-द्वितय-वितय-अल्प-अ-कतिपय-शब्दानांस् पाणि ज्ञेयानि

(12) द्वितीयशब्दः, अकारान्तः

कर्ता	द्वितीयः	द्वितीयौ	द्वितीयाः	प्र०
कर्म	द्वितीयम्	द्वितीयौ	द्वितीयान्	द्वि०
करण	द्वितीयेन	द्वितीयाभ्याम्	द्वितीयैः	तृ०
सम्प्र०	द्वितीयस्मै द्वितीयाय	द्वितीयाभ्याम्	द्वितीयेभ्यः	च०
अपा०	द्वितीयस्मात्-द्	द्वितीयाभ्याम्	द्वितीयेभ्यः	प०
	द्वितीयात्-द्			
सम्ब०	द्वितीयस्य	द्वितीययोः	द्वितीयानाम्	ष०
अधि०	द्वितीयस्मिन् द्वितीये	द्वितीययोः	द्वितीयेषु	स०
सम्बो०	हे द्वितीय	हे द्वितीयौ	हे द्वितीयाः	

(13) तृतीयशब्दः, अकारान्तः

कर्ता	तृतीयः	तृतीयौ	तृतीयाः	प्र०
कर्म	तृतीयम्	तृतीयौ	तृतीयान्	द्वि०
करण	तृतीयेन तृतीयस्मै	तृतीयाभ्याम्	तृतीयैः	तृ०
सम्प्र०	तृतीयाय	तृतीयाभ्याम्	तृतीयेभ्यः	च०
अपा०	तृतीयस्मात्-द् तृतीयात्-द्	तृतीयाभ्याम्	तृतीयेभ्यः	प०
सम्ब०	तृतीयस्य	तृतीययोः	तृतीयानाम्	ष०
अधि०	तृतीयस्मिन् तृतीये	तृतीययोः	तृतीयेषु	स०
सम्बो०	हे तृतीय	हे तृतीयौ	हे तृतीयाः	

(14) निर्जरशब्दः, अकारान्तः

कर्ता	निर्जरः	निर्जरसा निर्जरौ	निर्जरसः निर्जराः	प्र०
कर्म	निर्जरसम्	निर्जरसौ	निर्जरसः	द्वि०
	निर्जरम्	निर्जरौ	निर्जरान्	
करण	निर्जरसा निर्जरेण	निर्जराभ्याम्	निर्जरैः	तृ०
सम्प्र०	निर्जरसे निर्जराय	निर्जराभ्याम्	निर्जरेभ्यः	च०
अपा०	निर्जरसः निर्जरात्-द्	निर्जराभ्याम्	निर्जरेभ्यः	प०
सम्ब०	निर्जरसः	निर्जरसोः	निर्जरसाम्	
	निर्जरस्य	निर्जरयोः	निर्जराणाम्	ष०
अधि०	निर्जरसि निर्जरे	निर्जरसोः निर्जरयोः	निर्जरेषु	स०
सम्बो०	हे निर्जर	हे निर्जरसौ हे निर्जरौ	हे निर्जरसः हे निर्जराः	

(15) विश्वं पातीति विश्वपाशब्दः, अकारान्तः

कर्ता	विश्वपाः	विश्वपौ	विश्वपाः	प्र०
कर्म	विश्वपाम्	विश्वपौ	विश्वपाः	द्वि०
करण	विश्वपा	विश्वपाभ्याम्	विश्वपाभिः	तृ०
सम्प्र०	विश्वपे	विश्वपाभ्याम्	विश्वपाभ्यः	च०
अपा०	विश्वपः	विश्वपाभ्याम्	विश्वपाभ्यः	प०
सम्ब०	विश्वपः	विश्वपोः	विश्वपाम्	ष०

अधि०	विश्वपि	विश्वपोः	विश्वपासु	स०
सम्बो०	हे विश्वपाः	हे विश्वपौ	हे विश्वपाः	

एवं शङ्खमा, पाणिमा, मुखमा, अग्निमा, धनपा, धेनुपा, गोपा, वनपा

इत्याद्याकारन्तशब्दानां रूपाणि बोध्यानि

(16) आकारान्तः, प्रातिपदिको

कर्ता	हाहाः	हाहौ	हाहाः	प्र०
कर्म	हाहाम्	हाहौ	हाहान्	द्वि०
करण	हाहा	हाहाभ्याम्	हाहाभिः	तृ०
सम्प्र०	हाहै	हाहाभ्याम्	हाहाभ्यः	च०
अपा०	हाहाः	हाहाभ्याम्	हाहाभ्यः	प०
सम्ब०	हाहाः	हाहौः	हाहाम्	ष०
अधि०	हाहे	हाहौः	हाहासु	स०
सम्बो०	हे हाहाः	हे हाहौ	हे हाहाः	

(17) इकारान्तः, हरिशब्दः

कर्ता	हरिः	हरी	हरयः	प्र०
कर्म	हरिम्	हरी	हरीन्	द्वि०
करण	हरिणा	हरिभ्याम्	हरिभिः	तृ०
सम्प्र०	हरये	हरिभ्याम्	हरिभ्यः	च०
अपा०	हरेः	हरिभ्याम्	हरिभ्यः	प०
सम्ब०	हरेः	हर्योः	हरीणाम्	ष०
अधि०	हरौ	हर्योः	हरिषु	स०
सम्बो०	हे हरे	हे हरी	हे हरयः	

एवमिकारान्तानां कवि-रवि-अग्नि-विधि-शब्दानां रूपाणि - बोध्यानि

(18) इकारान्तः, सखिशब्दः

कर्ता	सखा	सखायौ	सखायः	प्र०
कर्म	सखायम्	सखायौ	सखीन्	द्वि०
करण	सख्या	सखिभ्याम्	सखिभिः	तृ०
सम्प्र०	सख्ये	सखिभ्याम्	सखिभ्यः	च०

अपा०	सख्युः	सखिभ्याम्	सखिभ्यः	प०
सम्ब०	सख्युः	सख्योः	सखीनाम्	ष०
अधि०	सख्यौ	सख्योः	सखिषु	स०
सम्बो०	हे सखे	हे सखायौ	हे सखायः	

(19) इकारान्तः, पतिशब्दः

कर्ता	पतिः	पती	पतयः	प्र०
कर्म	पतिम्	पती	पतीन्	द्वि०
करण	पत्या	पतिभ्याम्	पतिभिः	तृ०
सम्प्र०	पत्ये	पतिभ्याम्	पतिभ्यः	च०
अपा०	पत्युः	पतिभ्याम्	पतिभ्यः	प०
सम्ब०	पत्युः	पत्योः	पतीनाम्	ष०
अधि०	पत्यौ	पत्योः	पतिषु	स०
सम्बो०	हे पते	हे पती	हे पतयः	

(20) भुवं पातीति भूपतिशब्दः, इकारान्तः

कर्ता	भूपतिः	भूपती	भूपतयः	प्र०
कर्म	भूपतिम्	भूपती	भूपतीन्	द्वि०
करण	भूपतिना	भूतिभ्याम्	भूपतिभिः	तृ०
सम्प्र०	भूपतये	भूतिभ्याम्	भूपतिभ्यः	च०
अपा०	भूपतेः	भूपतिभ्याम्	भूपतिभ्यः	प०
सम्ब०	भूपतेः	भूपत्योः	भूपतीनाम्	ष०
अधि०	भूपतौ	भूपत्योः	भूपतिषु	स०
सम्बो०	हे भूपते	हे भूपती	हे भूपतयः	

एवमेव उमापति-श्रीपति-सीतापति-रमापति-गौरीपति-आदिशब्दानां रूपाणि बोध्यानि।

(21) कतिशब्दो बहुत्वार्थबोधकः अत एव नित्यं बहुवचनान्तः

प्र०- कति द्वि०- कति तृ०- कतिभिः च०- कतिभ्यः

प०- कतिभ्यः ष०- कतीनाम् स०- कतिषु सं०- हे कति

यष्मद्-अस्मद्-षट्संज्ञका-स्त्रिषु त्रिषु - सरूपाः। (पुं० स्त्री० नपुंसकेषु)

समानानि रूपाणि भवन्ति

(22) त्रिशब्दो त्रित्वसङ्ख्याबोधकः, अत एव नित्यं बहुवचनान्तः।

प्र०- त्रय	द्वि०- त्रीन्	तृ०- त्रिभिः	च०- त्रिभ्यः
प०- त्रिभ्यः	ष०- त्रयाणाम्	स०- त्रिषु	सं०- हे त्रय

(23) द्विशब्दो द्वित्वविशिष्टस्य वाचकः, अत एव नित्यं द्विवचनान्तः

प्र०- द्वौ	द्वि०- द्वौ	तृ०- द्वाभ्याम्	च०- द्वाभ्याम्
प०- द्वाभ्याम्	ष०- द्वयोः	स०- द्वयोः	

(24) पपी पाति लोकमिति सूर्यः, ईकारान्तः

कर्ता	पपीः	पप्यौ	पप्यः	प्र०
कर्म	पपीम्	पप्यौ	पपीन्	द्वि०
करण	पप्या	पपीभ्याम्	पपीभिः	तृ०
सम्प्र०	पप्ये	पपीभ्याम्	पपीभ्यः	च०
अपा०	पप्यः	पपीभ्याम्	पपीभ्यः	प०
सम्ब०	पप्यः	पप्योः	पप्याम्	ष०
अधि०	पपी	पप्योः	पपीषु	स०
सम्बो०	हे पपी	हे पप्यौ	हे पप्यः	

(25) वातं प्रमिमीते वातप्रमीशब्दः, ईकारान्तः

कर्ता	वातप्रमीः	वातप्रम्यौ	वातप्रम्यः	प्र०
कर्म	वातप्रमीम्	वातप्रम्यौ	वातप्रमीन्	द्वि०
करण	वातप्रम्या	वातप्रमीभ्याम्	वातप्रमीभिः	तृ०
सम्प्र०	वातप्रम्ये	वातप्रमीभ्याम्	वातप्रमीभ्यः	च०
अपा०	वातप्रम्यः	वातप्रमीभ्याम्	वातप्रमीभ्यः	प०
सम्ब०	वातप्रम्यः	वातप्रम्योः	वातप्रम्याम्	ष०
अधि०	वातप्रमी	वातप्रम्योः	वातप्रमीषु	स०
सम्बो०	हे वातप्रमीः	हे वातप्रम्यौ	हे वातप्रम्यः	

(26) बह्व्यः श्रेयस्यो यस्य स बहुश्रेयसी, ईकारान्तः

कर्ता	बहुश्रेयसी	बहुश्रेयस्यौ	बहुश्रेयस्यः	प्र०
कर्म	बहुश्रेयसीम्	बहुश्रेयस्यौ	बहुश्रेयसीन्	द्वि०

करण	बहुश्रेयस्या	बहुश्रेयसीभ्यां	बहुश्रेयसीभिः	तृ०
सम्प्र०	बहुश्रेयस्यै	बहुश्रेयसीभ्यां	बहुश्रेयसीभ्यः	च०
अपा०	बहुश्रेयस्यः	बहुश्रेयसीभ्यां	बहुश्रेयसीभ्यः	प०
सम्ब०	बहुश्रेयस्यः	बहुश्रेयस्योः	बहुश्रेयसीनाम्	ष०
अधि०	बहुश्रेयस्याम्	बहुश्रेयस्योः	बहुश्रेयसीषु	स०
सम्बो०	हे बहुश्रेयसि	हे बहुश्रेयस्यौ	हे बहुश्रेयस्यः	

(27) लक्ष्मीमतिक्रान्तः अतिलक्ष्मीशब्दः, ईकारान्तः

(लक्ष्मी को अतिक्रमण करने वाला)

कर्ता	अतिलक्ष्मीः	अतिलक्ष्म्यौ	अतिलक्ष्म्यः	प्र०
कर्म	अतिलक्ष्मीम्	अतिलक्ष्म्यौ	अतिलक्ष्मीन्	द्वि०
करण	अतिलक्ष्म्या	अतिलक्ष्मीभ्याम्	अतिलक्ष्मीभिः	तृ०
सम्प्र०	अतिलक्ष्म्यै	अतिलक्ष्मीभ्याम्	अतिलक्ष्मीभ्यः	च०
अपा०	अतिलक्ष्म्याः	अतिलक्ष्मीभ्याम्	अतिलक्ष्मीभ्यः	प०
सम्ब०	अतिलक्ष्म्याः	अतिलक्ष्म्योः	अतिलक्ष्मीनाम्	ष०
अधि०	अतिलक्ष्म्याम्	अतिलक्ष्म्योः	अतिलक्ष्मीषु	स०
सम्बो०	हे अतिलक्ष्मि	हे अतिलक्ष्म्यौ	हे अतिलक्ष्म्यः	

(28) प्रध्यायतीति प्रधीशब्दः, ईकारान्तः

कर्ता	प्रधीः	प्रध्यौ	प्रध्यः	प्र०
कर्म	प्रध्यम्	प्रध्यौ	प्रध्यः	द्वि०
करण	प्रध्या	प्रधीभ्याम्	प्रधीभिः	तृ०
सम्प्र०	प्रध्ये	प्रधीभ्याम्	प्रधीभ्यः	च०
अपा०	प्रध्यः	प्रधीभ्याम्	प्रधीभ्यः	प०
सम्ब०	प्रध्यः	प्रध्योः	प्रध्याम्	ष०
अधि०	प्रध्यि	प्रध्योः	प्रधीषु	स०
सम्बो०	हे प्रधी	हे प्रध्यौ	हे प्रध्यः	

(29) ग्रामं नयतीति ग्रामणीशब्दः, ईकारान्तः

कर्ता	ग्रामणीः	ग्रामण्यौ	ग्रामण्यः	प्र०
कर्म	ग्रामण्यम्	ग्रामण्यौ	ग्रामण्यः	द्वि०

करण	ग्रामण्या	ग्रामणीभ्याम्	ग्रामणीभिः	तृ०
सम्प्र०	ग्रामण्ये	ग्रामणीभ्याम्	ग्रामणीभ्यः	च०
अपा०	ग्रामण्यः	ग्रामणीभ्याम्	ग्रामणीभ्यः	प०
सम्ब०	ग्रामण्यः	ग्रामण्योः	ग्रामण्याम्	ष०
अधि०	ग्रामण्याम्	ग्रामण्योः	ग्रामणीषु	स०
सम्बो०	हे ग्रामणी	हे ग्रामण्यौ	हे ग्रामण्यः	

(30) नीशब्दः, ईकारान्तः

कर्ता	नीः	नियौ	नियः	प्र०
कर्म	नियम्	नियौ	नियः	द्वि०
करण	निया	नीभ्याम्	नीभिः	तृ०
सम्प्र०	निये	नीभ्याम्	नीभ्यः	च०
अपा०	नियः	नीभ्याम्	नीभ्यः	प०
सम्ब०	नियः	नियोः	नियाम्	ष०
अधि०	नियाम्	नियोः	नीषु	स०
सम्बो०	हे नी	हे नियौ	हे नियः	

(31) शोभना श्रीरस्य सुश्रीशब्दः, ईकारान्तः

कर्ता	सुश्रीः	सुश्रियौ	सुश्रियः	प्र०
कर्म	सुश्रियम्	सुश्रियौ	सुश्रियः	द्वि०
करण	सुश्रिया	सुश्रीभ्याम्	सुश्रिभिः	तृ०
सम्प्र०	सुश्रिये	सुश्रीभ्याम्	सुश्रीभ्यः	च०
अपा०	सुश्रियः	सुश्रीभ्याम्	सुश्रीभ्यः	प०
सम्ब०	सुश्रियः	सुश्रियोः	सुश्रियाम्	ष०
अधि०	सुश्रियि	सुश्रियोः	सुश्रिषु	स०
सम्बो०	हे सुश्रीः	हे सुश्रियौ	हे सुश्रियः	

(32) सुष्ठु धीर्यस्य सुधीशब्दः, ईकारान्तः

कर्ता	सुधीः	सुधियौ	सुधियः	प्र०
कर्म	सुधियम्	सुधियौ	सुधियः	द्वि०
करण	सुधिया	सुधीभ्याम्	सुधिभिः	तृ०

सम्प्र०	सुधिये	सुधीभ्याम्	सुधीभ्यः	च०
अपा०	सुधियः	सुधीभ्याम्	सुधीभ्यः	प०
सम्ब०	सुधियः	सुधियोः	सुधियाम्	ष०
अधि०	सुधियि	सुधियोः	सुधिषु	स०
सम्बो०	हे सुधीः	हे सुधियौ	हे सुधियः	

एवमेव शुद्धधीयवक्रीप्रभृतिशब्दानां रूपाणि बोध्यानि।

(33) सुखमिच्छतीति सुखीशब्दः, ईकारान्तः

कर्ता	सुखीः	सुख्यौ	सुख्यः	प्र०
कर्म	सुख्यम्	सुख्यौ	सुख्यः	द्वि०
करण	सुख्या	सुखीभ्याम्	सुखीभिः	तृ०
सम्प्र०	सुख्ये	सुखीभ्याम्	सुखीभ्यः	च०
अपा०	सुख्युः	सुखीभ्याम्	सुखीभ्यः	प०
सम्ब०	सुख्युः	सुख्योः	सुख्याम्	ष०
अधि०	सुख्यि	सुख्योः	सुखीषु	स०
सम्बो०	हे सुखीः	हे सुख्यौ	हे सुख्यः	

(34) सुतमिच्छतीति सुतीशब्दः, ईकारान्तः

कर्ता	सुतीः	सुत्यौ	सुत्यः	प्र०
कर्म	सुत्यम्	सुत्यौ	सुत्यः	द्वि०
करण	सुत्या	सुतीभ्याम्	सुतीभिः	तृ०
सम्प्र०	सुत्ये	सुतीभ्याम्	सुतीभ्यः	च०
अपा०	सुत्युः	सुतीभ्याम्	सुतीभ्यः	प०
सम्ब०	सुत्युः	सुत्योः	सुत्याम्	ष०
अधि०	सुत्यि	सुत्योः	सुतीषु	स०
सम्बो०	हे सुती	हे सुतियौ	हे सुत्यः	

(35) शम्भुशब्दः, उकारान्तः

कर्ता	शम्भुः	शम्भू	शम्भवः	प्र०
कर्म	शम्भुम्	शम्भू	शम्भून्	द्वि०
करण	शम्भुना	शम्भुभ्याम्	शम्भुभिः	तृ०

सम्प्र०	शम्भवे	शम्भुभ्याम्	शम्भुभ्यः	च०
अपा०	शम्भोः	शम्भुभ्याम्	शम्भुभ्यः	प०
सम्ब०	शम्भोः	शम्भोः	शम्भूनाम्	ष०
अधि०	शम्भौ	शम्भोः	शम्भूषु	स०
सम्बो०	हे शम्भो	हे शम्भू	हे शम्भवः	

एवं भानु, वायु, विष्णु, गुरु, सानु, इत्याद्युकारान्तशब्दानां रूपाणि ज्ञेयानि
(क्रोष्ट्र)

(36) क्रोष्ट्रशब्दः, उकारान्तः

कर्ता	क्रोष्ट्रा	क्रोष्ट्रारौ	क्रोष्ट्रारः	प्र०
कर्म	क्रोष्ट्राम्	क्रोष्ट्रारौ	क्रोष्ट्रान्	द्वि०
करण	क्रोष्ट्रा-क्रोष्ट्रुना	क्रोष्ट्रुभ्याम्	क्रोष्ट्रुभिः	तृ०
सम्प्र०	क्रोष्ट्रे-क्रोष्ट्रवे	क्रोष्ट्रुभ्याम्	क्रोष्ट्रुभ्यः	च०
अपा०	क्रोष्ट्रु-क्रोष्ट्रोः	क्रोष्ट्रुभ्याम्	क्रोष्ट्रुभ्यः	प०
सम्ब०	क्रोष्ट्रुः-क्रोष्ट्रोः	क्रोष्ट्रोः-क्रोष्ट्रवोः	क्रोष्ट्रूनाम्	ष०
अधि०	क्रोष्ट्ररि-क्रोष्ट्रौ	क्रोष्ट्रोः-क्रोष्ट्रवोः	क्रोष्ट्रुषु	स०
सम्बो०	हे क्रोष्ट्रो	हे क्रोष्ट्रारौ	हे क्रोष्ट्रारः	

(37) हूहूशब्दः, ऊकारान्तः

कर्ता	हूहूः	हूह्वौ	हूह्वः	प्र०
कर्म	हूहूम्	हूह्वौ	हूह्वन्	द्वि०
करण	हूह्वा	हूहूभ्याम्	हूहूभिः	तृ०
सम्प्र०	हूह्वे	हूहूभ्याम्	हूहूभ्यः	च०
अपा०	हूह्वः	हूहूभ्याम्	हूहूभ्यः	प०
सम्ब०	हूह्वः	हूह्वौः	हूह्वाम्	ष०
अधि०	हूह्वि	हूह्वौः	हूह्वुषु	स०
सम्बो०	हे हूहू	हे हूह्वौ	हे हूह्वः	

(38) चमूमतिक्रान्तः, अतिचमूशब्दः, ऊकारान्तः

कर्ता	अतिचमूः	अतिचम्वौ	अतिचम्वः	प्र०
कर्म	अतिचमूम्	अतिचम्वौ	अतिचम्वन्	द्वि०

करण	अतिचम्वा	अतिचमूभ्याम्	अतिचमूभिः	तृ०
सम्प्र०	अतिचम्वै	अतिचमूभ्याम्	अतिचमूभ्यः	च०
अपा०	अतिचम्वाः	अतिचमूभ्याम्	अतिचमूभ्यः	प०
सम्ब०	अतिचम्वाः	अतिचम्बोः	अतिचमूनाम्	ष०
अधि०	अतिचम्वाम्	अतिचम्बोः	अतिचमूषु	स०
सम्बो०	हे अतिचमु	हे अतिचम्वौ	हे अतिचम्वः	

(39) खलं पुनातीति खलपूशब्दः, ऊकारान्तः

कर्ता	खलपूः	खलप्वौ	खलप्वः	प्र०
कर्म	खलप्वम्	खलप्वौ	खलप्वः	द्वि०
करण	खलप्व्वा	खलपूभ्याम्	खलपूभिः	तृ०
सम्प्र०	खलप्वे	खलपूभ्याम्	खलपूभ्यः	च०
अपा०	खलप्वः	खलपूभ्याम्	खलपूभ्यः	प०
सम्ब०	खलप्वः	खलप्वोः	खलप्वाम्	ष०
अधि०	खलप्वि	खलप्वोः	खलपूषु	स०
सम्बो०	हे खलपू	हे खलप्वौ	हे खलप्वः	

(40) सुष्ठु लुनातीति सुलूशब्दः, ऊकारान्तः

कर्ता	सुलूः	सुल्वौ	सुल्वः	प्र०
कर्म	सुल्वम्	सुल्वौ	सुल्वः	द्वि०
करण	सुल्व्वा	सुलूभ्याम्	सुलूभिः	तृ०
सम्प्र०	सुल्वे	सुलूभ्याम्	सुलूभ्यः	च०
अपा०	सुल्वः	सुलूभ्याम्	सुलूभ्यः	प०
सम्ब०	सुल्वः	सुल्वोः	सुल्वाम्	ष०
अधि०	सुल्वि	सुल्वोः	सुलूषु	स०
सम्बो०	हे सुलू	हे सुल्वौ	हे सुल्वः	

(41) स्वयं भवतीति स्वभूशब्दः, ऊकारान्तः

कर्ता	स्वभूः	स्वभुवौ	स्वभुवः	प्र०
कर्म	स्वभुम्	स्वभुवौ	स्वभुवः	द्वि०
करण	स्वभुवा	स्वभूभ्याम्	स्वभूभिः	तृ०

सम्प्र०	स्वभुवे	स्वभूभ्याम्	स्वभूभ्यः	च०
अपा०	स्वभुवः	स्वभूभ्याम्	स्वभूभ्यः	प०
सम्ब०	स्वभुवः	स्वभुवोः	स्वभुवाम्	ष०
अधि०	स्वभुव	स्वभुवोः	स्वभूषु	स०
सम्बो०	हे स्वभू	हे स्वभुवौ	हे स्वभुवः	

(42) वर्षासु भवतीति वर्षाभूशब्दः, ऊकारान्तः

कर्ता	वर्षाभूः	वर्षाभ्वौ	वर्षाभवः	प्र०
कर्म	वर्षाभवम्	वर्षाभ्वौ	वर्षाभवः	द्वि०
करण	वर्षाभ्वा	वर्षाभूभ्याम्	वर्षाभूभिः	तृ०
सम्प्र०	वर्षाभ्वे	वर्षाभूभ्याम्	वर्षाभूभ्यः	च०
अपा०	वर्षाभवः	वर्षाभूभ्याम्	वर्षाभूभ्यः	प०
सम्ब०	वर्षाभवः	वर्षाभवोः	वर्षाभूयाम्	ष०
अधि०	वर्षाभ्वि	वर्षाभवोः	वर्षाभूषु	स०
सम्बो०	हे वर्षाभू	हे वर्षाभ्वौ	हे वर्षाभवः	

(43) दृम्, भवतीति ऊकारान्तः

कर्ता	दृम्भूः	दृम्भवौ	दृम्भवः	प्र०
कर्म	दृम्भवम्	दृम्भवौ	दृम्भवः	द्वि०
करण	दृम्भ्वा	दृम्भूभ्याम्	दृम्भूभिः	तृ०
सम्प्र०	दृम्भ्वे	दृम्भूभ्याम्	दृम्भूभ्यः	च०
अपा०	दृम्भवः	दृम्भूभ्याम्	दृम्भूभ्यः	प०
सम्ब०	दृम्भवः	दृम्भवोः	दृम्भ्वाम्	ष०
अधि०	दृम्भ्वि	दृम्भवोः	दृम्भूषु	स०
सम्बो०	हे दृम्भूः	हे दृम्भवौ	हे दृम्भवः	

(44) करभूशब्दः, ऊकारान्तः

कर्ता	करभूः	करभवौ	करभवः	प्र०
कर्म	करभवम्	करभवौ	करभवः	द्वि०
करण	करभ्वा	करभूभ्याम्	करभूभिः	तृ०
सम्प्र०	करभ्वे	करभूभ्याम्	करभूभ्यः	च०

अपा०	करभ्वः	करभूभ्याम्	करभूभ्यः	प०
सम्ब०	करभ्वः	करभ्वोः	करभवाम्	ष०
अधि०	करभ्वि	करभ्वोः	करभूषु	स०
सम्बो०	हे करभू	हे करभ्वौ	हे करभ्वः	

(45) धातृशब्दः ऋकारान्तः

कर्ता	धाता	धातारौ	धातारः	प्र०
कर्म	धातारम्	धातारौ	धातृन्	द्वि०
करण	धात्रा	धातृभ्याम्	धातृभिः	तृ०
सम्प्र०	धात्रे	धातृभ्याम्	धातृभ्यः	च०
अपा०	धातुः	धातृभ्याम्	धातृभ्यः	प०
सम्ब०	धातुः	धात्रोः	धातृणाम्	ष०
अधि०	धातरि	धात्रोः	धातृषु	स०
सम्बो०	हे धातः	हे धातारौ	हे धातारः	

(46) नप्तृशब्दः, ऋकारान्तः

कर्ता	नप्ता	नप्तारौ	नप्तारः	प्र०
कर्म	नप्तारम्	नप्तारौ	नप्तृन्	द्वि०
करण	नप्त्रा	नप्तृभ्याम्	नप्तृभिः	तृ०
सम्प्र०	नप्त्रे	नप्तृभ्याम्	नप्तृभ्यः	च०
अपा०	नप्तुः	नप्तृभ्याम्	नप्तृभ्यः	प०
सम्ब०	नप्तुः	नप्त्रोः	नप्तृणाम्	ष०
अधि०	नप्तरि	नप्त्रोः	नप्तृषु	स०
सम्बो०	हे नप्तः	हे नप्तारौ	हे नप्तारः	

(47) ऋकारान्तः, पितृशब्दः

कर्ता	पिताः	पितरौ	पितरः	प्र०
कर्म	पितरम्	पितरौ	पितृन्	द्वि०
करण	पित्रा	पितृभ्याम्	पितृभिः	तृ०
सम्प्र०	पित्रे	पितृभ्याम्	पितृभ्यः	च०
अपा०	पितुः	पितृभ्याम्	पितृभ्यः	प०
सम्ब०	पितुः	पित्रोः	पितृणाम्	ष०

आंध०	पितरि	पित्रोः	पितृषु	स०
सम्बो०	हे पितः	हे पितरौ	हे पितरः	
	एवं भ्रातृ-जामातृ-आदिशब्दानामपि			

(48) ऋकारान्तः, नृशब्दः

कर्ता	ना	नरौ	नरः	प्र०
कर्म	नरम्	नरौ	नृन्	द्वि०
करण	त्रा	नृभ्याम्	नृभिः	तृ०
सम्प्र०	त्रे	नृभ्याम्	नृभ्यः	च०
अपा०	नुः	नृभ्याम्	नृभ्यः	प०
सम्ब०	नुः	त्रोः	नृणाम्-नृणाम्	ष०
अधि०	नरि	त्रोः	नृषु	स०
सम्बो०	हे नः	हे नरौ	हे नरः	

(49) ओकारान्तः, गोशब्दः

कर्ता	गौः	गावौ	गावः	प्र०
कर्म	गाम्	गावौ	गाः	द्वि०
करण	गवा	गोभ्याम्	गोभिः	तृ०
सम्प्र०	गवे	गोभ्याम्	गोभ्यः	च०
अपा०	गोः	गोभ्याम्	गोभ्यः	प०
सम्ब०	गोः	गवोः	गवाम्	ष०
अधि०	गवि	गवोः	गोषु	स०
सम्बो०	हे गौः	हे गावौ	हे गावः	

(50) ऐकारान्तः, रैशब्दः

कर्ता	राः	रायौ	रायः	प्र०
कर्म	रायम्	रायौ	राय	द्वि०
करण	राया	राभ्याम्	राभिः	तृ०
सम्प्र०	राये	राभ्याम्	राभ्यः	च०
अपा०	रायः	राभ्याम्	राभ्यः	प०
सम्ब०	रायः	रायोः	रायाम्	ष०

अधि०	रायि	रायोः	रासु	स०
सम्बो०	हे राः	हे रायौ	हे रायः	

(51) औकारान्तः, ग्लौशब्दः

कर्ता	ग्लौः	ग्लावौ	ग्लावः	प्र०
कर्म	ग्लावम्	ग्लावौ	ग्लावः	द्वि०
करण	ग्लावा	ग्लौभ्याम्	ग्लौभिः	तृ०
सम्प्र०	ग्लावे	ग्लौभ्याम्	ग्लौभ्यः	च०
अपा०	ग्लावः	ग्लौभ्याम्	ग्लौभ्यः	प०
सम्ब०	ग्लावः	ग्लावोः	ग्लावाम्	ष०
अधि०	ग्लावि	ग्लावोः	ग्लौषु	स०
सम्बो०	हे ग्लौः	हे ग्लावौ	हे ग्लावः	

इत्यजन्तपुँल्लिङ्गप्रकरणं समाप्तम्

अथ अजन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्

(52) आकारान्तः, रमाशब्दः

कर्ता	रमा	रमे	रमाः	प्र०
कर्म	रमाम्	रमे	रमाः	द्वि०
करण	रमया	रमाभ्याम्	रमाभिः	तृ०
सम्प्र०	रमायै	रमाभ्याम्	रमाभ्यः	च०
अपा०	रमायाः	रमाभ्याम्	रमाभ्यः	प०
सम्ब०	रमायाः	रमयोः	रमाणाम्	ष०
अधि०	रमायाम्	रमयोः	रमासु	स०
सम्बो०	हे रमे	हे रमे	हे रमाः	

(53) दुर्गाशब्दः, आकारान्तः

कर्ता	दुर्गा	दुर्गे	दुर्गाः	प्र०
कर्म	दुर्गाम्	दुर्गे	दुर्गाः	द्वि०
करण	दुर्गया	दुर्गाभ्याम्	दुर्गाभिः	तृ०
सम्प्र०	दुर्गायै	दुर्गाभ्याम्	दुर्गाभ्यः	च०
अपा०	दुर्गायाः	दुर्गाभ्याम्	दुर्गाभ्यः	प०
सम्ब०	दुर्गायाः	दुर्गयोः	दुर्गाणाम्	ष०

अधि०	दुर्गायाम्	दुर्गयोः	दुर्गासु	स०
सम्बो०	हे दुर्गे	हे दुर्गे	हे दुर्गाः	

(54) सर्वाशब्दः, आकारान्तः

कर्ता	सर्वा	सर्व	सर्वाः	प्र०
कर्म	सर्वाम्	सर्वे	सर्वाः	द्वि०
करण	सर्वाया	सर्वाभ्याम्	सर्वाभिः	तृ०
सम्प्र०	सर्वस्यै	सर्वाभ्याम्	सर्वाभ्यः	च०
अपा०	सर्वस्याः	सर्वाभ्याम्	सर्वाभ्यः	प०
सम्ब०	सर्वस्याः	सर्वयोः	सर्वासाम्	ष०
अधि०	सर्वस्याम्	सर्वयोः	सर्वासु	स०
सम्बो०	हे सर्वे	हे सर्वे	हे सर्वाः	

एवमेव विश्वादय आबन्ताः

(55) उत्तरपूर्वाशब्दः, आकारान्तः

कर्ता	उत्तरपूर्वा	उत्तरपूर्वे	उत्तरपूर्वाः	प्र०
कर्म	उत्तरपूर्वाम्	उत्तरपूर्वे	उत्तरपूर्वाः	द्वि०
करण	उत्तरपूर्वाया	उत्तरपूर्वाभ्याम्	उत्तरपूर्वाभिः	तृ०
सम्प्र०	उत्तरपूर्वस्यै	उत्तरपूर्वाभ्याम्	उत्तरपूर्वाभ्यः	च०
	उत्तरपूर्वायै			
अपा०	उत्तरपूर्वस्याः	उत्तरपूर्वाभ्याम्	उत्तरपूर्वाभ्यः	प०
	उत्तरपूर्वायाः			
सम्ब०	उत्तरपूर्वस्याः	उत्तरपूर्वयोः	उत्तरपूर्वासाम्	ष०
	उत्तरपूर्वायाः		उत्तरपूर्वाणाम्	
अधि०	उत्तरपूर्वास्याम्	उत्तरपूर्वयोः	उत्तरपूर्वासु	स०
	उत्तरपूर्वायाम्			
सम्बो०	हे उत्तरपूर्वे	हे उत्तरपूर्वे	हे उत्तरपूर्वाः	

(56) द्वितीयाशब्दः, आकारान्तः

कर्ता	द्वितीयाः	द्वितीये	द्वितीयाः	प्र०
कर्म	द्वितीयाम्	द्वितीये	द्वितीयाः	द्वि०

करण	द्वितीयया	द्वितीयाभ्याम्	द्वितीयाभिः	तृ०
सम्प्र०	द्वितीयस्यै द्वितीयायै	द्वितीयाभ्याम्	द्वितीयाभ्यः	च०
अपा०	द्वितीयस्याः	द्वितीयाभ्याम्	द्वितीयाभ्यः	प०
	द्वितीयायाः			
सम्ब०	द्वितीयास्याः	द्वितीययोः	द्वितीयानाम्	ष०
	द्वितीयायाः			
अधि०	द्वितीयस्याम्	द्वितीययोः	द्वितीयासु	स०
	द्वितीयायाम्			
सम्बो०	हे द्वितीये	हे द्वितीये	हे द्वितीयाः	

एवमेव तृतीयाशब्दः, आकारान्तः

(57) अम्बाशब्दः, आकारान्तः

कर्ता	अम्बा	अम्बे	अम्बाः	प्र०
कर्म	अम्बाम्	अम्बे	अम्बाः	द्वि०
करण	अम्बया	अम्बाभ्याम्	अम्बाभिः	तृ०
सम्प्र०	अम्बायै	अम्बाभ्याम्	अम्बाभ्यः	च०
अपा०	अम्बायाः	अम्बाभ्याम्	अम्बाभ्यः	प०
सम्ब०	अम्बायाः	अम्बयोः	अम्बानाम्	ष०
अधि०	अम्बायाम्	अम्बयोः	अम्बासु	स०
सम्बो०	हे अम्ब	हे अम्बे	हे अम्बाः	

(58) अक्काशब्दः, आकारान्तः

कर्ता	अक्का	अक्के	अक्काः	प्र०
कर्म	अक्काम्	अक्के	अक्काः	द्वि०
करण	अक्कया	अक्काभ्याम्	अक्काभिः	तृ०
सम्प्र०	अक्कायै	अक्काभ्याम्	अक्काभ्यः	च०
अपा०	अक्कायाः	अक्काभ्याम्	अक्काभ्यः	प०
सम्ब०	अक्कायाः	अक्कयोः	अक्कानाम्	ष०
अधि०	अक्कायाम्	अक्कयोः	अक्कासु	स०
सम्बो०	हे अक्क	हे अक्के	हे अक्कः	

एवमेव, अल्लादयो मातृवाचकाः शब्दाः

(59) जराशब्दः, आकारान्तः

कर्ता	जरा	जरसौ-जरे	जरसः-जराः	प्र०
कर्म	जरतम्-जराम्	जरसौ-जरे	जरसः-जराः	द्वि०
करण	जरसा-जरया	जराभ्याम्	जराभिः	तृ०
सम्प्र०	जरसे-जरायै	जराभ्याम्	जराभ्यः	च०
अपा०	जरतः-जरायाः	जराभ्याम्	जराभ्यः	प०
सम्ब०	जरतः	जरसोः	जरसाम्	
	जरायाः	जरयोः	जराणाम्	ष०
अधि०	जरसि-जरायाम्	जरसोः-जरयोः	जरासु	स०
सम्बो०	हे जरा	हे जरसौ-जरे	हे जरसः-जराः	

(60) आकारान्तः, गोपाशब्दः

कर्ता	गोपा	गोपे	गोपाः	प्र०
कर्म	गोपाम्	गोपे	गोपाः	द्वि०
करण	गोपा	गोपाभ्याम्	गोपाभिः	तृ०
सम्प्र०	गोपे	गोपाभ्याम्	गोपाभ्यः	च०
अपा०	गोपः	गोपाभ्याम्	गोपाभ्यः	प०
सम्ब०	गोपः	गोपोः	गोपाम्	ष०
अधि०	गोपि	गोपोः	गोपासु	स०
सम्बो०	हे गोपा	हे गोपे	हे गोपाः	

(61) मतिशब्दः इकारान्तः

कर्ता	मतिः	मती	मतस्यः	प्र०
कर्म	मतिम्	मती	मतीः	द्वि०
करण	मत्या	मतिभ्याम्	मतिभिः	तृ०
सम्प्र०	मत्यै-मतये	मतिभ्याम्	मतिभ्यः	च०
अपा०	मत्याः-मतेः	मतिभ्याम्	मतीभ्यः	प०
सम्ब०	मत्याः-मतेः	मत्योः	मतीनाम्	ष०
अधि०	मत्याम्-मतौ	मत्योः	मतिषु	स०
सम्बो०	हे मते	हे मती	हे मतयः	

(62) बुद्धिशब्दः इकारान्तः

कर्ता	बुद्धिः	बुद्धी	बुद्ध्यः
कर्म	बुद्धिम्	बुद्धी	बुद्धीः इत्यादि मतिवत्

(63) त्रिशब्दो नित्यम्बहुवचनान्तः

प्र०-तिस्त्रः	द्वि०-तिस्त्रः	तृ०-तिसृभिः	च०-तिसृभ्यः
प०-तिसृभ्यः	ष०-तिसृणाम्	स०-तिसृषु	सम्बो०-हे तिस्रः ।

(64) द्विशब्दो नित्यं द्विवचनान्तः

प्र०-द्वे	द्वि०-द्वे	तृ०-द्वाभ्याम्	च०-द्वाभ्याम्
प०-द्वाभ्याम्	ष०-द्वयोः	स०-द्वयोः	सम्बो०-हे द्वे

(65) गौरी-शब्द इकारान्तः

कर्ता	गौरी	गौर्यौ	गौर्यः	प्र०
कर्म	गौरीम्	गौर्यौ	गौरीः	द्वि०
करण	गौर्या	गौरीभ्याम्	गौरीभिः	तृ०
सम्प्र०	गौर्ये	गौरीभ्याम्	गौरीभ्यः	च०
अपा०	गौर्याः	गौरीभ्याम्	गौरीभ्यः	प०
सम्ब०	गौर्याः	गौर्योः	गौरीणाम्	ष०
अधि०	गौर्याम्	गौर्योः	गौरीषु	स०
सम्बो०	हे गौरि	हे गौर्यौ	हे गौर्यः	

एवमेव

नदी-सखी-सुन्दरी-वाणी-कुमारी-पदिमनी-रमणी-कामिनी-नारी-हस्तिनी-महती-इत्यादयो-ज्ञेयाः

(66) लक्ष्मी-शब्दः, ईकारान्तः

कर्ता	लक्ष्मीः	लक्ष्म्यौ	लक्ष्म्यः	प्र०
कर्म	लक्ष्मीम्	लक्ष्म्यौ	लक्ष्मीः	द्वि०
करण	लक्ष्म्या	लक्ष्मीभ्याम्	लक्ष्मीभिः	तृ०
सम्प्र०	लक्ष्म्यै	लक्ष्मीभ्याम्	लक्ष्मीभ्यः	च०
अपा०	लक्ष्म्याः	लक्ष्मीभ्याम्	लक्ष्मीभ्यः	प०

सम्ब०	लक्ष्म्याः	लक्ष्म्योः	लक्ष्मीणाम्	ष०
अधि०	लक्ष्म्याम्	लक्ष्म्योः	लक्ष्मीषु	स०
सम्बो०	हे लक्ष्मि	हे लक्ष्म्यौ	हे लक्ष्म्यः	

अवी-तन्त्री-तरी-लक्ष्मी-धी-ही-श्रीणामुणादिषु।

सपास्त्रीलिङ्गशब्दानां सुलोपो न कदाचन॥

(67) स्त्री शब्दः, ईकारान्तः

कर्ता	स्त्रीः	स्त्रियौ	स्त्रियः	प्र०
कर्म	स्त्रियम्-स्त्रीम्	स्त्रियौ	स्त्रियः-स्त्रीः	द्वि०
करण	स्त्रिया	स्त्रीभ्याम्	स्त्रीभिः	तृ०
सम्प्र०	स्त्रियै	स्त्रीभ्याम्	स्त्रीभ्यः	च०
अपा०	स्त्रियाः	स्त्रीभ्याम्	स्त्रीभ्यः	प०
सम्ब०	स्त्रियाः	स्त्रियोः	स्त्रीणाम्	ष०
अधि०	स्त्रियाम्	स्त्रियोः	स्त्रीषु	स०
सम्बो०	हे स्त्रि	हे स्त्रियौ	हे स्त्रियः	

(68) श्री शब्दः, ईकारान्तः

कर्ता	श्रीः	श्रियौ	श्रियः	प्र०
कर्म	श्रियम्	श्रियौ	श्रियः	द्वि०
करण	श्रिया	श्रीभ्याम्	श्रीभिः	तृ०
सम्प्र०	श्रियै-श्रिये	श्रीभ्याम्	श्रीभ्यः	च०
अपा०	श्रियाः-श्रियः	श्रीभ्याम्	श्रीभ्यः	प०
सम्ब०	श्रियाः-श्रियः	श्रियोः	श्रीणाम्	ष०
अधि०	श्रियि-श्रियाम्	श्रियोः	श्रीषु	स०
सम्बो०	हे श्रीः	हे श्रियौ	हे श्रियः	

(69) धेनु शब्दः, उकारान्तः

कर्ता	धेनुः	धेनू	धेनवः	प्र०
कर्म	धेनुम्	धेनू	धेनूः	द्वि०
करण	धेन्वा	धेनुभ्याम्	धेनुभिः	तृ०
सम्प्र०	धेन्वै-धेनवे	धेनुभ्याम्	धेनुभ्यः	च०

अपा०	धेन्वाः-धेनोः	धेनुभ्याम्	धेनुभ्यः	प०
सम्ब०	धेन्वाः-धेनोः	धेन्वोः	धेनूनाम्	ष०
अधि०	धेन्वाम्-धेनौ	धेन्वोः	धेनुषु	स०
सम्बो०	हे धेनो	हे धेनू	हे धेनवः	
एवमेव रज्जु-हनु-तन-लघ-इत्यात्य उकारान्ताः				

(70) क्रोष्टु शब्दः, उकारान्तः

कर्ता	क्रोष्ट्री	क्रोष्ट्र्यौ	क्रोष्ट्र्यः	प्र०
कर्म	क्रोष्ट्रीम्	क्रोष्ट्र्यौ	क्रोष्ट्र्यः	द्वि०
करण	क्रोष्ट्र्या	क्रोष्ट्रीभ्याम्	क्रोष्ट्रीभिः	तृ०
सम्प्र०	क्रोष्ट्र्यै	क्रोष्ट्रीभ्याम्	क्रोष्ट्रीभ्यः	च०
अपा०	क्रोष्ट्र्याः	क्रोष्ट्रीभ्याम्	क्रोष्ट्रीभ्यः	प०
सम्ब०	क्रोष्ट्र्याः	क्रोष्ट्र्योः	क्रोष्ट्रीणाम्	ष०
अधि०	क्रोष्ट्र्याम्	क्रोष्ट्र्योः	क्रोष्ट्रीषु	स०
सम्बो०	हे क्रोष्ट्रिः	हे क्रोष्ट्र्यौ	हे क्रोष्ट्र्यः	

(71) भ्रू शब्दः, ऊकारान्तः

कर्ता	भ्रूः	भ्रुवौ	भ्रुवः	प्र०
कर्म	भ्रुवम्	भ्रुवौ	भ्रुवः	द्वि०
करण	भ्रुवा	भ्रूभ्याम्	भ्रूभिः	तृ०
सम्प्र०	भ्रुवै-भ्रुवे	भ्रूभ्याम्	भ्रूभ्यः	च०
अपा०	भ्रुवाः-भ्रुवः	भ्रूवभ्याम्	भ्रूभ्यः	प०
सम्ब०	भ्रुवाः-भ्रुवः	भ्रुवयोः	भ्रूणां-भ्रुवाम्	ष०
अधि०	भ्रुवाम्-भ्रुविः	भ्रुवयोः	भ्रूषु	स०
सम्बो०	हे भ्रूः	हे भ्रुवौ	हे भ्रुवः	

(72) स्वयम्भू शब्दः, ऊकारान्तः

कर्ता	स्वयम्भूः	स्वयम्भुवौ	स्वयम्भुवः	प्र०
कर्म	स्वयम्भुवम्	स्वयम्भुवौ	स्वयम्भुवः	द्वि०
करण	स्वयम्भुवा	स्वयम्भूभ्याम्	स्वयम्भूभिः	तृ०
सम्प्र०	स्वयम्भुवे	स्वयम्भूभ्याम्	स्वयम्भूभ्यः	च०

अपा०	स्वयम्भुवः	स्वयम्भूभ्याम्	स्वयम्भूभ्यः	प०
सम्ब०	स्वयम्भुवः	स्वयम्भुवोः	स्वयम्बाम्	ष०
अधि०	स्वयम्भुवि	स्वयम्भुवोः	स्वयम्भूषु	स०
सम्बो०	हे स्वयम्भूः	हे स्वयम्भुवौ	हे स्वयम्भुवः	

(73) ऋकारान्तः, स्वसृशब्दः

कर्ता	स्वसा	स्वसारौ	स्वसारः	प्र०
कर्म	स्वसारम्	स्वसारौ	स्वसृः	द्वि०
करण	स्वस्रा	स्वसृभ्याम्	स्वसृभिः	तृ०
सम्प्र०	स्वस्रे	स्वसृभ्याम्	स्वसृभ्यः	च०
अपा०	स्वस्तुः	स्वसृभ्याम्	स्वसृभ्यः	प०
सम्ब०	स्वस्तुः	स्वस्रोः	स्वसृणाम्	ष०
अधि०	स्वसरि	स्वस्रोः	स्वसृषु	स०
सम्बो०	हे स्वसः	हे स्वसारौ	हे स्वसारः	

(74) ऋकारान्तः, मातृशब्दः

कर्ता	माता	मातरौ	मातरः	प्र०
कर्म	मातरम्	मातरौ	मातृः	द्वि०
करण	मात्रा	मातृभ्याम्	मातृभिः	तृ०
सम्प्र०	मात्रे	मातृभ्याम्	मातृभ्यः	च०
अपा०	मातुः	मातृभ्याम्	मातृभ्यः	प०
सम्ब०	मातुः	मात्रोः	मातृणाम्	ष०
अधि०	मातरि	मात्रोः	मातृषु	स०
सम्बो०	हे मातः	हे मातरौ	हे मातरः	

(75) ऋकारान्तः, ननान्दृ शब्दः

कर्ता	ननान्दा	ननान्दरौ	ननान्दरः	प्र०
कर्म	ननान्दरम्	ननान्दरौ	ननान्दृः	द्वि०
करण	ननान्द्रा	ननान्दृभ्याम्	ननान्दृभिः	तृ०
सम्प्र०	ननान्द्रे	ननान्दृभ्याम्	ननान्दृभ्यः	च०
अपा०	ननान्दुः	ननान्दृभ्याम्	ननान्दृभ्यः	प०

सम्ब०	ननान्दुः	ननान्द्रोः	ननान्दृणाम्	ष०
अधि०	ननान्दरि	ननान्द्रोः	ननान्दृषु	स०
सम्बो०	हे ननान्दः	हे ननान्द्रौ	हे ननान्दरः	

एवं दुहितृ-धातृ-शब्दानां रूपाणि
स्वसातिस्त्रश्चतस्त्रश्च ननान्दादुहिता तथा
याता मातेति सप्तैते स्वस्नादयउदादता

(76) ओकारान्तः, यो शब्दः गोवत बोध्यानि इत्यृदन्ता

कर्ता	द्यौः	द्यावौ	द्यावः	प्र०
कर्म	द्याम्	द्यावौ	द्याः	द्वि०
करण	द्यवा	द्योभ्याम्	द्योभिः	तृ०
सम्प्र०	द्यवे	द्योभ्याम्	द्योभ्यः	च०
अपा०	द्योः	द्योभ्याम्	द्योभ्यः	प०
सम्ब०	द्योः	द्यवोः	द्यवाम्	ष०
अधि०	द्यवि	द्यवोः	द्योषु	स०
सम्बो०	हे द्यौः	हे द्यावौ	हे द्यावः	

(77) इत्योदन्ताः, ऐकारान्तः रै शब्दः पुंवत्

कर्ता	राः	रायौ	रायः	प्र०
कर्म	रायम्	रायौ	रायः	द्वि०
करण	राया	राभ्याम्	राभिः	तृ०
सम्प्र०	राये	राभ्याम्	राभ्यः	च०
अपा०	रायः	राभ्याम्	राभ्यः	प०
सम्ब०	रायः	रायोः	रायाम्	ष०
अधि०	रायि	रायोः	रायासु	स०
सम्बो०	हे राः	हे रायौ	हे रायुः	

(78) औकारान्तः, नौ शब्दः, इत्यैदन्ताः

कर्ता	नौः	नावौ	नावः	प्र०
कर्म	नावम्	नावौ	नावः	द्वि०
करण	नावा	नौभ्याम्	नौभिः	तृ०

सम्प्र०	नावे	नौभ्याम्	नौभ्यः	च०
अपा०	नावः	नौभ्याम्	नौभ्यः	प०
सम्ब०	नावः	नावोः	नावाम्	ष०
अधि०	नावि	नावोः	नौषु	स०
सम्बो०	हे नौः	हे नावौ	हे नावः	

इत्यौदन्ताः इति अजन्त स्त्रीलिङ्गप्रकरणं समाप्तम्

अथ अजन्त नपुंसकलिङ्ग प्रकरणम्

(79) ज्ञान शब्दः, अकारान्तः

कर्ता	ज्ञानम्	ज्ञाने	ज्ञानानि	प्र०
कर्म	ज्ञानम्	ज्ञाने	ज्ञानानि	द्वि०
करण	ज्ञानेन	ज्ञानाभ्याम्	ज्ञानैः	तृ०
सम्प्र०	ज्ञानाय	ज्ञानाभ्याम्	ज्ञानेभ्यः	च०
अपा०	ज्ञानात्-द्	ज्ञानाभ्याम्	ज्ञानेभ्यः	प०
सम्ब०	ज्ञानस्य	ज्ञानयोः	ज्ञानानाम्	ष०
अधि०	ज्ञाने	ज्ञानयोः	ज्ञानेषु	स०
सम्बो०	हे ज्ञान	हे ज्ञाने	हे ज्ञानानि	

(80) धन शब्दः, अकारान्तः

कर्ता	धनम्	धने	धनानि	प्र०
कर्म	धनम्	धने	धनानि	द्वि०
करण	धनेन	धनाभ्याम्	धनैः	तृ०
सम्प्र०	धनाय	धनाभ्याम्	धनेभ्यः	च०
अपा०	धनात्-द्	धनाभ्याम्	धनेभ्यः	प०
सम्ब०	धनस्य	धनयोः	धनानाम्	ष०
अधि०	धने	धनयोः	धनेषु	स०
सम्बो०	हे धन	हे धने	हे धनानि	

एवमेव वन-फल-इत्यादयः ।

(81) कतर शब्दः, अकारान्तः

कर्ता	कतरत्-द्	कतरे	कतराणि	प्र०
कर्म	कतरत्-द्	कतरे	कतराणि	द्वि०
करण	कतरेण	कतराभ्याम्	कतरैः	तृ०
सम्प्र०	कतरस्मै	कतराभ्याम्	कतरेभ्यः	च०
अपा०	कतरस्मात्-द्	कतराभ्याम्	कतरेभ्यः	प०
सम्ब०	कतरस्य	कतरयोः	कतरेषाम्	ष०
अधि०	कतरस्मिन्	कतरयोः	कतरेषु	स०
सम्बो०	हे कतरत्-त्	हे कतरे	हे कतराणि	

(82) अकारान्तः, कतम शब्दः

कर्ता	कतमत्-द्	कतमे	कतमानि	प्र०
कर्म	कतमत्-द्	कतमे	कतमानि	द्वि०
करण	कतमेन	कतमाभ्याम्	कतमैः	तृ०
सम्प्र०	कतमस्मै	कतमाभ्याम्	कतमेभ्यः	च०
अपा०	कतमस्मात्-द्	कतमाभ्याम्	कतमेभ्यः	प०
सम्ब०	कतमस्य	कतमयोः	कतमेषाम्	ष०
अधि०	कतमस्मिन्	कतमयोः	कतमेषु	स०
सम्बो०	हे कतमत्-द्	हे कतमे	हे कतमानि	

एवमेव, अन्य-अन्यतर-इतर-त्व-इत्येतेषां रूपाणि

(83) अन्यतम शब्दः, अकारान्तः

कर्ता	अन्यतमम्	अन्यतमे	अन्यतमानि	प्र०
कर्म	अन्यतमम्	अन्यतमे	अन्यतमानि	द्वि०
करण	अन्यतमेन	अन्यतमाभ्याम्	अन्यतमैः	तृ०
सम्प्र०	अन्यतमाय	अन्यतमाभ्याम्	अन्यतमेभ्यः	च०
अपा०	अन्यतमात्-द्	अन्यतमाभ्याम्	अन्यतमेभ्यः	प०
सम्ब०	अन्यतमस्य	अन्यतमयोः	अन्यतमानां	ष०
अधि०	अन्यतमे	अन्यतमयोः	अन्यतमेषु	स०
सम्बो०	हे अन्यतम	हे अन्यतमे	हे अन्यतमानि	

(84) अकारान्तः, एकतर शब्दः

कर्ता	एकतरम्	एकतरे	एकतराणि	प्र०
कर्म	एकतरम्	एकतरे	एकतराणि	द्वि०
करण	एकतरेण	एकतराभ्याम्	एकतरैः	तृ०
सम्प्र०	एकतरस्मै	एकतराभ्याम्	एकतरेभ्यः	च०
अपा०	एकतरस्मात्-द्	एकतराभ्याम्	एकतरेभ्यः	प०
सम्ब०	एकतरस्य	एकतरयोः	एकतरेषाम्	ष०
अधि०	एकतरस्मिन्	एकतरयोः	एकतरेषु	स०
सम्बो०	हे एकतर	हे एकतरे	हे एकतराणि	

(85) श्रीपा शब्दः, आकारान्तः

कर्ता	श्रीपम्	श्रीपे	श्रीपाणि	प्र०
कर्म	श्रीपम्	श्रीपे	श्रीपाणि	द्वि०
करण	श्रीपेण	श्रीपाभ्याम्	श्रीपैः	तृ०
सम्प्र०	श्रीपाय	श्रीपाभ्याम्	श्रीपेभ्यः	च०
अपा०	श्रीपात्-द्	श्रीपाभ्याम्	श्रीपेभ्यः	प०
सम्ब०	श्रीपस्य	श्रीपयोः	श्रीपाणाम्	ष०
अधि०	श्रीपे	श्रीपयोः	श्रीपेषु	स०
सम्बो०	हे श्रीप	हे श्रीपे	हे श्रीपाणि	

(86) इकारान्तः, वारि शब्दः

कर्ता	वारि	वारिणी	वारीणि	प्र०
कर्म	वारि	वारिणी	वारीणि	द्वि०
करण	वारिणा	वारिभ्याम्	वारिभिः	तृ०
सम्प्र०	वारिणे	वारिभ्याम्	वारिभ्यः	च०
अपा०	वारिणः	वारिभ्याम्	वारिभ्यः	प०
सम्ब०	वारिणः	वारिणोः	वारीणाम्	ष०
अधि०	वारिणि	वारिणोः	वारिषु	स०
सम्बो०	हे वारे-वारि	हे वारिणी	हे वारीणि	

(87) इकारान्तः, दधि शब्दः

कर्ता	दधि	दधिनी	दधीनि	प्र०
कर्म	दधि	दधिनी	दधीनि	द्वि०
करण	दध्ना	दधिभ्याम्	दधिभिः	तृ०
सम्प्र०	दध्ने	दधिभ्याम्	दधिभ्यः	च०
अपा०	दध्नः	दधिभ्याम्	दधिभ्यः	प०
सम्ब०	दध्नः	दध्नोः	दध्नाम्	ष०
अधि०	दध्नि-दधनि	दध्नोः	दधिषु	स०
सम्बो०	हे दधे-दधि	हे दधिनी	हे दधीनि	

एवमेव, अस्थि-सक्थि-अक्षि-शब्दानां रूपाणि । इति-इदन्ताः ।

(88) ईकारान्तः, सुधी शब्दः

कर्ता	सुधी	सुधिनी	सुधीनि	प्र०
कर्म	सुधी	सुधिनी	सुधीनि	द्वि०
करण	सुधिया-सुधिना	सुधिभ्याम्	सुधिभिः	तृ०
सम्प्र०	सुधिये-सुधिने	सुधिभ्याम्	सुधिभ्यः	च०
अपा०	सुधियः-सुधिनः	सुधिभ्याम्	सुधिभ्यः	प०
सम्ब०	सुधिवः-सुधिनः	सुधिनोः-सुधिनोः	सुधियां-सुधीनां	ष०
अधि०	सुधियि-सुधिनि	सुधिनोः-सुधिनोः	सुधिषु	स०
सम्बो०	हे सुधे-सुधि	हे सुधिनी	हे सुधीनि	

(89) उकारान्तः, मधु शब्दः

कर्ता	मधु	मधुनी	मधूनि	प्र०
कर्म	मधु	मधुनी	मधूनि	द्वि०
करण	मधुना	मधुभ्याम्	मधुभिः	तृ०
सम्प्र०	मधुने	मधुभ्याम्	मधुभ्यः	च०
अपा०	मधुनः	मधुभ्याम्	मधुभ्यः	प०
सम्ब०	मधुनः	मधुनोः	मधूनाम्	ष०
अधि०	मधुनि	मधुनोः	मधुषु	स०
सम्बो०	हे मधो-हे मधु	हे मधुनी	हे मधूनि	

(90) उकारान्तः, सुलु शब्दः इत्युदन्ताः

कर्ता	सुलु	सुलुनी	सुलूनि	प्र०
कर्म	सुलु	सुलुनी	सुलूनि	द्वि०
करण	सुल्वा-सुलुना	सुलुभ्याम्	सुलुभिः	तृ०
सम्प्र०	सुल्वे-सुलुने	सुलुभ्याम्	सुलुभ्यः	च०
अपा०	सुल्वः-सुलुनः	सुलुभ्याम्	सुलुभ्यः	प०
सम्ब०	सुल्वः-सुलुनः	सुल्वोः-सुलुनोः	सुल्वान्-सुलूनां	ष०
अधि०	सुल्वि-सुलुनि	सुल्वोः-सुलुनोः	सुलुषु	स०
सम्बो०	हे सुलो-सुलु	हे सुलुनी	हे सुलूनि	

(91) ऋकारान्तः, धातृ शब्दः

कर्ता	धातृ	धातृणी	धातृणि	प्र०
कर्म	धातृ	धातृणी	धातृणि	द्वि०
करण	धातृणा, धात्रा	धातृभ्याम्	धातृभिः	तृ०
सम्प्र०	धात्रे-धातृणः	धातृभ्याम्	धातृभ्यः	च०
अपा०	धातुः-धातृणः	धातृभ्याम्	धातृभ्यः	प०
सम्ब०	धातुः-धातृणः	धात्रोः-धातृणोः	धातृणाम्	ष०
अधि०	धातरि-धातृणि	धात्रोः-धातृणोः	धातृषु	स०
सम्बो०	हे धातुः-धातः	हे धातृणी	हे धातृणि	

(92) ऋकारान्तः, ज्ञातृ शब्दः

कर्ता	ज्ञातृ	ज्ञातृणी	ज्ञातृणि	प्र०
कर्म	ज्ञातृ	ज्ञातृणी	ज्ञातृणि	द्वि०
करण	ज्ञात्रा-ज्ञातृणा	ज्ञातृभ्याम्	ज्ञातृभिः	तृ०
सम्प्र०	ज्ञात्रे-ज्ञातृणे	ज्ञातृभ्याम्	ज्ञातृभ्यः	च०
अपा०	ज्ञातुः-ज्ञातृणः	ज्ञातृभ्याम्	ज्ञातृभ्यः	प०
सम्ब०	ज्ञातुः-ज्ञातृणः	ज्ञात्रोः-ज्ञातृणोः	ज्ञातृणाम्	ष०
अधि०	ज्ञातरि-ज्ञातृणि	ज्ञात्रोः-ज्ञातृणोः	ज्ञातृषु	स०
सम्बो०	हे ज्ञातृः-ज्ञातृः	हे ज्ञातृणी	हे ज्ञातृणि	

एवमेव कर्तु-हर्तृ-नेतृ-नयतृ इत्यादय ऋदन्ताः । इत्युदन्ताः

(93) ओकारान्तः, प्रद्यो शब्दः

कर्ता	प्रद्यु	प्रद्युनी	प्रद्यूनि	प्र०
कर्म	प्रद्यु	प्रद्युनी	प्रद्यूनि	द्वि०
करण	प्रद्युना	प्रद्युभ्याम्	प्रद्युभिः	तृ०
सम्प्र०	प्रद्युने	प्रद्युभ्याम्	प्रद्युभ्यः	च०
अपा०	प्रद्युनः	प्रद्युभ्याम्	प्रद्युभ्यः	प०
सम्ब०	प्रद्युनः	प्रद्युनोः	प्रद्यूनानाम्	ष०
अधि०	प्रद्युनि	प्रद्युनोः	प्रद्युषु	स०
सम्बो०	हे प्रद्यो-प्रद्यु	हे प्रद्युनी	हे प्रद्यूनि	

(94) ऐकारान्तः, प्ररै शब्दः, इत्योदन्ता

कर्ता	प्ररि	प्ररिणी	प्ररीणि	प्र०
कर्म	प्ररि	प्ररिणी	प्ररीणि	द्वि०
करण	प्ररिणा	प्रराभ्याम्	प्रराभिः	तृ०
सम्प्र०	प्ररिणे	प्रराभ्याम्	प्रराभ्यः	च०
अपा०	प्ररिणः	प्रराभ्याम्	प्रराभ्यः	प०
सम्ब०	प्ररिणः	प्ररिणोः	प्ररीणाम्	ष०
अधि०	प्ररिणि	प्ररिणोः	प्रराषु	स०
सम्बो०	हे प्ररे-प्ररि	हे प्ररिणी	हे प्ररीणि	

(95) औकारान्तः, सुनौ शब्दः, इत्यैदन्ता

कर्ता	सुनु	सुनुनी	सुनूनि	प्र०
कर्म	सुनु	सुनुनी	सुनूनि	द्वि०
करण	सुनुना	सुनुभ्याम्	सुनुभिः	तृ०
सम्प्र०	सुनुने	सुनुभ्याम्	सुनुभ्यः	च०
अपा०	सुनुनः	सुनुभ्याम्	सुनुभ्यः	प०
सम्ब०	सुनुनः	सुनुनोः	सुनूनानाम्	ष०
अधि०	सुनुनि	सुनुनोः	सुनुषु	स०
सम्बो०	हे सुनो-सुनु	हे सुनुनी	हे सुनूनि	

इति अजन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम् ।

अथ हलन्तपुलिङ्गप्रकरणम्

(96) हकारान्तः, लिह् शब्दः

कर्ता	लिट्-ङ्	लिहौ	लिहः	प्र०
कर्म	लिहम्	लिहौ	लिहः	द्वि०
करण	लिहा	लिङ्भ्याम्	लिङ्भिः	तृ०
सम्प्र०	लिहे	लिङ्भ्याम्	लिङ्भ्यः	च०
अपा०	लिहः	लिङ्भ्याम्	लिङ्भ्यः	प०
सम्ब०	लिहः	लिहोः	लिहाम्	ष०
अधि०	लिहि	लिहोः	लिट्सु-लिट्सु	स०
सम्बो०	हे लिट्-ङ्	हे लिहौ	हे लिह	

(97) हकारान्तः, दुह् शब्दः

कर्ता	धुक्-ग्	दुहौ	दुहः	प्र०
कर्म	दुहम्	दुहौ	दुहः	द्वि०
करण	दुहा	धुग्भ्याम्	धुग्भिः	तृ०
सम्प्र०	दुहे	धुग्भ्याम्	धुग्भ्यः	च०
अपा०	दुहः	धुग्भ्याम्	धुग्भ्यः	प०
सम्ब०	दुहः	दुहोः	दुहाम्	ष०
अधि०	दुहि	दुहोः	धुक्षु	स०
सम्बो०	हे धुक्, हे धुग्	हे दुहौ	हे दुहः	

(98) हकारान्तः, द्रुह् शब्दः

कर्ता	ध्रुक्-ग्-ध्रुट्-ङ्	द्रुहौ	द्रुहः	प्र०
कर्म	द्रुहम्	द्रुहौ	द्रुहः	द्वि०
करण	द्रुहा	ध्रुग्भ्यां-ध्रुङ्भ्यां	ध्रुग्भिः-ध्रुङ्भिः	तृ०
सम्प्र०	द्रुहे	ध्रुग्भ्यां-ध्रुङ्भ्यां	ध्रुग्भ्यः-ध्रुङ्भ्यः	च०
अपा०	द्रुहः	ध्रुग्भ्यां-ध्रुङ्भ्यां	ध्रुग्भ्यः-ध्रुङ्भ्यः	प०
सम्ब०	द्रुहः	द्रुहोः	द्रुहाम्	ष०
अधि०	द्रुहि	द्रुहोः	ध्रुक्षु-ध्रुट्सु-ध्रुट्सु	स०
सम्बो०	हे ध्रुक्-ग्-ध्रुट्-ङ्	हे द्रुहौ	हे द्रुहः	

(99) हान्तः, मुह् शब्दः

कर्ता	मुक्-ग्-ट्-ड्	मुहौ	मुहः	प्र०
कर्म	मुहम्	मुहौ	मुहः	द्वि०
करण	मुहा	मुग्भ्यां-मुड्भ्यां	मुग्भिः-मुड्भिः	तृ०
सम्प्र०	मुहे	मुग्भ्यां-मुड्भ्यां	मुग्भ्यः-मुड्भ्यः	च०
अपा०	मुहः	मुग्भ्यां-मुड्भ्यां	मुग्भ्यः-मुड्भ्यः	प०
सम्ब०	मुहः	मुहोः	मुहाम्	ष०
अधि०	मुहि	मुहोः	मुक्षु-मुट्सु-मुट्सु	स०
सम्बो०	हे मुक्-ग्-ट्-ड्	हे मुहौ	हे मुहः	

(100) हकारान्तः, स्नुह् शब्दः

कर्ता	स्नुक्-ग् स्नुट्-ड्	स्नुहौ	स्नुहः	प्र०
कर्म	स्नुहम्	स्नुहौ	स्नुहः	द्वि०
करण	स्नुहा	स्नुग्भ्यां-स्नुड्भ्यां	स्नुग्भिः-स्नुड्भिः	तृ०
सम्प्र०	स्नुहे	स्नुग्भ्यां-स्नुड्भ्यां	स्नुग्भ्यः-स्नुड्भ्यः	च०
अपा०	स्नुहः	स्नुग्भ्यां-स्नुड्भ्यां	स्नुग्भ्यः-स्नुड्भ्यः	प०
सम्ब०	स्नुहः	स्नुहोः	स्नुहाम्	ष०
अधि०	स्नुहि	स्नुहोः	स्नुक्षु-स्नुट्सु- स्नुट्सु	स०
सम्बो०	हे स्नुक्-ग्-ट्-ड्	हे स्नुहौ	हे स्नुहः	

(101) हकारान्तः, विश्ववाह् शब्दः

कर्ता	विश्ववाट्-ड्	विश्ववाहौ	विश्ववाहः	प्र०
कर्म	विश्ववाहम्	विश्ववाहौ	विश्ववौहः	द्वि०
करण	विश्ववौहा	विश्ववाड्भ्यां	विश्ववाड्भिः	तृ०
सम्प्र०	विश्ववौहे	विश्ववाड्भ्यां	विश्ववाड्भ्यः	च०
अपा०	विश्ववौहः	विश्ववाड्भ्यां	विश्ववाड्भ्यः	प०
सम्ब०	विश्ववौहः	विश्ववौहोः	विश्ववौहाम्	ष०
अधि०	विश्ववौहि	विश्ववौहोः	विश्ववाट्सु- विश्ववाट्सु	स०
सम्बो०	हे विश्ववाट्-ड्	हे विश्ववाहौ	हे विश्ववाहः	

(102) हकारान्तः, अनुडुह् शब्दः

कर्ता	अनड्वान्	अनड्वाहौ	अनड्वाहः	प्र०
कर्म	अनड्वाहम्	अनड्वाहौ	अनडुहः	द्वि०
करण	अनडुहा	अनडुद्भ्यां	अनडुद्भिः	तृ०
सम्प्र०	अनडुहे	अनडुद्भ्यां	अनडुद्भ्यः	च०
अपा०	अनडुहः	अनडुद्भ्यां	अनडुद्भ्यः	प०
सम्ब०	अनडुहः	अनडुहोः	अनडुहाम्	ष०
अधि०	अनडुहि	अनडुहोः	अनडुत्सु	स०
सम्बो०	हे अनड्वन्	हे अनड्वाहौ	हे अनड्वाहः	

(103) हकारान्तः, तुरासाह् शब्दः

कर्ता	तुराषाट्-ड्	तुरासाहौ	तुरासाहः	प्र०
कर्म	तुरासाहम्	तुरासाहौ	तुरासाहः	द्वि०
करण	तुरासाहा	तुराषाड्भ्यां	तुराषाड्भिः	तृ०
सम्प्र०	तुरासाहे	तुराषाड्भ्यां	तुराषाड्भ्यः	च०
अपा०	तुरासाहः	तुराषाड्भ्यां	तुराषाड्भ्यः	प०
सम्ब०	तुरासाहः	तुरासाहोः	तुरासाहाम्	ष०
अधि०	तुरासाहि	तुरासाहोः	तुरासाट्सु-	स०
			तुराषाट्सु	
सम्बो०	हे तुराषाट्-ड्	हे तुरासाहौ	हे तुरासाहः	

(104) वकारान्तः, सुदिव् शब्दः इति हान्ताः

कर्ता	सुद्यौः	सुदिवौ	सुदिवः	प्र०
कर्म	सुदिवम्	सुदिवौ	सुदिवः	द्वि०
करण	सुदिवा	सुद्युभ्याम्	सुद्युभिः	तृ०
सम्प्र०	सुदिवे	सुद्युभ्याम्	सुद्युभ्यः	च०
अपा०	सुदिवः	सुद्युभ्याम्	सुद्युभ्यः	प०
सम्ब०	सुदिवः	सुदिवोः	सुदिवाम्	ष०
अधि०	सुदिवि	सुदिवोः	सुद्युषु	स०
सम्बो०	हे सुद्यौः	हे सुदिवौ	हे सुदिवः	

(105) चतुर शब्दो नित्यं बहुवचनान्तः

प्र०- चत्वारः	द्वि०- चतुरः	तृ०- चतुर्भिः	च०- चतुर्थ्यः
प्र०-चतुर्थ्यः	ष०- चतुर्णाम्	स०- चतुर्षु	स०- हे चत्वारः

(106) किम् शब्दो मकारान्तः इतिरेकान्ता

कर्ता	कः	कौ	के	प्र०
कर्म	कम्	कौ	कान्	द्वि०
करण	केन	काभ्याम्	कैः	तृ०
सम्प्र०	कस्मै	काभ्याम्	केभ्यः	च०
अपा०	कस्मात्	काभ्याम्	केभ्यः	प०
सम्ब०	कस्य	कयोः	केषाम्	ष०
अधि०	कस्मिन्	कयोः	केषु	स०

(107) इदम् शब्दो मकारान्तः

कर्ता	अयम्	इमौ	इमे	प्र०
कर्म	इमम् (एनम्)	इमौ	इमान्	द्वि०
करण	अनेन (एनेन)	आभ्याम्	एभिः	तृ०
सम्प्र०	अस्मै	आभ्याम्	एभ्यः	च०
अपा०	अस्मात्	आभ्याम्	एभ्यः	प०
सम्ब०	अस्य	अनयोः	एषाम्	ष०
अधि०	अस्मिन्	अनयोः	एषु	स०

त्यदादेः सम्बोधनं नास्ति = त्यद्, तद्, यद्, एतद्, इदम्, अदस्, एक, द्वि, युष्मद्, अस्मद्, भवतु, किम् शब्दानां प्रचुरप्रयोगा दर्शनात् सम्बोधनं नास्तीति भावः।

(108) राजन् शब्दो नकारान्तः

कर्ता	राजा	राजानौ	राजानः	प्र०
कर्म	राजानम्	राजानौ	राज्ञः	द्वि०
करण	राज्ञा	राजभ्याम्	राजभिः	तृ०
सम्प्र०	राज्ञे	राजभ्याम्	राजभ्यः	च०
अपा०	राज्ञः	राजभ्याम्	राजभ्यः	प०
सम्ब०	राज्ञः	राज्ञोः	राज्ञाम्	ष०

अधि०	राज्ञि-राजनि	राज्ञोः	राजसु	स०
सम्बो०	हे राजन्	हे राजानौ	हे राजानः	

(109) यज्वन् शब्दो नकारान्तः

कर्ता	यज्वा	यज्वानौ	यज्वानः	प्र०
कर्म	यज्वानम्	यज्वानौ	यज्वनः	द्वि०
करण	यज्वना	यज्वभ्याम्	यज्वभिः	तृ०
सम्प्र०	यज्वने	यज्वभ्याम्	यज्वभ्यः	च०
अपा०	यज्वनः	यज्वभ्याम्	यज्वभ्यः	प०
सम्ब०	यज्वनः	यज्वनोः	यज्वनाम्	ष०
अधि०	यज्वनि	यज्वनोः	यज्वसु	स०
सम्बो०	हे यज्वन्	हे यज्वानौ	हे यज्वानः	

(110) ब्रह्मन् शब्दो नकारान्तः

कर्ता	ब्रह्मा	ब्रह्माणौ	ब्रह्माणः	प्र०
कर्म	ब्रह्माणम्	ब्रह्माणौ	ब्रह्मणः	द्वि०
करण	ब्रह्मणा	ब्रह्मभ्याम्	ब्रह्मभिः	तृ०
सम्प्र०	ब्रह्मणे	ब्रह्मभ्याम्	ब्रह्मभ्यः	च०
अपा०	ब्रह्मणः	ब्रह्मभ्याम्	ब्रह्मभ्यः	प०
सम्ब०	ब्रह्मणः	ब्रह्मणोः	ब्रह्मनाम्	ष०
अधि०	ब्रह्मणि	ब्रह्मणोः	ब्रह्मसु	स०
सम्बो०	हे ब्रह्मन्	हे ब्रह्माणौ	हे ब्रह्माणः	

(111) नकारान्तः, वृत्रहन् शब्दः

कर्ता	वृत्रहा	वृत्रहणौ	वृत्रहणः	प्र०
कर्म	वृत्रहणम्	वृत्रहणौ	वृत्रघ्नः	द्वि०
करण	वृत्रघ्ना	वृत्रहभ्याम्	वृत्रहभिः	तृ०
सम्प्र०	वृत्रघ्ने	वृत्रहभ्याम्	वृत्रहभ्यः	च०
अपा०	वृत्रघ्नः	वृत्रहभ्याम्	वृत्रहभ्यः	प०
सम्ब०	वृत्रघ्नः	वृत्रघ्नोः	वृत्रघ्नाम्	ष०
अधि०	वृत्रघ्नि-वृत्रहणि	वृत्रघ्नोः	वृत्रहसु	स०
सम्बो०	हे वृत्रहन्	हे वृत्रहणौ	हे वृत्रहणः	

(112) मघवन् शब्दो नकारान्तः

कर्ता	मघवान्	मघवन्तौ	मघवन्तः	प्र०
कर्म	मघवन्तम्	मघवन्तौ	मघवतः	द्वि०
करण	मघवन्तां	मघवदभ्याम्	मघवदिभः	तृ०
सम्प्र०	मघवते	मघवदभ्याम्	मघवदभ्यः	च०
अपा०	मघवतः	मघवदभ्याम्	मघवदभ्यः	प०
सम्ब०	मघवतः	मघवतोः	मघवताम्	ष०
अधि०	मघवति	मघवतोः	मघवत्सु	स०
सम्बो०	हे मघवन्ः	हे मघवन्तौ	हे मघवन्तः	

(113) तृत्वाभावे-स एव नकारान्तो मघवन् शब्दः

कर्ता	मघवा	मघवानौ	मघवानः	प्र०
कर्म	मघवानम्	मघवानौ	मघोनः	द्वि०
करण	मघोना	मघवभ्याम्	मघवभिः	तृ०
सम्प्र०	मघोने	मघवभ्याम्	मघवभ्यः	च०
अपा०	मघोनः	मघवभ्याम्	मघवभ्यः	प०
सम्ब०	मघोनः	मघोनोः	मघोनाम्	ष०
अधि०	मघोनि	मघोनोः	मघवसु	स०
सम्बो०	हे मघवान्ः	हे मघवानौ	हे मघवानः	

(114) श्रुवन् शब्दो, नकारान्तः

कर्ता	श्रवा	श्रवानौ	श्रवानः	प्र०
कर्म	श्रवानम्	श्रवानौ	श्रुनः	द्वि०
करण	श्रुना	श्रवभ्याम्	श्रवभिः	तृ०
सम्प्र०	श्रुने	श्रवभ्याम्	श्रवभ्यः	च०
अपा०	श्रुनः	श्रवभ्याम्	श्रवभ्यः	प०
सम्ब०	श्रुनः	श्रुनोः	श्रुनाम्	ष०
अधि०	श्रुनि	श्रुनोः	श्रवसु	स०
सम्बो०	हे श्रवाः	हे श्रवानौ	हे श्रवानः	

(115) युवन् शब्दो, नकारान्तः

कर्ता	युवा	युवानौ	युवानः	प्र०
कर्म	युवानम्	युवानौ	यूनः	द्वि०
करण	यूना	युवभ्याम्	युवभिः	तृ०
सम्प्र०	यूने	युवभ्याम्	युवभ्यः	च०
अपा०	यूनः	युवभ्याम्	युवभ्यः	प०
सम्ब०	यूनः	यूनोः	यूनान्	ष०
अधि०	यूनि	यूनोः	युवसु	स०
सम्बो०	हे युवन्	हे युवानौ	हे युवानः	

(116) अर्वन् शब्दो, नकारान्तः

कर्ता	अर्वा	अर्वन्तौ	अर्वन्तः	प्र०
कर्म	अर्वन्तम्	अर्वन्तौ	अर्वन्तः	द्वि०
करण	अर्वता	अर्वद्भ्याम्	अर्वद्भिः	तृ०
सम्प्र०	अर्वते	अर्वद्भ्याम्	अर्वद्भ्यः	च०
अपा०	अर्वतः	अर्वद्भ्याम्	अर्वद्भ्यः	प०
सम्ब०	अर्वतः	अर्वतोः	अर्वताम्	ष०
अधि०	अर्वति	अर्वतोः	अर्वत्सु	स०
सम्बो०	हे अर्वन्	हे अर्वन्तौ	हे अर्वन्तः	

(117) पथिन् शब्दो, नकारान्तः

कर्ता	पन्थाः	पन्थानौ	पन्थानः	प्र०
कर्म	पन्थानम्	पन्थानौ	पथः	द्वि०
करण	पथा	पथिभ्याम्	पथिभिः	तृ०
सम्प्र०	पथे	पथिभ्याम्	पथिभ्यः	च०
अपा०	पथः	पथिभ्याम्	पथिभ्यः	प०
सम्ब०	पथः	पथोः	पथाम्	ष०
अधि०	पथि	पथोः	पथिषु	स०
सम्बो०	हे पन्थाः	हे पन्थानौ	हे पन्थानः	

(118) मथिन् शब्दो, नकारान्तः

कर्ता	मन्थाः	मन्थानौ	मन्थानः	प्र०
कर्म	मन्थानम्	मन्थानौ	मथः	द्वि०
करण	मथा	मथिभ्याम्	मथिभिः	तृ०
सम्प्र०	मथे	मथिभ्याम्	मथिभ्यः	च०
अपा०	मथः	मथिभ्याम्	मथिभ्यः	प०
सम्ब०	मथः	मथोः	मथाम्	ष०
अधि०	मथि	मथोः	मथिषु	स०
सम्बो०	हे मन्था	हे मन्थानौ	हे मन्थानः	

एवमेव, ऋभुक्षिन्, इत्यादयः ।

(119) पंचन्-शब्दो नित्यं बहुवचनान्तः

प्र०-पंच	द्वि०-पंच	तृ०-पंचभिः	च०-पंचभ्यः
प०-पंचभ्यः	ष०-पंचानाम्	स०-पंचसु	सम्बो०-हे पंच
एवमेव, सप्तन्-नवन्-दर्शनादि शब्दाः ।			

(120) नित्यं बहुवचनान्तः, अष्टन् शब्दः

प्र०-अष्टौ (अष्ट)	द्वि०-अष्टौ (अष्ट)	तृ०-अष्टाभिः (अष्टभिः)
च०-अष्टाभ्यः (अष्टभ्यः)	प०-अष्टाभ्यः (अष्टभ्यः)	
ष०-अष्टानाम् (अष्टनाम्)	स०-अष्टासु (अष्टसु)	
सम्बो०-हे अष्टौ(अष्ट) इतिनान्ताः ।		

(121) ऋत्विज्

कर्ता	ऋत्विक्-ग्	ऋत्विजौ	ऋत्विजः	प्र०
कर्म	ऋत्विजम्	ऋत्विजौ	ऋत्विजः	द्वि०
करण	ऋत्विजा	ऋत्विग्भ्याम्	ऋत्विग्भिः	तृ०
सम्प्र०	ऋत्विजे	ऋत्विग्भ्याम्	ऋत्विग्भ्यः	च०
अपा०	ऋत्विजः	ऋत्विग्भ्याम्	ऋत्विग्भ्यः	प०
सम्ब०	ऋत्विजः	ऋत्विजोः	ऋत्विजाम्	ष०
अधि०	ऋत्विजि	ऋत्विजोः	ऋत्विक्षु	स०
सम्बो०	हे ऋत्विक्-ग्	हे ऋत्विजौ	हे ऋत्विजः	

(122) युज्

कर्ता	युङ्	युंजौ	युंजः	प्र०
कर्म	युंजम्	युंजौ	युंजः	द्वि०
करण	युजा	युग्भ्याम्	युग्भिः	तृ०
सम्प्र०	युजे	युग्भ्याम्	युग्भ्यः	च०
अपा०	युजः	युग्भ्याम्	युग्भ्यः	प०
सम्ब०	युजः	युजोः	युजाम्	ष०
अधि०	युजि	युजोः	युक्षु	स०
सम्बो०	हे युङ्	हे युंजौ	हे युंजः	

(123) सुयुज्

कर्ता	सुयुक्-ग्	सुयुजौ	सुयुजः	प्र०
कर्म	सुयुजम्	सुयुजौ	सुयुजः	द्वि०
करण	सुयुजा	सुयुग्भ्याम्	सुयुग्भिः	तृ०
सम्प्र०	सुयुजे	सुयुग्भ्याम्	सुयुग्भ्यः	च०
अपा०	सुयुजः	सुयुग्भ्याम्	सुयुग्भ्यः	प०
सम्ब०	सुयुजः	सुयुजोः	सुयुजाम्	ष०
अधि०	सुयुजि	सुयुजोः	सुयुक्षु	स०
सम्बो०	हे सुयुक्-ग्	हे सुयुजौ	हे सुयुजः	

(124) खज्

कर्ता	खन्	खंजौ	खंजः	प्र०
कर्म	खंजम्	खंजौ	खंजः	द्वि०
करण	खंजा	खंभ्याम्	खंन्भिः	तृ०
सम्प्र०	खंजे	खंभ्याम्	खंन्भ्यः	च०
अपा०	खंजः	खंभ्याम्	खंन्भ्यः	प०
सम्ब०	खंजः	खंजोः	खंजाम्	ष०
अधि०	खंजि	खंजोः	खन्त्सु-खन्सु	स०
सम्बो०	हे खन्	हे खंजौ	हे खंजः	

(125) राज्

कर्ता	राट्-ङ्	राजौ	राजः	प्र०
कर्म	राजम्	राजौ	राजः	द्वि०
करण	राजा	राङ्भ्याम्	राङ्भिः	तृ०
सम्प्र०	राजे	राङ्भ्याम्	राङ्भ्यः	च०
अपा०	राजः	राङ्भ्याम्	राङ्भ्यः	प०
सम्ब०	राजः	राजोः	राजाम्	ष०
अधि०	राजि	राजोः	राट्सु-राट्सु	स०
सम्बो०	हे राट्-ङ्	हे राजौ	हे राजः	

(126) विभ्राज् - शब्दो जकारान्तः

कर्ता	विभ्राक्-ग	विभ्राजौ	विभ्राजः	प्र०
कर्म	विभ्राजम्	विभ्राजौ	विभ्राजः	द्वि०
करण	विभ्राजा	विभ्राग्भ्याम्	विभ्राग्भिः	तृ०
सम्प्र०	विभ्राजे	विभ्राग्भ्याम्	विभ्राग्भ्यः	च०
अपा०	विभ्राजः	विभ्राग्भ्याम्	विभ्राग्भ्यः	प०
सम्ब०	विभ्राजः	विभ्राजोः	विभ्राजाम्	ष०
अधि०	विभ्राजि	विभ्राजोः	विभ्राट्सु-विभ्राट्सु	स०
सम्बो०	हे विभ्राक्-ग्	हे विभ्राजौ	हे विभ्राजः	

(127) परिव्राज् - शब्दो जान्तः

कर्ता	परिव्राट्-ङ्	परिव्राजौ	परिव्राजः	प्र०
कर्म	परिव्राजम्	परिव्राजौ	परिव्राजः	द्वि०
करण	परिव्राजा	परिव्राङ्भ्याम्	परिव्राङ्भिः	तृ०
सम्प्र०	परिव्राजे	परिव्राङ्भ्याम्	परिव्राङ्भ्यः	च०
अपा०	परिव्राजः	परिव्राङ्भ्याम्	परिव्राङ्भ्यः	प०
सम्ब०	परिव्राजः	परिव्राजोः	परिव्राजाम्	ष०
अधि०	परिव्राजि	परिव्राजोः	परिव्राट्सु-परिव्राट्सु	स०
सम्बो०	हे परिव्राट्-ङ्	हे परिव्राजौ	हे परिव्राजः	

(128) विश्वराज् - शब्दो जान्तः

कर्ता	विश्वाराट्-इ	विश्वराजौ	विश्वराजः	प्र०
कर्म	विश्वराजम्	विश्वराजौ	विश्वराजः	द्वि०
करण	विश्वराजा	विश्वाराड्भ्यां	विश्वराड्भिः	तृ०
सम्प्र०	विश्वराजे	विश्वाराड्भ्यां	विश्वराड्भ्यः	च०
अपा०	विश्वराजः	विश्वाराड्भ्यां	विश्वराड्भ्यः	प०
सम्ब०	विश्वराजः	विश्वराजोः	विश्वराजाम्	ष०
अधि०	विश्वराजि	विश्वराजोः	विश्वाराट्सु- विश्वाराट्सु	स०
सम्बो०	हे विश्वाराट्-इ	हे विश्वराजौ	हे विश्वराजः	

(129) भृज्-शब्दो जकारान्तः

कर्ता	भृट्-इ	भृज्जौ	भृज्जः	प्र०
कर्म	भृज्जम्	भृज्जौ	भृज्जः	द्वि०
करण	भृज्जा	भृड्भ्याम्	भृड्भिः	तृ०
सम्प्र०	भृज्जे	भृड्भ्याम्	भृड्भ्यः	च०
अपा०	भृज्जः	भृड्भ्याम्	भृड्भ्यः	प०
सम्ब०	भृज्जः	भृज्जोः	भृज्जाम्	ष०
अधि०	भृज्जि	भृज्जोः	भृट्सु-भृट्सु	स०
सम्बो०	हे भृट्-इ	हे भृज्जौ	हे भृज्जः	

इति जान्ताः

(130) त्यद्-शब्दो दकारान्तः

कर्ता	स्यः	त्यौ	त्ये	प्र०
कर्म	त्यम्	त्यौ	त्यान्	द्वि०
करण	त्येन	त्याभ्याम्	त्यैः	तृ०
सम्प्र०	त्यस्यै	त्याभ्याम्	त्येभ्यः	च०
अपा०	त्यस्मात्	त्याभ्याम्	त्येभ्यः	प०
सम्ब०	त्यस्य	त्ययोः	त्येषाम्	ष०
अधि०	त्यस्मिन्	त्ययोः	त्येषु	स०

(131) तद्-शब्दो दकारान्तः

कर्ता	सः	तौ	ते	प्र०
कर्म	तम्	तौ	तान्	द्वि०
करण	तेन	ताभ्याम्	तैः	तृ०
सम्प्र०	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः	च०
अपा०	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः	प०
सम्ब०	तस्य	तयोः	तेषाम्	ष०
अधि०	तस्मिन्	तयोः	तेषु	स०

(132) यद्-शब्दो, दकारान्तः

कर्ता	यः	यौ	ये	प्र०
कर्म	यम्	यौ	यान्	द्वि०
करण	येन	याभ्याम्	यैः	तृ०
सम्प्र०	यस्मै	याभ्याम्	येभ्यः	च०
अपा०	यस्मात्	याभ्याम्	येभ्यः	प०
सम्ब०	यस्य	ययोः	येषाम्	ष०
अधि०	यस्मिन्	ययोः	येषु	स०

(133) एतद्-शब्दो, दान्तः

कर्ता	एषः	एतौ	एते	प्र०
कर्म	एनम्	एनौ	एनान्	द्वि०
करण	एतेन-एनेन	एताभ्याम्	एतैः	तृ०
सम्प्र०	एतस्मै	एताभ्याम्	एतेभ्यः	च०
अपा०	एतस्मात्	एताभ्याम्	एतेभ्यः	प०
सम्ब०	एतस्य	एतयोः-एनयोः	एतेषाम्	ष०
अधि०	एतस्मिन्	एतयोः-एनयोः	एतेषु	स०

(134) युष्मद्-शब्दो दकारान्तः

कर्ता	त्वम्	युवाम्	यूयम्	प्र०
कर्म	त्वाम् (त्वा)	युवाम् (वाम्)	युष्मान् (वः)	द्वि०
करण	त्वया	युवाभ्याम्	युष्माभिः	तृ०

सम्प्र०	तुभ्यम् (ते)	युवाभ्याम् (वाम्)	युष्मभ्यम् (वः)	च०
अपा०	त्वत्	युवाभ्याम्	युष्मत्	प०
सम्ब०	तव (ते)	युवयोः (वाम्)	युष्माकम् (वः)	ष०
अधि०	त्वयि	युवयोः	युष्मासु	स०

(135) अस्मद्-शब्दो दकारान्तः

कर्ता	अहम्	आवाम्	वयम्	प्र०
कर्म	माम् (मा)	आवाम् (नौ)	अस्मान् (नः)	द्वि०
करण	मया	आवाभ्याम्	अस्माभिः	तृ०
सम्प्र०	मह्यम् (मे)	आवाभ्याम् (नौ)	अस्मभ्यम् (नः)	च०
अपा०	मत्	आवाभ्याम्	अस्मत्	प०
सम्ब०	मम (मे)	आवयोः (नौ)	अस्माकम् (नः)	ष०
अधि०	मयि	आवयोः	अस्मासु	स०

(136) सुपाद्-शब्दो दकारान्तः

कर्ता	सुपात्-द्	सुपादौ	सुपादः	प्र०
कर्म	सुपादम्	सुपादौ	सुपदः	द्वि०
करण	सुपदा	सुपाद्भ्याम्	सुपाद्भिः	तृ०
सम्प्र०	सुपदे	सुपाद्भ्याम्	सुपाद्भ्यः	च०
अपा०	सुपदः	सुपाद्भ्याम्	सुपादभ्यः	प०
सम्ब०	सुपदः	सुपदोः	सुपदाम्	ष०
अधि०	सुपदि	सुपदोः	सुपात्सु	स०
सम्बो०	हे सुपात्-द्	हे सुपादौ	हे सुपादः	

इति दकारान्ताः

(137) अग्निमथ् शब्दः थकारान्तः

कर्ता	अग्निमत्-द्	अग्निमथौ	अग्निमथः	प्र०
कर्म	अग्निमथम्	अग्निमथौ	अग्निमथः	द्वि०
करण	अग्निमथा	अग्निमद्भ्याम्	अग्निमद्भिः	तृ०
सम्प्र०	अग्निमथे	अग्निमद्भ्याम्	अग्निमद्भ्यः	च०
अपा०	अग्निमथः	अग्निमद्भ्याम्	अग्निमद्भ्यः	प०
सम्ब०	अग्निमथः	अग्निमथोः	अग्निमथाम्	ष०

अधि०	अग्निमथि	अग्निमथोः	अग्निमत्सु	स०
सम्बो०	हे अग्निमत्-द्	हे अग्निमथौ	हे अग्निमथः	
	इति थकारान्तः			

(138) प्राच्-शब्दो अकारान्तः

कर्ता	प्राङ्	प्रांचौ	प्रांचः	प्र०
कर्म	प्रांचम्	प्रांचौ	प्रांचः	द्वि०
करण	प्राचा	प्राग्भ्याम्	प्राग्भिः	तृ०
सम्प्र०	प्राचे	प्राग्भ्याम्	प्राग्भ्यः	च०
अपा०	प्राचः	प्राग्भ्याम्	प्राग्भ्यः	प०
सम्ब०	प्राचः	प्राचोः	प्राचाम्	ष०
अधि०	प्राचि	प्राचोः	प्राचक्षु	स०
सम्बो०	हे प्राङ्	हे प्रांचौ	हे प्रांचः	

(139) प्रत्यच्-शब्दश्चकारान्तः

कर्ता	प्रत्यङ्	प्रत्यंचौ	प्रत्यंचः	प्र०
कर्म	प्रत्यंचम्	प्रत्यंचौ	प्रतीचः	द्वि०
करण	प्रतीचा	प्रत्यग्भ्याम्	प्रत्यग्भिः	तृ०
सम्प्र०	प्रतीचे	प्रत्यग्भ्याम्	प्रत्यग्भ्यः	च०
अपा०	प्रतीचः	प्रत्यग्भ्याम्	प्रत्यग्भ्यः	प०
सम्ब०	प्रतीचः	प्रतीचोः	प्रतीचाम्	ष०
अधि०	प्रतीचि	प्रतीचोः	प्रत्यक्षु	स०
सम्बो०	हे प्रत्यङ्	हे प्रत्यंचौ	हे प्रत्यंचः	

(140) उदच्-शब्दश्चकारान्तः

कर्ता	उदङ्	उदंचौ	उदंचः	प्र०
कर्म	उदंचम्	उदंचौ	उदीचः	द्वि०
करण	उदीचा	उदग्भ्याम्	उदग्भिः	तृ०
सम्प्र०	उदीचे	उदग्भ्याम्	उदग्भ्यः	च०
अपा०	उदीचः	उदग्भ्याम्	उदग्भ्यः	प०
सम्ब०	उदीचः	उदीचोः	उदीचाम्	ष०

अधि०	उदीचि	उदीचोः	उदक्षु	स०
सम्बो०	हे उदङ्	हे उदंचौ	हे उदंचः	

(141) सम्यंच्-शब्दश्चकारान्तः

कर्ता	सम्यङ्	सम्यंचौ	सम्यंचः	प्र०
कर्म	सम्यंचम्	सम्यंचौ	समीचः	द्वि०
करण	समीचा	सम्यगभ्याम्	सम्यग्भिः	तृ०
सम्प्र०	समीचे	सम्यगभ्याम्	सम्यग्भ्यः	च०
अपा०	समीचः	सम्यगभ्याम्	सम्यग्भ्यः	प०
सम्ब०	समीचः	समीचोः	समीचाम्	ष०
अधि०	समीचि	समीचोः	सम्यक्षु	स०
सम्बो०	हे सम्यङ्	हे सम्यंचौ	हे सम्यंचः	

(142) सध्र्यंच्-शब्दश्चकारान्तः

कर्ता	सध्र्यङ्	सध्र्यंचौ	सध्र्यंचः	प्र०
कर्म	सध्र्यंचम्	सध्र्यंचौ	सध्रीचः	द्वि०
करण	सध्रीचा	सध्र्यगभ्याम्	सध्र्यग्भिः	तृ०
सम्प्र०	सध्रीचे	सध्र्यगभ्याम्	सध्र्यग्भ्यः	च०
अपा०	सध्रीचः	सध्र्यगभ्याम्	सध्र्यग्भ्यः	प०
सम्ब०	सध्रीचः	सध्रीचोः	सध्रीचाम्	ष०
अधि०	सध्रीचि	सध्रीचोः	सध्र्यक्षु	स०
सम्बो०	हे सध्र्यङ्	हे सध्र्यंचौ	हे सध्र्यंचः	

(143) तिर्यन्च-शब्दः

कर्ता	तिर्यङ्	तिर्यन्चौ	तिर्यन्चः	प्र०
कर्म	तिर्यन्चम्	तिर्यन्चौ	तिरंश्चः	द्वि०
करण	तिरंश्चा	तिर्यगभ्याम्	तिर्यग्भिः	तृ०
सम्प्र०	तिरंश्चे	तिर्यगभ्याम्	तिर्यग्भ्यः	च०
अपा०	तिरंश्चः	तिर्यगभ्याम्	तिर्यग्भ्यः	प०
सम्ब०	तिरंश्चः	तिरंश्चोः	तिरंश्चाम्	ष०

अधि०	तिरश्चि	तिरश्चोः	तिर्यक्षु	स०
सम्बो०	हे तिर्यङ्	हे तिर्यन्चौ	हे तिर्यन्चः	

एवं-प्रत्यय-उदञ्च-सम्यञ्च-शब्दानां पूजार्थं रूपाणि बोध्यानि ।

(144) कृच्-शब्दश्चकारान्तः

कर्ता	कृङ्	कृंचौ	कृञ्चः	प्र०
कर्म	कृञ्चम्	कृञ्चौ	कृञ्चः	द्वि०
करण	कृञ्चा	कृङ्भ्याम्	कृङ्भिः	तृ०
सम्प्र०	कृञ्चे	कृङ्भ्याम्	कृङ्भ्यः	च०
अपा०	कृञ्चः	कृङ्भ्याम्	कृङ्भ्यः	प०
सम्ब०	कृञ्चः	कृञ्चोः	कृञ्चाम्	ष०
अधि०	कृञ्चि	कृञ्चोः	कृङ्क्षु	स०
सम्बो०	हे कृङ्	हे कृञ्चौ	हे कृञ्चः	

इति चकारान्तः

(145) महत् शब्दः तकारान्तः

कर्ता	महान्	महान्तौ	महान्तः	प्र०
कर्म	महान्तम्	महान्तौ	महतः	द्वि०
करण	महता	महद्भ्याम्	महद्भिः	तृ०
सम्प्र०	महते	महद्भ्याम्	महद्भ्यः	च०
अपा०	महतः	महद्भ्याम्	महद्भ्यः	प०
सम्ब०	महतः	महतोः	महताम्	ष०
अधि०	महति	महतोः	महत्सु	स०
सम्बो०	हे महन्	हे महान्तौ	हे महान्तः	

(146) धीमत् शब्दः, अत्वन्तः

कर्ता	धीमान्	धीमन्तौ	धीमन्तः	प्र०
कर्म	धीमन्तम्	धीमन्तौ	धीमतः	द्वि०
करण	धीमता	धीमद्भ्याम्	धीमद्भिः	तृ०
सम्प्र०	धीमते	धीमद्भ्याम्	धीमद्भ्यः	च०
अपा०	धीमतः	धीमद्भ्याम्	धीमद्भ्यः	प०

सम्ब०	धीमतः	धीमतोः	धीमताम्	ष०
अधि०	धीमति	धीमतोः	धीमत्सु	स०
सम्बो०	हे धीमन्	हे धीमन्तौ	हे धीमन्तः	

(147) भवत्-शब्दः, अत्वन्तः

कर्ता	भवान्	भवन्तौ	भवन्तः	प्र०
कर्म	भवन्तम्	भवन्तौ	भवतः	द्वि०
करण	भवता	भवद्भ्याम्	भवद्भिः	तृ०
सम्प्र०	भवते	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः	च०
अपा०	भवतः	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः	प०
सम्ब०	भवतः	भवतोः	भवताम्	ष०
अधि०	भवति	भवतोः	भवत्सु	स०
सम्बो०	हे भवन्	हे भवन्तौ	हे भवन्तः	

इति अत्वन्ताः

(148) शत्रन्तो भवत् शब्दः

कर्ता	भवन्	भवन्तौ	भवन्तः	प्र०
कर्म	भवन्तम्	भवन्तौ	भवतः	द्वि०
करण	भवता	भवद्भ्याम्	भवद्भिः	तृ०
सम्प्र०	भवते	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः	च०
अपा०	भवतः	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः	प०
सम्ब०	भवतः	भवतोः	भवताम्	ष०
अधि०	भवति	भवतोः	भवत्सु	स०
सम्बो०	हे भवन्	हे भवन्तौ	हे भवन्तः	

(149) ददत्-शब्दः, तान्तः

कर्ता	ददत्-द्	ददन्तौ	ददन्तः	प्र०
कर्म	ददतम्	ददन्तौ	ददतः	द्वि०
करण	ददता	दद्भ्याम्	दद्भिः	तृ०
सम्प्र०	ददते	दद्भ्याम्	दद्भ्यः	च०
अपा०	ददतः	दद्भ्याम्	दद्भ्यः	प०

सम्ब०	ददतः	ददतोः	ददताम्	ष०
अधि०	ददति	ददतोः	ददत्सु	स०
सम्बो०	हे ददत्-द्	हे ददतौ	हे ददतः	

(150) जक्षत्-शब्दः, तान्तः

कर्ता	जक्षत्-द्	जक्षतौ	जक्षतः	प्र०
कर्म	जक्षतम्	जक्षतौ	जक्षतः	द्वि०
करण	जक्षता	जक्षद्भ्याम्	जक्षद्भिः	तृ०
सम्प्र०	जक्षते	जक्षद्भ्याम्	जक्षद्भ्यः	च०
अपा०	जक्षतः	जक्षद्भ्याम्	जक्षद्भ्यः	प०
सम्ब०	जक्षतः	जक्षतोः	जक्षताम्	ष०
अधि०	जक्षति	जक्षतोः	जक्षत्सु	स०
सम्बो०	हे जक्षत्-द्	हे जक्षतौ	हे जक्षतः	

(151) जाग्रत्-शब्दः, तान्तः

कर्ता	जाग्रत्-द्	जाग्रतौ	जाग्रतः	प्र०
कर्म	जाग्रतम्	जाग्रतौ	जाग्रतः	द्वि०
करण	जाग्रता	जाग्रद्भ्याम्	जाग्रद्भिः	तृ०
सम्प्र०	जाग्रते	जाग्रद्भ्याम्	जाग्रद्भ्यः	च०
अपा०	जाग्रतः	जाग्रद्भ्याम्	जाग्रद्भ्यः	प०
सम्ब०	जाग्रतः	जाग्रतोः	जाग्रताम्	ष०
अधि०	जाग्रति	जाग्रतोः	जाग्रत्सु	स०
सम्बो०	हे जाग्रत्-द्	हे जाग्रतौ	हे जाग्रतः	

(152) दरिद्रत्-शब्दः, तान्तः

कर्ता	दरिद्रत्-द्	दरिद्रतौ	दरिद्रन्तः	प्र०
कर्म	दरिद्रतम्	दरिद्रतौ	दरिद्रतः	द्वि०
करण	दरिद्रता	दरिद्रभ्याम्	दरिद्रभिः	तृ०
सम्प्र०	दरिद्रते	दरिद्रभ्याम्	दरिद्रभ्यः	च०
अपा०	दरिद्रतः	दरिद्रभ्याम्	दरिद्रभ्यः	प०
सम्ब०	दरिद्रतः	दरिद्रतोः	दरिद्रताम्	ष०

अधि०	दरिद्रति	दरिद्रतोः	दरिद्रत्सु	स०
सम्बो०	हे दरिद्रत्-द्	हे दरिद्रतौ	हे दरिद्रतः	

(153) शासत्-शब्दः, तान्तः

कर्ता	शासत्-द्	शासतौ	शासतः	प्र०
कर्म	शासतम्	शासतौ	शासतः	द्वि०
करण	शासता	शासद्भ्याम्	शासद्भिः	तृ०
सम्प्र०	शासते	शासद्भ्याम्	शासद्भ्यः	च०
अपा०	शासतः	शासद्भ्याम्	शासद्भ्यः	प०
सम्ब०	शासतः	शासतोः	शासताम्	ष०
अधि०	शासति	शासतोः	शासत्सु	स०
सम्बो०	हे शासत्-द्	हे शासतौ	हे शासतः	

(154) चकासत्-शब्दः, तान्तः

कर्ता	चकासत्-द्	चकासतौ	चकासतः	प्र०
कर्म	चकासतम्	चकासतौ	चकासतः	द्वि०
करण	चकासता	चकासद्भ्याम्	चकासद्भिः	तृ०
सम्प्र०	चकासते	चकासद्भ्याम्	चकासद्भ्यः	च०
अपा०	चकासतः	चकासद्भ्याम्	चकासद्भ्यः	प०
सम्ब०	चकासतः	चकासतोः	चकासताम्	ष०
अधि०	चकासति	चकासतोः	चकासत्सु	स०
सम्बो०	हे चकासत्-द्	हे चकासतौ	हे चकासतः	

(155) गुप्-शब्दः, तान्तः

कर्ता	गुप्-ब्	गुपौ	गुपः	प्र०
कर्म	गुपम्	गुपौ	गुपः	द्वि०
करण	गुपा	गुब्भ्याम्	गुब्भिः	तृ०
सम्प्र०	गुपे	गुब्भ्याम्	गुब्भ्यः	च०
अपा०	गुपः	गुब्भ्याम्	गुब्भ्यः	प०
सम्ब०	गुपः	गुपोः	गुपाम्	ष०
अधि०	गुपि	गुपोः	गुप्सु	स०
सम्बो०	हे गुप्-ब्	हे गुपौ	हे गुपः	

(156) विश्-शब्दः, शान्तः

कर्ता	विट्-ङ्	विशौ	विशः	प्र०
कर्म	विशाम्	विशौ	विशः	द्वि०
करण	विशा	विड्भ्याम्	विड्भिः	तृ०
सम्प्र०	विशे	विड्भ्याम्	विड्भ्यः	च०
अपा०	विशः	विड्भ्याम्	विड्भ्यः	प०
सम्ब०	विशः	विशोः	विशाम्	ष०
अधि०	विशि	विशोः	विट्सु-विट्सु	स०
सम्बो०	हे विट्-ङ्	हे विशौ	हे विशः	

(157) शकारान्तः तादृश-शब्दः

कर्ता	तादृक्-ग्	तादृशौ	तादृशः	प्र०
कर्म	तादृशम्	तादृशौ	तादृशः	द्वि०
करण	तादृशा	तादृग्भ्याम्	तादृग्भिः	तृ०
सम्प्र०	तादृशे	तादृग्भ्याम्	तादृग्भ्यः	च०
अपा०	तादृशः	तादृग्भ्याम्	तादृग्भ्यः	प०
सम्ब०	तादृशः	तादृशोः	तादृशाम्	ष०
अधि०	तादृशि	तादृशोः	तादृक्षु	स०
सम्बो०	हे तादृक्-ग्	हे तादृशौ	हे तादृशः	

(158) नश्-शब्दः, शकारान्तः

कर्ता	नक्-ग्, नट्-ङ्	नशौ	नशः	प्र०
कर्म	नशम्	नशौ	नशः	द्वि०
करण	नशा	नग्भ्याम्-नट्भ्यां	नग्भिः-नट्भिः	तृ०
सम्प्र०	नशे	नग्भ्याम्-नट्भ्यां	नग्भ्यः-नट्भ्यः	च०
अपा०	नशः	नग्भ्याम्-नट्भ्यां	नग्भ्यः-नट्भ्यः	प०
सम्ब०	नशः	नशोः	नशाम्	ष०
अधि०	नशि	नशोः	नक्षु-नट्सु-नट्सु	स०
सम्बो०	हे नक्-ग्, नट्-ङ्	हे नशौ	हे नशः	

(159) घृत स्पृश्-शब्दः, शान्तः

कर्ता	घृतस्पृक्-ग्	घृतस्पृशौ	घृतस्पृशः	प्र०
कर्म	घृतस्पृशाम्	घृतस्पृशौ	घृतस्पृशः	द्वि०
करण	घृतस्पृशा	घृतस्पृग्भ्याम्	घृतस्पृग्भिः	तृ०
सम्प्र०	घृतस्पृशे	घृतस्पृग्भ्याम्	घृतस्पृग्भ्यः	च०
अपा०	घृतस्पृशः	घृतस्पृग्भ्याम्	घृतस्पृग्भ्यः	प०
सम्ब०	घृतस्पृशः	घृतस्पृशोः	घृतस्पृशाम्	ष०
अधि०	घृतस्पृशि	घृतस्पृशोः	घृतस्पृक्षु	स०
सम्बो०	हे घृतस्पृक्-ग्	हे घृतस्पृशौ	हे घृतस्पृशः	

इति शान्ताः

(160) षकारान्तो दधृष्-शब्दः

कर्ता	दधृक्-ग्	दधृषौ	दधृषः	प्र०
कर्म	दधृषम्	दधृषौ	दधृषः	द्वि०
करण	दधृषा	दधृग्भ्याम्	दधृग्भिः	तृ०
सम्प्र०	दधृषे	दधृग्भ्याम्	दधृग्भ्यः	च०
अपा०	दधृषः	दधृग्भ्याम्	दधृग्भ्यः	प०
सम्ब०	दधृषः	दधृषोः	दधृषाम्	ष०
अधि०	दधृषि	दधृषोः	दधृक्षु	स०
सम्बो०	हे दधृक्-ग्	हे दधृषौ	हे दधृषः	

(161) रत्नानिमुष्ठातिति, रत्नमुष्-शब्दः षकारान्तः

कर्ता	रत्नमुट्-ङ्	रत्नमुषौ	रत्नमुषः	प्र०
कर्म	रत्नमुषम्	रत्नमुषौ	रत्नमुषः	द्वि०
करण	रत्नमुषा	रत्नमुट्भ्याम्	रत्नमुट्भिः	तृ०
सम्प्र०	रत्नमुषे	रत्नमुट्भ्याम्	रत्नमुट्भ्यः	च०
अपा०	रत्नमुषः	रत्नमुट्भ्याम्	रत्नमुट्भ्यः	प०
सम्ब०	रत्नमुषः	रत्नमुषोः	रत्नमुषाम्	ष०
अधि०	रत्नमुषि	रत्नमुषोः	रत्नमुट्सु-	स०
			रत्नमुट्सुं	
सम्बो०	हे रत्नमुट्-ङ्	हे रत्नमुषौ	हे रत्नमुषः	

(162) नित्यबहुवचनान्तषकारान्तः, षष् शब्दः

प्र०-षट्-ङ्	द्वि०-षट्-ङ्	तृ०-षड्भिः	च०-षड्भ्यः
प०-षड्भ्यः	ष०-षण्णाम्	स०-षट्सु-षट्सु	सम्बो०-हे षट्-ङ्

(163) षकारान्तः पिपठिष्-शब्दः

कर्ता	पिपठीः	पिपठिषौ	पिपठिषः	प्र०
कर्म	पिपठिषम्	पिपठिषौ	पिपठिषः	द्वि०
करण	पिपठिषा	पिपठीभ्याम्	पिपठीभिः	तृ०
सम्प्र०	पिपठिषे	पिपठीभ्याम्	पिपठीभ्यः	च०
अपा०	पिपठिषः	पिपठीभ्याम्	पिपठीभ्यः	प०
सम्ब०	पिपठिषः	पिपठिषोः	पिपठिषाम्	ष०
अधि०	पिपठिषि	पिपठिषोः	पिपठीष्णु-	स०
			पिपठीषुः	
सम्बो०	हे पिपठीः	हे पिपठिषौ	हे पिपठिषः	

(164) चिकीर्ष-शब्दः, षकारान्तः

कर्ता	चिकीः	चिकीर्षौ	चिकीर्षः	प्र०
कर्म	चिकीर्षम्	चिकीर्षौ	चिकीर्षः	द्वि०
करण	चिकीर्षा	चिकीर्ष्याम्	चिकीर्षिः	तृ०
सम्प्र०	चिकीर्षे	चिकीर्ष्याम्	चिकीर्ष्यः	च०
अपा०	चिकीर्षः	चिकीर्ष्याम्	चिकीर्ष्यः	प०
सम्ब०	चिकीर्षः	चिकीर्षोः	चिकीर्षाम्	ष०
अधि०	चिकीर्षि	चिकीर्षोः	चिकीर्षु	स०
सम्बो०	हे चिकीः	हे चिकीर्षौ	हे चिकीर्षः	

इतिषान्ताः

(165) पुम्स्-शब्दः सकारान्तः

कर्ता	पुमान्	पुमांसौ	पुमांसः	प्र०
कर्म	पुमांसम्	पुमांसौ	पुंसः	द्वि०
करण	पुंसा	पुम्भ्याम्	पुम्भिः	तृ०
सम्प्र०	पुंसे	पुम्भ्याम्	पुम्भ्यः	च०

अपा०	पुंसः	पुम्भ्याम्	पुम्भ्यः	प०
सम्ब०	पुंसः	पुंसोः	पुंसाम्	ष०
अधि०	पुंसि	पुंसोः	पुंसु	स०
सम्बो०	हे पुमन्	हे पुमांसौ	हे पुमांसः	

(166) विद्वस्-शब्दः

कर्ता	विद्वान्	विद्वांसौ	विद्वांसः	प्र०
कर्म	विद्वान्सम्	विद्वांसौ	विदुषः	द्वि०
करण	विदुषा	विद्वद्भ्याम्	विद्वद्भिः	तृ०
सम्प्र०	विदुषे	विद्वद्भ्याम्	विद्वद्भ्यः	च०
अपा०	विदुषः	विद्वद्भ्याम्	विद्वद्भ्यः	प०
सम्ब०	विदुषः	विदुषोः	विदुषाम्	ष०
अधि०	विदुषि	विदुषोः	विद्वत्सु	स०
सम्बो०	हे विद्वन्	हे विद्वांसौ	हे विद्वांसः	

(167) उशनस्-शब्दः

कर्ता	उशाना	उशनसौ	उशनसः	प्र०
कर्म	उशनसम्	उशनसौ	उशनसः	द्वि०
करण	उशनसा	उशनोभ्याम्	उशनोभिः	तृ०
सम्प्र०	उशनसे	उशनोभ्याम्	उशनोभ्यः	च०
अपा०	उशनसः	उशनोभ्याम्	उशनोभ्यः	प०
सम्ब०	उशनसः	उशनसोः	उशनसाम्	ष०
अधि०	उशनसि	उशनसोः	उशनःसु उशनस्सु	स०
सम्बो०	हे उशनन्-	हे उशनसौ	हे उशनसः	
	हे उशनः, हे उशन			

(168) अनेहस्-शब्दः

कर्ता	अनेहा	अनेहसौ	अनेहसः	प्र०
कर्म	अनेहसम्	अनेहसौ	अनेहसः	द्वि०
करण	अनेहसा	अनेहोभ्याम्	अनेहोभिः	तृ०
सम्प्र०	अनेहसे	अनेहोभ्याम्	अनेहोभ्यः	च०

अपा०	अनेहसः	अनेहोभ्याम्	अनेहोभ्यः	प०
सम्ब०	अनेहसः	अनेहसोः	अनेहसाम्	ष०
अधि०	अनेहसि	अनेहसोः	अनेहस्सु-अनेहःसु	स०
सम्बो०	हे अनेहः	हे अनेहसौ	हे अनेहसः	

(169) वेधस्-शब्दः

कर्ता	वेधाः	वेधसौ	वेधसः	प्र०
कर्म	वेधसम्	वेधसौ	वेधसः	द्वि०
करण	वेधसा	वेधोभ्याम्	वेधोभिः	तृ०
सम्प्र०	वेधसे	वेधोभ्याम्	वेधोभ्यः	च०
अपा०	वेधसः	वेधोभ्याम्	वेधोभ्यः	प०
सम्ब०	वेधसः	वेधसोः	वेधसाम्	ष०
अधि०	वेधसि	वेधसोः	वेधःसु-वेधस्सु	स०
सम्बो०	हे वेधः	हे वेधसौ	हे वेधसः	

(170) अदस्-शब्दः

कर्ता	असौ	अमू	अमी	प्र०
कर्म	अमुम्	अम्	अमून्	द्वि०
करण	अमुना	अमूभ्याम्	अमीभिः	तृ०
सम्प्र०	अमुष्मै	अमूभ्याम्	अमीभ्यः	च०
अपा०	अमुष्मात्	अमूभ्याम्	अमीभ्यः	प०
सम्ब०	अमुष्य	अमुयोः	अमीषाम्	ष०
अधि०	अमुष्मिन्	अमुयोः	अमीषु	स०

इति सान्ताः, इति हलन्तपुल्लिङ्गप्रकरणम्

अथ हलन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणम्

(171) उपानह्-शब्दः, हान्तः

कर्ता	उपानत्-द्	उपानहौ	उपानहः	प्र०
कर्म	उपानहम्	उपानहौ	उपानहः	द्वि०
करण	उपानहा	उपानद्भ्याम्	उपानद्भिः	तृ०
सम्प्र०	उपानहे	उपानद्भ्याम्	उपानद्भ्यः	च०

अपा०	उपानहः	उपानद्भ्याम्	उपानद्भ्यः	प०
सम्ब०	उपानहः	उपानहोः	उपानहाम्	ष०
अधि०	उपानहि	उपानहोः	उपानत्सु	स०
सम्बो०	हे उपानत्-द्	हे उपानहौ	हे उपानहः	

(172) उष्णिह्-शब्दः, इकारान्तः

कर्ता	उष्णिक्-ग्	उष्णिहौ	उष्णिहः	प्र०
कर्म	उष्णिहम्	उष्णिहौ	उष्णिहः	द्वि०
करण	उष्णिहा	उष्णिग्भ्याम्	उष्णिग्भिः	तृ०
सम्प्र०	उष्णिहे	उष्णिग्भ्याम्	उष्णिग्भ्यः	च०
अपा०	उष्णिहः	उष्णिग्भ्याम्	उष्णिग्भ्यः	प०
सम्ब०	उष्णिहः	उष्णिहोः	उष्णिहाम्	ष०
अधि०	उष्णिहि	उष्णिहोः	उष्णित्सु	स०
सम्बो०	हे उष्णिक्-ग्	हे उष्णिहौ	हे उष्णिहः	

इतिहान्ताः

(173) दिव्-शब्दः, वकारान्तः

कर्ता	द्यौः	दिवौ	दिवः	प्र०
कर्म	दिवम्	दिवौ	दिवः	द्वि०
करण	दिवा	द्युभ्याम्	द्युभिः	तृ०
सम्प्र०	दिवे	द्युभ्याम्	द्युभ्यः	च०
अपा०	दिवः	द्युभ्याम्	द्युभ्यः	प०
सम्ब०	दिवः	दिवोः	दिवाम्	ष०
अधि०	दिवि	दिवोः	द्युषु	स०
सम्बो०	हे द्यौ	हे दिवौ	हे दिवः	

(174) गिर्-शब्दः, रेफान्तः

कर्ता	गीः	गिरौ	गिरः	प्र०
कर्म	गिरम्	गिरौ	गिरः	द्वि०
करण	गिरा	गीर्भ्याम्	गीर्भिः	तृ०
सम्प्र०	गिरे	गीर्भ्याम्	गीर्भ्यः	च०

अपा०	गिरः	गीर्भ्याम्	गीर्भ्यः	प०
सम्ब०	गिरः	गिरोः	गिराम्	ष०
अधि०	गिरि	गिरोः	गीर्षु	स०

(175) पुर-शब्दः, रेफान्तः

कर्ता	पूः	पुरौ	पुरः	प्र०
कर्म	पुरम्	पुरौ	पुरः	द्वि०
करण	पुरा	पूर्याम्	पूरिभिः	तृ०
सम्प्र०	पुरे	पूर्याम्	पूर्य्यः	च०
अपा०	पुरः	पूर्याम्	पूर्य्यः	प०
सम्ब०	पुरः	पुरोः	पुराम्	ष०
अधि०	पुरि	पुरोः	पूर्यु	स०
सम्बो०	हे पूः	हे पुरौ	हे पुरः	

(176) नित्य-बहुवचनान्तः चतुर् शब्दः

प्र०-चतस्रः	द्वि०-चतस्रः	तृ०-चतसृभिः	च०-चतसृभ्यः
प०-चतसृभ्यः	ष०-चतसृणाम्	स०-चतसृषु	स०-हे चतस्र

(177) किम् शब्दः, मकारान्तः

कर्ता	का	के	काः	प्र०
कर्म	काम्	के	काः	द्वि०
करण	कया	काभ्याम्	काभिः	तृ०
सम्प्र०	कस्यै	काभ्याम्	काभ्यः	च०
अपा०	कस्याः	काभ्याम्	काभ्यः	प०
सम्ब०	कस्याः	कयोः	कासाम्	ष०
अधि०	कस्याम्	कयोः	कासु	स०

(178) त्यददि-इदम् शब्दः, मकारान्तः

कर्ता	इयम्	इमे	इमाः	प्र०
कर्म	इमाम्	इमे	इमाः	द्वि०
करण	अनया	आभ्याम्	आभिः	तृ०
सम्प्र०	अस्यै	आभ्याम्	आभ्यः	च०

अपा०	अस्याः	आभ्याम्	आभ्यः	प०
सम्ब०	अस्याः	अनयोः	आसाम्	ष०
अधि०	अस्याम्	अनयोः	आसु	स०

(179) त्वादि-त्यद् शब्दः, दकारान्तः

कर्ता	स्या	त्ये	त्याः	प्र०
कर्म	त्याम्	त्ये	त्याः	द्वि०
करण	त्यया	त्याभ्याम्	त्याभिः	तृ०
सम्प्र०	त्यस्यै	त्याभ्याम्	त्याभ्यः	च०
अपा०	त्यस्याः	त्याभ्याम्	त्याभ्यः	प०
सम्ब०	त्यस्याः	त्ययोः	त्यासाम्	ष०
अधि०	त्यस्याम्	त्ययोः	त्यासु	स०

(180) त्यदि-तद् शब्दः, दकारान्तः

कर्ता	सा	ते	ताः	प्र०
कर्म	ताम्	ते	ताः	द्वि०
करण	तया	ताभ्याम्	ताभिः	तृ०
सम्प्र०	तस्यै	ताभ्याम्	ताभ्यः	च०
अपा०	तस्याः	ताभ्याम्	ताभ्यः	प०
सम्ब०	तस्याः	तयोः	तासाम्	ष०
अधि०	तस्याम्	तयोः	तासु	स०

एवमेव यद् एतद्-शब्दस्यापि रूपाणि ।

(181) वाच्-शब्दः, चकारान्तः

कर्ता	वाक्-ग्	वाचौ	वाचः	प्र०
कर्म	वाचम्	वाचौ	वाचः	द्वि०
करण	वाचा	वाग्भ्याम्	वाग्भिः	तृ०
सम्प्र०	वाचे	वाग्भ्याम्	वाग्भ्यः	च०
अपा०	वाचः	वाग्भ्याम्	वाग्भ्यः	प०
सम्ब०	वाचः	वाचोः	वाचाम्	ष०
अधि०	वाचि	वाचोः	वाक्षु	स०
सम्बो०	हे वाक्-ग्	हे वाचौ	हे वाचः	

(182) अप्-शब्दो नित्यं बहुवचनान्तः

प्र०-आपः	द्वि०-अपः	तृ०-अद्भिः	च०-अद्भ्यः
प०-अद्भ्यः	ष०-अपाम्	स०-अप्सु	स०-हे आपः

(183) दिश्-शब्दः, शकारान्तः

कर्ता	दिक्-ग्	दिशौ	दिशः	प्र०
कर्म	दिशम्	दिशौ	दिशः	द्वि०
करण	दिशा	दिग्भ्याम्	दिग्भिः	तृ०
सम्प्र०	दिशे	दिग्भ्याम्	दिग्भ्यः	च०
अपा०	दिशः	दिग्भ्याम्	दिग्भ्यः	प०
सम्ब०	दिशः	दिशोः	दिशाम्	ष०
अधि०	दिशि	दिशोः	दिक्षु	स०
सम्बो०	हे दिक्-ग्	हे दिशौ	हे दिशः	

(184) दृश् शब्दः शकारान्तः

कर्ता	दृक्-ग्	दृशौ	दृशः	प्र०
कर्म	दृशम्	दृशौ	दृशः	द्वि०
करण	दृशा	दृग्भ्याम्	दृग्भिः	तृ०
सम्प्र०	दृशे	दृग्भ्याम्	दृग्भ्यः	च०
अपा०	दृशः	दृग्भ्याम्	दृग्भ्यः	प०
सम्ब०	दृशः	दृशोः	दृशाम्	ष०
अधि०	दृशि	दृशोः	दृक्षु	स०
सम्बो०	हे दृक्-ग्	हे दृशौ	हे दृशः	

(185) त्विष्-शब्दः षकारान्तः

कर्ता	त्विट्-ङ्	त्विषौ	त्विषः	प्र०
कर्म	त्विषम्	त्विषौ	त्विषः	द्वि०
करण	त्विषा	त्विङ्भ्याम्	त्विङ्भिः	तृ०
सम्प्र०	त्विषे	त्विङ्भ्याम्	त्विङ्भ्यः	च०
अपा०	त्विषः	त्विङ्भ्याम्	त्विङ्भ्यः	प०
सम्ब०	त्विषः	त्विषोः	त्विषाम्	ष०

अधि०	त्विषि	त्विषोः	त्विट्सु-त्विट्सु	स०
सम्बो०	हे त्विट्-ङ्	हे त्विषौ	हे त्विषः	

(186) सजुष्-शब्दः षान्तः

कर्ता	सजूः	सजुषौ	सजुषः	प्र०
कर्म	सजुषम्	सजुषौ	सजुषः	द्वि०
करण	सजुषा	सजूर्भ्याम्	सजूभिः	तृ०
सम्प्र०	सजुषे	सजूर्भ्याम्	सजूर्भ्यः	च०
अपा०	सजुषः	सजूर्भ्याम्	सजूर्भ्यः	प०
सम्ब०	सजुषः	सजुषोः	सजुषाम्	ष०
अधि०	सजुषि	सजुषोः	सजूष्णु, सजूःषु	स०
सम्बो०	हे सजू	हे सजुषौ	हे सजुषः	

(187) आशिष्-शब्दः षान्तः

कर्ता	आशीः	आशिषौ	आशिषः	प्र०
कर्म	आशिषम्	आशिषौ	आशिषः	द्वि०
करण	आशिषा	आशीर्भ्याम्	आशीभिः	तृ०
सम्प्र०	आशिषे	आशीर्भ्याम्	आशीर्भ्यः	च०
अपा०	आशिषः	आशीर्भ्याम्	आशीर्भ्यः	प०
सम्ब०	आशिषः	आशिषोः	आशिषाम्	ष०
अधि०	आशिषि	आशिषोः	आशीष्णु-	स०
			आशीःषु	
सम्बो०	हे आशीः	हे आशिषौ	हे आशिषः	

(188) अदस्-शब्दः सकारान्तः

कर्ता	असौ	अमू	अमूः	प्र०
कर्म	अमूम्	अमू	अमूः	द्वि०
करण	अमुया	अमूभ्याम्	अमूभिः	तृ०
सम्प्र०	अमूष्यै	अमूभ्याम्	अमूभ्यः	च०
अपा०	अमुष्याः	अमूभ्याम्	अमूभ्यः	प०
सम्ब०	अमुष्याः	अमुयोः	अमूषाम्	ष०
अधि०	अमुष्या	अमुयोः	अमूषु	स०

इति हलन्त स्त्रीलिङ्गप्रकरणम् ।

अथ हलन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्

(189) स्वनडुह्-शब्दो हान्तः

कर्ता	स्वनडुत्-द्	स्वनडुही	स्वनड्वाहि	प्र०
कर्म	स्वनडुत्-द्	स्वनडुही	स्वनड्वाहि	द्वि०
करण	स्वनडुहा	स्वनडुद्भ्याम्	स्वनडुद्भिः	तृ०
सम्प्र०	स्वनडुहे	स्वनडुद्भ्याम्	स्वनडुद्भ्यः	च०
अपा०	स्वनडुहः	स्वनडुद्भ्याम्	स्वनडुद्भ्यः	प०
सम्ब०	स्वनडुहः	स्वनडुहोः	स्वनडुहाम्	ष०
अधि०	स्वनडुहि	स्वनडुहोः	स्वनडुत्सु	स०
सम्बो०	हे स्वनडुत्-द्	हे स्वनडुही	हे स्वनड्वाहि	

(190) वार्-शब्दः रेफान्तः

कर्ता	वाः, वारि	वारी, वारिणी	वारि, वारीणि	प्र०
कर्म	वाः, वारि	वारी, वारिणी	वारि, वारीणि	द्वि०
करण	वारा, वारिणा	वार्याम्, वारिभ्याम्	वारिभिः, वारिभिः	तृ०
सम्प्र०	वारे, वारिणे	वार्याम्, वारिभ्याम्	वार्यः, वारिभ्यः	च०
अपा०	वारः, वारिणः	वार्याम्, वारिभ्याम्	वार्यः, वारिभ्यः	प०
सम्ब०	वारः, वारिणः	वारोः, वारिणोः	वाराम्, वारीणाम्	ष०
अधि०	वारि, वारिणि	वारोः, वारिणोः	वार्षु, वारिषु	स०
सम्बो०	हे वाः, हे वारि	हे वारी, हे वारिणी	हे वारि, हे वारीणि	

(191) रेफान्तः, चतुर शब्दो बहुवचनतः

प्र०-चत्वारि	द्वि०-चत्वारि	तृ०-चतुर्भिः	च०-चतुर्थ्यः
प०-चतुर्थ्यः	ष०-चतुर्णाम्	स०-चतुर्षु	स०-हे -चत्वारि

(192) किम्-शब्दो मान्तः

कर्ता	किम्	के	कानि	प्र०
कर्म	किम्	के	कानि	द्वि०
करण	केन	काभ्याम्	कैः	तृ०
सम्प्र०	कस्मै	काभ्याम्	केभ्यः	च०
अपा०	कस्मात्	काभ्याम्	केभ्यः	प०

सम्ब०	कस्य	कयोः	केषाम्	ष०
अधि०	कस्मिन्	कयोः	केषु	स०

(193) इदम्-शब्दो नान्तः

कर्ता	इदम्	इमे	इमानि	प्र०
कर्म	इदम्-एनत्-द्	इमे-एने	इमानि-एनानि	द्वि०
करण	अनेन	आभ्याम्	एभिः	तृ०
सम्प्र०	अस्मै	आभ्याम्	एभ्यः	च०
अपा०	अस्मात्	आभ्याम्	एभ्यः	प०
सम्ब०	अस्य	अनयोः-एनयोः	एषाम्	ष०
अधि०	अस्मिन्	अनयोः-एनयोः	एषु	स०

अन्नादेशे नपुंसके एनदवक्तव्यः तदा तु एनत् आदयेः।

(194) अहन्-शब्दः नान्तः

कर्ता	अह्नी	अह्नी, अहनी	अहानि	प्र०
कर्म	अह्नी	अह्नी, अहनी	अहानि	द्वि०
करण	अह्ना	अहोभ्याम्	अहोभिः	तृ०
सम्प्र०	अह्ने	अहोभ्याम्	अहोभ्यः	च०
अपा०	अहः	अहोभ्याम्	अहोभ्यः	प०
सम्ब०	अहः	अहोः	अहाम्	ष०
अधि०	अहि-अहि	अहोः	अहस्सु-अहःसु	स०
सम्बो०	हे अहः	हे अह्नी-अहनी	हे अहानि	

(195) दण्डिन्-शब्दो नान्तः

कर्ता	दण्डि	दण्डिनी	दण्डीनि	प्र०
कर्म	दण्डि	दण्डिनी	दण्डीनि	द्वि०
करण	दण्डिना	दण्डिभ्याम्	दण्डिभिः	तृ०
सम्प्र०	दण्डिने	दण्डिभ्याम्	दण्डिभ्यः	च०
अपा०	दण्डिनः	दण्डिभ्याम्	दण्डिभ्यः	प०
सम्ब०	दण्डिनः	दण्डिनोः	दण्डीनाम्	ष०
अधि०	दण्डिनि	दण्डिनोः	दण्डिषु	स०
सम्बो०	हे दण्डिन्	हे दण्डिनी	हे दण्डीनि	

(196) सुपथिन्-शब्दो नान्तः

कर्ता	सुपथि	सुपथी	सुपन्थानि	प्र०
कर्म	सुपथि	सुपथी	सुपथानि	द्वि०
करण	सुपथा	सुपथिभ्याम्	सुपथिभिः	तृ०
सम्प्र०	सुपथे	सुपथिभ्याम्	सुपथिभ्यः	च०
अपा०	सुपथः	सुपथिभ्याम्	सुपथिभ्यः	प०
सम्ब०	सुपथः	सुपथोः	सुपथाम्	ष०
अधि०	सुपथि	सुपथोः	सुपथिषु	स०
सम्बो०	हे सुपथिन्	हे सुपथी	हे सुपन्थानि	

(197) ऊर्ज्-शब्दः जकारान्तः

कर्ता	उर्क्-र्ग	ऊर्जी	ऊर्जि	प्र०
कर्म	ऊर्क्-र्ग	ऊर्जी	ऊर्जि	द्वि०
करण	ऊर्जा	ऊर्ज्याम्	ऊर्जिभिः	तृ०
सम्प्र०	ऊर्जे	ऊर्ज्याम्	ऊर्ज्यः	च०
अपा०	ऊर्जः	ऊर्ज्याम्	ऊर्ज्यः	प०
सम्ब०	ऊर्जः	ऊर्जोः	ऊर्जाम्	ष०
अधि०	ऊर्जि	ऊर्जोः	ऊर्जु	स०
सम्बो०	हे ऊर्क्-र्ग	हे ऊर्जी	हे ऊर्जि	

(198) तद्-शब्दो दकारान्तः

कर्ता	तत्-तद्	ते	तानि	प्र०
कर्म	तत्-तद्	ते	तानि	द्वि०
करण	तेन	ताभ्याम्	तैः	तृ०
सम्प्र०	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः	च०
अपा०	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः	प०
सम्ब०	तस्य	तयोः	तेषाम्	ष०
अधि०	तस्मिन्	तयोः	तेषु	स०

(199) यद्-शब्दः दान्तः

कर्ता	यत्-यद्	ये	यानि	प्र०
कर्म	यत्-यद्	ये	यानि	द्वि०

करण	येन	याभ्याम्	यैः	तृ०
सम्प्र०	यस्यै	याभ्याम्	येभ्यः	च०
अपा०	यस्मात्	याभ्याम्	येभ्यः	प०
सम्ब०	यस्य	ययोः	येषाम्	ष०
अधि०	यस्मिन्	ययोः	येषु	स०

(200) एतद्-शब्दः दकारान्तः-अन्नादेशे तु एनत्

कर्ता	एतत्-द्	एते	एतानि	प्र०
कर्म	एतत्-द्	एते	एतानि	द्वि०
करण	एतेन	एताभ्याम्	एतैः	तृ०
सम्प्र०	एतस्मै	एताभ्याम्	एतेभ्यः	च०
अपा०	एतस्मात्	एताभ्याम्	एतेभ्यः	प०
सम्ब०	एतस्य	एतयोः	एतेषाम्	ष०
अधि०	एतस्मिन्	एतयोः	एतेषु	स०

(201) चकारान्तः, गवाच्-शब्दः

प्रथमा (कर्ता) [16]

एक०	गतौ-गवाक्-गवाग्-गोअक्-गोअग-गोऽक्-गोऽग्,	
	पूजायां-गवाङ्-गोअङ्-गोऽङ्	(9)
द्वि०	गोची-गवांची-गोअंची-गोऽञ्चि	(4)
बहु०	गवांचि-गोअंचि-गोंचि	(3)

द्वितीया (कर्म) [16]

एक०	गतौ-गवाक्-गवाग्-गोअक्-गोअग-गोऽक्-गोऽग्,	
	पूजायां-गवाङ्-गोअङ्-गोऽङ्	(9)
द्वि०	गोची-गवांची-गोअंची-गोंची	(4)
बहु०	गवांचि-गोअंचि-गोंचि	(4)

तृतीया (करण) [16]

एक०	गोचा-गवांचा-गोंचा	(4)
द्वि०	गतौ-गवाग्भ्याम्-गोअग्भ्याम्-गोऽग्भ्याम्,	
	पूजायां-गवाङ्भ्याम्-गोअङ्भ्याम्-गोऽङ्भ्याम्	(6)

बहु०	गवाग्भिः-गोअग्भिः गोऽग्भिः पूजायां-गवाड्भिः-गोअड्भिः-गोऽड्भिः	(6)
------	--	-----

चतुर्थी (सम्प्रदान)

एक०	गोचे-गवांचे-गोअंचे-गोंऽचे	(4)
-----	---------------------------	-----

द्वि०	गतौ-गवाग्भ्याम्-गोअग्भ्याम्-गोऽग्भ्याम्, पूजायां-गवाड्भ्याम्-गोअड्भ्याम्-गोऽड्भ्याम्	(6)
-------	---	-----

बहु०	गतौ-गवाग्भ्यः-गोअग्भ्यः गोऽग्भ्यः, पूजायां-गवाड्भ्यः-गोअड्भ्यः-गोऽड्भ्यः	(6)
------	---	-----

पंचमी (अपादान) [16]

द्वि०	गतौ-गवाग्भ्याम्-गोअग्भ्याम्-गोऽग्भ्याम्, पूजायां-गवाड्भ्याम्-गोअड्भ्याम्-गोऽड्भ्याम्	(6)
-------	---	-----

बहु०	गतौ-गवाग्भ्यः-गोअग्भ्यः गोऽग्भ्यः पूजायां-गवाड्भ्यः-गोअड्भ्यः-गोऽड्भ्यः	(3)
------	--	-----

षष्ठी (सम्बन्ध) [12]

एक०	गाचः-गवांचः-गोअंचः-गाऽचः	(4)
-----	--------------------------	-----

द्वि०	गोचोः-गवांचोः-गोअंचोः-गोऽचोः	(4)
-------	------------------------------	-----

बहु०	गोचाम्-गवांचाम्-गोअंचाम्-गोंचाम्	(4)
------	----------------------------------	-----

सप्तमी (अधिकरण) [17]

एक०	गोचि-गवांचि-गोअंचि-गोंऽचि	(4)
-----	---------------------------	-----

द्वि०	गोचोः-गवांचोः-गोअंचोः-गोऽअंचोः	(4)
-------	--------------------------------	-----

बहु०	गतौ-गवाक्षु-गोअक्षु-गोक्षु पूजायां गवाड्क्षु-गोअड्क्षु-गोऽड्क्षु- गवाड्षु-ओअड्षु-गोऽड्षु	(9)
------	---	-----

एवं मिलित्वा 109 रूपाणि भवन्ति

(202) शकृत्-शब्दः तकारान्तः

कर्ता	शकृत्-द्	शकृती	शकृन्ति, शकानि प्र०
कर्म	शकृत्-द्	शकृती	शकृन्ति, शकानि द्वि०
करण	शकृता	शकृद्भ्याम्	शकृद्भिः तृ०

सम्प्र०	शकृते	शकृद्भ्याम्	शकृद्भ्यः	च०
अपा०	शकृतः	शकृद्भ्याम्	शकृद्भ्यः	प०
सम्ब०	शकृतः	शकृतोः	शकृताम्	ष०
अधि०	शकृति	शकृतोः	शकृत्सु	स०
सम्बो०	हे शकृत्-द्	हे शकृती	हे शकृन्ति, शकानि	

(203) ददत्-शब्दः, तकारान्तः

कर्ता	ददत्-द्	ददती	ददति-ददन्ति	प्र०
कर्म	ददत्-द्	ददती	ददति-ददन्ति	द्वि०
करण	ददता	ददद्भ्याम्	ददद्भिः	तृ०
सम्प्र०	ददते	ददद्भ्याम्	ददद्भ्यः	च०
अपा०	ददतः	ददद्भ्याम्	ददद्भ्यः	प०
सम्ब०	ददतः	ददतोः	ददताम्	ष०
अधि०	ददति	ददतोः	ददत्सु	स०
सम्बो०	हे ददत्-द्	हे ददती	हे ददन्ति-ददति	

(204) तुदत्-शब्दः, तकारान्तः

कर्ता	तुदत्-द्	तुदन्ती-तुदती	तुदन्ति	प्र०
कर्म	तुदत्-द्	तुदन्ती-तुदती	तुदन्ति	द्वि०
करण	तुदता	तुदद्भ्याम्	तुदद्भिः	तृ०
सम्प्र०	तुदते	तुदद्भ्याम्	तुदद्भ्यः	च०
अपा०	तुदतः	तुदद्भ्याम्	तुदद्भ्यः	प०
सम्ब०	तुदतः	तुदतोः	तुदताम्	ष०
अधि०	तुदति	तुदतोः	तुदत्सु	स०
सम्यो०	हे तुदत्-द्	हे तुदन्ती-तुदती	हे तुदन्ति	

(205) पचत्-शब्दः, तकारान्तः

कर्ता	पचत्	पचती	पचन्ति	प्र०
कर्म	पचत्	पचती	पचन्ति	द्वि०
करण	पचता	पचद्भ्याम्	पचद्भिः	तृ०
सम्प्र०	पचते	पचद्भ्याम्	पचद्भ्यः	च०

अपा०	पचतः	पचद्भ्याम्	पचद्भ्यः	प०
सम्ब०	पचतः	पचतोः	पचताम्	ष०
अधि०	पचति	पचतोः	पचत्सु	स०
सम्बो०	हे पचत्	हे पचन्ती	हे पचन्ति	

(206) दीव्यत्-शब्दः, तकारान्तः

कर्ता	दीव्यत्-द्	दीव्यन्ती	दीव्यन्ति	प्र०
कर्म	दीव्यत्-द्	दीव्यन्ती	दीव्यन्ति	द्वि०
करण	दीव्यता	दीव्यद्भ्याम्	दीव्यद्भिः	तृ०
सम्प्र०	दीव्यते	दीव्यद्भ्याम्	दीव्यद्भ्यः	च०
अपा०	दीव्यतः	दीव्यद्भ्याम्	दीव्यद्भ्यः	प०
सम्ब०	दीव्यतः	दीव्यतोः	दीव्यताम्	ष०
अधि०	दीव्यति	दीव्यतोः	दीव्यत्सु	स०
सम्बो०	हे दीव्यत्-द्	हे दीव्यन्ती	हे दीव्यन्ति	

(207) धनुष शब्दः, षकारान्तः

कर्ता	धनुः	धनुषी	धनूषि	प्र०
कर्म	धनुः	धनुषी	धनूषि	द्वि०
करण	धनुषा	धनुर्भ्याम्	धनुर्भिः	तृ०
सम्प्र०	धनुषे	धनुर्भ्याम्	धनुर्भ्यः	च०
अपा०	धनुषः	धनुर्भ्याम्	धनुर्भ्यः	प०
सम्ब०	धनुषः	धनुषोः	धनुषाम्	ष०
अधि०	धनुषि	धनुषोः	धनुषु-धनुःषु	स०
सम्बो०	हे धनुः	हे धनुषी	हे धनूषि	

(208) पयस्-शब्दः, सान्तः

कर्ता	पयः	पयसी	पयांसि	प्र०
कर्म	पयः	पयसी	पयांसि	द्वि०
करण	पयसा	पयोभ्याम्	पयोभिः	तृ०
सम्प्र०	पयसे	पयोभ्याम्	पयोभ्यः	च०
अपा०	पयसः	पयोभ्याम्	पयोभ्यः	प०

सम्ब०	पयसः	पयसोः	पयसाम्	ष०
अधि०	पयसि	पयसोः	पयस्सु-पयःसु	स०
सम्बो०	हे पयः	हे पयसी	हे पर्यासि	

(209) सुपुम्स्-शब्दः, सान्तः

कर्ता	सुपुम्	सुपुंसी	सुपुमांसि	प्र०
कर्म	सुपुम्	सुपुंसी	सुपुमांसि	द्वि०
करण	सुपुंसा	सुपुम्भ्याम्	पयोभिः	तृ०
सम्प्र०	सुपुंसे	सुपुम्भ्याम्	सुपुम्भ्यः	च०
अपा०	सुपुंसः	सुपुम्भ्याम्	सुपुम्भ्यः	प०
सम्ब०	सुपुंसः	सुपुंसोः	सुपुंसाम्	ष०
अधि०	सुपुंसि	सुपुंसोः	सुपुंसु	स०
सम्बो०	हे सुपुम्	हे सुपुंसी	हे सुपुमांसि	

(210) अदस्-शब्दः, सान्तः

कर्ता	अदः	अमू	अमूनि	प्र०
कर्म	अदः	अमू	अमूनि	द्वि०
करण	अमुना	अमूभ्याम्	अमीभिः	तृ०
सम्प्र०	अमुष्मै	अमूभ्याम्	अमीभ्यः	च०
अपा०	अमुष्मात्-द्	अमूभ्याम्	अमीभ्यः	प०
सम्ब०	अमुष्य	अमुयोः	अमीषाम्	ष०
अधि०	अमुष्मिन्	अमुयोः	अमीषु	स०

इति हलन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणं समाप्तम्

शब्दरूपानुक्रमणिका

अजन्तपुंल्लिंगप्रकरणम्

- | | |
|------------------------------------|-----------------------------------|
| 1. राम | 2. सर्व |
| 3. कतर | 4. कतम |
| 5. उभ | 6. उभय |
| 7. नेम | 8. पूर्व |
| 9. स्व | 10. प्रथम |
| 11. चरम | 12. द्वितीय |
| 13. तृतीय | 14. निर्जर |
| 15. विश्वपा | 16. हाहा |
| 17. हरि | 18. सखि |
| 19. पति | 20. भूपति |
| 21. कति | 22. त्रि शब्दो नित्यं बहुवचनान्तः |
| 23. द्वि शब्दो नित्यं द्विवचनान्तः | 24. पपी |
| 25. वातप्रमी | 26. बहुश्रेयसी |
| 27. अतिलक्ष्मी | 28. प्रधी |
| 29. ग्रामणी | 30. नी |
| 31. सुश्री | 32. सुधी |
| 33. सुखी | 34. सुती |
| 35. शम्भु | 36. क्रोष्ट्र |
| 37. हूहू | 38. अतिचमू |
| 39. खलपू | 40. सुलू |
| 41. स्वभू | 42. वर्षाभू |
| 43. दृन्भू | 44. करभू |
| 45. धातृ | 46. नप्तृ |
| 47. पितृ | 48. नृ |
| 49. गौ | 50. रै |
| 51. ग्लौ | |

अजन्त स्त्रीलिङ्गप्रकरणम्

- | | |
|-----------------------------------|-----------------------------------|
| 52. रमा | 53. दुर्गा |
| 54. सर्वा | 55. उत्तरपूर्वा |
| 56. द्वितीया | 57. अम्बा |
| 58. अक्का | 59. जरा |
| 60. गोपा | 61. मति |
| 62. बुद्धि | 63. त्रि शब्दो नित्यम्बहुवचनान्तः |
| 64. द्विशब्दो नित्यं द्विवचनान्तः | 65. गौरी |
| 66. लक्ष्मी | 67. स्त्री |
| 68. श्री | 69. प्रधी |
| 70. क्रोष्ट्र | 71. भू |
| 72. स्वयम्भू | 73. स्वसृ |
| 74. मातृ | 75. ननान्दृ |
| 76. द्यौ | 77. रै |
| 78. नौ | 79. ज्ञान |
| 80. धन | 81. कतर |
| 82. कतम | 83. अन्यतम |
| 84. एकतर | 85. श्रीपा |
| 86. वारि | 87. दधि |
| 88. सुधी | 89. मधु |
| 90. सुलु | 91. धातृ |
| 92. ज्ञातृ | 93. प्रद्यो |
| 94. प्ररै | 95. सुनौ |
| 96. लिह् | 97. दुह् |
| 98. द्रुह | 99. मुह् |
| 100. स्नुह् | 101. विश्ववाह् |
| 102. अनुडुह् | 103. तुरासाह् |
| 104. सुदिव् | 105. चतुरशब्दो नित्यं बहुवचनान्तः |
| 106. किम् | 107. इदम् |

- | | |
|-------------------------------------|---|
| 108. राजन् | 109. यज्वन् |
| 110. ब्रह्मन् | 111. वृत्रहन् |
| 112. मघवन् - नकारान्तः | 113. मघवन् - तृत्वाभावे स एव
नकारान्तः |
| 114. श्ववन् | 115. युवन् |
| 116. अर्वन् | 117. पथिन् |
| 118. मघिन् बहुवचनान्तः | 119. पंचन् शब्दो नित्यं |
| 120. अष्टन्शब्दः नित्यं बहुवचनान्तः | 121. ऋत्विज् |
| 122. युज् | 123. सुयुज् |
| 124. खंज् | 125. राज् |
| 126. विभ्राज् | 127. परिब्राज् |
| 128. विश्वराज् | 129. भृस्ज् |
| 130. त्यद् | 131. तद् |
| 132. यद् | 133. एतद् |
| 134. युष्मद् | 135. अस्मद् |
| 136. सुपाद् | 137. अग्निमथ् |
| 138. प्रांच् | 139. प्रत्पंच |
| 140. उदंच | 141. सम्यंच् |
| 142. सध्रपंच् | 143. तिर्यन्च |
| 144. नहीं | 145. क्रुंच् |
| 146. महत् | 147. धीमत् |
| 148. भवत् शब्दः अत्वन्तः | 149. भवत् शब्दः शत्रन्तो |
| 150. ददत् | 151. जक्षत् |
| 152. जाग्रत् | 153. दरिद्रत् |
| 154. शासत् | 155. चकासत् |
| 156. गुप् | 157. विश् |
| 158. तादृश् | 159. नश् |
| 160. घृतस्पृश् | 161. दधुष् |
| 162. रत्नमुष् | 163. षष् शब्दः नित्यबहुवचनान्त |
| 164. पिपठिष् | 165. चिकीर्ष |

- | | |
|-------------|-----------------------------------|
| 166. पुम्स् | 167. विद्वस् |
| 168. उशनस् | 169. अनेहस् |
| 170. बेधस् | 171. अदस् |
| 172. उपानह् | 173. उष्णिह् |
| 174. दिव् | 175. गिर् |
| 176. पुर् | 177. चतुर शब्दः नित्यबहुवचनान्तः |
| 178. किम् | 179. इदम् |
| 180. त्यद् | 181. तद् |
| 182. वाच् | 183. अप् शब्दः नित्यं बहुवचनान्तः |
| 184. दिश् | 185. दृश् |
| 186. त्विष् | 187. सजुष् |
| 188. आशिष् | 189. अदस् |

अजन्तनपुंसकलिङ्गप्रकरणम्

- | | |
|----------------------------|--------------|
| 190. स्वनडुह् | 191. वार् |
| 192. चतुरशब्दो बहुवचनान्तः | 193. किम् |
| 194. इदम् | 194. अहन् |
| 195. दण्डिन् | 196. सुपथिन् |
| 197. ऊर्ज् | 198. तद् |
| 199. यद् | 200. एतद् |
| 201. गवाच् | 202. शकृत् |
| 203. ददत् | 204. तुदत् |
| 205. पचत् | 206. दीव्यत् |
| 207. धनुष् | 208. पयस् |
| 209. सुपुम्स् | 210. अदस् |

श्रीमदन्नम्भट्टविरचितः

❖ तर्कसङ्ग्रहः ❖

स्वोपज्ञतर्कसंग्रहदीपिका-गोवर्द्धनमिश्रकृतन्यायबोधिनी-चन्द्रजसिंहकृतपदकृत्य-
गोविन्दाचार्यकृतश्रीनिवासमुखोल्लासिनी(संस्कृत)-श्रीधरमुखोल्लासिनी(हिन्दी)व्याख्यासंवलितः
कारिकावली-न्यायपदार्थकोश-लघुत्तरीयप्रश्नोत्तर-वस्तुनिष्ठप्रश्नात्मकपरिशिष्टसमलङ्कृतश्च

व्याख्याकार-गोविन्दप्रसाद शर्मा

तर्कसंग्रह न्यायशास्त्र और वैशेषिकशास्त्र का प्रारम्भिक ग्रन्थ है अथवा दोनों शास्त्र के दर्शनों व सिद्धान्तों का मिश्रित निरूपण तर्कसंग्रह में किया गया है, जिससे उक्त दोनों शास्त्रों में प्रवेश पाने में सरलता हो सके। तर्कसंग्रह में प्रमाणों के विषय में न्यायदर्शन का और प्रमेयों के विषय में वैशिष्ट्यदर्शन का अनुसरण किया गया है। अतः तर्कसंग्रह को उभयशास्त्र का प्रवेश ग्रन्थ माना जाता है।

प्रस्तुत संस्करण में पाँच व्याख्याओं के समावेश है। तर्कसंग्रहदीपिका, न्यायबोधिनी, पदकृत्य, श्रीनिवासमुखोल्लासिनी विस्तृत संस्कृतव्याख्या एवं श्रीधरमुखोल्लासिनी विस्तृत हिन्दी टीका एवं परिशिष्ट के रूप में न्यायपदार्थकोश, लघुत्तरीय प्रश्न एवं उनके उत्तर के साथ-साथ कारिकावली हिन्दी टीका सहित दी गयी है ताकि छात्र तर्कसंग्रह के अध्ययन के साथ कारिकावली का भी परायण करते रहें। लघुत्तरीय प्रश्नों में मूल तर्कसंग्रह के अनुसार प्रश्न बनाकर उनके उत्तर भी परिशिष्ट में दिये गये हैं।

संस्कृत विषय से सम्बन्धित सभी प्रतियोगिता परीक्षा
में निश्चित सफलता हेतु संस्कृत व्याकरण का सर्वाधिक
विश्वसनीय एवं प्रामाणिक संस्करण

श्रीमद्विद्वद्वर-वरदराजाचार्यप्रणीता

लघुसिद्धान्तकौमुदी

श्रीधरमुखोल्लासिनी-हिन्दी-व्याख्यासमन्विता
(पदच्छेद, समास, अनुवृत्ति, अर्थ, सूत्रार्थ, भावाथोक्त स्फोरण,
विस्तृत हिन्दीव्याख्या, प्रयोगसिद्धि के साथ उदाहरण
एवं अभ्यासार्थ प्रश्नावली सहित)

व्याख्याकारः

गोविन्द प्रसाद शर्मा (गोविन्दाचार्य)

श्रीमद्भट्टोजिदीक्षितप्रणीता

❖ वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी ❖

‘श्रीधरमुखोल्लासिनी’ हिन्दी व्याख्या-समन्वित
(दशगणी—भ्वादि से चुरादि तक)

व्याख्याकारः श्रीगोविन्दाचार्य

श्रीगुरुप्रसादशास्त्रिकृतटिप्पणीसहिता
'काशिका'-'दर्पण' संवलिता:

❖ वैयाकरणभूषणसारः ❖

संस्कर्ता:

पं. नन्दकिशोर शास्त्री, आचार्य सीताराम शास्त्री
प्रो. बाल शास्त्री

श्रीमन्नागेशभट्टविरचितः

❖ परिभाषेन्दुशेखरः ❖

'सुबोधिनी'-हिन्दीव्याख्योपेतः

व्याख्याकार

आचार्य विश्वनाथ मिश्र

महामहोपाध्यायनागेशभट्टप्रणीतः

❖ लघुशब्देन्दुशेखरः ❖

भैरवमिश्रकृत 'त्युपाह्व चन्द्रकला' टीकासहित-'वैकुण्ठो' हिन्दीव्याख्यारसमलङ्कृतः

प्रथम भाग : पञ्चसन्धयन्तो भागः

द्वितीय भाग : अजन्तपुल्लिङ्गादारभ्याव्ययीभावान्तो भागः

व्याख्याकारः

श्रीवैकुण्ठनाथ शास्त्री

श्रीमद्भगवत्पतञ्जलिविरचितं

व्याकरणमहाभाष्यम्

❧ मूलमात्रम् ❧

सम्पादक-आत्मदेवमिश्रः

प्रथम प्रकाशित विस्तृत हिन्दी व्याख्या

श्रीभट्टोजिदीक्षितविरचित

वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

श्रीधरमुखोल्लासिनी विस्तृत हिन्दी व्याख्या



व्याख्याकार : गोविन्दाचार्यः

प्रस्तुत व्याख्याग्रन्थ की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि 30 वर्षों से छात्रों को अध्यापन कराते समय ग्रन्थस्थ कठिन विषयों को सरलता से समझाने की जो प्रयोगात्मक शैली अपनायी हैं उसी शैली को लेखक ने यहाँ लिखित रूप में परिणत किया है। तात्पर्य यह है कि आज के इस वैज्ञानिक युग में प्रत्येक विषयों को वैज्ञानिक ढंग से समझाने से ही कठिन से कठिन विषय भी छात्र शीघ्र ग्रहण कर सकता है। अतः परम्परा से कठिन रूप में ग्रहण किए जाने वाले इस संस्कृत-व्याकरण को युगसापेक्ष अत्यन्त सरल एवं सुबोध बनाया है।

प्रस्तुत टीका में सूत्रों की व्याख्या करते समय सबसे पहले समास, उसके बाद विभक्ति, तदनंतर अनुवृत्ति और अधिकार, उसके बाद बोल्ल अक्षरों में सूत्रार्थ दिये गये हैं। आवश्यक स्थलों पर सूत्रों का विशेष विवरण दिया गया है एवम् उसके बाद रूप सिद्धि दिखाई गई है।

चतुर्थ भाग - दशगणी प्रकरण भवादि से चुरादि तक

(पृष्ठ संख्या-964)

पंचम भाग - णिच्प्रकरण से लकारार्थप्रकरण तक

(पृष्ठ संख्या-600)

सम्पूर्ण सातों खण्डों में - (शेष भाग-शीघ्र)

श्रीमद्विद्वद्वर-वरदराजाचार्यप्रणीता

लघुसिद्धान्तकौमुदी

श्रीधरमुखोल्लासिनी-हिन्दी-व्याख्यासमन्विता

(पदच्छेद, समास, अनुवृत्तिक्रम, सूत्रार्थ, भावार्थों का स्फोरण,
विस्तृत हिन्दीव्याख्या, प्रयोगसिद्धि के साथ उदाहरण
एवं अभ्यासार्थ प्रश्नावली सहित)

व्याख्याकारः

गोविन्द प्रसाद शर्मा (गोविन्दाचार्य)

प्राप्ति स्थान

चौखम्बा पब्लिशिंग हाऊस

4697/2, 21-ए, अंसारी रोड,
दरियागंज नई दिल्ली - 110002

दूरभाष : (011) 23286537

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

के - 37/117 गोपाल मंदिर लेन

वाराणसी-221001

दूरभाष : (0542) 2335263